पुप्फभिक्खुणा संपादिओ

जइणथाणग 'रेल्वे रोड' गुडगामछावणीपुव्वपंचालत्थ-
सिरिसुत्तागमपगासगसमिइमंतिणा 'बाबू रामलाल जैन'
इत्तणेण समिइअट्ठा पगासमाणीओ य।

संवच्छरं २४८०] विक्कमवरिसं २०११ [काइट्ठं १९५४

मा आवित्ती] पईणं सहस्सं [मुल्लं ३७

प्रकाशक-बाबू रामलाल जैन तहसीलदार
मंत्री-श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमिति
जैनस्थानक, रेल्वे रोड, गुड़गाँव-छावनी
(पूर्व-पंजाब)

मुद्रक—
लक्ष्मीबाई नारायण चौधरी, निर्णयसागर प्रेस,
२६।२८ कोलभाट स्ट्रीट, मुंबई नं. २

SUTTĀGAME VOLUME II

(Containing next 21 Sūtras)

Critically edited by

Muni ŚRĪ PHŪLCHANDJĪ MAHARĀJ

Published by

BABŪ RAMLĀL JAIN, TAHSĪLDĀR

Secretary of

SRĪ SŪTRĀGAMA PRAKĀŚAKA SAMITI

GURGĀON CANTT (E. P.)

V. E. 2011 1954 A. D.

FIRST EDITION] 1000 COPIES [PRICE 26 Rs.

Published by -
Babu Ramlal Jain, Tahsildar
Secretary of
Śrī Sūtrāgama Prakāśaka Samiti
Gurgaon cantt (E. P.)

Printed by :-
Laxmibai Narayan Chaudhari
at the Nirnaya Sagar Press,
26-28, Kolbhat Street, BOMBAY 2.

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमिति
के
स्थापन करने का कारण

श्रीज्ञातपुत्र महावीर जैनसंघीय मुनिश्री फूलचंद्रजी महाराज जैनधर्मोपदेष्टाकी सेवामें एक किसानने वैदिक प्रेस अजमेर द्वारा प्रकाशित चारों वेदोंकी एक पुस्तक पेश की तथा विनयपूर्वक निवेदन किया कि क्या जैन शास्त्र भी एक पुस्तकाकारके रूप में कहीं मिलते हैं ? श्रीमहाराजने फर्माया कि नहीं। इस घटना के समय वहां की जैन सभा और विशेषतया जैनधर्मोपदेष्टाजी को यह त्रुटि बहुत ही अखरी और बड़ा ही खेद हुआ। जैनसाधु सैंकड़ों की संख्यामें होते हुए और लाखों धनिक श्रावक होनेपर भी वे जैन सिद्धान्तका अणुमात्र भी प्रचार न करें! कितना खेद है, सच तो यह है कि अपनी पवित्र समाजके पास प्रेस और प्लेटफॉर्म जैसी आधुनिक प्रचारकी सामग्री न होनेके कारण इतर लोकसमाज का बहुभाग जैन-सिद्धान्तों से बिल्कुल अपरिचित है। ईसाइओंने एक अरबसे अधिक रुपया व्यय करके जगत् भरकी ५६६ भाषाओंमें बाईबिलका प्रचार किया है इसी भाँति गीता और कुरान आदि का प्रचार भी करोड़ों प्रतियोंमें पाया जाता है परन्तु अपने सूत्रसिद्धान्तों का प्रचार लोकभाषामें कितना है ? इसका उत्तर हम सगर्व मस्तक उठाकर नहीं दे सकते।

इस भारी कमीको पूरा करनेके लिए श्रीमहाराजने हमें यह प्रेरणा दी कि कमसे कम १०० लोकभाषाओंमें ३२ सूत्रोंकी १००००० एक लाख प्रतिओंका प्रकाशन करके भारत के कोने २ में जैनसिद्धान्तोंका विस्तार किया जाय। अतः सूत्रागम, अर्थागम और उभयागमकी प्रकर्ष एवं आर्ष पद्धतिसे "श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमिति" ने इस भगीरथ कार्य को अपने हाथमें लिया है और कार्य आरंभ कर दिया है अतः जिनशासनके प्रेमियोंको उचित है कि समितिके प्रकाशनों का स्वाध्याय आप स्वयं करें और अपने घरमें भी समस्त कुटुंबमें स्वाध्याय तपका उत्साह पैदा करें।

"न स्वाध्यायसमं तपः।"

निवेदक

मंत्री-रामलाल जैन

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमिति

गुड़गाँव-छावनी (पूर्व पंजाब)

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमिति

(गुड़गाँव पूर्व पंजाब)

हमारे [illegible] धर्मादिके समान [illegible] इस युगमें प्रचार के [illegible] स्तरपर समझाने की आवश्यकता भी बढ़ जाती। क्योंकि "[illegible] और नाम भी [illegible] हैं।" इसे कौन नहीं जानता। तदनुसार हमारी संस्थाने भी [illegible], जैन जगतको इस विषय में कुछ समझानेकी आवश्यकता है यदि आप ध्यान देकर पढ़ जायँ तो परिस्थिति समझनेमें तनिक भी विलंब न होगा।

इस संस्थाको साधन-सामग्री मिलनेपर पाँच कार्य अपनी समाज के हितार्थ करने हैं, जैसे कि–

(१) आगम-ग्रन्थ तथा भगवान् के सिद्धान्तोंको लोकभाषाओंमें प्रगट करना।

(२) अपने मुनिराजोंको प्रखर एवं सर्वांग विद्वान बनाना।

(३) दुनियाभरके पुस्तकालयोंमें आगमग्रंथों के पहुँचानेकी व्यवस्था करना।

(४) जैन धर्मके तत्वोंका प्रचार करनेके लिए उच्चकोटीके योग्य लेखक और प्रचारक तैयार करना तथा भारत के मुख्य २ केंद्रोंमें चर्चासंघ स्थापन करना, जिनमें अनेकांतीय चर्चाकार भगवानके स्याद्वाद को विश्वव्यापी बनानेमें तारतम्य चर्चा कर सकें।

(५) जैन-विचारोंकी अपेक्षा रखकर जैन-यूनीवरसिटी स्थापन करना।

इनमें सबसे पहले १-२-३ नं० के कार्योंको सफल बनानेका निश्चय किया है।

पहला कार्य–सूत्रागम, अर्थागम और उभयागमकी सौत्रिक रीतिके अनुसार ३२ आगमोंका मूल तथा उनके हिन्दी आदि अनुवाद प्रकाशित किए जायँगे। तदनन्तर ३२ आगमोंकी प्राकृतटीका और संस्कृतटीका आधुनिक युगकी पद्धतिसे रची जायँगी। जो कि अपने समयकी अभूतपूर्व और अश्रुतपूर्व वस्तु होगी। साथ ही समाजमें प्राकृत भाषाके प्रचारार्थ 'प्राकृतं' या 'पाइयं' जैसे पत्र भी निकाले जायँगे जिसमें मात्र प्राकृत और अर्धमागधीके लेखोंको ही स्थान मिलेगा। सूत्रागमप्रकाशनके साथ २ एक 'प्राकृतकोष' प्राकृतगाथाबद्ध तैयार किया जारहा है। जिसकी १११८ गाथाओंकी रचना भी हो चुकी है। यह सागरके समान बड़ा और रचनामें अद्वितीय विलक्षण और सुगमतामें इतना उत्तम होगा कि फिर किसी भी प्राकृतकोषका आश्रय लेनेकी तनिक भी आवश्यकता न पड़ेगी।

इसके अतिरिक्त स्थानकवासी धारणा के अनुसार त्रिशष्टिशलाकापुरुषचरित्र और एक हजार कथाओंका एक बड़ा कथाकोष भी तैयार किया जायगा। ये दोनों ग्रन्थ भी प्राकृत में ही रचे जायँगे।

आपको यह भी स्मरण रहे कि 'सुत्तागमे' नामक पहला ग्रंथ १३५० पेजका महान् पुस्तकरत्न प्रकाशित हो चुका है जिसमें ११ अंग सूत्र समाविष्ट हैं दूसरा भाग आपके करकमलोंमें है ही, जिसमें शेष २१ सूत्रोंका समावेश है जो कि प्रत्येक जैन के 'गृहपुस्तकालय' की अमूल्य विभूति है और साधु मुनिराजोंके हृदयकी तो आदर्श वस्तु है। अधिक क्या लिखा जाय! हाथ कंगनको आरसी क्या? वस्तुका तथ्य सामने प्रस्तुत है इसे देखकर आपका अंतरात्मा एकदम यही कह उठेगा कि यह तो बौद्धोंके "ए-र-रि-य-ड्, क्यू-अर-रियन्ड्" के समान् महाकाय विभूति हमारी समाजमें भी है। इसका अर्थागम और उभयागम लोकभाषाभाषियों के लिए तो मानो सम्यग्ज्ञानका महाभंडार ही होगा। इसका देहसूत्र इतना विशालतम होगा जैसा कि एनसाईक्लोपीडिया-ब्रिटानिका का महाग्रंथ होता है। इस ग्रंथमहोदधिमें जिस जटिल विषयको ढूंढोगे उसका उत्तर तुरंत आपको उसीमें मिलेगा! मिलेगा! मिलेगा! और फिर मिलेगा! यह छाती ठोक कर दावेसे कहा जा सकता है, जिनवाणी के द्वारसे भला कोई मुमुक्षु या जिज्ञासु कभी निराश लौटा है? कभी नहीं। तब फिर रेडियोपर यद्वा तद्वा बोलनेवालोंकी तूती बंद हो जायगी।

ये प्रकाशन इतने शुद्धतम और पवित्र होंगे कि धर्मानंदकौशांबी जैसे धर्मोपहासकोंके पैरके तले से धरती खिसकती प्रतीत होगी। आगमके तीनों भागोंका स्वाध्याय आपको बता देगा कि सचमुच जैन धर्म कितना विश्वव्याप्य धर्म है।

असी २ हाल ही में विश्वशांतिके इच्छुक (लगभग ४० देशके) विद्वानोंकी एक सभा शांतिनिकेतनमें हुई थी। उन्होंने वहां जैनधर्मसंबंधी चर्चा खूब जी भर कर की थी। जिसका सार कलकत्ता यूनीवरसिटीके अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त डॉ. कालीदास नागने स्पष्टशब्दोंमें विना किसी लागलपेट के यह प्रकट किया है कि "जैन धर्म सार्वभौमिक धर्म है।" परन्तु खेदका विषय है कि जैनोंने जैनसिद्धान्तोंका विश्वव्यापी प्रचार ही नहीं किया, वरन् यह अखिलविश्वका लोकप्रिय धर्म बनता। सच कहा जाय तो जैन साहित्यका प्रचार दुनियामें सौवें भागमें भी

---

१ लंदनमें "ब्रिटिश एण्ड फॉरेन बाइबिल सोसायटी" नामकी एक संस्था बहुत पुरानी है। इसका उद्देश्य बाईबिलका प्रचार करना है। इसके १२० वें नियमसे बहुत कुछ ज्ञातव्य सामग्री मिलती है इसका कुछ सारभाग इस प्रकार है।

लोकभाषाओंमें दृष्टिगत नहीं है । फिर भी जैन धर्मने भारतीयसंस्कृतिके नाते बहुत कुछ अर्पण किया है। सचमुच मानवजीवनकी सार्थकता भी इसीमें समाई हुई है । जोकि प्रत्येक मानव के लिए उपादेय और आवश्यक है । विश्वसिद्धान्तके समान इसका प्रचार करनेकी भी पूरी जुरूरत है । जब अखिल विश्व के विद्वान् इतने ऊंचे स्पष्ट अभिप्राय दे रहे हैं तब हमारे पास विशेष समझाने के लिए क्या कुछ शेष रह गया है?

विश्वजगत्में एनसाईक्लोपीडिया ब्रिटानिका नामक प्रसिद्ध ग्रंथ है । हमारे प्रिय आगमत्रय भी उसी पद्धतिके अनुसार महनीयता और महानता प्राप्त होंगे । एनसाईक्लोपीडिया ब्रिटानिका ग्रंथ १२० वर्ष पहिले बना है। अबतक कई परिवर्तनोंके साथ २ उसकी १४ आवृत्तिएँ निकली हैं । प्रकाशनकी दृष्टिसे यह ३५ बार प्रकाशित हुआ है । प्रत्येक संस्करण के प्रकाशन के समय कमसे कम १० लाखसे ५० लाख तक प्रतिएँ प्रकाशित हुई हैं। कुछ दानियोंके प्रोत्साहन मिलनेसे हम भी इसी परिपाटी के अनुसार आगमत्रयको सारे संसारके योग्य और सुकोमल हाथोंमें पहुँचाना चाहते हैं । जिससे दो अरब मानवप्रजा लाभ उठा सके। ऐसी आशा ही नहीं बल्कि हमारा पूर्ण दृढ़ विश्वास है । मात्र आप तो प्रस्तुत आगम पाकर उनका स्वाध्याय करके हमारे हौसले को बढ़ाएँ।

इस संस्थाकी स्थापना सन् १८०४ ई. में होनेके पश्चात् इसने बाइबिलकी ३४५,०००,००० प्रतियाँ प्रसिद्ध करके वितरण की हैं और अब तक ५६६ भाषाओं में बाइबिल प्रसिद्ध किया है।

एनसाईक्लोपीडिया ब्रिटानिका हजार पेजका वोल्युम है इसी भांति तीस वोल्यु-मका वह एक सेट है अर्थात् वह महान ग्रंथ तीस हजार पेजोंमें पूरा हुआ है। इसी प्रकार हम आगमत्रयको इससे भी बड़ा बनानेके इच्छुक हैं। यद्यपि इस भगीरथ-कार्यको पूरा करनेमें कई वर्ष लग सकते हैं फिर भी कागजके मिलनेमें सुगमता और प्रेमका सुभीता मिल सके तो हम इस भीष्मकार्यको १० वर्षमें पूर्ण करनेका दावा कर सकते हैं। परन्तु हमारी समाजके ऐसे सद्भाग्य कहां? फिर भी जगतके मानव आशाकी दीवार पर खड़े हैं। पुरुषार्थ करना ही तो मात्र अपना काम है।

रामको सुग्रीवका साथ मिला तो लंकापर रामको विजय प्राप्त हुई। बुद्धको तो मात्र पंचवर्गीयभिक्षुओंने अपने जीवनका योग दिया तो आज ८० करोड़से अधिक बौद्ध दुनियापर छाए हुए हैं। इसी प्रकार प्रत्येक कार्यमें पुष्टसहयोगकी आव-श्यकता हुआ ही करती है। इसी दृष्टिसे आपको ज्ञातपुत्र महावीर भगवानके शासनका सम्मानध्वज ऊंचा उठाने के लिए इस संस्थाके सहायक बनकर सच्चे साथियोंकी भाँति सेवाकी आवश्यकता है और इसे जातीयता एवं साम्प्रदायि-कताके मोह और भेदभावको छोड़कर साथ दें तो अतिउत्तम हो। इसकी उन्नति कामना और सेवाकी अभिलाषा की साध पूर्ण करने के लिए सहयोगियोंके नाते आप भी स्तंभ, संरक्षक, सहायक और सदस्य बनकर २०००) १०००) ५००) और २००) की आर्थिक सेवा द्वारा जिनशासनके उत्थानका बीजारोपण करें। ऊपर लिखित चारों वर्गोंके आजीवन सदस्योंको एक एक प्रतिके रूपमें समिति के प्रकाशन अमूल्य भेंट दिए जायँगे। समितिकी नीतिका निर्धारण करते समय उनसे सब प्रकारका परामर्श किया जायगा। अब तक जिन साथियोंकी सेवासे यह भीष्म कार्य हो रहा है उनका विवरण इस प्रकार है।

अबतकके साथी—

स्तंभ-श्रीमान् शेठ शंभुलाल कल्याणजी (कराचीके भूतपूर्व S. S. जैन संघके प्रमुख) बंबई।

,, ,, लाला प्यारेलाल जैन दूगड़ अंबरनाथ C. R.।

,, श्रीमान् शेठ रतनचंद भीखमदास बांठिया मु० पो० पनवेल जि० कोलाबा।

,, मास्टर दुर्गाप्रसाद जैन B. A. B. T. मु० गुड़गाँव-छावनी E. P.।

जैन संघ **दोंडायचा** पश्चिम खानदेश ४१००) प्रेसमें भेजा छपाई खाते।

माटुंगाके कई सद्गृहस्थोंकी ओरसे २७००) छपाई खाते, हस्ते शेठ रामजी वंदरजी माटुंगा (हैपीहोम-तैलिंग क्रॉस रोड)।

श्रीमान् शेठ विजयकुमार चुनीलाल फूलपगर C/o चुनीलाल वृद्धिचंद फूलपगर १३६० भवानीपेठ पूना ।

संरक्षक–श्रीमान् शेठ मोहनलाल धनराज कर्णावट (कोयालीकर) C/o रूपचंद चुनीलाल कोयालीकर १३५८ भवानीपेठ, पूना ।

,, श्रीमान् शेठ धूलचंद महता, ब्यावर ।

,, श्रीमान् शेठ नाथालाल पारख–माटुंगा, मुंबई १९ 'कागज़की सेवा' ।

,, श्रीमान् शेठ चुनीलाल जसराज मुणोत मु० पनवेल (कोलाबा) ।

,, श्रीमान् शेठ छबीलदास त्रिभुवनदास लींबड़ी वाले हाल रंगून ।

,, श्रीमान् लाला ओंप्रकाश जैन दूगड़ अंबरनाथ ।

,, श्रीमान् लाला दर्शनप्रकाश जैन दूगड़ अंबरनाथ ।

,, श्रीमती शांतिदेवी प्यारेलाल जैन दूगड़ अंबरनाथ ।

,, श्रीमान् शेठ जुगराजजी श्रीश्रीमाल C/o शेठ नवलमल पूनमचंद मु० पो० येवला, जि० नासिक ।

सहायक–श्रीमती लीलादेवी चुनीलाल फूलपगर १३६० भवानीपेठ पूना ।

,, श्रीमती पतासीबाई धनराज कर्णावट (कोयालीकर) C/o रूपचंद चुनीलाल १३५८ भवानीपेठ पूना ।

,, D. हिम्मतलाल एण्ड कं० १२–१४ काजी सय्यद स्ट्रीट मुंबई नं० ९ ।

,, श्रीमान् वीरचंद हरखचंद मंडलेचा धामोरीकर मु० येवला (नासिक) ।

,, ,, चाँदमल माणकलाल मंडलेचा धामोरीकर, कपड़ा बाजार मु० पो० येवला (नासिक) ।

श्री० व० स्था० जैन संघ धरणगाँव और हिंगोना १०००) प्रेसमें ।

श्रीमान् शेठ धनजी भाई मूलचंद दफ्तरी निवास तैलंग क्रॉस रोड N. १ माटुंगा मुंबई १९ ।

लाला सुमेरचंद लक्ष्मीचंद–चंद्रभान जैन आयर्न मर्चेंट बंबई–देहली ।

श्रीमान् शेठ शिवलाल गुलाबचंद मेवावाले ३२५) 'कागज़०' माटुंगा मुंबई १९ ।

वोरा मणीलाल लक्ष्मीचंद ५००) 'कागज़ खाते' ठि. रानडे रोड, S. लेन, ज्ञानमंदिरनी बाजुमां, प्रीमियर हाईस्कूलना ऊपर, त्रीजे माले रूम नं. १७ दादर ।

श्रीमान् चीमनलाल सुखलाल गांधी हस्ते २५०) 'कागज़ खाते' (ठि—

सदस्य-श्रीमान् शेठ धनराज दगडूराम संचेती भवानीपेठ पूना।

,, श्रीमान् फूलचंद उत्तमचंद कर्णावट (कोयालीकर) C/o रूपचंद उत्तमचंद २३ भवानीपेठ पूना।

,, श्रीमती शांतादेवी फूलचंद कर्णावट (कोयालीकर) २३ भवानीपेठ पूना।

,, श्रीमान् रूपचंद दगडूराम मुथा, १२८ नानापेठ पूना।

,, श्रीमान् शेठ चंद्रभान रूपचंद कर्णावट इचलकरंजीवाले २६१२ बुधवारपेठ पूना।

,, श्रीमान् शेठ कालीदास भाईचंद शाह पोवइनाका सेल पेट्रोल पंप २५१) कागज़की सेवा नॉर्थ सतारा।

,, श्रीमान् शेठ माणकचंद राजमल बाफणा वडगाँव ना० मावल पूना।

,, श्रीमान् शेठ मणीलाल केशवजी खेताणी घाटकोपर मुंबई।

,, श्रीमान् बाबू रामलाल जैन तहसीलदार गुडगाँव छा. E. P.।

,, श्रीमान् शेठ पानाचंद डाह्याभाई महता २५१) 'छपाई खाते' माटुंगा, मुंबई १९।

,, श्रीमान् शेठ अमृतलाल अविचल महता २५१) 'छपाई खाते' माटुंगा, मुंबई १९।

,, डॉ. चुनीलाल दामजी वैद्य ४१२ पायधुनी मुंबई नं. ३।

,, श्रीमान् शेठ वेलजी कर्मचंद कोठारी C/o मणिलाल एण्ड कम्पनी ५३ चकला स्ट्रीट, मुंबई नं० ३।

,, श्रीमान् शेठ कांतिलाल J. गांधी माटुंगा, मुंबई १९।

,, श्रीमान् शेठ सुखराज धनराज तालेडा (तीन रिम कागज़की सेवा) १५ ससून रोड पूना स्टेशन।

,, श्रीमान् नरभेराम मोरारजी महेता C/o विमको अंबरनाथ C. R.।

,, श्रीमान् शेठ भाईचंद लाखाणी माटुंगा मुंबई १९।

,, श्रीमान् केसरमल हजारीमल धाड़ीवाल मु० पो० कोपरगांव, जि० अहमदनगर C. R.।

,, श्रीसमस्त जैनसंघ सोनई, ता० नेवासा, जि० अहमदनगर C/o केसरचंद कुंदनमल, चंगेड़िया।

,, श्रीमान् मणीलाल रूपचंद गांधी, भांडुप, मुंबई।

" श्रीमान् त्रिकमजी लाधाजी मु० पो० जुन्नरदेव (M. P.)।
" श्रीवर्धमान स्था. जैन संघ शाहादा प. खा. २००)।
" श्रीमान् वख्तावरमल चांदमल भंसाली खेतिया (M. B.)।
" श्रीमान् शेठ धनराज पगारिया मु० हिंगोना पू. खा.।
" श्रीमान् कीमतराय जैन B. A. दादर मुंबई।
" श्रीमान् खींवराज आनंदराम वांठिया पनवेल (कोलावा)।
" श्रीमान् लाला कुलवंतराय जैन नारायण ध्रुव स्ट्रीट मुंबई।
" श्रीमान् केसरचंद आनंदराम वांठिया मु० पनवेल (कोलावा)।
" श्रीरावसाहेब किशनलाल नंदलाल पारख येवला (जि० नासिक)।
" श्रीमान् शेठ वेरसी नरसी भाई मु० त्रंबोऊ (रापर) कच्छवाला, वसनजी वीरजी, जोशी बाग पारसी चाळ, मु० कल्याण (जि० थाणा)।
" श्रीमान् शेठ शोभाचंद घूमरमल वाफणा घोड़नदी पो० सिरूर (पूना)।
" श्रीमान् शेठ रविचंद सुखलाल शाह, संघवी सदन, दादर।



प्रकाशकीय

आजके इस वैज्ञानिक युगमें जहां मनुष्यने विज्ञानके द्वारा नई २ व्यवहारोपयोगी वस्तुओंका आविष्कार किया है वहां महान् से महान् संहारक उद्जनबम जैसे शस्त्रोंका भी। यह सब किसलिए? मेरी सत्ता समस्त संसारपर छा जाए, मैं ही सबका प्रभु हो जाऊं। एक ओर तो शस्त्रोंकी होड़में एक देश दूसरे देशसे आगे निकल जाना चाहता है तब दूसरी ओर आधुनिक जनता का अधिक भाग युद्धको न चाहकर शांतिकी झंखना करता है। परन्तु शांति शस्त्रोंके बलबूते किए गए युद्धोंसे नहीं मिल सकती। शांतिका वास तो आध्यात्मिकतामें है भौतिकतामें नहीं, और **ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्**के द्वारा प्रतिपादित आगम आध्यात्मिकतासे भरपूर हैं, उस आध्यात्मिकताके प्रसारके लिए ज्ञातपुत्र महावीर जैनसंघानुयायी उग्रविहारी जैन मुनि १०८ श्रीफूलचंद्रजी महाराजकी विशुद्ध प्रेरणासे समितिने आगमोंके प्रकाशनका कार्य अपने हाथमें लिया है जिसका प्रथम फल ११ अंग सूत्रों से युक्त '**सुत्तागम**' के प्रथम भाग के रूपमें आपके सन्मुख आ चुका है। ३२ सूत्रोंको '**सुत्तागम**' के रूपमें एक ही जिल्दमें देनेकी उत्कट इच्छा होते हुए भी ग्रंथराजका देह-सूत्र बढ़ जानेसे ११ अंगोंका प्रथम अंश अलग बनाना पड़ा और यह दूसरा अंश आपके समक्ष है जिसमें १२ उपांग, ४ छेद, ४ मूल और आवश्यक इस प्रकार २१ सूत्रोंका समावेश है। परिशिष्टमें कल्पसूत्र सामायिक तथा प्रतिक्रमण सूत्र भी हैं। इसका सारा श्रेय जैनधर्मोपदेष्टा उग्रविहारी बंग-सिंधु-उत्तरप्रदेश-बिहार-पांचाल-हिमाचल-महाराष्ट्र-गुजरात-मध्यभारत-मरुस्थलादि-देश-पावनकर्ता परम पूज्य १०८ श्रीफूलचंद्रजी महाराज को है जिन्होंने अपना अमूल्य समय देकर इस महान् ग्रंथ का संपादन किया है। आपकी विद्वत्ता, वक्तृत्व और प्रभाव सर्वविदित है। आपने 'नवपदार्थज्ञानसार' 'परदेशी की प्यारी बातें' 'गल्पकुसुमाकर' 'गल्पकुसुमकोरक' 'सम्यक्त्वछप्पनी' 'आगम शब्द प्रवेशिका' आदि कई ग्रंथों की रचना की है। 'वीरस्तुति' की विस्तृत टीका, शांतिप्रकाशसारमंजरी, आदि संस्कृत रचनाएँ भी की हैं। आपके द्वारा लिखा गया मेरी 'अजमेरमुनि-सम्मेलन यात्रा' के रूपमें अजमेर साधु-सम्मेलन का इतिहास इतिहासविशेषज्ञों एवं अन्वेषकों के लिए अत्यंत उपयोगी है। आपने कई एक ग्रंथोंका सुन्दर संपादन भी किया है। इस '**सुत्तागम**' का संपादन करके आपने जो उपकार किया है वह वर्णनातीत है। इसके अतिरिक्त इस प्रकाशनमें जिन २ महानुभावोंने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूपमें किसी भी प्रकारकी जिनवाणीकी सेवा की है उनका हम हार्दिक

आभार मानते हैं, साथ ही सूत्रोंके निकले हुए अलग २ प्रकाशनोंपर अथवा प्रथम अंशपर जिन २ मुनिवरोंने अपनी २ शुभ सम्मतिएँ भिजवाई हैं हम उनके अनुगृहीत हैं। सहधर्मि महानुभावोंसे निवेदन है कि वे इस पवित्र कार्यमें सहयोग देकर हमारे उत्साहको बढ़ाएँ।

हम हैं जिनवाणीके सेवाकांक्षी,

प्रधान—मास्टर दुर्गाप्रसाद जैन B. A. B. T.

मंत्री—बाबू रामलाल जैन तहसीलदार

'सुत्तागमे' पर लोकमत

(२५) कवि मुनि श्री नानचंद्रजी म० सायला ५।२।५४

स्नेही भाई श्रीशंभुलाल कल्याणजी! तमारा तरफथी पोष्टकार्ड अने बीजे के त्रीजे दिवसे 'सुत्तागमे'नुं दळदार वोल्युम पोष्टपार्सलथी मल्युं. पुस्तक आवी रीते सुंदर आकारमां (अगियार अंग भेगा) बंधाएल हशे एनी कल्पना पण न हती. हुं एम मानतो हतो के बधा पुस्तको छूटा छूटा हशे…पण आ तो घणुं सुंदर काम थयेल छे. आमांना कागळो पण सारा छे. आ ऊपर थी एम चोकस थाय छे के शास्त्रोद्धारनुं कार्य गृहस्थिओ करतां कोई सुविहित अने कर्मनिष्ठ साधु करे तो ते केवुं सर्वोत्तम निपजी शके छे! आवा कार्योमां साधुने जरूर अपवाद सहन करवा पड़े छे पण हिम्मत होय तो परिणामे एनी योग्य कदर जरूर थाय छे. अस्तु! श्रीफूलचंद्रजी म० ने अमारा अभिनंदन पहोंचाडशो.

× × ×

आ पद्धति असोने गमी छे. एकंदर सूत्रोना मूळपाठोनुं प्रकाशन जरूरी हतुं. श्रीफूलचंद्रजी महाराजे आ खोट पूरी करी छे. ता. १९-१-५४ **सायला**

(२६) श्रीशामजी स्वामी जेतपुर २४-११-५३

…सुत्तागमे ए नामनुं ११ अंगोना मूळपाठवाळुं मजबूत बाइंडिंग साथे मंगल पुस्तक बुक-पोष्ट थी मोकळेल ते मल्युं छे, अने ते पवित्र पुस्तक महाराजश्रीनां करकमळमां बहुमानपूर्वक स्थापित कर्युं छे. ते मंगल पुस्तकनुं दर्शन करी महाराजश्री घणाज हर्षित थया छे. शासनपति महावीर प्रभुना पंचम गणधरे ११ अंगोनी गूंथणी करी त्यार थी अत्यारसुधीमां ११ अंगोनुं एकज पुस्तक बहार पडेल होय ते मां आ पहेलो ज शुभ प्रसंग बन्यो छे, अने ते शासन सेवा रसिक मुनि श्री फूलचंदजी स्वामीनी पुनीत भावनाने ज आभारी छे. × × ×

(२७) चरित्ररूपी सुगंधी वडे वासित पुष्प अने चंद्र समान शीतल स्वभाव-

वाला एहवा हे पुप्फचंद्रजिन् स्वामिन्! आपश्री वीतरागप्रणीत जिनागमोनी भाषाना अने तेमां दर्शावेला भावोना घणाज निष्णात होई आपश्रीए जिनागमोद्धारनुं जे मंगल कार्य हाथ धर्युं छे ते मंगळकार्य आपश्रीना हाथथी निर्विघ्नपणे चालु रहो, अने आपना सत्पुरुषार्थथी जेम बने तेम वेळासर आपश्रीए धारेल शुभकार्य पूर्ण थाओ एहवी मारी आपना प्रत्ये हार्दिक शुभ भावना छे. सुत्तागमे=सूत्रागमोना मूळपाठ रूपे ११ अगियार अंगो प्रगट थया छे तेनुं काम घणुं सुंदर थयुं छे. कारण के आप ते भाषाना निष्णात होई आपनाज हाथ थी मूळपाठ लखाई प्रेसकॉपी तैयार थयेल, अने ते पवित्र आगमो मुंबई निर्णयसागर प्रेसमां छपाया, जेथी सुवर्ण अने सुगंध बन्नेनो सुमेळाप थयो छे, ते जोई हृदयमां प्रमोद भाव उद्भवे छे. हवे पछीनुं आगमोद्धार अंगेनुं दरेक कार्य तेवुं ज सुंदर बनो तेम हुं इच्छुं छुं. लिखी—**लींबडी संप्रदायना मंगळस्वरूप स्वर्गस्थ गुरुदेव मंगलजी स्वामीना शिष्य मुनि रामजी.**

(२८) आर्यमुनि हीरालालजी म.　　　झरिया २८-८-५४

'सुत्तागमे तत्थ णं एक्कारसंगसंजुओ पढमो अंसो' देखकर प्रसन्नता हुई। सारी प्रति शुद्ध है। इस तरह उपांग, छेद, मूल, आवश्यक जल्दी बाहर पड़ेंगे। स्वाध्यायवालों के लिए 'सुत्तागमे' बहुत ही उपयोगी है।

आर्य जैन मुनि श्रीहीरालालजी म०

(२९) आपश्री तरफथी संशोधित 'सुत्तागमे' (मूळसूत्रो) प्रगट थया छे. जेनी केटलीक नकलो अमने आवेली, जे जोतां संतोष थयो. आम शास्त्रीय साहित्य अने अन्य धार्मिक साहित्य आपश्री तरफथी संशोधित थई प्रचार पामे छे जेथी समाजने अलभ्य लाभ मळे छे. समाज आपश्रीजीनो ऋणी छे. **मुनि रत्नचंद्रना** वंदन **कच्छ-मांडवी**

(३०) भवया संपादिओ इक्कारसंगसंजुत्तो पढमो अंसो सुत्तागमस्स सुचारूवेण मुद्दिओ तड्या सोमवासरे संपत्तो, सो साभारसीकओ मए। दिट्ठिपहं णीओ सो महागंथो, तम्हि संखित्तपागयवागरणविसओ वि सुट्ठु उवदंसिओऽत्थि। तस्स संसोहणं समीचीणं कयमत्थि भवया। एसो गंथो सज्झायकरणे अज्झयणे अज्झावणे वा बहुवओगी अत्थि साहगाणमिति। अस्स पत्ताणि सुहुमाणि संति, जइ चेव थूलगाणि पत्ताणि हविज्जा तो दीहाउगो हविज्ज एसो महागंथो।

रयणचंदो मुणी-मंडणउरं (मांडवी कच्छ)

(३१) मुनि श्री फूलचंद्रजी महाराज! आपकी ओरसे 'सुत्तागमे तत्थ णं एक्का-

रसंगसंजुओ पढमो अंसो' देख कर अत्यन्त प्रसन्नता प्राप्त हुई। इसी तरह उपांग, छेद, मूल और आवश्यक भी शीघ्र ही वाहर पड़ें तो वहुत अच्छा हो। अगर कुछ टाइप वड़ा होता तो कमनज़रवालोंको भी पढ़नेमें सुविधा होती। साथमें अर्ज़ है कि शांतिनिकेतन, नालंदामें विदेशसे आए अनेक विद्यार्थी जैनधर्मविषयक सिद्धान्तको जाननेकी वड़ी उत्कण्ठा रखते हैं। 'सुत्तागमे' के साथ 'अत्थागमे' भी होना आवश्यक है।

अव तक जो २ जैनागम जैनसमाजकी ओरसे वाहर पड़े हैं उनमें कुछ न कुछ त्रुटियां अवश्य रही हैं और किसी २ जगह अन्यके ऊपर छींटाकशी भी की गई है। इन वातों की आवश्यकता नहीं। मूल पर मूलका जो आशय है वही रहना ठीक है। 'सुत्तागमे' की यह प्रति वहुत ही शुद्ध है।

मुनि श्री हीरालालजी म० झरिया

(३२) गत वर्ष श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमिति गुड़गाँवसे प्रकाशित सूत्रोंमें द्वितीय आचारांग सूत्रादिकी पुस्तक एवं इस वर्ष भी श्रीभगवती सूत्रादि प्राप्त हुए। आपके स्तुत्य प्रयत्नके लिए कोटिशः धन्यवाद है। आगमोंका प्रकाशन इस प्रकार किया जावे तो अत्युत्तम रहेगा—

(१) मूल एवं भावार्थ टिप्पणी युक्त परिशिष्टमें पारिभाषिक शब्दकोष एवं जैनधर्मके विशेष सिद्धान्त और मान्यताओं पर प्रकाश।

(२) मूल एवं हिंदी टीका न अति विस्तृत और न अत्यन्त संक्षिप्त।

(३) मूल संस्कृत छाया एवं संस्कृत टीका।

(४) मूल संस्कृत छाया संस्कृत टीका एवं हिंदी अनुवाद।

इन चार प्रकारके प्रकाशनोंके वाद या साथ २ अन्यान्य भाषाओंमें अत्युत्तम अनुवाद भी निकाले जायँ।

एक विशेष निवेदन यह भी है कि अनुवाद या टीकाएँ अपने सिद्धान्त परक श्रद्धामय होनी चाहिएँ। आजके प्रभाव वाले की छाया पड़नेसे वह आजकी वस्तु होगी, त्रिकालकी वस्तु नहीं।

इसके साथ ही अभिधान-राजेन्द्र कोषकी भांति मूल प्राकृत-संस्कृत-टीका और हिंदीटीका वाला 'पुप्फकोस' भी निकलवाना चाहिए। उसकी अत्यन्त आवश्यकता है। एक ही स्थान पर जिज्ञासुको आगमोंके एक विषय पर सारे पाठ मिल सकें और अमृतपान करनेके समान पाठक प्रसन्नताका अनुभव करने लगे...।

कवि-श्रीकेवलमुनि-साहित्यरत्न उज्जैन

(३३) आपकी ओरसे बुकपोष्ट द्वारा भेजा हुआ 'सुत्तागमे' का आठवाँ पुष्प प्राप्त हुआ । अत्र विराजित **श्री मेवाड़भूषणजीके सुशिष्य कवि श्रीशांतिलालजी म.** ठा. ४ की सेवामें प्रस्तुत किया। मुनिश्रीने आद्यन्त अवलोकन करके ये उद्गार प्रगट किए हैं—"पुस्तकराज शुद्ध एवं सुंदर है, यह वीरवाणीका अमूल्य रत्न है। सम्पादक मुनिश्री शास्त्रज्ञानका सम्पादन करके साधुताकी घड़ियोंको सफल कर रहे हैं। महाराज श्रीफूलचंद्रजी स्वामी दिग्गज विद्वान् हैं, ऐसे मुनिपुंगव द्वारा संपादित साहित्य जगतके कोने २ में प्रसरित हो इसी शुभेच्छाके साथ चरणकमलमें शत शत वंदन हो।"

मंत्री-व० स्था० श्रा० संघ रामा (मेवाड़)

(३४) श्रीमान् शेठ रतनचंदजी भीखमदासजी वांठिया ! जयजिनेंद्र ! आपका भेजा हुआ 'सुत्तागमे' **श्रीमेवाड़भूषण १००८ मंत्री श्रीमोतीलालजी म०** सा० की सेवामें पेश किया, उनके **पट्टशिष्य पं० शास्त्रज्ञ मुनि श्री अंबालालजी म०** ने अवलोकन कर यह सम्मति प्रदान की है कि-"यह आगम-रत्नाकर महाग्रंथ स्वाध्याय-अनुरागियों तथा शास्त्रज्ञोंके लिए अत्यन्त उपयोगी है। इस प्रकार जैनागमोंका सुंदर संकलन देखनेका सुअवसर प्रथम वार ही प्राप्त हुआ है। सम्पादक मुनिश्री जैनधर्मोपदेष्टा महामान्य श्रीफूलचंद्रजी म० की यह देन तब ही पूरी हो सकती है कि जब इस अनोखे ग्रंथका प्रचार सब देशांतरोंमें हो, साथ ही प्रत्येक संग्रहालय और गृहपुस्तकालय में रक्खा जाय और इसका स्वाध्याय किया जाय। ग्रंथराजका संकलन आदरणीय तथा प्रशंसनीय है।"

मंत्री व० स्था० जैन श्रा० संघ देलवाड़ा (मेवाड़)

(३५) श्रीप्यारेलाल जैन(अंबरनाथ)के द्वारा ११ अंगोंका एक सेट 'सुत्तागमे' का मिला उसे श्रीमुनि मांगीलालजी म० ने अथसे इति तक अवलोकन किया, बड़ा सन्तोष हुआ और उन्होंने खूब सराहना करते हुए यह सम्मति पेश की- "सुत्तागमे" का संकलन अनोखे ढंगसे किया है, इसके गूढ रहस्यको पूर्णशास्त्रज्ञ ही समझ सकते हैं अज्ञ या दुर्विदग्ध नहीं। आपके अथक परिश्रमसे ही यह कार्य पूर्ण हो पाया है अस्तु बधाई! इसमें शुद्धिपर अच्छे प्रकारसे ध्यान रक्खा गया है। वर्तमान ढंगसे यह आयोजन आदरणीय है, इसी ढंगके सौत्रिक प्रकाशनकी आज आवश्यकता है। मैं चाहता हूं कि आपश्री अन्य सूत्रोंका भी इसी प्रकार पुनरुद्धार करें ताकि ये शुद्ध प्रतियां जगतीतलमें भ्रामक तमस्तोमको दूर कर सही मार्गको प्रकाशित कर सकें। **श्रीमुनि-मांगीलालजी म० चींचपोकली-मुंबई १२**

(नोट) आपने इन पृष्ठपटोंपर अंकित सम्मतियोंसे यह तो जान ही लिया होगा कि ये प्रकाशन कैसे हैं। वैसे तो सब संप्रदायोंके मुनियों और महासतियों एवं जिज्ञासुओंकी ओरसे सूत्रोंकी मांगें धड़ाधड़ आती रहती हैं, अर्थात् सूत्रोंका प्रचार आशासे अधिक हो रहा है। ११ अंगों से युक्त 'सुत्तागमे' महान् ग्रंथकी प्रशंसा बड़े २ महाविद्वानोंने मुक्तकंठसे की है। यह अपूर्व ग्रंथराज कैंब्रिज, वाशिंगटन, येले, फिलाडेलफिया, कैलीफोर्निया, क्लीवीलैंड, न्यूयार्क, प्रिंस्टन, चिकागो (अमेरिका), जर्मन, जापान, चीन, पैरिस, सिंगापुर, मुंबई, कलकत्ता, बनारस, मद्रास, आगरा, पंजाब, देहली, भांडारकर ओरेंटियल इंस्टीट्यूट पूना आदिके महापुस्तकालयों एवं यूनिवर्सिटियोंमें भी शोभा प्राप्त कर चुका है। तथा वहांसे पर्याप्त संख्यामें प्रमाणपत्र और प्रशंसा पत्र आए हैं जिन्हें ग्रंथराज के देहसूत्रके अत्यधिक बढ़ जाने के कारण नहीं दिया गया। अधिक क्या कहें इसकी ज्यादह प्रशंसा करना मानों सूर्यको दीपक दिखाना है। इसी प्रकार अर्थागम और उभयागमों को भी यथासमय मुनियों महासतियों एवं जिज्ञासुओंके करकमलोंमें पहुँचाकर समिति अपना ध्येय पूरा करनेका प्रयत्न करेगी। समिति यही चाहती है कि हमारे मुनिगण प्रकाण्ड विद्वान् बनकर जिन-शासनका उत्थान करें एवं आगमों का सर्वत्र प्रचार हो। **मंत्री**

Letter No. 1

True copy of the letter received from Prof. Daniel H. H. Ingals, Cambridge.

Cambridge Mass,
June 5, 1954.

I have received the beautiful Nirnaya Sagar edition of the Suttāgame. I express my deep thanks to Muni Shri Fulchandji Maharaj for generosity. It would be merit enough to print so large a portion of the religious writings of the Jains in one convenient volume. It really deserves the thanks of all scholars.

The volume is not only an ornament of my library but is frequently put to use.

Letter No. 2

I have continued to read in the first volume which I find excellently edited and Singularly free of misprint. I should certainly be thankful to receive a second Volume.

Prof. Danial H. H. Ingals.

Letter No. 3

HARDING MUNICIPAL LIBRARY

Suttāgame is a good addition to books of the library.

I hope you will also kindly present the next Volume which is under preparation.

Thanking you.

KRISHNA GOPAL M. A.

LIBRARIAN.

Note:–These are not only the 3 letters. Besides there are number of other receipts of letters received from Various Universities & libraries all over the world which could not be published since their addition would increase the size of the Volume.

Secretary.



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

जैन धर्मके दस नियम

(१) जगतमें दो द्रव्य Substances मुख्य हैं, एक जीव Soul दूसरा अजीव Nonsoul। अजीवके पुद्गल Matter, धर्म Medium of Motion to Soul and Matter जीव और पुद्गलके चलनेमें सहकारी, अधर्म Medium of Rest to Soul and Matter जीव और पुद्गलके ठहरनेमें सहकारी, काल Time वर्तना लक्षणवान् और आकाश Space स्थान देने वाला, इस प्रकार ५ भेद हैं।

(२) स्वभावकी अपेक्षा सब जीव समान और शुद्धस्वरूप हैं। परन्तु अनादि-कालसे कर्मरूप पुद्गलोंके संबंधसे वे अशुद्ध हैं। जिस प्रकार सोना खानसे मिट्टीमें मिला हुआ अशुद्ध निकलता है।

(३) उक्त कर्ममलके कारण इस जीवको नाना योनियोंमें अनेक संकट भोगने पड़ते हैं और उसीके नष्ट होनेपर यह जीव अनन्तज्ञान-अनन्तदर्शन-अनन्तसुख और अनन्तशक्ति आदि को जो कि इसकी निजी सम्पत्ति है और जिसे मुक्ति कहते हैं प्राप्त करता है।

(४) निराकुलता लक्षणयुक्त मोक्षसुखकी प्राप्ति इस जीवके अपने निजी पुरुषार्थके अधिकारमें है किसीके पास मांगनेसे नहीं मिलती।

(५) पदार्थोंके स्वरूपका यह सत्यश्रद्धान Right belief सत्यज्ञान Right Knowledge और सत्य आचरण Right Conduct ही यथार्थमें मोक्षका साधन है।

(६) वस्तुएँ अनन्त धर्मात्मक हैं, स्याद्वाद ही उनके प्रत्येक धर्मका सत्यतासे प्रतिपादन करता है।

(७) सत्य-आचरणमें निम्न-लिखित बातें गर्भित हैं, यथा–

(क) जीव मात्र पर दया करना, कभी किसीको शरीरसे कष्ट न देना, वचनसे बुरा न कहना और मनसे बुरा न विचारना।

(ख) क्रोध-मान-माया-लोभ और मत्सर आदि कषायभावोंसे आत्माको मलिन न होने देना, उसे इनके प्रतिपक्षी गुणोंसे सदा पवित्र रखना।

(ग) इंद्रियों और मनको वश करना एवं वहिरंग अर्थात् संसारकार्योंमें लिप्त न होना।

सूयणा

पयासणमिणमम्ह धम्मगुरूण गरिमजियमेरूण साहुकुलचूलामणीण अहिलसग्गुणखणीण चत्तअदत्तकलत्तपुत्तमित्ताण पसंतचित्ताण अग्गिव्व उग्गतवतेयदित्ताण पोम्मं व अलित्ताण पागयजणमुच्छाविहाणनियाणविसयगामविरयाण पंचविहायारनिरइयारचरणनिरयाण भवोयहितारणतरंडाण अण्णाणतमोहपयंडमायंडाण मोहेभनिवारणवरंडाण पासंडिमाणसेलमद्दणवज्जदंडाण वाउरिव अपडिवद्धाण तवसिरिसमिद्धाण सम्मअवगयजिणमयसम्मयसुहुमयरवियारसयलभवसिद्धियलोयहियंगमाण सुसंजयपंचपमियतरलयरकरणतुरंगमाण दुज्जयअणंगमायंगभंगसारंगपुंगवसरिच्छाण अक्कुव्व सुयणंवुरुहवोहणअण्णाणमोहतिमिरभरहरणधम्मुज्जोयकरणिक्कतल्लिच्छाण दुहतरुउम्मूलणेक्कखरपवणाण चरित्तणाणदंसणफलुद्धमुणिंदसउणमेरुवणाण सारयसलिलं व सुद्धमणाण पाविंधणोहहुयासणाण संसारण्णवमज्जंतजीवगणतारणसमत्थवोहित्थाण अद्दिव्व धीरिमापडिहत्थाण जिणपवयणगयणनिसायराण मेराणाणचरणाइनिम्मलगुणरयणरयणायराण नियसुद्धुवएसदेसणाणिण्णासियभव्वजंतुजायजीवियभूयसम्मदंसणणासणपच्चलमिच्छादंसणुग्गगरलाण दुज्जणदुव्वयणपवणवाए वि अतरलाण विसयसुहनिप्पिवासाण मुक्कगिहवासपासाण दूरपरिचत्तविइगिच्छाअरइरइभीइहासाण मित्तसत्तुजणजुम्मसमाणमणोविलासाण नवविहवंभचेरगुत्तिसम्मसंरक्खणेक्कपरायणाण दुक्कम्मदइच्चनिवहविद्धंसणनारायणाण **सुत्तत्थविसारयाण** जिणधम्मपसारयाण मरालुव्व परगुणखीरगहणदोसंवुविवज्जणवियक्खणाण कयछक्कायरक्खणाण खं व अणप्पकुवियप्पसंकप्पसुण्णाण खंतिमुत्तिअज्जवमद्दवलाघवाइपुण्णाण धरामंडलव्व सव्वसहाण भवदुक्खायवसंतत्तपंथिसंतिदायगदहाण चंदणवणं व सुसीयलाण जसच्छाइयवरणीयलाण कंदप्पदप्पदलणिक्कमल्लाण नीसल्लाण नियनिरुवमवयणकलारंजियसयललोगाण सव्वहा निम्ममयाए निरासीकयसोगाण आइच्चुव्व तेयसा फुरंताण धम्मुव्व मुत्तिमंताण जियतिजयदप्पकंदप्पमत्तगयवियडकुंभयडदलणसीहाण निरीहाण जिणगणहरसमणुचिण्णसम्ममग्गाणुयाईण निहिलागमपारयाईण परजियपियहियमियफुडभासीण सयलगुणरासीण माणावमाणपसंसणिंदणलाहालाहसुहदुहसमाणमणसाण अंसुमालिव्व फेडियदुम्मइतमसाण संतिमुत्तीण सियकित्तीण जीवुव्व अप्पडिहयगईण जिणपवयणाणुसारमईण अमयनिग्गमुव्व सोमसहावाण महापहावाण पंचाणणुव्व दुप्पधंसणिज्जाण सयलजणाभिगमणिज्जाण सासणपभावगाण जीवे सम्मग्गे ठावगाण जम्मजरमरणकल्लोललोलजलपडलपुण्णविविहमहायंकसमुल्लसंतलक्कणक्कचक्क-

(घ) उत्तम क्षमा-निर्लोभता-सरलता-मृदुता-लाघवता-शौच-संयम-तप-त्याग-ज्ञान-ब्रह्मचर्यात्मक धर्मको धारण करना।

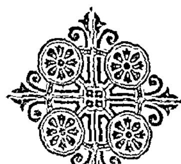
(ङ) झूठ-चोरी-कुशील-मानवद्रोह-विश्वासघात-द्रोह-रिश्वत देना लेना-दुर्व्यसन आदि निन्द्यकार्योंसे ग्लानि करना अर्थात् उन्हें त्यागना।

(८) यह संसार स्वयं सिद्ध अर्थात् अनादि अनंत है इसका कर्ता हर्ता कोई नहीं है।

(९) आत्मा Soul और परमात्मा God में केवल विभाव और स्वभावका अंतर है। जो आत्मा रागद्वेषरूप विभावको छोड़कर निजस्वभावरूप हो जाता है उसे ही परमात्मा कहते हैं।

(१०) ऊंच-नीच-छूत-अछूतका विकार मनुष्यका निजका किया हुआ विकार है, वैसे मनुष्यमात्रमें प्राकृतिक भेद कुछ भी नहीं है।

मंत्री



सूयणा

पयासणमिणमम्ह धम्मगुरूण गरिमजियमेरूण साहुकुलचूलामणीण अहिलसग्गु-णखणीण चत्तअदत्तकलत्तपुत्तमित्ताण पसंतचित्ताण अग्गिव्व उग्गतवतेयदित्ताण पोम्मं व अलित्ताण पागयजणमुच्छाविहाणनियाणविसयगामविरयाण पंचविहायारनिरइयार-चरणनिरयाण भवोयहितारणतरंडाण अण्णाणतमोहपयंडमायंडाण मोहेभनिवारणवरं-डाण पासंडिमाणसेलमद्दणवज्जदंडाण वाउरिव अपडिबद्धाण तवसिरिसमिद्धाण सम्म-अवगयजिणमयसम्मयसुहुमयरवियारसयलभवसिद्धियलोयहिययंगमाण सुसंजयपंच-पमियतरलयरकरणतुरंगमाण दुज्जयअणंगमायंगभंगसारंगपुंगवसरिच्छाण अक्कुव्व सुयणंबुरुहवोहणअण्णाणमोहतिमिरभरहरणधम्मुज्जोयकरणिक्कलच्छाण दुहतरुउम्मू-लणेक्कखरपवणाण चरित्तणाणदंसणफललुद्धमुणिंदसउणमेरुवणाण सारयसलिलं व सुद्धमणाण पाविंधणोद्दहुयासणाण संसारण्णवमज्जंतजीवगणतारणसमत्थवोहित्थाण अद्दिव्व धीरिमापडिहत्थाण जिणपवयणगयणनिसायराण मेराणाणचरणाइनिम्मल-गुणरयणरयणायराण नियसुद्धुवएसदेसणाणिण्णासियभव्वजंतुजायजीवियभूयसम्म-दंसणणासणपच्चलमिच्छादंसणुग्गगरलाण दुज्जणदुव्वयणपवणवाए वि अतरलाण विसयसुहनिप्पिवासाण मुक्कगिहवासपासाण दूरपरिच्चत्तविइगिच्छाअरइरइभीइहासाण मित्तसत्तुजणजुम्मसमाणमणोविलासाण नवविहबंभचेरगुत्तिसम्मसंरक्खणेक्कपरायणाण दुक्कम्मदइच्चनिवहविद्धंसणनारायणाण **सुत्तत्थविसारयाण** जिणधम्मपसारयाण मरालुव्व परगुणखीरगहणदोसंबुविवज्जणवियक्खणाण कयछक्कायरक्खणाण खं व अणप्पकुवियप्पसंकप्पसुण्णाण खंतिमुत्तिअज्जवमद्दवलाघवाइपुण्णाण धरामंडलव्व सव्वसहाण भवदुक्खायवसंतत्तपंथिसंतिदायगदहाण चंदणवणं व सुसीयलाण जस-च्छाइयधरणीयलाण कंदप्पदप्पदलणिक्कमल्लाण नीसल्लाण नियनिरुवमवयणकलारंजि-यसयललोगाण सव्वहा निम्ममयाए निरासीकयसोगाण आइच्चुव्व तेयसा फुरंताण धम्मुव्व मुत्तिमंताण जियतिजयदप्पकंदप्पमत्तगयवियडकुंभयडदलणसीहाण निरीहाण जिणगणहरसमणुचिण्णसम्ममग्गाणुयाईण निहिलागमपारयाईण परजियपियहिय-मियफुडभासीण सयलगुणरासीण माणावमाणपसंसणिंदणलाहालाहसुहदुहसमाणम-णसाण अंसुमालिव्व फेडियदुम्मइतमसाण संतिमुत्तीण सियकित्तीण जीवुव्व अप्पडि-हयगईण जिणपवयणाणुसारमईण अमयनिग्गमुव्व सोमसहावाण महापहावाण पंचा-णणुव्व दुप्पधंसणिज्जाण सयलजणाभिगमणिज्जाण सासणपभावगाण जीवे सम्मग्गे ठावगाण जम्मजरमरणकल्लोललोलजलपडलपुण्णविविहमहायंकसमुल्लसंतलक्कणक्कचक्क-

अणवरयविसप्पिररोगसोगमयराइभीमभवण्णवाउ भव्वे धम्मदोणीतारणमट्ठ-कुसलकण्णधाराण धीरधुरधवलुव्व उव्वहियदुव्वहपंचमहव्वयगुरुभाराण उदहिव्व गहीराण सोहमल्लिक्कवीराण पावदावग्गिनीराण दुरियरयसमीराण जिणधम्मरहस्स-सारहीण धम्मकहीण तिगुत्तिवग्गावसीकयदुट्ठमणस्साण अवगयदुग्गमसिद्धंतरहस्साण अपसत्थासवदारनिरोहगाण वहुभव्वजणसमाजबोहगाण जिइंदियाण धम्मपियाण पंचविहसज्झायविहिविहाणविहावणसावहाणाण अहिलजगज्जंतुजायवियरंतअभयदा-णाण भवजलहिवुड्डंतजंतुसंतरणअणहवरजाणाण भवभयनारयवंधणविच्छेयनिमि-त्तसत्ताणाण समतिणमणिलेट्ठुकंचणाण छड्डियमयतण्हावंचणाण अण्णाणतिमिरावरि-यअंतरणयणजणताविइण्णतदुग्घाडणारिहतव्विमलयाहेउपरमणाणंजणाण संखुव्व निरंजणाण कम्ममहीरुहकुमइल्लउप्पाडणगइंदाण परतित्थियमियमइंदाण कासकुसु-मालिनिम्मलजसभरपरिभरियभुवणयलाण दारिद्दुमदवानलाण सोमुव्व सोम्मयागु-णगरिट्ठाण सव्वसाहुजणपगिट्ठाण सीहुव्व असंखोहाण आहिवाहिउवाहिकसायग्गिउ-ल्हवणमेहसंदोहाण वज्जियलोहानियडिमयकोहाण पणट्ठसंपदायपक्खवायमोहाण अण्णाणंधयारावडियदावियमुत्तिमग्गाण **गयसग्गाण** किं वहुणा सव्वसाहुगुणोव-माजुत्ताण ससहरुव्व विवुहजणमणचओरासंदाणंददायगभव्वहिययकेरववियासगनिय-सियसुजससजुण्हाधवलियदियंतरअण्णउत्थियचक्कविहडणपयडमाहप्पपावकलंकपंकत्तण-मुत्ताण अज्जपरमपुज्जाण वंदणिज्जाण ४ सिरि १०८ **सिरिफकीरचंदमहारायाण धारणाववहाराणुसारं** वट्टइ जइ मे पयासेण कस्स वि किंचि वि लाहो होहिइ तो सपयत्तसाहल्लं मण्णिस्सं, दिट्ठिमुद्दणक्खरजोजगदोसा कहिंपि कावि असुद्धी होउ सोहिज्जउ, पेसिज्जउ ससम्मई, इमस्स सज्झायं कट्टु वुहा निरावाहं सुहं पाउणंतुत्ति।

गुरुपयंवुरुहदुरेहो-पुप्फभिक्खू

सूचना

यह प्रकाशन मेरे धर्मगुरु धर्माचार्य साधुकुलशिरोमणि १०८ **श्रीफकीरचंद्रजी महाराज**(स्वर्गीय)के धारणाव्यवहारानुसार है। यदि कोई दृष्टि-मुद्रणादि दोष हो तो स्वाध्यायप्रेमी सज्जन सुधारकर पढ़ें। यदि इस प्रयत्न से मुमुक्षुओं को ज्ञानसाधनाका लाभ मिला तो परिश्रम सफल समझकर सन्तोष होगा। इसका अहर्निश स्वाध्याय करते हुए वे निराबाध सुख प्राप्त करें। मुनिगण अपनी सम्मति समितिको भेजें।

गुरुचरणचंचरीक

पुप्फभिक्खू

गुरुस्तुतिः

श्लोकाः

ध्यानाद्यस्यार्थसिद्धिः प्रभवति निखिलज्ञानरूपोऽमरो यो,
ध्येयः सच्चित्स्वरूपो विमलगुणयुतो रागबन्धादिशून्यः ।
सर्वज्ञोऽनन्तशक्तिर्विविधशिवकरो योगिभिर्ध्यानगम्यः,
सोऽयं कल्याणमूर्तिः परमकरुणया रक्षताद्वो जिनेशः ॥ १ ॥

शिखरिणी

स जीवः पुण्यादिप्रकृतिगुणतोऽनन्तविभवः,
स्वयं कर्ता भोक्ताऽऽगमगिरिजिनेन्द्रः कथितवान् ।
कदाचिन्नो वृद्धिः क्षतिरपि न चास्यास्ति शुभदः,
स नः कुर्य्याच्छान्तिं जिनसुरवरोऽनाद्यनिधनः ॥ २ ॥

सूर्य्यश्चन्द्रो ग्रहादिर्गगनतलगतस्तारकादिर्भवेऽस्मिन्,
जीवो देहानुकूलः क्षितिरनलजलं वायुरग्निर्मनोऽपि ।
चैतन्यं पुद्गलोऽपि प्रथितगुणयुतः सिद्धभावानुकूलं,
एतत्सर्वं मिलित्वा प्रभवति भुवनं पातु श्री वीरदेवः ॥ ३ ॥

धर्म्मव्यत्ययकरे, मलीमसाचारे, पञ्चमारककलौ सर्वदुःखाकरे, विविधवेदनामये, केषामपि प्रवृत्तिर्मा भूयादिति स्याद्वादांगयोगान्तर्गतदयासत्याचौर्य्यब्रह्मचर्य्यापरिग्रहादिपंचविधयम(महाव्रत)परिपालनासक्तचित्ता जिनेन्द्रैर्मुनिपदे नियुक्तास्तथाऽऽगमनिगमोक्तधर्मप्रचारपरायणाश्च ॥

जिनधर्म्मानुगा, देवगुरुभक्तिप्रवणमानसाः, श्रमणवचनश्रद्धावन्तो, नान्यथावादिनो, जैनागतनवतत्त्वावगन्तारो, द्वितीयाश्रमस्थाः श्रावक(गृहस्थ)पदे शोभिता भगवद्भिः ॥

सच्चिदानन्दरूपेण, वीतरागेण, जिनेन, कर्म्मबन्धादबन्धो भूत्वा सर्वानन्दानन्दितेन, व्यापकस्वभावेन, सर्वविदा अपुनरावृत्तिरूपा मुक्तिर्निरूपिता ॥

चतुर्थकालान्ते च त्रिविधतापसन्तप्तमानजनतर्प्पणाय कृतगणधरावतारेण, जिनोक्तद्वादशांगविशिष्टशिष्टशास्त्राध्ययनाध्यापनादिधर्मवृद्धिप्रवृत्तिकृते परोपकारवत्त्वेन स्थितो धर्मादिरूपोऽनाद्यनिधनाचारः श्रीमता सुधर्माचार्येणोदाहृतः ॥

तेन चतुर्विधसंघत्वेगिसाधुसाध्वीनां श्रावकश्राविकाणामन्योन्यमधर्म्मनिवृत्तिपूर्वकधर्मविचारणाय या-ाऽऽविर्भावो मन्यते स्म ॥

सुधर्माचार्यत एकसप्ततितमे पट्टे निरवद्यविद्योतमानमहाकविपरिकरकुमुदाकर-राकानिशाकरश्रीजैनगणालिसमास्वादितचरणारविन्दमकरन्दश्रीनाथूरामजैनाचार्येण श्रुतचारित्रप्रचारयोर्जिनधर्म्मयोः प्रचारेण स्वान्तेवासिभ्यो मुनिनेत्र(२७)मितेभ्यः जिनोदितसिद्धान्तं प्रतिपाद्यादिजिनोक्ताऽनादिजिनधर्म्मप्रचारोभिहितः ॥

ततः क्रमशः पंचसप्ततितमपट्टस्थितेन सर्वषड्जीवनिकायाभ्युदयप्रवृत्तये उत्तम-चंद्राचार्येणाचार्यपदं सुशोभनं कृतम्। तत्समकालीनश्च जैनाचार्यो मज्जुलालो जातः। यश्च निगमागमतर्कज्योतिषशास्त्रजन्यरहस्यादिपारंगमः ॥

श्रीमदुत्तमचंद्रजैनाचार्यानुसरणशीलब्रह्मचर्याश्रमसम्पन्नसुसंयमीभूतभव्यप्रबो-धकतपस्विप्रवरो रामलालजैनमुनिर्जातः ॥

यदन्ते निवासार्हस्य श्रीमच्छ्रीमालवंशसमुत्पन्नस्य वार्द्धक्य(स्थविर)पदविभूषि-तस्य मृदुलस्वभावस्य पूर्वजन्मजन्मान्तरकर्म्मक्षयार्थं श्रीमान् जैनमुनिवर्य्यश्रीफकीर-चन्द्रसाधुः समभिजातः ॥

यतः-

नमाम्यहं श्रीशफकीरचन्द्रं, गुणाकरं किन्नरपूज्यपादम्।
योगीश्वरं तोषकरं स्वरूपं, लावण्यगात्रं बहुसौख्यकारम् ॥ १ ॥
भवन्तमीशं भजतोऽनुजातु, दुःखान्यलं कानि च नापि तापैः।
पाणिस्थचिन्तामणिसंगभाजं, का निर्ऋतिः पीडयितुं शशाक ॥ २ ॥
भक्त्या जना ये तव पादसेवां, कुर्व्वन्ति सन्ते तु लभन्ति चैव।
न दुःखदौर्भाग्यभयं न मारिः, स्मरन्ति ये श्रीशफकीरचंद्रम् ॥ ३ ॥
भव्या जना ये सुनमन्ति नित्यं, तेषां मनीषां सफलीकरोति।
लक्ष्मीं यशोराज्यरतिं प्रभृतिं, विद्यावरश्रीललनासुखानि ॥ ४ ॥
कविः सुबुद्ध्या गुरुसन्निधोऽपि, कस्ते गुणान् वर्णयितुं समर्थः।
तथाऽपि त्वद्भक्तिरतश्च पुष्पः, करोति नित्यं गुणवर्णनां ते ॥ ५ ॥
महार्णवे भूधरगह्वरेऽपि, स्मरन्ति ये स्वामिफकीरचन्द्रम्।
सुखैः सहायान्ति नराः स्वधाम्नि, ततो भवन्ति प्रणमामि कामम् ॥ ६ ॥

अथ श्रीपुष्पाष्टकम्

वीराय ज्ञातपुत्राय, महावीराय तायिने ।
जिनाय वर्धमानाय, श्रमणाय नमो नमः ॥ १ ॥
यस्य दुर्वासना शान्ता, शान्तेच्छो यो मुनीश्वरः ।
तस्मै फकीरचन्द्राय, नमोऽस्तु शिवमूर्तये ॥ २ ॥
यस्य शिष्यस्सदाचारी, पुष्पेन्दुमुनिसंज्ञकः ।
शास्त्रतत्त्वविशेषज्ञ-, स्तस्मै ज्ञानात्मने नमः ॥ ३ ॥
दुःखभाजां नितान्तं यो, दुःखान्धतरणिर्मुदा ।
तस्मै नमोऽस्तु शान्ताय, जिनेशपदसेविने ॥ ४ ॥

शार्दूलविक्रीडितवृत्तम्

श्रीमद्देवजिनेन्द्रपादयुगलाऽम्भोजाऽर्चनाऽऽसक्तधीः,
संसाराम्बुनिधौ निमग्नजनतोद्धाराय पोतोऽस्ति यः ।
जैनाचारवतामबोधहरणे भास्वत्समो ज्ञानविद्-,
भक्ताऽज्ञानविनाशकृद्विजयतां श्रीपुष्पचन्द्रो मुनिः ॥ १ ॥
यस्यान्तःकरणे दयोन्नतिकरी विज्ञानमात्मन्यदः,
संसारोरगभीतिहृज्जनपदाऽशेषार्तिहो योऽनिशम् ।
शान्तो यो निजधर्मरक्षणपरो स्वाध्यायध्याने रतः,
सोऽयं साधुशिरोमणिर्विजयते पुष्पेन्दुसंज्ञो मुनिः ॥ २ ॥
भिक्षायाचनहेतवे गृहवतां येषां गृहे प्रैति य-,
स्तेषां पापचयं प्रयाति रविणा नैशं यथा ध्वान्तकम् ।
सारासारविचारणे च नितरां लग्नं मनो यस्य हि,
श्रीमान्पुष्पशशी मुनिर्विजयतां सः श्रीगुरोस्सेवकः ॥ ३ ॥
मुक्त्यर्थं यतते च यो जितरिपुः श्राद्धार्चिताङ्घ्र्यब्जको,
ज्ञानाचाररतो विशुद्धमनसां पादाम्बुजालिः सदा ।
जीवापद्विनिवारणेऽतिकुशलस्स्वीयाऽमरेशे मतिः,
सोऽयं कौ जयतान्मुदा मुनिवरः पुष्पेन्दुसंज्ञो मुनिः ॥ ४ ॥
दूरं दुःखचयं व्रजेच्च सुतरां यद्दर्शनात्कर्म्मजं,
यद्वाचा जनतामनः कलुषतां त्यक्त्वा विशुद्धं भवेत् ।
यस्यास्ति भ्रमणं हिताय च सतां नाशाय दुःखाम्बुधेः,
स श्रीपुष्पमुनिस्सदा विजयतां कल्याणमूर्तिर्भृशम् ॥ ५ ॥

नानादेशगतैर्जनैर्जिनकथापीयूषपानेप्सुभि-,
जैनाऽजैनगतस्य यस्य मुखतो नित्यं कथा श्रूयते ।
यस्यास्ते नितरां विहारकरणं लोकोपकाराय च,
तं पायादृषभो जिनो विषयतः पुष्पेन्दुसंज्ञं मुनिम् ॥ ६ ॥

यद्वाणी च सदा सुधारससमाऽविद्यान्धकारापहा,
यच्छीलेन जना मुदं च मनसा संलब्धवंतः पराम् ।
यत्कीर्तिर्विशदा दिगन्तविितता राराज्यमाना सदा,
अव्यात्तं जिनराजभक्तिनिरतं श्रीपुष्पचंद्रं जिनः ॥ ७ ॥

शास्त्रोद्यानसुतत्त्वविज्ञवरैर्वन्द्यो भृशं योऽनिशं,
साधूनां प्रवरो निरस्तविषयो यस्यानुरागो गुरौ ।
गंगानीरसमस्ससुज्ज्वलतरो यस्यास्ति नीतिर्मतौ ,
सः श्रीपुष्पविधुर्मुदा विजयतां सर्वार्थसिद्धिप्रदः ॥ ८ ॥

साधुसेवानुरक्तेन, चन्द्रशेखरशर्म्मणा ।
कृतं पुष्पाष्टकञ्चेतत्, पुष्पेन्दुभक्तिहेतवे ॥ १ ॥

इति श्रीकाशीस्थपण्डितचन्द्रशेखरशर्मा
व्याकरणन्यायाचार्यविरचितं
पुष्पाष्टकं सम्पूर्णम्

॥ श्रीः ॥

दिनाङ्कः १२-११-१९५४

श्रीमतां श्रद्धेयानां पुष्पभिक्षुवर्य्याणां

— स्तवः —

यदीयवचनावलिर्विकृतभावनानाशिनी ।
कुबुद्धिकुमुदावलीरविरजस्समुद्यत्प्रभा ॥
सुधारसमयी परा सुजनमानसोल्लासिनी ।
सदा मुनिवराग्रणीं जगति पुष्पभिक्षुं स्तुमः ॥ १ ॥
[illegible]-।
[illegible] ॥
[illegible] ।
सदा मुनिवराग्रणीं जगति पुष्पभिक्षुं स्तुमः ॥ २ ॥

वितानिततपोवलोऽतनुमङ्गलापादको ।
जिनप्रवचनानुगो दमितसर्वसञ्ज्ञात्मको ॥
महागुणगणावहो सकलमोहविध्वंसको ।
जयत्वविरतं सुधीन्द्रवरपुष्पभिक्षुः स्वयम् ॥ ३ ॥

रचयिता
ग. भि. जोशी.
काव्य-वेदान्त-पुराण-तीर्थः, साहित्यप्राज्ञः,
रा. भा. कोविद. हिंदी सनद. पनवेल (कोलावा)।

बत्तीससुत्तणामट्ठगं

गीइवित्तं-आयारंगं पढमं, वीयं सूयगडंगं अक्खायं ।
ठाणंगं च तइयं, समवायंगं हवइ खलु चउत्थं ॥ १ ॥
पंचमं च खु भगवई, णायाधम्मकहा य भवे छट्ठं ।
उवासगदसंगं स-त्तमं अट्ठमं अंतगडदसंगं ॥ २ ॥
अणुत्तरोववाइयं, नवमं दसमं पण्हावागरणं ।
इक्कदसमं विवागसुयं इइ इक्कारसंगाइं भणियाइं ॥ ३ ॥
उववाइयं तह राय-पसेणियं जीवाभिगमो य पुणो ।
पण्णवणा तह जंबुद्दीवपण्णत्ती चंदपण्णत्ती ॥ ४ ॥
सूरपण्णत्ती तहा, णिरयावलिया कप्पिया पुप्फिया ।
पुप्फचूलिया य वण्हि-दसाओ वारसाइं उवंगाइं ॥ ५ ॥
ववहार-विहकप्प-णिसीह-दसासुयक्खंधेहिं च ।
चत्तारि उ सुत्ताइं, छेयाइं सव्वाइं सत्तवीसं ॥ ६ ॥
दसवेयालियं तहा, उत्तरज्झयणं णंदिस्सुयं च ।
अणुओगद्दारं तह, चत्तारि इमाइं मूलसुत्ताइं ॥ ७ ॥
आवस्सयसुत्तं तह, वत्तीसमं भणियं जिणवरेहिं ।
विविहत्थवोहयाइं, भव्वजीवहेउओ दंसियाइं ॥ ८ ॥

कत्ता—कच्छी मुणिरयणचंदो



पट्टावली

मंगलायरणं

दुयविलंबियवित्तं-भवियणंवुयभासणभक्खरो, भुवणवंधवईहियदायगो ।
पणयवासवचक्कणिवावली, विजयउ उसहोऽत्थ जिणाहिवो ॥ १ ॥

वेयालीयं-सुमई वहवेऽभिहाणओ, गुणजुत्ता पुण इत्थ दुल्लहा ।
सुमइं गुणओऽभिहाणओ, पणमामीसमणंतसग्गुणं ॥ २ ॥

पंचचामरं-जगप्पमोयदायगं पणट्ठमोहसायगं ।
समीसचित्तवासिणं परप्पसंपयप्पिणयं ॥
विसिट्ठदेसणाअणाइसिद्धिमग्गदंसगं ।
णमो अणंतसम्ममग्गविस्ससेणणंदणं ॥ ३ ॥

दोहयं-घाइचउक्कयकम्मविणासा, लद्धमहोदयकेवलवोहं ।
जोगनिरोहसमस्सियकायं, झासि सया मुणिसुव्वयणाहं ॥ ४ ॥

मंदक्कंता-भव्वागारं पसमजलहिं सक्कपूयंघिपोम्मं,
मेहस्सामं विमलमइदं भिण्णसंसारचक्कं ।
संसारद्धिप्पवहणणिहं मेहगंभीररावं,
तं संखंकं पवरविहिणा णेमिणाहं थुणेहं ॥ ५ ॥

सिहरिणी-समं चेओ जस्स प्पणइधरणिंदे य कमढे,
महावेसत्तोमग्गिविसरविदड्ढेऽहमतमे ।
मणोऽभिट्ठायाऽमरविडवितुल्लो जगइ जो,
थुणे तं वामेयं जियसुरतरुं भव्वचरणं ॥ ६ ॥

सद्दूलविक्कीडियं-**वीरो** विस्सविजेउकामविजई **वीरं** न को जाणए,
वीरेणेव विवोहियं जगमिणं **वीराय** सव्वं मम ।
वीरा निस्सियवं सुइक्कजलही **वीरस्स** णाणं महं,
वीरे सव्वगुणा वसंति दिस मे **वीरा**! गिरिं नामइं ॥ ७ ॥

अह पट्टावली पारब्भिज्जइ

चरिमतित्थयरो **णायपुत्तमहावीरो** दुरियरयसमीरो पावतावनिन्नीरो केवलसिरिवरो जाओ ॥ तप्पट्टे **पंचमगणहरो सुहम्मो** निद्दलियकुमयकम्मो [illegible] [illegible] हुओ ॥ १ ॥ तप्पट्टे **अज्जजंबू** बालबंभयारी [illegible] [illegible] [illegible] आणंदकारी हुओ ॥ २ ॥ तप्पट्टे

पभवणामधारओ गहियसंघभारओ सयलजियहियकारओ अणगारओ सुत्तत्थधारओ पारओ भूओ ॥ ३ ॥ तओ दसवेयालियपणेया संघणेया सयलवाइजेया **सिज्जंभवणामायरिओ** ॥ ४ ॥ तयणंतरं **जसोभद्दनामो** विजियकामो विहरियगामाणुगामो सुचरियसंजमगुणधामो ॥ ५ ॥ तप्पच्छा अइणाणवंतो पसंतो खंतो दंतो धम्मारामे विहरंतो **संभूइआयरिओ** ॥ ६ ॥ तयाणंतरं **अज्जभद्दबाहू** चउणाणचउदहपुव्वधारगो दसाकप्पववहारकारगो सुयसमुद्दपारगो ॥ ७ ॥ तप्पट्टे उक्किट्ठबंभयारी **थूलभद्दमुणी** गुणी गणी सव्वसाहुसिरोमणी सयलगुणगणखणी ॥ ८ ॥

अज्जावित्तं-अज्जमहागिरिवेलिस्सहा संतीयरिओ कमेण पुणो।
पण्णवणाकत्तारो **सामायरिओ** गुणी जाओ ॥ १ ॥
संडिल्लो जिणधम्मो समुद्दओ णंदिलो तहा गुणवं।
सिरिणागहत्थिरेवयखंदिल्लाणाम आयरिया ॥ २ ॥
सीहगिरी सिरिमंतो णागज्जुणओ पुणो य **गोविंदो**।
भूयदिण्णआयरिओ लोहायरिओ गुणड्ढी उ ॥ ३ ॥
दुप्पसदेवड्ढिगणी वीरभद्दो तहेव **सिवभद्दो**।
जसवीरसेणणिज्जामया य गुणिओ **जसस्सेणो** ॥ ४ ॥
हरिस्सेणजयसेणो जयपालगणी तहेव **देवरिसी**।
भीमसेणआयरिओ तप्पट्टे **कम्मसीहो** य ॥ ५ ॥
रायरिसीसिरदेवसेणसंकरसेणो य **लच्छिल्लाहो** उ।
रामरिसी तह **पउमो** आयरिओ **पुज्जहरिसम्मो** ॥ ६ ॥
कुसलप्पहो य **उमणायरिओ जयसेणपुज्जबीयरिसी**।
गणी **सिरिदेवचंदो सूरस्सेणो महासीहो** ॥ ७ ॥
महसेणो जयराओ गयसेणो तह उ **मित्तसेणो** य।
विजयसीहसिवराया लालायरिओ तहा कमसो ॥ ८ ॥

गाहा-णाणायरियभूणामो, रूवआयरिओ तहा।
जीवस्सी तेयराओ य, **हरजीणाम** बुद्धिमं ॥ ९ ॥
जीवराओ उ **धणजी, विस्सणायरिओ** तहा।
मणजीणामधेज्जो उ, मणोणिग्गहकारगो ॥ १० ॥
नाथूरामायरिओ य, तप्पट्टे णाणसागरो।
लच्छीचंदआयरिओ, तप्पट्टे **छीतरमलो** ॥ ११ ॥

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

पासंगियं किंचि

सयलजगजीवाणमप्पब्भुट्ठाणाभिलासा वट्टए, एयं चावस्सयं पि । जेण लद्ध-मणुयजम्मेण ण कयमत्तहियं तज्जम्ममफलं । अप्पहियट्टा चेव जणो पवयणसवण-सज्झायकरणतवजवसंजमाइकज्जेसु पवट्टइ । धम्मकरणं पि णाणेण विणा ण संभवइ त्ति णाणमाहप्पं । वुत्तं च-

णाणं मोहमहंधयारलहरीसंहारसूरुग्गमो,
णाणं दिट्ठअदिट्ठइट्ठघडणे संकप्पकप्पद्दुमो ।
णाणं दुज्जयकम्मकुंजरघडापंचत्तपंचाणणो,
णाणं जीवअजीववत्थुविसरस्सालोयणे लोयणं ॥ १ ॥

तण्णाणं च पंचविहं, तम्मि वि सुयणाणं विसिस्सइ णेगाण भव्वजीवाणमुव-यारत्तणओ । सुए त्ति वा सिद्धंते त्ति वा सुत्ते त्ति वा सत्थे त्ति वा आगमे त्ति वा एगट्ठा । आगमे तिविहे प०, तंजहा-सुत्तागमे, अत्थागमे, तदुभयागमे । एसो जो महागंथो तुम्ह करकमले विज्जइ तव्वारसुवंगचउछेयचउसूलावस्सयसंजुओ टिप्पण-परिसिट्ठाईहिं समलंकिओ सुत्तागमस्स बीओ अंसो । पढमो अंसो ताव इक्कारसंग-संगओ इओ पुव्विं मम धम्मायरिएहिं परमपुज्जसिरिपुप्फभिक्खूहिं संपादिओ सिरि-सुत्तागमपगासगसमिईए पगासिओ वट्टए त्ति सुविइयमेव सव्वेसिं । सुत्तागमणिच्च-सज्झायमणणचिंतणणिदिद्धासणेणमत्तपरूवणाणं होहिइ । किं कायव्वं मए किं करेमि केण पहेण गंतव्वं केण जामि किं हेयं किं णेयं किमुवादेयं त्ति जाणित्तु सुत्तागम-सज्झायकारगो अत्ताणं धम्मे ठाविस्सइ परं धम्मे ठाविस्सइ । केण कम्मेण जीवो णेरइओ वा तिरिओ वा मणुओ वा देवो वा सिद्धो वा जायइ तव्वण्णणमस्सिमत्थि । णत्थि कोवि विसओ जो सुत्तागमे णत्थि । दव्वाणुओगो भगवईपण्णवणाईसु । धम्म-कहाणुओगो (चरियाइं) ताव आयारे महावीरचरियं, सूयगडे उसभजिणअट्ठाण-उइपुत्तअद्दगाईणं, ठाणे महापउमचरियं, समवाए महापुरिसाणं माउपिउपुव्वभ-वणामाइं, भगवईए रोहाऽणगारखंधयतामलिसिवरायरिसिमहाबलउसहदत्तदेवाणंदा-जमालिगंगेयअइमुत्तगोसालयोदायणमिगावईजयंतीसोमिलाईणं चरियाइं संति । छट्ठ-सत्तमट्ठमणवमेक्कारसमंगाइं सव्वहा कहामया चेव । ओववाइए अंबडचरियं, रायपसे-णइए सूरियाभदेवचरियं पएसिकहाणयं च, जीवाजीवाभिगमे विजयदेवचरियं, जंबुद्दी-वपण्णत्तीए उसहजिणचरियं भरहचक्किचरियं च, णिरियावलियाइपंचुवंगाइं सव्वहा

चरित्तनयाइं, उत्तरज्झयणे कविलणमिहरिएसिचित्तसंभूयउसुयारगग्गायरियसंजयराय-
मियापुत्तअणाहिमुणिसमुद्दपालरहणेमिकेसिगोयमजयघोसविजयघोसाईणं, पढमे परि-
सिट्ठे कप्पसुत्ते वीरचरियं पासचरियं अरिट्ठणेमिचरियं रिसभजिणचरियं च। ससमय-
परसमयवत्तव्वया नवनयठावणा परसमयनिराकरणाइवण्णणविसओ सूयगडे समत्थि।
गणियाणुओगो चंदसूरपण्णत्तीआईसु। चरणकरणाणुओगो (आयारलक्खणं) तत्त
आयारे दसवेयालिए एवमाईसु। पायच्छित्तविहाणाइयं चउसु छेयसुत्तेसु। पमाणण-
यणिक्खेववागरणसत्तसरणवकव्वरसाइयं अणुओगद्दारे। आवस्सयकिच्चं साहुसावयाणं
साहुसावयावस्सए। अलमइवित्थरेण चत्तारि वि अणुओगा सुत्तरूवेणमस्सि संति।
एसुत्तमजिण्णासूण मुमुक्खूण गुणगाहगाण सज्जणाण अणुवमणाणसाहणं। चित्तचव-
लयादूरीकरणसव्वुत्तमोवाओ सुत्तागमसज्झाओ। अओ चेव समणेणं भगवया णाय-
पुत्तमहावीरेणं चाउक्कालसज्झायकरणमुवदिट्ठं भासियं च–'सज्झाएणं जीवो णाणावर-
णिज्जं कम्मं खवेइ'। अज्जावहि जेत्तियाइं सुत्ताइं पगासियाइमण्णेहिं ताइं अइभारजुत्ताइं
दुव्वहाइं च। गामे गामे ण होंति पुत्थयालयत्ति मुणिणो जया जं सुत्तमिच्छंति
तया तं ण लहंति। इमं लक्खीकिच्चा दोसु पुत्थएसु बत्तीसं पि सुत्ताइं मम धम्म-
गुरूहिं परमपुज्जसिरिपुप्फभिक्खूहिं संपादियाइं। एयमब्भुयमविइयमभूयपुव्वमस्सुय-
पुव्वमत्थि जं एक्के पुत्थए इक्कारसंगाइं बीए बारसुवंगाइं चउछेयाइं चउमूलाइं सावस्स-
याइं। अओ जिण्णासुणो मुणिणो सज्झायमिमस्स कट्टु णाणवुड्ढिं कुणंतु त्ति विण्णवेइ

गुरुकमकमलभसलो–सुमित्तभिक्खू



णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सिरिसुत्तागमगंथस्स साररूवभूमिया

सिरितित्थयरेहिं जगज्जीवुद्धरणट्ठं विविहोवएसो दिण्णो, जं महारात्तिधरेहिं गणहरेहिं मणसीकाऊणं दुवालसंगीरूवेणं (दुवालसंगसुत्तरूवेणं) गुंफिऊणं तप्पयारो कओ।

इक्किक्कंगसुत्तोवरि तेसिं पुट्ठीकराइं पुढो पुढो आयरिएहिं कमेणं दुवालसुवंगाइं णिम्मियाइं संति। साहूणमायारवियारसुद्धीकराइं च चत्तारि छेयसुत्ताइं णिम्मियाइं। सव्वेहिंतो अंगुवंगसुत्तेहिंतो पमाणणयणिक्खेववागरणप्पमुहविसयजुत्ताइं चत्तारि मूलसुत्ताइं साररूवाइं णिम्मियाइं। तओ पच्छा अंतिममावस्सगसुत्तं (उभओ-कालं वयधराणं मूलुत्तराइगुणेहिंतो अत्तसुद्धीकारयं) णिम्मियं ति।

वारसमस्स दिट्ठिवायंगस्स विच्छेए इक्कारसंगाइं, दुवालसुवंगाइं, चत्तारि छेयसुत्ताइं, चत्तारि मूलाइं, वत्तीसमं चावस्सगसुत्तं एयाइं वत्तीससुत्ताइं सिरिथाणगवासिजइणसमाजेण मण्णिज्जंति।

एसु वत्तीसागमेसु साहुसावगाईणं णायव्वोवादेयछड्डणीयविसयाणं वण्णओ समत्थि। अत्तकम्मधम्मणाणदंसणचरित्तसम्मत्ततववीरियप्पमाणणयणिक्खेवणिच्छयववहारमिच्छत्तकसायप्पमायापमायावयजोगलोगालोगछद्दव्वजीवाइणवतत्तलेसासंसारकम्मवंधोदयउदीरणावेयणाणिज्जरामुक्खणिरयतिरिक्खमणुयदेवप्पमुहाणं विविहविसयाणं इमेसु सुत्तेसु जहट्ठियं सरूवमणंतणाणीहिमुवदंसियमत्थि।

विस्सेऽणेगे धम्मा, अणेगाइं सत्थाइं, अणेगा य मयपहा विज्जमाणा संति। तेसिं धम्मसत्थमयपहाणं पवत्तगा वि णेगे संजाया। उवरुत्तपत्तेयविसयाणं वत्तव्वया जारिसा जइणागमेसु पुढोकरणपुव्वया गूढरहस्सजुत्ता य पच्चक्खणाणीहिं दंसिया अत्थि तारिसा इयरधम्मसत्थेसु ण लब्भइ। केवलणाणीहिं लोए थावरजंगमा अरूविरूविणो पयत्था जारिसा केवलदंसणेण दिट्ठा तारिसा जणहियट्ठयाए आघविया, पण्णविया, परूविया, दंसिया, णिदंसिया। जया अण्णसत्थप्पवत्तगेहिं जं किंचि कहियं वा दंसियं वा पवत्तियं वा तं सव्वं केवलं पण्णावलेण वा जहाणुहवेण वा, जं हि सव्वेसिं मण्णणिज्जं णो होइ त्ति।

एएसिं वत्तीसमूलसुत्ताणमत्था भासंतराइं णेगेहिं कयाइं पगासियाइं संति। किंतु सज्झायकरणट्ठाए कमवि विसयं तेसु मूलसुत्तेसु णिरिक्खणट्ठाए केवलं मूलसुत्ताइं चेव कज्जसाहगाइं भवंति। तेसिं पुढो पुढो वत्तीसं पइक्कइओ-पुत्थयाइं एगीकरणेहिंतो

एगे वा दोसु वा विभाएसु जइ चेव सव्वसुत्तसंगहो हविज्जा ता अईव सुगमया होउ त्ति सत्थविसारएहिं महप्पेहिं अप्पमाईहिं जइणसाहिच्चप्पयारगेहिं जइणेयरजणाणं जइणधम्मरसियकुव्वंतेहिं जइणधम्मप्पयारकए विविहपरिसहसहिज्जमाणेहिं उग्गविहारीहिं सुत्तागमपारीहिं इच्चाइणेगोवमारिहेहिं मुणिवरेहिं सिरिपुप्फभिक्खूहिं महाकट्ठं सहित्ता वत्तीसमूलसुत्तजुयस्स सुत्तागमंसदुयस्स संपादणं कयं। एसिं पयासो पसंसणिज्जो अत्थि। सिरिसुत्तागमपगासगसमिईए पगासं णीयाइं संति पिहप्पिहाइं दोसु पुत्थएसु य वत्तीसं सुत्ताइं।

तेहिं चेव महापुरिसेहिं दोविभायगुंफियसुत्तागमगंथस्स.(वत्तीससुत्ताणं) साररूवभूमियं संलिहिउं पेरिओम्हि त्ति। अणंतणाणिप्परूवियअसुल्लाणमणंतणाणणिहाणरूवाणमेसिं सुत्तागमाणं सारं महासमत्थणाणिणो चेव समववोहिऊणमक्खाइउं वा लिहिउं वा समत्था संति। अहं तु अप्पण्णू एसिं सारमववोहिउं वा कहिउं वा लिहिउं वा णेव समत्थो भवामि। तहवि महप्पाणं किवाए पेरणाइ य अप्पमईए जं किंचि अप्पमवि सुत्तागमाणं साररूवं लिहियमत्थि मए तं सुसंतेहिं सुत्तागमविण्णूहिं सीकरणीयमिति, इच्चेव अब्भत्थणा। सुण्णूसु किं वहुणा?॥

विक्कमीयसंवच्छरं २०११ कत्तियकिण्हणवमी गुरुवासरो	संतचलणसेवगो कच्छी मुणी- रयणेंदू भुयपुरं



णिदंसणं

इह अणाइअणंतदुक्खप्पउरसंसारम्मि जम्मजराउदुक्खसंतत्ताणं जणाणं ण धम्मं विणा चिरंतणसोक्खं ति । णाणाभावे ण धम्मसंभवो त्ति परमोवयारीहिं गणहरेहिं दुवालसंगं गणिपिडगं गुंफियं । तमणुसरित्तु पिहप्पिहायरिएहिं उवंगाइयाइं सुत्ताइं विरइयाइं । एसो सव्वो अक्खयकोससमाणो 'सुत्तागमे' त्ति वुच्चइ । इमो गंथो अद्धमागहीए जहा-"भगवं च णं अद्धमागहाए भासाए धम्ममाइक्खइ । सा वि य णं अद्धमागहा भासा तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अप्पणो सभासाए परिणामेण परिणमइ" ।

सयलाओ इमं वाया विसंति एत्तो य णेंति वायाओ ।
एंति समुद्दं चिय णेंति सायराओ चिय जलाइं ॥

ति वयणाणुसारं सव्वभासामूलत्तणेण सुलहा खु पाइयभासा । तासु विविहासु य सउरसेणीमागहीमरहट्ठिचाइपागयभासासु अद्धमागहा भासा विसिस्सइ अप्पणो उक्करिसाहिक्केण । अओ चेव "देवा णं भंते ! कयराए भासाए भासंति ? कयरा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ? गोयमा ! देवा णं अद्धमागहाए भासाए भासंति, सा वि य णं अद्धमागहा भासा भासिज्जमाणी विसिस्सइ" त्ति वुत्तं ।

अद्धमागहीसद्दस्स वुप्पत्तिं कुव्वाणा केइ जणा 'अर्द्ध मागध्याः' ति वुप्पत्तिबलेण इमीए भासाए मागहीभासाजणियत्तं पडिपाएंति । परं 'अर्द्धमगधस्येयं' ति वत्थुभूयवुप्पत्तिमणुसरिय मगहविसएक्कदेसस्स चेवेयं मूलभूया भासत्ति णिच्छियं । अओ अद्धमागहीसओऽयं गंथो णिच्छएण सयलजणाणं सम्मणाणसम्मदंसणसम्मचारित्तसंपत्तिपुव्वयं सुगइसाहगमत्थि त्ति ण संसयलेसो वि ।

एयस्स सुत्तागमस्स इक्कारसंगसुत्तसंजुओ पढमो अंसो पगासिओ वट्टए । तस्स चेव अवरोऽवसिट्ठो एगवीसइसुत्तसंजुत्तो बीओ अंसो इयाणिं पगासिज्जइ । दिट्ठिवायाभिहाणं बारसममंगं ताव वोच्छिण्णं । एएसिं बारसण्हमंगाणमुवंगभूयाणि बारससुत्ताणि कहियाणि ।

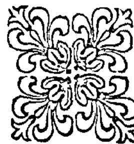
तेसु य आयारंगसुत्तस्स उवंगभूए पढमे कमेण य बारसमे **ओववाइयसुत्ते** णयरिउज्जाणाइवण्णणं वीरसमोसरणं तवोभेया कोणियणिग्गमणं धम्मकहा सिद्धसुहवण्णणाइयमत्थि । तेरसमे सूयगडंगसुत्तस्स उवंगभूए **रायपसेणइज्जे** सूराभदेवपएसीरायकहाणयं वण्णियसुवलब्भइ वित्थरेण । चउद्दसमे ठाणंगस्स उवंगभूए **जीवाजीवाभिगमसुत्ते** जीवाजीवभेयछप्पण्णंतरदीवविजयदेवजंबुद्दीवाईणं वण्णणं समुव-

लब्भइ। पण्णरसमे समवायस्स उवंगभूए **पण्णवणासुत्ते** जीवसिद्धभेयवित्थरो ठाण-अप्पबहुत्तठिइविसेसवक्कंतिउस्साससण्णाजोणिचरमाचरमभासासरीरपरिणामकसायइंदियपओगलेसाकायट्ठिइसम्मत्तअंतकिरियाओगाहणाकिरियाकम्मपयडीबंधवेयबंधवेयवेयाहारोवओगदंसणयापरिणामजोगणाणपरिणामपवियारणावेयणासमुग्घायवण्णओ लब्भइ। सोलसमे विवाहपण्णत्तीए उवंगभूए **जंबुद्दीवपण्णत्तिसुत्ते** जंबुद्दीववण्णणं रिसहदेवचरित्तं भरहचक्कवट्टिकहाणयं जिणजम्माभिसेयाइयं समुववण्णियं। सत्तारसमट्ठारसमेसु णायाधम्मकहाउवंगभूएसु **चंदपण्णत्तिसूरपण्णत्तिसुत्तेसु** चंदमंडलपमाणं सूरगहणक्खत्तताराणाइमंडलाणं जुत्तिजुत्तं वण्णणं। तिहिणक्खत्तअहोरत्तकालमाणमाइयं च फुडं कहियं। एगूणवीसइमे उवासगदसाउवंगभूए **णिरयावलियासुत्ते** सेणियरायदसपुत्ताणं कहाणयं, तहेव कोणियचरित्तं चेडएण संगामो समरंगणे मयाणं तेसिं तत्तग्गइलाहो उववण्णिओ। वीसइमे अंतगडदसाउवंगभूए **कप्पवडिंसियासुत्ते** पउमकुमाराइदसकुमाराणं परिच्चत्तरायविभवाणं णायपुत्तमहावीरसामिणो पासे पव्वयणं देवलोगसंपत्ती य वण्णिया। इक्कवीसइमे अणुत्तरोववाइयदसाउवंगभूए **पुप्फियासुत्ते** चंदसूरसुक्कदेवाईणं पुव्वकयकम्माइवियारो वण्णिओ। बावीसइमे पण्हावागरणुवंगभूए **पुप्फचूलियासुत्ते** सिरिदेवीपभिइदसण्हं देवीणं पुव्वभवो साहिओ। तेवीसइमे विवागसुयस्सुवंगे **वण्हिदसासुत्ते** बलभद्दस्स णिसढाइबारसमुयाणं पुव्वभवकहाणयं सवित्थरं संजमवसेण देवगइसंपत्ती य साहिया।

गच्चरणविहिपमायठाणकम्मपयडीलेसाअणगारमग्गजीवाजीवविभत्ती कविलाईणं महापुरिसाणं चरियाइं च। तीसइमे **णंदीसुत्ते** थेरावली णाणभेया पंचविहणाणसरूवं तदंतग्गयबुद्धिभेया सुत्तसरूवं च वित्थरेणववण्णियं। एक्कतीसइमे **अणुओगदार-सुत्ते** सुयावस्सयाणुपुव्वीणामपमाणणयणिक्खेवाईणं सवित्थरं वण्णणं। बत्तीसइमे **आवस्सयसुत्ते** आवस्सयवत्तव्वया। **पढमे परिसिट्ठे कप्पसुत्ते** वीराइ-चउजिणचरियाइं सुत्तलिहणकालो जिणंतराइं गणहरवण्णणं थेरावली सामायारी य। **बीए परिसिट्ठे** सामाइयपाढा गहणपारणविही। **तइए परिसिट्ठे** सावयावस्सय-(पडिक्कमण)सुत्तं मूलपाढजुत्तं भासापाढठाणेसु कोट्ठगदिण्णपाढं।

एवंरूवेण अणोरपारसिंधुसरिसे एयम्मि **'सुत्तागमे'** विविहविसयाणमपुव्वो संगहो। अओ जिणधम्मसरूवं जिण्णासूहिं जणेहिं एस गंथो अवस्सं पढेयव्वो। सज्झाएण णाणावरणीयकम्मखओ सुयणाणत्तणाणस्स य संलद्धी भवइ। णियय-सज्झायणिसेवणेण तवकम्मसहकडेण णाणस्स चरमावत्थारूवं परमणाणं पि सुलहं। अओ चेव वुत्तं 'णं सज्झायसमं तवो' त्ति णिवेएइ-

गजाणणाभि. जोसीतिणामधिज्जो, कव्ववेदंतपुराणतित्थो, साहि-च्चपण्णो, रट्ठभासाकोविओ (हिंदी सनद), पणवेलत्थ 'हाईस्कूल' सक्कयपाइयअज्झावगो।



तुलनात्मक अध्ययन

ज्ञौत्रिक—

१ औपपातिकसूत्रमें तपके १२ भेदोंका वर्णन एवं ठाणांगसूत्रके छठे ठाणे और भगवतीगत तप-वर्णन। 'वण्णओ जहा उववाइए' कई सूत्रोंमें मिलता है।

२ रायपसेणइयमें सूर्याभ एवं जीवाजीवाभिगममें विजयदेवका वर्णन।

३ पण्णवणाके वहुतसे पाठ भगवतीसूत्रानुगत हैं। सिद्धसंबंधी औपपातिकसूत्रकी वहुतसी गाथाएँ पण्णवणामें दृष्टिगत होती हैं।

४ जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति एवं स्थानांगसूत्रके नवमस्थानगत पर्वत-द्रह-नदी-नामादि।

५ चंद्रप्रज्ञप्ति एवं सूर्यप्रज्ञप्तिके आरंभक्रममें थोड़ा सा भेद है शेष पाठ अक्षरशः मिलता है।

६ वृहत्कल्पमें स्थानांग व्यवहार तथा निशीथके पाठ मिलते हैं।

७ दशाश्रुतस्कंधमें १–२–३–९ दशा समवायके अनुसार आचार-सम्पत् आदि स्थानांगके अनुसार हैं। विशेपके लिए देखो टिप्पण।

८ दशवैकालिक एवं आचारांगका पिंडेपणा-अध्ययन भापा-अध्ययन (पण्णवणासूत्रका भापापद) पांच महाव्रतोंका वर्णन मिलता जुलता है, एवं आचारांग अ० २४ गाथा ८ तथा दश० अ० ८ गा० ६३ समान हैं।

९ उत्तराध्ययनके २२ वें अध्ययनकी और दशवैकालिकके दूसरे अध्ययनकी कुछ गाथाएँ।

१० नंदीसूत्र तथा समवायगत अंगसूत्रोंका वर्णन।

११ अनुयोगद्वार-सात स्वर आठ विभक्ति स्थानांगके अनुसार हैं।

१२ श्रावकावश्यकमें वारह व्रतोंके अतिचारादि उपासकदशाके प्रथम अध्ययनके अनुसार हैं।

१३ कल्पसूत्र-महावीरचरित्र आचारांगके अनुसार, ऋपभचरित्र जंबुद्वीपप्रज्ञप्तिके अनुसार। दशाश्रुतस्कंधके ८ वें अध्ययनका परिशिष्ट तो है ही।

(नोट) स्थानांग एवं समवायांगके आधारसे कई सूत्र रचे गए हैं अतः उनके पाठ कई सूत्रोंमें पाए जाते हैं। अन्तकृद्दशांगगत अतिमुक्तकुमारका शेष वर्णन भगवतीसूत्रमें है। और भी कई सूत्रोंके पाठोंमें साम्यता है। यहां तो मात्र कुछ थोड़ा सा दिग्दर्शन कराया गया है।

दिगंबरीय—

२ प्रतिक्रमणमें नवकार मंत्र वैसा ही है केवल 'आयरियाणं'के बदले 'आइरियाणं' बोलते हैं। 'इरियावहिया' 'तस्स उत्तरी'के पाठ भी कुछ अन्तरके साथ उसी प्रकार हैं। 'लोगस्स' का पाठ इस तरह है-

'लोयस्सुज्जोययरे, धम्मातित्थंकरे जिणे वंदे।
अरिहंते कित्तिस्से, चउवीसं चेव केवलिणो ॥'

'उसहमजियं०' शेष उसी प्रकार। 'सुविहिं०' वाली गाथामें 'सिज्जंस'के स्थानपर 'सेयंस' है। 'च जिणं'के स्थानपर 'भयवं' है। 'कुंथुं च जिणवरिंदं, अरं च मल्लिं च सुव्वयं च नमिं।' शेष तद्वत् है। 'लोगस्स उत्तमा' की जगह 'लोगुत्तमा जिणा सिद्धा' है। 'आरोग्गणाणलाहं, दिंतु समाहिं च मे बोहिं। चंदेहिं निम्मलयरा, आइच्चेहिं अहियं पयासंता। सायरमिव गंभीरा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु ॥' आदिमें थोड़ा सा अंतर है। 'चत्तारि मंगलं' का पाठ उसी भांति है। १२ व्रतोंके अतिचार भी मिलते जुलते हैं। 'खामेमि सव्वे जीवा०'के स्थानपर 'खम्मामि सव्वजीवाणं, सव्वे जीवा खमंतु मे। मेत्ती मे सव्वभूदेसु, वेरं मज्झं न केणवि ॥'

३ 'धम्मो मंगलमुक्किट्ठं०'की जगह 'धम्मो मंगलमुद्दिट्ठं, अहिंसा संजमो तवो। देवा वि तस्स पणमंति, जस्स धम्मे सया मणो ॥'

४ 'जयं चरे जयं चिट्ठे, जयमासे जयं सए। जयं भुंजंतो भासंतो, पावकम्मं न बंधइ ॥ ८ ॥' की जगह 'जदं चरे जदं चिट्ठे, जदमासे जदं सये। जदं भुंजेज्ज भासेज्ज, एवं पावं न वज्झइ ॥' (मूलाचार)

(नोट) और भी बहुतसे पाठोंमें साम्यता है। विशेषके लिए दिगंबरीय श्रावक-प्रतिक्रमण देखें। इसके अतिरिक्त दिगंबरोंके कई ग्रंथोंमें 'सुत्तागमे'के पाठोंका अनुकरण है।

वैदिक—

१ 'एगं जाणइ से सव्वं जाणइ'–'आत्मनि विज्ञाते सर्वमिदं विज्ञातं भवति'।

२ 'अप्पा सो परमप्पा'–'अयमात्मा ब्रह्म' 'अहं ब्रह्माऽस्मि' 'तत्त्वमसि'।

३ 'णाणे पुण णियमा आया'–'प्रज्ञानं ब्रह्म'।

४ 'अपुणराविति'–'न पुनरावर्तते' (यद्गत्वा न निवर्तते········)।

५ 'एगे आया'–'एकोऽहं' 'एको ब्रह्म०'।

६ 'तक्का जत्थ ण विज्जइ, मई तत्थ ण गाहिया'—'यतो वाचो निवर्तंते, अप्राप्य मनसा सह।'

७ 'मित्ती मे सव्वभूएसु'-'मित्रस्याहं चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्ष्ये' ।

८ 'अप्पा कत्ता विकत्ता य, दुहाण य सुहाण य ।'-'उद्धरेदात्मनाऽऽत्मानं, नात्मानमवसादयेत् ।'

९ 'अप्पा मित्तममित्तं च, दुपट्ठियसुपट्ठिओ ।'-'आत्मैवात्मनो बंधुरात्मैव रिपुरात्मनः ।'

१० 'परिणामे बंधो, परिणामे मोक्खो'-'मन एव मनुष्याणां, कारणं बंधमोक्षयोः ।' अथवा-'वायुनाऽऽनीयते मेघः, पुनस्तेनैव नीयते । मनसाऽऽनीयते कर्म, पुनस्तेनैव नीयते ॥"

११ "सासए लोए दव्वट्ठयाए'-'प्रकृतिः पुरुषश्चैव, उभयैते शाश्वते मते ।'

१२ 'सएहिं परियाएहिं, लोगं बूया कडेत्ति य । तत्तं ते न वियाणंति, न विणासी क्याइ वि ॥'-'न कर्तृत्वं न कर्माणि, लोकस्य सृजति विभुः । न कर्मफलसंयोगः, स्वभावस्तु प्रवर्तते ॥'

१३ 'एवं खु णाणिणो सारं, जं न हिंसइ किंचणं ।'-'मा हिंस्या सर्वा भूतानि' 'मा हिंसी पुरुषं जगत् ।'

१४ 'धम्मो मंगलमुक्किट्ठं अहिंसा०'-'अहिंसा परमो धर्मः' ।

पौराणिक-

(१) सुत्तेसु यावि पडिबुद्धजीवी, नो वीससे पंडिय आसुपण्णे ।
घोरा मुहुत्ता अबलं सरीरं, भारंडपक्खीव चरेऽप्पमत्तो ॥ ६ ॥ उत्तराध्ययन० अ० ४ ॥

या निशा सर्वभूतानां, तस्यां जागर्ति संयमी ।
यस्यां जाग्रति भूतानि, सा निशा पश्यतो मुनेः ॥ ६९ ॥ महाभारत भी० अ० २६ ॥

(४) जहेह सीहो व मियं गहाय, मच्चू नरं नेइ हु अंतकाले ।
न तस्स माया व पिया व भाया, कालम्मि तम्मंसहरा भवंति ॥ २२ ॥ उ० अ० १३ ॥

तं पुत्रपशुसंपन्नं, व्यासक्तमनसं नरं ।
सुप्तं व्याघ्रो मृगमिव, मृत्युरादाय गच्छति ॥ १८ ॥ म० शां० अ० १७५ ॥

(५) तं इक्कगं तुच्छसरीरगं से, चिईगयं दहिउं पावगेणं ।
भज्जा य पुत्ता वि य णायओ य, दायारमण्णं अणुसंकमंति ॥ २५ ॥ उ० अ० १३ ॥

उत्सृज्य विनिवर्तंते, ज्ञातयः सुहृदः सुताः ।
अपुष्पानफलान् वृक्षान्, यथा तात ! पतत्रिणः ॥ १७ ॥ म० उ० अ० ४० ॥

(६) अब्भाहयम्मि लोगम्मि, सव्वओ परिवारिए ।
अमोहाहिं पडंतीहिं, गिहंसि न रइं लभे ॥ २१ ॥ उ० अ० १४ ॥

एवमभ्याहते लोके, समंतात्परिवारिते ।
अमोघासु पतंतीसु, किं धीर इव भाषसे ॥ ७ ॥ म० शां० अ० १७५ ॥

(७) अलोलुयं मुहाजीविं, अणगारं अकिंचणं ।
असंसत्थं गिहत्थेसु, तं वयं बूम माहणं ॥ २८ ॥ उ० अ० २५ ॥

निराशिषमनारंभं, निर्नमस्कारमस्तुतिम् ।
अक्षीणं क्षीणकर्माणं, तं देवा ब्राह्मणं विदुः ॥ ३४ ॥ म० शां० अ० २६३ ॥

(८) किण्हा णीला य काऊ य, तेऊ पम्हा तहेव य ।
सुक्कलेसा य छट्ठा य, णामाई तु जहक्कमं ॥ ३ ॥ उ० अ० ३४ ॥

षड्जीववर्णाः परमं प्रमाणं, कृष्णो धूम्रो नीलमथास्य मध्यम् ।
रक्तं पुनः सह्यतरं सुखं तु, हारिद्रवर्णं सुसुखं च शुक्लम् ॥ ३३ ॥ म० शां० अ० २८० ॥

बौद्धिक—

१ रायसेणइय-सुत्तके समान दीघनिकायमें पायासी-सुत्त मिलता है । मात्र थोड़ा सा अंतर इस प्रकार है । यथा-पएसी—पायासी, केसीकुमार-कुमारकाश्यप, चित्त प्रधान-खत्त । पृच्छाएँ और उनके उत्तर युक्ति प्रयुक्तिओं सहित बराबर से हैं । कंबोज देशके घोड़ोंकी बात जो 'रायपसेणइय' में है वह 'पायासी-सुत्त' में नहीं है । इसी प्रकार सूर्याभदेवकृत नाट्यरचनाएँ भी नहीं है । भावी वर्णनमें भी

भेद है। बौद्धोंने 'रायपसेणइय' का कितना अनुसरण किया है इसका पूरा हाल दोनों सूत्रोंका अध्ययन करने से ही ज्ञात हो सकता है[1]।

२ उत्तराध्ययनसूत्रकी बहुतसी गाथाएँ शाब्दिक परिवर्तनके साथ धम्मपदमें पाई जाती हैं। जहां कुछ परिवर्तन भी है वह केवल नाम मात्र है, परन्तु विषय चर्चामें कोई अन्तर नहीं है।

उदाहरणार्थ—

(१-४) अक्कोसिज्जा परे भिक्खुं, न तेसिं पडिसंजले।
सरिसो होइ बालाणं, तम्हा भिक्खू न संजले ॥ २४ ॥ उ० अ० २ ॥

एवं २५-२६-२७ वीं गाथाओंके स्थानपर धम्मपद में निम्नलिखित गाथाएँ पाई जाती हैं-पठवी समो नो विरुज्झति, इन्दखीलूपमो तादि सुब्बतो। रहदोऽव अपेतकद्दमो, संसारा न भवन्ति तादिनो ॥ ६ ॥ ध० अरिहंतवग्ग ॥ खंती परमं तपो तितिक्खा, निब्बाणं परमं वदन्ति बुद्धा। न हि पब्बजितो परूपघाती, समणो होति परं विहेठयन्तो ॥ ६ ॥ ध० बुद्धवग्ग ॥ सुत्वा रुसितो बहुं, वाचं समणाणं पुथुवचनानं। फरुसेन ने न परिवज्जा, नहि संतो परिसेनि करोति ॥ ९३२ ॥ ॥ सुत्तनिपात ॥ न ब्राह्मणस्स पहरेय्य, नास्स मुञ्चेथ ब्राह्मणो। धी ब्राह्मणस्स हन्तारं, ततो धि यस्स मुञ्चति ॥ ७ ॥ ध० व० २६ ॥

(५) जो सहस्सं सहस्साणं, संगामे दुज्जए जिणे।
एगं जिणेज्ज अप्पाणं, एस से परमो जओ ॥ ३४ ॥ उ० अ० ९ ॥
यो सहस्सं सहस्सेन, संगामे मानुसे जिने।
एकं च जेय्यमत्तानं, स वे संगामजुत्तमो ॥ ४ ॥ ध० सहस्सवग्ग ॥

(६) मासे मासे उ जो बालो, कुसग्गेणं तु भुंजए।
न सो सुयक्खायधम्मस्स, कलं अग्घइ सोलसिं ॥ ४४ ॥ उ० अ० ९ ॥
मासे मासे कुसग्गेनं, बालो भुञ्जेथ भोजनं।
न सो संखतधम्मानं, कलं अग्घति सोलसिं ॥ ११ ॥ ध० बालवग्ग ॥

(७) जहा पउमं जले जायं, नोवलिप्पइ वारिणा।
एवं अलित्तं कामेहिं, तं वयं बूम माहणं ॥ २७ ॥ उ० अ० २५ ॥

---

१ देखो दीघनिकाय M. T. W. राइस डेविड द्वारा सम्पादित पाली टेक्स्ट सोसाइटी द्वारा प्रकाशित पृ० ३१६ से ३५८ पायासी-सुत्तं। हिंदीभाषाभाषी राहुल सांकृत्यायन द्वारा अनुवादित महाबोधि ग्रंथमालाकी ओर से प्रकाशित दीघनिकाय पृ० १९९ से २११ तक पायासी-राजञ्ञसुत्त देखें।

१० तृतीयाके वहुवचनमें देवेहि देवेभिः
'हि' के अनुरूप 'भि'

११ चतुर्थीके स्थानमें जिनाय=जिणस्स चतुर्थ्यर्थे बहुलं छंदसि (पाणिनि० षष्ठी २, ३, ६२)

१२ पंचमीके एकवचनमें 'त्' का लोप जिणा। उच्चा

१३ द्विवचनके स्थानमें देवौ=देवा इन्द्रावरुणौ=इन्द्रावरुणा वहुवचन

(नोट) इसके अतिरिक्त ऋग्वेद आदिमें प्रयुक्त वंक, वहू, मेह, पुराण इत्यादि शब्द समान हैं।

संस्कृत—

वहुतसे शब्द अर्धमागधी और संस्कृतमें समान पाए जाते हैं। जैसे-'आगम' 'ऊढा' 'डिम्भ' 'ढक्का' इत्यादि।

पालि—

१ 'कम्म' 'धम्म' शब्दके तृतीयाके एकवचनमें 'कम्मुणा' 'धम्मुणा' दोनोंमें होता है।

२ अर्धमागधीकी तरह पालिमें भी भूतकालके वहुवचनमें 'इंसु' प्रत्यय लगता है, जैसे-गच्छिंसु इत्यादि।

३ षष्ठीके स्थानमें 'स्य' के स्थानमें दोनोंमें 'स्स' होता है।

(नोट) इसके अतिरिक्त वहुतसी वातोंमें समानता पाई जाती है।

शौरसेनी—

अर्धमागधी और शौरसेनीमें भी वहुतसी समानता है, केवल अर्धमागधीमें जहां 'त' और 'द' का लोप होता है वहां शौरसेनीमें 'द' होता है, जैसे-गच्छइ=गच्छदि, जया=जदा। 'ह' के स्थानमें 'ध' जैसे-नाह=नाध।

महाराष्ट्री-

अर्धमागधीमें तथा महाराष्ट्रीमें वहुतसा साम्य है, चिक्खल्ल आदि वहुतसे शब्द तथा 'ऊण' प्रत्यय दोनोंमें पाए जाते हैं। विशेषताके लिए देखो 'सुत्तागमे' प्रथमभागकी प्रस्तावना।

देशीय-भाषा

हिंदी—

अर्धमागधी	हिंदी
अज्ज	आज (गुजराती 'आजे')
कोइ	कोई ,,
गुलिया	गोली ,,
घर	घर (,, 'घेर')
जोव्वण	जोबन ,,
रस्सी	रस्सी
सोरट्ठ	सोरठ ,,

(नोट) इसके अतिरिक्त और भी बहुत से अर्धमागधी के शब्द हिंदीमें प्रचलित हैं।

गुजराती—

अर्धमागधी	गुजराती
अग्गला	आगलियो
आहीरी	आहीरण
उग्घाड	उघाडवुं
उत्तरंग	ओतरंग
एकल्ल	एकलो
कवेल्लु	कवेलुं (नलियुं)
जाणिऊण	जाणीने
णत्थि	नथी
तुज्झ	तुज
पडइ	पडे छे
पखालेइ	पखाले छे
बहु	बहु
[illegible]	[illegible] (हिंदी)
[illegible]	[illegible]
[illegible]	

पंजाबी—

अर्धमागधी	पंजाबी
कम्म	कम्म
अज्ज	अज्ज
चम्म	चम्म
हड्ड	हट्ट
नस्स	नस्स
कक्ख	कक्ख (इत्यादि)

(नोट) इसी प्रकार और भी वहुतसी भाषाओंने अर्धमागधीका अनुकरण किया है, जैसे-मायर-पियर=मादर-पिदर (फारसी)। इंग्लिशमें ज़रा और वदल-कर मदर-फ़ादर हो गया है।

ऐतिहासिक—

हिंदुओंमें सवसे प्राचीन वेद माने जाते हैं उनमें भी तीर्थंकरोंका उल्लेख पाया जाता है। जैसे कि 'ॐ त्रैलोक्यप्रतिष्ठितानां चतुर्विंशतितीर्थंकराणां **ऋषभादि-वर्धमानान्तानां सिद्धानां** शरणं प्रपद्ये। ऋग्वेद अ० २५। इसके अतिरिक्त २-२, २-३-१, २-३-३, ७-१८, १०-२२, १०-९९-७, देखें।

ॐ रक्ष रक्ष **अरिष्टनेमिः** स्वाहा:,······सोऽस्माकं अरिष्टनेमिः। यजुर्वेद अ० २५।

ॐ नमोऽर्हन्तो ऋषभो वा ॐ ऋषभं पवित्रम्। यजु० अ० २५ मंत्र १९।

ॐ स्वस्ति न इंद्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः। स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो **अरिष्टनेमिः** स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु। ऋ० अ० १ अ० ६।

पौराणिक—

नाऽहं रामो न मे वाञ्छा, न च भोगेषु मे मनः।
केवलं शांतिमिच्छामि, स्वात्मनीव जिनो यथा॥ योग० मुमुक्षु० अ० अ०॥
'जैना एकस्मिन्नेव वस्तुनि उभये निरूपयंति'। प्रभासपुराण।
दर्शनवर्त्मवीराणां, सुरासुरनमस्कृतः।
नीतित्रितयकर्ता यो, युगादौ प्रथमो जिनः॥ मनु०॥
नाभिस्तु जनयेत् पुत्रं, मरुदेव्यां महाद्युति।
ऋषभं क्षत्रियं ज्येष्ठं, सर्वक्षत्रियपूर्वजम्॥ ब्रह्मपु०॥
······नीरागीषु जिनो विमुक्तललनासंगो न यस्मात्परः॥ ब्रह्मपु०॥
प्रथमं ऋषभो देवो, जैनधर्मप्रवर्तकः।

जैनधर्मस्य विस्तारं, कृतवान् जगतीतले ॥ श्रीमालपुराण ॥

हस्ते पात्रं दधानाश्च, तुंडे वस्त्रस्य धारकाः ।

मलिनान्येव वासांसि, धारयन्तोऽल्पभाषिणः ॥ २५ ॥ शिवपु० अ० २१ ॥

श्रीमालपुराणके ७३ वें अध्यायका ३२ वां श्लोक भी इससे मिलता जुलता है ।

बुद्धके कई ग्रंथोंमें ना(थ-ट)तपुत्त-महावीरका नाम आता है परन्तु सूत्रोंमें बुद्धका नाम नहीं है । कारण जैनधर्म बुद्ध धर्मसे प्राचीन है ।

न्यायदर्शनमें—

१ आगमोंके अनुसार न्यायसूत्र, विग्रहव्यावर्तनी, उपायहृदय (बौद्ध) भी चार प्रमाण मानते हैं ।

२ पूर्ववत्के उदाहरणमें 'माया पुत्तं जहा णट्ठं, जुवाणं पुणरागयं । काइ पच्चभिजाणेज्जा, पुव्वलिंगेण केणइ ॥ तंजहा—खत्तेण वा वण्णेण वा लंछणेण वा मसेण वा तिलएण वा' (अनुयोगद्वार) जैसा ही उदाहरण उपायहृदय में भी मिलता है । यथा-षडंगुलिं सपिडगमूर्धानं बालं दृष्ट्वा पश्चाद्वृद्धं वहुश्रुतं देवदत्तं दृष्ट्वा षडंगुलिस्मरणात् सोऽयमिति पूर्ववत् ।

३ 'जहा एगो पुरिसो तहा वहवे पुरिसा' (अनुयोग०) ऐसा ही उदाहरण माठर और गौडपादने भी दिया है, यथा—पुष्पिताम्रदर्शनात्, अन्यत्र पुष्पिता आम्रा इति । इत्यादि ।

वैज्ञानिक—

विज्ञान द्वारा स्वीकृत आगमिक सिद्धान्त

१ आगमोंमें कहा है कि शब्द (sound) जड़ मूर्तिमान् और लोकके अन्त तक प्रवाहित होने वाला है, आजके विज्ञानने भी ग्रामोफ़ोन और रेडियो का आविष्कार करके यह सिद्ध कर दिया है ।

२ आचारांगसूत्रमें वनस्पतिमें जीवोंका अस्तित्व वताने के लिए निम्न लक्षण दिए हैं 'जाइधम्मयं' उत्पन्न होनेवाला है, 'वुड्ढिधम्मयं' इसके शरीरमें वृद्धि होती है, 'चित्तमंतयं' चैतन्य है, 'छिन्नं मिलाइ' काटनेपर सूख जाता है, 'आहारगं' आहार भी ग्रहण करता है, 'अणिच्चयं' 'असासयं' इसका शरीर भी अनित्य और अशाश्वत है, 'चओवचइयं' इसके शरीरमें भी घट वढ़ होती रहती है । सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीशचंद्र वसु ने अपने परीक्षणों द्वारा उपरोक्त सव लक्षण सिद्ध किए हैं जिसे समस्त वैज्ञानिक लोग मान चुके हैं ।

३ आगमोंने समस्त द्रव्योंको अनादि माना है । इसी वातको प्रसिद्ध प्राणीशास्त्र

वेत्ता J. B. S. हॉल्डनने भी माना है, वे कहते हैं कि मेरे विचारमें जगत्‌की कोई आदि नहीं है।

४ जैनधर्म किसीको सृष्टिका कर्ता हर्ता नहीं मानता, इसे आजका विज्ञान भी स्वीकार करता है।

५ शब्द-ज्योति-ताप और आतपको आगमने पुद्गल कहा है जिसे विज्ञानने भी मैटर Matter के रूपमें मान लिया है। और इसे भी स्वीकार किया है कि ये सब पुद्गल-द्रव्यके पर्यायविशेष हैं।

६ प्रसिद्ध भूगर्भ-वैज्ञानिक फ्रांसिस अपनी सुप्रसिद्ध पुस्तक Ten years under earth में लिखते हैं कि मैंने पृथिवीके ऐसे ऐसे रूप देखे हैं जिनसे पृथिवीमें जीवत्वशक्ति प्रतीत होती है। अभी तक वे निश्चय पर नहीं पहुँच सके परन्तु आगमोंने तो स्पष्ट कहा है कि पृथ्वीकायमें जीव है।

७ स्थानांग सूत्र ५-२-३ में आता है कि स्त्री विना संयोगके भी शुक्र पुद्गल ग्रहण कर गर्भवती हो सकती है। आधुनिक विज्ञानवेत्ताओंने भी कृत्रिम गर्भाधान द्वारा इसे सिद्ध कर दिया है।

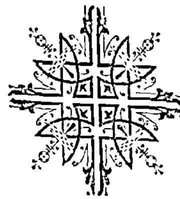
८ आगम पदार्थकी अनीश्वरता और आत्माकी अजर-अमरता बताते हैं, जिसे सुविख्यात वैज्ञानिक डाल्टन (Dalton) ने Law of conservation द्वारा सिद्ध कर दिखाया है। परन्तु आत्माकी तह तक विज्ञान अब तक नहीं पहुँच सका।

९ भगवान् महावीरके गर्भस्थानान्तरण को कई लोग असंभव मानते हैं जिसे प्राणीशास्त्रवेत्ता डॉ. चांग ने बोस्टन विश्वविद्यालयकी जैव रसायनशालामें गर्भ-स्थानांतरण-परीक्षणों द्वारा सिद्ध किया है। अमेरिकन हिरनीके गर्भबीजको एक अंग्रेज़ी हिरनीके गर्भाशयमें स्थानान्तरित करनेमें उन्हें सफलता भी मिली है।

१० आगम कहते हैं कि द्रव्यार्थिकनय की अपेक्षा न कोई द्रव्य घटता है न बढ़ता है जो रूपान्तर होता है वह उसका पर्याय है। वैज्ञानिक भी मानते हैं कि कोई पुद्गल (Matter) नष्ट नहीं होता, केवल दूसरे रूप (Form) में बदल जाता है। वे लोग इसे Principle of Conservation of Mass and Energy कहते हैं।

अवगाहना वाला हो तो कोई आश्चर्य नहीं। आगम मानते हैं कि मनुष्यके संस्थान, संहनन, आयुष्य, अवगाहना, भूमिके वर्ण, गंध, रस, स्पर्श आदिमें अवसर्पिणी कालमें ह्रास और उत्सर्पिणीकालमें क्रमशः वृद्धि होती है। इसके लिए मार्टिनिज़ द्वारा लिखित 'विचित्र रेडिएशन एवं उनका आश्चर्यकारक प्रभाव' नामक लेख देखें।

(नोट) ऐसे अनेक तथ्य हैं जिनको विज्ञानने स्वीकार किया है। और कई तथ्यों तक तो वह अभी पहुंच भी नहीं सका है। सच है कहां जड़वादी विज्ञान और कहां अध्यात्मवादी आगम! दोनोंमें ज़मीन आस्मानका अंतर है।



कि इंद्रियोंके भी अगोचर हैं। वनस्पतिका 'निगोद' नामक एक विभाग है, जिसमें सूईके अग्रभाग जितने वारीक स्थानमें भी अनन्त जीव हैं। कर्मोंका आवरण होनेके कारण ये जीव संसारी कहलाते हैं। भव्यजीव योग्य सामग्री और संयोग मिलनेपर मनुष्यगतिको पाकर फिर कर्मोंका सर्वथा निकंदन करके मोक्षको प्राप्त होता है। मोक्ष होने पर आत्मा अपुनरावृत्ति अवस्थाको पाता है।

जैनोंकी दृष्टिमें जगत् अनादि अनंत है, इसकी रचना करनेवाला कोई नहीं है *। और अन्यमतावलंबी भी यही मानते हैं कि "नासतो जायते भावो, नाभावो जायते सतः।" अर्थात् "असत्की उत्पत्ति नहीं होती और सत्का सर्वथा अभाव नहीं होता।"

जैनधर्म ईश्वरको कर्ता हर्ता नहीं मानता। वास्तवमें 'परिक्षीणसकलकर्मा ईश्वरः' अर्थात् समस्त कर्म क्षय होने पर आत्मा ही ईश्वर अवस्थाको प्राप्त होता है। अथवा यों कहिए कि आत्माका शुद्ध स्वरूप ही परमात्मा है।

जैनधर्म जीवके द्वारा किए गए कर्मोंका फल 'किसी अन्य शक्ति द्वारा मिलता है' ऐसा नहीं मानता। जो जैसा कर्म करता है उसे कर्म द्वारा वैसा ही फल मिलता है। जैसे मकान वनाने वाला मनुष्य अपने मकान वनानेके कर्मसे अपने आप समतल भूमिसे ऊँचा उठता जाता है, कुतुवमीनार पर चढ़ने वाला व्यक्ति चढ़ता हुआ अपने आप ऊँचा चला जाता है, इसी प्रकार उत्तम क्षमा दया सत्यादि उत्तम साधनका कर्ता अपने आप स्वर्गादि उत्तम गतिको पाता है। ऐसे ही जो ज़मीन खोदनेवाला मनुष्य जितनी ज़मीन खोदता है वह उतना ही समतल भूमिसे नीचा होता चला जाता है, इसी तरह पापकर्म करने वाला जीव अपने आप हिंसा असत्य द्रोह दगा आदि अशुभकर्मके निमित्तसे अधम गतिको प्राप्त होता है। यदि मनुष्य दुग्धादि पौष्टिक पदार्थोंका सेवन करता है तो उन पदार्थोंके द्वारा अपने आप शरीर सुंदर और सुदृढ़ हो जाता है, इसी विधिसे शुभ प्रकृतियोंका सृजन करने वाला अनेक शुभसंयोगोंको प्राप्त करता है। विष भक्षण करनेवाला प्राणी उस विषके प्रयोगसे अपने आप मर जाता है, धतूरा खानेवाला मूर्छित हो जाता है, कारण वस्तुका स्वभाव अपना काम करता है। जैसे पानी अपने स्वाभाविक गुणसे स्वयं नीचेका मार्ग पकड़ता है तव धुआँ या आगकी ज्वालाओंको अपने आप ऊर्ध्वगामी होते देखा जाता है। आत्मा और पुद्गल

* "अनाद्यनिधने द्रव्ये, स्वपर्यायाः प्रतिक्षणम्।
उन्मज्जन्ति निमज्जन्ति, जलकल्लोलवज्जले॥ आ० प०॥

वज्झओ। अप्पाणमेव अप्पाणं, जइत्ता सुहमेहए ॥' बाहरी युद्धोंसे कुछ न होगा आंतरिक युद्ध करके आंतरिक शत्रुओंपर विजय पाओ तब ही सच्चे सुखकी प्राप्ति होगी। इसी प्रकार जैन धर्म आतम-दमन पर ही जोर देता है- 'अप्पा चेव दमेयव्वो, अप्पा हु खलु दुद्दमो। अप्पा दंतो सुही होइ, अस्सिं लोए परत्थ य ॥'

कर्मसिद्धान्त—जैनधर्ममें आठ कर्म माने हैं। **ज्ञानावरणीय** (यह जीवके ज्ञान पर आवरणरूप है जैसे बादल सूर्यको ढँक लेता है), **दर्शनावरणीय** (जो जीवकी दर्शनशक्तिको ढँकता है जैसे दर्बान किसीको राजासे मिलनेमें विघ्न करता है), **वेदनीय** (जो सुख दुःखका अनुभव कराता है, सातावेदनीय शहदलित तलवारके समान और असातावेदनीय विषलित खड्गके समान है), **मोहनीय** (यह आत्माके स्वरूपको भुलाता है जैसे दारू पीने वाला अपना भान भूल जाता है), **आयुकर्म** (वंदीगृहमें बंदीके समान यह जीवको नाना गतियोंमें रोके रखता है), **नामकर्म** (भिन्न २ गतियोंमें उत्पन्न करता है चित्रकार और चित्रके सदृश), **गोत्रकर्म** (यह ऊंच और नीच अवस्थाका भेद करता है कुम्हार और उसके वर्तन की तरह), **अन्तरायकर्म** (यह कर्म जीवको दान, लाभ, भोग, उपभोग और शक्तिसे वंचित रखता है)।

दो प्रकारका धर्म—जैनधर्ममें धर्मके दो साधक बताए हैं, साधु और श्रावक। साधु अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रहका सांगोपांग पूर्णतया पालन करता है तब श्रावक इनकी मर्यादा करता है। इसके अतिरिक्त तीन गुणव्रत और चार शिक्षाव्रतोंका भी पालन करता है।

नवतत्व—जीव, अजीव, पुण्य, पाप, आस्रव (कर्मप्रकृतिके आनेका मार्ग), संवर (कर्मप्रकृतिको आत्मामें आनेसे रोकना), निर्जरा (बारह प्रकारके तपसे कर्मरूप रजको आत्मासे पृथक् करना), बंध (कर्मप्रकृतिका आत्मामें दूध और पानीकी तरह मिलना), मोक्ष (कर्मप्रकृतिसे तीनों उपायोंसे आत्माका मोक्ष होना) ये नव तत्त्व हैं। यदि इस संबधमें कुछ विशेष जानना हो तो जिज्ञासु **'नवपदार्थज्ञानसार'**का अवलोकन करें।

जैनसाहित्य-जैनोंकी संख्या कम होते हुए भी उनका साहित्य विशालतम है। अर्धमागधी संस्कृत प्राकृत अपभ्रंश हिंदी गुजराती राजस्थानी आदि भाषाओंमें उनके अनेक ग्रंथ पाए जाते हैं, इसके अतिरिक्त व्याकरण न्याय काव्य कोष छंद ज्योतिष सामुद्रिक योग स्वरशास्त्र वैद्यक आदिके ग्रंथ भी पुष्कल प्रमाणमें उपलब्ध हैं।

जैनसाहित्यमें आगमोंका स्थान सर्वोच्च है । आगम सिद्धान्त शास्त्र और सूत्र
ही बात है । सूत्र की पद्धति कुछ बौद्धोंमें भी है जैसे सुत्तनिपात्त, पायासीसुत्तं
। हिंदुओंमें व्याकरण और न्याय आदि ग्रंथ सूत्रबद्ध ही हैं । जैनागम तो
सब सूत्ररूप हैं ही ।

सूत्रकी व्युत्पत्ति-'अल्पाक्षरविशिष्टत्वे सति बह्वर्थबोधकत्वं सूत्र-
' अर्थात् जिसमें अक्षर थोड़े हों और अर्थबोध अधिक हो उसे सूत्र कहते हैं,
थवा '**सूत्रमिव सूत्रम्**' सूत के डोरेमें जिस प्रकार अनेक रत्नोंके मणके पिरोए
हैं इसी तरह जिसमें बहुतसे अर्थोंका संग्रह हो वह सूत्र होता है । पुनश्च-

अप्पगंथमहत्थं, बत्तीसा दोसविरहियं जं च ।
लक्खणजुत्तं सुत्तं, अट्ठहि य गुणेहि उववेयं ॥ १ ॥

सूत्रोंके भेदोपभेद-

उत्सर्गसूत्र-जिसमें किसी वस्तुका सामान्य विधान हो, जैसे-'**नो कप्पइ
थाण वा णिग्गंथीण वा आमे तालपलंबे पडिगाहित्तए ।**'

अपवादसूत्र-जो उत्सर्गका बाधक हो, यथा-'**कप्पइ णिग्गंथाण वा
णिग्गंथीण वा पक्के तालपलंबे भिण्णे अभिण्णे वा पडिगाहित्तए ।**'

उत्सर्गापवाद-जिसमें दोनों हों, जैसे-'**नो कप्पइ णिग्गंथाण वा
णिग्गंथीण वा पारियासियस्स ... णण्णत्थ आगाढेहिं रोगायंकेहिं**'
॥ १८६ ॥ बृहत्कल्प ॥

प्रकरणसूत्र-जिसका प्रकरणानुसार नाम हो, जैसे-'**काविलीयं**' '**केसि-
गोयमिज्जं**' इत्यादि ।

संज्ञासूत्र-जिसमें सामान्यतया किसी विषयका वर्णन हो, जैसे 'दशवैका-
लिक' आदि, जिसमें आचारादि का सामान्य विधान है ।

कारकसूत्र-जिसमें प्रश्नोत्तरके साथ २ शंकाका समाधान भी हो । जिन
प्रश्नोत्तरोंके साथ 'से केणट्ठेणं ... से एएणट्ठेणं ...' आते हैं वे सब कारकसूत्र हैं ।

४ **अलंकृत**-जो उपमा उत्प्रेक्षा आदि अलंकारोंसे अलंकृत हो ।

५ **उपनीत**-जिसमें उपनय हों ।

६ **सोपचार**-जिसकी भाषा शुद्ध और मार्जित हो ।

७ **मित**-जिसमें अक्षर थोड़े हों और भाव अधिक हो ।

८ **मधुर**-जो सुननेमें अत्यन्त मधुर हो ।

कोई २ छ गुण भी मानते हैं-'**अप्पक्खरमसंदिद्धं, सारवं विस्सओमुहं । अत्थोभमणवज्जं च, सुत्तं सव्वण्णुभासियं ॥**' १ **अल्पाक्षर**-जैसे सामायिकसूत्र, २ **असंदिग्ध**-जिसमें शंका के लिए स्थान न हो, ३ **सारवान्**-पूर्ववत्, ४ **विश्वतोमुख**-जिसमें चारों अनुयोगोंका समावेश हो, जैसे-'**धम्मो मंगलमुक्किट्ठं०**' ५ **अस्तोभक**-जिसमें च वा आदि निपातोंका निरर्थक प्रयोग न हो, ६ **अनवद्य**-जिसमें सावद्य व्यापारका उपदेश न हो ।

सूत्रके ३२ दोष-अलियमुवघायजणयं, निरत्थयमवत्थयं छलं दुहिलं । निस्सारमहियमूणं, पुणरुत्तं वाहयमजुत्तं ॥ १ ॥ कमभिण्णवयणभिण्णं, विभत्तिभिण्णं च लिंगभिण्णं च । अणभिहियमपयमेव य, सहावहीणं ववहियं च ॥ २ ॥ कालजतिच्छविदोसो, समयविरुद्धं च वयणमित्तं च । अत्थावत्तीदोसो, नेओ असमासदोसो य ॥ ३ ॥ उवमारूवगदोसो, णिद्देसपयत्थसंधिदोसो य । एए य सुत्तदोसा, बत्तीसा हुंति णायव्वा ॥ ४ ॥

१ **अलीकदोष**-जो सत्को असत् कहे, जैसे-आत्मा नहीं है ।

२ **उपघातदोष**-जो प्राणियोंकी घातका कारण हो, जैसे-'वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति' ।

३ **निरर्थकदोष**-जिसका कोई अर्थ न हो ।

४ **अपार्थकदोष**-असंबद्ध अर्थवाला ।

५ **छलदोष**-विपरीत अर्थवाला ।

६ **द्रुहिलदोष**-पापव्यापारपोषक ।

७ **निस्सारदोष**-साररहित ।

८ **अधिकदोष**-अधिक पद अक्षर मात्रा वाला ।

९ **हीनदोष**-अक्षर पद मात्रा आदि से हीन ।

१० **पुनरुक्तदोष**-जिसमें एक ही विषयको वारंवार दुहराया गया हो ।

११ **व्याहतदोष**-जो पूर्वापर विरोधी हो ।

१२ **अयुक्तदोष**-जिसमें युक्तिशून्यता हो।
१३ **क्रमभिन्नदोष**-अनुक्रमरहित।
१४ **वचनभिन्नदोष**-जिसमें वचनकी गड़वड़ हो।
१५ **विभक्तिभिन्नदोष**-विभक्तिका वैपरीत्य।
१६ **लिंगभिन्नदोष**-तीनों लिंगोंमें फेरफार हो।
१७ **अनभिहितदोष**-अपने सिद्धान्तके विरुद्ध हो।
१८ **अपददोष**-जिसमें छांदिक त्रुटियां हों।
१९ **स्वभावहीनदोष**-जिसमें वस्तुस्वभावके विरुद्ध कथन हों। जैसे-'आग शीतल होती है।'
२० **व्यवहितदोष**-जो अप्रासंगिक हो।
२१ **कालदोष**-जिसमें भूतकालके स्थानमें वर्तमान तथा वर्तमानके स्थानमें भूतकालका प्रयोग हो अर्थात् कालसंबंधी अशुद्धिएँ हों।
२२ **यतिदोष**-जिसमें विश्राम चिन्हों की अशुद्धियाँ हों।
२३ **छविदोष**-अलंकारशून्य।
२४ **समयविरुद्धदोष**-अपने मत से विरुद्धता।
२५ **वचनमात्रदोष**-निर्हेतुकता।
२६ **अर्थापत्तिदोष**-जिसके अर्थमें आपत्ति हो सके।
२७ **असमासदोष**-जिसमें समासकी प्राप्ति होने पर भी समास न

रुधिर १५, पड़ी हुई अशुचि १६, समीपमें जलने वाला श्मशान १७, चंद्रग्रहण १८, सूर्यग्रहण १९, मुखिया-राजा-सेनापति-देश-नायक-नगरशेठ का मरण २०, राज्यसंग्राम २१, धर्मस्थानमें मनुष्य और तिर्यंच पंचेंद्रियका कलेवर २२।

आकाश-संबंधी १० अस्वाध्याय-उल्कापात २३, दिशाओंके लाल होनेका समय २४, अकालगर्जना २५, बिजली चमकते समय २६, निर्घात २७, यूपक-शुक्लपक्षकी एकम-दोज और तीजकी संध्या २८, यथालिप्त-अमुक २ दिशाओंमें थोड़े थोड़े अन्तरमें बिजलीके समान प्रकाश होते समय २९, धूमिका-धुंवर ३०, महिका-कोहरा (धुंध) पड़ते समय ३१, रजोवृष्टि ३२।

इन ३२ अस्वाध्यायोंको टालकर दिन और रातके पहले और चौथे प्रहरमें कालिक सूत्रोंका स्वाध्याय करना चाहिए। स्वाध्याय संबंधी नियमके भंग करनेवाले के लिए प्रायश्चित्त निशीथसूत्रके १९ वें उद्देशकमें देखें।

यह भी ज्ञात रहे कि अस्वाध्यायकाल को हिंदुओंके ग्रंथोंमें भी वर्जित किया है। अनाध्यायकालमें उनके यहां भी अमुक २ ग्रंथ न पढ़ना कहा है। जिस प्रकार प्रभात विहाग भैरवी देश श्यामकल्याण आदि रागोंका समय निश्चित है, असमयमें वे अच्छे नहीं लगते, इसी प्रकार सूत्रोंका स्वाध्यायकाल निर्धारित है, अर्थात् **'काले कालं समायरे।'**

सूत्रोच्चारविधि-सूत्रोंका उच्चारण करते समय स्खलना न हो, ज़बान न लड़खड़ा जाय। अलग २ पदोंको मिलाकर और मिले हुए पदोंको तोड़कर न पढ़े। अपनी ओरसे क्षेपक न करे। सांगोपांग परिपूर्ण पढ़े। घोषके नियमानुसार पढ़े। यथास्थान उच्चारण करे। गुरुसे वाचना लेकर पढ़े। जैसा कि अनुयोगद्वारसूत्रमें कहा है कि "सुत्तं उच्चारेयव्वं-अक्खलियं, अमिलियं, अवच्चामेलियं, पडिपुण्णं, पडिपुण्णघोसं, कंठोट्ठविप्पमुक्कं, गुरुवायणोवगयं।"

सूत्रव्याख्याके ६ भेद-

"संहिया य पयं चेव, पयत्थो पयविग्गहो।
चालणा य पसिद्धी य, छव्विहं विद्धि लक्खणं॥"

१ संहिता-पदका अस्खलित उच्चारण, जैसे-'करेमि भंते! सामाइयं०'

२ पद-उपरोक्त वाक्यमें 'करेमि' एक पद है, 'भंते!' दूसरा पद है, 'सामाइयं' तीसरा पद है।

३ पदार्थ-उपरोक्त पदोंके अर्थ ।

४ पदविग्रह-पदच्छेद करना ।

५ चालना-'ननु' 'न च' आदिसे शंका उत्पन्न करना ।

६ प्रसिद्धि-उठाई गई शंकाओंका समुचित समाधान ।

उपक्रम, निक्षेप, अनुगम और नय द्वारा भी सूत्रोंकी व्याख्या की जाती है। इनका विवरण अनुयोगद्वारसूत्रमें विस्तारपूर्वक पाया जाता है ।

वर्तमानकालमें उपलब्ध सूत्र-

११ अंग, (१२ वें अंग दृष्टिवादका विच्छेद हो चुका है) १२ उपांग, चार छेद, चार मूल और आवश्यक इस प्रकार ३२ सूत्र वर्तमानमें प्रामाणिक माने जाते हैं। अंगोंका वर्णन समवायांगसूत्र एवं नंदीसूत्रमें पाया जाता है। शेप सूत्रोंके नाम नंदीसूत्रमें हैं । उपांग संज्ञा केवल निरियावलिकादिमें पाई जाती है। फिर भी १२ अंगोंके १२ उपांग माने जाते हैं । अंगसूत्रोंसे अतिरिक्त आगमोंकी अंगवाह्य संज्ञा भी है, जिसके दो भेद हैं-आवश्यक और आवश्यक-व्यतिरिक्त। आ० व्य०के भी दो भेद हैं-कालिक और उत्कालिक । कालिकमें उत्तराध्ययन, दशा-कल्प-व्यवहार, निशीथ, जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति, चंद्रप्रज्ञप्ति और निरियावलिकादि पांच उपांग परिगणित हैं। उत्कालिकमें दशवैकालिक, औपपातिक, राजप्रश्नीय, जीवाजीवाभिगम, प्रज्ञापना, नंदी, अनुयोगद्वार, सूर्यप्रज्ञप्ति सन्निहित हैं। कालिकसूत्रका स्वाध्याय नियत समयपर ही किया जाता है। उत्कालिकसूत्रोंका स्वाध्याय यथोचित समयमें भी किया जा सकता है। नंदीसूत्रनिर्दिष्ट शेप सूत्र वर्तमानमें नहीं हैं। अंगसूत्रोंका महत्त्व और उनका विपयादि **'सुत्तागमे'**के प्रथम अंशमें दिया जा चुका है। द्वितीय अंशमें समाविष्ट सूत्रोंका विपय-विवरण इस प्रकार है ।

बारह उपांग-

प्रथम उपांग-औपपातिकसूत्रमें चंपानगरी, पूर्णभद्र उद्यान, अशोक वृक्ष, पृथ्वीशिला-पट्टक, कोणिक राजा, धारिणी रानी, ज्ञातपुत्र महावीर भगवानका समवसरण, तपके १२ भेद, साधुगण, कोणिकका महावीर प्रभुकी वंदना के लिए आगमन, असुरादि देवोंका आना, भगवानकी देशना, अंबड परिव्राजक श्रावकका चरित्र, केवलिसमुद्घात और अन्तमें सिद्धोंका वर्णन है ।

द्वितीय उपांग-राजप्रश्नीयमें सूर्याभदेवका भगवान् महावीर स्वामीकी वंदना के लिए आना, गौतमस्वामी द्वारा उसके पूर्वभवकी पृच्छा, भगवान द्वारा सूर्याभदेवका पूर्वभव कथन, प्रदेशी राजाका केशीमुनिसे प्रश्नोत्तर, अंतमें प्रदेशी द्वारा

आत्मश्रद्धा पाकर व्रतग्रहणादि विषय वर्णित हैं। यह सूत्र साहित्यका रसप्रद ग्रंथ है ऐसा **विंटरनिट्ज़** का कहना है।

तृतीय उपांग-जीवाजीवाभिगममें जीव अजीवका विस्तृत स्वरूप, विजयदेवका वर्णन, छप्पन अन्तरद्वीपादिका उल्लेख है।

चतुर्थ उपांग-प्रज्ञापनासूत्रमें जीव, अजीव, आस्रव, बंध, संवर, निर्जरा और मोक्षका सम्यक् निरूपण है। इसके अतिरिक्त लेश्या, समाधि, लोकस्वरूप आदिका वर्णन भी है, इसमें ३६ पद (प्रकरण) हैं। इसके संकलनकर्ता श्रीसुधर्माचार्यसे २३ वें पट्टस्थित **आर्य श्यामाचार्य** थे। प्र=प्रकर्षतया, ज्ञापना=अवबोध करना प्रज्ञापना, अर्थात् जिसमें पदार्थका परिपूर्णरूपसे स्वरूप जाना जा सके।

पंचम उपांग-जंबूद्वीपप्रज्ञप्तिमें जंबूद्वीपका सविस्तर वर्णन है। कालचक्र, ऋषभदेव भगवान् और भरत चक्रवर्तीका जीवनचरित्र भी वर्णित है। वास्तवमें यह भूगोलविषयक ग्रंथ है ऐसा **विंटरनिट्ज़** का कहना है।

छठे एवं सातवें उपांग-चंद्रप्रज्ञप्ति और **सूर्यप्रज्ञप्तिमें** चंद्र तथा सूर्यादि ज्योतिषचक्रका वर्णन है। दोनोंके आरंभ-क्रमके थोड़ेसे भेदके अतिरिक्त शेष सब पाठ समान हैं। इनके २० प्राभृत हैं। जिनमें मण्डलगति संख्या, सूर्यका तिर्यक् परिभ्रमण, प्राकाश्य क्षेत्र परिमाण, प्रकाश संस्थान, लेश्या प्रतिघात, ओजःसंस्थिति, सूर्यावारक, उदयसंस्थिति, पौरुषी छाया प्रमाण, योगस्वरूप, संवत्सरोंका आदि अन्त, संवत्सरोंके भेद, चंद्रमाकी वृद्धि अपवृद्धि, ज्योत्स्ना प्रमाण, शीघ्रगति निर्णय, ज्योत्स्ना लक्षण, च्यवन तथा उपपात, चन्द्रसूर्यादिकी उंचाई, उनका परिमाण, चन्द्रादिका अनुभाव वर्णित है। ये दोनों उपांग खगोल विषयक हैं। ५-६-७ वें उपांगको **विंटरनिट्ज़ने** वैज्ञानिक ग्रंथ (Scientific Works) माना है।

आठवें उपांग-निरियावलिकामें मगध-नरेश श्रेणिक (भंभसार-बौद्ध-साहित्यमें बिंबिसार) का कोणिक (अजातशत्रु) के द्वारा मरण (जिसका उल्लेख बौद्ध ग्रंथोंमें भी पाया जाता है) आदिका कथन है। इसके अतिरिक्त कालकुमारादिका अपने नाना वैशालिनरेश चेटकके साथ युद्धमें लड़ते हुए मारा जाना, उनकी नारक गति और भविष्यमें मोक्ष होनेका वर्णन है।

नवम उपांग-कल्पावतंसिकामें श्रेणिक राजाके १० पौत्र पद्मकुमारादिका भगवान् महावीर प्रभुकी सेवामें दीक्षाग्रहण, देवगतिगमन और भविष्यमें मोक्ष होनेका कथन है। इसके १० अध्ययन हैं।

दसवें उपांग-पुष्पिकामें १० देव देवियोंका भगवान् महावीर स्वामीकी वंदना के लिए आना, गौतमस्वामीकी उनके पूर्वभवकी पृच्छा, भगवान् द्वारा पूर्वभव-कथन, चन्द्र, सूर्य, महाशुक्र (पूर्वभवमें सोमिल ब्राह्मण), बहुपुत्तिया (पूर्वभवमें सुभद्रा साध्वी), पूर्णभद्र, माणिभद्र, बल, शिव और अनादित देवके पूर्वजन्मका वर्णन है ।

ग्यारहवें उपांग-पुष्पचूलिकामें श्री ह्री आदि १० देवियोंकी पूर्वजन्मकी करणीका कथन है । इसमें १० अध्ययन हैं ।

बारहवें उपांग-वृष्णिदशामें वृष्णिवंशके बलभद्रजीके १२ पुत्र निषढकुमारादिका भगवान् अरिष्टनेमिके पास दीक्षाग्रहण, सर्वार्थसिद्धगमन, भविष्यमें मोक्ष पानेका अधिकार है[1] ।

चार छेदसूत्र—

प्रथम छेद-व्यवहारसूत्रमें दश उद्देशक हैं । **प्रथम उद्देशकमें** आलोचना (Confession) विधि । **द्वितीय उद्देशकमें** सहधार्मिकके दोषित होने पर साधुका कर्तव्य । **तीसरे उद्देशकमें** आचार्य उपाध्याय आदि ७ पदवियां किसे दी जायँ और किसे नहीं, साथ ही उनके गुणोंका विवरण । **चौथे उद्देशकमें** आचार्यादिको चतुर्मास और विहारकालमें कितने साधुओंके साथ रहना । **पांचवेंमें** प्रवर्तनी के लिए विधान चौथेके अनुसार । **छठेमें** भिक्षा स्थंडिल (शौचभूमि) वसति कहां और किसप्रकार निश्चित करना तथा अमुक २ स्खलनाओंके लिए प्रायश्चित्त । **सातवेंमें** दूसरे संघाड़े में से आई हुई साध्वीके साथ कैसा व्यवहार रखना और साध्वियों के लिए नियम, स्वाध्याय और पदवीदान, अमुक संयोगोंमें गृहस्थकी आज्ञा लेकर प्रवर्तन करना । **आठवेंमें** गृहस्थके मकानका कितने भाग तक उपयोग करना, पीठ फलक (पाट पाटलादि) की ग्रहण विधि, पात्र आदि उपकरण और भोजनका परिमाण । **नववेंमें** शय्यातर (स्थान देनेवाले) का कथन, उसके मकानादिको उपयोगमें लेने न लेनेका स्पष्टीकरण, भिक्षुप्रतिमाका आराधन कैसे होना चाहिए । **दशम उद्देशकमें** दो प्रकारकी प्रतिमा (अभिग्रह) तथा दो प्रकारका परिषह, पांच व्यवहार, चार जातिके पुरुष (साधु), चार जातिके आचार्य और शिष्य, स्थविर एवं शिष्य की तीन भूमिकाएँ, अमुक सूत्रका अभ्यास कब आरंभ करना आदिका कथन है ।

द्वितीय छेद-बृहत्कल्पमें छ उद्देशक हैं, इसमें मुख्यतया साधु साध्वियोंका

---

१ उपांगोंके संबंधमें **वेबर** महाशयके लेख द्रष्टव्य हैं ।

आचारकल्प वर्णित है। जो पदार्थादि कर्मबंधके हेतु और संयमके बाधक हैं उनके लिए 'न कप्पइ' शब्दका उपयोग किया है अर्थात् 'नहीं कल्पता है,' तथा जो संयमकी साधनामें सहायक, स्थान, वस्त्र, पात्र आदि हैं उनके संबंधमें 'कप्पइ' कल्पनीय कहा है। अमुक अकार्य (दोष) के लिए १० प्रायश्चित्तमें साधक किस प्रायश्चित्तका अधिकारी है। साथ ही कल्पके छ प्रकार आदिका कथन है।

तृतीय छेद-निशीथसूत्रमें प्रायश्चित्ताधिकार है, इसमें २० उद्देशक हैं, १९ उद्देशकोंमें गुरुमासिक लघुमासिक लघुचातुर्मासिक और गुरुचातुर्मासिक प्रायश्चित्तका वर्णन है, २० वें उद्देशकमें इनकी विधि बताई गई है। स्खलना करनेवाले साधुओं के लिए शिक्षारूप निशीथसूत्र है। दूसरे शब्दोंमें इसे धर्म-नियमोंका कोष या दंडसंग्रह (पेनल कोड) कहा जाय तो युक्तियुक्त ही है। प्राय-श्चित्तका अर्थ है कि भूलकर एक बार जिस अकृत्यका सेवन किया हो उसकी आलोचना करके शुद्ध होना और पुनः त्याज्य कर्मका आचरण न करना।

चतुर्थ छेद-दशाश्रुतस्कंधमें दश अध्ययन हैं, जिनमें क्रमशः असमा-धिके २० स्थान, २१ सबलदोष, ३३ अशातना, आचार्यकी आठ सम्पदाएँ और उनके भेद, शिष्यके लिए चारप्रकारकी विनय प्रवृत्ति भेद सहित, चित्तसमाधिके १० स्थान, श्रावक की ११ प्रतिमाएँ तथा साधुकी १२ प्रतिमाएँ, पर्यूषणाकल्प[1], महामोहनीयकर्मबंधके ३० स्थान तथा नव निदानों (नियाणों) का वर्णन है।

इनमें **व्यवहार, बृहत्कल्प** और **दशाश्रुतस्कंधकी रचना आर्य भद्र-बाहु आचार्य** ने की है।

चार मूलसूत्र-

प्रथम मूलसूत्र-दशवैकालिकमें १० अध्ययन और दो चूलिकाएँ हैं। इसकी रचना १४ पूर्वधर श्रीशय्यंभवाचार्यने अपने शिष्य (पुत्र) मनाक्प्रिय के लिए पूर्वोमेंसे उद्धृत करके की है। इसके दश अध्ययन हैं और इसे विकालमें भी पढ़ा जा सकता है अतः इसका नाम दशवैकालिक है। इसके **प्रथम अध्ययनमें** धर्मकी प्रशंसा और साधुकी भ्रमर-जीवनके साथ तुलना; **द्वितीय अध्ययनमें** चित्त-स्थिरीकरणके उपाय, रथनेमि और राजीमतीका उदाहरण; **तृतीय अध्ययनमें** साधुके ५२ अनाचीर्ण; **चतुर्थ अध्ययनमें** षड्जीवनिकायका स्वरूप; **पाँचवें अध्ययनके प्रथमोद्देशकमें** भिक्षा (गोचरी) विधि, **द्वितीय उद्देशकमें**

१ इसका विशेष कथन कल्पसूत्रसे ज्ञातव्य है।

भिक्षाकालादि; **छठे अध्ययनमें** साधुके १८ कल्प; **सातवें अध्ययनमें** वचनशुद्धि, साधुके बोलने न बोलने योग्य भाषाका वर्णन; **आठवें अध्ययनमें** साधुके आचार; **नववें अध्ययनके प्रथमोद्देशकमें** विनयका स्वरूप, गुरुकी आशातनाका दुष्परिणाम, **द्वितीय उद्देशकमें** विनय तथा अविनयका फल, **तृतीय उद्देशकमें** किन २ गुणोंके समाचरणसे पूजनीय होता है, **चतुर्थ उद्देशकमें** विनय, श्रुत, तप और आचार समाधिका वर्णन है। **दशवें अध्ययनमें** भिक्षुके गुण वर्णित हैं अर्थात् किन २ गुणोंसे भिक्षु होता है। **पहली चूलिकामें** संयममें स्थिर करनेवाली १८ बातें; **द्वितीय चूलिकामें** साधुका आचार, विचार, वासकल्प, विहार मोक्षप्राप्ति आदिका कथन है। कई इन चूलिकाओंको महाविदेह क्षेत्रसे लाई हुई मानते हैं परन्तु कई कारणोंसे इसे युक्तियुक्त नहीं माना जा सकता। ये श्रीशय्यंभवाचार्य की रचनाएँ न होने पर भी प्रामाणिक मानी गई हैं।

द्वितीय मूल-उत्तराध्ययनमें ३६ अध्ययन हैं, यह सारा सूत्र ही अत्यानंददायक ज्ञानकी निधिके समान है। इसके **प्रथम अध्ययनमें** विनयका विस्तारपूर्वक कथन है। **द्वितीय अध्ययनमें** परिषहोंके नाम और साधुको उनके सहन करनेका उपदेश है। **तृतीय अध्ययनमें** मनुष्यत्व-धर्मश्रवण-श्रद्धा और संयममें स्फुरणा, इन चार अंगोंकी दुर्लभताका वर्णन है। **चतुर्थ अध्ययनमें** टूटीकी बूटी नहीं है अर्थात् जीवनकी क्षणभंगुरता और प्रमाद-अप्रमादका स्वरूप समझाया गया है। **पांचवें अध्ययनमें** अकाम(बाल-अज्ञान)मरण सकाम(पंडित)-मरण का विस्तारपूर्वक वर्णन है। **छठे अध्ययनमें** साध्वाचारका संक्षिप्त वर्णन है। **सातवेंमें** कामी पुरुषकी बकरेके जीवनके साथ तुलना, काकिणी, आम्रफल, तीन व्यापारियोंके उदाहरण हैं। **आठवेंमें** कपिल केवलीका चरित्र, लोभ तृष्णा आदि दुर्गुणोंके त्यागका उपदेश है। **नववें अध्ययनमें** नमिराजका दीक्षा के लिए उद्यत होना, इन्द्रके साथ प्रश्नोत्तर आदि। **दशवेंमें** वृक्षके सूखे पत्तेके समान मानव जीवनकी नश्वरता तथा समयमात्र का भी प्रमाद न करनेकी शिक्षा। **ग्यारहवेंमें** शिक्षा न मिलनेके ५ और शिक्षा प्राप्त करनेके ८ कारण, विनीतके १५ और अविनीतके १४ लक्षण, बहुश्रुतकी १६ उपमाएँ। **बारहवेंमें** हरिकेशीबल मुनिका चरित्र, तपकी महत्ता, जातिवादका खंडन, भावयज्ञ तथा आध्यात्मिक स्नानका स्वरूप। **तेरहवेंमें** चित्त संभूतिका पूर्वभव, दोनोंका मिलना, चित्तमुनिका ब्रह्मदत्तको उपदेश, पूर्वकृत निदानके कारण ब्रह्मदत्तकी व्रतादिकी प्रवृत्तिमें असम-

थंता, दुर्गतिगमन, चित्तका मोक्ष होना । १४ वेंमें छ जीवोंका पूर्वभव, इषुकार नगरमें जन्म और फिर पारस्परिक मिलाप, अन्तमें भृगुपुरोहितकी पत्नी यशा और उनके दो पुत्र, इषुकार राजा और कमलावती रानीका एक दूसरेके कारण वैराग्यलाभ, दीक्षाग्रहण एवं मोक्षप्राप्ति । १५ वेंमें भिक्षुके लक्षण और गुण । १६ वेंमें ब्रह्मचर्यके १० असमाधिस्थान । १७ वेंमें पापश्रमणका स्वरूप । १८ वेंमें संयति राजाका मृगयाके लिए जाना, उद्यानमें गर्दभालि मुनिका उपदेश, राजाका दीक्षाग्रहण और मुक्ति-प्राप्ति । १९ वेंमें राजकुमार मृगापुत्र का साधुको देखकर जातिस्मरण, माता पितासे संवाद, नरकादि गतियोंके दुःखोंका वर्णन, संयमग्रहण, मोक्षप्राप्ति । २० वेंमें श्रेणिक नरेशका अनाथीमुनिका दर्शन प्राप्त करना, सनाथता अनाथताका स्वरूप, राजाकी धर्ममें दृढ़ श्रद्धा होना । २१ वेंमें समुद्रपालका वध्य चोरको देखना, संवेदप्राप्ति, दीक्षाग्रहण तथा मोक्ष । २२ वेंमें भगवान् अरिष्टनेमिका विवाह के लिए जाना, पशु पक्षियों पर करुणा ला कर उन्हें बंधनमुक्त कराना, दीक्षाग्रहण, सती राजीमतीको गुफामें देखकर रथनेमिका संयमसे विचलित होना, सतीके उपदेश द्वारा उसका पुनः संयममें स्थिर होना, अन्तमें मोक्षप्राप्ति । २३ वेंमें मुनि केशीकुमार और गौतमस्वामीका संवाद, अन्तमें केशीश्रमण द्वारा भगवान् महावीर कथित पांच महाव्रतोंका स्वीकार । २४ वेंमें पांच समिति और तीन गुप्ति, इन आठ प्रवचन-माताओंका वर्णन । २५ वेंमें जयघोष विजयघोपका चरित्र, ब्राह्मणके यथार्थ लक्षण । २६ वेंमें १० सामाचारी और साधुकी दिनरात्रिचर्या का कथन । २७ वेंमें गर्गाचार्य द्वारा अविनीत शिष्योंका त्याग । २८ वेंमें मोक्षमार्गमें गतिमान होनेके उपाय । २९ वेंमें सम्यक्त्व पराक्रमके ७३ बोल, उनका फल । ३० वेंमें बाह्य और अभ्यंतर तपका विवरण । ३१ वेंमें चरणविधि । ३२ वेंमें प्रमादस्थान और उनसे बचे रहनेके उपाय । ३३ वेंमें आठों कर्मोंका विस्तारपूर्वक वर्णन । ३४ वेंमें छहों लेश्याओंके नाम, वर्ण, रस, गंध, स्पर्श, परिणाम, लक्षण, स्थिति आदिका विस्तृत वर्णन । ३५ वेंमें साधुके गुण और ३६ वें अध्ययनमें जीव तथा अजीवके भेद विस्तारसे बताए हैं । ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्ने मोक्ष पानेके समय यह सूत्र फर्माया था, जैसा कि कथित सूत्रकी अन्तिम गाथासे स्पष्ट है ।

इइ पाउकरे बुद्धे, णायए परिणिव्वुए ।
छत्तीसं उत्तरज्झाए, भवसिद्धीयसंमए ॥ २७१ ॥

इसी स्मृतिको बनाए रखने के लिए दिवालीसे अगले दिन अर्थात् कार्तिक शुक्ला

प्रतिपदाको सवेरे ही उत्तराध्ययनसूत्रका संपूर्ण स्वाध्याय (पाठ) किया जाता है।

तृतीय मूल-नन्दीसूत्रमें संघ स्तुति, तीर्थंकर गणधरादि स्थविरावली, परिषद्, पांचों ज्ञानोंका स्वरूप विस्तारपूर्वक वर्णित है।

चतुर्थ मूल-अनुयोगद्वारमें आवश्यक, श्रुतस्कंधके निक्षेप, उपक्रम, आनुपूर्वी, दश नाम, प्रमाण, निक्षेप, अनुगम और नयका पूर्ण विस्तारसे उल्लेख है। इसमें ७ स्वर, ८ विभक्ति, ९ रस आदि विषय विशेष उल्लेखनीय हैं। यह **आर्य रक्षिताचार्य** कृत है। जिसके ये दो प्रमाण हैं-

प्रथम-संस्कृतका प्रयोग किसी सूत्रमें नहीं है परंतु इसमें पाया जाता है।

दूसरा-उदाहरणोंमें 'तरंगवइकारे, मलयवइकारे' आदि भी इसकी पश्चाद्वर्तिताको सूचित करते हैं।

बत्तीसवां आवश्यकसूत्र-इसमें सामायिक, चतुर्विंशतिस्तव, वंदनक, प्रतिक्रमण, कायोत्सर्ग और प्रत्याख्यान इन छहों आवश्यकोंका वर्णन है।

परिशिष्ट परिचय-प्रथम परिशिष्टमें कल्पसूत्र सन्निहित है जो कि चतुर्थ छेद **दशाश्रुतस्कंधका** आठवाँ अध्ययन है। इसमें ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्, पार्श्वनाथ, अरिष्टनेमि और ऋषभदेव इन चारों तीर्थंकरोंका चरित्र है। इसके अतिरिक्त इसमें गणधरादि स्थविरावली और सामाचारी भी वर्णित हैं।

द्वितीय परिशिष्टमें सामायिकसूत्र विधिसहित दिया गया है।

तृतीय परिशिष्टमें श्रावकावश्यक(प्रतिक्रमण)सूत्र विधिसहित है। भाषा-पाठोंके स्थानपर कोष्ठकमें मूलपाठ दिए हैं ताकि समझने में सुगमता हो।

सूत्रोंमें प्रयुक्त छंद-आगमों में गाथाओंका प्रयोग अधिक है, इसके अतिरिक्त वैतालीय, उपजाति, आर्या का प्रयोग भी पाया जाता है।

प्रस्तुत प्रकाशनकी विशेषता-

१-पाठशुद्धिका पूरा २ लक्ष्य रक्खा गया है।

२-इसका संपादन शुद्ध प्रतियोंके आधारपर किया गया है।

३-पाठान्तर नवीन पद्धतिसे दिए हैं।

४-टिप्पण भी यथास्थान प्रयुक्त किए गए हैं।

५-अंतमें परिशिष्ट भी दिए गए हैं।

६-तुलनात्मक अध्ययन भी इससे पूर्व दिया गया है।

७-व्याकरण-शेष भी दे दिया गया है।

कार्यविवरण-प्रथम अंशका कार्य पूरा होनेके लगभग ८ महीने बाद माङ्गा

चतुर्मासमें द्वितीय अंशका कार्य प्रारंभ होकर शनैः २ चलता रहा और पनवेल चतुर्मासमें सम्पन्न हुआ।

सहयोगी-मेरे अंतेवासी शिष्य **सुमित्तभिक्खू** ने **'पासंगियं किंचि'** नामक लेख लिखकर 'सुत्तागमे' के सौंदर्यमें जो अभिवृद्धि की है और वर्णित विषयोंको स्पष्ट करके बताया है वह उल्लेखनीय है।

मेरे अंतेवासी प्रशिष्य **जिनचंदभिक्खू** ने अप्रमत्त एवं जागरूक अवस्थामें संशोधनका कार्य अपने हाथमें लेकर जो सहयोग दिया है उसे तो कभी भुलाया ही नहीं जा सकता। इन दोनोंकी सेवा जीवनके अंत तक स्मृतिपथमें रहेगी।

मुनिश्री रतनचंदजी महाराज (कच्छी) ने 'सुत्तागमे' की जो साररूप भूमिका प्राकृतमें लिखी है उनका आभार माने विना कैसे रहा जा सकता है। आपने तो मानों सागर को गागरमें बंद कर दिया है।

पंडितवर्य श्री गजानन जोशी शास्त्री(पनवेल)ने जो प्राकृतमें **'निदंसणं'** लिखा है वह उनकी योग्यताका परिचायक एवं अभिनंदनीय है, और प्राकृतके अभ्यास के लिए प्रेरणा देता है।

इनके अतिरिक्त प्रगट या अप्रगट रूपमें जिन २ महानुभावोंने सहयोग दिया है उनका आभार मानता हूं।

स्पष्टीकरण-(१) कल्पसूत्रमें २४ तीर्थकरों के आंतरोंमें महावीर-निर्वाण के ९८० वर्ष पीछे सूत्रोंके लिखे जानेकी जो घटना है वह देवर्द्धिगणी क्षमाश्रमणकी है, क्योंकि इतिहासकार अपने समय तकका विवरण दिया ही करते हैं।

(२) **शब्दकोश** गाथाबद्ध सानुवाद तैयार हो रहा है, ११९८ गाथाओंकी रचना भी हो चुकी है, अतः शब्दकोश नहीं दिया गया।

(३) अन्य उपयुक्त विषय जो कि ग्रंथके बढ़ जानेके कारण रह गए हैं वे अन्यत्र दिए जायँगे।

अन्तिम-इस प्रकाशनमें यदि कहीं कोई भूल रह गई हो या सिद्धान्तके विरुद्ध हुआ हो तो उसका खालिस हृदयसे अनन्त सिद्धों की साक्षीसे **'मिच्छामि दुक्कडं'**।

गच्छतः स्खलनं क्वापि, भवत्येव प्रमादतः।
हसन्ति दुर्जनास्तत्र, समादधति सज्जनाः॥

शांतिभवन अंबरनाथ C. R.
दिनांक २१-१२-१९५४

श्रीगुरुचरणचचरीक-
पुप्फभिक्खू

व्याकरण-शेष

उपसर्ग

उपसर्ग धातुके पूर्वमें लगाए जाते हैं, वे धातुके मूल अर्थमें परिवर्तन करके कहीं विशेष अर्थ और कहीं विपरीत अर्थ तथा कहीं भिन्न अर्थके द्योतक होते हैं।

अइ / **अति** } सीमा से बाहर, अतिशय; **अइ+क्कमइ=अइक्कमइ**-वह सीमासे बाहर जाता है, अथवा उल्लंघन करता है।

अहि / **अधि** } ऊपर, अधिक, प्राप्त करना; **अहि+चिट्ठइ=अहिचिट्ठइ**-वह ऊपर बठता है।

अहि+गच्छइ=अहिगच्छइ-वह प्राप्त करता है।

अणु (अनु)] पीछे, समान, समीप;

अणु+गच्छइ=अणुगच्छइ-वह पीछे जाता है।

अणु+करइ=अणुकरइ-वह अनुकरण करता है।

अभि / **अहि** } सन्मुख, पास; **अभि+गच्छइ=अभिगच्छइ**—वह सन्मुख जाता है, अथवा पासमें जाता है।

अव / **ओ** } नीचे, तिरस्कार; **अव+यरइ=अवयरइ-ओ+यरइ=ओयरइ**—वह नीचे उतरता है। **अव+गणइ=अवगणइ**—वह तिरस्कार करता है।

आ] उलटा, विपर्यय, मर्यादा; **आ+गच्छइ=आगच्छइ**—वह आता है।

अव / **अप** / **ओ** } विपरीत, पीछे, उलटा; **अव+कमइ=अवकमइ**—वह पीछे फिरता है (लौटता है)। **अप+सरइ=अपसरइ-ओ+सरइ=ओसरइ**-वह पीछे हटता है।

उ / **(उत्)** } ऊंचा, ऊपर; **उग्गच्छइ**-वह ऊपर जाता है। उट्ठेइ-वह उठता है।

उव / **(उप)** } पासमें; **उवागच्छइ**-वह समीपमें जाता है।

नि / **नु** } अंदर, नीचे; **नि+मज्जइ=निमज्जइ-नु+मज्जइ=नुमज्जइ**—वह डूबता है। **निवडइ**-वह नीचे गिरता है।

परा / **पला** } उलटा, पीछे; **परा+जिणइ=पराजिणइ**-वह हारता है। **पलायइ**-वह भागता है।

(४) हेत्वर्थ कृदन्त-संबंधक भूतकृदन्त भी अव्ययमें ही सम्मिलित हैं।

(५) अम् प्रत्ययान्त समास भी अव्ययमें ही परिगणित हैं। जैसे-अहोनिसं।

(६) इकारान्त 'दिसि' आदि शब्दोंकी भी समासमें अव्यय संज्ञा होती है। यथा-दिसोदिसिं, गुम्मागुम्मिं, घराघरिं इत्यादि।

प्रेरक रूप-

(१) धातुके मूलरूपको 'अ' 'ए' 'आव' 'आवे' प्रत्यय लगाकर तत्तत्कालके पुरुषबोधक प्रत्यय लगानेसे प्रेरक रूप सिद्ध होता है।

(२) धातुमें उपान्त्य 'अ' हो तो 'अ' अथवा 'ए' प्रत्यय लगाते समय 'अ' को 'आ' होता है, जैसे-**हसइ-हासइ, हासेइ, हसावइ, हसावेइ।**

(३) उपान्त्य 'इ' 'उ' होनेपर दोनोंको गुण होता है, यथा-**बुह-बोहइ, तुड-तोडइ** इत्यादि।

(४) 'आवे' प्रत्यय परे होनेपर 'अ' को कहीं २ 'आ' होता है, जैसे-**कारावेइ।**

(५) 'भमु' धातुका प्रेरक रूप **'भमाडेइ'** भी बनता है।

उपरोक्त चारों प्रत्यय लगाकर सब प्रेरक रूप सिद्ध किए जाते हैं।

इच्छादर्शक आदि अन्य प्रक्रियाएँ

सनन्त-जुगुप्सते=जुगुच्छइ (दुगुंछइ)-वह निंदा अथवा घृणा करता है।

पिपासति=पिवासइ-वह पीनेकी इच्छा करता है। **शुश्रूषते=सुस्सूसइ**-वह सेवा करता है अथवा सुननेकी इच्छा करता है। **सुस्सूसमाण** व० कृ०।

यङन्त-लालप्यते=लालप्पइ-लपलप करता है। **लालप्पमाण** व० कृ०। **चंक्रम्यते=चंकम्मइ**-बहुत चलता है।

यङ्लुगन्त-चङ्क्रमीति=चंकमइ-बार २ चलता है।

नामधातु-दमदमायते=दमदमाइ-दमदमायइ-आडंबर करता है। **गुरुकायते=गुरुआइ-गुरुआयइ**-गुरुके समान आचरण करता है।

स्त्री-प्रत्यय

(१) अकारांत शब्दके पीछे 'डा' प्रत्यय लगानेसे स्त्रीलिंग आकारान्त शब्द बन जाता है, जैसे-बाल-बाला, अम्मा आदि।

(२) 'ङी' प्रत्ययसे होने वाले रूप-सत्थवाह-सत्थवाही आदि।

(३) भाव भिन्नार्थक प्रत्ययांत से 'णी' प्रत्यय होता है, जैसे-आसाविणी आदि।

(४) 'आणी' प्रत्ययसे निष्पन्न होनेवाले स्त्रीरूप-इंद-इंदाणी।

(५) 'डि' 'डा' प्रत्यय लगने से दिसा-दिसि आदि सिद्ध होते हैं।

(६) 'ती' प्रत्यय लगने पर स्त्रीलिंगमें 'मह' शब्दसे 'महती' होता है।

(७) भिक्खू आदि शब्दोंको स्त्रीलिंगमें 'णी' प्रत्यय होता है, जैसे-भिक्खुणी, साहुणी आदि।

(८) 'णी' प्रत्यय परे होनेपर 'सिस्स' और 'मास' शब्दके अकारको इकार होता है, जैसे-सीसिणी, पुण्णमासिणी।

(नोट) इनके अतिरिक्त महल्लिया-महालिया-महालयादि भी स्त्रीप्रत्यय-निष्पन्न जानने चाहिएँ।



सुत्ताणुक्कमणिया

परिसिट्ठाणुक्कमणिया



श्रीमान् लाला प्यारेलाल जैन मिंटगुमरीवाले हाल अंबरनाथ C. R.

परिचय—आपकी जिनशासन और गुरुभक्तिमें अद्वितीय प्रवृत्ति रहती है। सामायिक किए बिना आप भोजन पान भी नहीं करते। प्रतिसप्ताह गुरुवारको आयंबिल उपवास करते हैं। अपनी कमाईका १० वां भाग धर्मार्थ लगाते हैं। प्रामाणिकतामें आप श्रावकधर्मके अनुकूल वर्ताव करते हैं। आपके दो सुपुत्र और दो सुपुत्रियां हैं। आपने अपना स्थानीय मकान बनवानेसे पहले गृह-उपाश्रय अपने धर्मध्यानके लिए बनवाया है। आपका जीवन संतोषी और धार्मिक मर्यादाके अनुसार है। सच तो यह है कि आप जैसे आदर्श जैनकी समाजको आवश्यकता है।

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

बारस उवंगाइं

तत्थ णं

ओववाइयसुत्तं

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नाम नयरी होत्था, रिद्धत्थिमियसमिद्धा पमुइयजणजाणवया आइण्णजणमणुस्सा हलसयसहस्ससंकिट्ठविकिट्ठलट्ठपण्णत्तसेउसीमा कुक्कुडसंडेयगामपउरा उच्छुजवसालिकलिया गोमहिसगवेलगप्पभूया उक्कोडियगायगंठिभेयगभडतक्करखंडरक्खरहिया खेमा णिरुवद्दवा सुभिक्खा वीसत्थसुहावासा अणेगकोडिकुडुंबियाइण्णणिव्वुयसुहा णडणट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलंवयकहगपवगलासगआइक्खगलंखमंखतूणइल्लतुंववीणियअणेगतालायराणुचरिया आरामुज्जाणअगडतलागदीहियवप्पिणिगुणोववेया नंदणवणसन्निभप्पगासा उव्विद्धविउलगंभीरखायफलिहा चक्कगयमुसुंढिओरोहसयग्घिजमलकवाडघणदुप्पवेसा धणुकुडिलवंकपागारपरिक्खित्ता कविसीसयवट्टरइयसंठियविरायमाणा अट्टालयचरियदारगोपुरतोरणउण्णयसुविभत्तरायमग्गा छेयायरियरइयदढफलिहइंदकीला विवणिवणिच्छेत्तसिप्पियाइण्णणिव्वुयसुहा सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरपणियावणविविहवत्थुपरिमंडिया सुरम्मा नरवइपविइण्णमहिवइपहा अणेगवरतुरगमत्तकुंजररहपहकरसीयसंदमाणीयाइण्णजाणजुग्गा विमउलणवणलिणिसोभियजला पंडुरवरभवणसण्णिमहिया उत्ताणणयणपेच्छणिज्जा पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥ १ ॥ तीसे णं चंपाए णयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए पुण्णभद्दे णामं उज्जाणे होत्था रम्मे० ॥ २ ॥ तस्स णं उज्जाणस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एक्के असोगवरपायवे प० कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूले मूलमंते कंदमंते खंधमंते तयामंते सालमंते पवालमंते पत्तमंते पुप्फमंते फलमंते बीयमंते अणुपुव्वसुजायरुइलवट्टभावपरिणए एक्कखंधे अणेगसाले अणेगसाहप्पसाहविडिमे अणेगनरवामसुप्पसारियअगेज्झघणविउलवद्धखंधे अच्छिद्दपत्ते अविरलपत्ते अवाईणपत्ते अणईयपत्ते निद्धूयजरढपंडुपत्ते णवहरियभिसंतपत्तभारंधकारगंभीरदरिसणिज्जे उवणिग्गयणवतरुणपत्तपल्लवकोमलउज्जलचलंतकिसलयसुकुमालपवालसोहियवरंकुरग्गसिहरे णिच्चं कुसुमिए णिच्चं माइए णिच्चं लवइए णिच्चं थवइए णिच्चं गुलइए णिच्चं गोच्छिए णिच्चं जमलिए णिच्चं

जुवलिए णिच्चं विणमिए णिच्चं पणमिए णिच्चं कुसुमियमाइयलवइयथवइयगुलइय-गोच्छियजमलियजुवलियविणमियपणमियसुविभत्तपिंडमंजरिवडिंसयधरे सुयबरहिण-मयणसालकोइलकोहंगकभिंगारककोंडलकजीवंजीवगणंदीमुहकविलपिंगलक्खगकारं-डचक्कवायकलहंससारसअणेगसउणगणमिहुणविरइयसद्दुण्णइयमहुरसरणाइए सुरम्मे संपिंडियदरियभमरमहुयरिपहकरपरिलिन्तमत्तछप्पयकुसुमासवलोलमहुरगुमगुमंतगुं-जंतदेसभागे अब्भंतरपुप्फफले बाहिरपत्तोच्छण्णे, पत्तेहि य पुप्फेहि य उच्छण्ण-पडिवलिच्छण्णे साउफले निरोयए अकंटए णाणाविहगुच्छगुम्ममंडवगरम्मसोहिए विचित्तसुहकेउभूए वावीपुक्खरिणीदीहियासु य सुनिवेसियरम्मजालहरए पिंडिमणी-हारिमसुगंधिसुहसुरभिमणहरं च महया गंधद्धाणिं मुयंते णाणाविहगुच्छगुम्ममंडवक-घरकसुहसेउकेउबहुले अणेगरहजाणजुग्गसिवियपविमोयणे सुरम्मे पासादीए दरिस-णिज्जे अभिरूवे पडिरूवे। से णं असोगवरपायवे अण्णेहिं बहूहिं तिलएहिं लउएहिं छत्तोवेहिं सिरीसेहिं सत्तवण्णेहिं दहिवण्णेहिं लोद्धेहिं धवेहिं चंदणेहिं अज्जुणेहिं णीवेहिं कुडएहिं सव्वेहिं फणसेहिं दाडिमेहिं सालेहिं तालेहिं तमालेहिं पियएहिं पियंगूहिं पुरोवगेहिं रायरुक्खेहिं णंदिरुक्खेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते। ते णं तिलया लउया जाव णंदिरुक्खा कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला मूलमंतो कंदमंतो, एएसिं वण्णओ भाणियव्वो जाव सिवियपविमोयणा सुरम्मा पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा। ते णं तिलया जाव णंदिरुक्खा अण्णेहिं बहूहिं पउमलयाहिं णागलयाहिं असोगलयाहिं चंपगलयाहिं चूयलयाहिं वणलयाहिं वासंतियलयाहिं अइमुत्तयलयाहिं कुंदलयाहिं सामलयाहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता। ताओ णं पउमलयाओ णिच्चं कुसुमियाओ जाव वडिंसयधरीओ पासादीयाओ दरिसणिज्जाओ अभिरूवाओ पडिरूवाओ ॥ ३ ॥ तस्स णं असोगवरपायवस्स हेट्ठा ईसिं खंधसमल्लीणे एत्थ णं महं एक्के पुढविसिलापट्टए पण्णत्ते, विक्खंभायामउस्सेहसुप्पमाणे किण्हे अंजणघणकिवाणकुवलयहलधरकोसेज्जागासकेसकज्जलंगीखंजणसिंगभेदरिट्ठयजंबूफल-असणकसणबंधणणीलुप्पलपत्तनिकरअयसिकुसुमप्पगासे मरगयमसारकलित्तणयणकीय-रासिवण्णे णिद्धघणे अट्ठसिरे आयंसयतलोवमे सुरम्मे ईहामियउसभतुरगनरमगर-विहगवालगकिण्णररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ते आईणगरूयबूरणव-णीयतूलफरिसे सीहासणसंठिए पासादीए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे ॥ ४ ॥ तत्थ णं चंपाए णयरीए कूणिए णामं राया परिवसइ, महयाहिमवंतमहंतमलय-मंदरमहिंदसारे अच्चंतविसुद्धदीहरायकुलवंससुप्पसूए णिरंतरं रायलक्खणविराइयंगमंगे बहुजणबहुमाणपूइए सव्वगुणसमिद्धे खत्तिए मुइए मुद्धाहिसित्ते माउपिउसुजाए दयपत्ते

गसंगे घणनिचियसुबद्धलक्खणुण्णयकूडागारनिभपिंडियग्गसिरए सामलिबोंडघणनिचियच्छोडियमिउविसयपसत्थसुहुमलक्खणसुगंधसुंदरभुयमोयगभिंगनेलकज्जलपहिट्ठभमरगणणिद्धनिकुरंबनिचियकुंचियपयाहिणावत्तमुद्धसिरए दालिमपुप्फप्पगासतवणिज्जसरिसनिम्मलसुणिद्धकेसंतकेसभूमी घण(निचिय)छत्तागारुत्तमंगदेसे णिव्वणसमलट्ठमट्ठचंदद्धसमणिडाले उडुवइपडिपुण्णसोमवयणे अल्लीणपमाणजुत्तसवणे सुस्सवणे पीणमंसलकवोलदेसभाए आणामियचावरुइलकिण्हब्भराइतणुकसिणणिद्धभमुहे अवदालियपुंडरीयणयणे कोयासियधवलपत्तलच्छे गरुलाययउज्जुतुंगणासे उवचियसिलप्पवालबिंबफलसण्णिभाहरोट्ठे पंडुरससिसयलविमलणिम्मलसंखगोक्खीरफेणकुंददगरयमुणालियाधवलदंतसेढी अखंडदंते अप्फुडियदंते अविरलदंते सुणिद्धदंते सुजायदंते एगदंतसेढीविव अणेगदंते हुयवहणिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्ततलतालुजीहे अवट्ठियसुविभत्तचित्तमंसू मंसलसंठियपसत्थसद्दूलविउलहणुए चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसग्गीवे वरमहिसवराहसीहसद्दूलउसभनागवरपडिपुण्णविउलक्खंधे जुगसन्निभपीणरइयपीवरपउट्ठसुसंठियसुसिलिट्ठविसिट्ठघणथिरसुबद्धसंधिपुरवरफलिहवट्टियभुए भुयईसरविउलभोगआयाणपलिहउच्छूढदीहबाहू रत्ततलोवइयमउयमंसलसुजायलक्खणपसत्थअच्छिद्दजालपाणी पीवरकोमलवरंगुली आयंबतंबतलिणसुइरुइलणिद्धणक्खे चंदपाणिलेहे सूरपाणिलेहे संखपाणिलेहे चक्कपाणिलेहे दिसासोत्थियपाणिलेहे चंदसूरसंखचक्कदिसासोत्थियपाणिलेहे कणगसिलायलुज्जलपसत्थसमतलउवचियविच्छिण्णपिहुलवच्छे सिरिवच्छंकियवच्छे अकरंडुयकणगरुययनिम्मलसुजायनिरुवहयदेहधारी अट्ठसहस्सपडिपुण्णवरपुरिसलक्खणधरे सण्णयपासे संगयपासे सुंदरपासे सुजायपासे मियमाइयपीणरइयपासे उज्जुयसमसहियजच्चतणुकसिणणिद्धआइज्जलडहरमणिज्जरोमराई झसविहगसुजायपीणकुच्छी झसोयरे सुइकरणे पउमवियडणाभे गंगावत्तगपयाहिणावत्ततरंगभंगुररविकिरणतरुणबोहियअकोसायंतपउमगंभीरवियडणाभे साहयसोणंदमुसलदप्पणणिकरियवरकणगच्छरुसरिसवरवइरवलियमज्झे पमुइयवरतुरगसीहवरवट्टियकडी वरतुरगसुजायसुगुज्झदेसे आइण्णहउव्व णिरुवलेवे वरवारणतुल्लविक्कमविलसियगई गयससणसुजायसन्निभोरू समुग्गणिमग्गगूढजाणू एणीकुरुविंदावत्तवट्टाणुपुव्वजंघे संठियसुसिलिट्ठगूढगुप्फे सुप्पइट्ठियकुम्मचारुचलणे अणुपुव्वसुसंहयंगुलीए उण्णयतणुतंबणिद्धणक्खे रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालकोमलतले अट्ठसहस्सवरपुरिसलक्खणधरे नगनगरमगरसागरचक्कंकवरंकमंगलंकियचलणे विसिट्ठरूवे हुयवहनिद्धूमजलियतडितडियतरुणरविकिरणसरिसतेए अणासवे अममे अकिंचणे छिन्नसोए निरुवलेवे ववगयपेमरागदोसमोहे निग्गंथस्स पवयणस्स देसए

लोगहियाणं लोगपईवाणं लोगपज्जोयगराणं अभयदयाणं चक्खुदयाणं मग्गदयाणं सरणदयाणं जीवदयाणं बोहिदयाणं धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मनायगाणं धम्मसारहीणं धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टीणं दीवो ताणं सरणं गई पइट्ठा अप्पडिहय-वरनाणदंसणधराणं वियट्टछउमाणं जिणाणं जावयाणं तिण्णाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं मुत्ताणं मोयगाणं सव्वन्नूणं सव्वदरिसीणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खय-सव्वाबाहमपुणरावत्तिसिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपत्ताणं, नमोऽत्थु णं समणस्स भग-वओ महावीरस्स आइगरस्स तित्थगरस्स जाव संपाविउकामस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स, वंदामि णं भगवंतं तत्थ गयं इह गए, पासउ मे (मे से) भगवं तत्थ गए इह गयंति कट्टु वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे निसीयइ निसीइत्ता तस्स पवित्तिवाउयस्स अद्धुत्तरसयसहस्सं पीइदाणं दलयइ दलइत्ता सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारित्ता सम्माणित्ता एवं वयासी—जया णं देवाणुप्पिया! समणे भगवं महावीरे इहमागच्छेज्जा इह समोसरिज्जा इहेव चंपाए णयरीए बहिया पुण्णभद्दे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावे-माणे विहरेज्जा तया णं मम एयमट्ठं निवेदिज्जासित्तिकट्टु विसज्जिए ॥ ११ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलु-म्मिलियंमि अहा(अह)पंडुरे पहाए रत्तासोगप्पगासकिंसुयसुयमुहगुंजद्धरागसरिसे कमलागरसंडबोहए उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिंमि दिणयरे तेयसा जलंते जेणेव चंपा णयरी जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ १२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी बहवे समणा भगवंतो अप्पेगइया उग्गपव्वइया भोगपव्वइया राइण्ण० णाय० कोरव्व० खत्तियपव्वइया भडा जोहा सेणावई पसत्थारो सेट्ठी इब्भा अण्णे य बहवे एवमाइणो उत्तमजाइकुलरूव-विणयविण्णाणवण्णलावण्णविक्कमपहाणसोभग्गकंतिजुत्ता बहुधणधण्णणिचयपरियाल-फिडिया णरवइगुणाइरेगा इच्छियभोगा सुहसंपललिया किंपागफलोवमं च मुणिय विसयसोक्खं जलबुब्बुयसमाणं कुसग्गजलबिंदुचंचलं जीवियं च णाऊण अद्धुवमिणं रयमिव पडग्गलग्गं संविधुणित्ता णं चइत्ता हिरण्णं जाव पव्वइया, अप्पेगइया अद्धमासपरिआया अप्पेगइया मासपरिआया एवं दुमास तिमास जाव एक्कारस० अप्पेगइया वासपरिआया दुवास० तिवास० अप्पेगइया अणेगवासपरि-आया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी बहवे निग्गंथा भगवंतो अप्पेगइया

आभिणिबोहियणाणी जाव केवलणाणी अप्पेगइया मणबलिया वयबलिया काय-बलिया अप्पेगइया मणेणं सावाणुग्गहसमत्था ३ अप्पेगइया खेलोसहिपत्ता एवं जल्लोसहि० विप्पोसहि० आमोसहि० सव्वोसहि० अप्पेगइया कोट्ठबुद्धी एवं बीय-बुद्धी पडबुद्धी अप्पेगइया पयाणुसारी अप्पेगइया संभिन्नसोया अप्पेगइया खीरासवा अप्पेगइया महुआसवा अप्पेगइया सप्पिआसवा अप्पेगइया अक्खीणमहाणसिया एवं उज्जुमई अप्पेगइया विउलमई विउव्वणिड्ढिपत्ता चारणा विज्जाहरा आगासाइ-वाइणो ॥ अप्पेगइया कणगावलिं तवोकम्मं पडिवण्णा एवं एगावलिं खुड्डागसीहनि-क्कीलियं तवोकम्मं पडिवण्णा अप्पेगइया महालयं सीहनिक्कीलियं तवोकम्मं पडिवण्णा भद्दपडिमं महाभद्दपडिमं सव्वओभद्दपडिमं आयंबिलवद्धमाणं तवोकम्मं पडिवण्णा मासियं भिक्खुपडिमं एवं दोमासियं पडिमं तिमासियं पडिमं जाव सत्तमासियं भिक्खुपडिमं पडिवण्णा अप्पेगइया पढमं सत्तराइंदियं भिक्खुपडिमं पडिवण्णा जाव तच्चं सत्तराइंदियं भिक्खुपडिमं पडिवण्णा अहोराइंदियं भिक्खुपडिमं पडिवण्णा एक्कराइंदियं भिक्खुपडिमं पडिवण्णा सत्तसत्तमियं भिक्खुपडिमं अट्ठट्ठमियं भिक्खु-पडिमं णवणवमियं भिक्खुपडिमं दसदसमियं भिक्खुपडिमं खुड्डियं मोयपडिमं पडिवण्णा महल्लियं मोयपडिमं पडिवण्णा जवमज्झं चंदपडिमं पडिवण्णा वइर(वज्ज)-मज्झं चंदपडिमं पडिवण्णा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतेवासी बहवे थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा कुल० बल० रूव० विणय० णाण० दंसण० चरित्त० लज्जा० लाघव० ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहा जियमाणा जियमाया जियलोभा जिय-इंदिया जियणिद्दा जियपरीसहा जीवियासमरणभयविप्पमुक्का वयप्पहाणा गुणप्पहाणा करणप्पहाणा चरणप्पहाणा णिग्गहप्पहाणा निच्छयप्पहाणा अज्जवप्पहाणा मद्दव-प्पहाणा लाघवप्पहाणा खंतिप्पहाणा मुत्तिप्पहाणा विज्जापहाणा मंतप्पहाणा वेयप्पहाणा बंभप्पहाणा नयप्पहाणा नियमप्पहाणा सच्चप्पहाणा सोयप्पहाणा चारु-वण्णा लज्जातवस्सीजिइंदिया सोही अणियाणा अप्पुस्सुया अवहिल्लेसा अप्पडिलेस्सा सुसामण्णरया दंता इणमेव णिग्गंथं पावयणं पुरओकाउं विहरंति । तेसि णं भगवं-ताणं आयावायावि विदिता भवंति परवाया विदिता भवंति आयावायं जमइत्ता नल-वणमिव मत्तमातंगा अच्छिद्दपसिणवागरणा रयणकरंडगसमाणा कुत्तियावणभूया पर-वादियपमद्दणा दुवालसंगिणो समत्तगणिपिडगधरा सव्वक्खरसण्णिवाइणो सव्वभा-साणुगामिणो अजिणा जिणसंकासा जिणा इव अवितहं वागरमाणा संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति ॥ १५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ

महावीरस्स अंतेवासी बहवे अणगारा भगवंतो इरियासमिया भासासमिया एसणासमिया आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिया उच्चारपासवणखेलसिंघाणजल्लपारिट्ठावणियासमिया मणगुत्ता वयगुत्ता कायगुत्ता गुत्ता गुत्तिंदिया गुत्तबंभयारी अममा अकिंचणा छिण्णग्गंथा छिण्णसोया निरुवलेवा कंसपाईव मुक्कतोया संख इव निरंगणा जीवो विव अप्पडिहयगई जच्चकणगंपिव जायरुवा आदरिसफलगाविव पागडभावा कुम्मो इव गुत्तिंदिया पुक्खरपत्तं व निरुवलेवा गगणमिव निरालंबणा अणिलो इव निरालया चंदो इव सोमलेसा सूरो इव दित्ततेया सागरो इव गंभीरा विहगो इव सव्वओ विप्पमुक्का मंदरो इव अप्पकंपा सारयसलिलं व सुद्धहियया खग्गिविसाणं व एगजाया भारंडपक्खी व अप्पमत्ता कुंजरो इव सोंडीरा वसभो इव जायत्थामा सीहो इव दुद्धरिसा वसुंधरा इव सव्वफासविसहा सुहुयहुयासणे इव तेयसा जलंता नत्थि णं तेसि णं भगवंताणं कत्थइ पडिबंधे भवइ, से य पडिबंधे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-दव्वओ खित्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं सचित्ताचित्तमीसिएसु दव्वेसु, खेत्तओ गामे वा णयरे वा रण्णे वा खेत्ते वा खले वा घरे वा अंगणे वा, कालओ समए वा आवलियाए वा जाव अयणे वा अण्णयरे वा दीहकालसंजोगे, भावओ कोहे वा माणे वा मायाए वा लोहे वा भए वा हासे वा एवं तेसिं ण भवइ। ते णं भगवंतो वासावासवज्जं अट्ठ गिम्हहेमंतियाणि मासाणि गामे एगराइया णयरे पंचराइया वासीचंदणसमाणकप्पा समलेट्ठुकंचणा समसुहदुक्खा इहलोगपरलोगअप्पडिबद्धा संसारपारगामी कम्मणिग्घायणट्ठाए अब्भुट्ठिया विहरंति ॥ १६ ॥ तेसि णं भगवंताणं एएणं विहारेणं विहरमाणाणं इमे एयारूवे अब्भितरबाहिरए तवोवहाणे होत्था, तंजहा-अब्भिंतरए छव्विहे बाहिरएवि छव्विहे ॥ १७ ॥ से किं तं बाहिरए? २ छव्विहे प०, तंजहा—अणसणे ऊणो(अवमो)यरिया भिक्खायरिया रसपरिच्चाए कायकिलेसे पडिसंलीणया। से किं तं अणसणे? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—इत्तरिए य आवकहिए य। से किं तं इत्तरिए? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा—चउत्थभत्ते छट्ठभत्ते अट्ठभत्ते दसमभत्ते बारसभत्ते चउद्दसभत्ते सोलसभत्ते अद्धमासिए भत्ते मासिए भत्ते दोमासिए भत्ते तेमासिए भत्ते चउमासिए भत्ते पंचमासिए भत्ते छम्मासिए भत्ते, से तं इत्तरिए। से किं तं आवकहिए? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—पाओवगमणे य भत्तपच्चक्खाणे य। से किं तं पाओवगमणे? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—वाघाइमे य निव्वाघाइमे य नियमा अप्पडिकम्मे, से तं पाओवगमणे। से किं तं भत्तपच्चक्खाणे? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—वाघाइमे य निव्वाघाइमे य णियमा सप्पडिकम्मे, से तं भत्तपच्चक्खाणे, से तं अणसणे। से किं तं

ओमोयरिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-दव्वोमोयरिया य भावोमोयरिया य, से किं तं दव्वोमोयरिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-उवगरणदव्वोमोयरिया य भत्त-पाणदव्वोमोयरिया य। से किं तं उवगरणदव्वोमोयरिया ? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा-एगे वत्थे एगे पाए चियत्तोवगरणसाइज्जणया, से तं उवगरणदव्वोमोयरिया। से किं तं भत्तपाणदव्वोमोयरिया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा-अट्ठपमाणमेत्ते कवले आहारमाणे अप्पाहारे, दुवालसपमाणमेत्ते कवले आहारमाणे अवड्ढोमोयरिया, सोलसपमाणमेत्ते कवले आहारमाणे दुभागपत्तोमोयरिया, चउव्वीसपमाणमेत्ते कवले आहारमाणे पत्तोमोयरिया, एक्कतीसपमाणमेत्ते कवले आहारमाणे किंचूणोमोयरिया वत्तीसपमाणमेत्ते कवले आहारमाणे पमाणपत्ता एत्तो एगेणवि घासेणं ऊणयं आहार-माहारेमाणे समणे णिग्गंथे णो पकामरसभोइत्ति वत्तव्वं सिया, से तं भत्तपाणदव्वो-मोयरिया, से तं दव्वोमोयरिया। से किं तं भावोमोयरिया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा-अप्पकोहे अप्पमाणे अप्पमाए अप्पलोहे अप्पसद्दे अप्पझंझे, से तं भावोमो-यरिया, से तं ओमोयरिया। से किं तं भिक्खायरिया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा-दव्वाभिग्गहचरए खेत्ताभिग्गहचरए कालाभिग्गहचरए भावाभिग्गहचरए उक्खित्त-चरए णिक्खित्तचरए उक्खित्तणिक्खित्तचरए णिक्खित्तउक्खित्तचरए वट्टिज्जमाणचरए साहरिज्जमाणचरए उवणीयचरए अवणीयचरए उवणीयअवणीयचरए अवणी-यउवणीयचरए संसट्ठचरए असंसट्ठचरए तज्जायसंसट्ठचरए अण्णायचरए मोणचरए दिट्ठलाभिए अदिट्ठलाभिए पुट्ठलाभिए अपुट्ठलाभिए भिक्खलाभिए अभिक्खलाभिए अण्णगिलायए ओवणिहिए परिमियपिंडवाइए सुद्धेसणिए संखायत्तिए, से तं भिक्खा-यरिया। से किं तं रसपरिच्चाए ? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा-णिव्वि(य)तिए पणीयरसपरिच्चाए आयंबिलए आयामसित्थभोई अरसाहारे विरसाहारे अंताहारे पंताहारे लूहाहारे, से तं रसपरिच्चाए। से किं तं कायकिलेसे ? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा-ठाणट्ठिइए ठाणाइए उक्कुडुआसणिए पडिमट्ठाई वीरासणिए नेसज्जिए दंडायए लउडसाई आयावए अवाउडए अकंडुयए अणिट्ठुहए सव्वगायपरिकम्मविभूसविप्पमुक्के से तं कायकिलेसे। से किं तं पडिसंलीणया ? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा-इंदिय-पडिसंलीणया कसायपडिसंलीणया जोगपडिसंलीणया विवित्तसयणासणसेवणया, से किं तं इंदियपडिसंलीणया ? २ पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा-सोइंदियविसयप्पयार-निरोहो वा सोइंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसनिग्गहो वा चक्खिंदियविसप्पयपया-रनिरोहो वा चक्खिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसनिग्गहो वा घाणिंदियविसयप्पया-रनिरोहो वा घाणिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसनिग्गहो वा जिब्भिंदियविसयप्प-

यारनिरोहो वा जिब्भिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसनिग्गहो वा फासिंदियविसयप्पयारनिरोहो वा फासिंदियविसयपत्तेसु अत्थेसु रागदोसनिग्गहो वा, से तं इंदियपडिसंलीणया। से किं तं कसायपडिसंलीणया? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा–कोहस्सुदयनिरोहो वा उदयपत्तस्स वा कोहस्स विफलीकरणं माणस्सुदयनिरोहो वा उदयपत्तस्स वा माणस्स विफलीकरणं मायाउदयणिरोहो वा उदयपत्ताए वा मायाए विफलीकरणं लोहस्सुदयणिरोहो वा उदयपत्तस्स वा लोहस्स विफलीकरणं, से तं कसायपडिसंलीणया? से किं तं जोगपडिसंलीणया? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–मणजोगपडिसंलीणया वयजोगपडिसंलीणया कायजोगपडिसंलीणया। से किं तं मणजोगपडिसंलीणया? २ अकुसलमणणिरोहो वा कुसलमणउदीरणं वा, से तं मणजोगपडिसंलीणया। से किं तं वयजोगपडिसंलीणया? २ अकुसलवयणिरोहो वा कुसलवयउदीरणं वा, से तं वयजोगपडिसंलीणया। से किं तं कायजोगपडिसंलीणया? २ जण्णं सुसमाहियपाणिपाए कुम्मो इव गुत्तिंदिए सव्वगायपडिसंलीणे चिट्ठइ, से तं कायजोगपडिसंलीणया। से किं तं विवित्तसयणासणसेवणया? २ जं णं आरामेसु उज्जाणेसु देवकुलेसु सभासु पवासु पणियगिहेसु पणियसालासु इत्थीपसुपंडगसंसत्तविरहियासु वसहीसु फासुएसणिज्जपीढफलगसेज्जासंथारगं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ, से तं पडिसंलीणया, से तं बाहिरए तवे ॥ १८ ॥ से किं तं अब्भिंतरए तवे? २ छव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं सज्झाओ झाणं विउस्सग्गो। से किं तं पायच्छित्ते? २ दसविहे पण्णत्ते, तंजहा–आलोयणारिहे पडिक्कमणारिहे तदुभयारिहे विवेगारिहे विउस्सग्गारिहे तवारिहे छेयारिहे मूलारिहे अणवट्ठप्पारिहे पारंचियारिहे, से तं पायच्छित्ते। से किं तं विणए? २ सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा–णाणविणए दंसणविणए चरित्तविणए मणविणए वइविणए कायविणए लोगोवयारविणए। से किं तं णाणविणए? २ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–आभिणिबोहियणाणविणए सुयणाणविणए ओहिणाणविणए मणपज्जवणाणविणए केवलणाणविणए से तं णाणविणए। से किं तं दंसणविणए? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–सुस्सूसणाविणए अणच्चासायणाविणए। से किं तं सुस्सूसणाविणए? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा—अब्भुट्ठाणे इ वा आसणाभिग्गहे इ वा आसणप्पयाणे इ वा सक्कारे इ वा सम्माणे इ वा किइकम्मे इ वा अंजलिपग्गहे इ वा एंतस्स अणुगच्छणया ठियस्स पज्जुवासणया गच्छंतस्स पडिसंसाहणया, से तं सुस्सूसणाविणए॥ से किं तं अणच्चासायणाविणए? २ पणयालीसविहे पण्णत्ते, तंजहा–अरहंताणं अणच्चासायणया अरहंतपण्णत्तस्स धम्मस्स अणच्चासायणया आयरियाणं अणच्चासायणया एवं उवज्झायाणं थेराणं कुलस्स गणस्स संघस्स

किरियाणं संजोगविरहस्स आभिणिबोहियणाणस्स सुयणाणस्स ओहिणाणस्स मणपज्जवणाणस्स केवलणाणस्स एएसिं चेव भत्तिबहुमाणे एएसिं चेव वण्णसंजलणया, से तं अणच्चासायणाविणए से तं दंसणविणए। से किं तं चरित्तविणए? २ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा-सामाइयचरित्तविणए छेदोवट्ठावणियचरित्तविणए परिहारविसुद्धिचरित्तविणए सुहुमसंपरायचरित्तविणए अहक्खायचरित्तविणए, से तं चरित्तविणए। से किं तं मणविणए? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-पसत्थमणविणए अपसत्थमणविणए। से किं तं अपसत्थमणविणए? २ जे य मणे सावज्जे सकिरिए सककसे कडुए णिट्ठुरे फरुसे अण्हयकरे छेयकरे भेयकरे परितावणकरे उद्दवणकरे भूओवघाइए तहप्पगारं मणो णो पहारेज्जा, से तं अपसत्थमणोविणए। से किं तं पसत्थमणोविणए? २ तं चेव पसत्थं णेयव्वं, एवं चेव वइविणओऽवि एएहिं पएहिं चेव णेयव्वो, से तं वइविणए। से किं तं कायविणए? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-पसत्थकायविणए अपसत्थकायविणए। से किं तं अपसत्थकायविणए? २ सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा-अणाउत्तं गमणे अणाउत्तं ठाणे अणाउत्तं निसीयणे अणाउत्तं तुयट्टणे अणाउत्तं उल्लंघणे अणाउत्तं पल्लंघणे अणाउत्तं सव्विंदियकायजोगजुंजणया, से तं अपसत्थकायविणए। से किं तं पसत्थकायविणए? २ एवं चेव पसत्थं भाणियव्वं, से तं पसत्थकायविणए, से तं कायविणए। से किं तं लोगोवयारविणए? २ सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा-अब्भासवत्तियं परच्छंदाणुवत्तियं कज्जहेउं कयपडिकिरिया अत्तगवेसणया देसकालण्णुया सव्वट्ठेसु अप्पडिलोमया, से तं लोगोवयारविणए, से तं विणए। से किं तं वेयावच्चे? २ दसविहे पण्णत्ते, तंजहा-आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे सेहवेयावच्चे गिलाणवेयावच्चे तवस्सिवेयावच्चे थेरवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे कुलवेयावच्चे गणवेयावच्चे संघवेयावच्चे, से तं वेयावच्चे। से किं तं सज्झाए? २ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा-वायणा पडिपुच्छणा परियट्टणा अणुप्पेहा धम्मकहा, से तं सज्झाए। से किं तं झाणे? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-अट्टज्झाणे रुद्दज्झाणे धम्मज्झाणे सुक्कज्झाणे, अट्टज्झाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-अमणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगस्सतिसमण्णागए यावि भवइ, मणुण्णसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगस्सतिसमण्णागए यावि भवइ, आयंकसंपओगसंपउत्ते तस्स विप्पओगस्सतिसमण्णागए यावि भवइ, परिजूसियकामभोगसंपओगसंपउत्ते तस्स अविप्पओगस्सतिसमण्णागए यावि भवइ। अट्टस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तंजहा-कंदणया सोयणया तिप्पणया विलवणया। रुद्दज्झाणे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-हिंसाणुबंधी मोसाणुबंधी तेणाणुबंधी सारक्खणाणुबंधी, रुद्दस्स णं झाणस्स चत्तारि

लक्खणा पण्णत्ता, तंजहा-उसण्णदोसे बहुदोसे अण्णाणदोसे आमरणंतदोसे। धम्मज्झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे पण्णत्ते, तंजहा-आणाविजए अवायविजए विवागविजए संठाणविजए। धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तंजहा-आणारुई णिसग्गरुई उवएसरुई सुत्तरुई, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा पण्णत्ता, तंजहा-वायणा पुच्छणा परियट्टणा धम्मकहा, धम्मस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-अणिच्चाणुप्पेहा असरणाणुप्पेहा एगत्ताणुप्पेहा संसाराणुप्पेहा। सुक्कज्झाणे चउव्विहे चउप्पडोयारे पण्णत्ते, तंजहा-पुहुत्तवियक्के सवियारी १ एगत्तवियक्के अवियारी २ सुहुमकिरिए अप्पडिवाई ३ समुच्छिन्नकिरिए अणियट्टी ४, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि लक्खणा पण्णत्ता, तंजहा-विवेगे विउसग्गे अव्वहे असम्मोहे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि आलंबणा पण्णत्ता, तंजहा-खंती मुत्ती अज्जवे मद्दवे, सुक्कस्स णं झाणस्स चत्तारि अणुप्पेहाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-अवायाणुप्पेहा असुभाणुप्पेहा अणंतवित्तियाणुप्पेहा विप्परिणामाणुप्पेहा, से तं झाणे॥ से किं तं विउस्सग्गे? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-दव्वविउस्सग्गे भावविउस्सग्गे य। से किं तं दव्वविउस्सग्गे? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-सरीरविउस्सग्गे गणविउस्सग्गे उवहिविउस्सग्गे भत्तपाणविउस्सग्गे, से तं दव्वविउस्सग्गे, से किं तं भावविउस्सग्गे? २ तिविहे पण्णत्ते, तंजहा-कसायविउस्सग्गे संसारविउस्सग्गे कम्मविउस्सग्गे, से किं तं कसायविउस्सग्गे? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-कोहकसायविउस्सग्गे माणकसायविउस्सग्गे मायाकसायविउस्सग्गे लोहकसायविउस्सग्गे, से तं कसायविउस्सग्गे, से किं तं संसारविउस्सग्गे? २ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा णेरइयसंसारविउस्सग्गे तिरियसंसारविउस्सग्गे मणुयसंसारविउस्सग्गे देवसंसारविउस्सग्गे, से तं संसारविउस्सग्गे, से किं तं कम्मविउस्सग्गे? २ अट्ठविहे पण्णत्ते, तंजहा-णाणावरणिज्जकम्मविउस्सग्गे दरिसणावरणिज्जकम्मविउस्सग्गे वेयणीयकम्मविउस्सग्गे मोहणीयकम्मविउस्सग्गे आउयकम्मविउस्सग्गे णामकम्मविउस्सग्गे गोयकम्मविउस्सग्गे अंतरायकम्मविउस्सग्गे, से तं कम्मविउस्सग्गे, से तं भावविउस्सग्गे, से तं विउस्सग्गे॥ १९॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे अणगारा भगवंतो अप्पेगइया आयारधरा जाव विवागसुयधरा तत्थ तत्थ तहिं तहिं देसे देसे गच्छागच्छि गुम्मागुम्मि फड्डाफड्डिं अप्पेगइया वायंति अप्पेगइया पडिपुच्छंति अप्पेगइया परियट्टंति अप्पेगइया अणुप्पेहंति अप्पेगइया अक्खेवणीओ विक्खेवणीओ संवेयणीओ णिव्वेयणीओ चउव्विहाओ कहाओ कहंति, अप्पेगइया उड्ढंजाणू अहोसिरा झाणकोट्ठोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति।

संसारभउव्विग्गा भीया जम्मणजरमरणकरणगंभीरदुक्खपक्खुब्भियपउरसलिलं संजोगविओगवीइचिंतापसंगपसरियवहबंधमहल्लविउलकल्लोलकलुणविलवियलोभकल-कलंतबोलबहुलं अवमाणणफेणतिव्वखिंसणपुलंपुलप्पभूयरोगवेयणपरिभवविणिवाय-फरुसधरिसणासमावडियकढिणकम्मपत्थरतरंगरंगंतनिच्चमच्चुभयतोयपट्ठं कसायपाया-लसंकुलं भवसयसहस्सकलुसजलसंचयं पइभयं अपरिमियमहिच्छकलुसमइवाउवेग-उद्धुम्ममाणदगरयरयंधयारवरफेणपउरआसापिवासधवलं मोहमहावत्तभोगभममाण-गुप्पमाणुच्छलंतपच्चोणियतपाणियपमायचंडबहुदुट्ठसावयसमाहयउद्धायमाणपब्भारघोर-कंदियमहारवरवंतभेरवरवं अण्णाणभमंतमच्छपरिहत्थअणिहुइंदियमहामगरतुरिय-चरियखोखुब्भमाणनच्चंतचवलचंचलचलंतघुम्मंतजलसमूहं अरइभयविसायसोगमि-च्छत्तसेलसंकडं अणाइसंताणकम्मबंधणकिलेसचिक्खिल्लसुदुत्तारं अमरनरतिरियनिर-यगइगमणकुडिलपरिवत्तविउलवेलं चउरंतमहंतमणवदग्गं रुद्दं संसारसागरं भीमदरि-सणिज्जं तरंति धिइधणियनिप्पकंपेण तुरियचवलं संवरवेरग्गतुंगकूवयसुसंपउत्तेणं णाणसियविमलमूसिएणं सम्मत्तविसुद्धलद्धणिज्जामएणं धीरा संजमपोएण सीलकलिया पसत्थज्झाणतववायपणोल्लियपहाविएणं उज्जमववसायग्गहियणिज्जरणजयणउवओग-णाणदंसणविसुद्धवयभंडभरियसारा जिणवरवयणोवदिट्ठमग्गेणं अकुडिलेण सिद्धि-महापट्टणाभिमुहा समणवरसत्थवाहा सुसुइसुसंभाससुपण्हसासा गामे गामे एगरायं णगरे णगरे पंचरायं दूइज्जन्ता जिइंदिया णिब्भया गयभया सचित्ताचित्तमीसिएसु दव्वेसु विरागयं गया संजया विरया मुत्ता लहुया णिरवकंखा साहू णिहुया चरंति धम्मं ॥ २० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे असुरकुमारा देवा अंतियं पाउब्भवित्था कालमहाणीलसरिसणीलगुलियगवलअयसिकुसुमप्पगासा वियसियसयवत्तमिव पत्तलनिम्मलईसिंसियरत्ततंबणयणा गरुलाययउज्जुतुंगणासा उवचियसिलप्पवालबिंबफलसण्णिभाहरोट्ठा पंडुरससिसयलविमलणिम्मलसंखगो-क्खीरफेणदगरयमुणालियाधवलदंतसेढी हुयवहणिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्ततलताल-जीहा अंजणघणकसिणरुयगरमणिज्जणिद्धकेसा वामेगकुंडलधरा अद्दचंदणाणुलित्त-गत्ता । ईसिंसिलिंधपुप्फप्पगासाइं सुहुमाइं असंकिलिट्ठाइं वत्थाइं पवरपरिहिया वयं च पढमं समइक्कंता विइयं च वयं असंपत्ता भद्दे जोव्वणे वट्टमाणा तलभंगयतुडिय-पवरभूसणनिम्मलमणिरयणमंडियभुया दससुद्दामंडियग्गहत्था चूलामणिचिंधगया सुरूवा महिड्ढिया महज्जुइया महब्बला महायसा महासोक्खा महाणुभागा हारविरा-इयवच्छा कडगतुडियथंभियभुया अंगयकुंडलमट्ठगंडतलकण्णपीढधारी विचित्तवत्था-भरणा विचित्तमालामउलिमउडा कल्लाणकयपवरवत्थपरिहिया कल्लाणकयपवरमल्लाणु-

लेवणा भासुरबोंदी पलंबवणमालधरा। दिव्वेणं वण्णेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं रूवेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघाए(घयणे)णं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुत्तीए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियं आगम्मागम्म रत्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति २ त्ता वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा पज्जुवासंति ॥ २१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे असुरिंदवज्जिया भवणवासी देवा अंतियं पाउब्भवित्था णागपइणो सुवण्णा विज्जू अग्गीया दीवा उदही दिसाकुमारा य पवणथणिया य भवणवासी णागफडागरुलवयरपुण्णकलससीहहयगयमगरमउडवद्धमाणणिजुत्तविचित्तचिंधगया सुरूवा महिड्ढिया सेसं तं चेव जाव पज्जुवासंति ॥ २२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे वाणमंतरा देवा अंतियं पाउब्भवित्था पिसाया भूया य जक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसभुयगवइणो य महाकाया गंधव्वणिकायगणा णिउणगंधव्वगीयरइणो अणवण्णियपणपण्णियइसिवादियभूयवादियकंदियमहाकंदिया य कुहंडपयए य देवा चंचलचवलचित्तकीलणदवप्पिया गंभीरहसियभणियपीयगीयणच्चणरई वणमालामेलमउडकुंडलसच्छंदविउव्वियाहरणचारुविभूसणधरा सव्वोउयसुरभिकुसुमसुरइयपलंबसोभंतकंतवियसंतचित्तवणमालरइयवच्छा कामगमी कामरूवधारी णाणाविहवण्णरागवरवत्थचित्तचिल्लियणियंसणा विविहदेसीणेवत्थग्गहियवेसा पमुइयकंदप्पकलहकेलिकोलाहलप्पिया हासबोलबहुला अणेगमणिरयणविविहणिजुत्तविचित्तचिंधगया सुरूवा महिड्ढिया जाव पज्जुवासंति ॥ २३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स बहवे जोइसिया देवा अंतियं पाउब्भवित्था विहस्सई चंदसूरसुक्कसणिच्चरा राहू धूमकेऊ बुहा य अंगारका य तत्ततवणिज्जकणगवण्णा जे य गहा जोइसंमि चारं चरंति केऊ य गइरइया अट्ठावीसविहा य णक्खत्तदेवगणा णाणासंठाणसंठियाओ य पंचवण्णाओ ताराओ ठियलेस्सा चारिणो य अविस्सामामंडलगई पत्तेयं णामंकपागडियचिंधमउडा महिड्ढिया जाव पज्जुवासंति ॥ २४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स वेमाणिया देवा अंतियं पाउब्भवित्था सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलंतगमहासुक्कसहस्साराणयपाणयारणअच्चुयवई पहिट्ठा देवा जिणदंसणुस्सुयागमणजणियहासा पालगपुप्फगसोमणससिरिवच्छणंदियावत्तकामगमपीइगममणोगमविमलसव्वओभद्दणामधिज्जेहिं विमाणेहिं ओइण्णा वंदगा जिणिंदं। मिगमहिसवराहछगलदद्दुरहयगयवइभुयगख-

ग्गउसभंकविडिमपागडियचिंधमउडा पसिढिलवरमउडतिरीडधारी कुंडलुज्जोवियाण-णणा मउडदित्तसिरया रत्ताभा पउमपम्हगोरा सेया सुहवण्णगंधफासा उत्तमविउव्विणो विविहवत्थगंधमल्लधरा महिड्ढिया महज्जुइया जाव पंजलिउडा पज्जुवासंति ॥ २६ ॥

तए णं चंपाए नयरीए सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहेसु महया जणसद्दे इ वा जणवूहे इ वा जणबोले इ वा जणकलकले इ वा जणुम्मी इ वा जणुक्कलिया इ वा जणसन्निवाए इ वा बहुजणो अण्णमण्णस्स एवमाइक्खइ एवं भासइ एवं पण्णवेइ एवं परूवेइ–एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे आइगरे तित्थगरे सयंसंबुद्धे पुरिसुत्तमे जाव संपाविउकामे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे इहमागए इह संपत्ते इह समोसढे इहेव चंपाए णयरीए बाहिं पुण्णभद्दे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तं महप्फलं खलु भो देवाणुप्पिया ! तहारूवाणं अरहंताणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए, किमंगपुण अभिगमणवंदणणमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए ?, एगस्स वि आयरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए ?, किमंगपुण विउलस्स अत्थस्स गहणयाए ?, तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया ! समणं भगवं महावीरं वंदामो णमंसामो सक्कारेमो सम्माणेमो कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं [विणएणं] पज्जुवासामो एयं णे पेच्चभवे इहभवे य हियाए सुहाए खमाए निस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्स-इत्तिकट्टु बहवे उग्गा उग्गपुत्ता भोगा भोगपुत्ता एवं दुपडोयारेणं राइण्णा खत्तिया माहणा भडा जोहा पसत्थारो मल्लई लेच्छई लेच्छईपुत्ता अण्णे य बहवे राईसरतल-वरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहपभिइओ अप्पेगइया वंदणवत्तियं अप्पे-गइया नमंसणवत्तियं एवं सक्कारवत्तियं सम्माणवत्तियं दंसणवत्तियं कोऊहलवत्तियं अप्पेगइया अट्ठविणिच्छयहेउं अस्सुयाइं सुणेस्सामो सुयाइं निस्संकियाइं करिस्सामो अप्पेगइया अट्ठाइं हेऊइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छिस्सामो । अप्पेगइया सव्वओ समंता मुण्डे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइस्सामो, पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खा-वइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामो, अप्पेगइया जिणभत्तिरागेणं अप्पेगइया जीयमेयंतिकट्टु ण्हाया सिरसाकंठेमालकडा आविद्धमणिसुवण्णा कप्पियहारऽद्धहारति-सरयपालंबपलंबमाणकडिसुत्तयसुकयसोहाभरणा पवरवत्थपरिहिया चंदणोलित्तगाय-सरीरा । अप्पेगइया हयगया एवं गयगया रहगया सिबियागया संदमाणियागया अप्पेगइया पायविहारचारिणो पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ता महया उक्किट्ठिसीहणायबोल-कलकलरवेणं पक्खुभियमहासमुद्दरवभूयंपिव करेमाणा चंपाए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता समणस्स

भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते छत्ताईए तित्थयराइसेसे पासंति पासित्ता जाण-वाहणाइं ठवइंति २ त्ता जाणवाहणेहिंतो पच्चोरुहंति पच्चोरुहित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेंति करित्ता वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणा णमंसमाणा अभिमुहा विणएणं पंजलिउडा पज्जुवासंति ॥ २६ ॥ तए णं से पवित्तिवाउए इमीसे कहाए लद्धट्ठे समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए ण्हाए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमइ सयाओ गिहाओ पडिणिक्खमित्ता चंपाणयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव बाहिरिया सच्चेव हेट्ठिल्ला वत्तव्वया जाव णिसीयइ णिसीइत्ता तस्स पवित्तिवाउयस्स अद्धत्तेरससयसहस्साइं पीइदाणं दलयइ २ त्ता सक्कारेइ सम्माणेइ सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता पडिविसज्जेइ ॥ २७ ॥ तए णं से कूणिए राया भंभसारपुत्ते बलवाउयं आमंतेइ आमंतेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेहि, हयगयरहपवर-जोहकलियं च चाउरंगिणिं सेणं सण्णाहेहि, सुभद्दापमुहाण य देवीणं बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए पाडिएक्कपाडिएक्काइं जत्ताभिमुहाइं जुत्ताइं जाणाइं उवट्ठवेह, चंपं णयरिं सब्भिंतरबाहिरियं आसित्तसित्तसुइसम्मट्ठरत्थंतरावणवीहियं मंचाइमंचकलियं णाणाविहरागउच्छियज्झयपडागाइपडागमंडियं लाउल्लोइयमहियं गोसीससरसरत्त-चंदण जाव गंधवट्टिभूयं करेह कारवेह करित्ता कारवेत्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि, णिज्जाइस्सामि समणं भगवं महावीरं अभिवंदए ॥ २८ ॥ तए णं से बलवाउए कूणिएणं रण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी-सामित्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता हत्थिवाउयं आमंतेइ आमंतेत्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! कूणियस्स रण्णो भंभसारपुत्तस्स आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेहि, हयगयरहपवरजोहकलियं चाउरंगिणिं सेणं सण्णाहेहि सण्णाहित्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि । तए णं से हत्थिवाउए बलवाउयस्स एयमट्ठं सोच्चा आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ पडि-सुणित्ता छेयायरियउवएसमइविकप्पणाविकप्पेहिं सुणिउणेहिं उज्जलणेवत्थहत्थपरि-वत्थियं सुसज्जं धम्मियसण्णद्धबद्धकवइयउप्पीलियकच्छवच्छगेवेयबद्धगलवरभूसण-विरायंतं अहियतेयजुत्तं सललियवरकण्णपूरविराइयं पलंबउच्चूलमहुयरकयंधयारं चित्त-परिच्छेयपच्छयं पहरणावरणभरियजुद्धसज्जं सच्छत्तं सज्झयं सघंटं सपडागं पंचामेलय-परिमंडियाभिरामं ओसारियजमलजुयलघंटं विज्जुपणद्धं व कालमेहं उप्पाइयपव्वयं व चंकमंतं मत्तं गुलगुलंतं मणपवणजइणवेगं भीमं संगामियाओग्गं आभिसेक्कं हत्थिरयणं

पडिकप्पइ पडिकप्पेत्ता हयगयरहपवरजोहकलियं चाउरंगिणिं सेणं सण्णाहइ सण्णा-
हित्ता जेणेव वलवाउए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ ।
तए णं से वलवाउए जाणसालियं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणु-
प्पिया ! सुभद्दापमुहाणं देवीणं बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए पाडिएक्कपाडिएक्काइं
जत्ताभिमुहाइं जुत्ताइं जाणाइं उवट्ठवेहि २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि । तए णं
से जाणसालिए वलवाउयस्स एयमट्ठं आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ पडिसुणित्ता
जेणेव जाणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता जाणाइं पच्चुवेक्खेइ २ त्ता
जाणाइं संपमज्जेइ २ त्ता जाणाइं संवट्टेइ जाणाइं संवट्टेत्ता जाणाइं णीणेइ जाणाइं
णीणेत्ता जाणाणं दूसे पवीणेइ २ त्ता जाणाइं समलंकरेइ २ त्ता जाणाइं वरभंडग-
मंडियाइं करेइ २ त्ता जेणेव वाहणसाला तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता
वाहणाइं पच्चुवेक्खेइ २ त्ता वाहणाइं संपमज्जइ २ त्ता वाहणाइं णीणेइ २ त्ता
वाहणाइं अप्फालेइ २ त्ता दूसे पवीणेइ २ त्ता वाहणाइं समलंकरेइ २ त्ता वाहणाइं
वरभंडगमंडियाइं करेइ २ त्ता वाहणाइं जाणाइं जोएइ २ त्ता पओयलट्ठिं पओयधरे य
समं आडहइ आडहित्ता वट्टमग्गं गाहेइ २ त्ता जेणेव वलवाउए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता
वलवाउयस्स एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ । तए णं से वलवाउए णयरगुत्तियं
आमंतेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चंपं णयरिं सब्भिंतर-
बाहिरियं आसित्त जाव कारवेत्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि । तए णं से णयरगुत्तिए
वलवाउयस्स एयमट्ठं आणाए विणएणं (वयणं) पडिसुणेइ २ त्ता चंपं णयरिं
सब्भिंतरवाहिरियं आसित्त जाव कारवेत्ता जेणेव वलवाउए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता
एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ । तए णं से वलवाउए कोणियस्स रण्णो भंभसारपुत्तस्स
आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पियं पासइ हयगय जाव सण्णाहियं पासइ, सुभद्दापमु-
हाणं देवीणं पडिजाणाइं उवट्ठवियाइं पासइ, चंपं णयरिं सब्भिंतर जाव गंधवट्टिभूयं
कयं पासइ, पासित्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए पीयमणे जाव हियए जेणेव कूणिए राया
भंभसारपुत्ते तेणेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव एवं वयासी–कप्पिए णं देवाणु-
प्पियाणं आभिसेक्के हत्थिरयणे हयगयरहपवरजोहकलिया य चाउरंगिणी सेणा सण्णा-
हिया सुभद्दापमुहाणं च देवीणं बाहिरियाए य उवट्ठाणसालाए पाडिएक्कपाडिएक्काइं
जत्ताभिमुहाइं जुत्ताइं जाणाइं उवट्ठावियाइं चंपा णयरी सब्भिंतरवाहिरिया आसित्त
जाव गंधवट्टिभूया कया, तं निज्जंतु णं देवाणुप्पिया ! समणं भगवं महावीरं
अभिवंदया ॥ २९ ॥ तए णं से कूणिए राया भंभसारपुत्ते वलवाउयस्स अंतिए एयमट्ठं
सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसालं

अणुपविसइ २ त्ता अणेगवायामजोग्गवग्गणवामद्दणमल्लजुद्धकरणेहिं संते परिस्संते सयपागसहस्सपागेहिं सुगंधतेल्लमाइएहिं पीणणिज्जेहिं दप्पणिज्जेहिं मयणिज्जेहिं विंहणिज्जेहिं सव्विंदियगायपल्हायणिज्जेहिं अब्भिंगेहिं अब्भिंगिए समाणे तेल्लचम्मंसि पडिपुण्णपाणिपायसुकुमालकोमलतलेहिं पुरिसेहिं छेएहिं दक्खेहिं पत्तट्ठेहिं कुसलेहिं मेहावीहिं निउणसिप्पोवगएहिं अब्भिंगणपरिमद्दणुव्वलणकरणगुणणिम्माएहिं अट्ठिसुहाए मंससुहाए तयासुहाए रोमसुहाए चउव्विहाए संवाहणाए संवाहिए समाणे अवगयखेयपरिस्समे अट्टणसालाओ पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता समुत्तजालाउलाभिरामे विचित्तमणिरयणकुट्टिमतले रमणिज्जे ण्हाणमंडवंसि णाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि ण्हाणपीढंसि सुहणिसण्णे सुद्धोदएहिं गंधोदएहिं पुप्फोदएहिं सुहोदएहिं पुणो २ कल्लाणगपवरमज्जणविहीए मज्जिए तत्थ कोउयसएहिं बहुविहेहिं कल्लाणगपवरमज्जणावसाणे पम्हलसुकुमालगंधकासाइयलूहियंगे सरससुरहिगोसीसचंदणाणुलित्तगत्ते । अहयसुमहग्घदूसरयणसुसंवुए सुइमालावण्णगविलेवणे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियहारद्धहारतिसरयपालंबपलंबमाणकडिसुत्तसुकयसोभे पिणद्धगेविज्जअंगुलिज्जगललियंगयललियकयाभरणे वरकडगतुडियथंभियभुए अहियरूवसस्सिरीए मुद्दियापिंगलंगुलिए कुंडलउज्जोवियाणणे मउडदित्तसिरए हारोत्थयसुकयरइयवच्छे पालंबपलंबमाणपडसुकयउत्तरिज्जे णाणामणिकणगरयणविमलमहरिहणिउणोवियमिसिमिसंतविरइयसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठआविद्धवीरवलए । किं बहुणा ? कप्परुक्खए चेव अलंकियविभूसिए णरवई सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं चउचामरवालवीइयंगे मंगलजयसद्दकयालोए मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ मज्जणघराउ पडिणिक्खमित्ता अणेगगणनायगदंडनायगराईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहदूयसंधिवालसद्धिं संपरिवुडे धवलमहामेहणिग्गए इव गहगणदिप्पंतरिक्खतारागणाण मज्झे ससिव्व पियदंसणे णरवई जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव आभिसेक्के हत्थिरयणे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अंजणगिरिकूडसण्णिभं गयवइं णरवई दुरूढे ।

तए णं तस्स कूणियस्स रण्णो भंभसारपुत्तस्स आभिसेक्कं हत्थिरयणं दुरूढस्स समाणस्स तप्पढमयाए इमे अट्ठट्ठमंगलया पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तंजहा–सोवत्थिय सिरिवच्छ णंदियावत्त वद्धमाणग भद्दासण कलस मच्छ दप्पण, तयाऽणंतरं च णं पुण्णकलसभिंगारं दिव्वा य छत्तपडागा सचामरा दंसणरइयआलोयदरिसणिज्जा वाउद्धूयविजयवेजयंती य ऊसिया गगणतलमणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तयाऽणंतरं च णं वेरुलियभिसंतविमलदंडं पलंबकोरंटमल्लदामोवसोभियं चंदमंडल-

णिभं सनूसियं विमलं आयवत्तं पवरं सीहासणं वरमणिरयणपायपीढं पाउयाजोगसमाउत्तं बहुकिंकरकम्मकरपुरिसपायत्तपरिक्खित्तं पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं। तयाऽणंतरं बहवे लट्ठिग्गाहा कुंतग्गाहा चावग्गाहा चामरग्गाहा पासग्गाहा पोत्थयग्गाहा फलगग्गाहा पीढग्गाहा वीणग्गाहा कुतुवग्गाहा हडप्पग्गाहा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तयाऽणंतरं बहवे दंडिणो मुंडिणो सिहंडिणो जडिणो पिछिणो हासकरा डमरकरा चाडुकरा वादकरा कंदप्पकरा दवकरा कोकुइया किड्डकरा वायंता गायंता हसंता णच्चंता भासंता सावेंता रक्खंता आलोयं च करेमाणा जय२सद्दं पउंजमाणा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया। तयाऽणंतरं जच्चाणं तरमल्लिहायणाणं हरिमेलामउलमल्लियच्छाणं चुंचुचियललियपुलियचलचवलचंचलगईणं लंघणवग्गणधावणधोरणतिवईजइणसिक्खियगईणं ललंतलामगललायवरभूसणाणं मुहभंडगओचूलगथासगअहिलाणचामरगण्डपरिमंडियकडीणं किंकरवरतरुणपरिग्गहियाणं अट्ठसयं वरतुरगाणं पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं। तयाऽणंतरं च णं ईसीदंताणं ईसीमत्ताणं ईसीतुंगाणं ईसीउच्छंगविसालधवलदंताणं कंचणकोसीपविट्ठदंताणं कंचणमणिरयणभूसियाणं वरपुरिसारोहगसंपउत्ताणं अट्ठसयं गयाणं पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं। तयाऽणंतरं सच्छत्ताणं सज्झयाणं सघंटाणं सपडागाणं सतोरणवराणं सणंदिघोसाणं सखिंखिणीजालपरिक्खित्ताणं हेमवयचित्ततिणिसकणगणिजुत्तदारुयाणं कालायससुकयणेमिजंतकम्माणं सुसिलिट्ठवत्तमंडलधुराणं आइण्णवरतुरगसुसंपउत्ताणं कुसलनरच्छेयसारहिसुसंपग्गहियाणं बत्तीसतोणपरिमंडियाणं सकंकडवडेंसगाणं सचावसरपहरणावरणभरियजुद्धसज्जाणं अट्ठसयं रहाणं पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं। तयाऽणंतरं च णं असिसत्तिकोंततोमरसूललउडभिंडिमालधणुपाणिसज्जं पायत्ताणीयं पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठियं। तए णं से कूणिए राया हारोत्थयसुकयरइयवच्छे कुंडलउज्जोवियाणणे मउडदित्तसिरए णरसीहे णरवई णरिंदे णरवसहे मणुयरायवसभकप्पे अब्भहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणे हत्थिक्खंधवरगए सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं २ वेसमणो चेव णरवई अमरवईसण्णिभाइ इड्ढीए पहियकित्ती हयगयरहपवरजोहकलियाए चाउरंगिणीए सेणाए समणुगम्ममाणमग्गे जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव पहारेत्थ गमणाए, तए णं तस्स कूणियस्स रण्णो भंभसारपुत्तस्स पुरओ महंआसा आसधरा उभओ पासिं णागा णागधरा पिट्ठओ रहसंगेल्लि। तए णं से कूणिए राया भंभसारपुत्ते अब्भुग्गयभिंगारे पग्गहियतालियंटे उच्छियसेयच्छत्ते पवीइयवालवीयणीए सव्विड्ढीए सव्वजुत्तीए सव्वबलेणं सव्वसमुदएणं सव्वादरेणं सव्वविभूईए सव्वविभूसाए सव्वसंभमेणं सव्वपुप्फगंधमल्लालंकारेणं

तुडियसहस्सण्णिणाएणं महया इड्ढीए महया जुत्तीए महया बलेणं महया समुदएणं महया वरतुडियजमगसमगप्पवाइएणं संखपणवपडहभेरिझल्लरिखरमुहिहुडुक्कमुखमुरव-मुयंगदुंदुभिणिग्घोसणाइयरवेणं चंपाए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ ॥ ३० ॥ तए णं तस्स कूणियस्स रण्णो चंपानगरिं मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छमाणस्स बहवे अत्थऽत्थिया कामत्थिया भोगत्थिया किव्विसिया करोडिया लाभत्थिया कारवाहिया संखिया चक्किया णंगलिया मुहमंगलिया वद्धमाणा पुस्समाणवा खंडियगणा ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणामाहिं मणोभिरामाहिं हिययगमणिज्जाहिं वग्गूहिं जयविजयमंगलसएहिं अणवरयं अभिणंदंता य अभिथुणंता य एवं वयासी-जय २ णंदा! जय २ भद्दा! भद्दं ते अजियं जिणाहि जियं (च) पालेहि जियमज्झे वसाहि। इंदो इव देवाणं चमरो इव असुराणं धरणो इव नागाणं चंदो इव ताराणं भरहो इव मणुयाणं बहूइं वासाइं बहूइं वाससयाइं बहूइं वाससहस्साइं बहूइं वाससयसहस्साइं अणहसमग्गो हट्ठतुट्ठो परमाउं पालयाहि इट्ठजणसंपरिवुडो चंपाए णयरीए अण्णेसिं च बहूणं गामागरणयरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणआसमनिगमसंवाहसंनिवेसाणं आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणे पालेमाणे महयाऽऽहयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुयंगपडुप्पवाइयरवेणं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहराहित्तिकट्टु जय २ सद्दं पउंजंति। तए णं से कूणिए राया भंभसारपुत्ते णयणमालासहस्सेहिं पेच्छिज्जमाणे २ हिययमालासहस्सेहिं अभिणंदिज्जमाणे २ मणोरहमालासहस्सेहिं विच्छिप्पमाणे २ वयणमालासहस्सेहिं अभिथुव्वमाणे २ कंतिसोहग्गगुणेहिं पत्थिज्जमाणे २ बहूणं णरणारिसहस्साणं दाहिणहत्थेणं अंजलिमालासहस्साइं पडिच्छमाणे २ मंजुमंजुणा घोसेणं पडिबुज्झमाणे २ भवणपंतिसहस्साइं समइच्छमाणे २ चंपाए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते छत्ताईए तित्थयराइसेसे पासइ पासित्ता आभिसेक्कं हत्थिरयणं ठवेइ ठवित्ता आभिसेक्काओ हत्थिरयणाओ पच्चोरुहइ २ त्ता अवहट्टु पंच रायककुहाइं, तंजहा-खग्गं छत्तं उप्फेसं वाहणाओ वालवीयणं, जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छइ, तंजहा-सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए १ अचित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए २ एगसाडियं उत्तरासंगकरणेणं ३ चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं ४ मणसो एगत्तभावकरणेणं ५ समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता तिविहाए पज्जुवासणाए पज्जुवासइ, तंजहा-काइयाए वाइयाए माणसियाए,

काइयाए ताव संकुइयग्गहत्थपाए सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलि-उडे पज्जुवासइ, वाइयाए जं जं भगवं वागरेइ एवमेयं भंते ! तहमेयं भंते ! अवितहमेयं भंते ! असंदिद्धमेयं भंते ! इच्छियमेयं भंते ! पडिच्छियमेयं भंते ! इच्छियपडिच्छियमेयं भंते ! से जहेयं तुब्भे वदह अपडिकूलमाणे पज्जुवासइ, माणसियाए महया संवेगं जणइत्ता तिव्वधम्माणुरागरत्तो पज्जुवासइ ॥ ३१ ॥ तए णं ताओ सुभद्दापमुहाओ देवीओ अंतो अंतेउरंसि ण्हायाओ सव्वालंकारविभूसियाओ बहूहिं खुज्जाहिं चेलाहिं वामणीहिं वडभीहिं बब्बरीहिं पओसियाहिं जोणियाहिं पण्हवियाहिं इसिगिणियाहिं वासिइणियाहिं लासियाहिं लउसियाहिं सिंहलीहिं दमिलीहिं आरबीहिं पुलंदीहिं पक्कणीहिं बहलीहिं मुरुंडीहिं सबरियाहिं पारसीहिं णाणादेसीविदेसपरिमंडियाहिं इंगियचिंतियपत्थियविजाणियाहिं सदेसणेवत्थग्गहियवेसाहिं चेडियाचक्कवालवरिसधरकंचुइज्जमहत्तरगवंदपरिक्खित्ताओ अंतेउराओ णिग्गच्छंति २ त्ता जेणेव पाडिएक्कजाणाइं तेणेव उवागच्छन्ति उवागच्छित्ता पाडिएक्कपाडिएक्काइं जत्ताभिमुहाइं जुत्ताइं जाणाइं दुरूहंति दुरूहित्ता णियगपरियालसद्धिं संपरिवुडाओ चंपाए णयरीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छंति णिग्गच्छित्ता जेणेव पुण्णभद्दे उज्जाणे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते छत्ताईए तित्थयराइसेसे पासंति पासित्ता पाडिएक्कपाडिएक्काइं जाणाइं ठवंति ठवित्ता जाणेहिंतो पच्चोरुहंति पच्चोरुहित्ता बहूहिं खुज्जाहिं जाव परिक्खित्ताओ जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता समणं भगवं महावीरं पंचविहेणं अभिगमेणं अभिगच्छंति, तंजहा–सचित्ताणं दव्वाणं विउसरणयाए अचित्ताणं दव्वाणं अविउसरणयाए विणओणयाए गायलट्ठीए चक्खुप्फासे अंजलिपग्गहेणं मणसो एगत्तकरणेणं समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेन्ति वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता कूणियरायं पुरओ कट्टु ठिइयाओ चेव सपरिवाराओ अभिमुहाओ विणएणं पंजलिउडाओ पज्जुवासंति ॥ ३२ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे कूणियस्स भंभसारपुत्तस्स सुभद्दापमुहाणं देवीणं तीसे य महइमहालियाए परिसाए इसिपरिसाए मुणिपरिसाए जइपरिसाए देवपरिसाए अणेगसयाए अणेगसयवंदाए अणेगसयवंदपरिवाराए ओहबले अइबले महब्बले अपरिमियबलवीरियतेयमाहप्पकंतिजुत्ते सारयनवत्थणियमहुरगंभीरकोंचणिग्घोसदुंदुभिस्सरे उरेवित्थडाए कंठेऽवट्ठियाए सिरे समाइण्णाए अगरलाए अमम्मणाए सव्वक्खरसण्णिवाइयाए पुण्णरत्ताए सव्वभासाणुगामिणीए सरस्सईए जोयणणीहारिणा सरेणं अद्धमागहाए भासाए भासइ अरिहा धम्मं परिकहेइ । तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अगिलाए धम्ममाइक्खइ, साऽविय णं अद्ध-

मागहा भासा तेसिं सव्वेसिं आरियमणारियाणं अप्पणो सभासाए परिणामेणं परि-णमइ, तंजहा-अत्थि लोए अत्थि अलोए एवं जीवा अजीवा बंधे मोक्खे पुण्णे पावे आसवे संवरे वेयणा णिज्जरा अरिहंता चक्कवट्टी बलदेवा वासुदेवा नरगा णेरइया तिरिक्खजोणिया तिरिक्खजोणिणीओ माया पिया रिसओ देवा देवलोया सिद्धी सिद्धा परिणिव्वाणं परिणिव्वुया अत्थि पाणाइवाए मुसावाए अदिण्णादाणे मेहुणे परिग्गहे अत्थि कोहे माणे माया लोभे जाव मिच्छादंसणसल्ले। अत्थि पाणाइवायवेरमणे मुसावायवेरमणे अदिण्णादाणवेरमणे मेहुणवेरमणे परिग्गह-वेरमणे जाव मिच्छादंसणसल्लविवेगे सव्वं अत्थिभावं अत्थित्ति वयइ, सव्वं णत्थिभावं णत्थित्ति वयइ, सुचिण्णा कम्मा सुचिण्णफला भवंति, दुचिण्णा कम्मा दुचिण्णफला भवंति, फुसइ पुण्णपावे, पच्चायंति जीवा, सफले कल्लाणपावए। धम्ममाइक्खइ-इणमेव णिग्गंथे पावयणे सच्चे अणुत्तरे केवलए संसुद्धे पडिपुण्णे णेयाउए सल्लकत्तणे सिद्धिमग्गे मुत्तिमग्गे णिव्वाणमग्गे णिज्जाणमग्गे अवितहमविसंधि सव्वदुक्खप्पहीणमग्गे इहट्ठिया जीवा सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिणिव्वायंति सव्वदुक्खाणमंतं करंति। एगच्चा पुण एगे भयंतारो पुव्वकम्मावसेसेणं अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, महड्ढिएसु जाव महासुक्खेसु दूरंगइएसु चिरट्ठिइएसु, ते णं तत्थ देवा भवंति महड्ढिया जाव चिरट्ठिइया हारविराइयवच्छा जाव पभासमाणा कप्पोवगा गइकल्लाणा ठिइकल्लाणा आगमेसिभद्दा जाव पडिरूवा, तमाइक्खइ एवं खलु चउहिं ठाणेहिं जीवा णेरइयत्ताए कम्मं पकरंति णेरइयत्ताए कम्मं पकरेत्ता णेरइएसु उववज्जंति, तंजहा-महारंभयाए महापरिग्गहयाए पंचिंदिय-वहेणं कुणिमाहारेणं, एवं एएणं अभिलावेणं तिरिक्खजोणिएसु माइल्लयाए णियडिल्ल-याए अलियवयणेणं उक्कंचणयाए वंचणयाए, मणुस्सेसु पगइभद्दयाए पगइविणीययाए साणुक्कोसयाए अमच्छरिययाए, देवेसु सरागसंजमेणं संजमासंजमेणं अकामणिज्जराए बालतवोकम्मेणं तमाइक्खइ-जह णरगा गम्मंति जे णरगा जा य वेयणा णरए। सारीरमाणसाइं दुक्खाइं तिरिक्खजोणीए ॥ १ ॥ माणुस्सं च अणिच्चं वाहिजरा-मरणवेयणापउरं। देवे य देवलोए देविड्ढिं देवसोक्खाइं ॥ २ ॥ णरगं तिरिक्ख-जोणिं माणुसभावं च देवलोयं च। सिद्धे य सिद्धवसहिं छज्जीवणियं परिकहेइ ॥ ३ ॥ जह जीवा बज्झंति मुच्चंति जह य परिकिलिस्संति। जह दुक्खाणं अंतं करंति केई अपडिबद्धा ॥ ४ ॥ अट्टदुहट्टियचित्ता जह जीवा दुक्खसागरमुविंति। जह वेरग्ग-मुवगया कम्मसमुग्गं विहाडंति ॥ ५ ॥ जह रागेण कडाणं कम्माणं पावगो फल-विवागो, जह य परिहीणकम्मा सिद्धा सिद्धालयमुविंति ॥ ६ ॥ तमेव धम्मं दुविहं

हट्ठतुट्ठ जाव हियया उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेन्ति २ त्ता वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-सुअक्खाए ते भंते ! णिग्गंथे पावयणे जाव किमंग पुण इत्तो उत्तरतरं ?, एवं वदित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूयाओ तामेव दिसिं पडिगयाओ ॥ **समोसरणं समत्तं** ॥ ३८ ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई नामं अणगारे गोयमसगोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वइरोसहनारायसंघयणे कणगपुलगनिघसपम्हगोरे उग्गतवे दित्ततवे तत्ततवे महातवे घोरतवे उराले घोरे घोरगुणे घोरतवस्सी घोरबंभचेरवासी उच्छूढसरीरे संखित्तविउलतेयलेस्से समणस्स भगवओ महावीरस्स अदूरसामंते उड्ढंजाणू अहोसिरे झाणकोट्ठोवगए संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ । तए णं से भगवं गोयमे जायसड्ढे जायसंसए जायकोऊहल्ले उप्पण्णसड्ढे उप्पण्णसंसए उप्पण्णकोउहल्ले संजायसड्ढे संजायसंसए संजायकोऊहल्ले समुप्पण्णसड्ढे समुप्पण्णसंसए समुप्पण्णकोऊहल्ले उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता णच्चासण्णे णाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासमाणे एवं वयासी-जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले एगंतसुत्ते पावकम्मं अण्हाइ ? हंता अण्हाइ १ । जीवे णं भंते ! असंजयअविरयअप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले एगंतसुत्ते मोहणिज्जं पावकम्मं अण्हाइ ? हंता अण्हाइ २ । जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं कम्मं वेदेमाणे किं मोहणिज्जं कम्मं बंधइ ? वेयणिज्जं कम्मं बंधइ ?, गोयमा ! मोहणिज्जंपि कम्मं बंधइ वेयणिज्जंपि कम्मं बंधइ, णण्णत्थ चरिममोहणिज्जं कम्मं वेदेमाणे वेयणिज्जं कम्मं बंधइ णो मोहणिज्जं कम्मं बंधइ ३ । जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अप्पडिहयपच्चक्खायपावकम्मे सकिरिए असंवुडे एगंतदंडे एगंतबाले एगंतसुत्ते ओसण्णतसपाणघाई कालमासे कालं किच्चा णेरइएसु उववज्जइ ? हंता उववज्जइ ४ । जीवे णं भंते ! असंजए अविरए अपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे इओ चुए पेच्चा देवे सिया ? गोयमा ! अत्थेगइया देवे सिया अत्थेगइया णो देवे सिया, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-अत्थेगइया देवे सिया अत्थेगइया णो देवे सिया ? गोयमा ! जे इमे जीवा गामागरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंवाहसण्णिवेसेसु अकामतण्हाए अकामछुहाए अकामबंभचेरवासेणं अकामअण्हाणगसीयायवदंसमसगसेयजल्लमल्लपंकपरितावेणं अप्पतरो वा भुज्जतरो वा

हसंनिवेसेसु इत्थियाओ भवंति, तंजहा-अंतो अंतेउरियाओ गयपइयाओ मयपइयाओ वालविहवाओ छड्डियल्लियाओ माइरक्खियाओ पियरक्खियाओ भायरक्खियाओ कुलघररक्खियाओ ससुरकुलरक्खियाओ परूढणहमंसुकेसकक्खरोमाओ ववगयपुप्फगंधमल्लालंकाराओ अण्हाणगसेयजल्लमलपंकपरितावियाओ ववगयखीरदहिणवणीयसप्पितेल्लगुललोणमहुमज्जमंसपरिचत्तकयाहाराओ अप्पिच्छाओ अप्पारंभाओ अप्पपरिग्गहाओ अप्पेणं आरंभेणं अप्पेणं समारंभेणं अप्पेणं आरंभसमारंभेणं वित्तिं कप्पेमाणीओ अकामबंभचेरवासेणं तमेव पइसेज्जं णाइक्कमन्ति, ताओ णं इत्थियाओ एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणीओ बहूइं वासाइं सेसं तं चेव जाव चउसट्ठिं वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता ८। से जे इमे गामागरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंवाहसन्निवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा-दगबिइया दगतइया दगसत्तमा दगएक्कारसमा गोयमा गोव्वइया गिहिधम्मा धम्मचिंतगा अविरुद्धविरुद्धवुड्ढसावगप्पभियओ तेसिं मणुयाणं णो कप्पइ इमाओ नव रसविगईओ आहारित्तए, तंजहा-खीरं दहिं णवणीयं सप्पि तेल्लं फाणियं महुं मज्जं मंसं, णण्णत्थ एक्काए सरिसवविगईए, ते णं मणुया अप्पिच्छा तं चेव सव्वं णवरं चउरासीइवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता ९। से जे इमे गंगाकूलगा वाणपत्था तावसा भवंति, तंजहा-होत्तिया पोत्तिया कोत्तिया जण्णई सड्ढई थालई हुंपउट्ठा दंतुक्खलिया उम्मज्जगा सम्मज्जगा निम्मज्जगा संपक्खाला दक्खिणकूलगा उत्तरकूलगा संखधमगा कूलधमगा मिगलुद्धगा हत्थितावसा उद्दंडगा दिसापोक्खिणो वाकवासिणो अंबुवासिणो बिलवासिणो जलवासिणो वेलवासिणो रुक्खमूलिया अंबुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदाहारा तयाहारा पत्ताहारा पुप्फाहारा बीयाहारा परिसडियकंदमूलतयपत्तपुप्फफलाहारा जलाभिसेयकढिणगायभूया आयावणाहिं पंचग्गितावेहिं इंगालसोल्लियं कंडुसोल्लियं कट्ठसोल्लियंपिव अप्पाणं करेमाणा बहूइं वासाइं परियागं पाउणंति बहूइं वासाइं परियागं पाउणित्ता कालमासे कालं किच्चा उक्कोसेणं जोइसिएसु देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं ठिई, सेसं तं चेव आराहगा? णो इणट्ठे समट्ठे १०। से जे इमे जाव सन्निवेसेसु पव्वइया समणा भवंति, तंजहा-कंदप्पिया कुक्कुइया मोहरिया गीयरइप्पिया नच्चणसीला ते णं एएणं विहारेणं विहरमाणा बहूइं वासाइं सामण्णपरियायं पाउणंति २ त्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयअप्पडिक्कंता कालमासे कालं किच्चा उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे कंदप्पिएसु देवेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिई, सेसं तं चेव, णवरं पलिओवमं वाससहस्समब्भहियं ठिई ११। से जे इमे जाव सन्निवेसेसु परिव्वायगा भवंति, तंजहा-संखा जोई कविला भिउच्चा हंसा

कालमासे कालं किच्चा उक्कोसेणं उवरिमेसु गेवेज्जेसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई एक्कत्तीसं सागरोवमाइं ठिई, परलोगस्स अणाराहगा, सेसं तं चेव १९। से जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा-अप्पारंभा अप्पपरिग्गहा धम्मिया धम्माणुया धम्मिट्ठा धम्मक्खाई धम्मप्पलोइया धम्मपलज्जणा धम्मसमुदायारा धम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणा सुसीला सुव्वया सुप्पडियाणंदा साहूहिं एगच्चाओ पाणाइवायाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया एवं जाव परिग्गहाओ एगच्चाओ कोहाओ माणाओ मायाओ लोहाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खाणाओ पेसुण्णाओ परपरिवायाओ अरइरईओ मायामोसाओ मिच्छादंसणसल्लाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ आरंभसमारंभाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ करणकारावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ पयणपयावणाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ पयणपयावणाओ अपडिविरया, एगच्चाओ कोट्टणपिट्टणतज्जणतालणवहबंधपरिकिलेसाओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, एगच्चाओ ण्हाणमद्दणवण्णगविलेवणसद्दफरिसरसरूवगंधमल्लालंकाराओ पडिविरया जावज्जीवाए एगच्चाओ अपडिविरया, जेयावण्णे तहप्पगारा सावज्जजोगोवहिया कम्मंता परपाणपरियावणकरा कज्जंति तओ जाव एगच्चाओ अपडिविरया तंजहा—समणोवासगा भवंति, अभिगयजीवाजीवा उवलद्धपुण्णपावा आसवसंवरनिज्जरकिरियाअहिगरणबंधमोक्खकुसला असहेज्जाओ देवासुरणागजक्खरक्खसकिंनरकिंपुरिसगरुलगंधव्वमहोरगाइएहिं देवगणेहिं निग्गंथाओ पावयणाओ अणइक्कमणिज्जा णिग्गंथे पावयणे णिस्संकिया णिक्कंखिया निव्वितिगिच्छा लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा अभिगयट्ठा विणिच्छियट्ठा अट्ठिमिंजपेम्माणुरागरत्ता अयमाउसो! णिग्गंथे पावयणे अट्ठे अयं परमट्ठे सेसे अणट्ठे ऊसियफलिहा अवंगुयदुवारा चियत्तंतेउरपरघरदारप्पवेसा चउद्दसट्ठमुद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालेमाणा समणे णिग्गंथे फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं वत्थपडिग्गहकंबलपायपुंछणेणं ओसहभेसज्जेणं पडिहारएण य पीढफलगसेज्जासंथारएणं पडिलाभेमाणा विहरंति २ त्ता भत्तं पच्चक्खंति ते बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेंति छेदित्ता आलोइयपडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई बावीसं सागरोवमाइं ठिई आराहया सेसं तहेव २०। से जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा-अणारंभा अपरिग्गहा धम्मिया जाव कप्पेमाणा सुसीला सुव्वया सुपडियाणंदा साहू सव्वाओ पाणाइवायाओ

जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं सोलससहस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणुसयं तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलियं च किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ते, देवे णं महिड्ढिए महज्जुइए महब्बले महाजसे महासुक्खे महाणुभावे सविलेवणं गंधसमुग्गयं गिण्हइ २ त्ता तं अवदालेइ २ त्ता जाव इणामेवत्तिकट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ता णं हव्वमागच्छेज्जा, से णूणं गोयमा! से केवलकप्पे जंबुद्दीवे २ तेहिं घाणपोग्गलेहिं फुडे? हंता फुडे, छउमत्थे णं गोयमा! मणुस्से तेसिं घाणपोग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं जाव जाणइ पासइ? भगवं! णो इणट्ठे समट्ठे, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–छउमत्थे णं मणुस्से तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं नो किंचि वण्णेणं वण्णं जाव जाणइ पासइ, ए सुहुमा णं ते पोग्गला पण्णत्ता, समणाउसो! सव्वलोयंपि य णं ते फुसित्ता णं चिट्ठंति। कम्हा णं भंते! केवली समोहणंति? कम्हा णं केवली समुग्घायं गच्छंति?, गोयमा! केवलीणं चत्तारि कम्मंसा अपलिक्खीणा भवंति, तंजहा–वेयणिज्जं आउयं णामं गुत्तं, सव्ववहुए से वेयणिज्जे कम्मे भवइ, सव्वत्थोवे से आउए कम्मे भवइ, विसमं समं करेइ बंधणेहिं ठिईहि य, विसमसमकरणयाए बंधणेहिं ठिईहि य एवं खलु केवली समोहणंति एवं खलु केवली समुग्घायं गच्छंति। सव्वेवि णं भंते! केवली समुग्घायं गच्छंति? णो इणट्ठे समट्ठे, 'अकित्ता णं समुग्घायं, अणंता केवली जिणा। जरामरणविप्पमुक्का, सिद्धिं वरगइं गया॥ १॥' कइसमए णं भंते! आउज्जीकरणे पण्णत्ते? गोयमा! असंखेज्जसमइए अंतोमुहुत्तिए पण्णत्ते। केवलिसमुग्घाए णं भंते! कइसमइए पण्णत्ते? गोयमा! अट्ठसमइए पण्णत्ते, तंजहा–पढमे समए दंडं करेइ बिइए समए कवाडं करेइ तइए समए मंथं करेइ चउत्थे समए लोयं पूरेइ पंचमे समए लोयं पडिसाहरइ छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ सत्तमे समए कवाडं पडिसाहरइ अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ। सेणं भंते! तहा समुग्घायं गए किं मणजोगं जुंजइ? वयजोगं जुंजइ? कायजोगं जुंजइ?, गोयमा! णो मणजोगं जुंजइ णो वयजोगं जुंजइ कायजोगं जुंजइ, कायजोगं जुंजमाणे किं ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ? ओरालियमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ? वेउव्वियसरीरकायजोगं जुंजइ? वेउव्वियमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ? आहारगसरीरकायजोगं जुंजइ? आहारगमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ? कम्मासरीरकायजोगं जुंजइ?, गोयमा! ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ, ओरालियमिस्ससरीरकायजोगंपि जुंजइ, णो वेउव्वियसरीरकायजोगं जुंजइ णो वेउव्वियमिस्ससरीरकायजोगं जुंजइ णो आहारगसरीरकायजोगं जुंजइ णो आहारगमिस्ससरीर-

आइक्खइ, तंजहा-अगारधम्मं अणगारधम्मं च, अणगारधम्मो ताव इह खलु सव्वओ सव्वत्ताए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए सव्वाओ पाणाइ-वायाओ वेरमणं मुसावाय० अदिण्णादाण० मेहुण० परिग्गह० राईभोयणाओ वेर-मणं अयमाउसो! अणगारसामइए धम्मे पण्णत्ते, एयस्स धम्मस्स सिक्खाए उवट्ठिए निग्गंथे वा निग्गंथी वा विहरमाणे आणाए आराहए भवइ। अगारधम्मं दुवाल-सविहं आइक्खइ, तंजहा-पंच अणुव्वयाइं तिण्णि गुणव्वयाइं चत्तारि सिक्खावयाइं, पंच अणुव्वयाइं, तंजहा-थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं थूलाओ मुसावायाओ वेरमणं थूलाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं सदारसंतोसे इच्छापरिमाणं, तिण्णि गुणव्व-याइं तंजहा-अणत्थदंडवेरमणं दिसिव्वयं उवभोगपरिभोगपरिमाणं, चत्तारि सिक्खाव-याइं, तंजहा-सामाइयं देसावगासियं पोसहोववासे अतिहिसंविभागे, अपच्छिमा मारणंतिया संलेहणाजूसणाराहणा अयमाउसो! अगारसामइए धम्मे पण्णत्ते, अगार-धम्मस्स सिक्खाए उवट्ठिए समणोवासए समणोवासिया वा विहरमाणे आणाए आराहए भवइ ॥ ३३ ॥ तए णं सा महइमहालिया मणूसपरिसा समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता अत्थेगइया मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया, अत्थेगइया पंचाणुव्वइयं सत्तसिक्खावइयं दुवालसविहं गिहिधम्मं पडिवण्णा, अव-सेसा णं परिसा समणं भगवं महावीरं वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-सुअक्खाए ते भंते! णिग्गंथे पावयणे एवं सुपण्णत्ते सुभासिए सुविणीए सुभाविइ अणुत्तरे ते भंते! णिग्गंथे पावयणे, धम्मं णं आइक्खमाणा तुब्भे उवसमं आइ-क्खह, उवसमं आइक्खमाणा विवेगं आइक्खह, विवेगं आइक्खमाणा वेरमणं आइक्खह, वेरमणं आइक्खमाणा अकरणं पावाणं कम्माणं आइक्खह, णत्थि णं अण्णे केइ समणे वा माहणे वा जे एरिसं धम्ममाइक्खित्तए, किमंग पुण इत्तो उत्तरतरं?, एवं वदित्ता जामेव दिसं पाउब्भूया तामेव दिसं पडिगया ॥ ३४ ॥ तए णं कूणिए राया भंभसारपुत्ते समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए उट्ठाए उट्ठेइ उट्ठाए उट्ठित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता एवं वयासी-सुअक्खाए ते भंते! णिग्गंथे पावयणे जाव किमंग पुण एत्तो उत्तरतरं?, एवं वदित्ता जामेव दिसं पाउब्भूए तामेव दिसं पडिगए ॥ ३५ ॥ तए णं ताओ सुभद्दापमुहाओ देवीओ समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए धम्मं सोच्चा णिसम्म

कालं अप्पाणं परिकिलेसंति अप्पतरो वा भुज्जतरो वा कालं अप्पाणं परिकिलेसित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिई तहिं तेसिं उववाए पण्णत्ते। तेसि णं भंते! देवाणं केवइयं कालं ठिई पणत्ता? गोयमा! दसवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता, अत्थि णं भंते! तेसिं देवाणं इड्ढी वा जुई वा जसे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा? हंता अत्थि, ते णं भंते! देवा परलोगस्साराहगा? णो इणट्ठे समट्ठे ५। से जे इमे गामागरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंवाहसणिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा–अंडुबद्धगा णियलबद्धगा हडिबद्धगा चारगबद्धगा हत्थच्छिन्नगा पायच्छिन्नगा कण्णच्छिण्णगा णक्कच्छिण्णगा उट्ठच्छिन्नगा जिब्भच्छिन्नगा सीसच्छिन्नगा मुहच्छिन्नगा मज्झच्छिन्नगा वेकच्छच्छिन्नगा हियउप्पाडियगा णयणुप्पाडियगा दसणुप्पाडियगा वसणुप्पाडियगा गेवच्छिण्णगा तंडुलच्छिण्णगा कागणिमंसक्खाइयया ओलंबियगा लंबियया घंसियया घोलियया फाडियया पीलियया सूलाइयया सूलभिण्णगा खारवत्तिया वज्झवत्तिया सीहपुच्छियया दवग्गिदड्ढगा पंकोसण्णगा पंके खुत्तगा वलयमयगा वसट्टमयगा णियाणमयगा अंतोसल्लमयगा गिरिपडियगा तरुपडियगा मरुपडियगा गिरिपक्खंदोलिया तरुपक्खंदोलिया मरुपक्खंदोलिया जलपवेसिगा जलणपवेसिगा विसभक्खियगा सत्थोवाडियगा वेहाणसिया गिद्धपिट्ठगा कंतारमयगा दुब्भिक्खमयगा असंकिलिट्ठपरिणामा ते कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिई तहिं तेसिं उववाए पण्णत्ते, तेसि णं भंते! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! बारसवाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता। अत्थि णं भंते! तेसिं देवाणं इड्ढी वा जुई वा जसे इ वा बले इ वा वीरिए इ वा पुरिसक्कारपरक्कमे इ वा? हंता अत्थि, ते णं भंते! देवा परलोगस्साराहगा? णो इणट्ठे समट्ठे ६। से जे इमे गामागरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंवाहसंनिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा–पगइभद्दगा पगइउवसंता पगईपतणुकोहमाणमायालोहा मिउमद्दवसंपण्णा अल्लीणा विणीया अम्मापिउसुस्सूसगा अम्मापिईणं अणइक्कमणिज्जवयणा अप्पिच्छा अप्पारंभा अप्पपरिग्गहा अप्पेणं आरंभेणं अप्पेणं समारंभेणं अप्पेणं आरंभसमारंभेणं वित्तिं कप्पेमाणा बहूइं वासाइं आउयं पालंति पालित्ता कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु वाणमंतरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तहिं तेसिं ठिई तहिं तेसिं उववाए पण्णत्ते, तेसि णं भंते! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! चउद्दसवाससहस्सा ७। से जाओ इमाओ गामागरणयरणिगमरायहाणिखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंवा-

सव्वदुक्खा जाइजरामरणवंधणविमुक्का । अव्वावाहं सुक्खं
॥ २१ ॥ अतुलसुहसागरगया अव्वावाहं अणोवमं पत्ता ।
सुही सुहं पत्ता ॥ २२ ॥ **ओववाइयउवंगं समत्तं** ॥



परमहंसा बहुउदगा कुडिव्वया कण्हपरिव्वायगा, तत्थ खलु इमे अट्ठ माहणपरिव्वायगा भवंति, तंजहा-कण्हे य करकंडे य, अंबडे य परासरे। कण्हे दीवायणे चेव, देवगुत्ते य नारए ॥१॥ तत्थ खलु इमे अट्ठ खत्तियपरिव्वायगा भवंति, तंजहा-सीलई ससिहारे य, णग्गई भग्गई इ य। विदेहे रायाराया रायारामे बले इ य ॥ २ ॥ ते णं परिव्वायगा रिउव्वेयजजुव्वेयसामवेयअहव्वणवेयइतिहासपंचमाणं निघंटुछट्ठाणं संगोवंगाणं सरहस्साणं चउण्हं वेयाणं सारगा पारगा धारगा वारगा सडंगवी सट्ठितंतविसारया संखाणे सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे निरुत्ते जोइसामयणे अन्नेसु य बंभण्णएसु य सत्थेसु सुपरिणिट्ठिया यावि हुत्था। ते णं परिव्वायगा दाणधम्मं च सोयधम्मं च तित्थाभिसेयं च आघवेमाणा पण्णवेमाणा परूवेमाणा विहरंति, जण्णं अम्हं किंचि असुई भवइ तण्णं उदएण य मट्टियाए य पक्खालियं सुई भवइ, एवं खलु अम्हे चोक्खा चोक्खायारा सुई सुइसमायारा भवेत्ता अभिसेयजलपूयप्पाणो अविग्घेणं सग्गं गमिस्सामो, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ अगडं वा तलायं वा णइं वा वाविं वा पुक्खरिणिं वा दीहियं वा गुंजालियं वा सरं वा सागरं वा ओगाहित्तए, णण्णत्थ अद्धाणगमणे, णो कप्पइ सगडं वा जाव संदमाणियं वा दुरुहित्ता णं गच्छित्तए, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ आसं वा हत्थिं वा उट्टं वा गोणं वा महिसं वा खरं वा दुरुहित्ता णं गमित्तए, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ नडपेच्छा इ वा जाव मागहपेच्छा इ वा पेच्छित्तए, तेसिं परिव्वायगाणं णो कप्पइ हरियाणं लेसणया वा घट्टणया वा थंभणया वा लूसणया वा उप्पाडणया वा करित्तए, तेसिं परिव्वायगाणं णो कप्पइ इत्थिकहा इ वा भत्तकहा इ वा देसकहा इ वा रायकहा इ वा चोरकहा इ वा जणवयकहा इ वा अणत्थदंडं करित्तए, तेसि णं णो कप्पइ अयपायाणि वा तउयपाणि वा तंबपायाणि वा जसदपायाणि वा सीसगपायाणि वा रुप्पपायाणि वा सुवण्णपायाणि वा अण्णयराणि वा बहुमुल्लाणि धारित्तए, णण्णत्थ लाउपाएण वा दारुपाएण वा मट्टियापाएण वा, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ अयबंधणाणि वा तउयबंधणाणि वा तंबबंधणाणि जाव बहुमुल्लाणि धारित्तए, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ णाणाविहवण्णरागरत्ताइं वत्थाइं धारित्तए, णण्णत्थ एक्काए धाउरत्ताए तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ हारं वा अद्धहारं वा एगावलिं वा मुत्तावलिं वा कणगावलिं वा रयणावलिं वा मुरविं वा कंठमुरविं वा पालंबं वा तिसरयं वा कडिसुत्तं वा दसमुद्दियाणंतगं वा कडयाणि वा तुडियाणि वा अंगयाणि वा केऊराणि वा कुंडलाणि वा मउडं वा चूलामणिं वा पिणद्धित्तए, णण्णत्थ एगेणं तंबिएणं पवित्तएणं, तेसि णं परिव्वायगाणं णो कप्पइ गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमे चउव्विहे मल्ले

लोगुत्तमाणं लोगनाहाणं लोगहियाणं लोगपईवाणं लोगपज्जोयगराणं अभयदयाणं चक्खुदयाणं मग्गदयाणं जीवदयाणं सरणदयाणं बोहिदयाणं धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मनायगाणं धम्मसारहीणं धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टीणं अप्पडिहयवरनाणदंसणधराणं वियट्टछउमाणं जिणाणं जावयाणं तिण्णाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं मुत्ताणं मोयगाणं सव्वन्नूणं सव्वदरिसीणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावत्तियं सिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपत्ताणं, नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव संपाविउकामस्स, वंदामि णं भगवन्तं तत्थगयं इह गए पासउ मे भगवं तत्थ गए इहगयंतिकट्टु वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता सीहासणवरगए पुव्वाभिमुहं सण्णिसण्णे ॥ ५ ॥ तए णं तस्स सूरियाभस्स इमे एयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आमलकप्पाणयरीए वहिया अंबसालवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ तं महाफलं खलु तहारूवाणं भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणणमंसणपडिपुच्छणपज्जुवासणयाए ?, एगस्सवि आयरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए ?, किमंग पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए ?, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदामि णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामि, एयं मे पेच्चा हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइत्तिकट्टु एवं संपेहेइ एवं संपेहित्ता आभिओगे देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आमलकप्पाए नयरीए वहिया अंबसालवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ तं गच्छह णं तुमे देवाणुप्पिया ! जंबुद्दीवं दीवं भारहं वासं आमलकप्पं णयरिं अंबसालवणं उज्जाणं समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेह करेत्ता वंदह णमंसह वंदित्ता णमंसित्ता साइं साइं नामगोयाइं साहेह

लोगुत्तमाणं लोगनाहाणं लोगहियाणं लोगपईवाणं लोगपज्जोयगराणं अभयदयाणं चक्खुदयाणं मग्गदयाणं जीवदयाणं सरणदयाणं बोहिदयाणं धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मनायगाणं धम्मसारहीणं धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टीणं अप्पडिहयवरनाणदंसणधराणं वियट्टछउमाणं जिणाणं जावयाणं तिण्णाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं मुत्ताणं मोयगाणं सव्वन्नूणं सव्वदरिसीणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावत्ति सिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपत्ताणं, नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स जा संपाविउकामस्स, वंदामि णं भगवन्तं तत्थगयं इह गए पासउ मे भगवं तत्थ गा इहगयंतिकट्टु वंदइ णमंसइ वंदित्ता णमंसित्ता सीहासणवरगए पुव्वाभिमुहं सण्णि सण्णे ॥ ५ ॥ तए णं तस्स सूरियाभस्स इमे एयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए पत्थि मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था-एवं खलु समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे दी भारहे वासे आमलकप्पाणयरीए बहिया अंबसालवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्ग उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ तं महाफलं खलु तहारूवा भगवंताणं णामगोयस्सवि सवणयाए किमंग पुण अभिगमणवंदणणमंसणपडिपुच्छण पज्जुवासणयाए?, एगस्सवि आयरियस्स धम्मियस्स सुवयणस्स सवणयाए?, किमं पुण विउलस्स अट्ठस्स गहणयाए?, तं गच्छामि णं समणं भगवं महावीरं वंदा णमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामि, एयं मे पेच्च हियाए सुहाए खमाए णिस्सेयसाए आणुगामियत्ताए भविस्सइत्तिकट्टु एवं संपेहेइ ए संपेहित्ता आभिओगे देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आमलकप्पाए नयरीए बहि अंबसालवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पा भावेमाणे विहरइ तं गच्छह णं तुमे देवाणुप्पिया! जंबुद्दीवं दीवं भारहं वा आमलकप्पं णयरिं अंबसालवणं उज्जाणं समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिण पयाहिणं करेह करेत्ता वंदह णमंसह वंदित्ता णमंसित्ता साइं साइं नामगोयाइं साहे साहित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स सव्वओ समंता जोयणपरिमंडलं जं किंि तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा सक्करं वा असुइं अचोक्खं वा पूइअं दुब्भिगंधं तं सव आहुणिय आहुणिय एगंते एडेह एडेत्ता णच्चोदगं णाइमट्टियं पविरलपप्फुसियं रय रेणुविणासणं दिव्वं सुरभिगंधोदयवासं वासह वासित्ता णिहयरयं णट्ठरयं भट्ठर उवसंतरयं पसंतरयं करेह करित्ता जलथलयभासुरप्पभूयस्स विंटट्ठाइस्स दसद्धवण्णस कुसुमस्स जाणुस्सेहपमाणमित्तं ओहिं वासं वासह वासित्ता कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्क धूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं दिव्वं सुरवराभिगमणजोग

पडिविरया जाव सव्वाओ परिग्गहाओ पडिविरया सव्वाओ कोहाओ माणाओ मायाओ लोभाओ जाव मिच्छादंसणसल्लाओ पडिविरया सव्वाओ आरंभसमारंभाओ पडिविरया सव्वाओ करणकारावणाओ पडिविरया सव्वाओ पयणपयावणाओ पडिविरया सव्वाओ कुट्टणपिट्टणतज्जणतालणवहबंधपरिकिलेसाओ पडिविरया सव्वाओ ण्हाणमद्दणवण्णगविलेवणसद्दफरिसरसरूवगंधमल्लालंकाराओ पडिविरया जेयावण्णे तह-प्पगारा सावज्जजोगोवहिया कम्मंता परपाणपरियावणकरा कज्जंति तओवि पडि-विरया जावज्जीवाए से जहाणामए अणगारा भवंति-इरियासमिया भासासमिया जाव इणमेव णिग्गंथं पावयणं पुरओकाउं विहरंति तेसि णं भगवंताणं एएणं विहारेणं विहरमाणाणं अत्थेगइयाणं अणंते जाव केवलवरणाणदंसणे समुप्पज्जइ, ते बहूइं वासाइं केवलिपरियागं पाउणंति २ त्ता भत्तं पच्चक्खंति २ त्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेन्ति २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे० अंतं करंति, जेसिंपि य णं एगइयाणं णो केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जइ ते बहूइं वासाइं छउमत्थपरियागं पाउणन्ति २ त्ता आबाहे उप्पण्णे वा अणुप्पण्णे वा भत्तं पच्चक्खंति, ते बहूइं भत्ताइं अणसणाए छेदेन्ति २ त्ता जस्सट्ठाए कीरइ थेरकप्पभावे जिणकप्पभावे जाव तमट्ठमाराहित्ता चरिमेहिं ऊसासणीसासेहिं अणंतं अणुत्तरं निव्वाघायं निरावरणं कसिणं पडिपुण्णं केवलवरणाणदंसणं उप्पाडिंति, तओ पच्छा सिज्झन्ति जाव अंतं करेन्ति। एगच्चा पुण एगे भयंतारो पुव्वकम्मावसेसेणं कालमासे कालं किच्चा उक्कोसेणं सव्वट्ठसिद्धे महाविमाणे देवत्ताए उववत्तारो भवंति, तहिं तेसिं गई तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई, आराहगा, सेसं तं चेव २१। से जे इमे गामागर जाव सण्णिवेसेसु मणुया भवंति, तंजहा-सव्वकामविरया सव्वराग-विरया सव्वसंगातीता सव्वसिणेहाइक्कंता अक्कोहा णिक्कोहा खीणक्कोहा एवं माणमाया-लोहा अणुपुव्वेणं अट्ठ कम्मपयडीओ खवेत्ता उप्पिं लोयग्गपइट्ठाणा हवंति २२॥४०॥

अणगारे णं भंते! भावियप्पा केवलिसमुग्घाएणं समोहणित्ता केवलकप्पं लोयं फुसित्ता णं चिट्ठइ? हंता चिट्ठइ, से णूणं भंते! केवलकप्पे लोए तेहिं णिज्जरा-पोग्गलेहिं फुडे? हंता फुडे, छउमत्थे णं भंते! मणुस्से तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-छउमत्थे णं मणुस्से तेसिं णिज्जरापो-ग्गलाणं णो किंचि वण्णेणं वण्णं जाव जाणइ पासइ? गोयमा! अयं णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतरए सव्वखुड्डाए वट्टे तेल्लपूयसंठाणसंठिए वट्टे रहचक्कवाल-संठाणसंठिए वट्टे पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिए वट्टे पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिए एक्कं

पवणजइणपमद्दणसमत्थे छेए दक्खे पट्ठे कुसले मेहावी णिउणसिप्पोवगए एगं महं सलागाहत्थगं वा दंडसंपुच्छणिं वा वेणुसलाइयं वा गहाय रायंगणं वा रायंतेउरं वा देवकुलं वा सभं वा पवं वा आरामं वा उज्जाणं वा अतुरियमचवलमसंभंते निरंतरं सुनिउणं सव्वओ समंता संपमज्जेज्जा, एवामेव तेऽवि सूरियाभस्स देवस्स आभिओगिया देवा संवट्टयवाए विउव्वंति २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स सव्वओ समंता जोयणपरिमण्डलं जं किंचि तणं वा पत्तं वा तहेव सव्वं आहुणिय २ एगंते एडेंति २ त्ता खिप्पामेव उवसमंति २ त्ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता अब्भवद्दलए विउव्वंति २ त्ता से जहाणामए भइगदारए सिया तरुणे जाव सिप्पोवगए एगं महं दगवारगं वा दगकुंभगं वा दगथालगं वा दगकलसगं वा गहाय आरामं वा जाव पवं वा अतुरिय जाव सव्वओ समंता आवरिसेज्जा, एवामेव तेऽवि सूरियाभस्स देवस्स आभिओगिया देवा अब्भवद्दलए विउव्वंति २ त्ता खिप्पामेव पतणतणायन्ति २ त्ता खिप्पामेव विज्जुयायंति २ त्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स सव्वओ समंता जोयणपरिमंडलं णच्चोदगं णाइमट्टियं तं पविरलपप्फुसियं रयरेणुविणासणं दिव्वं सुरभिगंधोदगं वासं वासंति वासेत्ता णिहयरयं णट्ठरयं भट्ठरयं उवसंतरयं पसंतरयं करेंति २ त्ता खिप्पामेव उवसामंति २ त्ता तच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता पुप्फवद्दलए विउव्वंति, से जहाणामए मालागारदारए सिया तरुणे जाव सिप्पोवगए एगं महं पुप्फछज्जियं वा पुप्फपडलगं वा पुप्फचंगेरियं वा गहाय रायंगणं वा जाव सव्वओ समंता कयग्गहगहियकरयलपब्भट्ठविप्पमुक्केणं दसद्धवन्नेणं कुसुमेणं मुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करेज्जा, एवामेव ते सूरियाभस्स देवस्स आभिओगिया देवा पुप्फवद्दलए विउव्वंति २ त्ता खिप्पामेव पतणतणायन्ति जाव जोयणपरिमण्डलं जलथलयभासुरप्पभूयस्स विंटट्ठाइस्स दसद्धवन्नकुसुमस्स जाणुस्सेहपमाणमेत्तिं ओहिवासं वासंति वासित्ता कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं दिव्वं सुरवराभिगमणजोग्गं करेंति कारयंति करेत्ता य कारवेत्ता य खिप्पामेव उवसामंति २ त्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो जाव वंदित्ता नमंसित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतियाओ अंबसालवणाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमंति पडिनिक्खमित्ता ताए उक्किट्ठाए जाव वीइवयमाणा २ जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सूरियाभे विमाणे जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेंति २ त्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ॥ १० ॥

कायजोगं जुंजइ कम्मासरीरकायजोगंपि जुंजइ पढमट्ठमेसु समएसु ओरालियसरीर-कायजोगं जुंजइ बिइयछट्ठसत्तमेसु समएसु ओरालियमिस्सगसरीरकायजोगं जुंजइ तइयचउत्थपंचमेहिं कम्मासरीरकायजोगं जुंजइ। से णं भंते! तहा समुग्घायगए सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वाइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ? णो इणट्ठे समट्ठे, से णं तओ पडिनियत्तइ तओ पडिनियत्तित्ता इहमागच्छइ २ त्ता तओ पच्छा मणजोगंपि जुंजइ वयजोगंपि जुंजइ कायजोगंपि जुंजइ, मणजोगं जुंजमाणे किं सच्चमणजोगं जुंजइ मोसमणजोगं जुंजइ सच्चामोसमणजोगं जुंजइ असच्चामो-समणजोगं जुंजइ? गोयमा! सच्चमणजोगं जुंजइ णो मोसमणजोगं जुंजइ णो सच्चा-मोसमणजोगं जुंजइ असच्चामोसमणजोगंपि जुंजइ, वयजोगं जुंजमाणे किं सच्चवइ-जोगं जुंजइ मोसवइजोगं जुंजइ [किं] सच्चामोसवइजोगं जुंजइ असच्चामोसवइजोगं जुंजइ? गोयमा! सच्चवइजोगं जुंजइ णो मोसवइजोगं जुंजइ णो सच्चामोसवइजोगं जुंजइ असच्चामोसवइजोगंपि जुंजइ, कायजोगं जुंजमाणे आगच्छेज्ज वा चिट्ठेज्ज वा णिसीएज्ज वा तुयट्टेज्ज वा उल्लंघेज्ज वा पल्लंघेज्ज वा उक्खेवणं वा अवक्खेवणं वा तिरियक्खेवणं वा करेज्जा पाडिहारियं वा पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणेज्जा ॥ ४१ ॥ से णं भंते! तहा सजोगी सिज्झइ जाव अंतं करेइ? णो इणट्ठे समट्ठे, सेणं पुव्वामेव सण्णिस्स पंचिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णजोगस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं पढमं मणजोगं निरुंभइ, तयाणंतरं च णं बिंदियस्स पज्जत्तगस्स जहण्णजोगस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं बिइयं वइजोगं निरुंभइ, तयाणंतरं च णं सुहुमस्स पणगजीवस्स अपज्जत्तगस्स जहण्णजोगस्स हेट्ठा असंखेज्जगुणपरिहीणं तइयं कायजोगं णिरुंभइ, से णं एएणं उवाएणं पढमं मणजोगं णिरुंभइ २ त्ता वयजोगं णिरुंभइ २ त्ता कायजोगं णिरुंभइ २ त्ता जोगनिरोहं करेइ २ त्ता अजोगत्तं पाउणइ २ त्ता ईसिंहस्सपंच-क्खरउच्चारणद्धाए असंखेज्जसमइयं अंतोमुहुत्तियं सेलेसिं पडिवज्जइ, पुव्वरइयगुण-सेढीयं च णं कम्मं तीसे सेलेसिमद्धाए असंखेज्जाहिं गुणसेढीहिं अणंते कम्मंसे खवेइ वेयणिज्जाउयणामगोए, इच्चेए चत्तारि कम्मंसे जुगवं खवेइ २ त्ता ओरालियतेया-कम्माइं सव्वाहिं विप्पजहणाहिं विप्पजहइ २ त्ता उज्जूसेढीपडिवन्ने अफुसमाणगई उड्ढं एक्कसमएणं अविग्गहेणं गंता सागारोवउत्ते सिज्झइ। ते णं तत्थ सिद्धा हवंति सादीया अपज्जवसिया असरीरा जीवघणा दंसणनाणोवउत्ता निट्ठियट्ठा निरेयणा नीरया णिम्मला वितिमिरा विसुद्धा सासयमणागयद्धं कालं चिट्ठंति। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-ते णं तत्थ सिद्धा भवंति सादीया अपज्जवसिया जाव चिट्ठंति? गोयमा! से जहाणामए बीयाणं अग्गिदड्ढाणं पुणरवि अंकुरुप्पत्ती ण भवइ, एवामेव

अन्नमन्नमणुयत्तमाणा अप्पेगइया जिणभत्तिरागेणं अप्पेगइया धम्मोत्ति अप्पेगइया जीयमेयंतिकट्टु सव्विड्ढीए जाव अकालपरिहीणा चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवंति ॥ १३ ॥ तए णं से सूरियाभे देवे ते सूरियाभविमाणवासिणो वहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य अकालपरिहीणा चेव अंतियं पाउब्भवमाणे पासइ पासित्ता हट्ठतुट्ठ जाव हियए आभिओगियं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अणेगखंभसयसंनिविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियागं ईहामियउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिंनररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं खंभुग्गयवरवइरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्तंपिव अच्चीसहस्समालिणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरूवं घंटावलिचलियमहुरमणहरसरं सुहं कंतं दरिसणिज्जं णिउणोचियमिसिमिसिंतमणिरयणघंटियाजालपरिक्खित्तं जोयणसयसहस्सवित्थिण्णं दिव्वं गमणसज्जं सिग्घगमणं णाम दिव्वं जाणविमाणं विउव्वाहि विउव्वित्ता खिप्पामेव एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि ॥ १४ ॥ तए णं से आभिओगिए देवे सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठ जाव हियए करयलपरिग्गहियं जाव पडिसुणेइ पडिसुणेत्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ अवक्कमित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं जाव अहाबायरे पोग्गले परिसाडेइ २ त्ता अहासुहुमे पोग्गले परियाएइ २ त्ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणित्ता अणेगखंभसयसन्निविट्ठं जाव दिव्वं जाणविमाणं विउव्विउं पवत्ते यावि होत्था। तए णं से आभिओगिए देवे तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स तिदिसिं तिसोवाणपडिरूवए विउव्वइ, तंजहा–पुरच्छिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं, तेसिं तिसोवाणपडिरूवगाणं इमे एयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा–वइरामया णिम्मा रिट्ठामया पइट्ठाणा वेरुलियामया खंभा सुवण्णरुप्पमया फलगा लोहियक्खमईओ सूईओ वयरामया संधी णाणामणिमया अवलंवणा अवलंवणबाहाओ य पासादीया जाव पडिरूवा। तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं तोरणं पण्णत्तं, तेसि णं तोरणाणं इमे एयारूवे वण्णावासे प० तं०–तोरणा णाणामणिमया णाणामणिमएसु थंभेसु उवनिविट्ठसंनिविट्ठविविहमुत्तंतरारूवोवचिया विविहतारारूवोवचिया जाव पडिरूवा। तेसि णं तोरणाणं उप्पिं अट्ठट्ठमंगलगा पण्णत्ता, तंजहा–सोत्थियसिरिवच्छणंदियावत्तवद्धमाणगभद्दासणकलसमच्छदप्पणा जाव पडिरूवा। तेसिं च णं तोरणाणं उप्पिं वहवे किण्हचामरज्झए जाव सुक्किल्लचामरज्झए अच्छे सण्हे रुप्पपट्टे वइरामयदंडे जलयामलगंधिए सुरम्मे पासादीए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे विउव्वइ।

पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, ईसीपब्भाराए णं पुढवीए सीयाए जोयणंमि लोगंते, तस्स जोयणस्स जे से उवरिल्ले गाउए तस्स णं गाउयस्स जे से उवरिल्ले छब्भागे तत्थ णं सिद्धा भगवंतो सादीया अपज्जवसिया अणेगजाइजरामरण-जोणिवेयणसंसारकलंकलीभावपुणब्भवगब्भवासवसहीपवंचसमइक्कंता सासयमणागय-मद्धं चिट्ठंति ॥ ४२ ॥ गाहा–कहिं पडिहया सिद्धा?, कहिं सिद्धा पइट्ठिया?। कहिं बोंदिं चइत्ता णं, कत्थ गंतूण सिज्झई? ॥ १ ॥ अलोगे पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पइट्ठिया। इह बोंदिं चइत्ता णं, तत्थ गंतूण सिज्झई ॥ २ ॥ जं संठाणं तु इहं भवं चयं तस्स चरिमसमयंमि। आसी य पएसघणं तं संठाणं तहिं तस्स ॥ ३ ॥ दीहं वा हस्सं वा, जं चरिमभवे हवेज्ज संठाणं। तत्तो तिभागहीणं, सिद्धाणोगाहणा भणिया ॥ ४ ॥ तिण्णि सया तेत्तीसा धणुत्तिभागो य होइ बोद्धव्वा। एसा खलु सिद्धाणं, उक्कोसोगाहणा भणिया ॥ ५ ॥ चत्तारि य रयणीओ रयणित्ति-भागूणिया य बोद्धव्वा। एसा खलु सिद्धाणं मज्झिमओगाहणा भणिया ॥ ६ ॥ एक्का य होइ रयणी साहीया अंगुलाइं अट्ठ भवे। एसा खलु सिद्धाणं जहण्णओगा-हणा भणिया ॥ ७ ॥ ओगाहणाएँ सिद्धा भवत्तिभागेण होइ परिहीणा। संठाण-मणित्थंथं जरामरणविप्पमुक्काणं ॥ ८ ॥ जत्थ य एगो सिद्धो तत्थ अणंता भव-क्खयविमुक्का। अण्णोण्णसमोगाढा पुट्ठा सव्वे य लोगंते ॥ ९ ॥ फुसइ अणंते सिद्धे सव्वपएसेहिं णियमसो सिद्धा। तेवि असंखेज्जगुणा देसपएसेहिं जे पुट्ठा ॥ १० ॥ असरीरा जीवघणा उवउत्ता दंसणे य णाणे य। सागारमणागारं लक्खणमेयं तु सिद्धाणं ॥ ११ ॥ केवलणाणुवउत्ता जाणंति सव्वभावगुणभावे। पासंति सव्वओ खलु केवलदिट्ठीअणंताहिं ॥ १२ ॥ णवि अत्थि माणुसाणं तं सोक्खं णविय सव्वदेवाणं। जं सिद्धाणं सोक्खं अव्वाबाहं उवगयाणं ॥ १३ ॥ जं देवाणं सोक्खं सव्वद्धापिंडियं अणंतगुणं। ण य पावइ मुत्तिसुहं णंताहिं वग्गवग्गूहिं ॥ १४ ॥ सिद्धस्स सुहो रासी सव्वद्धापिंडिओ जइ हवेज्जा। सोऽणंतवग्गभइओ सव्वागासे ण माएज्जा ॥ १५ ॥ जह णाम कोइ मिच्छो नगरगुणे बहुविहे वियाणंतो। न चएइ परिकहेउं उवमाएँ तहिं असंतीए ॥ १६ ॥ इय सिद्धाणं सोक्खं अणोवमं णत्थि तस्स ओवम्मं। किंचि विसेसेणेत्तो ओवम्ममिणं सुणह वोच्छं ॥ १७ ॥ जह सव्वकामगुणियं पुरिसो भोत्तूण भोयणं कोइ। तण्हाछुहाविमुक्को अच्छेज्ज जहा अमियतित्तो ॥ १८ ॥ इय सव्वकालतित्ता अतुलं निव्वाणमुवगया सिद्धा। सासय-मव्वाबाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ १९ ॥ सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य पारगयत्ति य परंपरगयत्ति। उम्मुक्ककम्मकवया अजरा अमरा असंगा य ॥ २० ॥ णिच्छिण्ण-

लक्खारसगे इ वा किमिरागकंवले इ वा चीणपिट्ठरासी इ वा रत्तुप्पले इ वा रत्तासोगे इ वा रत्तकणवीरे इ वा रत्तवंधुजीवे इ वा, भवेयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं लोहिया मणी इत्तो इट्ठतराए चेव जाव वण्णेणं प०। तत्थ णं जे ते हालिद्दा मणी तेसि णं मणीणं इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते–से जहाणामए चंपए इ वा चंपछल्ली इ वा चंपगभेए इ वा हलिद्दा इ वा हलिद्दाभेए इ वा हलिद्दगुलिया इ वा हरियालिया इ वा हरियालभेए इ वा हरियालगुलिया इ वा चिउरे इ वा चिउरंगराए इ वा वरकणगे इ वा वरकणगनिघसे इ वा [सुवण्णसिप्पाए इ वा] वरपुरिसवसणे इ वा अल्लईकुसुमे इ वा चंपाकुसुमे इ वा कुहंडियाकुसुमे इ वा तडवडाकुसुमे इ वा घोसेडियाकुसुमे इ वा सुवण्णजूहियाकुसुमे इ वा सुहिरण्णकुसुमे इ वा कोरंटगवरमल्लदामे इ वा वीययकुसुमे इ वा पीयासोगे इ वा पीयकणवीरे इ वा पीयवंधुजीवे इ वा, भवेयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं हालिद्दा मणी एत्तो इट्ठतराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ता। तत्थ णं जे ते सुक्किल्ला मणी तेसि णं मणीणं इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते। से जहानामए अंके इ वा संखे इ वा चंदे इ वा कुमुदोदकदगरयदहिघणक्खीरक्खीरपूरे इ वा कोंचावली इ वा हारावली इ वा हंसावली इ वा वलागावली इ वा चंदावली इ वा सारइयवलाहए इ वा धंतधोयरुप्पपट्टे इ वा सालिपिट्ठरासी इ वा कुंदपुप्फरासी इ वा कुमुयरासी इ वा सुक्कच्छिवाडी इ वा पिहुणमिंजिया इ वा भिसे इ वा मुणालिया इ वा गयदंते इ वा लवंगदलए इ वा पोंडरियदलए इ वा सेयासोगे इ वा सेयकणवीरे इ वा सेयवन्धुजीवे इ वा, भवेयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं सुक्किल्ला मणी एत्तो इट्ठतराए चेव जाव वन्नेणं पण्णत्ता। तेसि णं मणीणं इमेयारूवे गंधे पण्णत्ते, से जहानामए कोट्ठपुडाण वा तगरपुडाण वा एलापुडाण वा चोयपुडाण वा चंपापुडाण वा दमणापुडाण वा कुंकुमपुडाण वा चंदणपुडाण वा उसीरपुडाण वा मरुआपुडाण वा जातिपुडाण वा जूहियापुडाण वा मल्लियापुडाण वा ण्हाणमल्लियापुडाण वा केयइपुडाण वा पाडलिपुडाण वा णोमालियापुडाण वा अगुरुपुडाण वा लवंगपुडाण वा वासपुडाण वा कप्पूरपुडाण वा अणुवायंसि वा ओभिज्जमाणाण वा कुट्टिज्जमाणाण वा भंजिज्जमाणाण वा उक्किरिज्जमाणाण वा विकिरिज्जमाणाण वा परिभुज्जमाणाण वा परिभाइज्जमाणाण वा भंडाओ भंडं साहरिज्जमाणाण वा ओराला मणुण्णा मणहरा घाणमणनिव्वुइकरा सव्वओ समंता गंधा अभिनिस्सवंति, भवेयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं मणी एत्तो इट्ठतराए चेव गंधेणं पन्नत्ता। तेसि णं मणीणं इमेयारूवे फासे पण्णत्ते, से जहानामए आइणेइ वा रूए इ वा वूरे

कुंभिक्कं मुत्तादामं विउव्वइ । से णं कुंभिक्के मुत्तादामे अन्नेहिं चउहिं अद्धकुंभिक्केहिं मुत्तादामेहिं तदद्धुच्चत्तपमाणेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते । ते णं दामा तवणिज्ज-लंबूसगा सुवण्णपयरगमंडियग्गा णाणामणिरयणविविहहारद्धहारउवसोभियसमुदया ईसिं अण्णमण्णमसंपत्ता वाएहिं पुव्वावरदाहिणुत्तरागएहिं मंदायं मंदायं एइज्जमाणाणि २ पलंबमाणाणि २ वदमाणाणि २ उरालेणं मणुन्नेणं मणहरेणं कण्णमणणिव्वुइकरेणं सद्देणं ते पएसे सव्वओ समंता आपूरेमाणा २ सिरीए अईव २ उवसोभेमाणा चिट्ठंति । तए णं से आभिओगिए देवे तस्स सिंहासणस्स अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तारि भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, तस्स णं सीहासणस्स पुरच्छिमेणं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स चउण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं चत्तारि भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, तस्स णं सीहासणस्स दाहिणपुरच्छिमेणं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स अब्भिंतर-परिसाए अट्ठण्हं देवसाहस्सीणं अट्ठ भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, एवं दाहिणेणं मज्झिमपरिसाए दसण्हं देवसाहस्सीणं दस भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ दाहिण-पच्चत्थिमेणं बाहिरपरिसाए बारसण्हं देवसाहस्सीणं बारस भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ पच्चत्थिमेणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सत्त भद्दासणे विउव्वइ, तस्स णं सीहासणस्स चउदिसिं एत्थ णं सूरियाभस्स देवस्स सोलसण्हं आयरक्खदेवसाह-स्सीणं सोलस भद्दासणसाहस्सीओ विउव्वइ, तंजहा–पुरच्छिमेणं चत्तारि साहस्सीओ दाहिणेणं चत्तारि साहस्सीओ पच्चत्थिमेणं चत्तारि साहस्सीओ उत्तरेणं चत्तारि साहस्सीओ । तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहानामए अइरुग्गयस्स वा हेमंतियबालियसूरियस्स वा खयरिंगालाण वा रत्तिं पज्जलियाण वा जवाकुसुमवणस्स वा किंसुयवणस्स वा पारियायवणस्स वा सव्वओ समंता संकुसुमियस्स, भवेयारूवे सिया ?, णो इणट्ठे समट्ठे, तस्स णं दिव्वस्स जाण-विमाणस्स एत्तो इट्ठतराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ते, गंधो य फासो य जहा मणीणं । तए णं से आभिओगिए देवे दिव्वं जाणविमाणं विउव्वइ २ त्ता जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहियं जाव पच्चप्पिणइ ॥ १५ ॥

तए णं से सूरियाभे देवे आभिओगस्स देवस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठ जाव हियए दिव्वं जिणिंदाभिगमणजोग्गं उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वइ विउव्वित्ता चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहिं अणीएहिं, तंजहा–गंधव्वाणीएण य णट्टाणीएण य सद्धिं संपरिवुडे तं दिव्वं जाणविमाणं अणुपयाहिणीकरेमाणे पुरत्थि-मिल्लेणं तिसोमाणपडिरूवएणं दुरुहइ दुरुहित्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ

नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

रायपसेणइयं

तेणं कालेणं तेणं समएणं आमलकप्पा नामं नयरी होत्था, रिद्धत्थिमियसमिद्धा जाव पासादीया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥ १ ॥ तीसे णं आमलकप्पाए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए अंबसालवणे नामं उज्जाणे होत्था, रम्मे जाव पडिरूवे ॥ २ ॥ असोयवरपायवपुढविसिलावट्टयवत्तव्वया उववाइयगमेणं नेया ॥ ३ ॥ सेओ राया धारिणी देवी, सामी समोसढे, परिसा निग्गया जाव राया पज्जुवासइ ॥ ४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सूरियाभे देवे सोहम्मे कप्पे सूरियाभे विमाणे सभाए सुहम्माए सूरियाभंसि सिंहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अन्नेहिं बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे महयाऽऽहयनट्टगीयवाइयतंतीतलताल-तुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ पासइ। तत्थ समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आमलकप्पाए नयरीए बहिया अंबसालवणे उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणं पासइ पासित्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए वियसियवरकमलणयणे पयलियवरकडगतुडियकेउरमउडकुंडलहारविरायंतरइयवच्छे पालंबपलंबमाणघोलंतभूसणधरे ससंभमं तुरियचवलं सुरवरे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ त्ता तित्थयराभिमुहे सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता दाहिणं जाणुं धरणितलंसि णिहट्टु तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणितलंसि णिवेसेइ णिवेसित्ता ईसिं पच्चुन्नमइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं दसणहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी-णमोऽत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं आइगराणं तित्थगराणं सयंसंबुद्धाणं पुरिसुत्तमाणं पुरिससीहाणं पुरिसवरपुंडरीयाणं पुरिसवरगंधहत्थीणं

ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियं असंखिज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीइवयमाणे वीइवयमाणे जेणेव नंदीसरवरे दीवे जेणेव दाहिणपुरत्थिमिल्ले रतिकरपव्वए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता तं दिव्वं देविड्ढिं जाव दिव्वं देवाणुभावं पडिसाहरेमाणे २ पडिसंखेवेमाणे २ जेणेव जम्बुद्दीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव आमलकप्पा नयरी जेणेव अम्बसालवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवन्तं महावीरं तेणं दिव्वेणं जाणविमाणेणं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ करित्ता समणस्स भगवओ महावीरस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसिभाए तं दिव्वं जाणविमाणं ईसिं चउरंगुलमसंपत्तं धरणितलंसि ठवेइ ठवित्ता चउहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं दोहिं अणीयाहिं–तंजहा गंधव्वाणिएण य णट्टाणिएण य–सद्धिं संपरिवुडे ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ पुरत्थिमिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं पच्चोरुहइ। तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ उत्तरिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं पच्चोरुहंति, अवसेसा देवा य देवीओ य ताओ दिव्वाओ जाणविमाणाओ दाहिणिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं पच्चोरुहन्ति। तए णं से सूरियाभे देवे चउहिं अग्गमहिसीहिं जाव सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णेहि य बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेइ करित्ता वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी–'अहं णं भंते! सूरियाभे देवे देवाणुप्पियाणं वन्दामि नमंसामि जाव पज्जुवासामि' ॥ १७ ॥ सूरियाभाइ समणे भगवं महावीरे सूरियाभं देवं एवं वयासी–'पोराणमेयं सूरियाभा! जीयमेयं सूरियाभा! किच्चमेयं सूरियाभा! करणिज्जमेयं सूरियाभा! आइण्णमेयं सूरियाभा! अब्भणुण्णायमेयं सूरियाभा! जं णं भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया देवा अरहंते भगवंते वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता तओ पच्छा साइं साइं नामगोत्ताइं साहिंति तं पोराणमेयं सूरियाभा! जाव अब्भणुण्णायमेयं सूरियाभा!'। तए णं से सूरियाभे देवे समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठ जाव समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वंदित्ता नमंसित्ता नच्चासण्णे नाइदूरे सुस्सूसमाणे णमंसमाणे अभिमुहे विणएणं पंजलिउडे पज्जुवासइ ॥ १८–१९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे सूरियाभस्स देवस्स तीसे य महइमहालियाए परिसाए जाव परिसा जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ २० ॥ तए णं से सूरियाभे देवे समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए

करेह कारवेह करित्ता य कारवेत्ता य खिप्पामेव मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ॥ ६-७ ॥ तए णं ते आभिओगिया देवा सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति एवं देवो तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेत्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसिभागं अवक्कमंति उत्तरपुरच्छिमं दिसिभागं अवक्कमित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निस्सिरन्ति, तंजहा-रयणाणं वयराणं वेरुलियाणं लोहियक्खाणं मसारगल्लाणं हंसगब्भाणं पुलगाणं सोगंधियाणं जोइरसाणं अंजणाणं अंजणपुलगाणं रयणाणं जायरूवाणं अंकाणं फलिहाणं रिट्ठाणं अहाबायरे पुग्गले परिसाडंति २ त्ता अहासुहुमे पुग्गले परियायंति २ त्ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विउव्वंति २ त्ता ताए उक्किट्ठाए पसत्थाए तुरियाए चवलाए चंडाए जयणाए सिग्घाए उद्धुयाए दिव्वाए देवगईए तिरियमसंखेज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीइवयमाणा २ जेणेव जंबुद्दीवे दीवे जेणेव भारहे वासे जेणेव आमलकप्पा णयरी जेणेव अंबसालवणे उज्जाणे जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेंति २ त्ता वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-अम्हे णं भंते ! सूरियाभस्स देवस्स आभिओगा देवा देवाणुप्पियाणं वंदामो णमंसामो सक्कारेमो सम्माणेमो कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामो ॥ ८ ॥ देवाइ समणे भगवं महावीरे ते देवे एवं वयासी-पोराणमेयं देवा ! जीयमेयं देवा ! किच्चमेयं देवा ! करणिज्जमेयं देवा ! आइन्नमेयं देवा ! अब्भणुण्णायमेयं देवा ! जण्णं भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिया देवा अरहंते भगवंते वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता तओ साइं साइं णामगोयाइं साधिंति तं पोराणमेयं देवा !-जाव अब्भणुण्णायमेयं देवा ! ॥ ९ ॥ तए णं ते आभिओगिया देवा समणेणं भगवया महावीरेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ जाव हियया समणं भगवं महावीरं वंदंति णमंसंति वंदित्ता णमंसित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमंति अवक्कमित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं निस्सिरंति, तंजहा-रयणाणं जाव रिट्ठाणं अहाबायरे पोग्गले परिसाडंति २ त्ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता संवट्टयवाए विउव्वंति, से जहा-नामए भइयदारए सिया तरुणे बलवं जुगवं अप्पायंके [थिरसंघयणे] थिरग्गहत्थे दढपाणिपायपिट्ठंतरोरु[संघाय]परिणए घणनिचियवलियवट्टखंधे चम्मेट्ठगदुघण-मुट्ठियसमाहयगत्ते उरस्सबलसमन्नागए तलजमलजुयल[फलिहनिभ]बाहू लंघण-

यग्गणियत्थाणं आविद्धतिलयामेलाणं पिणिद्धगेविज्जकंचुयाणं उप्पीलियचित्तपट्ट-परियरसफेणगावत्तरइयसंगयपलंववत्थंतचित्तचिल्लगनियंसणाणं एगावलिकण्ठरइय-सोभंतवच्छपरिहत्थभूसणाणं अट्ठसयं णट्टसज्जाणं देवकुमाराणं णिग्गच्छइ। तयणंतरं च णं नानामणि० जाव पीवरं पलंवं वामं भुयं पसारेइ तओ णं सरिसयाणं सरित्तयाणं सरिव्वयाणं सरिसलावण्णरूवजोव्वणगुणोववेयाणं एगाभरण० दुहओ संवेल्लियग्ग० आविद्धतिलयामेलाणं पिणद्धगेवेज्जकंचुईणं नानामणिरयणभूस-णविराइयंगमंगाणं चंदाणणाणं चंदद्धसमनिलाडाणं चंदाहियसोमदंसणाणं उक्का इव उज्जोवेमाणीणं सिंगारा० हसियभणिय० गहियाउज्जाणं अट्ठसयं नट्टसज्जाणं देवकुमा-रियाणं णिग्गच्छइ। तए णं से सूरियाभे देवे अट्ठसयं संखाणं विउव्वइ अट्ठसयं संखवा-याणं विउव्वइ, अ० सिंगाणं वि० अ० सिंगवायाणं वि०, अ० संखियाणं वि० अ० संखियवायाणं वि०, अ० खरमुहीणं वि० अ० खरमुहिवायाणं वि०, अ० पेयाणं वि० अ० पेयावायगाणं वि०, अ० पिरिपिरियाणं वि० अ० पिरिपिरियावायगाणं वि० एवमाइयाइं एगूणपण्णं आउज्जविहाणाइं विउव्वइ। तए णं ते वहवे देवकुमारा य देवकुमारियाओ य सद्दावेइ। तए णं ते वहवे देवकुमारा य देवकुमारीओ य सूरिया-भेणं देवेणं सद्दाविया समाणा हट्ठ जाव जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहियं जाव वद्धावित्ता एवं वयासी-'संदिसंतु णं देवाणुप्पिया! जं अम्हेहिं कायव्वं'। तए णं से सूरियाभे देवे ते वहवे देवकुमारे य देवकुमारीओ य एवं वयासी-'गच्छह णं तुब्भे देवाणुप्पिया! समणं भगवंतं महावीरं तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेह करित्ता वंदह नमंसह वंदित्ता नमंसित्ता गोयमा-इयाणं समणाणं निग्गंथाणं तं दिव्वं देविड्ढिं दिव्वं देवजुइं दिव्वं देवाणुभावं दिव्वं वत्तीसइवद्धं णट्टविहिं उवदंसेह उवदंसित्ता खिप्पामेव एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते वहवे देवकुमारा देवकुमारीओ य सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठ जाव करयल० जाव पडिसुणंति पडिसुणित्ता जेणेव समणे भगवं महावीरे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता समणं भगवं महावीरं जाव नमंसित्ता जेणेव गोयमाइया समणा निग्गंथा तेणेव उवागच्छंति। तए णं ते वहवे देवकुमारा देवकुमारीओ य समामेव समोसरणं करेंति करित्ता समामेव अवणमंति अवणमित्ता समामेव उन्नमंति एवं सहियामेव ओनमंति एवं सहियामेव उन्नमंति सहियामेव उण्णमित्ता संगयामेव ओनमंति संगयामेव उन्नमंति उन्नमित्ता थिमियामेव ओणमंति थिमियामेव उन्नमंति समामेव पसरंति पसरित्ता समामेव आउज्जविहाणाइं गेण्हंति समामेव पवाएंसु पगाइंसु पणच्चिंसु। किं ते? उरेणं मंदं सिरेण तारं कंठेण वितारं तिविहं तिसमयरे-

तए णं से सूरियाभे देवे तेसिं आभिओगियाणं देवाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए पायत्ताणियाहिवइं देवं सद्दावेइ सद्दावित्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सूरियाभे विमाणे सभाए सुहम्माए मेघोघरसियगंभीर-महुरसद्दं जोयणपरिमंडलं सुसरघंटं तिक्खुत्तो उल्लालेमाणे २ महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणे २ एवं वयाहि–आणवेइ णं भो सूरियाभे देवे गच्छइ णं भो सूरियाभे देवे जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे आमलकप्पाए णयरीए अंबसालवणे उज्जाणे समणं भगवं महावीरं अभिवंदए, तुब्भेऽवि णं भो देवाणुप्पिया ! सव्विड्ढीए जाव णाइयरवेणं णियगपरिवालसद्धिं संपरिवुडा साइं २ जाणविमाणाइं दुरूढा समाणा अकालपरिहीणं चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवह ॥ ११ ॥ तए णं से पायत्ताणियाहिवई देवे सूरियाभेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए एवं देवा ! तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता जेणेव सूरियाभे विमाणे जेणेव सभा सुहम्मा जेणेव मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्दा जोयणपरिमंडला सुस्सरा घंटा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्दं जोयणपरिमंडलं सुसरं घंटं तिखुत्तो उल्लालेइ । तए णं तीसे मेघोघरसियगंभीरमहुरसद्दाए जोयणपरिमंडलाए सुसराए घंटाए तिक्खुत्तो उल्लालियाए समाणीए से सूरियाभे विमाणे पासायविमाण-णिक्खुडावडियसद्दघंटापडिसुयासयसहस्ससंकुले जाए यावि होत्था । तए णं तेसिं सूरियाभविमाणवासीणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य एगंतरइपसत्तनिच्चप्प-मत्तविसयसुहमुच्छियाणं सुसरघंटारवविउलबोलतुरियचवलपडिबोहणे कए समाणे घोसणकोउहलदिन्नकन्नएगग्गचित्तउवउत्तमाणसाणं से पायत्ताणीयाहिवई देवे तंसि घंटारवंसि णिसंतपसंतंसि महया महया सद्देणं उग्घोसेमाणे उग्घोसेमाणे एवं वयासी–हंत सुणंतु भवंतो सूरियाभविमाणवासिणो बहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य सूरियाभविमाणवइणो वयणं हियसुहत्थं आणवेइ णं भो ! सूरियाभे देवे गच्छइ णं भो सूरियाभे देवे जंबुद्दीवं २ भारहं वासं आमलकप्पं नयरिं अंबसालवणं उज्जाणं समणं भगवं महावीरं अभिवंदए, तं तुब्भेऽवि णं देवाणुप्पिया ! सव्विड्ढीए अकालपरिहीणा चेव सूरियाभस्स देवस्स अंतियं पाउब्भवह ॥ १२ ॥ तए णं ते सूरियाभविमाणवासिणो बहवे वेमाणिया देवा देवीओ य पायत्ताणियाहिवइस्स देवस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया अप्पेगइया वंदणवत्तियाए अप्पे-गइया नमंसणवत्तियाए अप्पेगइया सक्कारवत्तियाए एवं संमाणवत्तियाए कोउहल-वत्तियाए अप्पे० असुयाइं सुणिस्सामो सुयाइं अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वाग-रणाइं पुच्छिस्सामो, अप्पेगइया सूरियाभस्स देवस्स वयणमणुयत्तमाणा अप्पेगइया

सिंगाराओ सिंगारागारचारुवेसाओ पासाइयाओ जाव चिट्ठंति । तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ णिसीहियाए सोलस सोलस जालकडगपरिवाडीओ पन्नत्ता, ते णं जालकडगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ निसीहियाए सोलस सोलस घंटापरिवाडीओ पन्नत्ता, तासि णं घंटाणं इमेयारूवे वन्नावासे पन्नत्ते, तंजहा–जंबूणयामईओ घंटाओ वयरामयाओ लालाओ णाणामणिमया घंटापासा तवणिज्जमइयाओ संखलाओ रययामयाओ रज्जूओ । ताओ णं घंटाओ ओहस्सराओ मेहस्सराओ हंसस्सराओ कुंचस्सराओ सीहस्सराओ दुंदुहिस्सराओ णंदिस्सराओ णंदिघोसाओ मंजुस्सराओ मंजुघोसाओ सुस्सराओ सुस्सरघोसाओ उरालेणं मणुन्नेणं मणहरेणं कन्नमणनिव्वुइकरेणं सद्देणं ते पएसे सव्वओ समंता आपूरेमाणाओ आपूरेमाणाओ जाव चिट्ठंति । तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ णिसीहियाए सोलस सोलस वणमालापरिवाडीओ पन्नत्ताओ, ताओ णं वणमालाओ णाणामणिमयदुमलयकिसलयपल्लवसमाउलाओ छप्पयपरिभुज्जमाणसोहंतसस्सिरीयाओ पासाईयाओ··· । तेसि णं दाराणं उभओ पासे दुहओ णिसीहियाए सोलस सोलस पगंठगा पन्नत्ता, ते णं पगंठगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं पणवीसं जोयणसयं बाहल्लेणं सव्ववयरामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं पगंठगाणं उवरिं पत्तेयं पत्तेयं पासायवडेंसगा पन्नत्ता, तेणं पासायवडेंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणसयं विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसियपहसिया विव विविहमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेजयंतपडागच्छत्ताइच्छत्तकलिया तुंगा गगणतलमणुलिहंतसिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलिय व्व मणिकणगथूभियागा वियसियसयवत्तपोंडरीयतिलगरयणद्धचंदचित्ता णाणामणिदामालंकिया अंतो बहिं च सण्हा तवणिज्जवालुयापत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया दरिसणिज्जा जाव दामा । तेसि णं दाराणं उभओ पासे सोलस सोलस तोरणा पन्नत्ता, णाणामणिमया णाणामणिमएसु खंभेसु उवणिविट्ठसन्निविट्ठा जाव पउमहत्थगा । तेसि णं तोरणाणं पत्तेयं पुरओ दो दो सालभंजियाओ पन्नत्ताओ, जहा हेट्ठा तहेव । तेसि णं तोरणाणं पुरओ नागदंता पन्नत्ता जहा हेट्ठा जाव दामा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो हयसंघाडा गयसंघाडा नरसंघाडा किन्नरसंघाडा किंपुरिससंघाडा महोरगसंघाडा गंधव्वसंघाडा उसभसंघाडा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, एवं पंतीओ वीही मिहुणाइं । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो पउमलयाओ (जा)व सामलयाओ णिच्चं कुसुमियाओ सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं (तो)रणाणं पुरओ दो दो दिसासोवत्थिया पन्नत्ता सव्वरयणामया अच्छा जाव पडि-

तेसि णं तोरणाणं उप्पिं बहवे छत्ताइच्छत्ते पडागाइपडागे घंटाजुयले उप्पलहत्थए कुमुयणलिणसुभगसोगंधियपोंडरीयमहापोंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तहत्थए सव्वरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे विउव्वइ । तए णं से आभिओगिए देवे तस्स दिव्वस्स जाणविमाणस्स अंतो बहुसमरमणिज्जं भूमिभागं विउव्वइ । से जहाणामए आलिंग-पुक्खरे इ वा मुइंगपुक्खरे इ वा सरतले इ वा करतले इ वा चंदमंडले इ वा सूरमंडले इ वा आयंसमंडले इ वा उरब्भचम्मे इ वा वसहचम्मे इ वा वराहचम्मे इ वा सीहचम्मे इ वा वग्घचम्मे इ वा छगलचम्मे इ वा दीवियचम्मे इ वा अणेगसंकुकीलगसहस्सविययए णाणाविहपंचवण्णेहिं मणीहिं उवसोभिए आवडपच्चाव-डसेढिपसेढिसोत्थियसोवत्थियपूसमाणगवद्धमाणगमच्छंडगमगरंडगजारमारफुल्लावलिप-उमपत्तसागरतरंगवसंतलयपउमलयभत्तिचित्तेहिं सच्छाएहिं सप्पभेहिं समरीइएहिं सउज्जोएहिं णाणाविहपंचवण्णेहिं मणीहिं उवसोभिए तंजहा-किण्हेहिं णीलेहिं लोहि-एहिं हालिद्देहिं सुक्किलेहिं, तत्थ णं जे ते किण्हा मणी तेसि णं मणीणं इमे एयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहानामए जीमूतए इ वा अंजणे इ वा खंजणे इ वा कज्जले इ वा गवले इ वा गवलगुलिया इ वा भमरे इ वा भमरावलिया इ वा भमरपतंगसारे इ वा जंबूफले इ वा अद्दारिट्ठे इ वा परहुए इ वा गए इ वा गयकलभे इ वा किण्हसप्पे इ वा किण्हकेसरे इ वा आगासथिग्गले इ वा किण्हासोए इ वा किण्हक-णवीरे इ वा किण्हबंधुजीवे इ वा, भवे एयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, ओवम्मं समणाउसो! ते णं किण्हा मणी इत्तो इट्ठतराए चेव कंततराए चेव मणुण्णतराए चेव मणामतराए चेव वण्णेणं पण्णत्ता । तत्थ णं जे ते नीला मणी तेसि णं मणीणं इमे एयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहानामए भिंगे इ वा भिंगपत्ते इ वा सुए इ वा सुयपिच्छे इ वा चासे इ वा चासपिच्छे इ वा णीली इ वा णीलीभेए इ वा णीलीगुलिया इ वा सामा इ वा उच्चन्तगे इ वा वणराई इ वा हलधरवसणे इ वा मोरग्गीवा इ वा अयसिकुसुमे इ वा बाणकुसुमे इ वा अंजणकेसियाकुसुमे इ वा नीलुप्पले इ वा णीलासोगे इ वा णीलबंधुजीवे इ वा णीलकणवीरे इ वा, भवेयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, ते णं णीला मणी एत्तो इट्ठतराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ता । तत्थ णं जे ते लोहियगा मणी तेसि णं मणीणं इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए उरब्भरुहिरे इ वा ससरुहिरे इ वा नररुहिरे इ वा वराहरुहिरे इ वा महिसरुहिरे इ वा वालिंदगोवे इ वा वालदिवायरे इ वा संझब्भरागे इ वा गुंजद्धरागे इ वा जासुअणकुसुमे इ वा किंसुयकुसुमे इ वा पालियायकुसुमे इ वा जाइहिंगुलए इ वा सिलप्पवाले इ वा पवालअंकुरे इ वा लोहियक्खमणी इ वा

वण्णओ जाव दामा। तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो रुप्पमया छत्ता पन्नत्ता, ते णं छत्ता वेरुलियविमलदंडा जंवूणयकन्निया वइरसंधी मुत्ताजालपरिगया अट्ठसहस्स-वरकंचणसलागा दद्दरमलयसुगंधिसव्वोउयसुरभिसीयलच्छाया मंगलभत्तिचित्ता चंदागारोवमा। तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चामराओ पन्नत्ताओ, ताओ णं चामराओ चंदप्पभवेरुलियवयरनानामणिरयणखचियचित्तदण्डाओ सुहुमरययदीहवालाओ संखंककुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसन्निगासाओ सव्वरयणामयाओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ। तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो तेल्लसमुग्गा कोट्ठसमुग्गा पत्तसमुग्गा चोयगसमुग्गा तगरसमुग्गा एलासमुग्गा हरियालसमुग्गा हिंगुलयसमुग्गा मणोसिलासमुग्गा अंजणसमुग्गा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा॥ २८॥ सूरियाभे णं विमाणे एगमेगे दारे अट्ठसयं चक्कज्झयाणं अट्ठसयं मिगज्झयाणं गरुडज्झयाणं छत्तज्झयाणं पिच्छज्झयाणं सउणिज्झयाणं सीहज्झयाणं उसभज्झयाणं अट्ठसयं सेयाणं चउविसाणाणं नागवरकेऊणं एवामेव सपुव्वावरेणं सूरियाभे विमाणे एगमेगे दारे असीयं असीयं केउसहस्सं भवतीति मक्खायं। तेसि णं दाराणं एगमेगे दारे पण्णट्ठिं पण्णट्ठिं भोमा पन्नत्ता,

आसवोयगाओ अप्पेगइयाओ वारुणोयगाओ अप्पेगइयाओ खीरोयगाओ अप्पेगइयाओ घओयगाओ अप्पेगइयाओ खोदोयगाओ अप्पेगइयाओ पगईए उयगरसेणं पण्णत्ताओ पासाइयाओ दरिसणिज्जाओ अभिरुवाओ पडिरुवाओ। तासि णं वावीणं जाव विलपंतीणं पत्तेयं पत्तेयं चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरुवगा पण्णत्ता, तेसि णं तिसोवाणपडिरुवगाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते तंजहा–वइरामया नेमा... तोरणाणं झया छत्ताइछत्ता य णेयव्वा। तासि णं खुड्डाखुड्डियाणं वावीणं जाव विलपंतियाणं तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं वहवे उप्पायपव्वयगा नियइपव्वयगा जगईपव्वयगा दारुइज्जपव्वयगा दगमंडवा दगमंचगा दगमालगा दगपासायगा उसड्डा खुड्डखुड्डगा अंदोलगा पक्खंदोलगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरुवा। तेसु णं उप्पायपव्वएसु जाव पक्खंदोलएसु वहूइं हंसासणाइं कोंचासणाइं गरुलासणाइं उण्णयासणाइं पणयासणाइं दीहासणाइं भद्दासणाइं पक्खासणाइं मगरासणाइं उसभासणाइं सीहासणाइं पउमासणाइं दिसासोवत्थियाइं सव्वरयणामयाइं अच्छाइं जाव पडिरुवाइं। तेसु णं वणसंडेसु तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं वहवे आलियघरगा मालियघरगा कयलिघरगा लयाघरगा अच्छणघरगा पिच्छणघरगा मज्जणघरगा पसाहणघरगा गब्भघरगा मोहणघरगा सालघरगा जालघरगा कुसुमघरगा चित्तघरगा गंधव्वघरगा आयंसघरगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरुवा। तेसु णं आलियघरगेसु जाव आयंसघरगेसु तहिं तहिं घरएसु वहूइं हंसासणाइं जाव दिसासोवत्थिआसणाइं सव्वरयणामयाइं जाव पडिरुवाइं। तेसु णं वणसंडेसु तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं वहवे जाइमंडवगा जूहियामंडवगा मल्लियामंडवगा णवमालियामंडवगा वासंतिमंडवगा दहिवासुयमंडवगा सूरिल्लियमंडवगा तंवोलिमंडवगा मुद्दियामंडवगा णागलयामंडवगा अइमुत्तयलयामंडवगा अप्फोयामंडवगा मालुयामंडवगा अच्छा सव्वरयणामया जाव पडिरुवा। तेसु णं जाइमण्डवएसु जाव मालुयामंडवएसु वहवे पुढविसिलापट्टगा हंसासणसंठिया जाव दिसासोवत्थियासणसंठिया अण्णे य वहवे वरसयणासणविसिट्ठसंठाणसंठिया पुढविसिलापट्टगा पण्णत्ता समणाउसो! आईणगरुयवूरणवणीयतूलफासा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरुवा। तत्थ णं वहवे वेमाणिया देवा य देवीओ य आसयंति सयंति चिट्ठंति निसीयंति तुयट्टंति रमंति ललंति कीलंति किट्टंति मोहेंति पुरा पोराणाणं सुचिण्णाण सुपरिक्कंताण सुभाण कडाण कम्माण कल्लाणाण कल्लाणं फलविवागं पच्चणुभवमाणा विहरंति॥ ३१॥ तेसि णं वणसंडाणं वहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं पासायवडेंसगा पण्णत्ता, ते णं पासायवडेंसगा पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं

से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ सिय सासया सिय असासया । पउमवरवेइया णं भंते ! कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! ण कयावि णासि ण कयावि णत्थि ण कयावि न भविस्सइ, भुविं च भवइ य भविस्सइ य, धुवा णियया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा पउमवरवेइया । सा णं पउमवरवेइया एगेणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता । से णं वणसंडे देसूणाइं दो जोयणाइं चक्कवालविक्खंभेणं उवयारियालेणसमे परिक्खेवेणं वणसंडवण्णओ भाणियव्वो जाव विहरंति । तस्स णं उवयारियालेणस्स चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा पण्णत्ता वण्णओ तोरणा झया छत्ताइच्छत्ता । तस्स णं उवयारियालयणस्स उवरिं वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणीणं फासो ॥ ३३ ॥ तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महेगे मूलपासायवडेंसए पण्णत्ते, से णं मूलपासायवडिंसए पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ भूमिभागो उल्लोओ सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं अट्ठट्ठ मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता । से णं मूलपासायवडेंसगे अण्णेहिं चउहिं पासायवडेंसएहिं तयद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं सव्वओ समंता संपरिखित्ते, ते णं पासायवडेंसगा अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणसयं विक्खंभेणं जाव वण्णओ ते णं पासायवडिंसया अण्णेहिं चउहिं पासायवडिंसएहिं तयद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं सव्वओ समंता संपरिखित्ता, ते णं पासायवडेंसया पणवीसं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं वासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसिय वण्णओ भूमिभागो उल्लोओ सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं अट्ठट्ठ मंगलगा झया छत्ताइच्छत्ता ते णं पासायवडेंसगा अण्णेहिं चउहिं पासायवडेंसएहिं तयद्धुच्चत्तपमाणमेत्तेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ते णं पासायवडेंसगा वासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च उड्ढं उच्चत्तेणं एक्कतीसं जोयणाइं कोसं च विक्खंभेणं वण्णओ उल्लोओ सीहासणं सपरिवारं पासाय० उवरिं अट्ठट्ठ मंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥३४॥ तस्स णं मूलपासायवडेंसयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं सभा सुहम्मा पण्णत्ता, एगं जोयणसयं आयामेणं पण्णासं जोयणाइं विक्खम्भेणं वावत्तरिं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अणेगखम्भ...जाव अच्छरगण...पासाईया० । सभाए णं सुहम्माए तिदिसिं तओ दारा पण्णत्ता, तंजहा–पुरत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं ते णं दारा सोलस जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अट्ठ जोयणाइं विक्खम्भेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकणगथूभियागा जाव वणमालाओ, [तेसि णं दाराणं उवरिं अट्ठट्ठ मङ्गलगा झया छत्ताइछत्ता] तेसि णं दाराणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं मुहमण्डवे पण्णत्ते, ते णं मुहमण्डवा एगं जोयणसयं

पडिसुणंति पडिसुणित्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमंति उत्तरपुरत्थिमं दिसी-भागं अवक्कमित्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति समोहणित्ता संखेज्जाइं जोयणाइं जाव दोच्चं पि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणित्ता अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं रुप्पमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं मणिमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं सुवण्ण-रुप्पमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णमणिमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं रुप्पमणिमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णरुप्पमणिमयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं भोमिज्जाणं कलसाणं एवं भिंगाराणं आयंसाणं थालाणं पाईणं सुपइट्ठाणं वायकरगाणं रयणकरंडगाणं सीहासणाणं छत्ताणं चामराणं तेल्लसमुग्गाणं जाव अंजणसमुग्गाणं झयाणं विउ-व्वंति विउव्वित्ता ते साभाविए य वेउव्विए य कलसे य जाव झए य गिण्हंति गिण्हित्ता सूरियाभाओ विमाणाओ पडिनिक्खमंति पडिनिक्खमित्ता ताए उक्किट्ठाए चवलाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं जाव वीइवयमाणा वीइवयमाणा जेणेव खीरोदयसमुद्दे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता खीरोयगं गिण्हंति० जाइं तत्थुप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव पुक्खरोदए समुद्दे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता पुक्खरोदयं गेण्हंति गिण्हित्ता जाइं तत्थुप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं

सूरियाभं विमाणं उवचियचंदणकलसं चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं पंचवण्णसुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेंति, अप्पेगइया देवा हिरण्णवासं वासंति, सुवण्णवासं वासंति, रययवासं वासंति, वइरवासं० पुप्फवासं० फलवासं० मल्लवासं० गंधवासं० चुण्णवासं० आभरणवासं वासंति, अप्पेगइया देवा हिरण्णविहिं भाएंति, एवं सुवन्नविहिं भाएंति, रयणविहिं पुप्फविहिं फलविहिं मल्लविहिं चुण्णविहिं वत्थविहिं गंधविहिं०, तत्थ अप्पेगइया देवा आभरणविहिं भाएंति, अप्पेगइया चउव्विहं वाइत्तं वाइंति–ततं विततं घणं झुसिरं, अप्पेगइया देवा चउव्विहं गेयं गायंति, तं०–उक्खित्तायं पायत्तायं मंदायं रोइयावसाणं, अप्पेगइया देवा दुयं नट्टविहिं उवदंसिंति अप्पेगइया विलंबियणट्टविहिं उवदंसेंति अप्पेगइया देवा दुयविलंबियं णट्टविहिं उवदंसेंति, एवं अप्पेगइया अंचियं नट्टविहिं उवदंसेंति, अप्पेगइया देवा आरभडं भसोलं आरभडभसोलं उप्पायनिवायपवत्तं संकुचियपसारियं रियारियं भंतसंभंतणामं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसेंति, अप्पेगइया देवा चउव्विहं अभिणयं अभिणयंति, तंजहा–दिट्ठंतियं पाडंतियं सामंतोवणिवाइयं लोगअंतोमज्झावसाणियं, अप्पेगइया देवा बुक्कारेंति, अप्पेगइया देवा पीणेंति, अप्पेगइया लासेंति, अप्पेगइया हक्कारेंति, अप्पेगइया विणंति, तंडवेंति, अप्पेगइया वग्गंति अप्फोडेंति, अप्पेगइया अप्फोडेंति वग्गंति, अप्पे० तिवइं छिंदंति, अप्पेगइया हयहेसियं करेंति, अप्पेगइया हत्थिगुलगुलाइयं करेंति, अप्पेगइया रहघणघणाइयं करेंति, अप्पेगइया हयहेसियहत्थिगुलगुलाइयरहघणघणाइयं करेंति, अप्पेगइया उच्छलेंति, अप्पेगइया पोच्छलेंति, अप्पेगइया उक्किट्ठियं करेंति, अ० उच्छलेंति पोच्छलेंति, अप्पेगइया तिन्नि वि, अप्पेगइया उवयंति, अप्पेगइया उप्पयंति, अप्पेगइया परिवयंति, अप्पेगइया तिन्निवि, अप्पेगइया सीहनायंति, अप्पेगइया दद्दरयं करेंति, अप्पेगइया भूमिचवेडं दलयंति, अप्पे० तिन्नि वि, अप्पेगइया गज्जंति, अप्पेगइया विज्जुयायंति, अप्पेगइया वासं वासंति, अप्पेगइया तिन्निवि करेंति, अप्पेगइया जलेंति, अप्पेगइया तवंति, अप्पेगइया पतवेंति, अप्पेगइया तिन्नि वि, अप्पेगइया हक्कारेंति, अप्पेगइया थुक्कारेंति, अप्पेगइया धक्कारेंति, अप्पेगइया साइं साइं नामाइं साहेंति, अप्पेगइया चत्तारि वि, अप्पेगइया देवा देवसन्निवायं करेंति, अप्पेगइया देवुज्जोयं करेंति, अप्पेगइया देवुक्कलियं

रूवा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चंदणकलसा पन्नत्ता, ते णं चंदणकलसा वरकमलपइट्ठाणा तहेव । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो भिंगारा पन्नत्ता, ते णं भिंगारा वरकमलपइट्ठाणा जाव महया मत्तगयमुहागिइसमाणा पन्नत्ता समणाउसो ! । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो आयंसा पन्नत्ता, तेसि णं आयंसाणं इमेयारूवे वन्नावासे पन्नत्ते, तंजहा–तवणिज्जमया पगंठगा अंकमया मंडला अणुग्घसियनिम्मलाए छायाए समणुवद्धा चंदमंडलपडिणिकासा महया महया अद्धकायसमाणा पन्नत्ता समणाउसो ! । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो वइरनाभथाला पन्नत्ता अच्छतिच्छडियसालितंदुलणहसंदिट्ठपडिपुन्ना इव चिट्ठंति सव्वजंवूणयमया जाव पडिरूवा महया महया रहचक्कवालसमाणा पन्नत्ता समणाउसो ! । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो पाईओ, ताओ णं पाईओ सच्छोदगपरिहत्थाओ णाणाविहस्स फलहरियगस्स बहुपडिपुन्नाओ विव चिट्ठंति सव्वरयणामईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ महया महया गोकलिंजरचक्कसमाणीओ पन्नत्ताओ समणाउसो ! । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो सुपइट्ठा पन्नत्ता णाणाविहभंडविरइया इव चिट्ठंति सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो मणोगुलियाओ पन्नत्ताओ, तासु णं मणोगुलियासु वहवे सुवन्नरुप्पमया फलगा पन्नत्ता, तेसु णं सुवन्नरुप्पमएसु फलगेसु वहवे वयरामया नागदंतया पन्नत्ता, तेसु णं वयरामएसु णागदंतएसु वहवे वयरामया सिक्कगा पन्नत्ता, तेसु णं वयरामएसु सिक्कगेसु किण्हसुत्तसिक्कगवच्छिया णीलसुत्तसिक्कगवच्छिया लोहियसुत्तसिक्कगवच्छिया हालिद्दसुत्तसिक्कगवच्छिया सुकिल्लसुत्तसिक्कगवच्छिया वहवे वायकरगा पन्नत्ता सव्ववेरुलियमया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चित्ता रयणकरंडगा पन्नत्ता, से जहा णामए रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स चित्ते रयणकरंडए वेरुलियमणिफलिहपडलपच्चोयडे साए पहाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासइ उज्जोवेइ तवइ पभासइ एवामेव ते वि चित्ता रयणकरंडगा साए पभाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासंति उज्जोवेंति तवंति पभासंति । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो हयकंठा गयकंठा नरकंठा किन्नरकंठा किंपुरिसकंठा महोरगकंठा गंधव्वकंठा उसमकंठा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो पुप्फचंगेरीओ मल्लचंगेरीओ चुन्नचंगेरीओ गंधचंगेरीओ वत्थचंगेरीओ आभरणचंगेरीओ सिद्धत्थचंगेरीओ पन्नत्ताओ सव्वरयणामयाओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ । तासु णं पुप्फचंगेरियासु जाव सिद्धत्थचंगेरीसु दो दो पुप्फपडलगाइं जाव सिद्धत्थपडलगाइं सव्वरयणामयाइं अच्छाइं जाव पडिरूवाइं । तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो सीहासणा पण्णत्ता । तेसि णं सीहासण

अलंकारेण अलंकियविभूसिए समाणे पडिपुण्णलंकारे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठित्ता अलंकारियसभाओ पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं पडिणिक्खमइ पडिणिक्खमित्ता जेणेव ववसायसभा तेणेव उवागच्छइ ववसायसभं अणुपयाहिणीकरेमाणे अणुपयाहिणीकरेमाणे पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ, जेणेव० सीहासणवरगए जाव सन्निसन्ने। तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स सामाणियपरिसोववन्नगा देवा पोत्थयरयणं उवणेंति, तए णं से सूरियाभे देवे पोत्थयरयणं गिण्हइ गिण्हित्ता पोत्थयरयणं मुयइ मुइत्ता पोत्थयरयणं विहाडेइ विहाडित्ता पोत्थयरयणं वाएइ पोत्थयरयणं वाएत्ता धम्मियं ववसायं ववसइ ववसइत्ता पोत्थयरयणं पडिनिक्खिवइ सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठेत्ता ववसायसभाओ पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं पडिनिक्खमित्ता जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं से सूरियाभे देवे चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव सोलसहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अन्नेहि य बहूहिं सूरियाभविमाणवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे सव्विड्ढीए जाव नाइयरवेणं जेणेव सभा सुहम्मा तेणेव उवागच्छइ सभं सुहम्मं पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ अणुपविसित्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे ॥ ३९ ॥ तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स अवरुत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमेणं दिसिभाएणं चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ चउसु भद्दासणसाहस्सीसु निसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स पुरत्थिमिल्लेणं चत्तारि अग्गमहिसीओ चउसु भद्दासणेसु निसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स दाहिणपुरत्थिमेणं अब्भिंतरियपरिसाए अट्ठ देवसाहस्सीओ अट्ठसु भद्दासणसाहस्सीसु निसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स दाहिणेणं मज्झिमाए परिसाए दस देवसाहस्सीओ दससु भद्दासणसाहस्सीसु निसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स दाहिणपच्चत्थिमेणं बाहिरियाए परिसाए बारस देवसाहस्सीओ बारससु भद्दासणसाहस्सीसु निसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स पच्चत्थिमेणं सत्त अणियाहिवइणो सत्तहिं भद्दासणेहिं णिसीयंति, तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स चउद्दिसिं सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीओ सोलसहिं भद्दासणसाहस्सीहिं णिसीयंति, तंजहा–पुरत्थिमिल्लेणं चत्तारि साहस्सीओ०, ते णं आयरक्खा सन्नद्धबद्धवम्मियकवया उप्पीलियसरासणपट्टिया पिणद्धगेविज्जा आविद्धविमलवरचिंधपट्टा गहियाउहप्पहरणा तिणयाणि तिसंधियाइं वयरामयकोडीणि धणूइं पगिज्झ पडियाइयकंडकलावा णीलपाणिणो पीयपाणिणो रत्तपाणिणो चावपाणिणो चारुपाणिणो चम्मपाणिणो दंडपाणिणो खग्गपाणिणो पासपाणिणो नीलपीयरत्तचावचारुचम्मदंडखग्गपासधरा आयरक्खा रक्खोवगा गुत्ता गुत्तपालिया जुत्ता

गएहिं वाएहिं मंदायं मंदायं एइयाणं वेइयाणं कंपियाणं चालियाणं फंदियाणं घट्टियाणं खोभियाणं उदीरियाणं केरिसए सद्दे भवइ? गोयमा! से जहानामए सीयाए वा संदमाणीए वा रहस्स वा सच्छत्तस्स सज्झयस्स सघंटस्स सपडागस्स सतोरणवरस्स सनंदिघोसस्स सखिंखिणिहेमजालपरिखित्तस्स हेमवयचित्ततिणिसकणगणिजुत्तदारुयायस्स सुसंपिणद्धचक्कमंडलधुरागस्स कालायससुकयणेमिजंतकम्मस्स आइण्णवरतुरगसुसंपउत्तस्स कुसलणरच्छेयसारहिसुसंपरिग्गहियस्स सरसयवत्तीसतोणपरिमंडियस्स सकंकडावयंसगस्स सचावसरपहरणआवरणभरियजोहजुज्झसज्जस्स रायंगणंसि वा रायंतेउरंसि वा रम्मंसि वा मणिकुट्टिमतलंसि अभिक्खणं अभिक्खणं अभिघट्टिज्जमाणस्स वा नियट्टिज्जमाणस्स वा ओराला मणोण्णा मणोहरा कण्णमणनिव्वुइकरा सद्दा सव्वओ समंता अभिणिस्सवंति, भवेयारूवे सिया? णो इणट्ठे समट्ठे। से जहा णामए वेयालियवीणाए उत्तरमंदामुच्छियाए अंके सुपइट्ठियाए कुसलनरनारिसुसंपरिग्गहियाए चंदणसारनिम्मियकोणपरिघट्टियाए पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि मंदायं मंदायं वेइयाए पवेइयाए चालियाए घट्टियाए खोभियाए उदीरियाए ओराला मणुण्णा मणहरा कण्णमणनिव्वुइकरा सद्दा सव्वओ समंता अभिनिस्सवंति, भवेयारूवे सिया? णो इणट्ठे समट्ठे। से जहा नामए किन्नराण वा किंपुरिसाण वा महोरगाण वा गंधव्वाण वा भद्दसालवणगयाणं वा नंदणवणगयाणं वा सोमणसवणगयाणं वा पंडगवणगयाणं वा हिमवंतमलयमंदरगिरिगुहासमन्नागयाण वा एगओ सन्निहियाणं समागयाणं सन्निसन्नाणं समुवविट्ठाणं पमुइयपक्कीलियाणं गीयरइगंधव्वहसियमणाणं गज्जं पज्जं कत्थं गेयं पयबद्धं पायबद्धं उक्खित्तं पायंतं मंदायं रोइयावसाणं सत्तसरसमन्नागयं छद्दोसविप्पमुक्कं एक्कारसालंकारं अट्ठगुणोववेयं, गुंजाऽवंककुहरोवगूढं रत्तं तिट्ठाणकरणसुद्धं पगीयाणं, भवेयारूवे? हंता सिया॥ ३०॥

तेसि णं वणसंडाणं तत्थ तत्थ देसे देसे तहिं तहिं बहुईओ खुड्डाखुड्डियाओ वावियाओ पुक्खरिणीओ दीहियाओ गुंजालियाओ सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ बिलपंतियाओ अच्छाओ सण्हाओ रययामयकूलाओ समतीराओ वयरामयपासाणाओ तवणिज्जतलाओ सुवण्णसुज्झरययवालुयाओ वेरुलियमणिफालियपडलपच्चोयडाओ सुहोयारसुउत्ताराओ णाणामणितित्थसुबद्धाओ चउक्कोणाओ आणुपुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलजलाओ संछन्नपत्तभिसमुणालाओ बहुउप्पलकुमुयनलिणसुभगसोगंधियपोंडरीयसयवत्तसहस्सपत्तकेसरफुल्लोवचियाओ छप्पयपरिभुज्जमाणकमलाओ अच्छविमलसलिलपुण्णाओ पडिहत्थभमंतमच्छकच्छभअणेगसउणमिहुणगपविचरियाओ पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिक्खित्ताओ पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खित्ताओ अप्पेगइयाओ

रन्नो रज्जं च रट्ठं च बलं च वाहणं च कोसं च कोट्ठागारं च अन्तेउरं च जणवयं च सयमेव पच्चुवेक्खमाणे २ विहरइ ॥ ४४ ॥ तस्स णं पएसिस्स रन्नो जेट्ठे भाउयवयंसए चित्ते नामं सारही होत्था अड्ढे जाव बहुजणस्स अपरिभूए सामदण्ड-भेयउवप्पयाणअत्थसत्थईहामइविसारए, उप्पत्तियाए वेणइयाए कम्मियाए पारिणामियाए चउव्विहाए बुद्धीए उववेए, पएसिस्स रन्नो बहूसु कज्जेसु य कारणेसु य कुडुम्बेसु य मन्तेसु य गुज्झेसु य रहस्सेसु य निच्छएसु य ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे मेढी पमाणं आहारे आलम्बणं चक्खू मेढिभूए पमाणभूए आहारभूए आलम्बणभूए चक्खुभूए सव्वट्ठाणसव्वभूमियासु लद्धपच्चए विइण्णवियारे रज्जधुराचिन्तए यावि होत्था ॥ ४५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं कुणाला नामं जणवए होत्था, रिद्धत्थिमियसमिद्धे० । तत्थ णं कुणालाए जणवए सावत्थी नामं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा जाव पडिरूवा । तीसे णं सावत्थीए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए कोट्ठए नामं उज्जाणे होत्था, रम्मे जाव पासादीए ४ । तत्थ णं सावत्थीए नयरीए पएसिस्स रन्नो अन्तेवासी जियसत्तू नामं राया होत्था, महया हिमवन्त जाव विहरइ । तए णं से पएसी राया अन्नया कयाइ महत्थं महग्घं महरिहं विउलं रायारिहं पाहुडं सज्जावेइ २ त्ता चित्तं सारहिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—"गच्छ णं चित्ता ! तुमं सावत्थिं नयरिं । जियसत्तुस्स रन्नो इमं महत्थं जाव पाहुडं उवणेहि । जाइं तत्थ रायकज्जाणि य रायकिच्चाणि य रायनीईओ य रायववहारा य ताइं जियसत्तुणा सद्धिं सयमेव पच्चुवेक्खमाणे विहराहि"त्तिकट्टु विसज्जिए ॥ ४६ ॥ तए णं से चित्ते सारही पएसिणा रन्ना एवं वुत्ते समाणे हट्ठ जाव पडिसुणेत्ता तं महत्थं जाव पाहुडं गेण्हइ २ त्ता पएसिस्स रन्नो जाव पडिनिक्खमइ २ त्ता सेयवियं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव सए गिहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं महत्थं जाव पाहुडं ठवेइ २ त्ता कोडुम्बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—"खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सच्छत्तं जाव चाउग्घण्टं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव पच्चप्पिणह" । तए णं ते कोडुम्बियपुरिसा तहेव पडिसुणित्ता खिप्पामेव सच्छत्तं जाव जुद्धसज्जं चाउग्घण्टं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेन्ति, तमाणत्तियं पच्चप्पिणन्ति । तए णं से चित्ते सारही कोडुम्बियपुरिसाणं अन्तिए एयमट्ठं जाव हियए ण्हाए संनद्धबद्धवम्मियकवए उप्पीलियसरासणपट्टिए पिणद्धगेवेज्जे बद्धआविद्धविमलवरचिंधपट्टे गहियाउहपहरणे तं महत्थं जाव पाहुडं गेण्हइ २ त्ता जेणेव चाउग्घण्टे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घण्टं आसरहं दुरुहइ २ त्ता बहूहिं पुरिसेहिं संनद्ध जाव गहियाउहपहरणेहिं सद्धिं संपरिवुडे सकोरिण्टमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं २ महया भडचडगररहपहकरविन्दपरिक्खित्ते

अब्भुग्गयमूसियपहसिया इव तहेव बहुसमरमणिज्जभूमिभागो उल्लोओ सीहासणं सपरिवारं तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तंजहा-असोए सत्तवण्णे चंपए चूए । सूरियाभस्स णं देवविमाणस्स अंतो बहुसमर-मणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, तंजहा-वणसंडविहूणे जाव बहवे वेमाणिया देवा देवीओ य आसयंति जाव विहरंति, तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसे एत्थ णं महेगे उवगारियालयणे पण्णत्ते, एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं सोलस सहस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणुसयं तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलं च किंचिविसेसूणं परिक्खेवेणं, जोयणं बाहल्लेणं, सव्वजंबूणयामए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ ३२ ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेण सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, सा णं पउमवरवेइया अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच धणुसयाइं विक्खंभेणं उवयारियले-णसमा परिक्खेवेणं, तीसे णं पउमवरवेइयाए इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा-वयरामया० सुवण्णरुप्पमया फलया नाणामणिमया कलेवरा णाणामणिमया कलेवर-संघाडगा णाणामणिमया रूवा णाणामणिमया रूवसंघाडगा अंकामया० उवरिपुञ्छणी सव्वरयणामए अच्छायणे, सा णं पउमवरवेइया एगमेगेणं हेमजालेणं ए० गवक्ख-जालेणं ए० खिंखिणीजालेणं ए० घंटाजालेणं ए० मुत्ताजालेणं ए० मणिजालेणं ए० कणगजालेणं ए० रयणजालेणं ए० पउमजालेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ते णं जाला तवणिज्जलंबूसगा जाव चिट्ठंति । तीसे णं पउमवरवेइयाए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे हयसंघाडा जाव उसभसंघाडा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा पासाईया जाव वीहीओ पंतीओ मिहुणाणि लयाओ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-पउमवरवेइया पउमवरवेइया ? गोयमा ! पउमवरवेइयाए णं तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं वेइयासु वेइयावाहासु य वेइयफलएसु य वेइयपुडंतरेसु य खंभेसु खंभवाहासु खंभसीसेसु खंभपुडंतरेसु सूईसु सूईमुहेसु सूईफलएसु सूईपुडं-तरेसु पक्खेसु पक्खबाहासु पक्खपेरंतेसु पक्खपुडंतरेसु बहुयाइं उप्पलाइं पउमाइं कुमुयाइं णलिणाइं सुभगाइं सोगंधियाइं पुंडरीयाइं महापुंडरीयाइं सयवत्ताइं सहस्स-वत्ताइं सव्वरयणामयाइं अच्छाइं० पडिरूवाइं महया वासिक्कछत्तसमाणाइं पण्णत्ताइं समणाउसो ! से एएणं अट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-पउमवरवेइया पउमवरवेइया । पउमवरवेइया णं भंते ! किं सासया असासया ? गोयमा ! सिय सासया सिय असासया । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-सिय सासया सिय असासया ? गोयमा ! दव्वट्ठयाए सासया, वन्नपज्जवेहिं गंधपज्जवेहिं रसपज्जवेहिं फासपज्जवेहिं असासया,

चच्चरचउमुहमहापहपहेसु महया जणसद्दे इ वा जणवूहे इ वा जणकलकले इ वा जणवोले इ वा जणउम्मी इ वा जणउक्कलिया इ वा जणसंनिवाए इ वा जाव पज्जुवासइ। तए णं तस्स सारहिस्स तं महाजणसद्दं च जणकलकलं च सुणेत्ता य पासित्ता य इमेयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था-"किं णं अज्ज सावत्थीए नयरीए इन्दमहे इ वा खन्दमहे इ वा रुद्दमहे इ वा मउन्दमहे इ वा नागमहे इ वा भूयमहे इ वा जक्खमहे इ वा रुक्खमहे इ वा गिरिमहे इ वा दरिमहे इ वा अगडमहे इ वा नईमहे इ वा सरमहे इ वा सागरमहे इ वा जं णं इमे वहवे उग्गा भोगा राइन्ना इक्खागा खत्तिया नाया कोरव्वा जाव इब्भा इब्भपुत्ता ण्हाया (जहोववाइए जाव) अप्पेगइया हयगया अप्पेगइया गय० पायचारविहारेणं महया २ वन्दावन्दएहिं निग्गच्छन्ति" एवं संपेहेइ २ त्ता कञ्चुइज्जपुरिसं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-"किं णं देवाणुप्पिया! अज्ज सावत्थीए नयरीए इन्दमहे इ वा जाव सागरमहे इ वा जेणं इमे वहवे उग्गा भोगा...निग्गच्छन्ति?"। तए णं से कञ्चुइज्जपुरिसे केसिस्स कुमारसमणस्स आगमणगहियविणिच्छए चित्तं सारहिं करयल-परिग्गहियं जाव वद्धावेत्ता एवं वयासी-"नो खलु देवाणुप्पिया! अज्ज सावत्थीए नयरीए इन्दमहे इ वा जाव सागरमहे इ वा जेणं इमे वहवे जाव विन्दाविन्दएहिं निग्गच्छन्ति। एवं खलु भो देवाणुप्पिया! पासावच्चिज्जे केसी नामं कुमारसमणे जाइसंपन्ने जाव दूइज्जमाणे इहमागए जाव विहरइ तेणं अज्ज सावत्थीए नयरीए वहवे उग्गा जाव इब्भा इब्भपुत्ता अप्पेगइया वन्दणवत्तियाए जाव महया वन्दा-वन्दएहिं निग्गच्छन्ति" ॥ ४९ ॥ तए णं से चित्ते सारही कञ्चुइज्जपुरिसस्स अन्तिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए कोडुम्बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-"खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउग्घण्टं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह" जाव सच्छत्तं उवट्ठवेन्ति। तए णं से चित्ते सारही ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं मङ्गल्लाइं वत्थाइं पवरपरिहिए अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे जेणेव चाउग्घण्टे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घण्टं आसरहं दुरुहइ २ त्ता सकोरिण्टमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं महया भडचडग...विन्दपरिक्खित्ते सावत्थीनयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए उज्जाणे जेणेव केसी कुमारसमणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता केसिकुमारसमणस्स अदूरसामन्ते तुरए निगिण्हइ २ त्ता रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव केसी कुमारसमणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता केसिं कुमारसमणं तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेइ २ त्ता वन्दइ नमंसइ वं० २ त्ता नच्चासन्ने नाइदूरे सुस्सूसमाणे नमंसमाणे अभिमुहे पञ्जलिउडे विणएणं पज्जुवासइ। तए णं से केसी कुमारसमणे चित्तस्स सारहिस्स

सोवसग्गे"। "एवामेव चित्ता! तुब्भं पि सेयवियाए नयरीए पएसी नामं राया परिवसइ अहम्मिए जाव नो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ। तं कहं णं अहं चित्ता! सेयवियाए नयरीए समोसरिस्सामि?"। तए णं से चित्ते सारही केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"किं णं भन्ते! तुब्भं पएसिणा रन्ना कायव्वं? अत्थि णं भन्ते! सेयवियाए नयरीए अन्ने बहवे ईसरतलवर जाव सत्थवाहप्पभिइओ जे णं देवाणुप्पियं वन्दिस्सन्ति जाव पज्जुवासिस्सन्ति, विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं पडिलाभेस्सन्ति, पाडिहारिएण पीढफलगसेज्जासंथारेणं उवनिमन्तिस्सन्ति"। तए णं से केसी कुमारसमणे चित्तं सारहिं एवं वयासी-"अवि याइ चित्ता! समोसरिस्सामो" ॥५२॥ तए णं से चित्ते सारही केसिं कुमारसमणं वन्दइ नमंसइ वं० २ त्ता केसिस्स कुमारसमणस्स अन्तियाओ कोट्ठयाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव रायमग्गमोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोडुम्बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-"खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउग्घण्टं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह"। जहा सेयवियाए नयरीए निग्गच्छइ तहेव जाव वसमाणे २ कुणालाजणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव केइयअद्धे जणवए जेणेव सेयविया नयरी जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता उज्जाणपालए सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-"जया णं देवाणुप्पिया! पासावच्चिज्जे केसी नाम कुमारसमणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे इहमागच्छिज्जा, तया णं तुब्भे देवाणुप्पिया! केसिं कुमारसमणं वन्दिज्जाह नमंसिज्जाह वं० २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं अणुजाणेज्जाह। पाडिहारिएणं पीढफलग जाव उवनिमन्तेज्जाह। एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणेज्जाह"। तए णं ते उज्जाणपालगा चित्तेण सारहिणा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयलपरिग्गहियं जाव एवं वयासी—"तह" त्ति। आणाए विणएणं वयणं पडिसुणन्ति ॥ ५३ ॥ तए णं से चित्ते सारही जेणेव सेयविया नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सेयवियं नयरिं मज्झंमज्झेणं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव पएसिस्स रन्नो गिहे जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तुरए निगिण्हइ २ त्ता रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता तं महत्थं जाव गेण्हइ २ त्ता जेणेव पएसी राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पएसिं रायं करयल जाव वद्धावेत्ता तं महत्थं जाव उवणेइ। तए णं से पएसी राया चित्तस्स सारहिस्स तं महत्थं जाव पडिच्छइ २ त्ता चित्तं सारहिं सक्कारेइ संमाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से चित्ते सारही पएसिणा रन्ना विसज्जिए समाणे हट्ठ जाव हियए पएसिस्स रन्नो अन्तियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव चाउग्घण्टे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घण्टं आसरहं दुरुहइ २ त्ता तुरए निगिण्हइ २ त्ता

तिगिच्छिकेसरिद्दहाओ तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता तहेव जेणेव महाविदेहे वासे जेणेव सीयासीओयाओ महाणईओ तेणेव तहेव जेणेव सव्वचक्कवट्टिविजया जेणेव सव्वमागहवरदामपभासाइं तित्थाइं तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता तित्थोदगं गेण्हंति गेण्हित्ता सव्वंतरणईओ जेणेव सव्ववक्खारपव्वया तेणेव उवागच्छंति सव्वतूयरे तहेव जेणेव मंदरे पव्वए जेणेव भद्दसालवणे तेणेव उवागच्छंति सव्वतूयरे सव्वपुप्फे सव्वगंधे सव्वोसहिसिद्धत्थए य गेण्हंति गेण्हित्ता जेणेव णंदणवणे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सव्वतूयरे जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य सरसगोसीसचंदणं गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव सोमणसवणे तेणेव उवागच्छंति सव्वतूयरे जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य सरसगोसीसचंदणं च दिव्वं च सुमणदामं गिण्हंति गिण्हित्ता जेणेव पंडगवणे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सव्वतूयरे जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य सरसं च गोसीसचंदणं दिव्वं च सुमण-दामं दद्दरमलयसुगंधियगन्धे गिण्हन्ति गिण्हित्ता एगओ मिलायंति मिलाइत्ता ताए उक्किट्ठाए जाव जेणेव सोहम्मे कप्पे जेणेव सूरियाभे विमाणे जेणेव अभिसेयसभा जेणेव सूरियाभे देवे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सूरियाभं देवं करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धाविंति वद्धावित्ता तं महत्थं महग्घं महरिहं विउलं इंदाभिसेयं उवट्ठवेंति । तए णं तं सूरियाभं देवं चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ चत्तारि अग्गमहिसीओ सपरिवाराओ तिन्नि परिसाओ सत्त अणियाहिवइणो जाव अन्नेवि बहवे सूरियाभविमाणवासिणो देवा य देवीओ य तेहिं साभाविएहिं य वेउव्विएहिं य वरकमलपइट्ठाणेहिं य सुरभिवरवारिपडिपुण्णेहिं चंदण-कयचच्चिएहिं आविद्धकंठेगुणेहिं पउमुप्पलपिहाणेहिं सुकुमालकोमलकरयलपरिग्गहिएहिं अट्ठसहस्सेणं सोवन्नियाणं कलसाणं जाव अट्ठसहस्सेणं भोमिज्जाणं कलसाणं सव्वोद-एहिं सव्वमट्टियाहिं सव्वतूयरेहिं जाव सव्वोसहिसिद्धत्थएहि य सव्विड्ढीए जाव वाइएणं महया महया इंदाभिसेएणं अभिसिंचंति । तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स महया महया इंदाभिसेए वट्टमाणे अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं नच्चोययं नाइमट्टियं पविरलफुसियरेणुविणासणं दिव्वं सुरभिगन्धोदगं वासं वासेंति, अप्पेगइया देवा हयरयं नट्ठरयं भट्ठरयं उवसंतरयं पसंतरयं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं आसियसंमज्जिओवलित्तं सुइसंमट्ठरत्थंतरावणवीहियं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं मंचाइमंचकलियं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं णाणा-विहरागोसियं झयपडागाइपडागमंडियं करेंति, अप्पेगइया देवा सूरियाभं विमाणं लाउल्लोइयमहियं गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिण्णपंचंगुलितलं करेंति, अप्पेगइया देवा

कोडुम्बियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—"खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! चाउग्घण्टं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेह जाव पच्चप्पिणह"। तए णं ते कोडुम्बियपुरिसा जाव खिप्पामेव छत्तं सज्झयं जाव उवट्ठवित्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणन्ति। तए णं से चित्ते सारही कोडुम्बियपुरिसाणं अन्तिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए ण्हाए ०सरीरे जेणेव चाउग्घण्टे जाव दुरूहित्ता सकोरण्ट···महया भडचड० तं चेव जाव पज्जुवासइ धम्मक० जाव तए णं से चित्ते सारही केसिस्स कुमारसमणस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ० उट्ठाए तहेव एवं वयासी—"एवं खलु भन्ते! अम्हं पएसी राया अधम्मिए जाव सयस्स वि णं जणवयस्स नो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ। तं जइ णं देवाणुप्पिया! पएसिस्स रन्नो धम्ममाइक्खेज्जा बहुगुणतरं खलु होज्जा पएसिस्स रन्नो तेसिं च बहूणं दुपयचउप्पयमियपसुपक्खि-सिरीसिवाणं तेसिं च बहूणं समणमाहणभिक्खुयाणं। तं जइ णं देवाणुप्पिया! ···पएसिस्स बहुगुणतरं होज्जा सयस्स वि य णं जणवयस्स" ॥ ५७ ॥ तए णं केसी कुमारसमणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—"एवं खलु चउहिं ठाणेहिं चित्ता! जीवे केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभेज्जा सवणयाए। तं जहा—आरामगयं वा उज्जाणगयं वा समणं वा माहणं वा नो अभिगच्छइ नो वन्दइ नो नमंसइ नो सक्कारेइ नो संमाणेइ नो कल्लाणं मङ्गलं देवयं चेइयं पज्जुवासेइ, नो अट्ठाइं हेऊइं पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं पुच्छइ, एएणं ठाणेणं चित्ता! जीवे केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभइ सवणयाए १। उवस्सयगयं समणं वा तं चेव जाव एएण वि ठाणेणं चित्ता! जीवे केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभइ सवणयाए २। गोयरग्गगयं समणं वा माहणं वा जाव नो पज्जुवासइ, नो विउलेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेइ, नो अट्ठाइं जाव पुच्छइ, एएणं ठाणेणं चित्ता! जीवे केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभइ सवणयाए ३। जत्थ वि य णं समणेण वा माहणेण वा सद्धिं अभिसमागच्छइ, तत्थ वि य णं हत्थेण वा वत्थेण वा छत्तेण वा अप्पाणं आवरित्ता चिट्ठइ, नो अट्ठाइं जाव पुच्छइ, एएण वि ठाणेणं चित्ता! जीवे केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभइ सवणयाए ४। एएहिं च णं चित्ता! चउहिं ठाणेहिं जीवे केवलिपन्नत्तं धम्मं नो लभइ सवणयाए॥ चउहिं ठाणेहिं चित्ता! जीवे केवलीपन्नत्तं धम्मं लभइ सवणयाए। तं जहा—आरामगयं वा उज्जाणगयं वा समणं वा माहणं वा वन्दइ नमंसइ जाव पज्जुवासइ अट्ठाइं जाव पुच्छइ, एएण जाव लभइ सवणयाए। एवं उवस्सयगयं गोयरग्गगयं समणं वा जाव पज्जुवासइ विउलेणं जाव पडिलाभेइ अट्ठाइं जाव पुच्छइ, एएण वि···। जत्थ वि य णं समणेण वा···अभि-

करेंति, अप्पेगइया देवा कक्करगं करेंति, अप्पेगइया देवा दुहुदुहगं करेंति, अप्पेगइया चेलुक्खेवं करेंति, अप्पेगइया देवसन्निवायं देवुज्जोयं देवुक्कलियं देवकहकहगं देवदुहदुहगं चेलुक्खेवं करेंति, अप्पेगइया उप्पलहत्थगया जाव सयसहस्सपत्तहत्थगया, अप्पेगइया कलसहत्थगया जाव धूवकडुच्छुयहत्थगया हट्ठतुट्ठ जाव हियया सव्वओ समंता आहावंति परिधावंति। तए णं तं सूरियाभं देवं चत्तारि सामाणियसाहस्सीओ जाव सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीओ अण्णे य बहवे सूरियाभरायहाणिवत्थव्वा देवा य देवीओ य महया महया इंदाभिसेगेणं अभिसिंचंति अभिसिंचित्ता पत्तेगं पत्तेगं करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी-जय जय नंदा! जय जय भद्दा! जय जय नंदा! भद्दं ते, अजियं जिणाहि, जियं च पालेहि, जियमज्झे वसाहि इंदो इव देवाणं चंदो इव ताराणं चमरो इव असुराणं धरणो इव नागाणं भरहो इव मणुयाणं बहूइं पलिओवमाइं बहूइं सागरोवमाइं बहूइं पलिओवमसागरोवमाइं चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं सूरियाभस्स विमाणस्स अन्नेसिं च बहूणं सूरियाभविमाणवासीणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव महया महया कारेमाणे पालेमाणे विहराहित्तिकट्टु जय जय सद्दं पउंजंति। तए णं से सूरियाभे देवे महया महया इंदाभिसेगेणं अभिसित्ते समाणे अभिसेयसभाओ पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं निग्गच्छइ निग्गच्छित्ता जेणेव अलंकारियसभा तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता अलंकारियसभं अणुप्पयाहिणीकरेमाणे २ अलंकारियसभं पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ अणुपविसित्ता जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सन्निसन्ने। तए णं तस्स सूरियाभस्स देवस्स सामाणियपरिसोववन्नगा अलंकारियभंडं उवट्ठवेंति, तए णं से सूरियाभे देवे तप्पढमयाए पम्हलसूमालाए सुरभीए गंधकासाईए गायाइं लूहेइ लूहित्ता सरसेणं गोसीसचंदणेणं गायाइं अणुलिंपइ अणुलिंपित्ता नासानीसासवायवोज्झं चक्खुहरं वन्नफरिसजुत्तं हयलालापेलवाइरेगं धवलं कणगखचियन्तकम्मं आगासफालियसमप्पभं दिव्वं देवदूसजुयलं नियंसेइ नियंसेत्ता हारं पिणद्धेइ पिणद्धित्ता अद्धहारं पिणद्धेइ २ त्ता एगावलिं पिणद्धेइ पिणद्धित्ता मुत्तावलिं पिणद्धेइ पिणद्धित्ता रयणावलिं पिणद्धेइ पिणद्धित्ता एवं अंगयाइं केऊराइं कडगाइं तुडियाइं कडिसुत्तगं दसमुद्दाणंतगं वच्छसुत्तगं मुरविं कंठमुरविं पालंबं कुंडलाइं चूडामणिं मउडं पिणद्धेइ गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेणं चउव्विहेणं मल्लेणं कप्परुक्खगं पिव अप्पाणं अलंकियविभूसियं करेइ करित्ता दद्दरमलयसुगंधगंधिएहिं गायाइं भुखंडेइ दिव्वं च सुमणदामं पिणद्धेइ ॥ ३८ ॥ तए णं से सूरियाभे देवे केसालंकारेणं मल्लालंकारेणं आभरणालंकारेणं वत्थालंकारेण चउव्विहेण

जुत्तपालिया पत्तेयं पत्तेयं समयओ विणयओ किंकरभूया चिट्ठन्ति ॥ ४० ॥ सूरिया-भस्स णं भंते! देवस्स केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता। सूरियाभस्स णं भंते! देवस्स सामाणियपरिसोववण्णगाणं देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, महिड्ढिए महज्जुइए महब्बले महायसे महासोक्खे महाणुभागे सूरियाभे देवे, अहो णं भंते! सूरियाभे देवे महिड्ढिए जाव महाणुभागे ॥ ४१ ॥ "सूरियाभेणं भन्ते! देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी सा दिव्वा देवजुई से दिव्वे देवाणुभावे किण्णा लद्धे किण्णा पत्ते किण्णा अभिसमन्नागए? पुव्वभवे के आसी? किंनामए वा, को वा गोत्तेणं? कयरंसि वा गामंसि वा जाव संनिवेसंसि वा? किं वा दच्चा किं वा भोच्चा किं वा किच्चा किं वा समायरित्ता, कस्स वा तहारूवस्स समणस्स वा माहणस्स वा अन्तिए एगमवि आरियं धम्मियं सुवयणं सोच्चा निसम्म जं णं सूरियाभेणं देवेणं सा दिव्वा देविड्ढी जाव देवाणुभावे लद्धे पत्ते अभिसमन्नागए?"॥ ४२ ॥ "गोयमा" इ समणे भगवं महावीरे भगवं गोयमं आमन्तेत्ता एवं वयासी—"एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जम्बुद्दीवे दीवे भारहे वासे केइयअद्धे नामं जणवए होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धे०। तत्थ णं केइयअद्धे जणवए सेयविया नामं नयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा जाव पडिरूवा। तीसे णं सेयवियाए नयरीए बहिया उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए एत्थ णं मिगवणे नामं उज्जाणे होत्था रम्मे नन्दणवणप्पगासे सव्वोउयपुप्फ-फलसमिद्धे सुभसुरभिसीयलाए छायाए सव्वओ चेव समणुबद्धे पासादीए जाव पडिरूवे। तत्थ णं सेयवियाए नयरीए पएसी नामं राया होत्था, महया हिमवन्त जाव विहरइ, अधम्मिए अधम्मिट्ठे अधम्मक्खाई अधम्माणुए अधम्मपलोई अधम्म-पजणणे अधम्मसीलसमुदायारे अधम्मेण चेव वित्तिं कप्पेमाणे हणछिन्दभिन्दपवत्तए पावे चण्डे रुद्दे खुद्दे लोहियपाणी साहसिए उक्कञ्चणवञ्चणमायानियडिकूडकवडसाइ-संपओगबहुले निस्सीले निव्वए निग्गुणे निम्मेरे निप्पच्चक्खाणपोसहोववासे बहूणं दुपयचउप्पयमियपसुपक्खिसिरीसिवाणं घायाए वहाए उच्छेयणाए अधम्मकेऊ समु-ट्ठिए, गुरूणं नो अब्भुट्ठेइ, नो विणयं पउञ्जइ, समणमाहणाणं···नो विणयं पउञ्जइ, सयस्स वि य णं जणवयस्स नो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ ॥ ४३ ॥ तस्स णं पएसिस्स रन्नो सूरियकन्ता नामं देवी होत्था सुकुमालपाणिपाया (धारिणीवण्णओ) पएसिणा रन्ना सद्धिं अणुरत्ता अविरत्ता इट्ठे सद्दे रूवे जाव विहरइ। तस्स णं पएसिस्स रन्नो जेट्ठे पुत्ते सूरियकन्ताए देवीए अत्तए सूरियकन्ते नामं कुमारे होत्था सुकुमाल-पाणिपाए जाव पडिरूवे। से णं सूरियकन्ते कुमारे जुवराया वि होत्था, पएसिस्स

इट्ठे कन्ते पिए मणुण्णे थेज्जे वेसासिए संमए बहुमए अणुमए रयणकरण्डगसमाणे जीविउस्सविए हिययनन्दिजणणे उम्बरपुप्फं पिव दुल्लहे सवणयाए, किमङ्ग पुण पासणयाए। तं जइ णं से अज्जए ममं आगन्तुं वएज्जा—'एवं खलु नत्तुया! अहं तव अज्जए होत्था, इहेव सेयवियाए नयरीए अधम्मिए जाव नो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेमि। तए णं अहं सुबहुं पावं कम्मं कलिकलुसं समज्जिणित्ता नरएसु उववन्ने। तं मा णं नत्तुया! तुमं पि भवाहि अधम्मिए जाव नो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेहि। मा णं तुमं पि एवं चेव सुबहुं पावकम्मं जाव उववज्जिहिसि'। तं जइ णं से अज्जए ममं आगन्तुं एवं वएज्जा तो णं अहं सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं। जम्हा णं से अज्जए ममं आगन्तुं नो एवं वयासी तम्हा सुपइट्ठिया मम पइन्ना समणाउसो! जहा तं जीवो तं सरीरं" ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—"अत्थि णं पएसी! तव सूरियकन्ता नामं देवी?" "हन्ता अत्थि"। "जइ णं तुमं पएसी! तं सूरियकन्तं देविं ण्हायं सव्वालंकारविभूसियं केणइ पुरिसेणं सव्वालंकारविभूसिएणं सद्धिं इट्ठे सद्दफरिसरसरूव-गन्धे पञ्चविहे माणुस्सए कामभोगे पच्चणुभवमाणिं पासिज्जासि, तस्स णं तुमं पएसी! पुरिसस्स कं डण्डं निव्वत्तेज्जासि?" "अहं णं भन्ते! तं पुरिसं हत्थच्छिन्नगं वा पाय-च्छिन्नगं वा सूलाइयं वा सूलभिन्नगं वा एगाहच्चं कूडाहच्चं जीवियाओ ववरोवएज्जा"। "अह णं पएसी! से पुरिसे तुमं एवं वएज्जा—'मा ताव मे सामी! मुहुत्तगं हत्थच्छिन्नगं जाव जीवियाओ ववरोवेहि जाव तावाहं मित्तनाइनियगसयणसंबन्धिपरिजणं एवं वयामि–'एवं खलु देवाणुप्पिया० पावाइं कम्माइं समायरित्ता इमेयारूवं आवइं पावि-ज्जामि, तं मा णं देवाणुप्पिया! तुब्भे वि केइ पावाइं कम्माइं समायरउ, मा णं से वि एवं चेव आवइं पाविज्जिहिइ जहा णं अहं'। तस्स णं तुमं पएसी! पुरिसस्स खणमवि एयमट्ठं पडिसुणेज्जासि?" "नो इणट्ठे समट्ठे"। "कम्हा णं?" "जम्हा णं भन्ते! अवराही णं से पुरिसे"। "एवामेव पएसी! तव वि अज्जए होत्था इहेव सेयवियाए नयरीए अधम्मिए जाव नो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ। से णं अम्हं वत्तव्वयाए सुबहुं जाव उववन्नो। तस्स णं अज्जगस्स तुमं नत्तुए होत्था इट्ठे कन्ते जाव पासणयाए। से णं इच्छइ माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। चउहिं ठाणेहिं पएसी! अहुणोववन्नए नरएसु नेरइए इच्छइ माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, नो चेव णं संचाएइ अहुणोववन्नए नरएसु नेरइए०। से णं तत्थ महब्भूयं वेयणं वेएमाणे इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्व···नो चेव णं संचाएइ···१। अहुणोववन्नए नरएसु नेरइए नरयपालेहिं भुज्जो २ समहिट्ठिज्जमाणे इच्छइ माणुसं

साओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता सेयवियं नयरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता सुहेहिं वासेहिं पायरासेहिं नाइविकिट्ठेहिं अन्तरावासेहिं वसमाणे २ केइयअद्धस्स जणवयस्स मज्झंमज्झेणं जेणेव कुणाला जणवए जेणेव सावत्थी नयरी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सावत्थीए नयरीए मज्झंमज्झेणं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव जियसत्तुस्स रन्नो गिहे, जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला, तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तुरए निगिण्हइ २ त्ता रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता तं महत्थं जाव पाहुडं गिण्हइ २ त्ता जेणेव अब्भिन्तरिया उवट्ठाणसाला जेणेव जियसत्तू राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जियसत्तुं रायं करयल-परिग्गहियं जाव कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता तं महत्थं जाव पाहुडं उवणेइ। तए णं से जियसत्तू राया चित्तस्स सारहिस्स तं महत्थं जाव पाहुडं पडिच्छइ २ त्ता चित्तं सारहिं सक्कारेइ संमाणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ, रायमग्गमोगाढं च से आवासं दलयइ। तए णं से चित्ते सारही विसज्जिए समाणे जियसत्तुस्स रन्नो अन्तियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घण्टे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घण्टं आसरहं दुरुहइ २ त्ता सावत्थिं नयरिं मज्झंमज्झेणं जेणेव रायमग्गमोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तुरए निगिण्हइ २ त्ता रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ, ण्हाए सुद्धप्पावेसाइं मंगलाइं वत्थाइं पवरपरिहिए, अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे, जिमियभुत्तुत्तरागए वि य णं समाणे पुव्वावरण्हकालसमयंसि गन्धव्वेहि य नाडगेहि य उवनच्चिज्जमाणे २ उवगाइज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ इट्ठे सद्दफरिसरसरूवगन्धे पञ्चविहे माणुस्सए कामभोए पच्चणुभवमाणे विहरइ ॥ ४७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासावच्चिज्जे केसी नामं कुमारसमणे जाइसंपन्ने कुलसंपन्ने बलसंपन्ने रूवसंपन्ने विणयसंपन्ने नाणसंपन्ने दंसणसंपन्ने चरित्तसंपन्ने लज्जासंपन्ने लाघवसंपन्ने लज्जालाघवसंपन्ने ओयंसी तेयंसी वच्चंसी जसंसी जियकोहे जियमाणे जियमाए जियलोहे जियनिद्दे जिइन्दिए जियपरीसहे जीवियासमरणभयविप्पमुक्के तवप्पहाणे गुणप्पहाणे करणप्पहाणे चरणप्पहाणे निग्गहप्पहाणे निच्छयप्पहाणे अज्जवप्पहाणे मद्दवप्पहाणे लाघवप्पहाणे खन्तिप्पहाणे मुत्तिप्पहाणे विज्जप्पहाणे मन्तप्पहाणे बम्भप्पहाणे नयप्पहाणे नियमप्पहाणे सच्चप्पहाणे सोयप्पहाणे नाणप्पहाणे दंसणप्पहाणे चरित्तप्पहाणे…चउदसपुव्वी, चउनाणोवगए पञ्चहिं अणगारसएहिं सद्धिं संपरिवुडे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे सुहंसुहेणं विहरमाणे जेणेव सावत्थी नयरी जेणेव कोट्ठए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सावत्थीए नयरीए बहिया कोट्ठए उज्जाणे अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हइ २ त्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ४८ ॥ तए णं सावत्थीए नयरीए सिंघाडगतिगचउक्क-

कामभोगेहिं मुच्छिए गिद्धे गढिए अज्झोववन्ने, से णं माणुसे भोगे नो आढाइ नो परिजाणाइ, से णं इच्छिज्ज माणुसं...नो चेव णं संचाएइ...१। अहुणोववन्नए देवे देवलोएसु दिव्वेहिं कामभोगेहिं मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने, तस्स णं माणुस्से पेम्मे वोच्छिन्नए भवइ, दिव्वे पेम्मे संकन्ते भवइ, से णं इच्छेज्जा माणुसं... नो चेव णं संचाएइ...२। अहुणोववन्ने देवे दिव्वेहिं कामभोगेहिं मुच्छिए जाव अज्झोववन्ने, तस्स णं एवं भवइ-इयाणिं गच्छं मुहुत्तं गच्छं जाव इह अप्पाउया नरा कालधम्मुणा संजुत्ता भवन्ति, से णं इच्छेज्जा माणुसं... नो चेव णं संचाएइ...३। अहुणोववन्ने देवे दिव्वेहिं जाव अज्झोववन्ने तस्स माणुस्सए उराले दुग्गन्धे पडिकूले पडिलोमे भवइ, उड्ढं पि य णं चत्तारि पञ्च जोयणसयाइं असुभे माणुस्सए गन्धे अभिसमागच्छइ, से णं इच्छेज्जा माणुसं...नो चेव णं संचाए...४। इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं पएसी! अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु इच्छेज्जा माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। तं सद्दहाहि णं तुमं पएसी! जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं" ॥ २ ॥ ६२ ॥ तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"अत्थि णं भन्ते! एसा पन्ना उवमा। इमेणं पुण कारणेणं नो उवागच्छइ। एवं खलु भन्ते! अहं अन्नया कयाइ बाहिरियाए उवट्ठाणसालाए अणेगगणनायगदण्डनायगराईसरतलवरमाडंबियकोडुम्बियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहमन्तिमहामन्तिगणगदोवारियअमच्चचेडपीढमद्दनगरनिगमदूयसंधिवालेहिं सद्धिं संपरिवुडे विहरामि। तए णं मम नगरगुत्तिया ससक्खं सलोद्दं सगेवेज्जं अवओडयबन्धणबद्धं चोरं उवणेन्ति। तए णं अहं तं पुरिसं जीवन्तं चेव अउकुम्भीए पक्खिवावेमि, अउमएणं पिहाणएणं पिहावेमि, अएण य तउएण य आयावेमि, आयपच्चइयएहिं पुरिसेहिं रक्खावेमि। तए णं अहं अन्नया कयाइ जेणामेव सा अउकुम्भी तेणामेव उवागच्छामि २ त्ता तं अउकुम्भिं उग्गलच्छावेमि २ त्ता तं पुरिसं सयमेव पासामि। नो चेव णं तीसे अउकुम्भीए केइ छिड्डे इ वा विवरे इ वा अन्तरे इ वा राई इ वा जओ णं से जीवे अन्तोहिंतो बहिया निग्गए। जइ णं भन्ते! तीसे अउकुम्भीए होज्जा केइ छिड्डे वा जाव राई वा जओ णं से जीवे अन्तोहिंतो बहिया निग्गए तो णं अहं सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं। जम्हा णं भन्ते! तीसे अउकुम्भीए नत्थि केइ छिड्डे वा जाव निग्गए तम्हा सुपइट्ठिया मे पइन्ना जहा तं जीवो तं सरीरं नो अन्नो जीवो अन्नं सरीरं" ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी-"पएसी! से जहानामए कूडागारसाला सिया दुहओलित्ता गुत्ता गुत्तदुवारा निवायगम्भीरा। अह णं केइ पुरिसे

सेज्जासंथारेणं वत्थपडिग्गहकम्बलपायपुञ्छणेणं ओसहभेसज्जेणं पडिलाभेमाणे २ बहूहिं सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासेहि य अप्पाणं भावेमाणे जाइं तत्थ रायकज्जाणि य जाव रायववहाराणि य ताइं जियसत्तुणा रन्ना सद्धिं सयमेव पच्चुवेक्खमाणे २ विहरइ ॥ ५१ ॥ तए णं से जियसत्तुराया अन्नया कयाइ महत्थं जाव पाहुडं सज्जेइ २ त्ता चित्तं सारहिं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी—"गच्छाहि णं तुमं चित्ता ! सेयवियं नयरिं । पएसिस्स रन्नो इमं महत्थं जाव पाहुडं उवणेहि । मम पाउग्गं च णं जहाभणियं अवितहमसंदिद्धं वयणं विन्नवेहि" त्तिकट्टु विसज्जिए ॥ तए णं से चित्ते सारही जियसत्तुणा रन्ना विसज्जिए समाणे तं महत्थं जाव गिण्हइ जाव जियसत्तुस्स रन्नो अन्तियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता सावत्थीनयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव रायमग्गमोगाढे आवासे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं महत्थं जाव ठवेइ । ण्हाए ०सरीरे सकोरेण्ट···महया···पायचारविहारेणं महया पुरिसवग्गुरापरिक्खित्ते रायमग्गमोगाढाओ आवासाओ निग्गच्छइ २ त्ता सावत्थीनयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव कोट्ठए उज्जाणे जेणेव केसीकुमारसमणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता केसिकुमारसमणस्स अन्तिए धम्मं सोच्चा जाव हट्ठ···जाव एवं वयासी—"एवं खलु अहं भन्ते ! जियसत्तुणा रन्ना पएसिस्स रन्नो इमं महत्थं जाव उवणेहित्तिकट्टु विसज्जिए । तं गच्छामि णं अहं भन्ते ! सेयवियं नयरिं । पासादीया णं भन्ते ! सेयविया नयरी । दरिसणिज्जा णं भन्ते ! सेयविया नयरी । अभिरूवा णं भन्ते ! सेयविया नयरी । पडिरूवा णं भन्ते ! सेयविया नयरी । समोसरह णं भन्ते ! सेयवियं नयरिं" । तए णं से केसी कुमारसमणे चित्तेणं सारहिणा एवं वुत्ते समाणे चित्तस्स सारहिस्स एयमट्ठं नो आढाइ नो परिजाणाइ, तुसिणीए संचिट्ठइ । तए णं से चित्ते सारही केसिं कुमारसमणं दोच्चं पि तच्चं पि एवं वयासी—"एवं खलु अहं भन्ते ! जियसत्तुणा रन्ना पएसिस्स रन्नो इमं महत्थं जाव विसज्जिए तं चेव जाव समोसरह णं भन्ते ! तुब्भे सेयवियं नयरिं" । तए णं केसी कुमारसमणे चित्तेणं सारहिणा दोच्चं पि तच्चं पि एवं वुत्ते समाणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—"चित्ता ! से जहानामए वणसण्डे सिया किण्हे किण्होभासे जाव पडिरूवे । से नूणं चित्ता ! से वणसण्डे बहूणं दुपयचउप्पयमियपसुपक्खिसरीसिवाणं अभिगमणिज्जे ?" "हन्ता अभिगमणिज्जे "। तंसि च णं चित्ता ! वणसण्डंसि बहवे भिलुंगा नाम पावसउणा परिवसन्ति जे णं तेसिं बहूणं दुपयचउप्पयमियपसुपक्खिसरीसिवाणं ठियाणं ˜ संससोणियं आहारेन्ति । से नूणं चित्ता ! से वणसण्डे तेसि णं बहूणं ··· अभिगमणिज्जे ?" "नो" ति । "कम्हा णं ?" "भंते !

चेव से पुरिसे जाव मन्दविन्नाणे नो पभू पञ्चकण्डगं निसिरित्तए, तम्हा सुपइट्ठिया मे पइन्ना जहा तं जीवो तं चेव" ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी-"से जहानामए केइ पुरिसे तरुणे जाव ०सिप्पोवगए नवएणं धणुणा नवियाए जीवाए नवएणं उसुणा पभू पञ्चकण्डगं निसिरित्तए?" "हन्ता पभू"। "सो चेव णं पुरिसे तरुणे जाव निउणसिप्पोवगए कोरिल्लिएणं धणुणा कोरिल्लियाए जीवाए कोरिल्लिएणं उसुणा पभू पञ्चकण्डगं निसिरित्तए?" "नो इणट्ठे समट्ठे"। "कम्हा णं?" "भन्ते! तस्स पुरिसस्स अपज्जत्ताइं उवगरणाइं हवन्ति"। "एवामेव पएसी! सो चेव पुरिसे बाले जाव मन्दविन्नाणे अपज्जत्तोवगरणे, नो पभू पञ्चकण्डगं निसिरित्तए। तं सद्दहाहि णं तुमं पएसी! जहा अन्नो जीवो तं चेव" ॥ ५ ॥ ६५ ॥

तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"अत्थि णं भन्ते! एसा पन्ना उवमा, इमेण पुण कारणेणं नो उवागच्छइ। भन्ते! से जहानामए केइ पुरिसे तरुणे जाव ०सिप्पोवगए पभू एगं महं अयभारगं वा तउयभारगं वा सीसगभारगं वा परिवहित्तए?" "हन्ता पभू"। "सो चेव णं भंते! पुरिसे जुण्णे जराजज्जरियदेहे सिढिलवलितयाविणट्ठगत्ते दण्डपरिग्गहियग्गहत्थे पविरलपरिसडियदन्तसेढी आउरे किसिए पिवासिए दुब्बले किलन्ते नो पभू एगं महं अयभारगं वा जाव परिवहित्तए। जइ णं भन्ते! स चेव पुरिसे जुण्णे जराजज्जरियदेहे जाव परिकिलन्ते पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए, तो णं अहं सद्देहेज्जा…तहेव। जम्हा णं भंते! से चेव पुरिसे जुण्णे जाव किलन्ते नो पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए, तम्हा सुपइट्ठिया मे पइन्ना…तहेव" ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी-"से जहानामए केइ पुरिसे तरुणे जाव ०सिप्पोवगए नवियाए विहङ्गियाए नवएहिं सिक्कएहिं नवएहिं पत्थियपिडएहिं पहू एगं महं अयभारं जाव परिवहित्तए?" "हन्ता पभू"। "पएसी! से चेव णं पुरिसे तरुणे जाव ०सिप्पोवगए जुण्णियाए दुब्बलियाए घुणक्खइयाए विहङ्गियाए दुब्बलएहिं जुण्णएहिं घुणक्खइएहिं सिढिलतयापिणद्धएहिं सिक्कएहिं जुण्णएहिं दुब्बलएहिं घुणक्खइएहिं पत्थियपिडएहिं पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए?" "नो इणट्ठे समट्ठे"। "कम्हा णं?" "भन्ते! तस्स पुरिसस्स जुण्णाइं उवगरणाइं हवन्ति"। "पएसी! से चेव से पुरिसे जुण्णे जाव किलन्ते जुण्णोवगरणे नो पभू एगं महं अयभारं वा जाव परिवहित्तए। तं सद्दहाहि णं तुमं पएसी! जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं" ॥६॥६६॥

तए णं से पएसी केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"अत्थि णं भन्ते! जाव नो उवागच्छइ। एवं खलु भन्ते! जाव विहरामि। तए णं मम नगरगुत्तिया

रहं ठवेइ २ त्ता रहाओ पच्चोरुहइ २ त्ता ण्हाए अप्प० उप्पिं पासायवरगए फुट्टमाणेहिं मुइङ्गमत्थएहिं बत्तीसइबद्धएहिं नाडएहिं वरतरुणीसंपउत्तेहिं उवनच्चिज्जमाणे २ उवगाइज्जमाणे २ उवलालिज्जमाणे २ इट्ठे सद्दफरिस जाव विहरइ ॥ ५४ ॥ तए णं केसीकुमारसमणे अन्नया कयाइ पाडिहारियं पीढफलगसेज्जासंथारगं पच्चप्पिणइ २ त्ता सावत्थीओ नयरीओ कोट्ठगाओ उज्जाणाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता पञ्चहिं अणगारसएहिं जाव विहरमाणे जेणेव केइयअद्धे जणवए जेणेव सेयविया नयरी जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं उग्गिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ ॥ ५५ ॥ तए णं सेयवियाए नयरीए सिंघाडग···महया जणसद्दे इ वा···परिसा निग्गच्छइ। तए णं ते उज्जाणपालगा इमीसे कहाए लद्धट्ठा समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया जेणेव केसी कुमारसमणे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता केसिं कुमारसमणं वन्दन्ति नमंसन्ति वं० २ त्ता अहापडिरूवं उग्गहं अणुजाणन्ति० पाडिहारिएणं जाव संथारएणं उवनिमन्तेन्ति० नामं गोयं पुच्छन्ति० ओधारेन्ति० एगन्तं अवक्कमन्ति २ त्ता अन्नमन्नं एवं वयासी–"जस्स णं देवाणुप्पिया! चित्ते सारही दंसणं कंखइ० जस्स णं नामगोयस्स वि सवणयाए हट्ठतुट्ठ जाव हियए भवइ से णं एस केसी कुमारसमणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे इहमागए इह संपत्ते इह समोसढे इहेव सेयवियाए नयरीए बहिया मियवणे उज्जाणे अहापडिरूवं जाव विहरइ। तं गच्छामो णं देवाणुप्पिया! चित्तस्स सारहिस्स एयमट्ठं पियं निवेएमो, पियं से भवउ"। अन्नमन्नस्स अन्तिए एयमट्ठं पडिसुणन्ति। जेणेव सेयविया नयरी जेणेव चित्तस्स सारहिस्स गिहे जेणेव चित्ते सारही तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता चित्तं सारहिं करयल जाव वद्धावेन्ति २ त्ता एवं वयासी–"जस्स णं देवाणुप्पिया! दंसणं कंखन्ति जाव अभिलसन्ति, जस्स णं नामगोयस्स वि सवणयाए हट्ठ जाव भवइ, से णं अयं केसी कुमारसमणे पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे···समोसढे जाव विहरइ ॥ ५६ ॥ तए णं से चित्ते सारही तेसिं उज्जाणपालगाणं अन्तिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव आसणाओ अब्भुट्ठेइ, पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासङ्गं करेइ। अञ्जलिमउलियग्गहत्थे केसिकुमारसमणाभिमुहे सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं० सिरसावत्तं मत्थए अञ्जलिं कट्टु एवं वयासी–"नमोत्थु णं अरहन्ताणं जाव संपत्ताणं। नमोत्थु णं केसिस्स कुमारसमणस्स मम धम्मायरियस्स धम्मोवएसगस्स। वन्दामि णं भगवन्तं तत्थगयं इहगए। पासउ मे" त्तिकट्टु वन्दइ नमंसइ। ते उज्जाणपालए विउलेणं वत्थगन्धमल्लाले-

समागच्छइ तत्थ वि य णं नो हत्थेण वा जाव आवरेत्ताणं चिट्ठइ, एएण वि ठाणेणं चित्ता! जीवे केवलिपन्नत्तं धम्मं लभइ सवणयाए। तुज्झं च णं चित्ता! पएसी राया आरामगयं वा तं चेव सव्वं भाणियव्वं आइल्लएणं गमएणं जाव अप्पाणं आवरेत्ता चिट्ठइ। तं कहं णं चित्ता! पएसिस्स रन्नो धम्ममाइक्खिस्सामो?"। तए णं से चित्ते सारही केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—"एवं खलु भन्ते! अन्नया कयाइ कम्बोएहिं चत्तारि आसा उवणयं उवणीया। ते मए पएसिस्स रन्नो अन्नया चेव उवणेया। तं एएणं खलु भन्ते! कारणेणं अहं पएसिं रायं देवाणुप्पियाणं अन्तिए हव्वमाणेस्सामि। तं मा णं देवाणुप्पिया! तुब्भे पएसिस्स रन्नो धम्ममाइक्खमाणा गिलाएज्जाह। अगिलाए णं भंते! तुब्भे पएसिस्स रन्नो धम्ममाइक्खेज्जाह छंदेणं०"। तए णं से केसी कुमारसमणे चित्तं सारहिं एवं वयासी—"अवि याइ चित्ता! जाणिस्सामो"॥ तए णं से चित्ते सारही केसिं कुमारसमणं वन्दइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव चाउग्घण्टे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घण्टं आसरहं दुरुहइ, जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए॥ ५८॥ तए णं से चित्ते सारही कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मिलियम्मि अहापण्डुरे पभाए कयनियमावस्सए सहस्सरस्सिंसि दिणयरे तेयसा जलन्ते साओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव पएसिस्स रन्नो गिहे जेणेव पएसी राया तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पएसिं रायं करयल जाव कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता एवं वयासी-"एवं खलु देवाणुप्पियाणं कम्बोएहिं चत्तारि आसा उवणयं उवणीया। ते य मए देवाणुप्पियाणं अन्नया चेव विणइया। तं एह णं सामी! ते आसे चिट्ठं पासह"। तए णं से पएसी राया चित्तं सारहिं एवं वयासी—"गच्छाहि णं तुमं चित्ता! तेहिं चेव चउहिं आसेहिं आसरहं जुत्तामेव उवट्ठवेहि जाव पच्चप्पिणाहि"। तए णं से चित्ते सारही पएसिणा रण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए० उवट्ठवेइ २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणइ। तए णं से पएसी राया चित्तस्स सारहिस्स अन्तिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ निग्गच्छइ २ त्ता जेणामेव चाउग्घण्टे आसरहे तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घण्टं आसरहं दुरुहइ० सेयवियाए नयरीए मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ। तए णं से चित्ते सारही तं रहं णेगाइं जोयणाइं उब्भामेइ। तए णं से पएसी राया उण्हेण य तण्हाए य रहवाएणं परिकिलन्ते समाणे चित्तं सारहिं एवं वयासी-"चित्ता! परिकिलन्ते मे सरीरे, परावत्तेहि रहं"। तए णं से चित्ते सारही रहं परा० २ त्ता जेणेव मियवणे उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पएसिं रायं एवं वयासी-

मे देवाणुप्पिया ! अए; असिलिट्ठबन्धणबद्धे मे देवाणुप्पिया ! अए; धणियबन्धणबद्धे मे देवाणुप्पिया ! अए; नो संचाएमि अयभारगं छड्डेत्ता तउयभारगं बन्धित्तए'। तए णं ते पुरिसा तं पुरिसं जाहे नो संचाएन्ति बहूहिं आघवणाहि य पन्नवणाहि य आघवित्तए वा पन्नवित्तए वा, तया अहाणुपुव्वीए संपत्थिया॥ एवं तम्बागरं रुप्पागरं सुवण्णागरं रयणागरं वइरागरं॥ तए णं ते पुरिसा जेणेव सया २ जणवया जेणेव साइं २ नयराइं तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता वइरविक्कयणं करेन्ति २ त्ता सुबहुदासीदासगोमहिसगवेलगं गिण्हन्ति २ त्ता अट्ठतलमूसियवडिंसगे कारावेन्ति। ण्हाया अप्प० उप्पिं पासायवरगया फुट्टमाणेहिं मुइङ्गमत्थएहिं बत्तीसइबद्धएहिं नाडएहिं वरतरुणीसंपउत्तेहिं उवनच्चिज्जमाणा उवलालिज्जमाणा इट्ठे सद्दफरिस जाव विहरन्ति॥ तए णं से पुरिसे अयभारेण जेणेव सए नयरे तेणेव उवागच्छइ। अयविक्किणणं करेइ २ त्ता तंसि अप्पमोल्लंसि निहियंसि झीणपरिव्वए ते पुरिसे उप्पिं पासायवरगए जाव विहरमाणे पासइ २ त्ता एवं वयासी–'अहो णं अहं अधन्नो अपुण्णो अकयत्थो अकयलक्खणो हिरिसिरिवज्जिए हीणपुण्णचाउद्दसे दुरन्तपन्तलक्खणे। जइ णं अहं मित्ताण वा नाईण वा नियगाण वा सुणेन्तओ, तो णं अहं पि एवं चेव उप्पिं पासायवरगए जाव विहरन्तो'। से तेणट्ठेणं पएसी! एवं वुच्चइ–मा णं तुमं पएसी! पच्छाणुताविए भवेज्जासि जहा व से पुरिसे अयहारए" ॥ ७२ ॥ एत्थ णं से पएसी राया संबुद्धे केसिं कुमारसमणं वन्दइ जाव एवं वयासी–"नो खलु भन्ते! अहं पच्छाणुताविए भविस्सामि जहा व से पुरिसे अयभारिए। तं इच्छामि णं देवाणुप्पियाणं अन्तिए केवलिपन्नत्तं धम्मं निसामित्तए"। "अहासुहं देवाणुप्पिया! मा पडिबन्धं करेहि"। धम्मकहा जहा चित्तस्स, तहेव गिहिधम्मं पडिवज्जइ २ त्ता जेणेव सेयविया नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी–"जाणासि तुमं पएसी! कइ आयरिया पन्नत्ता?" "हन्ता जाणामि, तओ आयरिया पन्नत्ता। तं जहा–कलायरिए सिप्पायरिए धम्मायरिए"। "जाणासि णं तुमं पएसी! तेसिं तिण्हं आयरियाणं कस्स का विणयपडिवत्ती पउञ्जियव्वा?" "हन्ता जाणामि, कलायरियस्स सिप्पायरियस्स उवलेवणं संमज्जणं वा करेज्जा पुरओ पुप्फाणि वा आणवेज्जा मज्जावेज्जा मण्डावेज्जा भोयावेज्जा वा, विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलएज्जा, पुत्ताणुपुत्तियं वित्तिं कप्पेज्जा। जत्थेव धम्मायरियं पासिज्जा तत्थेव वन्देज्जा नमंसेज्जा सक्कारेज्जा संमाणेज्जा कल्लाणं मङ्गलं देवयं चेइयं पज्जुवासेज्जा, फासुएसणिज्जेणं असणपाणखाइमसाइमेणं पडिलाभेज्जा, पाडिहारिएणं पीढफलगसेज्जासंथारएणं उवनिमन्तेज्जा"। "एवं च ताव

"हन्ता अत्थि" ॥ तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"से के णं भन्ते ! तुज्झं नाणे वा दंसणे वा जेणं तुज्झे मम एयारूवं अज्झत्थियं जाव संकप्पं समुप्पन्नं जाणह पासह ?" । तए णं से केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी-"एवं खलु पएसी ! अम्हं समणाणं निग्गन्थाणं पञ्चविहे नाणे प० तं जहा-आभिणिबोहियनाणे सुयनाणे ओहिनाणे मणपज्जवनाणे केवलनाणे । से किं तं आभिणिबोहियनाणे ? आभिणिबोहियनाणे चउव्विहे पन्नत्ते, तं जहा—उग्गहो ईहा अवाए धारणा । से किं तं उग्गहे ? उग्गहे दुविहे पन्नत्ते जहा नन्दीए जाव से तं आभिणिबोहियनाणे । से किं तं सुयनाणे ? सुयनाणे दुविहे प० तं जहा-अङ्ग-पविट्ठं च अङ्गबाहिरं च, सव्वं भाणियव्वं जाव दिट्ठिवाओ । ओहिनाणं भवपच्चइयं खओवसमियं जहा नन्दीए । मणपज्जवनाणे दुविहे प० तं जहा-उज्जुमई य विउलमई य । तहेव केवलनाणं सव्वं भाणियव्वं । तत्थ णं जे से आभिणिबोहिय-नाणे से णं ममं अत्थि । तत्थ णं जे से सुयनाणे से वि य ममं अत्थि । तत्थ णं जे से ओहिनाणे से वि य ममं अत्थि । तत्थ णं जे से मणपज्जवनाणे से वि य ममं अत्थि । तत्थ णं जे से केवलनाणे से णं ममं नत्थि, से णं अरिहन्ताणं भगव-न्ताणं । इच्चेएणं पएसी ! अहं तव चउविहेणं छउमत्थेणं णाणेणं इमेयारूवं अज्झ-त्थियं जाव समुप्पन्नं जाणामि पासामि" ॥ ६० ॥ तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—"अहं णं भन्ते ! इहं उवविसामि ?" "पएसी ! एयाए उज्जाणभूमीए तुमं सि चेव जाणए" । तए णं से पएसी राया चित्तेणं सारहिणा सद्धिं केसिस्स कुमारसमणस्स अदूरसामन्ते उवविसइ २ त्ता केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—"तुब्भं णं भन्ते ! समणाणं निग्गन्थाणं एसा सन्ना एसा पइन्ना एसा दिट्ठी एसा रुई एस हेऊ एस उवएसे एस संकप्पे एसा तुला एस माणे एस पमाणे एस समोसरणे जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं ?" । तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—"पएसी ! अम्हं समणाणं निग्गन्थाणं एसा सन्ना जाव एस समोसरणे जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं" । तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—"जइ णं भन्ते ! तुब्भं समणाणं निग्गन्थाणं एसा सन्ना जाव समोसरणे जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं । एवं खलु ममं अज्जए होत्था, इहेव जम्बुद्दीवे दीवे सेयवियाए नयरीए अधम्मिए जाव सयस्स वि य णं जणवयस्स नो सम्मं करभरवित्तिं पवत्तेइ । से णं तुब्भं वत्तव्वयाए सुबहुं पावं कम्मं कलिकलुसं समज्जिणित्ता कालमासे कालं

५। अन्नयरेसु नरएसु नेरइयत्ताए उववन्ने । तस्स णं अज्जगस्स अहं नत्तुए होत्था

लोगं हव्वमागच्छित्तए नो चेव णं संचाएइ···२। अहुणोववन्नए नरएसु नेरइए निरय-वेयणिज्जंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अनिज्जिण्णंसि इच्छइ माणुसं लोगं···नो चेव णं संचाएइ···३। एवं नेरइए निरयाउयंसि कम्मंसि अक्खीणंसि अवेइयंसि अनिज्जिण्णंसि इच्छइ माणुसं लोगं···नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए ४। इच्चेएहिं चउहिं ठाणेहिं पएसी ! अहुणोववन्ने नरएसु नेरइए इच्छइ माणुसं लोगं···नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। तं सद्दहाहि णं पएसी ! जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं" ॥ १ ॥ ६१ ॥ तए णं से पएसी राया केसिं कुमार-समणं एवं वयासी–"अत्थि णं भन्ते ! एसा पन्ना उवमा, इमेण पुण कारणेणं नो उवागच्छइ एवं खलु भन्ते ! मम अज्जिया होत्था इहेव सेयवियाए नयरीए धम्मिया जाव वित्तिं कप्पेमाणी समणोवासिया अभिगयजीवाजीवा सव्वो वण्णओ जाव अप्पाणं भावेमाणी विहरइ। सा णं तुज्झं वत्तव्वयाए सुबहुं पुण्णोवचयं समज्जिणित्ता कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववन्ना। तीसे णं अज्जियाए अहं नत्तुए होत्था इट्ठे कन्ते जाव पासणयाए। तं जइ णं सा अज्जिया ममं आगन्तुं एवं वएज्जा–'एवं खलु नत्तुया ! अहं तव अज्जिया होत्था इहेव सेयवियाए नयरीए धम्मिया जाव वित्तिं कप्पेमाणी समणोवासिया जाव विहरामि। तए णं अहं सुबहुं पुण्णोवचयं समज्जि-णित्ता जाव देवलोएसु उववन्ना। तं तुमं पि नत्तुया ! भवाहि धम्मिए जाव विहराहि। तए णं तुमं पि एवं चेव सुबहुं पुण्णोवचयं सम···जाव उववज्जिहिसि'। तं जइ णं सा अज्जिया मम आगन्तुं एवं वएज्जा, तो णं अहं सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा जहा अन्नो जीवो अन्नं सरीरं नो तं जीवो तं सरीरं। जम्हा सा अज्जिया ममं आगन्तुं नो एवं वयासी तम्हा सुपइट्ठिया मे पइन्ना जहा तं जीवो तं सरीरं नो अन्नो जीवो अन्नं सरीरं"॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसीरायं एवं वयासी—"जइ णं तुमं पएसी ! ण्हायं उल्लपडसाडगं भिङ्गारकडुच्छुयहत्थगयं देवकुलमणुपविसमाणं केइ पुरिसे वच्चघरंसि ठिच्चा एवं वएज्जा–'एह ताव सामी ! इह मुहुत्तगं आसयह वा चिट्ठह वा निसीयह वा तुयट्टह वा' तस्स णं तुमं पएसी ! पुरिसस्स खणमवि एयमट्ठं पडिसुणिज्जासि?" "नो" ति०। "कम्हा णं?" "भन्ते ! असुइ २ सामन्तो"। "एवामेव पएसी ! तव वि अज्जिया होत्था इहेव सेयवियाए नयरीए धम्मिया जाव विहरइ। सा णं अम्हं वत्तव्वयाए सुबहुं जाव उववन्ना, तीसे णं अज्जियाए तुमं नत्तुए होत्था इट्ठे जाव किमङ्ग पुण पासणयाए। सा णं इच्छइ माणुसं लोगं हव्वमागच्छित्तए, नो चेव णं संचाएइ हव्वमागच्छित्तए। चउहिं ठाणेहिं पएसी ! अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु ~६~ माणुसं लोगं···नो चेव णं संचाएइ०। अहुणोववन्ने देवे देवलोएसु दिव्वेहिं

भेरिं च दण्डं च गहाय कूडागारसालाए अन्तो २ अणुपविसइ २ त्ता तीसे कूडागारसालाए सव्वओ समन्ता घणनिचियनिरन्तरनिच्छिड्डाइं दुवारवयणाइं पिहेइ । तीसे कूडागारसालाए वहुमज्झदेसभाए ठिच्चा तं भेरिं दण्डएणं महया २ सद्देणं तालेज्जा । से नूणं पएसी ! से णं सद्दे अन्तोहिंतो वहिया निग्गच्छइ ?" "हन्ता निग्गच्छइ" । "अत्थि णं पएसी ! तीसे कूडागारसालाए केइ छिड्डे वा जाव राई वा जओ णं से सद्दे अन्तोहिंतो वहिया निग्गए ?" "नो इणट्ठे समट्ठे" । "एवामेव पएसी ! जीवे वि अप्पडिहयगई पुढविं भिच्चा सिलं भिच्चा पव्वयं भिच्चा अन्तोहिंतो वहिया निग्गच्छइ । तं सद्दहाहि णं तुमं पएसी ! अन्नो जीवो ··· तं चेव" ॥ ३ ॥ ६३ ॥

तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"अत्थि णं भन्ते ! एसा पन्ना उवमा । इमेण पुण कारणेणं नो उवागच्छइ । एवं खलु भन्ते ! अहं अन्नया कयाइ वाहिरियाए उवट्ठाणसालाए जाव विहरामि । तए णं ममं नगरगुत्तिया ससक्खं जाव उवणेन्ति । तए णं अहं तं पुरिसं जीवियाओ ववरोवेमि २ त्ता अओकुम्भीए पक्खिवामि २ त्ता अउमएणं पिहाणएणं पिहावेमि जाव पच्चइएहिं पुरिसेहिं रक्खावेमि । तए णं अहं अन्नया कयाइ जेणेव सा कुम्भी तेणेव उवागच्छामि २ त्ता तं अउकुम्भिं उग्गलच्छावेमि । तं अउकुम्भिं किमिकुम्भिं पिव पासामि । नो चेव णं तीसे अउकुम्भीए केइ छिड्डे वा जाव राई वा जओ णं ते जीवा वहियाहिंतो अन्तो अणुपविट्ठा । जइ णं तीसे अउकुम्भीए होज्ज केइ छिड्डे जाव अणुपविट्ठा, तए णं अहं सद्दहेज्जा जहा अन्नो जीवो तं चेव । जम्हा णं तीसे अउकुम्भीए नत्थि केइ छिड्डे वा जाव अणुपविट्ठा तम्हा सुपइट्ठिया मे पइन्ना जहा तं जीवो तं सरीरं तं चेव" ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी-"अत्थि णं तुमे पएसी ! कयाइ अए धन्तपुव्वे वा धमावियपुव्वे वा ?" "हन्ता अत्थि" । "से नूणं पएसी ! अए धन्ते समाणे सव्वे अगणिपरिणए भवइ ?" "हन्ता भवइ" । "अत्थि णं पएसी ! तस्स अयस्स केइ छिड्डे वा० जेणं से जोई वहियाहिंतो अन्तो अणुपविट्ठे ?" "नो इणट्ठे समट्ठे" । "एवामेव पएसी ! जीवो वि अप्पडिहयगई पुढविं भिच्चा सिलं भिच्चा वहियाहिंतो अन्तो अणुपविसइ । तं सद्दहाहि णं तुमं पएसी ! ···तहेव" ॥ ४ ॥ ६४ ॥

तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"अत्थि णं भन्ते ! एसा पन्ना उवमा । इमेण पुण मे कारणेणं नो उवागच्छइ । भन्ते ! से जहानामए केइ पुरिसे तरुणे जाव ०सिप्पोवगए पभू पञ्चकण्डगं निसिरित्तए ?" "हन्ता पभू" । "जइ णं भन्ते ! सो चेव पुरिसे वाले जाव मन्दविन्नाणे पभू होज्जा पञ्चकण्डगं [illegible]ए, तो णं अहं सद्दहेज्जा जहा अन्नो जीवो तं चेव । जम्हा णं भन्ते ! स

नमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

जीवाजीवाभिगमे

णमो उसभाइयाणं चउवीसाए तित्थयराणं, इह खलु जिणमयं जिणाणुमयं जिणाणुलोमं जिणप्पणीयं जिणपरूवियं जिणक्खायं जिणाणुचिन्नं जिणपण्णत्तं जिणदेसियं जिणपसत्थं अणुव्वीइय तं सद्दहमाणा तं पत्तियमाणा तं रोएमाणा थेरा भगवंतो जीवाजीवाभिगमणाममज्झयणं पण्णवइंसु ॥ १ ॥ से किं तं जीवाजीवाभिगमे? जीवाजीवाभिगमे दुविहे पन्नत्ते, तंजहा-जीवाभिगमे य अजीवाभिगमे य ॥ २ ॥ से किं तं अजीवाभिगमे? अजीवाभिगमे दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—रूविअजीवाभिगमे य अरूविअजीवाभिगमे य ॥ ३ ॥ से किं तं अरूविअजीवाभिगमे? अरूविअजीवाभिगमे दसविहे प०, तंजहा-धम्मत्थिकाए एवं जहा पण्णवणाए जाव सेत्तं अरूविअजीवाभिगमे ॥ ४ ॥ से किं तं रूविअजीवाभिगमे? रूविअजीवाभिगमे चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—खंधा खंधदेसा खंधप्पएसा परमाणुपोग्गला, ते समासओ पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा-वण्णपरिणया गंध० रस० फास० संठाणपरिणया, एवं ते ५ जहा पण्णवणाए, सेत्तं रूविअजीवाभिगमे, सेत्तं अजीवाभिगमे ॥ ५ ॥ से किं तं जीवाभिगमे? जीवाभिगमे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-संसारसमावण्णगजीवाभिगमे य असंसारसमावण्णगजीवाभिगमे य ॥ ६ ॥ से किं तं असंसारसमावण्णगजीवाभिगमे? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—अणंतरसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे य परंपरसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे य। से किं तं अणंतरसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे? २ पण्णरसविहे पण्णत्ते, तंजहा—तित्थसिद्धा जाव अणेगसिद्धा, सेत्तं अणंतरसिद्धा०। से किं तं परंपरसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे? २ अणेगविहे पण्णत्ते, तंजहा—पढमसमयसिद्धा दुसमयसिद्धा जाव अणंतसमयसिद्धा, से तं परंपरसिद्धासंसारसमावण्णगजीवाभिगमे, सेत्तं असंसारसमावण्णगजीवाभिगमे ॥ ७ ॥ से किं तं संसारसमावन्नजीवाभिगमे? संसारसमावण्णएसु णं जीवेसु इमाओ णव पडिवत्तीओ एवमाहिज्जंति, तं०-एगे एवमाहंसु-दुविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०, एगे एवमाहंसु-तिविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०, एगे एवमाहंसु-चउव्विहा

णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—"जाणासि णं तुमं पएसी! कइ परिसाओ पन्नत्ताओ?" "भन्ते! जाणामि, चत्तारि परिसाओ पन्नत्ता। तं जहा-खत्तियपरिसा गाहावइपरिसा माहणपरिसा इसिपरिसा"। "जाणासि णं तुमं पएसी राया! एयासिं चउण्हं परिसाणं कस्स का दण्डनीई पन्नत्ता?" "हन्ता जाणामि। जे णं खत्तियपरिसाए अवरज्झइ से णं हत्थच्छिन्नए वा पायच्छिन्नए वा सीसच्छिन्नए वा सूलाइए वा एगाहच्चे कूडाहच्चे जीवियाओ ववरोविज्जइ। जे णं गाहावइपरिसाए अवरज्झइ से णं तएण वा वेढेण वा पलालेण वा वेढित्ता अगणिकाएणं झामिज्जइ। जे णं माहणपरिसाए अवरज्झइ से णं अणिट्ठाहिं अकन्ताहिं जाव अमणामाहिं वग्गूहिं उवालम्भित्ता कुण्डियालञ्छणए वा सुणगलञ्छणए वा कीरइ, निव्विसए वा आणविज्जइ। जे णं इसिपरिसाए अवरज्झइ से णं नाइअणिट्ठाहिं जाव नाइ-अमणामाहिं वग्गूहिं उवालब्भइ"। "एवं च ताव पएसी! तुमं जाणासि, तहा वि णं तुमं ममं वामंवामेणं दण्डंदण्डेणं पडिकूलंपडिकूलेणं पडिलोमंपडिलोमेणं विवच्चा-संविवच्चासेणं वट्टसि"। तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—"एवं खलु अहं देवाणुप्पिएहिं पढमिल्लएणं चेव वागरणेणं संलत्ते। तए णं मम इमेयारूवे अब्भत्थिए जाव संकप्पे समुप्पज्जित्था-जहा जहा णं एयस्स पुरिसस्स वामंवामेणं जाव विवच्चासंविवच्चासेणं वट्टिस्सामि, तहा तहा णं अहं नाणं च नाणोवलम्भं च करणं च करणोवलम्भं च दंसणं च दंसणोवलम्भं च जीवं च जीवोवलम्भं च उवलभिस्सामि। तं एएणं कारणेणं अहं देवाणुप्पियाणं वामंवामेणं जाव विवच्चा-संविवच्चासेणं वट्टिए"। तए णं केसी कुमारसमणे पएसीरायं एवं वयासी—"जाणासि णं तुमं पएसी! कइ ववहारगा पन्नत्ता?" "हन्ता जाणामि, चत्तारि ववहारगा पन्नत्ता-देइ नामेगे नो सन्नवेइ, सन्नवेइ नामेगे नो देइ, एगे देइ वि सन्नवेइ वि, एगे नो देइ नो सन्नवेइ"। "जाणासि णं तुमं पएसी! एएसिं चउण्हं पुरिसाणं के ववहारी के अव्ववहारी?" "हन्ता जाणामि, तत्थ णं जे से पुरिसे देइ नो सन्नवेइ से णं पुरिसे ववहारी, तत्थ णं जे से पुरिसे नो देइ सन्नवेइ से णं पुरिसे ववहारी, तत्थ णं जे से पुरिसे देइ वि सन्नवेइ वि से णं पुरिसे ववहारी, तत्थ णं जे से पुरिसे नो देइ नो सन्नवेइ से णं अव्ववहारी"। "एवामेव तुमं पि ववहारी, नो चेव णं तुमं पएसी! अव्ववहारी" ॥ ६९ ॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"तुज्झे णं भन्ते! इय छेया दक्खा जाव उवएसलद्धा। समत्था णं भन्ते! ममं करयलंसि वा आमलयं जीवं सरीराओ अभिनिवट्टित्ताणं उवदंसित्तए?"। तेणं कालेणं तेणं समएणं पएसिस्स रन्नो अदूरसामन्ते वाउकाए संवुत्ते, तणवणस्सइकाए

मिच्छादिट्ठी ॥ ते णं भंते ! जीवा किं चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी ? गोयमा ! नो चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी नो ओहिदंसणी नो केवल-दंसणी ॥ ते णं भंते ! जीवा किं नाणी अन्नाणी ? गोयमा ! नो नाणी अन्नाणी, नियमा दुअन्नाणी, तंजहा–मइअन्नाणी सुयअन्नाणी य ॥ ते णं भंते ! जीवा किं मणजोगी वयजोगी कायजोगी ? गोयमा ! नो मणजोगी नो वयजोगी कायजोगी ॥ ते णं भंते ! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ॥ ते णं भंते ! जीवा किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं खेत्तओ असंखेज्जपएसोगाढाइं कालओ अन्नयरसमयट्ठिइयाइं भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं ॥ जाइं भावओ वण्णमंताइं आ० ताइं किं एगवण्णाइं आ० दुवण्णाइं आ० तिवण्णाइं आ० चउवण्णाइं आ० पंचवण्णाइं आ० ? गोयमा ! ठाणमग्गणं पडुच्च एगवण्णाइंपि दुवण्णाइंपि तिवण्णाइंपि चउवण्णाइंपि पंचवण्णाइंपि आ०, विहाणमग्गणं पडुच्च कालाइंपि आ० जाव सुक्किल्लाइंपि आ०, जाइं वण्णओ कालाइं आ० ताइं किं एगगुणकालाइं आ० जाव अणंतगुणकालाइं आ० ? गोयमा ! एगगुणकालाइंपि आ० जाव अणंतगुणकालाइंपि आ० एवं जाव सुक्किल्लाइं ॥ जाइं भावओ गंधमंताइं आ० ताइं किं एगगंधाइं आ० दुगंधाइं आ० ? गोयमा ! ठाणमग्गणं पडुच्च एगगंधाइंपि आ० दुगंधाइंपि आ०, विहाणमग्गणं पडुच्च सुब्भिगंधाइंपि आ० दुब्भिगंधाइंपि आ०, जाइं गंधओ सुब्भि-गंधाइं आ० ताइं किं एगगुणसुब्भिगंधाइं आ० जाव अणंतगुणसुरभिगंधाइं आ० ? गोयमा ! एगगुणसुब्भिगंधाइंपि आ० जाव अणंतगुणसुब्भिगंधाइंपि आ०, एवं दुब्भिगंधाइंपि ॥ रसा जहा वण्णा ॥ जाइं भावओ फासमंताइं आ० ताइं किं एगफासाइं आ० जाव अट्ठफासाइं आ० ? गोयमा ! ठाणमग्गणं पडुच्च नो एगफासाइं आ० नो दुफासाइं आ० नो तिफासाइं आ० चउफासाइं आ० पंचफासाइंपि जाव अट्ठफासाइंपि आ०, विहाणमग्गणं पडुच्च कक्खडाइंपि आ० जाव लुक्खाइंपि आ०, जाइं फासओ कक्खडाइं आ० ताइं किं एगगुणकक्खडाइं आ० जाव अणंतगुणकक्खडाइं आ० ? गोयमा ! एगगुणकक्खडाइंपि आ० जाव अणंतगुण-कक्खडाइंपि आ० एवं जाव लुक्खा णेयव्वा ॥ ताइं भंते ! किं पुट्ठाइं आ० अपुट्ठाइं आ० ? गोयमा ! पुट्ठाइं आ० नो अपुट्ठाइं आ०, ताइं भंते ! किं ओगाढाइं आ० अणोगाढाइं आ० ? गोयमा ! ओगाढाइं आ० नो अणोगाढाइं आ०, ताइं भंते ! किमणंतरोगाढाइं आ० परंपरोगाढाइं आ० ? गोयमा ! अणंतरोगाढाइं आ० नो परंपरोगाढाइं आ०, ताइं भंते ! किं अणूइं आ० बायराइं आ० ? गोयमा ! अणूइंपि

कुलवेणं अद्धकुलवेणं चाउब्भाइयाए अट्ठभाइयाए सोलसियाए बत्तीसियाए चउसट्ठियाए दीवचम्पएणं। तए णं से पईवे दीवचम्पगस्स अन्तो २ ओभासइ ४ नो चेव णं दीवचम्पगस्स बाहिं नो चेव णं चउसट्ठियाए बाहिं नो चेव णं कूडागारसालं नो चेव णं कूडागारसालाए बाहिं। एवामेव पएसी! जीवे वि जं जारिसयं पुव्वकम्मनिबद्धं बोंदिं निव्वत्तेइ, तं असंखेज्जेहिं जीवपएसेहिं सच्चित्तं करेइ खुड्डियं वा महालियं वा। तं सद्दहाहि णं तुमं पएसी! जहा अन्नो जीवो ...तं चेव" ॥ ७१ ॥ तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—"एवं खलु भन्ते! मम अज्जगस्स एसा सन्ना जाव समोसरणे जहा तं जीवो तं सरीरं नो अन्नो जीवो अन्नं सरीरं। तयाणन्तरं च णं ममं पिउणो वि एसा सन्ना०। तयाणन्तरं मम वि एसा सन्ना जाव समोसरणे। तं नो खलु अहं बहुपुरिसपरंपरागयं कुलनिस्सियं दिट्ठिं छण्डेस्सामि"। तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—"मा णं तुमं पएसी! पच्छाणुताविए भवेज्जासि जहा व से पुरिसे अयहारए"। "के णं भन्ते! से अयहारए?" "पएसी! से जहानामए केइ पुरिसा अत्थत्थी अत्थगवेसी अत्थलुद्धगा अत्थकंखिया अत्थपिवासिया अत्थगवेसणयाए विउलं पणियभण्डमायाए सुबहुं भत्तपाणपत्थयणं गहाय एगं महं अगामियं छिन्नावायं दीहमद्धं अडविं अणुपविट्ठा। तए णं ते पुरिसा तीसे अगामियाए अडवीए कंचि देसं अणुप्पत्ता समाणा एगं महं अयागरं पासन्ति अएणं सव्वओ समन्ता आइण्णं वित्थिण्णं सच्छडं उवच्छडं फुडं गाढं अवगाढं पासन्ति २ त्ता हट्ठतुट्ठ जाव हियया अन्नमन्नं सद्दावेन्ति २ त्ता एवं वयासी—"एस णं देवाणुप्पिया! अयभण्डे इट्ठे कन्ते जाव मणामे। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अम्हं अयभारए बन्धित्तए"त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स एयमट्ठं पडिसुणेन्ति २ त्ता अयभारं बन्धन्ति २ त्ता अहाणुपुव्वीए संपत्थिया। तए णं ते पुरिसा तीसे अगामियाए जाव अडवीए कंचि देसं अणुपत्ता समाणा एगं महं तउआगरं पासन्ति तउएणं आइण्णं तं चेव जाव सद्दावेत्ता एवं वयासी—'एस णं देवाणुप्पिया! तउयभण्डे जाव मणामे। अप्पेणं चेव तउएणं सुबहुं अए लब्भइ। तं सेयं खलु देवाणुप्पिया! अयभारए छड्डेत्ता तउयभारए बन्धित्तए' त्तिकट्टु अन्नमन्नस्स अन्तिए एयमट्ठं पडिसुणेन्ति २ त्ता अयभारं छड्डेन्ति २ त्ता तउयभारं बन्धन्ति। तत्थ णं एगे पुरिसे नो संचाएइ अयभारं छड्डित्तए तउयभारं बन्धित्तए। तए णं ते पुरिसा तं पुरिसं एवं वयासी—'एस णं देवाणुप्पिया! तउयभण्डे जाव सुबहुं अए लब्भइ। तं छड्डेहि णं देवाणुप्पिया! अयभारगं, तउयभारगं बन्धाहि'। तए णं से पुरिसे एवं वयासी—'दूराहडे मे देवाणुप्पिया! अए; चिराहडे मे देवाणुप्पिया! अए; अइगाढबन्धणबद्धे

पण्णत्ता, तंजहा-कण्हमट्टिया, भेओ जहा पण्णवणाए जाव ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा प०, तंजहा-ओरालिए तेयए कम्मए, तं चेव सव्वं नवरं चत्तारि लेसाओ, अवसेसं जहा सुहुमपुढविक्काइयाणं आहारो जाव णियमा छद्दिसिं, उववाओ तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवेहिंतो, देवेहिं जाव सोहम्मेसाणेहिंतो, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं । ते णं भंते ! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति ? गोयमा ! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति । ते णं भंते ! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति ? कहिं उववज्जंति ?-किं नेरइएसु उववज्जंति ?०, पुच्छा, गो० नो नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति मणुस्सेसु उव० नो देवेसु उव० तं चेव जाव असंखेज्जवासाउयवज्जेहिंतो उ० । ते णं भंते ! जीवा कइगइया कइआगइया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुगइया तिआगइया परित्ता असंखेज्जा प० समणाउसो !, से तं वायरपुढविक्काइया । सेत्तं पुढविकाइया ॥ १५ ॥ से किं तं आउक्काइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-सुहुमआउक्काइया य वायरआउक्काइया य, सुहुमआउ० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा-पज्जत्ता य अपज्जत्ता य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरया पण्णत्ता, तंजहा-ओरालिए तेयए कम्मए, जहेव सुहुमपुढविक्काइयाणं, णवरं थिवुगसंठिया पण्णत्ता, सेसं तं चेव जाव दुगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पण्णत्ता । से तं सुहुमआउक्काइया ॥ १६ ॥ से किं तं वायरआउक्काइया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—ओसा हिमे जाव जे यावन्ने तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, तं चेव सव्वं णवरं थिवुगसंठिया, चत्तारि लेसाओ, आहारो नियमा छद्दिसिं, उववाओ तिरिक्खजोणियमणुस्सदेवेहिंतो, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं सत्तवाससहस्साइं, सेसं तं चेव जहा वायरपुढविकाइया जाव दुगइया तिआगइया परित्ता असंखेज्जा पन्नत्ता समणाउसो !, सेत्तं वायरआऊ, सेत्तं आउक्काइया ॥ १७ ॥ से किं तं वणस्सइकाइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमवणस्सइकाइया य वायरवणस्सइकाइया य । से किं तं सुहुमवणस्सइकाइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य तहेव णवरं अणित्थंथ(संठाण)संठिया, दुगइया दुआगइया अपरित्ता अणंता, अवसेसं जहा पुढविक्काइयाणं, से तं सुहुमवणस्सइकाइया ॥ १८ ॥ से किं तं वायरवणस्सइकाइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया य साहारणसरीरवायरवणस्सइकाइया य

तुमं पएसी ! एवं जाणासि, तहा वि णं तुमं ममं वामंवामेणं जाव वट्टित्ता ममं एयमट्ठं अक्खामित्ता जेणेव सेयविया नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए"। तए णं से पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी-"एवं खलु भन्ते ! मम एयारूवे अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था—'एवं खलु अहं देवाणुप्पियाणं वामंवामेणं जाव वट्टिए, तं सेयं खलु मे कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलन्ते अन्तेउर-परियालसद्धिं संपरिवुडस्स देवाणुप्पिए वन्दित्तए नमंसित्तए, एयमट्ठं भुज्जो २ सम्मं विणएणं खामित्तए'"त्तिकट्टु जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए॥ ७३॥ तए णं से पएसी राया कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव तेयसा जलन्ते हट्ठतुट्ठ जाव हियए जहेव कूणिए तहेव निग्गच्छइ, अन्तेउरपरियालसद्धिं संपरिवुडे पञ्चविहेणं अभिगमेणं वन्दइ नमंसइ, एयमट्ठं भुज्जो २ सम्मं विणएणं खामेइ॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिस्स रन्नो सूरियकन्तप्पमुहाणं देवीणं तीसे य महइ-महालियाए महच्चपरिसाए जाव धम्मं परिकहेइ। तए णं पएसी राया धम्मं सोच्चा निसम्म उट्ठाए उट्ठेइ २ त्ता केसिं कुमारसमणं वन्दइ नमंसइ वं० २ त्ता जेणेव सेयविया नयरी तेणेव पहारेत्थ गमणाए॥ तए णं केसी कुमारसमणे पएसिं रायं एवं वयासी—"मा णं तुमं पएसी ! पुव्विं रमणिज्जे भवित्ता पच्छा अरमणिज्जे भविज्जासि, जहा से वणसण्डे इ वा नट्टसाला इ वा इक्खुवाडए इ वा खलवाडए इ वा"। "कहं णं भन्ते ?" "जया णं वणसण्डे पत्तिए पुप्फिए फलिए हरियगरेरिज्जमाणे सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे चिट्ठइ, तया णं वणसण्डे रमणिज्जे भवइ। जया णं वणसण्डे नो पत्तिए नो पुप्फिए नो फलिए नो हरियगरेरिज्जमाणे नो सिरीए अईव २ उवसोभेमाणे चिट्ठइ, तया णं जुण्णे झडे परिसडियपण्डुपत्ते सुक्करुक्खे इव मिलायमाणे चिट्ठइ, तया णं वणसण्डे नो रमणिज्जे भवइ। जया णं नट्टसाला वि गिज्जइ वाइज्जइ नच्चिज्जइ हसिज्जइ रमिज्जइ, तया णं नट्टसाला रमणिज्जा भवइ। जया णं नट्टसाला नो गिज्जइ जाव नो रमिज्जइ, तया णं नट्टसाला अरमणिज्जा भवइ। जया णं इक्खुवाडे छिज्जइ भिज्जइ सिज्जइ पिज्जइ दिज्जइ, तया णं इक्खुवाडे रमणिज्जे भवइ। जया णं इक्खुवाडे नो छिज्जइ जाव तया णं इक्खुवाडे अरमणिज्जे भवइ। जया णं खलवाडे उच्छुब्भइ उडुइज्जइ मलइज्जइ मुणिज्जइ खज्जइ पिज्जइ दिज्जइ, तया णं खलवाडे रमणिज्जे भवइ। जया णं खलवाडे नो उच्छुब्भइ जाव अरमणिज्जे भवइ। से तेणट्ठेणं पएसी ! एवं वुच्चइ, मा णं तुमं पएसी ! पुव्विं रमणिज्जे भवित्ता पच्छा अरमणिज्जे भविज्जासि जहा से वणसण्डे इ वा०"। तए णं पएसी राया केसिं कुमारसमणं एवं वयासी—"नो खलु भन्ते ! अहं पुव्विं रमणिज्जे

संसारसमावण्णगा जीवा प०, एगे एवमाहंसु-पंचविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०, एएणं अभिलावेणं जाव दसविहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ॥ ८ ॥ तत्थ णं जे एवमाहंसु 'दुविहा संसारसमावण्णगा जीवा प०' ते एवमाहंसु-तं०-तसा चेव थावरा चेव ॥ ९ ॥ से किं तं थावरा? २ तिविहा पन्नत्ता, तंजहा-पुढविकाइया १ आउकाइया २ वणस्सइकाइया ३ ॥ १० ॥ से किं तं पुढविकाइया? २ दुविहा प०, तं०-सुहुमपुढविकाइया य बायरपुढविकाइया य ॥ ११ ॥ से किं तं सुहुमपुढविकाइया? २ दुविहा प०, तं०-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। संगहणिगाहा-सरीरोगाहणसंघयणसंठाणकसाय तह य हुंति सण्णाओ। लेसिंदियसमुग्घाओ, सन्नी वेए य पज्जत्ती ॥ १ ॥ दिट्ठी दंसणनाणे जोगुवओगे तहा किमाहारे। उववाय-ठिई समुग्घायचवणगइरागई चेव ॥ २ ॥ १२ ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइसरीरगा पण्णत्ता? गोयमा! तओ सरीरगा प०, तं०-ओरालिए तेयए कम्मए॥ तेसि णं भंते! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा प०? गो०! जहन्नेणं अंगुला-संखेज्जइभागं उक्कोसेणवि अंगुलासंखेज्जइभागं ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरा किंसंघयणा पण्णत्ता? गोयमा! छेवट्ठसंघयणा पण्णत्ता ॥ तेसि णं भंते! सरीरा किंसंठिया प०? गोयमा! मसूरचंदसंठिया पण्णत्ता ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ कसाया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि कसाया पण्णत्ता, तंजहा-कोहकसाए माणकसाए मायाकसाए लोहकसाए ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ सण्णाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! चत्तारि सन्नाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-आहारसण्णा जाव परिग्गहसन्ना ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेसाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! तिन्नि लेस्साओ पन्नत्ताओ तंजहा-किण्हलेस्सा नीललेस्सा काउलेस्सा ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ इंदियाइं पण्णत्ताइं? गोयमा! एगे फासिंदिए पण्णत्ते ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ समु-ग्घाया पण्णत्ता? गोयमा! तओ समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा-वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए ॥ ते णं भंते! जीवा किं सन्नी असन्नी? गोयमा! नो सन्नी असन्नी ॥ ते णं भंते! जीवा किं इत्थिवेया पुरिसवेया णपुंसगवेया? गोयमा! णो इत्थिवेया णो पुरिसवेया णपुंसगवेया ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ पज्जत्तीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! चत्तारि पज्जत्तीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-आहारपज्जत्ती सरीरपज्जत्ती इंदियपज्जत्ती आणपाणुपज्जत्ती। तेसि णं भंते! जीवाणं कइ अपज्जत्तीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! चत्तारि अपज्जत्तीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-आहारअपज्जत्ती जाव आणापाणुअपज्जत्ती ॥ ते णं भंते! जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी? गोयमा! णो सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी नो सम्मा-

चत्तारि दंसणा, णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते अत्थेगइया दुणाणी अत्थेगइया तिणाणी अत्थेगइया चउणाणी अत्थेगइया एगणाणी, जे दुण्णाणी ते नियमा आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी य, जे तिणाणी ते आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी य, अहवा आभिणिबोहियणाणी सुयनाणी मणपज्जवणाणी य, जे चउणाणी ते णियमा आभिणिबोहियणाणी सुय० ओहि० मणपज्जवणाणी य, जे एगणाणी ते नियमा केवलनाणी, एवं अन्नाणीवि दुअन्नाणी तिअण्णाणी, मणजोगीवि वइकायजोगीवि अजोगीवि, दुविहउवओगे आहारो छद्दिसिं उववाओ नेरइएहिं अहेसत्तमवज्जेहिं तिरिक्खजोणिएहिंतो, उववाओ असंखेज्जवासाउयवज्जेहिं मणुएहिं अकम्मभूमगअंतरदीवगअसंखेज्जवासाउयवज्जेहिं, देवेहिं सव्वेहिं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं, दुविहावि मरंति, उव्वट्टित्ता नेरइयाइसु जाव अणुत्तरोववाइएसु, अत्थेगइया सिज्झंति जाव अंतं करेंति। ते णं भंते! जीवा कइगइया कइआगइया पण्णत्ता? गोयमा! पंचगइया चउआगइया परित्ता संखिज्जा पण्णत्ता, सेत्तं मणुस्सा ॥ ४१ ॥ से किं तं देवा? देवा चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया। से किं तं भवणवासी? २ दसविहा पण्णत्ता, तंजहा—असुरा जाव थणिया, से तं भवणवासी। से किं तं वाणमंतरा? २ देवभेदो सव्वो भाणियव्वो जाव ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, तेसि णं तओ सरीरगा-वेउव्विए तेयए कम्मए। ओगाहणा दुविहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त रयणीओ, उत्तरवेउव्विया जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइ० उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं, सरीरगा छण्हं संघयणाणं असंघयणी णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारू नेव संघयणमत्थि, जे पोग्गला इट्ठा कंता जाव ते तेसिं संघायत्ताए परिणमंति, किंसंठिया? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते णं समचउरंससंठिया पण्णत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया ते णं नाणासंठाणसंठिया पण्णत्ता, चत्तारि कसाया चत्तारि सण्णा छ लेस्साओ पंच इंदिया पंच समुग्घाया सन्नीवि असन्नीवि इत्थिवेयावि पुरिसवेयावि नो नपुंसगवेया, पज्जत्ती अपज्जत्तीओ पंच, दिट्ठी तिन्नि, तिण्णि

आ० बायराइंपि आहारेंति, ताइं भंते! किं उड्ढं आ० अहे आ० तिरियं आहारेंति? गोयमा! उड्ढंपि आ० अहेवि आ० तिरियंपि आ०, ताइं भंते! किं आइं आ० मज्झे आ० पज्जवसाणे आहारेंति? गोयमा! आइंपि आ० मज्झेवि आ० पज्जवसाणेवि आ०, ताइं भंते! किं सविसए आ० अविसए आ०? गोयमा! सविसए आ० नो अविसए आ०, ताइं भंते! किं आणुपुव्विं आ० अणाणुपुव्विं आहारेंति? गोयमा! आणुपुव्विं आहारेंति नो अणाणुपुव्विं आहारेंति, ताइं भंते! किं तिदिसिं आहारेंति चउदिसिं आहारेंति पंचदिसिं आहारेंति छदिसिं आहारेंति? गोयमा! निव्वाघाएणं छदिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय पंचदिसिं, उस्सन्नकारणं पडुच्च वण्णओ काल नील जाव सुक्किल्लाइं, गंधओ सुब्भिगंधाइं दुब्भिगंधाइं, रसओ जाव तित्तमहुराइं, फासओ कक्खडमउय जाव निद्धलुक्खाइं, तेसिं पोराणे वण्णगुणे जाव फासगुणे विप्परिणामइत्ता परिपीलइत्ता परिसाडइत्ता परिविद्धंसइत्ता अण्णे अपुव्वे वण्णगुणे गंधगुणे जाव फासगुणे उप्पाइत्ता आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले सव्वप्पणयाए आहारमाहारेंति ॥ ते णं भंते! जीवा कओहिंतो उववज्जंति? किं नेरइएहिंतो उववज्जंति तिरिक्खमणुस्सदेवेहिंतो उववज्जंति? गोयमा! नो नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, नो देवेहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणियपज्जत्तापज्जत्तेहिंतो असंखेज्जवासाउयवज्जेहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो अकम्मभूमिगअसंखेज्जवासाउयवज्जेहिंतो उववज्जंति, वक्कंतीउववाओ भाणियव्वो ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणवि अंतोमुहुत्तं ॥ ते णं भंते! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति? गोयमा! समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति ॥ ते णं भंते! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति? कहिं उववज्जंति?–किं नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उ० मणुस्सेसु उ० देवेसु उवव०?, गोयमा! नो नेरइएसु उववज्जंति तिरिक्खजोणिएसु उ० मणुस्सेसु उ० णो देवेसु उवव०। जइ तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति किं एगिंदिएसु उववज्जंति जाव पंचिंदिएसु उ०? गोयमा! एगिंदिएसु उववज्जंति जाव पंचेंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति, असंखेज्जवासाउयवज्जेसु पज्जत्तापज्जत्तएसु उवव०, मणुस्सेसु अकम्मभूमगअंतरदीवगअसंखेज्जवासाउयवज्जेसु पज्जत्तापज्जत्तएसु उवव० ॥ ते णं भंते! जीवा कइगइया कइआगइया पण्णत्ता? गोयमा! दुगइया दुआगइया, परित्ता असंखेज्जा पण्णत्ता समणाउसो! से त्तं सुहुमपुढविकाइया ॥ १३ ॥ से किं तं बायरपुढविकाइया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा–सण्हबायरपुढविकाइया य खरबायरपुढविकाइया य ॥ १४ ॥ से किं तं सण्हबायरपुढविकाइया? २ सत्तविहा

॥ १९ ॥ से किं तं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया ? २ दुवालसविहा पण्णत्ता, तंजहा—रुक्खा गुच्छा गुम्मा लया य वल्ली य पव्वगा चेव । तणवलयहरियओसहिजलरुहकुहणा य बोद्धव्वा ॥ १ ॥ से किं तं रुक्खा ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—एगबीया य बहुबीया य । से किं तं एगबीया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—निंबंबजंबु जाव पुण्णागणागरुक्खे सीवण्णि तहा असोगे य, जे यावण्णे तहप्पगारा, एएसि णं मूलावि असंखेज्जजीविया, एवं कंदा खंधा तया साला पवाला पत्ता पत्तेयजीवा पुप्फाइं अणेगजीवाइं फला एगबीया, सेत्तं एगबीया । से किं तं बहुबीया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—अत्थियतेंदुयउंबरकविट्ठे आमलगफणसदाडिमणग्गोहकाउंबरीयतिलयलउयलोद्धे धवे, जे यावण्णे तहप्पगारा, एएसि णं मूलावि असंखेज्जजीविया जाव फला बहुबीयगा, सेत्तं बहुबीयगा, सेत्तं रुक्खा, एवं जहा पण्णवणाए तहा भाणियव्वं, जाव जे यावन्ने तहप्पगारा, सेत्तं कुहणा—नाणाविहसंठाणा रुक्खाणं एगजीविया पत्ता । खंधोवि एगजीवो तालसरलनालिएरीणं ॥ १ ॥ 'जह सगलसरिसवाणं पत्तेयसरीराणं' गाहा ॥ २ ॥ 'जह वा तिलसक्कुलिया' गाहा ॥ ३ ॥ सेत्तं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया ॥ २० ॥ से किं तं साहारणसरीरबायरवणस्सइकाइया ? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—आलुए मूलए सिंगबेरहिरिलिसिरिलिसिस्सिरिलिकिट्टिया छिरिया छिरियविरालिया कण्हकंदे वज्जकंदे सूरणकंदे खल्लूडे किमिरासिभद्दे मोत्थापिंडे हलिद्दा लोहारी णीहु[ठिहु]थिभुअस्सकण्णी सीहकण्णी सीउंढी मुसंढी जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । तेसि णं भंते ! जीवाणं कइ सरीरगा पण्णत्ता ? गोयमा ! तओ सरीरगा पन्नत्ता, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए, तहेव जहा बायरपुढविकाइयाणं, णवरं सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं साइरेगजोयणसहस्सं, सरीरगा अणित्थंथसंठिया, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं दसवाससहस्साइं, जाव दुगइया तिआगइया परित्ता अणंता पण्णत्ता, सेत्तं बायरवणस्सइकाइया सेत्तं वणस्सइकाइया सेत्तं थावरा ॥ २१ ॥ से किं तं तसा ? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—तेउक्काइया वाउक्काइया ओराला तसा पाणा ॥ २२ ॥ से किं तं तेउक्काइया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमतेउक्काइया य बायरतेउक्काइया य ॥ २३ ॥ से किं तं सुहुमतेउक्काइया ? २ जहा सुहुमपुढविक्काइया नवरं सरीरगा सूइकलावसंठिया, एगगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पण्णत्ता, सेसं तं चेव, सेत्तं सुहुमतेउक्काइया ॥ २४ ॥ से किं तं बायरतेउक्काइया ? अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—इंगाले जाले मुम्मुरे जाव सूरकंतमणिनिस्सिए, जे यावन्ने

असंखे० वाणमंतरदेवपुरिसा असंखे० जोइसियदेवपुरिसा संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते! तिरिक्खजोणियपुरिसाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं मणुस्सपुरिसाणं कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीव० देवपुरिसाणं भवणवासीणं वाणमन्तराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं सोहम्माणं जाव सव्वट्ठसिद्धगाण य कयरे२हिंतो अप्पा वा बहुगा वा जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा अंतरदीवगमणुस्सपुरिसा देवकुरुत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखेज्ज० हरिवासरम्मगवासअक० दोवि संखेज्जगुणा हेमवयहेरण्णवयअकम्म० दोवि संखे० भरहेरवयकम्मभूमगमणु० दोवि संखे० पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभू० दोवि संखे० अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसा असंखे० उवरिमगेविज्जदेवपुरिसा संखेज्ज० मज्झिमगेविज्जदेवपुरिसा संखेज्ज० हेट्ठिमगेविज्जदेवपुरिसा संखेज्ज० अच्चुयकप्पे देवपुरिसा संखे० जाव आणयकप्पे देवपुरिसा संखेज्ज० सहस्सारे कप्पे देवपुरिसा असंखे० महासुक्के कप्पे देवपुरिसा असंखे० जाव माहिंदे कप्पे देवपुरिसा असंखे० सणंकुमारकप्पे देवपुरिसा असं० ईसाणकप्पे देवपुरिसा असंखे० सोहम्मे कप्पे देवपुरिसा संखे० भवणवासिदेवपुरिसा असंखे० खहयरतिरिक्खजोणियपुरिसा असंखे० थलयरतिरिक्खजोणियपुरिसा संखे० जलयरतिरिक्खजोणियपुरिसा असंखे० वाणमंतरदेवपुरिसा संखे० जोइसियदेवपुरिसा संखेज्जगुणा ॥ ५६ ॥ पुरिसवेयस्स णं भंते! कम्मस्स केवइयं कालं बंधट्ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० अट्ठ संवच्छराणि, उक्को० दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दसवाससयाइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मठिई कम्मणिसेओ ॥ पुरिसवेए णं भंते! किंपगारे पण्णत्ते? गोयमा! वणदवग्गिजालसमाणे पण्णत्ते, सेत्तं पुरिसा ॥ ५७ ॥ से किं तं णपुंसगा? णपुंसगा तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–नेरइयनपुंसगा तिरिक्खजोणियनपुंसगा मणुस्सणपुंसगा ॥ से किं तं नेरइयनपुंसगा? नेरइयनपुंसगा सत्तविहा पण्णत्ता, तंजहा–रयणप्पभापुढविनेरइयनपुंसगा सक्करप्पभापुढविनेरइयनपुंसगा जाव अहेसत्तमपुढविनेरइयणपुंसगा, से तं नेरइयणपुंसगा ॥ से किं तं तिरिक्खजोणियणपुंसगा? २ पंचविहा प० तं०–एगिंदि० बेइंदि० तेइंदि० चउ० पंचेंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा ॥ से किं तं एगिंदियतिरिक्खजोणियनपुंसगा? २ पञ्चविहा पण्णत्ता, तं० पु० आ० ते० वा० व० से तं एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा ॥ से किं तं बेइंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा? २ अणेगविहा पण्णत्ता० से तं बेइंदियतिरिक्खजोणिय०, एवं तेइंदियावि, चउरिंदियावि ॥ से किं तं पंचेंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–जलयरा थलयरा खहयरा। से किं तं जलयरा? २ सो चेव पुव्वित्थिभेदो आसालियसहिओ भाणियव्वो, से तं पंचेंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा ॥ से किं तं मणुस्सनपुंसगा? २

य, नो मणजोगी वइजोगी कायजोगी, सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि, आहारो नियमा छद्दिसिं, उववाओ तिरियमणुस्सेसु नेरइयदेवअसंखेज्जवासाउयवज्जेसु, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बारस संवच्छराणि, समोहयावि मरंति असमोहयावि मरंति, कहिं गच्छंति? नेरइयदेवअसंखेज्जवासाउयवज्जेसु गच्छंति, दुगइया दुआगइया, परित्ता असंखेज्जा, सेत्तं बेइंदिया ॥ २८ ॥ से किं तं तेइंदिया? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—उवइया रोहिणिया जाव हत्थिसोंडा, जे यावण्णे तहप्पगारा, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, तहेव जहा बेइंदियाणं, नवरं सरीरोगाहणा उक्कोसेणं तिन्नि गाउयाइं, तिन्नि इंदिया, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं एगूणपण्णराइंदियाइं, सेसं तहेव, दुगइया दुआगइया, परित्ता असंखेज्जा पण्णत्ता, से तं तेइंदिया ॥ २९ ॥ से किं तं चउरिंदिया? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—अंधिया पुत्तिया जाव गोमयकीडा, जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, तेसि णं भंते! जीवाणं कइ सरीरगा पण्णत्ता? गोयमा! तओ सरीरगा पण्णत्ता तं चेव, णवरं सरीरोगाहणा उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं, इंदियाइं चत्तारि, चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी, ठिई उक्कोसेणं छम्मासा, सेसं जहा तेइंदियाणं जाव असंखेज्जा पण्णत्ता, से तं चउरिंदिया ॥ ३० ॥ से किं तं पंचेंदिया? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—णेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा ॥ ३१ ॥ से किं तं नेरइया? २ सत्तविहा पण्णत्ता, तंजहा—रयणप्पभापुढविनेरइया जाव अहेसत्तमपुढविनेरइया, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तं०—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य। तेसि णं भंते! जीवाणं कइ सरीरगा पण्णत्ता? गोयमा! तओ सरीरगा पण्णत्ता, तंजहा—वेउव्विए तेयए कम्मए। तेसि णं भंते! जीवाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा सरीरोगाहणा पण्णत्ता, तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं, तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्कोसेणं धणुसहस्सं। तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरा किंसंघयणी पण्णत्ता? गोयमा! छण्हं संघयणाणं असंघयणी, णेवट्ठी णेव छिरा णेव ण्हारू णेव संघयणमत्थि, जे पोग्गला अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुभा अमणुण्णा अमणामा ते तेसिं संघायत्ताए परिणमंति। तेसि णं भंते! जीवाणं सरीरा किंसंठिया पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया पण्णत्ता, चत्तारि

गोयमा! जम्मणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० मुहुत्तपुहुत्तं, साहरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी। एवं सव्वेसिं जाव अंतरदीवगाणं॥ णपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। णेरइयणपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० तरुकालो, रयणप्पभापुढविनेरइयणपुंसगस्स जह० अंतो० उक्को० तरुकालो, एवं सव्वेसिं जाव अहेसत्तमा। तिरिक्खजोणियणपुंसगस्स जह० अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगस्स जह० अंतो० उक्को० दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं, पुढविआउतेउवाऊणं जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, वणस्सइकाइयाणं जह० अंतो० उक्को० असंखेज्जं कालं जाव असंखेज्जा लोया, सेसाणं बेइंदियाईणं जाव खहयराणं जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो। मणुस्सणपुंसगस्स खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्कोसेणं वणस्सइकालो, धम्मचरणं पडुच्च जह० एगं समयं उक्को० अणंतं कालं जाव अवड्ढपोग्गलपरियट्टं देसूणं, एवं कम्मभूमगस्सवि भरहेरवयस्स पुव्वविदेहअवरविदेहगस्सवि। अकम्मभूमगमणुस्सणपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं०? गो०! जम्मणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, संहरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो एवं जाव अंतरदीवगत्ति॥ ५९॥ एएसि णं भंते! णेरइयणपुंसगाणं तिरिक्खजोणियनपुंसगाणं मणुस्सणपुंसगाण य कयरे कयरेहिन्तो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा मणुस्सणपुंसगा नेरइयनपुंसगा असंखेज्जगुणा तिरिक्खजोणियणपुंसगा अणंतगुणा॥ एएसि णं भंते! रयणप्पहापुढविणेरइयणपुंसगाणं जाव अहेसत्तमपुढविणेरइयणपुंसगाण य कयरे २ हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा अहेसत्तमपुढविनेरइयणपुंसगा छट्ठपुढविणेरइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा जाव दोच्चपुढविणेरइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा॥ एएसि णं भंते! तिरिक्खजोणियणपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं पुढविकाइय जाव वणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं बेइंदियतेइंदियचउरिंदियपंचेंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं खहयराण य कयरे २ हिन्तो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा खहयरतिरिक्खजोणियणपुंसगा, थलयरतिरिक्खजोणियनपुंसगा संखेज्ज० जलयरतिरिक्खजोणियनपुंसगा संखेज्ज० चउरिंदियतिरि० विसेसाहिया तेइंदियति० विसेसाहिया बेइंदियति० विसेसा० तेउकाइयएगिंदियतिरिक्ख० असंखेज्जगुणा पुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया विसेसाहिया, एवं आउवाउवणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा

असंखेज्जा पण्णत्ता। से तं संमुच्छिमजलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया ॥ ३५ ॥ से किं तं थलयरसंमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणिया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—चउप्पयथलयरसंमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणिया परिसप्पसंमु० ॥ से किं तं चउप्पयथलयरसंमुच्छिम०? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—एगखुरा दुखुरा गंडीपया सणप्फया जाव जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, तओ सरीरगा ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं ठिई जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं चउरासीइवाससहस्साइं, सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पण्णत्ता, सेत्तं चउप्पयथलयरसंमु०। से किं तं थलयरपरिसप्पसंमुच्छिमा? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—उरपरिसप्पसंमुच्छिमा भुयपरिसप्पसंमुच्छिमा। से किं तं उरपरिसप्पसंमुच्छिमा? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—अही अयगरा आसालिया महोरगा। से किं तं अही? अही दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—दव्वीकरा मउलिणो य। से किं तं दव्वीकरा? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—आसीविसा जाव से तं दव्वीकरा। से किं तं मउलिणो? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—दिव्वा गोणसा जाव से तं मउलिणो, सेत्तं अही। से किं तं अयगरा? २ एगागारा पण्णत्ता, से तं अयगरा। से किं तं आसालिया? २ जहा पण्णवणाए, से तं आसालिया। से किं तं महोरगा? २ जहा पण्णवणाए, से तं महोरगा। जे यावण्णे तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य तं चेव, णवरि सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्ज० उक्कोसेणं जोयणपुहुत्तं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेवण्णं वाससहस्साइं, सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा, से तं उरपरिसप्पा ॥ से किं तं भुयपरिसप्पसंमुच्छिमथलयरा? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—गोहा णउला जाव जे यावन्ने तहप्पगारा ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य, सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलासंखेज्जं उक्कोसेणं धणुपुहत्तं, ठिई उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पण्णत्ता, से तं भुयपरिसप्पसंमुच्छिमा, से तं थलयरा ॥ से किं तं खहयरा? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—चम्मपक्खी लोमपक्खी समुग्गपक्खी विययपक्खी। से किं तं चम्मपक्खी? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—वग्गुली जाव जे यावन्ने तहप्पगारा, से तं चम्मपक्खी। से किं तं लोमपक्खी? २ अणेगविहा पण्णत्ता, तंजहा—ढंका कंका जे यावन्ने तहप्पगारा, से तं लोमपक्खी। से किं तं समुग्गपक्खी? २ एगागारा पण्णत्ता

इयणपुंसगा देवपुरिसा असं० देवित्थीओ संखेज्जगुणाओ ॥ एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थीणं तिरिक्खजोणियपुरिसाणं तिरिक्खजो०णपुंसगाणं मणुस्सित्थीणं मणुस्सपुरिसाणं मणुस्सनपुंसगाणं देवित्थीणं देवपुरिसाणं णेरइयणपुंसगाण य कयरे हिंतो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सपुरिसा मणुस्सित्थीओ संखे० मणुस्सणपुंसगा असं० णेरइयणपुंसगा असं० तिरिक्खजोणियपुरिसा असं० तिरिक्खजोणित्थियाओ संखेज्ज० देवपुरिसा असं० देवित्थियाओ संखे० तिरिक्खजोणियणपुंसगा अणंतगुणा ॥ एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थीणं जलयरीणं थलयरीणं खहयरीणं तिरिक्खजोणियपुरिसाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं तिरिक्खजो०णपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं पुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजो०णपुंसगाणं जाव वणस्सइकाइय० बेइंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं तेइंदिय० चउरिंदिय० पंचेंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं कयरे २-हिंतो जाव विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवा खहयरतिरिक्खजोणियपुरिसा खहयरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखेज्ज० थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियपुरिसा संखे० थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणित्थियाओ संखे० जलयरतिरिक्खजो०पुरिसा संखे० जलयरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखेज्जगु० खहयरपंचिंदियतिरिक्खजो०णपुंसगा असंखे० थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियनपुंसगा संखे० जलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणियनपुंसगा संखे० चउरिंदियतिरि० विसेसाहिया तेइंदियणपुंसगा विसेसाहिया बेइंदियणपुंसगा विसेसा० तेउकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा असं० पुढवि०णपुंसगा विसेसाहिया आउ० विसेसाहिया वाउ० विसेसा० वणप्फइ०-एगिन्दियणपुंसगा अणंतगुणा ॥ एएसि णं भंते ! मणुस्सित्थीणं कम्मभूमियाणं अकम्मभूमियाणं अंतरदीवियाणं मणुस्सपुरिसाणं कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं मणुस्सणपुंसगाणं कम्मभूमगाणं अकम्म० अंतरदीवगाण य कयरे २ हिन्तो अप्पा वा ४? गोयमा ! अंतरदीविया मणुस्सित्थियाओ मणुस्सपुरिसा य एए णं दोवि तुल्ला सव्वत्थोवा देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ मणुस्सपुरिसा एए णं दोन्निवि तुल्ला संखे० हरिवासरम्मगवासअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ मणुस्सपुरिसा य एए णं दोन्निवि तुल्ला संखे० हेमवयहेरण्णवयअकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ मणुस्सपुरिसा य दोवि तुल्ला संखे० भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखे० भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोवि संखे० पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखे० पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सित्थियाओ दोवि संखे० अंतरदीवगमणुस्सणपुंसगा असंखे० देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभू-

९ सुत्ता०

नेरइएसु चउत्थपुढविं ताव गच्छंति, सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया चउआगइया परित्ता असंखिज्जा पण्णत्ता, से तं चउप्पया। से किं तं परिसप्पा? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—उरपरिसप्पा य भुयपरिसप्पा य, से किं तं उरपरिसप्पा? २ तहेव आसालियवज्जो भेदो भाणियव्वो, सरीरा चत्तारि, ओगाहणा जहण्णेणं अंगुलस्स असंखे० उक्कोसेणं जोयणसहस्सं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी उव्वट्टित्ता नेरइएसु जाव पंचमं पुढविं ताव गच्छंति, तिरिक्खमणुस्सेसु सव्वेसु, देवेसु जाव सहस्सारा, सेसं जहा जलयराणं जाव चउगइया चउआगइया परित्ता असंखेज्जा से तं उरपरिसप्पा। से किं तं भुयपरिसप्पा? २ भेदो तहेव, चत्तारि सरीरगा ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलासंखे० उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, सेसेसु ठाणेसु जहा उरपरिसप्पा, णवरं दोच्चं पुढविं गच्छंति, से तं भुयपरिसप्पा से तं थलयरा॥ ३९॥ से किं तं खहयरा? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—चम्मपक्खी तहेव भेदो, ओगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखे० उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं, ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागो, सेसं जहा जलयराणं, नवरं जाव तच्चं पुढविं गच्छंति जाव से तं खहयरगब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिया, से तं तिरिक्खजोणिया॥ ४०॥ से किं तं मणुस्सा? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संमुच्छिममणुस्सा य गब्भवक्कंतियमणुस्सा य॥ कहि णं भंते! संमुच्छिममणुस्सा संमुच्छंति? गोयमा! अंतो मणुस्सखेत्ते जाव करेंति। तेसि णं भंते! जीवाणं कइ सरीरगा पण्णत्ता? गोयमा! तिन्नि सरीरगा पन्नत्ता, तंजहा—ओरालिए तेयए कम्मए० से तं संमुच्छिममणुस्सा। से किं तं गब्भवक्कंतियमणुस्सा? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा, एवं माणुस्सभेदो भाणियव्वो जहा पण्णवणाए तहा णिरवसेसं भाणियव्वं जाव छउमत्था य केवली य, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्ता य अपज्जत्ता य। तेसि णं भंते! जीवाणं कइ सरीरा प०? गोयमा! पंच सरीरया प० तंजहा—ओरालिए जाव कम्मए। सरीरोगाहणा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्ज० उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं छच्चेव संघयणा छस्संठाणा। ते णं भंते! जीवा किं कोहकसाई जाव लोभकसाई अकसाई? गोयमा! सव्वेवि। ते णं भंते! जीवा किं आहारसन्नोवउत्ता जाव नोसन्नोवउत्ता? गोयमा! सव्वेवि। ते णं भंते! जीवा किं कण्हलेसा जाव अलेसा? गोयमा! सव्वेवि। सोइंदियोवउत्ता जाव नोइंदियोवउत्तावि, सव्वे समुग्घाया, तंजहा—वेयणासमुग्घाए जाव केवलिसमुग्घाए, सन्नीवि नोसन्नी-असन्नीवि, इत्थिवेयावि जाव अवेयावि, पंच पज्जत्ती, तिविहावि दिट्ठी,

एए णं दोवि तुल्ला सव्वत्थोवा, देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमगमणुस्सइत्थीओ पुरिसा य एए णं दोवि तुल्ला संखे० एवं हरिवासरम्मगवास० एवं हेमवयहेरण्णवय० भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखे० भरहेरवयकम्मभूमगमणुस्सित्थीओ संखे० पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सपुरिसा दोवि संखे० पुव्वविदेहअवर-विदेहकम्म०मणुस्सित्थियाओ दोवि संखे० अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसा असंखेज्जगुणा उवरिमगेवेज्जदेवपुरिसा संखे० जाव आणए कप्पे देवपुरिसा संखे० अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइयणपुंसगा असंखे० छट्ठीए पुढवीए नेरइयनपुंसगा असं० सहस्सारे कप्पे देवपुरिसा असंखे० महासुक्के कप्पे देव० असं० पंचमाए पुढवीए नेरइयन-पुंसगा असं० लंतए कप्पे देवपु० असं० चउत्थीए पुढवीए नेरइयनपुंसगा असं० बंभलोए कप्पे देवपुरिसा असं० तच्चाए पुढवीए नेरइयण० असं० माहिंदे कप्पे देवपु० असंखे० सणंकुमारे कप्पे देवपुरिसा असं० दोच्चाए पुढवीए नेरइयनपुंसगा असं० अंतरदीवगअकम्मभूमगमणुस्सणपुंसगा असंखे० देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमग-मणुस्सणपुंसगा दोवि संखे० एवं जाव विदेहत्ति, ईसाणे कप्पे देवपुरिसा असं० ईसाणकप्पे देवित्थियाओ संखे० सोहम्मे कप्पे देवपुरिसा संखे० सोहम्मे कप्पे देवित्थियाओ संखेज्ज० भवणवासिदेवपुरिसा असंखे० भवणवासिदेवित्थियाओ संखेज्जगुणाओ इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयणपुंसगा असं० खहयरतिरिक्ख-जोणियपुरिसा असंखेज्जगुणा खहयरतिरिक्खजोणित्थियाओ संखे० थलयरतिरिक्ख-

नेरइएसु गच्छंति तिरियमणुस्सेसु जहासंभवं, नो देवेसु गच्छंति, दुगइया दुआगइया परित्ता असंखेज्जा पण्णत्ता, से तं देवा, से तं पंचेंदिया, सेत्तं ओराला तसा पाणा ॥ ४२ ॥ थावरस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं बावीसं वाससहस्साइं ठिई पण्णत्ता ॥ तसस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता । थावरे णं भंते! थावरेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं अणंतं कालं अणंताओ उस्सप्पिणीओ अवसप्पिणीओ कालओ खेत्तओ अणंता लोया असंखेज्जा पुग्गलपरियट्टा, ते णं पुग्गलपरियट्टा आवलियाए असंखेज्जइभागो ॥ तसे णं भंते! तसेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पिणीओ अवसप्पिणीओ कालओ खेत्तओ असंखेज्जा लोगा ॥ थावरस्स णं भंते! केवइकालं अंतरं होइ? गोयमा! जहा तससंचिट्ठणाए ॥ तसस्स णं भंते! केवइकालं अंतरं होइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं वणस्सइकालो ॥ एएसि णं भंते! तसाणं थावराण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा तसा थावरा अणंतगुणा, से तं दुविहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ॥ ४३ ॥ **पढमा दुविहपडिवत्ती समत्ता** ॥

तत्थ जे ते एवमाहंसु तिविहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा—इत्थी पुरिसा णपुंसगा ॥ ४४ ॥ से किं तं इत्थीओ? २ तिविहाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—तिरिक्खजोणित्थीओ मणुस्सित्थीओ देवित्थीओ । से किं तं तिरिक्खजोणित्थीओ? २ तिविहाओ पण्णत्ताओ तंजहा—जलयरीओ थलयरीओ खहयरीओ । से किं तं जलयरीओ? २ पंचविहाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—मच्छीओ जाव सुंसुमारीओ से तं जलयरीओ । से किं तं थलयरीओ? २ दुविहाओ पण्णत्ताओ तंजहा—चउप्पईओ य परिसप्पीओ य । से किं तं चउप्पईओ? २ चउव्विहाओ पण्णत्ताओ तंजहा—एगखुरीओ जाव सणप्फईओ से तं चउप्पयथलयरतिरिक्खजोणित्थीओ । से किं तं परिसप्पीओ? २ दुविहाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—उरपरिसप्पीओ य भुयपरिसप्पीओ य । से किं तं उरपरिसप्पीओ? २ तिविहाओ पण्णत्ताओ तंजहा—अहीओ अहिगरीओ महोरगीओ य, सेत्तं उरपरिसप्पीओ । से किं तं भुयपरिसप्पीओ? २ अणेगविहाओ पण्णत्ताओ तंजहा—सेरडीओ सेरंधीओ गोहीओ णउलीओ सेधाओ सरडीओ सिरसंधीओ भावीओ सोवीओ खारीओ पल्लवाइयाओ चउप्पइयाओ मूसियाओ मुगुसियाओ घरोलियाओ गोहियाओ जोहियाओ विरविरा-

हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ७१ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए खरकंडे केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! सोलस जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पन्नत्ते ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए रयणकंडे केवइयं बाहल्लेणं पन्नत्ते? गोयमा! एक्कं जोयणसहस्सं बाहल्लेणं पण्णत्ते, एवं जाव रिट्ठे। इमीसे णं भंते! रय० पु० पंकबहुले कंडे केवइयं बाहल्लेणं पन्नत्ते? गोयमा! चउरसीइजोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते। इमीसे णं भंते! रय० पु० आवबहुले कंडे केवइयं बाहल्लेणं पन्नत्ते? गोयमा! असीइ-जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पन्नत्ते। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पु० घणोदही केवइयं बाहल्लेणं पन्नत्ते? गोयमा! वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते। इमीसे णं भंते! रय० पु० घणवाए केवइयं बाहल्लेणं पन्नत्ते? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते, एवं तणुवाएऽवि ओवासंतरेऽवि। सक्करप्प० भंते! पु० घणोदही केव-इयं बाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! वीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते। सक्करप्प० पु० घणवाए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! असंखे० जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ते, एवं तणुवाएवि, ओवासंतरेवि जहा सक्करप्प० पु० एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ७२ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए खेत्तच्छेएणं छिज्जमाणीए अत्थि दव्वाइं वण्णओ कालनीललोहियहालिद्दसुक्किलाइं गंधओ सुरभि-गंधाइं दुब्भिगंधाइं रसओ तित्तकडुयकसायअंबिलमहुराइं फासओ कक्खडमउयगरु-यलहुसीयउसिणणिद्धलुक्खाइं संठाणओ परिमंडलवट्टतंसचउरंसआययसंठाणपरिणयाइं अन्नमन्नबद्धाइं अण्णमण्णपुट्ठाइं अण्णमण्णओगाढाइं अण्णमण्णसिणेहपडिबद्धाइं अण्ण-मण्णघडत्ताए चिट्ठंति? हंता अत्थि। इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पु० खरकंडस्स सोलसजोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएणं छिज्जमाणस्स अत्थि दव्वाइं वण्णओ काल जाव परिणयाइं? हंता अत्थि। इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० रयणनामगस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएणं छिज्ज० तं चेव जाव हंता अत्थि, एवं जाव रिट्ठस्स, इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० पंकबहुलस्स कंडस्स चउरासीइ-जोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्त तं चेव, एवं आवबहुलस्सवि असीइजोयणसहस्सबाहल्लस्स। इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० घणोदहिस्स वीसं जोयणसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएण तहेव। एवं घणवायस्स असंखेज्जजोयणसहस्सबाहल्लस्स तहेव, ओवासंतरस्सवि तं चेव ॥ सक्करप्पभाए णं भंते! पु० बत्तीसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लस्स खेत्तच्छेएण छिज्जमाणीए अत्थि दव्वाइं वण्णओ जाव घडत्ताए चिट्ठंति? हंता अत्थि, एवं घणोदहिस्स वीसजोयणसहस्सबाहल्लस्स घणवायस्स असंखेज्जजोयणसहस्सबाहल्लस्स, एवं जाव ओवासंतरस्स, जहा सक्करप्पभाए एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ७३ ॥

इत्थिभेदो भाणियव्वो जाव खहयरा, सेत्तं खहयरा सेत्तं तिरिक्खजोणियपुरिसा ॥ से किं तं मणुस्सपुरिसा? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा, सेत्तं मणुस्सपुरिसा ॥ से किं तं देवपुरिसा? देवपुरिसा चउव्विहा पण्णत्ता, इत्थीभेओ भाणियव्वो जाव सव्वट्ठसिद्धा ॥ ५२ ॥ पुरिसस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० अंतोमु० उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं। तिरिक्खजोणियपुरिसाणं मणुस्साणं जा चेव इत्थीणं ठिई सा चेव भाणियव्वा ॥ देवपुरिसाणवि जाव सव्वट्ठसिद्धाणं ति ताव ठिई जहा पण्णवणाए तहा भाणियव्वा ॥ ५३ ॥ पुरिसे णं भंते! पुरिसेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतो० उक्को० सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। तिरिक्खजोणियपुरिसे णं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतो० उक्को० तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं, एवं तं चेव, संचिट्ठणा जहा इत्थीणं जाव खहयरतिरिक्खजोणियपुरिसस्स संचिट्ठणा। मणुस्सपुरिसाणं भंते! कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! खेत्तं पडुच्च जहन्नेणं अंतो० उक्को० तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं, धम्मचरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी एवं सव्वत्थ जाव पुव्वविदेहअवरविदेह, अकम्मभूमगमणुस्सपुरिसाण जहा अकम्मभूमगमणुस्सित्थीणं जाव अंतरदीवगाणं जच्चेव ठिई सच्चेव संचिट्ठणा जाव सव्वट्ठसिद्धगाणं ॥ ५४ ॥ पुरिसस्स णं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जह० एक्कं समयं उक्को० वणस्सइकालो तिरिक्खजोणियपुरिसाणं जह० अंतोमु० उक्को० वणस्सइकालो एवं जाव खहयरतिरिक्खजोणियपुरिसाणं ॥ मणुस्सपुरिसाणं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! खेत्तं पडुच्च जह० अंतोमु० उक्को० वणस्सइकालो, धम्मचरणं पडुच्च जह० एक्कं समयं उक्को० अणंतं कालं अणंताओ उस्स० जाव अवड्ढपोग्गलपरियट्टं देसूणं, कम्मभूमगाणं जाव विदेहो जाव धम्मचरणे एक्को समओ सेसं, जहित्थीणं जाव अंतरदीवगाणं ॥ देवपुरिसाणं जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, भवणवासिदेवपुरिसाणं ताव जाव सहस्सारो, जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो। आणयदेवपुरिसाणं भंते! केवइयं कालं अंतरं होइ? गोयमा! जह० वासपुहुत्तं उक्को० वणस्सइकालो, एवं जाव गेवेज्जदेवपुरिसस्सवि। अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसस्स जह० वासपुहुत्तं उक्को० संखेज्जाइं सागरोवमाइं साइरेगाइं अणुत्तराणं अंतरे एक्को आलावओ ॥ ५५ ॥ अप्पाबहुयाणि जहेवित्थीणं जाव एएसि णं भंते! देवपुरिसाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाण य कयरे२हिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा वेमाणियदेवपुरिसा भवणवइदेवपुरिसा

वाहल्लेणं पण्णत्ते, पंकप्पभाए सक्कोसाइं पंच जोयणाइं वाहल्लेणं पण्णत्ते। धूमप्पभाए अद्धछट्ठाइं जोयणाइं वाहल्लेणं पन्नत्ते, तमप्पभाए कोसूणाइं छजोयणाइं वाहल्लेणं पण्णत्ते, अहेसत्तमाए छजोयणाइं वाहल्लेणं पण्णत्ते ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० तणुवायवलए केवइयं वाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! छक्कोसेणं वाहल्लेणं पण्णत्ते, एवं एएणं अभिलावेणं सक्करप्पभाए सतिभागे छक्कोसे वाहल्लेणं पण्णत्ते। वालुयप्पभाए तिभागूणे सत्तकोसे वाहल्लेणं पण्णत्ते। पंकप्पभाए पुढवीए सत्तकोसे वाहल्लेणं पण्णत्ते। धूमप्पभाए सतिभागे सत्तकोसे। तमप्पभाए तिभागूणे अट्ठकोसे वाहल्लेणं पन्नत्ते। अहेसत्तमाए पुढवीए अट्ठकोसे वाहल्लेणं पण्णत्ते ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० घणोदहिवलयस्स छज्जोयणवाहल्लस्स खेत्तच्छेएणं छिज्जमाणस्स अत्थि दव्वाइं वण्णओ काल जाव हंता अत्थि। सक्करप्पभाए णं भंते! पु० घणोदहिवलयस्स सतिभागछजोयणवाहल्लस्स खेत्तच्छेएणं छिज्जमाणस्स जाव हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए जं जस्स वाहल्लं। इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० घणवायवलयस्स अद्धपंचमजोयणवाहल्लस्स खेत्तछेएणं छि० जाव हंता अत्थि, एवं जाव अहेसत्तमाए जं जस्स वाहल्लं। एवं तणुवायवलयस्सवि जाव अहेसत्तमा जं जस्स वाहल्लं ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए घणोदहिवलए किंसंठिए पण्णत्ते? गोयमा! वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए पण्णत्ते जे णं इमं रयणप्पभं पुढविं सव्वओ० संपरिक्खिवित्ताणं चिट्ठइ, एवं जाव अहेसत्तमाए पु० घणोदहिवलए, णवरं अप्पणप्पणं पुढविं संपरिक्खिवित्ताणं चिट्ठइ। इमीसे णं रयणप्प० पु० घणवायवलए किंसंठिए पण्णत्ते? गोयमा! वट्टे वलयागारे तहेव जाव जे णं इमीसे रयणप्प० पु० घणोदहिवलयं सव्वओ समंता संपरिक्खिवित्ताणं चिट्ठइ एवं जाव अहेसत्तमाए घणवायवलए। इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० तणुवायवलए किंसंठिए पण्णत्ते? गोयमा! वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए जाव जेणं इमीसे रयणप्प० पु० घणवायवलयं सव्वओ समंता संपरिक्खिवित्ताणं चिट्ठइ, एवं जाव अहेसत्तमाए तणुवायवलए ॥ इमा णं भंते! रयणप्प० पु० केवइयं आयामविक्खंभेणं प०? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ इमा णं भंते! रयणप्प० पु० अंते य मज्झे य सव्वत्थ समा वाहल्लेणं पण्णत्ता? हंता गोयमा! इमा णं रयण० पु० अंते य मज्झे य सव्वत्थ समा वाहल्लेणं, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ७६ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० सव्वजीवा उववण्णपुव्वा? सव्वजीवा उववण्णा?, गोयमा! इमीसे णं रय० पु० सव्वजीवा उववण्णपुव्वा नो चेव णं सव्वजीवा उववण्णा, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए ॥

तिविहा पण्णत्ता, तंजहा–कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा, भेदो जाव भा० ॥ ५८ ॥ णपुंसगस्स णं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं ॥ नेरइयनपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० दसवाससहस्साइं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं, सव्वेसिं ठिई भाणियव्वा जाव अहेसत्तमापुढविनेरइया । तिरिक्खजोणियणपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई प०? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडी । एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसग० जह० अंतो० उक्को० बावीसं वाससहस्साइं, पुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० बावीसं वाससहस्साइं, सव्वेसिं एगिंदियणपुंसगाणं ठिई भाणियव्वा, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियणपुंसगाणं ठिई भाणियव्वा । पंचिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडी, एवं जलयरतिरिक्खचउप्पयथलयरउरपरिसप्पभुयपरिसप्पखहयरतिरिक्ख० सव्वेसिं जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडी । मणुस्सणपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडी, धम्मचरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी । कम्मभूमगभरहेरवयपुव्वविदेहअवरविदेहमणुस्सणपुंसगस्सवि तहेव, अकम्मभूमगमणुस्सणपुंसगस्स णं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जम्मणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० अंतोमु० साहरणं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० देसूणा पुव्वकोडी, एवं जाव अंतरदीवगाणं ॥ णपुंसए णं भंते! णपुंसएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं एक्कं समयं उक्को० तरुकालो। णेरइयणपुंसए णं भंते!०? गोयमा! जह० दस वाससहस्साइं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं, एवं पुढवीए ठिई भाणियव्वा । तिरिक्खजोणियणपुंसए णं भंते! ति०? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० वणस्सइकालो, एवं एगिंदियणपुंसगस्स णं, वणस्सइकाइयस्सवि एवमेव, सेसाणं जह० अंतो० उक्को० असंखेज्जं कालं असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोया । बेइंदियतेइंदियचउरिंदियनपुंसगाण य जह० अंतो० उक्को० संखेज्जं कालं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसए णं भंते!०? गोयमा! जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडिपुहुत्तं। एवं जलयरतिरिक्खचउप्पयथलयरउरपरिसप्पभुयपरिसप्पमहोरगाणवि । मणुस्सणपुंसगस्स णं भंते!०? खेत्तं पडुच्च जह० अंतो० उक्को० पुव्वकोडिपुहुत्तं, धम्मचरणं पडुच्च जह० एक्कं समयं उक्को० देसूणा पुव्वकोडी । एवं कम्मभूमगभरहेरवयपुव्वविदेहअवरविदेहेसुवि भाणियव्वं । अकम्मभूमगमणुस्सणपुंसए णं भंते!०?

चरिमंते एक्कं जोयणसयसहस्सं आवबहुलस्स उवरि एक्कं जोयणसयसहस्सं हेट्ठिल्ले चरिमंते असीउत्तरं जोयणसयसहस्सं। घणोदहिउवरिल्ले असिउत्तरजोयणसयसहस्सं हेट्ठिल्ले चरिमंते दो जोयगसयसहस्साइं। इमीसे णं भंते! रयण० पुढ० घणवायस्स उवरिल्ले चरिमंते दो जोयणसयसहस्साइं। हेट्ठिल्ले चरिमंते असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं। इमीसे णं भंते! रयण० पु० तणुवायस्स उवरिल्ले चरिमंते असंखेज्जाइं जोयगसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे हेट्ठिल्लेवि असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं, एवं ओवासंतरेवि ॥ दोच्चाए णं भंते! पुढवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! बत्तीसुत्तरं जोयणसयसहस्सं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। सक्करप्प० पु० उवरि घणोदहिस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते बावण्णुत्तरं जोयणसयसहस्सं अबाहाए०। घणवायस्स असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं पण्णत्ताइं। एवं जाव उवासंतरस्सवि जाव अहेसत्तमाए, णवरं जीसे जं बाहल्लं तेण घणोदही संबंधेयव्वो बुद्धीए। सक्करप्पभाए अणुसारेणं घणोदहिसहियाणं इमं पमाणं ॥ तच्चाए अडयालीसुत्तरं जोयणसयसहस्सं। पंकप्पभाए पुढवीए चत्तालीसुत्तरं जोयगसयसहस्सं। धूमप्पभाए पु० अट्ठतीसुत्तरं जोयणसयसहस्सं। तमाए पु० छत्तीसुत्तरं जोयणसयसहस्सं। अहेसत्तमाए पु० अट्ठावीसुत्तरं जोयणसयसहस्सं जाव अहेसत्तमाए णं भंते! पुढवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ उवासंतरस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ ७९ ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभा पुढवी दोच्चं पुढविं पणिहाय बाहल्लेणं किं तुल्ला विसेसाहिया संखेज्जगुणा? वित्थरेणं किं तुल्ला विसेसहीणा संखेज्जगुणहीणा?, गोयमा! इमा णं रयण० पु० दोच्चं पुढविं पणिहाय बाहल्लेणं नो तुल्ला विसेसाहिया नो संखेज्जगुणा, वित्थारेणं नो तुल्ला विसेसहीणा णो संखेज्जगुणहीणा। दोच्चा णं भंते! पुढवी तच्चं पुढविं पणिहाय बाहल्लेणं किं तुल्ला एवं चेव भाणियव्वं। एवं तच्चा चउत्थी पंचमी छट्ठी। छट्ठी णं भंते! पुढवी सत्तमं पुढविं पणिहाय बाहल्लेणं किं तुल्ला विसेसाहिया संखेज्जगुणा? एवं चेव भाणियव्वं। सेवं भंते! २ ॥ ८० ॥

पढमो नेरइयउद्देसो समत्तो ॥

कइ णं भंते! पुढवीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! सत्त पुढवीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-रयणप्पभा जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं केवइयं ओगाहित्ता हेट्ठा केवइयं वज्जित्ता मज्झे केवइए केवइया निरयावाससयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा! इमीसे णं रयण० पु० असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठावि

अणंतगुणा ॥ एएसि णं भंते ! मणुस्सणपुंसगाणं कम्मभूमिणपुंसगाणं अकम्मभूमिणपुंसगाणं अंतरदीवगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्वत्थोवा अंतरदीवगअकम्मभूमगमणुस्सणपुंसगा देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमग० दोवि संखेज्जगुणा एवं जाव पुव्वविदेहअवरविदेहकम्म० दोवि संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते ! णेरइयणपुंसगाणं रयणप्पभापुढविणेरइयनपुंसगाणं जाव अहेसत्तमापुढविणेरइयणपुंसगाणं तिरिक्खजोणियणपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोणियनपुंसगाणं पुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जाव वणस्सइकाइय० बेइंदियतेइंदियचउरिंदियपंचिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं मणुस्सणपुंसगाणं कम्मभूमिगाणं अकम्मभूमिगाणं अंतरदीवगाण य कयरे २ हिंतो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्वत्थोवा अहेसत्तमपुढविणेरइयणपुंसगा छट्ठपुढविनेरइयनपुंसगा असंखेज्ज० जाव दोच्चपुढविणेरइयणपुं० असंखे० अंतरदीवगमणुस्सणपुंसगा असंखेज्जगुणा, देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमग० दोवि संखेज्जगुणा जाव पुव्वविदेहअवरविदेहकम्मभूमगमणुस्सणपुंसगा दोवि संखेज्जगुणा, रयणप्पभापुढविणेरइयणपुंसगा असंखे० खहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणियनपुंसगा असं० थलयर० संखेज्ज० जलयर० संखेज्जगुणा चउरिंदियतिरिक्खजोणिय० विसेसाहिया तेइंदिय० विसे० बेइंदिय० विसे० तेउक्काइयएगिंदिय० असं० पुढविकाइयएगिंदिय० विसेसाहिया आउक्काइय० विसे० वाउक्काइय० विसेसा० वणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगा अणंतगुणा ॥ ६० ॥ णपुंसगवेयस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं बंधठिई पन्नत्ता? गोयमा ! जह० सागरोवमस्स दोन्नि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणगा उक्को० वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, दोण्णि य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया कम्मठिई कम्मणिसेगो । णपुंसगवेए णं भंते ! किंपगारे पण्णत्ते? गोयमा ! महाणगरदाहसमाणे पण्णत्ते समणाउसो !, से तं णपुंसगा ॥ ६१ ॥ एएसि णं भंते ! इत्थीणं पुरिसाणं नपुंसगाण य कयरे२हिंतो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुरिसा इत्थीओ संखे० णपुंसगा अणंत० । एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थीणं तिरिक्खजोणियपुरिसाणं तिरिक्खजोणियणपुंसगाण य कयरे २ हिंतो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्वत्थोवा तिरिक्खजोणियपुरिसा तिरिक्खजोणित्थीओ असंखे० तिरिक्खजो० णपुंसगा अणंतगुणा ॥ एएसि णं भंते ! मणुस्सित्थीणं मणुस्सपुरिसाणं मणुस्सणपुंसगाण य कयरे २ हिन्तो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्व० मणुस्सपुरिसा मणुस्सित्थीओ संखे० मणुस्सणपुंसगा असंखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते ! देवित्थीणं देवपुरिसाणं णेरइयणपुंसगाण य कयरे २ हिंतो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्वत्थोवा

प्पभाए पुढवीए नरया केरिसया वण्णेणं पण्णत्ता? गोयमा! काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणया परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए णरगा केरिसया गंधेणं पण्णत्ता? गोयमा! से जहाणामए अहिमडेइ वा गोमडेइ वा सुणगमडेइ वा मज्जारमडेइ वा मणुस्समडेइ वा महिसमडेइ वा मूसगमडेइ वा आसमडेइ वा हत्थिमडेइ वा सीहमडेइ वा वग्घमडेइ वा विगमडेइ वा दीवियमडेइ वा मयकुहियचिरविणट्ठकुणिमवावण्णदुब्भिगंधे असुइविलीणविगयबीभत्थदरिसणिज्जे किमिजालाउलसंसत्ते, भवेयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए णरगा एत्तो अणिट्ठतरगा चेव अकंततरगा चेव जाव अमणामतरगा चेव गंधेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० णरया केरिसया फासेणं पण्णत्ता? गोयमा! से जहानामए असिपत्तेइ वा खुरपत्तेइ वा कलंबचीरियापत्तेइ वा सत्तिग्गेइ वा कुंतग्गेइ वा तोमरग्गेइ वा नारायग्गेइ वा सूलग्गेइ वा लउलग्गेइ वा भिंडिमालग्गेइ वा सूइकलावेइ वा कवियच्छूइ वा विंचुयकंटएइ वा इंगालेइ वा जालेइ वा मुम्मुरेइ वा अच्चीइ वा अलाएइ वा सुद्धागणीइ वा, भवे एयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए णरगा एत्तो अणिट्ठतरगा चेव जाव अमणामतरगा चेव फासेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए ॥ ८३ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए नरगा केमहालया पण्णत्ता? गोयमा! अयण्णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतरए सव्वखुड्डाए वट्टे तेल्लापूवसंठाणसंठिए वट्टे रहचक्कवालसंठाणसंठिए वट्टे पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिए वट्टे पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिए एक्कं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं जाव किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं, देवे णं महिड्ढिए जाव महाणुभागे जाव इणामेव इणामेवत्तिकट्टु इमं केवलकप्पं जंबुद्दीवं २ तिहिं अच्छरानिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए सिग्घाए उद्धुयाए जयणाए छेयाए दिव्वाए दिव्वगईए वीइवयमाणे २ जहण्णेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं छम्मासेणं वीइवएज्जा, अत्थेगइए वीइवएज्जा अत्थेगइए नो वीइवएज्जा, एमहालया णं गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए णरगा पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए, णवरं अहेसत्तमाए अत्थेगइयं नरगं वीइवएज्जा, अत्थेगइए नरगे नो वीइवएज्जा ॥ ८४ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए णरगा किंमया पण्णत्ता? गोयमा! सव्ववइरामया पण्णत्ता, तत्थ णं नरएसु बहवे जीवा य पोग्गला य अवक्कमंति विउक्कमंति चयंति

मगमणुस्सणपुंसगा दोवि संखेज्जगुणा एवं चेव जाव पुव्वविदेहकम्मभूमगमणुस्सण-पुंसगा दोवि संखेज्जगुणा ॥ एयासि णं भंते ! देवित्थीणं भवणवासिणीणं वाणमन्त-रीणं जोइसिणीणं वेमाणिणीणं देवपुरिसाणं भवणवासीणं जाव वेमाणियाणं सोहम्म-गाणं जाव गेवेज्जगाणं अणुत्तरोववाइयाणं णेरइयणपुंसगाणं रयणप्पभापुढविणेरइय-णपुंसगाणं जाव अहेसत्तमपुढविनेरइय० कयरे २ हिंतो अप्पा वा ४? गोयमा ! सव्वत्थोवा अणुत्तरोववाइयदेवपुरिसा उवरिमगेवेज्जदेवपुरिसा संखेज्जगुणा तं चेव जाव आणए कप्पे देवपुरिसा संखेज्जगुणा अहेसत्तमाए पुढवीए णेरइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा छट्ठीए पुढवीए नेरइय० असंखेज्जगुणा सहस्सारे कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा महासुक्के कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा पंचमाए पुढवीए नेरइयणपुंसगा असंखेज्जगुणा लतए कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा चउत्थीए पुढवीए नेरइया असंखेज्ज-गुणा बंभलोए कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा तच्चाए पुढवीए नेरइय० असंखेज्जगुणा माहिंदे कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा सणंकुमारकप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा दोच्चाए पुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा ईसाणे कप्पे देवपुरिसा असंखेज्जगुणा ईसाणे कप्पे देवित्थियाओ संखेज्जगुणाओ सोहम्मे कप्पे देवपुरिसा संखेज्ज० सोहम्मे कप्पे देवित्थियाओ संखे० भवणवासिदेवपुरिसा असंखेज्जगुणा भवणवासिदेवित्थियाओ संखेज्जगुणाओ इमीसे रयणप्पभापुढवीए नेरइया असंखेज्जगुणा वाणमंतरदेवपुरिसा असंखेज्जगुणा वाणमंतरदेवित्थियाओ संखेज्जगुणाओ जोइसियदेवपुरिसा संखेज्जगुणा जोइसियदेवित्थियाओ संखेज्जगुणा ॥ एयासि णं भंते ! तिरिक्खजोणित्थीणं जल-यरीणं थलयरीणं खहयरीणं तिरिक्खजोणियपुरिसाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं तिरिक्खजोणियणपुंसगाणं एगिंदियतिरिक्खजोणियणपुंसगाणं पुढविक्काइयएगिंदि-यति०जो०णपुंसगाणं आउक्काइयएगिंदियति०जो०णपुंसगाणं जाव वणस्सइकाइय-एगिंदियति०जो०णपुंसगाणं वेइंदियति०जो०णपुंसगाणं तेइंदियति०जो०णपुंसगाणं चउरिंदियति०जो०णपुंसगाणं पंचेंदियति०जो०णपुंसगाणं जलयराणं थलयराणं खहयराणं मणुस्सित्थीणं कम्मभूमियाणं अकम्मभूमियाणं अंतरदीवियाणं मणुस्स-पुरिसाणं कम्मभूमगाणं अकम्म० अंतरदीवयाणं मणुस्सणपुंसगाणं कम्मभूमगाणं अकम्मभूमगाणं अंतरदीवगाणं देवित्थीणं भवणवासिणीणं वाणमंतरीणं जोइसिणीणं वेमाणिणीणं देवपुरिसाणं भवणवासीणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाणं सोहम्मगाणं जाव गेवेज्जगाणं अणुत्तरोववाइयाणं नेरइयणपुंसगाणं रयणप्पभापुढ-विनेरइयणपुंसगाणं जाव अहेसत्तमपुढविणेरइयणपुंसगाण य कयरे २ हिन्तो अप्पा वा ४? गोयमा ! अंतरदीवअकम्मभूमगमणुस्सित्थीओ मणुस्सपुरिसा य

अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० नेरइयाणं सरीरा किंसंठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जे ते भवधारणिज्जा ते हुंडसंठिया पण्णत्ता, तत्थ णं जे ते उत्तरवेउव्विया तेवि हुंडसंठिया पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइयाणं सरीरगा केरिसया वण्णेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! काला कालोभासा जाव परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते रयण० पु० नेरइयाणं सरीरया केरिसया गंधेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! से जहानामए अहिमडेइ वा तं चेव जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० नेरइयाणं सरीरया केरिसया फासेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! फुडियच्छविविच्छविया खरफरुसझामझुसिरा फासेणं पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ८७ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए णेरइयाणं केरिसया पोग्गला ऊसासत्ताए परिणमंति ? गोयमा ! जे पोग्गला अणिट्ठा जाव अमणामा ते तेसिं ऊसासत्ताए परिणमंति, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं आहारस्सवि सत्तसुवि ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० नेरइयाणं कइ लेसाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! एक्का काउलेसा पण्णत्ता, एवं सक्करप्पभाएऽवि, वालुयप्पभाए पुच्छा, गोयमा ! दो लेसाओ पण्णत्ताओ तं०—नीललेसा य काउलेसा य, तत्थ जे काउलेसा ते वहुतरा जे णीललेस्सा पण्णत्ता ते थोवा, पंकप्पभाए पुच्छा, एक्का नीललेसा पण्णत्ता, धूमप्पभाए पुच्छा, गोयमा ! दो लेस्साओ पण्णत्ताओ, तंजहा—किण्हलेस्सा य नीललेस्सा य, ते वहुतरगा जे नीललेस्सा, ते थोवतरगा जे किण्हलेसा, तमाए पुच्छा, गोयमा ! एक्का किण्हलेस्सा, अहेसत्तमाए एक्का परमकिण्हलेस्सा ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० नेरइया किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी ? गोयमा ! सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि सम्मामिच्छादिट्ठीवि, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० णेरइया किं नाणी अण्णाणी ? गोयमा ! णाणीवि अण्णाणीवि, जे णाणी ते णियमा तिणाणी, तंजहा—आभिणिवोहियणाणी सुयणाणी ओहिणाणी, जे अण्णाणी ते अत्थेगइया दुअण्णाणी अत्थेगइया तिअन्नाणी, जे दुअन्नाणी ते णियमा मइअन्नाणी य सुयअण्णाणी य, जे तिअन्नाणी ते नियमा मइअण्णाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणीवि, सेसा णं णाणीवि अण्णाणीवि तिण्णि जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयण० पु० किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी ? गो० ! तिण्णिवि, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभापु० नेरइया किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता ? गोयमा ! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए ॥ [इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० नेरइया ओहिणा

तिविहेसु होइ भेओ ठिई य संचिट्ठणंतरऽप्पबहुं । वेयाण य बंधठिई वेओ तह किंपगारो उ ॥ १ ॥ ६४ ॥ **दोच्चा तिविहा पडिवत्ती समत्ता ॥**

तत्थ जे ते एवमाहंसु चउव्विहा संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता ते एवमाहंसु, तंजहा—नेरइया तिरिक्खजोणिया मणुस्सा देवा ॥ ६५ ॥ से किं तं नेरइया? २ सत्तविहा पण्णत्ता, तंजहा-पढमापुढविनेरइया दोच्चापुढविनेरइया तच्चापुढविनेर० चउत्थापुढवीनेर० पंचमापु०नेरइया छट्ठापु०नेर० सत्तमापु०नेरइया ॥ ६६ ॥ पढमा णं भंते! पुढवी किंनामा किंगोत्ता पण्णत्ता? गोयमा! णामेणं घम्मा गोत्तेणं रयणप्पभा । दोच्चा णं भंते! पुढवी किंनामा किंगोत्ता पण्णत्ता? गोयमा! णामेणं वंसा गोत्तेणं सक्करप्पभा, एवं एएणं अभिलावेणं सव्वासिं पुच्छा, णामाणि इमाणि सेला तइया अंजणा चउत्थी रिट्ठा पंचमी मघा छट्ठी माघवई सत्तमा जाव तमतमागोत्तेणं पण्णत्ता ॥ ६७ ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी केवइया बाहल्लेणं पण्णत्ता? गोयमा! इमा णं रयणप्पभापुढवी असिउत्तरं जोयणसयसहस्सं बाहल्लेणं पण्णत्ता, एवं एएणं अभिलावेणं इमा गाहा अणुगंतव्वा—आसीयं बत्तीसं अट्ठावीसं तहेव वीसं च । *अट्ठारस सोलसगं अट्ठुत्तरमेव हिट्ठिमिया ॥ १ ॥ ६८ ॥* इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—खरकंडे पंकबहुले कंडे आवबहुले कंडे ॥ इमीसे णं भंते! रय० पुढ० खरकंडे कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! सोलसविहे पण्णत्ते, तंजहा—रयणकंडे १ वइरे २ वेरुलिए ३ लोहियक्खे ४ मसारगल्ले ५ हंसगब्भे ६ पुलए ७ सोगंधिए ८ जोइरसे ९ अंजणे १० अंजणपुलए ११ रयए १२ जायरूवे १३ अंके १४ फलिहे १५ रिट्ठे १६ कंडे ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभापुढवीए रयणकंडे कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! एगागारे पण्णत्ते, एवं जाव रिट्ठे । इमीसे णं भंते! रयणप्पभापुढवीए पंकबहुले कंडे कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! एगागारे पण्णत्ते । एवं आवबहुले कंडे कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! एगागारे पण्णत्ते । सक्करप्पभा णं भंते! पुढवी कइविहा पण्णत्ता? गोयमा! एगागारा पण्णत्ता, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ६९ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए

वेयणं वेदेंति, एवं अहेसत्तमाए णवरं परमसीयं ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णेरइया केरिसयं णिरयभवं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा ! ते णं तत्थ णिच्चं भीया णिच्चं तसिया णिच्चं छुहिया णिच्चं उव्विग्गा निच्चं उपप्पुया णिच्चं वहिया निच्चं परममसुभमउलमणुवद्धं निरयभवं पच्चणुभवमाणा विहरंति, एवं जाव अहेसत्तमाए णं पुढवीए पंच अणुत्तरा महइमहालया महाणरगा पण्णत्ता, तंजहा—काले महाकाले रोरुए महारोरुए अप्पइट्ठाणे, तत्थ इमे पंच महापुरिसा अणुत्तरेहिं दंडसमादाणेहिं कालमासे कालं किच्चा अप्पइट्ठाणे णरए णेरइयत्ताए उववण्णा, तंजहा—रामे जमदग्गिपुत्ते, दढाऊ लच्छइपुत्ते, वसू उवरिचरे, सुभूमे कोरव्वे, बंभदत्ते चुलणिसुए, ते णं तत्थ नेरइया जाया काला कालो० जाव परमकिण्हा वण्णेणं पण्णत्ता, तंजहा–ते णं तत्थ वेयणं वेदेंति उज्जलं विउलं जाव दुरहियासं ॥ उसिणवेयणिज्जेसु णं भंते ! णरइएसु णेरइया केरिसयं उसिणवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ? गोयमा ! से जहाणामए कम्मारदारए सिया तरुणे वलवं जुगवं अप्पायंके थिरग्गहत्थे दढ-पाणिपायपासपिट्ठंतरोरुसंघायपरिणए लंघणपवणजवणवग्गणपमद्दणसमत्थे तलजमल-जुयलवहुफलिहणिभवाहू घणणिचियवलियवट्टखंधे चम्मेट्ठगदुहणमुट्ठियसमाहयणिचिय-गत्ते उरस्सबलसमण्णागए छेए दक्खे पट्ठे कुसले णिउणे मेहावी णिउणसिप्पोवगए एगं महं अयपिंडं उदगवारसमाणं गहाय तं ताविय ताविय कोट्टिय कोट्टिय उब्भिंदिय उब्भिंदिय चुण्णिय चुण्णिय जाव एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं अद्धमासं संहणेज्जा, से णं तं सीयं सीईभूयं अओमएणं संदंसएणं गहाय असब्भाव-पट्ठवणाए उसिणवेयणिज्जेसु णरएसु पक्खिवेज्जा, से णं तं उम्मिसियणिमिसियंतरेणं पुणरवि पच्चुद्धरिस्सामित्तिकट्टु पविरायमेव पासेज्जा पविलीणमेव पासेज्जा पविद्धत्थमेव पासेज्जा णो चेव णं संचाएइ अविरायं वा अविलीणं वा अविद्धत्थं वा पुणरवि पच्चुद्धरित्तए ॥ से जहा नामए मत्तमातंगे दुपए कुंजरे सट्ठिहायणे पढमसरयकाल-समयंसि वा चरमनिदाघकालसमयंसि वा उण्हाभिहए तण्हाभिहए दवग्गिजालाभिहए आउरे सुसिए पिवासिए दुब्बले किलंते एक्कं महं पुक्खरिणिं पासेज्जा चाउक्कोणं समतीरं अणुपुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलजलं संछण्णपत्तभिसमुणालं वहुउप्पलकुमुय-णलिणसुभगसोगंधियपुंडरीयमहापुंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तकेसरफुल्लोवचियं छप्पयपरि-भुज्जमाणकमलं अच्छविमलसलिलपुण्णं परिहत्थभमंतमच्छकच्छभं अणेगसउणगण-मिहुणयविरइयसद्दुन्नइयमहुरसरणाइयं तं पासइ तं पासित्ता तं ओगाहइ ओगाहित्ता से णं तत्थ उण्हंपि पविणेज्जा तण्हंपि पविणेज्जा खुहंपि पविणेज्जा जरंपि पवि० दाहंपि पवि० णिद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा सइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभेज्जा,

इमा णं भंते! रयणप्प० पु० किंसंठिया पण्णत्ता? गोयमा! झल्लरिसंठिया पण्णत्ता। इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० खरकंडे किंसंठिए पण्णत्ते? गोयमा! झल्लरिसंठिए पण्णत्ते। इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० रयणकंडे किंसंठिए पण्णत्ते? गोयमा! झल्लरि संठिए पण्णत्ते, एवं जाव रिट्ठे, एवं पंकबहुलेवि, एवं आवबहुलेवि घणोदहीवि घणवाएवि तणुवाएवि ओवासंतरेवि, सव्वे झल्लरिसंठिया पण्णत्ता। सक्करप्पभा णं भंते! पुढवी किंसंठिया पण्णत्ता? गोयमा! झल्लरिसंठिया पण्णत्ता, सक्करप्पभापुढवीए घणोदही किंसंठिए पण्णत्ते? गोयमा! झल्लरिसंठिए पण्णत्ते, एवं जाव ओवासंतरे, जहा सक्करप्पभाए वत्तव्वया एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ७४ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पुढवीए पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ केवइयं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते? गोयमा! दुवालसहिं जोयणेहिं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं दाहिणिल्लाओ पच्चत्थिमिल्लाओ उत्तरिल्लाओ। सक्करप्प० पु० पुरत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ केवइयं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते? गोयमा! तिभागूणेहिं तेरसहिं जोयणेहिं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं चउद्दिसिंपि। वालुयप्प० पु० पुरत्थिमिल्लाओ पुच्छा, गोयमा! सतिभागेहिं तेरसहिं जोयणेहिं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं चउद्दिसिंपि, एवं सव्वासिं चउसुवि दिसासु पुच्छियव्वं। पंकप्प० चोद्दसहिं जोयणेहिं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते। पंचमाए तिभागूणेहिं पन्नरसहिं जोयणेहिं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते। छट्ठीए सतिभागेहिं पन्नरसहिं जोयणेहिं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते। सत्तमीए सोलसहिं जोयणेहिं अबाहाए लोयंते पण्णत्ते, एवं जाव उत्तरिल्लाओ ॥ इमीसे णं भंते! रयण० पु० पुरत्थिमिल्ले चरिमंते कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—घणोदहिवलए घणवायवलए तणुवायवलए। इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० दाहिणिल्ले चरिमंते कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे पण्णत्ते, तंजहा—एवं जाव उत्तरिल्ले, एवं सव्वासिं जाव अहेसत्तमाए उत्तरिल्ले ॥ ७५ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पुढवीए घणोदहिवलए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! छ जोयणाणि बाहल्लेणं पण्णत्ते। सक्करप्प० पु० घणोदहिवलए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! सतिभागाइं छजोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ते। वालुयप्पभाए पुच्छा, गोयमा! तिभागूणाइं सत्त जोयणाइं बाहल्लेणं प०। एवं एएणं अभिलावेणं पंकप्पभाए सत्त जोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ते। धूमप्पभाए सतिभागाइं सत्त जोयणाइं बा० पण्णत्ते। तमप्पभाए तिभागूणाइं अट्ठ जोयणाइं। तमतमप्पभाए अट्ठ जोयणाइं ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० घणवायवलए केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! अद्धपंचमाइं जोयणाइं बाहल्लेणं। सक्करप्पभाए पुच्छा, गोयमा! कोसूणाइं पंच जोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ते, एवं एएणं अभिलावेणं वालुयप्पभाए पंच जोयणाइं

कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहण्णेणवि उक्कोसेणवि ठिई भाणियव्वा जाव अहेसत्तमाए ॥ ९० ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पु० णेरइया अणंतरं उव्वट्टिय कहिं गच्छंति? कहिं उववज्जंति? किं नेरइएसु उववज्जंति? किं तिरिक्खजोणिएसु उववज्जंति? एवं उव्वट्टणा भाणियव्वा जहा वक्कंतीए तहा इहवि जाव अहेसत्तमाए ॥ ९१ ॥ इमीसे णं भंते! रयण० पु० नेरइया केरिसयं पुढविफासं पच्चणुभवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमाए, इमीसे णं भंते! रयण० पु० नेरइया केरिसयं आउफासं पच्चणुभवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमाए, एवं जाव वणप्फइफासं अहेसत्तमाए पुढवीए। इमा णं भंते! रयणप्पभापुढवी दोच्चं पुढविं पणिहाय सव्वमहंतिया वाहल्लेणं सव्वक्खुड्डिया सव्वंतेसु? हंता गोयमा! इमा णं रयणप्पभापुढवी दोच्चं पुढविं पणिहाय जाव सव्वक्खुड्डिया सव्वंतेसु, दोच्चा णं भंते! पुढवी तच्चं पुढविं पणिहाय सव्वमहंतिया वाहल्लेणं पुच्छा, हंता गोयमा! दोच्चा णं पुढवी जाव सव्वक्खुड्डिया सव्वंतेसु, एवं एएणं अभिलावेणं जाव छट्ठिया पुढवी अहेसत्तमं पुढविं पणिहाय सव्वक्खुड्डिया सव्वंतेसु ॥ ९२ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० तीसाए नरयावाससयसहस्सेसु इक्कमिक्कंसि निरयावासंसि सव्वे पाणा सव्वे भूया सव्वे जीवा सव्वे सत्ता पुढवीकाइयत्ताए जाव वणस्सइकाइयत्ताए नेरइयत्ताए उववन्नपुव्वा? हंता गोयमा! असइं अदुवा अणंतखुत्तो, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए णवरं जत्थ जत्तिया णरगा [इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पु० निरयपरिसामंतेसु जे पुढविक्काइया जाव वणप्फइकाइया ते णं भंते! जीवा महाकम्मतरा चेव महाकिरियतरा चेव महाआसवतरा चेव महावेयणतरा चेव? हंता गोयमा! इमीसे णं रयणप्पभाए पुढवीए निरयपरिसामंतेसु तं चेव जाव महावेयणतरा चेव, एवं जाव अहेसत्तमा] ॥ ९३ ॥ पुढविं ओगाहित्ता, नरगा संठाणमेव वाहल्लं। विक्खंभपरिक्खेवे वण्णो गंधो य फासो य ॥ १ ॥ तेसिं महालयाए उवमा देवेण होइ कायव्वा। जीवा य पोग्गला वक्कमंति तह सासया निरया ॥ २ ॥ उववायपरीमाणं अवहारुच्चत्तमेव संघयणं। संठाणवण्णगंधा फासा ऊसासमाहारे ॥ ३ ॥ लेसा दिट्ठी नाणे जोगुवओगे तहा समुग्घाया। तत्तो खुहापिवासा विउव्वणा वेयणा य भए ॥ ४ ॥ उववाओ पुरिसाणं ओवम्मं वेयणाऍ दुविहाए। उव्वट्टणपुढवी उ उववाओ सव्वजीवाणं ॥ ५ ॥ एयाओ संगहणिगाहाओ ॥ ९४ ॥ **बीओ णेरइयउद्देसो समत्तो** ॥

इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया केरिसयं पोग्गलपरिणामं पच्चणुभवमाणा विहरंति? गोयमा! अणिट्ठं जाव अमणामं, एवं जाव अहेसत्तमाए एवं

इमा णं भंते! रयण० पु० सव्वजीवेहिं विजढपुव्वा? सव्वजीवेहिं विजढा?, गोयमा! इमा णं रयण० पु० सव्वजीवेहिं विजढपुव्वा नो चेव णं सव्वजीवविजढा, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं भंते! रयण० पु० सव्वपोग्गला पविट्ठपुव्वा? सव्वपोग्गला पविट्ठा?, गोयमा! इमीसे णं रयण० पुढवीए सव्वपोग्गला पविट्ठपुव्वा नो चेव णं सव्वपोग्गला पविट्ठा, एवं जाव अहेसत्तमाए पुढवीए ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभा पुढवी सव्वपोग्गलेहिं विजढपुव्वा? सव्वपोग० विजढा?, गोयमा! इमा णं रयणप्पभा पु० सव्वपोग्गलेहिं विजढपुव्वा नो चेव णं सव्वपोग्गलेहिं विजढा, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ७७ ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभा पुढवी किं सासया असासया? गोयमा! सिय सासया सिय असासया ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-सिय सासया सिय असासया? गोयमा! दव्वट्ठयाए सासया, वण्णपज्जवेहिं गंधपज्जवेहिं रसपज्जवेहिं फासपज्जवेहिं असासया, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-तं चेव जाव सिय असासया, एवं जाव अहेसत्तमा ॥ इमा णं भंते! रयणप्पभा पु० कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! न कयाइ ण आसि ण कयाइ णत्थि ण कयाइ ण भविस्सइ भुविं च भवइ य भविस्सइ य धुवा णियया सासया अक्खया अव्वया अवट्ठिया णिच्चा एवं जाव अहेसत्तमा ॥ ७८ ॥ [इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! असिउत्तरं जोयणसयसहस्सं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। इमीसे णं भंते! रयण० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ खरस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! सोलस जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते] इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए उवरिल्लाओ चरिमंताओ रयणस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! एक्कं जोयणसहस्सं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ इमीसे णं भंते! रयण० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ वइरस्स कण्डस्स उवरिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! एक्कं जोयणसहस्सं अबाहाए अंतरे प० ॥ इमीसे णं भंते! रयण० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ वइरस्स कंडस्स हेट्ठिल्ले चरिमंते एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे प०? गोयमा! दो जोयणसहस्साइं इमीसे णं० अबाहाए अंतरे पण्णत्ते, एवं जाव रिट्ठस्स उवरिल्ले पन्नरस जोयणसहस्साइं, हेट्ठिल्ले चरिमंते सोलस जोयणसहस्साइं ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० उवरिल्लाओ चरिमंताओ पंकबहुलस्स कंडस्स उवरिल्ले चरिमंते एस णं अबाहाए केवइयं अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! सोलस जोयणसहस्साइं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते। हेट्ठिल्ले

बेइंदियति०, से तं बेइंदियतिरि० एवं जाव चउरिंदिया। से किं तं पंचेंदियतिरिक्खजोणिया? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—जलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया थलयरपंचेंदियतिरिक्खजो० खहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया। से किं तं जलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संमुच्छिमजलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया य गब्भवक्कंतियजलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया य। से किं तं संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगसंमुच्छिम० अपज्जत्तगसंमुच्छिमजलयर०, से तं संमुच्छिम०पंचिंदियतिरिक्ख०। से किं तं गब्भवक्कंतियजलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगगब्भवक्कंतिय० अपज्जत्तगगब्भ० से तं गब्भवक्कंतियजलयर०, से तं जलयरपंचेंदियतिरि०। से किं तं थलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—चउप्पयथलयरपंचेंदिय० परिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया। से किं तं चउप्पयथलयरपंचिंदिय०? चउप्पय० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संमुच्छिमचउप्पयथलयरपंचेंदिय० गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया य, जहेव जलयराणं तहेव चउक्कओ भेओ, सेत्तं चउप्पयथलयरपंचेंदिय०। से किं तं परिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्ख०? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—उरपरिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया भुयपरिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया। से किं तं उरपरिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया? उरपरि० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—जहेव जलयराणं तहेव चउक्कओ भेओ, एवं भुयपरिसप्पाणवि भाणियव्वं, से तं भुयपरिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया, से तं थलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया। से किं तं खहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया? खहयर० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संमुच्छिमखहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया गब्भवक्कंतियखहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया य। से किं तं संमुच्छिमखहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया? संमु० दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगसंमुच्छिमखहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया अपज्जत्तगसंमुच्छिमखहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणिया य, एवं गब्भवक्कंतियावि जाव पज्जत्तगगब्भवक्कंतियावि जाव अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियावि। खहयरपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते! कइविहे जोणिसंगहे पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे जोणिसंगहे पण्णत्ते, तंजहा—अंडया पोयया संमुच्छिमा, अंडया तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—इत्थी पुरिसा णपुंसगा, पोयया तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—इत्थी पुरिसा णपुंसया, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सव्वे णपुंसगा ॥ ९६ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं कइ लेसाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! छल्लेसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा ॥ ते णं भंते!

एगं जोयणसहस्सं वज्जेत्ता मज्झे अडसत्तरी जोयणसयसहस्सा, एत्थ णं रयणप्पभाए पु० नेरइयाणं तीसं निरयावाससयसहस्साइं भवंतित्तिमक्खाया ॥ ते णं णरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा जाव असुभा णरएसु वेयणा, एवं एएणं अभिलावेणं उवजुंजिऊण भाणियव्वं ठाणप्पयाणुसारेणं, जत्थ जं बाहल्लं जत्थ जत्तिया वा नरयावाससयसहस्सा जाव अहेसत्तमाए पुढवीए, अहेसत्तमाए मज्झिमं केवइए कइ अणुत्तरा महइमहालया महाणिरया पण्णत्ता एवं पुच्छियव्वं वागरेयव्वंपि तहेव छट्ठिसत्तमासु काऊ य अगणिवण्णाभा भाणियव्वा ॥ ८१ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए णरगा किंसंठिया पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—आवलियपविट्ठा य आवलियबाहिरा य, तत्थ णं जे ते आवलियपविट्ठा ते तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—वट्टा तंसा चउरंसा, तत्थ णं जे ते आवलियबाहिरा ते णाणासंठाणसंठिया पण्णत्ता, तंजहा—अयकोट्ठसंठिया पिट्ठपयणगसंठिया कंडूसंठिया लोहीसंठिया कडाहसंठिया थालीसंठिया पिहडगसंठिया किमियडसंठिया किन्नपुडगसंठिया उडवसंठिया मुरवसंठिया मुयंगसंठिया नंदिमुयंगसंठिया आलिंगयसंठिया सुघोससंठिया दद्दरयसंठिया पणवसंठिया पडहसंठिया भेरिसंठिया झल्लरीसंठिया कुतुंवगसंठिया नालिसंठिया, एवं जाव तमाए ॥ अहेसत्तमाए णं भंते! पुढवीए णरगा किंसंठिया पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—वट्टे य तंसा य ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए नरगा केवइयं बाहल्लेणं पण्णत्ता? गोयमा! तिण्णि जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं पण्णत्ता, तंजहा—हेट्ठा घणा सहस्सं मज्झे झुसिरा सहस्सं उप्पिं संकुइया सहस्सं, एवं जाव अहेसत्तमाए॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० नरगा केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संखेज्जवित्थडा य असंखेज्जवित्थडा य, तत्थ णं जे ते संखेज्जवित्थडा ते णं संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं संखेज्जाइं जोयणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ता तत्थ णं जे ते असंखेज्जवित्थडा ते णं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं असंखेज्जाइं [जो]यणसहस्साइं परिक्खेवेणं पण्णत्ता एवं जाव तमाए, अहेसत्तमाए णं भंते! पुच्छा, [गो]यमा दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—संखेज्जवित्थडे य असंखेज्जवित्थडा य, तत्थ णं [जे] ते संखेज्जवित्थडे से णं एक्कं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिन्नि जोयण[स]यसहस्साइं सोलस सहस्साइं दोन्नि य सत्तावीसे जोयणसए तिन्नि कोसे य अट्ठावीसं [च] धणुसयं तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलयं च किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ते, [त]त्थ णं जे ते असंखेज्जवित्थडा ते णं असंखेज्जाइं जोयणसयसहस्साइं आयाम[वि]क्खंभेणं असंखेज्जाइं जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ता ॥ ८२ ॥ इमीसे णं भंते! रयण-

मुहसयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा! नव जाईकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा समक्खाया। तेइंदियाणं पुच्छा, गोयमा! अट्ठजाईकुल जाव मक्खाया। बेइंदियाणं भंते! कइ जाई० पुच्छा, गोयमा! सत्त जाईकुलकोडीजोणीपमुह० ॥ ९७ ॥ कइ णं भंते! गंधा पण्णत्ता? कइ णं भंते! गंधसया पण्णत्ता?, गोयमा! सत्त गंधा सत्त गंधसया पण्णत्ता ॥ कइ णं भंते! पुप्फजाईकुलकोडीजोणिपमुहसयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा! सोलसपुप्फजाईकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा पण्णत्ता, तंजहा—चत्तारि जलयाणं चत्तारि थलयाणं चत्तारि महारुक्खियाणं चत्तारि महागुम्मियाणं ॥ कइ णं भंते! वल्लीओ कइ वल्लिसया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि वल्लीओ चत्तारि वल्लीसया पण्णत्ता ॥ कइ णं भंते! लयाओ कइ लयासया पण्णत्ता? गोयमा! अट्ठ लयाओ अट्ठ लयासया पण्णत्ता ॥ कइ णं भंते! हरियकाया हरियकायसया पण्णत्ता? गोयमा! तओ हरियकाया तओ हरियकायसया पण्णत्ता, फलसहस्सं च विंटबद्धाणं फलसहस्सं च णालबद्धाणं, ते वि सव्वे हरियकायमेव समोयरंति, ते एवं समणुगम्ममाणा २ एवं समणुगाहिज्जमाणा २ एवं समणुपेहिज्जमाणा २ एवं समणुचिंतिज्जमाणा २ एएसु चेव दोसु काएसु समोयरंति, तंजहा—तसकाए चेव थावरकाए चेव, एवामेव सपुव्वावरेणं आजीवियदिट्ठंतेणं चउरासीइ जाइकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खाया ॥ ९८ ॥ अत्थि णं भंते! विमाणाइं सोत्थियाणि सोत्थियावत्ताइं सोत्थियपभाइं सोत्थियकन्ताइं सोत्थियवन्नाइं सोत्थियलेसाइं सोत्थियज्झयाइं सोत्थियसिंगाराइं सोत्थियकूडाइं सोत्थियसिट्ठाइं सोत्थुत्तरवडिंसगाइं? हंता अत्थि। ते णं भंते! विमाणा केमहालया प०? गोयमा! जावइए णं सूरिए उदेइ जावइए णं च सूरिए अत्थमइ एवइयाइं तिण्णोवासंतराइं अत्थेगइयस्स देवस्स एगे विक्कमे सिया, से णं देवे ताए उक्किट्ठाए तुरियाए जाव दिव्वाए देवगईए वीईवयमाणे २ जाव एगाहं वा दुयाहं वा उक्कोसेणं छम्मासा वीईवएज्जा, अत्थेगइया विमाणं वीईवएज्जा अत्थेगइया विमाणं नो वीईवएज्जा, एमहालया णं गोयमा! ते विमाणा पण्णत्ता, अत्थि णं भंते! विमाणाइं अच्चीणि अच्चिरावत्ताइं तहेव जाव अच्चुत्तरवडिंसगाइं? हंता अत्थि, ते णं भंते! विमाणा केमहालया पण्णत्ता? गोयमा! एवं जहा सोत्थी-(याइं)णि णवरं एवइयाइं पंच उवासंतराइं अत्थेगइयस्स देवस्स एगे विक्कमे सिया सेसं तं चेव ॥ अत्थि णं भंते! विमाणाइं कामाइं कामावत्ताइं जाव कामुत्तरवडिंसयाइं? हंता अत्थि, ते णं भंते! विमाणा केमहालया पण्णत्ता? गोयमा! जहा सोत्थीणि णवरं सत्त उवासंतराइं विक्कमे सेसं तहेव ॥ अत्थि णं भंते? विमाणाइं विजयाइं वेजयंताइं जयंताइं अपराजियाइं? हंता अत्थि, ते णं भंते! विमाणा के०? गोयमा!

उववज्जंति, सासया णं ते णरगा दव्वट्ठयाए वण्णपज्जवेहिं गंधपज्जवेहिं रसपज्जवेहिं फासपज्जवेहिं असासया, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ८५ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया कओहिंतो उववज्जंति किं असण्णीहिंतो उववज्जंति सरीसिवेहिंतो उववज्जंति पक्खीहिंतो उववज्जंति चउप्पएहिंतो उववज्जंति उरगेहिंतो उववज्जंति इत्थियाहिंतो उववज्जंति मच्छमणुएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! असण्णीहिंतो उववज्जंति जाव मच्छमणुएहिंतोवि उववज्जंति, असण्णी खलु पढमं दोच्चं च सरीसिवा तइय पक्खी । सीहा जंति चउत्थिं उरगा पुण पंचमिं जंति ॥ १ ॥ छट्ठिं च इत्थियाओ मच्छा मणुया य सत्तमिं जंति । जाव अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइया णो असण्णीहिंतो उववज्जंति जाव णो इत्थियाहिंतो उववज्जंति मच्छमणुस्सेहिंतो उववज्जंति ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णेरइया एक्कसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पुढवीए णेरइया समए समए अवहीरमाणा अवहीरमाणा केवइकालेणं अवहिया सिया ? गोयमा ! ते णं असंखेज्जा समए समए अवहीरमाणा अवहीरमाणा असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति नो चेव णं अवहिया सिया जाव अहेसत्तमा ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णेरइयाणं केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा सरीरोगाहणा पण्णत्ता, तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य, तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिण्णि य रयणीओ छच्च अंगुलाइं, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से जह० अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्को० पण्णरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ, दोच्चाए भवधारणिज्जे जहण्णओ अंगुलासंखेज्जइभागं उक्को० पण्णरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ उत्तरवेउव्विया जह० अंगुलस्स संखेज्जइभागं उक्को० एक्कतीसं धणूइं एक्का रयणी, तच्चाए भवधारणिज्जे एक्कतीसं धणूइं एक्का रयणी, उत्तरवेउव्विया वासट्ठिं धणूइं दोण्णि रयणीओ, चउत्थीए भवधारणिज्जे वासट्ठिं धणूइं दोण्णि य रयणीओ, उत्तरवेउव्विया पणवीसं धणुसयं, पंचमीए भवधारणिज्जे पणवीसं धणुसयं, उत्तरवे० अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं, छट्ठीए भवधारणिज्जा अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं, उत्तरवेउव्विया पंचधणुसयाइं, सत्तमाए भवधारणिज्जा पंचधणुसयाइं उत्तरवेउव्विए धणुसहस्सं ॥ ८६ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्प० पु० णेरइयाणं सरीरया किंसंघयणी पण्णत्ता ? गोयमा ! छण्हं संघयणाणं असंघयणी, णेवट्ठी णेव छिरा णवि ण्हारू णेव संघयणमत्थि, जे पोग्गला अणिट्ठा जाव अमणामा ते तेसिं सरीरसंघायत्ताए परिणमंति, एवं जाव

णीहिं, जहन्नपयाओ उक्कोसपए असंखेज्जगुणा, एवं जाव पडुप्पन्नवाउक्काइया ॥ पडुप्पन्नवणप्फइकाइया णं भंते ! केवइकालस्स निल्लेवा सिया ? गोयमा ! पडुप्पन्नवण० जहण्णपए अपया उक्कोसपए अपया, पडुप्पन्नवणप्फइकाइयाणं णत्थि निल्लेवणा ॥ पडुप्पन्नतसकाइयाणं पुच्छा, जहण्णपए सागरोवमसयपुहुत्तस्स उक्कोसपए सागरोवमसयपुहुत्तस्स, जहण्णपया उक्कोसपए विसेसाहिया ॥ १०२ ॥ अविसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे असमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे। अविसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे असमोहएणं अप्पाणएणं विसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे। अविसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे समोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे। अविसुद्धलेस्से० अणगारे समोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? नो इणट्ठे समट्ठे। अविसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? नो इणट्ठे समट्ठे। अविसुद्धलेस्से० अणगारे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? नो इणट्ठे समट्ठे। विसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे असमोहएणं अप्पाणेणं अविसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ जहा अविसुद्धलेस्सेणं छ आलावगा एवं विसुद्धलेस्सेणवि छ आलावगा भाणियव्वा जाव विसुद्धलेस्से णं भंते ! अणगारे समोहयासमोहएणं अप्पाणेणं विसुद्धलेस्सं देवं देविं अणगारं जाणइ पासइ ? हंता जाणइ पासइ ॥ १०३ ॥ अण्णउत्थिया णं भंते ! एवमाइक्खंति एवं भासेन्ति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति—एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—सम्मत्तकिरियं च मिच्छत्तकिरियं च, जं समयं सम्मत्तकिरियं पकरेइ तं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ, जं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ तं समयं सम्मत्तकिरियं पकरेइ, सम्मत्तकिरियापकरणयाए मिच्छत्तकिरियं पकरेइ मिच्छत्तकिरियापकरणयाए सम्मत्तकिरियं पकरेइ, एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तंजहा—सम्मत्तकिरियं च मिच्छत्तकिरियं च, से कहमेयं भंते ! एवं ? गोयमा ! जन्नं ते अन्नउत्थिया एवमाइक्खंति एवं भासंति एवं पण्णवेंति एवं परूवेंति एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं दो किरियाओ पकरेइ, तहेव जाव सम्मत्तकिरियं च मिच्छत्तकिरियं च, जे ते एवमाहंसु तं णं मिच्छा, अहं पुण गोयमा ! एवमाइक्खामि जाव परूवेमि—एवं खलु एगे जीवे एगेणं समएणं एगं किरियं पकरेइ, तंजहा—सम्मत्तकिरियं वा मिच्छत्तकिरियं वा, जं समयं सम्मत्तकिरियं पकरेइ णो तं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ, तं चेव जं समयं मिच्छत्तकिरियं पकरेइ

केवइयं खेत्तं जाणंति पासंति? गोयमा! जहण्णेणं अद्धुट्ठगाउयाइं उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं। सक्करप्पभापु० जह० तिन्नि गाउयाइं उक्को० अद्धुट्ठाइं, एवं अद्धद्ध-गाउयं परिहायइ जाव अहेसत्तमाए जह० अद्धगाउयं उक्कोसेणं गाउयं] इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पुढवीए नेरइयाणं कइ समुग्घाया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा—वेयणासमुग्घाए कसायसमुग्घाए मारणंतियसमुग्घाए वेउव्वियसमुग्घाए, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ ८८ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभा० पु० नेरइया केरिसयं खुहप्पिवासं पच्चणुभवमाणा विहरंति? गोयमा! एगमेगस्स णं रयणप्पभापुढविनेरइयस्स असब्भावपट्ठवणाए सव्वोदही वा सव्वपोग्गले वा आसगंसि पक्खिवेज्जा णो चेव णं से रयणप्प० पु० णेरइए तित्ते वा सिया वितण्हे वा सिया, एरिसया णं गोयमा! रयणप्पभाए णेरइया खुहप्पिवासं पच्चणुभवमाणा विहरंति, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्पभाए पु० नेरइया किं एगत्तं पभू विउव्वित्तए पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए? गोयमा! एगत्तंपि पभू पुहुत्तंपि पभू विउव्वित्तए, एगत्तं विउव्वेमाणा एगं महं मोग्गररूवं वा एवं मुसुंढिकरवत्तअसिसत्तीहलगयामुसलचक्कणारायकुंततोमर-सूललउडभिंडमाला य जाव भिंडमालरूवं वा पुहुत्तं विउव्वेमाणा मोग्गररूवाणि वा जाव भिंडमालरूवाणि वा ताइं संखेज्जाइं णो असंखेज्जाइं संबद्धाइं नो असंबद्धाइं सरिसाइं नो असरिसाइं विउव्वंति विउव्वित्ता अण्णमण्णस्स कायं अभिहणमाणा अभिहणमाणा वेयणं उदीरेंति उज्जलं विउलं पगाढं कक्कसं कडुयं फरुसं निट्ठुरं चंडं तिव्वं दुक्खं दुग्गं दुरहियासं, एवं जाव धूमप्पभाए पुढवीए। छट्ठसत्तमासु णं पुढवीसु नेरइया बहू महंताइं लोहियकुंथूरूवाइं वइरामइतुंडाइं गोमयकीडसमाणाइं विउव्वंति विउव्वित्ता अन्नमन्नस्स कायं समतुरंगेमाणा २ खायमाणा खायमाणा सयपोरागकिमिया विव चालेमाणा २ अंतो अंतो अणुप्पविसमाणा २ वेयणं उदीरंति उज्जलं जाव दुरहियासं ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० नेरइया किं सीयवेयणं वेदेंति उसिणवेयणं वेदेंति सीओसिणवेयणं वेदेंति? गोयमा! णो सीयं वेयणं वेदेंति उसिणं वेयणं वेदेंति नो सीओसिणं, एवं जाव वालुयप्पभाए, पंकप्पभाए पुच्छा, गोयमा! सीयंपि वेयणं वेयंति, उसिणंपि वेयणं वेयंति, नो सीओसिणवेयणं वेयंति, ते बहुतरगा जे उसिणं वेयणं वेदेंति, ते थोवतरगा जे सीयं वेयणं वेदेंति। धूमप्पभाए पुच्छा, गोयमा! सीयंपि वेयणं वेदेंति उसिणंपि वेयणं वेदेंति णो सीओ०, ते बहुतरगा जे सीयवेयणं वेदेंति ते थोवतरगा जे उसिणवेयणं वेदेंति। तमाए पुच्छा, गोयमा! सीयं वेयणं वेदेंति नो उसिणं वेयणं वेदेंति नो सीओसिणं

णट्टमाला सिंगमाला संखमाला दंतमाला सेलमाला णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो! कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला मूलमंतो कंदमंतो जाव बीयमंतो पत्तेहि य पुप्फेहि य अच्छण्णपडिच्छण्णा सिरीए अईव २ उवसोहेमाणा उवसोहेमाणा चिट्ठंति, एगूरुयदीवे णं दीवे रुक्खा वहवे हेरुयालवणा भेरुयालवणा मेरुयालवणा सेरुयालवणा सालवणा सरलवणा सत्तवण्णवणा पूयफलिवणा खज्जूरिवणा णालिएरिवणा कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति, एगूरुयदीवे णं दीवे तत्थ २ देसे० वहवे तिलया लवया नग्गोहा जाव रायरुक्खा णंदिरुक्खा कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति, एगूरुयदीवे णं दीवे तत्थ···वहूओ पउमलयाओ जाव सामलयाओ निच्चं कुसुमियाओ एवं लयावण्णओ जहा उववाइए जाव पडिरूवाओ, एगोरुयदीवे णं दीवे तत्थ २···वहवे सेरियागुम्मा जाव महाजाइगुम्मा ते णं गुम्मा दसद्धवण्णं कुसुमं कुसुमंति विहूयग्गसाहा जेण वायविहूयग्गसाला एगोरुयदीवस्स वहुसमरमणिज्जभूमिभागं मुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करेंति, एगोरुयदीवे णं दीवे तत्थ २···वहूओ वणराईओ पण्णत्ताओ, ताओ णं वणराईओ किण्हाओ किण्होभासाओ जाव रम्माओ महामेहणिउरुंवभूयाओ जाव महइं गंधद्धणिं मुयंतीओ पासाईयाओ ४। एगूरुयदीवे णं दीवे तत्थ २···वहवे मत्तंगा णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो! जहा से चंदप्पभमणिसिलागसीहुवारुणिफलपत्तपुप्फचोयणिज्जा ससारवहुदव्वजुत्तसंभारकालसंधयासवा महुमेरगरिट्ठाभदुद्धजाईपसन्नमेल्लगसयाउ खज्जूरमुद्दियासारकाविसायणसुपक्कखोयरससुरावण्णरसगंधफरिसजुत्ता मज्जविहित्थवहुप्पगारा तदेवं ते मत्तंगयावि दुमगणा अणेगवहुविविहवीससापरिणयाए मज्जविहीए उववेया फलेहिं पुण्णा वीसंदंति कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला जाव चिट्ठंति १। एगोरुयदीवे० तत्थ २···वहवो भिंगंगया णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो!, जहा से वारगघडकरगकलसक्करिपायंकंचणिउदंकवद्धणिसुपविट्ठरपारीचसगभिंगारकरोडिसरगथरगपत्तीथालणत्थगववलियअवपदगवारयविचित्तवट्टगमणिवट्टगसुत्तिचारुपिणयाकंचणमणिरयणभत्तिचित्ता भायणविहीए वहुप्पगारा तहेव ते भिंगंगयावि दुमगणा अणेगवहुविविहवीससाए परिणयाए भायणविहीए उववेया फलेहिं पुन्नाविव विसट्टंति कुसविकुस० जाव चिट्ठंति २। एगोरुयदीवे णं दीवे तत्थ २···वहवे तुडियंगा णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो!, जहा से आलिंगमुयंगपणवपडहदद्दरगकरडिडिंडिमभंभाहोरंभकण्णियारखरमुहिमुगुंदसंखियपरिलीवव्वगपरिवाइणिवंसावेणुवीणासुघोसविवंचिमहइकच्छभिरगसगातलतालकंसतालसुसंपउत्ता आओज्जविहीणिउणगंधव्वसमयकुसलेहिं फंदिया तिट्ठाणकरणसुद्धा तहेव ते तुडियंगयावि दुमगणा अणेगवहुविविहवीससापरिणामाए ततविततघणझुसिराए चउव्विहाए

सीए सीयभूए संकसमाणे संकसमाणे सायासोक्खबहुले यावि विहरेज्जा, एवामेव गोयमा! असब्भावपट्ठवणाए उसिणवेयणिज्जेहिंतो णरएहिंतो णेरइए उव्वट्टिए समाणे जाइं इमाइं मणुस्सलोयंसि भवंति गोलियालिंगाणि वा सोंडियालिंगाणि वा भिंडियालिंगाणि वा अयागराणि वा तंबागराणि वा तउयागरा० सीसाग० रुप्पागरा० सुवन्नागराणि वा हिरण्णागरा० कुंभारागणीइ वा मुसागणीइ वा इट्टयागणीइ वा कवेलुयागणीइ वा लोहारंबरिसेइ वा जंतवाडचुल्लीइ वा हंडियलित्थाणि वा गोलियलित्थाणि वा सोंडियलि० णलागणीइ वा तिलागणीइ वा तुसागणीइ वा, तत्ताइं समजोईभूयाइं फुल्लकिंसुयसमाणाइं उक्कासहस्साइं विणिम्मुयमाणाइं जालासहस्साइं पमुच्चमाणाइं इंगालसहस्साइं पविक्खरमाणाइं अंतो २ हुहुयमाणाइं चिट्ठंति ताइं पासइ ताइं पासित्ता ताइं ओगाहइ ताइं ओगाहित्ता से णं तत्थ उण्हंपि पविणेज्जा तण्हंपि पविणेज्जा खुहंपि पविणेज्जा जरंपि पविणेज्जा दाहंपि पविणेज्जा णिद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा सइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभेज्जा, सीए सीयभूए संकसमाणे संकसमाणे सायासोक्खबहुले यावि विहरेज्जा, भवेयारूवे सिया?, णो इणट्ठे समट्ठे, गोयमा! उसिणवेयणिज्जेसु णरएसु नेरइया एत्तो अणिट्ठतरियं चेव उसिणवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ सीयवेयणिज्जेसु णं भंते णरएसु णेरइया केरिसयं सीयवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति? गोयमा! से जहाणामए कम्मारदारए सिया तरुणे जुगवं बलवं जाव सिप्पोवगए एगं महं अयपिंडं दगवारसमाणं गहाय ताविय ताविय कोट्टिय कोट्टिय जह० एक्काहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं मासं हणेज्जा, से णं तं उसिणं उसिणभूयं अओमएणं संदंसएणं गहाय असब्भावपट्ठवणाए सीयवेयणिज्जेसु णरएसु पक्खिवेज्जा, से तं उम्मिसियनिमिसियंतरेण पुणरवि पच्चुद्धरिस्सामीतिकट्टु पविरायमेव पासेज्जा, तं चेव णं जाव णो चेव णं संचाएज्जा पुणरवि पच्चुद्धरित्तए, से णं से जहाणामए मत्तमायंगे तहेव जाव सोक्खबहुले यावि विहरेज्जा एवामेव गोयमा! असब्भावपट्ठवणाए सीयवेयणेहिंतो णरएहिंतो नेरइए उव्वट्टिए समाणे जाइं इमाइं इहं माणुस्सलोए हवंति, तंजहा—हिमाणि वा हिमपुंजाणि वा हिमपडलाणि वा हिमपडलपुंजाणि वा तुसाराणि वा तुसारपुंजाणि वा हिमकुंडाणि वा हिमकुंडपुंजाणि वा सीयाणि वा ताइं पासइ पासित्ता ताइं ओगाहइ ओगाहित्ता से णं तत्थ सीयंपि पविणेज्जा तण्हंपि प० खुहंपि प० जरंपि प० दाहंपि प० निद्दाएज्ज वा पयलाएज्ज वा जाव उसिणे उसिणभूए संकसमाणे संकसमाणे सायासोक्खबहुले यावि विहरेज्जा, गोयमा! सीयवेयणिज्जेसु नरएसु नेरइया एत्तो अणिट्ठतरियं चेव सीयवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ ८९ ॥ इमीसे णं भंते! रयणप्प० पु० णेरइयाणं केवइयं

मणियंगा नाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !, जहा से हारद्धहारवट्टणगमउडकुंडल-वासुत्तगहेमजालमणिजालकणगजालगमुत्तगउच्चियकडगाखुडियएगावलिकंठसुत्तमंगरिमउरत्थगेवेज्जसोणिसुत्तगचूलामणिकणगतिलगफुल्लसिद्धत्थयकण्णवालिससिसूरउसभचक्कगतलभंगतुडियहत्थिमालगवलक्खदीणारमालिया चंदसूरमालिया हरिसयकेऊरवलयपालंबअंगुलेज्जगकंचीमेहलाकलावपयरगपायजालघंटियखिंखिणिरयणोरुजालत्थिगियवरणेउरचलणमालिया कणगणिगरमालिया कंचणमणिरयणभत्तिचित्ता भूसणविही वहुप्पगारा तहेव ते मणियंगावि दुमगणा अणेगवहुविविहवीससापरिणयाए भूसणविहीए उववेया कुसवि० जाव चिट्ठंति ८। एगूरुयदीवे० तत्थ २···वहवे गेहागारा नाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !, जहा से पागारट्टालगचरियदारगोपुरपासायागासतलमंडवएगसालविसालगतिसालगचउरंसचउसालगब्भघरमोहणघरवलभिघरचित्तसालमालयभत्तिघरवट्टतंसचउरंसणंदियावत्तसंठियाययपंडुरतलमुंडमालहम्मियं अहव णं धवलहरअद्धमागहविब्भमसेलद्धसेलसंठियकूडागारड्ढसुविहिकोट्ठगअणेगघरसरणलेणआवणविडंगजालचंदणिज्जूहयपवरकवोयालिचंदसालियरूवविभत्तिकलिया भवणविही वहुविगप्पा तहेव ते गेहागारावि दुमगणा अणेगवहुविविहवीससापरिणयाए सुहारुहणे सुहोत्ताराए सुहनिक्खमणप्पवेसाए दद्दरसोवाणपंतिकलियाए पइरिक्काए सुहविहाराए मणोऽणुकूलाए भवणविहीए उववेया कुसवि० जाव चिट्ठंति ९। एगोरुयदीवे० तत्थ २···वहवे अणिगणा णामं दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !, जहा से आइणगखोमतणुयकंवलदुगुल्लकोसेज्जकालमिगपट्टचीणंसुयअणहयनिउणनिप्फावियनिद्धगजियपंचवण्णा चरणातवारवणिगयथुणाभरणचित्तसहिणगकल्लाणगभिंगिमेहणीलकज्जलवहुवण्णरत्तपीयनीलसुक्किल्लमक्खयमिगलोमहेमप्फरुण्णगअवसरत्तगसिंधुओसभदामिलवंगकलिंगनलिणतंतुमयभत्तिचित्ता वत्थविही वहुप्पगारा हवेज्ज वरपट्टणुग्गया वण्णरागकलिया तहेव ते अणिगणावि दुमगणा अणेगवहुविविहवीससापरिणयाए वत्थविहीए उववेया कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति १०। एगोरुयदीवे णं भंते ! दीवे मणुयाणं केरिसए आगारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गोयमा ! ते णं मणुया अणुवमतरसोमचारुरूवा भोगुत्तमगयलक्खणा भोगसस्सिरीया सुजायसव्वंगसुंदरंगा सुपइट्ठियकुम्मचारुचलणा रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालकोमलतला नगनगरसागरमगरचक्कंकवरंकलक्खणंकियचलणा अणुपुव्वसुसाहयंगुलीया उण्णयतणुतंवणिद्धणहा संठियसुसिलिट्ठगूढगुप्फा एणीकुरुविंदावत्तवट्टाणुपुव्वजंघा समुग्गणिमग्गगूढजाणू गयससणसुजायसण्णिभोरू वरवारणमत्ततुल्लविक्कमविलसियगई सुजायवरतुरगगुज्झदेसा आइण्णहओव णिरुवलेवा पमुइयवरतुरियसीहअइरेगवट्टियकडी साहयसोणिंदमुसलदप्पणणिगरियवर-

नेयव्वं गाहा–पोग्गलपरिणामे वेयणा य लेसा य नामगोए य । अरई भए य सोगे खुहापिवासा य वाही य ॥ १ ॥ उस्सासे अणुतावे कोहे माणे य मायलोभे य । चत्तारि य सण्णाओ नेरइयाणं तु परिणामे ॥ २ ॥ एत्थ किर अइवयंती नरवसभा केसवा जलयरा य । मंडलिया रायाणो जे य महारंभकोडुंबी ॥ ३ ॥ भिन्नमुहुत्तो नरएसु होइ तिरियमणुएसु चत्तारि । देवेसु अद्धमासो उक्कोसविउव्वणा भणिया ॥ ४ ॥ जे पोग्गला अणिट्ठा नियमा सो तेसि होइ आहारो । संठाणं तु जहण्णं नियमा हुंडं तु नायव्वं ॥ ५ ॥ असुभा विउव्वणा खलु नेरइयाणं तु होइ सव्वेसिं । वेउव्वियं सरीरं असंघयणहुंडसंठाणं ॥ ६ ॥ अस्साओ उववण्णो अस्साओ चेव चयइ निरयभवं । सव्वपुढवीसु जीवो सव्वेसु ठिइविसेसेसुं ॥ ७ ॥ उववाएण व सायं नेरइओ देवकम्मुणा वावि । अज्झवसाणनिमित्तं अहवा कम्माणुभावेणं ॥ ८ ॥ नेरइयाणुप्पाओ उक्कोसं पंचजोयणसयाइं । दुक्खेणभिद्दुयाणं वेयणसयसंपगाढाणं ॥ ९ ॥ अच्छिनिमीलियमेत्तं नत्थि सुहं दुक्खमेव पडिबद्धं । नरए नेरइयाणं अहोनिसं पच्चमाणाणं ॥ १० ॥ तेयाकम्मसरीरा सुहुमसरीरा य जे अपज्जत्ता । जीवेण मुक्कमेत्ता वच्चंति सहस्ससो भेयं ॥ ११ ॥ अइसीयं अइउण्हं अइतण्हा अइखुहा अइभयं वा । निरए नेरइयाणं दुक्खसयाइं अविस्सामं ॥ १२ ॥ एत्थ य भिन्नमुहुत्तो पोग्गल असुहा य होइ अस्साओ । उववाओ उप्पाओ अच्छि सरीरा उ बोद्धव्वा ॥ १३ ॥ से तं नेरइया ॥ ९५ ॥ **तइओ नेरइयउद्देसो समत्तो** ॥

से किं तं तिरिक्खजोणिया ? तिरिक्खजोणिया पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा— एगिंदियतिरिक्खजोणिया बेइंदियतिरिक्खजोणिया तेइंदियतिरिक्खजोणिया चउरिंदियतिरिक्खजोणिया पंचिंदियतिरिक्खजोणिया य । से किं तं एगिंदियतिरिक्खजोणिया ? २ पंचविहा पण्णत्ता, तंजहा—पुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया जाव वणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया । से किं तं पुढविक्काइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमपुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया बायरपुढविकाइयएगिंदियतिरिक्खजोणिया य । से किं तं सुहुमपुढविकाइयएगिंदियतिरि० ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तसुहुम० अपज्जत्तसुहुम० से तं सुहुम० । से किं तं बायरपुढविकाइय० ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तबायरपु० अपज्जत्तबायरपु०, से तं बायरपुढविकाइयएगिंदिय०, से तं पुढवीकाइयएगिंदिय० । से किं तं आउक्काइयएगिंदिय० ? २ दुविहा पण्णत्ता, एवं जहेव पुढविकाइयाणं तहेव, तेउकायभेदो एवं जाव वणस्सइकाइया से तं वणस्सइकाइयएगिंदियतिरिक्ख० । से किं तं बेइंदियतिरिक्ख० ? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगबेइंदियति० अपज्जत्तग-

अट्ठधणुसयं ऊसिया, तेसिं मणुयाणं चउसट्ठि पिट्ठिकरंडगा पण्णत्ता समणाउसो !, ते णं मणुया पगइभद्दगा पगइविणीयगा पगइउवसंता पगइपयणुकोहमाणमायालोभा मिउमद्दवसंपण्णा अल्लीणा भद्दगा विणीया अप्पिच्छा असंनिहिसंचया अचंडा विडिमंतरपरिवसणा जहिच्छियकामगामिणो य ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । तेसि णं भंते ! मणुयाणं केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! चउत्थभत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, एगोरुयमणुईणं भंते ! केरिसए आगारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गोयमा ! ताओ णं मणुईओ सुजायसव्वंगसुंदरीओ पहाणमहिलागुणेहिं जुत्ता अच्चंतविसप्पमाणपउमसूमालकुम्मसंठियविसिट्ठचलणा उज्जुमउयपीवरनिरंतरपुट्ठसाहियंगुलीया उण्णयरइयनलिणंव सुइणिद्धणक्खा रोमरहियवट्टलट्ठसंठियअजहण्णपसत्थलक्खणअक्कोप्पजंघजुयला सुणिम्मियसुगूढजाणुमंडलसुवद्धसंधी कयलिक्खंभाइरेगसंठियणिव्वणसुकुमालमउयकोमलअविरलसमसहियसुजायवट्टपीवरणिरंतरोरू अट्ठावयवीईपट्टसंठियपसत्थविच्छिन्नपिहुलसोणी वयणायामप्पमाणदुगुणियविसालमंसलसुवद्धजहणवरधारणीओ वज्जविराइयपसत्थलक्खणणिरोदरी तिवलिवलीयतणुणमियमज्झियाओ उज्जुयसमसहियजच्चतणुकसिणणिद्धआदेज्जलडहसुविभत्तसुजायकंतसोहंतरुइलरमणिज्जरोमराई गंगावत्तपयाहिणावत्ततरंगभंगुररविकिरणतरुणबोहियअकोसायंतपउमवणगंभीरवियडणाभी अणुब्भडपसत्थपीणकुच्छी सण्णयपासा संगयपासा सुजायपासा मियमाइयपीणरइयपासा अकरंडुयकणगरुयगनिम्मलसुजायणिरुवहयगायलट्ठी कंचणकलससमपमाणसमसहियसुजायलट्ठचूचुयआमेलगजमलजुयलवट्टियअब्भुण्णयरइयसंठियपओहराओ भुयंगणुपुव्वतणुयगोपुच्छवट्टसमसहियणमियआएज्जललियबाहाओ तंबणहा मंसलग्गहत्था पीवरकोमलवरंगुलीओ णिद्धपाणिलेहा रविससिसंखचक्कसोत्थियसुविभत्तसुविरइयपाणिलेहा पीणुण्णयकक्खवत्थिदेसा पडिपुण्णगलकवोला चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसगीवा मंसलसंठियपसत्थहणुया दाडिमपुप्फप्पगासपीवरकुंचियवराधरा सुंदरोत्तरोट्ठा दहिदगरयचंदकुंदवासंतिमउलअच्छिद्दविमलदसणा रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुजीहा कणयरमुउलअकुडिलअब्भुग्गयउज्जुतुंगणासा सारयणवकमलकुमुयकुवलयविमुक्कदलणिगरसरिसलक्खणअंकियकंतणयणा पत्तलचवलायंततंबलोयणाओ आणामियचावरुइलकिण्हब्भराइसंठियसंगयआययसुजायतणुकसिणणिद्धभमुया अल्लीणपमाणजुत्तसवणा सुसवणा पीणमट्ठरमणिज्जगंडलेहा चउरंसपसत्थसमणिडाला कोमुइरयणियरविमलपडिपुन्नसोमवयणा छत्तुन्नयउत्तिमंगा कुडिलसुसिणिद्धदीहसिरया छत्तज्झयजुगदामिणिकमंडलुकलसवाविसोत्थियपडागजवमच्छकुम्मरहवरमगरसुयथालअंकुसअट्ठावयवीइसुपइट्ठगमऊरसिरिदामाभिसेयतोरणमेइणिउदहि-

जीवा किं सम्मदिट्ठी मिच्छादिट्ठी सम्मामिच्छादिट्ठी? गोयमा! सम्मदिट्ठीवि मिच्छादिट्ठीवि सम्मामिच्छादिट्ठीवि ॥ ते णं भंते! जीवा किं णाणी अण्णाणी? गोयमा! णाणीवि अण्णाणीवि तिण्णि णाणाइं तिण्णि अण्णाणाइं भयणाए॥ ते णं भंते! जीवा किं मणजोगी वइजोगी कायजोगी? गोयमा! तिविहावि ॥ ते णं भंते! जीवा किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता? गोयमा! सागारोवउत्तावि अणागारोवउत्तावि ॥ ते णं भंते! जीवा कओ उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उव० तिरिक्खजोणिएहिंतो उव०? पुच्छा, गोयमा! असंखेज्जवासाउयअकम्मभूमगअंतरदीवगवज्जेहिंतो उववज्जंति ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ समुग्घाया पण्णत्ता? गोयमा! पंच समुग्घाया पण्णत्ता, तंजहा—वेयणासमुग्घाए जाव तेयासमुग्घाए ॥ ते णं भंते! जीवा मारणंतियसमुग्घाएणं किं समोहया मरंति असमोहया मरंति? गोयमा! समोहयावि म० असमोहयावि मरंति ॥ ते णं भंते! जीवा अणंतरं उव्वट्टित्ता कहिं गच्छंति? कहिं उववज्जंति?—किं नेरइएसु उववज्जंति? तिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा! एवं उव्वट्टणा भाणियव्वा जहा वक्कंतीए तहेव ॥ तेसि णं भंते! जीवाणं कइ जाईकुलकोडिजोणीपमुहसयसहस्सा पण्णत्ता? गोयमा! बारस जाईकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा प० ॥ भुयपरिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते! कइविहे जोणीसंगहे पण्णत्ते? गोयमा! तिविहे जोणीसंगहे पण्णत्ते, तंजहा—अंडया पोयया संमुच्छिमा, एवं जहा खहयराणं तहेव, णाणत्तं जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, उव्वट्टित्ता दोच्चं पुढविं गच्छंति, णव जाईकुलकोडीजोणीपमुहसयसहस्सा भवंतीति मक्खायं, सेसं तहेव ॥ उरपरिसप्पथलयरपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते! पुच्छा, जहेव भुयपरिसप्पाणं तहेव, णवरं ठिई जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडी, उव्वट्टित्ता जाव पंचमिं पुढविं गच्छंति, दस जाईकुलकोडी० ॥ चउप्पयथलयरपंचेंदियतिरिक्ख० पुच्छा, गोयमा! दुविहे पण्णत्ते, तंजहा—जराउया (पोयया) य संमुच्छिमा य, से किं तं जराउया (पोयया)? २ तिविहा पण्णत्ता, तंजहा—इत्थी पुरिसा णपुंसगा, तत्थ णं जे ते संमुच्छिमा ते सव्वे णपुंसया। तेसि णं भंते! जीवाणं कइ लेस्साओ पण्णत्ताओ? सेसं जहा

एगूरुयदीवे० असीइ वा मसीइ वा कसीइ वा पणीइ वा वणिज्जाइ वा? नो इणट्ठे समट्ठे, ववगयअसिमसिकिसिपणियवाणिज्जा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे० हिरण्णेइ वा सुवन्नेइ वा कंसेइ वा दूसेइ वा मणीइ वा मुत्तिएइ वा विउलधणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालसंतसारसावएज्जेइ वा? हंता अत्थि, णो चेव णं तेसिं मणुयाणं तिव्वे ममत्तभावे समुप्पज्जइ। अत्थि णं भंते! एगोरुयदीवे० रायाइ वा जुवरायाइ वा ईसरेइ वा तलवरेइ वा माडंबियाइ वा कोडुंबियाइ वा इब्भाइ वा सेट्ठीइ वा सेणावईइ वा सत्थवाहाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयइड्ढीसक्कारा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे दासाइ वा पेसाइ वा सिस्साइ वा भयगाइ वा भाइल्लगाइ वा कम्मगरपुरिसाइ वा? नो इणट्ठे समट्ठे, ववगयआभिओगिया णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगोरुयदीवे दीवे मायाइ वा पियाइ वा भायाइ वा भइणीइ वा भज्जाइ वा पुत्ताइ वा धूयाइ वा सुण्हाइ वा? हंता अत्थि, नो चेव णं तेसि णं मणुयाणं तिव्वे पेमबंधणे समुप्पज्जइ, पयणुपेज्जबंधणा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे अरीइ वा वेरिएइ वा घायगाइ वा वहगाइ वा पडिणीयाइ वा पच्चामित्ताइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयवेराणुबंधा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगोरुयदीवे० मित्ताइ वा वयंसाइ वा घडियाइ वा सहीइ वा सुहियाइ वा महाभागाइ वा संगइयाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयपेम्मा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगोरुयदीवे० आवाहाइ वा वीवाहाइ वा जण्णाइ वा सद्धाइ वा थालिपागाइ वा चोलोवणयणाइ वा सीमंतोवणयणाइ वा पिइ(मय)पिंडनिवेयणाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयआवाहविवाहजण्णसद्धथालिपागचोलोवणयणसीमंतोवणयणपिइपिंडनिवेयणा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगोरुयदीवे दीवे इंदमहाइ वा खंदमहाइ वा रुद्दमहाइ वा सिवमहाइ वा वेसमणमहाइ वा मुगुंदमहाइ वा णागमहाइ वा जक्खमहाइ वा भूयमहाइ वा कूवमहाइ वा तलायणइमहाइ वा दहमहाइ वा पव्वयमहाइ वा रुक्खरोवणमहाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयमहमहिमा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगोरुयदीवे दीवे णडपेच्छाइ वा णट्टपेच्छाइ वा मल्लपेच्छाइ वा मुट्ठियपेच्छाइ वा विडंबगपेच्छाइ वा कहगपेच्छाइ वा पवगपेच्छाइ वा अक्खायगपेच्छाइ वा लासगपेच्छाइ वा लंखपे० संखपे० तूणइल्लपे० तुंबवीणपे० कीवपे० मागहपे० जल्लपे०? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयकोउहल्ला णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे सगडाइ वा रहाइ

जावइए णं सूरिए उदेइ० एवइयाइं नव ओवासंतराइं, सेसं तं चेव, नो चेव णं ते विमाणे वीईवएज्जा एमहालया णं ते विमाणा पण्णत्ता समणाउसो! ॥ ९९ ॥

पढमो तिरिक्खजोणियउद्देसो समत्तो ॥

कइविहा णं भंते! संसारसमावण्णगा जीवा पण्णत्ता? गोयमा! छव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—पुढविकाइया जाव तसकाइया। से किं तं पुढविकाइया? पुढविकाइया दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—सुहुमपुढविकाइया बायरपुढविकाइया य। से किं तं सुहुमपुढविकाइया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, सेत्तं सुहुमपुढविकाइया। से किं तं बायरपुढविकाइया? २ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य, एवं जहा पण्णवणापए, सण्हा सत्तविहा पण्णत्ता, खरा अणेगविहा पन्नत्ता जाव असंखेज्जा, सेत्तं बायरपुढविकाइया, सेत्तं पुढविकाइया, एवं चेव जहा पण्णवणापए तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव वणप्फइकाइया, एवं जाव जत्थेगो तत्थ सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा सिय अणंता, सेत्तं बायरवणप्फइकाइया, से तं वणस्सइकाइया। से किं तं तसकाइया? २ चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा—बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया पंचेंदिया। से किं तं बेइंदिया? २ अणेगविहा पण्णत्ता, एवं जं चेव पण्णवणापए तं चेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव सव्वट्ठसिद्धगदेवा, से तं अणुत्तरोववाइया, से तं देवा, से तं पंचेंदिया, से तं तसकाइया ॥ १०० ॥ कइविहा णं भंते! पुढवी पण्णत्ता? गोयमा! छव्विहा पुढवी पण्णत्ता, तंजहा—सण्हापुढवी सुद्धपुढवी वालुयापुढवी मणोसिलापु० सक्करापु० खरपुढवी ॥ सण्हापुढवीणं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० अंतोमु० उक्कोसेणं एगं वाससहस्सं। सुद्धपुढवीए पुच्छा, गोयमा! जह० अंतोमु० उक्को० बारस वाससहस्साइं। वालुयापुढवीपुच्छा, गोयमा! जह० अंतोमु० उक्को० चोद्दस वाससहस्साइं। मणोसिलापुढवीणं पुच्छा, गोयमा! जह० अंतोमु० उक्को० सोलस वाससहस्साइं। सक्करापुढवीए पुच्छा, गोयमा! जह० अंतोमु० उक्को० अट्ठारस वाससहस्साइं। खरपुढविपुच्छा, गोयमा! जह० अंतोमु० उक्को० बावीस वाससहस्साइं ॥ नेरइयाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जह० दस वाससहस्साइं उक्को० तेत्तीसं सागरोवमाइं ठिई, एवं सव्वं भाणियव्वं जाव सव्वट्ठसिद्धदेवत्ति ॥ जीवे णं भंते! जीवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्वद्धं, पुढविकाइए णं भंते! पुढविकाइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सव्वद्धं, एवं जाव तसकाइए ॥ १०१ ॥ पडुप्पन्नपुढविकाइया णं भंते! केवइकालस्स णिल्लेवा सिया? गोयमा! जहण्णपए असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं, उक्कोसपए असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पि-

वा धूमियाइ वा महियाइ वा रउग्घायाइ वा चंदोवरागाइ वा सूरोवरागाइ वा चंदपरिवेसाइ वा सूरपरिवेसाइ वा पडिचंदाइ वा पडिसूराइ वा इंदधणूइ वा उदगमच्छाइ वा अमोहाइ वा कविहसियाइ वा पाईणवायाइ वा पडीणवायाइ वा जाव सुद्धवायाइ वा गामदाहाइ वा नगरदाहाइ वा जाव सण्णिवेसदाहाइ वा पाणक्खयजणक्खयकुलक्खयधणक्खयवसणभूयमणारियाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे डिंबाइ वा डमराइ वा कलहाइ वा बोलाइ वा खाराइ वा वेराइ वा महावेराइ वा विरुद्धरज्जाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयडिंबडमरकलहबोलखारवेरविरुद्धरज्जविवज्जिया णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे महाजुद्धाइ वा महासंगामाइ वा महासत्थपडणाइ वा महापुरिसपडणाइ वा महारुहिरपडणाइ वा नागवाणाइ वा खेणवाणाइ वा तामसवाणाइ वा दुब्भूइयाइ वा कुलरोगाइ वा गामरोगाइ वा णगररोगाइ वा मंडलरोगाइ वा सिरोवेयणाइ वा अच्छिवेयणाइ वा कण्णवेयणाइ वा णक्कवेयणाइ वा दंतवेयणाइ वा नहवेयणाइ वा कासाइ वा सासाइ वा जराइ वा दाहाइ वा कच्छूइ वा खसराइ वा कुट्ठाइ वा कुडाइ वा दगराइ वा अरिसाइ वा अजीरगाइ वा भगंदराइ वा इंदग्गहाइ वा खंदग्गहाइ वा कुमारग्गहाइ वा णागग्गहाइ वा जक्खग्गहाइ वा भूयग्गहाइ वा उव्वेयग्गहाइ वा धणुग्गहाइ वा एगाहियाइ वा वेयाहियाइ वा तेयाहियाइ वा चउत्थगाइ वा हिययसूलाइ वा मत्थगसूलाइ वा पाससूलाइ वा कुच्छिसूलाइ वा जोणिसूलाइ वा गाममारीइ वा जाव सन्निवेसमारीइ वा पाणक्खय जाव वसणभूयमणारियाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयरोगायंका णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे अइवासाइ वा मंदवासाइ वा सुवुट्ठीइ वा मंदवुट्ठीइ वा उदगवाहाइ वा उदगपवाहाइ वा दगुब्भेयाइ वा दगुप्पीलाइ वा गामवाहाइ वा जाव सन्निवेसवाहाइ वा पाणक्खय० जाव वसणभूयमणारियाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयदगोवद्दवा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! । अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे अयागराइ वा तम्बागराइ वा सीसागराइ वा सुवण्णागराइ वा रयणागराइ वा वइरागराइ वा वसुहाराइ वा हिरण्णवासाइ वा सुवण्णवासाइ वा रयणवासाइ वा वइरवासाइ वा आभरणवासाइ वा पत्तवासाइ वा पुप्फवासाइ वा फलवासाइ वा बीयवासा० मल्लवासा० गंधवासा० वण्णवासा० चुण्णवासा० खीरवुट्ठीइ वा रयणवुट्ठीइ वा हिरण्णवुट्ठीइ वा सुवण्ण० तहेव जाव चुण्णवुट्ठीइ वा सुकालाइ वा दुकालाइ वा सुभिक्खाइ वा दुभिक्खाइ वा अप्पग्घाइ वा महग्घाइ वा कयाइ वा महाविक्कयाइ वा सण्णिहीइ वा सण्णिहीइ वा संनिचयाइ वा

हयकण्णाणं। सक्कुलिकण्णाणं पुच्छा, गोयमा! णंगोलियदीवस्स उत्तरपच्चत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं चत्तारि जोयणसयाइं सेसं जहा हयकण्णाणं ॥ आयंसमुहाणं पुच्छा, हयकण्णयदीवस्स उत्तरपुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ पंच जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं दाहिणिल्लाणं आयंसमुहमणुस्साणं आयंसमुहदीवे णामं दीवे पण्णत्ते, पंच जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं, आसमुहाईणं छ सया, आसकन्नाईणं सत्त, उक्कामुहाईणं अट्ठ, घणदंताईणं जाव नव जोयणसयाइं, **गाहा**—एगूरुयपरिक्खेवो नव चेव सयाइं अउणपन्नाइं। बारसपन्नट्ठाइं हयकण्णाईणं परिक्खेवो ॥ १ ॥ आयंसमुहाईणं पन्नरसेक्कासीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं, एवं एएणं कमेणं उवउज्जिऊण णेयव्वा चत्तारि चत्तारि एगपमाणा, णाणत्तं ओगाहे, विक्खंभे परिक्खेवे पढमबीयतइयचउक्काणं उग्गहो विक्खंभो परिक्खेवो भणिओ, चउत्थचउक्के छज्जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं अट्ठारसत्ताणउए जोयणसए विक्खंभेणं। पंचमचउक्के सत्त जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं बावीसं तेरसोत्तरे जोयणसए परिक्खेवेणं। छट्ठचउक्के अट्ठजोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं पणवीसं गुणतीसजोयणसए परिक्खेवेणं। सत्तमचउक्के नवजोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं दो जोयणसहस्साइं अट्ठ पणयाले जोयणसए परिक्खेवेणं। जस्स य जो विक्खंभो उग्गाहो तस्स तत्तिओ चेव। पढमबीयाण परिरओ ऊणो सेसाण अहिओ उ ॥ १ ॥ सेसा जहा एगूरुयदीवस्स जाव सुद्धदंतदीवे देवलोगपरिग्गहा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो! ॥ कहि णं भंते! उत्तरिल्लाणं एगूरुयमणुस्साणं एगूरुयदीवे णामं दीवे पण्णत्ते? गोयमा! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं तिण्णि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एवं जहा दाहिणिल्लाण तहा उत्तरिल्लाण भाणियव्वं, णवरं सिहरिस्स वासहरपव्वयस्स विदिसासु, एवं जाव सुद्धदंतदीवेत्ति जाव सेत्तं अंतरदीवगा ॥ ११२ ॥ से किं तं अकम्मभूमगमणुस्सा? २ तीसविहा पण्णत्ता, तंजहा—पंचहिं हेमवएहिं, एवं जहा पण्णवणापए जाव पंचहिं उत्तरकुरूहिं, सेत्तं अकम्मभूमगा। से किं तं कम्मभूमगा? २ पण्णरसविहा पण्णत्ता, तंजहा—पंचहिं भरहेहिं पंचहिं एरवएहिं पंचहिं महाविदेहेहिं, ते समासओ दुविहा पण्णत्ता, तंजहा—आरिया मिलेच्छा, एवं जहा पण्णवणापए जाव सेत्तं आरिया, सेत्तं गब्भवक्कंतिया, सेत्तं मणुस्सा ॥ ११३ ॥

मणुस्सुद्देसो समत्तो ॥

से किं तं देवा? देवा चउव्विहा पण्णत्ता, तंजहा-भवणवासी वाणमंतरा जोइसिया वेमाणिया ॥ ११४ ॥ से किं तं भवणवासी? २ दसविहा पण्णत्ता, तंजहा-

आओज्जविहीए उववेया फलेहिं पुण्णा विसट्टन्ति कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला जाव चिट्ठंति ३। एगोरुयदी० तत्थ २···बहवे दीवसिहा णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !, जहा से संझाविरागसमए नवणिहिवइणो दीविया चक्कवालविंदे पभूयवट्टिपलित्ताणेहिं धणिउज्जालियतिमिरमद्दए कणगणिगरकुसुमियपालियातयवणप्पगासो कंचणमणिरयणविमलमहरिहतवणिज्जुज्जलविचित्तदंडाहिं दीवियाहिं सहसा पज्जलिऊसवियणिद्धतेयदिप्पंतविमलगहगणसमप्पहाहिं वितिमिरकरसूरपसरिउल्लोयचिल्लियाहिं जावुज्जलपहसियाभिरामाहिं सोहेमाणा तहेव ते दीवसिहावि दुमगणा अणेगबहुविविहवीससापरिणामाए उज्जोयविहीए उववेया फलेहिं पुण्णा विसट्टंति कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति ४। एगूरुयदीवे० तत्थ २···बहवे जोइसिहा णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !, जहा से अचिरुग्गयसरयसूरमंडलपडंतउक्कासहस्सदिप्पंतविज्जुजलहुयवहनिद्धूमजलियनिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जकिंसुयासोयजावासुयणकुसुमविमउलियपुंजमणिरयणकिरणजच्चहिंगुलुयणिगररूवाइरेगरूवा तहेव ते जोइसिहावि दुमगणा अणेगबहुविविहवीससापरिणयाए उज्जोयविहीए उववेया सुहलेस्सा मंदलेस्सा मंदायवलेस्सा कूडाय इव ठाणठिया अन्नमन्नसमोगाढाहिं लेस्साहिं साए पभाए सपएसे सव्वओ समंता ओभासंति उज्जोवेंति पभासेंति कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति ५। एगूरुयदीवे० तत्थ २···बहवे चित्तंगा णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !, जहा से पेच्छाघरे विचित्ते रम्मे वरकुसुमदाममालुज्जले भासंतमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिए विरल्लिविचित्तमल्लसिरिदाममल्लसिरिसमुदयप्पगब्भे गंथिमवेढिमपूरिमसंघाइमेण मल्लेण छेयसिप्पियं विभागरइएण सव्वओ चेव समणुबद्धे विरललवंतविप्पइट्ठेहिं पंचवण्णेहिं कुसुमदामेहिं सोहमाणेहिं सोहमाणे वणमालयग्गए चेव दिप्पमाणे तहेव ते चित्तंगयावि दुमगणा अणेगबहुविविहवीससापरिणयाए मल्लविहीए उववेया कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति ६। एगूरुयदीवे० तत्थ २···बहवे चित्तरसा णाम दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !, जहा से सुगंधवरकलमसालितंदुलविसिट्ठणिरुवहयदुद्धरद्धे सारयघयगुडखंडमहुमेलिए अइरसे परमण्णे होज्ज उत्तमवण्णगंधमंते रण्णो जहा वा चक्कवट्टिस्स होज्ज णिउणेहिं सूयपुरिसेहिं सज्जिएहिं चाउरकप्पसेयसित्ते इव ओयणे कलमसालिणिज्जत्तिए वि एक्के सव्वप्फमिउवसयसगसित्थे अणेगसालणगसंजुत्ते अहवा पडिपुण्णदव्वुवक्खडेसु सकए वण्णगंधरसफरिसजुत्तबलवीरियपरिणामे इंदियबलपुट्ठिवद्धणे खुप्पिवासमहणे पहाणे गुलकढियखंडमच्छंडियउवणीए पमोयगे सण्हसमियगब्भे हवेज्ज परमइट्ठंगसंजुत्ते तहेव ते चित्तरसावि दुमगणा अणेगबहुविविहवीससापरिणयाए भोयणविहीए उववेया कुसविकुसवि० जाव चिट्ठंति ७। एगूरुयदीवे णं० तत्थ २···बहवे

केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—चमरस्स असुरिंदस्स तओ परिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा—समिया चंडा जाया, अब्भितरिया समिया मज्झिमिया चंडा बाहिरिया जाया? गोयमा! चमरस्स णं असुरिंदस्स असुररन्नो अब्भितरपरिसाए देवा वाहिया हव्वमागच्छंति णो अव्वाहिया, मज्झिमपरिसाए देवा वाहिया हव्वमागच्छंति अव्वाहियावि, बाहिरपरिसाए देवा अव्वाहिया हव्वमागच्छंति, अदुत्तरं च णं गोयमा! चमरे असुरिंदे असुरराया अन्नयरेसु उच्चावएसु कज्जकोडुंबेसु समुप्पन्नेसु अब्भितरियाए परिसाए सद्धिं संमइसंपुच्छणाबहुले विहरइ मज्झिमपरिसाए सद्धिं पयं-एवं पवंचेमाणे २ विहरइ बाहिरियाए परिसाए सद्धिं पयंडेमाणे २ विहरइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—चमरस्स णं असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो तओ परिसाओ पण्णत्ताओ समिया चंडा जाया, अब्भितरिया समिया मज्झिमिया चंडा बाहिरिया जाया ॥ ११८ ॥ कहि णं भंते! उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं भवणा पण्णत्ता? जहा ठाणपए जाव बली एत्थ वइरोयणिंदे वइरोयणराया परिवसइ जाव विहरइ ॥ बलिस्स णं भंते! वयरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो कइ परिसाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! तिण्णि परिसाओ प०, तंजहा—समिया चंडा जाया, अब्भितरिया समिया मज्झिमिया चंडा बाहिरिया जाया। बलिस्स णं भंते! वइरोयणिंदस्स वइरोयणरन्नो अब्भितरियाए परिसाए कइ देवसहस्सा प०? मज्झिमियाए परिसाए कइ देवसहस्सा जाव बाहिरियाए परिसाए कइ देविसया पण्णत्ता?, गोयमा! बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स २ अब्भितरियाए परिसाए वीसं देवसहस्सा पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए चउवीसं देवसहस्सा पण्णत्ता, बाहिरियाए परिसाए अट्ठावीसं देवसहस्सा पण्णत्ता, अब्भितरियाए परिसाए अद्धपंचमा देविसया पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए चत्तारि देविसया पण्णत्ता, बाहिरियाए परिसाए अद्धुट्ठा देविसया पण्णत्ता, बलिस्स···ठिईए पुच्छा जाव बाहिरियाए परिसाए देवीणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता?, गोयमा! बलिस्स णं वइरोयणिंदस्स २ अब्भितरियाए परिसाए देवाणं अद्धुट्ठपलिओवमा ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए तिन्नि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवाणं अड्ढाइज्जाइं पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, अब्भितरियाए परिसाए देवीणं अड्ढाइज्जाइं पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए देवीणं दो पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता, बाहिरियाए परिसाए देवीणं दिवड्ढं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, सेसं जहा चमरस्स असुरिंदस्स असुरकुमाररण्णो ॥ ११९ ॥ कहि णं भंते! नागकुमाराणं देवाणं भवणा पण्णत्ता? जहा ठाणपए जाव दाहिणिल्लाणि पुच्छियव्वा जाव धरणे इत्थ नागकुमारिंदे नागकुमारराया परिवसइ जाव

कणगच्छरुसरिसवरवइरपलियमज्झा उज्जुयसमसहियसुजायजच्चतणुकसिणणिद्धआदेज्जलडहसुकुमालमउयरमणिज्जरोमराई गंगावत्तपयाहिणावत्ततरंगभंगुररविकिरणतरुणवोहियअकोसायंतपउमगंभीरवियडणाभी झसविहगसुजायपीणकुच्छी झसोयरा सुइकरणा पम्हवियडणाभी सण्णयपासा संगयपासा सुंदरपासा सुजायपासा मियमाइयपीणरइयपासा अकरंडुयकणगरुयगनिम्मलसुजायनिरुवहयदेहधारी पसत्थवत्तीसलक्खणधरा कणगसिलायलुज्जलपसत्थसमयलोवचियविच्छिन्नपिहुलवच्छा सिरिवच्छंकियवच्छा पुरवरफलिहवट्टियभुया भुयगीसरविउलभोगआयाणफलिहउच्छूढदीहबाहू जूयसन्निभपीणरइयपीवरपउट्ठसंठियसुसिलिट्ठविसिट्ठघणथिरसुवद्धसुनिगूढपव्वसंधी रत्ततलोवइयमउयमंसलपसत्थलक्खणसुजायअच्छिद्दजालपाणी पीवरवट्टियसुजायकोमलवरंगुलीया तंवतलिणसुइरुइरणिद्धणक्खा चंदपाणिलेहा सूरपाणिलेहा संखपाणिलेहा चक्कपाणिलेहा दिसासोत्थियपाणिलेहा चंदसूरसंखचक्कदिसासोत्थियपाणिलेहा अणेगवरलक्खणुत्तमपसत्थसुइरइयपाणिलेहा वरमहिसवराहसीहसद्दूलउसभणागवरपडिपुन्नविउलउन्नयमइंदखंधा चउरंगुलसुप्पमाणकंवुवरसरिसगीवा अवट्ठियसुविभत्तसुजायचित्तमंसू मंसलसंठियपसत्थसद्दूलविपुलहणुया उवचियसिलप्पवालबिंबफलसन्निभाहरोट्ठा पंडुरससिसगलविमलनिम्मलसंखगोखीरफेणदगरयमुणालिया धवलदंतसेढी अखंडदंता अफुडियदंता अविरलदंता सुजायदंता एगदंतसेढिव्व अणेगदंता हुयवहनिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्ततलतालुजीहा गरुलाययउज्जुतुंगणासा अवदालियपोंडरीयणयणा कोयासियधवलपत्तलच्छा आणामियचावरुइलकिण्हपूराइयसंठियसंगयआययसुजायतणुकसिणनिद्धभुमया अल्लीणप्पमाणजुत्तसवणा सुस्सवणा पीणमंसलकवोलदेसभागा अचिरुग्गयबालचंदसंठियपसत्थविच्छिन्नसमणिडाला उडुवइपडिपुण्णसोमवयणा छत्तागारुत्तमंगदेसा घणणिचियसुवद्धलक्खणुण्णयकूडागारणिभपिंडियसीसे दाडिमपुप्फपगासतवणिज्जसरिसनिम्मलसुजायकेसंतकेसभूमी सामलिबोंडघणणिचियछोडियमिउविसयपसत्थसुहुमलक्खणसुगंधसुंदरभुयमोयगभिंगिणीलकज्जलपहट्ठभमरगणणिद्धणिउरुंवनिचियकुंचियचियपयाहिणावत्तमुद्धसिरया लक्खणवंजणगुणोववेया सुजायसुविभत्तसुरूवगा पासाइया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा, ते णं मणुया ओहस्सरा हंसस्सरा कोंचस्सरा० नंदिघोसा सीहस्सरा सीहघोसा मंजुस्सरा मंजुघोसा सुस्सरा सुस्सरणिग्घोसा छायाउज्जोइयंगमंगा वज्जरिसहनारायसंघयणा समचउरंससंठाणसंठिया सिणिद्धछवी णिरायंका उत्तमपसत्थअइसेसनिरुवमतणू जल्लमलकलंकसेयरयदोसवज्जियसरीरा निरुवलेवा अणुलोमवाउवेगा कंकग्गहणी कवोयपरिणामा सउणिव्व पोसपिट्ठंतरोरुपरिणया विग्गहियउन्नयकुच्छी पउमुप्पलसरिसगंधणिस्साससुरभिवयणा

देसूणं पलिओवमं ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए देवाणं साइरेगं अद्धपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, वाहिरियाए परिसाए देवाणं अद्धपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, अब्भिंतरियाए परिसाए देवीणं अद्धपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परिसाए देवीणं देसूणं अद्धपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, वाहिरियाए परिसाए देवीणं साइरेगं चउब्भागपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, अट्ठो जहा चमरस्स, अवसेसाणं वेणुदेवाईणं महाघोसपज्जवसाणाणं ठाणपयवत्तव्वया णिरवसेसा भाणियव्वा, परिसाओ जहा धरणभूयाणंदाणं (सेसाणं भवणवईणं) दाहिणिल्लाणं जहा धरणस्स उत्तरिल्लाणं जहा भूयाणंदस्स, परिमाणंपि ठिईवि ॥ १२० ॥ कहि णं भंते! वाणमंतराणं देवाणं भवणा (भोमेज्जा णगरा) पण्णत्ता? जहा ठाणपए जाव विहरंति ॥ कहि णं भंते! पिसायाणं देवाणं भवणा पण्णत्ता? जहा ठाणपए जाव विहरंति कालमहाकाला य तत्थ दुवे पिसायकुमाररायाणो परिवसंति जाव विहरंति, कहि णं भंते! दाहिणिल्लाणं पिसायकुमाराणं जाव विहरंति काले य एत्थ पिसायकुमारिंदे पिसायकुमारराया परिवसइ महड्ढिए जाव विहरइ ॥ कालस्स णं भंते! पिसायकुमारिंदस्स पिसायकुमाररण्णो कइ परिसाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! तिण्णि परिसाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–ईसा तुडिया दढरहा, अब्भिंतरिया ईसा मज्झिमिया तुडिया वाहिरिया दढरहा। कालस्स णं भंते! पिसायकुमारिंदस्स पिसायकुमाररण्णो अब्भिंतरपरिसाए कइ देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ जाव वाहिरियाए परिसाए कइ देविसया पण्णत्ता?, गो०! कालस्स णं पिसायकुमारिंदस्स पिसायकुमाररायस्स अब्भिंतरियपरिसाए अट्ठ देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ मज्झिमपरिसाए दस देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ वाहिरियपरिसाए वारस देवसाहस्सीओ पण्णत्ताओ अब्भिंतरियाए परिसाए एगं देविसयं पण्णत्तं मज्झिमियाए परिसाए एगं देविसयं पण्णत्तं वाहिरियाए परिसाए एगं देविसयं पण्णत्तं। कालस्स णं भंते! पिसायकुमारिंदस्स पिसायकुमाररण्णो अब्भिंतरियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? मज्झिमियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? वाहिरियाए परिसाए देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता जाव वाहिरियाए० देवीणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता?, गोयमा! कालस्स णं पिसायकुमारिंदस्स पिसायकुमाररण्णो अब्भिंतरपरिसाए देवाणं अद्धपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, मज्झिमियाए परि० देवाणं देसूणं अद्धपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, वाहिरियाए परि० देवाणं साइरेगं चउब्भागपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, अब्भंतरपरि० देवीणं साइरेगं चउब्भागपलिओवमं ठिई पण्णत्ता, मज्झिमपरि० देवीणं चउब्भागपलिओवमं ठिई पण्णत्ता,

वरभवणगिरिवरआयंसललियगयउसभसीहचमरउत्तमपसत्थवत्तीसलक्खणधराओ हंससरिसगईओ कोइलमहुरगिरसुस्सराओ कंता सव्वस्स अणुनयाओ ववगयवलिपलिया वंगदुव्वण्णवाहीदोहग्गसोगमुक्काओ उच्चत्तेण य नराण थोवूणमूसियाओ सभावसिंगारागारचारुवेसा संगयगयहसियभणियचेट्ठियविलाससंलावणिउणजुत्तोवयारकुसला सुंदरथणजहणवयणकरचलणणयणमाला वण्णलावण्णजोव्वणविलासकलिया नंदणवणविवरचारिणीउव्व अच्छराओ अच्छेरगपेच्छणिज्जा पासाईयाओ दरिसणिज्जाओ अभिरूवाओ पडिरूवाओ। तासि णं भंते ! मणुईणं केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! चउत्थभत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। ते णं भंते ! मणुया किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! पुढविपुप्फफलाहारा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। तीसे णं भंते ! पुढवीए केरिसए आसाए पण्णत्ते ? गोयमा ! से जहाणामए गुलेइ वा खंडेइ वा सक्कराइ वा मच्छंडियाइ वा भिसकंदेइ वा पप्पडमोयएइ वा पुप्फउत्तराइ वा पउमुत्तराइ वा अकोसियाइ वा विजयाइ वा महाविजयाइ वा आयंसोवमाइ वा उवमाइ वा अणोवमाइ वा चाउरक्के गोखीरे चउठाणपरिणए गुडखंडमच्छंडिउवणीए मंदग्गिकडीए वण्णेणं उववेए जाव फासेणं, भवेयारूवे सिया ?, नो इणट्ठे समट्ठे, तीसे णं पुढवीए एत्तो इट्ठतराए चेव जाव मणामतराए चेव आसाए पण्णत्ते, तेसि णं भंते ! पुप्फफलाणं केरिसए आसाए पण्णत्ते ? गोयमा ! से जहानामए रन्नो चाउरंतचक्कवट्टिस्स कल्लाणे पवरभोयणे सयसहस्सनिप्फन्ने वण्णेणं उववेए गंधेणं उववेए रसेणं उववेए फासेणं उववेए आसायणिज्जे वीसायणिज्जे दीवणिज्जे विंहणिज्जे दप्पणिज्जे मयणिज्जे सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे, भवेयारूवे सिया ?, णो इणट्ठे समट्ठे, तेसि णं पुप्फफलाणं एत्तो इट्ठतराए चेव जाव आसाए पण्णत्ते। ते णं भंते ! मणुया तमाहारमाहारित्ता कहिं वसहिं उवेंति ? गोयमा ! रुक्खगेहालया णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। ते णं भंते ! रुक्खा किंसंठिया पण्णत्ता ? गोयमा ! कूडागारसंठिया पेच्छाघरसंठिया सत्तागारसंठिया झयसंठिया तोरणसंठिया गोपुरवेइयचोपायालगसंठिया अट्टालगसंठिया पासायसंठिया हम्मतलसंठिया गवक्खसंठिया वालग्गपोत्तियसंठिया वलभीसंठिया अण्णे तत्थ वहवे वरभवणसयणासणविसिट्ठसंठाणसंठिया सुहसीयलच्छाया णं ते दुमगणा पण्णत्ता समणाउसो !॥ अत्थि णं भंते ! एगोरुयदीवे दीवे गेहाणि वा गेहावणाणि वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, रुक्खगेहालया णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते ! एगूरुयदीवे दीवे गामाइ वा णगराइ वा जाव सन्निवेसाइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे, जहिच्छियकामगामिणो ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो !। अत्थि णं भंते !

परपुट्ठएइ वा गएइ वा गयकलभेइ वा कण्हसप्पेइ वा कण्हकेसरेइ वा आगासथिग्गलेइ वा कण्हासोएइ वा किण्हकणवीरेइ वा कण्हबंधुजीवएइ वा, भवे एयारूवे सिया ?, गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, तेसि णं कण्हाणं तणाणं मणीण य इत्तो इट्ठतराए चेव कंततराए चेव पियतराए चेव मणुण्णतराए चेव मणामतराए चेव वण्णेणं पण्णत्ते ॥ तत्थ णं जे ते णीलगा तणा य मणी य तेसि णं इमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहानामए-भिंगेइ वा भिंगपत्तेइ वा चासेइ वा चासपिच्छेइ वा सुएइ वा सुयपिच्छेइ वा णीलीइ वा णीलीभेएइ वा णीलीगुलियाइ वा सामाएइ वा उच्चंतएइ वा वणराईइ वा हलहरवसणेइ वा मोरग्गीवाइ वा पारेवयगीवाइ वा अयसिकुसुमेइ वा अंजणकेसिगाकुसुमेइ वा णीलुप्पलेइ वा णीलासोएइ वा णीलकणवीरेइ वा णीलबंधुजीवएइ वा, भवे एयारूवे सिया ?, णो इणट्ठे समट्ठे, तेसि णं णीलगाणं तणाणं मणीण य एत्तो इट्ठतराए चेव कंततराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ते ॥ तत्थ णं जे ते लोहियगा तणा य मणी य तेसि णं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए—ससगरुहिरेइ वा उरब्भरुहिरेइ वा णररुहिरेइ वा वराहरुहिरेइ वा महिसरुहिरेइ वा वालिंदगोवएइ वा वालदिवागरेइ वा संझब्भरागेइ वा गुंजद्धराएइ वा जाइहिंगुलएइ वा सिलप्पवालेइ वा पवालंकुरेइ वा लोहियक्खमणीइ वा लक्खारसएइ वा किमिरागेइ वा रत्तकंबलेइ वा चीणपिट्ठरासीइ वा जासुयणकुसुमेइ वा किंसुयकुसुमेइ वा पालियायकुसुमेइ वा रत्तुप्पलेइ वा रत्तासोगेइ वा रत्तकणयारेइ वा रत्तबंधुजीवेइ वा, भवे एयारूवे सिया ?, नो इणट्ठे समट्ठे, तेसि णं लोहियगाणं तणाण य मणीण य एत्तो इट्ठतराए चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ते ॥ तत्थ णं जे ते हालिद्दगा तणा य मणी य तेसि णं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहाणामए—चंपएइ वा चंपगच्छल्लीइ वा चंपयभेएइ वा हालिद्दाइ वा हालिद्दभेएइ वा हालिद्दगुलियाइ वा हरियालेइ वा हरियालभेएइ वा हरियालगुलियाइ वा चिउरेइ वा चिउरंगरागेइ वा वरकणएइ वा वरकणगनिघसेइ वा सुवण्णसिप्पिएइ वा वरपुरिसवसणेइ वा सल्लइकुसुमेइ वा चंपगकुसुमेइ वा कुहुंडियाकुसुमेइ वा (कोरंटगदामेइ वा) तडउडाकुसुमेइ वा घोसाडियाकुसुमेइ वा सुवण्णजूहियाकुसुमेइ वा सुहरिन्नयाकुसुमेइ वा [कोरिंटवरमल्लदामेइ वा] बीयगकुसुमेइ वा पीयासोएइ वा पीयकणवीरेइ वा पीयबंधुजीएइ वा, भवे एयारूवे सिया ?, नो इणट्ठे समट्ठे, ते णं हालिद्दा तणा य मणी य एत्तो इट्ठयरा चेव जाव वण्णेणं पण्णत्ता ॥ तत्थ णं जे ते सुक्किलगा तणा य मणी य तेसि णं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, से जहानामए—अंकेइ वा संखेइ वा चंदेइ वा कुंदेइ वा कुसुमे(सुए)इ वा दयरएइ वा (दहिघणेइ वा खीरेइ वा खीरपूरेइ वा)

वा जाणाइ वा जुग्गाइ वा गिल्लीइ वा थिल्लीइ वा पिपिल्लीइ वा पवहणाणि वा सिवियाइ वा संदमाणियाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, पायचारविहारिणो णं ते मणुस्सगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे० आसाइ वा हत्थीइ वा उट्टाइ वा गोणाइ वा महिसाइ वा खराइ वा घोडाइ वा अयाइ वा एलाइ वा? हंता अत्थि, नो चेव णं तेसिं मणुयाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति। अत्थि णं भंते! एगोरुयदीवे दीवे गावीइ वा महिसीइ वा उट्टीइ वा अयाइ वा एलगाइ वा? हंता अत्थि, णो चेव णं तेसिं मणुयाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे सीहाइ वा वग्घाइ वा विगाइ वा दीवियाइ वा अच्छाइ वा परच्छाइ वा परस्सराइ वा तरच्छाइ वा सियालाइ वा बिडालाइ वा सुणगाइ वा कोलसुणगाइ वा कोकंतियाइ वा ससगाइ वा चित्तलाइ वा चिल्लगाइ वा? हंता अत्थि, नो चेव णं ते अण्णमण्णस्स तेसिं वा मणुयाणं किंचि आवाहं वा पवाहं वा उप्पायंति वा छविच्छेयं वा करेंति, पगइभद्दगा णं ते सावयगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे सालीइ वा वीहीइ वा गोधूमाइ वा जवाइ वा तिलाइ वा इक्खूइ वा? हंता अत्थि, नो चेव णं तेसिं मणुयाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छंति। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे गत्ताइ वा दरीइ वा घंसाइ वा भिगूइ वा उवाएइ वा विसमेइ वा विज्जलेइ वा धूलीइ वा रेणूइ वा पंकेइ वा चलणीइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, एगूरुयदीवे णं दीवे बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे खाणूइ वा कंटएइ वा हीरएइ वा सक्कराइ वा तणकयवराइ वा पत्तकयवराइ वा असुईइ वा पूइयाइ वा दुब्भिगंधाइ वा अचोक्खाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयखाणुकंटगहीरसक्करतणकयवरपत्तकयवरअसुइपूइयदुब्भिगंधमचोक्खपरिवज्जिए णं एगूरुयदीवे पण्णत्ते समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे दीवे दंसाइ वा मसगाइ वा पिसुयाइ वा जूयाइ वा लिक्खाइ वा ढंकुणाइ वा? णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयदंसमसगपिसुयजूयलिक्खढंकुणपरिवज्जिए णं एगूरुयदीवे पण्णत्ते समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे० अहीइ वा अयगराइ वा महोरगाइ वा? हंता अत्थि, नो चेव णं ते अन्नमन्नस्स तेसिं वा मणुयाणं किंचि आवाहं वा पवाहं वा छविच्छेयं वा करेंति, पगइभद्दगा णं ते वालगगणा पण्णत्ता समणाउसो!। अत्थि णं भंते! एगूरुयदीवे० गहदंडाइ वा गहमुसलाइ वा गहगज्जियाइ वा गहजुद्धाइ वा गहसंघाडगाइ वा गहअवसव्वाइ वा अब्भाइ वा अब्भरुक्खाइ वा संझाइ वा गंधव्वनगराइ वा गज्जियाइ वा विज्जुयाइ वा उक्कापायाइ वा दिसादाहाइ वा णिग्घायाइ वा पंसुवुट्ठीइ वा जुवगाइ वा जक्खालित्ताइ

सियाॽ, णो इणट्ठे समट्ठे, से जहाणामए—वेयालियाए वीणाए उत्तरमंदामुच्छियाए अंके सुपइट्ठियाए चंदणसारकोणपडिघट्टियाए कुसलणरणारिसंपग्गहियाए पओसपच्चूसकालसमयंसि मंदं मंदं एइयाए वेइयाए खोभियाए उदीरियाए ओराला मणुण्णा कण्णमणणिव्वुइकरा सव्वओ समंता सद्दा अभिणिस्सवंति भवे एयारूवे सियाॽ, णो इणट्ठे समट्ठे, से जहाणामए—किण्णराण वा किंपुरिसाण वा महोरगाण वा गंधव्वाण वा भद्दसालवणगयाण वा नंदणवणगयाण वा सोमणसवणगयाण वा पंडगवणगयाण वा हिमवंतमलयमंदरगिरिगुहसमण्णागयाण वा एगओ सहियाणं संमुहागयाणं समुविट्ठाणं संनिविट्ठाणं पमुइयपक्कीलियाणं गीयरइगंधव्वहरिसियमणाणं गेज्जं पज्जं कत्थं गेयं पयविद्धं पायविद्धं उक्खित्तयं पवत्तयं मंदायं रोइयावसाणं सत्तसरसमण्णागयं अट्ठरससुसंपउत्तं छद्दोसविप्पमुक्कं एकारसगुणालंकारं अट्ठगुणोववेयं गुंजंतवंसकुहरोवगूढं रत्तं तिट्ठाणकरणसुद्धं महुरं समं सुललियं सकुहरगुंजंतवंसतंतीतलताललयग्गहसुसंपउत्तं मणोहरं मउयरिभियपयसंचारं सुरइं सुणइं वरचारुरूवं दिव्वं नट्टं सज्जं गेयं पगीयाणं, भवे एयारूवे सियाॽ, हंता गोयमा! एवंभूए सिया ॥१२६॥ तस्स णं वणसंडस्स तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं वहवे खुड्डा खुड्डियाओ वावीओ पुक्खरिणीओ गुंजालियाओ दीहियाओ (सरसीओ) सरपंतियाओ सरसरपंतीओ बिलपंतीओ अच्छाओ सण्हाओ रययामयकूलाओ वइरामयपासाणाओ तवणिज्जमयतलाओ वेरुलियमणिफालियपडलपच्चोयडाओ सुवण्णसुब्भ(ज्झ)रययमणिवालुयाओ सुहोयारासुउत्ताराओ णाणामणितित्थसुवद्धाओ चाउ(चउ)क्कोणाओ समतीराओ आणुपुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलजलाओ संछण्णपत्तभिसमुणालाओ वहुउप्पलकुमुयणलिणसुभगसोगंधियपोंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तफुल्लकेसरोवचियाओ छप्पयपरिभुज्जमाणकमलाओ अच्छविमलसलिलपुण्णाओ परिहत्थभमंतमच्छकच्छभअणेगसउणमिहुणपविचरियाओ पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिक्खित्ताओ पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खित्ताओ अप्पेगइयाओ आसवोदाओ अप्पेगइयाओ वारुणोदाओ अप्पेगइयाओ खीरोदाओ अप्पेगइयाओ घओदाओ अप्पेगइयाओ [इक्खु]खोदोदाओ (अमयरससमरसोदाओ) अप्पेगइयाओ पगइए उदग(अमय)रसेणं पण्णत्ताओ पासाइयाओ ४, तासि णं खुड्डियाणं वावीणं जाव बिलपंतियाणं तत्थ २ देसे २ तहिं २ जाव वहवे तिसोवाणपडिरूवगा पण्णत्ता। तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा—वइरामया नेमा रिट्ठामया पइट्ठाणा वेरुलियामया खंभा सुवण्णरुप्पामया फलगा वइरामया संधी लोहियक्खमईओ सूईओ णाणामणिमया अवलंवणा अवलंवणवाहाओ पासाइयाओ ४ ॥ तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ पत्तेयं २

निहीउ वा निहाणाइं वा निद्धमणाइं वा पहीणसामियाइं वा पहीणसेउयाइं वा पहीणगोत्तागाराइं वा जाइं इमाइं गामागरणगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंबाहसन्निवेसेसु सिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउमुहमहापहपहेसु णगरणिद्धमणगामणिद्धमणसुसाणगिरिकंदरसन्तिसेलोवट्ठाणभवणगिहेसु सन्निक्खित्ताइं चिट्ठंति ? नो इणट्ठे समट्ठे। एगूरुयदीवे णं भंते ! दीवे मणुयाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं असंखेज्जइभागेण ऊणगं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं। ते णं भंते ! मणुया कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छंति कहिं उववज्जंति ? गोयमा ! ते णं मणुया छम्मासावसेसाउया मिहुणयाइं पसवंति अउणासीइं राइंदियाइं मिहुणाइं सारक्खंति संगोविंति य, सारक्खित्ता संगोवित्ता उस्ससित्ता निस्ससित्ता कासित्ता छीइत्ता अक्किट्ठा अव्वहिया अपरियाविया [पलिओवमस्स असंखिज्जइभागं परियाविय] सुहंसुहेणं कालमासे कालं किच्चा अन्नयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवन्ति, देवलोयपरिग्गहा णं ते मणुयगणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं आभासियमणुस्साणं आभासियदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणपुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं तिन्नि जोयण० सेसं जहा एगूरुयाणं णिरवसेसं भाणियव्वं ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं णंगोलियमणुस्साणं पुच्छा, गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरपच्चत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं तिण्णि जोयणसयाइं सेसं जहा एगूरुयमणुस्साणं ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं वेसाणियमणुस्साणं पुच्छा, गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणपच्चत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं तिण्णि जोयण० सेसं जहा एगूरुयाणं ॥ १११ ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं हयकण्णमणुस्साणं हयकण्णदीवे णामं दीवे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगूरुयदीवस्स उत्तरपुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं चत्तारि जोयणसयाइं ओगाहित्ता एत्थ णं दाहिणिल्लाणं हयकण्णमणुस्साणं हयकण्णदीवे णामं दीवे पण्णत्ते, चत्तारि जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं बारस जोयणसया पन्नट्ठा किंचिविसेसूणा परिक्खेवेणं, से णं एगाए पउमवरवेइयाए अवसेसं जहा एगूरुयाणं। कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं गयकण्णमणुस्साणं पुच्छा, गोयमा ! आभासियदीवस्स दाहिणपुरच्छिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं चत्तारि जोयणसयाइं सेसं जहा हयकण्णाणं। एवं गोकण्णमणुस्साणं पुच्छा, वेसाणियदीवस्स दाहिणपच्चत्थिमिल्लाओ चरिमंताओ लवणसमुद्दं चत्तारि जोयणसयाइं सेसं जहा

सव्वरयणामया णिच्चं कुसुमिया णिच्चं जाव पडिरूवा ॥ तेसु णं जाइमंडवएसु जाव सामलयामंडवएसु वहवे पुढविसिलापट्टगा पण्णत्ता, तंजहा—अप्पेगइया हंसासण-संठिया अप्पे० कोंचासणसंठिया अप्पे० गरुलासणसंठिया अप्पे० उण्णयासणसंठिया अप्पे० पणयासणसंठिया अप्पे० दीहासणसंठिया अप्पे० भद्दासणसंठिया अप्पे० पक्खासणसंठिया अप्पे० मगरासणसंठिया अप्पे० उसभासणसंठिया अप्पे० सीहासणसंठिया अप्पे० पउमासणसंठिया अप्पे० दिसासोत्थियासणसंठिया० प०, तत्थ वहवे वरसयणासणविसिट्ठसंठाणसंठिया पण्णत्ता समणाउसो! आइण्णगरूय-बूरणवणीयतूलफासा मउया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। तत्थ णं वहवे वाणमंतरा देवा देवीओ य आसयंति सयंति चिट्ठंति णिसीयंति तुयट्टंति रमंति ललंति कीलंति मोहंति पुरापोराणाणं सुचिण्णाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणं फलवित्तिविसेसं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ तीसे णं जगईए उप्पिं अंतो पउमवरवेइयाए एत्थ णं एगे महं वणसंडे पण्णत्ते देसूणाइं दो जोयणाइं विक्खंभेणं वेइयासमएणं परिक्खेवेणं किण्हे किण्होभासे वणसंडवण्णओ मणि-तणसद्दविहूणो णेयव्वो, तत्थ णं वहवे वाणमंतरा देवा देवीओ य आसयंति सयंति चिट्ठंति णिसीयंति तुयट्टंति रमंति ललंति कीडंति मोहंति पुरा पोराणाणं सुचिण्णाणं सुपरिक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणं फलवित्तिविसेसं पच्चणुभव-माणा विहरंति ॥ १२७ ॥ जंबुद्दीवस्स णं भंते! दीवस्स कइ दारा पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि दारा पण्णत्ता, तंजहा—विजए वेजयंते जयंते-अपराजिए ॥ १२८ ॥ कहि णं भंते! जंबुद्दीवस्स दीवस्स विजए नामं दारे पण्णत्ते? गोयमा! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं पणयालीसं जोयणसहस्साइं अवाहाए जंबुद्दीवे दीवे पुरच्छिमपेरंते लवणसमुद्दपुरच्छिमद्धस्स पच्चत्थिमेणं सीयाए महाणईए उप्पिं एत्थ णं जंबुद्दीवस्स दीवस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेए वरकणगथूभियागे ईहामि-यउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिण्णररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ते खंभुग्गयवरवइरवेइयापरिगयाभिरामे विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्ते इव अच्चीसहस्समा-लिणीए रूवगसहस्सकलिए भिसमाणे भिब्भिसमाणे चक्खुल्लोयणलेसे सुहफासे सस्सि-रीयरूवे वण्णो दारस्स तस्सिमो होइ तं०—वइरामया णिम्मा रिट्ठामया पइट्ठाणा वेरुलियामया खंभा जायरूवोवचियपवरपंचवण्णमणिरयणकोट्टिमतले हंसगब्भमए एलुए गोमेज्जमए इंदक्खीले लोहियक्खमईओ दारचेडीओ जोइरसामए उत्तरंगे वेरुलियामया कवाडा वइरामया संधी लोहियक्खमईओ सूईओ णाणामणिमया

मुट्ठीगेज्झमज्झाओ आमेलगजमलजुयलवट्टिअब्भुण्णयपीणरइयसंठियपओहराओ रत्तावंगाओ असियकेसीओ मिउविसयपसत्थलक्खणसंवेल्लियग्गसिरयाओ ईसिं असोगवरपायवसमुट्ठियाओ वामहत्थगहियग्गसालाओ ईसिं अद्धच्छिकडक्खविद्धिएहिं लूसेमाणीओ इव चक्खुल्लोयणलेसाहिं अण्णमण्णं खिज्जमाणीओ इव पुढविपरिणामाओ सासयभावमुवगयाओ चंदाणणाओ चंदविलासिणीओ चंदद्धसमनिडालाओ चंदाहियसोमदंसणाओ उक्का इव उज्जोएमाणीओ विज्जुघणमरीइसूरदिप्पंततेयअहिययरसंनिगासाओ सिंगारागारचारुवेसाओ पासाइयाओ ४ तेयसा अईव अईव सोभेमाणीओ सोभेमाणीओ चिट्ठंति ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो जालकडगा पण्णत्ता, ते णं जालकडगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो घंटापरिवाडीओ पण्णत्ताओ, तासि णं घंटाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा—जंवूणयमईओ घंटाओ वइरामईओ लालाओ णाणामणिमया घंटापासगा तवणिज्जमईओ संकलाओ रययामईओ रज्जूओ ॥ ताओ णं घंटाओ ओहस्सराओ मेहस्सराओ हंसस्सराओ कोंचस्सराओ णंदिस्सराओ णंदिघोसाओ सीहस्सराओ सीहघोसाओ मंजुस्सराओ मंजुघोसाओ सुस्सराओ सुस्सरणिग्घोसाओ ते पएसे ओरालेणं मणुण्णेणं कण्णमणनिव्वुइकरेणं सद्देणं जाव चिट्ठंति ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो वणमालापरिवाडीओ पण्णत्ताओ, ताओ णं वणमालाओ णाणादुमलयाकिसलयपल्लवसमाउलाओ छप्पयपरिभुज्जमाणकमलसोभंतसस्सिरीयाओ पासाइयाओ० ते पएसे उरालेणं जाव गंधेणं आपूरेमाणीओ जाव चिट्ठंति ॥ १२९ ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो पगंठगा पण्णत्ता, ते णं पगंठगा चत्तारि जोयणाइं आयामविक्खंभेणं दो जोयणाइं बाहल्लेणं सव्ववइरामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं पगंठगाणं उवरिं पत्तेयं पत्तेयं पासायवडिंसगा पण्णत्ता, ते णं पासायवडिंसगा चत्तारि जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दो जोयणाइं आयामविक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसियपहसियाविव विविहमणिरयणभत्तिचित्ता वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागच्छत्ताइच्छत्तकलिया तुंगा गयणयलमभिलंघमाण(णुलिहंत)सिहरा जालंतररयणपंजरुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियागा वियसियसयवत्तपोंडरीयतिलयरयणद्धचंदचित्ता णाणामणिमयदामालंकिया अंतो य बाहिं च सण्हा तवणिज्जरुइलवालुयापत्थडा सुहफासा सस्सिरीयरूवा पासाईया ४ ॥ तेसि णं पासायवडिंसगाणं उल्लोया पउमलया जाव सामलयाभत्तिचित्ता सव्वतवणिज्जमया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं पासायवडिंसगाणं पत्तेयं पत्तेयं अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभा

माणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो आयंसगा पण्णत्ता, तेसि णं आयंसगाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा—तवणिज्जमया पगंठगा वेरुलियमया छरुहा (थंभया) वइरामया वरंगा णाणामणिमया वलक्खा अंकमया मंडला अणोघसियनिम्मलसाए छायाए सव्वओ चेव समणुबद्धा चंदमंडलपडिणिगासा महया महया अद्धकायसमाणा पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो वइरणाभा थाला पण्णत्ता, ते णं थाला अच्छतिच्छडियसालितंदुलनहसंदट्ठवहुपडिपुण्णा चेव चिट्ठंति सव्वजंवूणयामया अच्छा जाव पडिरूवा महया महया रहचक्कसमाणा प० समणाउसो ! ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो पाईओ पण्णत्ताओ, ताओ णं पाईओ अच्छोदयपडिहत्थाओ णाणाविहपंचवण्णस्स फलहरियगस्स वहुपडिपुण्णाओ विव चिट्ठंति सव्वरयणामईओ जाव पडिरूवाओ महया महया गोकलिंजगचक्कसमाणाओ पण्णत्ताओ समणाउसो ! ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो सुपइट्ठगा पण्णत्ता, ते णं सुपइट्ठगा णाणाविहपंचवण्णपसाहणगभंडविरइया सव्वोसहिपडिपुण्णा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो मणोगुलियाओ पण्णत्ताओ ॥ तासु णं मणोगुलियासु वहवे सुवण्णरुप्पामया फलगा पण्णत्ता, तेसु णं सुवण्णरुप्पामएसु फलएसु वहवे वइरामया णागदंतगा मुत्ताजालंतरूसिया हेम जाव गयदंतसमाणा पण्णत्ता, तेसु णं वइरामएसु णागदंतएसु वहवे रययामया सिक्कया पण्णत्ता, तेसु णं रययामएसु सिक्कएसु वहवे वायकरगा पण्णत्ता ॥ ते णं वायकरगा किण्हसुत्तसिक्कगवत्थिया जाव सुक्किलसुत्तसिक्कगवत्थिया सव्वे वेरुलियामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चित्ता रयणकरंडगा पण्णत्ता, से जहाणामए—रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स चित्ते रयणकरंडे वेरुलियमणिफालियपडलपच्चोयडे साए पभाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासइ उज्जोवेइ तावेइ पभासेइ, एवामेव ते चित्तरयणकरंडगा पण्णत्ता वेरुलियपडलपच्चोयडा साए पभाए ते पएसे सव्वओ समंता ओभासेन्ति जाव पभासेन्ति ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो हयकंठगा जाव दो दो उसभकंठगा पण्णत्ता सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसु णं हयकंठएसु जाव उसभकंठएसु दो दो पुप्फचंगेरीओ, एवं मल्लगंधवण्णचुण्णवत्थाभरणचंगेरीओ सिद्धत्थचंगेरीओ सव्वरयणामईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ ॥ तासु णं पुप्फचंगेरीसु जाव सिद्धत्थचंगेरीसु दो दो पुप्फपडलाइं जाव सि० सव्वरयणामयाइं जाव पडिरूवाइं ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो सीहासणाइं पण्णत्ताइं, तेसि णं सीहासणाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते तहेव जाव पासाईया

उत्तरेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स सोलस आयरक्खदेवसाहस्सीणं सोलस भद्दासण-साहस्सीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पुरत्थिमेणं चत्तारि साहस्सीओ, एवं चउसुवि जाव उत्तरेणं चत्तारि साहस्सीओ, अवसेसेसु भोमेसु पत्तेयं पत्तेयं भद्दासणा पण्णत्ता ॥१३२॥ विजयस्स णं दारस्स उवरिमागारा सोलसविहेहिं रयणेहिं उवसोभिया, तंजहा—रयणेहिं वयरेहिं वेरुलिएहिं जाव रिट्ठेहिं ॥ विजयस्स णं दारस्स उप्पिं बहवे अट्ठट्ठ-मंगलगा पण्णत्ता, तंजहा—सोत्थियसिरिवच्छ जाव दप्पणा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । विजयस्स णं दारस्स उप्पिं बहवे कण्हचामरज्झया जाव सव्वरय-णामया अच्छा जाव पडिरूवा । विजयस्स णं दारस्स उप्पिं बहवे छत्ताइच्छत्ता तहेव ॥ १३३ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—विजए दारे २ ? गोयमा ! विजए णं दारे विजए णामं देवे महिड्ढिए महज्जुइए जाव महाणुभावे पलिओवम-ट्ठिइए परिवसइ, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं विजयस्स णं दारस्स विजयाए रायहाणीए अण्णेसिं च बहूणं विजयाए रायहाणीए वत्थव्वगाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—विजए दारे विजए दारे, अदुत्तरं च णं गोयमा ! विजयस्स णं दारस्स सासए णामधेज्जे पण्णत्ते जण्ण कयाइ णासी ण कयाइ णत्थि ण कयाइ ण भविस्सइ जाव अवट्ठिए णिच्चे विजए दारे ॥ १३४ ॥ कहि णं भंते ! विजयस्स देवस्स विजया णाम रायहाणी पण्णत्ता ? गोयमा ! विजयस्स णं दारस्स पुरत्थिमेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीइवइत्ता अण्णंमि जंबुद्दीवे दीवे बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं विजयस्स देवस्स विजया णाम रायहाणी प० बारस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं सत्ततीसजो-यणसहस्साइं नव य अडयाले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं प० ॥ सा णं एगेणं पागारेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता ॥ से णं पागारे सत्ततीसं जोय-णाइं अद्धजोयणं च उड्ढं उच्चत्तेणं मूले अद्धतेरस जोयणाइं विक्खंभेणं मज्झेत्थ सक्कोसाइं छजोयणाइं विक्खंभेणं उप्पिं तिण्णि सद्धकोसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं मूले विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं तणुए बाहिं वट्टे अंतो चउरंसे गोपुच्छसंठाणसंठिए सव्वकणगामए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ से णं पागारे णाणाविहपंचवण्णेहिं कविसी-सएहिं उवसोभिए, तंजहा—किण्हेहिं जाव सुक्किल्लेहिं ॥ ते णं कविसीसगा अद्धकोसं आयामेणं पंचधणुसयाइं विक्खंभेणं देसूणमद्धकोसं उड्ढं उच्चत्तेणं सव्वमणिमया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ विजयाए णं रायहाणीए एगमेगाए बाहाए पणवीसं पणवीसं

वावट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च उड्ढं उच्चत्तेणं एक्कतीसं जोयणाइं कोसं च आयाम-विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसिया तहेव जाव अंतो वहुसमरमणिज्जा भूमिभागा पण्णत्ता उल्लोया पउम०भत्तिचित्ता भाणियव्वा, तेसि णं पासायवडिंसगाणं वहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं सीहासणा पण्णत्ता वण्णावासो सपरिवारा, तेसि णं पासायवडिंसगाणं उप्पिं वहवे अट्ठट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तंजहा—असोए सत्तवण्णे चंपए चूए ॥ तत्थ णं ते साणं साणं वणसंडाणं साणं साणं पासायवडिंसयाणं साणं साणं सामाणियाणं साणं साणं अग्गमहिसीणं साणं साणं परिसाणं साणं साणं आयरक्खदेवाणं आहेवच्चं जाव विहरन्ति ॥ विजयाए णं रायहाणीए अंतो वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव पंचवण्णेहिं मणीहिं उवसोहिए तणसद्दविहूणे जाव देवा य देवीओ य आसयंति जाव विहरंति । तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महं उवयारियालयणे पण्णत्ते वारस जोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं तिन्नि जोयणसहस्साइं सत्त य पंचाणउए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं अद्धकोसं वाहल्लेणं सव्वजंवूणयामएणं अच्छे जाव पडिरूवे ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते पउमवरवेइयाए वण्णओ वणसंड-वण्णओ जाव विहरंति, से णं वणसंडे देसूणाइं दो जोयणाइं चक्कवालविक्खंभेणं उवयारियालयणसमपरिक्खेवेणं ॥ तस्स णं उवयारियालयणस्स चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा पण्णत्ता, वण्णओ, तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं तोरणा पण्णत्ता छत्ताइछत्ता ॥ तस्स णं उवयारियालयणस्स उप्पिं वहुसमर-मणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणीहिं उवसोभिए मणिवण्णओ, गंधो, फासो, तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महं मूलपासाय-वडिंसए पण्णत्ते, से णं पासायवडिंसए वावट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च उड्ढं उच्चत्तेणं एक्कतीसं जोयणाइं कोसं च आयामविक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसियप्पहसिए तहेव, तस्स णं पासायवडिंसगस्स अंतो वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणिफासे उल्लोए ॥ तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभागे एत्थ णं एगा महं मणि-पेढिया पन्नत्ता, सा य एगं जोयणमायामविक्खंभेणं अद्धजोयणं वाहल्लेणं सव्वमणि-मई अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा ॥ तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं एगे महं सीहासणे पन्नत्ते, एवं सीहासणवण्णओ सपरिवारो, तस्स णं पासायवडिंसगस्स उप्पिं वहवे अट्ठट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ से णं पासायवडिंसए अण्णेहिं चउहिं तदद्धुच्चत्तप्प-माणमेत्तेहिं पासायवडिंसएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, ते णं पासायव[डिंस]

तोरणा प० ॥ ते णं तोरणा णाणामणिमयखंभेसु उवणिविट्ठसंणिविट्ठा विविहमुत्तंतरोवचिया विविहताराख्वोवचिया ईहामियउसभतुरगणरमगरविहगवालगकिण्णररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ता खंभुग्गयवइरवेड्यापरिगयाभिरामा विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्ताविव अच्चिसहस्समालणीया स्वगसहस्सकलिया भिसमाणा भिब्भिसमाणा चक्खुलोयणलेसा सुहफासा सस्सिरीयख्वा पासाईया ४ ॥ तेसि णं तोरणाणं उप्पिं बहवे अट्ठट्ठमंगलगा पण्णत्ता तं०—सोत्थियसिरिवच्छणंदियावत्तवद्धमाणभद्दासणकलसमच्छदप्पणा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा जाव पडिख्वा ॥ तेसि णं तोरणाणं उप्पिं बहवे किण्हचामरज्झया नीलचामरज्झया लोहियचामरज्झया हालिद्दचामरज्झया सुक्किल्लचामरज्झया अच्छा सण्हा रुप्पपट्टा वइरदंडा जलयामलगंधिया सुख्वा पासाइया ४ ॥ तेसि णं तोरणाणं उप्पिं बहवे छत्ताइछत्ता पडागाइपडागा घंटाजुयला चामरजुयला उप्पलहत्थगा जाव सयसहस्सपत्तहत्थगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिख्वा ॥ तासि णं खुड्डियाणं वावीणं जाव बिलपंतियाणं तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे उप्पायपव्वया णियइपव्वया जगइपव्वया दारुपव्वयगा दगमंडवगा दगमंचगा दगमालगा दगपासायगा ऊसडा खुल्ला खडहडगा अंदोलगा पक्खंदोलगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिख्वा ॥ तेसु णं उप्पायपव्वएसु जाव पक्खंदोलएसु बहवे हंसासणाइं कोंचासणाइं गरुलासणाइं उण्णयासणाइं पणयासणाइं दीहासणाइं भद्दासणाइं पक्खासणाइं मगरासणाइं उसभासणाइं सीहासणाइं पउमासणाइं दिसासोवत्थियासणाइं सव्वरयणामयाइं अच्छाइं सण्हाइं लण्हाइं घट्ठाइं मट्ठाइं णीरयाइं णिम्मलाइं निप्पंकाइं निक्कंकडच्छायाइं सप्पभाइं समिरीयाइं सउज्जोयाइं पासाइयाइं दरिसणिज्जाइं अभिख्वाइं पडिख्वाइं ॥ तस्स णं वणसंडस्स तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे आलिघरा मालिघरा कयलिघरा लयाघरा अच्छणघरा पेच्छणघरा मज्जणघरगा पसाहणघरगा गब्भघरगा मोहणघरगा सालघरगा जालघरगा कुसुमघरगा चित्तघरगा गंधव्वघरगा आयंसघरगा सव्वरयणामया अच्छा सण्हा लण्हा घट्ठा मट्ठा णीरया णिम्मला णिप्पंका निक्कंकडच्छाया सप्पभा समिरीया सउज्जोया पासाइया दरिसणिज्जा अभिख्वा पडिख्वा ॥ तेसु णं आलिघरएसु जाव आयंसघरएसु बहूइं हंसासणाइं जाव दिसासोवत्थियासणाइं सव्वरयणामयाइं जाव पडिख्वाइं ॥ तस्स णं वणसंडस्स तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं बहवे जाइमंडवगा जूहियामंडवगा मल्लियामंडवगा णवमालियामंडवगा वासंतीमंडवगा दधिवासुयामंडवगा सूरिल्लिमंडवगा तंबोलीमंडवगा मुद्दियामंडवगा णागलयामंडवगा अइमुत्तमंडवगा अप्फोयामंडवगा मालुयामंडवगा सामलयामंडवगा

उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकणगथूभियागा जाव वणमालादारवन्नओ ॥ तेसि णं दाराणं पुरओ मुहमंडवा पण्णत्ता, ते णं मुहमंडवा अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं छजोयणाइं सक्कोसाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं दो जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मुहमंडवा अणेगखंभसयसंनिविट्ठा जाव उल्लोया भूमिभागवण्णओ ॥ तेसि णं मुहमंडवाणं उवरिं पत्तेयं पत्तेयं अट्ठट्ठ मंगला पण्णत्ता सोत्थिय जाव मच्छ० ॥ तेसि णं मुहमंडवाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं पेच्छाघरमंडवा पण्णत्ता, ते णं पेच्छाघरमंडवा अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं जाव दो जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं जाव मणिफासो ॥ तेसि णं वहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं वइरामयअक्खाडगा पण्णत्ता, तेसि णं वइरामयाणं अक्खाडगाणं वहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २ मणिपीढिया पण्णत्ता, ताओ णं मणिपीढियाओ जोयणमेगं आयामविक्खंभेणं अद्धजोयणं वाहल्लेणं सव्वमणिमईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ ॥ तासि णं मणिपीढियाणं उप्पिं पत्तेयं पत्तेयं सीहासणा पण्णत्ता, सीहासणवण्णओ जाव दामा परिवारो । तेसि णं पेच्छाघरमंडवाणं उप्पिं अट्ठट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ तेसि णं पेच्छाघरमंडवाणं पुरओ तिदिसिं तओ मणिपेढियाओ पण्णत्ताओ, ताओ णं मणिपेढियाओ जोयणं आयामविक्खंभेणं अद्धजोयणं वाहल्लेणं सव्वमणिमईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ ॥ तासि णं मणिपेढियाणं उप्पिं पत्तेयं पत्तेयं महिंदज्झया अद्धट्ठमाइं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धकोसं उव्वेहेणं अद्धकोसं विक्खंभेणं वइरामयवट्टलट्ठसंठियसुसिलिट्ठपरिघट्ठमट्ठसुपइट्ठिया विसिट्ठा अणेगवरपंचवण्णकुडभीसहस्सपरिमंडियाभिरामा वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागा छत्ताइछत्तकलिया तुंगा गयणयलमभिलंघमाणसिहरा पासाईया जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं महिंदज्झयाणं उप्पिं अट्ठट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ तेसि णं महिंदज्झयाणं पुरओ तिदिसिं तओ णंदाओ पुक्खरिणीओ प० ताओ णं पुक्खरिणीओ अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं सक्कोसाइं छ जोयणाइं विक्खंभेणं दसजोयणाइं उव्वेहेणं अच्छाओ सण्हाओ पुक्खरिणीवण्णओ पत्तेयं पत्तेयं पउमवरवेइयापरिक्खित्ताओ पत्तेयं पत्तेयं वणसंडपरिक्खित्ताओ वण्णओ जाव पडिरूवाओ ॥ तेसि णं पुक्खरिणीणं पत्तेयं २ तिदिसिं तिसोवाणपडिरूवगा प०, तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं वण्णओ, तोरणा भाणियव्वा जाव छत्ताइछत्ता । सभाए णं सुहम्माए छ मणोगुलियासाहस्सीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—पुरत्थिमेणं दो साहस्सीओ पच्चत्थिमेणं दो साहस्सीओ दाहिणेणं एगसाहस्सी उत्तरेणं एगा साहस्सी, तासु णं मणोगुलियासु वहवे सुवण्णरुप्पामया फलगा पण्णत्ता, तेसु णं सुवण्णरुप्पामएसु फलगेसु वहवे वइरामया णागदंतगा पण्णत्ता, तेसु णं वइरामएसु नागदंतएसु

कलावा जाव सुक्किलसुत्तवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा ॥ ते णं दामा तवणिज्जलंबूसगा सुवण्णपयरगमंडिया णाणामणिरयणविविहहारद्धहार(उवसोभियसमुदया) जाव सिरीए अईव अईव उवसोभेमाणा उवसोभेमाणा चिट्ठंति ॥ तेसि णं णागदंतगाणं उवरिं अण्णाओ दो दो णागदंतपरिवाडीओ पण्णत्ताओ, तेसि णं णागदंतगाणं मुत्ताजालंतरुसिया तहेव जाव समणाउसो! । तेसु णं णागदंतएसु बहवे रययामया सिक्कया पण्णत्ता, तेसु णं रययामएसु सिक्कएसु ब० वेरुलियामईओ धूवघडीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—ताओ णं धूवघडीओ कालागुरुपवरकुंदरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामाओ सुगंधवरगंधगंधियाओ गंधवट्टिभूयाओ ओरालेणं मणुण्णेणं घाणमणणिव्वुइकरेणं गंधेणं तप्पएसे सव्वओ समंता आपूरेमाणीओ आपूरेमाणीओ अईव अईव सिरीए जाव चिट्ठंति ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो सालिभंजियापरिवाडीओ पण्णत्ताओ, ताओ णं सालभंजियाओ लीलट्ठियाओ सुपयट्ठियाओ सुअलंकियाओ णाणागारवसणाओ णाणामल्लपिणद्धाओ

सभाए णं सुहम्माए उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं एगा महं उववायसभा पण्णत्ता जहा सुहम्मा तहेव जाव गोमाणसीओ उववायसभाएवि दारा मुहमंडवा सव्वं भूमिभागे तहेव जाव मणिफासो (सुहम्मासभावत्तव्वया भाणियव्वा जाव भूमीए फासो) ॥ तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगा महं मणिपेढिया पण्णत्ता जोयणं आयामविक्खंभेणं अद्धजोयणं बाहल्लेणं सव्वमणि-मई अच्छा जाव पडिरूवा, तीसे णं मणिपेढियाए उप्पिं एत्थ णं एगे महं देवसय-णिज्जे पण्णत्ते, तस्स णं देवसयणिज्जस्स वण्णओ, उववायसभाए णं उप्पिं अट्ठट्ठमं-गलगा झया छत्ताइछत्ता जाव उत्तिमागारा, तीसे णं उववायसभाए उत्तरपुरच्छिमेणं एत्थ णं एगे महं हरए पण्णत्ते, से णं हरए अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं छक्कोसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं अच्छे सण्हे वण्णओ जहेव णंदाणं पुक्खरिणीणं जाव तोरणवण्णओ, तस्स णं हरयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं एगा महं अभिसेयसभा पण्णत्ता जहा सभासुहम्मा तं चेव निरवसेसं जाव गोमाणसीओ भूमिभाए उल्लोए तहेव ॥ तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगा महं मणिपेढिया पण्णत्ता जोयणं आयामविक्खंभेणं अद्धजोयणं बाहल्लेणं सव्वमणिमया अच्छा० ॥ तीसे णं मणिपेढियाए उप्पिं एत्थ णं महं एगे सीहासणे पण्णत्ते, सीहासणवण्णओ अपरिवारो ॥ तत्थ णं विजयस्स देवस्स सुबहु आभिसेक्के भंडे संणिक्खित्ते चिट्ठइ, अभिसेयसभाए उप्पिं अट्ठट्ठमंगलगा जाव उत्ति-मागारा सोलसविहेहिं रयणेहिं उवसोभिया, तीसे णं अभिसेयसभाए उत्तरपुरत्थि-मेणं एत्थ णं एगा महं अलंकारियसभा पण्णत्ता अभिसेयसभावत्तव्वया भाणियव्वा जाव गोमाणसीओ मणिपेढियाओ जहा अभिसेयसभाए उप्पिं सीहासणं (स)-अपरिवारं ॥ तत्थ णं विजयस्स देवस्स सुबहु अलंकारिए भंडे संनिक्खित्ते चिट्ठइ, अलंकारिय० उप्पिं मंगलगा झया जाव (छत्ताइछत्ता) उत्तिमागारा ॥ तीसे णं अलंकारियसहाए उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं एगा महं ववसायसभा पण्णत्ता, अभि-सेयसभावत्तव्वया जाव सीहासणं अपरिवारं ॥ त(ए)त्थ णं विजयस्स देवस्स एगे महं पोत्थयरयणे संनिक्खित्ते चिट्ठइ, तस्स णं पोत्थयरयणस्स अयमेयारूवे वण्णा-वासे पन्नत्ते, तंजहा—रिट्ठामईओ कंबियाओ [रययामयाइं पत्तगाइं] तवणिज्जमए दोरे णाणामणिमए गंठी (अंकमयाइं पत्ताइं) वेरुलियमए लिप्पासणे तवणिज्जमई संकला रिट्ठामए छायणे रिट्ठामया मसी वइरामई लेहणी रिट्ठामयाइं अक्खराइं धम्मिए सत्थे ववसायसभाए णं उप्पिं अट्ठट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता उत्तिमा-गारेति । तीसे णं ववसायसभाए उत्तरपुरच्छिमेणं एत्थ णं एगा महं णंदापुक्खरिणी

पण्णत्ते, से जहाणामए आलिंगपुक्खरेइ वा जाव मणीहिं उवसोभिए, मणीण गंधो वण्णो फासो य नेयव्वो ॥ तेसि णं बहुसमरमणिज्जाणं भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं मणिपेढियाओ पण्णत्ताओ, ताओ णं मणिपेढियाओ जोयणं आयामविक्खंभेणं अद्धजोयणं बाहल्लेणं सव्वरयणामईओ जाव पडिरूवाओ, तासि णं मणिपेढियाणं उवरिं पत्तेयं २ सीहासणे पण्णत्ते, तेसि णं सीहासणाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा–तवणिज्जमया चक्कवाला रययामया सीहा सोवण्णिया पाया णाणामणिमयाइं पायसीसगाइं जंबूणयमयाइं गत्ताइं वइरामया संधी नाणामणिमए वेच्चे, ते णं सीहासणा ईहामियउसभ जाव पउमलयभत्तिचित्ता ससारसारोवइयविविहमणिरयणपायपीढा अच्छरगमिउमसूरगनवतयकुसंतलिच्चसीहकेसरपच्चुत्थयाभिरामा उवचियखोमदुगुल्लयपडिच्छायणा सुविरइयरयत्ताणा रत्तंसुयसंवुया सुरम्मा आईणगरूयबूरणवणीयतूलमउयफासा मउया पासाईया ४ ॥ तेसि णं सीहासणाणं उप्पिं पत्तेयं पत्तेयं विजयदूसे पण्णत्ते, ते णं विजयदूसा सेया संखंककुंददगरयअमयमहियफेणपुंजसन्निगासा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तेसि णं विजयदूसाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं वइरामया अंकुसा पण्णत्ता, तेसु णं वइरामएसु अंकुसेसु पत्तेयं २ कुंभिक्का मुत्तादामा पण्णत्ता, ते णं कुंभिक्का मुत्तादामा अन्नेहिं चउहिं चउहिं तदद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं अद्धकुंभिक्केहिं मुत्तादामेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ते णं दामा तवणिज्जलंबूसगा सुवण्णपयरगमंडिया जाव चिट्ठंति, तेसि णं पासायवडिंसगाणं उप्पिं बहवे अट्ठट्ठमंगलगा पण्णत्ता सोत्थिय तहेव जाव छत्ता ॥ १३० ॥ विजयस्स णं दारस्स उभओ पासिं दुहओ णिसीहियाए दो दो तोरणा पण्णत्ता, ते णं तोरणा णाणामणिमया तहेव जाव अट्ठट्ठमंगलगा य छत्ताइछत्ता ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो सालभंजियाओ पण्णत्ताओ, जहेव णं हेट्ठा तहेव ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो णागदंतगा पण्णत्ता, ते णं णागदंतगा मुत्ताजालंतरूसिया तहेव, तेसु णं णागदंतएसु बहवे किण्हा सुत्तवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा जाव चिट्ठंति ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो हयसंघाडगा जाव उसभसंघाडगा पण्णत्ता सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, एवं पंतीओ वीहीओ मिहुणगा, दो दो पउमलयाओ जाव पडिरूवाओ, तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो अक्खयसोवत्थिया पण्णत्ता ते णं अक्खयसोवत्थिया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो चंदणकलसा पण्णत्ता, ते णं चंदणकलसा वरकमलपइट्ठाणा तहेव सव्वरयणामया जाव पडिरूवा समणाउसो ! ॥ तेसि णं तोरणाणं पुरओ दो दो भिंगारगा पण्णत्ता वरकमलपइट्ठाणा जाव सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा महया महया मत्तगयमुहागिइस-

ज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं वीईवयमाणा २ जेणेव खीरोए समुद्दे तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता खीरोदगं गिण्हंति गिण्हित्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हंति २ त्ता जेणेव पुक्खरोदे समुद्दे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता पुक्खरोदगं गेण्हंति पुक्खरोदगं गिण्हित्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गिण्हंति २ त्ता जेणेव समयखेत्ते जेणेव भरहेरवयाइं वासाइं जेणेव मागहवरदामपभासाइं तित्थाइं तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता तित्थोदगं गिण्हंति २ त्ता तित्थमट्टियं गेण्हंति २ त्ता जेणेव गंगासिंधुरत्तारत्तवईसलिला तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सरिओदगं गेण्हंति २ त्ता उभओ तडमट्टियं गेण्हंति गेण्हित्ता जेणेव चुल्लहिमवंतसिहरिवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता सव्वतूवरे य सव्वपुप्फे य सव्वगंधे य सव्वमल्ले य सव्वोसहिसिद्धत्थए य गिण्हंति सव्वोसहिसिद्धत्थए गिण्हित्ता जेणेव पउमद्दहपुंडरीयद्दहा तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता दहोदगं गेण्हंति २ त्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं ताइं गेण्हंति ताइं गिण्हित्ता जेणेव हेमवयहेरण्णवयाइं वासाइं जेणेव रोहियरोहियंससुवण्णकूलरुप्पकूलाओ तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सलिलोदगं गेण्हंति २ त्ता उभओ तडमट्टियं गिण्हंति गेण्हित्ता जेणेव सद्दावाइमालवंतपरियागा वट्टवेयड्ढपव्वया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता सव्वतुवरे य जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य गेण्हंति सव्वोसहिसिद्धत्थए गेण्हित्ता जेणेव महाहिमवंतरुप्पिवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता सव्वपुप्फे तं चेव जेणेव महापउमद्दहमहापुंडरीयद्दहा तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं तं चेव जेणेव हरिवासे रम्मावासेति जेणेव हरिकंतहरिसलिलाणरकंतणारिकंताओ सलिलाओ तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता सलिलोदगं गेण्हंति सलिलोदगं गेण्हित्ता जेणेव वियडावइगंधावइवट्टवेयड्ढपव्वया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सव्वपुप्फे य तं चेव जेणेव णिसहणीलवंतवासहरपव्वया तेणेव उवागच्छंति तेणेव उवागच्छित्ता सव्वतूवरे य तहेव जेणेव तिगिच्छिदहकेसरिदहा तेणेव उवागच्छंति २ त्ता जाइं तत्थ उप्पलाइं तं चेव जेणेव पुव्वविदेहावरविदेहवासाइं जेणेव सीयासीओयाओ महाणईओ जहा णईओ जेणेव सव्वचक्कवट्टिविजया जेणेव सव्वमागहवरदामपभासाइं तित्थाइं तहेव जहेव जेणेव सव्ववक्खारपव्वया सव्वतुवरे य जेणेव सव्वंतरणईओ सलिलोदगं गेण्हंति २ त्ता तं चेव जेणेव मंदरे पव्वए जेणेव भद्दसालवणे तेणेव उवागच्छंति सव्वतुवरे य जाव सव्वोसहिसिद्धत्थए य गिण्हंति २ त्ता जेणेव णंदणवणे तेणेव उवागच्छंति २ त्ता सव्वतुवरे जाव सव्वोसहिसिद्धत्थे य सरसं च गोसीसचंदणं

णीओ अण्णंमि जंवू० तहेव सव्वं भाणियव्वं ॥ कहि णं भंते ! जंवुद्दीवे दीवे उत्तरकुराए कुराए उत्तरकुरुद्दहे णामं दहे पण्णत्ते ? गोयमा ! नीलवंतद्दहस्स दाहिणेणं अद्धचोत्तीसे जोयणसए, एवं सो चेव गमो णेयव्वो जो णीलवंतद्दहस्स सव्वेसिं सरिसगो दहसरिनामा य देवा, सव्वेसिं पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं कंचणगपव्वया दस २ एगप्पमाणा उत्तरेणं रायहाणीओ अण्णंमि जंवुद्दीवे २। चंदद्दहे एरावणद्दहे मालवंतद्दहे एवं एक्केक्को णेयव्वो ॥ १५० ॥ कहि णं भंते ! उत्तरकुराए २ जंवूसुदंसणाए जंवुपेढे नामं पेढे पण्णत्ते ? गोयमा ! जंवुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमेणं नीलवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं मालवंतस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं गंधमायणस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए पुरत्थिमिल्ले कूले एत्थ णं उत्तरकुराए कुराए जंवूपेढे नामं पेढे पण्णत्ते पंचजोयणसयाइं आयामविक्खंभेणं पण्णरस एक्कासीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं वहुमज्झदेसभाए वारस जोयणाइं वाहल्लेणं तयाणंतरं च णं मायाए २ पएसे परिहाणीए सव्वेसु चरमंतेसु दो कोसे वाहल्लेणं पण्णत्ते सव्वजंवूणयामए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते वण्णओ दोण्हवि। तस्स णं जंवुपेढस्स चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा पण्णत्ता तं चेव जाव तोरणा जाव छत्ता ॥ तस्स णं जंवूपेढस्स उप्पिं वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते से जहाणामए आलिंगपुक्खरेइ वा जाव मणि० ॥ तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगा महं मणिपेढिया पण्णत्ता अट्ठ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं चत्तारि जोयणाइं वाहल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा सण्हा जाव पडिरूवा ॥ तीसे णं मणिपेढियाए उवरि एत्थ णं महं जंवूसुदंसणा पण्णत्ता अट्ठजोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धजोयणं उव्वेहेणं दो जोयणाइं खंधे अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं छ जोयणाइं विडिमा वहुमज्झदेसभाए अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं अट्ठ जोयणाइं सव्वग्गेणं पण्णत्ता, वइरामयमूला रययसुपइट्ठियविडिमा रिट्ठामयविउलकंदा वेरुलियरुइरक्खंधा सुजायवरजायरूवपढमगविसालसाला नाणामणिरयणविविहसाहप्पसाहवेरुलियपत्ततवणिज्जपत्तविंटा जंवूणयरत्तमउयसुकुमालपवालपल्लवंकुरधरा विचित्तमणिरयणसुरहिकुसुमा फलभारनमियसाला सच्छाया सप्पभा सस्सिरीया सउज्जोया अहियं मणोनिव्वुइकरा पासाईया दरिसणिज्जा अभिरूवा पडिरूवा ॥ १५१ ॥ जंवूए णं सुदंसणाए चउद्दिसिं चत्तारि साला पण्णत्ता, तंजहा—पुरत्थिमेणं दक्खिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं, तत्थ णं जे से पुरत्थिमिल्ले साले एत्थ णं एगे महं भवणे पण्णत्ते एगं कोसं आयामेणं अद्धकोसं विक्खंभेणं देसूणं कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं अणेग-

एकतीसं जोयणाइं कोसं च उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धसोलसजोयणाइं अद्धकोसं च आयामविक्खंभेणं अब्भुग्गय० तहेव, तेसि णं पासायवडिंसयाणं अंतो बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा उल्लोया ॥ तेसि णं बहुसमरमणिज्जाणं भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं सीहासणं पण्णत्तं, वण्णओ, तेसिं परिवारभूया बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं २ भद्दासणा पण्णत्ता, तेसि णं अट्ठट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ ते णं पासायवडिंसगा अण्णेहिं चउहिं चउहिं तदद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं पासायवडेंसएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता ॥ ते णं पासायवडेंसगा अद्धसोलसजोयणाइं अद्धकोसं च उड्ढं उच्चत्तेणं देसूणाइं अट्ठ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं अब्भुग्गय० तहेव, तेसि णं पासायवडेंसगाणं अंतो बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा उल्लोया, तेसि णं बहुसमरमणिज्जाणं भूमिभागाणं बहुमज्झदेसभाए पत्तेयं पत्तेयं पउमासणा पन्नत्ता, तेसि णं पासायाणं अट्ठट्ठमंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ ते णं पासायवडेंसगा अण्णेहिं चउहिं तदद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्तेहिं पासायवडेंसएहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता ॥ ते णं पासायवडेंसगा देसूणाइं अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं देसूणाइं चत्तारि जोयणाइं आयामविक्खंभेणं अब्भुग्गय० भूमिभागा उल्लोया भद्दासणाइं उवरिं मंगलगा झया छत्ताइछत्ता ॥ १३६ ॥ तस्स णं मूलपासायवडेंसगस्स उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं विजयस्स देवस्स सभा सुहम्मा पण्णत्ता अद्धतेरसजोयणाइं आयामेणं छ सक्कोसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं णव जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, अणेगखंभसयसंनिविट्ठा अब्भुग्गयसुकयवइरवेइया तोरणवररइयसालभंजिया सुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसंठियपसत्थवेरुलियविमलखंभा णाणामणिकणगरयणखइयउज्जलबहुसमसुविभत्तचित्त(णिचिय)रमणिज्जकुट्टिमतला ईहामियउसभतुरगणरमगरविहगवालगकिण्णररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ता थंभुग्गयवइरवेइयापरिगयाभिरामा विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्ताविव अच्चिसहस्समालणीया रूवगसहस्सकलिया भिसमाणी भिब्भिसमाणी चक्खुल्लोयणलेसा सुहफासा सस्सिरीयरूवा कंचणमणिरयणथूभियागा णाणाविहपंचवण्णघंटापडागपरिमंडियग्गसिहरा धवला मिरीइकवयं विणिम्मुयंती लाउल्लोइयमहिया गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिन्नपंचंगुलितला उवचियचंदणकलसा चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघेंतगंधुद्धुयाभिरामा सुगंधवरगंधिया गंधवट्टिभूया अच्छरगणसंघसंविकिण्णा दिव्वतुडियमहुरसद्दसंपणाइया सुरम्मा सव्वरयणामई अच्छा जाव पडिरूवा ॥ तीसे णं सुहम्माए सभाए तिदिसिं तओ दारा पण्णत्ता तंजहा पुरत्थिमेणं दाहिणेणं उत्तरेणं ॥ ते णं दारा पत्तेयं पत्तेयं दो दो जोयणाइं

एगा णागसयसाहस्सी चोवत्तरिं च णागसहस्सा भवंतीति मक्खाया ॥ १५८ ॥ कइ णं भंते! वेलंधरा णागराया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि वेलंधरा णागराया पण्णत्ता, तंजहा—गोथूभे सिवए संखे मणोसिलए ॥ एएसि णं भंते! चउण्हं वेलंधरणागरायाणं कइ आवासपव्वया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि आवासपव्वया पण्णत्ता, तंजहा—गोथूभे उदगभासे संखे दगसीमए ॥ कहि णं भंते! गोथूभस्स वेलंधरणागरायस्स गोथूभे णामं आवासपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! जंबूदीवे दीवे मंदरस्स प० पुरत्थिमेणं लवणं समुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं गोथूभस्स वेलंधरणागरायस्स गोथूभे णामं आवासपव्वए पण्णत्ते सत्तरसएक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि तीसे जोयणसए कोसं च उव्वेहेणं मूले दसबावीसे जोयणसए आयामविक्खंभेणं मज्झे सत्ततेवीसे जोयणसए उवरिं चत्तारि चउवीसे जोयणसए आयामविक्खंभेणं मूले तिण्णि जोयणसहस्साइं दोण्णि य बत्तीसुत्तरे जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं मज्झे दो जोयणसहस्साइं दोण्णि य छलसीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं उवरि एगं जोयणसहस्सं तिण्णि य ईयाले जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं मूले वित्थिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं तणुए गोपुच्छसंठाणसंठिए सव्वकणगामए अच्छे जाव पडिरूवे ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, दोण्हवि वण्णओ ॥ गोथूभस्स णं आवासपव्वयस्स उवरिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव आसयंति० ॥ तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महं पासायवडेंसए बावट्ठं जोयणद्धं च उड्ढं उच्चत्तेणं तं चेव पमाणं अद्धं आयामविक्खंभेणं वण्णओ जाव सीहासणं सपरिवारं ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—गोथूभे आवासपव्वए २? गोयमा! गोथूभे णं आवासपव्वए तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहूओ खुड्डाखुड्डियाओ जाव गोथूभवण्णाइं बहूइं उप्पलाइं तहेव जाव गोथूभे तत्थ देवे

भंते! चउण्हं अणुवेलंधरणागरायाणं कइ आवासपव्वया पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि आवासपव्वया पण्णत्ता, तंजहा—कक्कोडए १ कद्दमए २ कइलासे ३ अरुणप्पभे ४॥ कहि णं भंते! कक्कोडगस्स अणुवेलंधरणागरायस्स कक्कोडए णामं आवासपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमेणं लवणसमुद्दं वायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं कक्कोडगस्स नागरायस्स कक्कोडए णामं आवासपव्वए पण्णत्ते सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं तं चेव पमाणं जं गोथूभस्स णवरि सव्वरयणामए अच्छे जाव निरवसेसं जाव सिंहासणं सपरिवारं अट्ठो से वहूइं उप्पलाइं० कक्कोडप्पभाइं सेसं तं चेव णवरि कक्कोडगपव्वयस्स उत्तरपुरच्छिमेणं, एवं तं चेव सव्वं, कद्दमस्सवि सो चेव गमओ अपरिसेसिओ, णवरि दाहिणपुरच्छिमेणं आवासो विज्जुप्पभा रायहाणी दाहिणपुरत्थिमेणं, कइलासेवि एवं चेव, णवरि दाहिणपच्चत्थिमेणं कइलासावि रायहाणी ताए चेव दिसाए, अरुणप्पभेवि उत्तरपच्चत्थिमेणं रायहाणीवि ताए चेव दिसाए, चत्तारि विगप्पमाणा सव्वरयणामया य॥ १६०॥ कहि णं भंते! सुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स गोयमदीवे णामं दीवे पण्णत्ते? गोयमा! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं वारसजोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स गोयमदीवे० पण्णत्ते, वारसजोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं सत्ततीसं जोयणसहस्साइं नव य अडयाले जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं जंवूदीवंतेणं अद्धेगूणणउए जोयणाइं चत्तालीसं पंचणउइभागे जोयणस्स ऊसिए जलंताओ लवणसमुद्दंतेणं दो कोसे ऊसिए जलंताओ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता तहेव वण्णओ दोण्हवि। गोयमदीवस्स णं दीवस्स अंतो जाव वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहानामए—आलिंग० जाव आसयंति०। तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभागे एत्थ णं सुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स एगे महं अइक्कीलावासे नामं भोमेज्जविहारे पण्णत्ते वावट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं एक्कतीसं जोयणाइं कोसं च विक्खंभेणं अणेगखंभसयसन्निविट्ठे सव्वो भवणवण्णओ भाणियव्वो। अइक्कीलावासस्स णं भोमेज्जविहारस्स अंतो वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव मणीणं फासो। तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ एगा मणिपेढिया पण्णत्ता। सा णं मणिपेढिया दो जोयणाइं आयामविक्खंभेणं जोयणवाहल्लेणं सव्वमणिमया अच्छा जाव पडिरूवा॥ तीसे णं मणिपेढियाए उवरिं एत्थ णं देवसयणिज्जे पण्णत्ते वण्णओ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—गोयमदीवे दीवे २? गोयमा! गोयमदीवे णं दीवे तत्थ २ देसे २ तहिं २ वहूइं उप्पलाइं जाव गोयमप्पभाइं से एएणट्ठेणं

पण्णत्ता जं चेव पमाणं हरयस्स तं चेव सव्वं ॥ १३९-१४० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं विजए देवे विजयाए रायहाणीए उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देव-दूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्तीए बोंदीए विजयदेवत्ताए उववण्णे ॥ तए णं से विजए देवे अहुणोववण्णमेत्तए चेव समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए पज्जत्तीभावं गच्छइ, तंजहा—आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणापाणुपज्जत्तीए भासामणपज्जत्तीए ॥ तए णं से विजए देवे देवसयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता दिव्वं देवदूसजुयलं परिहेइ २ त्ता देवसयणिज्जाओ पच्चोरुहइ २ त्ता उववायसभाओ पुरत्थिमेणं दारेणं णिग्गच्छइ २ त्ता जेणेव हरए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता हरयं अणुपयाहिणं करेमाणे करेमाणे पुरत्थिमेणं तोरणेणं अणुप्पविसइ २ त्ता पुर-त्थिमिल्लेणं तिसोवाणपडिरूवएणं पच्चोरुहइ २ त्ता हरयं ओगाहइ २ त्ता जलावगाहणं करेइ २ त्ता जलमज्जणं करेइ २ त्ता जलकिड्डं करेइ २ त्ता आयंते चोक्खे परमसुइ-भूए हरयाओ पच्चुत्तरइ २ त्ता जेणामेव अभिसेयसभा तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता अभिसेयसभं अणुपयाहिणं करेमाणे पुरत्थिमिल्लेणं दारेणं अणुपविसइ २ त्ता जेणेव सए सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरच्छाभिमुहे सण्णिसण्णे ॥ तए णं तस्स विजयस्स देवस्स सामाणियपरिसोववण्णगा देवा आभिओगिए देवे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी—खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! विजयस्स देवस्स महत्थं महग्घं महरिहं विउलं इंदाभिसेयं उवट्ठावेह ॥ तए णं ते आभिओगिया देवा सामाणियपरिसोववण्णेहिं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयलपरि-ग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं देवा तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति २ त्ता उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमंति २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता संखेज्जाइं जोयणाइं दंडं णिसरंति तं०—रयणाणं जाव रिट्ठाणं, अहाबायरे पोग्गले परिसाडेंति २ त्ता अहासुहुमे पोग्गले परियायंति २ त्ता दोच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता अट्ठसहस्सं सोवण्णियाणं कलसाणं अट्ठस-हस्सं रुप्पामयाणं कलसाणं अट्ठसहस्सं मणिमयाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णरुप्पामयाणं अट्ठसहस्सं सुवण्णमणिमयाणं अट्ठसहस्सं रुप्पामणिमयाणं अट्ठसहस्सं भोमेज्जाणं अट्ठसहस्सं भिंगारगाणं एवं आयंसगाणं थालाणं पाईणं सुपइट्ठगाणं चित्ताणं रयणकरंडगाणं अट्ठसयं सीहासणाणं छत्ताणं चामराणं अवपडगाणं वट्टगाणं तव-सिप्पाणं खोरगाणं पीणगाणं तेल्लसमुग्गयाणं विउव्वंति ते साभाविए विउव्विए य कलसे य जाव तेल्लसमुग्गए य गेण्हंति गेण्हित्ता विजयाओ रायहाणीओ पडि-निक्खमंति २ त्ता ताए उक्किट्ठाए जाव उद्धुयाए दिव्वाए देवगईए तिरियमसंखे-

वाहिरलावणगाणं चंदाणं चंददीवा० पण्णत्ता ? गोयमा ! लवणस्स समुद्दस्स पुरत्थि-मिल्लाओ वेइयंताओ लवणसमुद्दं पच्चत्थिमेणं वारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं वाहिरलावणगाणं चंदाणं चंददीवा नामं दीवा पण्णत्ता धायइसंडदीवंतेणं अद्धेगूणणउइजोयणाइं चत्तालीसं च पंचणउइभागे जोयणस्स ऊसिया जलंताओ लवणसमुद्दंतेणं दो कोसे ऊसिया वारस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं पउमवरवेइया वणसंडा वहुसमरमणिज्जा भूमिभागा मणिपेढिया सीहासणा सपरिवारा सो चेव अट्ठो राय-हाणीओ सगाणं दीवाणं पुरत्थिमेणं तिरियमसं० अण्णंमि लवणसमुद्दे तहेव सव्वं । कहि णं भंते ! वाहिरलावणगाणं सूराणं सूरदीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! लवणसमुद्दपच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ लवणसमुद्दं पुरत्थिमेणं वारस जोयणसहस्साइं धायइसंडदीवंतेणं अद्धेगूणणउइं जोयणाइं चत्तालीसं च पंचनउइभागे जोयणस्स दो कोसे ऊसिया सेसं तहेव जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं तिरियमसं-खेज्जे लवणे चेव वारस जोयणा तहेव सव्वं भाणियव्वं ॥ १६३ ॥ कहि णं भंते ! धायइसंडदीवगाणं चंदाणं चंददीवा० पण्णत्ता ? गोयमा ! धायइसंडस्स दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयं णं समुद्दं वारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं धायइसंडदीवाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता, सव्वओ समंता दो कोसा ऊसिया जलंताओ वारस जोयणसहस्साइं तहेव विक्खंभपरिक्खेवो भूमिभागो पासायवडिंसया मणिपेढिया सीहासणा सपरिवारा अट्ठो तहेव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पुरत्थिमेणं अण्णंमि धायइसंडे दीवे सेसं तं चेव, एवं सूरदीवावि, नवरं धायइसंडस्स दीवस्स पच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयं णं समुद्दं वारस जोयण० तहेव सव्वं जाव रायहाणीओ सूराणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं अण्णम्मि धायइसंडे दीवे सव्वं तहेव ॥ १६४ ॥ कहि णं भंते ! कालोयगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स पुरच्छिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयण्णं समुद्दं पच्च-त्थिमेण वारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं कालोयगचंदाणं चंददीवा०सव्वओ समंता दो कोसा ऊसिया जलंताओ सेसं तहेव जाव रायहाणीओ सगाणं दीव० पुर-च्छिमेणं अण्णंमि कालोयगसमुद्दे वारस जोयणा तं चेव सव्वं जाव चंदा देवा २ । एवं सूराणवि, णवरं कालोयगपच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ कालोयसमुद्दपुरच्छिमेणं वारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता तहेव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं अण्णंमि-कालोयगसमुद्दे तहेव सव्वं । एवं पुक्खरवरगाणं चंदाणं पुक्खरवरस्स दीवस्स पुरत्थि-मिल्लाओ वेइयंताओ पुक्खरसमुद्दं वारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता चंददीवा अण्णंमि पुक्खरवरे दीवे रायहाणीओ तहेव । एवं सूराणवि दीवा पुक्खरवरदीवस्स पच्चत्थि-

दस जोयणाइं सव्वग्गेणं पण्णत्ताइं ॥ तेसि णं पउमाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा—वइरामया मूला जाव णाणामणिमया पुक्खरत्थिभुगा ॥ ताओ णं कण्णियाओ कोसं आयामविक्खंभेणं तं तिगुणं स० परि० अद्धकोसं बाहल्लेणं सव्व-कणगामईओ अच्छाओ जाव पडिरूवाओ ॥ तासि णं कण्णियाणं उप्पिं वहुसमर-मणिज्जा भूमिभागा जाव मणीणं वण्णो गंधो फासो ॥ तस्स णं पउमस्स अवरु-त्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरच्छिमेणं नीलवंतद्दहकुमारस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसा-हस्सीणं चत्तारि पउमसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, एवं सव्वो परिवारो नवरि पउमाणं भाणियव्वो ॥ से णं पउमे अण्णेहिं तिहिं पउमवरपरिक्खेवेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, तंजहा—अब्भितरेणं मज्झिमेणं वाहिरएणं, अब्भितरए णं पउमपरि-क्खेवे वत्तीसं पउमसयसाहस्सीओ प०, मज्झिमए णं पउमपरिक्खेवे चत्तालीसं पउमसयसाहस्सीओ प०, वाहिरए णं पउमपरिक्खेवे अडयालीसं पउमसयसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, एवामेव सपुव्वावरेणं एगा पउमकोडी वीसं च पउमसयसहस्सा भवं-तीति मक्खाया ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—णीलवंतद्दहे दहे ? गोयमा ! णीलवंतद्दहे णं दहे तत्थ तत्थ० जाइं उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं नीलवंतप्पभाइं नीलवंतवण्णाभाइं नीलवंतद्दहकुमारे य एत्थ देवे जमगदेवगमो से तेणट्ठेणं गोयमा ! जाव नीलवंतदहे २, णीलवंतस्स णं रायहाणी पुव्वाभिलावेणं एत्थ सो चेव गमो जाव णीलवंते देवे ॥ १४९ ॥ नीलवंतद्दहस्स णं० पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं दस जोयणाइं अवाहाए एत्थ णं दस दस कंचणगपव्वया पण्णत्ता, ते णं कंचणगपव्वया एगमेगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं २ जोयणाइं उव्वेहेणं मूले एगमेगं जोयणसयं विक्खंभेणं मज्झे पण्णत्तरिं जोयणाइं [आयाम]विक्खंभेणं उवरिं पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं मूले तिण्णि सोले जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं मज्झे दोन्नि सत्ततीसे जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं उवरिं एगं अट्ठावण्णं जोयणसयं किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णा मज्झे संखित्ता उप्पिं तणुया गोपुच्छ-संठाणसंठिया सव्वकंचणमया अच्छा जाव पडिरूवा पत्तेयं २ पउमवरवेइया० पत्तेयं २ वणसंडपरिक्खित्ता ॥ तेसि णं कंचणगपव्वयाणं उप्पिं वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे जाव आसयंति०, तेसि णं० पत्तेयं पत्तेयं पासायवडेंसगा सड्ढबावट्ठिं जोयणाइं उड्ढं उच्च-त्तेणं एकतीसं जोयणाइं कोसं च विक्खंभेणं मणिपेढिया दोजोयणिया सीहासणं सप-रिवारं ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—कंचणगपव्वया कंचणगपव्वया ? गोयमा ! कंचणगेसु णं पव्वएसु तत्थ तत्थ० वावीसु० उप्पलाइं जाव कंचणगवण्णाभाइं कंच-णगा देवा महिड्ढिया जाव विहरंति, उत्तरेणं कंचणगाणं कंचणियाओ रायहा-

असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सयंभुरमणे जाव समुद्दे सेसा २ ॥ १६७ ॥ अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे वेलंधराइ वा णागराया इ वा अग्घाइ वा अग्घाइ वा सिंहाइ वा विजाईइ वा हासवट्टीइ वा ? हंता अत्थि । जहा णं भंते ! लवणसमुद्दे अत्थि वेलंधराइ वा णागराया० अग्घा० सिंहा० विजाईइ वा हासवट्टीइ वा तहा णं बाहिरएसुवि समुद्देसु अत्थि वेलंधराइ वा णागराया इ वा० अग्घाइ वा सीहाइ वा विजाईइ वा हासवट्टीइ वा ? णो इणट्ठे समट्ठे ॥ १६८ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे किं ऊसिओदगे किं पत्थडोदगे किं खुभियजले किं अक्खुभियजले ? गोयमा ! लवणे णं समुद्दे ऊसिओदगे नो पत्थडोदगे खुभियजले नो अक्खुभियजले । जहा णं भंते ! लवणे समुद्दे ऊसिओदगे नो पत्थडोदगे खुभियजले नो अक्खुभियजले तहा णं बाहिरगा समुद्दा किं ऊसिओदगा पत्थडोदगा खुभियजला अक्खुभियजला ? गोयमा ! बाहिरगा समुद्दा नो उस्सिओदगा पत्थडोदगा नो खुभियजला अक्खुभियजला पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठंति ॥ अत्थि णं भंते ! लवणसमुद्दे बहवे ओराला बलाहगा संसेयंति संमुच्छंति वा वासं वासंति वा ? हंता अत्थि । जहा णं भंते ! लवणसमुद्दे बहवे ओराला बलाहगा संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति वा तहा णं बाहिरएसुवि समुद्देसु बहवे ओराला बलाहगा संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति ? णो इणट्ठे समट्ठे, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-बाहिरगा णं समुद्दा पुण्णा पुण्णप्पमाणा वोलट्टमाणा वोसट्टमाणा समभरघडत्ताए चिट्ठंति ? गोयमा ! बाहिरएसु णं समुद्देसु बहवे उदगजोणिया जीवा य पोग्गला य उदगत्ताए वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उवचयंति, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ-बाहिरगा समुद्दा पुण्णा पुण्ण० जाव समभरघडत्ताए चिट्ठंति ॥ १६९ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइयं उव्वेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स णं समुद्दस्स उभओ पासिं पंचाणउइ २ पएसे गंता पएसं उव्वेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते, पंचाणउइ २ वालग्गाइं गंता वालग्गं उव्वेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते, एवं पं० २ लिक्खाओ गंता लिक्खं उव्वेहपरि० जूया० जवमज्झे० अंगुल० विहत्थि० रयणी० कुच्छी० धणु० उव्वेहपरिवुड्ढीए प०, गाउय० जोयण० जोयणसय० जोयणसहस्साइं गंता जोयणसहस्सं उव्वेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइयं उस्सेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स णं समुद्दस्स उभओ पासिं पंचाणउइं पएसे गंता सोलसपएसे उस्सेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते, एएणेव कमेणं जाव पंचाणउइं २ जोयणसहस्साइं गंता सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहपरिवुड्ढीए पण्णत्ते ॥ १७० ॥ लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स केमहालए गोतित्थे पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स णं समुद्दस्स उभओ पासिं पंचाणउइं २ जोयणसहस्साइं गोतित्थं पण्णत्तं ॥ लवणस्स णं भंते !

खंभ० वण्णओ जाव भवणस्स दारं तं चेव पमाणं पंचधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं विक्खंभेणं जाव वणमालाओ भूमिभागा उल्लोया मणिपेढिया पंचधणुसइया देवसयणिज्जं भाणियव्वं ॥ तत्थ णं जे से दाहिणिल्ले साले एत्थ णं एगे महं पासायवडेंसए पण्णत्ते, कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धकोसं आयामविक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसिय० अंतो बहुसम० उल्लोया। तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं। तत्थ णं जे से पच्चत्थिमिल्ले साले एत्थ णं पासायवडेंसए पण्णत्ते तं चेव पमाणं सीहासणं सपरिवारं भाणियव्वं, तत्थ णं जे से उत्तरिल्ले साले एत्थ णं एगे महं पासायवडेंसए पण्णत्ते तं चेव पमाणं सीहासणं सपरिवारं। जंबू णं सुदंसणा मूले बारसहिं पउमवरवेइयाहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, ताओ णं पउमवरवेइयाओ अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं पंचधणुसयाइं विक्खंभेणं वण्णओ ॥ जंबू णं सुदंसणा अण्णेणं अट्ठसएणं जंबूणं तयद्धुच्चत्तप्पमाणमेत्तेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता ॥ ताओ णं जंबूओ चत्तारि जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं कोसं चोव्वेहेणं जोयणं खंधो कोसं विक्खंभेणं तिण्णि जोयणाइं विडिमा बहुमज्झदेसभाए चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं साइरेगाइं चत्तारि जोयणाइं सव्वग्गेणं वइरामयमूला सो चेव जंबूसुदंसणावण्णओ ॥ जंबूए णं सुदंसणाए अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं अणाढियस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तारि जंबूसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, जंबूए णं सुदंसणाए पुरत्थिमेणं एत्थ णं अणाढियस्स देवस्स चउण्हं अग्गमहिसीणं चत्तारि जंबूओ पण्णत्ताओ, एवं परिवारो सव्वो णायव्वो जंबूए जाव आयरक्खाणं ॥ जंबू णं सुदंसणा तिहिं जोयणसएहिं वणसंडेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ता, तंजहा—पढमेणं दोच्चेणं तच्चेणं। जंबूए णं सुदंसणाए पुरत्थिमेणं पढमं वणसंडं पण्णासं जोयणाइं ओगाहित्ता एत्थ णं एगे महं भवणे पण्णत्ते, पुरत्थिमिल्ले भवणसरिसे भाणियव्वे जाव सयणिज्जं, एवं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं उत्तरेणं ॥ जंबूए णं सुदंसणाए उत्तरपुरत्थिमेणं पढमं वणसंडं पण्णासं जोयणाइं ओगाहित्ता चत्तारि णंदापुक्खरिणीओ पण्णत्ताओ, तंजहा—पउमा पउमप्पभा चेव कुमुया कुमुयप्पभा। ताओ णं णंदाओ पुक्खरिणीओ कोसं आयामेणं अद्धकोसं विक्खंभेणं पंचधणुसयाइं उव्वेहेणं अच्छाओ सण्हाओ लण्हाओ घट्ठाओ मट्ठाओ णिप्पंकाओ णीरयाओ जाव पडिरूवाओ वण्णओ भाणियव्वो जाव तोरणत्ति छत्ताइछत्ता ॥ तासि णं णंदापुक्खरिणीणं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं पासायवडेंसए पण्णत्ते कोसप्पमाणे अद्धकोसं विक्खंभो सो चेव वण्णओ जाव सीहासणं सपरिवारं। एवं दक्खिणपुरत्थिमेणवि पण्णासं जोयणा० चत्तारि णंदापुक्खरिणीओ उप्पलगुम्मा

पगइ० तेसिं पणिहाए लवण०, सीयासीओयगासु सलिलासु देवयाओ महिड्डिया०, देवकुरुउत्तरकुरुसु मणुया पगइभद्दगा०, मंदरे पव्वए देवयाओ महिड्डिया०, जंबूए य सुदंसणाए जंबूदीवाहिवई अणाढिए णामं देवे महिड्डिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ तस्स पणिहाए लवणसमुद्दे० नो उवीलेइ नो उप्पीलेइ नो चेव णं एगोदगं करेइ, अदुत्तरं च णं गोयमा! लोगट्ठिई लोगाणुभावे जण्णं लवणसमुद्दे जंबुद्दीवं दीवं नो उवीलेइ नो उप्पीलेइ नो चेव णमेगोदगं करेइ ॥ १७३ ॥ इइ

मंदरोद्देसो समत्तो ॥

लवणसमुद्दं धायइसंडे नामं दीवे वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए सव्वओ समंता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ, धायइसंडे णं भंते! दीवे किं समचक्कवालसंठिए विसमचक्कवालसंठिए? गोयमा! समचक्कवालसंठिए नो विसमचक्कवालसंठिए ॥ धायइसंडे णं भंते! दीवे केवइयं चक्कवालविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा! चत्तारि जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं एगयालीसं जोयणसयसहस्साइं दसजोयणसहस्साइं णवएगट्ठे जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं पण्णत्ते ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते दोण्हवि वण्णओ दीवसमिया परिक्खेवेणं ॥ धायइसंडस्स णं भंते! दीवस्स कइ दारा पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि दारा पण्णत्ता, तं०-विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ कहि णं भंते! धायइसंडस्स दीवस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते? गोयमा! धायइसंडपुरत्थिमपेरंते कालोयसमुद्दपुरत्थिमद्धस्स पचत्थिमेणं सीयाए महाणईए उप्पिं एत्थ णं धायइ० विजए णामं दारे पण्णत्ते तं चेव पमाणं, रायहाणीओ अण्णंमि धायइसंडे दीवे, दीवस्स वत्तव्वया भाणियव्वा, एवं चत्तारिवि दारा भाणियव्वा ॥ धायइसंडस्स णं भंते! दीवस्स दारस्स य २ एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा! दस जोयणसयसहस्साइं सत्तावीसं च जोयणसहस्साइं सत्तपणतीसे जोयणसए तिन्नि य कोसे दारस्स य २ अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ धायइसंडस्स णं भंते! दीवस्स पएसा कालोयगं समुद्दं पुट्ठा? हंता पुट्ठा ॥ ते णं भंते! किं धायइसंडे दीवे कालोए समुद्दे? ते धायइसंडे नो खलु ते कालोयसमुद्दे। एवं कालोयस्सवि। धायइसंडद्दीवे णं भंते! जीवा उद्दाइत्ता २ कालोए समुद्दे पच्चायंति? गोयमा! अत्थेगइया पच्चायंति अत्थेगइया नो पच्चायंति। एवं कालोएवि अत्थे० प० अत्थेगइया णो पच्चायंति ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—धायइसंडे दीवे २? गोयमा! धायइसंडे णं दीवे तत्थ तत्थ देसे २ तहिं २ बहवे धायइरुक्खा धायइवण्णा धायइसंडा णिच्चं कुसुमिया जाव उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति, धायइमहाधायइरुक्खेसु सुदंसण-

वेहिं० असासया ॥ तत्थ णं चत्तारि देवा महिड्डिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिव-संति, तंजहा—काले महाकाले वेलंबे पभंजणे ॥ तेसि णं महापायालाणं तओ तिभागा पण्णत्ता, तंजहा—हेट्ठिल्ले तिभागे मज्झिल्ले तिभागे उवरिमे तिभागे ॥ ते णं तिभागा तेत्तीसं जोयणसहस्सा तिण्णि य तेत्तीसं जोयणसयं जोयणतिभागं च बाहल्लेणं । तत्थ णं जे से हेट्ठिल्ले तिभागे एत्थ णं वाउकाओ संचिट्ठइ, तत्थ णं जे से मज्झिल्ले तिभागे एत्थ णं वाउकाए य आउकाए य संचिट्ठइ, तत्थ णं जे से उवरिल्ले तिभागे एत्थ णं आउकाए संचिट्ठइ, अदुत्तरं च णं गोयमा ! लवणसमुद्दे तत्थ २ देसे⋯बहवे खुड्डालिंजरसंठाणसंठिया खुड्डपायालकलसा पण्णत्ता, ते णं खुड्डा पायाला एगमेगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले एगमेगं जोयणसयं विक्खंभेणं मज्झे एगपएसियाए सेढीए एगमेगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं उप्पिं मुहमूले एगमेगं जोय-णसयं विक्खंभेणं ॥ तेसि णं खुड्डागपायालाणं कुड्डा सव्वत्थ समा दस जोयणाइं बाहल्लेणं पण्णत्ता सव्ववइरामया अच्छा जाव पडिरूवा । तत्थ णं बहवे जीवा पोग्गला य जाव असासयावि, पत्तेयं २ अद्धपलिओवमट्ठिइयाहिं देवयाहिं परिग्ग-हिया ॥ तेसि णं खुड्डागपायालाणं तओ तिभागा प०, तंजहा—हेट्ठिल्ले तिभागे मज्झिल्ले तिभागे उवरिल्ले तिभागे, ते णं तिभागा तिण्णि तेत्तीसे जोयणसए जोय-णतिभागं च बाहल्लेणं पण्णत्ता । तत्थ णं जे से हेट्ठिल्ले तिभागे एत्थ णं वाउकाओ मज्झिल्ले तिभागे वाउकाए आउकाए य उवरिल्ले आउकाए, एवामेव सपुव्वावरेणं लवणसमुद्दे सत्त पायालसहस्सा अट्ठ य चुलसीया पायालसया भवंतीति मक्खाया ॥ तेसि णं महापायालाणं खुड्डागपायालाण य हेट्ठिममज्झिमिल्लेसु तिभागेसु बहवे ओराला वाया संसेयंति संमुच्छिमंति एयंति चलंति कंपंति खुब्भंति घट्टंति फंदंति तं तं भावं परिणमंति तया णं से उदए उण्णामिज्जइ, जया णं तेसिं महापायालाणं खुड्डागपायालाण य हेट्ठिल्लमज्झिल्लेसु तिभागेसु नो बहवे ओराला जाव तं तं भावं न परिणमंति तया णं से उदए नो उन्नामिज्जइ अंतरावि य णं ते वायं उदीरेंति अंतरावि य णं से उदगे उण्णामिज्जइ अंतरावि य ते वाया नो उदीरेंति अंतरावि य णं से उदगे णो उण्णामिज्जइ, एवं खलु गोयमा ! लवणसमुद्दे चाउद्दसट्ठमुद्दिट्ठ-पुण्णमासिणीसु अइरेगं २ वड्ढइ वा हायइ वा ॥ १५६ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे तीसाए मुहुत्ताणं कइखुत्तो अइरेगं २ वड्ढइ वा हायइ वा ? गोयमा ! लवणे णं समुद्दे तीसाए मुहुत्ताणं दुक्खुत्तो अइरेगं २ वड्ढइ वा हायइ वा ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-लवणे णं समुद्दे तीसाए मुहुत्ताणं दुक्खुत्तो अइरेगं २ वड्ढइ वा हायइ वा ? गोयमा ! उद्धमंतेसु पायालेसु वड्ढइ आपूरिएसु पायालेसु हायइ, से तेणट्ठेणं गोयमा !

तहेव भाणियव्वं ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-कालोए समुद्दे २? गोयमा! कालोयस्स णं समुद्दस्स उदए आसले मासले पेसले कालए भासरासिवण्णाभे पगईए उदगरसेणं पण्णत्ते, कालमहाकाला एत्थ दुवे देवा महिड्डिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, से तेणट्ठेणं गोयमा! जाव णिच्चे ॥ कालोए णं भंते! समुद्दे कइ चंदा पभासिंसु वा ३? पुच्छा, गोयमा! कालोए णं समुद्दे बायालीसं चंदा पभासिंसु वा ३—बायालीसं चंदा बायालीसं च दिणयरा दित्ता ॥ कालोदहिम्मि एए चरंति संबद्धलेसागा ॥ १ ॥ णक्खत्ताण सहस्सं एगं छावत्तरं च सयमण्णं । छच्च सया छण्णउया महागहा तिण्णि य सहस्सा ॥ २ ॥ अट्ठावीसं कालोदहिम्मि बारस य सयसहस्साइं । नव य सया पन्नासा तारागणकोडिकोडीणं ॥ ३ ॥ सोभिंसु वा ३ ॥ १७५॥ कालोयं णं समुद्दं पुक्खरवरे णामं दीवे वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए सव्वओ समंता संपरि० तहेव जाव समचक्कवालसंठाणसंठिए नो विसमचक्कवालसंठाणसंठिए । पुक्खरवरे णं भंते! दीवे केवइयं चक्कवालविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा! सोलस जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं—एगा जोयणकोडी बाणउइं खलु भवे सयसहस्सा । अउणाणउइं अट्ठ सया चउणउया य [परिरओ] पुक्खरवरस्स ॥ १ ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं० संपरि० दोण्हवि वण्णओ ॥ पुक्खरवरस्स णं भंते! दीवस्स कइ दारा पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि दारा पण्णत्ता, तंजहा—विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ कहि णं भंते! पुक्खरवरस्स दीवस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते? गोयमा! पुक्खरवरदीवपुरच्छिमपेरंते पुक्खरोदसमुद्दपुरच्छिमद्धस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं पुक्खरवरदीवस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते तं चेव सव्वं, एवं चत्तारिवि दारा, सीयासीओया णत्थि भाणियव्वाओ ॥ पुक्खरवरस्स णं भंते! दीवस्स दारस्स य २ एस णं केवइयं अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा!—अडयाल सयसहस्सा बावीसं खलु भवे सहस्साइं । अगुणुत्तरा य चउरो दारंतर पुक्खरवरस्स ॥ १ ॥ पएसा दोण्हवि पुट्ठा, जीवा दोसु भाणियव्वा ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-पुक्खरवरदीवे २? गो०! पुक्खरवरे णं दीवे तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे पउमरुक्खा पउमवणसंडा णिच्चं कुसुमिया जाव चिट्ठंति, पउममहापउमरुक्खा एत्थ णं पउमपुंडरीया णामं दुवे देवा महिड्डिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-पुक्खरवरदीवे २ जाव निच्चे ॥ पुक्खरवरे णं भंते! दीवे केवइया चंदा पभासिंसु वा ३? एवं पुच्छा,—चोयालं चंदसयं चउयालं चेव सूरियाण सयं । पुक्खरवरदीवंमि चरंति एए पभासेंता ॥ १ ॥ चत्तारि सहस्साइं बत्तीसं चेव होंति णक्खत्ता । छच्च सया बावत्तर

महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव गोथूभयस्स आवासपव्वयस्स गोथूभाए रायहाणीए जाव विहरइ, से तेणट्ठेणं जाव णिच्चे ॥ रायहाणिपुच्छा, गोयमा! गोथूभस्स आवासपव्वयस्स पुरत्थिमेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीइवइत्ता अण्णंमि लवणसमुद्दे तं चेव पमाणं तहेव सव्वं ॥ कहि णं भंते! सिवगस्स वेलंधरणागरायस्स दओभासणामे आवासपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! जंबुद्दीवे णं दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दक्खिणेणं लवणसमुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं सिवगस्स वेलंधरणागरायस्स दओभासे णामं आवासपव्वए पण्णत्ते, तं चेव पमाणं जं गोथूभस्स, णवरि सव्वअंकामए अच्छे जाव पडिरूवे जाव अट्ठो भाणियव्वो, गोयमा! दओभासे णं आवासपव्वए लवणसमुद्दे अट्ठजोयणियखेत्ते दगं सव्वओ समंता ओभासेइ उज्जोवेइ तवइ पभासेइ सिवए इत्थ देवे महिड्ढिए जाव रायहाणी से दक्खिणेणं सिविगा दओभासस्स सेसं तं चेव ॥ कहि णं भंते! संखस्स वेलंधरणागरायस्स संखे णामं आवासपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! जंबुद्दीवे णं दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं संखस्स वेलंधर० संखे णामं आवासपव्वए प० तं चेव पमाणं णवरं सव्वरयणामए अच्छे जाव पडिरूवे। से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं जाव अट्ठो बहूओ खुड्डाखुड्डियाओ जाव बहूइं उप्पलाइं संखप्पभाइं संखवण्णाइं संखवण्णप्पभाइं संखे एत्थ देवे महिड्ढिए जाव रायहाणीए पच्चत्थिमेणं संखस्स आवासपव्वयस्स संखा नाम रायहाणी तं चेव पमाणं ॥ कहि णं भंते! मणोसिलगस्स वेलंधरणागरायस्स उदगसीमए णामं आवासपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स प० उत्तरेणं लवणसमुद्दं बायालीसं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं मणोसिलगस्स वेलंधरणागरायस्स उदगसीमए णामं आवासपव्वए पण्णत्ते तं चेव पमाणं णवरि सव्वफलिहामए अच्छे जाव पडिरूवे अट्ठो, गोयमा! दगसीमए णं आवासपव्वए सीयासीयोयगाणं महाणईणं तत्थ गओ सोए पडिहम्मइ से तेणट्ठेणं जाव णिच्चे, मणोसिलए एत्थ देवे महिड्ढिए जाव से णं तत्थ चउण्हं सामाणिय० जाव विहरइ ॥ कहि णं भंते! मणोसिलगस्स वेलंधरणागरायस्स मणोसिला णाम रायहाणी पण्णत्ता? गोयमा! दगसीमस्स आवासपव्वयस्स उत्तरेणं तिरि० अण्णंमि लवणे एत्थ णं मणोसिलिया णाम रायहाणी पण्णत्ता तं चेव पमाणं जाव मणोसिलए देवे—कणगंकरययफालियमया य वेलंधराणमावासा। अणुवेलंधरराईण पव्वया होंति रयणमया ॥१॥१५९॥ कइ णं भंते! अणुवेलंधरनागरायाणो पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि अणुवेलंधरणागरायाणो पण्णत्ता, तंजहा—कक्कोडए कद्दमए केलासे अरुणप्पभे ॥ एएसि णं

सूरा य होंति एक्केक्कए पिडए ॥ ४ ॥ छावट्ठी पिडगाइं नक्खत्ताणं तु मणुयलोगंमि । छप्पन्नं नक्खत्ता य होंति एक्केक्कए पिडए ॥ ५ ॥ छावट्ठी पिडगाइं महागहाणं तु मणुयलोगंमि । छावत्तरं गहसयं च होइ एक्केक्कए पिडए ॥ ६ ॥ चत्तारि य पंतीओ चंदाइच्चाण मणुयलोगंमि । छावट्ठिय छावट्ठिय होइ य एक्केक्कया पंती ॥ ७ ॥ छप्पन्नं पंतीओ नक्खत्ताणं तु मणुयलोगंमि । छावट्ठी छावट्ठी हवइ य एक्केक्कया पंती ॥ ८ ॥ छावत्तरं गहाणं पंतिसयं होइ मणुयलोगंमि । छावट्ठी छावट्ठी य होइ एक्केक्कया पंती ॥९॥ ते मेरु परियडन्ता पयाहिणावत्तमंडला सव्वे । अणवट्ठियजोगेहिं चंदा सूरा गहगणा य ॥ १० ॥ नक्खत्ततारगाणं अवट्ठिया मंडला मुणेयव्वा । तेऽविय पयाहिणावत्तमेव मेरुं अणुचरंति ॥ ११ ॥ रयणियरदिणयराणं उड्ढे व अहे व संकमो नत्थि । मंडलसंकमणं पुण अब्भिंतरवाहिरं तिरिए ॥ १२ ॥ रयणियरदिणयराणं नक्खत्ताणं महग्गहाणं च । चारविसेसेण भवे सुहदुक्खविही मणुस्साणं ॥ १३ ॥ तेसिं पविसंताणं तावक्खेत्तं तु वड्ढए नियमा । तेणेव कमेण पुणो परिहायइ निक्खमंताणं ॥ १४ ॥ तेसिं कलंबुयापुप्फसंठिया होइ तावखेत्तपहा । अंतो य संकुया वाहिं वित्थडा चंदसूरगणा ॥ १५ ॥ केणं वड्ढइ चंदो परिहाणी केण होइ चंदस्स । कालो वा जोण्हो वा केणऽणुभावेण चंदस्स ? ॥ १६ ॥ किण्हं राहुविमाणं निच्चं चंदेण होइ अविरहियं । चउरंगुलमप्पत्तं हिट्ठा चंदस्स तं चरइ ॥ १७ ॥ वावट्ठिं वावट्ठिं दिवसे दिवसे उ सुक्कपक्खस्स । जं परिवड्ढइ चंदो खवेइ तं चेव कालेणं ॥ १८ ॥ पन्नरसइभागेण य चंदं पन्नरसमेव तं वरइ । पन्नरसइभागेण य पुणोवि तं चेव तिक्कमइ ॥ १९ ॥ एवं वड्ढइ चंदो परिहाणी एव होइ चंदस्स । कालो वा जोण्हा वा तेणणुभावेण चंदस्स ॥ २० ॥ अंतो मणुस्सखेत्ते हवंति चारोवगा य उववण्णा । पञ्चविहा जोइसिया चंदा सूरा गहगणा य ॥ २१ ॥ तेण परं जे सेसा चंदाइच्चगहतारनक्खत्ता । नत्थि गई नवि चारो अवट्ठिया ते मुणेयव्वा ॥ २२ ॥ दो चंदा इह दीवे चत्तारि य सागरे लवणतोए । धायइसंडे दीवे वारस चंदा य सूरा य ॥ २३ ॥ दो दो जंबुद्दीवे ससिसूरा दुगुणिया भवे लवणे । लावणिगा य तिगुणिया ससिसूरा धायईसंडे ॥ २४ ॥ धायइसंडप्पभिई उद्दिट्ठतिगुणिया भवे चंदा । आइल्लचंदसहिया अणंतराणंतरे खेत्ते ॥ २५ ॥ रिक्खग्गहतारग्गं दीवसमुद्दे जहिच्छसे नाउं । तस्स ससीहिं गुणियं रिक्खग्गहतारगाणं तु ॥ २६ ॥ चंदाओ सूरस्स य सूरा चंदस्स अंतरं होइ । पन्नास सहस्साइं तु जोयणाणं अणूणाइं ॥ २७ ॥ सूरस्स य सूरस्स य ससिणो ससिणो य अंतरं होइ । वहियाओ मणुस्सनगस्स जोयणाणं सयसहस्सं ॥ २८ ॥ सूरंतरिया चंदा चंदंतरिया य दिणयरा दित्ता ।

गोयमा ! जाव णिच्चे । कहि णं भंते ! सुट्ठियस्स लवणाहिवइस्स सुट्ठिया णामं रायहाणी पण्णत्ता ? गोयमा ! गोयमदीवस्स पच्चत्थिमेणं तिरियमसंखेज्जे जाव अण्णंमि लवणसमुद्दे बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता, एवं तहेव सव्वं णेयव्वं जाव सुट्ठिए देवे ॥ १६१ ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं लवणसमुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं जंबूदीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता, जंबुद्दीवंतेणं अद्धेगूणणउइजोयणाइं चत्तालीसं पंचाणउइं भागे जोयणस्स ऊसिया जलंताओ लवणसमुद्दंतेणं दो कोसे ऊसिया जलंताओ बारस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं, सेसं तं चेव जहा गोयमदीवस्स परिक्खेवो पउमवरवेइया पत्तेयं २ वणसंडपरि० दोण्हवि वण्णओ बहुसमरमणिज्जा भूमिभागा जाव जोइसिया देवा आसयंति० । तेसि णं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पासायवडेंसगा बावट्ठि जोयणाइं० बहुमज्झ० मणिपेढियाओ दो जोयणाइं जाव सीहासणा सपरिवारा भाणियव्वा तहेव अट्ठो, गोयमा ! बहूसु खुड्डासु खुड्डियासु बहूइं उप्पलाइं० चंदवण्णाभाइं चंदा एत्थ देवा महिड्डिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, ते णं तत्थ पत्तेयं पत्तेयं चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव चंददीवाणं चंदाण य रायहाणीणं अन्नेसिं च बहूणं जोइसियाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं जाव विहरंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! चंददीवा जाव णिच्चा । कहि णं भंते ! जंबुद्दीवगाणं चंदाणं चंदाओ नाम रायहाणीओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! चंददीवाणं पुरत्थिमेणं तिरियं जाव अण्णंमि जंबुद्दीवे २ बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता तं चेव पमाणं जाव एमहिड्डिया चंदा देवा २ ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवगाणं सूराणं सूरदीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता तं चेव उच्चत्तं आयामविक्खंभेणं परिक्खेवो वेइया वणसंडा भूमिभागा जाव आसयंति० पासायवडेंसगाणं तं चेव पमाणं मणिपेढिया सीहासणा सपरिवारा अट्ठो उप्पलाइं० सूरप्पभाइं सूरा एत्थ देवा जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं अण्णंमि जंबुद्दीवे दीवे सेसं तं चेव जाव सूरा देवा २ ॥ १६२ ॥ कहि णं भंते ! अब्भिंतरलावणगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं अब्भिंतरलावणगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता, जहा जंबुद्दीवगा चंदा तहा भाणियव्वा णवरि रायहाणीओ अण्णंमि लवणे सेसं तं चेव । एवं अब्भिंतरलावणगाणं सूराणवि बारस जोयणसहस्साइं तहेव सव्वं जाव रायहाणीओ ॥ कहि णं भंते !

याओ मणुया पगइभद्दगा विणीया तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं समयाइ वा आवलियाइ वा आणापाणूइ वा थोवाइ वा लवाइ वा मुहुत्ताइ वा दिवसाइ वा अहोरत्ताइ वा पक्खाइ वा मासाइ वा उदूइ वा अयणाइ वा संवच्छराइ वा जुगाइ वा वाससयाइ वा वाससहस्साइ वा वाससयसहस्साइ वा पुव्वंगाइ वा पुव्वाइ वा तुडियंगाइ वा, एवं तुडिए अडडे अववे हुहुए उप्पले पउमे णलिणे अच्छिणिउरे अउए णउए पउए चूलिया जाव सीसपहेलियंगेइ वा सीसपहेलियाइ वा पलिओवमेइ वा सागरोवमेइ वा उवसप्पिणीइ वा ओसप्पिणीइ वा तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं बायरे विज्जुयारे बायरे थणियसद्दे तावं च णं अस्सिं०, जावं च णं बहवे ओराला बलाहगा संसेयंति संमुच्छंति वासं वासंति तावं च णं अस्सिं लोए०, जावं च णं बायरे तेउकाए तावं च णं अस्सिं लोए०, जावं च णं आगराइ वा णिहीइ वा तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं अगडाइ वा णईइ वा तावं च णं अस्सिं लोए०, जावं च णं चंदोवरागाइ वा सूरोवरागाइ वा चंदपरिवेसाइ वा सूरपरिवेसाइ वा पडिचंदाइ वा पडिसूराइ वा इंदधणूइ वा उदगमच्छेइ वा कविहसियाइ वा तावं च णं अस्सिं लोएत्ति प०, जावं च णं चंदिमसूरियगहणक्खत्ततारारूवाणं अभिगमणनिग्गमणवुड्ढिणिवुड्ढि-अणवट्ठियसंठाणसंठिई आघविज्जइ तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ ॥ १७८ ॥

अंतो णं भंते! मणुस्सखेत्तस्स जे चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवा ते णं भन्ते! देवा किं उड्ढोववण्णगा कप्पोववण्णगा विमाणोववण्णगा चारोववण्णगा चारट्ठिइया गइरइया गइसमावण्णगा? गोयमा! ते णं देवा णो उड्ढोववण्णगा णो कप्पोववण्णगा विमाणोववण्णगा चारोववण्णगा नो चारट्ठिइया गइरइया गइसमावण्णगा उड्ढमुहकलंबुयपुप्फसंठाणसंठिएहिं जोयणसाहस्सिएहिं तावखेत्तेहिं साहस्सियाहिं बाहिरियाहिं वेउव्वियाहिं परिसाहिं महया हयनट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा महया २ उक्किट्ठिसीहणायबोलकलकलसद्देण विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा अच्छयपव्वयरायं पयाहिणावत्तमंडलयारं मेरुं अणुपरियडंति ॥ जया णं भंते! तेसिं देवाणं इंदे चवइ से कहमिदाणिं पकरेंति? गोयमा! ताहे चत्तारि पंच सामाणिया तं ठाणं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति जाव तत्थ अन्ने इंदे उववण्णे भवइ ॥ इंदट्ठाणे णं भंते! केवइयं कालं विरहिए उववाएणं पण्णत्ते? गोयमा! जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा ॥ बहिया णं भंते! मणुस्सखेत्तस्स जे चंदिमसूरियगहणक्खत्ततारारूवा ते णं भंते! देवा किं उड्ढोववण्णगा कप्पोववण्णगा विमाणोववण्णगा चारोववण्णगा चारट्ठिइया गइरइया

मिल्लाओ वेइयंताओ पुक्खरोदं समुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता तहेव सव्वं जाव रायहाणीओ दीविल्लगाणं दीवे समुद्दगाणं समुद्दे चेव एगाणं अब्भिंतरपासे एगाणं बाहिरपासे रायहाणीओ दीविल्लगाणं दीवेसु समुद्दगाणं समुद्देसु सरिसणामएसु ॥ १६५ ॥ इमे णामा अणुगंतव्वा-जंबुद्दीवे लवणे धायइ कालोद पुक्खरे वरुणे। खीर घय इक्खु[वरो य]णंदी अरुणवरे कुंडले रुयगे ॥ १ ॥ आभरणवत्थगंधे उप्पल-तिलए य पुढवि णिहिरयणे। वासहरदहनईओ विजया वक्खारकप्पिंदा ॥ २ ॥ पुर-मंदरमावासा कूडा णक्खत्तचंदसूरा य। एवं भाणियव्वं ॥ १६६ ॥ कहि णं भंते ! देवद्दीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! देवदीवस्स देवोदं समुद्दं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता तेणेव कमेण पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पुरत्थिमेणं देवद्दीवं समुद्दं असंखेज्जाइं जोयण-सहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं देवदीवयाणं चंदाणं चंदाओ णामं रायहाणीओ पण्ण-त्ताओ, सेसं तं चेव, देवदीवचंदा दीवा, एवं सूराणवि, णवरं पच्चत्थिमिल्लाओ वेइयं-ताओ पच्चत्थिमेणं च भाणियव्वा तंमि चेव समुद्दे ॥ कहि णं भंते ! देवसमुद्दगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! देवोदगस्स समुद्दस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ देवोदगं समुद्दं पच्चत्थिमेणं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता तेणेव कमेणं जाव रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पच्चत्थिमेणं देवोदगं समुद्दं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं देवोदगाणं चंदाणं चंदाओ णामं रायहाणीओ पण्णत्ताओ, तं चेव सव्वं, एवं सूराणवि, णवरि देवोदगस्स पच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ देवोदगसमुद्दं पुरत्थिमेणं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता रायहाणीओ सगाणं २ दीवाणं पुरत्थिमेणं देवोदगं समुद्दं असंखेज्जाइं जोयणसहस्साइं ॥ एवं णागे जक्खे भूएवि चउण्हं दीवसमुद्दाणं। कहि णं भंते ! सयंभूरमणदीवगाणं चंदाणं चंददीवा णामं दीवा पण्णत्ता ? गोयमा ! सयंभुरमणस्स दीवस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ सयंभुरमणो-दगं समुद्दं बारस जोयणसहस्साइं तहेव रायहाणीओ सगाणं २ दीवाणं पुरत्थिमेणं सयंभुरमणोदगं समुद्दं पुरत्थिमेणं असंखेज्जाइं जोयण० तं चेव, एवं सूराणवि, सयंभूरमणस्स पच्चत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ रायहाणीओ सगाणं २ दीवाणं पच्चत्थि-मिल्लाणं सयंभुरमणोदं समुद्दं असंखेज्जा० सेसं तं चेव। कहि णं भंते ! सयंभूरमण-समुद्दगाणं चंदाणं० ? गोयमा ! सयंभुरमणस्स समुद्दस्स पुरत्थिमिल्लाओ वेइयंताओ सयंभुरमणं समुद्दं पच्चत्थिमेणं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता सेसं तं चेव। एवं सूराणवि, सयंभुरमणस्स पच्चत्थिमिल्लाओ सयंभुरमणोदं समुद्दं पुरत्थिमेणं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता रायहाणीओ सगाणं दीवाणं पुरत्थिमेणं सयंभुरमणं समुद्दं

मगेविज्जगा, मज्झिमहेट्ठिमगेविज्जगा, मज्झिममज्झिमगेविज्जगा, मज्झिमउवरिमगेविज्जगा, उवरिमहेट्ठिमगेविज्जगा, उवरिममज्झिमगेविज्जगा, उवरिमउवरिमगेविज्जगा। ते समासओ दुविहा पन्नत्ता । तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। सेत्तं गेविज्जगा। से किं तं अणुत्तरोववाइया? अणुत्तरोववाइया पंचविहा पन्नत्ता। तंजहा—विजया, वेजयन्ता, जयन्ता, अपराजिया, सव्वट्ठसिद्धा । ते समासओ दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। सेत्तं अणुत्तरोववाइया। सेत्तं कप्पाईया। सेत्तं वेमाणिया। सेत्तं देवा। सेत्तं पंचिंदिया। सेत्तं संसारसमावन्नजीवपन्नवणा। **सेत्तं जीवपन्नवणा। सेत्तं पन्नवणा ॥ ७८ ॥ पन्नवणाए भगवईए पढमं पन्नवणापयं समत्तं।**

समुद्दस्स केमहालए गोतित्थविरहिए खेत्ते पण्णत्ते ? गोयमा ! लवणस्स णं समुद्दस्स दस जोयणसहस्साइं गोतित्थविरहिए खेत्ते पण्णत्ते ॥ लवणस्स णं भंते ! समुद्दस्स केमहालए उदगमाले पण्णत्ते ? गोयमा ! दस जोयणसहस्साइं उदगमाले पण्णत्ते ॥ १७१ ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे किंसंठिए पण्णत्ते ? गोयमा ! गोतित्थसंठिए नावासंठाणसंठिए सिप्पिसंपुडसंठिए आसखंधसंठिए वलभिसंठिए वट्टे वलयागार-संठाणसंठिए पण्णत्ते ॥ लवणे णं भंते ! समुद्दे केवइयं चक्कवालविक्खंभेणं ? केवइयं परिक्खेवेणं ? केवइयं उव्वेहेणं ? केवइयं उस्सेहेणं ? केवइयं सव्वग्गेणं पण्णत्ते ?, गोयमा ! लवणे णं समुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पण्णरस जोयणसयसहस्साइं एक्कासीइं च सहस्साइं सयं च इगुयालं किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहेणं सत्तरस जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं पण्णत्ते ॥ १७२ ॥ जइ णं भंते ! लवणसमुद्दे दो जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं पण्णरस जोयणसयसहस्साइं एक्कासीइ च सहस्साइं सयं इगुयालं किंचि विसेसूणे परिक्खेवेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं सोलस जोयणसहस्साइं उस्सेहेणं सत्तरस जोयणसहस्साइं सव्वग्गेणं पण्णत्ते । कम्हा णं भंते ! लवणसमुद्दे जंबुद्दीवं २ नो उवीलेइ नो उप्पीलेइ नो चेव णं एक्कोदगं करेइ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे भरहेरवएसु वासेसु अरहंतचक्कवट्टिबलदेवा वासुदेवा चारणा विज्जाहरा समणा समणीओ सावया सावियाओ मणुया पगइभद्दया पगइविणीया पगइउवसंता पगइपयणुकोहमाणमायालोभा मिउमद्दवसंपन्ना अल्लीणा भद्दगा विणीया, तेसि णं पणि-हाए लवणे समुद्दे जंबुद्दीवं दीवं नो उवीलेइ नो उप्पीलेइ नो चेव णं एगोदगं करेइ, गंगासिंधुरत्तारत्तवईसु सलिलासु देवयाओ महिड्ढियाओ जाव पलिओवमट्ठिइयाओ परिवसंति, तासि णं पणिहाए लवणसमुद्दे जाव नो चेव णं एगोदगं करेइ, चुल्लहिम-वंतसिहरेसु वासहरपव्वएसु देवा महिड्ढिया० तेसि णं पणिहाए०, हेमवएरण्णवएसु वासेसु मणुया पगइभद्दगा०, रोहियंससुवण्णकूलरुप्पकूलासु सलिलासु देवयाओ महिड्ढियाओ० तासिं पणि०, सद्दावइवियडावइवट्टवेयड्ढपव्वएसु देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिव०, महाहिमवंतरुप्पीसु वासहरपव्वएसु देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया०, हरिवासरम्मयवासेसु मणुया पगइभद्दगा०, गंधावइमालवंतपरिया-एसु वट्टवेयड्ढपव्वएसु देवा महिड्ढिया०, णिसढणीलवंतेसु वासहरपव्वएसु देवा महि-ड्ढिया०, सव्वाओ दहदेवयाओ भाणियव्वाओ, पउमद्दहतिगिच्छिकेसरिदहावसाणेसु देवयाओ महिड्ढियाओ० तासिं पणिहाए०, पुव्वविदेहावरविदेहेसु वासेसु अरहंतचक्कव-ट्टिबलदेववासुदेवा चारणा विज्जाहरा समणा समणीओ सावगा सावियाओ मणुया

पियदंसणा दुवे देवा महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसंति से एएणट्ठेणं०, अदुत्तरं च णं गोयमा ! जाव णिच्चे ॥ धायइसंडे णं भंते ! दीवे कइ चंदा पभासिंसु वा ३ ? कइ सूरिया तविंसु वा ३ ? कइ महग्गहा चारं चरिंसु वा ३ ? कइ णक्खत्ता जोगं जोइंसु वा ३ ? कइ तारागणकोडाकोडीओ सोभिंसु वा ३ ?, गोयमा ! बारस चंदा पभासिंसु वा ३, एवं—चउवीसं ससिरविणो णक्खत्त सया य तिन्नि छत्तीसा । एगं च गहसहस्सं छप्पन्नं धायईसंडे ॥ १ ॥ अट्ठेव सयसहस्सा तिण्णि सहस्साइं सत्त य सयाइं । धायइसंडे दीवे तारागणकोडिकोडीणं ॥ २ ॥ सोभिंसु वा ३ ॥ १७४ ॥ धायइसंडं णं दीवं कालोदे णामं समुद्दे वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए सव्वओ समंता संपरिक्खित्ताणं चिट्ठइ, कालोदे णं समुद्दे किं समचक्कवालसंठाणसंठिए विसम० ? गोयमा ! समचक्कवाल० णो विसमचक्कवालसंठिए ॥ कालोदे णं भंते ! समुद्दे केवइयं चक्कवालविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा ! अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं एक्काणउइजोयणसयसहस्साइं सत्तरि सहस्साइं छच्च पंचुत्तरे जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं पण्णत्ते ॥ से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेणं वणसंडेणं० दोण्हवि वण्णओ ॥ कालोयस्स णं भंते ! समुद्दस्स कइ दारा पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि दारा पण्णत्ता, तंजहा—विजए वेजयंते जयंते अपराजिए ॥ कहि णं भंते ! कालोदस्स समुद्दस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कालोदे समुद्दे पुरत्थिमपेरंते पुक्खरवरदीवपुरत्थिमद्धस्स पच्चत्थिमेणं सीओयाए महाणईए उप्पिं एत्थ णं कालोदस्स समुद्दस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते, अट्ठेव जोयणाइं तं चेव पमाणं जाव रायहाणीओ । कहि णं भंते ! कालोयस्स समुद्दस्स वेजयंते णामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स दक्खिणपेरंते पुक्खरवरदीवस्स दक्खिणद्धस्स उत्तरेणं एत्थ णं कालोयसमुद्दस्स वेजयंते नामं दारे पन्नत्ते। कहि णं भंते ! कालोयसमुद्दस्स जयंते नामं दारे पन्नत्ते ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स पच्चत्थिमपेरंते पुक्खरवरदीवस्स पच्चत्थिमद्धस्स पुरत्थिमेणं सीयाए महाणईए उप्पिं जयंते नामं दारे पण्णत्ते । कहि णं भंते ! कालोयसमुद्दस्स अपराजिए नामं दारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कालोयसमुद्दस्स उत्तरद्धपेरंते पुक्खरवरदीवोत्तरद्धस्स दाहिणओ एत्थ णं कालोयसमुद्दस्स अपराजिए णामं दारे०, सेसं तं चेव ॥ कालोयस्स णं भंते ! समुद्दस्स दारस्स य २ एस णं केवइयं २ अबाहाए अंतरे पण्णत्ते? गोयमा !— बावीस सयसहस्सा बाणउइ खलु भवे सहस्साइं । छच्च सया बायाला दारंतर तिन्नि कोसा य ॥ १ ॥ दारस्स य २ अबाहाए अंतरे पण्णत्ते । कालोदस्स णं भंते ! समुद्दस्स पएसा पुक्खरवरदीव० तहेव, एवं पुक्खरवरदीवस्सवि जीवा उद्दाइत्ता २

सहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं तीसं निरयावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं णरगा अंतो वट्टा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरणक्खत्तजोइसप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुब्भिगंधा, काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा णरगा, असुभा णरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता, उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं वहवे रयणप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति। काला, कालोभासा, गंभीरलोमहरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकिण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो!। ते णं तत्थ निच्चं भीया, निच्चं तत्था, निच्चं तसिया, निच्चं उव्विग्गा, निच्चं परममसुहसंवद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ ९७ ॥ कहि णं भंते! सक्करप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! सक्करप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति?, गोयमा! सक्करप्पभापुढवीए बत्तीसुत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे तीसुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं सक्करप्पभापुढवीनेरइयाणं पणवीसं निरयावाससयसहस्सा हवन्तीति मक्खायं। ते णं णरगा अंतो वट्टा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुब्भिगंधा, काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा णरगा, असुभा णरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं सक्करप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं०, समुग्घाएणं०, सट्ठाणेणं लोगस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं वहवे सक्करप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति। काला, कालोभासा, गंभीरलोमहरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकिण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो!। ते णं तत्थ निच्चं भीया, निच्चं तत्था, निच्चं तसिया, निच्चं उव्विग्गा, निच्चं परममसुहसंवद्धं नरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ ९८ ॥ कहि णं भंते! वालुयप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! वालुयप्पभापुढवीनेरइया परिवसंति?, गोयमा! वालुयप्पभापुढवीए अट्ठावीसुत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे छव्वीसुत्तरजोयणसयसहस्से एत्थ णं वालुयप्पभापुढवीनेरइयाणं पन्नरसनरयावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं णरगा अंतो वट्टा, वाहिं चउरंसा,

महग्गहा बारह सहस्सा ॥ २ ॥ छण्णउइ सयसहस्सा चत्तालीसं भवे सहस्साइं। चत्तारि सया पुक्खर[वर]तारागणकोडिकोडीणं ॥ ३ ॥ सोभेंसु वा ३ ॥ पुक्खरवरदीवस्स णं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं माणुसुत्तरे नामं पव्वए पण्णत्ते वट्टे वलयागारसंठाणसंठिए जे णं पुक्खरवरं दीवं दुहा विभयमाणे २ चिट्ठइ, तंजहा— अब्भितरपुक्खरद्धं च बाहिरपुक्खरद्धं च ॥ अब्भितरपुक्खरद्धे णं भंते! केवइयं चक्कवालेणं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा! अट्ठ जोयणसयसहस्साइं चक्कवालविक्खंभेणं—कोडी बायालीसा तीसं दोण्णि य सया अगुणवण्णा। पुक्खरअद्धपरिरओ एवं च मणुस्सखेत्तस्स ॥ १ ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—अब्भितरपुक्खरद्धे २? गोयमा! अब्भितरपुक्खरद्धे णं माणुसुत्तरेणं पव्वएणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, से एएणट्ठेणं गोयमा!० अब्भितरपुक्खरद्धे २, अदुत्तरं च णं जाव णिच्चे ॥ अब्भितरपुक्खरद्धे णं भंते! केवइया चंदा पभासिंसु वा ३ सा चेव पुच्छा जाव तारागणकोडिकोडीओ०?, गोयमा!—बावत्तरिं च चंदा बावत्तरिमेव दिणयरा दित्ता। पुक्खरवरदीवड्ढे चरंति एए पभासेंता ॥ १ ॥ तिण्णि सया छत्तीसा छच्च सहस्सा महग्गहाणं तु। णक्खत्ताणं तु भवे सोलाइं दुवे सहस्साइं ॥ २ ॥ अडयाल सयसहस्सा बावीसं खलु भवे सहस्साइं। दोन्नि सय पुक्खरद्धे तारागणकोडिकोडीणं ॥ ३ ॥ सोभेंसु वा ३ ॥ १७६ ॥ समयखेत्ते णं भंते! केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा! पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं एगा जोयणकोडी जावब्भितरपुक्खरद्धपरिरओ से भाणियव्वो जाव अउणपण्णे ॥ से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—माणुसखेत्ते २? गोयमा! माणुसखेत्ते णं तिविहा मणुस्सा परिवसंति, तंजहा—कम्मभूमगा अकम्मभूमगा अंतरदीवगा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—माणुसखेत्ते माणुसखेत्ते ॥ माणुसखेत्ते णं भंते! कइ चंदा पभासेंसु वा ३? कइ सूरा तवइंसु वा ३?० गोयमा!—बत्तीसं चंदसयं बत्तीसं चेव सूरियाण सयं। सयलं मणुस्सलोयं चरेंति एए पभासेंता ॥ १ ॥ एक्कारस य सहस्सा छप्पि य सोला महग्गहाणं तु। छच्च सया छण्णउया णक्खत्ता तिण्णि य सहस्सा ॥ २ ॥ अडसीइ सयसहस्सा चत्तालीस सहस्स मणुयलोगंमि। सत्त य सया अणूणा तारागणकोडिकोडीणं ॥ ३ ॥ सोभं सोभेंसु वा ३ ॥ एसो तारापिंडो सव्वसमासेण मणुयलोगंमि। बहिया पुण ताराओ जिणेहिं भणिया असंखेज्जा ॥१॥ एवइयं तारग्गं जं भणियं माणुसंमि लोगंमि। चारं कलंबुयापुप्फसंठियं जोइसं चरइ ॥ २ ॥ रविससिगहनक्खत्ता एवइया आहिया मणुयलोए। जेसिं नामागोयं न पागया पन्नवेहिंति ॥ ३ ॥ छावट्ठी पिडगाइं चंदाइच्चाण मणुयलोगंमि। दो चंदा दो

काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा नरगा, असुभा नरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं धूमप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं वहवे धूमप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति । काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो ! । ते णं तत्थ निच्चं भीया, निच्चं तत्था, निच्चं तसिया, निच्चं उव्विग्गा, निच्चं परममसुहसंवद्धं नरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ १०१ ॥ कहि णं भंते ! तमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! तमापुढवीनेरइया परिवसंति ?, गोयमा ! तमाए पुढवीए सोलसुत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे चउदसुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं तमप्पभापुढवीनेरइयाणं एगे पंचूणे णरगावाससयसहस्से भवतीति मक्खायं । ते णं णरगा अंतो वट्टा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई [वीसा], परमदुब्भिगंधा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा नरगा, असुभा नरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं तमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं वहवे तमप्पभापुढवीनेरइया परिवसंति । काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो ! । ते णं तत्थ निच्चं भीया, निच्चं तत्था, निच्चं तसिया, निच्चं उव्विग्गा, निच्चं परममसुहसंवद्धं नरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ १०२ ॥ कहि णं भंते ! तमतमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! तमतमापुढवीनेरइया परिवसंति ?, गोयमा ! तमतमाए पुढवीए अट्ठोत्तरजोयणसयसहस्सवाहल्लाए उवरिं अद्धतेवन्नं जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता हिट्ठा वि अद्धतेवन्नं जोयणसहस्साइं वज्जित्ता मज्झे तीसु जोयणसहस्सेसु एत्थ णं तमतमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं पंचदिसिं पंच अणुत्तरा महइमहालया महानिरया पन्नत्ता । तंजहा—काले महाकाले रोरुए महारोरुए अपइट्ठाणे । ते णं णरगा अंतो वट्टा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई [वीसा], परमदुब्भिगंधा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा नरगा, असुभा नरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं तमतमापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ।

चित्तंतरलेसागा सुहलेसा मंदलेसा य ॥ २९ ॥ अट्ठासीइं च गहा अट्ठावीसं च होंति नक्खत्ता । एगससीपरिवारो एत्तो ताराण वोच्छामि ॥ ३० ॥ छावट्ठिसहस्साइं नव चेव सयाइं पंचसयराइं । एगससीपरिवारो तारागणकोडिकोडीणं ॥ ३१ ॥ बहियाओ माणुसनगस्स चंदसूराणऽवट्ठिया जोगा । चंदा अभीइजुत्ता सूरा पुण होंति पुस्सेहिं ॥ ३२ ॥ १७७ ॥ माणुसुत्तरे णं भंते ! पव्वए केवइयं उड्ढं उच्चत्तेणं ? केवइयं उव्वेहेणं ? केवइयं मूले विक्खम्भेणं ? केवइयं मज्झे विक्खंभेणं ? केवइयं सिहरे विक्खंभेणं ? केवइयं अंतो गिरिपरिरएणं ? केवइयं बाहिं गिरिपरिरएणं ? केवइयं मज्झे गिरिपरिरएणं ? केवइयं उवरि गिरिपरिरएणं ?, गोयमा ! माणुसुत्तरे णं पव्वए सत्तरस एक्कवीसाइं जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि तीसे जोयणसए कोसं च उव्वेहेणं मूले दसबावीसे जोयणसए विक्खंभेणं मज्झे सत्ततेवीसे जोयणसए विक्खंभेणं उवरि चत्तारिचउवीसे जोयणसए विक्खंभेणं अंतो गिरिपरिरएणं—एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं । तीसं च सहस्साइं दोण्णि य अउणापण्णे जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं, बाहिरगिरिपरिरएणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं छत्तीसं च सहस्साइं सत्तचोद्दसोत्तरे जोयणसए परिक्खेवेणं, मज्झे गिरिपरिरएणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं चोत्तीसं च सहस्सा अट्ठतेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, उवरि गिरिपरिरएणं एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं बत्तीसं च सहस्साइं नव य बत्तीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, मूले विच्छिन्ने मज्झे संखित्ते उप्पिं तणुए अंतो सण्हे मज्झे उदग्गे बाहिं दरिसणिज्जे ईसिं सण्णिसण्णे सीहणिसाई अवड्ढजवरासिसंठाणसंठिए सव्वजंबूणयामए अच्छे सण्हे जाव पडिरूवे, उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते वण्णओ दोण्हवि ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—माणुसुत्तरे पव्वए २ ? गोयमा ! माणुसुत्तरस्स णं पव्वयस्स अंतो मणुया उप्पिं सुवण्णा बाहिं देवा अदुत्तरं च णं गोयमा ! माणुसुत्तरपव्वयं मणुया ण कयाइ वीइवइंसु वा वीइवयंति वा वीइवइस्संति वा णण्णत्थ चारणेहिं वा विज्जाहरेहिं वा देवकम्मुणा वावि, से तेणट्ठेणं गोयमा !० अदुत्तरं च णं जाव णिच्चेत्ति ॥ जावं च णं माणुसुत्तरे पव्वए तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं वासाइं वा वासहराइं वा तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं गेहाइ वा गेहावणाइ वा तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं गामाइ वा जाव रायहाणीइ वा तावं च णं अस्सिं लोएत्ति पवुच्चइ, जावं च णं अरहंता चक्कवट्टी वा वासुदेवा पडिवासुदेवा चारणा विज्जाहरा समणा समणीओ सावया सावि-

वरक्खिया, लाउल्लोइयमहिया, गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिन्नपंचंगुलितला, उवचियचंदणकलसा, चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा, आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा, पंचवन्नसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया, कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामा, सुगंधवरगंधिया, गंधवट्टिभूया, अच्छरगणसंघसंविकिन्ना, दिव्वतुडियसद्दसंपणइया, सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, णीरया, निम्मला, निप्पंका, निक्कंकडच्छाया, सप्पहा, सस्सिरीया, समरीइया, सउज्जोया, पासादीया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा। एत्थ णं भवणवासिदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं बहवे भवणवासी देवा परिवसंति। तंजहा–असुरा नाग सुवन्ना विज्जू अग्गी य दीव उदही य। दिसिपवणथणियनामा दसहा एए भवणवासी॥ चूडामणिमउडरयणाभूसणणागफडगरुलवइरपुन्नकलसंकिउप्फेसा, सीहहयवरगयंकमगरवरवद्धमाणनिजुत्तचित्तचिंधगया, सुरूवा, महिड्ढिया, महज्जुइया, महव्वला, महायसा, महाणुभावा, महासोक्खा, हारविराइयवच्छा, कडगतुडियथंभियभुया, अंगदकुंडलमट्ठगंडतलकन्नपीढधारी, विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमालामउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा, भासुरबोंदी, पलंबवणमालधरा, दिव्वेणं वन्नेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं भवणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं तायत्तीसाणं, साणं साणं लोगपालाणं, साणं साणं अग्गमहिसीणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं अणियाणं, साणं साणं अणियाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा, पालेमाणा, महया हयनट्टगीयवाइयतंतितलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥ १०६ ॥ कहि णं भंते! असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! असुरकुमारा देवा परिवसंति?, गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं चउसट्ठिं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं भवणा बाहिं वट्टा, अंतो चउरंसा,

य। से किं तं सामाइयचरित्तारिया? सामाइयचरित्तारिया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—इत्तरियसामाइयचरित्तारिया य आवकहियसामाइयचरित्तारिया य। सेत्तं सामाइयचरित्तारिया। से किं तं छेदोवट्ठावणियचरित्तारिया? छेदोवट्ठावणियचरित्तारिया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—साइयारछेदोवट्ठावणियचरित्तारिया य निरइयारछेदोवट्ठावणियचरित्तारिया य। सेत्तं छेदोवट्ठावणियचरित्तारिया। से किं तं परिहारविसुद्धियचरित्तारिया? परिहारविसुद्धियचरित्तारिया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—निव्विसमाणपरिहारविसुद्धियचरित्तारिया य निव्विट्ठकाइयपरिहारविसुद्धियचरित्तारिया य। सेत्तं परिहारविसुद्धियचरित्तारिया। से किं तं सुहुमसंपरायचरित्तारिया? सुहुमसंपरायचरित्तारिया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—संकिलिस्समाणसुहुमसंपरायचरित्तारिया य विसुज्झमाणसुहुमसंपरायचरित्तारिया य। से त्तं सुहुमसंपरायचरित्तारिया। से किं तं अहक्खायचरित्तारिया? अहक्खायचरित्तारिया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—छउमत्थअहक्खायचरित्तारिया य केवलिअहक्खायचरित्तारिया य। सेत्तं अहक्खायचरित्तारिया। सेत्तं चरित्तारिया। सेत्तं अणिड्ढिपत्तारिया। सेत्तं कम्मभूमगा। सेत्तं गब्भवक्कंतिया। सेत्तं मणुस्सा ॥ ७७ ॥ से किं तं देवा? देवा चउव्विहा पन्नत्ता। तंजहा—भवणवासी, वाणमंतरा, जोइसिया, वेमाणिया। से किं तं भवणवासी? भवणवासी दसविहा पन्नत्ता। तंजहा—असुरकुमारा, नागकुमारा, सुवन्नकुमारा, विज्जुकुमारा, अग्गिकुमारा, दीवकुमारा, उदहिकुमारा, दिसाकुमारा, वाउकुमारा, थणियकुमारा। ते समासओ दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। सेत्तं भवणवासी। से किं तं वाणमंतरा? वाणमंतरा अट्ठविहा पन्नत्ता। तंजहा—किन्नरा, किंपुरिसा, महोरगा, गंधव्वा, जक्खा, रक्खसा, भूया, पिसाया। ते समासओ दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। सेत्तं वाणमन्तरा। से किं तं जोइसिया? जोइसिया पंचविहा पन्नत्ता। तंजहा—चंदा, सूरा, गहा, नक्खत्ता, तारा। ते समासओ दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। सेत्तं जोइसिया ॥ से किं तं वेमाणिया? वेमाणिया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—कप्पोवगा य कप्पाईया य। से किं तं कप्पोवगा? कप्पोवगा बारसविहा पन्नत्ता। तंजहा—सोहम्मा, ईसाणा, सणंकुमारा, माहिंदा, बंभलोया, लंतया, महासुक्का, सहस्सारा, आणया, पाणया, आरणा, अच्चुया। ते समासओ दुविहा पन्नत्ता, तंजहा—पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। सेत्तं कप्पोवगा। से किं तं कप्पाईया? कप्पाईया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—गेविज्जगा य अणुत्तरोववाइया य। से किं तं गेविज्जगा? गेविज्जगा नवविहा पन्नत्ता। तंजहा—हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जगा, हिट्ठिममज्झिमगेविज्जगा, हेट्ठिमउवरि-

रायाणो परिवसंति । काला, महानीलसरिसा, णीलगुलियगवलअयसिकुसुमप्पगासा, वियसियसयवत्तणिम्मलईसिसियरत्ततंबणयणा, गरुलाययउज्जुतुंगनासा, उवचियसिलप्पवालबिंबफलसंनिभाहरोट्ठा, पंडुरससिसगलविमलनिम्मलदहिघणसंखगोक्खीरकुंददगरयमुणालियाधवलदंतसेढी, हुयवहनिद्धंतधोयतत्ततवणिज्जरत्ततलतालुजीहा, अंजणघणकसिणगरुयगरमणिज्जणिद्धकेसा, वामेगकुंडलधरा, अद्दचंदणाणुलित्तगत्ता, ईसिसिलिंधपुप्फप्पगासाइं असंकिलिट्ठाइं सुहुमाइं वत्थाइं पवरपरिहिया, वयं च पढमं समइक्कंता, बिइयं च असंपत्ता, भद्दे जोव्वणे वट्टमाणा, तलभंगयतुडियपवरभूसणणिम्मलमणिरयणमंडियभुया, दसमुद्दामंडियग्गहत्था, चूडामणिचित्तचिंधगया, सुरूवा, महिड्ढिया, महज्जुईया, महायसा, महाबला, महाणुभागा, महासोक्खा, हारविराइयवच्छा, कडयतुडियथंभियभुया, अंगदकुंडलमट्ठगंडतलकन्नपीढधारी, विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमालामउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा, भासुरबोंदी, पलंबवणमालधरा, दिव्वेणं वन्नेणं, दिव्वेणं गंधेणं, दिव्वेणं फासेणं, दिव्वेणं संघयणेणं, दिव्वेणं संठाणेणं, दिव्वाए इड्ढीए, दिव्वाए जुईए, दिव्वाए पभाए, दिव्वाए छायाए, दिव्वाए अच्चीए, दिव्वेणं तेएणं, दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा, पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं भवणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं तायत्तीसाणं, साणं साणं लोगपालाणं, साणं साणं अग्गमहिसीणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं अणियाणं, साणं साणं अणियाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा, पालेमाणा, महया हयनट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥ १०७ ॥

कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! दाहिणिल्ला असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं चउत्तीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्टा, अंतो चउरंसा सो चेव वण्णओ जाव पडिरूवा । एत्थ णं दाहिणिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तीसुवि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे दाहिणिल्ला असुरकुमारा देवा देवीओ य परिवसंति । काला, लोहियक्खा तहेव जाव

आउकाइयाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । कहि णं भंते ! बायरआउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बायरआउकाइयपज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता तत्थेव बायरआउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं सव्वलोए, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे । कहि णं भंते ! सुहुमआउकाइयाणं पज्जत्तगाणं अपज्जत्तगाण य ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! सुहुमआउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावन्नगा पन्नत्ता समणाउसो ! ॥ ८२ ॥ कहि णं भंते ! बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं अंतोमणुस्सखेत्ते अड्ढाइज्जेसु दीवसमुद्देसु, निव्वाघाएणं पन्नरससु कम्मभूमीसु, वाघायं पडुच्च पंचसु महाविदेहेसु, एत्थ णं बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ८३ ॥ कहि णं भन्ते ! बायरतेउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० तत्थेव बायरतेउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स दोसु उड्ढकवाडेसु तिरियलोयतट्टे य, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ८४ ॥ कहि णं भंते ! सुहुमतेउकाइयाणं पज्जत्तगाण य अपज्जत्तगाण य ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! सुहुमतेउकाइया जे पज्जत्तगा जे य अपज्जत्तगा ते सव्वे एगविहा अविसेसा अणाणत्ता सव्वलोयपरियावन्नगा पन्नत्तास मणाउसो ! ॥ ८५ ॥ कहि णं भंते ! बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु घणवाएसु, सत्तसु घणवायवलएसु, सत्तसु तणुवाएसु, सत्तसु तणुवायवलएसु, अहोलोए पायालेसु, भवणेसु, भवणपत्थडेसु, भवणछिद्देसु, भवणनिक्खुडेसु, निरएसु, निरयावलियासु, निरयपत्थडेसु, निरयछिद्देसु, निरयनिक्खुडेसु, उड्ढलोए कप्पेसु, विमाणेसु, विमाणावलियासु, विमाणपत्थडेसु, विमाणछिद्देसु, विमाणनिक्खुडेसु, तिरियलोए पाईणपडीणदाहिणउदीण–सव्वेसु चेव लोगागासछिद्देसु, लोगनिक्खुडेसु य, एत्थ णं बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जेसु भागेसु, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जेसु भागेसु, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जेसु भागेसु ॥ ८६ ॥ कहि णं भंते ! अपज्जत्तबायरवाउकाइयाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जत्थेव बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं ठाणा प० तत्थेव बायरवाउकाइयाणं अपज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं सव्वलोए, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जेसु

णं भंते ! दाहिणिल्ला नागकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए, उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिल्लाणं नागकुमाराणं देवाणं चउयालीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्टा जाव पडिरूवा । एत्थ णं दाहिणिल्लाणं नागकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता, तीसु वि लोयस्स असंखेज्जइभागे, एत्थ णं दाहिणिल्ला नागकुमारा देवा परिवसंति, महिड्ढिया जाव विहरंति । धरणे इत्थ नागकुमारिंदे नागकुमारराया परिवसइ, महिड्ढिए जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ चउयालीसाए भवणावाससयसहस्साणं, छण्हं सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, छण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, चउव्वीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं नागकुमाराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं कुव्वमाणे विहरइ ॥ १११ ॥ कहि णं भंते उत्तरिल्लाणं णागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! उत्तरिल्ला णागकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जम्बुद्दीवे दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं उत्तरिल्लाणं नागकुमाराणं देवाणं चत्तालीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्टा सेसं जहा दाहिणिल्लाणं जाव विहरंति । भूयाणंदे एत्थ नागकुमारिंदे नागकुमारराया परिवसइ, महिड्ढिए जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ चत्तालीसाए भवणावाससयसहस्साणं आहेवच्चं जाव विहरइ ॥ ११२ ॥ कहि णं भंते ! सुवन्नकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! सुवन्नकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए जाव एत्थ णं सुवन्नकुमाराणं देवाणं बावत्तरिं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्टा जाव पडिरूवा । तत्थ णं सुवन्नकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता जाव तिसु वि लोयस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे सुवन्नकुमारा देवा परिवसंति महिड्ढिया सेसं जहा ओहियाणं जाव विहरंति । वेणुदेवे वेणुदाली य इत्थ दुवे सुवण्णकुमारिंदा सुवण्णकुमाररायाणो परिवसंति, महिड्ढिया जाव विहरंति ॥ ११३ ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! दाहि-

लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ९३ ॥ कहि णं भंते ! चउरिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! उड्ढलोए तदेक्कदेसभागे, अहोलोए तदेक्कदेसभागे, तिरियलोए अगडेसु, तलाएसु, नईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, निज्झरेसु, चिल्ललेसु, पल्ललेसु, वप्पिणेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु, एत्थ णं चउरिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ९४ ॥ कहि णं भंते ! पंचिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! उड्ढलोए तदेक्कदेसभाए, अहोलोए तदेक्कदेसभाए, तिरियलोए अगडेसु, तलाएसु, नईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, निज्झरेसु, चिल्ललेसु, पल्ललेसु, वप्पिणेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु, एत्थ णं पंचिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे ॥ ९५ ॥ कहि णं भंते ! नेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! नेरइया परिवसन्ति ?, गोयमा ! सट्ठाणेणं सत्तसु पुढवीसु, तंजहा–रयणप्पभाए, सक्करप्पभाए, वालुयप्पभाए, पंकप्पभाए, धूमप्पभाए, तमप्पभाए, तमतमप्पभाए, एत्थ णं नेरइयाणं चउरासीइनिरयावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं नरगा अंतो वट्टा, बाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई [वीसा], परमदुब्भिगंधा, काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा नरगा, असुभा नरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं नेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता । उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, एत्थ णं बहवे नेरइया परिवसंति । काला, कालोभासा, गंभीरलोमहरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो ! । ते णं तत्थ निच्चं भीया, निच्चं तत्था, निच्चं तसिया, निच्चं उव्विग्गा, निच्चं परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ ९६ ॥ कहि णं भंते ! रयणप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! रयणप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पु० असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्समोगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयण-

पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सवाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहित्ता हिट्ठा वि एगं जोयणसयं वज्जित्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं वाणमंतराणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जनगरावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं भोमेज्जा णयरा बाहिं वट्टा, अंतो चउरंसा, अहे पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिया, उक्किण्णंतरविउलगंभीरखायफलिहा, पागारट्टालयकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा, जंतसयग्घिमुसलमुसंढिपरिवारिया, अउज्झा, सयाजया, सयागुत्ता, अडयालकोट्ठगरइया, अडयालकयवणमाला, खेमा, सिवा, किंकरामरदंडोवरक्खिया, लाउल्लोइयमहिया, गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिन्नपंचंगुलितला, उवचियचंदणकलसा, चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा, आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा, पंचवण्णसरससुरहिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया, कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामा, सुगंधवरगंधिया, गंधवट्टिभूया, अच्छरगणसंघसंविकिन्ना, दिव्वतुडियसद्दसंपणइया, पडागमालाउलाभिरामा, सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, नीरया, निम्मला, निप्पंका, निक्कंकडच्छाया, सप्पहा, सस्सिरीया, समरीइया, सउज्जोया, पासाइया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा। एत्थ णं वाणमन्तराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं वहवे वाणमंतरा देवा परिवसंति। तंजहा—पिसाया, भूया, जक्खा, रक्खसा, किंनरा, किंपुरिसा, भुयगवइणो महाकाया, गन्धव्वगणा य निउणगंधव्वगीयरइणो, अणवन्नियपणवन्नियइसिवाइयभूयवाइयकंदियमहाकंदिया य कुहंडपयंगदेवा, चंचलचलचवलचित्तकीलणदवप्पिया, गहिरहसियगीयणच्चणरई, वणमालामेलमउडकुंडलसच्छंदविउव्वियाभरणचारुभूसणधरा, सव्वोउयसुरभिकुसुमसुरइयपलंबसोहंतकंतविहसंतचित्तवणमालरइयवच्छा, कामगमा [कामकामा], कामरूवदेहधारी, णाणाविहवण्णरागवरवत्थविचित्तचिल्लगनियंसणा, विविहदेसिनेवत्थगहियवेसा, पमुइयकंदप्पकलहकेलिकोलाहलप्पिया, हासबोलबहुला, असिमुग्गरसत्तिकुंतहत्था, अणेगमणिरयणविविहणिज्जुत्तविचित्तचिंधगया, महिड्ढिया, महज्जुइया, महायसा, महावला, महाणुभागा, महासुक्खा, हारविराइयवच्छा, कडयतुडियथंभियभुया, अंगयकुंडलमट्ठगंडयलकन्नपीढधारी, विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमालामउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणधरा, भासुरबोंदी, पलंबवणमालधरा, दिव्वेणं वन्नेणं, दिव्वेणं गंधेणं, दिव्वेणं फासेणं, दिव्वेणं संघयणेणं, दिव्वेणं संठाणेणं, दिव्वाए इड्ढीए, दिव्वाए जुईए, दिव्वाए पभाए, दिव्वाए छायाए, दिव्वाए अच्चीए, दिव्वेणं तेएणं, दिव्वाए लेस्साए दस दिसाओ उज्जोवे-

अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुब्भिगंधा, काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा नरगा, असुभा नरगेसु वेयणाओ। एत्थ णं वालुयप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं वहवे वालुयप्पभापुढवीनेरइया परिवसंति। काला, कालोभासा, गंभीरलोमहरिसा, भीमा, उत्तासणगा, परमकिण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो!। ते णं तत्थ निच्चं भीया, निच्चं तत्था, निच्चं तसिया, निच्चं उव्विग्गा, निच्चं परममसुहसंवद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ ९९ ॥ कहि णं भन्ते! पंकप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भन्ते! पंकप्पभापुढवीनेरइया परिवसंति? गोयमा! पंकप्पभापुढवीए वीसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठारसुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं पंकप्पभापुढवीनेरइयाणं दस निरयावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं णरगा अंतो वट्टा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई[वीसा], परमदुब्भिगंधा, काउअगणिवण्णाभा, कक्खडफासा, दुरहियासा, असुभा नरगा, असुभा नरगेसु वेयणाओ, एत्थ णं पंकप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं वहवे पंकप्पभापुढवीनेरइया परिवसंति। काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो!। ते णं तत्थ णिच्चं भीया, णिच्चं तत्था, णिच्चं तसिया, णिच्चं उव्विग्गा, णिच्चं परममसुहसंवद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति ॥ १०० ॥ कहि णं भन्ते! धूमप्पभापुढवीनेरइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! धूमप्पभापुढवीनेरइया परिवसन्ति?, गोयमा! धूमप्पभापुढवीए अट्ठारसुत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे सोलसुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं धूमप्पभापुढवीनेरइयाणं तिन्नि निरयावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं णरगा अंतो वट्टा, वाहिं चउरंसा, अहे खुरप्पसंठाणसंठिया, निच्चंधयारतमसा, ववगयगहचंदसूरनक्खत्तजोइसियप्पहा, मेदवसापूयपडलरुहिरमंसचिक्खिल्ललित्ताणुलेवणतला, असुई [वीसा], परमदुब्भिगंधा,

ल्लाणं पि। णवरं मन्दरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं। महाकाले एत्थ पिसाइंदे पिसायराया परिवसइ जाव विहरइ। एवं जहा पिसायाणं तहा भूयाणं पि जाव गंधव्वाणं। नवरं इंदेसु णाणत्तं भाणियव्वं इमेण विहिणा—भूयाणं सुरूवपडिरूवा, जक्खाणं पुण्णभद्दमाणिभद्दा, रक्खसाणं भीममहाभीमा, किन्नराणं किन्नरकिंपुरिसा, किंपुरिसाणं सप्पुरिसमहापुरिसा, महोरगाणं अइकायमहाकाया, गंधव्वाणं गीयरइगीयजसा जाव विहरन्ति। काले य महाकाले सुरूवपडिरूवपुण्णभद्दे य। तह चेव माणिभद्दे भीमे य तहा महाभीमे ॥ १ ॥ किन्नरकिंपुरिसे खलु सप्पुरिसे खलु तहा महापुरिसे। अइकायमहाकाए गीयरई चेव गीयजसे ॥ २ ॥ ११८ ॥ कहि णं भंते! अणवन्नियाणं देवाणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! अणवन्निया देवा परिवसंति?, गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं हेट्ठा य एगं जोयणसयं सयं वज्जेत्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं अणवन्नियाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा णयरावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं जाव पडिरूवा। एत्थ णं अणवन्नियाणं देवाणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं बहवे अणवन्निया देवा परिवसंति। महिड्ढिया जहा पिसाया जाव विहरंति। सण्णिहियसामाणा इत्थ दुवे अणवन्निंदा अणवन्नियरायाणो परिवसंति। महिड्ढिया, एवं जहा कालमहाकालाणं दोण्हं पि दाहिणिल्लाणं उत्तरिल्लाण य भणिया तहा सण्णिहियसामाणाणं पि भाणियव्वा। संगहणीगाहा—अणवन्नियपणवन्नियइसिवाइयभूयवाइया चेव। कंदिय महाकंदिय कोहंड पयंगए चेव ॥ १ ॥ इमे इंदा–संनिहिया सामाणा धायविधाए इसी य इसिवाले। ईसरमहेसरे विय हवइ सुवच्छे विसाले य ॥ २ ॥ हासे हासरई चेव सेए तहा भवे महासेए। पयए पयगवई विय नेयव्वा आणुपुव्वीए ॥ ३ ॥ ११९ ॥ कहि णं भंते! जोइसियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! जोइसिया देवा परिवसंति?, गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ सत्तणउए जोयणसए उड्ढं उप्पइत्ता दसुत्तरजोयणसयबाहल्ले तिरियमसंखेज्जे जोइसविसए। एत्थ णं जोइसियाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा जोइसियविमाणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं विमाणा अद्धकविट्ठगसंठाणसंठिया, सव्वफालिहमया, अब्भुग्गयमूसियपहसिया इव विविहमणिकणगरयणभत्तिचित्ता, वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागाछत्ताइछत्तकलिया, तुंगा, गगणतलमभिलंघमाणसिहरा, जालंतररयणपंजलुम्मिलियव्व मणिकणगथूभियागा, वियसियसयवत्तपुंडरीया, तिलयरयणद्धचंदचित्ता, नाणामणिमयदामालंकिया,

उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं बहवे तमतमापुढवीनेरइया परिवसंति। काला कालोभासा गंभीरलोमहरिसा भीमा उत्तासणगा परमकिण्हा वन्नेणं पन्नत्ता समणाउसो!। ते णं तत्थ निच्चं भीया, निच्चं तत्था, निच्चं तसिया, निच्चं उव्विग्गा, निच्चं परममसुहसंबद्धं णरगभयं पच्चणुभवमाणा विहरन्ति। आसीयं बत्तीसं अट्ठावीसं च हुंति वीसं च। अट्ठारससोलसगं अट्ठुत्तरमेव हिट्ठिमिया॥ १॥ अट्ठुत्तरं च तीसं छव्वीसं चेव सयसहस्सं तु। अट्ठारस सोलसगं चउद्दसमहियं तु छट्ठीए॥ २॥ अद्धतिवन्नसहस्सा उवरिमहे वज्जिऊण तो भणियं। मज्झे तिसहस्सेसुं होन्ति उ नरगा तमतमाए॥ ३॥ तीसा य पन्नवीसा पन्नरस दसेव सयसहस्साइं। तिन्नि य पंचूणेगं पंचेव अणुत्तरा नरगा॥ ४॥ १०३॥ कहि णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता? गोयमा! उड्ढलोए तदेक्कदेसभाए, अहोलोए तदेक्कदेसभाए, तिरियलोए अगडेसु, तलाएसु, नईसु, दहेसु, वावीसु, पुक्खरिणीसु, दीहियासु, गुंजालियासु, सरेसु, सरपंतियासु, सरसरपंतियासु, बिलेसु, बिलपंतियासु, उज्झरेसु, निज्झरेसु, चिल्ललेसु, पल्ललेसु, वप्पिणेसु, दीवेसु, समुद्देसु, सव्वेसु चेव जलासएसु जलठाणेसु, एत्थ णं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं सव्वलोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं सव्वलोयस्स असंखेज्जइभागे॥ १०४॥ कहि णं भंते! मणुस्साणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? गोयमा! अंतो मणुस्सखेत्ते पणयालीसाए जोयणसयसहस्सेसु, अड्ढाइज्जेसु दीवसमुद्देसु, पन्नरससु कम्मभूमीसु, तीसाए अकम्मभूमीसु, छप्पन्नाए अंतरदीवेसु, एत्थ णं मणुस्साणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं सव्वलोए, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे॥ १०५॥ कहि णं भंते! भवणवासीणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! भवणवासी देवा परिवसंति?, गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं भवणवासीणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं सत्त भवणकोडीओ बावत्तरिं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं भवणा बाहिं वट्टा, अन्तो चउरंसा, अहे पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिया, उक्किन्नंतरविउलगंभीरखायफलिहा, पागारट्टालयकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा, जंतसयग्घिमुसलमुसंढिपरियारिया, अउज्झा, सयाजया, सयागुत्ता, अडयालकोट्ठगरइया, अडयालकयवणमाला, खेमा, सिवा, किंकरामरदंडो-

लुज्जोइयाणणा, मउडदित्तसिरया, रत्ताभा, पउमपम्हगोरा, सेया, सुहवन्नगंधफासा, उत्तमवेउव्विणो, पवरवत्थगंधमल्लाणुलेवणधरा, महिड्डिया, महज्जुइया, महायसा, महावला, महाणुभागा, महासोक्खा, हारविराइयवच्छा, कडयतुडियथंभियभुया, अंगदकुंडलमट्ठगंडतलकन्नपीढधारी, विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमालामउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणगपवरमल्लाणुलेवणा, भासुरवोंदी, पलंववणमालधरा, दिव्वेणं वन्नेणं, दिव्वेणं गंधेणं, दिव्वेणं फासेणं, दिव्वेणं संघयणेणं, दिव्वेणं संठाणेणं, दिव्वाए इड्डीए, दिव्वाए जुईए, दिव्वाए पभाए, दिव्वाए छायाए, दिव्वाए अच्चीए, दिव्वेणं तेएणं, दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा, पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं तायत्तीसगाणं, साणं साणं लोगपालाणं, साणं साणं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं अणियाणं, साणं साणं अणियाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च वहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥ १२१ ॥ कहि णं भंते ! सोहम्मगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते ! सोहम्मगदेवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंवुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ जाव उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सोहम्मे णामं कप्पे पन्नत्ते । पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणविच्छिण्णे, अद्धचंदसंठाणसंठिए, अच्चिमालिभासरासिवण्णाभे, असंखेज्जाओ जोयणकोडीओ असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं, असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं, सव्वरयणामए, अच्छे जाव पडिरूवे । तत्थ णं सोहम्मगदेवाणं वत्तीसविमाणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । तेसि णं विमाणाणं वहुमज्झदेसभागे पंच वडिंसया पन्नत्ता, तंजहा—असोगवडिंसए, सत्तवण्णवडिंसए, चंपगवडिंसए, चूयवडिंसए, मज्झे इत्थ सोहम्मवडिंसए । ते णं वडिंसया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । एत्थ णं सोहम्मगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं वहवे सोहम्मगदेवा परिवसंति महिड्डिया जाव पभासेमाणा । ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, एवं जहेव ओहियाणं तहेव एएसिं पि भाणियव्वं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च वहूणं सोहम्मगकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरंति । सक्के इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ, वज्जपाणी, पुरंदरे, सयक्कऊ,

अहे पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिया, उक्किन्नंतरविउलगंभीरखायफलिहा, पागारट्टालयकवाडतोरणपडिदुवारदेसभागा, जंतसयग्घिमुसलमुसंढिपरियारिया, अउज्झा, सयाजया, सयागुत्ता, अडयालकोट्ठगरइया, अडयालकयवणमाला, खेमा, सिवा, किंकरामरदंडोवरक्खिया, लाउल्लोइयमहिया, गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिन्नपंचंगुलितला, उवचियचंदणकलसा, चंदणघडसुकयतोरणपडिदुवारदेसभागा, आसत्तोसत्तविउलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावा, पंचवण्णसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिया, कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामा, सुगंधवरगंधिया, गंधवट्टिभूया, अच्छरगणसंघसंविकिन्ना, दिव्वतुडियसद्दसंपणइया, सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, णीरया, निम्मला, निप्पंका, निक्कंकडच्छाया, सप्पभा, सस्सिरीया, समरीइया, सउज्जोया, पासादीया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा; एत्थ णं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। उववाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, समुग्घाएणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, सट्ठाणेणं लोयस्स असंखेज्जइभागे, तत्थ णं बहवे असुरकुमारा देवा परिवसंति। काला, लोहियक्खबिंबोट्ठा, धवलपुप्फदंता, असियकेसा, वामेगकुंडलधरा, अद्दचंदणाणुलित्तगत्ता, ईसिसिलिंधपुप्फप्पगासाइं असंकिलिट्ठाइं सुहुमाइं वत्थाइं पवरपरिहिया, वयं च पढमं समइक्कंता बिइयं च वयं असंपत्ता, भद्दे जोव्वणे वट्टमाणा, तलभंगयतुडियपवरभूसणणिम्मल, मणिरयणमंडियभुया, दसमुद्दामंडियग्गहत्था, चूडामणिविचित्तचिंधगया, सुरूवा, महिड्ढिया, महज्जुइया, महायसा, महब्बला, महाणुभागा, महासोक्खा, हारविराइयवच्छा, कडयतुडियथंभियभुया, अंगयकुंडलमट्ठगंडयलकन्नपीढधारी, विचित्तहत्थाभरणा, विचित्तमालामउलिमउडा, कल्लाणगपवरवत्थपरिहिया, कल्लाणगमल्लाणुलेवणधरा, भासुरबोंदी, पलंबवणमालधरा, दिव्वेणं वन्नेणं दिव्वेणं गंधेणं दिव्वेणं फासेणं दिव्वेणं संघयणेणं दिव्वेणं संठाणेणं दिव्वाए इड्ढीए दिव्वाए जुईए दिव्वाए पभाए दिव्वाए छायाए दिव्वाए अच्चीए दिव्वेणं तेएणं दिव्वाए लेसाए दस दिसाओ उज्जोवेमाणा पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं भवणावाससयसहस्साणं साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं तायत्तीसाणं साणं साणं लोगपालाणं साणं साणं अग्गमहिसीणं साणं २ परिसाणं साणं साणं अणियाणं साणं साणं अणियाहिवईणं साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अन्नेसिं च बहूणं भवणवासीणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा, पालेमाणा, महया हयनट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति। चमरबलिणो इत्थ दुवे असुरकुमारिंदा असुरकुमार-

पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणविच्छिण्णे जहा सोहम्मे जाव पडिरूवे। तत्थ णं सणंकुमाराणं देवाणं बारस विमाणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा। तेसि णं विमाणाणं बहुमज्झदेसभागे पंच वडिंसगा पन्नत्ता। तंजहा—असोगवडिंसए, सत्तवन्नवडिंसए, चंपगवडिंसए, चूयवडिंसए, मज्झे एत्थ सणंकुमारवडिंसए। ते णं वडिंसया सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा। एत्थ णं सणंकुमारदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं बहवे सणंकुमारदेवा परिवसंति, महिड्ढिया जाव पभासेमाणा विहरंति। नवरं अग्गमहिसीओ णत्थि। सणंकुमारे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ। अरयंबरवत्थधरे, सेसं जहा सक्कस्स। से णं तत्थ बारसण्हं विमाणावाससयसहस्साणं, बावत्तरीए सामाणियसाहस्सीणं सेसं जहा सक्कस्स अग्गमहिसीवज्जं। नवरं चउण्हं बावत्तरीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव विहरइ॥ १२४॥ कहि णं भंते! माहिंददेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! माहिंदगदेवा परिवसंति?, गोयमा! ईसाणस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव बहुयाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं माहिंदे नामं कप्पे पन्नत्ते पाईणपडीणायए जाव एवं जहेव सणंकुमारे। नवरं अट्ठ विमाणावाससयसहस्सा। वडिंसया जहा ईसाणे। नवरं मज्झे इत्थ माहिंदवडिंसए, एवं जहा सणंकुमाराणं देवाणं जाव विहरंति। माहिंदे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ, अरयंबरवत्थधरे, एवं जहा सणंकुमारे जाव विहरइ। नवरं अट्ठण्हं विमाणावाससयसहस्साणं, सत्तरीए सामाणियसाहस्सीणं, चउण्हं सत्तरीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव विहरइ॥ १२५॥ कहि णं भंते! बंभलोगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! बंभलोगदेवा परिवसंति?, गोयमा! सणंकुमारमाहिंदाणं कप्पाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं बंभलोए नामं कप्पे पन्नत्ते, पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणविच्छिण्णे, पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिए, अच्चिमालीभासरासिप्पभे, अवसेसं जहा सणंकुमाराणं। नवरं चत्तारि

भुंजमाणा विहरंति । एएसि णं तहेव तायत्तीसगलोगपाला भवन्ति । एवं सव्वत्थ भाणियव्वं । भवणवासीणं चमरे इत्थ असुरकुमारिंदे असुरकुमारराया परिवसइ, काले महानीलसरिसे जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ चउत्तीसाए भवणावाससयसहस्साणं, चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, पंचण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, चउण्ह य चउसट्ठीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव विहरइ ॥ १०८ ॥ कहि णं भंते ! उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! उत्तरिल्ला असुरकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाणं तीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्टा, अंतो चउरंसा, सेसं जहा दाहिणिल्लाणं जाव विहरंति । बली एत्थ वइरोयणिंदे वइरोयणराया परिवसइ, काले महानीलसरिसे जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ तीसाए भवणावाससयसहस्साणं, सट्ठीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, पंचण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, चउण्ह य सट्ठीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं उत्तरिल्लाणं असुरकुमाराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं कुव्वमाणे विहरइ ॥ १०९ ॥ कहि णं भंते ! नागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! नागकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए असीउत्तरजोयणसयसहस्सबाहल्लाए उवरिं एगं जोयणसहस्सं ओगाहित्ता हिट्ठा चेगं जोयणसहस्सं वज्जित्ता मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं नागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं चुलसीइभवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं भवणा बाहिं वट्टा, अंतो चउरंसा जाव पडिरूवा । तत्थ णं णागकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तीसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे नागकुमारा देवा परिवसंति, महिड्डिया, महज्जुइया, सेसं जहा ओहियाणं जाव विहरंति । धरणभूयाणंदा एत्थ णं दुवे णागकुमारिंदा णागकुमाररायाणो परिवसंति महिड्डिया सेसं जहा ओहियाणं जाव विहरंति ॥ ११० ॥ कहि णं भंते ! दाहिणिल्लाणं नागकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि

लोगस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं बहवे आणयपाणयदेवा परिवसंति महिड्ढिया जाव पभासेमाणा। ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयाणं जाव विहरंति। पाणए इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ जहा सणंकुमारे। नवरं चउण्हं विमाणावाससयाणं, वीसाए सामाणियसाहस्सीणं, असीईए आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं जाव विहरइ ॥ १३० ॥ कहि णं भंते! आरणच्चुयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! आरणच्चुया देवा परिवसंति?, गोयमा! आणयपाणयाणं कप्पाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं एत्थ णं आरणच्चुया नामं दुवे कप्पा पन्नत्ता। पाईणपडीणायया, उदीणदाहिणविच्छिण्णा, अद्धचंदसंठाणसंठिया, अच्चिमालीभासरासिवण्णाभा, असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ आयामविक्खंभेणं, असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ परिक्खेवेणं, सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, नीरया, निम्मला, निप्पंका, निक्कंकडच्छाया, सप्पभा, सस्सिरीया, सउज्जोया, पासादीया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा। एत्थ णं आरणच्चुयाणं देवाणं तिन्नि विमाणावाससया भवन्तीति मक्खायं। ते णं विमाणा सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, नीरया, निम्मला, निप्पंका, निक्कंकडच्छाया, सप्पभा, सस्सिरीया, सउज्जोया, पासादीया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा। तेसि णं विमाणाणं कप्पाणं बहुमज्झदेसभाए पंच वडिंसया पन्नत्ता। तंजहा—अंकवडिंसए, फलिहवडिंसए, रयणवडिंसए, जायरूववडिंसए, मज्झे एत्थ अच्चुयवडिंसए। ते णं वडिंसया सव्वरयणामया जाव पडिरूवा। एत्थ णं आरणच्चुयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं बहवे आरणच्चुया देवा परिवसंति। अच्चुए इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ, जहा पाणए जाव विहरइ। नवरं तिण्हं विमाणावाससयाणं, दसण्हं सामाणियसाहस्सीणं, चत्तालीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं आहेवच्चं जाव कुव्वमाणे० विहरइ। बत्तीस अट्ठवीसा बारस अट्ठ चउरो (य) सयसहस्सा। पन्ना चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ १ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिन्नि। सत्त विमाणसयाइं चउसु वि एएसु कप्पेसु ॥ २ ॥ सामाणियसंगहणीगाहा—चउरासीइ असीई बावत्तरी सत्तरी य सट्ठी य। पन्ना चत्तालीसा तीसा वीसा दस सहस्सा ॥ १ ॥ एए चेव आयरक्खा चउग्गुणा ॥ १३१ ॥ कहि णं भंते! हिट्ठिमगेविज्जगाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! हिट्ठिमगेविज्जगा देवा परिवसंति?, गोयमा! आरणच्चुयाणं कप्पाणं उप्पिं जाव उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं हिट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पन्नत्ता। पाईणपडीणायया, उदीणदाहिणविच्छिण्णा, पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिया, अच्चिमा-

णिल्ला सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे जाव मज्झे अट्ठहुत्तरे जोयणसयसहस्से एत्थ णं दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं अट्ठत्तीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं भवणा बाहिं वट्टा जाव पडिरूवा। एत्थ णं दाहिणिल्लाणं सुवण्णकुमाराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे। एत्थ णं बहवे सुवण्णकुमारा देवा परिवसंति। वेणुदेवे य इत्थ सुवन्नकुमारिन्दे सुवन्नकुमारराया परिवसइ, सेसं जहा नागकुमाराणं ॥ ११४ ॥ कहि णं भन्ते ! उत्तरिल्लाणं सुवन्नकुमाराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! उत्तरिल्ला सुवन्नकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए जाव एत्थ णं उत्तरिल्लाणं सुवन्नकुमाराणं चउतीसं भवणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं भवणा जाव एत्थ णं बहवे उत्तरिल्ला सुवन्नकुमारा देवा परिवसंति, महिड्डिया जाव विहरंति। वेणुदाली इत्थ सुवन्नकुमारिंदे सुवन्नकुमारराया परिवसइ, महिड्डिए सेसं जहा नागकुमाराणं। एवं जहा सुवन्नकुमाराणं वत्तव्वया भणिया तहा सेसाण वि चउदसण्हं इंदाणं भाणियव्वा। नवरं भवणणाणत्तं इंदणाणत्तं वण्णणाणत्तं परिहाणणाणत्तं च इमाहिं गाहाहिं अणुगंतव्वं–चउसट्ठिं असुराणं चुलसीयं चेव होंति नागाणं। बावत्तरिं सुवन्ने वाउकुमाराण छन्नउई ॥ १ ॥ दीवदिसाउदहीणं विज्जुकुमारिंदथणियमग्गीणं। छण्हंपि जुयलयाणं छावत्तरिमो सयसहस्सा ॥ २ ॥ चउतीसा चउयाला अट्ठत्तीसं च सयसहस्साइं। पन्ना चत्तालीसा दाहिणओ हुंति भवणाइं ॥ ३ ॥ तीसा चत्तालीसा चउतीसं चेव सयसहस्साइं। छायाला छत्तीसा उत्तरओ हुंति भवणाइं ॥ ४ ॥ चउसट्ठी सट्ठी खलु छच्च सहस्साइं असुरवज्जाणं। सामाणिया उ एए चउग्गुणा आयरक्खा उ ॥ ५ ॥ चमरे धरणे तह वेणुदेवे हरिकंतअग्गिसीहे य। पुन्ने जलकंते य अमियविलम्बे य घोसे य ॥ ६ ॥ वलिभूयाणंदे वेणुदालिहरिस्सहे अग्गिमाणवविसिट्ठे। जलपह तहऽमियवाहणे पभंजणे य महाघोसे ॥ ७ ॥ उत्तरिल्लाणं जाव विहरंति। काला असुरकुमारा नागा उदही य पंडुरा दो वि। वरकणगनिघसगोरा हुंति सुवन्ना दिसा थणिया ॥ ८ ॥ उत्तत्तकणगवन्ना विज्जू अग्गी य होंति दीवा य। सामा पियंगुवन्ना वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ ९ ॥ असुरेसु हुंति रत्ता सिलिंधपुप्फप्पभा य नागुदही। आसासगवसणधरा होंति सुवन्ना दिसा थणिया ॥ १० ॥ नीलाणुरागवसणा विज्जू अग्गी य हुंति दीवा य। संझाणुरागवसणा वाउकुमारा मुणेयव्वा ॥ ११ ॥ ११५ ॥ कहि णं भंते ! वाणमंतराणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! वाणमंतरा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए

सस्सिरीया, सउज्जोया, पासाइया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा । एत्थ णं अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं बहवे अणुत्तरोववाइया देवा परिवसंति । सव्वे समिड्ढिया...सव्वे समबला, सव्वे समाणुभावा, महासुक्खा, अणिंदा, अपेस्सा, अपुरोहिया, अहमिंदा नामं ते देवगणा पन्नत्ता समणाउसो ! ॥ १३५ ॥ कहि णं भंते ! सिद्धाणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! सिद्धा परिवसंति ?, गोयमा ! सव्वट्ठसिद्धस्स महाविमाणस्स उवरिल्लाओ थूभियग्गाओ दुवालस जोयणे उड्ढं अबाहाए एत्थ णं ईसिप्पब्भारा णामं पुढवी पन्नत्ता । पणयालीसं जोयणसयसहस्साइं आयामविक्खंभेणं, एगा जोयणकोडी बायालीसं च सयसहस्साइं तीसं च सयसहस्साइं दोन्नि य अउणापण्णे जोयणसए किंचि विसेसाहिए परिक्खेवेणं पन्नत्ता । ईसिप्पब्भाराए णं पुढवीए बहुमज्झदेसभाए अट्ठजोयणिए खेत्ते अट्ठ जोयणाइं बाहल्लेणं पन्नत्ते । तओ अणंतरं च णं मायाए मायाए पएसपरिहाणीए परिहायमाणी परिहायमाणी सव्वेसु चरमंतेसु मच्छियपत्ताओ तणुययरी, अंगुलस्स असंखेज्जइभागं बाहल्लेणं पन्नत्ता । ईसिप्पब्भाराए णं पुढवीए दुवालस नामधिज्जा पन्नत्ता । तंजहा–ईसी इ वा, ईसिप्पब्भारा इ वा, तणू इ वा, तणुतणू इ वा, सिद्धित्ति वा, सिद्धालए इ वा, मुत्तित्ति वा, मुत्तालए इ वा, लोयग्गेत्ति वा, लोयग्गथूभियत्ति वा, लोयग्गपडिवुज्झणा इ वा, सव्वपाणभूयजीवसत्तसुहावहा इ वा । ईसिप्पब्भारा णं पुढवी सेया संखदल-

माणा, पभासेमाणा, ते णं तत्थ साणं साणं असंखेज्जभोमेज्जनयरावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं, साणं साणं अग्गमहिसीणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं अणीयाणं, साणं साणं अणीयाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं वाणमंतराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणा, पालेमाणा, महया हयनट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥ ११६ ॥ कहि णं भंते! पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! पिसाया देवा परिवसंति?, गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जित्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं पिसायाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जनयरावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं भोमेज्जनयरा बाहिं वट्टा जहा ओहिओ भवणवण्णओ तहा भाणियव्वो जाव पडिरूवा। एत्थ णं पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ बहवे पिसाया देवा परिवसंति, महिड्डिया जहा ओहिया जाव विहरन्ति। कालमहाकाला इत्थ दुवे पिसाइंदा पिसायरायाणो परिवसंति, महिड्डिया महज्जुइया जाव विहरंति ॥ ११७ ॥ कहि णं भंते! दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति?, गोयमा! जंबुद्दीवे दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए रयणामयस्स कंडस्स जोयणसहस्सबाहल्लस्स उवरिं एगं जोयणसयं ओगाहित्ता हेट्ठा चेगं जोयणसयं वज्जित्ता मज्झे अट्ठसु जोयणसएसु एत्थ णं दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं तिरियमसंखेज्जा भोमेज्जनयरावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं। ते णं भवणा जहा ओहिओ भवणवण्णओ तहा भाणियव्वो जाव पडिरूवा। एत्थ णं दाहिणिल्लाणं पिसायाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं बहवे दाहिणिल्ला पिसाया देवा परिवसंति, महिड्डिया जहा ओहिया जाव विहरंति। काले एत्थ पिसाइंदे पिसायराया परिवसइ, महिड्डिए जाव पभासेमाणे। से णं तत्थ तिरियमसंखेज्जाणं भोमेज्जनयरावाससयसहस्साणं, चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं, चउण्ह य अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं दाहिणिल्लाणं वाणमंतराणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरइ। उत्तरिल्लाणं पुच्छा। गोयमा! जहेव दाहिणिल्लाणं वत्तव्वया तहेव उत्तरि-

वाएणं सव्वत्थोवा वाउकाइया पुरच्छिमेणं, पच्छिमेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा वणस्सइकाइया पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया ॥ १३८ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा बेइंदिया पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दक्खिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा तेइंदिया पच्चत्थिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा चउरिंदिया पच्चत्थिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया ॥ १३९ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा नेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा रयणप्पभापुढवीनेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा सक्करप्पभापुढवीनेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा वालुयप्पभापुढवीनेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा पंकप्पभापुढवीनेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा धूमप्पभापुढवीनेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा तमप्पहापुढवीनेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा अहेसत्तमापुढवीनेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा। दाहिणेहिंतो अहेसत्तमापुढवीनेरइएहिंतो छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणिल्लेहिंतो तमापुढवीनेरइएहिंतो पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणिल्लेहिंतो धूमप्पभापुढवीनेरइएहिंतो चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणिल्लेहिंतो पंकप्पभापुढवीनेरइएहिंतो तइयाए वालुयप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणिल्लेहिंतो वालुयप्पभापुढवीनेरइएहिंतो दोच्चाए सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणिल्लेहिंतो सक्करप्पभापुढवीनेरइएहिंतो इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा ॥ १४० ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा पंचिंदिया तिरिक्खजोणिया पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया ॥ १४१ ॥

अंतो वहिं च सण्हा, लवणिजमहुइलवालुयापत्थडा, सुहफासा, सस्सिरीया, सुरूवा, पासाइया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा। एत्थ णं जोइसियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं वहवे जोइसिया देवा परिवसंति। तंजहा-वहस्सई, चंदा, सूरा, सुक्का, सणिच्छरा, राहू, धूमकेऊ, वुहा, अंगारगा, तत्ततवणिज्जकणगवण्णा जे य गहा जोइसम्मि चारं चरंति केऊ य गइरइया अट्ठावीसइविहा नक्खत्तदेवयगणा, णाणासंठाणसंठियाओ पंचवन्नाओ तारयाओ ठियलेसाचारिणो, अविस्साममंडलगई, पत्तेयनामंकपागडियचिंधमउडा महिड्ढिया जाव पभासेमाणा। ते णं तत्थ साणं साणं विमाणावाससयसहस्साणं, साणं साणं सामाणियसाहस्सीणं साणं साणं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, साणं साणं परिसाणं, साणं साणं अणियाणं, साणं साणं अणियाहिवईणं, साणं साणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च वहूणं जोइसियाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं जाव विहरंति। चंदिमसूरिया इत्थ दुवे जोइसिंदा जोइसियरायाणो परिवसंति, महिड्ढिया जाव पभासेमाणा। ते णं तत्थ साणं साणं जोइसियविमाणावाससयसहस्साणं, चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं, चउण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणीयाणं, सत्तण्हं अणीयाहिवईणं, सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च वहूणं जोइसियाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं जाव विहरंति ॥ १२० ॥ कहि णं भंते! वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता? कहि णं भंते! वेमाणिया देवा परिवसंति?, गोयमा! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहणक्खत्तताराख्वाणं वहूइं जोयणसयाइं वहूइं जोयणसहस्साइं वहूइं जोयणसयसहस्साइं वहुगाओ जोयणकोडीओ वहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदवंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणच्चुयगेवेज्जणुत्तरेसु एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं चउरासीइविमाणावाससयसहस्सा सत्ताणउइं च सहस्सा तेवीसं च विमाणा भवन्तीति मक्खायं। ते णं विमाणा सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, नीरया, निम्मला, निप्पंका, निक्कंकडच्छाया, सप्पभा, सस्सिरीया, सउज्जोया, पासादीया, दरिसणिज्जा, अभिरूवा, पडिरूवा। एत्थ णं वेमाणियाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता। तिसु वि लोयस्स असंखेज्जइभागे। तत्थ णं वहवे वेमाणिया देवा परिवसंति। तंजहा—सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदवंभलोगलंतगमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणच्चुयगेवेज्जणुत्तरोववाइया देवा, ते णं मिगमहिसवराहसीहछगलदद्दुरहयगयवइभुयगखग्गउसभविडिमपागडियचिंधमउडा, पसिढिलवरमउडकिरीडधारिणो, वरकुंड-

वेइंदिया विसेसाहिया, अणिंदिया अणंतगुणा, एगिंदिया अणंतगुणा, सइंदिया विसेसाहिया ॥ १४७ ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिंदियाणं वेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियाणं अपज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया अपज्जत्तगा, चउरिंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, तेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, वेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, एगिंदिया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, सइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ १४८ ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिंदियाणं वेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियाणं पज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा चउरिंदिया पज्जत्तगा, पंचिंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया, वेइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया, तेइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया, एगिंदिया पज्जत्तगा अणंतगुणा, सइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ १४९ ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा सइंदिया अपज्जत्तगा, सइंदिया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! एगिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताण कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदिया अपज्जत्तगा, एगिंदिया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते ! वेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वेइंदिया पज्जत्तगा, वेइंदिया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते ! तेइंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा तेइंदिया पज्जत्तगा, तेइंदिया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! चउरिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा चउरिंदिया पज्जत्तगा, चउरिंदिया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते ! पंचिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पंचेंदिया पज्जत्तगा, पंचेंदिया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा ॥ १५० ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिंदियाणं वेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा चउरिंदिया पज्जत्तगा, पंचिंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया, वेइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया, तेइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया, पंचिंदिया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, चउरिंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया,

सहस्सक्खे, मघवं, पागसासणे, दाहिणड्ढलोगाहिवई, वत्तीसविमाणावाससयसहस्साहिवई, एरावणवाहणे, सुरिंदे, अरयंवरवत्थधरे, आलइयमालमउडे, नवहेमचारुचित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगंडे, महिड्ढिए जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ वत्तीसाए विमाणावाससयसहस्साणं, चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, अट्ठण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणीयाणं, सत्तण्हं अणीयाहिवईणं, चउण्हं चउरासीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च वहूणं सोहम्मकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव कुव्वमाणे० विहरइ ॥ १२२ ॥ कहि णं भंते ! ईसाणाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! ईसाणगदेवा परिवसंति ?, गोयमा ! जंवुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहणक्खत्ततारारूवाणं वहूइं जोयणसयाइं वहूइं जोयणसहस्साइं जाव उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं ईसाणे णामं कप्पे पन्नत्ते । पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणविच्छिण्णे, एवं जहा सोहम्मे जाव पडिरूवे । तत्थ णं ईसाणगदेवाणं अट्ठावीसं विमाणावाससयसहस्सा भवन्तीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा । तेसि णं वहुमज्झदेसभागे पंच वडिंसया पन्नत्ता । तंजहा—अंकवडिंसए, फलिहवडिंसए, रयणवडिंसए, जायरूववडिंसए, मज्झे इत्थ ईसाणवडिंसए । ते णं वडिंसया सव्वरयणामया जाव पडिरूवा । एत्थ णं ईसाणगदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । सेसं जहा सोहम्मगदेवाणं जाव विहरंति । ईसाणे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ, सूलपाणी, वसहवाहणे, उत्तरड्ढलोगाहिवई, अट्ठावीसविमाणावाससयसहस्साहिवई, अरयंवरवत्थधरे, सेसं जहा सक्कस्स जाव पभासेमाणे । से णं तत्थ अट्ठावीसाए विमाणावाससयसहस्साणं, असीईए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, अट्ठण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणियाणं, सत्तण्हं अणियाहिवईणं, चउण्हं असीईणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च वहूणं ईसाणकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं जाव विहरइ ॥ १२३ ॥ कहि णं भंते ! सणंकुमारदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! सणंकुमारा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! सोहम्मस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं वहूइं जोयणाइं वहूइं जोयणसयाइं वहूइं जोयणसहस्साइं वहूइं जोयणसयसहस्साइं वहुगाओ जोयणकोडीओ वहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं सणंकुमारे णामं कप्पे पन्नत्ते ।

वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा वाउकाइया अपज्जत्तगा, वाउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा॥ एएसि णं भंते! वणस्सइकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा वणस्सइकाइया अपज्जत्तगा, वणस्सइकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा॥ एएसि णं भंते! तसकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गो०! सव्वत्थोवा तसकाइया पज्जत्तगा, तसकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा॥ १५५॥ एएसि णं भंते! सकाइयाणं पुढविकाइयाणं आउकाइयाणं तेउकाइयाणं वाउकाइयाणं वणस्सइकाइयाणं तसकाइयाण य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा तसकाइया पज्जत्तगा, तसकाइया अपज्जत्तगा संखेज्जगुणा, तेउकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, पुढविकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, आउकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, वाउकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, तेउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा, पुढविकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, आउकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, वाउकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, वणस्सइकाइया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, सकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, वणस्सइकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा, सकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, सकाइया विसेसाहिया॥ १५६॥ एएसि णं भंते! सुहुमाणं सुहुमपुढविकाइयाणं सुहुमआउकाइयाणं सुहुमतेउकाइयाणं सुहुमवाउकाइयाणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं सुहुमनिओयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमतेउकाइया, सुहुमपुढविकाइया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया विसेसाहिया, सुहुमनिओया असंखेज्जगुणा, सुहुमवणस्सइकाइया अणंतगुणा, सुहुमा विसेसाहिया॥ १५७॥ एएसि णं भंते! सुहुमअपज्जत्तगाणं सुहुमपुढविकाइयअपज्जत्तगाणं सुहुमआउकाइयअपज्जत्तगाणं सुहुमतेउकाइयअपज्जत्तगाणं सुहुमवाउकाइयअपज्जत्तगाणं सुहुमवणस्सइकाइयअपज्जत्तगाणं सुहुमनिओयअपज्जत्तगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तगा, सुहुमपुढविकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, सुहुमनिओया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, सुहुमा अपज्जत्तगा विसेसाहिया॥ १५८॥ एएसि णं भंते! सुहुमपज्जत्तगाणं सुहुमपुढविकाइयपज्जत्तगाणं सुहुमआउकाइयपज्जत्तगाणं सुहुमतेउकाइयपज्जत्तगाणं सुहुमवाउकाइयपज्जत्तगाणं सुहुमवणस्सइकाइयपज्जत्तगाणं सुहुमनिओयपज्जत्तगाण य कयरे

कहि णं भंते ! लंतगदेवा परिवसंति ?, गोयमा ! बंभलोगस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं बहूइं जोयणाइं जाव बहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं लंतए नामं कप्पे पन्नत्ते पाईणपडीणायए, जहा बंभलोए । नवरं पण्णासं विमाणावाससहस्सा भवन्तीति मक्खायं । वडिंसगा जहा ईसाणवडिंसगा, नवरं मज्झे इत्थ लंतगवडिंसए, देवा तहेव जाव विहरंति । लंतए एत्थ देविंदे देवराया परिवसइ, जहा सणंकुमारे । नवरं पण्णासाए विमाणावाससहस्साणं, पण्णासाए सामाणियसाहस्सीणं, चउण्ह य पण्णासाणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं जाव विहरइ ॥ १२७ ॥ कहि णं भंते ! महासुक्काणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! महासुक्का देवा परिवसंति ?, गोयमा ! लंतगस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं महासुक्के नामं कप्पे पन्नत्ते पाईणपडीणायए, उदीणदाहिणविच्छिण्णे, जहा बंभलोए । नवरं चत्तालीसं विमाणावाससहस्सा भवन्तीति मक्खायं । वडिंसगा जहा सोहम्मवडिंसए जाव विहरंति । महासुक्के इत्थ देविंदे देवराया जहा सणंकुमारे । नवरं चत्तालीसाए विमाणावाससहस्साणं, चत्तालीसाए सामाणियसाहस्सीणं, चउण्ह य चत्तालीसाणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं जाव विहरइ ॥ १२८ ॥ कहि णं भंते ! सहस्सारदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! सहस्सारदेवा परिवसंति ?, गोयमा ! महासुक्कस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं सहस्सारे नामं कप्पे पन्नत्ते । पाईणपडीणायए, जहा बंभलोए, नवरं छव्विमाणावाससहस्सा भवन्तीति मक्खायं । देवा तहेव जाव वडिंसगा जहा ईसाणस्स वडिंसगा । नवरं मज्झे इत्थ सहस्सारवडिंसए जाव विहरंति । सहस्सारे इत्थ देविंदे देवराया परिवसइ जहा सणंकुमारे । नवरं छण्हं विमाणावाससहस्साणं, तीसाए सामाणियसाहस्सीणं, चउण्ह य तीसाए आयरक्खदेवसाहस्सीणं आहेवच्चं जाव कारेमाणे० विहरइ ॥ १२९ ॥ कहि णं भंते ! आणयपाणयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! आणयपाणया देवा परिवसंति ?, गोयमा ! सहस्सारस्स कप्पस्स उप्पिं सपक्खि सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं आणयपाणयनामा दुवे कप्पा पन्नत्ता । पाईणपडीणायया, उदीणदाहिणविच्छिण्णा, अद्धचंदसंठाणसंठिया, अच्चिमालीभासरासिप्पभा, सेसं जहा सणंकुमारे जाव पडिरूवा । तत्थ णं आणयपाणयदेवाणं चत्तारि विमाणावाससया भवन्तीति मक्खायं जाव पडिरूवा । वडिंसगा जहा सोहम्मे कप्पे । नवरं मज्झे इत्थ पाणयवडिंसए । ते णं वडिंसगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा । एत्थ णं आणयपाणयदेवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तिसु वि

काइयाणं बायरवणस्सइकाइयाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयाणं बायरनिओयाणं बायरतसकाइयाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा बायरतसकाइया, बायरतेउकाइया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया असंखेज्जगुणा, बायरनिओया असंखेज्जगुणा, बायरपुढविकाइया असंखेज्जगुणा, बायरआउकाइया असंखेज्जगुणा, बायरवाउकाइया असंखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया अणंतगुणा, बायरा विसेसाहिया ॥ १६२ ॥ एएसि णं भंते! बायरपुढविकाइयअपज्जत्तगाणं बायरआउकाइयअपज्जत्तगाणं बायरतेउकाइयअपज्जत्तगाणं बायरवाउकाइयअपज्जत्तगाणं बायरवणस्सइकाइयअपज्जत्तगाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयअपज्जत्तगाणं बायरनिओयअपज्जत्तगाणं बायरतसकाइयअपज्जत्तगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा बायरतसकाइया अपज्जत्तगा, बायरतेउकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरनिओया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरपुढविकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरआउकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरवाउकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, बायरअपज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ १६३ ॥ एएसि णं भंते! बायरपज्जत्तयाणं बायरपुढवीकाइयपज्जत्तयाणं बायरआउकाइयपज्जत्तयाणं बायरतेउकाइयपज्जत्तयाणं बायरवाउकाइयपज्जत्तयाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयपज्जत्तयाणं बायरनिओयपज्जत्तयाणं बायरतसकाइयपज्जत्तयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा बायरतेउकाइया पज्जत्तया, बायरतसकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरनिओया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरपुढवीकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरआउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा, बायरपज्जत्तया विसेसाहिया ॥ १६४ ॥ एएसि णं भंते! बायराणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा बायरपज्जत्तया, बायरअपज्जत्तया असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! बायरपुढवीकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा बायरपुढवीकाइया पज्जत्तया, बायरपुढवीकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! बायरआउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा बायरआउकाइया पज्जत्तया, बायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! बायरतेउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो

लीभासरासिवण्णाभा, सेसं जहा बंभलोगे जाव पडिरूवा । तत्थ णं हेट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं एक्कारसुत्तरे विमाणावाससए भवंतीति मक्खायं । ते णं विमाणा सव्वरयणामया जाव पडिरूवा । एत्थ णं हेट्ठिमगेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता । तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं वहवे हेट्ठिमगेविज्जगा देवा परिवसंति । सव्वे समिड्ढिया, सव्वे समज्जुइया, सव्वे समजसा, सव्वे समबला, सव्वे समाणुभावा, महासुक्खा, अणिंदा, अपेस्सा, अपुरोहिया, अहमिंदा नामं ते देवगणा पन्नत्ता समणाउसो ! ॥ १३२ ॥ कहि णं भंते ! मज्झिमगाणं गेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! मज्झिमगेविज्जगा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! हेट्ठिमगेविज्जगाणं उप्पिं सपक्खिं सपडिदिसिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं मज्झिमगेविज्जगदेवाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पन्नत्ता । पाईणपडीणायया जहा हेट्ठिमगेविज्जगाणं । नवरं सत्तुत्तरे विमाणावाससए भवंतीति मक्खायं । ते णं विमाणा जाव पडिरूवा । एत्थ णं मज्झिमगेविज्जगाणं जाव तिसु वि लोगस्स असंखेज्जइभागे । तत्थ णं वहवे मज्झिमगेविज्जगा देवा परिवसंति जाव अहमिंदा नामं ते देवगणा पन्नत्ता समणाउसो ! ॥ १३३ ॥ कहि णं भंते ! उवरिमगेविज्जगाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! उवरिमगेविज्जगा देवा परिवसंति ?, गोयमा ! मज्झिमगेविज्जगाणं उप्पिं जाव उप्पइत्ता एत्थ णं उवरिमगेविज्जगाणं तओ गेविज्जगविमाणपत्थडा पन्नत्ता । पाईणपडीणायया, सेसं जहा हेट्ठिमगेविज्जगाणं । नवरं एगे विमाणावाससए भवंतीति मक्खायं, सेसं तहेव भाणियव्वं जाव अहमिंदा नामं ते देवगणा पन्नत्ता समणाउसो ! । एक्कारसुत्तरं हेट्ठिमेसु सत्तुत्तरं च मज्झिमए । सयमेगं उवरिमए पंचेव अणुत्तरविमाणा ॥ १३४ ॥ कहि णं भंते ! अणुत्तरोववाइयाणं देवाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं ठाणा पन्नत्ता ? कहि णं भंते ! अणुत्तरोववाइया देवा परिवसंति ?, गोयमा ! इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ उड्ढं चंदिमसूरियगहगणणक्खत्ततारारूवाणं वहूइं जोयणसयाइं, वहूइं जोयणसहस्साइं, वहूइं जोयणसयसहस्साइं, वहुगाओ जोयणकोडीओ, वहुगाओ जोयणकोडाकोडीओ, उड्ढं दूरं उप्पइत्ता सोहम्मीसाणसणंकुमार जाव आरणच्चुयकप्पा तिन्नि अट्ठारसुत्तरे गेविज्जगविमाणावाससए वीईवइत्ता तेण परं दूरं गया नीरया, निम्मला, वितिमिरा, विसुद्धा, पंचदिसिं पंच अणुत्तरा महइमहालया महाविमाणा पन्नत्ता । तंजहा—विजए, वेजयंते, जयंते, अपराजिए, सव्वट्ठसिद्धे । ते णं विमाणा सव्वरयणामया, अच्छा, सण्हा, लण्हा, घट्ठा, मट्ठा, नीरया, निम्मला, निप्पंका, निक्कंकडच्छाया, सप्पभा,

वायरतसकाइया, वायरतेउकाइया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया असंखेज्जगुणा, वायरनिओया असंखेज्जगुणा, वायरपुढवीकाइया असंखेज्जगुणा, वायरआउकाइया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुढवीकाइया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया विसेसाहिया, सुहुमनिओया असंखेज्जगुणा, वायरवणस्सइकाइया अणंतगुणा, वायरा विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया असंखेज्जगुणा, सुहुमा विसेसाहिया ॥ १६७ ॥ एएसि णं भंते! सुहुमअपज्जत्तयाणं सुहुमपुढवीकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमआउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमतेउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमवाउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तयाणं सुहुमनिओयाणं अपज्जत्तयाणं वायरअपज्जत्तयाणं वायरपुढवीकाइयाणं अपज्जत्तयाणं वायरआउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं वायरतेउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं वायरवाउकाइयाणं अपज्जत्तयाणं वायरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तयाणं पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइयाणं अपज्जत्तयाणं वायरनिओयाणं अपज्जत्तयाणं वायरतसकाइयाणं अपज्जत्तयाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा वायरतसकाइया अपज्जत्तया, वायरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरनिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरपुढवीकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुढवीकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमनिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया अणंतगुणा, वायरा अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमा अपज्जत्तया विसेसाहिया ॥ १६८ ॥ एएसि णं भंते! सुहुमपज्जत्तयाणं सुहुमपुढविकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमआउकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमतेउकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमवाउकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमवणस्सइकाइयपज्जत्तयाणं सुहुमनिओयपज्जत्तयाणं वायरपज्जत्तयाणं वायरपुढविकाइयपज्जत्तयाणं वायरआउकाइयपज्जत्तयाणं वायरतेउकाइयपज्जत्तयाणं वायरवाउकाइयपज्जत्तयाणं वायरवणस्सइकाइयपज्जत्तयाणं पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइयपज्जत्तयाणं वायरनिओयपज्जत्तयाणं वायरतसकाइयपज्जत्तयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा वायरतेउकाइया पज्जत्तया, वायरतसकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरनिओया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा,

तित्तीसा धणुत्तिभागो य होइ नायव्वो । एसा खलु सिद्धाणं उक्कोसोगाहणा भणिया ॥ ६ ॥ चत्तारि य रयणीओ रयणी तिभागूणिया य बोद्धव्वा । एसा खलु सिद्धाणं मज्झिमओगाहणा भणिया ॥ ७ ॥ एगा य होइ रयणी अट्ठेव य अंगुलाइं साहि(य)या । एसा खलु सिद्धाणं जहन्नओगाहणा भणिया ॥ ८ ॥ ओगाहणाइ सिद्धा भवत्तिभागेण होंति परिहीणा । संठाणमणित्थंथं जरामरणविप्पमुक्काणं ॥ ९ ॥ जत्थ य एगो सिद्धो तत्थ अणंता भवक्खयविमुक्का । अन्नोऽन्नसमोगाढा पुट्ठा सव्वा वि लोगंते ॥ १० ॥ फुसइ अणंते सिद्धे सव्वपएसेहिं नियमसो सिद्धा । तेऽवि य असंखिज्जगुणा देसपए-सेहिं जे पुट्ठा ॥ ११ ॥ असरीरा जीवघणा उवउत्ता दंसणे य नाणे य । सागारमणा-गारं लक्खणमेयं तु सिद्धाणं ॥ १२ ॥ केवलणाणुवउत्ता जाणंता सव्वभावगुणभावे । पासंता सव्वओ खलु केवलदिट्ठीहिऽणंताहिं ॥ १३ ॥ नवि अत्थि माणुसाणं तं सुक्खं नवि य सव्वदेवाणं । जं सिद्धाणं सुक्खं अव्वाबाहं उवगयाणं ॥ १४ ॥ सुरगणसुहं समत्तं सव्वद्धापिंडियं अणंतगुणं । नवि पावइ मुत्तिसुहं णंताहिं वग्ग-वग्गूहिं ॥ १५ ॥ सिद्धस्स सुहोरासी सव्वद्धापिंडिओ जइ हवेज्जा । सोऽणंतवग्ग-भइओ सव्वागासे न माइज्जा ॥ १६ ॥ जह णाम कोइ मिच्छो नगरगुणे बहुविहे वियाणंतो । न चएइ परिकहेउं उवमाए तहिं असंतीए ॥ १७ ॥ इय सिद्धाणं सोक्खं अणोवमं नत्थि तस्स ओवम्मं । किंचि विसेसेणित्तो सारिक्खमिणं सुणह वोच्छं ॥ १८ ॥ जह सव्वकामगुणियं पुरिसो भोत्तूण भोयणं कोइ । तण्हाछुहाविमुक्को अच्छिज्ज जहा अमियतित्तो ॥ १९ ॥ इय सव्वकालतित्ता अउलं निव्वाणमुवगया सिद्धा । सासयमव्वाबाहं चिट्ठंति सुही सुहं पत्ता ॥ २० ॥ सिद्धत्ति य बुद्धत्ति य पारगयत्ति य परंपरगयत्ति । उम्मुक्ककम्मकवया अजरा अमरा असंगा य ॥ २१ ॥ निच्छिन्नसव्वदुक्खा जाइजरामरणबंधणविमुक्का । अव्वाबाहं सोक्खं अणुहोंती सासयं सिद्धा ॥ २२ ॥ १३६ ॥ **पन्नवणाए भगवईए बीयं ठाणपयं समत्तं** ॥

दिसिगइइंदियकाए जोए वेए कसायलेसा य । सम्मत्तनाणदंसणसंजयउवओग-आहारे ॥ १ ॥ भासगपरित्तपज्जत्तसुहुमसन्नी भवऽत्थिए चरिमे । जीवे य खित्तबन्धे पुग्गलमहदंडए चेव ॥ २ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा जीवा पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया ॥ १३७ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा पुढविक्काइया दाहिणेणं, उत्तरेणं विसेसाहिया, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, पच्छिमेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा आउक्काइया पच्छिमेणं, पुरच्छिमेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा तेउक्काइया दाहिणुत्तरेणं, पुरच्छिमेणं संखेज्जगुणा, पच्छिमेणं विसेसाहिया । दिसाणु-

असंखेज्जगुणा, सुहुमनिओया पज्जत्तया संखेज्जगुणा ॥ १७० ॥ एएसि णं भंते ! सुहुमाणं सुहुमपुढवीकाइयाणं सुहुमआउकाइयाणं सुहुमतेउकाइयाणं सुहुमवाउकाइयाणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं सुहुमनिओयाणं वायराणं वायरपुढविकाइयाणं वायरआउकाइयाणं वायरतेउकाइयाणं वायरवाउकाइयाणं वायरवणस्सइकाइयाणं पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइयाणं वायरनिओयाणं वायरतसकाइयाण य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा वायरतेउकाइया पज्जत्तया, वायरतसकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरतसकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरनिओया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरपुढविकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरआउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरवायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरनिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरपुढवीकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुढवीकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमतेउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमपुढवीकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमनिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमनिओया पज्जत्तया संखेज्जगुणा, वायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा, वायरपज्जत्तया विसेसाहिया, वायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, वायरअपज्जत्तया विसेसाहिया, वायरा विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमअपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमा विसेसाहिया ॥ ४ दारं ॥ १७१ ॥ एएसि णं भन्ते ! जीवाणं सजोगीणं मणजोगीणं वइजोगीणं कायजोगीणं अजोगीण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मणजोगी, वइजोगी असंखेज्जगुणा, अजोगी अणंतगुणा, कायजोगी अणंतगुणा, सजोगी विसेसाहिया ॥ ५ दारं ॥ १७२ ॥ एएसि णं भन्ते ! जीवाणं सवेयगाणं इत्थीवेयगाणं पुरिसवेयगाणं नपुंसगवेयगाणं अवेयगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा पुरिसवेयगा, इत्थीवेयगा संखेज्जगुणा, अवेयगा अणंतगुणा, नपुंसगवेयगा अणंत-

दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा मणुस्सा दाहिणउत्तरेणं, पुरच्छिमेणं संखेज्जगुणा, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया ॥ १४२ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा भवणवासी देवा पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा वाणमंतरा देवा पुरच्छिमेणं, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा जोइसिया देवा पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं, दाहिणेणं विसेसाहिया, उत्तरेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा सोहम्मे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा ईसाणे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा सणंकुमारे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा माहिंदे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं, उत्तरेणं असंखेज्जगुणा, दाहिणेणं विसेसाहिया । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा बंभलोए कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा लंतए कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा महासुक्के कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा सहस्सारे कप्पे पुरच्छिमपच्चत्थिमउत्तरेणं, दाहिणेणं असंखेज्जगुणा । तेण परं बहुसमोववन्नगा समणाउसो ! ॥ १४३ ॥ दिसाणुवाएणं सव्वत्थोवा सिद्धा दाहिणउत्तरेणं, पुरच्छिमेणं संखेज्जगुणा, पच्चत्थिमेणं विसेसाहिया ॥ १ दारं ॥ १४४ ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं तिरिक्खजोणियाणं मणुस्साणं देवाणं सिद्धाण य पंचगइसमासेणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा मणुस्सा, नेरइया असंखेज्जगुणा, देवा असंखेज्जगुणा, सिद्धा अणंतगुणा, तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा ॥ १४५ ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं तिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीणं मणुस्साणं मणुस्सीणं देवाणं देवीणं सिद्धाण य अट्ठगइसमासेणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवाओ मणुस्सीओ, मणुस्सा असंखेज्जगुणा, नेरइया असंखेज्जगुणा, तिरिक्खजोणिणीओ असंखेज्जगुणाओ, देवा असंखेज्जगुणा, देवीओ संखेज्जगुणाओ, सिद्धा अणंतगुणा, तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा ॥ २ दारं ॥ १४६ ॥ एएसि णं भंते ! सइंदियाणं एगिंदियाणं बेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं पंचिंदियाणं णंदियाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? यमा ! सव्वत्थोवा पंचिंदिया, चउरिंदिया विसेसाहिया, तेइंदिया विसेसाहिया,

संजयाणं असंजयाणं संजयासंजयाणं नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा संजया, संजयासंजया असंखेज्जगुणा, नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया अणंतगुणा, असंजया अणंतगुणा ॥ १२ दारं ॥ १८१ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं सागारोवउत्ताणं अणागारोवउत्ताण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा अणागारोवउत्ता, सागारोवउत्ता संखेज्जगुणा ॥ १३ दारं ॥ १८२ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं आहारगाणं अणाहारगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा अणाहारगा, आहारगा असंखेज्जगुणा ॥ १४ दारं ॥ १८३ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं भासगाणं अभासगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा भासगा, अभासगा अणंतगुणा ॥ १५ दारं ॥ १८४ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं परित्ताणं अपरित्ताणं नोपरित्तनोअपरित्ताण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा परित्ता, नोपरित्तनोअपरित्ता अणंतगुणा, अपरित्ता अणंतगुणा ॥ १६ दारं ॥ १८५ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं पज्जत्ताणं अपज्जत्ताणं नोपज्जत्तानोअपज्जत्ताण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा नोपज्जत्तानोअपज्जत्तगा, अपज्जत्तगा अणंतगुणा, पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ १७ दारं ॥ ॥ १८६ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं सुहुमाणं वायराणं नोसुहुमनोवायराण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा नोसुहुमनोवायरा, वायरा अणंतगुणा, सुहुमा असंखेज्जगुणा ॥ १८ दारं ॥ ॥ १८७ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं सन्नीणं असन्नीणं नोसन्नीनोअसन्नीण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा सन्नी, नोसन्नीनोअसन्नी अणंतगुणा, असन्नी अणंतगुणा ॥ १९ दारं ॥ ॥ १८८ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं भवसिद्धियाणं अभवसिद्धियाणं नोभवसिद्धियानोअभवसिद्धियाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा अभवसिद्धिया, णोभवसिद्धियाणोअभवसिद्धिया अणंतगुणा, भवसिद्धिया अणंतगुणा ॥ २० दारं ॥ १८९ ॥ एएसि णं भंते! धम्मत्थिकायअधम्मत्थिकायआगासत्थिकायजीवत्थिकायपोग्गलत्थिकायाअद्धासमयाणं दव्वट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसा-

तेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, बेइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, एगिंदिया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, सइंदिया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, एगिंदिया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा, सइंदिया पज्जत्तगा विसेसाहिया, सइंदिया विसेसाहिया ॥ ३ दारं ॥ १५१ ॥ एएसि णं भंते! सकाइयाणं पुढविकाइयाणं आउकाइयाणं तेउकाइयाणं वाउकाइयाणं वणस्सइकाइयाणं तसकाइयाणं अकाइयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा तसकाइया, तेउकाइया असंखेज्जगुणा, पुढविकाइया विसेसाहिया, आउकाइया विसेसाहिया, वाउकाइया विसेसाहिया, अकाइया अणंतगुणा, वणस्सइकाइया अणंतगुणा, सकाइया विसेसाहिया ॥ १५२ ॥ एएसि णं भंते! सकाइयाणं पुढविकाइयाणं आउकाइयाणं तेउकाइयाणं वाउकाइयाणं वणस्सइकाइयाणं तसकाइयाणं अपज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा तसकाइया अपज्जत्तगा, तेउकाइया अपज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, पुढविकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, आउकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, वाउकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया, वणस्सइकाइया अपज्जत्तगा अणंतगुणा, सकाइया अपज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ १५३ ॥ एएसि णं भंते! सकाइयाणं पुढविकाइयाणं आउकाइयाणं तेउकाइयाणं वाउकाइयाणं वणस्सइकाइयाणं तसकाइयाणं पज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा तसकाइया पज्जत्तगा, तेउकाइया पज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, पुढविकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, आउकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, वाउकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, वणस्सइकाइया पज्जत्तगा अणंतगुणा, सकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ १५४ ॥ एएसि णं भंते! सकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा सकाइया अपज्जत्तगा, सकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते! पुढविकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा पुढविकाइया अपज्जत्तगा, पुढविकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते! आउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा आउकाइया अपज्जत्तगा, आउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते! तेउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा तेउकाइया अपज्जत्तगा, तेउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ एएसि णं भंते! वाउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा

सव्वत्थोवा जीवा अचरिमा, चरिमा अणंतगुणा ॥ २२ दारं ॥ १५४ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं पोग्गलाणं अद्धासमयाणं सव्वदव्वाणं सव्वपएसाणं सव्वपज्जवाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा, पोग्गला अणंतगुणा, अद्धासमया अणंतगुणा, सव्वदव्वा विसेसाहिया, सव्वपएसा अणंतगुणा, सव्वपज्जवा अणंतगुणा ॥ २३ दारं ॥ १५५ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा जीवा उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलुक्के असंखेज्जगुणा, उड्ढलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया ॥ १५६ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा नेरइया तेलोक्के, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए असंखेज्जगुणा ॥ १५७ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा तिरिक्खजोणिया उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के असंखेज्जगुणा, उड्ढलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ तिरिक्खजोणिणीओ उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ, तेलोक्के संखेज्जगुणाओ, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ, अहोलोए संखेज्जगुणाओ, तिरियलोए संखेज्जगुणाओ ॥ १५८ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा मणुस्सा तेलोक्के, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, उड्ढलोए संखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए संखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ मणुस्सीओ तेलोक्के, उड्ढलोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ, उड्ढलोए संखेज्जगुणाओ, अहोलोए संखेज्जगुणाओ, तिरियलोए संखेज्जगुणाओ ॥ १५९ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा देवा उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के संखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए संखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ देवीओ उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ, तेलोक्के संखेज्जगुणाओ, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणाओ, अहोलोए संखेज्जगुणाओ, तिरियलोए संखेज्जगुणाओ ॥ २०० ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा भवणवासी देवा उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के संखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए असंखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवाओ भवणवासिणीओ देवीओ उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ, तेलोक्के संखेज्जगुणाओ, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणाओ, तिरियलोए असंखेज्जगुणाओ, अहोलोए असंखेज्जगुणाओ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा वाणमंतरा देवा उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के संखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए

कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमतेउकाइया पज्जत्तगा, सुहुमपुढविकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तगा विसेसाहिया, सुहुमनिओया पज्जत्तगा असंखेज्जगुणा, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तगा अणंतगुणा, सुहुमपज्जत्तगा विसेसाहिया ॥ १५९ ॥ एएसि णं भंते! सुहुमाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमअपज्जत्तगा, सुहुमपज्जत्तगा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! सुहुमपुढविकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमपुढविकाइया अपज्जत्तगा, सुहुमपुढविकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! सुहुमआउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्तगाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमआउकाइया अपज्जत्तगा, सुहुमआउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! सुहुमतेउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तगा, सुहुमतेउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! सुहुमवाउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तगा, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! सुहुमवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तगा, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! सुहुमनिओयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमनिओया अपज्जत्तगा, सुहुमनिओया पज्जत्तगा संखेज्जगुणा ॥ १६० ॥ एएसि णं भंते! सुहुमाणं सुहुमपुढविकाइयाणं सुहुमआउकाइयाणं सुहुमतेउकाइयाणं सुहुमवाउकाइयाणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं सुहुमनिओयाण य पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया, सुहुमपुढविकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमतेउकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा, सुहुमपुढविकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमनिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, सुहुमनिओया पज्जत्तया संखेज्जगुणा, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तया अणंतगुणा, सुहुमअपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तया संखेज्जगुणा, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया, सुहुमा विसेसाहिया ॥ १६१ ॥ एएसि णं भंते! बायराणं बायरपुढविकाइयाणं बायरआउकाइयाणं बायरतेउकाइयाणं बायरवाउ-

अहोलोए संखिज्जगुणा, तिरियलोए संखिज्जगुणा । खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा तेइंदिया अपज्जत्तया उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के असंखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए संखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा तेइंदिया पज्जत्तया उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलुक्के असंखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए संखेज्जगुणा ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा चउरिंदिया जीवा उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के असंखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए संखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा चउरिंदिया जीवा अपज्जत्तया उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलुक्के असंखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए संखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा चउरिंदिया जीवा पज्जत्तया उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के असंखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए संखेज्जगुणा ॥२०३॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा पंचिंदिया तेलुक्के, उड्ढलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, उड्ढलोए संखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए असंखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा पंचिंदिया अपज्जत्तया तेलोक्के, उड्ढलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, उड्ढलोए संखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए असंखेज्जगुणा। खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा पंचिंदिया पज्जत्ता उड्ढलोए, उड्ढलोयतिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलुक्के संखेज्जगुणा, अहोलोयतिरियलोए संखेज्जगुणा, अहोलोए संखेज्जगुणा, तिरियलोए असंखेज्जगुणा ॥ २०४ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा पुढविकाइया उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असंखिज्जगुणा, तेलोक्के असंखिज्जगुणा, उड्ढलोए असंखिज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया । खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा पुढविकाइया अपज्जत्तया उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलोक्के असंखेज्जगुणा, उड्ढलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया । खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा पुढविकाइया पज्जत्तया उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलुक्के असंखेज्जगुणा, उड्ढलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया ॥ २०५ ॥ खेत्ताणुवाएणं सव्वत्थोवा आउकाइया उड्ढलोयतिरियलोए, अहोलोयतिरियलोए विसेसाहिया, तिरियलोए असंखेज्जगुणा, तेलुक्के असंखेज्जगुणा, उड्ढलोए असंखेज्जगुणा, अहोलोए विसेसाहिया । खेत्ताणु-

अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरतेउकाइया पज्जत्तया, बायरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरवाउकाइया पज्जत्तया, बायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! बायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया, बायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! बायरनिओयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरनिओया पज्जत्ता, बायरनिओया अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! बायरतसकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरतसकाइया पज्जत्ता, बायरतसकाइया अपज्जत्ता असंखेज्जगुणा ॥ १६५ ॥ एएसि णं भंते ! बायराणं बायरपुढवीकाइयाणं बायरआउकाइयाणं बायरतेउकाइयाणं बायरवाउकाइयाणं बायरवणस्सइकाइयाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयाणं बायरनिओयाणं बायरतसकाइयाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बायरतेउकाइया पज्जत्तया, बायरतसकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरतसकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरनिओया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरपुढवीकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरआउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरनिओया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरपुढवीकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा, बायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखेज्जगुणा, बायरअपज्जत्तया विसेसाहिया, बायरा विसेसाहिया ॥ १६६ ॥ एएसि णं भंते ! सुहुमाणं सुहुमपुढवीकाइयाणं सुहुमआउकाइयाणं सुहुमतेउकाइयाणं सुहुमवाउकाइयाणं सुहुमवणस्सइकाइयाणं सुहुमनिओयाणं बायराणं बायरपुढवीकाइयाणं बायरआउकाइयाणं बायरतेउकाइयाणं बायरवाउकाइयाणं बायरवणस्सइकाइयाणं पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइयाणं बायरनिओयाणं तसकाइयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा

भाणियव्वा, एवं संखिज्जगुणकालगाण वि । एवं सेसावि वण्णा गंधा रसा फासा भाणियव्वा । फासाणं कक्खडमउयगुरुयलहुयाणं जहा एगपएसोगाढाणं भणियं तहा भाणियव्वं । अवसेसा फासा जहा वन्ना तहा भाणियव्वा ॥ २६ दारं ॥२१६॥ अह भंते! सव्वजीवप्पबहुं महादण्डयं वन्नइस्सामि-सव्वत्थोवा गब्भवक्कंतिया मणुस्सा १, मणुस्सीओ संखिज्जगुणाओ २, बायरतेउकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ३, अणुत्तरोववाइया देवा असंखिज्जगुणा ४, उवरिमगेविज्जगा देवा संखिज्जगुणा ५, मज्झिमगेविज्जगा देवा संखिज्जगुणा ६, हिट्ठिमगेविज्जगा देवा संखिज्जगुणा ७, अच्चुए कप्पे देवा संखिज्जगुणा ८, आरणे कप्पे देवा संखिज्जगुणा ९, पाणए कप्पे देवा संखिज्जगुणा १०, आणए कप्पे देवा संखिज्जगुणा ११, अहेसत्तमाए पुढवीए नेरइया असंखिज्जगुणा १२, छट्ठीए तमाए पुढवीए नेरइया असंखिज्जगुणा १३, सहस्सारे कप्पे देवा असंखिज्जगुणा १४, महासुक्के कप्पे देवा असंखिज्जगुणा १५, पंचमाए धूमप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखिज्जगुणा १६, लंतए कप्पे देवा असंखिज्जगुणा १७, चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखिज्जगुणा १८, बंभलोए कप्पे देवा असंखिज्जगुणा १९, तच्चाए वालुयप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखिज्जगुणा २०, माहिंदे कप्पे देवा असंखिज्जगुणा २१, सणंकुमारे कप्पे देवा असंखिज्जगुणा २२, दोच्चाए सक्करप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखिज्जगुणा २३, संमुच्छिमा मणुस्सा असंखिज्जगुणा २४, ईसाणे कप्पे देवा असंखिज्जगुणा २५, ईसाणे कप्पे देवीओ संखिज्जगुणाओ २६, सोहम्मे कप्पे देवा संखिज्जगुणा २७, सोहम्मे कप्पे देवीओ संखिज्जगुणाओ २८, भवणवासी देवा असंखिज्जगुणा २९, भवणवासिणीओ देवीओ संखिज्जगुणाओ ३०, इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए नेरइया असंखिज्जगुणा ३१, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा असंखिज्जगुणा ३२, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिणीओ संखिज्जगुणाओ ३३, थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा संखिज्जगुणा ३४, थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिणीओ संखिज्जगुणाओ ३५, जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया पुरिसा संखिज्जगुणा ३६, जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिणीओ संखिज्जगुणाओ ३७, वाणमंतरा देवा संखिज्जगुणा ३८, वाणमंतरीओ देवीओ संखिज्जगुणाओ ३९, जोइसिया देवा संखिज्जगुणा ४०, जोइसिणीओ देवीओ संखिज्जगुणाओ ४१, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया नपुंसगा संखिज्जगुणा ४२, थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया नपुंसगा संखिज्जगुणा ४३, जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिया नपुंसगा संखिज्जगुणा ४४, चउरिंदिया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ४५, पंचिंदिया पज्जत्तया

गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अन्तोमुहुत्तूणाइं ॥ २१८ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं सागरोवमं । अपज्जत्तरयणप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तरयणप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तूणं । सक्करप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं सागरोवमं, उक्कोसेणं तिन्नि सागरोवमाइं । अपज्जत्तयसक्करप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयसक्करप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं सागरोवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं तिन्नि सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । वालुयप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं तिन्नि सागरोवमाइं, उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं । अपज्जत्तयवालुयप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयवालुयप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं तिन्नि सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । पंकप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्त सागरोवमाइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं । अपज्जत्तयपंकप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयपंकप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्त सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । धूमप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं । अपज्जत्तयधूमप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयधूमप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । तमप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्तरस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं । अपज्जत्तयतमप्पभा-

रोवमं । अपज्जत्तयअसुरकुमाराणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अन्तोमुहुत्तं । पज्जत्तयअसुरकुमाराणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अन्तोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं अन्तोमुहुत्तूणं । असुरकुमारीणं भंते ! देवीणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं अद्धपंचमाइं पलिओवमाइं । अपज्जत्तियाणं असुरकुमारीणं भंते ! देवीणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अन्तोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं असुरकुमारीणं देवीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं उक्कोसेणं अद्धपंचमाइं पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २२२ ॥ नागकुमाराणं देवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं दो पलिओवमाइं देसूणाइं । अपज्जत्तयाणं भंते ! नागकुमाराणं० केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं भंते ! नागकुमाराणं देवाणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं दो पलिओवमाइं देसूणाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । नागकुमारीणं भंते ! देवीणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं । अपज्जत्तियाणं भंते ! नागकुमारीणं देवीणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं भंते ! नागकुमारीणं देवीणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं ॥ २२३ ॥ सुवण्णकुमाराणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं उक्कोसेणं दो पलिओवमाइं देसूणाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं दो पलिओवमाइं देसूणाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । सुवण्णकुमारीणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं । अपज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं देसूणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । एवं एएणं अभिलावेणं ओहियअपज्जत्तयपज्जत्तयसुत्ततयं देवाण य देवीण य नेयव्वं जाव थणियकुमाराणं जहा नागकुमाराणं ॥ २२४ ॥ पुढविकाइयाणं भंते ! केवइयं कालं

पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । बायरवाउकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि वाससहस्साइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २२८ ॥ वणप्फइकाइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । सुहुमवणप्फइकाइयाणं ओहियाणं अपज्जत्ताणं पज्जत्ताण य पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । बायरवणप्फइकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २२९ ॥ बेइंदियाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बारस संवच्छराइं अंतोमुहुत्तूणाइं । तेइंदियाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं एगूणवन्नं राइंदियाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं एगूणवन्नं राइंदियाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । चउरिंदियाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छम्मासा । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छम्मासा अंतोमुहुत्तूणा ॥ २३० ॥ पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं

तेवन्नं वाससहस्साइं । अपजत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेवन्नं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । गब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा ॥ २२४ ॥ भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा । संमुच्छिमभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । गब्भवक्कंतियभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा ॥ २२५ ॥ खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गो० ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तूणं । संमुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावत्तरी वाससहस्साइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावत्तरी वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । गब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं अंतोमुहुत्तूणं ॥ २२६ ॥ मणुस्साणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं । अपज्जत्तमणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तमणुस्साणं पुच्छा ।

देवाणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं उक्कोसेणं पलिओवमं वाससहस्समब्भहियं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं पलिओवमं वाससहस्समब्भहियं अंतोमुहुत्तूणं । सूरविमाणे णं भंते ! देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पंचहिं वाससएहिमब्भहियं । अपज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पंचहिं वाससएहिमब्भहियं अंतोमुहुत्तूणं । गहविमाणे णं भंते ! देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं पलिओवमं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । गहविमाणे देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं । अपज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । नक्खत्तविमाणे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । नक्खत्तविमाणे देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं साइरेगं चउभागपलिओवमं । अपज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं साइरेगं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । ताराविमाणे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अट्ठभागपलिओवमं, उक्कोसेणं चउभागपलिओवमं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमट्ठभागं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं चउभागपलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं । ताराविमाणे देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमट्ठभागं, उक्कोसेणं साइरेगं अट्ठभागपलिओवमं । ताराविमाणे अपज्जत्तियाणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं पलिओवमट्ठभागं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं साइरेगं पलिओवमट्ठभागं अंतोमुहुत्तूणं ॥ २३९ ॥

विसेसाहिया ४६, बेइंदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४७, तेइंदिया पज्जत्तया विसेसाहिया ४८, पंचिंदिया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ४९, चउरिंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५०, तेइंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५१, बेइंदिया अपज्जत्तया विसेसाहिया ५२, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५३, बायरनिओया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५४, बायरपुढवीकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५५, बायरआउकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५६, बायरवाउकाइया पज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५७, बायरतेउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५८, पत्तेयसरीरबायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ५९, बायरनिओया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६०, बायरपुढवीकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६१, बायरआउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६२, बायरवाउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६३, सुहुमतेउकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ६४, सुहुमपुढवीकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६५, सुहुमआउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६६, सुहुमवाउकाइया अपज्जत्तया विसेसाहिया ६७, सुहुमतेउकाइया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ६८, सुहुमपुढवीकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ६९, सुहुमआउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ७०, सुहुमवाउकाइया पज्जत्तया विसेसाहिया ७१, सुहुमनिओया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ७२, सुहुमनिओया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ७३, अभवसिद्धिया अणंतगुणा ७४, परिवडियसम्मद्दिट्ठी अणंतगुणा ७५, सिद्धा अणंतगुणा ७६, बायरवणस्सइकाइया पज्जत्तया अणंतगुणा ७७, बायरपज्जत्तया विसेसाहिया ७८, बायरवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ७९, बायरअपज्जत्तया विसेसाहिया ८०, बायरा विसेसाहिया ८१, सुहुमवणस्सइकाइया अपज्जत्तया असंखिज्जगुणा ८२, सुहुमअपज्जत्तया विसेसाहिया ८३, सुहुमवणस्सइकाइया पज्जत्तया संखिज्जगुणा ८४, सुहुमपज्जत्तया विसेसाहिया ८५, सुहुमा विसेसाहिया ८६, भवसिद्धिया विसेसाहिया ८७, निओयजीवा विसेसाहिया ८८, वणस्सइजीवा विसेसाहिया ८९, एगिंदिया विसेसाहिया ९०, तिरिक्खजोणिया विसेसाहिया ९१, मिच्छादिट्ठी विसेसाहिया ९२, अविरया विसेसाहिया ९३, सकसाई विसेसाहिया ९४, छउमत्था विसेसाहिया ९५, सजोगी विसेसाहिया ९६, संसारत्था विसेसाहिया ९७, सव्वजीवा विसेसाहिया ९८ ॥ २७ दारं ॥ २१७ ॥ **पन्नवणाए भगवईए तइयं अप्पाबहुयपयं समत्तं ॥**

नेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । अपज्जत्तगनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ?

ईसाणे कप्पे परिग्गहियाणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगं पलिओवमं, उक्कोसेणं नव पलिओवमाइं । अपज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । ईसाणे कप्पे पज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं नव पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । ईसाणे कप्पे अपरिग्गहियदेवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगं पलिओवमं, उक्कोसेणं पणपन्नाइं पलिओवमाइं । अपज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगं पलिओवमं अंतोमुहुत्तूणं, उक्कोसेणं पणपन्नं पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २४२ ॥ सणंकुमारे कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दो सागरोवमाइं, उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दो सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । माहिंदे कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, उक्कोसेणं साइरेगाइं सत्त सागरोवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दो सागरोवमाइं साइरेगाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं सत्त सागरोवमाइं साइरेगाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । बंभलोए कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सत्त सागरोवमाइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सत्त सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । लंतए कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । महासुक्के कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउद्दस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउद्दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । सहस्सारे कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सत्तरस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सत्तरस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । आणए कप्पे देवाणं पुच्छा ।

पुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयतमप्पभापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्तरस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । अहेसत्तमापुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । अपज्जत्तगअहेसत्तमपुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगअहेसत्तमपुढविनेरइयाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं बावीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २१९ ॥ देवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । अपज्जत्तयदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयदेवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । देवीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं पणपन्नं पलिओवमाइं । अपज्जत्तियदेवीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तियदेवीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं पणपन्नं पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २२० ॥ भवणवासीणं देवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं । अपज्जत्तयभवणवासीणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अन्तोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयभवणवासीणं देवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं साइरेगं सागरोवमं अंतोमुहुत्तूणं । भवणवासिणीणं भंते ! देवीणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं अद्धपंचमाइं पलिओवमाइं । अपज्जत्तियभवणवासिणीणं देवीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अन्तोमुहुत्तं । पज्जत्तियाणं भंते ! भवणवासिणीणं देवीणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं अद्धपंचमाइं पलिओवमाइं अन्तोमुहुत्तूणाइं ॥२२१॥ असुरकुमाराणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं साइरेगं साग-

सुयनाणपज्जवेहिं ओहिनाणपज्जवेहिं मइअन्नाणपज्जवेहिं सुयअन्नाणपज्जवेहिं विभंगनाणपज्जवेहिं चक्खुदंसणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'नेरइयाणं नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता पज्जवा पन्नत्ता' ॥ २४८ ॥ असुरकुमाराणं भंते! केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'असुरकुमाराणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! असुरकुमारे असुरकुमारस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, एवं नीलवन्नपज्जवेहिं लोहियवन्नपज्जवेहिं हालिद्दवन्नपज्जवेहिं सुक्किल्लवन्नपज्जवेहिं, सुब्भिगंधपज्जवेहिं दुब्भिगंधपज्जवेहिं, तित्तरसपज्जवेहिं कडुयरसपज्जवेहिं कसायरसपज्जवेहिं अंबिलरसपज्जवेहिं महुररसपज्जवेहिं, कक्खडफासपज्जवेहिं मउयफासपज्जवेहिं गरुयफासपज्जवेहिं लहुयफासपज्जवेहिं सीयफासपज्जवेहिं उसिणफासपज्जवेहिं निद्धफासपज्जवेहिं लुक्खफासपज्जवेहिं आभिणिबोहियनाणपज्जवेहिं सुयनाणपज्जवेहिं ओहिनाणपज्जवेहिं मइअन्नाणपज्जवेहिं सुयअन्नाणपज्जवेहिं विभंगनाणपज्जवेहिं चक्खुदंसणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'असुरकुमाराणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'। एवं जहा नेरइया, जहा असुरकुमारा तहा नागकुमारा वि जाव थणियकुमारा ॥ २४९ ॥ पुढविक्काइयाणं भंते! केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'पुढविक्काइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! पुढविकाइए पुढविक्काइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइगुणहीणे वा असंखिज्जइगुणहीणे वा। अह अब्भहिए असंखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जगुणअब्भहिए वा असंखिज्जगुणअब्भहिए वा। ठिईए तिट्ठाणवडिए, सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे असंखिज्जभागहीणे वा संखिज्जभागहीणे वा संखिज्जगुणहीणे वा। अह अब्भहिए असंखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जगुणअब्भहिए वा। वन्नेहिं गंधेहिं रसेहिं फासेहिं मइअन्नाणपज्जवेहिं सुयअन्नाणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २५० ॥ आउक्काइयाणं भंते! केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'आउक्काइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! आउकाइए आउकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्न-

अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा । गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणि-याणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं । अपज्जत्त-याणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २३१ ॥ जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा । संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा । गब्भवक्कंतियजलयरपंचिं-दियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा ॥ २३२ ॥ चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं । अपज्जत्तयचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । संमुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं चउरासीवाससहस्साइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं चउरासीवाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं । गब्भवक्कंतियचउप्प-यथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं ॥ २३३ ॥ उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणि-याणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा । संमुच्छिमउरपरिसप्पथल-यरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं

ठिईए तिट्ठाणवडिया ॥ २५६ ॥ जहन्नोगाहणगाणं भंते ! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नोगाहणए नेरइए जहन्नोगाहणस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । उक्कोसोगाहणगाणं भंते ! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–'उक्कोसोगाहणगाणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' ? गोयमा ! उक्कोसोगाहणए नेरइए उक्कोसोगाहणस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले । ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिज्जभागहीणे वा संखिज्जभागहीणे वा, अह अब्भहिए असंखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जभागअब्भहिए वा । वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । अजहन्नमणुक्कोसोगाहणाणं भंते ! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–'अजहन्नमणुक्कोसोगाहणाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' ? गोयमा ! अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए नेरइए अजहन्नमणुक्कोसोगाहणस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिज्जभागहीणे वा संखिज्जभागहीणे वा संखिज्जगुणहीणे वा असंखिज्जगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जगुणअब्भहिए वा असंखिज्जगुणअब्भहिए वा । ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिज्जभागहीणे वा संखिज्जभागहीणे वा संखिज्जगुणहीणे वा असंखिज्जगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जगुणअब्भहिए वा असंखिज्जगुणअब्भहिए वा । वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–'अजहन्नमणुक्कोसोगाहणाणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' ॥ २५७ ॥ जहन्नठिइयाणं भंते ! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता ज्जपवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–'जहन्नठिइयाणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' ? गोयमा ! जहन्नठिइए नेरइए जहन्नठिइयस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसठिइए वि । अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए ॥ २५८ ॥

असुरकुमारे जहन्नोगाहणस्स असुरकुमारस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नाईहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिबोहियनाणपज्जवेहिं सुयनाणपज्जवेहिं ओहिनाणपज्जवेहिं तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसोगाहणए वि। एवं अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए वि, नवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए। एवं जाव थणियकुमारा ॥ २६१ ॥ जहन्नोगाहणाणं भंते! पुढविकाइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नोगाहणाणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नोगाहणए पुढविकाइए जहन्नोगाहणस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसोगाहणए वि। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणएं वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए। जहन्नठिइयाणं पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नठिइयाणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नठिइए पुढविकाइए जहन्नठिइयस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं मइअन्नाणपज्जवेहिं सुयअन्नाणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसठिइए वि। अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे तिट्ठाणवडिए। जहन्नगुणकालयाणं भंते! पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नगुणकालयाणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नगुणकालए पुढविकाइए जहन्नगुणकालयस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणकालए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं पंच वन्ना दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणियव्वा। जहन्नमइअन्नाणीणं भंते! पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नमइअन्नाणीणं पुढविकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नमइअन्नाणी पुढविकाइए जहन्नमइअन्नाणिस्स पुढविकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, मइअन्नाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयअन्नाणपज्जवेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसमइअन्नाणी वि। अजहन्न-

जत्थ अन्नाणा तत्थ नाणा नत्थि, जत्थ दंसणं तत्थ नाणा वि अन्नाणा वि। एवं तेइंदियाण वि। चउरिंदियाण वि एवं चेव, णवरं चक्खुदंसणं अब्भहियं ॥ २६३ ॥ जहन्नोगाहणगाणं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'जहन्नोगाहणगाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नोगाहणए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नोगाहणयस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए। उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, नवरं तिहिं नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए। जहा उक्कोसोगाहणए तहा अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए वि, णवरं ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए। जहन्नठिइयाणं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'जहन्नठिइयाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नठिइए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नठिइयस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं अन्नाणेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए। उक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं दो नाणा दो अन्नाणा दो दंसणा। अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए। तिन्नि नाणा तिन्नि अन्नाणा तिन्नि दंसणा। जहन्नगुणकालगाणं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नगुणकालए पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नगुणकालगस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणकालए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं पंच वन्ना दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा। जहन्नाभिणिबोहियणाणीणं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नाभिणिबोहियणाणी पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नाभिणिबोहियणाणिस्स पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिबोहियणाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयणाण-

छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसठिइए वि, नवरं दो नाणा दो अन्नाणा दो दंसणा । अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, आइल्लेहिं चउहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलनाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । जहन्नगुणकालयाणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नगुणकालए मणूसे जहन्नगुणकालयस्स मणुस्सस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, चउहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलनाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । एवं उक्कोसगुणकालए वि । अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं पंच वन्ना दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणियव्वा । जहन्नाभिणिवोहियनाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नाभिणिवोहियनाणी मणूसे जहन्नाभिणिवोहियनाणिस्स मणुस्सस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिवोहियनाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयनाणपज्जवेहिं दोहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, एवं उक्कोसाभिणिवोहियनाणी वि, नवरं आभिणिवोहियनाणपज्जवेहिं तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, तिहिं नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । अजहन्नमणुक्कोसाभिणिवोहियनाणी जहा उक्कोसाभिणिवोहियनाणी, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए, सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । एवं सुयनाणी वि । जहन्नोहिनाणीणं भंते ! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नोहिनाणी मणुस्से जहन्नोहिनाणिस्स मणूसस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तिट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिए, ओहिनाणपज्जवेहिं तुल्ले, मणनाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसोहिनाणी वि । अजहन्नमणुक्कोसोहिनाणी वि एवं चेव, नवरं ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, सट्ठाणे छट्ठाणवडिए । जहा ओहिनाणी तहा मणपज्जवनाणी वि भाणियव्वे, नवरं ओगाहणट्ठयाए तिट्ठाणवडिए । जहा आभिणिवोहियनाणी तहा मइअन्नाणी सुयअन्नाणी वि भाणियव्वे । जहा ओहिनाणी तहा विभंगनाणी वि भाणियव्वे, चक्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य जहा आभिणिवोहियनाणी, ओहिदंसणी जहा

असंखिज्जा, अणंता ? गोयमा ! नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'जीवपज्जवा नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता' ? गोयमा ! असंखिज्जा नेरइया, असंखिज्जा असुरकुमारा, असंखिज्जा नागकुमारा, असंखिज्जा सुवण्णकुमारा, असंखिज्जा विज्जुकुमारा, असंखिज्जा अगणिकुमारा, असंखिज्जा दीवकुमारा, असंखिज्जा उदहिकुमारा, असंखिज्जा दिसीकुमारा, असंखिज्जा वाउकुमारा, असंखिज्जा थणियकुमारा, असंखिज्जा पुढविकाइया, असंखिज्जा आउकाइया, असंखिज्जा तेउकाइया, असंखिज्जा वाउकाइया, अणंता वणप्फइकाइया, असंखिज्जा बेइंदिया, असंखिज्जा तेइंदिया, असंखिज्जा चउरिंदिया, असंखिज्जा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, असंखिज्जा मणुस्सा, असंखिज्जा वाणमंतरा असंखिज्जा जोइसिया, असंखिज्जा वेमाणिया, अणंता सिद्धा, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—ते णं नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता ॥ २४७ ॥ नेरइयाणं भंते ! केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—'नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' ? गोयमा ! नेरइए नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जगुणहीणे वा असंखिज्जगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिज्जइभागमब्भहिए वा संखिज्जइभागमब्भहिए वा संखिज्जगुणमब्भहिए वा असंखिज्जगुणमब्भहिए वा । ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जगुणहीणे वा असंखिज्जगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिज्जभागमब्भहिए वा संखिज्जभागमब्भहिए वा संखिज्जगुणमब्भहिए वा असंखिज्जगुणमब्भहिए वा । कालवण्णपज्जवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखेज्जभागहीणे वा संखेज्जभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा असंखेज्जगुणहीणे वा अणंतगुणहीणे वा । अह अब्भहिए अणंतभागमब्भहिए वा असंखेज्जभागमब्भहिए वा संखेज्जभागमब्भहिए वा संखेज्जगुणमब्भहिए वा असंखेज्जगुणमब्भहिए वा अणंतगुणमब्भहिए वा । नीलवन्नपज्जवेहिं लोहियवन्नपज्जवेहिं हालिद्दवन्नपज्जवेहिं सुक्किल्लवन्नपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । सुब्भिगंधपज्जवेहिं दुब्भिगंधपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए । तित्तरसपज्जवेहिं कडुयरसपज्जवेहिं कसायरसपज्जवेहिं अंबिलरसपज्जवेहिं महुररसपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । कक्खडफासपज्जवेहिं मउयफासपज्जवेहिं गरुयफासपज्जवेहिं लहुयफासपज्जवेहिं सीयफासपज्जवेहिं उसिणफासपज्जवेहिं निद्धफासपज्जवेहिं लुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । आभिणिबोहियनाणपज्जवेहिं

अणंतगुणहीणे वा । अह अब्भहिए अणंतभागअब्भहिए वा असंखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जगुणअब्भहिए वा असंखिज्जगुणअब्भहिए वा अणंतगुणअब्भहिए वा । एवं अवसेसवन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । फासाणं सीयउसिणनिद्धलुक्खेहिं छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ– 'परमाणुपोग्गलाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' । दुपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! दुपएसिए दुपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसमब्भहिए । ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नाईहिं उवरिल्लेहिं चउफासेहि य छट्ठाणवडिए । एवं तिपएसिए वि, नवरं ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे पएसहीणे वा दुपएसहीणे वा, अह अब्भहिए पएसमब्भहिए वा दुपएसमब्भहिए वा । एवं जाव दसपएसिए, नवरं ओगाहणाए पएसपरिवुड्ढी कायव्वा जाव दसपएसिए, नवरं नवपएसहीणत्ति । संखेज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! संखेज्जपएसिए संखेज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे संखेज्जभागहीणे वा संखेज्जगुणहीणे वा, अह अब्भहिए एवं चेव । ओगाहणट्ठयाए वि दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए । असंखिज्जपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! असंखिज्जपएसिए खंधे असंखिज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए । अणंतपएसियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! अणंतपएसिए खंधे अणंतपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए ॥२६९॥ एगपएसोगाढाणं पोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! एगपएसोगाढे पोग्गले एगपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहिं छट्ठाणवडिए । एवं दुपएसोगाढे वि । संखिज्जपएसोगाढाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! संखिज्जपएसोगाढे पोग्गले संखिज्जपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए

गंधरसफासमइअन्नाणसुयअन्नाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २५१ ॥ तेउकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'तेउकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा ! तेउकाइए तेउकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासमइअन्नाणसुयअन्नाणअचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए ॥ २५२ ॥ वाउकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! वाउकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'वाउकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा ! वाउकाइए वाउकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासमइअन्नाणसुयअन्नाणअचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २५३ ॥ वणस्सइकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'वणस्सइकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा ! वणस्सइकाइए वणस्सइकाइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासमइअन्नाणसुयअन्नाणअचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-'वणस्सइकाइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' ॥ २५४ ॥ बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा ! बेइंदिए बेइंदियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइगुणहीणे वा असंखिज्जइगुणहीणे वा । अह अब्भहिए असंखिज्जभागअब्भहिए वा संखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जगुणमब्भहिए वा असंखिज्जइगुणमब्भहिए वा । ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासआभिणिबोहियनाणसुयनाणमइअन्नाणसुयअन्नाणअचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए । एवं तेइंदिया वि । एवं चउरिंदिया वि, नवरं दो दंसणा, चक्खुदंसणं अचक्खुदंसणं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पज्जवा जहा नेरइयाणं तहा भाणियव्वा ॥ २५५ ॥ मणुस्साणं भंते ! केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'मणुस्साणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा ! मणूसे मणूसस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासआभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणमणपज्जवनाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, केवलनाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलदंसणपज्जवेहिं तुल्ले । वाणमंतरा ओगाहणट्ठयाए ठिईए चउट्ठाणवडिया, वण्णाईहिं छट्ठाणवडिया । जोइसिया वेमाणिया वि एवं चेव, नवरं

चउप्पएसिए वि। एवं अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए वि चउप्पएसिए, णवरं ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएस-अब्भहिए। एवं जाव दसपएसिए णेयव्वं, णवरं अजहण्णुक्कोसोगाहणए पएसपरिवुड्ढी कायव्वा जाव दसपएसियस्स सत्त पएसा परिवड्ढिज्जंति। जहन्नोगाहणगाणं भंते! संखेज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नोगाहणए संखेज्जपएसिए जहन्नोगाहणगस्स संखेज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइचउफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसोगाहणए वि। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे दुट्ठाणवडिए। जहन्नोगाहणगाणं भंते! असंखिज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नोगाहणए असंखिज्जपएसिए खंधे जहन्नोगाहणगस्स असंखिज्ज-पएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसोगाहणए वि। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए। जहन्नोगाहणगाणं भंते! अणंतपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नोगाहणए अणंतपएसिए खंधे जहन्नोगाहणगस्स अणंतपए-सियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहिं छट्ठाणवडिए। उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, नवरं ठिईए वि तुल्ले। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगाणं भंते! अणंतपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए अणंतपएसिए खंधे अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगस्स अणं-तपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइअट्ठफासेहिं छट्ठाणवडिए ॥ २७३ ॥ जहन्नट्ठिइयाणं भंते! परमाणुपुग्गलाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नठिइए परमाणुपोग्गले जहन्नठिइयस्स परमाणुपोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए तुल्ले, वण्णाइदुफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसठिइए वि। अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए। जहन्नठिइयाणं दुपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नठिइए दुपएसिए जहन्नठिइयस्स दुपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहण

जहन्नगुणकालगाणं भंते! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'जहन्नगुणकालगाणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नगुणकालए नेरइए जहन्नगुणकालगस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'जहन्नगुणकालगाणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'। एवं उक्कोसगुणकालए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, नवरं कालवन्नपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं अवसेसा चत्तारि वन्ना दो गंधा पंच रसा अट्ठ फासा भाणियव्वा ॥ २५९ ॥ जहन्नाभिणिबोहियनाणीणं भंते! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! जहन्नाभिणिबोहियनाणीणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'जहन्नाभिणिबोहियनाणीणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नाभिणिबोहियनाणी नेरइए जहन्नाभिणिबोहियनाणिस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिबोहियनाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयनाणपज्जवेहिं ओहिनाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसाभिणिबोहियनाणी वि। अजहन्नमणुक्कोसाभिणिबोहियनाणी वि एवं चेव, नवरं आभिणिबोहियनाणपज्जवेहिं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं सुयनाणी ओहिनाणी वि, नवरं जस्स नाणा तस्स अन्नाणा नत्थि। जहा नाणा तहा अन्नाणा वि भाणियव्वा, नवरं जस्स अन्नाणा तस्स नाणा न भवंति। जहन्नचक्खुदंसणीणं भंते! नेरइयाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'जहन्नचक्खुदंसणीणं नेरइयाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नचक्खुदंसणी णं नेरइए जहन्नचक्खुदंसणिस्स नेरइयस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं तिहिं अन्नाणेहिं छट्ठाणवडिए, चक्खुदंसणपज्जवेहिं तुल्ले, अचक्खुदंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसचक्खुदंसणी वि। अजहन्नमणुक्कोसचक्खुदंसणी वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं अचक्खुदंसणी वि, ओहिदंसणी वि ॥ २६० ॥ जहन्नोगाहणाणं भंते! असुरकुमाराणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'जहन्नोगाहणाणं असुरकुमाराणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नोगाहणए

गुणकालए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं जाव दसपएसिए, नवरं पएसपरिवुड्ढी ओगाहणाए तहेव। जहन्नगुणकालयाणं भंते! संखिज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! जहन्नगुणकालए संखिज्जपएसिए जहन्नगुणकालयस्स संखिज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। जहन्नगुणकालयाणं भंते! असंखिज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! जहन्नगुणकालए असंखिज्जपएसिए जहन्नगुणकालयस्स असंखिज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणकालए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। जहन्नगुणकालयाणं भंते! अणंतपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! जहन्नगुणकालए अणंतपएसिए जहन्नगुणकालयस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नाइअट्ठफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणकालए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं नीललोहियहालिद्दसुक्किल्लसुब्भिगंधदुब्भिगंधतित्तकडुकसायअंबिलमहुररसपज्जवेहि य वत्तव्वया भाणियव्वा, नवरं परमाणुपोग्गलस्स सुब्भिगंधस्स दुब्भिगंधो न भण्णइ, दुब्भिगंधस्स सुब्भिगंधो न भण्णइ, तित्तस्स अवसेसं न भण्णइ, एवं कडुयाईण वि, अवसेसं तं चेव। जहन्नगुणकक्खडाणं अणंतपएसियाणं खंधाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! जहन्नगुणकक्खडे अणंतपएसिए जहन्नगुणकक्खडस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसेहिं छट्ठाणवडिए, कक्खडफासपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं सत्तफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणकक्खडे वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकक्खडे वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं मउयगुरुयलहुए वि भाणियव्वे। जहन्नगुणसीयाणं भंते! परमाणुपोग्गलाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! जहन्नगुणसीए परमाणु-

मणुक्कोसमइअन्नाणी वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं सुयअन्नाणी वि अचक्खुदंसणी वि एवं चेव जाव वणप्फइकाइया ॥ २६२॥ जहन्नोगाहणगाणं भंते! बेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नोगाहणगाणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नोगाहणए बेइंदिए जहन्नोगाहणस्स बेइंदियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसोगाहणए वि, णवरं णाणा णत्थि। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए जहा जहन्नोगाहणए, णवरं सट्ठाणे ओगाहणाए चउट्ठाणवडिए। जहन्नठिइयाणं भंते! बेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नठिइयाणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नठिइए बेइंदिए जहन्नठिइयस्स बेइंदियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसठिइए वि, णवरं दो णाणा अब्भहिया। अजहन्नमणुक्कोसठिइए जहा उक्कोसठिइए, णवरं ठिईए तिट्ठाणवडिए। जहन्नगुणकालगाणं बेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नगुणकालगाणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नगुणकालए बेइंदिए जहन्नगुणकालगस्स बेइंदियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं अचक्खुदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणकालए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि एवं चेव। णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं पंच वन्ना दो गंध पंच रसा अट्ठ फासा भाणियव्वा। जहन्नाभिणिबोहियनाणीणं भंते! बेइंदियाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जहन्नाभिणिबोहियनाणीणं बेइंदियाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नाभिणिबोहियनाणी बेइंदिए जहन्नाभिणिबोहियनाणिस्स बेइंदियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, आभिणिबोहियनाणपज्जवेहिं तुल्ले, सुयनाणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, अचक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसाभिणिबोहियनाणी वि। अजहन्नमणुक्कोसाभिणिबोहियनाणी वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं सुयनाणी वि सुयअन्नाणी वि अचक्खुदंसणी वि, नवरं जत्थ नाणा तत्थ अन्नाणा नत्थि,

भाणियव्वं ॥ २७५ ॥ जहन्नपएसियाणं भंते ! खंधाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नपएसिए खंधे जहन्नपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए । जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसअब्भहिए । ठिईए चउट्ठाणवडिए । वन्नगंधरसउवरिल्लचउफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए । उक्कोसपएसियाणं भंते ! खंधाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! उक्कोसपएसिए खंधे उक्कोसपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइअट्ठफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए । अजहन्नमणुक्कोसपएसियाणं भंते ! खंधाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! अजहन्नमणुक्कोसपएसिए खंधे अजहन्नमणुक्कोसपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइअट्ठफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए ॥ २७६ ॥ जहन्नोगाहणगाणं भंते ! पोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जहन्नोगाहणए पोग्गले जहन्नोगाहणगस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्लफासेहि य छट्ठाणवडिए । उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, नवरं ठिईए तुल्ले । अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगाणं भंते ! पोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए पोग्गले अजहन्नमणुक्कोसोगाहणगस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइअट्ठफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए ॥ २७७ ॥ जहन्नठिइयाणं भंते ! पोग्गलाणं पुच्छा । गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जहन्नठिइए पोग्गले जहन्नठिइयस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइअट्ठफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए । एवं उक्कोसठिइए वि । अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए वि चउट्ठाणवडिए ॥ २७८ ॥ जहन्नगुणकालयाणं भंते ! पोग्गलाणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता० । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जहन्नगुणकालए पोग्गले जहन्नगुणकालयस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नगंधरसफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ—'जहन्नगुणकालयाणं पोग्गलाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता' । एवं

ववेहिं छट्ठाणवडिए, चक्खुदंसणपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, अचक्खुदंसणपज्जवेहिं ट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसाभिणिबोहियणाणी वि, णवरं ठिईए तिट्ठाणवडिए, तिन्नि णा तिन्नि दंसणा, सट्ठाणे तुल्ले, सेसेसु छट्ठाणवडिए। अजहन्नमणुक्कोसाभिणि-हियनाणी जहा उक्कोसाभिणिबोहियनाणी, णवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए। सट्ठाणे ट्ठाणवडिए। एवं सुयणाणी वि। जहन्नोहिनाणीणं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणि-णं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? यमा! जहन्नोहिनाणी पंचिंदियतिरिक्खजोणिए जहन्नोहिनाणिस्स पंचिंदियतिरि-क्खजोणियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं आभिणिबोहियनाणसुयनाणपज्जवेहिं ट्ठाणवडिए, ओहिनाणपज्जवेहिं तुल्ले। अन्नाणा नत्थि। चक्खुदंसणपज्जवेहिं अच-क्खुदंसणपज्जवेहिं ओहिदंसणपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसोहिनाणी वि। जहन्नुक्कोसोहिनाणी वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। जहा आभिणिबोहि-नाणी तहा मइअन्नाणी सुयअन्नाणी य, जहा ओहिनाणी तहा विभंगनाणी वि, क्खुदंसणी अचक्खुदंसणी य जहा आभिणिबोहियनाणी, ओहिदंसणी जहा ओहिनाणी, जत्थ नाणा तत्थ अन्नाणा नत्थि, जत्थ अन्नाणा तत्थ नाणा नत्थि, त्थ दंसणा तत्थ नाणा वि अन्नाणा वि अत्थित्ति भाणियव्वं॥ २६४॥ जहन्नोगा-णगाणं भंते! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा न्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—'जहन्नोगाहणगाणं मणुस्साणं अणंता ज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! जहन्नोगाहणए मणूसे जहन्नोगाहणगस्स मणूसस्स व्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्न-धरसफासपज्जवेहिं तिहिं नाणेहिं दोहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए। क्कोसोगाहणए वि एवं चेव, नवरं ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ णे असंखिज्जइभागहीणे, अह अब्भहिए असंखिज्जइभागअब्भहिए। दो नाणा दो न्नाणा दो दंसणा। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, णवरं ओगाहणट्ठयाए उट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, आइल्लेहिं चउहिं नाणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलनाणपज्जवेहिं तुल्ले, तिहिं अन्नाणेहिं तिहिं दंसणेहिं छट्ठाणवडिए, केवलदंसण-ज्जवेहिं तुल्ले। जहन्नठिइयाणं भंते! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! णंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नठिइए मणुस्से जहन्नठिइयस्स मणुस्सस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं दोहिं अन्नाणेहिं दोहिं दंसणेहिं

जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा ॥ २८२ ॥ असुरकुमारा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता। नागकुमारा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता। एवं सुवन्नकुमाराणं विज्जुकुमाराणं अग्गिकुमाराणं दीवकुमाराणं दिसिकुमाराणं उदहिकुमाराणं वाउकुमाराणं थणियकुमाराण य पत्तेयं जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता ॥ २८३ ॥ पुढविकाइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! अणुसमयमविरहियं उववाएणं पन्नत्ता। एवं आउकाइया वि तेउकाइया वि वाउकाइया वि वणस्सइकाइया वि अणुसमयं अविरहिया उववाएणं पन्नत्ता ॥ २८४ ॥ बेइंदिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। एवं तेइंदियचउरिंदिया ॥ २८५ ॥ संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता ॥ २८६ ॥ संमुच्छिममणुस्सा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता। गब्भवक्कंतियमणुस्सा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस मुहुत्ता ॥ २८७ ॥ वाणमंतराणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता। जोइसियाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता। सोहम्मे कप्पे देवा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता। ईसाणे कप्पे देवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउव्वीसं मुहुत्ता। सणंकुमारे कप्पे देवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं णव राइंदियाइं वीसाइं मुहुत्ताइं। माहिंदे कप्पे देवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं बारस राइंदियाइं दस मुहुत्ताइं। बंभलोए देवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अद्धतेवीसं राइंदियाइं। लंतगदेवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं पणयालीसं राइंदियाइं। महासुक्कदेवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असीइं राइंदियाइं। सहस्सारे देवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं राइंदियसयं। आणयदेवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा।

ओहिनाणी। जत्थ नाणा तत्थ अन्नाणा नत्थि, जत्थ अन्नाणा तत्थ नाणा नत्थि, जत्थ दंसणा तत्थ नाणा वि अन्नाणा वि। केवलनाणीणं भंते! मणुस्साणं केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'केवलनाणीणं मणुस्साणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! केवलनाणी मणूसे केवलनाणिस्स मणूसस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तिट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, केवलनाणपज्जवेहिं केवलदंसणपज्जवेहि य तुल्ले। एवं केवलदंसणी वि मणूसे भाणियव्वे। वाणमंतरा जहा असुरकुमारा। एवं जोइसियवेमाणिया, नवरं सट्ठाणे ठिईए तिट्ठाणवडिए भाणियव्वे। सेत्तं जीवपज्जवा ॥ २६५ ॥ अजीवपज्जवा णं भंते! कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-रूविअजीवपज्जवा य अरूविअजीवपज्जवा य ॥ २६६ ॥ अरूविअजीवपज्जवा णं भंते! कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! दसविहा पन्नत्ता। तंजहा-धम्मत्थिकाए, धम्मत्थिकायस्स देसे, धम्मत्थिकायस्स पएसा, अहम्मत्थिकाए, अहम्मत्थिकायस्स देसे, अहम्मत्थिकायस्स पएसा, आगासत्थिकाए, आगासत्थिकायस्स देसे, आगासत्थिकायस्स पएसा, अद्धासमए ॥ २६७ ॥ रूविअजीवपज्जवा णं भंते! कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! चउव्विहा पन्नत्ता। तंजहा-खंधा, खंधदेसा, खंधपएसा, परमाणुपुग्गला। ते णं भंते! किं संखेज्जा असंखेज्जा अणंता? गोयमा! नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता'? गोयमा! अणंता परमाणुपुग्गला, अणंता दुपएसिया खंधा जाव अणंता दसपएसिया खंधा, अणंता संखेज्जपएसिया खंधा, अणंता असंखेज्जपएसिया खंधा, अणंता अणंतपएसिया खंधा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'ते णं नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता' ॥ २६८ ॥ परमाणुपोग्गलाणं भंते! केवइया पज्जवा पन्नत्ता? गोयमा! परमाणुपोग्गलाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'परमाणुपुग्गलाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'? गोयमा! परमाणुपुग्गले परमाणुपोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइगुणहीणे वा असंखिज्जइगुणहीणे वा। अह अब्भहिए असंखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जइभागअब्भहिए वा संखिज्जगुणअब्भहिए वा असंखिज्जगुणअब्भहिए वा। कालवन्नपज्जवेहिं सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे अणंतभागहीणे वा असंखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जइभागहीणे वा संखिज्जगुणहीणे वा असंखिज्जगुणहीणे वा

संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । एवं वाणमंतरा जोइसिया सोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणच्चुयहिट्ठिमगेविज्जगमज्झिमगेविज्जगउवरिमगेविज्जगविजयवेजयंतजयंतअपराजियसव्वट्ठसिद्धदेवा य संतरं पि उववज्जंति निरंतरं पि उववज्जंति ॥ २९५ ॥ सिद्धा णं भंते ! किं संतरं सिज्झंति, निरंतरं सिज्झंति ? गोयमा ! संतरं पि सिज्झंति, निरंतरं पि सिज्झंति ॥ २९६ ॥ नेरइया णं भंते ! किं संतरं उव्वट्टंति, निरंतरं उव्वट्टंति ? गोयमा ! संतरं पि उव्वट्टंति, निरंतरं पि उव्वट्टंति । एवं जहा उववाओ भणिओ तहा उव्वट्टणा वि सिद्धवज्जा भाणियव्वा जाव वेमाणिया, नवरं जोइसियवेमाणिएसु 'चयणं'ति अहिलावो कायव्वो ॥ ३ दारं ॥ २९७ ॥ नेरइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उववज्जंति, एवं जाव अहेसत्तमाए ॥ २९८ ॥ असुरकुमारा णं भंते ! एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा । एवं नागकुमारा जाव थणियकुमारा वि भाणियव्वा ॥ २९९ ॥ पुढविकाइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! अणुसमयं अविरहियं असंखेज्जा उववज्जंति, एवं जाव वाउकाइया । वणस्सइकाइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! सट्ठाणुववायं पडुच्च अणुसमयं अविरहिया अणंता उववज्जंति, परट्ठाणुववायं पडुच्च अणुसमयं अविरहिया असंखेज्जा उववज्जंति । बेइंदिया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उववज्जंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एगो वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा । एवं तेइंदिया चउरिंदिया । संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणिया गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणिया संमुच्छिममणुस्सा वाणमंतरजोइसियसोहम्मीसाणसणंकुमारमाहिंदबंभलोयलंतगमहासुक्कसहस्सारकप्पदेवा एए जहा नेरइया । गब्भवक्कंतियमणूसआणयपाणयआरणच्चुयगेवेज्जगअणुत्तरोववाइया य एए जहन्नेणं इक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा उववज्जंति, न असंखेज्जा उववज्जंति ॥ ३०० ॥ सिद्धा णं भंते ! एगसमएणं केवइया सिज्झंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं अट्ठसयं ॥ ३०१ ॥ नेरइया णं भंते ! एगसमएणं केवइया उव्वट्टंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा उव्वट्टंति, एवं जहा उववाओ भणिओ तहा उव्वट्टणा वि सिद्धवज्जा भाणियव्वा जाव अणुत्तरोववाइया, णवरं जोइसियवेमाणियाणं चयणेणं अहिलावो कायव्वो ॥ ४ दारं ॥ ३०२ ॥ नेरइया णं भंते ! कओहिंतो

छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइउवरिल्ल-चउफासेहि य छट्ठाणवडिए। असंखेज्जपएसोगाढाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! असंखेज्जपएसोगाढे पोग्गले असंखेज्जपएसोगाढस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइअट्ठफासेहिं छट्ठाणवडिए ॥२७०॥ एगसमयठिइयाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! एगसमयठिइए पोग्गले एगसमयठिइयस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइ-अट्ठफासेहिं छट्ठाणवडिए। एवं जाव दससमयठिइए। संखेज्जसमयठिइयाणं एवं चेव, णवरं ठिईए दुट्ठाणवडिए। असंखेज्जसमयठिइयाणं एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाण-वडिए॥ २७१॥ एकगुणकालगाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! एकगुणकालए पोग्गले एकगुणकालगस्स पोग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं वन्नगंधरसफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, अट्ठहिं फासेहिं छट्ठाणवडिए। एवं जाव दसगुणकालए। संखेज्जगुण-कालए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे दुट्ठाणवडिए। एवं असंखेज्जगुणकालए वि, नवरं सट्ठाणे चउट्ठाणवडिए। एवं अणंतगुणकालए वि, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं जहा कालवन्नस्स वत्तव्वया भणिया तहा सेसाण वि वन्नगंधरसफासाणं वत्तव्वया भाणियव्वा जाव अणंतगुणलुक्खे॥ २७२॥ जहन्नोगाहणगाणं भंते! दुपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! जहन्नोगाहणए दुपएसिए खंधे जहन्नोगाहणस्स दुपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सेसवन्नगंधरसपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयउसिणणिद्धलुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–'जहन्नोगाहणगाणं दुपएसियाणं पोग्गलाणं अणंता पज्जवा पन्नत्ता'। उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव। अजहन्नमणुक्कोसोगाहणओ नत्थि। जहन्नोगाहणयाणं भंते! तिपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ० ? गोयमा! जहा दुपएसिए जहन्नोगाहणए, उक्कोसोगाहणए वि एवं चेव, एवं अजहन्नमणुक्कोसोगाहणए वि। जहन्नोगाहणयाणं भंते! चउपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! जहा जहन्नोगाहणए दुपएसिए तहा जहन्नोगाहणए चउप्पएसिए, एवं जहा उक्कोसोगाहणए दुपएसिए तहा उक्कोसोगाहणए

थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जंति, गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जंति । जइ संमुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तगसंमुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्तगसंमुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति? गोयमा! पज्जत्तगसंमुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, नो अपज्जत्तगसंमुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति । जइ गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति किं संखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति, असंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति? गोयमा! संखेज्जवासाउएहिंतो उववज्जन्ति, नो असंखेज्जवासाउएहिंतो उववज्जन्ति । जइ संखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति किं पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति, अपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति? गोयमा! पज्जत्तेहिंतो उववज्जन्ति, नो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउएहिंतो उववज्जन्ति । जइ परिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति किं उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति, भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति? गोयमा! दोहिंतो वि उववज्जन्ति । जइ उरपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति किं संमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति, गब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति? गोयमा! संमुच्छिमेहिंतो उववज्जन्ति, गब्भवक्कंतिएहिंतो वि उववज्जन्ति । जइ संमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति किं पज्जत्तएहिन्तो उववज्जन्ति, अपज्जत्तएहिन्तो उववज्जन्ति? गोयमा! पज्जत्तयसंमुच्छिमेहिन्तो उववज्जन्ति, नो अपज्जत्तयसंमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति । जइ गब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति किं पज्जत्तएहिन्तो उववज्जन्ति, अपज्जत्तएहिन्तो उववज्जन्ति? गोयमा! पज्जत्तयगब्भवक्कंतिएहिन्तो उववज्जन्ति, नो अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति । जइ भुयपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति किं संमुच्छिमभुयपरिसप्पथलयरपंचिन्दियतिरिक्खजोणिएहिन्तो उववज्जन्ति, गब्भवक्कंतियभुयपरिसप्पथ-

ट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसअब्भहिए। ठिईए तुल्ले, वण्णाइचउफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसठिइए वि। अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए। एवं जाव दसपएसिए, नवरं पएसपरिवुड्ढी कायव्वा। ओगाहणट्ठयाए तिसु वि गमएसु जाव दसपएसिए, एवं पएसा परिवड्ढिज्जंति। जहन्नठिइयाणं भंते! संखिज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नठिइए संखिज्जपएसिए खंधे जहन्नठिइयस्स संखिज्जपएसियस्स खंधस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइचउफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसठिइए वि। अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए। जहन्नठिइयाणं असंखिज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नठिइए असंखिज्जपएसिए जहन्नठिइयस्स असंखिज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसठिइए वि। अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए। जहन्नठिइयाणं अणंतपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नठिइए अणंतपएसिए जहन्नठिइयस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए तुल्ले, वण्णाइअट्ठफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसठिइए वि। अजहन्नमणुक्कोसठिइए वि एवं चेव, नवरं ठिईए चउट्ठाणवडिए॥ २७४॥ जहन्नगुणकालयाणं परमाणुपुग्गलाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नगुणकालए परमाणुपुग्गले जहन्नगुणकालयस्स परमाणुपुग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसा वण्णा णत्थि। गंधरसदुफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणकालए वि। एवमजहन्नमणुक्कोसगुणकालए वि, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। जहन्नगुणकालयाणं भंते! दुपएसियाणं पुच्छा। गोयमा! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहन्नगुणकालए दुपएसिए जहन्नगुणकालयस्स दुपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसअब्भहिए। ठिईए चउट्ठाणवडिए, कालवन्नपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसवण्णाइउवरिल्लचउफासेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोस-

वा। ईसाणगदेवा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं साइरेगस्स मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं साइरेगाणं दोण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा। सणंकुमारदेवा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं दोण्हं पक्खाणं, उक्कोसेणं सत्तण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा। माहिंदगदेवा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं साइरेगं दोण्हं पक्खाणं, उक्कोसेणं साइरेगं सत्तण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा। बंभलोगदेवा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं सत्तण्हं पक्खाणं, उक्कोसेणं दसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा। लंतगदेवा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं दसण्हं पक्खाणं, उक्कोसेणं चउदसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा। महासुक्कदेवा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं चउदसण्हं पक्खाणं, उक्कोसेणं सत्तरसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा। सहस्सारगदेवा णं भंते! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं सत्तरसण्हं पक्खाणं, उक्कोसेणं अट्ठारसण्हं पक्खाणं जाव नीससंति वा। आणयदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं अट्ठारसण्हं पक्खाणं, उक्कोसेणं एगूणवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। पाणयदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं एगूणवीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं वीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। आरणदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं वीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं एगवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। अच्चुयदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं एगवीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं बावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा ॥ ३३४ ॥ हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं बावीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं तेवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। हिट्ठिममज्झिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं तेवीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं चउवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। हिट्ठिमउवरिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं चउवीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं पणवीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। मज्झिमहिट्ठिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं पणवीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं छव्वीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। मज्झिममज्झिमगेविज्जगदेवा णं

पोग्गले जहन्नगुणसीयस्स परमाणुपुग्गलस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए तुल्ले, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहि य तुल्ले, उसिणफासो न भण्णइ, निद्धलुक्खफासपज्जवेहि य छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणसीए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। जहन्नगुणसीयाणं दुपएसियाणं पुच्छा। गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नगुणसीए दुपएसिए जहन्नगुणसीयस्स दुपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए तुल्ले, ओगाहणट्ठयाए सिय हीणे सिय तुल्ले सिय अब्भहिए। जइ हीणे पएसहीणे, अह अब्भहिए पएसअब्भहिए। ठिईए चउट्ठाणवडिए, वन्नगंधरसपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिणनिद्धलुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणसीए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं जाव दसपएसिए, णवरं ओगाहणट्ठयाए पएसपरिवुड्ढी कायव्वा जाव दसपएसियस्स नव पएसा वुड्ढिज्जंति। जहन्नगुणसीयाणं संखिज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नगुणसीए संखिज्जपएसिए जहन्नगुणसीयस्स संखिज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए दुट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाईहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिणनिद्धलुक्खेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणसीए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। जहन्नगुणसीयाणं असंखिज्जपएसियाणं पुच्छा। गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नगुणसीए असंखिज्जपएसिए जहन्नगुणसीयस्स असंखिज्जपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले, उसिणनिद्धलुक्खफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणसीए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, णवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। जहन्नगुणसीयाणं अणंतपएसियाणं पुच्छा। गोयमा ! अणंता पज्जवा पन्नत्ता। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! जहन्नगुणसीए अणंतपएसिए जहन्नगुणसीयस्स अणंतपएसियस्स दव्वट्ठयाए तुल्ले, पएसट्ठयाए छट्ठाणवडिए, ओगाहणट्ठयाए चउट्ठाणवडिए, ठिईए चउट्ठाणवडिए, वण्णाइपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए, सीयफासपज्जवेहिं तुल्ले, अवसेसेहिं सत्तफासपज्जवेहिं छट्ठाणवडिए। एवं उक्कोसगुणसीए वि। अजहन्नमणुक्कोसगुणसीए वि एवं चेव, नवरं सट्ठाणे छट्ठाणवडिए। एवं उसिणनिद्धलुक्खे जहा सीए। परमाणुपोग्गलस्स तहेव पडिवक्खो सव्वेसिं न भण्णइ त्ति

आहारसन्नोवउत्ता वि जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता वि। एएसि णं भंते! तिरिक्खजोणियाणं आहारसन्नोवउत्ताणं जाव परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा तिरिक्खजोणिया परिग्गहसन्नोवउत्ता, मेहुणसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा, भयसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा, आहारसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा ॥ ३४० ॥ मणुस्सा णं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता? गोयमा! ओसन्नं कारणं पडुच्च मेहुणसन्नोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च आहारसन्नोवउत्ता वि जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता वि। एएसि णं भंते! मणुस्साणं आहारसन्नोवउत्ताणं जाव परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा मणूसा भयसन्नोवउत्ता, आहारसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा, परिग्गहसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा, मेहुणसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा ॥ ३४१ ॥ देवा णं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता? गोयमा! ओसन्नं कारणं पडुच्च परिग्गहसन्नोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च आहारसन्नोवउत्ता वि जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता वि। एएसि णं भंते! देवाणं आहारसन्नोवउत्ताणं जाव परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा देवा आहारसन्नोवउत्ता, भयसन्नोवउत्ता संखेज्जगुणा, मेहुणसन्नोवउत्ता संखेज्जगुणा, परिग्गहसन्नोवउत्ता संखेज्जगुणा ॥ ३४२ ॥ **पन्नवणाए भगवईए अट्ठमं सन्नापयं समत्तं ॥**

कइविहा णं भंते! जोणी पन्नत्ता? गोयमा! तिविहा जोणी पन्नत्ता। तंजहा–सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ॥ ३४३ ॥ नेरइयाणं भंते! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी? गोयमा! सीया वि जोणी, उसिणा वि जोणी, णो सीओसिणा जोणी। असुरकुमाराणं भंते! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी? गोयमा! नो सीया जोणी, नो उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं भंते! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी? गोयमा! सीया वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीओसिणा वि जोणी। एवं आउवाउवणस्सइवेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं वि पत्तेयं भाणियव्वं। तेउक्काइयाणं णो सीया, उसिणा, णो सीओसिणा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी? गोयमा! सीया वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीओसिणा वि जोणी। संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाण वि एवं चेव। गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते!

वियडजोणी । एवं जाव चउरिंदियाणं । संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य एवं चेव । गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कंतियमणुस्साण य नो संवुडा जोणी, नो वियडा जोणी, संवुडवियडा जोणी । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ ३५० ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं संवुडजोणियाणं वियडजोणियाणं संवुडवियडजोणियाणं अजोणियाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा संवुडवियडजोणिया, वियडजोणिया असंखिज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, संवुडजोणिया अणंतगुणा ॥ ३५१ ॥ कइविहा णं भंते ! जोणी पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पन्नत्ता । तंजहा—कुम्मुण्णया, संखावत्ता, वंसीपत्ता । कुम्मुण्णया णं जोणी उत्तमपुरिसमाऊणं । कुम्मुण्णयाए णं जोणीए उत्तमपुरिसा गब्भे वक्कमंति, तंजहा—अरहंता, चक्कवट्टी, बलदेवा, वासुदेवा । संखावत्ता णं जोणी इत्थीरयणस्स, संखावत्ताए जोणीए बहवे जीवा य पोग्गला य वक्कमंति विउक्कमंति चयंति उवचयंति, नो चेव णं णिप्फज्जंति । वंसीपत्ता णं जोणी पिहुज्जणस्स, वंसीपत्ताए णं जोणीए पिहुज्जणा गब्भे वक्कमंति ॥ ३५२ ॥ **पन्नवणाए भगवईए नवमं जोणीपयं समत्तं** ॥

कइ णं भंते ! पुढवीओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ पुढवीओ पन्नत्ताओ । तंजहा—रयणप्पभा, सक्करप्पभा, वालुयप्पभा, पंकप्पभा, धूमप्पभा, तमप्पभा, तमतमप्पभा, ईसिप्पब्भारा ॥ ३५३ ॥ इमा णं भंते ! रयणप्पभा पुढवी किं चरमा, अचरमा, चरमाइं, अचरमाइं, चरमंतपएसा, अचरमंतपएसा ? गोयमा ! इमा णं रयणप्पभा पुढवी नो चरमा, नो अचरमा, नो चरमाइं, नो अचरमाइं, नो चरमंतपएसा, नो अचरमंतपएसा, नियमाऽचरमं चरमाणि य, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य, एवं जाव अहेसत्तमा पुढवी, सोहम्माई जाव अणुत्तरविमाणाणं एवं चेव, ईसिप्पब्भारा वि एवं चेव, लोगे वि एवं चेव, एवं अलोगे वि ॥ ३५४ ॥ इमीसे णं भंते ! रयणप्पभाए पुढवीए अचरमस्स य चरमाण य चरमंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए दव्वट्ठयाए एगे अचरमे, चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरमं च चरमाणि य दो वि विसेसाहिया, पएसट्ठयाए सव्वत्थोवा इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए चरमन्तपएसा, अचरमंतपएसा असंखेज्जगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवे इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए दव्वट्ठयाए एगे अचरमे, चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरमं चरमाणि य

पाणयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा। आरणदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखिज्जा वासा। अच्चुयदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखिज्जा वासा। हिट्ठिमगेविज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखिज्जाइं वाससयाइं । मज्झिमगेविज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखिज्जाइं वाससहस्साइं । उवरिमगेविज्जाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं संखिज्जाइं वाससयसहस्साइं । विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उववाएणं पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स संखिज्जइभागं ॥ २८८ ॥ सिद्धा णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया सिज्झणाए पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं छम्मासा ॥ २८९ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! केवइयं कालं विरहिया उव्वट्टणाए पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं–चउव्वीसं मुहुत्ता । एवं सिद्धवज्जा उव्वट्टणा वि भाणियव्वा जाव अणुत्तरोववाइयत्ति, नवरं जोइसियवेमाणिएसु 'चयणं'ति अहिलावो कायव्वो ॥ २ दारं ॥ २९० ॥ नेरइया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । तिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । मणुस्सा णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । देवा णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति ॥ २९१ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । एवं जाव अहेसत्तमाए संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति ॥ २९२ ॥ असुरकुमारा णं देवा णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । एवं जाव थणियकुमारा संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति ॥ २९३ ॥ पुढविकाइया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! नो संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति । एवं जाव वणस्सइकाइया नो संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति । बेइंदिया णं भंते ! किं संतरं उववज्जंति, निरंतरं उववज्जंति ? गोयमा ! संतरं पि उववज्जंति, निरंतरं पि उववज्जंति । एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया ॥ २९४ ॥ मणुस्सा णं भंते ! किं

चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, उदाहु चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, उदाहु चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, वीया चउभंगी। उदाहु अचरमे य अवत्तव्वए य १५, उदाहु अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, उदाहु अचरमाइं च अवत्तव्वए य १७, उदाहु अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८, तइया चउभंगी। उदाहु चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९, उदाहु चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, उदाहु चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, उदाहु चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, उदाहु चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, उदाहु चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, उदाहु चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, उदाहु चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६। एए छव्वीसं भंगा। गोयमा! परमाणुपोग्गले नो चरमे, नो अचरमे, नियमा अवत्तव्वए, सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥ ३५८ ॥ दुपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा। गोयमा! दुपएसिए खंधे सिय चरमे, नो अचरमे, सिय अवत्तव्वए। सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥ ३५९ ॥ तिपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा। गोयमा! तिपएसिए खंधे सिय चरमे १, नो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, नो चरमाइं ४, नो अचरमाइं ५, नो अवत्तव्वयाइं ६, नो चरमे य अचरमे य ७, नो चरमे य अचरमाइं ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, नो चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥ ३६० ॥ चउपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा। गोयमा! चउपएसिए णं खंधे सिय चरमे १, नो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, नो चरमाइं ४, नो अचरमाइं ५, नो अवत्तव्वयाइं ६, नो चरमे य अचरमे य ७, नो चरमे य अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, नो चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, नो चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, नो अचरमे य अवत्तव्वए य १५, नो अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, नो अचरमाइं च अवत्तव्वए य १७, नो अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८, नो चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९, नो चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, नो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, नो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३। सेसा भंगा पडिसेहेयव्वा ॥ ३६१ ॥ पंचपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा। गोयमा! पंचपएसिए खंधे सिय चरमे १, नो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, नो चरमाइं ४, नो अचरमाइं ५, नो अवत्तव्वयाइं ६, सिय चरमे य अचरमे य ७, नो चरमे य

उववज्जंति किं नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, देवेहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नो नेरइएहिंतो उववज्जंति, तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, मणुस्सेहिंतो उववज्जंति, नो देवेहिंतो उववज्जंति । जइ तिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, बेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, तेइंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, चउरिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! नो एगिंदिय०, नो बेइंदिय०, नो तेइंदिय०, नो चउरिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति । जइ पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ॥ ३०३ ॥ जइ जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, गब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, गब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति । जइ संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति किं पज्जत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति, अपज्जत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जन्ति, नो अपज्जत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति । जइ गब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं पज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! पज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, नो अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ॥ ३०४ ॥ जइ थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, परिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति, परिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो वि उववज्जंति । जइ चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो उववज्जंति किं संमुच्छिमेहिंतो उववज्जंति, गब्भवक्कंतिएहिंतो उववज्जंति ? गोयमा ! संमुच्छिमचउप्पय-

य अवत्तव्वए य १९, सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, सिय चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, णो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६ ॥ ३६४ ॥ अट्ठपएसिए णं भंते ! खंधे पुच्छा। गोयमा ! अट्ठपएसिए खंधे सिय चरमे १, नो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, नो चरमाइं ४, नो अचरमाइं ५, नो अवत्तव्वयाइं ६, सिय चरमे य अचरमे य ७, सिय चरमे य अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, सिय चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, सिय चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, णो अचरमे य अवत्तव्वए य १५, णो अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, णो अचरमाइं च अवत्तव्वए य १७, णो अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८, सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९, सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, सिय चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, सिय चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६, संखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसिए अणंतपएसिए खंधे जहेव अट्ठपएसिए तहेव पत्तेयं भाणियव्वं। परमाणुम्मि य तइओ पढमो तइओ य होंति दुपएसे। पढमो तइओ नवमो एक्कारसमो य तिपएसे ॥ १ ॥ पढमो तइओ नवमो दसमो एक्कारसो य वारसमो। भंगा चउप्पएसे तेवीसइमो य वोद्धव्वो ॥ २ ॥ पढमो तइओ सत्तमनवदसइक्कारवारतेरसमो। तेवीसचउव्वीसो पणवीसइमो य पंचमए ॥ ३ ॥ विचउत्थपंचछट्ठं पनरस सोलं च सत्तरट्ठारं। वीसेक्कवीसवावीसगं च वज्जेज्ज छट्ठंमि ॥ ४ ॥ विचउत्थपंचछट्ठं पण्णर सोलं च सत्तरट्ठारं। वावीसइमविहूणा सत्तपएसंमि खंधम्मि ॥ ५ ॥ विचउत्थपंचछट्ठं पण्णर सोलं च सत्तरट्ठारं। एए वज्जिय भंगा सेसा सेसेसु खंधेसु ॥ ६ ॥ ३६५ ॥ कइ णं भंते ! संठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच संठाणा पन्नत्ता। तंजहा—परिमंडले, वट्टे, तंसे, चउरंसे, आयए य ॥ ३६६ ॥ परिमंडला णं भंते ! संठाणा किं संखेज्जा, असंखेज्जा, अणंता ? गोयमा ! नो संखेज्जा, नो असंखेज्जा, अणंता। एवं जाव आयया। परिमंडले णं भंते ! संठाणे किं संखेज्जपएसिए, असंखेज्जपएसिए, अणंतपए-

उए, पएसनामनिहत्ताउए, अणुभावनामनिहत्ताउए, एवं जाव वेमाणियाणं ॥ ३२६ ॥ जीवा णं भंते ! जाइनामनिहत्ताउयं कइहिं आगरिसेहिं पगरेंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं अट्ठहिं । नेरइया णं भंते ! जाइनामनिहत्ताउयं कइहिं आगरिसेहिं पगरेंति ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा, उक्कोसेणं अट्ठहिं । एवं जाव वेमाणिया । एवं गइनामनिहत्ताउए वि, ठिईनामनिहत्ताउए वि, ओगाहणनामनिहत्ताउए वि, पएसनामनिहत्ताउए वि, अणुभावनामनिहत्ताउए वि ॥ ३२७ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं जाइनामनिहत्ताउयं जहन्नेणं एक्केण वा दोहिं वा तीहिं वा उक्कोसेणं अट्ठहिं आगरिसेहिं पकरेमाणाणं कयरे कयरेहिन्तो अप्पा वा वहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा जाइनामनिहत्ताउयं अट्ठहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा, सत्तहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा संखिज्जगुणा, छहिं आगरिसेहिं पकरेमाणा संखिज्जगुणा, एवं पंचहिं संखिज्जगुणा, चउहिं संखिज्जगुणा, तीहिं संखिज्जगुणा, दोहिं संखिज्जगुणा, एगेणं आगरिसेणं पकरेमाणा संखिज्जगुणा । एवं एएणं अभिलावेणं जाव अणुभागनामनिहत्ताउयं, एवं एए छप्पिय अप्पावहुदंडगा जीवाइया भाणियव्वा ॥ ८ दारं ॥ ३२८ ॥ **पन्नवणाए भगवईए छट्ठं वक्कंतीपयं समत्तं ॥**

नेरइया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ? गोयमा ! सययं संतयामेव आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ॥ ३२९ ॥ असुरकुमारा णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्तण्हं थोवाणं, उक्कोसेणं साइरेगस्स पक्खस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ॥ नागकुमारा णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा पाणमंति वा ऊससंति वा नीससंति वा ? गोयमा ! जहन्नेणं सत्तण्हं थोवाणं, उक्कोसेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, एवं जाव थणियकुमाराणं ॥ ३३० ॥ पुढविकाइया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! वेमायाए आणमंति वा जाव नीससंति वा । एवं जाव मणूसा । वाणमंतरा जहा नागकुमारा ॥ ३३१ ॥ जोइसिया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहन्नेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेण वि मुहुत्तपुहुत्तस्स जाव नीससंति वा ॥ ३३२ ॥ वेमाणिया णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहन्नेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा ॥ ३३३ ॥ सोहम्मदेवा णं भंते ! केवइकालस्स आणमंति वा जाव नीससंति वा ? गोयमा ! जहन्नेणं मुहुत्तपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं दोण्हं पक्खाणं जाव नीससंति

भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं छव्वीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं सत्तावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। मज्झिमउवरिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं सत्तावीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं अट्ठावीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। उवरिमहेट्ठिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं अट्ठावीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं एगूणतीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। उवरिममज्झिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं एगूणतीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। उवरिमउवरिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं तीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं एक्कतीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा॥ ३३५॥ विजयवेजयंतजयंतअपराजियविमाणेसु णं देवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! जहन्नेणं एक्कतीसाए पक्खाणं, उक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा। सव्वट्ठसिद्धगदेवा णं भंते! केवइकालस्स जाव नीससंति वा? गोयमा! अजहन्नमणुक्कोसेणं तेत्तीसाए पक्खाणं जाव नीससंति वा॥ ३३६॥

पन्नवणाए भगवईए सत्तमं ऊसासपयं समत्तं॥

कइ णं भंते! सन्नाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! दस सन्नाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–आहारसन्ना, भयसन्ना, मेहुणसन्ना, परिग्गहसन्ना, कोहसन्ना, माणसन्ना, मायासन्ना, लोहसन्ना, लोयसन्ना, ओघसन्ना॥ ३३७॥ नेरइयाणं भंते! कइ सन्नाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! दस सन्नाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–आहारसन्ना जाव ओघसन्ना। असुरकुमाराणं भंते! कइ सन्नाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! दस सन्नाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–आहारसन्ना जाव ओघसन्ना, एवं जाव थणियकुमाराणं। एवं पुढविकाइयाणं जाव वेमाणियावसाणाणं नेयव्वं॥ ३३८॥ नेरइया णं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता, भयसन्नोवउत्ता, मेहुणसन्नोवउत्ता, परिग्गहसन्नोवउत्ता? गोयमा! ओसन्नं कारणं पडुच्च भयसन्नोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च आहारसन्नोवउत्ता वि जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता वि। एएसि णं भंते! नेरइयाणं आहारसन्नोवउत्ताणं भयसन्नोवउत्ताणं मेहुणसन्नोवउत्ताणं परिग्गहसन्नोवउत्ताण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवा नेरइया मेहुणसन्नोवउत्ता, आहारसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा, परिग्गहसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा, भयसन्नोवउत्ता संखिज्जगुणा॥ ३३९॥ तिरिक्खजोणिया णं भंते! किं आहारसन्नोवउत्ता जाव परिग्गहसन्नोवउत्ता? गोयमा! ओसन्नं कारणं पडुच्च आहारसन्नोवउत्ता, संतइभावं पडुच्च

मीति ओहारिणी भासा, तह चिंतेमीति ओहारिणी भासा? हंता गोयमा! मण्णामीति ओहारिणी भासा, चिंतेमीति ओहारिणी भासा, अह मण्णामीति ओहारिणी भासा, अह चिंतेमीति ओहारिणी भासा, तह मण्णामीति ओहारिणी भासा, तह चिंतेमीति ओहारिणी भासा ॥ ३७२ ॥ ओहारिणी णं भंते! भासा किं सच्चा, मोसा, सच्चामोसा, असच्चामोसा? गोयमा! सिय सच्चा, सिय मोसा, सिय सच्चामोसा, सिय असच्चामोसा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'ओहारिणी णं भासा सिय सच्चा, सिय मोसा, सिय सच्चामोसा, सिय असच्चामोसा'? गोयमा! आराहिणी सच्चा, विराहिणी मोसा, आराहणविराहिणी सच्चामोसा, जा णेव आराहणी णेव विराहिणी णेवाराहणविराहिणी सा असच्चामोसा णामं चउत्थी भासा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—'ओहारिणी णं भासा सिय सच्चा, सिय मोसा, सिय सच्चामोसा, सिय असच्चामोसा' ॥ ३७३ ॥ अह भंते! गाओ मिया पसू पक्खी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! जा य गाओ मिया पसू पक्खी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३७४ ॥ अह भंते! जा य इत्थीवऊ, जा य पुमवऊ, जा य नपुंसगवऊ पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! जा य इत्थीवऊ, जा य पुमवऊ, जा य नपुंसगवऊ पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३७५ ॥ अह भंते! जा य इत्थिआणवणी, जा य पुमआणवणी, जा य नपुंसगआणवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! जा य इत्थिआणवणी, जा य पुमआणवणी, जा य नपुंसगआणवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३७६ ॥ अह भंते! जा य इत्थिपण्णवणी, जा य पुमपण्णवणी, जा य नपुंसगपण्णवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! जा य इत्थिपण्णवणी, जा य पुमपण्णवणी, जा य नपुंसगपण्णवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३७७ ॥ अह भंते! जा जाईइ इत्थिवऊ, जाईइ पुमवऊ, जाईइ णपुंसगवऊ पण्णवणी णं एसा भासा, ण एस भासा मोसा? हंता! गोयमा! जाईइ इत्थिवऊ, जाईइ पुमवऊ, जाईइ णपुंसगवऊ पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३७८ ॥ अह भंते! जा जाईइ इत्थिआणवणी, जाईइ पुमआणवणी, जाईइ णपुंसगाणवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! जाईइ इत्थिआणवणी, जाईइ पुमआणवणी, जाईइ णपुंसगाणवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३७९ ॥ अह भंते! जाईइ इत्थिपण्णवणी, जाईइ पुमपण्णवणी, जाईइ णपुंसगपण्णवणी

किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! णो सीया जोणी, णो उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी । मणुस्साणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! सीया वि जोणी, उसिणा वि जोणी, सीओसिणा वि जोणी । संमुच्छिममणुस्साणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! तिविहा जोणी । गब्भवक्कंतियमणुस्साणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! णो सीया, णो उसिणा, सीओसिणा जोणी । वाणमंतरदेवाणं भंते ! किं सीया जोणी, उसिणा जोणी, सीओसिणा जोणी ? गोयमा ! णो सीया, णो उसिणा, सीओसिणा जोणी । जोइसियवेमाणियाण वि एवं चेव ॥ ३४४ ॥ एएसि णं भंते ! सीयजोणियाणं उसिणजोणियाणं सीओसिणजोणियाणं अजोणियाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा, बहुया वा, तुल्ला वा, विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सीओसिणजोणिया, उसिणजोणिया असंखेज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, सीयजोणिया अणंतगुणा ॥ ३४५ ॥ कइविहा णं भंते ! जोणी पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पन्नत्ता । तंजहा–सच्चित्ता, अच्चित्ता, मीसिया ॥ ३४६ ॥ नेरइयाणं भंते ! किं सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, मीसिया जोणी ? गोयमा ! नो सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, नो मीसिया जोणी । असुरकुमाराणं भंते ! किं सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, मीसिया जोणी ? गोयमा ! नो सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, नो मीसिया जोणी, एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढवीकाइयाणं भंते ! किं सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, मीसिया जोणी ? गोयमा ! सच्चित्ता जोणी, अच्चित्ता जोणी, मीसिया वि जोणी, एवं जाव चउरिंदियाणं । संमुच्छिमपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं संमुच्छिममणुस्साण य एवं चेव । गब्भवक्कंतियपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कंतियमणुस्साण य नो सच्चित्ता, नो अच्चित्ता, मीसिया जोणी । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ३४७ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं सच्चित्तजोणीणं अच्चित्तजोणीणं मीसजोणीणं अजोणीण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा मीसजोणिया, अच्चित्तजोणिया असंखेज्जगुणा, अजोणिया अणंतगुणा, सच्चित्तजोणिया अणंतगुणा ॥ ३४८ ॥ कइविहा णं भंते ! जोणी पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा जोणी पन्नत्ता । तंजहा—संवुडा जोणी, वियडा जोणी, संवुडवियडा जोणी ॥ ३४९ ॥ नेरइयाणं भंते ! किं संवुडा जोणी, वियडा जोणी, संवुडवियडा जोणी ? गोयमा ! संवुडजोणी, नो वियडजोणी, नो संवुडवियडजोणी । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! नो संवुडजोणी, वियडजोणी, नो संवुड-

कंसं कंसोयं परिमंडलं सेलं जालं थालं तारं रूवं अच्छिपव्वं कुंडं पउमं दुद्धं दहिं णवणीयं असणं सयणं भवणं विमाणं छत्तं चामरं भिंगारं अंगणं णिरंगणं आभरणं रयणं जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वं तं णपुंसगवऊ? हंता गोयमा! कंसं जाव रयणं जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वं तं णपुंसगवऊ ॥ ३८४ ॥ अह भंते! पुढवी इत्थिवऊ आउत्ति पुमवऊ धण्णेत्ति नपुंसगवऊ पन्नवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! पुढवित्ति इत्थिवऊ आउत्ति पुमवऊ धण्णेत्ति नपुंसगवऊ पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा। अह भंते! पुढवित्ति इत्थिआणवणी, आउत्ति पुमआणवणी, धण्णेत्ति नपुंसगाणवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! पुढवित्ति इत्थिआणवणी, आउत्ति पुमआणवणी, धण्णेत्ति नपुंसगाणवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा। अह भंते! पुढवीति इत्थिपण्णवणी, आउत्ति पुमपण्णवणी, धण्णेत्ति णपुंसगपण्णवणी आराहणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! पुढवीति इत्थिपण्णवणी, आउत्ति पुमपण्णवणी, धण्णेत्ति णपुंसगपण्णवणी आराहणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा। इच्चेवं भंते! इत्थिवयणं वा पुमवयणं वा णपुंसगवयणं वा वयमाणे पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! इत्थिवयणं वा पुमवयणं वा णपुंसगवयणं वा वयमाणे पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३८५ ॥ भासा णं भंते! किमाइया, किंपवहा, किंसंठिया, किंपज्जवसिया? गोयमा! भासा णं जीवाइया, सरीरप्पभवा, वज्जसंठिया, लोगंतपज्जवसिया पण्णत्ता। भासा कओ य पभवइ? कइहि व समएहिं भासई भासं?। भासा कइप्पगारा? कइ वा भासा अणुमया उ? ॥ सरीरप्पभवा भासा, दोहि य समएहिं भासई भासं। भासा चउप्पगारा, दोण्णि य भासा अणुमया उ ॥ ३८६ ॥ कइविहा णं भंते! भासा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा भासा पन्नत्ता। तंजहा–पज्जत्तिया य अपज्जत्तिया य। पज्जत्तिया णं भंते! भासा कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—सच्चा मोसा य ॥ ३८७ ॥ सच्चा णं भंते! भासा पज्जत्तिया कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! दसविहा पन्नत्ता। तंजहा–जणवयसच्चा १, सम्मयसच्चा २, ठवणसच्चा ३, नामसच्चा ४, रूवसच्चा ५, पडुच्चसच्चा ६, ववहारसच्चा ७, भावसच्चा ८, जोगसच्चा ९, ओवम्मसच्चा १०। "जणवय १ संमय २ ठवणा ३ नामे ४ रूवे ५ पडुच्चसच्चे ६ य। ववहार ७ भाव ८ जोगे ९ दसमे ओवम्मसच्चे य १०" ॥ ३८८ ॥ मोसा णं भंते! भासा पज्जत्तिया कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! दसविहा पन्नत्ता। तंजहा–कोहणिस्सिया १, माणणिस्सिया २,

दो वि विसेसाहियाइं, पएसट्ठयाए चरमंतपएसा असंखेज्जगुणा, अचरमंतपएसा असंखेज्जगुणा, चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य दो वि विसेसाहिया । एवं जाव अहेसत्तमाए, सोहम्मस्स जाव लोगस्स एवं चेव ॥ ३५५ ॥ अलोगस्स णं भंते ! अचरमस्स य चरमाण य चरमन्तपएसाण य अचरमन्तपएसाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवे अलोगस्स दव्वट्ठयाए एगे अचरमे, चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरमं चरमाणि य दो वि विसेसाहियाइं; पएसट्ठयाए सव्वत्थोवा अलोगस्स चरमन्तपएसा, अचरमन्तपएसा अणन्तगुणा, चरमन्तपएसा य अचरमन्तपएसा य दो वि विसेसाहिया; दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवे अलोगस्स एगे अचरमे, चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अचरमं च चरमाणि य दो वि विसेसाहियाइं, चरमन्तपएसा असंखेज्जगुणा, अचरमन्तपएसा अणन्तगुणा, चरमन्तपएसा य अचरमन्तपएसा य दो वि विसेसाहिया ॥ ३५६ ॥ लोगालोगस्स णं भंते ! अचरमस्स य चरमाण य चरमन्तपएसाण य अचरमन्तपएसाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा ! सव्वत्थोवे लोगालोगस्स दव्वट्ठयाए एगमेगे अचरमे, लोगस्स चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अलोगस्स चरमाइं विसेसाहियाइं, लोगस्स य अलोगस्स य अचरमं चरमाणि य दो वि विसेसाहियाइं, पएसट्ठयाए सव्वत्थोवा लोगस्स चरमन्तपएसा, अलोगस्स चरमन्तपएसा विसेसाहिया, लोगस्स अचरमन्तपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स अचरमन्तपएसा अणन्तगुणा, लोगस्स य अलोगस्स य चरमन्तपएसा य अचरमन्तपएसा य दो वि विसेसाहिया । दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवे लोगालोगस्स दव्वट्ठयाए एगमेगे अचरमे, लोगस्स चरमाइं असंखेज्जगुणाइं, अलोगस्स चरमाइं विसेसाहियाइं, लोगस्स य अलोगस्स य अचरमं चरमाणि य दो वि विसेसाहियाइं, लोगस्स चरमन्तपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स य चरमन्तपएसा विसेसाहिया, लोगस्स अचरमन्तपएसा असंखेज्जगुणा, अलोगस्स अचरमंतपएसा अणंतगुणा, लोगस्स य अलोगस्स य चरमन्तपएसा य अचरमन्तपएसा य दो वि विसेसाहिया, सव्वदव्वा विसेसाहिया, सव्वपएसा अणंतगुणा, सव्वपज्जवा अणंतगुणा ॥ ३५७ ॥ परमाणुपोग्गले णं भंते ! किं चरमे १, अचरमे २, अवत्तव्वए ३, चरमाइं ४, अचरमाइं ५, अवत्तव्वयाइं ६, उदाहु चरमे य अचरमे य ७, उदाहु चरमे य अचरमाइं ८, उदाहु चरमाइं अचरमे य ९, उदाहु चरमाइं च अचरमाइं च १०, पढमा चउभंगी । उदाहु चरमे य अवत्तव्वए य ११, उदाहु

सच्चामोसं, चउत्थं असच्चामोसं। जीवा णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति, मोसं भासं भासंति, सच्चामोसं भासं भासंति, असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! जीवा सच्चं पि भासं भासंति, मोसं पि भासं भासंति, सच्चामोसं पि भासं भासंति, असच्चामोसं पि भासं भासंति। नेरइया णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति जाव असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! नेरइया णं सच्चं पि भासं भासंति जाव असच्चामोसं पि भासं भासंति। एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा। वेइंदियतेइंदियचउरिंदिया य नो सच्चं०, नो मोसं०, नो सच्चामोसं भासं भासंति, असच्चामोसं भासं भासंति। पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! किं सच्चं भासं भासंति जाव असच्चामोसं भासं भासंति ? गोयमा ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णो सच्चं भासं भासंति, णो मोसं भासं भासंति, णो सच्चामोसं भासं भासंति, एगं असच्चामोसं भासं भासंति, णण्णत्थ सिक्खापुव्वगं उत्तरगुणलद्धिं वा पडुच्च सच्चं पि भासं भासंति, मोसं पि०, सच्चामोसं पि०, असच्चामोसं पि भासं भासंति। मणुस्सा जाव वेमाणिया एए जहा जीवा तहा भाणियव्वा ॥ २९४ ॥ जीवे णं भंते ! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गिण्हइ ताइं किं ठियाइं गिण्हइ, अठियाइं गिण्हइ ? गोयमा ! ठियाइं गिण्हइ, नो अठियाइं गिण्हइ। जाइं भंते ! ठियाइं गिण्हइ ताइं किं दव्वओ गिण्हइ, खेत्तओ गिण्हइ, कालओ गिण्हइ, भावओ गिण्हइ ? गोयमा ! दव्वओ वि गिण्हइ, खेत्तओ वि०, कालओ वि०, भावओ वि गिण्हइ। जाइं भंते ! दव्वओ गिण्हइ ताइं किं एगपएसियाइं गिण्हइ, दुपएसियाइं जाव अणंतपएसियाइं गिण्हइ ? गोयमा ! नो एगपएसियाइं गिण्हइ जाव नो असंखेज्जपएसियाइं गिण्हइ, अणंतपएसियाइं गिण्हइ। जाइं खेत्तओ गेण्हइ ताइं किं एगपएसोगाढाइं गेण्हइ, दुपएसोगाढाइं गेण्हइ जाव असंखेज्जपएसोगाढाइं गेण्हइ ? गोयमा ! नो एगपएसोगाढाइं गेण्हइ जाव नो संखेज्जपएसोगाढाइं गेण्हइ, असंखेज्जपएसोगाढाइं गेण्हइ। जाइं कालओ गेण्हइ ताइं किं एगसमयठिइयाइं गेण्हइ, दुसमयठिइयाइं गेण्हइ जाव असंखेज्जसमयठिइयाइं गेण्हइ ? गोयमा ! एगसमयठिइयाइं पि गेण्हइ, दुसमयठिइयाइं पि गेण्हइ जाव असंखेज्जसमयठिइयाइं पि गेण्हइ। जाइं भावओ गेण्हइ ताइं किं वण्णमंताइं गेण्हइ, गंधमंताइं०, रसमंताइं०, फासमंताइं गेण्हइ ? गोयमा ! वण्णमंताइं पि गे० जाव फासमंताइं पि गेण्हइ। जाइं भावओ वण्णमंताइं गेण्हइ ताइं किं एगवण्णाइं गेण्हइ जाव पंचवण्णाइं गेण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगवण्णाइं पि गेण्हइ जाव पंचवण्णाइं पि गेण्हइ, सव्वग्गहणं पडुच्च णियमा पंचवण्णाइं गेण्हइ, तंजहा—कालाइं नीलाइं लोहियाइं हालिद्दाइं सुक्किल्लाइं। जाइं वण्णओ कालाइं गेण्हइ ताइं किं एगगुणकालाइं गेण्हइ जाव अणंतगुणकालाइं गेण्हइ ? गोयमा !

अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, सिय चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, नो चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, नो अचरमे य अवत्तव्वए य १५, नो अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, नो अचरमाइं च अवत्तव्वए य १७, नो अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८, नो चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९, नो चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, नो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, नो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, नो चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६ ॥ ३६२ ॥ छप्पएसिए णं भंते! पुच्छा । गोयमा! छप्पएसिए णं खंधे सिय चरमे १, नो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, नो चरमाइं ४, नो अचरमाइं ५, नो अवत्तव्वयाइं ६, सिय चरमे य अचरमे य ७, सिय चरमे य अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, सिय चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, सिय चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, नो अचरमे य अवत्तव्वए य १५, नो अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, नो अचरमाइं च अवत्तव्वए य १७, नो अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८, सिय चरमे य अचरमे य अवत्तव्वए य १९, नो चरमे य अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २०, नो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वए य २१, नो चरमे य अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २२, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वए य २३, सिय चरमाइं च अचरमे य अवत्तव्वयाइं च २४, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वए य २५, सिय चरमाइं च अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च २६ ॥ ३६३ ॥ सत्तपएसिए णं भंते! खंधे पुच्छा । गोयमा! सत्तपएसिए णं खंधे सिय चरमे १, णो अचरमे २, सिय अवत्तव्वए ३, णो चरमाइं ४, णो अचरमाइं ५, णो अवत्तव्वयाइं ६, सिय चरमे य अचरमे य ७, सिय चरमे य अचरमाइं च ८, सिय चरमाइं च अचरमे य ९, सिय चरमाइं च अचरमाइं च १०, सिय चरमे य अवत्तव्वए य ११, सिय चरमे य अवत्तव्वयाइं च १२, सिय चरमाइं च अवत्तव्वए य १३, सिय चरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १४, णो अचरमे य अवत्तव्वए य १५, णो अचरमे य अवत्तव्वयाइं च १६, णो अचरमाइं च त्तव्वए य १७, णो अचरमाइं च अवत्तव्वयाइं च १८, सिय चरमे य अचरमे

सविसए गेण्हइ, नो अविसए गेण्हइ। जाइं भंते! सविसए गेण्हइ ताइं किं आणुपुव्विं गेण्हइ, अणाणुपुव्विं गेण्हइ? गोयमा! आणुपुव्विं गेण्हइ, नो अणाणुपुव्विं गेण्हइ। जाइं भंते! आणुपुव्विं गेण्हइ ताइं किं तिदिसिं गेण्हइ जाव छद्दिसिं गेण्हइ? गोयमा! नियमा छद्दिसिं गेण्हइ। "पुट्ठोगाढअणंतर अणू य तह बायरे य उड्ढमहे। आइविसयाणुपुव्विं णियमा तह छद्दिसिं चेव" ॥ ३९६ ॥ जीवे णं भंते! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गेण्हइ ताइं किं संतरं गेण्हइ, निरंतरं गेण्हइ? गोयमा! संतरं पि गेण्हइ, निरंतरं पि गेण्हइ। संतरं गेण्हमाणे जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जसमए अंतरं कट्टु गेण्हइ, निरंतरं गेण्हमाणे जहण्णेणं दो समए, उक्कोसेणं असंखेज्जसमए अणुसमयं अविरहियं निरंतरं गेण्हइ। जीवे णं भंते! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गहियाइं निसिरइ ताइं किं संतरं निसिरइ, निरंतरं निसिरइ? गोयमा! संतरं निसिरइ, नो निरंतरं निसिरइ। संतरं निस्सिरमाणे एगेणं समएणं गेण्हइ, एगेणं समएणं निसिरइ, एएणं गहणनिसिरणोवाएणं जहन्नेणं दुसमयं, उक्कोसेणं असंखेज्जसमयं अंतोमुहुत्तिगं गहणनिसिरणोवायं करेइ ॥ ३९७ ॥ जीवे णं भंते! जाइं दव्वाइं भासत्ताए गहियाइं णिसिरइ ताइं किं भिण्णाइं णिसिरइ, अभिण्णाइं णिसिरइ? गोयमा! भिन्नाइं पि णिस्सिरइ, अभिन्नाइं पि णिस्सिरइ। जाइं भिन्नाइं णिसिरइ ताइं अणंतगुणपरिवुड्ढीए णं परिवुड्ढमाणाइं लोयंतं फुसन्ति, जाइं अभिण्णाइं णिसिरइ ताइं असंखेज्जाओ ओगाहणवग्गणाओ गंता भेयमावज्जंति, संखेज्जाइं जोयणाइं गंता विद्धंसमागच्छंति ॥ ३९८ ॥ तेसि णं भंते! दव्वाणं कइविहे भेए पण्णत्ते? गोयमा! पञ्चविहे भेए पन्नत्ते। तंजहा–खंडाभेए, पयराभेए, चुण्णियाभेए, अणुतडियाभेए, उक्करियाभेए। से किं तं खंडाभेए? २ जण्णं अयखंडाण वा तउयखंडाण वा तंबखंडाण वा सीसगखंडाण वा रययखंडाण वा जायरूवखंडाण वा खंडएणं भेए भवइ, से तं खंडाभेए १। से किं तं पयराभेए? २ जण्णं वंसाण वा वेत्ताण वा नलाण वा कयलीथंभाण वा अब्भपडलाण वा पयरेणं भेए भवइ, से तं पयराभेए २। से किं तं चुण्णियाभेए? २ जण्णं तिलचुण्णाण वा मुग्गचुण्णाण वा मासचुण्णाण वा पिप्पलीचुण्णाण वा मिरीयचुण्णाण वा सिंगबेरचुण्णाण वा चुण्णियाए भेए भवइ, से तं चुण्णियाभेए ३। से किं तं अणुतडियाभेए? २ जण्णं अगडाण वा तडागाण वा दहाण वा नईण वा वावीण वा पुक्खरिणीण वा दीहियाण वा गुंजालियाण वा सराण वा सरसराण वा सरपंतियाण वा सरसरपंतियाण वा अणुतडियाभेए भवइ, से तं अणुतडियाभेए ४। से किं तं उक्करियाभेए? २ जण्णं मूसाण वा मंडूसाण वा तिलसिंगाण वा मुग्गसिंगाण वा माससिंगाण वा एरंडबीयाण वा फुडिया

सिए? गोयमा! सिय संखेज्जपएसिए, सिय असंखेज्जपएसिए, सिय अणंतपएसिए। एवं जाव आयए। परिमंडले णं भंते! संठाणे संखेज्जपएसिए किं संखेज्जपएसोगाढे, असंखेज्जपएसोगाढे, अणंतपएसोगाढे? गोयमा! संखेज्जपएसोगाढे, नो असंखेज्जपएसोगाढे, नो अणंतपएसोगाढे। एवं जाव आयए। परिमंडले णं भंते! संठाणे असंखेज्जपएसिए किं संखेज्जपएसोगाढे, असंखेज्जपएसोगाढे, अणंतपएसोगाढे? गोयमा! सिय संखेज्जपएसोगाढे, सिय असंखेज्जपएसोगाढे, नो अणंतपएसोगाढे। एवं जाव आयए। परिमंडले णं भंते! संठाणे अणंतपएसिए किं संखेज्जपएसोगाढे, असंखेज्जपएसोगाढे, अणंतपएसोगाढे? गोयमा! सिय संखेज्जपएसोगाढे, सिय असंखेज्जपएसोगाढे, नो अणंतपएसोगाढे। एवं जाव आयए। परिमंडले णं भंते! संठाणे संखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे किं चरमे, अचरमे, चरमाइं, अचरमाइं, चरमंतपएसा, अचरमंतपएसा? गोयमा! परिमंडले णं संठाणे संखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे नो चरमे, नो अचरमे, नो चरमाइं, नो अचरमाइं, नो चरमंतपएसा, नो अचरमंतपएसा, नियमं अचरमं चरमाणि य चरमंतपएसा य अचरमंतपएसा य। एवं जाव आयए। परिमंडले णं भंते! संठाणे असंखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे किं चरमे० पुच्छा। गोयमा! असंखेज्जपएसिए संखेज्जपएसोगाढे जहा संखेज्जपएसिए। एवं जाव आयए। परिमंडले णं भंते! संठाणे असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे किं चरमे० पुच्छा। गोयमा! असंखेज्जपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे नो चरमे, जहा संखेज्जपएसोगाढे, एवं जाव आयए। परिमंडले णं भंते! संठाणे अणंतपएसिए संखेज्जपएसोगाढे किं चरमे० पुच्छा। गोयमा! तहेव जाव आयए। अणंतपएसिए असंखेज्जपएसोगाढे जहा संखेज्जपएसोगाढे, एवं जाव आयए॥ ३६७॥ परिमंडलस्स णं भंते! संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स अचरमस्स य चरमाण य चरमंतपएसाण य अचरमंतपएसाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवे परिमंडलस्स संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स दव्वट्ठयाए एगे अचरमे, चरमाइं संखेज्जगुणाइं, अचरमं चरमाणि य दोऽवि विसेसाहियाइं, पएसट्ठयाए सव्वत्थोवा परिमंडलस्स संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स चरमंतपएसा, अचरमन्तपएसा संखेज्जगुणा, चरमन्तपएसा य अचरमन्तपएसा य दोऽवि विसेसाहिया, दव्वट्ठपएसट्ठयाए सव्वत्थोवे परिमण्डलस्स संठाणस्स संखेज्जपएसियस्स संखेज्जपएसोगाढस्स दव्वट्ठयाए एगे अचरमे, चरमाइं संखेज्जगुणाइं, अचरमं च चरमाणि य दोऽवि विसेसाहियाइं, चरमन्तपएसा संखेज्जगुणा, अचरमन्तपएसा संखेज्जगुणा, चरमन्तपएसा य

जहा एएसिं चेव वेउव्विया, एवं जाव थणियकुमारा ॥ ४०९ ॥ पुढविकाइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरगा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, अभवसिद्धिएहिंतो अणंतगुणा सिद्धाणं अणंतभागो । पुढवि-काइयाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरगा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा एएसिं चेव ओरालिया तहेव भाणियव्वा । एवं आहार-गसरीरा वि । तेयाकम्मगा जहा एएसिं चेव ओरालिया । एवं आउकाइयतेउकाइया वि ॥ ४१० ॥ वाउकाइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । दुविहा वि जहा पुढविकाइयाणं ओरालिया । वेउव्वियाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, समए समए अवहीरमाणा २ पलिओवमस्स असंखेज्जइभागमेत्तेणं कालेणं अवहीरंति, नो चेव णं अवहिया सिया । मुक्केल्लगा जहा पुढविकाइयाणं । आहारयतेयाकम्मा जहा पुढविकाइयाणं, वणप्फइ-काइयाणं जहा पुढविकाइयाणं, णवरं तेयाकम्मगा जहा ओहिया तेयाकम्मगा ॥४११॥ बेइंदियाणं भंते ! केवइया ओरालिया सरीरगा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, असंखे-ज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखेज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई असंखेज्जाओ जोयणकोडा-कोडीओ असंखेज्जाइं सेढिवग्गमूलाइं । बेइंदियाणं ओरालियसरीरेहिं बद्धेल्लगेहिं पयरो अवहीरइ, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं कालओ, खेत्तओ अंगुलपयरस्स आवलियाए य असंखेज्जइभागपलिभागेणं । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते जहा ओहिया ओरालियमुक्केल्लगा । वेउव्विया आहारगा य बद्धेल्लगा णत्थि । मुक्केल्लगा जहा ओहिया ओरालियमुक्केल्लगा । तेयाकम्मगा जहा एएसिं चेव ओहिया ओरालिया, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं एवं चेव, नवरं वेउव्वियसरीरएसु इमो विसेसो–पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केवइया वेउव्विय-सरीरया पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तं०–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, जहा असुरकुमाराणं. णवरं तासि णं सेढीणं

णिए। नेरइया णं भंते! भवचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! भासाचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे, एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! भासाचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि, एवं जाव एगिंदियवज्जा निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! आणापाणुचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे। एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! आणापाणुचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि। एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! आहारचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे। एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! आहारचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि, एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! भावचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे। एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! भावचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि। एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! वण्णचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे। एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! वण्णचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि। एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! गंधचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे। एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! गंधचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि। एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! रसचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे। एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! रसचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि। एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। नेरइए णं भंते! फासचरमेणं किं चरमे अचरमे? गोयमा! सिय चरमे, सिय अचरमे। एवं निरंतरं जाव वेमाणिए। नेरइया णं भंते! फासचरमेणं किं चरमा अचरमा? गोयमा! चरमा वि अचरमा वि। एवं निरंतरं जाव वेमाणिया। संगहणीगाहा—"गइठिइभवे य भासा आणापाणुचरमे य बोद्धव्वा। आहारभावचरमे वण्णरसे गंधफासे य" ॥ ३७१ ॥ **पन्नवणाए भगवईए दसमं चरमपयं समत्तं ॥**

से णूणं भंते! मण्णामीति ओहारिणी भासा, चिंतेमीति ओहारिणी भासा, अह मण्णामीति ओहारिणी भासा, अह चिंतेमीति ओहारिणी भासा, तह मण्णा-

णामे, घाणिंदियपरिणामे, जिब्भिंदियपरिणामे, फासिंदियपरिणामे २ । कसायपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पन्नत्ते । तंजहा–कोहकसायपरिणामे, माणकसायपरिणामे, मायाकसायपरिणामे, लोभकसायपरिणामे ३ । लेस्सापरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! छव्विहे पन्नत्ते । तंजहा–कण्हलेसापरिणामे, नीललेसापरिणामे, काउलेसापरिणामे, तेउलेसापरिणामे, पम्हलेसापरिणामे, सुक्कलेसापरिणामे ४ । जोगपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते । तंजहा–मणजोगपरिणामे, वइजोगपरिणामे, कायजोगपरिणामे ५ । उवओगपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा–सागारोवओगपरिणामे, अणागारोवओगपरिणामे य ६ । णाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा–आभिणिवोहियणाणपरिणामे, सुयणाणपरिणामे, ओहिणाणपरिणामे, मणपज्जवणाणपरिणामे, केवलणाणपरिणामे । अण्णाणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते । तंजहा–मइअण्णाणपरिणामे, सुयअण्णाणपरिणामे, विभंगणाणपरिणामे ७ । दंसणपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते । तंजहा–सम्मदंसणपरिणामे, मिच्छादंसणपरिणामे, सम्मामिच्छादंसणपरिणामे ८ । चरित्तपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा–सामाइयचरित्तपरिणामे, छेदोवट्ठावणियचरित्तपरिणामे, परिहारविसुद्धियचरित्तपरिणामे, सुहुमसंपरायचरित्तपरिणामे, अहक्खायचरित्तपरिणामे ९ । वेयपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते । तंजहा–इत्थिवेयपरिणामे, पुरिसवेयपरिणामे, णपुंसगवेयपरिणामे १० ॥ ४१५ ॥ नेरइया गइपरिणामेणं निरयगइया, इंदियपरिणामेणं पंचिंदिया, कसायपरिणामेणं कोहकसाई वि जाव लोभकसाई वि, लेसापरिणामेणं कण्हलेसा वि नीललेसा वि काउलेसा वि, जोगपरिणामेणं मणजोगी वि वइजोगी वि कायजोगी वि, उवओगपरिणामेणं सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि, णाणपरिणामेणं आभिणिवोहियणाणी वि सुयणाणी वि ओहिणाणी वि, अण्णाणपरिणामेणं मइअण्णाणी वि सुयअण्णाणी वि विभंगणाणी वि, दंसणपरिणामेणं सम्मादिट्ठी वि मिच्छादिट्ठी वि सम्मामिच्छादिट्ठी वि, चरित्तपरिणामेणं नो चरित्ती, नो चरित्ताचरित्ती, अचरित्ती, वेयपरिणामेणं नो इत्थिवेयगा, नो पुरिसवेयगा, नपुंसगवेयगा । असुरकुमारा वि एवं चेव, नवरं देवगइया, कण्हलेसा वि जाव तेउलेसा वि, वेयपरिणामेणं इत्थिवेयगा वि, पुरिसवेयगा वि, नो नपुंसगवेयगा, सेसं तं चेव । एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइया गइपरिणामेणं तिरियगइया, इंदियपरिणामेणं एगिंदिया, सेसं जहा नेरइयाणं, नवरं लेसापरिणामेणं तेउलेसा वि,

पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा? हंता गोयमा! जाईइ इत्थिपण्णवणी, जाईइ पुमपण्णवणी, जाईइ णपुंसगपण्णवणी पण्णवणी णं एसा भासा, ण एसा भासा मोसा ॥ ३८० ॥ अह भंते! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ वुयमाणे–अहमेसे वुयामीति? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ आहारं आहारेमाणे–अहमेसे आहारमाहारेमित्ति? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ–अयं मे अम्मापियरो? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ–अयं मे अइराउले, अयं मे अइराउलेत्ति? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! मंदकुमारए वा मंदकुमारिया वा जाणइ–अयं मे भट्टिदारए, अयं मे भट्टिदारएत्ति? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो ॥ ३८१ ॥ अह भंते! उट्टे गोणे खरे घोडए अए एलए जाणइ वुयमाणे–अहमेसे वुयामि? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! उट्टे जाव एलए जाणइ आहारं आहारेमाणे–अहमेसे आहारेमि? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! उट्टे गोणे खरे घोडए अए एलए जाणइ–अयं मे अम्मापियरो? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! उट्टे जाव एलए जाणइ–अयं मे अइराउलेत्ति? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो। अह भंते! उट्टे जाव एलए जाणइ–अयं मे भट्टिदारए २? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, णण्णत्थ सण्णिणो ॥ ३८२ ॥ अह भंते! मणुस्से महिसे आसे हत्थी सीहे वग्घे विगे दीविए अच्छे तरच्छे परस्सरे सियाले विराले सुणए कोलसुणए कोक्कंतिए ससए चित्तए चिल्ललए जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वा सा एगवऊ? हंता गोयमा! मणुस्से जाव चिल्ललए जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वा सा एगवऊ। अह भंते! मणुस्सा जाव चिल्ललगा जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वा सा बहुवऊ? हंता गोयमा! मणुस्सा जाव चिल्ललगा···सव्वा सा बहुवऊ ॥ ३८३ ॥ अह भंते! मणुस्सी महिसी वलवा हत्थिणिया सीही वग्घी विगी दीविया अच्छी तरच्छी परस्सरा रासभी सियाली विराली सुणिया कोलसुणिया कोक्कंतिया ससिया चित्तिया चिल्ललिया जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वा सा इत्थिवऊ? हंता गोयमा! मणुस्सी जाव चिल्ललिगा जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वा सा इत्थिवऊ। अह भंते! मणुस्से जाव चिल्ललए जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वा सा पुमवऊ? हंता गोयमा! मणुस्से महिसे जाव चिल्ललए जेयावन्ने तहप्पगारा सव्वा सा पुमवऊ। अह भंते!

गोयमा ! अणंतपएसिए पन्नत्ते। एवं जाव फासिंदिए ४॥ ४२८ ॥ सोइंदिए णं भंते ! कइपएसोगाढे पन्नत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढे पन्नत्ते । एवं जाव फासिंदिए ५ ॥ ४२९ ॥ एएसि णं भंते ! सोइंदियचक्खिदियघाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियाणं ओगाहणट्ठयाए पएसट्ठयाए ओगाहणपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवे चक्खिदिए ओगाहणट्ठयाए, सोइंदिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिंदिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिब्भिदिए ओगाहणट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिंदिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, पएसट्ठयाए–सव्वत्थोवे चक्खिदिए पएसट्ठयाए, सोइंदिए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिंदिए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिब्भिदिए पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिंदिए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, ओगाहणपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवे चक्खिदिए ओगाहणट्ठयाए, सोइंदिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिंदिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिब्भिदिए ओगाहणट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिंदिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, फासिंदियस्स ओगाहणट्ठयाहिंतो चक्खिदिए पएसट्ठयाए अणंतगुणे, सोइंदिए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, घाणिंदिए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे, जिब्भिदिए पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणे, फासिंदिए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे ॥ ४३० ॥ सोइंदियस्स णं भंते ! केवइया कक्खडगुरुयगुणा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता कक्खडगुरुयगुणा पन्नत्ता, एवं जाव फासिंदियस्स । सोइंदियस्स णं भंते ! केवइया मउयलहुयगुणा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता मउयलहुयगुणा पन्नत्ता, एवं जाव फासिंदियस्स ॥ ४३१ ॥ एएसि णं भंते ! सोइंदियचक्खिदियघाणिंदियजिब्भिदियफासिंदियाणं कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा चक्खिदियस्स कक्खडगरुयगुणा, सोइंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, घाणिंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा । मउयलहुयगुणाणं–सव्वत्थोवा फासिंदियस्स मउयलहुयगुणा, जिब्भिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, घाणिंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, सोइंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, चक्खिदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाण य–सव्वत्थोवा चक्खिदियस्स कक्खडगरुयगुणा, सोइंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, घाणिंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणेहिंतो तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिदियस्स मउयलहुय-

मायाणिस्सिया ३, लोहणिस्सिया ४, पेज्जणिस्सिया ५, दोसणिस्सिया ६, हासणिस्सिया ७, भयणिस्सिया ८, अक्खाइयाणिस्सिया ९, उवघाइयणिस्सिया १०। "कोहे माणे माया लोभे पिज्जे तहेव दोसे य। हास भए अक्खाइयउवघाइयणिस्सिया दसमा" ॥ ३८९ ॥ अपज्जत्तिया णं भंते ! कइविहा भासा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–सच्चामोसा असच्चामोसा य। सच्चामोसा णं भंते ! भासा अपज्जत्तिया कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! दसविहा पन्नत्ता। तंजहा–उप्पण्णमिस्सिया १, विगयमिस्सिया २, उप्पण्णविगयमिस्सिया ३, जीवमिस्सिया ४, अजीवमिस्सिया ५, जीवाजीवमिस्सिया ६, अणंतमिस्सिया ७, परित्तमिस्सिया ८, अद्धामिस्सिया ९, अद्धद्धामिस्सिया १० ॥ ३९० ॥ असच्चामोसा णं भंते ! भासा अपज्जत्तिया कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुवालसविहा पन्नत्ता। तंजहा–आमंतणि १, आणमणी २, जायणि ३, तह पुच्छणी य ४, पण्णवणी ५। पच्चक्खाणी ६, भासा भासा इच्छाणुलोमा ७ य ॥ अणभिग्गहिया भासा ८, भासा य अभिग्गहंमि बोद्धव्वा ९। संसयकरणी भासा १०, वोगड ११, अव्वोगडा चेव १२" ॥ ३९१ ॥ जीवा णं भंते ! किं भासगा, अभासगा ? गोयमा ! जीवा भासगा वि, अभासगा वि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–'जीवा भासगा वि, अभासगा वि' ? गोयमा ! जीवा दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य। तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अभासगा। तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—सेलेसीपडिवण्णगा य असेलेसीपडिवण्णगा य। तत्थ णं जे ते सेलेसीपडिवण्णगा ते णं अभासगा। तत्थ णं जे ते असेलेसीपडिवण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता। तं जहा–एगिंदिया य अणेगिंदिया य। तत्थ णं जे ते एगिंदिया ते णं अभासगा। तत्थ णं जे ते अणेगेंदिया ते दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते णं भासगा, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–'जीवा भासगा वि, अभासगा वि' ॥ ३९२ ॥ नेरइया णं भंते ! किं भासगा, अभासगा ? गोयमा ! नेरइया भासगा वि, अभासगा वि। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–'नेरइया भासगा वि, अभासगा वि' ? गोयमा ! नेरइया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य। तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं अभासगा, तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते णं भासगा, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–'नेरइया भासगा वि, अभासगा वि'। एवं एगिंदियवज्जाणं निरंतरं भाणियव्वं ॥ ३९३ ॥ कइ णं भंते ! भासज्जाया पन्नत्ता ? गोयमा ! चत्तारि भासज्जाया पन्नत्ता। तंजहा–सच्चमेगं भासज्जायं, बिइयं मोसं, तइयं

बेइंदियाणं भंते ! कइ इंदिया पन्नत्ता ? गोयमा ! दो इंदिया पन्नत्ता । तंजहा–जिब्भिंदिए य फासिंदिए य । दोण्हं पि इंदियाणं संठाणं बाहल्लं पोहत्तं पएसा ओगाहणा य जहा ओहियाणं भणिया तहा भाणियव्वा, णवरं फासिंदिए हुंडसंठाणसंठिए पण्णत्तेत्ति इमो विसेसो । एएसि णं भंते ! बेइंदियाणं जिब्भिंदियफासिंदियाणं ओगाहणट्ठयाए पएसट्ठयाए ओगाहणपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिंदिए ओगाहणट्ठयाए, फासिंदिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे । पएसट्ठयाए–सव्वत्थोवे बेइंदियाणं जिब्भिंदिए पएसट्ठयाए, फासिन्दिए संखेज्जगुणे । ओगाहणपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवे बेइंदियस्स जिब्भिंदिए ओगाहणट्ठयाए, फासिन्दिए ओगाहणट्ठयाए संखेज्जगुणे, फासिंदियस्स ओगाहणट्ठयाएहिंतो जिब्भिंदिए पएसट्ठयाए अणंतगुणे, फासिन्दिए पएसट्ठयाए संखेज्जगुणे । बेइन्दियाणं भंते ! जिब्भिन्दियस्स केवइया कक्खडगरुयगुणा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता । एवं फासिन्दियस्स वि, एवं मउयलहुयगुणा वि । एएसि णं भंते ! बेइन्दियाणं जिब्भिंदिय-फासिन्दियाणं कक्खडगरुयगुणाणं, मउयलहुयगुणाणं, कक्खडगरुयगुणाणं, मउयलहुयगुणाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा बेइन्दियाणं जिब्भिंदियस्स कक्खडगरुयगुणा, फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणा अणंतगुणा, फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणेहिंतो तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, जिब्भिंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा । एवं जाव चउरिन्दियत्ति, नवरं इंदियपरिवुड्ढी कायव्वा । तेइंदियाणं घाणिन्दिए थोवे, चउरिन्दियाणं चक्खिंदिए थोवे, सेसं तं चेव । पंचिन्दियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाण य जहा नेरइयाणं, नवरं फासिन्दिए छव्विहसंठाणसंठिए पन्नत्ते । तंजहा–समचउरंसे निग्गोहपरिमंडले साइ खुज्जे वामणे हुंडे । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ८३६ ॥ पुट्ठाइं भंते ! सद्दाइं सुणेइ, अपुट्ठाइं सद्दाइं सुणेइ ? गोयमा ! पुट्ठाइं सद्दाइं सुणेइ, नो अपुट्ठाइं सद्दाइं सुणेइ । पुट्ठाइं भंते ! रुवाइं पासइ, अपुट्ठाइं० पासइ ? गोयमा ! नो पुट्ठाइं रुवाइं पासइ, अपुट्ठाइं रुवाइं पासइ । पुट्ठाइं भंते ! गंधाइं अग्घाइ, अपुट्ठाइं गंधाइं अग्घाइ ? गोयमा ! पुट्ठाइं गंधाइं अग्घाइ, नो अपुट्ठाइं० अग्घाइ । एवं रसाण वि फासाण वि, नवरं रसाइं अस्साएइ, फासाइं पडिसंवेदेइ त्ति अभिलावो कायव्वो । पविट्ठाइं भंते ! सद्दाइं सुणेइ, अपविट्ठाइं सद्दाइं सुणेइ ? गोयमा ! पविट्ठाइं सद्दाइं सुणेइ, नो अपविट्ठाइं सद्दाइं सुणेइ, एवं जहा पुट्ठाणि तहा पविट्ठाणि वि ॥ ८३७ ॥ सोइन्दियस्स णं भंते ! केवइए विसए पन्नत्ते ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागो, उक्कोसेणं बारसहिं जोयणेहिन्तो अच्छिन्ने पोग्गले पुट्ठे पविट्ठाइं

एगगुणकालाइं पि गेण्हइ जाव अणंतगुणकालाइं पि गेण्हइ । एवं जाव सुकिल्लाइं पि । जाइं भावओ गंधमंताइं गिण्हइ ताइं किं एगगंधाइं गिण्हइ, दुगंधाइं गिण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगगंधाइं पि० दुगंधाइं पि गिण्हइ, सव्वग्गहणं पडुच्च नियमा दुगंधाइं गिण्हइ । जाइं गंधओ सुब्भिगंधाइं गिण्हइ ताइं किं एगगुणसुब्भिगंधाइं गिण्हइ जाव अणंतगुणसुब्भिगंधाइं गिण्हइ ? गोयमा ! एगगुणसुब्भिगंधाइं पि गि० जाव अणंतगुणसुब्भिगंधाइं पि गिण्हइ । एवं दुब्भिगंधाइं पि गेण्हइ । जाइं भावओ रसमंताइं गेण्हइ ताइं किं एगरसाइं गेण्हइ जाव पंचरसाइं गेण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च एगरसाइं पि गेण्हइ जाव पंचरसाइं पि गिण्हइ, सव्वग्गहणं पडुच्च नियमा पंचरसाइं गेण्हइ । जाइं रसओ तित्तरसाइं गेण्हइ ताइं किं एगगुणतित्तरसाइं गिण्हइ जाव अणंतगुणतित्तरसाइं गिण्हइ ? गोयमा ! एगगुणतित्ताइं पि गिण्हइ जाव अणंतगुणतित्ताइं पि गिण्हइ, एवं जाव महुररसो । जाइं भावओ फासमंताइं गेण्हइ ताइं किं एगफासाइं गेण्हइ जाव अट्ठफासाइं गेण्हइ ? गोयमा ! गहणदव्वाइं पडुच्च णो एगफासाइं गेण्हइ, दुफासाइं गेण्हइ जाव चउफासाइं गेण्हइ, णो पंचफासाइं गेण्हइ जाव णो अट्ठफासाइं गेण्हइ, सव्वग्गहणं पडुच्च नियमा चउफासाइं गेण्हइ, तंजहा–सीयफासाइं गेण्हइ, उसिणफासाइं०, निद्धफासाइं०, लुक्खफासाइं गेण्हइ । जाइं फासओ सीयाइं गेण्हइ ताइं किं एगगुणसीयाइं गेण्हइ जाव अणंतगुणसीयाइं गेण्हइ ? गोयमा ! एगगुणसीयाइं पि गेण्हइ जाव अणंतगुणसीयाइं पि गेण्हइ, एवं उसिणणिद्धलुक्खाइं जाव अणंतगुणाइं पि गेण्हइ ॥ ३९५ ॥ जाइं भंते ! जाव अणंतगुणलुक्खाइं गेण्हइ ताइं किं पुट्ठाइं गेण्हइ, अपुट्ठाइं गेण्हइ ? गोयमा ! पुट्ठाइं गेण्हइ, नो अपुट्ठाइं गेण्हइ । जाइं भंते ! पुट्ठाइं गेण्हइ ताइं किं ओगाढाइं गेण्हइ, अणोगाढाइं गेण्हइ ? गोयमा ! ओगाढाइं गेण्हइ, नो अणोगाढाइं गेण्हइ । जाइं भंते ! ओगाढाइं गेण्हइ ताइं किं अणंतरोगाढाइं गेण्हइ, परंपरोगाढाइं गेण्हइ ? गोयमा ! अणंतरोगाढाइं गेण्हइ, नो परंपरोगाढाइं गेण्हइ । जाइं भंते ! अणंतरोगाढाइं गेण्हइ ताइं किं अणूइं गेण्हइ, बायराइं गेण्हइ ? गोयमा ! अणूइं पि गेण्हइ बायराइं पि गेण्हइ । जाइं भंते ! अणूइं गेण्हइ ताइं किं उड्ढं गेण्हइ, अहे गेण्हइ, तिरियं गेण्हइ ? गोयमा ! उड्ढं पि गेण्हइ, अहे वि गेण्हइ, तिरियं पि गेण्हइ । जाइं भंते ! उड्ढं पि गेण्हइ अहे वि गेण्हइ तिरियं पि गेण्हइ ताइं किं आइं गेण्हइ, मज्झे गेण्हइ, पज्जवसाणे गेण्हइ ? गोयमा ! आइं पि गेण्हइ, मज्झे वि गेण्हइ, पज्जवसाणे वि गेण्हइ । जाइं भंते ! आइं पि गेण्हइ, मज्झे वि गेण्हइ, पज्जवसाणे वि गेण्हइ ताइं किं सविसए गेण्हइ, अविसए गेण्हइ ? गोयमा !

गोयमा ! एवं वुच्चइ-'अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति, अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेंति'।' वाणमंतरजोइसिया जहा नेरइया ॥ ४४१ ॥ वेमाणिया णं भंते ! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेंति ? जहा मणूसा । नवरं वेमाणिया दुविहा पन्नत्ता । तंजहा-माइमिच्छद्दिट्ठीउववण्णगा य अमाइसम्मद्दिट्ठीउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छद्दिट्ठीउववण्णगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्दिट्ठीउववण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता । तंजहा-अणंतरोववण्णगा य परंपरोववण्णगा य । तत्थ णं जे ते अणंतरोववण्णगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति । तत्थ णं जे ते परंपरोववण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता । तंजहा-पज्जत्तगा य अपज्जत्तगा य । तत्थ णं जे ते अपज्जत्तगा ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति । तत्थ णं जे ते पज्जत्तगा ते दुविहा पन्नत्ता । तंजहा-उवउत्ता य अणुवउत्ता य । तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति, तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति आहारेंति, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-'अत्थेगइया जाणंति जाव अत्थेगइया आहारेंति ॥ ४४२ ॥ अद्दायं भंते ! पेहमाणे मणूसे अद्दायं पेहइ, अत्ताणं पेहइ, पलिभागं पेहइ ? गोयमा ! अद्दायं पेहइ, नो अप्पाणं पेहइ, पलिभागं पेहइ । एवं एएणं अभिलावेणं असिं मणिं दुद्धं पाणियं तेल्लं फाणियं ॥ ४४३ ॥ कंबलसाडए णं भंते ! आवेढियपरिवेढिए समाणे जावइयं उवासंतरं फुसित्ता णं चिट्ठइ विरल्लिए वि समाणे तावइयं चेव उवासंतरं फुसित्ता णं चिट्ठइ ? हंता गोयमा ! कंबलसाडए णं आवेढियपरिवेढिए समाणे जावइयं तं चेव । थूणा णं भंते ! उड्ढं ऊसिया समाणी जावइयं खेत्तं ओगाहइत्ता णं चिट्ठइ, तिरियं पि य णं आयया समाणी तावइयं चेव खेत्तं ओगाहइत्ता णं चिट्ठइ ? हंता गोयमा ! थूणा णं उड्ढं ऊसिया तं चेव जाव चिट्ठइ ॥ ४४४ ॥ आगासथिग्गले णं भंते ! किंणा फुडे, कइहिं वा काएहिं फुडे ? किं धम्मत्थिकाएणं फुडे, धम्मत्थिकायस्स देसेणं फुडे, धम्मत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे ? एवं अधम्मत्थिकाएणं, आगासत्थिकाएणं एएणं भेएणं जाव पुढविकाएणं फुडे जाव तसकाएणं, अद्धासमएणं फुडे ?, गोयमा ! धम्मत्थिकाएणं फुडे, नो धम्मत्थिकायस्स देसेणं फुडे, धम्मत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे, एवं अधम्मत्थिकाएण वि, नो आगासत्थिकाएणं फुडे, आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे, आगासत्थिकायस्स पएसेहिं जाव वणस्सइकाएणं फुडे, तसकाएणं सिय फुडे, सिय नो फुडे, अद्धासमएणं देसे फुडे, देसे नो फुडे । जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे किंणा फुडे ? कइहिं वा काएहिं फुडे ? किं धम्मत्थिकाएणं जाव आगासत्थिकाएणं फुडे० ?, गोयमा ! णो धम्मत्थिकाएणं फुडे, धम्मत्थि-

केवइया णं भंते ! आहारगसरीरया पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–वद्धेल्लया य मुक्केल्लया य । तत्थ णं जे ते वद्धेल्लया ते णं सिय अत्थि, सिय नत्थि । जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सहस्सपुहुत्तं । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, जहा ओरालियस्स मुक्केल्लया तहेव भाणियव्वा । केवइया णं भंते ! तेयगसरीरया पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा–वद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते वद्धेल्लगा ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणि-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सिद्धेहिंतो अणंत-गुणा सव्वजीवाणंतभागूणा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सव्व-जीवेहिंतो अणंतगुणा जीववग्गस्साणंतभागो । एवं कम्मगसरीराणि वि भाणियव्वाणि ॥ ४०७ ॥ नेरइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–वद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते वद्धेल्लगा ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं अणंता जहा ओरालियमुक्केल्लगा तहा भाणियव्वा । नेरइयाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–वद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य । तत्थ णं जे ते वद्धेल्लगा ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखेज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलं बिइयवग्गमूल-पडुप्पण्णं, अहव णं अंगुलविइयवग्गमूलघणप्पमाणमेत्ताओ सेढीओ । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा ओरालियस्स मुक्केल्लगा तहा भाणियव्वा । नेरइयाणं भंते ! केवइया आहारगसरीरा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–वद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य, एवं जहा ओरालिए वद्धेल्लगा मुक्केल्लगा य भणिया तहेव आहारगा वि भाणियव्वा । तेयाकम्मगाइं जहा एएसिं चेव वेउव्वियाइं ॥ ४०८ ॥ असुरकुमाराणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहा नेरइयाणं ओरालियसरीरा भणिया तहेव एएसिं भाणियव्वा । असुरकुमाराणं भंते ! केवइया

न्दियलद्धी जाव फासिन्दियलद्धी। एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स जइ इन्दिया अत्थि तस्स तावइया भाणियव्वा ४। कइविहा णं भंते! इन्दियउवओगद्धा पन्नत्ता? गोयमा! पंचविहा इन्दियउवओगद्धा पन्नत्ता। तंजहा-सोइन्दियउवओगद्धा जाव फासिन्दियउवओगद्धा। एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स जइ इन्दिया अत्थि० ५॥ ४४७॥ एएसि णं भंते! सोइन्दियचक्खिन्दियघाणिन्दियजिब्भिदियफासिन्दियाणं जहण्णयाए उवओगद्धाए उक्कोसियाए उवओगद्धाए जहण्णुक्कोसियाए उवओगद्धाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा चक्खिन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा, सोइन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, उक्कोसियाए उवओगद्धाए-सव्वत्थोवा चक्खिन्दियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा, सोइन्दियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिन्दियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिन्दियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिन्दियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जहण्णउक्कोसियाए उवओगद्धाए-सव्वत्थोवा चक्खिन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा, सोइन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिन्दियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स जहण्णिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स जहण्णियाहिंतो उवओगद्धाहिंतो चक्खिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, सोइंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, घाणिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, जिब्भिदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया, फासिंदियस्स उक्कोसिया उवओगद्धा विसेसाहिया॥ ४४८॥ कइविहा णं भंते! इंदियओगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! पंचविहा इंदियओगाहणा पन्नत्ता। तंजहा-सोइंदियओगाहणा जाव फासिंदियओगाहणा, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि० ६॥ ४४९॥ कइविहे णं भंते! इंदियअवाए पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे इंदियअवाए पन्नत्ते। तंजहा-सोइंदियअवाए जाव फासिंदियअवाए। एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स जइ इंदिया अत्थि० ७। कइविहा णं भंते! ईहा पन्नत्ता? गोयमा! पंचविहा ईहा पन्नत्ता। तंजहा-सोइंदियईहा जाव फासिंदियईहा। एवं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स जइ इंदिया० ८। कइविहे णं भंते! उग्गहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे उग्गहे पन्नत्ते। तंजहा-अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य। वंजणोग्गहे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! चउव्विहे पन्नत्ते। तंजहा-

विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलस्स असंखेज्जइभागो । मुक्केल्लगा तहेव ॥ ४१२ ॥ मणुस्साणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरगा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा, जहण्णपए संखेज्जा, संखेज्जाओ कोडाकोडीओ, तिजमलपयस्स उवरिं चउजमलपयस्स हिट्ठा, अहव णं पंचमवग्गपडुप्पन्नो छट्ठो वग्गो, अहव णं छण्णउईछेयणगदाइरासी, उक्कोसपए असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ रूवपक्खित्तेहिं मणुस्सेहिं सेढी अवहीरइ, तीसे सेढीए आगासखेत्तेहिं अवहारो मग्गिज्जइ–असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणिओसप्पिणीहिं कालओ, खेत्तओ अंगुलपढमवग्गमूलं तइयवग्गमूलपडुप्पण्णं । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते जहा ओरालिया ओहिया मुक्केल्लगा । वेउव्वियाणं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–बद्धेल्लगा य मुक्केल्लगा य, तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं संखेज्जा, समए २ अवहीरमाणा २ संखेज्जेणं कालेणं अवहीरंति, नो चेव णं अवहीरिया सिया । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लगा ते णं जहा ओरालिया ओहिया । आहारगसरीरा जहा ओहिया । तेयाकम्मगा जहा एएसिं चेव ओरालिया वाणमंतराणं जहा नेरइयाणं ओरालिया आहारगा य । वेउव्वियसरीरगा जहा नेरइयाणं, नवरं तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई, संखेज्जजोयणसयवग्गपलिभागो पयरस्स । मुक्केल्लया जहा ओरालिया, आहारगसरीरा जहा असुरकुमाराणं, तेयाकम्मया जहा एएसि णं चेव वेउव्विया । जोइसियाणं एवं चेव, नवरं तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई, बिछप्पन्नंगुलसयवग्गपलिभागो पयरस्स । वेमाणियाणं एवं चेव, नवरं तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई, अंगुलबिइयवग्गमूलं तइयवग्गमूलपडुप्पन्नं, अहव णं अंगुलतइयवग्गमूलघणप्पमाणमेत्ताओ सेढीओ, सेसं तं चेव ॥ ४१३ ॥ **पन्नवणाए भगवईए बारसमं सरीरपयं समत्तं** ॥

कइविहे णं भंते ! परिणामे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे परिणामे पन्नत्ते । तंजहा–जीवपरिणामे य अजीवपरिणामे य । जीवपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दसविहे पन्नत्ते । तंजहा–गइपरिणामे १, इंदियपरिणामे २, कसायपरिणामे ३, लेसापरिणामे ४, जोगपरिणामे ५, उवओगपरिणामे ६, णाणपरिणामे ७, दंसणपरिणामे ८, चरित्तपरिणामे ९, वेयपरिणामे १० ॥ ४१४ ॥ गइपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पन्नत्ते । तंजहा–नरयगइपरिणामे, तिरियगइपरिणामे, मणुयगइपरिणामे, देवगइपरिणामे १ । इंदियपरिणामे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा–सोइंदियपरिणामे, चक्खिंदियपरि-

दियदव्विंदिए। एवं तेउकाइयवाउकाइयस्स वि, नवरं पुरेक्खडा नव वा दस वा। एवं बेइंदियाण वि, णवरं बद्धेल्लगपुच्छाए दोण्णि। एवं तेइंदियस्स वि, नवरं बद्धेल्लगा चत्तारि। एवं चउरिंदियस्स वि, नवरं बद्धेल्लगा छ। पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणूसवाणमंतरजोइसियसोहम्मीसाणगदेवस्स जहा असुरकुमारस्स, नवरं मणूसस्स पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्सत्थि अट्ठ वा नव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। सणंकुमारमाहिंदबंभलंतगसुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणअच्चुयगेवेज्जगदेवस्स य जहा नेरइयस्स। एगमेगस्स णं भंते! विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवस्स केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा? गो०! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा? गो०! अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा, सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेल्लगा अट्ठ, पुरेक्खडा अट्ठ। नेरइयाणं भंते! केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा? गोयमा! असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! अणंता। एवं जाव गेवेज्जगदेवाणं, नवरं मणूसाणं बद्धेल्लगा सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा। विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवाणं पुच्छा। गोयमा! अतीता अणंता, बद्धेल्लगा असंखेज्जा, पुरेक्खडा असंखेज्जा। सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं पुच्छा। गोयमा! अतीता अणंता, बद्धेल्लगा संखेज्जा, पुरेक्खडा संखेज्जा॥ ४५३॥ एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा? गोयमा! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा? गोयमा! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एवं जाव थणियकुमारत्ति। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स पुढविकाइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा? गोयमा! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि एक्को वा दो वा तिण्णि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव वणस्सइकाइयत्ते। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स बेइन्दियत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा? गोयमा! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि दो वा चत्तारि वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एवं तेइन्दियत्ते वि, नवरं पुरेक्खडा चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा

माणेणं, मायाए, लोभेणं। एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। जीवा णं भंते! कइहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणंति? गोयमा! चउहिं ठाणेहिं०, तंजहा–कोहेणं, माणेणं, मायाए, लोभेणं। एवं नेरइया जाव वेमाणिया। जीवा णं भंते! कइहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणिस्संति? गोयमा! चउहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ चिणिस्संति, तंजहा–कोहेणं, माणेणं, मायाए, लोभेणं। एवं नेरइया जाव वेमाणिया। जीवा णं भंते! कइहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ उवचिणिंसु? गोयमा! चउहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ उवचिणिंसु, तंजहा–कोहेणं, माणेणं, मायाए, लोभेणं। एवं नेरइया जाव वेमाणिया। जीवा णं भंते!० पुच्छा। गोयमा! चउहिं ठाणेहिं उवचिणंति जाव लोभेणं, एवं नेरइया जाव वेमाणिया। एवं उवचिणिस्संति। जीवा णं भंते! कइहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ बंधिंसु? गोयमा! चउहिं ठाणेहिं अट्ठ कम्मपगडीओ बंधिंसु, तंजहा–कोहेणं, माणेणं जाव लोभेणं, एवं नेरइया जाव वेमाणिया, बंधिंसु, बंधंति, बंधिस्संति, उदीरेंसु, उदीरेंति, उदीरिस्संति, वेदिंसु, वेदेंति, वेदइस्संति, निज्जरिंसु, निज्जरेंति, निज्जरिस्संति, एवं एए जीवाइया वेमाणियपज्जवसाणा अट्ठारस-दंडगा जाव वेमाणिया निज्जरिंसु निज्जरेंति निज्जरिस्संति। आयपइट्ठिय खेत्तं पडुच्च णंताणुबंधि आभोगे। चिण उवचिण बंध उदीर वेय तह निज्जरा चेव ॥ १ ॥ ४२४ ॥ **पन्नवणाए भगवईए चोद्दसमं कसायपयं समत्तं** ॥

संठाणं बाहल्लं पोहत्तं कइपएस ओगाढे। अप्पाबहु पुट्ठ पविट्ठ विसय अणगार आहारे ॥ १ ॥ अद्दाय असी य मणी दुद्ध पाणिय तेल्ल फाणिय तहा य। कंबल थूणा थिग्गल दीवोदहि लोगऽलोगे य ॥ २ ॥ कइ णं भंते! इंदिया पन्नत्ता? गोयमा! पंच इंदिया पन्नत्ता। तंजहा–सोइंदिए, चक्खिंदिए, घाणिंदिए, जिब्भिंदिए, फासिंदिए ॥ ४२५ ॥ सोइंदिए णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! कलंबुया-पुप्फसंठाणसंठिए पन्नत्ते। चक्खिंदिए णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! मसूर-चंदसंठाणसंठिए पन्नत्ते। घाणिंदिए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! अइमुत्तगचंद-संठाणसंठिए पन्नत्ते। जिब्भिंदिए णं पुच्छा। गोयमा! खुरप्पसंठाणसंठिए पन्नत्ते। फासिंदिए णं पुच्छा। गोयमा! णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते १ ॥ ४२६ ॥ सोइंदिए णं भंते! केवइयं बाहल्लेणं पन्नत्ते? गोयमा! अंगुलस्स असंखेज्जइभागे बाहल्लेणं पन्नत्ते। एवं जाव फासिंदिए २। सोइंदिए णं भंते! केवइयं पोहत्तेणं पन्नत्ते? गोयमा! अंगुलस्स असंखेज्जइभागं पोहत्तेणं पन्नत्ते। एवं चक्खिंदिए वि घाणिंदिए वि। जिब्भिंदिए णं पुच्छा। गोयमा! अंगुलपुहुत्तेणं पन्नत्ते। फासिंदिए णं पुच्छा। गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ते पोहत्तेणं पन्नत्ते ३ ॥ ४२७ ॥ सोइंदिए णं भंते! कइपएसिए पन्नत्ते?

गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा । सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते जहा नेरइयस्स, एवं जाव गेवेज्जगदेवस्स सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते ताव णेयव्वं ॥ ४५५ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! विजयवेजयंतजयंतापराजियदेवस्स नेरइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि । एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ते । मणूसत्ते अतीता अणंता, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा । वाणमंतरजोइसियत्ते जहा नेरइयत्ते । सोहम्मगदेवत्तेऽतीता अणंता, बद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा । एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । एगमेगस्स णं भंते ! विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवस्स सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! णत्थि, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! नत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । एगमेगस्स णं भंते ! सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स नेरइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि । एवं मणूसवज्जं जाव गेवेज्जगदेवत्ते, नवरं मणूसत्ते अतीता अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?० अट्ठ । विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि । एगमेगस्स णं भंते ! सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! णत्थि, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! णत्थि ॥ ४५६ ॥ नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अणंता । नेरइयाणं भंते ! असुरकुमारत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अणंता, एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते । नेरइयाणं भंते ! विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ?० नत्थि, केवइया बद्धेल्लगा ?० णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ?० असंखेज्जा, एवं सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते वि, एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते भाणियव्वं, नवरं वणस्सइकाइयाणं विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते य पुरेक्खडा

गुणा अणंतगुणा, घाणिंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, सोइंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा, चक्खिंदियस्स मउयलहुयगुणा अणंतगुणा ॥ ४३२ ॥ नेरइयाणं भंते ! कइ इंदिया पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच, तंजहा–सोइन्दिए जाव फासिन्दिए। नेरइयाणं भंते ! सोइन्दिए किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! कलंबुयासंठाणसंठिए पन्नत्ते। एवं जहा ओहियाणं वत्तव्वया भणिया तहेव नेरइयाणं पि जाव अप्पाबहुयाणि दोण्णि। नवरं नेरइयाणं भंते ! फासिन्दिए किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य। तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं हुंडसंठाणसंठिए पन्नत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से वि तहेव, सेसं तं चेव ॥ ४३३ ॥ असुरकुमाराणं भंते ! कइ इन्दिया पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच, एवं जहा ओहियाणि जाव अप्पाबहुगाणि दोण्णि वि। नवरं फासिन्दिए दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य। तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं समचउरंससंठाणसंठिए पन्नत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से णं णाणासंठाणसंठिए, सेसं तं चेव। एवं जाव थणियकुमाराणं ॥ ४३४ ॥ पुढविकाइयाणं भंते ! कइ इन्दिया पन्नत्ता ? गोयमा ! एगे फासिन्दिए पन्नत्ते। पुढविकाइयाणं भंते ! फासिन्दिए किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! मसूरचंदसंठाणसंठिए पन्नत्ते। पुढविकाइयाणं भंते ! फासिन्दिए केवइयं बाहल्लेणं पन्नत्ते ? गोयमा ! अंगुलस्स असंखेज्जइभागं बाहल्लेणं पन्नत्ते। पुढविकाइयाणं भंते ! फासिन्दिए केवइयं पोहत्तेणं पन्नत्ते ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ते पोहत्तेणं। पुढविकाइयाणं भंते ! फासिन्दिए कइपएसिए पन्नत्ते ? गोयमा ! अणंतपएसिए पन्नत्ते। पुढविकाइयाणं भंते ! फासिन्दिए कइपएसोगाढे पन्नत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढे पन्नत्ते। एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं फासिन्दियस्स ओगाहणट्ठयाए पएसट्ठयाए ओगाहणपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवे पुढविकाइयाणं फासिन्दिए ओगाहणट्ठयाए, से चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणे। पुढविकाइयाणं भंते ! फासिन्दियस्स केवइया कक्खडगरुयगुणा पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंता, एवं मउयलहुयगुणा वि। एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं फासिन्दियस्स कक्खडगरुयगुणाणं मउयलहुयगुणाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा पुढविकाइयाणं फासिंदियस्स कक्खडगरुयगुणा, तस्स चेव मउयलहुयगुणा अणंतगुणा। एवं आउकाइयाण वि जाव वणप्फइकाइयाणं, णवरं संठाणे इमो विसेसो दट्ठव्वो–आउकाइयाणं थिवुगबिंदुसंठाणसंठिए पन्नत्ते। तेउकाइयाणं सूइकलावसंठाणसंठिए पन्नत्ते। वाउकाइयाणं पडागासंठाणसंठिए पन्नत्ते। वणप्फइकाइयाणं णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते ॥ ४३५ ॥

अत्थि कस्सइ नत्थित्ति भाणियव्वं । सणंकुमार जाव गेवेज्जगस्स जहा नेरइयस्स । विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेल्लगा पंच, पुरेक्खडा पंच वा दस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा । सव्वट्ठसिद्धगदेवस्स अतीता अणंता, बद्धेल्लगा पंच, केवइया पुरेक्खडा ?० पंच । नेरइयाणं भंते ! केवइया भाविंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया बद्धेल्लगा ?० असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा ?० अणंता । एवं जहा दव्विंदिएसु पोहत्तेणं दंडओ भणिओ तहा भाविंदिएसु वि पोहत्तेणं दंडओ भाणियव्वो, नवरं वणस्सइकाइयाणं बद्धेल्लगा अणंता ॥ ४५८ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया भाविंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, के० बद्धेल्लगा ?० पंच, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि पंच वा दस वा पण्णरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं, नवरं बद्धेल्लगा नत्थि । पुढविकाइयत्ते जाव बेइंदियत्ते जहा दव्विंदिया । तेइंदियत्ते तहेव, णवरं पुरेक्खडा तिण्णि वा छ वा णव वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं चउरिंदियत्ते वि, नवरं पुरेक्खडा चत्तारि वा अट्ठ वा बारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं एए चेव गमा चत्तारि जाणेयव्वा जे चेव दव्विंदिएसु, णवरं तइयगमे जाणियव्वा जस्स जइ इंदिया ते पुरेक्खडेसु मुणेयव्वा । चउत्थगमे जहेव दव्विंदिया जाव सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया भाविंदिया अतीता ?० नत्थि, के० बद्धेल्लगा ?० संखेज्जा, के० पुरेक्खडा ?० णत्थि ॥ ४५९ ॥ **समत्तो बीओ उद्देसो ॥ पन्नवणाए भगवईए पन्नरसमं इन्दियपयं समत्तं ॥**

कइविहे णं भंते ! पओगे पन्नत्ते ? गोयमा ! पण्णरसविहे पओगे पन्नत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे १, असच्चमणप्पओगे २, सच्चामोसमणप्पओगे ३, असच्चामोसमणप्पओगे ४, एवं वइप्पओगे वि चउहा ८, ओरालियसरीरकायप्पओगे ९, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे १०, वेउव्वियसरीरकायप्पओगे ११, वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगे १२, आहारगसरीरकायप्पओगे १३, आहारगमीससरीरकायप्पओगे १४, कम्मासरीरकायप्पओगे १५ ॥ ४६० ॥ जीवाणं भंते ! कइविहे पओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! पण्णरसविहे प० पण्णत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे जाव कम्मासरीरकायप्पओगे । नेरइयाणं भंते ! कइविहे पओगे पण्णत्ते ? गोयमा ! एक्कारसविहे पओगे पण्णत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे जाव असच्चामोसवइप्पओगे, वेउव्वियसरीरकायप्पओगे, वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगे, कम्मासरीरकायप्पओगे । एवं असुरकुमाराण वि जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! तिविहे पओगे

सद्दाइं सुणेइ। चक्खिन्दियस्स णं भंते! केवइए विसए पन्नत्ते? गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागो, उक्कोसेणं साइरेगाओ जोयणसयसहस्साओ अच्छिण्णे पोग्गले अपुट्ठे अपविट्ठाइं रूवाइं पासइ। घाणिन्दियस्स पुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलअसंखेज्जइभागो, उक्कोसेणं नवहिं जोयणेहिन्तो अच्छिण्णे पोग्गले पुट्ठे पविट्ठाइं गंधाइं अग्घाइ, एवं जिब्भिन्दियस्स वि फासिंदियस्स वि ॥ ४३८ ॥ अणगारस्स णं भंते! भावियप्पणो मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिज्जरापोग्गला, सुहुमा णं ते पोग्गला पण्णत्ता समणाउसो!, सव्वं लोगं पि य णं ते ओगाहित्ता णं चिट्ठंति? हंता गोयमा! अणगारस्स भावियप्पणो मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिज्जरापोग्गला, सुहुमा णं ते पोग्गला पण्णत्ता समणाउसो!, सव्वं लोगं पि य णं ओगाहित्ता णं चिट्ठंति। छउमत्थे णं भंते! मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं किं आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणइ पासइ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणइ पासइ'? गोयमा! देवे वि य णं अत्थेगइए जे णं तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि आणत्तं वा णाणत्तं वा ओमत्तं वा तुच्छत्तं वा गरुयत्तं वा लहुयत्तं वा जाणइ पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि आणत्तं वा जाव जाणइ पासइ, एवंसुहुमा णं ते पोग्गला पण्णत्ता समणाउसो!, सव्वलोगं पि य णं ते ओगाहित्ता णं चिट्ठंति ॥ ४३९ ॥ नेरइया णं भंते! ते णिज्जरापोग्गला किं जाणंति पासंति आहारेंति, उदाहु न जाणंति न पासंति आहारेंति? गोयमा! नेरइया णिज्जरापोग्गले न जाणंति न पासंति आहारेंति, एवं जाव पंचिन्दियतिरिक्खजोणियाणं ॥ ४४० ॥ मणूसा णं भंते! ते णिज्जरापोग्गले किं जाणंति पासंति आहारेंति, उदाहु न जाणंति न पासंति आहारेंति? गोयमा! अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेंति, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेंति, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति'? गोयमा! मणूसा दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–सण्णिभूया य असण्णिभूया य। तत्थ णं जे ते असण्णिभूया ते णं न जाणंति न पासंति आहारेंति। तत्थ णं जे ते सण्णिभूया ते दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–उवउत्ता य अणुवउत्ता य। तत्थ णं जे ते अणुवउत्ता ते णं न जाणंति न पासंति रेंति। तत्थ णं जे ते उवउत्ता ते णं जाणंति पासंति आहारेंति, से एएणट्ठेणं

या णं भंते ! किं ओरालियसरीरकायप्पओगी जाव कम्मासरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! बेइन्दिया सव्वे वि ताव होज्जा असच्चामोसवइप्पओगी वि ओरालियसरीरकायप्पओगी वि ओरालियमीससरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य, एवं जाव चउरिंदिया वि । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया, नवरं ओरालियसरीरकायप्पओगी वि, ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगी य अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ॥ ४६३ ॥ मणूसा णं भंते ! किं सच्चमणप्पओगी जाव कम्मासरीरकायप्पओगी ? गोयमा ! मणूसा सव्वे वि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगी वि जाव ओरालियसरीरकायप्पओगी वि, वेउव्वियसरीरकायप्पओगी वि, वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य कम्मगसरीरकायप्पओगी य, अहवेगे य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य २, एए अट्ठ भंगा पत्तेयं । अहवेगे य ओरालियमीससरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य ४ एवं एए चत्तारि भंगा, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य ४ चत्तारि भंगा, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ४ एए चत्तारि भंगा, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य

कायस्स देसेणं फुडे, धम्मत्थिकायस्स पएसेहिं फुडे, एवं अधम्मत्थिकायस्स वि आगासत्थिकायस्स वि, पुढविकाएणं फुडे जाव वणस्सइकाएणं फुडे, तसकाएणं सिय फुडे सिय णो फुडे, अद्धासमएणं फुडे। एवं लवणसमुद्दे, धायइसंडे दीवे, कालोए समुद्दे, अब्भितरपुक्खरद्धे। वाहिरपुक्खरद्धे एवं चेव, नवरं अद्धासमएणं णो फुडे। एवं जाव सयंभूरमणसमुद्दे। एसा परिवाडी इमाहिं गाहाहिं अणुगंतव्वा, तंजहा—"जंबुद्दीवे लवणे धायइ कालोय पुक्खरे वरुणे। खीरघयखोयणंदि य अरुणवरे कुण्डले रुयए॥ १॥ आभरणवत्थगंधे उप्पलतिलए य पउमनिहिरयणे। वासहरदहनईओ विजया वक्खारकप्पिंदा॥ २॥ कुरु मंदर आवासा कूडा नक्खत्त-चंदसूरा य। देवे णागे जक्खे भूए य सयंभुरमणे य॥ ३॥ एवं जहा वाहिर-पुक्खरद्धे भणिए तहा जाव सयंभूरमणसमुद्दे जाव अद्धासमएणं नो फुडे॥ ४४५॥ लोगे णं भंते! किंणा फुडे? कइहिं वा काएहिं०? जहा आगासथिग्गले। अलोए णं भंते! किंणा फुडे, कइहिं वा काएहिं पुच्छा। गोयमा! नो धम्मत्थिकाएणं फुडे जाव नो आगासत्थिकाएणं फुडे, आगासत्थिकायस्स देसेणं फुडे, नो पुढवि-काएणं फुडे जाव नो अद्धासमएणं फुडे। एगे अजीवदव्वदेसे अगुरुलहुए अणंतेहिं अगुरुलहुयगुणेहिं संजुत्ते सव्वागासअणंतभागूणे॥ ४४६॥ **पन्नवणाए भगवईए पन्नरसमस्स इंदियपयस्स पढमो उद्देसो समत्तो॥**

इंदियउवचय १ णिव्वत्तणा २ य समया भवे असंखेज्जा ३। लद्धी ४ उवओ-गद्धं ५ अप्पावहुए विसेसाॅहिया ६॥ ओगाहणा ७ अवाए ८ ईहा ९ तह वंजणो-ग्गहे १० चेव। दव्विंदिय ११ भाविंदिय १२ तीया वद्धा पुरक्खडिया॥ कइविहे णं भंते! इंदियउवचए पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे इंदियउवचए पन्नत्ते। तंजहा-सोइंदियउवचए, चक्खिदियउवचए, घाणिंदियउवचए, जिब्भिन्दियउवचए, फासि-न्दियउवचए। नेरइयाणं भंते! कइविहे इन्दिओवचए पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे इन्दिओवचए पन्नत्ते। तंजहा-सोइंदियउवचए जाव फासिन्दियउवचए, एवं जाव वेमाणियाणं। जस्स जइ इन्दिया तस्स तइविहो चेव इन्दियउवचओ भाणियव्वो १। कइविहा णं भंते! इन्दियनिव्वत्तणा पन्नत्ता? गोयमा! पंचविहा इन्दियनिव्व-त्तणा पन्नत्ता। तंजहा-सोइन्दियनिव्वत्तणा जाव फासिन्दियनिव्वत्तणा। एवं नेरइ-याणं जाव वेमाणियाणं, नवरं जस्स जइ इन्दिया अत्थि० २। सोइन्दियनिव्वत्तणा णं भंते कइसमइया पन्नत्ता? गोयमा! असंखिज्जइसमइया अंतोमुहुत्तिया पन्नत्ता, एवं जाव फासिन्दियनिव्वत्तणा। एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं ३। कइविहा णं भंते! इन्दियलद्धी पन्नत्ता? गोयमा! पंचविहा इन्दियलद्धी पन्नत्ता। तंजहा-सोइ-

य ६, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगी य ७, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ८, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ४, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ५, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगी य ६, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगी य ७, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ८, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ४, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य ५, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ६, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ७, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ८। एवं एए तियसंजोएणं चत्तारि अट्ठ भंगा, सव्वे वि मिलिया बत्तीसं भंगा जाणियव्वा ३२। अहवेगे य ओरालियमिस्सासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य

सोइंदियवंजणोग्गहे, घाणिंदियवंजणोग्गहे, जिब्भिंदियवंजणोग्गहे, फासिंदियवंजणोग्गहे। अत्थोग्गहे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! छव्विहे पन्नत्ते। तंजहा–सोइंदियअत्थोग्गहे, चक्खिंदियअत्थोग्गहे, घाणिंदियअत्थोग्गहे, जिब्भिंदियअत्थोग्गहे, फासिंदियअत्थोग्गहे, नोइंदियअत्थोग्गहे ॥ ४५० ॥ नेरइयाणं भंते! कइविहे उग्गहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे उग्गहे पन्नत्ते। तंजहा–अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य। एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं भंते! कइविहे उग्गहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे उग्गहे पन्नत्ते। तं०–अत्थोग्गहे य वंजणोग्गहे य। पुढविकाइयाणं भंते! वंजणोग्गहे कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! एगे फासिंदियवंजणोग्गहे पन्नत्ते। पुढविकाइयाणं भंते! कइविहे अत्थोग्गहे पन्नत्ते? गोयमा! एगे फासिंदियअत्थोग्गहे पन्नत्ते। एवं जाव वणस्सइकाइयाणं। एवं बेइंदियाण वि, नवरं बेइंदियाणं वंजणोग्गहे दुविहे पन्नत्ते, अत्थोग्गहे दुविहे पन्नत्ते, एवं तेइंदियचउरिंदियाण वि, नवरं इंदियपरिवुड्ढी कायव्वा। चउरिंदियाणं वंजणोग्गहे तिविहे पन्नत्ते, अत्थोग्गहे चउव्विहे पन्नत्ते, सेसाणं जहा नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं ९–१० ॥ ४५१ ॥ कइविहा णं भंते! इंदिया पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–दव्विंदिया य भाविंदिया य। कइ णं भंते! दव्विंदिया पन्नत्ता? गोयमा! अट्ठ दव्विंदिया पन्नत्ता। तंजहा–दो सोत्ता, दो णेत्ता, दो घाणा, जीहा, फासे। नेरइयाणं भंते! कइ दव्विंदिया पन्नत्ता? गोयमा! अट्ठ एए चेव, एवं असुरकुमाराणं जाव थणियकुमाराण वि। पुढविकाइयाणं भंते! कइ दव्विंदिया पन्नत्ता? गोयमा! एगे फासिंदिए पन्नत्ते। एवं जाव वणस्सइकाइयाणं। बेइंदियाणं भंते! कइ दव्विंदिया पन्नत्ता? गोयमा! दो दव्विंदिया पन्नत्ता। तंजहा–फासिंदिए य जिब्भिंदिए य। तेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा! चत्तारि दव्विंदिया पन्नत्ता। तंजहा–दो घाणा, जीहा, फासे। चउरिंदियाणं पुच्छा। गोयमा! छ दव्विंदिया पन्नत्ता। तंजहा–दो णेत्ता, दो घाणा, जीहा, फासे। सेसाणं जहा नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं ॥ ४५२ ॥ एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया बद्धेल्लगा? गोयमा! अट्ठ। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! अट्ठ वा सोलस वा सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एगमेगस्स णं भंते! असुरकुमारस्स केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया बद्धेल्लगा? गो०! अट्ठ। केवइया पुरेक्खडा? गो०! अट्ठ वा नव वा सत्तरस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एवं जाव थणियकुमाराणं ताव भाणियव्वं। एवं पुढविकाइया आउकाइया वणस्सइकाइया वि, नवरं केवइया बद्धेल्लगत्ति पुच्छाए उत्तरं एक्के फासिं-

पओगगई १, ततगई २, बंधणछेयणगई ३, उववायगई ४, विहायगई ५। से किं तं पओगगई ? पओगगई पण्णरसविहा पन्नत्ता। तंजहा–सच्चमणप्पओगगई, एवं जहा पओगो भणिओ तहा एसा वि भाणियव्वा जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगई। जीवाणं भंते ! कइविहा पओगगई पन्नत्ता ? गोयमा ! पण्णरसविहा पन्नत्ता। तंजहा–सच्चमणप्पओगगई जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगई। नेरइयाणं भंते ! कइविहा पओगगई पन्नत्ता ? गोयमा ! एक्कारसविहा पन्नत्ता। तंजहा–सच्चमणप्पओगगई, एवं उवउज्जिऊण जस्स जइविहा तस्स तइविहा भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं। जीवा णं भंते ! सच्चमणप्पओगगई जाव कम्मगसरीरकायप्पओगगई ? गोयमा ! जीवा सव्वे वि ताव होज्ज सच्चमणप्पओगगई वि, एवं तं चेव पुव्ववण्णियं भाणियव्वं, भंगा तहेव जाव वेमाणियाणं, से तं पओगगई १ ॥ ४६५ ॥ से किं तं ततगई ? ततगई जे णं जं गामं वा जाव सण्णिवेसं वा संपट्ठिए असंपत्ते अंतरापहे वट्टइ, सेत्तं ततगई २ ॥ ४६६ ॥ से किं तं बंधणछेयणगई ? बंधणछेयणगई जीवो वा सरीराओ सरीरं वा जीवाओ, सेत्तं बंधणछेयणगई ३ ॥ ४६७ ॥ से किं तं उववायगई ? उववायगई तिविहा पन्नत्ता। तंजहा–खेत्तोववायगई, भवोववायगई, नोभवोववायगई। से किं तं खेत्तोववायगई ? खेत्तोववायगई पंचविहा पन्नत्ता। तंजहा–नेरइयखेत्तोववायगई १, तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई २, मणूसखेत्तोववायगई ३, देवखेत्तोववायगई ४, सिद्धखेत्तोववायगई ५। से किं तं नेरइयखेत्तोववायगई ? नेरइयखेत्तोववायगई सत्तविहा पन्नत्ता। तंजहा–रयणप्पभापुढविनेरइयखेत्तोववायगई जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयखेत्तोववायगई। सेत्तं नेरइयखेत्तोववायगई १। से किं तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई ? तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई पंचविहा पन्नत्ता। तंजहा–एगिंदियतिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई। सेत्तं तिरिक्खजोणियखेत्तोववायगई २। से किं तं मणूसखेत्तोववायगई ? मणूसखेत्तोववायगई दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–संमुच्छिममणूसखेत्तोववायगई, गब्भवक्कंतियमणूसखेत्तोववायगई। सेत्तं मणूसखेत्तोववायगई ३। से किं तं देवखेत्तोववायगई ? देवखेत्तोववायगई चउव्विहा पन्नत्ता। तंजहा–भवणवई० जाव वेमाणियदेवखेत्तोववायगई। सेत्तं देवखेत्तोववायगई ४ ॥ ४६८ ॥ से किं तं सिद्धखेत्तोववायगई ? सिद्धखेत्तोववायगई अणेगविहा पन्नत्ता। तंजहा–जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवयवासे सपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे चुल्लहिमवंतसिहरिवासहरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे हेमवयहेरण्णवाससपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे सद्दावइवियडावइवट्टवेयड्ढ-

संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं चउरिंदियत्ते वि, नवरं पुरेक्खडा छ वा वारस वा अट्ठारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ते जहा असुरकुमारत्ते । मणूसत्ते वि एवं चेव नवरं केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । सव्वेसिं मणूसवज्जाणं पुरेक्खडा मणूसत्ते कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि एवं न वुचइ । वाणमंतरजोइसियसोहम्मग जाव गेवेज्जगदेवत्ते अतीता अणंता, वद्धेल्लगा नत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एगमेगस्स णं भंते ! नेरइयस्स विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा, सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, वद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ णत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । एवं जहा नेरइयदंडओ नीओ तहा असुरकुमारेण वि नेयव्वो जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएणं, नवरं जस्स सट्ठाणे जइ वद्धेल्लगा तस्स तइ भाणियव्वा ॥ ४५४ ॥ एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स नेरइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया वद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणियत्ते, नवरं एगिंदियविगलिंदिएसु जस्स जइ पुरेक्खडा तस्स तत्तिया भाणियव्वा । एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स मणूसत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! अणंता, केवइया वद्धेल्लगा ? गोयमा ! अट्ठ, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि अट्ठ वा सोलस वा चउवीसा वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा । वाणमंतरजोइसिय जाव गेवेज्जगदेवत्ते जहा नेरइयत्ते । एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ वा सोलस वा । केवइया वद्धेल्लगा ? गो० ! नत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सऽत्थि अट्ठ वा सोलस वा । एगमेगस्स णं भंते ! मणूसस्स सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता ? गोयमा ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि अट्ठ, केवइया वद्धेल्लगा ? गो० ! णत्थि, केवइया पुरेक्खडा ? गो० ! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि अट्ठ । वाणमंतरजोइसिए जहा नेरइए । सोहम्मगदेवे वि जहा नेरइए, नवरं सोहम्मगदेवस्स विजयवेजयंतजयंतापराजियत्ते केवइया अतीता ?

अफुसमाणगई २, उवसंपज्जमाणगई ३, अणुवसंपज्जमाणगई ४, पोग्गलगई ५, मंडूयगई ६, णावागई ७, नयगई ८, छायागई ९, छायाणुवायगई १०, लेसागई ११, लेसाणुवायगई १२, उद्दिस्सपविभत्तगई १३, चउपुरिसपविभत्तगई १४, वंकगई १५, पंकगई १६, वंधणविमोयणगई १७ ॥ ४७३ ॥ से किं तं फुसमाणगई ? फुसमाणगई जण्णं परमाणुपोग्गले(ल)दुपएसिय जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं अण्णमण्णं फुसित्ता णं गई पवत्तइ, सेत्तं फुसमाणगई १। से किं तं अफुसमाणगई ? अफुसमाणगई जण्णं एएसिं चेव अफुसित्ता णं गई पवत्तइ, से तं अफुसमाणगई २। से किं तं उवसंपज्जमाणगई ? २ जण्णं रायं वा जुवरायं वा ईसरं वा तलवरं वा माडंबियं वा कोडुंबियं वा इब्भं वा सेट्ठिं वा सेणावइं वा सत्थवाहं वा उवसंपज्जित्ता णं गच्छइ, से तं उवसंपज्जमाणगई ३। से किं तं अणुवसंपज्जमाणगई ? २ जण्णं एएसिं चेव अण्णमण्णं अणुवसंपज्जित्ता णं गच्छइ, से तं अणुवसंपज्जमाणगई ४। से किं तं पोग्गलगई ? २ जं णं परमाणुपोग्गलाणं जाव अणंतपएसियाणं खंधाणं गई पवत्तइ, से तं पोग्गलगई ५। से किं तं मंडूयगई ? २ जण्णं मंडूओ फिडित्ता गच्छइ, से तं मंडूयगई ६। से किं तं णावागई ? जण्णं णावा पुव्ववेयालीओ दाहिणवेयालिं जलपहेणं गच्छइ, दाहिणवेयालीओ वा अवरवेयालिं जलपहेणं गच्छइ, से तं णावागई ७। से किं तं णयगई ? २ जण्णं णेगमसंगहववहारउज्जुसुयसद्दसमभिरूढएवंभूयाणं नयाणं जा गई, अहवा सव्वणया वि जं इच्छंति, से तं नयगई ८। से किं तं छायागई ? २ जं णं हयछायं वा गयछायं वा नरछायं वा किण्णरछायं वा महोरगच्छायं वा गंधव्वच्छायं वा उसहछायं वा रहछायं वा छत्तछायं वा उवसंपज्जित्ताणं गच्छइ, से तं छायागई ९। से किं तं छायाणुवायगई ? २ जेणं पुरिसं छाया अणुगच्छइ, नो पुरिसे छायं अणुगच्छइ, से तं छायाणुवायगई १०। से किं तं लेस्सागई ? २ जण्णं किण्हलेसा नीललेसं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमइ, एवं नीललेसा काउलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव ताफासत्ताए परिणमइ, एवं काउलेसा वि तेउलेसं तेउलेसा वि पम्हलेसं पम्हलेसा वि सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव परिणमइ, से तं लेस्सागई ११। से किं तं लेसाणुवायगई ? २ जल्लेसाइं दव्वाइं परियाइत्ता कालं करेइ तल्लेसेसु उववज्जइ, तंजहा-किण्हलेसेसु वा जाव सुक्कलेसेसु वा, से तं लेसाणुवायगई १२। से किं तं उद्दिस्सपविभत्तगई ? २ जण्णं आयरियं वा उवज्झायं वा थेरं वा पवत्तिं वा गणिं वा गणहरं वा गणावच्छेयं वा उद्दिसिय २ गच्छइ, से तं उद्दिस्सियपविभत्तगई १३। से किं तं चउपुरिसपविभत्तगई ? से

अणंता, सव्वेसिं मणूससव्वट्ठसिद्धगवज्जाणं सट्ठाणे वद्धेल्लगा असंखेज्जा, परट्ठाणे वद्धेल्लगा णत्थि। वणस्सइकाइयाणं वद्धेल्लगा अणंता। मणूसाणं नेरइयत्ते अतीता अणंता, वद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा अणंता। एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते, नवरं सट्ठाणे अतीता अणंता, वद्धेल्लगा सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा, पुरेक्खडा अणंता। मणूसाणं भंते! विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता?० संखेज्जा, केवइया वद्धेल्लगा?० णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?० सिय संखेज्जा सिय असंखेज्जा। एवं सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते अतीता णत्थि, वद्धेल्लगा णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा, एवं जाव गेवेज्जगदेवाणं। विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवाणं भंते! नेरइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया वद्धेल्लगा?० णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?० णत्थि। एवं जाव जोइसियत्ते वि, णवरं मणूसत्ते अतीता अणंता, केवइया वद्धेल्लगा?० णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा। एवं जाव गेवेज्जगदेवत्ते सट्ठाणे अतीता असंखेज्जा, केवइया वद्धेल्लगा?० असंखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा?० असंखेज्जा। सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते अतीता नत्थि, वद्धेल्लगा नत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा। सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं भंते! नेरइयत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया वद्धेल्लगा?० नत्थि, केवइया पुरेक्खडा?० णत्थि। एवं मणूसवज्जं ताव गेवेज्जगदेवत्ते। मणुस्सत्ते अतीता अणंता, वद्धेल्लगा नत्थि, पुरेक्खडा संखेज्जा। विजयवेजयंतजयंतअपराजियदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता?० संखेज्जा, केवइया वद्धेल्लगा?० णत्थि, केवइया पुरेक्खडा?० णत्थि। सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं भंते! सव्वट्ठसिद्धगदेवत्ते केवइया दव्विंदिया अतीता?० णत्थि, केवइया वद्धेल्लगा?० संखेज्जा, केवइया पुरेक्खडा? गो०! णत्थि ११ ॥ ४५७ ॥ कइ णं भंते! भाविंदिया पन्नत्ता? गोयमा! पंच भाविंदिया पन्नत्ता। तंजहा–सोइंदिए जाव फासिंदिए। नेरइयाणं भंते! कइ भाविंदिया पन्नत्ता? गोयमा! पंच भाविंदिया पन्नत्ता। तंजहा–सोइंदिए जाव फासिंदिए। एवं जस्स जइ इंदिया तस्स तइ भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स केवइया भाविंदिया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया वद्धेल्लगा?० पंच, केवइया पुरेक्खडा?० पंच वा दस वा एक्कारस वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एवं असुरकुमारस्स वि, नवरं पुरेक्खडा पंच वा छ वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एवं जाव थणियकुमारस्स वि। एवं पुढविकाइयआउकाइयवणस्सइकाइयस्स वि, बेइंदियतेइंदियचउरिंदियस्स वि। तेउकाइयवाउकाइयस्स वि एवं चेव, नवरं पुरेक्खडा छ वा सत्त वा संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स जाव ईसाणस्स जहा असुरकुमारस्स, नवरं मणूसस्स पुरेक्खडा कस्सइ

ववन्नगा य। तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं विसुद्धवन्नतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अविसुद्धवन्नतरागा, से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'नेरइया नो सव्वे समवन्ना'। एवं जहेव वन्नेण भणिया तहेव लेसासु विसुद्धलेसतरागा अविसुद्धलेसतरागा य भाणियव्वा ॥ ४७७ ॥ नेरइया णं भंते! सव्वे समवेयणा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'नेरइया नो सव्वे समवेयणा'? गोयमा! नेरइया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-सन्निभूया य असन्निभूया य। तत्थ णं जे ते सन्निभूया ते णं महावेयणतरागा, तत्थ णं जे ते असन्निभूया ते णं अप्पवेयणतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'नेरइया नो सव्वे समवेयणा' ॥ ४७८ ॥ नेरइया णं भंते! सव्वे समकिरिया? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'नेरइया नो सव्वे समकिरिया'? गोयमा! नेरइया तिविहा पन्नत्ता। तंजहा-सम्मद्दिट्ठी, मिच्छद्दिट्ठी, सम्मामिच्छद्दिट्ठी। तत्थ णं जे ते सम्मद्दिट्ठी तेसि णं चत्तारि किरियाओ कज्जंति, तंजहा-आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया। तत्थ णं जे ते मिच्छद्दिट्ठी जे सम्मामिच्छद्दिट्ठी तेसि णं निययाओ पञ्च किरियाओ कज्जंति, तंजहा-आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया, मिच्छादंसणवत्तिया, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'नेरइया नो सव्वे समकिरिया' ॥ ४७९ ॥ नेरइया णं भंते! सव्वे समाउया, सव्वे समोववन्नगा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! नेरइया चउव्विहा पन्नत्ता। तंजहा-अत्थेगइया समाउया समोववन्नगा, अत्थेगइया समाउया विसमोववन्नगा, अत्थेगइया विसमाउया समोववन्नगा, अत्थेगइया विसमाउया विसमोववन्नगा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'नेरइया नो सव्वे समाउया, नो सव्वे समोववन्नगा' ॥ ४८० ॥ असुरकुमारा णं भंते! सव्वे समाहारा? एवं सव्वे वि पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? जहा नेरइया। असुरकुमारा णं भंते! सव्वे समकम्मा? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! असुरकुमारा दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य। तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं महाकम्मतरा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं अप्पकम्मतरा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'असुरकुमारा णो सव्वे समकम्मा'। एवं वन्नलेस्साए पुच्छा। तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं अविसुद्धवन्नतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं विसुद्धवन्नतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'असुरकुमारा णं सव्वे णो समवन्ना'। एवं लेस्साए वि, वेयणाए जहा नेरइया, अवसेसं जहा नेरइयाणं। एवं

पन्नत्ते । तंजहा—ओरालियसरीरकायप्पओगे, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे, कम्मासरीरकायप्पओगे य । एवं जाव वणस्सइकाइयाणं, नवरं वाउकाइयाणं पञ्चविहे पओगे पन्नत्ते। तंजहा—ओरालिय० कायप्पओगे, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे, वेउव्विए दुविहे, कम्मासरीरकायप्पओगे य। बेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा! चउव्विहे पओगे पन्नत्ते। तंजहा—असच्चामोसवइप्पओगे, ओरालियसरीरकायप्पओगे, ओरालियमिस्ससरीरकायप्पओगे, कम्मासरीरकायप्पओगे। एवं जाव चउरिंदियाणं। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! तेरसविहे पओगे पन्नत्ते। तंजहा—सच्चमणप्पओगे, मोसमणप्पओगे, सच्चामोसमणप्पओगे, असच्चामोसमणप्पओगे, एवं वइप्पओगे वि, ओरालियसरीरकायप्पओगे, ओरालियमीससरीरकायप्पओगे, वेउव्वियसरीरकायप्पओगे, वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगे; कम्मासरीरकायप्पओगे। मणूसाणं पुच्छा। गोयमा! पण्णरसविहे पओगे पन्नत्ते । तंजहा—सच्चमणप्पओगे जाव कम्मासरीरकायप्पओगे । वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ ४६१ ॥ जीवा णं भंते! किं सच्चमणप्पओगी जाव कम्मासरीरकायप्पओगी? गोयमा! जीवा सव्वे वि ताव होज्ज सच्चमणप्पओगी वि जाव वेउव्वियमीससरीरकायप्पओगी वि कम्मासरीरकायप्पओगी वि १३ । अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगमीससरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य आहारगमीससरीरकायप्पओगिणो य ४ चउभङ्गो । अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीससरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य ४, एए जीवाणं अट्ठ १ ॥ ४६२ ॥ नेरइया णं भंते! किं सच्चमणप्पओगी जाव कम्मासरीरकायप्पओगी ११? गोयमा! नेरइया सव्वे वि ताव होज्जा सच्चमणप्पओगी वि जाव वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगी वि, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २, एवं असुरकुमारा वि जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइया णं भंते! किं ओरालियसरीरकायप्पओगी ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी कम्मासरीरकायप्पओगी? गोयमा! पुढविकाइया ओरालियसरीरकायप्पओगी वि ओरालियमीससरीरकायप्पओगी वि कम्मासरीरकायप्पओगी वि, एवं जाव वणप्फइकाइयाणं। णवरं वाउकाइया वेउव्वियसरीरकायप्पओगी वि वेउव्वियमीसासरीरकायप्पओगी वि। बेइंदि-

असंजया तेसिं चत्तारि किरियाओ कज्जंति, तंजहा-आरंभिया परिग्गहिया माया-वत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया । तत्थ णं जे ते मिच्छादिट्ठी जे सम्मामिच्छादिट्ठी तेसिं नियइयाओ पंच किरियाओ कज्जंति, तंजहा-आरंभिया परिग्गहिया मायावत्तिया अपच्चक्खाणकिरिया मिच्छादंसणवत्तिया, सेसं जहा नेरइयाणं ॥ ४८३ ॥ वाण-मंतराणं जहा असुरकुमाराणं । एवं जोइसियवेमाणियाण वि, नवरं ते वेयणाए दुविहा पन्नत्ता । तंजहा-माइमिच्छदिट्ठीउववन्नगा य अमाइसम्मदिट्ठीउववन्नगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छदिट्ठीउववन्नगा ते णं अप्पवेयणतरागा, तत्थ णं जे ते अमाइसम्म-दिट्ठीउववन्नगा ते णं महावेयणतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ० । सेसं तहेव ॥ ४८४ ॥ सलेसा णं भंते ! नेरइया सव्वे समाहारा, समसरीरा, समुस्सा-सनिस्सासा-सव्वे वि पुच्छा । गोयमा ! एवं जहा ओहिओ गमओ तहा सलेसाग-मओ वि निरवसेसो भाणियव्वो जाव वेमाणिया । कण्हलेसा णं भंते ! नेरइया सव्वे समाहारा-पुच्छा । गोयमा ! जहा ओहिया, नवरं नेरइया वेयणाए माइमिच्छदिट्ठी-उववन्नगा य अमाइसम्मदिट्ठीउववन्नगा य भाणियव्वा, सेसं तहेव जहा ओहियाणं । असुरकुमारा जाव वाणमंतरा एए जहा ओहिया, नवरं मणुस्साणं किरियाहिं विसेसो-जाव तत्थ णं जे ते सम्मदिट्ठी ते तिविहा पन्नत्ता । तंजहा-संजया असंजया संजयासंजया य, जहा ओहियाणं । जोइसियवेमाणिया आइल्लियासु तिसु लेसासु ण पुच्छिज्जंति । एवं जहा किण्हलेसा विचारिया तहा नीललेसा वि विचारेयव्वा । काउलेसा नेरइएहिंतो आरब्भ जाव वाणमंतरा, नवरं काउलेसा नेरइया वेयणाए जहा ओहिया । तेउलेसाणं भंते ! असुरकुमाराणं ताओ चेव पुच्छाओ । गोयमा ! जहेव ओहिया तहेव, नवरं वेयणाए जहा जोइसिया । पुढविआउवणस्सइपंचेंदिय-तिरिक्खमणुस्सा जहा ओहिया तहेव भाणियव्वा, नवरं मणूसा किरियाहिं जे संजया ते पमत्ता य अपमत्ता य भाणियव्वा, सरागा वीयरागा नत्थि । वाणमंतरा तेउले-साए जहा असुरकुमारा, एवं जोइसियवेमाणिया वि, सेसं तं चेव । एवं पम्हलेसा वि भाणियव्वा, नवरं जेसिं अत्थि । सुक्कलेस्सा वि तहेव जेसिं अत्थि, सव्वं तहेव जहा ओहियाणं गमओ, नवरं पम्हलेस्ससुक्कलेस्साओ पंचेंदियतिरिक्खजोणियमणूसवेमा-णियाणं चेव, न सेसाणं ति ॥ ४८५ ॥ **पन्नवणाए भगवईए सत्तरसमे लेस्सापए पढमो उद्देसओ समत्तो ॥**

कइ णं भंते ! लेसाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेसाओ पन्नत्ताओ । तंजहा-कण्हलेसा, नीललेसा, काउलेसा, तेउलेसा, पम्हलेसा, सुक्कलेसा ॥ ४८६ ॥ नेरइयाणं भंते ! कइ लेसाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! तिन्नि० तंजहा-किण्हलेसा,

आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य ४ चत्तारि भंगा, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ४ चउरो भङ्गा, अहवेगे य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ४ चउरो भङ्गा, एवं चउव्वीसं भङ्गा। अहवेगे य ओरालियमीसगसरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसगसरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य ओरालियमीसगसरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य ४, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ५, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य ६, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य ७, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य ८ एए अट्ठ भंगा, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगी य १, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो य ४, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगी य ५, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य कम्मगसरीरकायप्पओगिणो

कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! जहा ओहिया एगिंदिया, नवरं काउलेस्सा असंखेज्जगुणा। एवं आउकाइयाण वि। एएसि णं भंते! तेउकाइयाणं कण्हलेस्साणं नीललेस्साणं काउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा तेउकाइया काउलेस्सा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, एवं वाउकाइयाण वि। एएसि णं भंते! वणस्सइकाइयाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य जहा एगिंदियओहियाणं। बेइंदियाणं तेइंदियाणं चउरिंदियाणं जहा तेउकाइयाणं ॥ ४८९ ॥ एएसि णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं एवं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! जहा ओहियाणं तिरिक्खजोणियाणं, नवरं काउलेसा असंखेज्जगुणा। संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं जहा तेउकाइयाणं। गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं जहा ओहियाणं तिरिक्खजोणियाणं, नवरं काउलेसा संखेज्जगुणा, एवं तिरिक्खजोणिणीण वि। एएसि णं भंते! संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाण य कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा संखेज्जगुणा, तेउलेस्सा संखेज्जगुणा, काउलेस्सा संखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, काउलेस्सा संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणिया असंखेज्जगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया। एएसि णं भंते! संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! जहेव पंचमं तहा इमं छट्ठं भाणियव्वं। एएसि णं भंते! गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा, सुक्कलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ, पम्हलेसा गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिया संखेज्जगुणा, पम्हलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ, तेउलेसा तिरिक्खजोणिया संखेज्जगुणा, तेउलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ, काउलेसा संखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ संखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ। एएसि णं भंते! संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणिणीण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा गब्भवक्कंतिया तिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा, सुक्कलेसाओ तिरि० संखेज्जगुणाओ, पम्हलेसा गब्भवक्कंतिया तिरिक्ख-

आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य २, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ४, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य ५, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ६, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ७, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगी य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य ८, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य ९, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १०, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य ११, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगी य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १२, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगी य १३, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगी य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १४, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगी य १५, अहवेगे य ओरालियमीसासरीरकायप्पओगिणो य आहारगसरीरकायप्पओगिणो य आहारगमीसासरीरकायप्पओगिणो य कम्मासरीरकायप्पओगिणो य १६ एवं एए चउसंजोएणं सोलस भंगा भवंति, सव्वेऽवि य णं संपिंडिया असीइ भंगा भवंति। वाणमंतरजोइसवेमाणिया जहा असुरकुमारा ॥ ४३४ ॥ कइविहे णं भंते ! गइप्पवाए पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे गइप्पवाए पन्नत्ते। तंजहा-

एवं चेव। एएसि णं भंते! भवणवासीणं देवाणं देवीण य कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा भवणवासी देवा तेउलेसा, भवणवासिणीओ० तेउलेसाओ संखेज्जगुणाओ, काउलेसा भवणवासी देवा असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ भवणवासिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, एवं वाणमंतराणं, तिन्नेव अप्पाबहुया जहेव भवणवासीणं तहेव भाणियव्वा ॥ ४९२ ॥ एएसि णं भंते! जोइसियाणं देवाणं देवीण य तेउलेस्साणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा जोइसिया देवा तेउलेस्सा, जोइसिणीओ देवीओ तेउलेस्साओ संखेज्जगुणाओ ॥ ४९३ ॥ एएसि णं भंते! वेमाणियाणं देवाणं तेउलेसाणं पम्हलेसाणं सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेज्जगुणा, तेउलेसा असंखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! वेमाणियाणं देवाणं देवीण य तेउलेस्साणं पम्हलेस्साणं सुक्कलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्सा असंखेज्जगुणा, तेउलेस्साओ वेमाणिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ ॥ ४९४ ॥ एएसि णं भंते! भवणवासीदेवाणं वाणमंतराणं जोइसियाणं वेमाणियाण य देवाण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा सुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेज्जगुणा, तेउलेसा असंखेज्जगुणा, तेउलेसा भवणवासी देवा असंखेज्जगुणा, काउलेसा असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, तेउलेसा वाणमंतरा देवा असंखेज्जगुणा, काउलेसा असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, तेउलेसा जोइसिया देवा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! भवणवासिणीणं वाणमंतरीणं जोइसिणीणं वेमाणिणीण य कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवाओ देवीओ वेमाणिणीओ तेउलेसाओ, भवणवासिणीओ० तेउलेसाओ असंखेज्जगुणाओ, काउलेसाओ असंखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसाओ वाणमंतरीओ देवीओ असंखेज्जगुणाओ, काउलेसाओ असंखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसाओ जोइसिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ ॥ ४९५ ॥ एएसि णं भंते! भवणवासीणं जाव वेमाणियाणं देवाण य देवीण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा वेमाणिया देवा

सपक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे महाहिमवंतरुप्पिवासहर-पव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे हरिवासरम्मगवास-सपक्खि सपडिदिसिं सिद्धक्खेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे गंधावाइमालवंतपव्वय-वट्टवेयड्डसपक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे णिसहणीलवंतवासह-रपव्वयसपक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे पुव्वविदेहावरविदेहस-पक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे देवकुरुउत्तरकुरुसपक्खि सपडि-दिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, जंबुद्दीवे दीवे मंदरपव्वयस्स सपक्खि सपडिदिसिं सिद्ध-खेत्तोववायगई, लवणे समुद्दे सपक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, धायइसंडे दीवे पुरिमद्धपच्चत्थिमद्धमंदरपव्वयसपक्खिं सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, कालो-यसमुद्दसपक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, पुक्खरवरदीवद्धपुरत्थिमद्धभरहेर-वयवाससपक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, एवं जाव पुक्खरवरदीवद्धपच्छिमद्ध-मंदरपव्वयसपक्खि सपडिदिसिं सिद्धखेत्तोववायगई, से तं सिद्धखेत्तोववायगई ५... ॥ ४६९ ॥ से किं तं भवोववायगई? भवोववायगई चउव्विहा पन्नत्ता। तंजहा–नेरइय-भवोववायगई जाव देवभवोववायगई। से किं तं नेरइयभवोववायगई? नेरइयभवोववा-यगई सत्तविहा पन्नत्ता। तंजहा–एवं सिद्धवज्जो भेदो भाणियव्वो जो चेव खेत्तोववायगईए सो चेव, से तं देवभवोववायगई। से तं भवोववायगई ॥ ४७० ॥ से किं तं नोभवोव-वायगई? नोभवोववायगई दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–पोग्गलनोभवोववायगई, सिद्धनो-भवोववायगई। से किं तं पोग्गलनोभवोववायगई? पोग्गलनोभवोववायगई जण्णं परमाणुपोग्गले लोगस्स पुरत्थिमिल्लाओ चरमंताओ पच्चत्थिमिल्लं चरमंतं एगसमएणं गच्छइ, पच्चत्थिमिल्लाओ वा चरमंताओ पुरत्थिमिल्लं चरमंतं एगसमएणं गच्छइ, दाहिणिल्लाओ वा चरमंताओ उत्तरिल्लं चरमंतं एगसमएणं गच्छइ, एवं उत्तरिल्लाओ दाहिणिल्लं, उवरिल्लाओ हेट्ठिल्लं, हिट्ठिल्लाओ उवरिल्लं, से तं पोग्गलनोभवोववायगई ॥ ४७१ ॥ से किं तं सिद्धणोभवोववायगई? सिद्धणोभवोववायगई दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–अणंतरसिद्धणोभवोववायगई परंपरसिद्धणोभवोववायगई य। से किं तं अणंतरसिद्धणोभवोववायगई? २ पण्णरसविहा पन्नत्ता। तंजहा–तित्थसिद्धअणंतर-सिद्धणोभवोववायगई य जाव अणेगसिद्ध० णोभवोववायगई य। से किं तं परंपर-सिद्धणोभवोववायगई? २ अणेगविहा पन्नत्ता। तंजहा–अपढमसमयसिद्धणोभवोववाय-गई, एवं दुसमयसिद्धणोभवोववायगई जाव अणंतसमयसिद्धणोभवोववायगई, सेत्तं सिद्धणोभवोववायगई, से तं णोभवोववायगई, से तं उववायगई ४ ॥ ४७२ ॥ से किं तं विहायगई? विहायगई सत्तरसविहा पन्नत्ता। तंजहा–फुसमाणगई १,

नेरइए नेरइएसु उववज्जइ, नो अनेरइए नेरइएसु उववज्जइ, एवं जाव वेमाणियाणं। नेरइए णं भंते! नेरइएहिंतो उववट्टइ, अनेरइए नेरइएहिंतो उववट्टइ? गोयमा! अनेरइए नेरइएहिंतो उववट्टइ, नो नेरइए नेरइएहिंतो उववट्टइ। एवं जाव वेमाणिए, नवरं जोइसियवेमाणिएसु 'चयणं'ति अभिलावो कायव्वो ॥ ५०० ॥ से नूणं भंते! कण्हलेसे नेरइए कण्हलेसेसु नेरइएसु उववज्जइ, कण्हलेसे उववट्टइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ? हंता गोयमा! कण्हलेसे नेरइए कण्हलेसेसु नेरइएसु उववज्जइ, कण्हलेसे उववट्टइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ, एवं नीललेसे वि, एवं काउलेसे वि। एवं असुरकुमाराण वि जाव थणियकुमारा, नवरं लेसा अब्भहिया। से नूणं भंते! कण्हलेसे पुढविकाइए कण्हलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ, कण्हलेसे उव्वट्टइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ? हंता गोयमा! कण्हलेसे पुढविकाइए कण्हलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववट्टइ, सिय नीललेसे उववट्टइ, सिय काउलेसे उववट्टइ, सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ। एवं नीलकाउलेसासु वि। से नूणं भंते! तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ पुच्छा। हंता गोयमा! तेउलेसे पुढविकाइए तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववट्टइ, सिय नीललेसे उववट्टइ, सिय काउलेसे उववट्टइ, तेउलेसे उववज्जइ, नो चेव णं तेउलेसे उववट्टइ। एवं आउकाइया वणस्सइकाइया वि। तेउवाऊ एवं चेव, नवरं एएसिं तेउलेसा नत्थि। बितियचउरिंदिया एवं चेव तिसु लेसासु। पंचेंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा य जहा पुढविकाइया आइल्लिया तिसु लेसासु भणिया तहा छसु वि लेसासु भाणियव्वा, नवरं छप्पि लेसाओ चारेयव्वाओ। वाणमंतरा जहा असुरकुमारा। से नूणं भंते! तेउलेस्से जोइसिए तेउलेस्सेसु जोइसिएसु उववज्जइ? जहेव असुरकुमारा। एवं वेमाणिया वि, नवरं दोण्हं पि चयंतीति अभिलावो ॥५०१॥ से नूणं भंते! कण्हलेसे नीललेसे काउलेसे नेरइए कण्हलेसेसु नीललेसेसु काउलेसेसु नेरइएसु उववज्जइ, कण्हलेसे नीललेसे काउलेसे उववट्टइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ? हंता गोयमा! कण्हनीलकाउलेसे उववज्जइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ। से नूणं भंते! कण्हलेसे जाव तेउलेसे असुरकुमारे कण्हलेसेसु जाव तेउलेसेसु असुरकुमारेसु उववज्जइ? एवं जहेव नेरइए तहा असुरकुमारा वि जाव थणियकुमारा वि। से नूणं भंते! कण्हलेसे जाव तेउलेसे पुढविकाइए कण्हलेसेसु जाव तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ? एवं पुच्छा जहा असुरकुमाराणं। हंता गोयमा! कण्हलेसे जाव तेउलेसे पुढविकाइए कण्हलेसेसु जाव तेउलेसेसु पुढविकाइएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववट्टइ, सिय नीललेसे०, सिय काउलेसे उववट्टइ, सिय जल्लेसे उववज्जइ

जहानामए चत्तारि पुरिसा समगं पज्जवट्ठिया समगं पट्ठिया १, समगं पज्जवट्ठिया विसमगं पट्ठिया २, विसमं पज्जवट्ठिया विसमं पट्ठिया ३, विसमं पज्जवट्ठिया समगं पट्ठिया ४, से तं चउपुरिसपविभत्तगई १४। से किं तं वंकगई? २ चउव्विहा पन्नत्ता। तंजहा–घट्टणया, थंभणया, लेसणया, पवडणया, से तं वंकगई १५। से किं तं पंकगई? २ से जहाणामए केइ पुरिसे पंकंसि वा उदयंसि वा कायं उव्विहिया २ गच्छइ, से तं पंकगई १६। से किं तं बंधणविमोयणगई? २ जण्णं अंबाण वा अंबाडगाण वा माउलुंगाण वा बिल्लाण वा कविट्ठाण वा भव्वाण वा फणसाण वा दालिमाण वा अक्खोलाण वा चाराण वा बोराण वा तिंदुयाण वा पक्काणं परियागयाणं बंधणाओ विप्पमुक्काणं निव्वाघाएणं अहे वीससाए गई पवत्तइ, से तं बंधणविमोयणगई १७। से तं विहायोगई ५॥ ४७४॥ **पन्नवणाए भगवईए सोलसमं पओगपयं समत्तं॥**

आहार समसरीरा उस्सासे कम्मवन्नलेसासु। समवेयण समकिरिया समाउया चेव बोद्धव्वा॥ १॥ नेरइया णं भंते! सव्वे समाहारा, सव्वे समसरीरा, सव्वे समुस्सासनिस्सासा? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'नेरइया णो सव्वे समाहारा जाव णो सव्वे समुस्सासनिस्सासा'? गोयमा! णेरइया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–महासरीरा य अप्पसरीरा य। तत्थ णं जे ते महासरीरा ते णं बहुतराए पोग्गले आहारेंति, बहुतराए पोग्गले परिणामेंति, बहुतराए पोग्गले उस्ससंति, बहुतराए पोग्गले नीससंति, अभिक्खणं आहारेंति, अभिक्खणं परिणामेंति, अभिक्खणं ऊससंति, अभिक्खणं नीससंति। तत्थ णं जे ते अप्पसरीरा ते णं अप्पतराए पोग्गले आहारेंति, अप्पतराए पोग्गले परिणामेंति, अप्पतराए पोग्गले ऊससंति, अप्पतराए पोग्गले नीससंति, आहच्च आहारेंति, आहच्च परिणामेंति, आहच्च ऊससंति, आहच्च नीससंति, से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–'नेरइया णो सव्वे समाहारा, णो सव्वे समसरीरा, णो सव्वे समुस्सासनिस्सासा'॥ ४७५॥ नेरइया णं भंते! सव्वे समकम्मा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'नेरइया नो सव्वे समकम्मा'? गोयमा! नेरइया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–पुव्वोववन्नगा य पच्छोववन्नगा य। तत्थ णं जे ते पुव्वोववन्नगा ते णं अप्पकम्मतरागा, तत्थ णं जे ते पच्छोववन्नगा ते णं महाकम्मतरागा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–'नेरइया नो सव्वे समकम्मा'॥ ४७६॥ नेरइया णं भंते! सव्वे समवन्ना? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'नेरइया नो सव्वे समवन्ना'? गोयमा! नेरइया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–पुव्वोववन्नगा य पच्छो-

खेत्तं पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—'नीललेसे नेरइए कण्हलेस्सं जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ'। काउलेस्से णं भंते! नेरइए नीललेस्सं नेरइयं पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवइयं खेत्तं जाणइ० पासइ? गोयमा! वहुतरागं खेत्तं जाणइ० पासइ जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—'काउलेस्से णं नेरइए जाव विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ'? गोयमा! से जहानामए केइ पुरिसे वहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ पव्वयं दुरुहइ दुरुहित्ता दो वि पाए उच्चाविया (वइत्ता) सव्वओ समंता समभिलोएज्जा, तए णं से पुरिसे पव्वयगयं धरणितलगयं च पुरिसं पणिहाय सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ वहुतरागं खेत्तं जाणइ, वहुतरागं खेत्तं पासइ जाव वितिमिरतरागं खेत्तं पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—'काउलेस्से णं नेरइए नीललेस्सं नेरइयं पणिहाय तं चेव जाव वितिमिरतरागं खेत्तं पासइ' ॥ ५०३ ॥ कण्हलेसे णं भंते! जीवे कइसु नाणेसु होज्जा? गोयमा! दोसु वा तिसु वा चउसु वा नाणेसु होज्जा, दोसु होमाणे आभिणिवोहियसुयनाणे होज्जा, तिसु होमाणे आभिणिवोहियसुयनाणओहिनाणेसु होज्जा, अहवा तिसु होमाणे आभिणिवोहियसुयनाणमणपज्जवनाणेसु होज्जा, चउसु होमाणे आभिणिवोहियसुयओहिमणपज्जवनाणेसु होज्जा, एवं जाव पम्हलेसे। सुक्कलेसे णं भंते! जीवे कइसु नाणेसु होज्जा? गोयमा! एगंसि वा दोसु वा तिसु वा चउसु वा होज्जा, दोसु होमाणे आभिणिवोहियनाण-एवं जहेव कण्हलेसाणं तहेव भाणियव्वं जाव चउहिं। एगंमि नाणे होमाणे एगंमि केवलनाणे होज्जा ॥ ५०४ ॥ **पन्नवणाए भगवईए सत्तरसमे लेस्सापए तइओ उद्देसओ समत्तो ॥**

परिणामवन्नरसगंधसुद्धअपसत्थसंकिलिट्ठुण्हा। गइपरिणामपएसोगाढवग्गणठाणाणमप्पवहुं ॥ १ ॥ कइ णं भंते! लेसाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! छल्लेसाओ पन्नत्ताओ। तंजहा—कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा। से नूणं भंते! कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ? हंता गोयमा! कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—'कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ'? गोयमा! से जहा नामए खीरे दूसिं पप्प सुद्धे वा वत्थे रागं पप्प तारूवत्ताए जाव ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—'कण्हलेस्सा नीललेस्सं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ'। एवं एएणं अभिलावेणं नीललेसा काउलेसं पप्प, काउलेसा तेउलेसं पप्प, तेउलेसा पम्हलेसं पप्प, पम्हलेसा सुक्कलेसं पप्प जाव भुज्जो २ परिणमइ ॥ ५०५ ॥ से नूणं भंते! कण्हलेसा नीललेसं

काउलेस्सा णं एत्तो अणिट्ठयरिया जाव अमणामयरिया चेव वन्नेणं पन्नत्ता ॥५१०॥ तेउलेस्सा णं भंते! केरिसिया वन्नेणं पन्नत्ता? गोयमा! से जहानामए ससरुहिरे इ वा उरब्भरुहिरे इ वा वराहरुहिरे इ वा संवररुहिरे इ वा मणुस्सरुहिरे इ वा इंदगोवे इ वा बालिंदगोवे इ वा बालदिवायरे इ वा संझारागे इ वा गुंजद्धरागे इ वा जाइहिंगुले इ वा पवालंकुरे इ वा लक्खारसे इ वा लोहियक्खमणी इ वा किमिरा-गकंबले इ वा गयतालुए इ वा चीणपिट्ठरासी इ वा पारिजायकुसुमे इ वा जासुमण-कुसुमे इ वा किंसुयपुप्फरासी इ वा रत्तुप्पले इ वा रत्तासोगे इ वा रत्तकणवीरए इ वा रत्तबंधुजीवए इ वा, भवेयारूवा? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। तेउलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वन्नेणं पन्नत्ता ॥ ५११ ॥ पम्हलेस्सा णं भंते! केरिसिया वन्नेणं पन्नत्ता? गोयमा! से जहानामए चंपे इ वा चंपयछल्ली इ वा चंपयभेए इ वा हालिद्दा इ वा हालिद्दगुलिया इ वा हालिद्दभेए इ वा हरियाले इ वा हरियालगुलिया इ वा हरियालभेए इ वा चिउरे इ वा चिउररागे इ वा सुवन्नसिप्पी इ वा वरकणगणिहसे इ वा वरपुरिसवसणे इ वा अल्लइकुसुमे इ वा चंपयकुसुमे इ वा कण्णियारकुसुमे इ वा कुहंडयकुसुमे इ वा सुवण्णजूहिया इ वा सुहिरन्नियाकुसुमे इ वा कोरिंटमल्लदामे इ वा पीयासोगे इ वा पीयकणवीरे इ वा पीयबंधुजीवए इ वा, भवेयारूवे? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। पम्हलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया जाव मणामतरिया चेव वन्नेणं पन्नत्ता ॥ ५१२ ॥ सुक्कलेस्सा णं भंते! केरिसिया वन्नेणं पन्नत्ता? गोयमा! से जहानामए अंके इ वा संखे इ वा चंदे इ वा कुंदे इ वा दगे इ वा दगरए इ वा दही इ वा दहिघणे इ वा खीरे इ वा खीरपूरए इ वा सुक्कच्छिवाडिया इ वा पेहुणमिंजिया इ वा धंतधोयरुप्पपट्टे इ वा सारयवलाहए इ वा कुमुयदले इ वा पोंडरीयदले इ वा सालिपिट्ठरासी इ वा कुडगपुप्फरासी इ वा सिंदुवारमल्लदामे इ वा सेयासोए इ वा सेयकणवीरे इ वा सेयबंधुजीवए इ वा, भवेयारूवे? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। सुक्कलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव वन्नेणं पन्नत्ता ॥ ५१३ ॥ एयाओ णं भंते! छल्लेस्साओ कइसु वन्नेसु साहिज्जंति? गोयमा! पंचसु वन्नेसु साहिज्जंति, तंजहा– कण्हलेस्सा कालएणं वन्नेणं साहिज्जइ, नीललेस्सा नीलवन्नेणं साहिज्जइ, काउलेस्सा काललोहिएणं वन्नेणं साहिज्जइ, तेउलेस्सा लोहिएणं वन्नेणं साहिज्जइ, पम्हलेस्सा हालिद्दएणं वन्नेणं साहिज्जइ, सुक्कलेस्सा सुक्किल्लएणं वन्नेणं साहिज्जइ ॥ ५१४ ॥ कण्हलेस्सा णं भंते! केरिसिया आसाएणं पन्नत्ता? गोयमा! से जहानामए निंबे इ वा निंबसारे इ वा निंबछल्ली इ वा निंबफाणिए इ वा कुडए इ वा कुडगफलए इ वा

नीललेसा, काउलेसा । तिरिक्खजोणियाणं भंते ! कइ लेस्साओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! छल्लेस्साओ पन्नत्ताओ । तंजहा-कण्हलेस्सा जाव सुक्कलेसा । एगिंदियाणं भंते ! कइ लेसाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! चत्तारि लेसाओ पन्नत्ताओ । तंजहा-कण्हलेसा जाव तेउलेसा । पुढविकाइयाणं भंते ! कइ लेसाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! एवं चेव । आउवणस्सइकाइयाण वि एवं चेव । तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदियाणं जहा नेरइयाणं । पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसा-कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! जहा नेरइयाणं । गब्भवक्कंतियपंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसा-कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । तिरिक्खजोणिणीणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसा एयाओ चेव । मणूसाणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसा एयाओ चेव । संमुच्छिममणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहा नेरइयाणं । गब्भवक्कंतियमणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! छल्लेसाओ० तंजहा-कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा । मणुस्सीणं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव । देवाणं पुच्छा । गोयमा ! छ एयाओ चेव । देवीणं पुच्छा । गोयमा ! चत्तारि-कण्हलेसा जाव तेउलेसा । भवणवासीणं भंते ! देवाणं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव, एवं भवणवासिणीण वि । वाणमंतरदेवाणं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव, एवं वाणमंतरीण वि । जोइसियाणं पुच्छा । गोयमा ! एगा तेउलेसा, एवं जोइसिणीण वि । वेमाणियाणं पुच्छा । गोयमा ! तिन्नि० तंजहा-तेउलेसा, पम्हलेसा, सुक्कलेसा । वेमाणिणीणं पुच्छा । गोयमा ! एगा तेउलेसा ॥ ४८७ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं सलेस्साणं कण्हलेस्साणं जाव सुक्कलेस्साणं अलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा सुक्कलेस्सा, पम्हलेस्सा संखेज्जगुणा, तेउलेस्सा संखेज्जगुणा, अलेस्सा अणंतगुणा, काउलेस्सा अणंतगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया, सलेस्सा विसेसाहिया ॥ ४८८ ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं कण्हलेसाणं नीललेसाणं काउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा नेरइया कण्हलेसा, नीललेसा असंखेज्जगुणा, काउलेसा असंखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा तिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा, एवं जहा ओहिया, नवरं अलेसवज्जा । एएसिं भंते ! एगिंदियाणं कण्हलेस्साणं नीललेस्साणं काउलेस्साणं तेउलेस्साण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा एगिंदिया तेउलेस्सा, काउलेस्सा अणंतगुणा, नीललेस्सा विसेसाहिया, कण्हलेस्सा विसेसाहिया । एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं कण्हलेस्साणं जाव तेउलेस्साण य

सुब्भिगंधाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! तओ लेस्साओ सुब्भिगंधाओ पन्नत्ताओ। तंजहा—तेउलेस्सा, पम्हलेस्सा, सुक्कलेस्सा, एवं तओ अविसुद्धाओ, तओ विसुद्धाओ, तओ अप्पसत्थाओ, तओ पसत्थाओ, तओ संकिलिट्ठाओ, तओ असंकिलिट्ठाओ, तओ सीयलुक्खाओ, तओ निद्धुण्हाओ, तओ दुग्गइगामियाओ, तओ सुगइगामियाओ ॥ ५२१ ॥ कण्हलेस्सा णं भंते ! कइविहं परिणामं परिणमइ ? गोयमा ! तिविहं वा नवविहं वा सत्तावीसविहं वा एक्कासीइविहं वा बेतेयालीसतविहं वा बहुयं वा बहुविहं वा परिणामं परिणमइ, एवं जाव सुक्कलेस्सा ॥ ५२२ ॥ कण्हलेस्सा णं भंते ! कइपएसिया पन्नत्ता ? गोयमा ! अणंतपएसिया पन्नत्ता, एवं जाव सुक्कलेस्सा। कण्हलेस्सा णं भंते ! कइपएसोगाढा पन्नत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जपएसोगाढा पन्नत्ता, एवं जाव सुक्कलेस्सा। कण्हलेस्साए णं भंते ! केवइयाओ वग्गणाओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! अणंताओ वग्गणाओ०, एवं जाव सुक्कलेस्साए ॥ ५२३ ॥ केवइया णं भंते ! कण्हलेस्साठाणा पन्नत्ता ? गोयमा ! असंखेज्जा कण्हलेस्साठाणा पन्नत्ता। एवं जाव सुक्कलेस्सा ॥ ५२४ ॥ एएसि णं भंते ! कण्हलेस्साठाणाणं जाव सुक्कलेस्साठाणाण य जहन्नगाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जहन्नगा काउलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए, जहन्नगा नीललेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा कण्हलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा तेउलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा पम्हलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा सुक्कलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, पएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा जहन्नगा काउलेस्साठाणा पएसट्ठयाए, जहन्नगा नीललेस्साठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा कण्हलेस्साठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा तेउलेस्साए ठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा पम्हलेस्साठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नगा सुक्कलेस्साठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, दव्वट्ठपएसट्ठयाए—सव्वत्थोवा जहन्नगा काउलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए, जहन्नगा नीललेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हलेस्सा, तेउलेस्सा, पम्हलेस्सा, जहन्नगा सुक्कलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नएहिंतो सुक्कलेस्साठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए जहन्नकाउलेस्साठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नया नीललेस्साठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं जाव सुक्कलेस्साठाणा ॥ ५२५ ॥ एएसि णं भंते ! कण्हलेस्साठाणाणं जाव सुक्कलेस्साठाणाण य उक्कोसगाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा उक्कोसगा काउलेस्साठाणा दव्वट्ठयाए, उक्कोसगा नीललेस्साठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं जहेव जहन्नगा तहेव उक्कोसगा वि, नवरं उक्कोसत्ति

जोणिया संखेज्जगुणा, पम्हलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ, तेउलेसा गब्भवक्कंतिया तिरिक्खजोणिया संखेज्जगुणा, तेउलेसाओ तिरिक्खजोणिणीओ संखेज्जगुणाओ, काउलेसाओ संखेज्जगुणाओ, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसा संखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, काउलेसा संमुच्छिमपंचेंदियतिरिक्खजोणिया असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया। एएसि णं भंते! पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा पंचेंदियतिरिक्खजोणिया सुक्कलेसा, सुक्कलेसाओ संखेज्जगुणाओ, पम्हलेसा संखेज्जगुणा, पम्हलेसाओ संखेज्जगुणाओ, तेउलेसा संखेज्जगुणा, तेउलेसाओ संखेज्जगुणाओ, काउलेसा संखेज्जगुणा, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसा असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ। एएसि णं भंते! तिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणिणीण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! जहेव नवमं अप्पाबहुगं तहा इमं पि, नवरं काउलेसा तिरिक्खजोणिया अणंतगुणा। एवं एए दस अप्पाबहुगा तिरिक्खजोणियाणं ॥ ४९० ॥ एएसि णं भंते! देवाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा देवा सुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेज्जगुणा, काउलेसा असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, तेउलेसा संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! देवीणं कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवाओ देवीओ काउलेसाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसाओ संखेज्जगुणाओ। एएसि णं भंते! देवाणं देवीण य कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा देवा सुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेज्जगुणा, काउलेसा असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ देवीओ संखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसा देवा संखेज्जगुणा, तेउलेसाओ देवीओ संखेज्जगुणाओ ॥ ४९१ ॥ एएसि णं भंते! भवणवासीणं देवाणं कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा भवणवासी देवा तेउलेसा, काउलेसा असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया। एएसि णं भंते! भवणवासिणीणं देवीणं कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा!

वा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–'कण्हलेसा नीललेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ'। से नूणं भंते! नीललेसा काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ? हंता गोयमा! नीललेसा काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिमणइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—'नीललेसा काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ'? गोयमा! आगारभावमायाए वा सिया, पलिभागभावमायाए वा सिया। नीललेसा णं सा, णो खलु सा काउलेसा, तत्थगया ओसक्कइ उस्सक्कइ वा, से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—'नीललेसा काउलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ'। एवं काउलेसा तेउलेसं पप्प, तेउलेसा पम्हलेसं पप्प, पम्हलेसा सुक्कलेसं पप्प। से नूणं भंते! सुक्कलेसा पम्हलेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव परिणमइ? हंता गोयमा! सुक्कलेसा तं चेव। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—'सुक्कलेसा जाव णो परिणमइ'? गोयमा! आगारभावमायाए वा जाव सुक्कलेसा णं सा, णो खलु सा पम्हलेसा, तत्थ गया ओसक्कइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—'जाव णो परिणमइ' ॥ ५२९ ॥ **पन्नवणाए भगवईए सत्तरसमे लेस्सापए पंचमो उद्देसओ समत्तो ॥**

कइ णं भंते! लेसा पन्नत्ता? गोयमा! छ लेसा पन्नत्ता। तंजहा—कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा। मणुस्साणं भंते! कइ लेसाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! छ लेसाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा। मणुस्सीणं भंते! पुच्छा। गोयमा! छल्लेस्साओ पन्नत्ताओ। तंजहा—कण्हा जाव सुक्का। कम्मभूमयमणुस्साणं भंते! कइ लेसाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! छ लेसाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–कण्हा जाव सुक्का। एवं कम्मभूमयमणुस्सीण वि। भरहेरवयमणुस्साणं भंते! कइ लेसाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! छल्लेसाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–कण्हा जाव सुक्का। एवं मणुस्सीण वि। पुव्वविदेहे अवरविदेहे कम्मभूमयमणुस्साणं कइ लेस्साओ०? गो०! छल्लेस्साओ०। तंजहा–कण्हा जाव सुक्का। एवं मणुस्सीण वि। अकम्मभूमयमणुस्साणं पुच्छा। गोयमा! चत्तारि लेसाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–कण्ह० जाव तेउलेसा, एवं अकम्मभूमगमणुस्सीण वि, एवं अंतरदीवगमणुस्साणं, मणुस्सीण वि। एवं हेमवयएरन्नवयअकम्मभूमयमणुस्साणं मणुस्सीण य कइ लेसाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! चत्तारि, तंजहा—कण्हलेसा जाव तेउलेसा। हरिवासरम्मयअकम्मभूमयमणुस्साणं मणुस्सीण य पुच्छा। गोयमा! चत्तारि, तंजहा—कण्ह० जाव तेउलेसा। देवकुरुउत्तरकुरुअकम्मभूमयमणुस्सा एवं चेव, एएसिं चेव मणुस्सीणं एवं चेव, धायइसंडपुरिमद्धे वि एवं चेव, पच्छिमद्धे वि, एवं पुक्खरदीवे वि भाणियव्वं ॥ ५३० ॥

सुक्कलेसा, पम्हलेसा असंखेज्जगुणा, तेउलेसा असंखेज्जगुणा, तेउलेसाओ वेमाणिय-देवीओ संखेज्जगुणाओ, तेउलेसा भवणवासी देवा असंखेज्जगुणा, तेउलेसाओ भवणवासिणीओ देवीओ संखेज्जगुणाओ, काउलेसा भवणवासी० असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ भवणवासिणीओ० संखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसाहियाओ, तेउलेसा वाणमंतरा० संखेज्जगुणा, तेउलेसाओ वाणमंतरीओ० संखेज्जगुणाओ, काउलेसा वाण-मंतरा० असंखेज्जगुणा, नीललेसा विसेसाहिया, कण्हलेसा विसेसाहिया, काउलेसाओ वाणमंतरीओ० संखेज्जगुणाओ, नीललेसाओ विसेसाहियाओ, कण्हलेसाओ विसेसा-हियाओ, तेउलेसा जोइसिया० संखेज्जगुणा, तेउलेसाओ जोइसिणीओ० संखेज्ज-गुणाओ ॥ ४९६ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पड्ढिया वा महड्ढिया वा ? गोयमा ! कण्हलेसेहिंतो नीललेसा महड्ढिया, नीललेसेहिंतो काउलेसा महड्ढिया, एवं काउलेसेहिंतो तेउलेसा महड्ढिया, तेउलेसेहिंतो पम्हलेसा महड्ढिया, पम्हलेसेहिंतो सुक्कलेसा महड्ढिया, सव्वप्पड्ढिया जीवा कण्हलेसा, सव्वमहड्ढिया सुक्कलेसा ॥ ४९७ ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं कण्हलेसाणं नीललेसाणं काउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पड्ढिया वा महड्ढिया वा ? गोयमा ! कण्हलेसेहिंतो नीललेसा महड्ढिया, नीललेसेहिंतो काउलेसा महड्ढिया, सव्वप्पड्ढिया नेरइया कण्हलेसा, सव्वमहड्ढिया नेरइया काउलेसा ॥ ४९८ ॥ एएसि णं भंते ! तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं जाव सुक्कलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पड्ढिया वा महड्ढिया वा ? गोयमा ! जहा जीवाणं । एएसि णं भंते ! एगिंदिय-तिरिक्खजोणियाणं कण्हलेसाणं जाव तेउलेसाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पड्ढिया वा महड्ढिया वा ? गोयमा ! कण्हलेसेहिंतो एगिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो नीललेसा महड्ढिया, नीललेसेहिंतो तिरिक्खजोणिएहिंतो काउलेसा महड्ढिया, काउलेसेहिंतो तेउलेसा महड्ढिया, सव्वप्पड्ढिया एगिंदियतिरिक्खजोणिया कण्हलेसा, सव्वमहड्ढिया तेउलेसा । एवं पुढविकाइयाण वि । एवं एएणं अभिलावेणं जहेव लेस्साओ भावि-याओ तहेव नेयव्वं जाव चउरिंदिया । पंचेंदियतिरिक्खजोणियाणं तिरिक्खजोणि-णीणं संमुच्छिमाणं गब्भवक्कंतियाण य सव्वेसिं भाणियव्वं जाव अप्पड्ढिया वेमा-णिया देवा तेउलेसा, सव्वमहड्ढिया वेमाणिया सुक्कलेसा । केई भणंति—चउवीसं दंडएणं इड्ढी भाणियव्वा ॥ ४९९ ॥ **पन्नवणाए भगवईए सत्तरसमे लेस्सा-पए बीओ उद्देसओ समत्तो ॥**

नेरइए णं भंते ! नेरइएसु उववज्जइ, अनेरइए नेरइएसु उववज्जइ ? गोयमा !

भंते! नेरइयपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं। तिरिक्खजोणियपज्जत्तए णं भंते! तिरिक्खजोणियपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं। एवं तिरिक्खजोणिणिपज्जत्तिया वि, एवं मणुस्से वि, मणुस्सी वि एवं चेव। देवपज्जत्तए जहा नेरइयपज्जत्तए। देवीपज्जत्तिया णं भंते! देवीपज्जत्तियत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं, उक्कोसेणं पणपन्नं पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं॥ दारं २॥५३३॥ सइंदिए णं भंते! सइंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सइंदिए दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए। एगिंदिए णं भंते! एगिंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं वणस्सइकालो। बेइंदिए णं भंते! बेइंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जं कालं। एवं तेइंदियचउरिंदिए वि। पंचिंदिए णं भंते! पंचिंदिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसहस्सं साइरेगं। अणिंदिए णं पुच्छा। गोयमा! साइए अपज्जवसिए। सइंदियअपज्जत्तए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। एवं जाव पंचिंदियअपज्जत्तए। सइंदियपज्जत्तए णं भंते! सइंदियपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। एगिंदियपज्जत्तए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं। बेइंदियपज्जत्तए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जवासाइं। तेइंदियपज्जत्तए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं राइंदियाइं। चउरिंदियपज्जत्तए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जा मासा। पंचिंदियपज्जत्तए णं भंते! पंचिंदियपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं॥ दारं ३॥५३४॥ सकाइए णं भंते! सकाइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा! सकाइए दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, तत्थ णं जे से अ० स० से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं। अकाइए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! अकाइए साइए अपज्जवसिए। सकाइयअपज्जत्तए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं, एवं जाव तसकाइयअपज्जत्तए पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। पुढविकाइए णं पुच्छा।

तल्लेसे उववट्टइ, तेउलेसे उववज्जइ, नो चेव णं तेउलेसे उववट्टइ। एवं आउकाइया वणस्सइकाइया वि भाणियव्वा। से नूणं भंते! कण्हलेसे नीललेसे काउलेसे तेउकाइए कण्हलेसेसु नीललेसेसु काउलेसेसु तेउकाइएसु उववज्जइ, कण्हलेसे नीललेसे काउलेसे उववट्टइ, जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ? हंता गोयमा! कण्हलेसे नीललेसे काउलेसे तेउकाइए कण्हलेसेसु नीललेसेसु काउलेसेसु तेउकाइएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उव्वट्टइ, सिय नीललेसे उववट्टइ, सिय काउलेसे उववट्टइ, सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ। एवं वाउकाइयबेइंदियतेइंदियचउरिंदिया वि भाणियव्वा। से नूणं भंते! कण्हलेसे जाव सुक्कलेसे पंचेंदियतिरिक्खजोणिए कण्हलेसेसु जाव सुक्कलेसेसु पंचेंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ पुच्छा। हंता गोयमा! कण्हलेसे जाव सुक्कलेसे पंचेंदियतिरिक्खजोणिए कण्हलेसेसु जाव सुक्कलेसेसु पंचेंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जइ, सिय कण्हलेसे उववट्टइ जाव सिय सुक्कलेसे उववट्टइ, सिय जल्लेसे उववज्जइ तल्लेसे उववट्टइ। एवं मणूसे वि। वाणमंतरा जहा असुरकुमारा। जोइसियवेमाणिया वि एवं चेव, नवरं जस्स जल्लेसा। दोण्ह वि 'चयणं'ति भाणियव्वं॥ ५०२॥ कण्हलेसे णं भंते! नेरइए कण्हलेसं नेरइयं पणिहाए ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवइयं खेत्तं जाणइ, केवइयं खेत्तं पासइ? गोयमा! णो बहुयं खेत्तं जाणइ, णो बहुयं खेत्तं पासइ, णो दूरं खेत्तं जाणइ, णो दूरं खेत्तं पासइ, इत्तरियमेव खेत्तं जाणइ, इत्तरियमेव खेत्तं पासइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'कण्हलेसे णं नेरइए तं चेव जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ'? गोयमा! से जहानामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिज्जंसि भूमिभागंसि ठिच्चा सव्वओ समंता समभिलोएज्जा, तए णं से पुरिसे धरणितलगयं पुरिसं पणिहाए सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ णो बहुयं खेत्तं जाव पासइ जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'कण्हलेसे णं नेरइए जाव इत्तरियमेव खेत्तं पासइ'। नीललेसे णं भंते! नेरइए कण्हलेसं नेरइयं पणिहाय ओहिणा सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ केवइयं खेत्तं जाणइ, केवइयं खेत्तं पासइ? गोयमा! बहुतरागं खेत्तं जाणइ, बहुतरागं खेत्तं पासइ, दूरतरं खेत्तं जाणइ, दूरतरं खेत्तं पासइ, वितिमिरतरागं खेत्तं जाणइ, वितिमिरतरागं खेत्तं पासइ, विसुद्धतरागं खेत्तं जाणइ, विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'नीललेसे णं नेरइए कण्हलेसं नेरइयं पणिहाय जाव विसुद्धतरागं खेत्तं जाणइ, विसुद्धतरागं खेत्तं पासइ'? गोयमा! से जहानामए केइ पुरिसे बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ पव्वयं दुरुहित्ता सव्वओ समंता समभिलोएज्जा, तए णं से पुरिसे धरणितलगयं पुरिसं पणिहाय सव्वओ समंता समभिलोएमाणे २ बहुतरागं खेत्तं जाणइ जाव विसुद्धतरागं

बायरतसकाइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमसहस्साइं संखेज्जवासमब्भहियाइं। एएसिं चेव अपज्जत्तगा सव्वे वि जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। बायरपज्जत्तए णं भंते ! बायरपज्जत्तएत्ति पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। बायरपुढविकाइयपज्जत्तए णं भंते ! बायर० पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं। एवं आउकाइए वि। तेउकाइयपज्जत्तए णं भंते ! तेउकाइयपज्जत्तएत्ति पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं राइंदियाइं। वाउकाइयवणस्सइकाइयपत्तेयसरीरबायरवणप्फइकाइए पुच्छा। गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं। निओयपज्जत्तए बायरनिओयपज्जत्तए पुच्छा। गोयमा ! दोण्ह वि जहन्नेणं अन्तोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। बायरतसकाइयपज्जत्तए णं भंते ! बायरतसकाइयपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं ॥ दारं ४ ॥ ५३६ ॥ सजोगी णं भंते ! सजोगित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सजोगी दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए। मणजोगी णं भंते ! मणजोगित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। एवं वइजोगी वि। कायजोगी णं भंते ! कायजोगि० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो। अजोगी णं भंते ! अजोगित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं ५ ॥ ॥ ५३७ ॥ सवेदए णं भंते ! सवेदएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सवेदए तिविहे पन्नत्ते। तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए। तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणीओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। इत्थिवेदए णं भंते ! इत्थिवेदएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! एगेणं आएसेणं जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं दसुत्तरं पलिओवमसयं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं १, एगेणं आएसेणं जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अट्ठारसपलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं २, एगेणं आएसेणं जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं चउदस पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं ३, एगेणं आएसेणं जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं पलिओवमसयं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं ४, एगेणं आएसेणं जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं पलिओवमपुहुत्तं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियं ५। पुरिसवेदए णं भंते ! पुरिसवेदएत्ति० ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइ-

काउलेसं तेउलेसं पम्हलेसं सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए तावण्णत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ ? हंता गोयमा ! कण्हलेसा नीललेसं पप्प जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए तागंधत्ताए० ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'कण्हलेसा नीललेसं जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ'? गोयमा ! से जहानामए वेरुलियमणी सिया कण्हसुत्तए वा नीलसुत्तए वा लोहियसुत्तए वा हालिद्दसुत्तए वा सुक्किलसुत्तए वा आइए समाणे तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ-'कण्हलेसा नीललेसं जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ ॥ ५०६ ॥ से नूणं भंते ! नीललेसा किण्हलेसं जाव सुक्कलेसं पप्प तारूवत्ताए जाव भुज्जो २ परिणमइ ? हंता गोयमा ! एवं चेव, काउलेसा किण्हलेसं नीललेसं तेउलेसं पम्हलेसं सुक्कलेसं, एवं तेउलेसा किण्हलेसं नीललेसं काउलेसं पम्हलेसं सुक्कलेसं, एवं पम्हलेसा किण्हलेसं नीललेसं काउलेसं तेउलेसं सुक्कलेसं पप्प जाव भुज्जो २ परिणमइ ? हन्ता गोयमा ! तं चेव । से नूणं भंते ! सुक्कलेसा किण्हलेसं नीललेसं काउलेसं तेउलेसं पम्हलेसं पप्प जाव भुज्जो २ परिणमइ ? हंता गोयमा ! तं चेव ॥ ५०७ ॥ कण्हलेस्सा णं भंते ! वन्नेणं केरिसिया पन्नत्ता ? गोयमा ! से जहानामए जीमूए इ वा अंजणे इ वा खंजणे इ वा कज्जले इ वा गवले इ वा गवलवलए इ वा जंबूफले इ वा अद्दारिट्ठपुप्फे इ वा परपुट्ठे इ वा भमरे इ वा भमरावली इ वा गयकलभे इ वा किण्हकेसरे इ वा आगासथिग्गले इ वा किण्हासोए इ वा कण्हकणवीरए इ वा कण्हबंधुजीवए इ वा, भवे एयारूवे ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, कण्हलेस्सा णं इत्तो अणिट्ठतरिया चेव अकंततरिया चेव अप्पियतरिया चेव अमणुन्नतरिया चेव अमणामतरिया चेव वन्नेणं पन्नत्ता ॥ ५०८ ॥ नीललेस्सा णं भंते ! केरिसिया वन्नेणं पन्नत्ता ? गोयमा ! से जहानामए भिंगए इ वा भिंगपत्ते इ वा चासे इ वा चासपिच्छए इ वा सुए इ वा सुयपिच्छे इ वा सामा इ वा वणराई इ वा उच्चंतए इ वा पारेवयगीवा इ वा मोरगीवा इ वा हलहरवसणे इ वा अयसिकुसुमे इ वा वणकुसुमे इ वा अंजणकेसियाकुसुमे इ वा नीलुप्पले इ वा नीलासोए इ वा नीलकणवीरए इ वा नीलबंधुजीवे इ वा, भवेयारूवे ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे० एत्तो जाव अमणामयरिया चेव वन्नेणं पन्नत्ता ॥ ५०९ ॥ काउलेस्सा णं भंते ! केरिसिया वन्नेणं पन्नत्ता ? गोयमा ! से जहानामए खइरसारए इ वा कइरसारए इ वा धमाससारे इ वा तंबे इ वा तंबकरोडे इ वा तंबच्छिवाडियाए इ वा वाइंगणिकुसुमे इ वा कोइलच्छदकुसुमे इ वा जवासाकुसुमे इ वा, भवेयारूवे ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे ।

णीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं । सम्मामिच्छादिट्ठी णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥ दारं ९ ॥ ५४१ ॥ णाणी णं भंते ! णाणित्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! णाणी दुविहे पन्नत्ते । तंजहा— साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । आभिणिबोहियणाणी णं पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव, एवं सुयणाणी वि, ओहिणाणी वि एवं चेव, णवरं जहण्णेणं एगं समयं । मणपज्जवणाणी णं भंते ! मणपज्जवणाणित्ति कालओ केवच्चिरं होइ? गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं देसूणा पुव्वकोडी । केवलणाणी णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए । अण्णाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी पुच्छा । गोयमा ! अण्णाणी, मइअण्णाणी, सुयअण्णाणी तिविहे पन्नत्ते । तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढपोग्गलपरियट्टं देसूणं । विभंगणाणी णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं देसूणाए पुव्वकोडीए अब्भहियाइं ॥ दारं १० ॥ ५४२ ॥ चक्खुदंसणी णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसहस्सं साइरेगं । अचक्खुदंसणी णं भंते ! अचक्खुदंसणित्ति कालओ० ? गोयमा ! अचक्खुदंसणी दुविहे पन्नत्ते । तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए । ओहिदंसणी णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं दो छावट्ठीओ सागरोवमाणं साइरेगाओ । केवलदंसणी णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं ११ ॥ ५४३ ॥ संजए णं भंते ! संजएत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोडिं । असंजए णं भंते ! असंजएत्ति पुच्छा । गोयमा ! असंजए तिविहे पन्नत्ते । तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं । संजयासंजए णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोडिं । नोसंजए-नोअसंजए-नोसंजयासंजए णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १२ ॥ ५४४ ॥ सागारोवओगोवउत्ते णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । अणागारोवउत्ते वि एवं चेव ॥ दारं १३ ॥ ५४५ ॥ आहारए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! आहारए

कुडगच्छली इ वा कुडगफाणिए इ वा कडुगतुंबीइ वा कडुगतुंबिफले इ वा खारतउसी इ वा खारतउसीफले इ वा देवदाली इ वा देवदालीपुप्फे इ वा मियवालुंकी इ वा मियवालुंकीफले इ वा घोसाडए इ वा घोसाडईफले इ वा कण्हकंदए इ वा वज्जकंदए इ वा, भवेयारूवे? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, कण्हलेस्सा णं एत्तो अणिट्ठतरिया चेव जाव अमणामतरिया चेव आसाएणं पन्नत्ता ॥ ५१५ ॥ नीललेस्साए पुच्छा। गोयमा! से जहानामए भंगी इ वा भंगीरए इ वा पाढा इ वा चविया इ वा चित्तामूलए इ वा पिप्पली इ वा पिप्पलीमूलए इ वा पिप्पलीचुण्णे इ वा मिरिए इ वा मिरियचुण्णए इ वा सिंगबेरे इ वा सिंगबेरचुण्णे इ वा, भवेयारूवे? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, नीललेस्सा णं एत्तो जाव अमणामतरिया चेव आसाएणं पन्नत्ता ॥५१६॥ काउलेस्साए पुच्छा। गोयमा! से जहानामए अंबाण वा अंबाडगाण वा माउलुंगाण वा बिल्लाण वा कविट्ठाण वा भच्चाण वा फणसाण वा दाडिमाण वा अक्खोडयाण वा चाराण वा बोराण वा तिंदुयाण वा अपक्काणं अपरिवागाणं वन्नेणं अणुववेयाणं गंधेणं अणुववेयाणं फासेणं अणुववेयाणं, भवेयारूवे? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे जाव एत्तो अमणामतरिया चेव अस्साएणं पन्नत्ता ॥ ५१७ ॥ तेउलेस्सा णं भंते! पुच्छा। गोयमा! से जहानामए अंबाण वा जाव पक्काणं परियावन्नाणं वन्नेणं उववेयाणं पसत्थेणं जाव फासेणं जाव एत्तो मणामयरिया चेव तेउलेस्सा आसाएणं पन्नत्ता ॥ ५१८ ॥ पम्हलेस्साए पुच्छा। गोयमा! से जहानामए चंदप्पभा इ वा मणसिला इ वा सीहू इ वा वारुणी इ वा पत्तासवे इ वा पुप्फासवे इ वा फलासवे इ वा चोयासवे इ वा आसवे इ वा महू इ वा मेरए इ वा काविसायणे इ वा खज्जूरसारए इ वा मुद्दियासारए इ वा सुपक्कखोयरसे इ वा अट्ठपिट्ठणिट्ठिया इ वा जंबुफलकालिया इ वा पसन्ना इ वा उक्कोसमयपत्ता वन्नेणं उववेया जाव फासेणं उववेया दप्पणिज्जा मयणिज्जा, भवेयारूवा? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, पम्हलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव आसाएणं पन्नत्ता ॥ ५१९ ॥ सुक्कलेस्सा णं भंते! केरिसिया अस्साएणं पन्नत्ता? गोयमा! से जहानामए गुले इ वा खंडे इ वा सक्करा इ वा मच्छंडिया इ वा पप्पडमोयए इ वा भिसकंदए इ वा पुप्फुत्तरा इ वा पउमुत्तरा इ वा आदंसिया इ वा सिद्धत्थिया इ वा आगासफालिओवमा इ वा उवमा इ वा अणोवमा इ वा, भवेयारूवे? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे, सुक्कलेस्सा णं एत्तो इट्ठतरिया चेव० पियतरिया चेव० मणामतरिया चेव आसाएणं पन्नत्ता ॥५२०॥ कइ णं भंते! लेस्साओ दुब्भिगंधाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! तओ लेस्साओ दुब्भिगंधाओ पन्नत्ताओ। तंजहा–कण्हलेस्सा, नीललेस्सा, काउलेस्सा। कइ णं भंते! लेस्साओ

पुच्छा। गोयमा! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १७ ॥ ५४९ ॥ सुहुमे णं भंते! सुहुमेत्ति पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुढविकालो। बायरे णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं जाव खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। नोसुहुमनोबायरे णं पुच्छा। गोयमा! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १८ ॥ ५५० ॥ सण्णी णं भंते! पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। असण्णी णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो। नोसण्णीनोअसण्णी णं पुच्छा। गोयमा! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं १९ ॥ ५५१ ॥ भवसिद्धिए णं पुच्छा। गोयमा! अणाइए सपज्जवसिए। अभवसिद्धिए णं पुच्छा। गोयमा! अणाइए अपज्जवसिए। नोभवसिद्धिए-नोअभवसिद्धिए णं पुच्छा। गोयमा! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं २० ॥ ॥ ५५२ ॥ धम्मत्थिकाए णं पुच्छा। गोयमा! सव्वद्धं, एवं जाव अद्धासमए ॥ दारं २१ ॥ ५५३ ॥ चरिमे णं पुच्छा। गोयमा! अणाइए सपज्जवसिए। अचरिमे णं पुच्छा। गोयमा! अचरिमे दुविहे पन्नत्ते, तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, साइए वा अपज्जवसिए ॥ दारं २२ ॥ ५५४ ॥ **पन्नवणाए भगवईए अट्ठारसमं कायट्ठिइनामपयं समत्तं ॥**

जीवा णं भंते! किं सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी? गोयमा! जीवा सम्मदिट्ठी वि, मिच्छादिट्ठी वि, सम्मामिच्छादिट्ठी वि। एवं नेरइया वि। असुरकुमारा वि एवं चेव जाव थणियकुमारा। पुढवीकाइया णं पुच्छा। गोयमा! पुढवीकाइया णो सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी, एवं जाव वणस्सइकाइया। वेइंदिया णं पुच्छा। गोयमा! वेइंदिया सम्मदिट्ठी, मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी। एवं जाव चउरिंदिया। पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणुस्सा वाणमंतरजोइसियवेमाणिया य सम्मदिट्ठी वि मिच्छादिट्ठी वि सम्मामिच्छादिट्ठी वि। सिद्धा णं पुच्छा। गोयमा! सिद्धा सम्मदिट्ठी, णो मिच्छादिट्ठी, णो सम्मामिच्छादिट्ठी ॥ ५५५ ॥

पन्नवणाए भगवईए एगूणवीसइमं सम्मत्तपयं समत्तं ॥

नेरइय अंतकिरिया अणन्तरं एगसमय उव्वट्टा। तित्थगरचक्किबलवासुदेवमंडलियरयणा य ॥ **दारगाहा** ॥ जीवे णं भंते! अंतकिरियं करेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए करेज्जा, अत्थेगइए णो करेज्जा। एवं नेरइए जाव वेमाणिए। नेरइए णं भंते! नेरइएसु अंतकिरियं करेज्जा? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। नेरइया णं भंते! असुरकुमारेसु अंतकिरियं करेज्जा? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। एवं जाव वेमाणिएसु। नवरं मणूसेसु अंतकिरियं करेज्जत्ति पुच्छा। गोयमा! अत्थेगइए

अभिलावो ॥ ५२६ ॥ एएसि णं भंते! कण्हलेसठाणाणं जाव सुक्कलेसठाणाण य जहन्नउक्कोसगाणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा जहन्नगा काउलेसठाणा दव्वट्ठयाए, जहन्नगा नीललेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेसठाणा, जहन्नगा सुक्कलेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नएहिंतो सुक्कलेसठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए उक्कोसा काउलेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसा नीललेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेसट्ठाणा, उक्कोसा सुक्कलेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा। पएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा जहन्नगा काउलेसठाणा पएसट्ठयाए, जहन्नगा नीललेसठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं जहेव दव्वट्ठयाए तहेव पएसट्ठयाए वि भाणियव्वं, नवरं पएसट्ठयाएत्ति अभिलावविसेसो। दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा जहन्नगा काउलेसठाणा दव्वट्ठयाए, जहन्नगा नीललेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेसट्ठाणा, जहन्नया सुक्कलेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नएहिंतो सुक्कलेसठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए उक्कोसा काउलेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसा नीललेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेसट्ठाणा, उक्कोसगा सुक्कलेसठाणा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसएहिंतो सुक्कलेसठाणेहिंतो दव्वट्ठयाए जहन्नगा काउलेसठाणा पएसट्ठयाए अणंतगुणा, जहन्नगा नीललेसठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेसट्ठाणा, जहन्नगा सुक्कलेसठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, जहन्नएहिंतो सुक्कलेसठाणेहिंतो पएसट्ठयाए उक्कोसा काउलेसठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, उक्कोसया नीललेसठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, एवं कण्हतेउपम्हलेसट्ठाणा, उक्कोसया सुक्कलेसठाणा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा ॥५२७॥ **पन्नवणाए भगवईए सत्तरसमस्स लेस्सापयस्स चउत्थो उद्देसओ समत्तो ॥**

कइ णं भंते! लेसाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! छल्लेसाओ पन्नत्ताओ। तंजहा— कण्हलेसा जाव सुक्कलेसा। से नूणं भंते! कण्हलेसा नीललेसं पप्प तारूवत्ताए तावन्नत्ताए तागंधत्ताए तारसत्ताए ताफासत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमइ? इत्तो आढत्तं जहा चउत्थओ उद्देसओ तहा भाणियव्वं जाव वेरुलियमणिदिट्ठंतोत्ति ॥५२८॥ से नूणं भंते! कण्हलेसा नीललेसं पप्प णो तारूवत्ताए जाव णो ताफासत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमइ? हंता गोयमा! कण्हलेसा नीललेसं पप्प णो तारूवत्ताए, णो तावन्नत्ताए, णो तागंधत्ताए, णो तारसत्ताए, णो ताफासत्ताए भुज्जो २ परिणमइ। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! आगारभावमायाए वा से सिया, पलिभागभावमायाए वा से सिया। कण्हलेसा णं सा, णो खलु नीललेसा, तत्थ गया ओसक्कइ उस्सक्कइ

गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । जे णं भंते ! केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलिं बोहिं बुज्झेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए बुज्झेज्जा, अत्थेगइए णो बुज्झेज्जा । जे णं भंते ! केवलिं बोहिं बुज्झेज्जा से णं सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा ? गोयमा ! सद्दहेज्जा, पत्तिएज्जा, रोएज्जा । जे णं भंते ! सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा से णं आभिणिबोहियनाणसुयनाणाइं उप्पाडेज्जा ? हंता गोयमा ! उप्पाडेज्जा । जे णं भंते ! आभिणिबोहियनाणसुयनाणाइं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा सीलं वा वयं वा गुणं वा वेरमणं वा पच्चक्खाणं वा पोसहोववासं वा पडिवज्जित्तए ? गोयमा ! अत्थेगइए संचाएज्जा, अत्थेगइए णो संचाएज्जा । जे णं भंते ! संचाएज्जा सीलं वा जाव पोसहोववासं वा पडिवज्जित्तए से णं ओहिनाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए णो उप्पाडेज्जा । जे णं भंते ! ओहिनाणं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा मुण्डे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे ॥ ५५९ ॥ नेरइए णं भंते ! नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता मणुस्सेसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! जहा पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु जाव जे णं भंते ! ओहिनाणं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा मुण्डे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए ? गोयमा ! अत्थेगइए संचाएज्जा, अत्थेगइए णो संचाएज्जा । जे णं भंते ! संचाएज्जा मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइत्तए से णं मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा अत्थेगइए उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए णो उप्पाडेज्जा । जे णं भंते ! मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा से णं केवलनाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उप्पाडेज्जा, अत्थेगइए णो उप्पाडेज्जा । जे णं भंते ! केवलनाणं उप्पाडेज्जा से णं सिज्झेज्जा बुज्झेज्जा मुच्चेज्जा सव्वदुक्खाणं अंतं करेज्जा ? गोयमा ! सिज्झेज्जा जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेज्जा । नेरइए णं भंते ! नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे ॥ ५६० ॥ असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता नेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता असुरकुमारेसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । एवं जाव थणियकुमारेसु । असुरकुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता पुढविकाइएसु उववज्जेज्जा ? हन्ता गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । एवं आउवणस्सइसु वि । असुर-

कण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा । कण्हलेसे० मणुस्से नीललेसं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा जाव सुक्कलेसं गब्भं जणेज्जा । नीललेसे० मणुस्से कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा, एवं नीललेसे मणुस्से जाव सुक्कलेसं गब्भं जणेज्जा, एवं काउलेसेणं छप्पि आलावगा भाणियव्वा । तेउलेसाण वि पम्हलेसाण वि सुक्कलेसाण वि, एवं छत्तीसं आलावगा भाणियव्वा । कण्हलेसा० इत्थिया कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा । एवं एए वि छत्तीसं आलावगा भाणियव्वा । कण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्हलेसाए इत्थियाए कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा, एवं एए छत्तीसं आलावगा । कम्मभूमगकण्हलेसे णं भंते ! मणुस्से कण्हलेसाए इत्थियाए कण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा, एवं एए छत्तीसं आलावगा । अकम्मभूमयकण्हलेसे० मणुस्से अकम्मभूमयकण्हलेसाए इत्थियाए अकम्मभूमयकण्हलेसं गब्भं जणेज्जा ? हंता गोयमा ! जणेज्जा, नवरं चउसु लेसासु सोलस आलावगा, एवं अंतरदीवगाण वि ॥ ५३१ ॥ **छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥ पन्नवणाए भगवईए सत्तरसमं लेस्सापयं समत्तं ॥**

जीव गइंदिय काए जोए वेए कसायलेसा य । सम्मत्तणाणदंसण संजय उवओग आहारे ॥ १ ॥ भासगपरित्त पज्जत्त सुहुम सन्नी भवऽत्थि चरिमे य । एएसिं तु पयाणं कायठिई होइ णायव्वा ॥ २ ॥ जीवे णं भंते ! जीवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सव्वद्धं ॥ दारं १ ॥ ५३२ ॥ नेरइए णं भंते ! नेरइएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । तिरिक्खजोणिए णं भंते ! तिरिक्खजोणिएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, असंखेज्जा पोग्गलपरियट्टा, ते णं पुग्गलपरियट्टा आवलियाए असंखेज्जइभागे । तिरिक्खजोणिणी णं भंते ! तिरिक्खजोणिणित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिन्नि पलिओवमाइं पुव्वकोडिपुहुत्तमब्भहियाइं । एवं मणुस्से वि, मणुस्सी वि एवं चेव । देवे णं भंते ! देवेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहेव नेरइए । देवी णं भंते ! देवित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं, उक्कोसेणं पणपन्नं पलिओवमाइं । सिद्धे णं भंते ! सिद्धेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! साइए अपज्जवसिए । नेरइयअपज्जत्तए णं भंते ! नेरइयअपज्जत्तएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं, एवं जाव देवी अपज्जत्तिया । नेरइयपज्जत्तए णं

जे णं भंते! केवलिं बोहिं बुज्झेज्जा से णं सद्दहेज्जा पत्तिएज्जा रोएज्जा? हंता गोयमा! जाव रोएज्जा। जे णं भंते! सद्दहेज्जा ३ से णं आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणाइं उप्पाडेज्जा? हंता गोयमा! जाव उप्पाडेज्जा। जे णं भंते! आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणाइं उप्पाडेज्जा से णं संचाएज्जा सीलं वा जाव पडिवज्जित्तए? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु। एगिंदियविगलिंदिएसु जहा पुढवीकाइए। पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु मणुस्सेसु य जहा नेरइए। वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु जहा नेरइएसु उववज्जेज्जा पुच्छा भणिया एवं मणुस्से वि। वाणमंतरजोइसियवेमाणिए जहा असुरकुमारे॥ ५६४॥ रयणप्पभापुढवीनेरइए णं भंते! रयणप्पभापुढवीनेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ—'अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा'? गोयमा! जस्स णं रयणप्पभापुढवीनेरइयस्स तित्थगरनामगोयाइं कम्माइं बद्धाइं पुट्ठाइं निधत्ताइं कडाइं पट्ठवियाइं निविट्ठाइं अभिनिविट्ठाइं अभिसमन्नागयाइं उदिन्नाइं, णो उवसंताइं हवंति, से णं रयणप्पभापुढवीनेरइए रयणप्पभापुढवीनेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा, जस्स णं रयणप्पभापुढवीनेरइयस्स तित्थगरनामगोयाइं० णो बद्धाइं जाव णो उदिन्नाइं, उवसंताइं हवंति, से णं रयणप्पभापुढवीनेरइए रयणप्पभापुढवीनेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता तित्थगरत्तं णो लभेज्जा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–'अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा'। एवं सक्करप्पभा जाव वालुयप्पभापुढवीनेरइएहिंतो तित्थगरत्तं लभेज्जा। पंकप्पभापुढवीनेरइए णं भंते! पंकप्पभा०-नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा। धूमप्पभापुढवीनेरइए पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, सव्वविरइं पुण लभेज्जा। तमप्पभापुढवी–पुच्छा। नो···विरयाविरइं पुण लभेज्जा। अहेसत्तमपुढवी–पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, सम्मत्तं पुण लभेज्जा। असुरकुमारस्स पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा। एवं निरंतरं जाव आउकाइए। तेउकाइए णं भंते! तेउकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए। एवं वाउकाइए वि। वणस्सइकाइए णं पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा। बेइंदियतेइंदियचउरिंदिए णं पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणूसवाणमंतरजोइसिए णं पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे, अंतकिरियं पुण करेज्जा। सोहम्मगदेवे णं

गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओ-सप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । एवं आउतेउवाउकाइया वि । वणस्सइकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, असंखेज्जा पुग्गलपरियट्टा, ते णं पुग्गलपरियट्टा आवलियाए असंखेज्जइभागो । पुढविकाइए पज्जत्तए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं, एवं आऊ वि । तेउकाइए पज्जत्तए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं राइंदियाइं । वाउकाइयपज्जत्तए णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । वणस्सइकाइयपज्जत्तए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं वाससहस्साइं । तसकाइयपज्जत्तए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं ॥ ५३५ ॥ सुहुमे णं भंते ! सुहुमेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । सुहुमपुढविकाइए, सुहुमआउकाइए, सुहुमतेउकाइए, सुहुमवाउकाइए, सुहुमवणप्फइकाइए सुहुमनिगोदे वि जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ असंखेज्जा लोगा । सुहुमे णं भंते ! अपज्जत्तएत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पुढविकाइयआउकाइयतेउकाइयवाउकाइयवणप्फइकाइयाण य एवं चेव, पज्जत्तयाण वि एवं चेव । बायरे णं भंते ! बायरेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । बायरपुढविकाइए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीओ । एवं बायरआउकाइए वि बायरतेउकाइए वि, बायरवाउकाइए वि । बायरवणप्फइकाइए णं० बायर० पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं जाव खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । पत्तेयसरीरबायरवणप्फइकाइए णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीओ । निगोए णं भंते ! निगोएत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अड्ढाइज्जा पोग्गलपरियट्टा । बादरनिगोदे णं भंते ! बादरनिगोदेत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सत्तरि सागरोवमकोडाकोडीओ । बायरतसकाइए णं भंते !

गाण वि, सलिंगीणं दंसणवावण्णगाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं उवरिमगेवेज्ज-एसु ॥ ५६७ ॥ कइविहे णं भंते ! असण्णिआउए पन्नत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे असण्णियाउए पन्नत्ते। तंजहा—नेरइयअसण्णियाउए जाव देवअसण्णियाउए। असण्णी णं भंते ! जीवे किं नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं पकरेइ ? गोयमा ! नेरइयाउयं पकरेइ जाव देवाउयं पकरेइ। नेरइयाउं पकरेमाणे जहन्नेणं दस वास-सहस्साइं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ। तिरिक्खजोणियाउयं पकरेमाणे जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागं पकरेइ। एवं मणुस्साउयं पि। देवाउयं जहा नेरइयाउयं। एयस्स णं भंते ! नेरइयअसण्णि-आउयस्स जाव देवअसण्णिआउयस्स कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवे देवअसण्णिआउए, मणूसअसण्णिआउए असंखेज्जगुणे, तिरिक्खजोणिय-असण्णिआउए असंखेज्जगुणे, नेरइयअसण्णिआउए असंखेज्जगुणे ॥ ५६८ ॥ **पन्न-वणाए भगवईए वीसइमं अंतकिरियापयं समत्तं ॥**

विहिसंठाणपमाणे पोग्गलचिणणा सरीरसंजोगो। दव्वपएसऽप्पबहुं सरीरोगा-हणऽप्पबहुं ॥ कइ णं भंते ! सरीरया पन्नत्ता ? गोयमा ! पंच सरीरया पन्नत्ता। तंजहा–ओरालिए १, वेउव्विए २, आहारए ३, तेयए ४, कम्मए ५। ओरालिय-सरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते। तंजहा–एगिंदियओरा-लियसरीरे जाव पंचिंदियओरालियसरीरे। एगिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइ-विहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते। तंजहा—पुढविकाइयएगिंदियओरालिय-सरीरे जाव वणप्फइकाइयएगिंदियओरालियसरीरे। पुढविकाइयएगिंदियओरालिय-सरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—सुहुमपुढविका-इयएगिंदियओरालियसरीरे य बायरपुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे य। सुहुम-पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—पज्जत्तगसुहुमपुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे य अपज्जत्तगसुहुम-पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे य। बायरपुढविकाइया वि एवं चेव, एवं जाव वणस्सइकाइयएगिंदियओरालियसरीरेत्ति। बेइंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—पज्जत्तगबेइंदियओरालियसरीरे य अपज्ज-त्तगबेइंदियओरालियसरीरे य। एवं तेइंदिया चउरिंदिया वि। पंचिंदियओरालिय-सरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–तिरिक्ख-जोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य मणुस्सपंचिंदियओरालियसरीरे य। तिरिक्ख-जोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे

रेगं । नपुंसगवेदए णं भंते ! नपुंसगवेदएत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो । अवेयए णं भंते ! अवेयएत्ति पुच्छा । गोयमा ! अवेयए दुविहे पन्नत्ते । तंजहा–साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥ दारं ६ ॥ ५३८ ॥ सकसाई णं भंते ! सकसाइत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सकसाई तिविहे पन्नत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं । कोहकसाई णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं, एवं जाव माणमायाकसाई । लोभकसाई णं भंते ! लोभकसाइत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । अकसाई णं भंते ! अकसाइत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! अकसाई दुविहे पन्नत्ते । तंजहा—साइए वा अपज्जवसिए साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं ॥ दारं ७ ॥ ५३९ ॥ सलेसे णं भंते ! सलेसेत्ति पुच्छा । गोयमा ! सलेसे दुविहे पन्नत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए । कण्हलेसे णं भंते ! कण्हलेसेत्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । नीललेसे णं भंते ! नीललेसेत्ति पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं पलिओवमासंखिज्जइभागमब्भहियाइं । काउलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि सागरोवमाइं पलिओवमासंखिज्जइभागमब्भहियाइं । तेउलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं पलिओवमासंखिज्जइभागमब्भहियाइं । पम्हलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं दस सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । सुक्कलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं । अलेसे णं पुच्छा । गोयमा ! साइए अपज्जवसिए ॥ दारं ८ ॥ ५४० ॥ सम्मद्दिट्ठी णं भंते ! सम्मद्दिट्ठित्ति कालओ केवच्चिरं होइ ? गोयमा ! सम्मद्दिट्ठी दुविहे पन्नत्ते । तंजहा—साइए वा अपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । मिच्छादिट्ठी णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! मिच्छादिट्ठी तिविहे पन्नत्ते । तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए । तत्थ णं जे से साइए सपज्जवसिए से जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं, अणंताओ उस्सप्पिणिओसप्पि-

कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा-संमुच्छिममणूसपंचिंदियओरालियसरीरे य गब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियओरालियसरीरे य। गब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा-पज्जत्तगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियओरालियसरीरे य अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियओरालियसरीरे य ॥ ५६९ ॥ ओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते। एगिंदियओरालियसरीरे० किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते। पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरे० किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! मसूरचंदसंठाणसंठिए पन्नत्ते। एवं सुहुमपुढविकाइयाण वि बायराण वि एवं चेव, पज्जत्तापज्जत्ताण वि एवं चेव, आउक्काइयएगिंदियओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! थिवुयबिंदुसंठाणसंठिए पन्नत्ते। एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि। तेउक्काइयएगिंदियओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! सूईकलावसंठाणसंठिए पन्नत्ते। एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि। वाउक्काइयाण वि पडागासंठाणसंठिए, एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि। वणप्फइकाइयाणं णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते, एवं सुहुमबायरपज्जत्तापज्जत्ताण वि। बेइंदियओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! हुंडसंठाणसंठिए पन्नत्ते, एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि, एवं तेइंदियचउरिंदियाण वि। पंचिंदियतिरिक्खजोणियओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! छव्विहसंठाणसंठिए पन्नत्ते। तंजहा-समचउरंससंठाणसंठिए वि जाव हुंडसंठाणसंठिए वि, एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि ३। संमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! हुंडसंठाणसंठिए पन्नत्ते, एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि। गब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! छव्विहसंठाणसंठिए पन्नत्ते। तंजहा-समचउरंस० जाव हुंडसंठाणसंठिए। एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि ३। एवमेए तिरिक्खजोणियाणं ओहियाणं णव आलावगा। जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! छव्विहसंठाणसंठिए पन्नत्ते। तंजहा-समचउरंसे जाव हुंडे, एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि। संमुच्छिमजलयरा हुंडसंठाणसंठिया, एएसिं चेव पज्जत्ता अपज्जत्ता वि एवं चेव। गब्भवक्कंतियजलयरा छव्विहसंठाणसंठिया, एवं पज्जत्तापज्जत्ताण वि। एवं थलयराण वि णव सुत्ताणि, एवं चउप्पयथलयराण वि उरपरिसप्पथलयराण वि भुयपरिसप्पथलयराण वि। एवं खहयराण वि णव सुत्ताणि, णवरं सव्वत्थ संमुच्छिमा हुंडसंठाणसंठिया भाणियव्वा, इयरे

दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–छउमत्थआहारए य केवलिआहारए य। छउमत्थाहारए णं भंते! छउमत्थाहारएत्ति कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं खुड्डागभवग्गहणं दुसमयऊणं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ कालओ, खेत्तओ अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। केवलिआहारए णं भंते! केवलिआहारएत्ति कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं देसूणं पुव्वकोडिं। अणाहारए णं भंते! अणाहारएत्ति कालओ केवचिरं होइ? गोयमा! अणाहारए दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–छउमत्थअणाहारए य केवलिअणाहारए य। छउमत्थअणाहारए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं दो समया। केवलिअणाहारए णं भंते! केवलि०? गोयमा! केवलिअणाहारए दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–सिद्धकेवलिअणाहारए य भवत्थकेवलिअणाहारए य। सिद्धकेवलिअणाहारए णं पुच्छा। गोयमा! साइए अपज्जवसिए। भवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! भवत्थकेवलिअणाहारए दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए य। सजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! अजहण्णमणुक्कोसेणं तिण्णि समया। अजोगिभवत्थकेवलिअणाहारए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं॥ दारं १४॥ ॥५४६॥ भासए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। अभासए णं पुच्छा। गोयमा! अभासए तिविहे पन्नत्ते। तंजहा–अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए, साइए वा सपज्जवसिए। तत्थ णं जे से साइए वा सपज्जवसिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणप्फइकालो॥ दारं १५॥५४७॥ परित्ते णं पुच्छा। गोयमा! परित्ते दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—कायपरित्ते य संसारपरित्ते य। कायपरित्ते णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुढविकालो, असंखेज्जाओ उस्सप्पिणिओसप्पिणीओ। संसारपरित्ते णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अणंतं कालं जाव अवड्ढं पोग्गलपरियट्टं देसूणं। अपरित्ते णं पुच्छा। गोयमा! अपरित्ते दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–कायअपरित्ते य संसारअपरित्ते य। कायअपरित्ते णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं वणस्सइकालो। संसारअपरित्ते णं पुच्छा। गोयमा! संसारअपरित्ते दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—अणाइए वा अपज्जवसिए, अणाइए वा सपज्जवसिए। नोपरित्ते–नोअपरित्ते णं पुच्छा। गोयमा! साइए अपज्जवसिए॥ दारं १६॥५४८॥ पज्जत्तए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं सागरोवमसयपुहुत्तं साइरेगं। अपज्जत्तए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। नोपज्जत्तए–नोअपज्जत्तए णं

संमुच्छिमाणं धणुपुहुत्तं, खहयराणं ओहियगब्भवक्कंतियाणं संमुच्छिमाण य तिण्ह वि उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं । इमाओ संगहणीगाहाओ—जोयणसहस्सं छग्गाउयाइं तत्तो य जोयणसहस्सं । गाउयपुहुत्त भुयए धणुहपुहुत्तं च पक्खीसु ॥ १ ॥ जोयणसहस्सं गाउयपुहुत्त तत्तो य जोयणपुहुत्तं । दोण्हं तु धणुपुहुत्तं समुच्छिमे होइ उच्चत्तं ॥ २ ॥ मणूसोरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । एवं अपज्जत्ताणं जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । संमुच्छिमाणं जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, गब्भवक्कंतियाणं पज्जत्ताण य जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं ॥ ५७१ ॥ वेउव्वियसरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा-एगिंदियवेउव्वियसरीरे य पंचिंदियवेउव्वियसरीरे य । जइ एगिंदियवेउव्वियसरीरे किं वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, अवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, नो अवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे किं सुहुमवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, बायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! नो सुहुमवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, बायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ बायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्तबायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, अपज्जत्तबायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तबायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे, नो अपज्जत्तबायरवाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ पंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं नेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे जाव देवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! नेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि जाव देवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि । जइ नेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि । जइ रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्तगरयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अपज्जत्तगरयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तगरयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अपज्जत्तगरयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, एवं जाव अहेसत्तमाए दुगओ भेओ भाणियव्वो । जइ तिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं संमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे,

करेज्जा, अत्थेगइए णो करेज्जा। एवं असुरकुमारा जाव वेमाणिए। एवमेव चउवीसं २ दण्डगा भवन्ति ॥ ५५६ ॥ नेरइया णं भंते! किं अणंतरागया अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया अंतकिरियं पकरेंति? गोयमा! अणंतरागया वि अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया वि अंतकिरियं पकरेंति। एवं रयणप्पभापुढविनेरइया वि जाव पंकप्पभापुढवीनेरइया। धूमप्पभापुढवीनेरइया णं पुच्छा। गोयमा! णो अणंतरागया अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया अंतकिरियं पकरेंति, एवं जाव अहेसत्तमापुढवीनेरइया। असुरकुमारा जाव थणियकुमारा पुढवीआउवणस्सइकाइया य अणन्तरागया वि अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया वि अंतकिरियं पकरेंति। तेउवाउबेइंदियतेइंदियचउरिंदिया णो अणंतरागया अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया अंतकिरियं पकरेंति। सेसा अणंतरागया वि अंतकिरियं पकरेंति, परंपरागया वि अंतकिरियं पकरेंति ॥ ५५७ ॥ अणंतरागया० नेरइया एगसमए केवइया अंतकिरियं पकरेंति? गोयमा! जहन्नेणं एगो वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं दस। रयणप्पभापुढवीनेरइया वि एवं चेव जाव वालुयप्पभापुढवीनेरइया। अणंतरागया णं भंते! पंकप्पभापुढवीनेरइया एगसमएणं केवइया अंतकिरियं पकरेंति? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं चत्तारि। अणन्तरागया णं भंते! असुरकुमारा एगसमए केवइया अंतकिरियं पकरेंति? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं दस। अणंतरागयाओ णं भंते! असुरकुमारीओ एगसमए केवइया अंतकिरियं पकरेंति? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं पंच। एवं जहा असुरकुमारा सदेवीया तहा जाव थणियकुमारा। अणंतरागया णं भंते! पुढविकाइया एगसमए केवइया अंतकिरियं पकरेंति? गोयमा! जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिन्नि वा, उक्कोसेणं चत्तारि। एवं आउकाइया वि चत्तारि, वणस्सइकाइया छच्च, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया दस, तिरिक्खजोणिणीओ दस, मणुस्सा दस, मणुस्सीओ वीसं, वाणमंतरा दस, वाणमंतरीओ पंच, जोइसिया दस, जोइसिणीओ वीसं, वेमाणिया अट्ठसयं, वेमाणिणीओ वीसं ॥ ५५८ ॥ नेरइए णं भंते! नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता नेरइएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। नेरइए णं भंते! नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता असुरकुमारेसु उववज्जेज्जा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। एवं निरंतरं जाव चउरिंदिएसु पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। नेरइए णं भंते! नेरइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा। जे णं भंते! नेरइएहिंतो अणंतरं उ० पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जेज्जा से णं भंते! केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए?

म्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अंतरदीवगगब्भवक्कंतियमणूस-पंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्विय-सरीरे, णो अकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, णो अंतरदीव-गगब्भवक्कंतियमणूसपंचिन्दियवेउव्वियसरीरे । जइ कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूस-पंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदिय-वेउव्वियसरीरे, असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्विय-सरीरे ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्विय-सरीरे, नो असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्त-यसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अपज्जत्तयसंखेज्जवासाउय-कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तयसंखेज्जवासा-उयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, नो अपज्जत्तयसंखेज्जवासा-उयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ देवपंचिंदियवेउव्वि-यसरीरे किं भवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे जाव वेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वि-यसरीरे ? गोयमा ! भवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि जाव वेमाणियदेवपं-चिंदियवेउव्वियसरीरे वि । जइ भवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं असुरकु-मारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे जाव थणियकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवे-उव्वियसरीरे ? गोयमा ! असुरकुमार० वि जाव थणियकुमारदेवपंचिन्दियवेउव्विय-सरीरे वि । जइ असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्तगअसु-रकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अपज्जत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपं-चिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वि-यसरीरे वि, अपज्जत्तगअसुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि, एवं जाव थणियकुमाराणं दुगओ भेओ । एवं वाणमंतराणं अट्ठविहाणं, जोइसियाणं पंचविहाणं । वेमाणिया दुविहा—कप्पोवगा कप्पातीता य । कप्पोवगा बारसविहा, तेसिं पि एवं चेव दुहओ भेओ । कप्पातीता दुविहाए-गेवेज्जगा य अणुत्तरोववाइया य, गेवेज्जगा णवविहा, अणुत्तरोववाइया पंचविहा, एएसिं पज्जत्तापज्जत्ताभिलावेणं दुगओ भेओ भाणियव्वो ॥ ५७२ ॥ वेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते । वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरे णं भंते ! किंसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! पडागासंठाणसंठिए पन्नत्ते । नेरइयपंचिंदियवेउव्वियस-रीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! नेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे

कुमारे णं भंते ! असुरकुमारेहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता तेउवाउवेइंदियतेइंदियचउरिंदिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । अवसेसेसु पंचसु पंचिंदियतिरिक्खजोणियाइसु असुरकुमारेसु जहा नेरइओ, एवं जाव थणियकुमारा ॥ ५६१ ॥ पुढवीकाइए णं भंते ! पुढवीकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता नेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु वि । पुढवीकाइए णं भंते ! पुढवीकाइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता पुढवीकाइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । एवं आउक्काइयाइसु निरंतरं भाणियव्वं जाव चउरिंदिएसु । पंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्सेसु जहा नेरइए । वाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु पडिसेहो । एवं जहा पुढवीकाइओ भणिओ तहेव आउक्काइओ वि जाव वणस्सइकाइओ वि भाणियव्वो ॥ ५६२ ॥ तेउक्काइए णं भंते ! तेउक्काइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता नेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । एवं असुरकुमारेसु वि जाव थणियकुमारेसु । पुढवीकाइयआउतेउवाउवणवेइंदियतेइंदियचउरिंदिएसु अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । जे णं भंते ! उववज्जेज्जा से णं केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । तेउक्काइए णं भंते ! तेउक्काइएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । जे···से णं केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । जे णं भंते ! केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलिं वोहिं बुज्झेज्जा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । मणुस्सवाणमंतरजोइसियवेमाणिएसु पुच्छा । गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । एवं जहेव तेउक्काइए निरंतरं एवं वाउकाइए वि ॥ ५६३ ॥ बेइंदिए णं भंते ! बेइंदिएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता नेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! जहा पुढवीकाइया नवरं मणुस्सेसु जाव मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा । एवं तेइंदिया चउरिंदिया वि जाव मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा । जे णं मणपज्जवनाणं उप्पाडेज्जा से णं केवलनाणं उप्पाडेज्जा ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । पंचिंदियतिरिक्खजोणिए णं भंते ! पंचिंदियतिरिक्खजोणिएहिंतो अणंतरं उव्वट्टित्ता नेरइएसु उववज्जेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए उववज्जेज्जा, अत्थेगइए णो उववज्जेज्जा । जे···से णं केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए ? गोयमा ! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा । जे णं केवलिपन्नत्तं धम्मं लभेज्जा सवणयाए से णं केवलिं वोहिं बुज्झेज्जा ? गोयमा ! अत्थेगइए बुज्झेज्जा, अत्थेगइए णो बुज्झेज्जा ।

उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ । सक्करप्पभाए पुच्छा । गोयमा ! जाव तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरस धणूइं अड्ढाइज्जाओ रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं एक्कतीसं धणूइं एक्का य रयणी । वालुयप्पभाए भवधारणिज्जा एक्कतीसं धणूइं एक्का रयणी, उत्तरवेउव्विया बासट्ठिं धणूइं दो रयणीओ । पंकप्पभाए भवधारणिज्जा बासट्ठिं धणूइं दो रयणीओ, उत्तरवेउव्विया पणवीसं धणुसयं । धूमप्पभाए भवधारणिज्जा पणवीसं धणुसयं, उत्तरवेउव्विया अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं । तमाए भवधारणिज्जा अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं, उत्तरवेउव्विया पंच धणुसयाइं । अहेसत्तमाए भवधारणिज्जा पंच धणुसयाइं, उत्तरवेउव्विया धणुसहस्सं एवं उक्कोसेणं । जहन्नेणं भवधारणिज्जा अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उत्तरवेउव्विया अंगुलस्स संखेज्जइभागं । तिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसयपुहुत्तं । मणुस्सपंचिंदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसयसहस्सं । असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहा सरीरोगाहणा पन्नत्ता । तंजहा–भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त रयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं । एवं जाव थणियकुमाराणं; एवं ओहियाणं वाणमंतराणं एवं जोइसियाण वि, सोहम्मीसाणदेवाणं एवं चेव, उत्तरवेउव्विया जाव अच्चुओ कप्पो, णवरं सणंकुमारे भवधारणिज्जा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं छ रयणीओ । एवं माहिंदे वि, बंभलोयलंतगेसु पंच रयणीओ, महासुक्कसहस्सारेसु चत्तारि रयणीओ, आणयपाणयआरणच्चुएसु तिण्णि रयणीओ । गेविज्जगकप्पातीतवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! गेवेज्जगदेवाणं एगा भवधारणिज्जा सरीरोगाहणा पन्नत्ता । सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं दो रयणी । एवं अणुत्तरोववाइयदेवाण वि, णवरं एक्का रयणी ॥ ५७४ ॥

आहारगसरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! एगागारे पन्नत्ते । जइ एगागारे प० किं मणूसआहारगसरीरे, अमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! मणूसआहारगसरीरे, नो अमणूसआहारगसरीरे । जइ मणूसआहारगसरीरे किं संमुच्छिममणूसआहारग-

भंते! अणंतरं नरयं उव्वट्टित्ता तित्थगरत्तं लभेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा, एवं जहा रयणप्पभापुढविनेरइए, एवं जाव सव्वट्ठसिद्धगदेवे ॥ ५६५ ॥ रयणप्पभापुढविनेरइए णं भंते! अणंतरं उव्वट्टित्ता चक्कवट्टित्तं लभेज्जा? गोयमा! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए नो लभेज्जा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जहा रयणप्पभापुढविनेरइयस्स तित्थगरत्ते। सक्करप्पभा० नेरइए० अणंतरं उव्वट्टित्ता चक्कवट्टित्तं लभेज्जा? गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। एवं जाव अहेसत्तमापुढविनेरइए। तिरियमणुएहिंतो पुच्छा। गोयमा! नो इणट्ठे समट्ठे। भवणवइवाणमंतरजोइसियवेमाणिएहिंतो पुच्छा। गोयमा! अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा। एवं बलदेवत्तं पि, नवरं सक्करप्पभापुढविनेरइए वि लभेज्जा। एवं वासुदेवत्तं दोहिंतो पुढवीहिंतो वेमाणिएहिंतो य अणुत्तरोववाइयवज्जेहिंतो, सेसेसु नो इणट्ठे समट्ठे। मंडलियत्तं अहेसत्तमातेउवाउवज्जेहिंतो। सेणावइरयणत्तं गाहावइरयणत्तं वड्ढइरयणत्तं पुरोहियरयणत्तं इत्थिरयणत्तं च एवं चेव, णवरं अणुत्तरोववाइयवज्जेहिंतो। आसरयणत्तं हत्थिरयणत्तं रयणप्पभाओ णिरंतरं जाव सहस्सारो अत्थेगइए लभेज्जा, अत्थेगइए णो लभेज्जा। चक्करयणत्तं छत्तरयणत्तं चम्मरयणत्तं दंडरयणत्तं असिरयणत्तं मणिरयणत्तं कागिणिरयणत्तं एएसि णं असुरकुमारेहिंतो आरब्भ निरंतरं जाव ईसाणाओ उववाओ, सेसेहिंतो नो इणट्ठे समट्ठे ॥ ५६६ ॥ अह भंते! असंजयभवियदव्वदेवाणं, अविराहियसंजमाणं, विराहियसंजमाणं, अविराहियसंजमासंजमाणं, विराहियसंजमासंजमाणं, असण्णीणं, तावसाणं, कंदप्पियाणं, चरगपरिव्वायगाणं, किब्बिसियाणं, तिरिच्छियाणं, आजीवियाणं, आभिओगियाणं, सलिंगीणं दंसणवावण्णगाणं देवलोगेसु उववज्जमाणाणं कस्स कहिं उववाओ पण्णत्तो? गोयमा! असंजयभवियदव्वदेवाणं जहण्णेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं उवरिमगेवेज्जएसु; अविराहियसंजमाणं जहन्नेणं सोहम्मे कप्पे, उक्कोसेणं सव्वट्ठसिद्धे; विराहियसंजमाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे; अविराहियसंजमासंजमाणं जहन्नेणं सोहम्मे कप्पे, उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे; विराहियसंजमासंजमाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं जोइसिएसु; असन्नीणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं वाणमंतरेसु; तावसाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं जोइसिएसु; कंदप्पियाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं सोहम्मे कप्पे; चरगपरिव्वायगाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं बंभलोए कप्पे; किब्बिसियाणं जहन्नेणं सोहम्मे कप्पे, उक्कोसेणं लंतए कप्पे; तिरिच्छियाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं सहस्सारे कप्पे; आजीवियाणं जहन्नेणं भवणवासीसु, उक्कोसेणं अच्चुए कप्पे; एवं आभिओ-

भूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, नो अपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठी०कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे। जइ पमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठी०संखेज्जवासाउयकम्मभूमग०मणूसआहारगसरीरे किं इड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठी०कम्मभूमगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, अणिड्ढिपत्तपमत्तसंजय०कम्मभूमगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतिय०आहारगसरीरे? गोयमा! इड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठी०संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे नो अणिड्ढिपत्तपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठी०संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे। आहारगसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! समचउरंससंठाणसंठिए पन्नत्ते। आहारगसरीरस्स णं भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! जहन्नेणं देसूणा रयणी, उक्कोसेणं पडिपुण्णा रयणी ॥५७५॥ तेयगसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते। तंजहा—एगिंदियतेयगसरीरे जाव पंचिंदियतेयगसरीरे। एगिंदियतेयगसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! पंचविहे पन्नत्ते। तंजहा—पुढविकाइय० जाव वणस्सइकाइयएगिंदियतेयगसरीरे। एवं जहा ओरालियसरीरस्स भेओ भणिओ तहा तेयगस्स वि जाव चउरिंदियाणं। पंचिंदियतेयगसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! चउव्विहे पन्नत्ते। तंजहा—नेरइयतेयगसरीरे जाव देवतेयगसरीरे, नेरइयाणं दुगओ भेओ भाणियव्वो जहा वेउव्वियसरीरे। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाण य जहा ओरालियसरीरे भेओ भणिओ तहा भाणियव्वो। देवाणं जहा वेउव्वियसरीरभेओ भणिओ तहा भाणियव्वो जाव सव्वट्ठसिद्धदेवत्ति। तेयगसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते। एगिंदियतेयगसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते। पुढविकाइयएगिंदियतेयगसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! मसूरचंदसंठाणसंठिए पन्नत्ते, एवं ओरालियसंठाणाणुसारेण भाणियव्वं जाव चउरिंदियाण वि। नेरइयाणं भंते! तेयगसरीरे किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! जहा वेउव्वियसरीरे। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं मणूसाणं जहा एएसिं चेव ओरालियत्ति। देवाणं भंते! तेयगसरीरे किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! जहा वेउव्वियस्स जाव अणुत्तरोववाइयत्ति ॥ ५७६ ॥ जीवस्स णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं लोगंताओ लोगंते। एगिंदियस्स णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! एवं चेव जाव पुढवि० आउ० तेउ० वाउ० वणप्फइकाइयस्स। वेइंदियस्स

पन्नत्ते। तंजहा—जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य थलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य खहयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य। जलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—संमुच्छिमजलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य गब्भवक्कंतियजलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य। संमुच्छिमजलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—पज्जत्तगसंमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य अपज्जत्तगसंमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य, एवं गब्भवक्कंतिए वि। थलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—चउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य परिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचेन्दियओरालियसरीरे य। चउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—संमुच्छिमचउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य। संमुच्छिमचउप्पय०तिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे० कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—पज्जत्तसंमुच्छिमचउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य अपज्जत्तसंमुच्छिमचउप्पयथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य। एवं गब्भवक्कंतिए वि। परिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—उरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य भुयपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य। उरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—संमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य गब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य। संमुच्छिमे दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—अपज्जत्तसंमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य पज्जत्तसंमुच्छिमउरपरिसप्पथलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदियओरालियसरीरे य, एवं गब्भवक्कंतियउरपरिसप्पे चउक्कओ भेओ। एवं भुयपरिसप्पा वि संमुच्छिमगब्भवक्कंतिया पज्जत्ता अपज्जत्ता य। खहयरा दुविहा पन्नत्ता। तंजहा—संमुच्छिमा य गब्भवक्कंतिया य। संमुच्छिमा दुविहा पन्नत्ता—पज्जत्ता अपज्जत्ता य। गब्भवक्कंतिया वि पज्जत्ता अपज्जत्ता य। मणूसपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते!

ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कइदिसिं पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! निव्वाघाएणं छद्दिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं, सिय चउद्दिसिं, सिय पंचदिसिं । वेउव्वियसरीरस्स णं भंते ! कइदिसिं पोग्गला चिज्जंति ? गोयमा ! णियमा छद्दिसिं । एवं आहारगसरीरस्स वि, तेयाकम्मगाणं जहा ओरालियसरीरस्स । ओरालियसरीरस्स णं भंते ! कइदिसिं पोग्गला उवचिज्जंति ? गोयमा ! एवं चेव जाव कम्मगसरीरस्स एवं उवचिज्जंति, अवचिज्जंति ॥ ५७८ ॥ जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं, जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि सिय नत्थि । जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स आहारगसरीरं, जस्स आहारगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स आहारगसरीरं सिय अत्थि सिय नत्थि, जस्स पुण आहारगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं णियमा अत्थि । जस्स णं भंते ! ओरालियसरीरं तस्स तेयगसरीरं, जस्स तेयगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं ? गोयमा ! जस्स ओरालियसरीरं तस्स तेयगसरीरं णियमा अत्थि, जस्स पुण तेयगसरीरं तस्स ओरालियसरीरं सिय अत्थि सिय णत्थि, एवं कम्मगसरीरं पि । जस्स णं भंते ! वेउव्वियसरीरं तस्स आहारगसरीरं, जस्स आहारगसरीरं तस्स वेउव्वियसरीरं ? गोयमा ! जस्स वेउव्वियसरीरं तस्स आहारगसरीरं णत्थि, जस्स वि आहारगसरीरं तस्स वि वेउव्वियसरीरं णत्थि । तेयाकम्माइं जहा ओरालिएण समं तहेव आहारगसरीरेण वि समं तेयाकम्मगाइं चारेयव्वाणि । जस्स णं भंते ! तेयगसरीरं तस्स कम्मगसरीरं, जस्स कम्मगसरीरं तस्स तेयगसरीरं ? गोयमा ! जस्स तेयगसरीरं तस्स कम्मगसरीरं णियमा अत्थि, जस्स वि कम्मगसरीरं तस्स वि तेयगसरीरं णियमा अत्थि ॥ ५७९ ॥ एएसि णं भंते ! ओरालियवेउव्वियआहारगतेयगकम्मगसरीराणं दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा आहारगसरीरा दव्वट्ठयाए, वेउव्वियसरीरा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, तेयाकम्मगसरीरा दोवि तुल्ला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा । पएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा आहारगसरीरा पएसट्ठयाए, वेउव्वियसरीरा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, तेयगसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा, कम्मगसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा । दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवा आहारगसरीरा दव्वट्ठयाए, वेउव्वियसरीरा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरेहिंतो दव्वट्ठयाएहिंतो आहा-

छसु वि । मणूसपंचिंदियओरालियसरीरे णं भंते ! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते ? गोयमा ! छव्विहसंठाणसंठिए पन्नत्ते । तंजहा–समचउरंसे जाव हुंडे, पज्जत्तापज्जत्ताण वि एवं चेव, गब्भवक्कंतियाण वि एवं चेव, पज्जत्तापज्जत्ताण वि एवं चेव । संमुच्छिमाणं पुच्छा । गोयमा ! हुंडसंठाणसंठिया पण्णत्ता ॥ ५७० ॥ ओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं । एगिंदियओरालियस्स वि एवं चेव जहा ओहियस्स । पुढविकाइयएगिंदियओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, एवं अपज्जत्तयाण वि पज्जत्तयाण वि । एवं सुहुमाणं पज्जत्तापज्जत्ताणं, बायराणं पज्जत्तापज्जत्ताण वि । एवं एसो णवओ भेओ जहा पुढविकाइयाणं तहा आउकाइयाण वि तेउकाइयाण वि वाउकाइयाण वि । वणस्सइकाइयओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं । अपज्जत्तगाणं जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, पज्जत्तगाणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं । बायराणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं, पज्जत्ताण वि एवं चेव । अपज्जत्ताणं जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । सुहुमाणं पज्जत्तापज्जत्ताण य तिण्ह वि जहन्नेण वि उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । बेइंदियओरालियसरीरस्स णं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बारस जोयणाइं । एवं सव्वत्थ वि अपज्जत्तगाणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं जहण्णेण वि उक्कोसेण वि । पज्जत्तगाणं जहेव ओरालियस्स ओहियस्स । एवं तेइंदियाणं तिण्णि गाउयाइं, चउरिंदियाणं चत्तारि गाउयाइं, पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं उक्कोसेणं जोयणसहस्सं ३, एवं संमुच्छिमाणं ३, गब्भवक्कंतियाण वि ३, एवं चेव णवओ भेओ भाणियव्वो । एवं जलयराण वि जोयणसहस्सं णवओ भेओ, थलयराण वि णव भेया ९, उक्कोसेणं छ गाउयाइं, पज्जत्तगाण वि एवं चेव, संमुच्छिमाणं पज्जत्तगाण य उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं २, गब्भवक्कंतियाणं उक्कोसेणं छ गाउयाइं पज्जत्ताण य २, ओहियचउप्पयपज्जत्तगगब्भवक्कंतियपज्जत्तयाण वि उक्कोसेणं छ गाउयाइं । संमुच्छिमाणं पज्जत्ताण य गाउयपुहुत्तं उक्कोसेणं, एवं उरपरिसप्पाण वि । ओहियगब्भवक्कंतियपज्जत्तगाणं जोयणसहस्सं, संमुच्छिमाणं पज्जत्ताण य जोयणपुहुत्तं, भुयपरिसप्पाणं ओहियगब्भवक्कंतियाण य उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं,

ववरोवेइ, सेत्तं पाणाइवायकिरिया ॥ ५८२ ॥ जीवा णं भंते! किं सकिरिया अकिरिया? गोयमा! जीवा सकिरिया वि अकिरिया वि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'जीवा सकिरिया वि अकिरिया वि'? गोयमा! जीवा दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-संसारसमावण्णगा य असंसारसमावण्णगा य। तत्थ णं जे ते असंसारसमावण्णगा ते णं सिद्धा, सिद्धा णं अकिरिया। तत्थ णं जे ते संसारसमावण्णगा ते दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-सेलेसिपडिवण्णगा य असेलेसिपडिवण्णगा य। तत्थ णं जे ते सेलेसिपडिवण्णगा ते णं अकिरिया, तत्थ णं जे ते असेलेसिपडिवण्णगा ते णं सकिरिया, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'जीवा सकिरिया वि अकिरिया वि' ॥ ५८३ ॥ अत्थि णं भंते! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ? हंता गोयमा! अत्थि। कम्हि णं भंते! जीवाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ? गोयमा! छसु जीवनिकाएसु। अत्थि णं भंते! नेरइयाणं पाणाइवाएणं किरिया कज्जइ? गोयमा! एवं चेव। एवं निरंतरं जाव वेमाणियाणं। अत्थि णं भंते! जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जइ? हंता! अत्थि। कम्हि णं भंते! जीवाणं मुसावाएणं किरिया कज्जइ? गोयमा! सव्वदव्वेसु, एवं निरंतरं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। अत्थि णं भंते! जीवाणं अदिन्नादाणेणं किरिया कज्जइ? हंता! अत्थि। कम्हि णं भंते! जीवाणं अदिन्नादाणेणं किरिया कज्जइ? गोयमा! गहणधारणिज्जेसु दव्वेसु, एवं नेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं। अत्थि णं भंते! जीवाणं मेहुणेणं किरिया कज्जइ? हंता! अत्थि। कम्हि णं भंते! जीवाणं मेहुणेणं किरिया कज्जइ? गोयमा! रूवेसु वा रूवसहगएसु वा दव्वेसु, एवं नेरइयाणं निरंतरं जाव वेमाणियाणं। अत्थि णं भंते! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जइ? हंता! अत्थि। कम्हि णं भंते! जीवाणं परिग्गहेणं किरिया कज्जइ? गोयमा! सव्वदव्वेसु एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। एवं कोहेणं माणेणं मायाए लोभेणं पेज्जेणं दोसेणं कलहेणं अब्भक्खाणेणं पेसुन्नेणं परपरिवाएणं अरइरइए मायामोसेणं मिच्छादंसणसल्लेणं। सव्वेसु जीवनेरइयभेएणं भाणियव्वा निरंतरं जाव वेमाणियाणं ति, एवं अट्ठारस एए दंडगा १८ ॥ ५८४ ॥ जीवे णं भंते! पाणाइवाएणं कइ कम्मपगडीओ बंधइ? गोयमा! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा। एवं नेरइए जाव निरंतरं वेमाणिए। जीवा णं भंते! पाणाइवाएणं कइ कम्मपगडीओ बंधंति? गोयमा! सत्तविहबंधगा वि अट्ठविहबंधगा वि। नेरइया णं भंते! पाणाइवाएणं कइ कम्मपगडीओ बंधंति? गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य, अहवा सत्तविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य। एवं असुरकुमारा वि जाव थणियकुमारा पुढवि-

गब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! नो संमुच्छिमतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, गब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ गब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं संखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतिय० पंचिंदियवेउव्वियसरीरे, असंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, नो असंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ संखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, नो अपज्जत्तगसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ संखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, किं जलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, थलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, खहयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! जलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि, थलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि, खहयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि । जइ जलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं पज्जत्तगजलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अपज्जत्तगजलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तगजलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, नो अपज्जत्तगजलयरसंखेज्जवासाउयगब्भवक्कंतियतिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ थलयरतिरिक्खजोणियपंचिंदिय जाव सरीरे किं चउप्पय जाव सरीरे, परिसप्प जाव सरीरे ? गोयमा ! चउप्पय जाव सरीरे वि, परिसप्प जाव सरीरे वि । एवं सव्वेसिं णेयव्वं जाव खहयराणं पज्जत्ताणं, नो अपज्जत्ताणं । जइ मणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं संमुच्छिममणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, गब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे ? गोयमा ! णो संमुच्छिममणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, गब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे । जइ गब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे किं कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, अक-

गोयमा! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, पंचकिरिया वि। नेरइया णं भंते! नेरइएहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरिया वि चउकिरिया वि। एवं जाव वेमाणिएहिंतो, नवरं ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिंतो। असुरकुमारे णं भंते! जीवाओ कइकिरिए? गोयमा! जहेव नेरइए चत्तारि दंडगा तहेव असुरकुमारे वि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, एवं च उवउज्जिऊणं भावेयव्वं ति। जीवे मणूसे य अकिरिए वुच्चइ, सेसा अकिरिया न वुच्चंति। सव्वजीवा ओरालियसरीरेहिंतो पंचकिरिया। नेरइयदेवेहिंतो पंचकिरिया ण वुच्चंति। एवं एक्केक्कजीवपए चत्तारि चत्तारि दंडगा भाणियव्वा एवं एयं दंडगसयं सव्वे वि य जीवाइया दंडगा ॥ ५८७ ॥ कइ णं भंते! किरियाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ। तंजहा—काइया जाव पाणाइवायकिरिया। नेरइयाणं भंते! कइ किरियाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ। तंजहा–काइया जाव पाणाइवायकिरिया, एवं जाव वेमाणियाणं। जस्स णं भंते! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ, जस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ तस्स काइया किरिया कज्जइ? गोयमा! जस्स णं जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स अहिगरणिया किरिया नियमा कज्जइ, जस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ तस्स वि काइया किरिया नियमा कज्जइ। जस्स णं भंते! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पाओसिया किरिया कज्जइ, जस्स पाओसिया किरिया कज्जइ तस्स काइया किरिया कज्जइ? गोयमा! एवं चेव। जस्स णं भंते! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ, जस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स काइया किरिया कज्जइ? गोयमा! जस्स णं जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया० सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, जस्स पुण पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स काइया० नियमा कज्जइ, एवं पाणाइवायकिरिया वि। एवं आइल्लाओ परोप्परं नियमा तिण्णि कज्जंति। जस्स आइल्लाओ तिण्णि कज्जंति तस्स उवरिल्लाओ दोन्नि सिय कज्जंति, सिय नो कज्जंति, जस्स उवरिल्लाओ दोण्णि कज्जंति तस्स आइल्लाओ नियमा तिण्णि कज्जंति। जस्स णं भंते! जीवस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स पाणाइवायकिरिया कज्जइ, जस्स पाणाइवायकिरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ? गोयमा! जस्स णं जीवस्स पारियावणिया किरिया कज्जइ तस्स पाणाइवायकिरिया सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, जस्स पुण पाणाइवायकिरिया कज्जइ तस्स पारियावणिया किरिया नियमा कज्जइ। जस्स णं भंते! नेरइयस्स काइया किरिया कज्जइ तस्स अहिगरणिया किरिया कज्जइ? गोयमा! जहेव जीवस्स तहेव नेरइयस्स वि, एवं निरंतरं जाव

दुविहे पन्नत्ते। तंजहा-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य। तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं हुंडसंठाणसंठिए पन्नत्ते। तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से वि हुंडसंठाणसंठिए पन्नत्ते। रयणप्पभापुढविनेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! रयणप्पभापुढविनेरइयाणं दुविहे सरीरे पन्नत्ते। तंजहा-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य। तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं हुंडे,० जे से उत्तरवेउव्विए से वि हुंडे। एवं जाव अहेसत्तमापुढविनेरइयवेउव्वियसरीरे। तिरिक्खजोणियपंचिंदियवेउव्वियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते। एवं जाव जलयरथलयरखहयराण वि। थलयराण वि चउप्पयपरिसप्पाण वि, परिसप्पाण वि उरपरिसप्पभुयपरिसप्पाण वि। एवं मणुस्सपंचिंदियवेउव्वियसरीरे वि। असुरकुमारभवणवासिदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे णं भंते! किंसंठाणसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! असुरकुमाराणं देवाणं दुविहे सरीरे पन्नत्ते। तंजहा-भवधारणिज्जे य उत्तरवेउव्विए य। तत्थ णं जे से भवधारणिज्जे से णं समचउरंससंठाणसंठिए पन्नत्ते, तत्थ णं जे से उत्तरवेउव्विए से णं णाणासंठाणसंठिए पन्नत्ते, एवं जाव थणियकुमारदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे, एवं वाणमंतराण वि, णवरं ओहिया वाणमंतरा पुच्छिज्जंति, एवं जोइसियाण वि ओहियाणं, एवं सोहम्मे जाव अच्चुयदेवसरीरे। गेवेज्जगकप्पातीतवेमाणियदेवपंचिंदियवेउव्वियसरीरे णं भंते! किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! गेवेज्जगदेवाणं एगे भवधारणिज्जे सरीरे, से णं समचउरंससंठाणसंठिए पन्नत्ते, एवं अणुत्तरोववाइयाण वि ॥ ५७३ ॥ वेउव्वियसरीरस्स णं भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसयसहस्सं। वाउक्काइयएगिंदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। नेरइयपंचिंदियवेउव्वियसरीरस्स णं भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य। तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं। तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुसहस्सं। रयणप्पभापुढविनेरइयाणं भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा-भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य। तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्त धणूइं तिण्णि रयणीओ छच्च अंगुलाइं। तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं,

तंजहा–आरंभिया जाव मिच्छादंसणवत्तिया। एवं जाव वेमाणियाणं। जस्स णं भंते! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स परिग्गहिया० कज्जइ जस्स परिग्गहिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया कज्जइ? गोयमा! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स परिग्गहिया० सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, जस्स पुण परिग्गहिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया णियमा कज्जइ। जस्स णं भंते! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ पुच्छा। गोयमा! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स मायावत्तिया किरिया नियमा कज्जइ, जस्स पुण मायावत्तिया किरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ। जस्स णं भंते! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स अपच्चक्खाणकिरिया पुच्छा। गोयमा! जस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तस्स अपच्चक्खाणकिरिया सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, जस्स पुण अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ तस्स आरंभिया किरिया णियमा कज्जइ। एवं मिच्छादंसणवत्तियाए वि समं। एवं परिग्गहिया वि तिहिं उवरिल्लाहिं समं संचारेयव्वा। जस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ तस्स उवरिल्लाओ दो वि सिय कज्जंति, सिय नो कज्जंति, जस्स उवरिल्लाओ दो कज्जंति तस्स मायावत्तिया० णियमा कज्जइ। जस्स अपच्चक्खाणकिरिया कज्जइ तस्स मिच्छादंसणवत्तिया किरिया सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया० तस्स अपच्चक्खाणकिरिया णियमा कज्जइ। नेरइयस्स आइल्लियाओ चत्तारि परोप्परं नियमा कज्जन्ति, जस्स एयाओ चत्तारि कज्जंति तस्स मिच्छादंसणवत्तिया किरिया भइज्जइ, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ तस्स एयाओ चत्तारि नियमा कज्जंति, एवं जाव थणियकुमारस्स। पुढवीकाइयस्स जाव चउरिंदियस्स पंच वि परोप्परं नियमा कज्जंति। पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स आइल्लियाओ तिण्णि वि परोप्परं नियमा कज्जंति, जस्स एयाओ कज्जंति तस्स उवरिल्लिया दोण्णि भइज्जंति, जस्स उवरिल्लाओ दोण्णि कज्जंति तस्स एयाओ तिण्णि वि णियमा कज्जंति। जस्स अपच्चक्खाणकिरिया० तस्स मिच्छादंसणवत्तिया० सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, जस्स पुण मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ तस्स अपच्चक्खाणकिरिया नियमा कज्जइ, मणूसस्स जहा जीवस्स, वाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स जहा नेरइयस्स। जं समयण्णं भंते! जीवस्स आरंभिया किरिया कज्जइ तं समयं परिग्गहिया किरिया कज्जइ? एवं एए जस्स जं समयं जं देसं जं पएसेण य चत्तारि दंडगा णेयव्वा, जहा नेरइयाणं तहा सव्वदेवाणं नेयव्वं जाव वेमाणियाणं ॥ ५९३ ॥ अत्थि

सरीरे, गब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! नो संमुच्छिममणूसआहारगसरीरे, गब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे । जइ गब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे किं कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, अकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, अंतरदीवगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! कम्मभूमगगब्भवक्कंतिय०, नो अकम्मभूमगगब्भवक्कंतिय०, नो अंतरदीवगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे । जइ कम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे किं संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, नो असंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे । जइ संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे किं पज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, अपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! पज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, नो अपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे । जइ पज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे किं सम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, मिच्छद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, सम्मामिच्छद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! सम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, नो मिच्छद्दिट्ठीपज्जत्त०, नो सम्मामिच्छद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे । जइ सम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे किं संजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, असंजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, संजयासंजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! संजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, नो असंजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, नो संजयासंजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्त०आहारगसरीरे । जइ संजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे किं पमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठी०संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे, अपमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठी०संखेज्जवासाउयकम्मभूमगगब्भवक्कंतियमणूसआहारगसरीरे ? गोयमा ! पमत्तसंजयसम्मद्दिट्ठीपज्जत्तसंखेज्जवासाउयकम्म-

विहबंधगा य अट्ठविहबंधगे य छव्विहबंधए य अबंधए य १, अहवा सत्तविह-बंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य छव्विहबंधए य अबंधगा य २, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धए य छव्विहबन्धगा य अबन्धए य ३, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धए य छव्विहबन्धगा य अबन्धगा य ४, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगे य अबन्धए य ५, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगे य अबन्धगा य ६, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य अबन्धए य ७, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विह-बन्धगा य अबन्धगा य ८, एवं एए अट्ठ भंगा, सव्वे वि मिलिया सत्तावीसं भंगा भवंति। एवं मणूसाण वि एए चेव सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा, एवं मुसावायविर-यस्स जाव मायामोसविरयस्स जीवस्स य मणूसस्स य। मिच्छादंसणसल्लविरए णं भंते! जीवे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! सत्तविहबन्धए वा अट्ठविहबन्धए वा छव्विहबन्धए वा एगविहबन्धए वा अबन्धए वा। मिच्छादंसणसल्लविरए णं भंते! नेरइए कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! सत्तविहबन्धए वा अट्ठविह-बन्धए वा जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिए। मणूसे जहा जीवे। वाणमंतरजोइसिय-वेमाणिए जहा नेरइए। मिच्छादंसणसल्लविरया णं भंते! जीवा कइ कम्मपगडीओ बन्धन्ति? गोयमा! ते चेव सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा। मिच्छादंसणसल्लविरया णं भंते! नेरइया कइ कम्मपगडीओ बन्धन्ति? गोयमा! सव्वे वि ताव होज्ज सत्तविहबन्धगा, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य, अहवा सत्तविह-बन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य एवं जाव वेमाणिया, णवरं मणूसाणं जहा जीवाणं ॥ ५९५ ॥ पाणाइवायविरयस्स णं भंते! जीवस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ? गोयमा! पाणाइवायविरयस्स णं जीवस्स आरंभिया किरिया सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ। पाणाइवायविरयस्स णं भंते! जीवस्स परिग्गहिया किरिया कज्जइ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। पाणाइवायवि-रयस्स णं भंते! जीवस्स मायावत्तिया किरिया कज्जइ? गोयमा! सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ। पाणाइवायविरयस्स णं भंते! जीवस्स अपच्चक्खाणवत्तिया किरिया कज्जइ? गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। मिच्छादंसणवत्तियाए पुच्छा। गोयमा! णो इणट्ठे समट्ठे। एवं पाणाइवायविरयस्स मणूसस्स वि, एवं जाव माया-मोसविरयस्स जीवस्स मणूसस्स य। मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते! जीवस्स किं

णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा पन्नत्ता ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिरियलोगाओ लोगंते । एवं जाव चउरिंदियस्स। नेरइयस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा प० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं साइरेगं जोयणसहस्सं अहे, उक्कोसेणं जाव अहेसत्तमा पुढवी, तिरियं जाव सयंभुरमणे समुद्दे, उड्ढं जाव पंडगवणे पुक्खरिणीओ । पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ? गोयमा ! जहा बेइंदियसरीरस्स । मणुस्सस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ? गोयमा ! समयखेत्ताओ लोगंतो । असुरकुमारस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव तच्चाइ पुढवीए हिट्ठिल्ले चरमंते, तिरियं जाव सयंभुरमणसमुद्दस्स बाहिरिल्ले वेइयंते, उड्ढं जाव ईसिप्पब्भारा पुढवी, एवं जाव थणियकुमारतेयगसरीरस्स । वाणमंतरजोइसियसोहम्मीसाणगा य एवं चेव। सणंकुमारदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव महापायालाणं दोच्चे तिभागे, तिरियं जाव सयंभुरमणे समुद्दे, उड्ढं जाव अच्चुओ कप्पो। एवं जाव सहस्सारदेवस्स। आणयदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयासरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जाव अहोलोइयगामा, तिरियं जाव मणूसखेत्तं, उड्ढं जाव अच्चुओ कप्पो, एवं जाव आरणदेवस्स । अच्चुयदेवस्स एवं चेव, णवरं उड्ढं जाव सयाइं विमाणाइं । गेविज्जगदेवस्स णं भंते ! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयस्स तेयगसरीरस्स केमहालिया सरीरोगाहणा० ? गोयमा ! सरीरप्पमाणमेत्ता विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं विज्जाहरसेढीओ, उक्कोसेणं जाव अहोलोइयगामा, तिरियं जाव मणूसखेत्ते, उड्ढं जाव सगाइं विमाणाइं, अणुत्तरोववाइयस्स वि एवं चेव। कम्मगसरीरे णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा—एगिंदियकम्मगसरीरे जाव पंचिंदियकम्मगसरीरे य । एवं जहेव तेयगसरीरस्स भेओ संठाणं ओगाहणा य भणिया तहेव निरवसेसं भाणियव्वं जाव अणुत्तरोववाइयत्ति ॥ ५७७ ॥

एवं नेरइए जाव वेमाणिए। जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं कइहिं ठाणेहिं बन्धन्ति ? गोयमा ! दोहिं ठाणेहिं एवं चेव, एवं नेरइया जाव वेमाणिया। एवं दंसणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं एए एगत्तपोहत्तिया सोलस दंडगा ॥ ६०० ॥ जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेएइ ? गोयमा ! अत्थेगइए वेएइ, अत्थेगइए नो वेएइ। नेरइए णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेएइ ? गोयमा ! नियमा वेएइ, एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणूसे जहा जीवे। जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेदेंति ? गोयमा ! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिया। एवं जहा णाणावरणिज्जं तहा दंसणावरणिज्जं मोहणिज्जं अंतराइयं च, वेयणिज्जाउनामगोयाइं एवं चेव, नवरं मणूसे वि नियमा वेएइ, एवं एए एगत्तपोहत्तिया सोलस दंडगा ॥ ६०१ ॥ णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स पुट्ठस्स बद्धफासपुट्ठस्स संचियस्स चियस्स उवचियस्स आवागपत्तस्स विवागपत्तस्स फलपत्तस्स उदयपत्तस्स जीवेणं कयस्स जीवेणं निव्वत्तियस्स जीवेणं परिणामियस्स सयं वा उदिण्णस्स परेण वा उदीरियस्स तदुभएण वा उदीरिज्जमाणस्स गइं पप्प ठिइं पप्प भवं पप्प पोग्गलपरिणामं पप्प कइविहे अणुभावे पन्नत्ते ? गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प दसविहे अणुभावे पन्नत्ते। तंजहा—सोयावरणे, सोयविण्णाणावरणे, णेत्तावरणे, णेत्तविण्णाणावरणे, घाणावरणे, घाणविण्णाणावरणे, रसावरणे, रसविण्णाणावरणे, फासावरणे, फासविण्णाणावरणे, जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं जाणियव्वं ण जाणइ, जाणिउकामे वि ण जाणइ, जाणित्ता वि ण जाणइ, उच्छन्नणाणी यावि भवइ णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, एस णं गोयमा ! णाणावरणिज्जे कम्मे, एस णं गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प दसविहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०२ ॥ दरिसणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प कइविहे अणुभावे पन्नत्ते ? गोयमा ! दरिसणावरणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प णवविहे अणुभावे पन्नत्ते। तंजहा—णिद्दा, णिद्दाणिद्दा, पयला, पयलापयला, थीणद्धी, चक्खुदंसणावरणे, अचक्खुदंसणावरणे, ओहिदंसणावरणे, केवलदंसणावरणे, जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं पासियव्वं ण पासइ, पासिउकामे वि ण पासइ, पासित्ता वि ण पासइ, उच्छन्नदंसणी यावि भवइ दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं, एस णं गोयमा ! दरिसणावरणिज्जे कम्मे, एस णं गोयमा ! दरिसणावरणिज्जस्स कम्मस्स

रगसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा, वेउव्वियसरीरा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, ओरालियसरीरा पएसट्ठयाए असंखेज्जगुणा, तेयाकम्मा दोवि तुल्ला दव्वट्ठयाए अणंतगुणा, तेयगसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा, कम्मगसरीरा पएसट्ठयाए अणंतगुणा ॥५८०॥ एएसि णं भंते! ओरालियवेउव्वियआहारगतेयगकम्मगसरीराणं जहण्णियाए ओगाहणाए उक्कोसियाए ओगाहणाए जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा ओरालियसरीरस्स जहण्णिया ओगाहणा, तेयाकम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला जहण्णिया ओगाहणा विसेसाहिया, वेउव्वियसरीरस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा। उक्कोसियाए ओगाहणाए–सव्वत्थोवा आहारगसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा, ओरालियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, वेउव्वियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, तेयाकम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा। जहण्णुक्कोसियाए ओगाहणाए–सव्वत्थोवा ओरालियसरीरस्स जहण्णिया ओगाहणा, तेयाकम्माणं दोण्ह वि तुल्ला जहण्णिया ओगाहणा विसेसाहिया, वेउव्वियसरीरस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स जहण्णिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा, आहारगसरीरस्स जहण्णियाहिंतो ओगाहणाहिंतो तस्स चेव उक्कोसिया ओगाहणा विसेसाहिया, ओरालियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, वेउव्वियसरीरस्स उक्कोसिया ओगाहणा संखेज्जगुणा, तेयाकम्मगाणं दोण्ह वि तुल्ला उक्कोसिया ओगाहणा असंखेज्जगुणा ॥ ५८१ ॥ **पन्नवणाए भगवईए एगवीसइमं ओगाहणासंठाणपयं समत्तं ॥**

कइ णं भंते! किरियाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ। तंजहा–काइया १, अहिगरणिया २, पाओसिया ३, पारियावणिया ४, पाणाइवायकिरिया ५। काइया णं भंते! किरिया कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–अणुवरयकाइया य दुप्पउत्तकाइया य। अहिगरणिया णं भंते! किरिया कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–संजोयणाहिगरणिया य निव्वत्तणाहिगरणिया य। पाओसिया णं भंते! किरिया कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! तिविहा पन्नत्ता। तंजहा–जेणं अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा असुभं मणं संपधारेइ, सेत्तं पाओसिया किरिया। पारियावणिया णं भंते! किरिया कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! तिविहा पन्नत्ता। तंजहा–जेणं अप्पणो वा परस्स वा तदुभयस्स वा अस्सायं वेयणं उदीरेइ, सेत्तं पारियावणिया किरिया। पाणाइवायकिरिया णं भंते! कइविहा पन्नत्ता? गोयमा! तिविहा पन्नत्ता। तंजहा–जेणं अप्पाणं वा परं वा तदुभयं वा जीवियाओ

णवरं अणिट्ठा सद्दा जाव हीणस्सरया, दीणस्सरया, अकंतस्सरया, जं वेएइ सेसं तं चेव जाव चउद्दसविहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०७ ॥ उच्चागोयस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं पुच्छा । गोयमा ! उच्चागोयस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पन्नत्ते । तंजहा-जाइविसिट्ठया १, कुलविसिट्ठया २, बलविसिट्ठया ३, रूवविसिट्ठया ४, तवविसिट्ठया ५, सुयविसिट्ठया ६, लाभविसिट्ठया ७, इस्सरियविसिट्ठया ८, जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं जाव अट्ठविहे अणुभावे पन्नत्ते । णीयागोयस्स णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव, णवरं जाइविहीणया जाव इस्सरियविहीणया, जं वेएइ पुग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं जाव अट्ठविहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०८ ॥ अंतराइयस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं पुच्छा । गोयमा ! अंतराइयस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पंचविहे अणुभावे पन्नत्ते । तंजहा-दाणंतराए लाभंतराए भोगंतराए उवभोगंतराए वीरियंतराए, जं वेएइ पोग्गलं वा जाव वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं अंतराइयं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा ! अंतराइए कम्मे, एस णं गोयमा ! जाव पंचविहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०९ ॥ **पन्नवणाए भगवईए तेवीसइमस्स पयस्स पढमो उद्देसो समत्तो ॥**

कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ । तंजहा—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं । णाणावरणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा—आभिणिबोहियनाणावरणिज्जे जाव केवलनाणावरणिज्जे ॥ ६१० ॥ दंसणावरणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा—निद्दापंचए य दंसणचउक्कए य । निद्दापंचए णं भंते ! कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा—निद्दा जाव थीणद्धी । दंसणचउक्कए णं पुच्छा । गोयमा ! चउव्विहे पन्नत्ते । तंजहा—चक्खुदंसणावरणिज्जे जाव केवलदंसणावरणिज्जे ॥ ६११ ॥ वेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा—सायावेयणिज्जे य असायावेयणिज्जे य । सायावेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे पुच्छा । गोयमा ! अट्ठविहे पन्नत्ते । तंजहा—मणुण्णा सद्दा जाव कायसुहया । असायावेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! अट्ठविहे पन्नत्ते । तंजहा-अमणुण्णा सद्दा जाव कायदुहया ॥ ६१२ ॥ मोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा-दंसणमोहणिज्जे य चरित्तमोहणिज्जे य । दंसणमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे

आउतेउवाउवणप्फइकाइया य एए सव्वे वि जहा ओहिया जीवा, अवसेसा जहा नेरइया। एवं ते जीवेगिंदियवज्जा तिण्णि तिण्णि भंगा सव्वत्थ भाणियव्वत्ति जाव मिच्छादंसणसल्ले, एवं एगत्तपोहत्तिया छत्तीसं दंडगा होंति ॥ ५८५ ॥ जीवे णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणे कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए, एवं नेरइए जाव वेमाणिए। जीवा णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं बंधमाणा कइकिरिया? गोयमा! सिय तिकिरिया, सिय चउकिरिया, सिय पंचकिरिया वि, एवं नेरइया निरंतरं जाव वेमाणिया। एवं दरिसणावरणिज्जं वेयणिज्जं मोहणिज्जं आउयं नामं गोत्तं अंतराइयं च अट्ठविहकम्मपगडीओ भाणियव्वाओ, एगत्तपोहत्तिया सोलस दंडगा भवन्ति ॥ ५८६ ॥ जीवे णं भंते! जीवाओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए, सिय अकिरिए। जीवे णं भंते! नेरइयाओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय अकिरिए, एवं जाव थणियकुमाराओ। पुढविकाइयाओ आउकाइयाओ तेउकाइयाओ वाउकाइयवणप्फइकाइयबेइंदियतेइंदियचउरिंदियपंचिंदियतिरिक्खजोणियमणुस्साओ जहा जीवाओ, वाणमंतरजोइसियवेमाणियाओ जहा नेरइयाओ। जीवे णं भंते! जीवेहिंतो कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए, सिय अकिरिए। जीवे णं भंते! नेरइएहिंतो कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिए अकिरिए, एवं जहेव पढमो दंडओ तहा एसो विइओ भाणियव्वो। जीवा णं भंते! जीवाओ कइकिरिया? गोयमा! सिय तिकिरिया वि, सिय चउकिरिया वि, सिय पंचकिरिया वि, सिय अकिरिया वि। जीवा णं भंते! नेरइयाओ कइकिरिया? गोयमा! जहेव आइल्लदंडओ तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियत्ति। जीवा णं भंते! जीवेहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, पंचकिरिया वि, अकिरिया वि। जीवा णं भंते! नेरइएहिंतो कइकिरिया? गोयमा! तिकिरिया वि, चउकिरिया वि, अकिरिया वि। असुरकुमारेहिंतो वि एवं चेव जाव वेमाणिएहिंतो, ओरालियसरीरेहिंतो जहा जीवेहिंतो। नेरइए णं भंते! जीवाओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए। नेरइए णं भंते! नेरइयाओ कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए। एवं जाव वेमाणिएहिंतो, नवरं नेरइयस्स नेरइएहिंतो देवेहिंतो य पंचमा किरिया नत्थि। नेरइया णं भंते! जीवाओ कइकिरिया? गोयमा! सिय तिकिरिया, सिय चउकिरिया, सिय पंचकिरिया, एवं जाव वेमाणियाओ, नवरं नेरइयाओ देवाओ य पंचमा किरिया नत्थि। नेरइया णं भंते! जीवेहिंतो कइकिरिया?

पन्नत्ते । तंजहा–ओरालियसरीरसंघायनामे जाव कम्मगसरीरसंघायनामे । संघयणनामे णं भंते !० कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! छव्विहे पन्नत्ते । तंजहा–वइरोसभनारायसंघयणनामे, उसहनारायसंघयणनामे, नारायसंघयणनामे, अद्धनारायसंघयणनामे, कीलियासंघयणनामे, छेवट्ठसंघयणनामे । संठाणनामे णं भंते !० कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! छव्विहे पन्नत्ते । तंजहा–समचउरंससंठाणनामे, निग्गोहपरिमंडलसंठाणनामे, साइसंठाणनामे, वामणसंठाणनामे, खुज्जसंठाणनामे, हुंडसंठाणनामे । वण्णनामे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा–कालवण्णनामे जाव सुक्किल्लवण्णनामे । गंधनामे णं भंते ! कम्मे पुच्छा । गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा–सुरभिगंधनामे, दुरभिगंधनामे । रसनामे णं पुच्छा । गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा–तित्तरसनामे जाव महुररसनामे । फासनामे णं पुच्छा । गोयमा ! अट्ठविहे पन्नत्ते । तंजहा–कक्खडफासनामे जाव लहुयफासनामे । अगुरुलहुयनामे एगागारे पन्नत्ते । उवघायनामे एगागारे पन्नत्ते, पराघायनामे एगागारे पन्नत्ते । आणुपुव्वीणामे चउव्विहे पन्नत्ते । तंजहा–नेरइयआणुपुव्वीणामे जाव देवाणुपुव्वीणामे । उस्सासनामे एगागारे पन्नत्ते, सेसाणि सव्वाणि एगागाराइं पण्णत्ताइं जाव तित्थगरणामे । नवरं विहायगइनामे दुविहे पन्नत्ते । तंजहा—पसत्थविहायगइनामे, अपसत्थविहायगइनामे य ॥ ६१५ ॥ गोए णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा—उच्चागोए य नीयागोए य । उच्चागोए णं भंते !० कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! अट्ठविहे पन्नत्ते । तंजहा—जाइविसिट्ठया जाव इस्सरियविसिट्ठया, एवं नीयागोए वि, णवरं जाइविहीणया जाव इस्सरियविहीणया ॥ ६१६ ॥ अंतराइए णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा–दाणंतराइए जाव वीरियंतराइए ॥ ६१७ ॥ णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अवाहा, अवाहूणिया कम्मठिई कम्मनिसेगो ॥ ६१८ ॥ निद्दापंचगस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणिया, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अवाहा, अवाहूणिया कम्मट्ठिई कम्मनिसेगो । दंसणचउक्कस्स णं भंते ! कम्मस्स केवइयं कालं ठिई पन्नत्ता ? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अवाहा ॥ ६१९ ॥ सायावेयणिज्जस्स इरियावहियं बंधगं पडुच्च अजहण्णमणुक्कोसेणं दो समया, संपराइयबंधगं पडुच्च जहन्नेणं

वेमाणियस्स ॥ ५८८ ॥ जं समयं णं भंते! जीवस्स काइया किरिया कज्जइ तं समयं अहिगरणिया किरिया कज्जइ, जं समयं अहिगरणिया० कज्जइ तं समयं काइया किरिया कज्जइ? एवं जहेव आइल्लओ दंडओ तहेव भाणियव्वो जाव वेमाणियस्स। जं देसं णं भंते! जीवस्स काइया किरिया तं देसं णं अहिगरणिया किरिया तहेव जाव वेमाणियस्स। जं पएसं णं भंते! जीवस्स काइया किरिया तं पएसं णं अहिगरणिया किरिया एवं तहेव जाव वेमाणियस्स। एवं एए जस्स जं समयं जं देसं जं पएसं णं चत्तारि दंडगा होंति ॥ ५८९ ॥ कइ णं भंते! आओजियाओ किरियाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! पंच आओजियाओ किरियाओ पण्णत्ताओ। तंजहा—काइया जाव पाणाइवायकिरिया, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। जस्स णं भंते! जीवस्स काइया आओजिया किरिया अत्थि तस्स अहिगरणिया आओजिया किरिया अत्थि, जस्स अहिगरणिया आओजिया किरिया अत्थि तस्स काइया आओजिया किरिया अत्थि? एवं एएणं अभिलावेणं ते चेव चत्तारि दंडगा भाणियव्वा, जस्स जं समयं जं देसं जं जाव वेमाणियाणं ॥ ५९० ॥ जीवे णं भंते! जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए पुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए पुट्ठे? गोयमा! अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए किरियाए पुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए पुट्ठे १, अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए किरियाए पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए किरियाए पुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए अपुट्ठे २, अत्थेगइए जीवे एगइयाओ जीवाओ जं समयं काइयाए अहिगरणियाए पाओसियाए० पुट्ठे तं समयं पारियावणियाए किरियाए अपुट्ठे, पाणाइवायकिरियाए अपुट्ठे ३ ॥ ५९१ ॥ कइ णं भंते! किरियाओ पण्णत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पण्णत्ताओ। तंजहा—आरंभिया, परिग्गहिया, मायावत्तिया, अपच्चक्खाणकिरिया, मिच्छादंसणवत्तिया। आरंभिया णं भंते! किरिया कस्स कज्जइ? गोयमा! अण्णयरस्स वि पमत्तसंजयस्स। परिग्गहिया णं भंते! किरिया कस्स कज्जइ? गोयमा! अण्णयरस्स वि संजयासंजयस्स। मायावत्तिया णं भंते! किरिया कस्स कज्जइ? गोयमा! अण्णयरस्स वि अपमत्तसंजयस्स। अपच्चक्खाणकिरिया णं भंते! कस्स कज्जइ? गोयमा! अण्णयरस्स वि अपच्चक्खाणिस्स। मिच्छादंसणवत्तिया णं भंते! किरिया कस्स कज्जइ? गोयमा! अण्णयरस्स वि मिच्छादंसणिस्स ॥ ५९२ ॥ नेरइयाणं भंते! कइ किरियाओ पन्नत्ताओ? गोयमा! पंच किरियाओ पन्नत्ताओ।

स्सस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं साग-रोवमकोडाकोडीओ, वीसं वाससयाइं अबाहा। तिरियगइनामए जहा नपुंसगवेयस्स। मणुयगइनामए पुच्छा। गो०! जहन्नेणं सागरोवमस्स दिवड्ढं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणगं, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्णरसवास-सयाइं अबाहा। देवगइनामए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमसहस्सस्स एगं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणयं, उक्कोसेणं जहा पुरिसवेयस्स। एगिंदियजाइनामए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसइ वाससयाइं अबाहा। बेइंदियजाइनामाए णं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमस्स नव पणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्ठारस य वाससयाइं अबाहा। तेइंदियजाइ-नामए णं जहण्णेणं एवं चेव, उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्ठारस वाससयाइं अबाहा। चउरिंदियजाइनामाए पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमस्स णव पणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमकोडाकोडीओ, अट्ठारस वाससयाइं अबाहा। पंचिंदियजाइनामाए पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीस य वाससयाइं अबाहा। ओरा-लियसरीरनामाए वि एवं चेव। वेउव्वियसरीरनामाए णं भंते! पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसइ वाससयाइं अबाहा। आहारगसरीर-नामाए जहन्नेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ। तेयाकम्मसरीरनामाए जहण्णेणं दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीस य वाससयाइं अबाहा। ओरालियवेउव्वियआहारगसरीरोवंगनामाए तिण्णि वि एवं चेव, सरीरबंधणनामाए वि पंचण्ह वि एवं चेव, सरीरसंघायनामाए पंचण्ह वि जहा सरीरनामाए कम्मस्स ठिइत्ति, वइरोसभनारायसंघयणनामाए जहा रइनामाए। उसभनारायसंघयणनामाए पुच्छा। गोयमा! ज० सागरोवमस्स छ पणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं बारस सागरोवमकोडाकोडीओ, बारस वाससयाइं अबाहा। नारायसंघ-यणनामस्स जहन्नेणं सागरोवमस्स सत्त पणतीसइभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइ-भागेणं ऊणया, उक्कोसेणं चोद्दस सागरोवमकोडाकोडीओ चउद्दस वाससयाइं अबाहा।

णं भंते ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं पाणाइवायवेरमणे कज्जइ ? गोयमा ! छसु जीवनिकाएसु । अत्थि णं भंते ! नेरइयाणं पाणाइवायवेरमणे कज्जइ ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । एवं जाव वेमाणियाणं, णवरं मणूसाणं जहा जीवाणं । एवं मुसावाएणं जाव मायामोसेणं जीवस्स य मणूसस्स य, सेसाणं नो इणट्ठे समट्ठे । णवरं अदिन्नादाणे गहणधारणिज्जेसु दव्वेसु, मेहुणे रूवेसु वा रूवसहगएसु वा दव्वेसु, सेसाणं सव्वेसु दव्वेसु । अत्थि णं भंते ! जीवाणं मिच्छादंसणसल्लवेरमणे कज्जइ ? हंता ! अत्थि । कम्हि णं भंते ! जीवाणं मिच्छादंसणसल्लवेरमणे कज्जइ ? गोयमा ! सव्वदव्वेसु, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं, णवरं एगिंदियविगलेंदियाणं नो इणट्ठे समट्ठे ॥ ५९४ ॥ पाणाइवायविरए णं भंते ! जीवे कइ कम्मपगडीओ बंधइ ? गोयमा ! सत्तविहबंधए वा अट्ठविहबंधए वा छव्विहबंधए वा एगविहबंधए वा अबंधए वा । एवं मणूसे वि भाणियव्वे । पाणाइवायविरया णं भंते ! जीवा कइ कम्मपगडीओ बंधंति ? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य १, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधगे य २, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य ३, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य ४, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ५, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अबंधए य ६, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अबंधगा य ७, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधगे य छव्विहबंधए य १, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य छव्विहबंधगा य २, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य छव्विहबंधए य ३, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य छव्विहबंधगा य ४, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य अबंधए य १, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधए य अबंधगा य २, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य अबंधए य ३, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य अट्ठविहबंधगा य अबंधगा य ४ । अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगे य अबंधए य १, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधए य अबंधगा य २, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा य अबंधए य ३, अहवा सत्तविहबंधगा य एगविहबंधगा य छव्विहबंधगा य अबंधगा य ४ । अहवा सत्तविहबंधगा य एग-

गरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं जा जस्स ओहिया ठिई भणिया तं बंधंति, णवरं इमं णाणत्तं–अबाहा अबाहूणिया ण वुच्चइ। एवं आणुपुव्वीए सव्वेसिं जाव अंतराइयस्स ताव भाणियव्वं ॥ ६३१ ॥ णाणावरणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठिईबंधए के? गोयमा ! अण्णयरे सुहुमसंपराए उवसामए वा खवगए वा, एस णं गोयमा ! णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स जहण्णठिईबंधए, तव्वइरित्ते अजहण्णे, एवं एएणं अभिलावेणं मोहाउयवज्जाणं सेसकम्माणं भाणियव्वं। मोहणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठिईबंधए के? गोयमा ! अन्नयरे बायरसंपराए उवसामए वा खवए वा, एस णं गोयमा ! मोहणिज्जस्स कम्मस्स जहण्णठिईबंधए, तव्वइरित्ते अजहण्णे। आउयस्स णं भंते ! कम्मस्स जहण्णठिईबंधए के? गोयमा ! जे णं जीवे असंखेप्पद्धापविट्ठे, सव्वनिरुद्धे से आउए, सेसे सव्वमहंतीए आउयबंधद्धाए, तीसे णं आउयबंधद्धाए चरिमकालसमयंसि सव्वजहण्णियं ठिइं पज्जत्तापज्जत्तियं निव्वत्तेइ, एस णं गोयमा ! आउयकम्मस्स जहण्णठिईबंधए, तव्वइरित्ते अजहण्णे ॥ ६३२ ॥ उक्कोसकालट्ठिइयं णं भंते ! णाणावरणिज्जं० किं नेरइओ बंधइ, तिरिक्खजोणिओ बंधइ, तिरिक्खजोणिणी बंधइ, मणुस्सो बंधइ, मणुस्सिणी बंधइ, देवो बंधइ, देवी बंधइ? गोयमा ! नेरइओ वि बंधइ जाव देवी वि बंधइ। केरिसए णं भंते ! नेरइए उक्कोसकालट्ठिइयं णाणावरणिज्जं कम्मं बंधइ? गोयमा ! सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्ते सागारे जागरे सुत्तो(ओ)वउत्ते मिच्छादिट्ठी कण्हलेसे य उक्कोससंकिलिट्ठपरिणामे ईसिमज्झिमपरिणामे वा, एरिसए णं गोयमा ! नेरइए उक्कोसकालट्ठिइयं णाणावरणिज्जं कम्मं बंधइ। केरिसए णं भंते ! तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिइयं णाणावरणिज्जं कम्मं बंधइ? गोयमा ! कम्मभूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए सेसं तं चेव जहा नेरइयस्स। एवं तिरिक्खजोणिणी वि मणूसे वि मणूसी वि, देवदेवी जहा नेरइए, एवं आउयवज्जाणं सत्तण्हं कम्माणं। उक्कोसकालट्ठिइयं णं भंते ! आउयं कम्मं किं नेरइओ बंधइ जाव देवी बंधइ? गोयमा ! नो नेरइओ बंधइ, तिरिक्खजोणिओ बंधइ, नो तिरिक्खजोणिणी बंधइ, मणुस्से वि बंधइ, मणुस्सी वि बंधइ, नो देवो बंधइ, नो देवी बंधइ। केरिसए णं भंते ! तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिइयं आउयं कम्मं बंधइ? गोयमा ! कम्मभूमए वा कम्मभूमगपलिभागी वा सण्णी पंचिंदिए सव्वाहिं पज्जत्तीहिं पज्जत्तए सागारे जागरे सुत्तोवउत्ते मिच्छद्दिट्ठी परमकण्हलेसे उक्कोससंकिलिट्ठपरिणामे, एरिसए णं गोयमा ! तिरिक्खजोणिए उक्कोसकालट्ठिइयं आउयं कम्मं बंधइ। केरिसए णं भंते ! मणूसे उक्कोसकालट्ठिइयं आउयं कम्मं बंधइ? गोयमा ! कम्मभूमए वा कम्मभूमग-

आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ? गोयमा! मिच्छादंसणसल्लविरयस्स जीवस्स णं आरंभिया किरिया सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, एवं जाव अपच्चक्खाणकिरिया। मिच्छादंसणवत्तिया किरिया न कज्जइ। मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते! नेरइयस्स किं आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मिच्छादंसणवत्तिया किरिया कज्जइ? गोयमा! आरंभिया किरिया कज्जइ जाव अपच्चक्खाणकिरिया वि कज्जइ, मिच्छादंसणवत्तिया किरिया नो कज्जइ। एवं जाव थणियकुमारस्स। मिच्छादंसणसल्लविरयस्स णं भंते! पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स एवमेव पुच्छा। गोयमा! आरंभिया किरिया कज्जइ जाव मायावत्तिया किरिया कज्जइ, अपच्चक्खाणकिरिया सिय कज्जइ, सिय नो कज्जइ, मिच्छादंसणवत्तिया किरिया नो कज्जइ। मणूसस्स जहा जीवस्स। वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयस्स ॥ ५९६ ॥ एयासि णं भंते! आरंभियाणं जाव मिच्छादंसणवत्तियाण य कयरा कयराहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवाओ मिच्छादंसणवत्तियाओ किरियाओ, अपच्चक्खाणकिरियाओ विसेसाहियाओ, परिग्गहियाओ० विसेसाहियाओ, आरंभियाओ किरियाओ विसेसाहियाओ, मायावत्तियाओ० विसेसाहियाओ ॥ ५९७ ॥ **पन्नवणाए भगवईए बावीसइमं किरियापयं समत्तं ॥**

कइ पगडी कह बन्धइ कइहि वि ठाणेहिं बन्धए जीवो। कइ वेएइ य पयडी अणुभावो कइविहो कस्स ॥ कइ णं भंते! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ। तंजहा—णाणावरणिज्जं १, दंसणावरणिज्जं २, वेयणिज्जं ३, मोहणिज्जं ४, आउयं ५, नामं ६, गोयं ७, अंतराइयं ८। नेरइयाणं भंते! कइ कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ? गोयमा! एवं चेव, एवं जाव वेमाणियाणं १ ॥ ५९८ ॥ कहं णं भंते! जीवे अट्ठ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! नाणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं दरिसणावरणिज्जं कम्मं णियच्छइ, दंसणावरणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं दंसणमोहणिज्जं कम्मं णियच्छइ, दंसणमोहणिज्जस्स कम्मस्स उदएणं मिच्छत्तं णियच्छइ, मिच्छत्तेणं उदिएणं गोयमा! एवं खलु जीवो अट्ठ कम्मपगडीओ बन्धइ। कहं णं भंते! नेरइए अट्ठ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिए। कहण्णं भंते! जीवा अट्ठ कम्मपगडीओ बन्धन्ति? गोयमा! एवं चेव, एवं जाव वेमाणिया ॥ ५९९ ॥ जीवे णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं कइहिं ठाणेहिं बंधइ? गोयमा! दोहिं ठाणेहिं, तंजहा—रागेण य दोसेण य। रागे दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—माया य लोभे य। दोसे दुविहे पन्नत्ते। तंजहा—कोहे य माणे य, इच्चे-इ चउहिं ठाणेहिं विरिओवग्गहिएहिं एवं खलु जीवे णाणावरणिज्जं कम्मं बन्धइ,

अट्ठविहबंधगा य छव्विहबन्धगा य ९, एवं एए नव भंगा। सेसा वाणमंतराइया जाव वेमाणिया जहा नेरइया सत्तविहाइबन्धगा भणिया तहा भाणियव्वा। एवं जहा णाणावरणं बन्धमाणा जहिं भणिया दंसणावरणं पि बन्धमाणा तहिं जीवाइया एगत्तपोहत्तएहिं भाणियव्वा ॥ ६३४ ॥ वेयणिज्जं० बंधमाणे जीवे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! सत्तविहबन्धए वा अट्ठविहबन्धए वा छव्विहबन्धए वा एगविह-बन्धए वा, एवं मणूसे वि। सेसा नारगाइया सत्तविहबन्धगा वा अट्ठविहबन्धगा वा जाव वेमाणिए। जीवा णं भंते! वेयणिज्जं कम्मं पुच्छा। गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य छव्विहबन्धए य, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य, अवसेसा नारगाइया जाव वेमाणिया जाओ णाणावरणं बंधमाणा बंधन्ति ताहिं भाणियव्वा। नवरं मणूसा णं भंते! वेयणिज्जं कम्मं बन्धमाणा कइ कम्मपगडीओ बंधंति? गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य १, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य २, अहवा सत्तविह-बन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य ३, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य छव्विहबन्धगे य ४, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य ५, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धए य छव्विहबन्धए य ६, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धए य छव्विहबन्धगा य ७, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगे य ८, अहवा सत्तविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य ९, एवं एए नव भंगा भाणियव्वा ॥ ६३५ ॥ मोहणिज्जं० बन्धमाणे जीवे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो। जीवेगिंदिया सत्तविहबन्धगा वि अट्ठविहबन्धगा वि। जीवे णं भंते! आउयं कम्मं बन्धमाणे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! नियमा अट्ठ, एवं नेरइए जाव वेमा-णिए, एवं पुहुत्तेण वि। णामगोयंतराइयं० बन्धमाणे जीवे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! जाओ णाणावरणिज्जं कम्मं बन्धमाणे बन्धइ ताहिं भाणियव्वो, एवं नेरइए वि जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि भाणियव्वं ॥ ६३६ ॥ **पन्नवणाए भगवईए चउवीसइमं कम्मबन्धपयं समत्तं ॥**

कइ णं भंते! कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ। तंजहा—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। जीवे णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं बन्धमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ? गोयमा! नियमा

जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प णवविहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०३ ॥ सायावेयणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं पप्प कइविहे अणुभावे पन्नत्ते ? गोयमा ! सायावेयणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पन्नत्ते । तंजहा—मणुण्णा सद्दा १, मणुण्णा रूवा २, मणुण्णा गंधा ३, मणुण्णा रसा ४, मणुण्णा फासा ५, मणोसुहया ६, वयसुहया ७, कायसुहया ८, जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं सायावेयणिज्जं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा ! सायावेयणिज्जे कम्मे, एस णं गोयमा ! सायावेयणिज्जस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पन्नत्ते । असायावेयणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं तहेव पुच्छा उत्तरं च, णवरं अमणुण्णा सद्दा जाव कायदुहया, एस णं गोयमा ! असायावेयणिज्जे कम्मे, एस णं गोयमा ! असायावेयणिज्जस्स जाव अट्ठविहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०४ ॥ मोहणिज्जस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव कइविहे अणुभावे पन्नत्ते ? गोयमा ! मोहणिज्जस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव पंचविहे अणुभावे पन्नत्ते । तंजहा—सम्मत्तवेयणिज्जे, मिच्छत्तवेयणिज्जे, सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जे, कसायवेयणिज्जे, नोकसायवेयणिज्जे । जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं मोहणिज्जं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा ! मोहणिज्जस्स कम्मस्स जाव पंचविहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०५ ॥ आउयस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं तहेव पुच्छा । गोयमा ! आउयस्स णं कम्मस्स जीवेणं बद्धस्स जाव चउव्विहे अणुभावे पन्नत्ते । तंजहा—नेरइयाउए, तिरियाउए, मणुयाउए, देवाउए, जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं आउयं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा ! आउए कम्मे, एस णं गोयमा ! आउयकम्मस्स जाव चउव्विहे अणुभावे पन्नत्ते ॥ ६०६ ॥ सुहणामस्स णं भंते ! कम्मस्स जीवेणं पुच्छा । गोयमा ! सुहणामस्स णं कम्मस्स जीवेणं···चउद्दसविहे अणुभावे पन्नत्ते । तंजहा—इट्ठा सद्दा १, इट्ठा रूवा २, इट्ठा गंधा ३, इट्ठा रसा ४, इट्ठा फासा ५, इट्ठा गई ६, इट्ठा ठिई ७, इट्ठे लावण्णे ८, इट्ठा जसोकित्ती ९, इट्ठे उट्ठाणंकम्मबलवीरियपुरिसक्कारपरक्कमे १०, इट्ठस्सरया ११, कंतस्सरया १२, पियस्सरया १३, मणुण्णस्सरया १४, जं वेएइ पोग्गलं वा पोग्गले वा पोग्गलपरिणामं वा वीससा वा पोग्गलाणं परिणामं तेसिं वा उदएणं सुहणामं कम्मं वेएइ, एस णं गोयमा ! सुहणामकम्मे, एस णं गोयमा ! सुहणामस्स कम्मस्स जाव चउद्दसविहे अ[illegible] पन्नत्ते । दुहनामस्स णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! एवं चेव,

हवन्धए य चउभंगो १, अहवा सत्तविहवन्धगा य अट्ठविहवन्धए य एगविहवन्धगे य चउभंगो २, अहवा सत्तविहवन्धगा य छव्विहवन्धए य एगविहवन्धए य चउभंगो ३, अहवा सत्तविहवन्धगा य अट्ठविहवन्धए य छव्विहवन्धए य एगविहवन्धए य भंगा अट्ठ, एवं एए सत्तावीसं भंगा। एवं जहा णाणावरणिज्जं तहा दंसणावरणिज्जं पि अंतराइयं पि ॥ ६३८ ॥ जीवे णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ वन्धइ? गोयमा ! सत्तविहवंधए वा छव्विहवन्धए वा एगविहवन्धए वा अवंधए वा, एवं मणूसे वि। अवसेसा णारयाइया सत्तविहवन्धगा अट्ठविहवन्धगा य, एवं जाव वेमाणिया। जीवा णं भंते ! वेयणिज्जं कम्मं वेएमाणा कइ कम्मपगडीओ वन्धन्ति? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहवन्धगा य अट्ठविहवन्धगा य एगविहवन्धगा य १, अहवा सत्तविहवन्धगा य अट्ठविहवन्धगा य एगविहवन्धगा य छव्विहवंधगे य २, अहवा सत्तविहवन्धगा य अट्ठविहवन्धगा य एगविहवन्धगा य छव्विहवन्धगा य ३, अवंधगेण वि समं दो भंगा भाणियव्वा ५, अहवा सत्तविहवन्धगा य अट्ठविहवन्धगा य एगविहवन्धगा य छव्विहवन्धगे य अवंधगे य चउभंगो, एवं एए नव भंगा। एगिंदियाणं अभंगयं नारगाईणं तियभंगा जाव वेमाणियाणं। नवरं मणूसाणं पुच्छा। सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहवंधगा य एगविहवन्धगा य, अहवा सत्तविहवन्धगा य एगविहवंधगा य छव्विहवंधए य अट्ठविहवंधए य अवंधए य, एवं एए सत्तावीसं भंगा भाणियव्वा, एवं जहा वेयणिज्जं तहा आउयं नामं गोयं च भाणियव्वं। मोहणिज्जं वेएमाणे जहा णाणावरणिज्जं तहा भाणियव्वं ॥ ६३९ ॥ **पन्नवणाए भगवईए छव्वीसइमं कम्मवेयवन्धपयं समत्तं** ॥

कइ णं भंते ! कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ? गोयमा ! अट्ठ कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ। तंजहा–णाणावरणं जाव अंतराइयं, एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। जीवे णं भंते ! णाणावरणिज्जं कम्मं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ? गोयमा ! सत्तविहवेयए वा अट्ठविहवेयए वा, एवं मणूसे वि। अवसेसा एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि णियमा अट्ठ कम्मपगडीओ वेदेंति जाव वेमाणिया। जीवा णं भंते ! णाणावरणिज्जं० वेएमाणा कइ कम्मपगडीओ वेएंति? गोयमा ! सव्वे वि ताव होज्जा अट्ठविहवेयगा १, अहवा अट्ठविहवेयगा य सत्तविहवेयगे य २, अहवा अट्ठविहवेयगा य सत्तविहवेयगा य ३, एवं मणूसा वि। दरिसणावरणिज्जं अंतराइयं च एवं चेव भाणियव्वं। वेयणिज्जं आउयनामगोत्ताइं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ? गोयमा ! जहा वंधवेयगस्स वेयणिज्जं तहा भाणियव्वाणि। जीवे णं भंते ! मोहणिज्जं कम्मं वेएमाणे कइ कम्मपगडीओ वेएइ? गोयमा ! नियमा अट्ठ कम्मपगडीओ वेएइ, एवं नेरइए जाव

पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते । तंजहा-सम्मत्तवेयणिज्जे, मिच्छत्तवेयणिज्जे, सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जे । चरित्तमोहणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! दुविहे पन्नत्ते । तंजहा-कसायवेयणिज्जे, नोकसायवेयणिज्जे । कसायवेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! सोलसविहे पन्नत्ते । तंजहा-अणंताणुबंधी कोहे, अणंताणुबंधी माणे, अणन्ताणुबंधी माया, अणन्ताणुबंधी लोभे, अपच्चक्खाणे कोहे, एवं माणे, माया, लोभे, पच्चक्खाणावरणे कोहे, एवं माणे, माया, लोभे, संजलणकोहे, एवं माणे, माया, लोभे । नोकसायवेयणिज्जे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! णवविहे पन्नत्ते । तंजहा-इत्थीवेयवेयणिज्जे, पुरिसवेयवेयणिज्जे, नपुंसगवेयवेयणिज्जे, हासे, रई, अरई, भए, सोगे, दुगुंछा ॥ ६१३ ॥ आउए णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पन्नत्ते । तंजहा-नेरइयाउए जाव देवाउए ॥ ६१४ ॥ णामे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! बायालीसइविहे पन्नत्ते । तंजहा-गइणामे १, जाइणामे २, सरीरणामे ३, सरीरोवंगणामे ४, सरीरबंधणणामे ५, सरीरसंघयणणामे ६, संघायणणामे ७, संठाणणामे ८, वण्णणामे ९, गंधणामे १०, रसणामे ११, फासणामे १२, अगुरुलघुणामे १३, उवघायणामे १४, पराघायणामे १५, आणुपुव्विणामे १६, उस्सासणामे १७, आयवणामे १८, उज्जोयणामे १९, विहायगइणामे २०, तसणामे २१, थावरणामे २२, सुहुमणामे २३, बायरणामे २४, पज्जत्तणामे २५, अपज्जत्तणामे २६, साहारणसरीरणामे २७, पत्तेयसरीरणामे २८, थिरणामे २९, अथिरणामे ३०, सुभणामे ३१, असुभणामे ३२, सुभगणामे ३३, दुभगणामे ३४, सूसरणामे ३५, दूसरणामे ३६, आदेज्जणामे ३७, अणादेज्जणामे ३८, जसोकित्तिणामे ३९, अजसोकित्तिणामे ४०, णिम्माणणामे ४१, तित्थगरणामे ४२ । गइनामे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! चउव्विहे पन्नत्ते । तंजहा-निरयगइनामे, तिरियगइनामे, मणुयगइनामे, देवगइनामे । जाइणामे णं भंते ! कम्मे पुच्छा । गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा-एगिंदियजाइणामे जाव पंचिंदियजाइणामे । सरीरनामे णं भंते ! कम्मे कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा-ओरालियसरीरनामे जाव कम्मगसरीरनामे । सरीरोवंगनामे णं भंते !० कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! तिविहे पन्नत्ते । तंजहा-ओरालियसरीरोवंगनामे, वेउव्वियसरीरोवंगनामे, आहारगसरीरोवंगनामे । सरीरबंधणनामे णं भंते !० कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे पन्नत्ते । तंजहा-ओरालियसरीरबंधणनामे जाव कम्मगसरीरबंधणनामे । सरीरसंघायनामे णं भंते !० कइविहे पन्नत्ते ? गोयमा ! पंचविहे

पडुच्च वण्णओ कालनीलाइं, गंधओ दुब्भिगंधाइं, रसओ तित्तकडुयाइं, फासओ कक्खडगुरुयसीयलुक्खाइं, तेसिं पोराणे वण्णगुणे गंधगुणे रसगुणे फासगुणे विपरिणामइत्ता परिपीलइत्ता परिसाडइत्ता परिविद्धंसइत्ता अण्णे अपुव्वे वण्णगुणे गंधगुणे रसगुणे फासगुणे उप्पाइत्ता आयसरीरखेत्तोगाढे पोग्गले सव्वप्पणयाए आहारं आहारेन्ति। नेरइया णं भंते! सव्वओ आहारेन्ति, सव्वओ परिणामेंति, सव्वओ ऊससंति, सव्वओ नीससंति, अभिक्खणं आहारेन्ति अभिक्खणं परिणामेंति, अभिक्खणं ऊससंति, अभिक्खणं नीससंति, आहच्च आहारेन्ति, आहच्च परिणामेंति, आहच्च ऊससंति, आहच्च नीससंति? हंता गोयमा! नेरइया सव्वओ आहारेन्ति एवं तं चेव जाव आहच्च नीससंति ॥ ६४२ ॥ नेरइया णं भंते! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति ते णं तेसिं पोग्गलाणं सेयालंसि कइभागं आहारेन्ति, कइभागं आसाएंति? गोयमा! असंखेज्जइभागं आहारेन्ति, अणंतभागं अस्साएंति। नेरइया णं भंते! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति ते किं सव्वे आहारेन्ति, नो सव्वे आहारेंति? गोयमा! ते सव्वे अपरिसेसए आहारेन्ति। नेरइया णं भंते! जे पोग्गला आहारत्ताए गिण्हंति ते णं पोग्गला तेसिं कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति? गोयमा! सोइंदियत्ताए जाव फासिंदियत्ताए अणिट्ठत्ताए अकंतत्ताए अप्पियत्ताए असुभत्ताए अमणुण्णत्ताए अमणामत्ताए अणिच्छियत्ताए अ(ण)भिज्झियत्ताए अहत्ताए नो उड्ढत्ताए दुक्खत्ताए नो सुहत्ताए तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति ॥ ६४३ ॥ असुरकुमारा णं भंते! आहारट्ठी? हंता! आहारट्ठी। एवं जहा नेरइयाणं तहा असुरकुमाराण वि भाणियव्वं जाव तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति। तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से णं जहण्णेणं चउत्थभत्तस्स, उक्कोसेणं साइरेगवाससहस्सस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ। ओसण्णं कारणं पडुच्च वण्णओ हालिद्दसुक्किलाइं, गंधओ सुब्भिगंधाइं, रसओ अंबिलमहुराइं, फासओ मउयलहुयनिद्धुण्हाइं, तेसिं पोराणे वण्णगुणे जाव फासिंदियत्ताए जाव मणामत्ताए इच्छियत्ताए भिज्झियत्ताए उड्ढत्ताए नो अहत्ताए सुहत्ताए नो दुहत्ताए तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा नेरइयाणं, एवं जाव थणियकुमाराणं, नवरं आभोगनिव्वत्तिए उक्कोसेणं दिवसपुहुत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ॥ ६४४ ॥ पुढविकाइया णं भंते! आहारट्ठी? हंता! आहारट्ठी। पुढविकाइया णं भंते! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ? गोयमा! अणुसमयमविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ। पुढविकाइया णं भंते! किमाहारमाहारेन्ति? एवं जहा नेरइयाणं जाव ताइं कइदिसिं आहारेन्ति? गोयमा! निव्वाघाएणं छद्दिसिं, वाघायं पडुच्च सिय तिदिसिं सिय चउदिसिं सिय

बारस मुहुत्ता, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्णरस वाससयाइं अबाहा । असायावेयणिज्जस्स जहन्नेणं सागरोवमस्स तिण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा ॥ ६२० ॥ सम्मत्तवेयणिज्जस्स पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छावट्ठिं सागरोवमाइं साइरेगाइं । मिच्छत्तवेयणिज्जस्स जहन्नेणं सागरोवमं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणगं, उक्कोसेणं सत्तरि कोडाकोडीओ, सत्त य वाससहस्साइं अबाहा, अबाहूणिया० । सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जस्स जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं । कसायबारसगस्स जहन्नेणं सागरोवमस्स चत्तारि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, चत्तालीसं वाससयाइं अबाहा जाव निसेगो । कोहसंजलणे पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दो मासा, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, चत्तालीसं वाससयाइं अबाहा जाव निसेगो । माणसंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं मासं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । मायासंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अद्धं मासं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । लोहसंजलणाए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं जहा कोहस्स । इत्थिवेयस्स पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सागरोवमस्स दिवड्ढं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेण ऊणयं, उक्कोसेणं पण्णरस सागरोवमकोडाकोडीओ, पण्णरस वाससयाइं अबाहा । पुरिसवेयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अट्ठ संवच्छराइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस वाससयाइं अबाहा जाव निसेगो । णपुंसगवेयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसइ वाससयाइं अबाहा । हासरईणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सागरोवमस्स एक्कं सत्तभागं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस वाससयाइं अबाहा । अरइभयसोगदुगुंछाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सागरोवमस्स दोण्णि सत्तभागा पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणया, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, वीसं वाससयाइं अबाहा ॥ ६२१ ॥ नेरइयाउयस्स णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दस वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तमब्भहियाइं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं पुव्वकोडीतिभागमब्भहियाइं । तिरिक्खजोणियाउयस्स पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं पुव्वकोडीतिभागमब्भहियाइं, एवं मणूसाउयस्स वि । देवाउयस्स जहा नेरइयाउयस्स ठिइत्ति ॥ ६२२ ॥ निरयगइनामए णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सागरोवमसह-

दियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति । चउरिंदियाणं चक्खिंदिय-घाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति, सेसं जहा तेइंदियाणं । पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जहा तेइंदियाणं, णवरं तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेणं छट्ठभत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते ! जे पोग्गला आहारत्ताए-पुच्छा । गोयमा ! सोइंदियचक्खिंदियघाणिंदियजिब्भिंदियफासिंदियवेमायत्ताए तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति । मणूसा एवं चेव, नवरं आभोगनिव्वत्तिए जहन्नेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेणं अट्ठमभत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ । वाणमंतरा जहा नागकुमारा, एवं जोइसिया वि, नवरं आभोगनिव्वत्तिए जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं दिवसपुहुत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, एवं वेमाणिया वि, नवरं आभोगनिव्वत्तिए जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जइ, सेसं जहा असुरकुमाराणं जाव तेसिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति । सोहम्मे आभोगनिव्वत्तिए जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स, उक्कोसेणं दोण्हं वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जइ । ईसाणे पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दिवसपुहुत्तस्स साइरेगस्स, उक्कोसेणं साइरेग दोण्हं वाससहस्साणं । सणंकुमाराणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दोण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं । माहिंदे पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दोण्हं वाससहस्साणं साइरेगाणं, उक्कोसेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं साइरेगाणं । बंभलोए पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सत्तण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं दसण्हं वाससहस्साणं । लंतए णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं दसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं चउदसण्हं वाससहस्साणं । महासुक्के णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउदसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं सत्तरसण्हं वाससहस्साणं । सहस्सारे पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं सत्तरसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं अट्ठारसण्हं वाससहस्साणं । आणए णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं अट्ठारसण्हं वाससहस्साणं, उक्कोसेणं एगूणवीसाए वाससहस्साणं । पाणए णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एगूणवीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं वीसाए वाससहस्साणं । आरणे णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं वीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं एक्कवीसाए वाससहस्साणं । अच्चुए णं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं एक्कवीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं बावीसाए वाससहस्साणं । हिट्ठिमहिट्ठिमगेविज्जगाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं बावीसाए वाससहस्साणं, उक्कोसेणं तेवीसाए वाससहस्साणं, एवं सव्वत्थ सहस्साणि भाणियव्वाणि जाव सव्वट्ठं । हिट्ठिममज्झिमगाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं तेवीसाए, उक्कोसेणं चउवीसाए । हिट्ठिमउवरिमाणं पुच्छा । गोयमा ! जहन्नेणं चउवीसाए, उक्कोसेणं पणवीसाए ।

जोणियाउयस्स वि, णवरं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, एवं मणुयाउयस्स वि, देवाउयस्स जहा नेरइयाउयस्स। असण्णी णं भंते! जीवा पंचिंदिया निरयगइनामाए कम्मस्स किं बंधंति? गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागे पलिओवमस्स असंखेज्जइभागेणं ऊणए, उक्कोसेणं ते चेव पडिपुण्णे०, एवं तिरियगइनामाए वि। मणुयगइनामाए वि एवं चेव, नवरं जहन्नेणं सागरोवमसहस्सस्स दिवड्ढं सत्तभागं पलिओवमस्सासंखेज्जइभागेणं ऊणं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति। एवं देवगइनामाए वि, नवरं जहन्नेणं सागरोवमसहस्सस्स एगं सत्तभागं पलिओवमस्सासंखेज्जइभागेणं ऊणं, उक्कोसेणं तं चेव पडिपुण्णं बंधंति। वेउव्वियसरीरनामाए पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सागरोवमसहस्सस्स दो सत्तभागे पलिओवमस्सासंखेज्जइभागेणं ऊणे, उक्कोसेणं दो पडिपुण्णे बंधंति। सम्मत्तसम्मामिच्छत्तआहारगसरीरनामाए तित्थगरनामाए न किंचि वि बंधंति। अवसिट्ठं जहा बेइंदियाणं, णवरं जस्स जत्तिया भागा तस्स ते सागरोवमसहस्सेण सह भाणियव्वा सव्वेसिं आणुपुव्वीए जाव अंतराइयस्स॥ ६३०॥ सण्णी णं भंते! जीवा पंचिंदिया णाणावरणिज्जस्स कम्मस्स किं बंधंति? गोयमा! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि वाससहस्साइं अबाहा। सण्णी णं भंते!० पंचिंदिया णिद्दापंचगस्स किं बंधंति? गोयमा! जहन्नेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, तिण्णि य वाससहस्साइं अबाहा। दंसणचउक्कस्स जहा णाणावरणिज्जस्स। सायावेयणिज्जस्स जहा ओहिया ठिई भणिया तहेव भाणियव्वा, इरियावहियबंधयं पडुच्च संपराइयबंधयं च। असायावेयणिज्जस्स जहा णिद्दापंचगस्स। सम्मत्तवेयणिज्जस्स सम्मामिच्छत्तवेयणिज्जस्स जा ओहिया ठिई भणिया तं बंधंति। मिच्छत्तवेयणिज्जस्स जहन्नेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं सत्तरिं सागरोवमकोडाकोडीओ, सत्तरि य वाससहस्साइं अबाहा। कसायबारसगस्स जहन्नेणं एवं चेव, उक्कोसेणं चत्तालीसं सागरोवमकोडाकोडीओ, चत्तालीस य वाससयाइं अबाहा। कोहमाणमायालोभसंजलणाए य दो मासा, मासो, अद्धमासो, अंतोमुहुत्तो, एवं जहन्नगं; उक्कोसगं पुण जहा कसायबारसगस्स। चउण्ह वि आउयाणं जा ओहिया ठिई भणिया तं बंधंति। आहारगसरीरस्स तित्थगरनामाए य जहण्णेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ, उक्कोसेणं अंतोसागरोवमकोडाकोडीओ। पुरिसवेयणिज्जस्स जहन्नेणं अट्ठ संवच्छराइं, उक्कोसेणं दस सागरोवमकोडाकोडीओ, दस य वाससयाइं अबाहा। जसोकित्तिणामाए उच्चागोत्तस्स एवं चेव, नवरं जहन्नेणं अट्ठ मुहुत्ता। अंतराइयस्स जहा णाणावरणिज्जस्स, सेसएसु सव्वेसु ठाणेसु संघयणेसु संठाणेसु वन्नेसु गंधेसु य जहन्नेणं अंतोसा-

अणाहारए, एवं नेरइए जाव असुरकुमारे जाव वेमाणिए। सिद्धे णं भंते! किं आहारए, अणाहारए? गोयमा! नो आहारए, अणाहारए। जीवा णं भंते! किं आहारगा अणाहारया? गोयमा! आहारया वि अणाहारया वि। नेरइयाणं पुच्छा। गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा आहारया १, अहवा आहारगा य अणाहारए य २, अहवा आहारगा य अणाहारगा य ३, एवं जाव वेमाणिया, णवरं एगिंदिया जहा जीवा। सिद्धाणं पुच्छा। गोयमा! नो आहारगा, अणाहारगा॥ दारं १॥ भवसिद्धिए णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिए। भवसिद्धिया णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा? गोयमा! जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अभवसिद्धिए वि एवं चेव। नोभवसिद्धिए-नोअभवसिद्धिए णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! णो आहारए, अणाहारए, एवं सिद्धे वि। नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिया णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा? गोयमा! नो आहारगा, अणाहारगा, एवं सिद्धा वि॥ दारं २॥ सण्णी णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिए, नवरं एगिंदियविगलिंदिया नो पुच्छिज्जंति। सण्णी णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा? गोयमा! जीवाइओ तियभंगो जाव वेमाणिया। असण्णी णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं णेरइए जाव वाणमंतरे। जोइसियवेमाणिया ण पुच्छिज्जंति। असण्णी णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा? गोयमा! आहारगा वि अणाहारगा वि एगो भंगो। असण्णी णं भंते! णेरइया किं आहारया अणाहारया? गोयमा! आहारगा वा १, अणाहारगा वा २, अहवा आहारए य अणाहारए य ३, अहवा आहारए य अणाहारया य ४, अहवा आहारगा य अणाहारए य ५, अहवा आहारगा य अणाहारगा य ६, एवं एए छब्भंगा, एवं जाव थणियकुमारा। एगिंदिएसु अभंगयं, बेइंदिय जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु तियभंगो, मणूसवाणमंतरेसु छब्भंगा। नोसण्णीनोअसण्णी णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय अणाहारए य, एवं मणूसे वि। सिद्धे अणाहारए, पुहुत्तेणं नोसण्णीनोअसण्णी जीवा आहारगा वि अणाहारगा वि, मणूसेसु तियभंगो, सिद्धा अणाहारगा॥ दारं ३॥ ६५०॥ सलेसे णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिए। सलेसा णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा? गोयमा! जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, एवं कण्हलेसा वि नीललेसा वि काउलेसा वि जीवेगिंदियवज्जो

पलिभागी वा जाव सुत्तो(त्ते)वउत्ते सम्मदिट्ठी वा मिच्छदिट्ठी वा कण्हलेसे वा सुक्कलेसे वा णाणी वा अण्णाणी वा उक्कोससंकिलिट्ठपरिणामे वा असंकिलिट्ठपरिणामे वा तप्पाउग्गविसुज्झमाणपरिणामे वा, एरिसए णं गोयमा! मणूसे उक्कोसकालट्ठिइयं आउयं कम्मं बन्धइ। केरिसिया णं भंते! मणुस्सी उक्कोसकालट्ठिइयं आउयं कम्मं बन्धइ? गोयमा! कम्मभूमिया वा कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुत्तोवउत्ता सम्मादिट्ठी सुक्कलेसा तप्पाउग्गविसुज्झमाणपरिणामा, एरिसिया णं गोयमा! मणूसी उक्कोसकालट्ठिइयं आउयं कम्मं बन्धइ, अंतराइयं जहा णाणावरणिज्जं ॥ ६३२ ॥ **बीओ उद्देसो समत्तो ॥ पन्नवणाए भगवईए तेवीसइमं कम्मपगडीपयं समत्तं ॥**

कइ णं भंते! कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ पण्णत्ताओ। तंजहा–णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। जीवे णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं बन्धमाणे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! सत्तविहबन्धए वा अट्ठविहबन्धए वा छव्विहबन्धए वा। नेरइए णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं बन्धमाणे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! सत्तविहबन्धए वा अट्ठविहबन्धए वा, एवं जाव वेमाणिए, णवरं मणुस्से जहा जीवे। जीवा णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं बन्धमाणा कइ कम्मपगडीओ बन्धन्ति? गोयमा! सव्वे वि ताव होज्ज सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगे य, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य। णेरइया णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं बन्धमाणा कइ कम्मपगडीओ बन्धन्ति? गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबन्धगा, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य तिण्णि भंगा, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया णं पुच्छा। गोयमा! सत्तविहबन्धगा वि अट्ठविहबन्धगा वि, एवं जाव वणस्सइकाइया। विगलाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं तियभंगो–सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबन्धगा, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य। मणूसा णं भंते! णाणावरणिज्जस्स पुच्छा। गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबन्धगा १, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य २, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य ३, अहवा सत्तविहबन्धगा य छव्विहबन्धए य ४, अहवा सत्तविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य ५, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य छव्विहबन्धगे य ६, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य छव्विहबन्धगा य ७, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगे य ८, अहवा सत्तविहबन्धगा य

वेयएसु जीवाइओ तियभंगो, नपुंसगवेयए य जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अवेयए जहा केवलणाणी ॥ दारं ११ ॥ ६५६ ॥ ससरीरी जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, ओरालियसरीरीजीवमणूसेसु तियभंगो, अवसेसा आहारगा, नो अणाहारगा जेसिं अत्थि ओरालियसरीरं, वेउव्वियसरीरी आहारगसरीरी य आहारगा, नो अणाहारगा जेसिं अत्थि, तेयकम्मसरीरी जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, असरीरी जीवा सिद्धा य नो आहारगा, अणाहारगा ॥ दारं १२ ॥ आहारपज्जत्तीए पज्जत्तए सरीरपज्जत्तीए पज्जत्तए इंदियपज्जत्तीए पज्जत्तए आणापाणुपज्जत्तीए पज्जत्तए भासामणपज्जत्तीए पज्जत्तए एयासु पंचसु वि पज्जत्तीसु जीवेसु मणूसेसु य तियभंगो, अवसेसा आहारगा, नो अणाहारगा, भासामणपज्जत्ती पंचिंदियाणं, अवसेसाणं नत्थि। आहारपज्जत्तीअपज्जत्तए णो आहारए, अणाहारए एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि, सरीरपज्जत्तीअपज्जत्तए सिय आहारए सिय अणाहारए, उवरिल्लियासु चउसु अपज्जत्तीसु नेरइयदेवमणूसेसु छब्भंगा, अवसेसाणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, भासामणपज्जत्तएसु जीवेसु पंचिंदियतिरिक्खजोणिएसु य तियभंगो, नेरइयदेवमणुएसु छब्भंगा। सव्वपएसु एगत्तपोहत्तेणं जीवाइया दंडगा पुच्छाए भाणियव्वा जस्स जं अत्थि तस्स तं पुच्छिज्जइ, जस्स जं णत्थि तस्स तं ण पुच्छिज्जइ जाव भासामणपज्जत्तीअपज्जत्तएसु नेरइयदेवमणुएसु छब्भंगा, सेसेसु तियभंगो ॥ ६५७ ॥ दारं १३ ॥ **बिइओ उद्देसो समत्तो ॥ पन्नवणाए भगवईए अट्ठावीसइमं आहारपयं समत्तं ॥**

कइविहे णं भंते! उवओगे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे उवओगे पन्नत्ते। तंजहा–सागारोवओगे य अणागारोवओगे य। सागारोवओगे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! अट्ठविहे पन्नत्ते। तंजहा–आभिणिबोहियणाणसागारोवओगे, सुयणाणसागारोवओगे, ओहिणाणसागारोवओगे, मणपज्जवणाणसागारोवओगे, केवलणाणसागारोवओगे, मइअण्णाणसागारोवओगे, सुयअण्णाणसागारोवओगे, विभंगणाणसागारोवओगे। अणागारोवओगे णं भंते! कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! चउव्विहे पन्नत्ते। तंजहा–चक्खुदंसणअणागारोवओगे, अचक्खुदंसणअणागारोवओगे, ओहिदंसणअणागारोवओगे, केवलदंसणअणागारोवओगे य। एवं जीवाणं ॥ ६५८ ॥ नेरइयाणं भंते! कइविहे उवओगे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे उवओगे पन्नत्ते। तंजहा–सागारोवओगे य अणागारोवओगे य। नेरइयाणं भंते! सागारोवओगे कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! छव्विहे पन्नत्ते। तंजहा–मइणाणसागारोवओगे, सुयणाणसागारोवओगे, ओहिणाणसागारोवओगे, मइअण्णाणसागारोवओगे, सुयअण्णाणसागारोवओगे, विभंगणाणसागारोवओगे। नेरइयाणं भंते! अणागारोवओगे कइविहे पन्नत्ते? गोयमा!

अट्ठ कम्मपगडीओ वेएइ। एवं नेरइए जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि। एवं वेयणिज्जवज्जं जाव अंतराइयं। जीवे णं भंते! वेयणिज्जं कम्मं वेयमाणे कइ कम्मपगडीओ वेदेइ? गोयमा! सत्तविहवेदए वा अट्ठविहवेदए वा चउव्विहवेदए वा, एवं मणूसे वि। सेसा नेरइयाई एगत्तेणं पुहुत्तेण वि नियमा अट्ठ कम्मपगडीओ वेदेंति जाव वेमाणिया। जीवा णं भंते! वेयणिज्जं कम्मं वेयमाणा कइ कम्मपगडीओ वेदेंति? गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा अट्ठविहवेदगा य चउव्विहवेदगा य १, अहवा अट्ठविहवेदगा य चउव्विहवेदगा य सत्तविहवेदगे य २, अहवा अट्ठविहवेदगा य चउव्विहवेदगा य सत्तविहवेदगा य ३, एवं मणूसा वि भाणियव्वा॥२२७॥

पन्नवणाए भगवईए कम्मवेयणामं पणवीसइमं पयं समत्तं॥

कइ णं भंते! कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ? गोयमा! अट्ठ कम्मपगडीओ पन्नत्ताओ। तंजहा—णाणावरणिज्जं जाव अंतराइयं। एवं नेरइयाणं जाव वेमाणियाणं। जीवे णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं वेयमाणे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! सत्तविहबन्धए वा अट्ठविहबन्धए वा छव्विहबन्धए वा एगविहबन्धए वा। नेरइए णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं वेयमाणे कइ कम्मपगडीओ बन्धइ? गोयमा! सत्तविहबन्धए वा अट्ठविहबन्धए वा, एवं जाव वेमाणिए, एवं मणूसे जहा जीवे। जीवा णं भंते! णाणावरणिज्जं कम्मं वेएमाणा कइ कम्मपगडीओ बन्धन्ति? गोयमा! सव्वे वि ताव होज्जा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबंधगा य १, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगे य २, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य ३, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य एगविहबन्धए य ४, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य एगविहबन्धगा य ५, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धए य एगविहबन्धए य ६, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धए य एगविहबन्धगा य ७, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य एगविहबन्धए य ८, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य छव्विहबन्धगा य एगविहबन्धगा य ९, एवं एए नव भंगा। अवसेसाणं एगिंदियमणूसवज्जाणं तियभंगो जाव वेमाणियाणं। एगिंदिया णं सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य। मणूसाणं पुच्छा। गोयमा! सव्वे वि ताव होज्ज सत्तविहबन्धगा १, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगे य २, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धगा य ३, अहवा सत्तविहबन्धगा य छव्विहबन्धए य ४, एवं छव्विहबन्धएण वि समं दो भंगा ५, एगविहबन्धएण वि समं दो भंगा ६-७, अहवा सत्तविहबन्धगा य अट्ठविहबन्धए य छव्वि-

गोयमा ! जाव जेणं बेइंदिया आभिणिबोहियणाणसुयणाणमइअण्णाणसुयअण्णाणोवउत्ता तेणं बेइंदिया सागारोवउत्ता, जेणं बेइंदिया अचक्खुदंसणोवउत्ता तेणं अणागारोवउत्ता, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ०, एवं जाव चउरिंदिया, णवरं चक्खुदंसणं अब्भहियं चउरिंदियाणं ति । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया जहा नेरइया, मणूसा जहा जीवा, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ६६० ॥ **पन्नवणाए भगवईए एगूणतीसइमं उवओगपयं समत्तं ॥**

कइविहा णं भंते ! पासणया पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पासणया पन्नत्ता । तंजहा–सागारपासणया, अणागारपासणया । सागारपासणया णं भंते ! कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! छव्विहा पन्नत्ता । तंजहा–सुयणाण०पासणया, ओहिणाण०पासणया, मणपज्जवणाण०पासणया, केवलणाण०पासणया, सुयअण्णाणसागारपासणया, विभंगणाणसागारपासणया । अणागारपासणया णं भंते ! कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा पन्नत्ता । तंजहा–चक्खुदंसणअणागारपासणया, ओहिदंसणअणागारपासणया, केवलदंसणअणागारपासणया, एवं जीवाणं पि । नेरइयाणं भंते ! कइविहा पासणया पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–सागारपासणया, अणागारपासणया । नेरइयाणं भंते ! सागारपासणया कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा पन्नत्ता । तंजहा–सुयणाण०पासणया, ओहिणाण०पासणया, सुयअण्णाण०पासणया, विभंगणाण०पासणया । नेरइयाणं भंते ! अणागारपासणया कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–चक्खुदंसण० ओहिदंसण०, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं भंते ! कइविहा पासणया पन्नत्ता ? गोयमा ! एगा सागारपासणया प० । पुढविकाइयाणं भंते ! सागारपासणया कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! एगा सुयअन्नाणसागारपासणया पन्नत्ता, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । बेइंदियाणं भंते ! कइविहा पासणया पन्नत्ता ? गोयमा ! एगा सागारपासणया पन्नत्ता । बेइंदियाणं भंते ! सागारपासणया कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–सुयणाणसागारपासणया, सुयअण्णाणसागारपासणया, एवं तेइंदियाण वि । चउरिंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! दुविहा पन्नत्ता । तंजहा–सागारपासणया य अणागारपासणया य । सागारपासणया जहा बेइंदियाणं । चउरिंदियाणं भंते ! अणागारपासणया कइविहा पन्नत्ता ? गोयमा ! एगा चक्खुदंसणअणागारपासणया पन्नत्ता । मणूसाणं जहा जीवाणं, सेसा जहा नेरइया जाव वेमाणियाणं ॥ ६६१ ॥ जीवा णं भंते ! किं सागारपस्सी, अणागारपस्सी ? गोयमा ! जीवा सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–'जीवा सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि'? गोयमा ! जेणं जीवा

वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि ॥ ६४० ॥ **पन्नवणाए भगवईए सत्तावीसइमं कम्मवेयवेयपयं समत्तं** ॥

सच्चित्ताहारट्ठी केवइ किं वावि सव्वओ चेव । कइभागं सव्वे खलु परिणामे चेव वोद्धव्वे ॥१॥ एगिंदियसरीराई लोमाहारो तहेव मणभक्खी । एएसिं तु पयाणं विभावणा होइ कायव्वा ॥२॥ नेरइया णं भंते ! किं सच्चित्ताहारा, अच्चित्ताहारा, मीसाहारा ? गोयमा ! नो सच्चित्ताहारा, अच्चित्ताहारा, नो मीसाहारा, एवं असुरकुमारा जाव वेमाणिया । ओरालियसरीरा जाव मणूसा सच्चित्ताहारा वि अच्चित्ताहारा वि मीसाहारा वि । नेरइया णं भंते ! आहारट्ठी ? हन्ता ! आहारट्ठी । नेरइया णं भंते ! केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! नेरइयाणं दुविहे आहारे पन्नत्ते । तंजहा-आभोगनिव्वत्तिए य अणाभोगनिव्वत्तिए य । तत्थ णं जे से अणाभोगनिव्वत्तिए से णं अणुसमयमविरहिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ । तत्थ णं जे से आभोगनिव्वत्तिए से णं असंखिज्जसमइए अंतोमुहुत्तिए आहारट्ठे समुप्पज्जइ ॥ ६४१ ॥ नेरइया णं भंते ! किमाहारमाहारेंति ? गोयमा ! दव्वओ अणंतपएसियाइं, खेत्तओ असंखेज्जपएसोगाढाइं, कालओ अण्णयरट्ठिइयाइं, भावओ वण्णमंताइं गंधमंताइं रसमंताइं फासमंताइं । जाइं भंते ! भावओ वण्णमंताइं आहारेंति ताइं किं एगवण्णाइं आहारेंति जाव पंचवण्णाइं आहारेंति ? गोयमा ! ठाणमग्गणं पडुच्च एगवण्णाइं पि आहारेंति जाव पंचवण्णाइं पि आहारेंति, विहाणमग्गणं पडुच्च कालवण्णाइं पि आहारेंति जाव सुक्किल्लाइं पि आहारेंति । जाइं० वण्णओ कालवण्णाइं आहारेंति ताइं किं एगगुणकालाइं आहारेंति जाव दसगुणकालाइं आहारेंति, संखिज्जगुणकालाइं, असंखिज्जगुणकालाइं, अणंतगुणकालाइं आहारेंति ? गोयमा ! एगगुणकालाइं पि आहारेंति जाव अणंतगुणकालाइं पि आहारेंति, एवं जाव सुक्किल्लाइं पि, एवं गंधओ वि रसओ वि । जाइं भावओ फासमंताइं आहारेंति ताइं नो एगफासाइं आहारेंति, नो दुफासाइं आहारेंति, नो तिफासाइं आहारेन्ति, चउफासाइं पि आहारेन्ति जाव अट्ठफासाइं पि आहारेन्ति, विहाणमग्गणं पडुच्च कक्खडाइं पि आहारेन्ति जाव लुक्खाइं । जाइं० फासओ कक्खडाइं आहारेन्ति ताइं किं एगगुणकक्खडाइं आहारेन्ति जाव अणंतगुणकक्खडाइं आहारेन्ति ? गोयमा ! एगगुणकक्खडाइं पि आहारेन्ति जाव अणंतगुणकक्खडाइं पि आहारेन्ति, एवं अट्ठ वि फासा भाणियव्वा जाव अणंतगुणलुक्खाइं पि आहारेन्ति । जाइं भंते ! अणंतगुणलुक्खाइं आहारेन्ति ताइं किं पुट्ठाइं आहारेन्ति अपुट्ठाइं आहारेन्ति ? गोयमा ! पुट्ठाइं आहारेन्ति, नो अपुट्ठाइं आहारेन्ति, जहा भासुद्देसए जाव णियमा छद्दिसिं आहारेन्ति, ओसण्णं कारणं

पुढविं परमाणुपोग्गलं अणंतपएसियं खंधं पासइ, न जाणइ ॥ ६६३ ॥ **पन्नवणाए भगवईए तीसइमं पासणयापयं समत्तं ॥**

जीवा णं भंते! किं सण्णी, असण्णी, नोसण्णीनोअसण्णी? गोयमा! जीवा सण्णी वि असण्णी वि नोसण्णीनोअसण्णी वि। नेरइयाणं पुच्छा। गोयमा! नेरइया सण्णी वि असण्णी वि नो नोसण्णीनोअसण्णी। एवं असुरकुमारा जाव थणियकुमारा। पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! नो सण्णी, असण्णी, नो नोसण्णीनोअसण्णी। एवं बेइंदियतेइंदियचउरिंदिया वि, मणूसा जहा जीवा, पंचिंदियतिरिक्खजोणिया वाणमंतरा य जहा नेरइया, जोइसियवेमाणिया सण्णी, नो असण्णी, नो नोसण्णीनोअसण्णी। सिद्धाणं पुच्छा। गोयमा! नो सण्णी, नो असण्णी, नोसण्णीनोअसण्णी। नेरइयतिरियमणुया य वणयरगसुराइ सण्णीऽसण्णी य। विगलिंदिया असण्णी जोइसवेमाणिया सण्णी ॥ ६६४ ॥ **पन्नवणाए भगवईए इगतीसइमं सण्णीपयं समत्तं ॥**

जीवा णं भंते! किं संजया, असंजया, संजयासंजया, नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया? गोयमा! जीवा संजया वि १, असंजया वि २, संजयासंजया वि ३, नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया वि ४। नेरइया णं भंते! पुच्छा। गोयमा! नेरइया नो संजया, असंजया, नो संजयासंजया, नो नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया। एवं जाव चउरिंदिया। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! पंचिंदियतिरिक्खजोणिया नो संजया, असंजया वि, संजयासंजया वि, नो नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया वि। मणुस्साणं पुच्छा। गोयमा! मणूसा संजया वि असंजया वि संजयासंजया वि, नो नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया। वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया। सिद्धाणं पुच्छा। गोयमा! सिद्धा नो संजया १, नो असंजया २, नो संजयासंजया ३, नोसंजयनोअसंजयनोसंजयासंजया ४। **गाहा**–"संजयअसंजयमीसगा य जीवा तहेव मणुया य। संजयरहिया तिरिया सेसा अस्संजया होंति" ॥ ६६५ ॥ **पन्नवणाए भगवईए बत्तीसइमं संजयपयं समत्तं ॥**

भेयविसयसंठाणे अब्भितरबाहिरे य देसोही। ओहिस्स य खयवुड्ढी पडिवाई चेव अपडिवाई ॥ कइविहा णं भंते! ओही पन्नत्ता? गोयमा! दुविहा ओही पन्नत्ता। तंजहा–भवपच्चइया य खओवसमिया य, दोण्हं भवपच्चइया, तंजहा–देवाण य नेरइयाण य, दोण्हं खओवसमिया, तंजहा–मणूसाणं पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण य ॥ ६६६ ॥ नेरइया णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं अद्ध-

हेट्ठिल्ले चरमंते, तिरियं जाव असंखेज्जे दीवसमुद्दे, उड्ढं जाव सगाइं विमाणाइं ओहिणा जाणंति पासंति। अणुत्तरोववाइयदेवा णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति? गोयमा! संभिन्नं लोगनालिं ओहिणा जाणंति पासंति ॥ ६६९ ॥ नेरइयाणं भंते! ओही किंसंठिए पन्नत्ते? गोयमा! तप्पागारसंठिए पन्नत्ते। असुरकुमाराणं पुच्छा। गोयमा! पल्लगसंठिए, एवं जाव थणियकुमाराणं। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! णाणासंठाणसंठिए, एवं मणूसाण वि। वाणमंतराणं पुच्छा। गोयमा! पडहगसंठाणसंठिए। जोइसियाणं पुच्छा। गोयमा! झल्लरिसंठाणसंठिए पन्नत्ते। सोहम्मगदेवाणं पुच्छा। गोयमा! उड्ढमुइंगागारसंठिए पन्नत्ते, एवं जाव अच्चुयदेवाणं। गेवेज्जगदेवाणं पुच्छा। गोयमा! पुप्फचंगेरिसंठिए पन्नत्ते। अणुत्तरोववाइयाणं पुच्छा। गोयमा! जवनालियासंठिए ओही पन्नत्ते ॥ ६७० ॥ नेरइया णं भंते! ओहिस्स किं अंतो, बाहिं? गोयमा! अंतो, नो बाहिं, एवं जाव थणियकुमारा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! नो अंतो, बाहिं। मणूसाणं पुच्छा। गोयमा! अंतो वि बाहिं पि। वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ ६७१ ॥ नेरइयाणं भंते! किं देसोही, सव्वोही? गोयमा! देसोही, नो सव्वोही, एवं जाव थणियकुमारा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! देसोही, नो सव्वोही। मणूसाणं पुच्छा। गोयमा! देसोही वि सव्वोही वि। वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ ६७२ ॥ नेरइयाणं भंते! ओही किं आणुगामिए, अणाणुगामिए, वड्ढमाणए, हीयमाणए, पडिवाई, अप्पडिवाई, अवट्ठिए, अणवट्ठिए? गोयमा! आणुगामिए, नो अणाणुगामिए, नो वड्ढमाणए, नो हीयमाणए, नो पडिवाई, अप्पडिवाई, अवट्ठिए, नो अणवट्ठिए, एवं जाव थणियकुमाराणं। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! आणुगामिए वि जाव अणवट्ठिए वि, एवं मणूसाण वि। वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा नेरइयाणं ॥ ६७३ ॥ **पन्नवणाए भगवईए तेत्तीसइमं ओहिपयं समत्तं ॥**

अणंतरागयाहारे १ आहारे भोयणाइ य २। पोग्गला नेव जाणंति ३ अज्झवसाणा ४ य आहिया ॥१॥ सम्मत्तस्साहिगमे ५ तत्तो परियारणा ६ य बोद्धव्वा। काए फासे रूवे सद्दे य मणे य अप्पबहुं ७ ॥२॥ नेरइया णं भंते! अणंतराहारा, तओ निव्वत्तणया, तओ परियाइणया, तओ परिणामया, तओ परियारणया, तओ पच्छा विउव्वणया? हंता गोयमा! नेरइया णं अणंतराहारा, तओ निव्वत्तणया, तओ परियाइणया, तओ परिणामया, तओ परियारणया, तओ पच्छा विउव्वणया। असुरकुमारा णं भंते! अणंतराहारा, तओ निव्वत्तणया, तओ परियाइणया, तओ परिणा-

मज्झिमहेट्ठिमाणं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं पणवीसाए, उक्कोसेणं छव्वीसाए। मज्झिममज्झिमाणं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं छव्वीसाए, उक्कोसेणं सत्तावीसाए। मज्झिमउवरिमाणं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं सत्तावीसाए, उक्कोसेणं अट्ठावीसाए। उवरिमहेट्ठिमाणं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अट्ठावीसाए, उक्कोसेणं एगूणतीसाए। उवरिममज्झिमाणं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं एगूणतीसाए, उक्कोसेणं तीसाए। उवरिमउवरिमाणं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं तीसाए, उक्कोसेणं एगतीसाए। विजयवेजयंतजयंतअपराजियाणं पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं एगतीसाए, उक्कोसेणं तेत्तीसाए। सव्वट्ठसिद्धगदेवाणं पुच्छा। गोयमा! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसाए वाससहस्साणं आहारट्ठे समुप्पज्जइ ॥ ६४७ ॥ नेरइया णं भंते! किं एगिंदियसरीराइं आहारेन्ति जाव पंचिंदियसरीराइं आहारेन्ति? गोयमा! पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एगिंदियसरीराइं पि आहारेन्ति जाव पंचिंदिय०, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा पंचिंदियसरीराइं आहारेन्ति, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एवं चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा एगिंदियसरीराइं आहारेन्ति। बेइंदिया पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च एवं चेव, पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा बेइंदियाणं सरीराइं आहारेन्ति, एवं जाव चउरिंदिया जाव पुव्वभावपण्णवणं पडुच्च, एवं पडुप्पण्णभावपण्णवणं पडुच्च नियमा जस्स जइ इंदियाइं तइइंदियाइं सरीराइं आहारेन्ति, सेसा जहा नेरइया, जाव वेमाणिया। नेरइया णं भंते! किं लोमाहारा पक्खेवाहारा? गोयमा! लोमाहारा, नो पक्खेवाहारा, एवं एगिंदिया सव्वे देवा य भाणियव्वा जाव वेमाणिया। बेइंदिया जाव मणूसा लोमाहारा वि पक्खेवाहारा वि ॥ ६४८ ॥ नेरइया णं भंते! किं ओयाहारा मणभक्खी? गोयमा! ओयाहारा, णो मणभक्खी, एवं सव्वे ओरालियसरीरा वि। देवा सव्वे वि जाव वेमाणिया ओयाहारा वि मणभक्खी वि। तत्थ णं जे ते मणभक्खी देवा तेसि णं इच्छामणे समुप्पज्जइ 'इच्छामो णं मणभक्खणं करित्तए', तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव जे पोग्गला इट्ठा कंता जाव मणामा ते तेसिं मणभक्खत्ताए परिणमंति, से जहानामए सीया पोग्गला सीयं पप्प सीयं चेव अइवइत्ताणं चिट्ठंति, उसिणा वा पोग्गला उसिणं पप्प उसिणं चेव अइवइत्ताणं चिट्ठंति, एवामेव तेहिं देवेहिं मणभक्खीकए समाणे से इच्छामणे खिप्पामेव अवेइ ॥ ६४९ ॥

पन्नवणाए भगवईए अट्ठावीसइमे आहारपए पढमो उद्देसो समत्तो ॥

आहार भविय सण्णी लेसा दिट्ठी य संजय कसाए। णाणे जोगुवओगे वेए य सरीर पज्जत्ती। जीवे णं भंते! किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय

अदेवीया सपरियारा, अत्थेगइया देवा अदेवीया अपरियारा, नो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-'अत्थेगइया देवा सदेवीया सपरियारा, तं चेव जाव नो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा'? गोयमा! भवणवइवाणमंतरजोइससोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवा सदेवीया सपरियारा, सणंकुमारमाहिंदबंभलोगलंतगमहासुक्कसहस्सारआणयपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु देवा अदेवीया सपरियारा, गेवेज्जअणुत्तरोववाइया देवा अदेवीया अपरियारा, नो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-'अत्थेगइया देवा सदेवीया सपरियारा, तं चेव, नो चेव णं देवा सदेवीया अपरियारा' ॥ ६७७ ॥ कइविहा णं भंते! परियारणा पन्नत्ता? गोयमा! पंचविहा परियारणा पन्नत्ता। तंजहा-कायपरियारणा, फासपरियारणा, रूवपरियारणा, सद्दपरियारणा, मणपरियारणा। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-पंचविहा परियारणा पन्नत्ता। तंजहा-कायपरियारणा जाव मणपरियारणा? गोयमा! भवणवइवाणमंतरजोइससोहम्मीसाणेसु कप्पेसु देवा कायपरियारगा, सणंकुमारमाहिंदेसु कप्पेसु देवा फासपरियारगा, बंभलोयलंतगेसु देवा रूवपरियारगा, महासुक्कसहस्सारेसु देवा सद्दपरियारगा, आणयपाणयआरणच्चुएसु कप्पेसु देवा मणपरियारगा, गेवेज्जअणुत्तरोववाइया देवा अपरियारगा, से तेणट्ठेणं गोयमा! तं चेव जाव मणपरियारगा। तत्थ णं जे ते कायपरियारगा देवा तेसि णं इच्छामणे समुप्पज्जइ-'इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारं करेत्तए', तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव ताओ अच्छराओ ओरालाइं सिंगाराइं मणुण्णाइं मणोहराइं मणोरमाइं उत्तरवेउव्वियरूवाइं विउव्वंति विउव्वित्ता तेसिं देवाणं अंतियं पाउब्भवंति, तए णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारणं करेंति। से जहाणामए सीया पोग्गला सीयं पप्प सीयं चेव अइवइत्ताणं चिट्ठंति, उसिणा वा पोग्गला उसिणं पप्प उसिणं चेव-अइवइत्ताणं चिट्ठंति, एवमेव तेहिं देवेहिं ताहिं अच्छराहिं सद्धिं कायपरियारणे कए समाणे से इच्छामणे खिप्पामेव अवेइ ॥ ६७८ ॥ अत्थि णं भंते! तेसिं देवाणं सुक्कपोग्गला? हंता! अत्थि। ते णं भंते! तासिं अच्छराणं कीसत्ताए भुज्जो भुज्जो परिणमंति? गोयमा! सोइंदियत्ताए चक्खुइंदियत्ताए घाणिंदियत्ताए रसिंदियत्ताए फासिंदियत्ताए इट्ठत्ताए कंतत्ताए मणुन्नत्ताए मणामत्ताए सुभगत्ताए सोहग्गरूवजोव्वणगुणलावन्नत्ताए ते तासिं भुज्जो भुज्जो परिणमंति ॥ ६७९ ॥ तत्थ णं जे ते फासपरियारगा देवा तेसि णं इच्छामणे समुप्पज्जइ, एवं जहेव कायपरियारगा तहेव निरवसेसं भाणियव्वं। तत्थ णं जे ते रूवपरियारगा देवा तेसि णं इच्छामणे समुप्पज्जइ—

तियभंगो। तेउलेसाए पुढविआउवणस्सइकाइयाणं छब्भंगा, सेसाणं जीवाइओ तियभंगो जेसिं अत्थि तेउलेसा, पम्हलेसाए सुक्कलेसाए य जीवाइओ तियभंगो, अलेसा जीवा मणुस्सा सिद्धा य एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि नो आहारगा अणाहारगा॥ दारं ४॥ ६५१॥ सम्मद्दिट्ठी णं भंते! जीवा किं आहारगा अणाहारगा? गोयमा! सिय आहारगा, सिय अणाहारगा। बेइंदिया तेइंदिया चउरिंदिया छब्भंगा, सिद्धा अणाहारगा, अवसेसाणं तियभंगो, मिच्छादिट्ठीसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो। सम्मामिच्छादिट्ठी णं भंते!० किं आहारए अणाहारए? गोयमा! आहारए, नो अणाहारए, एवं एगिंदियविगलिंदियवज्जं जाव वेमाणिए, एवं पुहुत्तेण वि॥ दारं ५॥ ६५२॥ संजए णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं मणूसे वि, पुहुत्तेणं तियभंगो। असंजए पुच्छा। सिय आहारए, सिय अणाहारए, पुहुत्तेणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, संजयासंजए णं जीवे पंचिंदियतिरिक्खजोणिए मणूसे य ३ एए एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि आहारगा नो अणाहारगा, नोसंजए-नोअसंजए-नोसंजयासंजए जीवे सिद्धे य एए एगत्तेण पोहत्तेण वि नो आहारगा अणाहारगा॥ दारं ६॥ ६५३॥ सकसाई णं भंते! जीवे किं आहारए अणाहारए? गोयमा! सिय आहारए, सिय अणाहारए, एवं जाव वेमाणिया, पुहुत्तेणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, कोहकसाईसु जीवाईसु एवं चेव, नवरं देवेसु छब्भंगा, माणकसाईसु मायाकसाईसु य देवनेरइएसु छब्भंगा, अवसेसाणं जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, लोहकसाईसु नेरइएसु छब्भंगा, अवसेसेसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अकसाई जहा णोसण्णीणोअसण्णी॥ दारं ७॥ ६५४॥ णाणी जहा सम्मद्दिट्ठी। आभिणिबोहियणाणी सुयणाणी य बेइंदियतेइंदियचउरिंदिएसु छब्भंगा, अवसेसेसु जीवाइओ तियभंगो जेसिं अत्थि। ओहिणाणी पंचिंदियतिरिक्खजोणिया आहारगा, णो अणाहारगा, अवसेसेसु जीवाइओ तियभंगो जेसिं अत्थि ओहिनाणं, मणपज्जवनाणी जीवा मणूसा य एगत्तेण वि पुहुत्तेण वि आहारगा, णो अणाहारगा। केवलनाणी जहा नोसण्णीनोअसण्णी॥ दारं ८-१॥ अण्णाणी मइअण्णाणी सुयअण्णाणी जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो। विभंगणाणी पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य आहारगा, णो अणाहारगा, अवसेसेसु जीवाइओ तियभंगो॥ दारं ८-२॥ ६५५॥ सजोगीसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो। मणजोगी वइजोगी जहा सम्मामिच्छद्दिट्ठी, नवरं वइजोगो विगलिंदियाण वि। कायजोगीसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, अजोगी जीवमणूससिद्धा अणाहारगा॥ दारं ९॥ सागाराणागारोवउत्तेसु जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, सिद्धा अणाहारगा॥ दारं १०॥ सवेयए जीवेगिंदियवज्जो तियभंगो, इत्थिवेययपुरिस-

गोयमा ! सीयं पि वेयणं वेदेंति, उसिणं पि वेयणं वेदेंति, नो सीओसिणं वेयणं वेदेंति । ते बहुतरागा जे उसिणं वेयणं वेदेंति, ते थोवतरागा जे सीयं वेयणं वेदेंति । धूमप्पभाए एवं चेव दुविहा, नवरं ते बहुतरागा जे सीयं वेयणं वेदेंति, ते थोवतरागा जे उसिणं वेयणं वेदेंति । तमाए य तमतमाए य सीयं वेयणं वेदेंति, नो उसिणं वेयणं वेदेंति, नो सीओसिणं वेयणं वेदेंति । असुरकुमाराणं पुच्छा । गोयमा ! सीयं पि वेयणं वेदेंति, उसिणं पि वेयणं वेदेंति, सीओसिणं पि वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणिया ॥ ६८२ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा वेयणा पन्नत्ता । तंजहा–दव्वओ खेत्तओ कालओ भावओ । नेरइया णं भंते ! किं दव्वओ वेयणं वेदेंति जाव भावओ वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! दव्वओ वि वेयणं वेदेंति जाव भावओ वि वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणिया । कइविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेयणा पन्नत्ता । तंजहा–सारीरा, माणसा, सारीरमाणसा । नेरइया णं भंते ! किं सारीरं वेयणं वेदेंति, माणसं वेयणं वेदेंति, सारीरमाणसं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! सारीरं पि वेयणं वेदेंति, माणसं पि वेयणं वेदेंति, सारीरमाणसं पि वेयणं वेदेंति । एवं जाव वेमाणिया, नवरं एगिंदियविगलिंदिया सारीरं वेयणं वेदेंति, नो माणसं वेयणं वेदेंति, नो सारीरमाणसं वेयणं वेदेंति । कइविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेयणा पन्नत्ता । तंजहा–साया, असाया, सायासाया । नेरइया णं भंते ! किं सायं वेयणं वेदेंति, असायं वेयणं वेदेंति, सायासायं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! तिविहं पि वेयणं वेदेंति, एवं सव्वजीवा जाव वेमाणिया । कइविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेयणा पन्नत्ता । तंजहा–दुक्खा, सुहा, अदुक्खमसुहा । नेरइया णं भंते ! किं दुक्खं वेयणं वेदेंति पुच्छा । गोयमा ! दुक्खं पि वेयणं वेदेंति, सुहं पि वेयणं वेदेंति, अदुक्खमसुहं पि वेयणं वेदेंति, एवं जाव वेमाणिया ॥ ६८३ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा वेयणा पन्नत्ता । तंजहा–अब्भोवगमिया य उवक्कमिया य । नेरइया णं भंते ! अब्भोवगमियं वेयणं वेदेंति, उवक्कमियं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! नो अब्भोवगमियं वेयणं वेदेंति, उवक्कमियं वेयणं वेदेंति, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य दुविहं पि वेयणं वेदेंति, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा नेरइया ॥ ६८४ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ? गोयमा ! दुविहा वेयणा पन्नत्ता । तंजहा–निदा य अणिदा य । नेरइया णं भंते ! किं निदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! निदायं पि वेयणं वेदेंति, अणिदायं पि

तिविहे पन्नत्ते। तंजहा–चक्खुदंसणअणागारोवओगे, अचक्खुदंसणअणागारोवओगे, ओहिदंसणअणागारोवओगे, एवं जाव थणियकुमाराणं। पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! दुविहे उवओगे पन्नत्ते। तंजहा–सागारोवओगे अणागारोवओगे य। पुढविकाइयाणं० सागारोवओगे कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–मइअण्णाणसागारोवओगे, सुयअण्णाणसागारोवओगे य। पुढविकाइयाणं० अणागारोवओगे कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! एगे अचक्खुदंसणअणागारोवओगे पन्नत्ते, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं। बेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा! दुविहे उवओगे पन्नत्ते। तंजहा–सागारोवओगे अणागारोवओगे य। बेइंदियाणं भंते! सागारोवओगे कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! चउव्विहे पन्नत्ते। तंजहा–आभिणिबोहियणाण०, सुयणाण०, मइअण्णाण०, सुयअण्णाणसागारोवओगे। बेइंदियाणं भंते! अणागारोवओगे कइविहे पन्नत्ते? गोयमा! एगे अचक्खुदंसणअणागारोवओगे, एवं तेइंदियाण वि। चउरिंदियाण वि एवं चेव, नवरं अणागारोवओगे दुविहे पन्नत्ते। तंजहा–चक्खुदंसणअणागारोवओगे, अचक्खुदंसणअणागारोवओगे। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं जहा नेरइयाणं। मणुस्साणं जहा ओहिए उवओगे भणियं तहेव भाणियव्वं। वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा णेरइयाणं ॥ ६५९ ॥ जीवा णं भंते! किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता? गोयमा! सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'जीवा सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि'? गोयमा! जेणं जीवा आभिणिबोहियणाणसुयणाणओहिणाणमणपज्जवणाणकेवलणाणमइअण्णाणसुयअण्णाणविभंगणाणोवउत्ता तेणं जीवा सागारोवउत्ता, जेणं जीवा चक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसणकेवलदंसणोवउत्ता तेणं जीवा अणागारोवउत्ता, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ—'जीवा सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि'। नेरइया णं भंते! किं सागारोवउत्ता अणागारोवउत्ता? गोयमा! नेरइया सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ०? गोयमा! जेणं नेरइया आभिणिबोहियनाणसुयनाणओहिनाणमइअन्नाणसुयअन्नाणविभंगनाणोवउत्ता तेणं नेरइया सागारोवउत्ता, जेणं नेरइया चक्खुदंसणअचक्खुदंसणओहिदंसणोवउत्ता तेणं नेरइया अणागारोवउत्ता, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ–जाव 'सागारोवउत्ता वि अणागारोवउत्ता वि', एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! तहेव जाव जेणं पुढविकाइया मइअण्णाणसुयअण्णाणोवउत्ता तेणं पुढविकाइया सागारोवउत्ता, जेणं पुढविकाइया अचक्खुदंसणोवउत्ता तेणं पुढविकाइया अणागारोवउत्ता, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ जाव वणप्फइकाइया। बेइंदियाणं भंते! अट्ठसहिया तहेव पुच्छा।

गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि तस्स जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एवमसुरकुमारस्स वि निरंतरं जाव वेमाणियस्स, एवं जाव तेयगसमुग्घाए, एवमेए पंच चउवीसा दंडगा। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता?० कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि तस्स जहन्नेणं एक्को वा दो वा, उक्कोसेणं तिण्णि। केवइया पुरेक्खडा?० कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि, एवं निरंतरं जाव वेमाणियस्स, नवरं मणूसस्स अतीता वि पुरेक्खडा वि जहा नेरइयस्स पुरेक्खडा। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स केवइया केवलिसमुग्घाया अतीता? गोयमा! नत्थि। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि एक्को, एवं जाव वेमाणियस्स, नवरं मणूसस्स अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि एक्को, एवं पुरेक्खडा वि॥ ६८७॥ नेरइयाणं भंते! केवइया वेयणासमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! अणंता, एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव तेयगसमुग्घाए, एवं एए वि पंच चउवीसदंडगा। नेरइयाणं भंते! केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता? गोयमा! असंखेज्जा। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! असंखेज्जा, एवं जाव वेमाणियाणं। नवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसाण य इमं णाणत्तं–वणस्सइकाइयाणं भंते! केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। मणूसाणं भंते! केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता? गोयमा! सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा, एवं पुरेक्खडा वि। नेरइयाणं भंते! केवइया केवलिसमुग्घाया अतीता? गोयमा! णत्थि। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! असंखेज्जा, एवं जाव वेमाणियाणं। नवरं वणस्सइमणूसेसु इमं नाणत्तं–वणस्सइकाइयाणं भंते! केवइया

सुयणाणी ओहिणाणी मणपज्जवणाणी केवलणाणी सुयअण्णाणी विभंगणाणी तेणं जीवा सागारपस्सी, जेणं जीवा चक्खुदंसणी ओहिदंसणी केवलदंसणी तेणं जीवा अणागारपस्सी, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-'जीवा सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि'। नेरइया णं भंते ! किं सागारपस्सी, अणागारपस्सी ? गोयमा ! एवं चेव, नवरं सागारपासणयाए मणपज्जवनाणी केवलनाणी न वुच्चइ, अणागारपासणयाए केवलदंसणं नत्थि, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! पुढविकाइया सागारपस्सी, णो अणागारपस्सी । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! पुढविकाइयाणं एगा सुयअण्णाणसागारपासणया पन्नत्ता, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ, एवं जाव वणस्सइकाइयाणं । बेइंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! सागारपस्सी, णो अणागारपस्सी। से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ० ? गोयमा ! बेइंदियाणं दुविहा सागारपासणया पन्नत्ता । तंजहा-सुयणाणसागारपासणया, सुयअण्णाणसागारपासणया, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ० । एवं तेइंदियाण वि । चउरिंदियाणं पुच्छा । गोयमा ! चउरिंदिया सागारपस्सी वि अणागारपस्सी वि । से केणट्ठेणं० ? गोयमा ! जेणं चउरिंदिया सुयणाणी सुयअण्णाणी तेणं चउरिंदिया सागारपस्सी, जेणं चउरिंदिया चक्खुदंसणी तेणं चउरिंदिया अणागारपस्सी, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ० । मणूसा जहा जीवा, अवसेसा जहा नेरइया जाव वेमाणिया ॥ ६६२ ॥ केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं आगारेहिं हेऊहिं उवमाहिं दिट्ठंतेहिं वण्णेहिं संठाणेहिं पमाणेहिं पडोयारेहिं जं समयं जाणइ तं समयं पासइ, जं समयं पासइ तं समयं जाणइ ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'केवली णं इमं रयणप्पभं पुढविं आगारेहिं० जं समयं जाणइ नो तं समयं पासइ, जं समयं पासइ नो तं समयं जाणइ ? गोयमा ! सागारे से णाणे भवइ, अणागारे से दंसणे भवइ, से तेणट्ठेणं जाव नो तं समयं जाणइ, एवं जाव अहेसत्तमं । एवं सोहम्मकप्पं जाव अच्चुयं, गेविज्जगविमाणा अणुत्तरविमाणा, ईसिप्पब्भारं पुढविं, परमाणुपोग्गलं दुपएसियं खंधं जाव अणंतपएसियं खंधं । केवली णं भंते ! इमं रयणप्पभं पुढविं अणागारेहिं अहेऊहिं अणुवमाहिं अदिट्ठंतेहिं अवण्णेहिं असंठाणेहिं अपमाणेहिं अपडोयारेहिं पासइ न जाणइ ? हंता गोयमा ! केवली णं इमं रयणप्पभं पुढविं अणागारेहिं जाव पासइ न जाणइ । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'केवली णं इमं रयणप्पभं पुढविं अणागारेहिं जाव पासइ न जाणइ' ? गोयमा ! अणागारे से दंसणे भवइ, सागारे से नाणे भवइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-'केवली णं इमं रयणप्पभं पुढविं अणागारेहिं जाव पासइ न जाणइ', एवं जाव ईसिप्पब्भारं

जहेव असुरकुमारस्स। पुढविकाइयस्स नेरइयत्ते जाव थणियकुमारत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा, सिय अणंता। पुढविकाइयस्स पुढविकाइयत्ते जाव मणूसत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि एगुत्तरिया। वाणमंतरत्ते जहा णेरइयत्ते। जोइसियवेमाणियत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि सिय असंखेज्जा, सिय अणंता, एवं जाव मणूसे वि नेयव्वं। वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा, णवरं सट्ठाणे एगुत्तरिगाए भाणियव्वे जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। एवं एए चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा ॥ ६९० ॥ मारणंतियसमुग्घाओ सट्ठाणे वि परट्ठाणे वि एगुत्तरियाए नेयव्वो जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते, एवमेए चउवीसं चउवीसदंडगा भाणियव्वा। वेउव्वियसमुग्घाओ जहा कसायसमुग्घाओ तहा निरवसेसो भाणियव्वो, नवरं जस्स नत्थि तस्स न वुच्चइ, एत्थ वि चउवीसं चउवीसा दंडगा भाणियव्वा। तेयगसमुग्घाओ जहा मारणंतियसमुग्घाओ, णवरं जस्सऽत्थि, एवं एए वि चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा भाणियव्वा ॥ ६९१ ॥ एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता? गोयमा! णत्थि। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! णत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते, नवरं मणूसत्ते अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा, उक्कोसेणं तिन्नि। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि, एवं सव्वजीवाणं मणुस्साणं भाणियव्वं। मणूसस्स मणूसत्ते अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं चत्तारि, एवं पुरेक्खडा वि। एवमेए चउवीसं चउवीसा दंडगा जाव वेमाणियत्ते ॥ ६९२ ॥ एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया केवलिसमुग्घाया अतीता? गोयमा! णत्थि। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! नत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते, नवरं मणूसत्ते अतीता नत्थि, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि इक्को, मणूसस्स मणूसत्ते अतीता कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि एक्को, एवं पुरेक्खडा वि। एवमेए चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा ॥ ६९३ ॥ नेरइयाणं भंते! नेरइयत्ते केवइया वेयणासमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! अणंता, एवं जाव वेमाणियत्ते, एवं सव्वजीवाणं भाणियव्वं जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते, एवं जाव तेयगसमुग्घाया, णवरं उवउज्जिऊण णेयव्वं जस्सत्थि वेउव्वियतेयगा ॥ ६९४ ॥ नेरइयाणं भंते! नेरइयत्ते केवइया आहारगसमुग्घाया अतीता? गोयमा! नत्थि।

गाउयं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति। रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं अद्धुट्ठाइं गाउयाइं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति। सक्करप्पभापुढविनेरइया जहन्नेणं तिण्णि गाउयाइं, उक्कोसेणं अद्धुट्ठाइं गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति। वालुयप्पभापुढविनेरइया जहन्नेणं अड्ढाइज्जाइं गाउयाइं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति। पंकप्पभापुढविनेरइया जहन्नेणं दोण्णि गाउयाइं, उक्कोसेणं अड्ढाइज्जाइं गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति। धूमप्पभापुढविनेरइया जहन्नेणं दिवड्ढं गाउयाइं, उक्कोसेणं दो गाउयाइं ओहिणा जाणंति पासंति। तमापुढविनेरइया जहन्नेणं गाउयं, उक्कोसेणं दिवड्ढं गाउयं ओहिणा जाणंति पासंति। अहेसत्तमाए पुच्छा। गोयमा! जहन्नेणं अद्धं गाउयं, उक्कोसेणं गाउयं ओहिणा जाणंति पासंति ॥ ६६७ ॥ असुरकुमारा णं भंते! ओहिणा केवइयं खेत्तं जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं पणवीसं जोयणाइं, उक्कोसेणं असंखेज्जे दीवसमुद्दे ओहिणा जाणंति पासंति। नागकुमारा णं जहन्नेणं पणवीसं जोयणाइं, उक्कोसेणं संखेज्जे दीवसमुद्दे ओहिणा जाणंति पासंति, एवं जाव थणियकुमारा। पंचिंदियतिरिक्खजोणिया णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जे दीवसमुद्दे०। मणूसा णं भंते! ओहिणा केवइयं खेत्तं जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं अलोए लोयप्पमाणमेत्ताइं खंडाइं ओहिणा जाणंति पासंति। वाणमंतरा जहा नागकुमारा ॥ ६६८ ॥ जोइसिया णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं संखेज्जे दीवसमुद्दे, उक्कोसेण वि संखेज्जे दीवसमुद्दे०। सोहम्मगदेवा णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अहे जाव इमीसे रयणप्पभाए हिट्ठिल्ले चरमंते, तिरियं जाव असंखेज्जे दीवसमुद्दे, उड्ढं जाव सगाइं विमाणाइं ओहिणा जाणंति पासंति, एवं ईसाणगदेवा वि। सणंकुमारदेवा वि एवं चेव, नवरं जाव अहे दोच्चाए सक्करप्पभाए पुढवीए हिट्ठिल्ले चरमंते, एवं माहिंददेवा वि। बंभलोयलंतगदेवा० तच्चाए पुढवीए हिट्ठिल्ले चरमंते, महासुक्कसहस्सारगदेवा० चउत्थीए पंकप्पभाए पुढवीए हेट्ठिल्ले चरमंते, आणयपाणयआरणच्चुयदेवा अहे जाव पंचमाए धूमप्पभाए० हेट्ठिल्ले चरमंते, हेट्ठिममज्झिमगेवेज्जगदेवा अहे जाव छट्ठाए तमाए पुढवीए हेट्ठिल्ले चरमंते। उवरिमगेविज्जगदेवा णं भंते! केवइयं खेत्तं ओहिणा जाणंति पासंति? गोयमा! जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अहेसत्तमाए०

वेयणा० कसाय० मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा पुढविकाइया मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया, कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा। एवं जाव वणस्सइकाइया, णवरं सव्वत्थोवा वाउकाइया वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहया, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा। बेइंदियाणं भंते! वेयणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा बेइंदिया मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया, वेयणासमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा, एवं जाव चउरिंदिया। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते! वेयणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउव्वियसमुग्घाएणं तेयासमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया तेयासमुग्घाएणं समोहया, वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा। मणुस्साणं भंते! वेयणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउव्वियसमुग्घाएणं तेयगसमुग्घाएणं आहारगसमुग्घाएणं केवलिसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा मणुस्सा आहारगसमुग्घाएणं समोहया, केवलिसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, तेयगसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया असंखेज्जगुणा। वाणमंतरजोइसियवेमाणियाणं जहा असुरकुमाराणं ॥ ६९८ ॥ कइ णं भंते! कसायसमुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! चत्तारि कसायसमुग्घाया पन्नत्ता। तंजहा–कोहसमुग्घाए, माणसमुग्घाए, मायासमुग्घाए, लोहसमुग्घाए। नेरइयाणं भंते! कइ कसायसमुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! चत्तारि कसायसमुग्घाया पन्नत्ता० एवं जाव वेमाणियाणं। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स केवइया कोहसमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असं-

मया, तओ विउव्वणया, तओ पच्छा परियारणया? हंता गोयमा! असुरकुमारा अणंतराहारा, तओ निव्वत्तणया जाव तओ पच्छा परियारणया, एवं जाव थणियकुमारा। पुढविकाइया णं भंते! अणंतराहारा, तओ निव्वत्तणया, तओ परियाइणया, तओ परिणामया, तओ परियारणया, तओ विउव्वणया? हंता गोयमा! तं चेव जाव परियारणया, नो चेव णं विउव्वणया। एवं जाव चउरिंदिया, नवरं वाउकाइया पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणूसा य जहा नेरइया, वाणमंतरजोइसियवेमाणिया जहा असुरकुमारा॥ ६७४॥ नेरइयाणं भंते! आहारे किं आभोगनिव्वत्तिए, अणाभोगनिव्वत्तिए? गोयमा! आभोगनिव्वत्तिए वि अणाभोगनिव्वत्तिए वि। एवं असुरकुमाराणं जाव वेमाणियाणं, णवरं एगिंदियाणं नो आभोगनिव्वत्तिए, अणाभोगनिव्वत्तिए। नेरइया णं भंते! जे पोग्गले आहारत्ताए गिण्हंति ते किं जाणंति पासंति आहारेंति, उदाहु न जाणंति न पासंति आहारेंति? गोयमा! न जाणंति न पासंति आहारेंति, एवं जाव तेइंदिया। चउरिंदियाणं पुच्छा। गोयमा! अत्थेगइया न जाणंति पासंति आहारेंति, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेंति १, अत्थेगइया जाणंति न पासंति आहारेंति २, अत्थेगइया न जाणंति पासंति आहारेंति ३, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेंति ४, एवं जाव मणुस्साण वि। वाणमंतरजोइसिया जहा नेरइया। वेमाणियाणं पुच्छा। गोयमा! अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेन्ति, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेन्ति। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–'वेमाणिया अत्थेगइया जाणंति पासंति आहारेन्ति, अत्थेगइया न जाणंति न पासंति आहारेन्ति'? गोयमा! वेमाणिया दुविहा पन्नत्ता। तंजहा–माइमिच्छद्दिट्ठिउववन्नगा य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववन्नगा य, एवं जहा इंदियउद्देसए पढमे भणियं तहा भाणियव्वं जाव से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ०॥ ६७५॥ नेरइयाणं भंते! केवइया अज्झवसाणा पन्नत्ता? गोयमा! असंखेज्जा अज्झवसाणा पन्नत्ता। ते णं भंते! किं पसत्था अपसत्था? गोयमा! पसत्था वि अपसत्था वि, एवं जाव वेमाणियाणं। नेरइया णं भंते! किं सम्मत्ताभिगमी, मिच्छत्ताभिगमी, सम्मामिच्छत्ताभिगमी? गोयमा! सम्मत्ताभिगमी वि मिच्छत्ताभिगमी वि सम्मामिच्छत्ताभिगमी वि, एवं जाव वेमाणियाण वि। नवरं एगिंदियविगलिंदिया णो सम्मत्ताभिगमी, मिच्छत्ताभिगमी, नो सम्मामिच्छत्ताभिगमी॥ ६७६॥ देवा णं भंते! किं सदेवीया सपरियारा, सदेवीया अपरियारा, अदेवीया सपरियारा, अदेवीया अपरियारा? गोयमा! अत्थेगइया देवा सदेवीया सपरियारा, अत्थेगइया देवा

समुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए, तेयासमुग्घाए, आहारगसमुग्घाए। नेरइयाणं भंते! कइ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! चत्तारि छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता। तंजहा-वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए। असुरकुमाराणं पुच्छा। गोयमा! पंच छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता। तंजहा-वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए, तेयासमुग्घाए। एगिंदियविगलिंदियाणं पुच्छा। गोयमा! तिन्नि छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता। तंजहा-वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, णवरं वाउकाइयाणं चत्तारि समुग्घाया पन्नत्ता। तं०-वे० क० मा० वेउ०। पं० पुच्छा। गो०! पंच स० प०। तंजहा-वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए, तेयगसमुग्घाए। मणूसाणं भंते! कइ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! छ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता। तंजहा-वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए, तेयगसमुग्घाए, आहारगसमुग्घाए॥ ७०१॥ जीवे णं भंते! वेयणासमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले निच्छुभइ तेहि णं भंते! पोग्गलेहिं केवइए खेत्ते अप्फुण्णे, केवइए खेत्ते फुडे? गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभबाहल्लेणं नियमा छद्दिसिं एवइए खेत्ते अप्फुण्णे, एवइए खेत्ते फुडे। से णं भंते! खेत्ते केवइकालस्स अप्फुण्णे, केवइकालस्स फुडे? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं एवइयकालस्स अप्फुण्णे, एवइयकालस्स फुडे। ते णं भंते! पोग्गले केवइकालस्स निच्छुभइ? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तस्स। ते णं भंते! पोग्गला निच्छूढा समाणा जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणंति वत्तेंति लेसेंति संघाएंति संघट्टेंति परियावेंति किलामेंति उद्दवेंति तेहिंतो णं भंते! से जीवे कइकिरिए? गोयमा! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए। ते णं भंते! जीवा ताओ जीवाओ कइकिरिया? गोयमा! सिय तिकिरिया, सिय चउकिरिया, सिय पंचकिरिया। से णं भंते! जीवे ते य जीवा अण्णेसिं जीवाणं परंपराघाएणं कइकिरिया? गोयमा! तिकिरिया वि चउकिरिया वि पंचकिरिया वि॥ ७०२॥ नेरइए णं भंते! वेयणासमुग्घाएणं समोहए एवं जहेव जीवे, नवरं नेरइयाभिलावो, एवं निरवसेसं जाव वेमाणिए। एवं कसायसमुग्घाओ वि भाणियव्वो। जीवे णं भंते! मारणंतियसमुग्घाएणं समोहणइ समोहणित्ता जे पोग्गले णिच्छुभइ तेहि णं भंते! पोग्गलेहिं केवइए खेत्ते अप्फुण्णे, केवइए खेत्ते फुडे? गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं एवइए

'इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं रूवपरियारणं करेत्तए', तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे तहेव जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विउव्वित्ता जेणामेव ते देवा तेणामेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा ताइं उरालाइं जाव मणोरमाइं उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं उवदंसेमाणीओ २ चिट्ठंति, तए णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं रूवपरियारणं करेंति, सेसं तं चेव जाव भुज्जो भुज्जो परिणमन्ति । तत्थ णं जे ते सद्दपरियारगा देवा तेसि णं इच्छामणे समुप्पज्जइ— 'इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं सद्दपरियारणं करेत्तए', तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे तहेव जाव उत्तरवेउव्वियाइं रूवाइं विउव्वंति विउव्वित्ता जेणामेव ते देवा तेणामेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता तेसिं देवाणं अदूरसामंते ठिच्चा अणुत्तराइं उच्चावयाइं सद्दाइं समुदीरेमाणीओ २ चिट्ठंति, तए णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं सद्दपरियारणं करेन्ति, सेसं तं चेव जाव भुज्जो भुज्जो परिणमंति । तत्थ णं जे ते मणपरियारगा देवा तेसिं इच्छामणे समुप्पज्जइ-'इच्छामो णं अच्छराहिं सद्धिं मणपरियारणं करेत्तए', तए णं तेहिं देवेहिं एवं मणसीकए समाणे खिप्पामेव ताओ अच्छराओ तत्थ-गयाओ चेव समाणीओ अणुत्तराइं उच्चावयाइं मणाइं संपहारेमाणीओ २ चिट्ठंति, तए णं ते देवा ताहिं अच्छराहिं सद्धिं मणपरियारणं करेंति, सेसं णिरवसेसं तं चेव जाव भुज्जो भुज्जो परिणमंति ॥ ६८० ॥ एएसि णं भंते ! देवाणं कायपरियारगाणं जाव मणपरियारगाणं, अपरियारगाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा देवा अपरियारगा, मणपरियारगा संखेज्जगुणा, सद्दपरियारगा असंखेज्जगुणा, रूवपरियारगा असंखेज्जगुणा, फासपरियारगा असंखेज्जगुणा, कायपरियारगा असंखेज्जगुणा ॥ ६८१ ॥ **पन्नवणाए भगवईए चउत्तीसइमं परियारणापयं समत्तं** ॥

सीया य दव्व सरीरा साया तह वेयणा भवइ दुक्खा । अब्भुवगमोवक्कमिया निदा य अणिदा य नायव्वा ॥ १ ॥ सायमसायं सव्वे सुहं च दुक्खं अदुक्खमसुहं च । माणसरहियं विगलिंदिया उ सेसा दुविहमेव ॥ २ ॥ कइविहा णं भंते ! वेयणा पन्नत्ता ? गोयमा ! तिविहा वेयणा पन्नत्ता । तंजहा-सीया, उसिणा, सीओसिणा । नेरइया णं भंते ! किं सीयं वेयणं वेदेंति, उसिणं वेयणं वेदेंति, सीओसिणं वेयणं वेदेंति ? गोयमा ! सीयं पि वेयणं वेदेंति, उसिणं पि वेयणं वेदेंति, नो सीओसिणं वेयणं वेदेंति । केई एक्केक्कपुढवीए वेयणाओ भणंति । रयणप्पभापुढविनेरइया णं भंते ! पुच्छा । गोयमा ! नो सीयं वेयणं वेदेंति, उसिणं वेयणं वेदेंति, नो सीओसिणं यणं वेदेंति, एवं जाव वालुयप्पभापुढविनेरइया । पंकप्पभापुढविनेरइयाणं पुच्छा ।

विग्गहेणं एगसमएणं अप्फुण्णे, एगसमएणं फुडे । ते णं भंते ! पोग्गला केवइ-कालस्स णिच्छुब्भंति? गोयमा ! जहन्नेणं अंतोमुहुत्तस्स, उक्कोसेण वि अंतोमुहु-त्तस्स ॥ ७०६ ॥ ते णं भंते ! पोग्गला निच्छूढा समाणा जाइं तत्थ पाणाइं भूयाइं जीवाइं सत्ताइं अभिहणंति जाव उद्दवेंति, ते(हि)णं भंते ! जीवे कइ-किरिए? गोयमा ! सिय तिकिरिए, सिय चउकिरिए, सिय पंचकिरिए । ते णं भंते !० जीवाओ कइकिरिया? गोयमा ! एवं चेव । से णं भंते ! जीवे ते य जीवा अण्णेसिं जीवाणं परंपराघाएणं कइकिरिया? गोयमा ! तिकिरिया वि चउकिरिया वि पंचकिरिया वि, एवं मणूसे वि ॥ ७०७ ॥ अणगारस्स णं भंते ! भावियप्पणो केवलिसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पन्नत्ता समणाउसो ! सव्वलोगं पि य णं ते फुसित्ताणं चिट्ठंति? हंता गोयमा ! अणगारस्स भावियप्पणो केवलिसमुग्घाएणं समोहयस्स जे चरमा णिज्जरापोग्गला सुहुमा णं ते पोग्गला पन्नत्ता समणाउसो ! सव्वलोगं पि य णं ते फुसित्ताणं चिट्ठंति ॥ ७०८ ॥ छउमत्थे णं भंते ! मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेण वा फासं जाणइ पासइ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्जरापोग्गलाणं णो किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ'? गोयमा ! अयण्णं जंबुद्दीवे दीवे सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतराए सव्वखुड्डाए वट्टे तेल्लापूयसंठाणसंठिए वट्टे रहचक्कवालसंठाणसंठिए वट्टे पुक्खरकण्णियासंठाणसंठिए वट्टे पडिपुण्णचंदसंठाणसंठिए एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोय-णसयसहस्साइं सोलस सहस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणुसयं तेरस य अंगुलाइं अद्धंगुलं च किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं पन्नत्ते । देवे णं महिड्ढिए जाव महासोक्खे एगं महं सविलेवणं गंधसमुग्गयं गहाय तं अवदालेइ, तं महं एगं सविलेवणं गंधसमुग्गयं अवदालइत्ता इणामेव कट्टु केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं तिहिं अच्छराणिवाएहिं तिसत्तखुत्तो अणुपरियट्टित्ताणं हव्वमागच्छेज्जा, से नूणं गोयमा ! से केवलकप्पे जंबुद्दीवे दीवे तेहिं घाणपोग्गलेहिं फुडे? हंता ! फुडे, छउमत्थे णं गोयमा ! मणूसे तेसिं घाणपुग्गलाणं किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ? भगवं ! नो इणट्ठे समट्ठे, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-'छउमत्थे णं मणूसे तेसिं णिज्ज-रापोग्गलाणं णो किंचि वण्णेणं वण्णं गंधेणं गंधं रसेणं रसं फासेणं फासं जाणइ पासइ, एसुहुमा णं ते पोग्गला पन्नत्ता समणाउसो ! सव्वलोगं पि य णं फुसित्ता-

वेयणं वेदेंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'नेरइया निदायं पि० अणिदायं पि वेयणं वेदेंति'? गोयमा! नेरइया दुविहा पन्नत्ता । तंजहा-सण्णीभूया य असण्णीभूया य । तत्थ णं जे ते सण्णीभूया ते णं निदायं वेयणं वेदेंति, तत्थ णं जे ते असण्णीभूया ते णं अणिदायं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं…नेरइया निदायं पि वेयणं वेदेंति अणिदायं पि वेयणं वेदेंति, एवं जाव थणियकुमारा । पुढविकाइयाणं पुच्छा । गोयमा ! नो निदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'पुढविकाइया नो निदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति'? गोयमा ! पुढविकाइया सव्वे असण्णी असण्णिभूयं अणिदायं वेयणं वेदेंति, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-पुढविकाइया नो निदायं वेयणं वेदेंति, अणिदायं वेयणं वेदेंति, एवं जाव चउरिंदिया । पंचिंदियतिरिक्खजोणिया मणूसा वाणमंतरा जहा नेरइया । जोइसियाणं पुच्छा । गोयमा ! निदायं पि वेयणं वेदेंति, अणिदायं पि वेयणं वेदेंति । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-'जोइसिया निदायं पि वेयणं वेदेंति, अणिदायं पि वेयणं वेदेंति'? गोयमा ! जोइसिया दुविहा पन्नत्ता । तंजहा-माइमिच्छद्दिट्ठिउववण्णगा य अमाइसम्मद्दिट्ठिउववण्णगा य । तत्थ णं जे ते माइमिच्छद्दिट्ठिउववण्णगा ते णं अणिदायं वेयणं वेदेंति, तत्थ णं जे ते अमाइसम्मद्दिट्ठिउववण्णगा ते णं निदायं वेयणं वेदेंति, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ 'जोइसिया दुविहं पि वेयणं वेदेंति', एवं वेमाणिया वि ॥ ६८५ ॥ **पन्नवणाए भगवईए पणतीसइमं वेयणापयं समत्तं ॥**

वेयणकसायमरणे वेउव्वियतेयए य आहारे । केवलिए चेव भवे जीवमणुस्साण सत्तेव ॥ कइ णं भंते ! समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा ! सत्त समुग्घाया पन्नत्ता । तंजहा-वेयणासमुग्घाए १, कसायसमुग्घाए २, मारणंतियसमुग्घाए ३, वेउव्वियसमुग्घाए ४, तेयासमुग्घाए ५, आहारगसमुग्घाए ६, केवलिसमुग्घाए ७ । वेयणासमुग्घाए णं भंते ! कइसमइए पन्नत्ते? गोयमा ! असंखेज्जसमइए अंतोमुहुत्तिए पन्नत्ते, एवं जाव आहारगसमुग्घाए । केवलिसमुग्घाए णं भंते ! कइसमइए पन्नत्ते? गोयमा ! अट्ठसमइए पन्नत्ते । नेरइयाणं भंते ! कइ समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा ! चत्तारि समुग्घाया पन्नत्ता । तंजहा-वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए । असुरकुमाराणं भंते ! कइ समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा ! पंच समुग्घाया पन्नत्ता । तंजहा-वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतियसमुग्घाए, वेउव्वियसमुग्घाए, तेयासमुग्घाए, एवं जाव थणियकुमाराणं । पुढविकाइयाणं भंते ! कइ समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा ! तिण्णि समुग्घाया पन्नत्ता ।

केवलिसमुग्घाया अतीता? गोयमा! णत्थि। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! अणंता। मणूसाणं भंते! केवइया केवलिसमुग्घाया अतीता? गोयमा! सिय अत्थि सिय नत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तं। केवइया पुरेक्खडा?०. सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा ॥ ६८८ ॥ एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया वेयणासमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्स अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा। एवं असुरकुमारत्ते जाव वेमाणियत्ते। एगमेगस्स णं भंते! असुरकुमारस्स नेरइयत्ते केवइया वेयणासमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि तस्स सिय संखेज्जा वा सिय असंखेज्जा वा सिय अणंता वा। एगमेगस्स णं भंते! असुरकुमारस्स असुरकुमारत्ते केवइया वेयणासमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं संखेज्जा वा असंखेज्जा वा अणंता वा, एवं नागकुमारत्ते वि जाव वेमाणियत्ते, एवं जहा वेयणासमुग्घाएणं असुरकुमारे नेरइयाइवेमाणियपज्जवसाणेसु भणिओ तहा नागकुमाराइया अवसेसेसु सट्ठाणेसु परट्ठाणेसु भाणियव्वा जाव वेमाणियस्स वेमाणियत्ते। एवमेए चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा भवंति ॥ ६८९ ॥ एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया कसायसमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि एगुत्तरियाए जाव अणंता। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स असुरकुमारत्ते केवइया कसायसमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता, केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा, सिय अणंता, एवं जाव नेरइयस्स थणियकुमारत्ते। पुढविकाइयत्ते एगुत्तरियाए नेयव्वं, एवं जाव मणुयत्ते, वाणमंतरत्ते जहा असुरकुमारत्ते। जोइसियत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि सिय असंखेज्जा, सिय अणंता, एवं वेमाणियत्ते वि सिय असंखेज्जा, सिय अणंता। असुरकुमारस्स नेरइयत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा कस्सइ अत्थि कस्सइ नत्थि, जस्सत्थि सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा, सिय अणंता। असुरकुमारस्स असुरकुमारत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा एगुत्तरिया, एवं नागकुमारत्ते जाव निरंतरं वेमाणियत्ते जहा नेरइयस्स भणियं तहेव भाणियव्वं, एवं जाव थणियकुमारस्स वि वेमाणियत्ते, नवरं सव्वेसिं सट्ठाणे एगुत्तरियाए, परट्ठाणे

केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! णत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीता असंखेज्जा, पुरेक्खडा असंखेज्जा, एवं जाव वेमाणियाणं । णवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसत्ते अतीता अणंता, पुरेक्खडा अणंता । मणूसाणं मणूसत्ते अतीता सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा, एवं पुरेक्खडा वि । सेसा सव्वे जहा नेरइया, एवं एए चउवीसं चउवीसा दंडगा ॥ ६९५ ॥ नेरइयाणं भंते ! नेरइयत्ते केवइया केवलिसमुग्घाया अतीता ? गोयमा ! नत्थि । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! नत्थि, एवं जाव वेमाणियत्ते । णवरं मणूसत्ते अतीता णत्थि, पुरेक्खडा असंखेज्जा, एवं जाव वेमाणिया, नवरं वणस्सइकाइयाणं मणूसत्ते अतीता नत्थि, पुरेक्खडा अणंता । मणूसाणं मणूसत्ते अतीता सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहन्नेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सयपुहुत्तं । केवइया पुरेक्खडा ? गोयमा ! सिय संखेज्जा, सिय असंखेज्जा, एवं एए चउव्वीसं चउव्वीसा दंडगा सव्वे पुच्छाए भाणियव्वा जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते ॥ ६९६ ॥ एएसि णं भंते ! जीवाणं वेयणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउव्वियसमुग्घाएणं तेयगसमुग्घाएणं आहारगसमुग्घाएणं केवलिसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा ? गोयमा ! सव्वत्थोवा जीवा आहारगसमुग्घाएणं समोहया, केवलिसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, तेयगसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया अणंतगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया असंखेज्जगुणा ॥ ६९७ ॥ एएसि णं भंते ! नेरइयाणं वेयणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा नेरइया मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया, वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा । एएसि णं भंते ! असुरकुमाराणं वेयणासमुग्घाएणं कसायसमुग्घाएणं मारणंतियसमुग्घाएणं वेउव्वियसमुग्घाएणं तेयगसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४ ? गोयमा ! सव्वत्थोवा असुरकुमारा तेयगसमुग्घाएणं समोहया, मारणंतियसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, वेयणासमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा, कसायसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया असंखेज्जगुणा, एवं जाव थणियकुमारा । एएसि णं भंते ! पुढविकाइयाणं

पव्वयबहुले पवायबहुले उज्झरबहुले णिज्झरबहुले खड्डाबहुले दरिबहुले णईबहुले दहबहुले रुक्खबहुले गुच्छबहुले गुम्मबहुले लयाबहुले वल्लीबहुले अडवीबहुले सावयबहुले तणबहुले तक्करबहुले डिम्बबहुले डमरबहुले दुब्भिक्खबहुले दुक्कालबहुले पासंडबहुले किवणबहुले वणीमगबहुले ईतिबहुले मारिबहुले कुवुट्ठिबहुले अणावुट्ठिबहुले रायबहुले रोगबहुले संकिलेसबहुले अभिक्खणं अभिक्खणं संखोहबहुले पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे उत्तरओ पलियंकसंठाणसंठिए दाहिणओ धणुपिट्ठसंठिए तिहा लवणसमुद्दं पुट्ठे गंगासिंधूहिं महाणईहिं वेयड्ढेण य पव्वएण छब्भागपविभत्ते जंबुद्दीवदीवणउयसयभागे पंचछव्वीसे जोयणसए छच्च एगूणवीसइभाए जोयणस्स विक्खंभेणं। भरहस्स णं वासस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं वेयड्ढे णामं पव्वए पण्णत्ते, जे णं भरहं वासं दुहा विभयमाणे २ चिट्ठइ, तं०—दाहिणड्ढभरहं च उत्तरड्ढभरहं च ॥ १० ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे दाहिणड्ढे भरहे णामं वासे पण्णत्ते ? गो० ! वेयड्ढस्स पव्वयस्स दाहिणेणं दाहिणलवणसमुद्दस्स उत्तरेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं

खेज्जा वा अणंता वा, एवं जाव वेमाणियस्स, एवं जाव लोहसमुग्घाए, एए चत्तारि दंडगा। नेरइयाणं भंते! केवइया कोहसमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! अणंता। एवं जाव वेमाणियाणं, एवं जाव लोहसमुग्घाए, एवं एए वि चत्तारि दंडगा। एगमेगस्स णं भंते! नेरइयस्स नेरइयत्ते केवइया कोहसमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। एवं जहा वेयणासमुग्घाओ भणिओ तहा कोहसमुग्घाओ वि निरवसेसं जाव वेमाणियत्ते। माणसमुग्घाए मायासमुग्घाए वि निरवसेसं जहा मारणंतियसमुग्घाए, लोहसमुग्घाओ जहा कसायसमुग्घाओ, नवरं सव्वजीवा असुराइनेरइएसु लोहकसाएणं एगुत्तरियाए नेयव्वा। नेरइयाणं भंते! नेरइयत्ते केवइया कोहसमुग्घाया अतीता? गोयमा! अणंता। केवइया पुरेक्खडा? गोयमा! अणंता, एवं जाव वेमाणियत्ते, एवं सट्ठाणपरट्ठाणेसु सव्वत्थ भाणियव्वा, सव्वजीवाणं चत्तारि वि समुग्घाया जाव लोहसमुग्घाओ जाव वेमाणियाणं वेमाणियत्ते ॥ ६९९ ॥ एएसि णं भंते! जीवाणं कोहसमुग्घाएणं माणसमुग्घाएणं मायासमुग्घाएणं लोभसमुग्घाएण य समोहयाणं अकसायसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा जीवा अकसायसमुग्घाएणं समोहया, माणसमुग्घाएणं समोहया अणंतगुणा, कोहसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, मायासमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, लोभसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया संखेज्जगुणा। एएसि णं भंते! नेरइयाणं कोहसमुग्घाएणं माणसमुग्घाएणं मायासमुग्घाएणं लोभसमुग्घाएणं समोहयाणं असमोहयाण य कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा ४? गोयमा! सव्वत्थोवा नेरइया लोभसमुग्घाएणं समोहया, मायासमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, माणसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, कोहसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा। असुरकुमाराणं पुच्छा। गोयमा! सव्वत्थोवा असुरकुमारा कोहसमुग्घाएणं समोहया, माणसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, मायासमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, लोभसमुग्घाएणं समोहया संखेज्जगुणा, असमोहया संखेज्जगुणा, एवं सव्वदेवा जाव वेमाणिया। पुढविकाइयाणं पुच्छा। गोयमा! सव्वत्थोवा पुढविकाइया माणसमुग्घाएणं समोहया, कोहसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, मायासमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, लोभसमुग्घाएणं समोहया विसेसाहिया, असमोहया संखेज्जगुणा। एवं जाव पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, मणुस्सा जहा जीवा, णवरं माणसमुग्घाएणं समोहया असंखेज्जगुणा ॥ ७०० ॥ कइ णं भंते! छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता? गोयमा! छ छाउमत्थिया समुग्घाया पन्नत्ता। तंजहा–वेयणासमुग्घाए, कसायसमुग्घाए, मारणंतिय-

मणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए-आलिंगपुक्खरेइ वा जाव णाणाविह-पंचवण्णेहिं मणीहिं तणेहिं उवसोभिए, तंजहा-कित्तिमेहिं चेव अकित्तिमेहिं चेव, तत्थ णं दाहिणिल्लाए विज्जाहरसेढीए गगणवल्लभपामोक्खा पण्णासं विज्जाहरणगरावासा पण्णत्ता, उत्तरिल्लाए विज्जाहरसेढीए रहनेउरचक्कवालपामोक्खा सट्ठिं विज्जाहरणगरावासा पण्णत्ता, एवामेव सपुव्वावरेणं दाहिणिल्लाए उत्तरिल्लाए विज्जाहरसेढीए एगं दसुत्तरं विज्जाहरणगरावाससयं भवतीतिमक्खायं, ते विज्जाहरणगरा रिद्धत्थिमियसमिद्धा पमुइयजणजाणवया जाव पडिरूवा, तेसु णं विज्जाहरणगरेसु विज्जाहररायाणो परिवसंति महयाहिमवंतमलयमंदरमहिंदसारा रायवण्णओ भाणियव्वो। विज्जाहरसेढीणं भंते! मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गोयमा! ते णं मणुया बहुसंघयणा बहुसंठाणा बहुउच्चत्तपज्जवा बहुआउपज्जवा जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति, तासि णं विज्जाहरसेढीणं बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ वेयड्ढस्स पव्वयस्स उभओ पासिं दस दस जोयणाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं दुवे आभिओगसेढीओ पण्णत्ताओ, पाईणपडीणाययाओ उदीणदाहिणविच्छिण्णाओ दस दस जोयणाइं विक्खंभेणं पव्वयसमियाओ आयामेणं उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं संपरिक्खित्ताओ वण्णओ दोण्ह वि पव्वयसमियाओ आयामेणं, आभिओगसेढीणं भंते! केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गोयमा! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव तणेहिं उवसोभिए वण्णाइं जाव तणाणं सद्दोत्ति, तासि णं आभिओगसेढीणं तत्थ तत्थ देसे २ तहिं तहिं जाव वाणमंतरा देवा य देवीओ य आसयंति सयंति जाव फलवित्तिविसेसं पच्चणुभवमाणा विहरंति, तासु णं आभिओगसेढीसु सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमजमवरुणवेसमणकाइयाणं आभिओगाणं देवाणं बहवे भवणा पण्णत्ता, ते णं भवणा बाहिं वट्टा अंतो चउरंसा वण्णओ जाव अच्छरघणसंघसंविकिण्णा जाव पडिरूवा, तत्थ णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो सोमजमवरुणवेसमणकाइया बहवे आभिओगा देवा महिड्ढिया महज्जुइया जाव महासुक्खा पलिओवमट्ठिइया परिवसंति। तासि णं आभिओगसेढीणं बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ वेयड्ढस्स पव्वयस्स उभओ पासिं पंच २ जोयणाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं वेयड्ढस्स पव्वयस्स सिहरतले पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे दस जोयणाइं विक्खंभेणं पव्वयसमगे आयामेणं, से णं इक्काए पउमवरवेइयाए इक्केणं वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, पमाणं वण्णगो दोण्हंपि, वेयड्ढस्स णं भंते! पव्वयस्स सिहरतलस्स केरिसए आगारभावपडोयारे पण्णत्ते? गोयमा! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से

खेत्ते अप्फुण्णे, एवइए खेत्ते फुडे। से णं भंते! खेत्ते केवइकालस्स अप्फुण्णे, केवइ-कालस्स फुडे? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा चउसमइ-एण वा विग्गहेणं एवइकालस्स अप्फुण्णे, एवइकालस्स फुडे, सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया वि। एवं नेरइए वि, णवरं आयामेणं जहण्णेणं साइरेगं जोयणसहस्सं, उक्कोसेणं असंखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं एवइए खेत्ते अप्फुण्णे, एवइए खेत्ते फुडे, विग्गहेणं एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा, नवरं चउसमइएण वा न भन्नइ, सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया वि। असुरकुमारस्स जहा जीव-पए, णवरं विग्गहो तिसमइओ जहा नेरइयस्स, सेसं तं चेव जहा असुर-कुमारे, एवं जाव वेमाणिए, नवरं एगिंदिए जहा जीवे निरवसेसं ॥ ७०३ ॥ जीवे णं भंते! वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे पुग्गले निच्छुभइ तेहि णं भंते! पोग्गलेहिं केवइए खेत्ते अप्फुण्णे, केवइए खेत्ते फुडे? गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहन्नेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं विदिसिं वा एवइए खेत्ते अप्फुण्णे, एवइए खेत्ते फुडे। से णं भंते! केवइकालस्स अप्फुण्णे, केवइकालस्स फुडे? गोयमा! एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा विग्गहेणं एवइकालस्स अप्फुण्णे, एवइकालस्स फुडे, सेसं तं चेव जाव पंचकिरिया वि, एवं नेरइए वि, नवरं आया-मेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं। एवइए खेत्ते केवइकालस्स? तं चेव जहा जीवपए, एवं जहा नेरइयस्स तहा असुरकुमारस्स, नवरं एगदिसिं विदिसिं वा, एवं जाव थणियकुमारस्स। वाउका-इयस्स जहा जीवपए, णवरं एगदिसिं। पंचिंदियतिरिक्खजोणियस्स निरवसेसं जहा नेरइयस्स। मणूसवाणमंतरजोइसियवेमाणियस्स निरवसेसं जहा असुरकुमा-रस्स ॥ ७०४ ॥ जीवे णं भंते! तेयगसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले निच्छुभइ तेहि णं भंते! पोग्गलेहिं केवइए खेत्ते अप्फुण्णे, केवइए खेत्ते फुडे? एवं जहेव वेउव्विए समुग्घाए तहेव, नवरं आयामेणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, सेसं तं चेव, एवं जाव वेमाणियस्स, णवरं पंचिंदियतिरिक्खजोणि-यस्स एगदिसिं एवइए खेत्ते अप्फुण्णे, एवइए खेत्ते फुडे ॥ ७०५ ॥ जीवे णं भंते! आहारगसमुग्घाएणं समोहए समोहणित्ता जे पोग्गले निच्छुभइ तेहि णं भंते! पोग्गलेहिं केवइए खेत्ते अप्फुण्णे, केवइए खेत्ते फुडे? गोयमा! सरीरप्पमाणमेत्ते विक्खंभबाहल्लेणं, आयामेणं जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं संखेज्जाइं जोयणाइं एगदिसिं, एवइए खेत्ते एगसमइएण वा दुसमइएण वा तिसमइएण वा

णं चिट्ठंति' ॥ ७०९ ॥ कम्हा णं भंते ! केवली समुग्घायं गच्छइ ? गोयमा ! केवलिस्स चत्तारि कम्मंसा अक्खीणा अवेइया अणिज्जिण्णा भवंति, तंजहा-वेयणिज्जे, आउए, नामे, गोए, सव्वबहुप्पएसे से वेयणिज्जे कम्मे हवइ, सव्वत्थोवे आउए कम्मे हवइ, विसमं समं करेइ बंधणेहिं ठिईहि य, विसमसमीकरणयाए बंधणेहिं ठिईहि य एवं खलु केवली समोहणइ, एवं खलु० समुग्घायं गच्छइ । सव्वे वि णं भंते ! केवली समोहणंति, सव्वे वि णं भंते ! केवली समुग्घायं गच्छंति ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे । जस्साउएण तुल्लाइं, बंधणेहिं ठिईहि य । भवोवग्गहकम्माइं, समुघायं से ण गच्छइ ॥ १ ॥ अगंतूणं समुग्घायं, अणंता केवली जिणा । जरमरणविप्पमुक्का, सिद्धिं वरगइं गया ॥ २ ॥ ७१० ॥ कइसमइए णं भंते ! आउज्जीकरणे पन्नत्ते ? गोयमा ! असंखेज्जसमइए अंतोमुहुत्तिए आउज्जीकरणे पन्नत्ते । कइसमइए णं भंते ! केवलिसमुग्घाए पन्नत्ते ? गोयमा ! अट्ठसमइए० पन्नत्ते । तंजहा-पढमे समए दंडं करेइ, बीए समए कवाडं करेइ, तइए समए मंथं करेइ, चउत्थे समए लोगं पूरेइ, पंचमे समए लोयं पडिसाहरइ, छट्ठे समए मंथं पडिसाहरइ, सत्तमए समए कवाडं पडिसाहरइ, अट्ठमे समए दंडं पडिसाहरइ, दंडं पडिसाहरेत्ता तओ पच्छा सरीरत्थे भवइ ॥ ७११ ॥ से णं भंते ! तहा समुग्घायगए किं मणजोगं जुंजइ, वइजोगं जुंजइ, कायजोगं जुंजइ ? गोयमा ! नो मणजोगं जुंजइ, नो वइजोगं जुंजइ, कायजोगं जुंजइ । कायजोगं णं भंते ! जुंजमाणे किं ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ, ओरालियमीसासरीरकायजोगं जुंजइ, वेउव्वियसरीरकायजोगं जुंजइ, वेउव्वियमीसासरीरकायजोगं जुंजइ, आहारगसरीरकायजोगं०, आहारगमीसासरीरकायजोगं जुंजइ, कम्मगसरीरकायजोगं जुंजइ ? गोयमा ! ओरालियसरीरकायजोगं पि जुंजइ, ओरालियमीसासरीरकायजोगं पि जुंजइ, नो वेउव्वियसरीरकायजोगं०, नो वेउव्वियमीसासरीरकायजोगं०, नो आहारगसरीरकायजोगं०, नो आहारगमीसासरीरकायजोगं०, कम्मगसरीरकायजोगं पि जुंजइ, पढमट्ठमेसु समएसु ओरालियसरीरकायजोगं जुंजइ, बिइयछट्ठसत्तमेसु समएसु ओरालियमीसासरीरकायजोगं जुंजइ, तइयचउत्थपंचमेसु समएसु कम्मगसरीरकायजोगं जुंजइ ॥ ७१२ ॥ से णं भंते ! तहा समुग्घायगए सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वाइ सव्वदुक्खाणं अंतं करेइ ? गोयमा ! नो इणट्ठे समट्ठे । से णं तओ पडिनियत्तइ पडिनियत्तइत्ता तओ पच्छा मणजोगं पि जुंजइ, वइजोगं पि जुंजइ, कायजोगं पि जुंजइ । मणजोगं जुंजमाणे किं सच्चमणजोगं जुंजइ, मोसमणजोगं जुंजइ, सच्चामोसमणजोगं जुंजइ, असच्चामोसमणजोगं जुंजइ ? गोयमा ! सच्चमणजोगं०, नो मोसम-

६, उस्सप्पिणिकाले णं भंते ! कइविहे प० ? गो० ! छव्विहे पण्णत्ते, तं०-दुस्समदुस्समाकाले १ जाव सुसमसुसमाकाले ६ । एगमेगस्स णं भंते ! मुहुत्तस्स केवइया उस्सासद्धा वियाहिया ? गोयमा ! असंखिज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा आवलियत्ति वुच्चइ संखिज्जाओ आवलियाओ ऊसासो संखिज्जाओ आवलियाओ नीसासो, गाहा-हट्ठस्स अणवगल्लस्स, णिरुवकिट्ठस्स जंतुणो । एगे ऊसासनीसासे, एस पाणुत्ति वुच्चई ॥ १ ॥ सत्त पाणूइं से थोवे, सत्त थोवाइं से लवे । लवाणं सत्तहत्तरीए, एस मुहुत्तेत्ति आहिए ॥ २ ॥ तिण्णि सहस्सा सत्त य सयाइं तेवत्तरिं च ऊसासा । एस मुहुत्तो भणिओ सव्वेहिं अणंतनाणीहिं ॥ ३ ॥ एएणं मुहुत्तप्पमाणेणं तीसं मुहुत्ता अहोरत्तो पण्णरस अहोरत्ता पक्खो दो पक्खा मासो दो मासा उऊ तिण्णि उऊ अयणे दो अयणा संवच्छरे पंचसंवच्छरिए जुगे वीसं जुगाइं वाससए दस वाससयाइं वाससहस्से सयं वाससहस्साणं वाससयसहस्से चउरासीइं वाससयसहस्साइं से एगे पुव्वंगे चउरासीइं पुव्वंगसयसहस्साइं से एगे पुव्वे एवं विगुणं विगुणं णेयव्वं तुडियंगे २ अडडंगे २ अववंगे २ हूहुयंगे २ उप्पलंगे २ पउमंगे २ णलिणंगे २ अच्छिणिउरंगे २ अउयंगे २ नउयंगे २ पउयंगे २ चूलियंगे २ जाव चउरासीइं सीसपहेलियंगसयसहस्साइं सा एगा सीसपहेलिया एताव ताव गणिए एताव ताव गणियस्स विसए तेण परं ओवमिए ॥ १८ ॥ से किं तं ओवमिए ? २ दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-पलिओवमे य सागरोवमे य, से किं तं पलिओवमे ? पलिओवमस्स परूवणं करिस्सामि, परमाणू दुविहे पण्णत्ते, तंजहा-सुहुमे य वावहारिए य, अणंताणं सुहुमपरमाणुपुग्गलाणं समुदयसमिइसमागमेणं वावहारिए परमाणू णिप्फज्जइ तत्थ णो सत्थं कमइ-सत्थेण सुतिक्खेणवि छेत्तुं भित्तुं च जं ण किर सक्का । तं परमाणुं सिद्धा वयंति आइं पमाणाणं ॥ १ ॥ वावहारियपरमाणूणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा उस्सण्हसण्हियाइ वा सण्हसण्हियाइ वा उड्ढरेणूइ वा तसरेणूइ वा रहरेणूइ वा वालग्गेइ वा लिक्खाइ वा जूयाइ वा जवमज्झेइ वा उस्सेहंगुलेइ वा, अट्ठ उस्सण्हसण्हियाओ सा एगा सण्हसण्हिया अट्ठ सण्हसण्हियाओ सा एगा उड्ढरेणू अट्ठ उड्ढरेणूओ सा एगा तसरेणू अट्ठ तसरेणूओ सा एगा रहरेणू अट्ठ रहरेणूओ से एगे देवकुरुउत्तरकुराण मणुस्साणं वालग्गे अट्ठ देवकुरुउत्तरकुराण मणुस्साण वालग्गा से एगे हरिवासरम्मयवासाण मणुस्साणं वालग्गे एवं हेमवयहेरण्णवयाण मणुस्साणं पुव्वविदेहअवरविदेहाणं मणुस्साण वालग्गा सा एगा लिक्खा अट्ठ लिक्खाओ सा एगा जूया अट्ठ जूयाओ से एगे जवमज्झे अट्ठ जवमज्झा से एगे अंगुले एएणं अंगुलप्पमाणे

खज्जूरीवणाइं णालिएरीवणाइं कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूलाइं जाव चिट्ठंति, तीसे णं समाए भरहे वासे तत्थ तत्थ… बहवे सेरियागुम्मा णोमालियागुम्मा कोरंटयगुम्मा बंधुजीवगगुम्मा मणोज्जगुम्मा बीयगुम्मा बाणगुम्मा कणइरगुम्मा कुज्जायगुम्मा सिंदुवारगुम्मा मोग्गरगुम्मा जूहियागुम्मा मल्लियागुम्मा वासंतियागुम्मा वत्थुलगुम्मा कत्थुलगुम्मा सेवालगुम्मा अगत्थिगुम्मा मगदंतियागुम्मा चंपगगुम्मा जाईगुम्मा णवणीइयागुम्मा कुंदगुम्मा महाजाइगुम्मा रम्मा महामेहणिउरंबभूया दसद्धवण्णं कुसुमं कुसुमेंति जे णं भरहे वासे बहुसमरमणिज्जं भूमिभागं वायविधुयग्गसाला मुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करेंति, तीसे णं समाए भरहे वासे तत्थ २…तहिं तहिं बहुईओ पउमलयाओ जाव सामलयाओ णिच्चं कुसुमियाओ जाव लयावण्णओ, तीसे णं समाए भरहे वासे तत्थ २…तहिं २ बहुईओ वणराईओ पण्णत्ताओ, किण्हाओ किण्होभासाओ जाव मणोहराओ रयमत्तगछप्पयकोरगभिंगारगकोंडलगजीवंजीवगनंदीमुहकविलपिंगलक्खगकारंडवचक्कवायगकलहंसहंससारसअणेगसउणगणमिहुणपवियरियाओ सद्दुण्णइयमहुरसरणाइयाओ संपिंडिय० णाणाविहगुच्छ० वावीपुक्खरिणीदीहियासु अ सुणि० विचित्त० अब्भिंत० साउ० णिरोगक० सव्वोउयपुप्फफलसमिद्धाओ पिंडिम जाव पासाइयाओ ४। तीसे णं समाए भरहे वासे तत्थ तत्थ…तहिं तहिं मत्तंगा णामं दुमगणा पण्णत्ता, से जहा० चंदप्पभा जाव छण्णपडिच्छण्णा चिट्ठंति, एवं जाव अणिगणा णामं दुमगणा पण्णत्ता ॥ २० ॥

तीसे णं भंते! समाए भरहे वासे मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गो०! ते णं मणुया सुपइट्ठियकुम्मचारुचलणा जाव लक्खणवंजणगुणोववेया सुजायसुविभत्तसंगयंगा पासादीया जाव पडिरूवा। तीसे णं भंते! समाए भरहे वासे मणुईणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गो०! ताओ णं मणुईओ सुजायसव्वंगसुंदरीओ पहाणमहिलागुणेहिं जुत्ताओ अइक्कंतविसप्पमाणमउयाओ सुकुमालकुम्मसंठियविसिट्ठचलणाओ उज्जुमउयपीवरसुसाहयंगुलीओ अब्भुण्णयरइयतलिणतंबसुइणिद्धणक्खाओ रोमरहियवट्टलट्ठसंठियअजहण्णपसत्थलक्खणअकोप्पजंघजुयलाओ सुणिम्मियसुगूढसुजण्णुमंडलसुबद्धसंधीओ कयलीखंभाइरेगसंठियणिव्वणसुकुमालमउयमंसलअविरलसमसंहियसुजायवट्टपीवरणिरंतरोरू अट्ठावयवीइयपट्टसंठियपसत्थविच्छिण्णपिहुलसोणीओ वयणायामप्पमाणदुगुणियविसालमंसलसुबद्धजहणवरधारिणीओ वज्जविराइयपसत्थलक्खणणिरोदरतिवलियवलियतणुणयमज्झिमाओ उज्जुयसमसहियजच्चतणुकसिणणिद्धआइज्जलडहसुजायसुविभत्तकंतसोभंतरुइलरमणिज्जरोमराईओ गंगावत्तपयाहिणावत्ततरंगभंगुररविकिरणतरुणबोहियआकोसायंतपउमगं-

बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महई एगा पउमवरवेइया पण्णत्ता, अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच धणुसयाइं विक्खंभेणं जगईसमिया परिक्खेवेणं सव्वरयणामई अच्छा जाव पडिरूवा । तीसे णं पउमवरवेइयाए अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा-वइरामया णेमा एवं जहा **जीवाभिगमे** जाव अट्ठो जाव धुवा णियया सासया जाव णिच्चा ॥ ४ ॥ तीसे णं जगईए उप्पिं बाहिं पउमवरवेइयाए एत्थ णं महं एगे वणसंडे पण्णत्ते, देसूणाइं दो जोयणाइं विक्खंभेणं जगईसमए परिक्खेवेणं वणसंडवण्णओ णेयव्वो ॥ ५ ॥ तस्स णं वणसंडस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए-आलिंगपुक्खरेइ वा जाव णाणाविहपंचवण्णेहिं मणीहिं तणेहिं उवसोभिए, तंजहा-किण्हेहिं एवं वण्णो गंधो रसो फासो सद्दो पुक्खरिणीओ पव्वयगा घरगा मंडवगा पुढविसिलावट्टया य णेयव्वा, तत्थ णं बहवे वाणमंतरा देवा य देवीओ य आसयंति सयंति चिट्ठंति णिसीयंति तुयट्टंति रमंति ललंति कीलंति मोहंति पुरा-पोराणाणं सुपरक्कंताणं सुभाणं कल्लाणाणं कडाणं कम्माणं कल्लाणफलवित्तिविसेसं पच्चणुभवमाणा विहरंति । तीसे णं जगईए उप्पिं अंतो पउमवरवेइयाए एत्थ णं एगे महं वणसंडे पण्णत्ते, देसूणाइं दो जोयणाइं विक्खंभेणं वेइयासमएण परिक्खेवेणं किण्हे जाव तणविहूणे णेयव्वे ॥ ६ ॥ जंबुद्दीवस्स णं भंते ! दीवस्स कइ दारा पण्णत्ता ? गो० ! चत्तारि दारा प०, तं०-विजए १ वेजयंते २ जयंते ३ अपराजिए ४ ॥ ७ ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवस्स दीवस्स विजए णामं दारे पण्णत्ते ? गो० ! जंबुद्दीवे दीवे मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं पणयालीसं जोयणसहस्साइं वीइवइत्ता जंबुद्दीवदीवपुरत्थिमपेरंते लवणसमुद्दपुरत्थिमद्धस्स पच्चत्थिमेणं सीयाए महाणईए उप्पिं एत्थ णं जंबुद्दीवस्स० विजए णामं दारे पण्णत्ते, अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं, सेए वरकणगथूभियाए जाव दारस्स वण्णओ जाव रायहाणी । एवं चत्तारि वि दारा सरायहाणिया भाणियव्वा ॥ ८ ॥ जंबुद्दीवस्स णं भंते ! दीवस्स दारस्स य दारस्स य केवइए अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गो० ! अउणासीइं जोयणसहस्साइं बावण्णं च जोयणाइं देसूणं च अद्धजोयणं दारस्स य २ अबाहाए अंतरे पण्णत्ते, **गाहा**-अउणासीइ सहस्सा बावण्णं चेव जोयणा हुंति । ऊणं च अद्धजोयण दारंतर जंबुदीवस्स ॥ १ ॥ ९ ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे भरहे णामं वासे पण्णत्ते ? गो० ! चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं दाहिणलवणसमुद्दस्स उत्तरेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जंबुद्दीवे दीवे भरहे णामं वासे पण्णत्ते, खाणुबहुले कंटगबहुले विसमबहुले दुग्गबहुले

मिउमद्दवसंपन्ना अल्लीणा भद्दगा विणीया अप्पिच्छा असण्णिहिसंचया विडिमंतरपरिवसणा जहिच्छियकामकामिणो ॥ २१ ॥ तेसि णं भंते ! मणुयाणं केवइकालस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ ? गोयमा ! अट्ठमभत्तस्स आहारट्ठे समुप्पज्जइ, पुढवीपुप्फफलाहारा णं ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो !, तीसे णं भंते !० पुढवीए केरिसए आसाए पण्णत्ते ? गो० ! से जहाणामए-गुलेइ वा खंडेइ वा सक्कराइ वा मच्छंडियाइ वा पप्पडमोयएइ वा भिसेइ वा पुप्फुत्तराइ वा पउमुत्तराइ वा विजयाइ वा महाविजयाइ वा आगासियाइ वा आदंसियाइ वा आगासफालिओवमाइ वा उग्गाइ वा अणोवमाइ वा इमेए अज्झोववणाए, भवे एयारूवे ?, णो इणट्ठे समट्ठे, सा णं पुढवी इत्तो इट्ठतरिया चेव जाव मणामतरिया चेव आसाएणं पण्णत्ता । तेसि णं भंते ! पुप्फफलाणं केरिसए आसाए पण्णत्ते ? गोयमा ! से जहाणामए-रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स कल्लाणे भोयणजाए सयसहस्सनिप्फन्ने वण्णेणुववेए जाव फासेणं उववेए आसायणिज्जे विस्सायणिज्जे दिप्पणिज्जे दप्पणिज्जे मयणिज्जे [विग्घणिज्जे] विंहणिज्जे सव्विंदियगायपल्हायणिज्जे, भवे एयारूवे ?, णो इणट्ठे समट्ठे, तेसि णं पुप्फफलाणं एत्तो इट्ठतराए चेव जाव आसाए पण्णत्ते ॥ २२ ॥ ते णं भंते ! मणुया तमाहारमाहारेत्ता कहिं वसहिं उवेंति ? गोयमा ! रुक्खगेहालया णं ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो !, तेसि णं भंते ! रुक्खाणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गोयमा ! कूडागारसंठिया पेच्छाछत्तज्झयतोरणगोयरवेइयाचोप्फालगअट्टालगपासायहम्मियगवक्खवालग्गपोइयावलभीघरसंठिया अत्थण्णे इत्थ वहवे वरभवणविसिट्ठसंठाणसंठिया दुमगणा सुहसीयलच्छाया पण्णत्ता समणाउसो ! ॥ २३ ॥ अत्थि णं भंते ! तीसे समाए भरहे वासे गेहाइ वा गेहावणाइ वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, रुक्खगेहालया णं ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो !, अत्थि णं भंते ! तीसे समाए भरहे वासे गामाइ वा जाव संणिवेसाइ वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, जहिच्छियकामगामिणो णं ते मणुया पण्णत्ता०, अत्थि णं भंते !० असीइ वा मसीइ वा किसीइ वा वणिएत्ति वा पणिएत्ति वा वाणिज्जेइ वा ? गो० ! णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयअसिमसिकिसिवणियपणियवाणिज्जा णं ते मणुया पण्णत्ता समणाउसो !, अत्थि णं भंते !० हिरण्णेइ वा सुवण्णेइ वा कंसेइ वा दूसेइ वा मणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणसावइज्जेइ वा ? हंता ! अत्थि, णो चेव णं तेसिं मणुयाणं परिभोगत्ताए हव्वमागच्छइ । अत्थि णं भंते !० भरहे० रायाइ वा जुवरायाइ वा ईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियइब्भसेट्ठिसेणावइसत्थवाहाइ वा ? गोयमा ! णो इणट्ठे समट्ठे, ववगयइड्ढिसक्कारा णं ते मणुया०, अत्थि णं भंते !० भरहे वासे दासेइ वा पेसेइ वा सिस्सेइ वा भयगेइ वा भाइल्लएइ वा

त्थिमेणं एत्थ णं जंबुद्दीवे २ भरहे वासे वेयड्ढे णामं पव्वए पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे दुहा लवणसमुद्दं पुट्ठे पुरत्थिमिल्लाए कोडीए पुरत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठे पच्चत्थिमिल्लाए कोडीए पच्चत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठे, पणवीसं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं छस्सकोसाइं जोयणाइं उव्वेहेणं पण्णासं जोयणाइं विक्खंभेणं, तस्स वाहा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं चत्तारि अट्ठासीए जोयणसए सोलस य एगूणवीसइभागे जोयणस्स अद्धभागं च आयामेणं पन्नत्ता, तस्स जीवा उत्तरेणं पाईणपडीणायया दुहा लवणसमुद्दं पुट्ठा पुरत्थिमिल्लाए कोडीए पुरत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठा पच्चत्थिमिल्लाए कोडीए पच्चत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठा दस जोयणसहस्साइं सत्त य वीसे जोयणसए दुवालस य एगूणवीसइभागे जोयणस्स आयामेणं, तीसे धणुपट्ठे दाहिणेणं दस जोयणसहस्साइं सत्त य तेयाले जोयणसए पण्णरस य एगूणवीसइभागे जोयणस्स परिक्खेवेणं रुयगसंठाणसंठिए सव्वरययामए अच्छे सण्हे लट्ठे घट्ठे मट्ठे णीरए णिम्मले णिप्पंके णिक्कंकडच्छाए सप्पभे समिरीए पासाईए दरिसणिज्जे अभिरूवे पडिरूवे। उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते। ताओ णं पउमवरवेइयाओ अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं पंचधणुसयाइं विक्खंभेणं पव्वयसमियाओ आयामेणं वण्णओ भाणियव्वो। ते णं वणसंडा देसूणाइं दो जोयणाइं विक्खंभेणं पउमवरवेइयासमगा आयामेणं किण्हा किण्होभासा वण्णओ। वेयड्ढस्स णं पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चच्छिमेणं दो गुहाओ पण्णत्ताओ, उत्तरदाहिणाययाओ पाईणपडीणविच्छिण्णाओ पण्णासं जोयणाइं आयामेणं दुवालस जोयणाइं विक्खंभेणं अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं वइरामयकवाडोहाडियाओ जमलजुयलकवाडघणदुप्पवेसाओ णिच्चंधयारतिमिस्साओ ववगयगहचंदसूरणक्खत्तजोइसपहाओ जाव पडिरूवाओ, तंजहा–तमिसगुहा चेव खंडप्पवायगुहा चेव, तत्थ णं दो देवा महिड्ढिया महज्जुइया महाबला महायसा महासुक्खा महाणुभागा पलिओवमट्ठिइया परिवसंति, तंजहा—कयमालए चेव णट्टमालए चेव। तेसि णं वणसंडाणं बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ वेयड्ढस्स पव्वयस्स उभओ पासिं दस दस जोयणाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं दुवे विज्जाहरसेढीओ पण्णत्ताओ, पाईणपडीणाययाओ उदीणदाहिणविच्छिण्णाओ दस दस जोयणाइं विक्खंभेणं पव्वयसमियाओ आयामेणं उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहिं वणसंडेहिं संपरिक्खित्ताओ, ताओ णं पउमवरवेइयाओ अद्धजोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं पंच धणुसयाइं विक्खंभेणं पव्वयसमियाओ आयामेणं वण्णओ णेयव्वो, वणसंडा वि पउमवरवेइयासमगा आयामेणं वण्णओ। विज्जाहरसेढीणं भंते! भूमीणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गोयमा! बहुसमर-

दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जेणेव अट्ठावयपव्वए जेणेव भगवओ तित्थगरस्स सरीरए तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता विमणे णिराणंदे चिट्ठइ । तेणं कालेणं तेणं समएणं ईसाणे देविंदे देवराया उत्तरड्ढलोगाहिवई अट्ठावीसविमाणसयसहस्साहिवई सूलपाणी वसहवाहणे सुरिंदे अरयंबरवत्थधरे जाव विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ, तए णं तस्स ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो आसणं चलइ, तए णं से ईसाणे जाव देवराया आसणं चलियं पासइ २ त्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता भगवं तित्थगरं ओहिणा आभोएइ २ त्ता जहा सक्के नियगपरिवारेणं भाणेयव्वो जाव चिट्ठइ, एवं सव्वे देविंदा जाव अच्चुए णियगपरिवारेणं आणेयव्वा, एवं जाव भवणवासीणं वीस इंदा वाणमंतराणं सोलस जोइसियाणं दोण्णि णियगपरिवारा णेयव्वा। तए णं सक्के देविंदे देवराया ते वहवे भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिए देवे एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! णंदणवणाओ सरसाइं गोसीसवरचंदणकट्ठाइं साहरह २ त्ता तओ चिइगाओ रएह–एगं भगवओ तित्थगरस्स एगं गणहराणं एगं अवसेसाणं अणगाराणं । तए णं ते० भवणवइ जाव वेमाणिया देवा णंदणवणाओ सरसाइं गोसीसवरचंदणकट्ठाइं साहरंति २ त्ता तओ चिइगाओ रएंति, एगं भगवओ तित्थगरस्स एगं गणहराणं एगं अवसेसाणं अणगाराणं, तए णं से सक्के देविंदे देवराया आभिओगे देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! खीरोदगसमुद्दाओ खीरोदगं साहरह, तए णं ते आभिओगा देवा खीरोदगसमुद्दाओ खीरोदगं साहरंति, तए णं से सक्के देविंदे देवराया तित्थगरसरीरगं खीरोदगेणं ण्हाणेइ २ त्ता सरसेणं गोसीसवरचंदणेणं अणुलिंपइ २ त्ता हंसलक्खणं पडसाडयं णियंसेइ २ त्ता सव्वालंकारविभूसियं करेइ, तए णं ते० भवणवइ जाव वेमाणिया० गणहरसरीरगाइं अणगारसरीरगाइंपि खीरोदगेणं ण्हावेंति २ त्ता सरसेणं गोसीसवरचंदणेणं अणुलिंपंति २ त्ता अहयाइं दिव्वाइं देवदूसजुयलाइं णियंसेंति २ त्ता सव्वालंकारविभूसियाइं करेंति, तए णं से सक्के देविंदे देवराया ते वहवे भवणवइ जाव वेमाणिए देवे एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! ईहामिगउसभतुरय जाव वणलयभत्तिचित्ताओ तओ सिवियाओ विउव्वह, एगं भगवओ तित्थगरस्स एगं गणहराणं एगं अवसेसाणं अणगाराणं, तए णं ते वहवे भवणवइ जाव वेमाणिया० तओ सिवियाओ विउव्वंति, एगं भगवओ तित्थगरस्स एगं गणहराणं एगं अवसेसाणं अणगाराणं, तए णं से सक्के देविंदे देवराया विमणे णिराणंदे भगवओ तित्थगरस्स विणट्ठजम्मजरामरणस्स सरीरगं सीयं आरुहेइ २ त्ता चिइगाए ठवेइ, तए णं ते वहवे भवणवइ जाव वेमाणिया देवा गणहराणं अणगाराण य विणट्ठ-

जहाणामए-आलिंगपुक्खरेइ वा जाव णाणाविहपंचवण्णेहिं मणीहिं उवसोभिए जाव वावीओ पुक्खरिणीओ जाव वाणमंतरा देवा य देवीओ य आसयंति जाव भुंजमाणा विहरंति, जंवुद्दीवे णं भंते! दीवे भारहे वासे वेयड्ढपव्वए कइ कूडा प०? गो०! णव कूडा प०, तं०-सिद्धकूडे १ दाहिणड्ढभरहकूडे २ खंडप्पवायगुहाकूडे ३ माणिभद्दकूडे ४ वेयड्ढकूडे ५ पुण्णभद्दकूडे ६ तिमिसगुहाकूडे ७ उत्तरड्ढभरहकूडे ८ वेसमणकूडे ९ ॥ १२ ॥ कहि णं भंते! जंवुद्दीवे २ भारहे वासे वेयड्ढपव्वए सिद्धकूडे णामं कूडे पण्णत्ते? गो०! पुरच्छिमलवणसमुद्दस्स पच्चच्छिमेणं दाहिणड्ढभरहकूडस्स पुरच्छिमेणं एत्थ णं जंवुद्दीवे दीवे भारहे वासे वेयड्ढे पव्वए सिद्धकूडे णामं कूडे पण्णत्ते, छ सक्कोसाइं जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले छ सक्कोसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं मज्झे देसूणाइं पंच जोयणाइं विक्खंभेणं उवरिं साइरेगाइं तिण्णि जोयणाइं विक्खंभेणं मूले देसूणाइं वावीसं जोयणाइं परिक्खेवेणं मज्झे देसूणाइं पण्णरस जोयणाइं परिक्खेवेणं उवरिं साइरेगाइं णव जोयणाइं परिक्खेवेणं, मूले विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं तणुए गोपुच्छसंठाणसंठिए; सव्वरयणामए अच्छे सण्हे जाव पडिरूवे। से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, पमाणं वण्णओ दोण्हंपि, सिद्धकूडस्स णं उप्पिं वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए-आलिंगपुक्खरेइ वा जाव वाणमंतरा देवा य जाव विहरंति ॥ १३ ॥ कहि णं भंते! वेयड्ढे पव्वए दाहिणड्ढभरहकूडे णामं कूडे पण्णत्ते? गो०! खंडप्पवायकूडस्स पुरच्छिमेणं सिद्धकूडस्स पच्चच्छिमेणं एत्थ णं वेयड्ढपव्वए दाहिणड्ढभरहकूडे णामं कूडे पण्णत्ते, सिद्धकूडप्पमाणसरिसे जाव तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे पासायवडिंसए पण्णत्ते, कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं अद्धकोसं विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसियपहसिए जाव पासाईए ४, तस्स णं पासायवडिंसगस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगा मणिपेढिया पण्णत्ता, पंच धणुसयाइं आयामविक्खंभेणं अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं वाहल्लेणं सव्वमणिमई०, तीसे णं मणिपेढियाए उप्पिं सिंहासणं पण्णत्तं, सपरिवारं भाणियव्वं, से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ-दाहिणड्ढभरहकूडे २? गो०! दाहिणड्ढभरहकूडे णं दाहिणड्ढभरहे णामं देवे महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चउण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं दाहिणड्ढभरहकूडस्स दाहिणड्ढाए रायहाणीए अण्णेसिं च वहूणं देवाण य देवीण य जाव विहरइ ॥ कहि णं भंते!

एत्थ णं दूसमा णामं समाकाले पडिवज्जिस्सइ समणाउसो!, तीसे णं भंते! समाए भरहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ? गोयमा! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे भविस्सइ से जहाणामए–आलिंगपुक्खरेइ वा मुइंगपुक्खरेइ वा जाव णाणामणिपंचवण्णेहिं कित्तिमेहिं चेव अकित्तिमेहिं चेव, तीसे णं भंते! समाए भरहस्स वासस्स मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गो०! तेसिं मणुयाणं छव्विहे संघयणे छव्विहे संठाणे बहुईओ रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगं वाससयं आउयं पालेंति २ त्ता अप्पेगइया णिरयगामी जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति, तीसे णं समाए पच्छिमे तिभागे गणधम्मे पासंडधम्मे रायधम्मे जायतेए धम्मचरणे य वोच्छिज्जिस्सइ ॥ ३५ ॥ तीसे णं समाए एक्कवीसाए वाससहस्सेहिं काले विइक्कंते अणंतेहिं वण्णपज्जवेहिं गंध० रस० फासपज्जवेहिं जाव परिहायमाणे २ एत्थ णं दूसमदूसमा णामं समाकाले पडिवज्जिस्सइ समणाउसो!, तीसे णं भंते! समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ? गोयमा! काले भविस्सइ हाहाभूए भंभाभूए कोलाहलभूए समाणुभावेण य खरफरुसधूलिमइला दुव्विसहा वाउला भयंकरा य वाया संवट्टगा य वाइंति, इह अभिक्खणं २ धूमाहिंति य दिसाओ समंता रउस्सला रेणुकलुसतमपडलणिरालोया समयलुक्खयाए णं अहियं चंदा सीयं मोच्छिहिंति अहियं सूरिया तविस्संति, अदुत्तरं च णं गोयमा! अभिक्खणं २ अरसमेहा विरसमेहा खारमेहा खत्तमेहा अग्गिमेहा विज्जुमेहा विसमेहा अजवणिज्जोदगा वाहिरोगवेयणोदीरणपरिणामसलिला अमणुण्णपाणियगा चंडाणिलपहयतिक्खधाराणिवायपउरं वासं वासिहिंति, जेणं भरहे वासे गामागरणगरखेडकव्वडमडंवदोणमुहपट्टणासमगयं जणवयं चउप्पयगवेलए खहयरे पक्खिसंघे गामारण्णप्पयारणिरए तसे य पाणे बहुप्पयारे रुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लिपवालंकुरमाइए तणवणस्सइकाइए ओसहीओ य विद्धंसेहिंति पव्वयगिरिडोंगरुत्थलभट्ठिमाइए य वेयड्ढगिरिवज्जे विरावेहिंति, सलिलबिलविसमगत्तणिण्णुण्णयाणि य गंगासिंधुवज्जाइं समीकरेहिंति, तीसे णं भंते! समाए भरहस्स वासस्स भूमीए केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ? गोयमा! भूमी भविस्सइ इंगालभूया मुम्मुरभूया छारियभूया तत्तकवेल्लुयभूया तत्तसमजोइभूया धूलिबहुला रेणुबहुला पंकबहुला पणयबहुला चलणिबहुला बहूणं धरणिगोयराणं सत्ताणं दुन्निक्कमा यावि भविस्सइ। तीसे णं भंते! समाए भरहे वासे मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ? गोयमा! मणुया भविस्संति दुरूवा दुवण्णा दुगंधा दुरसा दुफासा अणिट्ठा अकंता अप्पिया असुभा

जोयणसए एक्कारस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं। उत्तरड्ढभरहस्स णं भंते ! वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गोयमा ! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए-आलिंगपुक्खरेइ वा जाव कित्तिमेहिं चेव अकित्तिमेहिं चेव, उत्तरड्ढभरहे णं भंते ! वासे मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गोयमा ! ते णं मणुया बहुसंघयणा जाव अप्पेगइया सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति ॥ १६ ॥ कहि णं भंते ! जंबुद्दीवे दीवे उत्तरड्ढभरहे वासे उसभकूडे णामं पव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! गंगाकुंडस्स पचत्थिमेणं सिंधुकुंडस्स पुरच्छिमेणं चुल्लहिमवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणिल्ले णियंबे एत्थ णं जंबुद्दीवे दीवे उत्तरड्ढभरहे वासे उसहकूडे णामं पव्वए पण्णत्ते, अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं, दो जोयणाइं उव्वेहेणं, मूले अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं मज्झे छ जोयणाइं विक्खंभेणं उवरिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं, मूले साइरेगाइं पणवीसं जोयणाइं परिक्खेवेणं मज्झे साइरेगाइं अट्ठारस जोयणाइं परिक्खेवेणं उवरिं साइरेगाइं दुवालस जोयणाइं परिक्खेवेणं, (**पाढंतरं**-मूले बारस जोयणाइं विक्खंभेणं मज्झे अट्ठ जोयणाइं विक्खंभेणं उप्पिं चत्तारि जोयणाइं विक्खंभेणं, मूले साइरेगाइं सत्ततीसं जोयणाइं परिक्खेवेणं मज्झे साइरेगाइं पणवीसं जोयणाइं परिक्खेवेणं उप्पिं साइरेगाइं बारस जोयणाइं परिक्खेवेणं) मूले विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं तणुए गोपुच्छसंठाणसंठिए सव्वजंबूणयामए अच्छे सण्हे जाव पडिरूवे, से णं एगाए पउमवरवेइयाए तहेव जाव भवणं कोसं आयामेणं अद्धकोसं विक्खंभेणं देसऊणं कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं, अट्ठो तहेव, उप्पलाणि पउमाणि जाव उसभे य एत्थ देवे महिड्ढिए जाव दाहिणेणं रायहाणी तहेव मंदरस्स पव्वयस्स जहा विजयस्स अविसेसियं ॥ १७ ॥ **पढमो वक्खारो समत्तो ॥**

जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भारहे वासे कइविहे काले पण्णत्ते ? गो० ! दुविहे काले पण्णत्ते, तंजहा-ओसप्पिणिकाले य उस्सप्पिणिकाले य, ओसप्पिणिकाले णं भंते ! कइविहे पण्णत्ते ? गो० ! छव्विहे पण्णत्ते, तं०-सुसमसुसमकाले १ सुसमाकाले २ सुसमदुस्समकाले ३ दुस्समसुसमाकाले ४ दुस्समाकाले ५ दुस्समदुस्समाकाले

---

१ विज्जाहरसमणदंसणओ, कम्माणं खओवसमविचित्तयाए जाइसरणेणं, चक्कवट्टिकाले अणुग्घाडियगुहाजुयलावट्ठाणेणं (सयं गमणा), चक्किकाले य तत्थुववण्णा वि इह तित्थयराइपासे धम्मसवणाइणा लद्धबोही अणुक्कमेणं पत्तकेवला तत्थ वि सिज्झंति अहवा तव्वासवासिणो इहमागंतूण तहाविहधम्ममायरित्तु सिज्झंति अदुवा साहरणं पडुच्च तत्थ सिद्धी संभवेइत्ति ।

वाससहस्सेहिं काले वीइक्कंते आगमिस्साए उस्सप्पिणीए सावणवहुलपडिवए वालवकरणंसि अभीइणक्खत्ते चोद्दसपढमसमए अणंतेहिं वण्णपज्जवेहिं जाव अणंतगुणपरिवुड्ढीए परिवुड्ढेमाणे २ एत्थ णं दूसमदूसमा णामं समाकाले पडिवज्जिस्सइ समणाउसो ! । तीसे णं भंते ! समाए भरहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे भविस्सइ ? गोयमा ! काले भविस्सइ हाहाभूए भंभाभूए एवं सो चेव दूसमदूसमावेढओ णेयव्वो, तीसे णं समाए एक्कवीसाए वाससहस्सेहिं काले विइक्कंते अणंतेहिं वण्णपज्जवेहिं जाव अणंतगुणपरिवुड्ढीए परिवुड्ढेमाणे २ एत्थ णं दूसमा णामं समाकाले पडिवज्जिस्सइ समणाउसो ! ॥ ३७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पुक्खलसंवट्टए णामं महामेहे पाउब्भविस्सइ भरहप्पमाणमित्ते आयामेणं तयणुरूवं च णं विक्खंभवाहल्लेणं, तए णं से पुक्खलसंवट्टए महामेहे खिप्पामेव पतणतणाइस्सइ खिप्पामेव पतणतणाइत्ता खिप्पामेव पविज्जुयाइस्सइ खिप्पामेव पविज्जुयाइत्ता खिप्पामेव जुगमुसलमुट्ठिप्पमाणमित्ताहिं धाराहिं ओघमेघं सत्तरत्तं वासं वासिस्सइ, जेणं भरहस्स वासस्स भूमिभागं इंगालभूयं मुम्मुरभूयं छारियभूयं तत्तकवेल्लुगभूयं तत्तसमजोइभूयं णिव्वाविस्सइ, तंसि च णं पुक्खलसंवट्टगंसि महामेहंसि सत्तरत्तं णिवइयंसि समाणंसि एत्थ णं खीरमेहे णामं महामेहे पाउब्भविस्सइ भरहप्पमाणमेत्ते आयामेणं तयणुरूवं च णं विक्खंभवाहल्लेणं, तए णं से खीरमेहे णामं महामेहे खिप्पामेव पतणतणाइस्सइ जाव खिप्पामेव जुगमुसलमुट्ठि जाव सत्तरत्तं वासं वासिस्सइ, जेणं भरहवासस्स भूमीए वण्णं गंधं रसं फासं च जणइस्सइ, तंसि च णं खीरमेहंसि सत्तरत्तं णिवइयंसि समाणंसि इत्थ णं घयमेहे णामं महामेहे पाउब्भविस्सइ, भरहप्पमाणमेत्ते आयामेणं, तयणुरूवं च णं विक्खंभवाहल्लेणं, तए णं से घयमेहे० महामेहे खिप्पामेव पतणतणाइस्सइ जाव वासं वासिस्सइ, जेणं भरहस्स वासस्स भूमीए सिणेहभावं जणइस्सइ, तंसि च णं घयमेहंसि सत्तरत्तं णिवइयंसि समाणंसि एत्थ णं अमयमेहे णामं महामेहे पाउब्भविस्सइ भरहप्पमाणमित्तं आयामेणं जाव वासं वासिस्सइ, जेणं भरहे वासे रुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लितणपव्वगहरियगओसहिपवालंकुरमाइए तणवणस्सइकाइए जणइस्सइ, तंसि च णं अमयमेहंसि सत्तरत्तं णिवइयंसि समाणंसि एत्थ णं रसमेहे णामं महामेहे पाउब्भविस्सइ भरहप्पमाणमित्ते आयामेणं जाव वासं वासिस्सइ, जेणं तेसिं बहूणं रुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लितणपव्वयगहरियगओसहिपवालंकुरमाईणं तित्तकडुयकसायअंबिलमहुरे पंचविहे रसविसेसे जणइस्सइ, तए णं भरहे वासे भविस्सइ परूढरुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लितणपव्वयगहरियगओसहिए, उवचियतयपत्तपवालंकुरपुप्फफलसमुइए सुहोवभोगे यावि भविस्सइ ॥ ३८ ॥

छ अंगुलाइं पाओ वारस अंगुलाइं विहत्थी चउवीसं अंगुलाइं रयणी अडयालीसं अंगुलाइं कुच्छी छण्णउइं अंगुलाइं से एगे अक्खेइ वा दंडेइ वा धणूइ वा जुगेइ वा मुसलेइ वा णालियाइ वा, एएणं धणुप्पमाणेणं दो धणुसहस्साइं गाउयं चत्तारि गाउयाइं जोयणं, एएणं जोयणप्पमाणेणं जे पल्ले जोयणं आयामविक्खंभेणं जोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं, से णं पल्ले एगाहियवेहियतेहिय उक्कोसेणं सत्तरत्तपरूढाणं संमट्ठे सण्णिचिए भरिए वालग्गकोडीणं। ते णं वालग्गा णो कुत्थेज्जा णो परिविद्धंसेज्जा, णो अग्गी डहेज्जा, णो वाए हरेज्जा, णो पूइत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, तओ णं वाससए २ एगमेगं वालग्गं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे णीरए णिल्लेवे णिट्ठिए भवइ से तं पलिओवमे। एएसिं पल्लाणं कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया। तं सागरोवमस्स उ एगस्स भवे परीमाणं ॥ १ ॥ एएणं सागरोवमप्पमाणेणं चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा १ तिण्णि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमा २ दो सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमदुस्समा ३ एगा सागरोवमकोडाकोडी वायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणिया कालो दुस्समसुसमा ४ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुस्समा ५ एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुस्समदुस्समा ६, पुणरवि उस्सप्पिणीए एक्कवीसं वाससहस्साइं कालो दुस्समदुस्समा १ एवं पडिलोमं णेयव्वं जाव चत्तारि सागरोवमकोडाकोडीओ कालो सुसमसुसमा ६, दससागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणी दससागरोवमकोडाकोडीओ कालो उस्सप्पिणी वीसं सागरोवमकोडाकोडीओ कालो ओसप्पिणीउस्सप्पिणी ॥ १९ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भरहे वासे इमीसे उस्सप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए उत्तमकट्ठपत्ताए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे होत्था ? गो० ! वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे होत्था से जहाणामए-आलिंगपुक्खरेइ वा जाव णाणाविहपंचवण्णेहिं तणेहि य मणीहि य उवसोभिए, तंजहा-किण्हेहिं जाव सुक्किल्लेहिं, एवं वण्णो गंधो फासो सद्दो य तणाण य मणीण य भाणियव्वो जाव तत्थ णं वहवे मणुस्सा मणुस्सीओ य आसयंति सयंति चिट्ठंति णिसीयंति तुयट्टंति हसंति रमंति ललंति, तीसे णं समाए भरहे वासे वहवे उद्दाला कुद्दाला मुद्दाला कयमाला णट्टमाला दंतमाला नागमाला सिंगमाला संखमाला सेयमाला णामं दुमगणा पण्णत्ता, कुसविकुसविसुद्धरुक्खमूला मूलमंतो कंदमंतो जाव वीयमंतो पत्तेहि य पुप्फेहि य फलेहि य उच्छण्णपडिच्छण्णा सिरिए अईव २ उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति, तीसे णं समाए भरहे वासे तत्थ तत्थ⋯वहवे भेरुतालवणाइं हेरुतालवणाइं मेरुतालवणाइं पभयालवणाइं सालवणाइं सरलवणाइं सत्तिवण्णवणाइं पूयफलिवणाइं

णीईओ पडिलोमाओ णेयव्वाओ, तीसे णं समाए पढमे तिभाए रायधम्मे जाव धम्मचरणे य वोच्छिज्जिस्सइ, तीसे णं समाए मज्झिमपच्छिमेसु तिभागेसु जा पढममज्झिमेसु वत्तव्वया ओसप्पिणीए सा भाणियव्वा, सुसमा तहेव सुसमासुसमा-वि तहेव जाव छव्विहा मणुस्सा अणुसज्जिस्संति जाव सणिचारी ॥ ४० ॥ **बीओ वक्खारो समत्तो ॥**

से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-भरहे वासे २ ? गोयमा ! भरहे णं वासे वेयड्ढस्स पव्वयस्स दाहिणेणं चोद्दसुत्तरं जोयणसयं एगारस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स अबाहाए दाहिणलवणसमुद्दस्स उत्तरेणं चोद्दसुत्तरं जोयणसयं एक्कारस य एगूण-वीसइभाए जोयणस्स अबाहाए गंगाए महाणईए पच्चत्थिमेणं सिंधूए महाणईए पुरत्थिमेणं दाहिणड्ढभरहमज्झिल्लतिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं विणीया णामं रायहाणी पण्णत्ता, पाईणपडीणायया उदीणदाहिणविच्छिण्णा दुवालसजोयणायामा णवजोयणविच्छिण्णा धणवइमइणिम्माया चामीयरपागारा णाणामणिपञ्चवण्ण-कविसीसगपरिमंडियाभिरामा अलकापुरीसंकासा पमुइयपक्कीलिया पच्चक्खं देव-लोगभूया रिद्धित्थिमियसमिद्धा पमुइयजणजाणवया जाव पडिरूवा ॥ ४१ ॥ तत्थ णं विणीयाए रायहाणीए भरहे णामं राया चाउरंतचक्कवट्टी समुप्पज्जित्था, महयाहिमवंतमहंतमलयमंदर जाव रज्जं पसासेमाणे विहरइ। **बिइओ गमो राय-वण्णगस्स इमो**-तत्थ असंखेज्जकालवासंतरेण उप्पज्जए जसंसी उत्तमे अभिजाए सत्तवीरियपरक्कमगुणे पसत्थवण्णसरसारसंघयणतणुगबुद्धिधारणमेहासंठाणसीलप्पगई पहाणगारवच्छायागइए अणेगवयणप्पहाणे तेयआउबलवीरियजुत्ते अझुसिरघणणि-चियलोहसंकलणारायवइरउसहसंघयणदेहधारी झस १ जुग २ भिंगार ३ वद्धमाणग ४ भद्दमाणग ५ संख ६ छत्त ७ वीयणि ८ पडाग ९ चक्क १० णंगल ११ मुसल १२ रह १३ सोत्थिय १४ अंकुस १५ चंदाइच्च १६-१७ अग्गि १८ जूय १९ सागर २० इंदज्झय २१ पुहवि २२ पउम २३ कुंजर २४ सीहासण २५ दंड २६ कुम्भ २७ गिरिवर २८ तुरगवर २९ वरमउड ३० कुंडल ३१ णंदावत्त ३२ धणु ३३ कोंत ३४ गागर ३५ भवणविमाण ३६-अणेगलक्खणपसत्थसुवि-भत्तचित्तकरचरणदेसभाए उड्ढामुहलोमजालसुकुमालणिद्धमउआवत्तपसत्थलोमविरइ-यसिरिवच्छच्छण्णविउलवच्छे देसखेत्तसुविभत्तदेहधारी तरुणरविरस्सिबोहियवरकमल-विबुद्धगब्भवण्णे हयपोसणकोससण्णिभपसत्थपिट्ठंतणिरुवलेवे पउमुप्पलकुंदजाइजूहि-यवरचंपगणागपुप्फसारंगतुल्लगंधी छत्तीसाहियपसत्थपत्थिवगुणेहिं जुत्ते अव्वोच्छि-ण्णायवत्ते पागउउभयजोणी विसुद्धणियगकुलगयणपुण्णचंदे चंदे इव सोमयाए णयण-

भीरवियडणाभीओ अणुब्भडपसत्थपीणकुच्छीओ राणयपासाओ संगयपासाओ सुजायपासाओ मियमाइयपीणरइयपासाओ अकरंडुयकणगरुयगणिम्मलसुजायणिरुवहयगायलट्ठीओ कंचणकलसप्पमाणसमसहियलट्ठचुच्चुयामेलगजमलजुयलवट्टियअब्भुण्णयपीणरइयपीवरपओहराओ भुयंगअणुपुव्वतणुयगोपुच्छवट्टसंहियणमियआइज्जललियबाहाओ तंबणहाओ मंसलग्गहत्थाओ पीवरकोमलवरंगुलियाओ णिद्धपाणिरेहाओ रविससिसंखचक्कसोत्थियसुविभत्तसुविरइयपाणिलेहाओ पीणुण्णयकरकक्खवत्थिप्पएसाओ पडिपुण्णगलकवोलाओ चउरंगुलसुप्पमाणकंबुवरसरिसगीवाओ मंसलसंठियपसत्थहणुगाओ दाडिमपुप्फप्पगासपीवरपलंबकुंचियवराधराओ सुंदरुत्तरोट्ठाओ दहिदगरयचंदकुंदवासंतिमउलधवलअच्छिद्दविमलदसणाओ रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुजीहाओ कणवीरमउलकुडिलअब्भुग्गयउज्जुतुंगणासाओ सारयणवकमलकुमुयकुवलयविमलदलणियरसरिसलक्खणपसत्थअजिम्हकंतणयणाओ पत्तलधवलायय आतंबलोयणाओ आणामियचावरुइलकिण्हब्भराइसंगयसुजायभुमगाओ अल्लीणपमाणजुत्तसवणाओ सुसवणाओ पीणमट्ठगंडलेहाओ चउरंसपसत्थसमणिडालाओ कोमुईरयणियरविमलपडिपुण्णसोमवयणाओ छत्तुण्णयउत्तमंगाओ अकविलसुसिणिद्धसुगंधदीहसिराओ छत्त १ ज्झय २ जूय ३ दामणि ४ कमंडलु ५ कलस ६ वावि ७ सोत्थिय ८ पडाग ९ जव १० मच्छ ११ कुम्म १२ रहवर १३ मगरज्झय १४ अंक १५ सुय १६ थाल १७ अंकुस १८ अट्ठावय १९ सुपइट्ठग २० मऊर २१ सिरिअभिसेय २२ तोरण २३ मेइणि २४ उदहि २५ वरभवण २६ गिरि २७ वरआयंस २८ सलीलगय २९ उसभ ३० सीह ३१ चामर ३२ उत्तमपसत्थवत्तीसलक्खणधरीओ हंससरिसगईओ कोइलमहुरगिरसुस्सराओ कंताओ सव्वस्स अणुमयाओ ववगयवलिपलियवंगदुव्वण्णवाहिदोहग्गसोगमुक्काओ उच्चत्तेण य णराण थोवूणमुस्सियाओ सभावसिंगारचारुवेसाओ संगयगयहसियभणियचिट्ठियविलाससंलावणिउणजुत्तोवयारकुसलाओ सुंदरथणजहणवयणकरचलणणयणलावण्णरूवजोव्वणविलासकलियाओ णंदणवणविवरचारिणीउव्व अच्छराओ भरहवासमाणुसच्छराओ अच्छेरगपेच्छणिज्जाओ पासाइयाओ जाव पडिरूवाओ, ते णं मणुया ओहस्सरा हंसस्सरा कोंचस्सरा णंदिस्सरा णंदिघोसा सीहस्सरा सीहघोसा सुस्सरा सूसरणिग्घोसा छायायवोज्जोवियंगमंगा वज्जरिसहनारायसंघयणा समचउरंससंठाणसंठिया छविणिरायंका अणुलोमवाउवेगा कंकग्गहणी कवोयपरिणामा सउणिपोसपिट्ठंतरोरुपरिणया छद्धणुसहस्समूसिया, तेसि णं मणुयाणं वे छप्पण्णा पिट्ठकरंडगसया पण्णत्ता समणाउसो !, पउमुप्पलगन्धसरिसणीसाससुरभिवयणा, ते णं मणुया पगईउवसंता पगईपयणुकोहमाणमायालोभा

सुद्दियापिंगलंगुलीए णाणामणिकणगविमलमहरिहणिउणोवियमिसिमिसिंतविरइयसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठसंठियपसत्थआविद्धवीरवलए, किं वहुणा ?, कप्परुक्खए चेव अलंकियविभूसिए णरिंदे सकोरंट जाव चउचामरवालवीइयंगे मंगलजयजयसद्दकयालोए अणेगगणणायगदंडणायग जाव दूयसंधिवालसद्धिं संपरिवुडे धवलमहामेहणिग्गए इव जाव ससिव्व पियदंसणे णरवई मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव आउहघरसाला जेणेव चक्करयणे तेणामेव पहारेत्थ गमणाए। तए णं तस्स भरहस्स रण्णो वहवे ईसरपभिइओ भरहं रायाणं पिट्ठओ २ अणुगच्छंति । तए णं तस्स भरहस्स रण्णो वहुईओ-खुज्जा चिलाइ वामणिवडभीओ वव्वरी वउसियाओ । जोणियपल्हवियाओ ईसिणियथारुगिणियाओ ॥ १ ॥ लासियलउसियदमिली सिंहलि तह आरवी पुलिंदी य । पक्कणि वहलि मुरुंडी सवरीओ पारसीओ य ॥ २ ॥ भरहं रायाणं पिट्ठओ २ अणुगच्छंति, तए णं से भरहे राया सव्विड्ढीए सव्वजुईए सव्ववलेणं सव्वसमुदएणं सव्वायरेणं सव्वविभूईए सव्वालंकारविभूसाए सव्वतुडियसद्दसण्णिणाएणं महया इड्ढीए जाव महया वरतुडियजमगसमगप्पवाइएणं संखपणवपडहभेरिझल्लरिखरमुहिमुरयमुइंगदुंदुहिणिग्घोसणाइएणं जेणेव आउहघरसाला तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता चक्करयणं पासइ २ त्ता आउहघरसालाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणवरगए पुरत्थाभिमुहे सण्णिसीयइ २ त्ता अट्ठारस सेणिप्पसेणीओ सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं अभडप्पवेसं अदंडकोदंडिमं अधरिमं गणियावरणाडइज्जकलियं अणेगतालायराणुचरियं अणुद्धुयमुइंगं अमिलायमल्लदामं पमुइयपक्कीलियसपुरजणजाणवयं विजयवेजइयं चक्करयणस्स अट्ठाहियं महामहिमं करेह २ त्ता ममेयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह, तए णं ताओ अट्ठारस सेणिप्पसेणीओ भरहेणं रन्ना एवं वुत्ताओ समाणीओ हट्ठ जाव विणएणं वयणं पडिसुणेंति २ त्ता भरहस्स रण्णो अंतियाओ पडिणिक्खमेन्ति २ त्ता उस्सुक्कं उक्करं जाव करेंति य कारवेंति य क० २ त्ता जेणेव भरहे राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति ॥ ४३ ॥ तए णं से दिव्वे चक्करयणे अट्ठाहियाए महामहिमाए णिव्वत्ताए समाणीए आउहघरसालाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता अंतलिक्खपडिवण्णे जक्खसहस्ससंपरिवुडे दिव्वतुडियसद्दसण्णिणाएणं आपूरेंते चेव अंवरतलं विणीयाए रायहाणीए मज्झंमज्झेणं णिग्गच्छइ २ त्ता गंगाए महाणईए दाहिणिल्लेणं कूलेणं पुरत्थिमं दिसिं मागहतित्थाभिमुहे पयाए यावि होत्था, तए णं से भरहे राया तं दिव्वं चक्करयणं गंगाए

अरहओ० बहवे अंतेवासी अणगारा भगवंतो अप्पेगइया मासपरियाया जहा उववाइए सव्वओ अणगारवण्णओ जाव उड्ढंजाणू अहोसिरा झाणकोट्ठोवगया संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणा विहरंति, उसभस्स णं अरहओ० दुविहा अंतकरभूमी होत्था, तंजहा–जुगंतकरभूमी य परियायंतकरभूमी य, जुगंतकरभूमी जाव असंखेज्जाइं पुरिसजुगाइं, परियायंतकरभूमी अंतोमुहुत्तपरियाए अंतमकासी ॥ ३१ ॥ उसभे णं अरहा० पंचउत्तरासाढे अभीइछट्ठे होत्था, तंजहा–उत्तरासाढाहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते उत्तरासाढाहिं जाए उत्तरासाढाहिं रायाभिसेयं पत्ते उत्तरासाढाहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए उत्तरासाढाहिं अणंते जाव समुप्पण्णे, अभीइणा परिणिव्वुए ॥ ३२ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए वज्जरिसहनारायसंघयणे समचउरंससंठाणसंठिए पंच धणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं होत्था। उसभे णं अरहा० वीसं पुव्वसयसहस्साइं कुमारवासमज्झे वसित्ता तेवट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं महारज्जवासमज्झे वसित्ता तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए, उसभे णं अरहा० एगं वाससहस्सं छउमत्थपरियायं पाउणित्ता एगं पुव्वसयसहस्सं वाससहस्सूणं केवलिपरियायं पाउणित्ता एगं पुव्वसयसहस्सं बहुपडिपुण्णं सामण्णपरियायं पाउणित्ता चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता जे से हेमंताणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे माहबहुले तस्स णं माहबहुलस्स तेरसीपक्खेणं दसहिं अणगारसहस्सेहिं सद्धिं संपरिवुडे अट्ठावयसेलसिहरंसि चोद्दसमेणं भत्तेणं अपाणएणं संपलियंकणिसण्णे पुव्वण्हकालसमयंसि अभीइणा णक्खत्तेणं जोगमुवागएणं सुसमदूसमाए समाए एगूणणवउईहिं पक्खेहिं सेसेहिं कालगए वीइक्कंते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे। जं समयं च णं उसभे अरहा कोसलिए कालगए वीइक्कंते समुज्जाए छिण्णजाइजरामरणबंधणे सिद्धे बुद्धे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे तं समयं च णं सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो आसणे चलिए, तए णं से सक्के देविंदे देवराया आसणं चलियं पासइ पासित्ता ओहिं पउंजइ २ त्ता भयवं तित्थयरं ओहिणा आभोएइ २ त्ता एवं वयासी–परिणिव्वुए खलु जंबुद्दीवे दीवे भरहे वासे उसहे अरहा कोसलिए, तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पण्णमणागयाणं सक्काणं देविंदाणं देवराईणं तित्थगराणं परिनिव्वाणमहिमं करेत्तए, तं गच्छामि णं अहंपि भगवओ तित्थगरस्स परिनिव्वाणमहिमं करेमित्तिकट्टु वंदइ णमंसइ वं० २ त्ता चउरासीईए सामाणियसाहस्सीहिं तायत्तीसाए तायत्तीसएहिं चउहिं लोगपालेहिं जाव चउहिं चउरासीईहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णेहि य बहूहिं सोहम्मकप्पवासीहिं वेमाणिएहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडे ताए उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं

णिक्खित्तसत्थमुसले दब्भसंथारोवगए एगे अबीए अट्ठमभत्तं पडिजागरमाणे २ विहरइ। तए णं से भरहे राया अट्ठमभत्तंसि परिणममाणंसि पोसहसालाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! हयगयरहपवरजोहकलियं चाउरंगिणिं सेणं सण्णाहेह चाउग्घंटं आसरहं पडिकप्पेहत्तिकट्टु मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता समुत्त तहेव जाव धवलमहामेहणिग्गए जाव मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता हयगयरहपवरवाहण जाव पहियकित्ती जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव चाउग्घंटे आसरहे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता चाउग्घंटं आसरहं दुरूढे ॥ ४४ ॥ तए णं से भरहे राया चाउग्घंटं आसरहं दुरूढे समाणे हयगयरहपवरजोहकलियाए सद्धिं संपरिवुडे महयाभडचडगरपहगरवंदपरिक्खित्ते चक्करयणदेसियमग्गे अणेगरायवरसहस्साणुयायमग्गे महया उक्किट्ठिसीहणायबोलकलकलरवेणं पक्खुभियमहासमुद्दरवभूयं पिव करेमाणे पुरत्थिमदिसाभिमुहे मागहतित्थेणं लवणसमुद्दं ओगाहइ जाव से रहवरस्स कुप्परा उल्ला, तए णं से भरहे राया तुरगे निगिण्हइ २ त्ता रहं ठवेइ २ त्ता धणुं परामुसइ, तए णं तं अइरुग्गयबालचंदइंदधणुसंकासं वरमहिसदरियदप्पियदढघणसिंगरइयसारं उरगवरपवरगवलपवरपरहुयभमरकुलणीलिणिद्धधंतधोयपट्टं णिउणोवियमिसिमिसिंतमणिरयणघंटियाजालपरिक्खित्तं तडितरुणकिरणतवणिज्जबद्धचिंधं दद्दरमलयगिरिसिहरकेसरचामरवालद्धचंदचिंधं कालहरियरत्तपीयसुक्किल्लबहुण्हारुणिसंपिणद्धजीवं जीवियंतकरणं चलजीवं धणुं गहिऊण से णरवई उसुं च वरवइरकोडियं वइरसारतोंडं कंचणमणिकणगरयणधोइट्ठसुकयपुंखं अणेगमणिरयणविविहसुविरइयणामचिंधं वइसाहं ठाइऊण ठाणं आययकण्णाययं च काऊण उसुमुदारं इमाइं वयणाइं तत्थ भाणीअ से णरवई–हंदि सुणंतु भवंतो बाहिरओ खलु सरस्स जे देवा। णागासुरा सुवण्णा तेसिं खु णमो पणिवयामि ॥ १ ॥ हंदि सुणंतु भवंतो अब्भितरओ सरस्स जे देवा। णागासुरा सुवण्णा सव्वे मे ते विसयवासी ॥ २ ॥ इतिकट्टु उसुं णिसिरइत्ति–परिगरणिगरियमज्झो वाउद्धुयसोभमाणकोसेज्जो। चित्तेण सोभए धणुवरेण इंदोव्व पच्चक्खं ॥ ३ ॥ तं चंचलायमाणं पंचमिचंदोवमं महाचावं। छज्जइ वामे हत्थे णरवइणो तंमि विजयंमि ॥ ४ ॥ तए णं से सरे भरहेणं रण्णा णिसट्ठे समाणे खिप्पामेव दुवालस जोयणाइं गंता मागहतित्थाहिवइस्स देवस्स भवणंसि निवइए, तए णं से मागहतित्थाहिवई देवे भवणंसि सरं णिवइयं पासइ २ त्ता आसुरुत्ते रुट्ठे चंडिक्किए कुविए मिसिमिसेमाणे तिवलियं भिउडिं णिडाले साहरइ २ त्ता एवं वयासी–केस णं भो! एस अपत्थियपत्थए दुरंतपंतलक्खणे हीणपुण्णचाउद्दसे

जम्मजरामरणाणं सरीरगाइं सीयं आरुहेंति २ त्ता चिइगाए ठवेंति, तए णं से सक्के देविंदे देवराया ते वहवे भवणवइ जाव वेमाणिए देवे एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! तित्थगरचिइगाए जाव अणगारचिइगाए अगुरुतुरुक्कघयं च कुंभग्गसो य भारग्गसो य साहरह, तए णं ते० भवणवइ जाव वेमाणिया देवा तित्थगरचिइगाए जाव अणगारचिइगाए जाव भारग्गसो य साहरंति, तए णं से सक्के देविंदे देवराया अग्गिकुमारे देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! तित्थगरचिइगाए जाव अणगारचिइगाए अगणिकायं विउव्वह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते अग्गिकुमारा देवा विमणा णिराणंदा तित्थगरचिइगाए जाव अणगारचिइगाए अगणिकायं विउव्वंति, तए णं से सक्के देविंदे देवराया वाउकुमारे देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! तित्थगरचिइगाए जाव अणगारचिइगाए वाउक्कायं विउव्वह २ त्ता अगणिकायं उज्जालेह तित्थगरसरीरगं गणहरसरीरगाइं अणगारसरीरगाइं च झामेह, तए णं ते वाउकुमारा देवा विमणा णिराणंदा तित्थगरचिइगाए जाव विउव्वंति अगणिकायं उज्जालेंति तित्थगरसरीरगं जाव अणगारसरीरगाणि य झामेंति, तए णं ते वहवे भवणवइ जाव वेमाणिया देवा तित्थगरस्स परिणिव्वाणमहिमं करेंति २ त्ता जेणेव साइं साइं विमाणाइं जेणेव साइं २ भवणाइं जेणेव साओ २ सभाओ सुहम्माओ तेणेव उवागच्छंति २ त्ता विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा विहरंति ॥ ३३ ॥ तीसे णं समाए दोहिं सागरोवमकोडाकोडीहिं काले वीइक्कंते अणंतेहिं वण्णपज्जवेहिं तहेव जाव अणंतेहिं उट्ठाणकम्म जाव परिहायमाणे २ एत्थ णं दूसमसुसमा णामं समाकाले पडिवज्जिसु समणाउसो !, तीसे णं भंते ! समाए भरहस्स वासस्स केरिसए आगारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गोयमा ! वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए–आलिंगपुक्खरेइ वा जाव मणीहिं उवसोभिए, तंजहा–कित्तिमेहिं चेव०, तीसे णं भंते ! समाए भरहे० मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे प० ? गोयमा ! तेसिं मणुयाणं छव्विहे संघयणे छव्विहे संठाणे वहूइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउयं पालेंति २ त्ता अप्पेगइया णिरयगामी जाव देवगामी अप्पेगइया सिज्झंति वुज्झंति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति, तीसे णं समाए तओ वंसा समुप्पज्जित्था, तंजहा–अरहंतवंसे चक्कवट्टिवंसे दसारवंसे, तीसे णं समाए तेवीसं तित्थयरा इक्कारस चक्कवट्टी णव वलदेवा णव वासुदेवा समुप्पज्जित्था ॥ ३४ ॥ तीसे णं समाए एक्काए सागरोवमकोडाकोडीए वायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणियाए काले वीइक्कंते अणंतेहिं वण्णपज्जवेहिं तहेव जाव परिहाणीए परिहायमाणे २

णाणामणिमया०, तस्स णं पउमद्दहस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थं महं एगे पउमे पण्णत्ते, जोयणं आयामविक्खंभेणं अद्धजोयणं बाहल्लेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं दो कोसे ऊसिए जलंताओ साइरेगाइं दसजोयणाइं सव्वग्गेणं पण्णत्ते, से णं एगाए जगईए सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते जम्बुद्दीवजगइप्पमाणा गवक्खकडएवि तह चेव पमाणेणंति, तस्स णं पउमस्स अयमेयारूवे वण्णावासे प०, तं०-वइरामया मूला रिट्ठामए कंदे वेरुलियामए णाले वेरुलियामया बाहिरपत्ता जम्बूणयामया अब्भिंतरपत्ता तवणिज्जमया केसरा णाणामणिमया पोक्खरवीयभाया कणगामई कण्णिया, सा णं० अद्धजोयणं आयामविक्खंभेणं कोसं बाहल्लेणं सव्वकणगामई अच्छा०, तीसे णं कण्णियाए उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए-आलिंग०, तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे भवणे प० कोसं आयामेणं अद्धकोसं विक्खंभेणं देसूणगं कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं अणेगखंभसयसण्णिविट्ठे पासाईए दरिसणिज्जे०, तस्स णं भवणस्स तिदिसिं तओ दारा प०, ते णं दारा पञ्चधणुसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं विक्खंभेणं तावइयं चेव पवेसेणं सेया वरकणगथूभियागा जाव वणमालाओ णेयव्वाओ, तस्स णं भवणस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए-आलिंग०, तस्स णं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महई एगा मणिपेढिया प०, सा णं मणिपेढिया पंचधणुसयाइं आयामविक्खंभेणं अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमई अच्छा०, तीसे णं मणिपेढियाए उप्पिं एत्थ णं महं एगे सयणिज्जे पण्णत्ते, सयणिज्जवण्णओ भाणियव्वो । से णं पउमे अण्णेणं अट्ठसएणं पउमाणं तदद्धुच्चत्तप्पमाणमित्ताणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, ते णं पउमा अद्धजोयणं आयामविक्खंभेणं कोसं बाहल्लेणं दसजोयणाइं उव्वेहेणं कोसं ऊसिया जलंताओ साइरेगाइं दसजोयणाइं उच्चत्तेणं, तेसि णं पउमाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा-वइरामया मूला जाव कणगामई कण्णिया, सा णं कण्णिया कोसं आयामेणं अद्धकोसं बाहल्लेणं सव्वकणगामई अच्छा इति, तीसे णं कण्णियाए उप्पिं बहुसमरमणिज्जे जाव मणीहिं उवसोभिए, तस्स णं पउमस्स अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं सिरीए देवीए चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तारि पउमसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, तस्स णं पउमस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं सिरीए देवीए चउण्हं महत्तरियाणं चत्तारि पउमा प०, तस्स णं पउमस्स दाहिणपुरत्थिमेणं सिरीए देवीए अब्भिंतरियाए परिसाए अट्ठण्हं देवसाहस्सीणं अट्ठ पउमसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, दाहिणेणं मज्झिमपरिसाए दसण्हं देवसाहस्सीणं दस पउमसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, दाहिणपच्चत्थिमेणं बाहिरियाए परिसाए बारसण्हं देवसाहस्सीणं बारस पउमसाह-

अमणुण्णा अमणामा हीणस्सरा दीणस्सरा अणिट्ठस्सरा अकंतस्सरा अप्पियस्सरा अमणामस्सरा अमणुण्णस्सरा अणादेज्जवयणपच्चायाया णिल्लज्जा कूडकवडकलहवंधवेरणिरया मज्जायाइक्कमप्पहाणा अकज्जणिच्चुज्जया गुरुणिओगविणयरहिया य विकलरूवा परूढणहकेसमंसुरोमा काला खरफरुससमावण्णा फुट्टसिरा कविलपलियकेसा बहुण्हारुणिसंपिणद्धदुद्दंसणिज्जरूवा संकुडियवलीतरंगपरिवेढियंगमंगा जरापरिणयव्व थेरगणरा पविरलपरिसडियदंतसेढी उब्भडघडमुहा विसमणयणवंकणासा वंकवलीविगयभेसणमुहा दद्दुविकिटिभसिब्भफुडियफरुसच्छवी चित्तलंगमंगा कच्छूखसराभिभूया खरतिक्खणक्खकंडूइयविक्खयतणू टोलगइविसमसंधिबंधणा उक्कुडुयट्ठियविभत्तदुब्बलकुसंघयणकुप्पमाणकुसंठिया कुरूवा कुट्ठाणासणकुसेज्जकुभोइणो असुइणो अणेगवाहिपीलियंगमंगा खलंतविब्भलगई णिरुच्छाहा सत्तपरिवज्जिया विगयचेट्ठा नट्ठतेया अभिक्खणं २ सीउण्हखरफरुसवायविज्झडियमलिणपंसुरओगुंडियंगमंगा बहुकोहमाणमायालोभा बहुमोहा असुभदुक्खभागी ओसण्णं धम्मसण्णसम्मत्तपरिभट्ठा उक्कोसेणं रयणिप्पमाणमेत्ता सोलसवीसइवासपरमाउसो बहुपुत्तणत्तुपरियालपणयबहुला गंगासिंधूओ महाणईओ वेयड्ढं च पव्वयं णीसाए वावत्तरिं णिगोयवीयं वीयमेत्ता बिलवासिणो मणुया भविस्संति, ते णं भंते ! मणुया किमाहारिस्संति ? गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं गंगासिंधूओ महाणईओ रहपहमित्तवित्थराओ अक्खसोयप्पमाणमेत्तं जलं वोज्झिहिंति, सेवि य णं जले बहुमच्छकच्छभाइण्णे, णो चेव णं आउबहुले भविस्सइ, तए णं ते मणुया सूरुग्गमणमुहुत्तंसि य सूरत्थमणमुहुत्तंसि य बिलेहिंतो णिद्धाइस्संति बिले० २ त्ता मच्छकच्छभे थलाइं गाहेहिंति मच्छकच्छभे थलाइं गाहेत्ता सीयायवतत्तेहिं मच्छकच्छभेहिं इक्कवीसं वाससहस्साइं वित्तिं कप्पेमाणा विहरिस्संति । ते णं भंते ! मणुया णिस्सीला णिव्वया णिग्गुणा णिम्मेरा णिप्पच्चक्खाणपोसहोववासा ओसण्णं मंसाहारा मच्छाहारा खुड्डाहारा कुणिमाहारा कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंति ? गो० ! ओसण्णं णरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति । तीसे णं भंते ! समाए सीहा वग्घा विगा दीविया अच्छा तरच्छा परस्सरा सरभसियालविरालसुणगा कोलसुणगा ससगा चित्तगा चिल्लगा ओसण्णं मंसाहारा मच्छाहारा खोद्दाहारा कुणिमाहारा कालमासे कालं किच्चा कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंति ? गो० ! ओसण्णं णरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति, ते णं भंते ! ढंका कंका पीलगा मग्गुगा सिही ओसण्णं मंसाहारा जाव कहिं गच्छिहिंति कहिं उववज्जिहिंति ? गोयमा ! ओसण्णं णरगतिरिक्खजोणिएसु उववज्जिहिंति ॥ ३६ ॥ तीसे णं समाए इक्कवीसाए

रूवगाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते, तंजहा–वइरामया णेम्मा रिट्ठामया पइट्ठाणा वेरुलियामया खंभा सुवण्णरुप्पमया फलया लोहियक्खमईओ सूईओ वयरामया संधी णाणामणिमया आलंवणा आलंवणवाहाओत्ति, तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ पत्तेयं पत्तेयं तोरणा पण्णत्ता, ते णं तोरणा णाणामणिमया णाणामणिमएसु खंभेसु उवणिविट्ठसंणिविट्ठा विविहमुत्तंतरोवचिया विविहताराख्वोवचिया ईहामियउसहतुरगणरमगरविहगवालगकिण्णररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्ता खंभुग्गयवइरवेइयापरिगयाभिरामा विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्ताविव अच्चीसहस्समालणीया रूवगसहस्सकलिया भिसमाणा भिब्भिसमाणा चक्खुल्लोयणलेसा सुहफासा सस्सिरीयरूवा घंटावलिचलियमहुरमणहरसरा पासाईया०, तेसि णं तोरणाणं उवरिं वहवे अट्ठट्ठमंगला प०, तं०–सोत्थिए सिरिवच्छे जाव पडिरूवा, तेसि णं तोरणाणं उवरिं वहवे किण्हचामरज्झया जाव सुक्किल्लचामरज्झया अच्छा सण्हा रुप्पपट्टा वइरामयदण्डा जलयामलगंधिया सुरम्मा पासाईया ४, तेसि णं तोरणाणं उप्पिं वहवे छत्ताइच्छत्ता पडागाइपडागा घंटाजुयला चामरजुयला उप्पलहत्थगा पउमहत्थगा जाव सयसहस्सपत्तहत्थगा सव्वरयणामया अच्छा जाव पडिरूवा, तस्स णं गंगप्पवायकुंडस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे गंगादीवे णामं दीवे पण्णत्ते अट्ठ जोयणाइं आयामविक्खंभेणं साइरेगाइं पणवीसं जोयणाइं परिक्खेवेणं दो कोसे ऊसिए जलंताओ सव्ववयरामए अच्छे सण्हे०, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते वण्णओ भाणियव्वो, गंगादीवस्स णं दीवस्स उप्पिं वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, तस्स णं वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं गंगाए देवीए एगे भवणे पण्णत्ते कोसं आयामेणं अद्धकोसं विक्खंभेणं देसूणगं च कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं अणेगखंभसयसण्णिविट्ठे जाव वहुमज्झदेसभाए मणिपेढियाए सयणिज्जे, से केणट्ठेणं जाव सासए णामधेज्जे पण्णत्ते, तस्स णं गंगप्पवायकुंडस्स दक्खिणिल्लेणं तोरणेणं गंगामहाणई पवूढा समाणी उत्तरड्ढभरहवासं एज्जेमाणी २ सत्तहिं सलिलासहस्सेहिं आऊरेमाणी २ अहे खण्डप्पवायगुहाए वेयड्ढपव्वयं दालइत्ता दाहिणड्ढभरहवासं एज्जेमाणी २ दाहिणड्ढभरहवासस्स वहुमज्झदेसभागं गंता पुरत्थाभिमुही आवत्ता समाणी चोद्दसहिं सलिलासहस्सेहिं समग्गा अहे जगइं दालइत्ता पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दं समप्पेइ, गंगा णं महाणई पवहे छ सकोसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं अद्धकोसं उव्वेहेणं तयणंतरं च णं मायाए २ परिवड्ढमाणी २ मुहे वासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च विक्खंभेणं सकोसं जोयणं उव्वेहेणं उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहिं वणसंडेहिं

तए णं ते मणुया भरहं वासं परूढरुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लितणपव्वयगहरियगओसहियं उवचियतयपत्तपवालपल्लवंकुरपुप्फफलसमुइयं सुहोवभोगं जायं २ चावि पासिहिंति पासित्ता बिलेहिंतो णिद्धाइस्संति णिद्धाइत्ता हट्ठतुट्ठा अण्णमण्णं सद्दाविस्संति २ त्ता, एवं वइस्संति-जाए णं देवाणुप्पिया! भरहे वासे परूढरुक्खगुच्छगुम्मलयवल्लितण-पव्वयगहरियग जाव सुहोवभोगे, तं जे णं देवाणुप्पिया! अम्हं केइ अज्जप्पभिइ असुभं कुणिमं आहारं आहारिस्सइ से णं अणेगाहिं छायाहिं वज्जणिज्जेत्तिकट्टु संठिइं ठवेस्संति २ त्ता भरहे वासे सुहंसुहेणं अभिरममाणा २ विहरिस्संति ॥ ३९ ॥ तीसे णं भंते! समाए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ? गो०! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे भविस्सइ जाव कित्तिमेहिं चेव अकित्तिमेहिं चेव, तीसे णं भंते! समाए मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ? गोयमा! तेसि णं मणुयाणं छव्विहे संघयणे छव्विहे संठाणे बहुईओ रयणीओ उड्ढं उच्चत्तेणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं साइरेगं वाससयं आउयं पालेहिंति २ त्ता अप्पेगइया णिरयगामी जाव अप्पेगइया देवगामी, ण सिज्झंति। तीसे णं समाए एक्कवीसाए वाससहस्सेहिं काले वीइक्कंते अणंतेहिं वण्णपज्जवेहिं जाव परिवुड्ढेमाणे २ एत्थ णं दुसमसूसमा णामं समाकाले पडिवज्जिस्सइ समणाउसो!, तीसे णं भंते! समाए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ? गोयमा! बहुसमरमणिज्जे जाव अकित्तिमेहिं चेव, तेसि णं भंते! मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ? गो०! तेसि णं मणुयाणं छव्विहे संघयणे छव्विहे संठाणे बहूइं धणूइं उड्ढं उच्चत्तेणं जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं उक्कोसेणं पुव्वकोडीआउयं पालिहिंति २ त्ता अप्पेगइया णिरयगामी जाव अंतं करेहिंति, तीसे णं समाए तओ वंसा समुप्पज्जिस्संति, तं०-तित्थगरवंसे चक्कवट्टिवंसे दसारवंसे, तीसे णं समाए तेवीसं तित्थगरा एक्कारस चक्कवट्टी णव बलदेवा णव वासुदेवा समुप्पज्जिस्संति, तीसे णं समाए सागरोवम-कोडाकोडीए बायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणियाए काले वीइक्कंते अणंतेहिं वण्ण-पज्जवेहिं जाव अणंतगुणपरिवुड्ढीए परिवुड्ढेमाणे २ एत्थ णं सुसमदूसमा णामं समा-काले पडिवज्जिस्सइ समणाउसो!, सा णं समा तिहा विभज्जिस्सइ, पढमे तिभागे मज्झिमे तिभागे पच्छिमे तिभागे, तीसे णं भंते! समाए पढमे तिभाए भरहस्स वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे भविस्सइ? गोयमा! बहुसमरमणिज्जे जाव भविस्सइ, मणुयाणं जा चेव ओसप्पिणीए पच्छिमे तिभागे वत्तव्वया सा भाणि-यव्वा, कुलगरवज्जा उसभसामिवज्जा, **अण्णे पढंति**-तीसे णं समाए पढमे तिभाए इमे पण्णरस कुलगरा समुप्पज्जिस्संति, तंजहा-सुमई जाव उसभे, सेसं तं चेव, दंड-

णसयाइं विक्खंभेणं मज्झे तिण्णि य पण्णत्तरे जोयणसए विक्खंभेणं उप्पिं अड्ढाइज्जे जोयणसए विक्खंभेणं मूले एगं जोयणसहस्सं पंच य एगासीए जोयणसए किंचिविसेसाहिए परिक्खेवेणं मज्झे एगं जोयणसहस्सं एगं च छलसीयं जोयणसयं किंचिविसेसूणं परिक्खेवेणं उप्पिं सत्तइक्काणउए जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं, मूले विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उप्पिं तणुए गोपुच्छसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे०, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, सिद्धस्स कूडस्स णं उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव विहरंति । कहि णं भन्ते ! चुल्लहिमवन्ते वासहरपव्वए चुल्लहिमवन्तकूडे णामं कूडे पण्णत्ते ? गो० ! भरहकूडस्स पुरत्थिमेणं सिद्धकूडस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं चुल्लहिमवन्ते वासहरपव्वए चुल्लहिमवन्तकूडे णामं कूडे पण्णत्ते, एवं जो चेव सिद्धकूडस्स उच्चत्तविक्खंभपरिक्खेवो जाव व० भू० प० वण्णओ, तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे पासायवडेंसए पण्णत्ते बासट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च उच्चत्तेणं इक्कतीसं जोयणाइं कोसं च विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसियपहसिए विव विविहमणिरयणभत्तिचित्ते वाउद्धुयविजयवेजयंतीपडागच्छत्ताइच्छत्तकलिए तुंगे गगणतलमभिलंघमाणसिहरे जालंतररयणपंजरुम्मीलिएव्व मणिरयणथूभियाए वियसियसयवत्तपुंडरीयतिलयरयणद्धचंदचित्ते णाणामणिमयदामालंकिए अंतो बहिं च सण्हे वइरतवणिज्जरुइलवालुयापत्थडे सुहफासे सस्सिरीयरूवे पासाईए जाव पडिरूवे, तस्स णं पासायवडेंसगस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे प० जाव सीहासणं सपरिवारं, से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ-चुल्लहिमवन्तकूडे २ ? गो० !...चुल्लहिमवन्ते णामं देवे महिड्ढिए जाव परिवसइ, कहि णं भन्ते ! चुल्लहिमवन्तगिरिकुमारस्स देवस्स चुल्लहिमवन्ता णामं रायहाणी प० ? गो० ! चुल्लहिमवन्तकूडस्स दक्खिणेणं तिरियमसंखेज्जे दीवसमुद्दे वीईवइत्ता अयण्णं जम्बुद्दीवं २ दक्खिणेणं बारस जोयणसहस्साइं ओगाहित्ता इत्थ णं चुल्लहिमवन्तस्स गिरिकुमारस्स देवस्स चुल्लहिमवन्ता णामं रायहाणी प० बारस जोयणसहस्साइं आयामविक्खंभेणं, एवं विजयरायहाणीसरिसा भाणियव्वा,...एवं अवसेसाणवि कूडाणं वत्तव्वया णेयव्वा, आयामविक्खंभपरिक्खेवपासायदेवयाओ सीहासणपरिवारो अट्ठो य देवाण य देवीण य रायहाणीओ णेयव्वाओ, चउसु देवा चुल्लहिमवन्त १ भरह २ हेमवय ३ वेसमणकूडेसु ४, सेसेसु देवयाओ, से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ-चुल्लहिमवन्ते वासहरपव्वए २ ? गो० !...महाहिमवन्तवासहरपव्वयं पणिहाय आयामुच्चत्तुव्वेहविक्खंभपरिक्खेवं पडुच्च ईसिं खुड्डतराए चेव हस्सतराए चेव णीयतराए चेव, चुल्लहिमवन्ते य इत्थ देवे महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से एएणट्ठेणं

मणणिव्वुइकरे अक्खोभे सागरो व थिमिए धणवइव्व भोगसमुदयसद्दव्वयाए समरे अपराइए परमविक्कमगुणे अमरवइसमाणसरिसरूवे मणुयवई भरहचक्कवट्टी भरहं भुंजइ पण्णट्ठसत्तू ॥ ४२ ॥ तए णं तस्स भरहस्स रण्णो अण्णया कयाइ आउहघरसालाए दिव्वे चक्करयणे समुप्पज्जित्था, तए णं से आउहघरिए भरहस्स रण्णो आउहघरसालाए दिव्वं चक्करयणं समुप्पण्णं पासइ पासित्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए णंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए आउहघरसालाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणामेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणामेव भरहे राया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता करयल जाव जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पियाणं आउहघरसालाए दिव्वे चक्करयणे समुप्पण्णे तं एयण्णं देवाणुप्पियाणं पियट्ठयाए पियं णिवेएमि पियं भे भवउ, तए णं से भरहे राया तस्स आउहघरियस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा णिसम्म हट्ठ जाव सोमणस्सिए वियसियवरकमलणयणवयणे तस्स आउहघरियस्स अहामालियं मउडवज्जं ओमोयं दलयइ २ त्ता विउलं जीवियारिहं पीइदाणं दलयइ २ त्ता सक्कारेइ सम्माणेइ स० २ त्ता पडिविसज्जेइ। तए णं से भरहे राया कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! विणीयं रायहाणिं सब्भिंतरवाहिरियं आसियसंमज्जियसित्तसुइगरत्थंतरवीहियं मंचाइमंचकलियं णाणाविहरागवसणऊसियझयपडागाइपडागमंडियं लाउल्लोइयमहियं गोसीससरसरत्तचंदणकलसं चंदणघडसुकय जाव गंधुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेह कारवेह करेत्ता कारवेत्ता य एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह। तए णं ते कोडुंबियपुरिसा भरहेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठ० करयल जाव एवं सामित्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति २ त्ता भरहस्स० अंतियाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता विणीयं रायहाणिं जाव करेत्ता कारवेत्ता य तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति। तए णं से भरहे राया जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता समुत्तजालाकुलाभिरामे विचित्तमणिरयणकुट्टिमतले रमणिज्जे ण्हाणमंडवंसि णाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि ण्हाणपीढंसि सुहणिसण्णे सुहोदएहि गंधोदएहिं पुप्फोदएहिं सुद्धोदएहि य पुण्णे कल्लाणगपवरमज्जणविहीए मज्जिए तत्थ कोउयसएहिं वहुविहेहिं कल्लाणगपवरमज्जणावसाणे पम्हलसुकुमालगंधकासाइयलूहियंगे सरससुरहिगोसीसचंदणाणुलित्तगत्ते अहयसुमहग्घदूसरयणसुसंवुडे सुइमालावण्णगविलेवणे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियहारद्धहारतिसरियपालंवपलंवमाणकडिसुत्तसुकयसोहे पिणद्धगेविज्जगअंगुलिज्जगललियगयललियकयाभरणे णाणामणिकडगतुडियथंभियभुए अहियसस्सिरीए कुंडलउज्जोइयाणणे मउडदित्तसिरए हारोत्थयसुकयरइयवच्छे पालंवपलंवमाणसुकयपडउत्तरिज्जे

सहावई य इत्थ देवे महिड्ढिए जाव महाणुभावे पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव रायहाणी मंदरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं अण्णंमि जम्बुद्दीवे दीवे० ॥ ७७ ॥ से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ-हेमवए वासे २? गोयमा !···चुल्लहिमवन्तमहाहिमवन्तेहिं वासहरपव्वएहिं दुहओ समवगूढे णिच्चं हेमं दलइ णिच्चं हेमं दलइत्ता णिच्चं हेमं पगासइ हेमवए य इत्थ देवे महिड्ढिए० पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-हेमवए वासे हेमवए वासे ॥ ७८ ॥ कहि णं भन्ते ! जम्बुद्दीवे २ महाहिमवन्ते णामं वासहरपव्वए प० ? गो० ! हरिवासस्स दाहिणेणं हेमवयस्स वासस्स उत्तरेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे महाहिमवंते णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे पलियंकसंठाणसंठिए दुहा लवणसमुद्दं पुट्ठे पुरत्थिमिल्लाए कोडीए जाव पुट्ठे पच्चत्थिमिल्लाए कोडीए पच्चत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठे दो जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पण्णासं जोयणाइं उव्वेहेणं चत्तारि जोयणसहस्साइं दोण्णि य दसुत्तरे जोयणसए दस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स विक्खंभेणं, तस्स बाहा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं णव जोयणसहस्साइं दोण्णि य छावत्तरे जोयणसए णव य एगूणवीसइभाए जोयणस्स अद्धभागं च आयामेणं, तस्स जीवा उत्तरेणं पाईणपडीणायया दुहा लवणसमुद्दं पुट्ठा पुरत्थिमिल्लाए कोडीए पुरत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठा पच्चत्थिमिल्लाए जाव पुट्ठा तेवण्णं जोयणसहस्साइं णव य एगतीसे जोयणसए छच्च एगूणवीसइभाए जोयणस्स किंचिविसेसाहिए आयामेणं, तस्स धणुं दाहिणेणं सत्तावण्णं जोयणसहस्साइं दोण्णि य तेणउए जोयणसए दस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, रुयगसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे० उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं संपरिक्खित्ते। महाहिमवन्तस्स णं वासहरपव्वयस्स उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव णाणाविहपञ्चवण्णेहिं मणीहि य तणेहि य उवसोभिए जाव आसयंति सयंति य ॥ ७९ ॥ महाहिमवंतस्स णं० बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं एगे महापउमद्दहे णामं दहे पण्णत्ते दो जोयणसहस्साइं आयामेणं एगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं अच्छे० रययामयकूले एवं आयामविक्खंभविहूणा जा चेव पउमद्दहस्स वत्तव्वया सा चेव णेयव्वा, पउमप्पमाणं दो जोयणाइं अट्ठो जाव महापउमद्दहवण्णाभाइं हिरी य इत्थ देवी जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ०, अदुत्तरं च णं गोयमा ! महापउमद्दहस्स सासए णामधेज्जे प० जं ण कयाइ णासी ३···, तस्स णं महापउमद्दहस्स दक्खिणिल्लेणं तोरणेणं रोहिया महाणई पवूढा समाणी सोलस

महाणईए दाहिणिल्लेणं कूलेणं पुरत्थिमं दिसिं मागहतित्थाभिमुहं पयायं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठ जाव हियए कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! आभिसेक्कं हत्थिरयणं पडिकप्पेह हयगयरहपवरजोहकलियं चाउरंगिणिं सेण्णं सण्णाहेह, एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते कोडुंबिय जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से भरहे राया जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता समुत्तजालाकुलाभिरामे तहेव जाव धवलमहामेहणिग्गए इव जाव ससिव्व पियदंसणे णरवई मज्जणघराओ पडिणिक्खमइ २ त्ता हयगयरहपवरवाहणभडचडगरपहगर-संकुलाए सेणाए पहियकित्ती जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव आभिसेक्के हत्थिरयणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अंजणगिरिकूडसण्णिभं गयवइं णरवई दुरूढे। तए णं से भरहाहिवे णरिंदे हारोत्थयसुकयरइयवच्छे कुंडलउज्जोइयाणणे मउडदित्त-सिरए णरसीहे णरवई णरिंदे णरवसहे मरुयरायवसभकप्पे अब्भहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणे पसत्थमंगलसएहिं संथुव्वमाणे जय२सद्दकयालोए हत्थिखंधवरगए सकोरंटम-ल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं २ जक्खसहस्ससं-परिवुडे वेसमणे चेव धणवई अमरवइसण्णिभाइ इड्ढीए पहियकित्ती गंगाए महाणईए दाहिणिल्लेणं कूलेणं गामागरणगरखेडकब्बडमडंबदोणमुहपट्टणासमसंवाहसहस्समंडियं थिमियमेइणीयं वसुहं अभिजिणमाणे २ अग्गाइं वराइं रयणाइं पडिच्छमाणे २ तं दिव्वं चक्करयणं अणुगच्छमाणे २ जोयणंतरियाहिं वसहीहिं वसमाणे २ जेणेव माग-हतित्थे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मागहतित्थस्स अदूरसामंते दुवालसजोयणायामं णवजोयणविच्छिण्णं वरणगरसरिच्छं विजयखंधावारणिवेसं करेइ २ त्ता वड्ढइरयणं सद्दावेइ सद्दावइत्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! ममं आवासं पोसह-सालं च करेहि करेत्ता ममेयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि, तए णं से वड्ढइरयणे भरहेणं रण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए पीइमणे जाव अंजलिं कट्टु एवं सामी तहत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता भरहस्स रण्णो आवसहं पोसहसालं च करेइ २ त्ता एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणइ, तए णं से भरहे राया आभि-सेक्काओ हत्थिरयणाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव पोसहसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता पोसहसालं अणुपविसइ २ त्ता पोसहसालं पमज्जइ २ त्ता दब्भसंथारगं संथरइ २ त्ता दब्भसंथारगं दुरूहइ २ त्ता मागहतित्थकुमारस्स देवस्स अट्ठमभत्तं पगिण्हइ २ त्ता पोसहसालाए पोसहिए इव बंभयारी उम्मुक्कमणिसुवण्णे ववगयमालावण्णगविलेवणे

१ रुढिसद्दोऽयं। २ णो पोसहिएत्ति अट्ठो पोसहे तहाविहदेवचिंतणवज्जणि-ज्जत्तणओ।

२ य, सुप्पवुद्धा ३ जसोहरा ४ । विदेहजम्बू ५ सोमणसा ६, णियया ७ णिच्चमंडिया ८ ॥ १ ॥ सुभद्दा य ९ विसाला य १०, सुजाया ११ सुमणा १२ विया । सुदंसणाए जम्बूए, णामधेज्जा दुवालस ॥ २ ॥ जम्बूए णं० अट्ठट्ठमंगलगा०, से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ–जम्बू सुदंसणा २ ? गोयमा ! जम्बूए णं सुदंसणाए अणाढिए णामं देवे जम्बुद्दीवाहिवई परिवसइ महिड्ढिए०, से णं तत्थ चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं जाव आयरक्खदेवसाहस्सीणं जम्बुद्दीवस्स णं दीवस्स जम्बूए सुदंसणाए अणाढियाए रायहाणीए अण्णेसिं च वहूणं देवाण य देवीण य जाव विहरइ, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ०, अदुत्तरं च णं गोयमा ! जम्बूसुदंसणा जाव भुविं च ३ धुवा णियया सासया अक्खया जाव अवट्ठिया । कहि णं भन्ते ! अणाढियस्स देवस्स अणाढिया णामं रायहाणी पण्णत्ता ? गोयमा ! जम्बुद्दीवे २ मन्दरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं जं चेव पुव्ववण्णियं जमिगापमाणं तं चेव णेयव्वं जाव उववाओ अभिसेओ य निरवसेसोत्ति ॥ ९० ॥ से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ–उत्तरकुरा २ ? गोयमा ! उत्तरकुराए० उत्तरकुरू णामं देवे परिवसइ महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए, से तेणट्ठेणं गोयमा एवं वुच्चइ–उत्तरकुरा २, अदुत्तरं च णं जाव सासए··· । कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे मालवंते णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं णीलवंतस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं उत्तरकुराए० पुरत्थिमेणं वच्छस्स चक्कवट्टिविजयस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं महाविदेहे वासे मालवंते णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते उत्तरदाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे जं चेव गंधमायणस्स पमाणं विक्खम्भो य णवरमिमं णाणत्तं सव्ववेरुलियामए अवसिट्ठं तं चेव जाव गोयमा ! नव कूडा पण्णत्ता, तंजहा–सिद्धकूडे०, सिद्धे य मालवन्ते उत्तरकुरु कच्छसागरे रयए । सीओय पुण्णभद्दे हरिस्सहे चेव वोद्धव्वे ॥ १ ॥ कहि णं भन्ते ! मालवन्ते वक्खारपव्वए सिद्धकूडे णामं कूडे पण्णत्ते ? गोयमा ! मन्दरस्स पव्वयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं मालवंतस्स कूडस्स दाहिणपच्चत्थिमेणं एत्थ णं सिद्धकूडे णामं कूडे पण्णत्ते पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अवसिट्ठं तं चेव जाव रायहाणी, एवं मालवन्तस्स कूडस्स उत्तरकुरुकूडस्स कच्छकूडस्स, एए चत्तारि कूडा दिसाहिं पमाणेहिं णेयव्वा, कूडसरिसणामया देवा, कहि णं भन्ते ! मालवन्ते० सागरकूडे णामं कूडे पण्णत्ते ? गोयमा ! कच्छकूडस्स उत्तरपुरत्थिमेणं रययकूडस्स दक्खिणेणं एत्थ णं सागरकूडे णामं कूडे पण्णत्ते पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अवसिट्ठं तं चेव सुभोगा देवी रायहाणी उत्तरपुरत्थिमेणं रययकूडे भोगमालिणी देवी रायहाणी उत्तरपुरत्थिमेणं, अवसिट्ठा कूडा उत्तरदाहिणेणं णेयव्वा एक्केणं पमाणेणं ॥ ९१ ॥ कहि णं भन्ते !

भरहे य इत्थ देवे महिड्ढिए महज्जुइए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-भरहे वासे २ इति । अदुत्तरं च णं गो० ! भरहस्स वासस्स सासए णामधेज्जे पण्णत्ते जं ण कयाइ ण आसि ण कयाइ णत्थि ण कयाइ ण भविस्सइ भुविं च भवइ य भविस्सइ य धुवे णियए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए णिच्चे भरहे वासे ॥ ७१ ॥ **तइओ वक्खारो समत्तो ॥**

कहि णं भंते ! जम्बुद्दीवे २ चुल्लहिमवंते णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! हेमवयस्स वासस्स दाहिणेणं भरहस्स वासस्स उत्तरेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे चुल्लहिमवंते णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे दुहा लवणसमुद्दं पुट्ठे पुरत्थिमिल्लाए कोडीए पुरत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठे पच्चत्थिमिल्लाए कोडीए पच्चत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठे एगं जोयणसयं उड्ढं उच्चत्तेणं पणवीसं जोयणाइं उव्वेहेणं एगं जोयणसहस्सं बावण्णं च जोयणाइं दुवालस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स विक्खंभेणंति, तस्स बाहा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं पंच जोयणसहस्साइं तिण्णि य पण्णासे जोयणसए पण्णरस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स अद्धभागं च आयामेणं, तस्स जीवा उत्तरेणं पाईणपडीणायया जाव पच्चत्थिमिल्लाए कोडीए पच्चत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठा चउव्वीसं जोयणसहस्साइं णव य बत्तीसे जोयणसए अद्धभागं च किंचिविसेसूणा आयामेणं पण्णत्ता, तीसे धणुपट्ठे दाहिणेणं पणवीसं जोयणसहस्साइं दोण्णि य तीसे जोयणसए चत्तारि य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं पण्णत्ते, रुयगसंठाणसंठिए सव्वकणगामए अच्छे सण्हे तहेव जाव पडिरूवे, उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं संपरिक्खित्ते दुण्हवि पमाणं वण्णगोत्ति । चुल्लहिमवन्तस्स वासहरपव्वयस्स उवरिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, से जहाणामए-आलिंगपुक्खरेइ वा जाव बहवे वाणमंतरा देवा य देवीओ य आसयंति जाव विहरंति ॥ ७२ ॥ तस्स णं बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए इत्थ णं इक्के महं पउमद्दहे णामं दहे पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे इक्कं जोयणसहस्सं आयामेणं पंच जोयणसयाइं विक्खंभेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं अच्छे सण्हे रययामयकूले जाव पासाईए जाव पडिरूवेत्ति, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते वेइयावणसंडवण्णओ भाणियव्वोत्ति, तस्स णं पउमद्दहस्स चउद्दिसिं चत्तारि तिसोवाणपडिरूवगा पण्णत्ता, वण्णावासो भाणियव्वोत्ति। तेसि णं तिसोवाणपडिरूवगाणं पुरओ पत्तेयं २ तोरणा पण्णत्ता, ते णं तोरणा

मेहिं चेव अकित्तिमेहिं चेव, दाहिणद्धकच्छे णं भन्ते! विजए मणुयाणं केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गोयमा! तेसि णं मणुयाणं छव्विहे संघयणे जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेंति। कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे कच्छे विजए वेयड्ढे णामं पव्वए प०? गोयमा! दाहिणद्धकच्छविजयस्स उत्तरेणं उत्तरद्धकच्छस्स दाहिणेणं चित्तकूडस्स० पच्चत्थिमेणं मालवन्तस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं कच्छे विजए वेयड्ढे णामं पव्वए पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे दुहा वक्खारपव्वए पुट्ठे पुरत्थिमिल्लाए कोडीए जाव दोहि वि पुट्ठे भरहवेयड्ढसरिसए णवरं दो वाहाओ जीवा धणुपट्ठं च ण कायव्वं, विजयविक्खम्भसरिसे आयामेणं, विक्खम्भो उच्चत्तं उव्वेहो तहेव य विज्जाहरआभिओगसेढीओ तहेव, णवरं पणपण्णं २ विज्जाहरणगरावासा प०, आभिओगसेढीए उत्तरिल्लाओ सेढीओ सीयाए ईसाणस्स सेसाओ सक्कस्सत्ति, कूडा–सिद्धे १ कच्छे २ खंडग ३ माणी ४ वेयड्ढ ५ पुण्ण ६ तिमिसगुहा ७। कच्छे ८ वेसमणे वा ९ वेयड्ढे होंति कूडाइं ॥ १ ॥ कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे २ महाविदेहे वासे उत्तरद्धकच्छे णामं विजए पण्णत्ते? गोयमा! वेयड्ढस्स पव्वयस्स उत्तरेणं णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं मालवन्तस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं चित्तकूडस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे जाव सिज्झन्ति तहेव णेयव्वं सव्वं, कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे उत्तरद्धकच्छे विजए सिंधुकुंडे णामं कुंडे पण्णत्ते? गोयमा! मालवन्तस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं उसभकूडस्स० पच्चत्थिमेणं णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणिल्ले णियंबे एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे उत्तरद्धकच्छविजए सिंधुकुंडे णामं कुंडे पण्णत्ते सट्ठिं जोयणाइं आयामविक्खम्भेणं जाव भवणं अट्ठो रायहाणी य णेयव्वा, भरहसिंधुकुंडसरिसं सव्वं णेयव्वं जाव तस्स णं सिंधुकुण्डस्स दाहिणिल्लेणं तोरणेणं सिंधुमहाणई पवूढा समाणी उत्तरद्धकच्छविजयं एज्जेमाणी २ सत्तहिं सलिलासहस्सेहिं आपूरेमाणी २ अहे तिमिसगुहाए वेयड्ढपव्वयं दालइत्ता दाहिणकच्छविजयं एज्जेमाणी २ चोद्दसहिं सलिलासहस्सेहिं समग्गा दाहिणेणं सीयं महाणइं समप्पेइ, सिंधुमहाणई पवहे य मूले य भरहसिंधुसरिसा पमाणेणं जाव दोहिं वणसंडेहिं संपरिक्खित्ता। कहि णं भन्ते! उत्तरद्धकच्छविजए उसभकूडे णामं पव्वए पण्णत्ते? गोयमा! सिंधुकुंडस्स पुरत्थिमेणं गंगाकुण्डस्स पच्चत्थिमेणं णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणिल्ले णियंबे एत्थ णं उत्तरद्धकच्छविजए उसहकूडे णामं पव्वए पण्णत्ते अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं तं चेव पमाणं जाव रायहाणी से णवरं उत्तरेणं भाणियव्वा। कहि णं भन्ते! उत्तरद्धकच्छे विजए गंगा-

स्सीओ पण्णत्ताओ, पञ्चत्थिमेणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं सत्त पउमा पण्णत्ता, तस्स णं पउमस्स चउद्दिसिं सव्वओ समंता इत्थ णं सिरीए देवीए सोलसण्हं आयरक्खदेवसाहस्सीणं सोलस पउमसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, से णं तीहिं पउमपरिक्खेवेहिं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, तं०–अब्भिंतरएणं मज्झिमएणं बाहिरएणं, अब्भिंतरए पउमपरिक्खेवे बत्तीसं पउमसयसाहस्सीओ पण्णत्ताओ मज्झिमए पउमपरिक्खेवे चत्तालीसं पउमसयसाहस्सीओ पण्णत्ताओ बाहिरए पउमपरिक्खेवे अडयालीसं पउमसयसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, एवामेव सपुव्वावरेणं तिहिं पउमपरिक्खेवेहिं एगा पउमकोडी वीसं च पउमसयसाहस्सीओ भवंतीति मक्खायं। से केणट्ठेणं भंते! एवं वुच्चइ–पउमद्दहे २? गोयमा! पउमद्दहे णं० तत्थ २ देसे २ तहिं २ बहवे उप्पलाइं जाव सयसहस्सपत्ताइं पउमद्दहप्पभाइं पउमद्दहवण्णाभाइं सिरी य इत्थ देवी महिड्ढिया जाव पलिओवमट्ठिइया परिवसइ, से एएणट्ठेणं जाव अदुत्तरं च णं गोयमा! पउमद्दहस्स सासए णामधेज्जे पण्णत्ते ण कयाइ णासि ण० ॥ ७३ ॥ तस्स णं पउमद्दहस्स पुरत्थिमिल्लेणं तोरणेणं गंगा महाणई पवूढा समाणी पुरत्थाभिमुही पञ्च जोयणसयाइं पव्वएणं गंता गंगावत्तणकूडे आवत्ता समाणी पञ्च तेवीसे जोयणसए तिण्णि य एगूणवीसइभाए जोयणस्स दाहिणाभिमुही पव्वएणं गंता महया घडमुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं साइरेगजोयणसइएणं पवाएणं पवडइ, गंगा महाणई जओ पवडइ इत्थ णं महं एगा जिब्भिया पण्णत्ता, सा णं जिब्भिया अद्धजोयणं आयामेणं छ सक्कोसाइं जोयणाइं विक्खंभेणं अद्धकोसं बाहल्लेणं मगरमुहविउट्टसंठाणसंठिया सव्ववइरामई अच्छा सण्हा, गंगा महाणई जत्थ पवडइ एत्थ णं महं एगे गंगप्पवायकुंडे णामं कुंडे पण्णत्ते सट्ठिं जोयणाइं आयामविक्खंभेणं णउयं जोयणसयं किंचिविसेसाहियं परिक्खेवेणं दस जोयणाइं उव्वेहेणं अच्छे सण्हे रययामयकूले समतीरे वइरामयपासाणे वइरतले सुवण्णसुब्भरययामयवालुयाए वेरुलियमणिफालियपडलपच्चोयडे सुहोयारे सुहोत्तारे णाणामणितित्थसुबद्धे वट्टे अणुपुव्वसुजायवप्पगंभीरसीयलजले संछण्णपत्तभिससुणाले बहुउप्पलकुमुयणलिणसुभगसोगंधियपोंडरीयमहापोंडरीयसयपत्तसहस्सपत्तसयसहस्सपत्तपप्फुल्लकेसरोवचिए छप्पयमहुयरपरिभुज्जमाणकमले अच्छविमलपत्थसलिले पुण्णे पडिहत्थभमन्तमच्छकच्छभअणेगसउणगणमिहुणपवियरियसद्दुण्णइयमहुरसरणाइए पासाईए०। से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसण्डेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते वेइयावणसंडगाणं पउमाणं वण्णओ भाणियव्वो, तस्स णं गंगप्पवायकुंडस्स तिदिसिं तओ तिसोवाणपडिरूवगा प०, तंजहा–पुरत्थिमेणं दाहिणेणं पच्चत्थिमेणं, तेसि णं तिसोवाणपडि-

जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे सुकच्छे णामं विजए पण्णत्ते, उत्तरदाहिणायए जहेव कच्छे विजए तहेव सुकच्छे विजए, णवरं खेमपुरा रायहाणी सुकच्छे राया समुप्पज्जइ तहेव सव्वं। कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे २ महाविदेहे वासे गाहावइकुंडे० पण्णत्ते? गो०! सुकच्छविजयस्स पुरत्थिमेणं महाकच्छस्स विजयस्स पच्चत्थिमेणं णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणिल्ले णियम्बे एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे गाहावइ-कुंडे णामं कुण्डे पण्णत्ते, जहेव रोहियंसाकुण्डे तहेव जाव गाहावइदीवे भवणे, तस्स णं गाहावइस्स कुण्डस्स दाहिणिल्लेणं तोरणेणं गाहावई महाणई पवूढा समाणी सुकच्छमहाकच्छविजए दुहा विभयमाणी २ दाहिणेणं सीयं महाणइं समप्पेइ, गाहावई णं महाणई पवहे य मुहे य सव्वत्थ समा पणवीसं जोयणसयं विक्खम्भेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणाइं उव्वेहेणं उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वण-सण्डेहिं जाव दुण्हवि वण्णओ, कहि णं भन्ते! महाविदेहे वासे महाकच्छे णामं विजए पण्णत्ते? गोयमा! णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं सीयाए महाणईए उत्त-रेणं पम्हकूडस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं गाहावईए महाणईए पुरत्थिमेणं एत्थ णं महाविदेहे वासे महाकच्छे णामं विजए पण्णत्ते, सेसं जहा कच्छविजयस्स (णवरं अरिट्ठा रायहाणी) जाव महाकच्छे इत्थ देवे महिड्डिए...अट्ठो य भाणियव्वो। कहि णं भन्ते! महाविदेहे वासे पम्हकूडे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! णील-वन्तस्स० दक्खिणेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं महाकच्छस्स पुरत्थिमेणं कच्छावईए पच्चत्थिमेणं एत्थ णं महाविदेहे वासे पम्हकूडे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते, उत्तर-दाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे सेसं जहा चित्तकूडस्स जाव आसयन्ति०, पम्हकूडे चत्तारि कूडा प०, तं०—सिद्धकूडे पम्हकूडे महाकच्छकूडे कच्छावइकूडे एवं जाव अट्ठो, पम्हकूडे य इत्थ देवे महिड्डिए० पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ०। कहि णं भन्ते! महाविदेहे वासे कच्छगावई णामं विजए प०? गो०! णीलवन्तस्स० दाहिणेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं दहावईए महाणईए पच्चत्थिमेणं पम्हकूडस्स० पुरत्थिमेणं एत्थ णं महाविदेहे वासे कच्छगावई णामं विजए प०, उत्तर-दाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे सेसं जहा कच्छस्स विजयस्स जाव कच्छगावई य इत्थ देवे०, कहि णं भन्ते! महाविदेहे वासे दहावईकुण्डे णामं कुण्डे पण्णत्ते? गोयमा! आवत्तस्स विजयस्स पच्चत्थिमेणं कच्छगावईए विजयस्स पुरत्थिमेणं णील-वन्तस्स० दाहिणिल्ले णियंबे एत्थ णं महाविदेहे वासे दहावईकुण्डे णामं कुण्डे प० सेसं जहा गाहावईकुण्डस्स जाव अट्ठो, तस्स णं दहावईकुण्डस्स दाहिणेणं तोरणेणं दहावई महाणई पवूढा समाणी कच्छावईआवत्ते विजए दुहा विभयमाणी २ दाहिणेणं

संपरिक्खित्ता वेइयावणसंडवण्णओ भाणियव्वो, एवं सिंधूएवि णेयव्वं जाव तस्स णं पउमद्दहस्स पच्चत्थिमिल्लेणं तोरणेणं सिंधुआवत्तणकूडे दाहिणाभिमुही सिंधुप्पवायकुंडं सिंधुद्दीवो अट्ठो सो चेव जाव अहेतिमिसगुहाए वेयड्ढपव्वयं दालइत्ता पच्चत्थिमाभिमुही आवत्ता समाणा चोद्दससलिला अहे जगइं पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं जाव समप्पेइ, सेसं तं चेव। तस्स णं पउमद्दहस्स उत्तरिल्लेणं तोरणेणं रोहियंसा महाणई पवूढा समाणी दोण्णि छावत्तरे जोयणसए छच्च एगूणवीसइभाए जोयणस्स उत्तराभिमुही पव्वएणं गंता महया घडमुहपवित्तिएणं मुत्तावलिहारसंठिएणं साइरेगजोयणसइएणं पवाएणं पवडइ, रोहियंसा णामं महाणई जओ पवडइ एत्थ णं महं एगा जिब्भिया पण्णत्ता, सा णं जिब्भिया जोयणं आयामेणं अद्धतेरसजोयणाइं विक्खंभेणं कोसं वाहल्लेणं मगरमुहविउट्टसंठाणसंठिया सव्ववइरामई अच्छा०, रोहियंसा महाणई जहिं पवडइ एत्थ णं महं एगे रोहियंसापवायकुण्डे णामं कुण्डे पण्णत्ते सवीसं जोयणसयं आयामविक्खंभेणं तिण्णि असीए जोयणसए किंचिविसेसूणे परिक्खेवेणं दसजोयणाइं उव्वेहेणं अच्छे कुंडवण्णओ जाव तोरणा, तस्स णं रोहियंसापवायकुंडस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे रोहियंसा णामं दीवे पण्णत्ते सोलस जोयणाइं आयामविक्खंभेणं साइरेगाइं पण्णासं जोयणाइं परिक्खेवेणं दो कोसे ऊसिए जलंताओ सव्वरयणामए अच्छे सण्हे सेसं तं चेव जाव भवणं अट्ठो य भाणियव्वो, तस्स णं रोहियंसप्पवायकुंडस्स उत्तरिल्लेणं तोरणेणं रोहियंसा महाणई पवूढा समाणी हेमवयं वासं एज्जेमाणी २ चउद्दसहिं सलिलासहस्सेहिं आपूरेमाणी २ सद्दावइवट्टवेयड्ढपव्वयं अद्धजोयणेणं असंपत्ता समाणी पच्चत्थाभिमुही आवत्ता समाणी हेमवयं वासं दुहा विभयमाणी २ अट्ठावीसाए सलिलासहस्सेहिं समग्गा अहे जगइं दालइत्ता पच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं समप्पेइ, रोहियंसा णं० पवहे अद्धतेरसजोयणाइं विक्खंभेणं कोसं उव्वेहेणं तयणंतरं च णं मायाए २ परिवड्ढमाणी २ मुहमूले पणवीसं जोयणसयं विक्खंभेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणाइं उव्वेहेणं उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं संपरिक्खित्ता ॥ ७४ ॥ चुल्लहिमवन्ते णं भन्ते! वासहरपव्वए कइ कूडा प०? गोयमा! इक्कारस कूडा प०, तं०-सिद्धकूडे १ चुल्लहिमवन्तकूडे २ भरहकूडे ३ इलादेवीकूडे ४ गंगादेवीकूडे ५ सिरिकूडे ६ रोहियंसकूडे ७ सिन्धुदेवीकूडे ८ सुरदेवीकूडे ९ हेमवयकूडे १० वेसमणकूडे ११। कहि णं भन्ते! चुल्लहिमवन्ते वासहरपव्वए सिद्धकूडे णामं कूडे प०? गोयमा! पुरच्छिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं चुल्लहिमवन्तकूडस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं सिद्धकूडे णामं कूडे पण्णत्ते पंच जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं मूले पंच जोय-

महाविदेहे वासे पुक्खलावई णामं विजए पण्णत्ते, उत्तरदाहिणायए एवं जहा कच्छविजयस्स जाव पुक्खलावई य इत्थं देवे० परिवसइ, से एएणट्ठेणं०। कहि णं भन्ते! महाविदेहे वासे सीयाए महाणईए उत्तरिल्ले सीयामुहवणे णामं वणे प०? गोयमा! णीलवन्तस्स दक्खिणेणं सीयाए उत्तरेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पुक्खलावइचक्कवट्टिविजयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं सीयामुहवणे णामं वणे पण्णत्ते, उत्तरदाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे सोलसजोयणसहस्साइं पञ्च य वाणउए जोयणसए दोण्णि य एगूणवीसइभाए जोयणस्स आयामेणं सीयाए महाणईए अन्तेणं दो जोयणसहस्साइं णव य बावीसे जोयणसए विक्खम्भेणं तयणंतरं च णं मायाए २ परिहायमाणे २ णीलवन्तवासहरपव्वयंतेणं एगं एगूणवीसइभागं जोयणस्स विक्खंभेणंति, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसण्डेणं संपरिक्खित्ते वण्णओ सीयामुहवणस्स जाव देवा आसयन्ति०, एवं उत्तरिल्लं पासं समत्तं। विजया भणिया। रायहाणीओ इमाओ—खेमा १ खेमपुरा २ चेव, रिट्ठा ३ रिट्ठपुरा ४ तहा। खग्गी ५ मंजूसा ६ अविय, ओसही ७ पुंडरीगिणी ८ ॥ १ ॥ सोलस विज्जाहरसेढीओ तावइयाओ आभिओगसेढीओ सव्वाओ इमाओ ईसाणस्स, सव्वेसु विजएसु कच्छवत्तव्वया जाव अट्ठो रायाणो सरिसणामगा विजएसु सोलसण्हं वक्खारपव्वयाणं चित्तकूडवत्तव्वया जाव कूडा चत्तारि २ बारसण्हं णईणं गाहावइवत्तव्वया जाव उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं वणसण्डेहि य० वण्णओ ॥ ९५ ॥ कहिं णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे सीयाए महाणईए दाहिणिल्ले सीयामुहवणे णामं वणे पण्णत्ते? एवं जह चेव उत्तरिल्लं सीयामुहवणं तह चेव दाहिणंपि भाणियव्वं, णवरं णिसहस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं वच्छस्स विजयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे सीयाए महाणईए दाहिणिल्ले सीयामुहवणे णामं वणे प०, उत्तरदाहिणायए तहेव सव्वं णवरं णिसहवासहरपव्वयंतेणं एगमेगूणवीसइभागं जोयणस्स विक्खम्भेणं किण्हे किण्होभासे जाव महया गन्धद्धाणिं मुयंते जाव आसयन्ति० उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं० वणवण्णओ इति। कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे वच्छे णामं विजए पण्णत्ते? गोयमा! णिसहस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं सीयाए महाणईए दाहिणेणं दाहिणिल्लस्स सीयामुहवणस्स पच्चत्थिमेणं तिउडस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे वच्छे णामं विजए पण्णत्ते तं चेव पमाणं सुसीमा रायहाणी १, तिउडे वक्खारपव्वए सुवच्छे विजए कुण्डला रायहाणी २, तत्तजला णई महा-

गो० ! एवं वुच्चइ—चुल्लहिमवन्ते वासहरपव्वए २, अदुत्तरं च णं गो० ! चुल्लहिमवन्तस्स० सासए णामधेज्जे पण्णत्ते जं ण कयाइ णासि० ॥ ७५ ॥ कहि णं भन्ते ! जंबुद्दीवे दीवे हेमवए णामं वासे प० ? गो० ! महाहिमवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दक्खिणेणं चुल्लहिमवन्तस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जंबुद्दीवे दीवे हेमवए णामं वासे पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे पलियंकसंठाणसंठिए दुहा लवणसमुद्दं पुट्ठे पुरत्थिमिल्लाए कोडीए पुरत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठे पच्चत्थिमिल्लाए कोडीए पच्चत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठे दोण्णि जोयणसहस्साइं एगं च पंचुत्तरं जोयणसयं पंच य एगूणवीसइभाए जोयणस्स विक्खंभेणं, तस्स वाहा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं छज्जोयणसहस्साइं सत्त य पणपण्णे जोयणसए तिण्णि य एगूणवीसइभाए जोयणस्स आयामेणं, तस्स जीवा उत्तरेणं पाईणपडीणायया दुहओ लवणसमुद्दं पुट्ठा पुरत्थिमिल्लाए कोडीए पुरत्थिमिल्लं लवणसमुद्दं पुट्ठा पच्चत्थिमिल्लाए जाव पुट्ठा सत्ततीसं जोयणसहस्साइं छच्च चउवत्तरे जोयणसए सोलस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स किंचिविसेसूणे आयामेणं, तस्स धणुं दाहिणेणं अट्ठतीसं जोयणसहस्साइं सत्त य चत्ताले जोयणसए दस य एगूणवीसइभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, हेमवयस्स णं भन्ते ! वासस्स केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते ? गो० ! वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, एवं तइयसमाणुभावो णेयव्वोत्ति ॥ ७६ ॥ कहि णं भन्ते ! हेमवए वासे सद्दावई णामं वट्टवेयड्ढपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! रोहियाए महाणईए पच्चच्छिमेणं रोहियंसाए महाणईए पुरत्थिमेणं हेमवयवासस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं सद्दावई णामं वट्टवेयड्ढपव्वए पण्णत्ते एगं जोयणसहस्सं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं उव्वेहेणं सव्वत्थसमे पल्लगसंठाणसंठिए एगं जोयणसहस्सं आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोयणसहस्साइं एगं च वावट्ठं जोयणसयं किंचिविसेसाहियं परिक्खेवेणं पण्णत्ते, सव्वरयणामए अच्छे०, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, वेइयावणसंडवण्णओ भाणियव्वो, सद्दावइस्स णं वट्टवेयड्ढपव्वयस्स उवरिं वहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, तस्स णं वहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स वहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे पासायवडेंसए पण्णत्ते वावट्ठिं जोयणाइं अद्धजोयणं च उड्ढं उच्चत्तेणं इक्कतीसं जोयणाइं कोसं च आयामविक्खंभेणं जाव सीहासणं सपरिवारं, से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—सद्दावई वट्टवेयड्ढपव्वए २ ? गोयमा ! सद्दावइवट्टवेयड्ढपव्वए णं खुड्डाखुड्डियासु वावीसु जाव विलपंतियासु वहवे उप्पलाइं पउमाइं सद्दावइप्पभाइं सद्दावइवण्णाइं सद्दावइवण्णाभाइं

विज्जुप्पहस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं सोमणसवक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं महाविदेहे वासे देवकुरा णामं कुरा पण्णत्ता, पाईणपडीणायया उदीण-दाहिणविच्छिण्णा इक्कारस जोयणसहस्साइं अट्ठ य बायाले जोयणसए दुण्णि य एगूणवीसइभाए जोयणस्स विक्खम्भेणं जहा उत्तरकुराए वत्तव्वया जाव अणुसज्ज-माणा पम्हगन्धा मियगन्धा अममा सहा तेयतली सणिचारीति ६ ॥ ९७ ॥ कहि णं भन्ते ! देवकुराए २ चित्तविचित्तकूडा णामं दुवे पव्वया प० ? गो० ! णिसहस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरिल्लाओ चरिमंताओ अट्ठचोत्तीसे जोयणसए चत्तारि य सत्तभाए जोयणस्स अबाहाए सीओयाए महाणईए पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं उभओकूले एत्थ णं चित्तविचित्तकूडा णामं दुवे पव्वया प०, एवं जच्चेव जमगपव्वयाणं० सच्चेव०, एएसिं रायहाणीओ दक्खिणेणंति ॥ ९८ ॥ कहि णं भन्ते ! देवकुराए २ णिसढद्दहे णामं दहे पण्णत्ते ? गो० ! तेसिं चित्तविचित्तकूडाणं पव्वयाणं उत्तरिल्लाओ चरिमन्ताओ अट्ठचोत्तीसे जोयणसए चत्तारि य सत्तभाए जोयणस्स अबाहाए सीओयाए महाण-ईए बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं णिसहद्दहे णामं दहे पण्णत्ते, एवं जच्चेव णीलवंत-उत्तरकुरुचन्देरावयमालवंताणं वत्तव्वया सच्चेव णिसहदेवकुरुसूरसुलसविज्जुप्पभाणं णेयव्वा, रायहाणीओ दक्खिणेणंति ॥ ९९ ॥ कहि णं भन्ते ! देवकुराए २ कूड-सामलिपेढे णामं पेढे पण्णत्ते ? गोयमा ! मन्दरस्स पव्वयस्स दाहिणपच्चत्थिमेणं णिसहस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं विज्जुप्पभस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं सीओयाए महाणईए पच्चत्थिमेणं देवकुरुपच्चत्थिमद्धस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं देवकुराए कुराए कूडसामलीपेढे णामं पेढे प०, एवं जच्चेव जम्बूए सुदंसणाए वत्तव्वया सच्चेव सामलीएवि भाणियव्वा णामविहूणा गरुलदेवे रायहाणी दक्खि-णेणं अवसिट्ठं तं चेव जाव देवकुरू य इत्थ देवे० पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से तेणट्ठेणं गो० ! एवं वुच्चइ–देवकुरा २, अदुत्तरं च णं० देवकुराए० ॥ १०० ॥ कहि णं भन्ते ! जम्बुद्दीवे २ महाविदेहे वासे विज्जुप्पभे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते ? गो० ! णिसहस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं मन्दरस्स पव्वयस्स दाहिण-पच्चत्थिमेणं देवकुराए० पच्चत्थिमेणं पम्हस्स विजयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बु-द्दीवे २ महाविदेहे वासे विज्जुप्पभे० वक्खारपव्वए प०, उत्तरदाहिणायए एवं जहा मालवन्ते णवरि सव्वतवणिज्जमए अच्छे जाव देवा आसयन्ति० । विज्जुप्पभे णं भन्ते ! वक्खारपव्वए कइ कूडा प० ? गो० ! णव कूडा प०, तं०–सिद्धकूडे विज्जुप्पभकूडे देवकुरुकूडे पम्हकूडे कणगकूडे सोवत्थियकूडे सीओयाकूडे सयज्जल-कूडे हरिकूडे । सिद्धे य विज्जुणामे देवकुरू पम्हकणगसोवत्थी । सीओया य सयज्ज-

मेयारूवे वण्णावासे प०, तं०—वइरामया मूला रययसुपइट्ठियविडिमा जाव अहियमण-णिव्वुइकरी पासाईया दरिसणिज्जा०, जंबूए णं सुदंसणाए चउद्दिसिं चत्तारि साला प०, तत्थ णं जे से पुरत्थिमिल्ले साले एत्थ णं भवणे पण्णत्ते कोसं आयामेणं एवमेव णवरमित्थ सयणिज्जं सेसेसु पासायवडेंसया सीहासणा य सपरिवारा इति । जम्बू णं० बारसहिं पउमवरवेइयाहिं सव्वओ समन्ता संपरिक्खित्ता, वेइयाणं वण्णओ, जम्बू णं० अण्णेणं अट्ठसएणं जम्बूणं तदद्धुच्चत्ताणं सव्वओ समन्ता संपरिक्खित्ता, तासि णं वण्णओ, ताओ णं जम्बूओ छहिं पउमवरवेइयाहिं संपरिक्खित्ता, जम्बूए णं सुदंसणाए उत्तरपुरत्थिमेणं उत्तरेणं उत्तरपच्चत्थिमेणं एत्थ णं अणाढियस्स देवस्स चउण्हं सामाणियसाहस्सीणं चत्तारि जम्बूसाहस्सीओ पण्णत्ताओ, तीसे णं पुरत्थिमेणं चउण्हं अग्गमहिसीणं चत्तारि जम्बूओ पण्णत्ताओ,–दाहिणपुरत्थिमे दक्खिणेण तह अवरदक्खिणेणं च । अट्ठ दस बारसेव य भवन्ति जम्बूसहस्साइं ॥ १ ॥ अणियाहिवाण पच्चत्थिमेण सत्तेव होंति जम्बूओ । सोलस साहस्सीओ चउद्दिसिं आयरक्खाणं ॥ २ ॥ जम्बू णं० तिहिं सइएहिं वणसंडेहिं सव्वओ समन्ता संप-रिक्खित्ता, जम्बूए णं० पुरत्थिमेणं पण्णासं जोयणाइं पढमं वणसंडं ओगाहित्ता एत्थ णं भवणे पण्णत्ते कोसं आयामेणं सो चेव वण्णओ सयणिज्जं च, एवं सेसासुवि दिसासु भवणा, जम्बूए णं० उत्तरपुरत्थिमेणं पढमं वणसण्डं पण्णासं जोयणाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि पुक्खरिणीओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पउमा १ पउमप्पभा २ कुमुया ३ कुमुयप्पभा ४, ताओ णं कोसं आयामेणं अद्धकोसं विक्खम्भेणं पञ्चधणुसयाइं उव्वेहेणं वण्णओ, तासि णं मज्झे पासायवडेंसगा कोसं आयामेणं अद्धकोसं विक्खम्भेणं देसूणं कोसं उड्ढं उच्चत्तेणं वण्णओ सीहासणा सपरिवारा, एवं सेसासु विदिसासु, **गाहा**–पउमा पउमप्पभा चेव, कुमुया कुमुयप्पहा । उप्पल-गुम्मा णलिणा, उप्पला उप्पलुज्जला ॥ १ ॥ भिंगा भिंगप्पभा चेव, अंजणा कज्जलप्पभा । सिरिकंता सिरिमहिया, सिरिचंदा चेव सिरिणिलया ॥ २ ॥ जम्बूए णं० पुरत्थिमिल्लस्स भवणस्स उत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमिल्लस्स पासायवडेंसगस्स दक्खि-णेणं एत्थ णं कूडे पण्णत्ते अट्ठ जोयणाइं उड्ढं उच्चत्तेणं दो जोयणाइं उव्वेहेणं मूले अट्ठ जोयणाइं आयामविक्खम्भेणं बहुमज्झदेसभाए छ जोयणाइं आयामविक्खम्भेणं उवरिं चत्तारि जोयणाइं आयामविक्खम्भेणं–पणवीसट्ठारस बारसेव मूले य मज्झि उवरिं च । सविसेसाइं परिरओ कूडस्स इमस्स बोद्धव्वो ॥ १ ॥ मूले विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उवरिं तणुए सव्वकणगामए अच्छे० वेइयावणसंडवण्णओ, एवं सेसावि कूडा इति । जम्बूए णं सुदंसणाए दुवालस णामधेज्जा प०, तं०–सुदंसणा १ अमोहा

जिया। चक्कपुरा खग्गपुरा हवइ अवज्झा अउज्झा य ॥ २ ॥ इमे वक्खारा, तंजहा–चन्दपव्वए १ सूरपव्वए २ णागपव्वए ३ देवपव्वए ४, इमाओ णईओ सीओयाए महाणईए दाहिणिल्ले कूले–खीरोया सीहसोया अंतरवाहिणीओ णईओ ३, उम्मिमालिणी १ फेणमालिणी २ गंभीरमालिणी ३ उत्तरिल्लविजयाणन्तराउत्ति, इत्थ परिवाडीए दो दो कूडा विजयसरिसणामया भाणियव्वा, इमे दो दो कूडा अवट्ठिया, तंजहा–सिद्धकूडे पव्वयसरिसणामकूडे ॥ १०२ ॥ कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे २ महाविदेहे वासे मन्दरे णामं पव्वए पण्णत्ते? गोयमा! उत्तरकुराए दक्खिणेणं देवकुराए उत्तरेणं पुव्वविदेहस्स वासस्स पच्चत्थिमेणं अवरविदेहस्स वासस्स पुरत्थिमेणं जम्बुद्दीवस्स २ बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे मन्दरे णामं पव्वए पण्णत्ते णवणउइजोयणसहस्साइं उड्ढं उच्चत्तेणं एगं जोयणसहस्सं उव्वेहेणं मूले दसजोयणसहस्साइं णवइं च जोयणाइं दस य एगारसभाए जोयणस्स विक्खम्भेणं धरणियले दस जोयणसहस्साइं विक्खम्भेणं तयणन्तरं च णं मायाए २ परिहायमाणे परिहायमाणे उवरितले एगं जोयणसहस्सं विक्खंभेणं मूले एकतीसं जोयणसहस्साइं णव य दसुत्तरे जोयणसए तिण्णि य एगारसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं धरणियले एकतीसं जोयणसहस्साइं छच्च तेवीसे जोयणसए परिक्खेवेणं उवरितले तिण्णि जोयणसहस्साइं एगं च बावट्ठं जोयणसयं किंचिविसेसाहियं परिक्खेवेणं मूले विच्छिण्णे मज्झे संखित्ते उवरिं तणुए गोपुच्छसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे सण्हेत्ति। से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समन्ता संपरिक्खित्ते वण्णओत्ति, मन्दरे णं भन्ते! पव्वए कइ वणा प०? गो०! चत्तारि वणा प०, तं०–भद्दसालवणे १ णन्दणवणे २ सोमणसवणे ३ पंडगवणे ४, कहि णं भन्ते! मन्दरे पव्वए भद्दसालवणे णामं वणे प०? गोयमा! धरणियले एत्थ णं मन्दरे पव्वए भद्दसालवणे णामं वणे पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे सोमणसविज्जुप्पहगंधमायणमालवंतेहिं वक्खारपव्वएहिं सीयासीओयाहि य महाणईहिं अट्ठभागपविभत्ते मन्दरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं बावीसं बावीसं जोयणसहस्साइं आयामेणं उत्तरदाहिणेणं अड्ढाइज्जाइं अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं विक्खम्भेणंति, से णं एगाए पउमवरवेइयाए एगेण य वणसंडेणं सव्वओ समन्ता संपरिक्खित्ते दुण्हवि वण्णओ भाणियव्वो किण्हे किण्होभासे जाव देवा आसयन्ति सयन्ति०, मन्दरस्स णं पव्वयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं भद्दसालवणं पण्णासं जोयणाइं ओगाहित्ता एत्थ णं चत्तारि णन्दापुक्खरिणीओ पण्णत्ताओ, तं०–पउमा १ पउमप्पभा २ चेव, कुमुया ३ कुमुयप्पभा ४, ताओ णं पुक्खरिणीओ पण्णासं जोयणाइं आयामेणं पणवीसं जोयणाइं

मालवन्ते हरिस्सहकूडे णामं कूडे पण्णत्ते? गोयमा! पुण्णभद्दस्स उत्तरेणं णीलवन्तस्स दक्खिणेणं एत्थ णं हरिस्सहकूडे णामं कूडे पण्णत्ते एगं जोअणसहस्सं उड्ढं उच्चत्तेणं जमगप्पमाणेणं णेयव्वं, रायहाणी उत्तरेणं असंखेज्जे दीवे अण्णंमि जम्बुद्दीवे दीवे उत्तरेणं बारसजोयणसहस्साइं ओगाहित्ता एत्थ णं हरिस्सहस्स देवस्स हरिस्सहा णामं रायहाणी पण्णत्ता चउरासीइं जोयणसहस्साइं आयामविक्खम्भेणं बे जोयणसयसहस्साइं पण्णट्ठिं च सहस्साइं छच्च छत्तीसे जोयणसए परिक्खेवेणं, सेसं जहा चमरचञ्चाए रायहाणीए तहा पमाणं भाणियव्वं, महिड्ढिए महज्जुइए, से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ-मालवन्ते वक्खारपव्वए २? गोयमा! मालवन्ते णं वक्खारपव्वए तत्थ तत्थ देसे २ तहिं २ बहवे सेरियागुम्मा णोमालियागुम्मा जाव मगदन्तियागुम्मा, ते णं गुम्मा दसद्धवण्णं कुसुमं कुसुमेंति, जे णं तं मालवन्तस्स वक्खारपव्वयस्स बहुसमरमणिज्जं भूमिभागं वायविधुयग्गसालामुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं करेन्ति, मालवंते य इत्थ देवे महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से तेणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ०, अदुत्तरं च णं जाव णिच्चे ॥ ९२ ॥ कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे कच्छे णामं विजए पण्णत्ते? गोयमा! सीयाए महाणईए उत्तरेणं णीलवंतस्स वासहरपव्वयस्स दक्खिणेणं चित्तकूडस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं मालवंतस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे २ महाविदेहे वासे कच्छे णामं विजए पण्णत्ते, उत्तरदाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे पलियंकसंठाणसंठिए गंगासिंधूहिं महाणईहिं वेयड्ढेण य पव्वएणं छब्भागपविभत्ते सोलस जोयणसहस्साइं पंच य बाणउए जोयणसए दोण्णि य एगूणवीसइभाए जोयणस्स आयामेणं दो जोयणसहस्साइं दोण्णि य तेरसुत्तरे जोयणसए किंचिविसेसूणे विक्खंभेणंति। कच्छस्स णं विजयस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं वेयड्ढे णामं पव्वए पण्णत्ते जे णं कच्छं विजयं दुहा विभयमाणे २ चिट्ठइ, तंजहा—दाहिणद्धकच्छं च उत्तरद्धकच्छं चेति, कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे दाहिणद्धकच्छे णामं विजए प०? गोयमा! वेयड्ढस्स पव्वयस्स दाहिणेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं चित्तकूडस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं मालवंतस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे दाहिणद्धकच्छे णामं विजए प०, उत्तरदाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे अट्ठ जोयणसहस्साइं दोण्णि य एगसत्तरे जोयणसए एक्कं च एगूणवीसइभागं जोयणस्स आयामेणं दो जोयणसहस्साइं दोण्णि य तेरसुत्तरे जोयणसए किंचिविसेसूणे विक्खम्भेणं पलियंकसंठाणसंठिए, दाहिणद्धकच्छस्स णं भन्ते! विजयस्स केरिसए आयारभावपडोयारे पण्णत्ते? गोयमा! बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते, तंजहा—जाव कित्ति-

कुण्डे णामं कुण्डे पण्णत्ते? गोयमा! चित्तकूडस्स वक्खारपव्वयस्स पचत्थिमेणं उसहकूडस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणिल्ले णियंबे एत्थ णं उत्तरद्धकच्छे० गंगाकुण्डे णामं कुण्डे पण्णत्ते सट्ठिं जोयणाइं आयामविक्खम्भेणं तहेव जहा सिंधू जाव वणसंडेण य संपरिक्खित्ता। से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ-कच्छे विजए कच्छे विजए? गोयमा! कच्छे विजए वेयड्ढस्स पव्वयस्स दाहिणेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं गंगाए महाणईए पचत्थिमेणं सिंधूए महाणईए पुरत्थिमेणं दाहिणद्धकच्छविजयस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं खेमा णामं रायहाणी प० विणीयारायहाणीसरिसा भाणियव्वा, तत्थ णं खेमाए रायहाणीए कच्छे णामं राया समुप्पजइ, महयाहिमवन्त जाव सव्वं भरहोअवणं भाणियव्वं णिक्खमणवज्जं सेसं सव्वं भाणियव्वं जाव भुंजए माणुस्सए सुहे, कच्छणामधेज्जे य कच्छे इत्थ देवे महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइ-कच्छे विजए कच्छे विजए जाव णिच्चे ॥ ९३ ॥ कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे चित्तकूडे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! सीयाए महाणईए उत्तरेणं णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं कच्छविजयस्स पुरत्थिमेणं सुकच्छविजयस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे चित्तकूडे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते, उत्तरदाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे सोलसजोयणसहस्साइं पञ्च य बाणउए जोयणसए दुण्णि य एगूणवीसइभाए जोयणस्स आयामेणं पञ्च जोयणसयाइं विक्खम्भेणं णीलवन्तवासहरपव्वयंतेणं चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं तयणंतरं च णं मायाए २ उस्सेहुव्वेहपरिवुड्ढीए परिवड्ढमाणे २ सीयामहाणईअंतेणं पञ्च जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पञ्च गाउयसयाइं उव्वेहेणं अस्सखन्धसंठाणसंठिए सव्वरयणामए अच्छे सण्हे जाव पडिरूवे उभओ पासिं दोहिं पउमवरवेइयाहिं दोहि य वणसंडेहिं संपरिक्खित्ते, वण्णओ दुण्हवि, चित्तकूडस्स णं वक्खारपव्वयस्स उप्पिं बहुसमरमणिज्जे भूमिभागे पण्णत्ते जाव आसयन्ति०, चित्तकूडे णं भन्ते! वक्खारपव्वए कइ कूडा पण्णत्ता? गोयमा! चत्तारि कूडा पण्णत्ता, तंजहा—सिद्धकूडे चित्तकूडे कच्छकूडे सुकच्छकूडे, समा उत्तरदाहिणेणं परुप्परंति, पढमं सीयाए उत्तरेणं चउत्थए नीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं एत्थ णं चित्तकूडे णामं देवे महिड्ढिए जाव रायहाणी सेत्ति ॥ ९४ ॥ कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे सुकच्छे णामं विजए पण्णत्ते? गोयमा! सीयाए महाणईए उत्तरेणं णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं गाहावईए महाणईए पचत्थिमेणं चित्तकूडस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं

तंजहा–सिद्धकूडे०, सिद्धे १ णीले २ पुव्वविदेहे ३ सीया य ४ कित्ति ५ णारी य ६। अवरविदेहे ७ रम्मगकूडे ८ उवदंसणे चेव ९ ॥ १ ॥ सव्वे एए कूडा पञ्च-सइया रायहाणीउ उत्तरेणं। से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ–णीलवन्ते वासहरपव्वए २? गोयमा! णीले णीलोभासे णीलवन्ते य इत्थ देवे महिड्ढिए जाव परिवसइ सव्ववेरुलियामए णीलवन्ते जाव णिच्चेत्ति ॥ ११० ॥ कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे २ रम्मए णामं वासे पण्णत्ते? गो०! णीलवन्तस्स उत्तरेणं रुप्पिस्स दक्खिणेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एवं जह चेव हरिवासं तह चेव रम्मयं वासं भाणियव्वं, णवरं दक्खिणेणं जीवा उत्तरेणं धणुं अवसेसं तं चेव। कहि णं भन्ते! रम्मए वासे गन्धावई णामं वट्टवेयड्ढ-पव्वए पण्णत्ते? गोयमा! णरकन्ताए पच्चत्थिमेणं णारीकन्ताए पुरत्थिमेणं रम्म-गवासस्स बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं गन्धावई णामं वट्टवेयड्ढपव्वए पण्णत्ते, जं चेव वियडावइस्स तं चेव गन्धावइस्सवि वत्तव्वं, अट्ठो बहवे उप्पलाइं जाव गंधा-वईवण्णाइं गन्धावइप्पभाइं पउमे य इत्थ देवे महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, रायहाणी उत्तरेणंति। से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ–रम्मए वासे २? गोयमा! रम्मगवासे णं रम्मे रम्मए रमणिज्जे रम्मए य इत्थ देवे जाव परिवसइ, से तेणट्ठेणं०। कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे २ रुप्पी णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते? गोयमा! रम्मग-वासस्स उत्तरेणं हेरण्णवयवासस्स दक्खिणेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे रुप्पी णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे, एवं जा चेव महाहिमवन्तवत्तव्वया सा चेव रुप्पिस्सवि, णवरं दाहिणेणं जीवा उत्तरेणं धणुं अवसेसं तं चेव महापुण्डरीए दहे णरकन्ता णई दक्खिणेणं णेयव्वा जहा रोहिया पुरत्थिमेणं गच्छइ, रुप्पकूला उत्तरेणं णेयव्वा जहा हरिकन्ता पच्चत्थिमेणं गच्छइ, अवसेसं तं चेवत्ति। रुप्पिम्मि णं भन्ते! वासहरपव्वए कइ कूडा प०? गो०! अट्ठ कूडा प०, तं०–सिद्धे १ रुप्पी २ रम्मग ३ णरकन्ता ४ बुद्धि ५ रुप्पकूला य ६। हेरण्णवय ७ मणिकंचण ८ अट्ठ य रुप्पिम्मि कूडाइं ॥ १ ॥ सव्वेवि एए पंचसइया रायहाणीओ उत्तरेणं। से केणट्ठेणं भन्ते! एवं वुच्चइ–रुप्पी वासहरपव्वए २? गोयमा! रुप्पीणामवासहरपव्वए रुप्पी रुप्पपट्टे रुप्पोभासे सव्वरुप्पामए रुप्पी य इत्थ देवे... पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से एएणट्ठेणं गोयमा! एवं वुच्चइत्ति। कहि णं भन्ते! जम्बुद्दीवे २ हेरण्णवए णामं वासे पण्णत्ते? गो०! रुप्पिस्स उत्तरेणं सिहरिस्स दक्खिणेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे हेरण्णवए णामं

सीयं महाणइं समप्पेइ, सेसं जहा गाहावईए । कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे आवत्ते णामं विजए पण्णत्ते ? गोयमा ! णीलवन्तस्स वासहरपव्वयस्स दाहिणेणं सीयाए महाणईए उत्तरेणं णलिणकूडस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं दहावईए महाणईए पुरत्थिमेणं एत्थ णं महाविदेहे वासे आवत्ते णामं विजए पण्णत्ते, सेसं जहा कच्छस्स विजयस्स इति । कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे णलिणकूडे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते ? गो० ! णीलवन्तस्स दाहिणेणं सीयाए उत्तरेणं मंगलावइस्स विजयस्स पच्चत्थिमेणं आवत्तस्स विजयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं महाविदेहे वासे णलिणकूडे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते, उत्तरदाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे सेसं जहा चित्तकूडस्स जाव आसयन्ति०, णलिणकूडे णं भन्ते !० कइ कूडा प० ? गोयमा ! चत्तारि कूडा पण्णत्ता, तंजहा–सिद्धकूडे णलिणकूडे आवत्तकूडे मंगलावत्तकूडे, एए कूडा पञ्चसइया रायहाणीओ उत्तरेणं । कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे मंगलावत्ते णामं विजए पण्णत्ते ? गोयमा ! णीलवन्तस्स दक्खिणेणं सीयाए उत्तरेणं णलिणकूडस्स पुरत्थिमेणं पंकावईए पच्चत्थिमेणं एत्थ णं मंगलावत्ते णामं विजए पण्णत्ते, जहा कच्छस्स विजए तहा एसो भाणियव्वो जाव मंगलावत्ते य इत्थ देवे० परिवसइ, से एएणट्ठेणं० । कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे पंकावईकुंडे णामं कुण्डे पण्णत्ते ? गोयमा ! मंगलावत्तस्स० पुरत्थिमेणं पुक्खलविजयस्स पच्चत्थिमेणं णीलवन्तस्स दाहिणे णियंबे एत्थ णं पंकावई जाव कुण्डे पण्णत्ते तं चेव गाहावइकुण्डप्पमाणं जाव मंगलावत्तपुक्खलावत्तविजए दुहा विभयमाणी २ अवसेसं तं चेव जं चेव गाहावईए । कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे पुक्खलावत्ते णामं विजए पण्णत्ते ? गोयमा ! णीलवन्तस्स दाहिणेणं सीयाए उत्तरेणं पंकावईए पुरत्थिमेणं एगसेलस्स वक्खारपव्वयस्स पच्चत्थिमेणं एत्थ णं पुक्खलावत्ते णामं विजए पण्णत्ते जहा कच्छविजए तहा भाणियव्वं जाव पुक्खले य इत्थ देवे महिड्ढिए० पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से एएणट्ठेणं०, कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे एगसेले णामं वक्खारपव्वए प० ? गो० ! पुक्खलावत्तचक्कवट्टिविजयस्स पुरत्थिमेणं पोक्खलावईचक्कवट्टिविजयस्स पच्चत्थिमेणं णीलवन्तस्स दक्खिणेणं सीयाए उत्तरेणं एत्थ णं एगसेले णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते चित्तकूडगमेणं णेयव्वो जाव देवा आसयन्ति०, चत्तारि कूडा, तं०–सिद्धकूडे एगसेलकूडे पुक्खलावत्तकूडे पुक्खलावईकूडे, कूडाणं तं चेव पञ्चसइयं परिमाणं जाव एगसेले य० देवे महिड्ढिए० । कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे पुक्खलावई णामं चक्कवट्टिविजए पण्णत्ते ? गोयमा ! णीलवन्तस्स दक्खिणेणं सीयाए उत्तरेणं उत्तरिल्लस्स सीयामुहवणस्स पच्चत्थिमेणं एगसेलस्स वक्खारपव्वयस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं

सएहिं २ भवणेहिं सएहिं २ पासायवडेंसएहिं पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं महत्तरियाहिं सपरिवाराहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं सोलसएहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णेहि य वहूहिं भवणवइवाणमन्तरेहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडाओ महया हयणट्टगीयवाइय जाव भोगभोगाइं भुंजमाणीओ विहरंति, तंजहा-भोगंकरा १ भोगवई २, सुभोगा ३ भोगमालिणी ४। तोयधारा ५ विचित्ता य ६, पुप्फमाला ७ अणिंदिया ८ ॥ १ ॥ तए णं तासिं अहेलोगवत्थव्वाणं अट्ठण्हं दिसाकुमारीणं मयहरियाणं पत्तेयं पत्तेयं आसणाइं चलंति, तए णं ताओ अहेलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ पत्तेयं २ आसणाइं चलियाइं पासन्ति २ त्ता ओहिं पउंजंति पउंजित्ता भगवं तित्थयरं ओहिणा आभोएंति २ त्ता अण्णमण्णं सद्दाविंति २ त्ता एवं वयासी-उप्पण्णे खलु भो! जम्बुद्दीवे दीवे भयवं तित्थयरे तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पण्णमणागयाणं अहेलोगवत्थव्वाणं अट्ठण्हं दिसाकुमारीमहत्तरियाणं भगवओ तित्थगरस्स जम्मणमहिमं करेत्तए, तं गच्छामो णं अम्हे-वि भगवओ जम्मणमहिमं करेमोत्तिकट्टु एवं वयंति २ त्ता पत्तेयं २ आभिओगिए देवे सद्दावेंति २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अणेगखम्भसयसण्णिविट्ठे लीलट्ठिय० एवं विमाणवण्णओ भाणियव्वो जाव जोयणविच्छिण्णे दिव्वे जाणविमाणे विउव्वित्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणहत्ति, तए णं ते आभिओगा देवा अणेगखम्भसय जाव पच्चप्पिणंति, तए णं ताओ अहेलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीमहत्तरियाओ हट्ठतुट्ठ० पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं चउहिं महत्तरियाहिं जाव अण्णेहिं वहूहिं देवेहिं देवीहि य सद्धिं संपरिवुडाओ ते दिव्वे जाणविमाणे दुरूहंति दुरूहित्ता सव्विड्ढीए सव्वजुईए घणमुइंगपणवपवाइयरवेणं ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए जेणेव भगवओ तित्थगरस्स जम्मणणगरे जेणेव० तित्थयरस्स जम्मणभवणे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता भगवओ तित्थयरस्स जम्मणभवणस्स उत्तरपुरत्थिमे दिसीभाए ईसिं चउरंगुलमसंपत्ते धरणियले ते दिव्वे जाणविमाणे ठविंति ठवित्ता पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव सद्धिं संपरिवुडाओ दिव्वेहिंतो जाणविमाणेहिंतो पच्चोरुहंति २ त्ता सव्विड्ढीए जाव णाइएणं जेणेव भगवं तित्थयरे तित्थयरमाया य तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता भगवं तित्थयरं तित्थयरमायरं च तिक्खुत्तो आयाहिणपयाहिणं करेंति २ त्ता पत्तेयं २ करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी-णमोऽत्थु ते रयणकुच्छिधारिए जगप्पईवदाईए सव्वजगमंगलस्स चक्खुणो य मुत्तस्स सव्वजगजीववच्छलस्स हियकारगमग्गदेसियवागिद्धिविभुपभुस्स जिणस्स णाणिस्स णायगस्स बुहस्स वोहगस्स सव्वलोगणाहस्स

वच्छे विजए अपराजिया रायहाणी ३, वेसमणकूडे वक्खारपव्वए वच्छावई विजए पभंकरा रायहाणी ४, मत्तजला णई रम्मे विजए अंकावई रायहाणी ५, अंजणे वक्खारपव्वए रम्मगे विजए पम्हावई रायहाणी ६, उम्मत्तजला महाणई रमणिज्जे विजए सुभा रायहाणी ७, मायंजणे वक्खारपव्वए मंगलावई विजए रयणसंचया रायहाणीति ८, एवं जह चेव सीयाए महाणईए उत्तरं पासं तह चेव दक्खिणिल्लं भाणियव्वं, दाहिणिल्लसीयामुहवणाइ, इमे वक्खारकूडा, तं०-तिउडे १ वेसमणकूडे २ अंजणे ३ मायंजणे ४, [णईउ तत्तजला १ मत्तजला २ उम्मत्तजला ३,] विजया, तं०-वच्छे सुवच्छे महावच्छे, चउत्थे वच्छगावई। रम्मे रम्मए चेव, रमणिज्जे मंगलावई ॥ १ ॥ रायहाणीओ, तंजहा-सुसीमा कुण्डला चेव, अवराइय पहंकरा। अंकावई पम्हावई, सुभा रयणसंचया ॥ २ ॥ वच्छस्स विजयस्स णिसहे दाहिणेणं सीया उत्तरेणं दाहिणिल्लसीयामुहवणे पुरत्थिमेणं तिउडे पच्चत्थिमेणं सुसीमा रायहाणी पमाणं तं चेवेति, वच्छाणंतरं तिउडे तओ सुवच्छे विजए एएणं कमेणं तत्तजला णई महावच्छे विजए वेसमणकूडे वक्खारपव्वए वच्छावई विजए मत्तजला णई रम्मे विजए अंजणे वक्खारपव्वए रम्मए विजए उम्मत्तजला णई रमणिज्जे विजए मायंजणे वक्खारपव्वए मंगलावई विजए ॥ ९६ ॥ कहि णं भन्ते ! जम्बुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे सोमणसे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते ? गो० ! णिसहस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं मन्दरस्स पव्वयस्स दाहिणपुरत्थिमेणं मंगलावईविजयस्स पच्चत्थिमेणं देवकुराए० पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे २ महाविदेहे वासे सोमणसे णामं वक्खारपव्वए पण्णत्ते, उत्तरदाहिणायए पाईणपडीणविच्छिण्णे जहा मालवन्ते वक्खारपव्वए तहा णवरं सव्वरययामए अच्छे जाव पडिरूवे, णिसहवासहरपव्वयंतेणं चत्तारि जोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं चत्तारि गाउयसयाइं उव्वेहेणं सेसं तहेव सव्वं णवरं अट्ठो से गोयमा ! सोमणसे णं वक्खारपव्वए बहवे देवा य देवीओ य सोमा सुमणा सोमणसे य इत्थ देवे महिड्ढिए जाव परिवसइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! जाव णिच्चे। सोमणसे णं भंते ! वक्खारपव्वए कइ कूडा प० ? गो० ! सत्त कूडा प०, तं०-सिद्धे १ सोमणसे २ विय बोद्धव्वे मंगलावईकूडे ३। देवकुरु ४ विमल ५ कंचण ६ वसिट्ठकूडे ७ य बोद्धव्वे ॥ १ ॥ एवं सव्वे पञ्चसइया कूडा, एएसिं पुच्छा दिसिविदिसाए भाणियव्वा जहा गन्धमायणस्स, विमलकञ्चणकूडेसु णवरं देवयाओ सुवच्छा वच्छमित्ता य अवसिट्ठेसु कूडेसु सरिसणामया देवा रायहाणीओ दक्खिणेणंति। कहि णं भन्ते ! महाविदेहे वासे देवकुरा णामं कुरा पण्णत्ता ? गोयमा ! मन्दरस्स पव्वयस्स दाहिणेणं णिसहस्स वासहरपव्वयस्स उत्तरेणं

कालेणं तेणं समएणं दाहिणरुयगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीमहत्तरियाओ तहेव जाव विहरंति, तंजहा-समाहारा १ सुप्पइण्णा २, सुप्पबुद्धा ३ जसोहरा ४। लच्छिमई ५ सेसवई ६, चित्तगुत्ता ७ वसुंधरा ८ ॥ १ ॥ तहेव जाव तुब्भाहिं ण भाइयव्वंतिकट्टु भगवओ तित्थयरस्स तित्थयरमाऊए य दाहिणेणं भिंगारहत्थगयाओ आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठन्ति। तेणं कालेणं तेणं समएणं पच्चत्थिमरुयगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीमहत्तरियाओ सएहिं २ जाव विहरंति, तं०-इलादेवी १ सुरादेवी २, पुहवी ३ पउमावई ४। एगणासा ५ णवमिया ६, भद्दा ७ सीया य ८ अट्ठमा ॥ १ ॥ तहेव जाव तुब्भाहिं ण भाइयव्वंतिकट्टु जाव भगवओ तित्थयरस्स तित्थयरमाऊए य पच्चत्थिमेणं तालियंटहत्थगयाओ आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठन्ति। तेणं कालेणं तेणं समएणं उत्तरिल्लरुयगवत्थव्वाओ जाव विहरंति, तंजहा-अलंबुसा १ मिस्सकेसी २, पुण्डरीया य ३ वारुणी ४। हासा ५ सव्वप्पभा ६ चेव, सिरि ७ हिरि ८ चेव उत्तरओ ॥ १ ॥ तहेव जाव वन्दित्ता भगवओ तित्थयरस्स तित्थयरमाऊए य उत्तरेणं चामरहत्थगयाओ आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठन्ति। तेणं कालेणं तेणं समएणं विदिसिरुयगवत्थव्वाओ चत्तारि दिसाकुमारीमहत्तरियाओ जाव विहरंति, तंजहा-चित्ता य १ चित्तकणगा २, सतेरा ३ य सोदामिणी ४। तहेव जाव ण भाइयव्वंतिकट्टु भगवओ तित्थयरस्स तित्थयरमाऊए य चउसु विदिसासु दीवियाहत्थगयाओ आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठन्तित्ति। तेणं कालेणं तेणं समएणं मज्झिमरुयगवत्थव्वाओ चत्तारि दिसाकुमारीमहत्तरियाओ सएहिं २ कूडेहिं तहेव जाव विहरंति, तंजहा-रूया रूयासिया चेव, सुरूया रूयगावई। तहेव जाव तुब्भाहिं ण भाइयव्वंतिकट्टु भगवओ तित्थयरस्स चउरंगुलवज्जं णाभिणालं कप्पन्ति कप्पेत्ता वियरगं खणन्ति खणित्ता वियरगे णाभिं णिहणंति णिहणित्ता रयणाण य वइराण य पूरेंति २ त्ता हरियालियाए पेढं बन्धंति २ त्ता तिदिसिं तओ कयलीहरए विउव्वंति, तए णं तेसिं कयलीहरगाणं बहुमज्झदेसभाए तओ चाउस्सालए विउव्वन्ति, तए णं तेसिं चाउस्सालगाणं बहुमज्झदेसभाए तओ सीहासणे विउव्वन्ति, तेसि णं सीहासणाणं अयमेयारूवे वण्णावासे पण्णत्ते सव्वो वण्णगो भाणियव्वो। तए णं ताओ रुयगमज्झवत्थव्वाओ चत्तारि दिसाकुमारीओ महत्तराओ जेणेव भयवं तित्थयरे तित्थयरमाया य तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता भगवं तित्थयरं करयलसंपुडेणं गिण्हन्ति तित्थयरमायरं च बाहाहिं गिण्हन्ति २ त्ता जेणेव दाहिणिल्ले कयलीहरए जेणेव चाउस्सालए जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता भगवं

लहरिकूडे चेव बोद्धव्वे ॥ १ ॥ एए हरिकूडवज्जा पञ्चसइया णेयव्वा, एएसिं कूडाणं पुच्छा दिसिविदिसाओ णेयव्वाओ जहा मालवन्तस्स हरिस्सहकूडे तह चेव हरिकूडे रायहाणी जह चेव दाहिणेणं चमरचंचा रायहाणी तह णेयव्वा, कणग-सोवत्थियकूडेसु वारिसेणवलाहयाओ दो देवयाओ अवसिट्ठेसु कूडेसु कूडसरिसणा-मया देवा रायहाणीओ दाहिणेणं, से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुचइ-विज्जुप्पभे वक्खार-पव्वए २ ? गोयमा ! विज्जुप्पभे णं वक्खारपव्वए विज्जुमिव सव्वओ समन्ता ओभासेइ उज्जोवेइ पभासइ विज्जुप्पभे य इत्थ देवे जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से एएणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-विज्जुप्पभे० २, अदुत्तरं च णं जाव णिच्चे ॥ १०१ ॥ एवं पम्हे विजए अस्सपुरा रायहाणी अंकावई वक्खारपव्वए १, सुपम्हे विजए सीहपुरा रायहाणी खीरोया महाणई २, महापम्हे विजए महापुरा रायहाणी पम्हावई वक्खारपव्वए ३, पम्हगावई विजए विजयपुरा रायहाणी सीयसोया महाणई ४, संखे विजए अवराइया रायहाणी आसीविसे वक्खारपव्वए ५, कुमुए विजए अरया रायहाणी अंतोवाहिणी महाणई ६, णलिणे विजए असोगा रायहाणी सुहावहे वक्खारपव्वए ७, णलिणावई विजए वीयसोगा रायहाणी ८ दाहिणिल्ले सीओयामुहवणसंडे, उत्तरिल्लेवि एमेव भाणियव्वे जहा सीयाए, वप्पे विजए विजया रायहाणी चन्दे वक्खारपव्वए १, सुवप्पे विजए जयन्ती रायहाणी उम्मिमालिणी णई २, महावप्पे विजए जयन्ती रायहाणी सूरे वक्खारपव्वए ३, वप्पावई विजए अपराइया रायहाणी फेणमालिणी णई ४, वग्गू विजए चक्कपुरा रायहाणी णागे वक्खारपव्वए ५, सुवग्गू विजए खग्गपुरा रायहाणी गंभीरमालिणी अंतरणई ६, गन्धिले विजए अवज्झा रायहाणी देवे वक्खारपव्वए ७, गंधिलावई विजए अओज्झा रायहाणी ८, एवं मन्दरस्स पव्वयस्स पच्चत्थिमिल्लं पासं भाणि-यव्वं तत्थ ताव सीओयाए णईए दक्खिणिल्ले णं कूले इमे विजया, तं०-पम्हे सुपम्हे महापम्हे, चउत्थे पम्हगावई । संखे कुमुए णलिणे, अट्ठमे णलिणावई ॥ १ ॥ इमाओ रायहाणीओ, तं०-आसपुरा सीहपुरा महापुरा चेव हवइ विजय-पुरा । अवराइया य अरया असोग तह वीयसोगा य ॥ २ ॥ इमे वक्खारा, तंजहा-अंके पम्हे आसीविसे सुहावहे, एवं इत्थ परिवाडीए दो दो विजया कूडसरि-सणामया भाणियव्वा दिसा विदिसाओ य भाणियव्वाओ, सीओयामुहवणं च भाणियव्वं सीओयाए दाहिणिल्लं उत्तरिल्लं च, सीओयाए उत्तरिल्ले पासे इमे विजया, तंजहा-वप्पे सुवप्पे महावप्पे, चउत्थे वप्पयावई । वग्गू य सुवग्गू य, गंधिले गंधिलावई ॥ १ ॥ रायहाणीओ इमाओ, तंजहा-विजया वेजयन्ती जयन्ती अपरा-

सक्के सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे सभाए सुहम्माए सक्कंसि सीहा-सणंसि से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसाहस्सीणं चउरासीए सामाणि-यसाहस्सीणं तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं चउण्हं लोगपालाणं अट्ठण्हं अग्गमहि-सीणं सपरिवाराणं तिण्हं परिसाणं सत्तण्हं अणियाणं सत्तण्हं अणियाहिवईणं चउण्हं चउरासीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं अण्णेसिं च बहूणं सोहम्मकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणे पालेमाणे महया हयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुपडहवाइय-रवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ। तए णं तस्स सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो आसणं चलइ, तए णं से सक्के जाव आसणं चलियं पासइ २ त्ता ओहिं पउंजइ पउंजित्ता भगवं तित्थयरं ओहिणा आभोएइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्ते आणंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए धाराहयकयंबकुसुमचंचुमालइय-ऊसवियरोमकूवे वियसियवरकमलणयणवयणे पयलियवरकडगतुडियकेऊरमउडे कुण्डलहारविरायंतवच्छे पालम्बपलम्बमाणघोलंतभूसणधरे ससंभमं तुरियं चवलं सुरिंदे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता वेरुलियवरिट्ठरिट्ठअंजणणि-उणोवियमिसिमिसिंतमणिरयणमंडियाओ पाउयाओ ओमुयइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरा-संगं करेइ २ त्ता अंजलिमउलियग्गहत्थे तित्थयराभिमुहे सत्तट्ठ पयाइं अणुगच्छइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता दाहिणं जाणुं धरणीयलंसि साहट्टु तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणियलंसि णिवेसेइ २ त्ता ईसिं पच्चुण्णमइ २ त्ता कडगतुडियथंभियाओ भुयाओ साहरइ २त्ता करयलपरिग्गहियं० सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी—णमोऽत्थु णं अरहंताणं भगवन्ताणं, आइगराणं तित्थयराणं सयंसंबुद्धाणं, पुरिसुत्तमाणं पुरिस-सीहाणं पुरिसवरपुण्डरीयाणं पुरिसवरगन्धहत्थीणं, लोगुत्तमाणं लोगणाहाणं लोग-हियाणं लोगपईवाणं लोगपज्जोयगराणं, अभयदयाणं चक्खुदयाणं मग्गदयाणं सरणदयाणं जीवदयाणं बोहिदयाणं, धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मणायगाणं धम्मसारहीणं धम्मवरचाउरन्तचक्कवट्टीणं, दीवो ताणं सरणं गई पइट्ठा अप्पडिहय-वरनाणदंसणधराणं वियट्टछउमाणं, जिणाणं जावयाणं तिण्णाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं मुत्ताणं मोयगाणं, सव्वण्णूणं सव्वदरिसीणं सिवमयलमरुयमणन्तमक्खय-मव्वाबाहमपुणरावित्तिसिद्धिगइणामधेयं ठाणं संपत्ताणं णमो जिणाणं जियभयाणं, णमोऽत्थु णं भगवओ तित्थगरस्स आइगरस्स जाव संपाविउकामस्स, वंदामि णं भगवन्तं तत्थगयं इहगए, पासउ मे भयवं! तत्थगए इहगयंतिकट्टु वन्दइ णमंसइ वं० २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णे, तए णं तस्स सक्कस्स देविंदस्स

विक्खम्भेणं दसजोयणाइं उव्वेहेणं वण्णओ वेइयावणसंडाणं भाणियव्वो, चउद्दिसिं तोरणा जाव तासि णं पुक्खरिणीणं बहुमज्झदेसभाए एत्थ णं महं एगे ईसाणस्स देविंदस्स देवरण्णो पासायवडिंसए पण्णत्ते पञ्चजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं विक्खंभेणं अब्भुग्गयमूसिय एवं सपरिवारो पासायवडिंसओ भाणियव्वो. मंदरस्स णं एवं दाहिणपुरत्थिमेणं पुक्खरिणीओ उप्पलगुम्मा णलिणा उप्पला उप्पलुज्जला तं चेव पमाणं मज्झे पासायवडिंसओ सक्कस्स सपरिवारो तेणं चेव पमाणेणं दाहिणपच्चत्थिमेणवि पुक्खरिणीओ-भिंगा भिंगणिभा चेव, अंजणा अंजणप्पभा। पासायवडिंसओ सक्कस्स सीहासणं सपरिवारं। उत्तरपुरत्थिमेणं पुक्खरिणीओ-सिरिकंता १ सिरिचन्दा २ सिरिमहिया ३ चेव सिरिणिलया ४। पासायवडिंसओ ईसाणस्स सीहासणं सपरिवारंति। मन्दरे णं भन्ते! पव्वए भद्दसालवणे कइ दिसाहत्थिकूडा प०? गो०! अट्ठ दिसाहत्थिकूडा पण्णत्ता, तंजहा-पउमुत्तरे १ णीलवन्ते २, सुहत्थी ३ अंजणागिरी ४। कुमुए य ५ पलासे य ६, वडिंसे ७ रोयणागिरी ८ ॥ १ ॥ कहि णं भन्ते! मन्दरे पव्वए भद्दसालवणे पउमुत्तरे णामं दिसाहत्थिकूडे प०? गोयमा! मन्दरस्स पव्वयस्स उत्तरपुरत्थिमेणं पुरत्थिमिल्लाए सीयाए उत्तरेणं एत्थ णं पउमुत्तरे णामं दिसाहत्थिकूडे पण्णत्ते पञ्चजोयणसयाइं उड्ढं उच्चत्तेणं पञ्चगाउयसयाइं उव्वेहेणं एवं विक्खम्भपरिक्खेवो भाणियव्वो चुल्लहिमवन्तसरिसो, पासायाण य तं चेव पउमुत्तरो देवो रायहाणी उत्तरपुरत्थिमेणं १, एवं णीलवन्तदिसाहत्थिकूडे मन्दरस्स दाहिणपुरत्थिमेणं पुरत्थिमिल्लाए सीयाए दक्खिणेणं एयस्सवि णीलवन्तो देवो रायहाणी दाहिणपुरत्थिमेणं २, एवं सुहत्थिदिसाहत्थिकूडे मंदरस्स दाहिणपुरत्थिमेणं दक्खिणिल्लाए सीओयाए पुरत्थिमेणं एयस्सवि सुहत्थी देवो रायहाणी दाहिणपुरत्थिमेणं ३, एवं चेव अंजणागिरिदिसाहत्थिकूडे मन्दरस्स दाहिणपच्चत्थिमेणं दक्खिणिल्लाए सीओयाए पच्चत्थिमेणं एयस्सवि अंजणागिरी देवो रायहाणी दाहिणपच्चत्थिमेणं ४, एवं कुमुए विदिसाहत्थिकूडे मन्दरस्स दाहिणपच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमिल्लाए सीओयाए दक्खिणेणं एयस्सवि कुमुओ देवो रायहाणी दाहिणपच्चत्थिमेणं ५, एवं पलासे विदिसाहत्थिकूडे मन्दरस्स उत्तरपच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमिल्लाए सीओयाए उत्तरेणं एयस्सवि पलासो देवो रायहाणी उत्तरपच्चत्थिमेणं ६, एवं वडेंसे विदिसाहत्थिकूडे मन्दरस्स० उत्तरपच्चत्थिमेणं उत्तरिल्लाए सीयाए महाणईए पच्चत्थिमेणं एयस्सवि वडेंसो देवो रायहाणी उत्तरपच्चत्थिमेणं ७, एवं रोयणागिरी दिसाहत्थिकूडे मंदरस्स उत्तरपुरत्थिमेणं उत्तरिल्लाए सीयाए पुरत्थिमेणं एयस्सवि रोयणागिरी देवो रायहाणी उत्तरपुरत्थिमेणं ८ ॥ १०३ ॥ कहि णं भन्ते! मन्दरे पव्वए णंदणवणे णामं

णवत्तियं सक्कारवत्तियं सम्माणवत्तियं दंसणवत्तियं जिणभत्तिरागेणं अप्पेगइया तं जीयमेयं एवमाइत्तिकट्टु जाव पाउब्भवंतित्ति । तए णं से सक्के देविंदे देवराया ते वेमाणिए देवे देवीओ य अकालपरिहीणं चेव अंतियं पाउब्भवमाणे पासइ २ त्ता हट्ठ० पालयं णामं आभिओगियं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अणेगखम्भसयसण्णिविट्ठं लीलट्ठियसालभंजियाकलियं ईहामियउसभ-तुरगणरमगरविहगवालगकिंणररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं खंभुग्गयवइरवेइयापरिगयाभिरामं विज्जाहरजमलजुयलजंतजुत्तंपिव अच्चीसहस्समालिणीयं रूवगसहस्सकलियं भिसमाणं भिब्भिसमाणं चक्खुल्लोयणलेसं सुहफासं सस्सिरीयरूवं घण्टावलियमहुरमणहरसरं सुहं कन्तं दरिसणिज्जं णिउणोवियमिसिमिसिंतमणिरयण-घंटियाजालपरिक्खित्तं जोयणसहस्सविच्छिण्णं पञ्चजोयणसयमुव्विद्धं सिग्घं तुरियं जइणणिव्वाहि-दिव्वं जाणविमाणं विउव्वाहि २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि ॥ ११५॥

तए णं से पालयदेवे सक्केणं देविंदेणं देवरण्णा एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणित्ता तहेव करेइ इति, तस्स णं दिव्वस्स जाणविमाणस्स तिदिसिं तओ तिसोवाणपडिरूवगा वण्णओ, तेसि णं पडिरूवगाणं पुरओ पत्तेयं २ तोरणा वण्णओ जाव पडिरूवा, तस्स णं जाणविमाणस्स अंतो बहुसमरमणिज्जे भूमि-भागे०, से जहाणामए–आलिंगपुक्खरेइ वा जाव दीवियचम्मेइ वा अणेगसंकुकीलग-सहस्सवियए आवडपच्चावडसेढिप्पसेढिसुत्थियसोवत्थियवद्धमाणपूसमाणवमच्छंडगम-गरंडगजारमारफुल्लावलिपउमपत्तसागरतरंगवसंतलयपउमलयभत्तिचित्तेहिं सच्छाएहिं सप्पभेहिं समरीइएहिं सउज्जोएहिं णाणाविहपञ्चवण्णेहिं मणीहिं उवसोभिए, तेसि णं मणीणं वण्णे गन्धे फासे य भाणियव्वे जहा **रायप्पसेणइज्जे**, तस्स णं भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभाए पेच्छाघरमण्डवे अणेगखम्भसयसण्णिविट्ठे वण्णओ जाव पडिरूवे, तस्स उल्लोए पउमलयभत्तिचित्ते जाव सव्वतवणिज्जमए जाव पडिरूवे, तस्स णं मण्डवस्स बहुसमरमणिज्जस्स भूमिभागस्स बहुमज्झदेसभागंसि महं एगा मणिपेढिया० अट्ठ जोयणाइं आयामविक्खम्भेणं चत्तारि जोयणाइं बाहल्लेणं सव्वमणिमई वण्णओ, तीए उवरिं महं एगे सीहासणे वण्णओ, तस्सुवरिं महं एगे विजयदूसे सव्वरयणामए वण्णओ, तस्स मज्झदेसभाए एगे वइरामए अंकुसे, एत्थ णं महं एगे कुम्भिक्के मुत्तादामे, से णं अण्णेहिं तदद्धुच्चत्तप्पमाणमित्तेहिं चउहिं अद्धकुम्भिक्केहिं मुत्तादामेहिं सव्वओ समन्ता संपरिक्खित्ते, ते णं दामा तवणिज्जलंबूसगा सुवण्णपयरगमण्डिया णाणामणिरयणविविहहारद्धहारउवसोभियसमुदया ईसिं अण्णमण्णमसंपत्ता पुव्वाइ-एहिं वाएहिं मन्दं २ एइज्जमाणा जाव निव्वुइकरेणं सद्देणं ते पएसे आपूरेमाणा २

वइरे ३ सक्करा ४, मज्झिमिल्ले णं भन्ते ! कण्डे कइविहे प० ? गोयमा ! चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा-अंके १ फलिहे २ जायरूवे ३ रयए ४, उवरिल्ले० कण्डे कइविहे पण्णत्ते ? गोयमा ! एगागारे पण्णत्ते सव्वजम्बूणयामए, मन्दरस्स णं भन्ते ! पव्वयस्स हेट्ठिल्ले कण्डे केवइयं बाहल्लेणं प० ? गोयमा ! एगं जोयणसहस्सं बाहल्लेणं पण्णत्ते, मज्झिमिल्ले० कण्डे पुच्छा, गोयमा ! तेवट्ठिं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं प०, उवरिल्ले पुच्छा, गोयमा ! छत्तीसं जोयणसहस्साइं बाहल्लेणं प०, एवामेव सपुव्वावरेणं मन्दरे पव्वए एगं जोयणसयसहस्सं सव्वग्गेणं पण्णत्ते ॥ १०८ ॥ मन्दरस्स णं भन्ते ! पव्वयस्स कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! सोलस णामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा-मन्दर १ मेरु २ मणोरम ३ सुदंसण ४ सयंपभे य ५ गिरिराया ६। रयणोच्चय ७ सिलोच्चय ८ मज्झे लोगस्स ९ णाभी य १० ॥ १ ॥ अच्छे य ११ सूरियावत्ते १२, सूरियावरणे १३ तिया । उत्तमे १४ य दिसादी य १५, वडेंसेति १६ य सोलसे ॥ २ ॥ से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ-मन्दरे पव्वए २ ? गोयमा ! मन्दरे पव्वए मन्दरे णामं देवे परिवसइ महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-मन्दरे पव्वए २, अदुत्तरं तं चेवत्ति ॥ १०९ ॥ कहि णं भन्ते ! जम्बुद्दीवे दीवे णीलवन्ते णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! महाविदेहस्स वासस्स उत्तरेणं रम्मगवासस्स दक्खिणेणं पुरत्थिमिल्ललवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे २ णीलवन्ते णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते, पाईणपडीणायए उदीणदाहिणविच्छिण्णे णिसहवत्तव्वया णीलवन्तस्स भाणियव्वा, णवरं जीवा दाहिणेणं धणुं उत्तरेणं एत्थ णं केसरिद्दहो, दाहिणेणं सीया महाणई पवूढा समाणी उत्तरकुरुं एज्जेमाणी २ जमगपव्वए णीलवन्तउत्तरकुरुचन्देरावयमालवन्तद्दहे य दुहा विभयमाणी २ चउरासीए सलिलासहस्सेहिं आपूरेमाणी २ भद्दसालवणं एज्जेमाणी २ मन्दरं पव्वयं दोहिं जोयणेहिं असंपत्ता पुरत्थाभिमुही आवत्ता समाणी अहे मालवन्तवक्खारपव्वयं दालइत्ता मन्दरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं पुव्वविदेहवासं दुहा विभयमाणी २ एगमेगाओ चक्कवट्टिविजयाओ अट्ठावीसाए २ सलिलासहस्सेहिं आपूरेमाणी २ पञ्चहिं सलिलासयसहस्सेहिं बत्तीसाए य सलिलासहस्सेहिं समग्गा अहे विजयस्स दारस्स जगइं दालइत्ता पुरत्थिमेणं लवणसमुद्दं समप्पेइ, अवसिट्ठं तं चेवत्ति । एवं णारिकंतावि उत्तराभिमुही णेयव्वा, णवरमिमं णाणत्तं गन्धावइवट्टवेयड्ढपव्वयं जोयणेणं असंपत्ता पच्चत्थाभिमुही आवत्ता समाणी अवसिट्ठं तं चेव पवहे य मुहे य जहा हरिकन्तासलिला इति । णीलवन्ते णं भन्ते ! वासहरपव्वए कइ कूडा पण्णत्ता ? गोयमा ! णव कूडा प०,

वासे पण्णत्ते, एवं जह चेव हेमवयं तह चेव हेरण्णवयंपि भाणियव्वं, णवरं जीवा दाहिणेणं उत्तरेणं धणुं अवसिट्ठं तं चेवत्ति। कहि णं भन्ते ! हेरण्णवए वासे मालवन्तपरियाए णामं वट्टवेयड्डपव्वए प० ? गो० ! सुवण्णकूलाए पच्चत्थिमेणं रुप्पकूलाए पुरत्थिमेणं एत्थ णं हेरण्णवयस्स वासस्स बहुमज्झदेसभाए मालवन्तपरियाए णामं वट्टवेयड्डपव्वए प० जह चेव सद्दावइ० तह चेव मालवंतपरियाएवि, अट्ठो उप्पलाइं पउमाइं मालवन्तप्पभाइं मालवन्तवण्णाइं मालवन्तवण्णाभाइं पभासे य इत्थ देवे महिड्ढिए... पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से एएणट्ठेणं०, रायहाणी उत्तरेणंति । से केणट्ठेणं भन्ते ! एवं वुच्चइ-हेरण्णवए वासे २ ? गोयमा ! हेरण्णवए णं वासे रुप्पीसिहरीहिं वासहरपव्वएहिं दुहओ समवगूढे णिच्चं हिरण्णं दलइ णिच्चं हिरण्णं मुंचइ णिच्चं हिरण्णं पगासइ हेरण्णवए य इत्थ देवे परिवसइ०, से एएणट्ठेणंति । कहि णं भन्ते ! जम्बुद्दीवे दीवे सिहरी णामं वासहरपव्वए पण्णत्ते ? गोयमा ! हेरण्णवयस्स उत्तरेणं एरावयस्स दाहिणेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स० पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं, एवं जह चेव चुल्लहिमवन्तो तह चेव सिहरीवि णवरं जीवा दाहिणेणं धणुं उत्तरेणं अवसिट्ठं तं चेव पुण्डरीए दहे सुवण्णकूला महाणई दाहिणेणं णेयव्वा जहा रोहियंसा पुरत्थिमेणं गच्छइ, एवं जह चेव गंगासिन्धूओ तह चेव रत्तारत्तवईओ णेयव्वाओ पुरत्थिमेणं रत्ता पच्चत्थिमेणं रत्तवई अवसिट्ठं तं चेव [अवसेसं भाणियव्वंति] । सिहरिम्मि णं भन्ते ! वासहरपव्वए कइ कूडा पण्णत्ता ? गो० ! इक्कारस कूडा प०, तं०-सिद्धकूडे १ सिहरिकूडे २ हेरण्णवयकूडे ३ सुवण्णकूलाकूडे ४ सुरादेवीकूडे ५ रत्ताकूडे ६ लच्छीकूडे ७ रत्तवईकूडे ८ इलादेवीकूडे ९ एरवयकूडे १० तिगिच्छिकूडे ११, एवं सव्वेवि कूडा पंचसइया रायहाणीओ उत्तरेणं । से केणट्ठेणं भन्ते ! एवमुच्चइ-सिहरिवासहरपव्वए २ ? गोयमा ! सिहरिंमि वासहरपव्वए बहवे कूडा सिहरिसंठाणसंठिया सव्वरयणामया सिहरी य इत्थ देवे जाव परिवसइ, से तेणट्ठेणं०, कहि णं भन्ते ! जम्बुद्दीवे दीवे एरावए णामं वासे पण्णत्ते ? गोयमा ! सिहरिस्स० उत्तरेणं उत्तरलवणसमुद्दस्स दक्खिणेणं पुरत्थिमलवणसमुद्दस्स पच्चत्थिमेणं पच्चत्थिमलवणसमुद्दस्स पुरत्थिमेणं एत्थ णं जम्बुद्दीवे दीवे एरावए णामं वासे पण्णत्ते, खाणुबहुले कंटगबहुले एवं जच्चेव भरहस्स वत्तव्वया सच्चेव सव्वा णिरवसेसा णेयव्वा सओअवणा सणिक्खमणा सपरिनिव्वाणा णवरं एरावओ चक्कवट्टी एरावओ देवो, से तेणट्ठेणं० एरावए वासे २ ॥ १११ ॥ **चउत्थो वक्खारो समत्तो ॥**

जया णं एक्कमेक्के चक्कवट्टिविजए भगवन्तो तित्थयरा समुप्पज्जन्ति तेणं कालेणं तेणं समएणं अहोलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीओ महत्तरियाओ सएहिं २ कूडेहिं

णिम्ममस्स पवरकुलसमुब्भवस्स जाइए खत्तियस्स जंसि लोगुत्तमस्स जणणी धण्णासि तं पुण्णासि कयत्थासि अम्हे णं देवाणुप्पिए ! अहेलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीमहत्तरियाओ भगवओ तित्थगरस्स जम्मणमहिमं करिस्सामो तण्णं तुब्भाहिं ण भाइयव्वंतिकट्टु उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमन्ति २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणंति २ त्ता संखिज्जाइं जोयणाइं दंडं णिसिरंति, तंजहा–रयणाणं जाव संवट्टगवाए विउव्वंति २ त्ता तेणं सिवेणं मउएणं मारुएणं अणुद्धुएणं भूमितलविमलकरणेणं मणहरेणं सव्वोउयसुरहिकुसुमगन्धाणुवासिएणं पिण्डिमणीहारिमेणं गन्धुद्धुएणं तिरियं पवाइएणं भगवओ तित्थयरस्स जम्मणभवणस्स सव्वओ समन्ता जोयणपरिमण्डलं से जहाणामए–कम्मगरदारए सिया जाव तहेव जं तत्थ तणं वा पत्तं वा कट्ठं वा कयवरं वा असुइमचोक्खं पूइयं दुब्भिगन्धं तं सव्वं आहुणिय २ एगन्ते एडेंति २ त्ता जेणेव भगवं तित्थयरे तित्थयरमाया य तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता भगवओ तित्थयरस्स तित्थयरमायाए य अदूरसामन्ते आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठंति ॥ ११२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं उड्ढलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीमहत्तरियाओ सएहिं २ कूडेहिं सएहिं २ भवणेहिं सएहिं २ पासायवडेंसएहिं पत्तेयं २ चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं एवं तं चेव पुव्ववण्णियं जाव विहरंति, तंजहा–मेहंकरा १ मेहवई २, सुमेहा ३ मेहमालिणी ४ । सुवच्छा ५ वच्छमित्ता य ६, वारिसेणा ७ वलाहगा ८ ॥ १ ॥ तए णं तासिं उड्ढलोगवत्थव्वाणं अट्ठण्हं दिसाकुमारीमहत्तरियाणं पत्तेयं २ आसणाइं चलन्ति, एवं तं चेव पुव्ववण्णियं भाणियव्वं जाव अम्हे णं देवाणुप्पिए ! उड्ढलोगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीमहत्तरियाओ जेणं भगवओ तित्थगरस्स जम्मणमहिमं करिस्सामो तेणं तुब्भाहिं ण भाइयव्वंतिकट्टु उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमन्ति २ त्ता जाव अब्भवद्दलए विउव्वन्ति २ त्ता जाव तं णिहयरयं णट्ठरयं भट्ठरयं पसंतरयं उवसंतरयं करेंति २ त्ता खिप्पामेव पच्चुवसमन्ति, एवं पुप्फवद्दलंसि पुप्फवासं वासंति वासित्ता जाव कालागुरुपवर जाव सुरवराभिगमणजोग्गं करेन्ति २ त्ता जेणेव भयवं तित्थयरे तित्थयरमाया य तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता जाव आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठंति ॥ ११३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पुरत्थिमरुयगवत्थव्वाओ अट्ठ दिसाकुमारीमहत्तरियाओ सएहिं २ कूडेहिं तहेव जाव विहरंति, तंजहा–णंदुत्तरा य १ णन्दा २ आणन्दा ३ णंदिवद्धणा ४ । विजया य ५ वेजयन्ती ६, जयन्ती ७ अपराजिया ८ ॥ १ ॥ सेसं तं चेव जाव तुब्भाहिं ण भाइयव्वंतिकट्टु भगवओ तित्थयरस्स तित्थयरमायाए य पुरत्थिमेणं आयंसहत्थगयाओ आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठन्ति । तेणं

तित्थयरं तित्थयरमायरं च सीहासणे णिसीयावेंति २ त्ता सयपागसहस्सपागेहिं तिल्लेहिं अब्भंगेंति २ त्ता सुरभिणा गन्धवट्टएणं उव्वट्टेंति २ त्ता भगवं तित्थयरं करयलसंपुडेणं तित्थयरमायरं च वाहासु गिण्हन्ति २ त्ता जेणेव पुरत्थिमिल्ले कयलीहरए जेणेव चाउस्सालए जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छन्ति उवागच्छित्ता भगवं तित्थयरं तित्थयरमायरं च सीहासणे णिसीयावेंति २ त्ता तिहिं उदएहिं मज्जावेंति, तंजहा–गन्धोदएणं १ पुप्फोदएणं २ सुद्धोदएणं ३, मज्जावित्ता सव्वालंकारविभूसियं करेंति २ त्ता भगवं तित्थयरं करयलसंपुडेणं तित्थयरमायरं च वाहाहिं गिण्हन्ति २ त्ता जेणेव उत्तरिल्ले कयलीहरए जेणेव चाउस्सालए जेणेव सीहासणे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता भगवं तित्थयरं तित्थयरमायरं च सीहासणे णिसीयाविंति २ त्ता आभिओगे देवे सद्दाविन्ति २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! चुल्लहिमवन्ताओ वासहरपव्वयाओ गोसीसचंदणकट्ठाइं साहरह, तए णं ते आभिओगा देवा ताहिं रुयगमज्झवत्थव्वाहिं चउहिं दिसाकुमारीमहत्तरियाहिं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव विणएणं वयणं पडिच्छन्ति २ त्ता खिप्पामेव चुल्लहिमवन्ताओ वासहरपव्वयाओ सरसाइं गोसीसचन्दणकट्ठाइं साहरन्ति, तए णं ताओ मज्झिमरुयगवत्थव्वाओ चत्तारि दिसाकुमारीमहत्तरियाओ सरगं करेन्ति २ त्ता अरणिं घडेंति अरणिं घडित्ता सरएणं अरणिं महिंति २ त्ता अग्गिं पाडेंति २ त्ता अग्गिं संधुक्खंति २ त्ता गोसीसचन्दणकट्ठे पक्खिवन्ति २ त्ता अग्गिं उज्जालंति २ त्ता भूइकम्मं[1] करेंति २ त्ता रक्खा[2]पोट्टलियं[3] बंधन्ति बन्धेत्ता णाणामणिरयणभत्तिचित्ते दुविहे पाहाणवट्टगे गहाय भगवओ तित्थयरस्स कण्णमूलंसि टिट्टियाविन्ति भवउ भयवं पव्वयाउए २। तए णं ताओ रुयगमज्झवत्थव्वाओ चत्तारि दिसाकुमारीमहत्तरियाओ भयवं तित्थयरं करयलसंपुडेणं तित्थयरमायरं च वाहाहिं गिण्हन्ति गिण्हित्ता जेणेव भगवओ तित्थयरस्स जम्मणभवणे तेणेव उवागच्छन्ति २ त्ता तित्थयरमायरं सयणिज्जंसि णिसीयाविंति णिसीयावित्ता भयवं तित्थयरं माऊए पासे ठवेंति ठवित्ता आगायमाणीओ परिगायमाणीओ चिट्ठन्तीति ॥ ११४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के णामं देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे सयक्केऊ सहस्सक्खे मघवं पागसासणे दाहिणड्ढलोगाहिवई बत्तीसविमाणावाससयसहस्साहिवई एरावणवाहणे सुरिंदे अरयंबरवत्थधरे आलइयमालमउडे णवहेमचारुचित्तचंचलकुण्डलविलिहिज्जमाणगंडे भासुरबोंदी पलम्बवणमाले महिड्ढिए महज्जुइए महाबले महायसे महाणुभागे महा-

१ जेण कम्मेण कट्ठाइं भस्सरूवाइं भवंति तं तारिसं। २ भस्सेति वा भप्पेति वा भूइति वा रक्खाति वा एगट्ठा। ३ जीयंति काऊण बंधिज्जंती भस्सपोट्टलिया तं।

समा भवन्तीतिमक्खायं। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे भरहे वासे कइ तित्था प० ? गो० ! तओ तित्था प०, तं०–मागहे वरदामे पभासे, जंबुद्दीवे० एरवए वासे कइ तित्था प० ? गो० ! तओ तित्था प०, तं०–मागहे वरदामे पभासे, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे महाविदेहे वासे एगमेगे चक्कवट्टिविजए कइ तित्था प० ? गो० ! तओ तित्था प०, तं०–मागहे वरदामे पभासे, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे २ एगे विउत्तरे तित्थसए भवतीतिमक्खायं। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे केवइयाओ विज्जाहरसेढीओ केवइयाओ आभिओगसेढीओ प० ? गो० ! जंबुद्दीवे दीवे अट्ठसट्ठी विज्जाहरसेढीओ अट्ठसट्ठी आभिओगसेढीओ पण्णत्ताओ, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे दीवे छत्तीसे सेढीसए भवतीतिमक्खायं, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे केवइया चक्कवट्टिविजया केवइयाओ रायहाणीओ केवइयाओ तिमिसगुहाओ केवइयाओ खंडप्पवायगुहाओ केवइया कयमालया देवा केवइया णट्टमालया देवा केवइया उसभकूडा० प० ? गो० ! जंबुद्दीवे दीवे चोत्तीसं चक्कवट्टिविजया चोत्तीसं रायहाणीओ चोत्तीसं तिमिसगुहाओ चोत्तीसं खंडप्पवायगुहाओ चोत्तीसं कयमालया देवा चोत्तीसं णट्टमालया देवा चोत्तीसं उसभकूडा पव्वया प०, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे केवइया महद्दहा प० ? गो० ! सोलस महद्दहा पण्णत्ता, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे केवइयाओ महाणईओ वासहरपवहाओ केवइयाओ महाणईओ कुंडप्पवहाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! जंबुद्दीवे २ चोद्दस महाणईओ वासहरपवहाओ छावत्तरिं महाणईओ कुंडप्पवहाओ०, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे

देवरण्णो अयमेयारूवे जाव संकप्पे समुप्पज्जित्था-उप्पण्णे खलु भो ! जम्बुद्दीवे दीवे भगवं तित्थयरे तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पण्णमणागयाणं सक्काणं देविंदाणं देवराईणं तित्थयराणं जम्मणमहिमं करेत्तए, तं गच्छामि णं अहंपि भगवओ तित्थगरस्स जम्मणमहिमं करेमित्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता हरिणेगमेसिं पायत्ताणीयाहिवइं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! सभाए सुहम्माए मेघोघरसियगंभीरमहुरयरसद्दं जोयणपरिमण्डलं सुघोसं सूसरं घंटं तिक्खुत्तो उल्लालेमाणे २ महया महया सद्देणं उग्घोसेमाणे २ एवं वयाहि-आणवेइ णं भो ! सक्के देविंदे देवराया गच्छइ णं भो ! सक्के देविंदे देवराया जम्बुद्दीवे २ भगवओ तित्थयरस्स जम्मणमहिमं करित्तए, तं तुब्भेवि णं देवाणुप्पिया ! सव्विड्ढीए सव्वजुईए सव्वबलेणं सव्वसमुदएणं सव्वायरेणं सव्वविभूईए सव्वसंभमेणं सव्वणाडएहिं सव्वोवरोहेहिं सव्वालंकारविभूसाए सव्वदिव्वतुडियसद्दसण्णिणाएणं महया इड्ढीए जाव रवेणं णिययपरियालसंपरिवुडा सयाइं २ जाणविमाणवाहणाइं दुरूढा समाणा अकालपरिहीणं चेव सक्कस्स जाव अंतियं पाउब्भवह, तए णं से हरिणेगमेसी देवे पायत्ताणीयाहिवई सक्केणं ३ जाव एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव एवं देवोत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता सक्कस्स ३ अंतियाओ पडिणिक्खमइ २ त्ता जेणेव सभाए सुहम्माए मेघोघरसियगम्भीरमहुरयरसद्दा जोयणपरिमण्डला सुघोसा घण्टा तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तं मेघोघरसियगम्भीरमहुरयरसद्दं जोयणपरिमण्डलं सुघोसं घण्टं तिक्खुत्तो उल्लालेइ, तए णं तीसे मेघोघरसियगम्भीरमहुरयरसद्दाए जोयणपरिमण्डलाए सुघोसाए घण्टाए तिक्खुत्तो उल्लालियाए समाणीए सोहम्मे कप्पे अण्णेहिं एगूणेहिं बत्तीसविमाणावाससयसहस्सेहिं अण्णाइं एगूणाइं बत्तीसं घण्टासयसहस्साइं जमगसमगं कणकणारावं काउं पयत्ताइं चावि हुत्था, तए णं सोहम्मे कप्पे पासायविमाणणिक्खुडावडियसद्दसमुट्ठियघण्टापडंसुयासयसहस्ससंकुले जाए यावि होत्था, तए णं तेसिं सोहम्मकप्पवासीणं बहूणं वेमाणियाणं देवाण य देवीण य एगन्तरइपसत्तणिच्चप्पमत्तविसयसुहमुच्छियाणं सूसरघण्टारसियविउलबोलपूरियचवलपडिबोहणे कए समाणे घोसणकोऊहलदिण्णकण्णएगग्गचित्तउवउत्तमाणसाणं से पायत्ताणीयाहिवई देवे तंसि घण्टारवंसि णिसंतपडिसंतंसि समाणंसि तत्थ तत्थ देसे २ तहिं २ महया महया सद्देणं उग्घोसेमाणे २ एवं वयासी-हन्त ! सुणंतु भवंतो बहवे सोहम्मकप्पवासी वेमाणियदेवा देवीओ य सोहम्मकप्पवइणो इणमो वयणं हियसुहत्थं-आणवेइ णं भो ! सक्के तं चेव जाव अंतियं पाउब्भवहत्ति, तए णं ते देवा देवीओ य एयमट्ठं सोच्चा हट्ठतुट्ठ जाव हियया अप्पेगइया वन्दणवत्तियं एवं णमंस-

मंडलसए पण्णत्ते, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे दीवे लवणे य समुद्दे एगे सुलसीए सूरमंडलसए भवतीतिमक्खायं १ ॥ १२७ ॥ सव्वब्भंतराओ णं भंते ! सूरमंडलाओ केवइयाए अवाहाए सव्ववाहिरए सूरमंडले प० ? गोयमा ! पंचदसुत्तरे जोयणसए अवाहाए सव्ववाहिरए सूरमंडले पण्णत्ते २ ॥ १२८ ॥ सूरमंडलस्स णं भंते ! सूरमंडलस्स य केवइयं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ? गोयमा ! दो जोयणाइं अवाहाए अंतरे पण्णत्ते ३ ॥ १२९ ॥ सूरमंडले णं भंते ! केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं केवइयं वाहल्लेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! अडयालीसं एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं चउवीसं एगसट्ठिभाए जोयणस्स वाहल्लेणं पण्णत्ते इति ४ ॥ १३० ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए सव्वब्भंतरे सूरमंडले पण्णत्ते ? गोयमा ! चोयालीसं जोयणसहस्साइं अट्ठ य वीसे जोयणसए अवाहाए सव्वब्भंतरे सूरमंडले पण्णत्ते, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइअवाहाए सव्वब्भंतराणंतरे सूरमंडले पण्णत्ते ? गो० ! चोयालीसं जोयणसहस्साइं अट्ठ य वावीसे जोयणसए अडयालीसं च एगसट्ठिभागे जोयणस्स अवाहाए अब्भंतराणंतरे सूरमंडले प०, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए अब्भंतरतच्चे सूरमंडले पण्णत्ते ? गो० ! चोयालीसं जोयणसहस्साइं अट्ठ य पणवीसे जोयणसए पणतीसं च एगसट्ठिभागे जोयणस्स अवाहाए अब्भंतरतच्चे सूरमंडले पण्णत्ते, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयणंतराओ मंडलाओ तयणंतरं मंडलं संकममाणे २ दो दो जोयणाइं अडयालीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले अवाहावुड्ढिं अभिवड्ढेमाणे २ सव्ववाहिरं

जाव अईव २ उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति, तस्स णं सीहासणस्स अवरुत्तरेणं उत्तरेणं उत्तरपुरत्थिमेणं एत्थ णं सक्कस्स० चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं चउरासीइभद्दासणसाहस्सीओ पुरत्थिमेणं अट्ठण्हं अग्गमहिसीणं एवं दाहिणपुरत्थिमेणं अब्भितरपरिसाए दुवालसण्हं देवसाहस्सीणं दाहिणेणं मज्झिमाए० चउदसण्हं देवसाहस्सीणं दाहिणपच्चत्थिमेणं बाहिरपरिसाए सोलसण्हं देवसाहस्सीणं पचत्थिमेणं सत्तण्हं अणियाहिवईणंति, तए णं तस्स सीहासणस्स चउद्दिसिं चउण्हं चउरासीणं आयरक्खदेवसाहस्सीणं एवमाई विभासियव्वं सूरियाभगमेणं जाव पच्चप्पिणन्तित्ति ॥ ११६ ॥ तए णं से सक्के हट्ठ जाव हियए दिव्वं जिणंदाभिगमणजुग्गं सव्वालंकारविभूसियं उत्तरवेउव्वियं रूवं विउव्वइ २ त्ता अट्ठहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं णट्टाणीएणं गन्धव्वाणीएण य सद्धिं तं विमाणं अणुप्पयाहिणीकरेमाणे २ पुव्विल्लेणं तिसोवाणेणं दुरुहइ २ त्ता जाव सीहासणंसि पुरत्थाभिमुहे सण्णिसण्णेत्ति, एवं चेव सामाणियावि उत्तरेणं तिसोवाणेणं दुरुहित्ता पत्तेयं २ पुव्वण्णत्थेसु भद्दासणेसु णिसीयंति, अवसेसा देवा य देवीओ य दाहिणिल्लेणं तिसोवाणेणं दुरुहित्ता तहेव जाव णिसीयंति, तए णं तस्स सक्कस्स तंसि० दुरुढस्स० इमे अट्ठट्ठमंगलगा पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया०, तयणंतरं च णं पुण्णकलसभिंगारं दिव्वा य छत्तपडागा सचामरा य दंसणरइयआलोयदरिसणिज्जा वाउद्धुयविजयवेजयन्ती य समूसिया गगणतलमणुलिहंती पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिया, तयणन्तरं···छत्तभिंगारं०, तयणंतरं च णं वइरामयवट्टलट्ठसंठियसुसिलिट्ठपरिघट्ठमट्ठसुपइट्ठिए विसिट्ठे अणेगवरपञ्चवण्णकुडभीसहस्सपरिमण्डियाभिरामे वाउद्धुयविजयवेजयन्तीपडागाछत्ताइच्छत्तकलिए तुंगे गयणयलमणुलिहंतसिहरे जोयणसहस्समूसिए महइमहालए महिंदज्झए पुरओ अहाणुपुव्वीए संपट्ठिए, तयणन्तरं च णं सरूवणेवत्थपरियच्छियसुसज्जा सव्वालंकारविभूसिया पञ्च अणिया पञ्च अणियाहिवइणो जाव संपट्ठिया, तयणन्तरं च णं बहवे आभिओगिया देवा य देवीओ य सएहिं सएहिं रूवेहिं जाव णिओगेहिं सक्कं देविंदं देवरायं पुरओ य मग्गओ य अहा०, तयणन्तरं च णं बहवे सोहम्मकप्पवासी देवा य देवीओ य सव्विड्ढीए जाव दुरुढा समाणा० मग्गओ य जाव संपट्ठिया, तए णं से सक्के तेणं पञ्चाणियपरिक्खित्तेणं जाव महिंदज्झएणं पुरओ पकड्ढिज्जमाणेणं चउरासीए सामाणिय जाव परिवुडे सव्विड्ढीए जाव रवेणं सोहम्मस्स कप्पस्स मज्झंमज्झेणं तं दिव्वं देविड्ढिं जाव उवदंसेमाणे २ जेणेव सोहम्मस्स कप्पस्स उत्तरिल्ले णिज्जाणमग्गे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता जोयणसयसाहस्सिएहिं विग्गहेहिं ओवयमाणे २ ताए उक्किट्ठाए जाव देवगईए वीईवयमाणे २ तिरियमसंखिज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जेणेव

सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा! एगं जोयणसयसहस्सं छच्च चउप्पण्णे जोयणसए छव्वीसं च एगसट्ठिभागे जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं अट्ठारस य सहस्साइं दोण्णि य सत्ताणउए जोयणसए परिक्खेवेणंति, बाहिरतच्चे णं भंते! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गो०! एगं जोयणसयसहस्सं छच्च अडयाले जोयणसए बावण्णं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं अट्ठारस य सहस्साइं दोण्णि य अउणासीए जोयणसए परिक्खेवेणं०, एवं खलु एएणं उवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं संकममाणे २ पंच पंच जोयणाइं पणतीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले विक्खंभवुड्ढिं णिवुड्ढेमाणे २ अट्ठारस २ जोयणाइं परिरयवुड्ढिं णिवुड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ ६ ॥ १३२ ॥ जया णं भंते! सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं दोण्णि य एगावण्णे जोयणसए एगूणतीसं च सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणूसस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं दोहि य तेवट्ठेहिं जोयणसएहिं एगवीसाए य जोयणस्स सट्ठिभाएहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, से णिक्खममाणे सूरिए णवं संवच्छरं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि सव्वब्भंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते! सूरिए अब्भंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं दोण्णि य एगावण्णे जोयणसए सीयालीसं च सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं एगूणासीए जोयणसए सत्तावण्णाए य सट्ठिभाएहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगसट्ठिहा छेत्ता एगूणवीसाए चुण्णियाभागेहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, से णिक्खममाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि अब्भंतरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते! सूरिए अब्भंतरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं दोण्णि य बावण्णे जोयणसए पंच य सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं छण्णउइए जोयणेहिं तेत्तीसाए सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगसट्ठिहा छेत्ता दोहिं चुण्णियाभागेहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ मंड-

चउरासीइ असीई बावत्तरि सत्तरी य सट्ठी य । पण्णा चत्तालीसा तीसा वीसा दस सहस्सा ॥ १ ॥ एए सामाणियाणं, बत्तीसट्ठावीसा बारसट्ठ चउरो सयसहस्सा । पण्णा चत्तालीसा छच्च सहस्सा सहस्सारे ॥ १ ॥ आणयपाणयकप्पे चत्तारि सयाऽऽरणच्चुए तिण्णि । एए विमाणाणं, इमे जाणविमाणकारी देवा, तंजहा—पालय १ पुप्फे य २ सोमणसे ३ सिरिवच्छे य ४ णंदियावत्ते ५ । कामगमे ६ पीइगमे ७ मणोरमे ८ विमल ९ सव्वओभद्दे १० ॥ १ ॥ सोहम्मगाणं सणंकुमारगाणं बंभलोयगाणं महासुक्कयाणं पाणयगाणं इंदाणं सुघोसा घण्टा हरिणेगमेसी पायत्ताणीयाहिवई उत्तरिल्ला णिज्जाणभूमी दाहिणपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए, ईसाणगाणं माहिंदलंतगसहस्सारअच्चुयगाण य इंदाण महाघोसा घण्टा लहुपरक्कमो पायत्ताणीयाहिवई दक्खिणिल्ले णिज्जाणमग्गे उत्तरपुरत्थिमिल्ले रइकरगपव्वए, परिसा णं जहा **जीवाभिगमे** आयरक्खा सामाणियचउग्गुणा सव्वेसिं जाणविमाणा सव्वेसिं जोयणसयसहस्सविच्छिण्णा उच्चत्तेणं सविमाणप्पमाणा महिंदज्झया सव्वेसिं जोयणसाहस्सिया, सक्कवज्जा मन्दरे समोयरंति जाव पज्जुवासंतित्ति ॥ ११८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं चमरे असुरिन्दे असुरराया चमरचञ्चाए रायहाणीए सभाए सुहम्माए चमरंसि सीहासणंसि चउसट्ठीए सामाणियसाहस्सीहिं तायत्तीसाए तायत्तीसेहिं चउहिं लोगपालेहिं पञ्चहिं अग्गमहिसीहिं सपरिवाराहिं तिहिं परिसाहिं सत्तहिं अणिएहिं सत्तहिं अणियाहिवईहिं चउहिं चउसट्ठीहिं आयरक्खदेवसाहस्सीहिं अण्णेहि य जहा सक्के णवरं इमं णाणत्तं-दुमो पायत्ताणीयाहिवई ओघस्सरा घण्टा विमाणं पण्णासं जोयणसहस्साइं महिन्दज्झओ पञ्चजोयणसयाइं विमाणकारी आभिओगिओ देवो अवसिट्ठं तं चेव जाव मन्दरे समोसरइ पज्जुवासइत्ति । तेणं कालेणं तेणं समएणं बली असुरिन्दे असुरराया एवमेव णवरं सट्ठी सामाणियसाहस्सीओ चउगुणा आयरक्खा महादुमो पायत्ताणीयाहिवई महाओहस्सरा घण्टा सेसं तं चेव परिसाओ जहा **जीवाभिगमे** । तेणं कालेणं तेणं समएणं धरणे तहेव णाणत्तं-छ सामाणियसाहस्सीओ छ अग्गमहिसीओ चउग्गुणा आयरक्खा मेघस्सरा घण्टा भद्दसेणो पायत्ताणीयाहिवई विमाणं पणवीसं जोयणसहस्साइं महिंदज्झओ अड्ढाइज्जाइं जोयणसयाइं एवमसुरिन्दवज्जियाणं भवणवासिइंदाणं, णवरं असुराणं ओघस्सरा घण्टा णागाणं मेघस्सरा सुवण्णाणं हंसस्सरा विज्जूणं कोंचस्सरा अग्गीणं मंजुस्सरा दिसाणं मंजुघोसा उदहीणं सुस्सरा दीवाणं महुरस्सरा वाऊणं णंदिस्सरा थणियाणं णंदिघोसा, चउसट्ठी सट्ठी खलु छच्च सहस्सा उ असुरवज्जाणं । सामाणिया उ एए चउग्गुणा आयरक्खा उ ॥ १ ॥ दाहिणिल्लाणं [illegible]त्ताणीयाहिवई भद्दसेणो उत्तरिल्लाणं दक्खोत्ति । वाणमन्तरजोइसिया णेयव्वा, एवं

सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा! एगं जोयणसयसहस्सं छच्च चउप्पण्णे जोयणसए छव्वीसं च एगसट्ठिभागे जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं अट्ठारस य सहस्साइं दोण्णि य सत्ताणउए जोयणसए परिक्खेवेणंति, बाहिरतच्चे णं भंते! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गो०! एगं जोयणसयसहस्सं छच्च अडयाले जोयणसए बावण्णं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं अट्ठारस य सहस्साइं दोण्णि य अउणासीए जोयणसए परिक्खेवेणं०, एवं खलु एएणं उवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं संकममाणे २ पंच पंच जोयणाइं पणतीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले विक्खंभवुड्ढिं णिवुड्ढेमाणे २ अट्ठारस २ जोयणाइं परिरयवुड्ढिं णिवुड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ ६ ॥ १३२ ॥ जया णं भंते! सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं दोण्णि य एगावण्णे जोयणसए एगूणतीसं च सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणूसस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं दोहि य तेवट्ठेहिं जोयणसएहिं एगवीसाए य जोयणस्स सट्ठिभाएहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, से णिक्खममाणे सूरिए णवं संवच्छरं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि सव्वब्भंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते! सूरिए अब्भंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं दोण्णि य एगावण्णे जोयणसए सीयालीसं च सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं एगूणासीए जोयणसए सत्तावण्णाए य सट्ठिभाएहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगसट्ठिहा छेत्ता एगूणवीसाए चुण्णियाभागेहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, से णिक्खममाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि अब्भंतरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते! सूरिए अब्भंतरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं दोण्णि य बावण्णे जोयणसए पंच य सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं छण्णउइए जोयणेहिं तेत्तीसाए सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगसट्ठिहा छेत्ता दोहिं चुण्णियाभागेहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ मंड-

याहिं सव्वतुवरेहिं जाव सव्वोसहिसिद्धत्थएहिं सव्विड्ढीए जाव रवेणं महया २ तित्थयराभिसेएणं अभिसिंचइ, तए णं सामिस्स महया २ अभिसेयंसि वट्टमाणंसि इंदाइया देवा छत्तचामरकलसहत्थगया हट्ठतुट्ठ जाव वज्जसूलपाणी पुरओ चिट्ठंति पंजलिउडा इति, एवं विजयाणुसारेण जाव अप्पेगइया देवा आसियसंमज्जिओवलित्तसित्तसुइसम्मट्ठरत्थंतरावणवीहियं करेन्ति जाव गन्धवट्टिभूयंति, अप्पेग० हिरण्णवासं वासिंति एवं सुवण्णरयणवइरआभरणपत्तपुप्फफलवीयमल्लगन्धवण्ण जाव चुण्णवासं वासंति, अप्पेगइया हिरण्णविहिं भाइंति एवं जाव चुण्णविहिं भाइंति, अप्पेगइया चउव्विहं वज्जं वाएन्ति, तंजहा–ततं १ विततं २ घणं ३ झुसिरं ४, अप्पेइया चउव्विहं गेयं गायन्ति, तंजहा–उक्खित्तं १ पायत्तं २ मन्दाइयं ३ रोइयावसाणं ४, अप्पेगइया चउव्विहं णट्टं णच्चन्ति, तं०–अंचियं १ दुयं २ आरभडं ३ भसोलं ४, अप्पेगइया चउव्विहं अभिणयं अभिणएंति, तं०–दिट्ठंतियं पाडिस्सुइयं सामण्णोवणिवाइयं लोगमज्झावसाणियं, अप्पेगइया बत्तीसइविहं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसेन्ति, अप्पेगइया उप्पयनिवयं निवयउप्पयं संकुचियपसारियं जाव भन्तसंभन्तणामं दिव्वं णट्टविहिं उवदंसन्तीति, अप्पेगइया तंडवेंति अप्पेगइया लासेन्ति, अप्पेगइया पीणेन्ति, एवं बुक्कारेन्ति अप्फोडेन्ति वग्गन्ति सीहणायं णदन्ति अप्पे० सव्वाइं करेन्ति, अप्पे० हयहेसियं एवं हत्थिगुलगुलाइयं रहघणघणाइयं अप्पे० तिण्णिवि, अप्पे० उच्छोलन्ति अप्पे० पच्छोलन्ति अप्पे० तिवइं छिंदन्ति पायदद्दरयं करेन्ति भूमिचवेडे दलयन्ति अप्पे० महया २ सद्देणं रावेंति एवं संजोगा विभासियव्वा, अप्पे० हक्कारेन्ति, एवं पुक्कारेन्ति थक्कारेन्ति ओवयंति उप्पयंति परिवयंति जलन्ति तवंति पतवंति गज्जंति विज्जुयायंति वासिंति ..., अप्पेगइया देवुक्कलियं करेंति एवं देवकहकहगं करेंति अप्पे० दुहुदुहुगं करेंति अप्पे० विकियभूयाइं रूवाइं विउव्वित्ता पणच्चंति एवमाइ विभासेज्जा जहा विजयस्स जाव सव्वओ समन्ता आधावेंति परिधावेंतित्ति ॥ १२१ ॥ तए णं से अच्चुइंदे सपरिवारे सामिं तेणं महया महया अभिसेएणं अभिसिंचइ २ त्ता करयलपरिग्गहियं जाव मत्थए अंजलिं कट्टु जएणं विजएणं वद्धावेइ २ त्ता ताहिं इट्ठाहिं जाव जयजयसद्दं पउंजइ पउंजित्ता जाव पम्हलसुकुमालाए सुरभीए गन्धकासाईए गायाइं लूहेइ २ त्ता एवं जाव कप्परुक्खगंपिव अलंकियविभूसियं करेइ २ त्ता जाव णट्टविहिं उवदंसेइ २ त्ता दसंगुलियं अंजलिं करिय मत्थयंमि पयओ अट्ठसयविसुद्धगन्थजुत्तेहिं महावित्तेहिं अपुणरुत्तेहिं अत्थजुत्तेहिं संथुणइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता जाव करयलपरिग्गहियं० मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी–

संवच्छरं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि अब्भंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते ! सूरिए अब्भंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं केमहालए दिवसे केमहालिया राई भवइ ? गोयमा ! तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे दुवालसमुहुत्ता राई भवइ दोहि य एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहियत्ति, से णिक्खममाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि जाव चारं चरइ तया णं केमहालए दिवसे केमहालिया राई भवइ ? गोयमा ! तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे दुवालसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहियत्ति, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं संकममाणे २ दो दो एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं मंडले दिवसखेत्तस्स निवुड्ढेमाणे २ रयणिखेत्तस्स अभिवड्ढेमाणे २ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइत्ति, जया णं सूरिए सव्वब्भंतराओ मंडलाओ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं सव्वब्भंतरमंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं तिण्णि छावट्ठे एगट्ठिभागमुहुत्तसए दिवसखेत्तस्स निवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिवुड्ढेत्ता चारं चरइत्ति, जया णं भंते ! सूरिए सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं केमहालए दिवसे केमहालिया राई भवइ ? गोयमा ! तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइत्ति, एस णं पढमे छम्मासे, एस णं पढमस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे। से पविसमाणे सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते ! सूरिए बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं केमहालए दिवसे केमहालिया राई भवइ ? गोयमा ! अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि बाहिरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते ! सूरिए बाहिरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं केमहालए दिवसे केमहालिया राई भवइ ? गोयमा ! तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा दुवालसमुहुत्ते दिवसे

एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! बत्तीसं हिरण्णकोडीओ बत्तीसं सुवण्णकोडीओ बत्तीसं णंदाइं बत्तीसं भद्दाइं सुभगे सुभगरूवजुव्वणलावण्णे य भगवओ तित्थयरस्स जम्मणभवणंसि साहराहि २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणाहि, तए णं से वेसमणे देवे सक्केणं जाव विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता जंभए देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! बत्तीसं हिरण्णकोडीओ जाव भगवओ तित्थयरस्स जम्मणभवणंसि साहरह साहरित्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह, तए णं ते जंभगा देवा वेसमणेणं देवेणं एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव खिप्पामेव बत्तीसं हिरण्णकोडीओ जाव भगवओ तित्थगरस्स जम्मणभवणंसि साहरंति २ त्ता जेणेव वेसमणे देवे तेणेव जाव पच्चप्पिणंति, तए णं से वेसमणे देवे जेणेव सक्के देविंदे देवराया जाव पच्चप्पिणइ । तए णं से सक्के देविंदे देवराया ३ आभिओगे देवे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! भगवओ तित्थयरस्स जम्मणणयरंसि सिंघाडग जाव महापहपहेसु महया २ सद्देणं उग्घोसेमाणा २ एवं वदह-हंदि सुणंतु भवंतो बहवे भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया देवा य देवीओ य जे णं देवाणुप्पिया !० तित्थयरस्स तित्थयरमाऊए वा असुभं मणं पधारेइ तस्स णं अज्जगमंजरिया इव सयहा मुद्धाणं फुट्टउत्तिकट्टु घोसेह २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणहत्ति, तए णं ते आभिओगा देवा जाव एवं देवोत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति २ त्ता सक्कस्स देविंदस्स देवरण्णो अंतियाओ पडिणिक्खमंति २ त्ता खिप्पामेव भगवओ तित्थगरस्स जम्मणणगरंसि सिंघाडग जाव एवं वयासी-हंदि सुणंतु भवंतो बहवे भवणवइ जाव जे णं देवाणुप्पिया !० तित्थयरस्स जाव फुट्टिहीतिकट्टु घोसणगं घोसेंति २ त्ता एयमाणत्तियं पच्चप्पिणंति, तए णं ते बहवे भवणवइवाणमंतरजोइसवेमाणिया देवा भगवओ तित्थगरस्स जम्मणमहिमं करेंति २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूया तामेव दिसिं पडिगया ॥ १२३ ॥ **पंचमो वक्खारो समत्तो** ॥

जंबुद्दीवस्स णं भंते ! दीवस्स पएसा लवणसमुद्दं पुट्ठा ? हंता ! पुट्ठा, ते णं भंते ! किं जंबुद्दीवे दीवे लवणसमुद्दे ? गोयमा ! जंबुद्दीवे णं दीवे णो खलु लवणसमुद्दे, एवं लवणसमुद्दस्सवि पएसा जंबुद्दीवे २ पुट्ठा भाणियव्वा । जंबुद्दीवे णं भंते !० जीवा उद्दाइत्ता २ लवणसमुद्दे पच्चायंति ? गो० ! अत्थेगइया पच्चायंति अत्थेगइया नो पच्चायंति, एवं लवणसमुद्दस्सवि जंबुद्दीवे दीवे णेयव्वमिति ॥ १२४ ॥ खंडा १ जोयण २ वासा ३ पव्वय ४ कूडा ५ य तित्थ ६ सेढीओ ७ । विजय ८ द्दह ९ सलिलाओ १० पिंडए होइ संगहणी ॥ १ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे भरहप्पमाणमेत्तेहिं खंडेहिं केवइयं खंडगणिएणं प० ? गो० ! णउयं खंडसयं खंडगणिएणं पण्णत्ते । जंबुद्दीवे

क्खेवे तं परिक्खेवं दोहिं गुणेत्ता जाव तं चेव तया णं भंते! अंधयारे केवइए आयामेणं प० ? गोयमा! अट्ठहत्तरिं जोयणसहस्साइं तिण्णि य तेत्तीसे जोयणसए तिभागं च आयामेणं प०। जया णं भंते! सूरिए सव्वबाहिरमंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं किंसंठिया तावखेत्तसंठिई प० ? गो०! उद्धीमुहकलंबुयापुप्फ-संठाणसंठिया० पण्णत्ता, तं चेव सव्वं णेयव्वं णवरं णाणत्तं जं अंधयारसंठिईए पुव्ववण्णियं पमाणं तं तावखेत्तसंठिईए णेयव्वं, जं तावखेत्तसंठिईए पुव्ववण्णियं पमाणं तं अंधयारसंठिईए णेयव्वंति ९ ॥ १३५ ॥ जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति ? हंता गोयमा! तं चेव जाव दीसंति, जम्बुद्दीवे णं भन्ते!० सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि य मज्झंतियमुहुत्तंसि य अत्थमण-मुहुत्तंसि य सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं ? हंता तं चेव जाव उच्चत्तेणं, जइ णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि य मज्झं० अत्थ० सव्वत्थ समा उच्चत्तेणं कम्हा णं भन्ते! जम्बुद्दीवे दीवे सूरिया उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति० ? गोयमा! लेसापडिघाएणं उग्गमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति लेसाहितावेणं मज्झंतियमुहुत्तंसि मूले य दूरे य दीसंति लेसापडिघाएणं अत्थमणमुहुत्तंसि दूरे य मूले य दीसंति, एवं खलु गोयमा! तं चेव जाव दीसंति १० ॥ १३६ ॥ जम्बुद्दीवे णं भन्ते! दीवे सूरिया किं तीयं खेत्तं गच्छन्ति पडुप्पण्णं खेत्तं गच्छन्ति अणागयं खेत्तं गच्छन्ति ? गोयमा! णो तीयं खेत्तं गच्छन्ति पडुप्पण्णं खेत्तं गच्छन्ति णो अणागयं खेत्तं गच्छन्तित्ति, तं भन्ते! किं पुट्ठं गच्छन्ति जाव नियमा छद्दिसिंति, एवं ओभासेंति, तं भन्ते! किं पुट्ठं ओभासेंति० ? एवं आहारपयाइं णेयव्वाइं पुट्ठोगाढमणंतरअणुमहआइविसयाणुपुव्वी य जाव णियमा छद्दिसिं, एवं

दीवे णउइं महाणईओ भवंतीतिमक्खायं। जंबुद्दीवे···भरहेरवएसु वासेसु कइ महाणईओ प० ? गोयमा! चत्तारि महाणईओ पण्णत्ताओ, तं०—गंगा सिंधू रत्ता रत्तवई, तत्थ णं एगमेगा महाणई चउद्दसहिं सलिलासहस्सेहिं समग्गा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं समप्पेइ, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे दीवे भरहेरवएसु वासेसु छप्पण्णं सलिलासहस्सा भवंतीतिमक्खायं, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे हेमवयहेरण्णवएसु वासेसु कइ महाणईओ पण्णत्ताओ? गो०! चत्तारि महाणईओ पण्णत्ताओ, तंजहा—रोहिया रोहियंसा सुवण्णकूला रुप्पकूला, तत्थ णं एगमेगा महाणई अट्ठावीसाए अट्ठावीसाए सलिलासहस्सेहिं समग्गा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं समप्पेइ, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे २ हेमवयहेरण्णवएसु वासेसु बारसुत्तरे सलिलासयसहस्से भवतीतिमक्खायं। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे हरिवासरम्मगवासेसु कइ महाणईओ पण्णत्ताओ? गोयमा! चत्तारि महाणईओ पण्णत्ताओ, तंजहा—हरी हरिकंता णरकंता णारिकंता, तत्थ णं एगमेगा महाणई छप्पण्णाए २ सलिलासहस्सेहिं समग्गा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं समप्पेइ, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे २ हरिवासरम्मगवासेसु दो चउवीसा सलिलासयसहस्सा भवंतीतिमक्खायं, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे महाविदेहे वासे कइ महाणईओ पण्णत्ताओ? गोयमा! दो महाणईओ पण्णत्ताओ, तंजहा—सीया य सीओया य, तत्थ णं एगमेगा महाणई पंचहिं २ सलिलासयसहस्सेहिं बत्तीसाए य सलिलासहस्सेहिं समग्गा पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं लवणसमुद्दं समप्पेइ, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे दीवे महाविदेहे वासे दस सलिलासयसहस्सा चउसट्ठिं च सलिलासहस्सा भवन्तीतिमक्खायं। जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स दक्खिणेणं केवइया सलिलासयसहस्सा पुरत्थिमपच्चत्थिमाभिमुहा लवणसमुद्दं समप्पेंति? गो०! एगे छण्णउए सलिलासयसहस्से पुरत्थिमपच्चत्थिमाभिमुहे लवणसमुद्दं समप्पेइ, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स उत्तरेणं केवइया सलिलासयसहस्सा पुरत्थिमपच्चत्थिमाभिमुहा लवणसमुद्दं समप्पेंति? गो०! एगे छण्णउए सलिलासयसहस्से पुरत्थिमपच्चत्थिमाभिमुहे जाव समप्पेइ, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे केवइया सलिलासयसहस्सा पुरत्थाभिमुहा लवणसमुद्दं समप्पेंति? गोयमा! सत्त सलिलासयसहस्सा अट्ठावीसं च सहस्सा जाव समप्पेंति, जंबुद्दीवे णं भंते! दीवे केवइया सलिलासयसहस्सा पच्चत्थिमाभिमुहा लवणसमुद्दं समप्पेंति? गोयमा! सत्त सलिलासयसहस्सा अट्ठावीसं च सहस्सा जाव समप्पेंति, एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे दीवे चोद्दस सलिलासयसहस्सा छप्पण्णं च सहस्सा भवंतीतिमक्खायं ॥ १२५ ॥ **छट्ठो वक्खारो समत्तो** ॥

मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइत्ति, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए सव्ववाहिरे सूरमंडले प० ? गो० ! पणयालीसं जोयणसहस्साइं तिण्णि य तीसे जोयणसए अवाहाए सव्ववाहिरे सूरमंडले प०, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए सव्ववाहिराणंतरे सूरमंडले पण्णत्ते? गोयमा ! पणयालीसं जोयणसहस्साइं तिण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तेरस य एगसट्ठिभाए जोयणस्स अवाहाए वाहिराणंतरे सूरमंडले पण्णत्ते, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए वाहिरतच्चे सूरमंडले पण्णत्ते ? गो० ! पणयालीसं जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउवीसे जोयणसए छव्वीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स अवाहाए वाहिरतच्चे सूरमंडले पण्णत्ते, एवं खलु एएणं उवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं संकममाणे संकममाणे दो दो जोयणाइं अडयालीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले अवाहावुड्ढिं णिवुड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ ५ ॥ १३१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सव्वब्भंतरे णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गो० ! णवणउइं जोयणसहस्साइं छच्च चत्ताले जोयणसए आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं पण्णरस य जोयणसहस्साइं एगूणणउइं च जोयणाइं किंचिविसेसाहियाइं परिक्खेवेणं०, अब्भंतराणंतरे णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते? गोयमा ! णवणउइं जोयणसहस्साइं छच्च पणयाले जोयणसए पणतीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं पण्णरस य जोयणसहस्साइं एगं सत्तुत्तरं जोयणसयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते, अब्भंतरतच्चे णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं प० ? गो० ! णवणउइं जोयणसहस्साइं छच्च एक्कावण्णे जोयणसए णव य एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं पण्णरस जोयणसहस्साइं एगं च पणवीसं जोयणसयं परिक्खेवेणं०, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं उवसंकममाणे २ पंच २ जोयणाइं पणतीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले विक्खंभवुड्ढिं अभिवड्ढेमाणे २ अट्ठारस २ जोयणाइं परिरयवुड्ढिं अभिवड्ढेमाणे २ सव्ववाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, सव्ववाहिरए णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! एगं जोयणसयसहस्सं छच्च सट्ठे जोयणसए आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं अट्ठारस य सहस्साइं तिण्णि य पण्णरसुत्तरे जोयणसए परिक्खेवेणं०, वाहिराणंतरे णं भंते !

क्खेवेणं केवइयं वाहल्लेणं पण्णत्ते? गोयमा! छप्पण्णं एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खम्भेणं तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं अट्ठावीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स वाहल्लेणं० ॥ १४५ ॥ जम्बुद्दीवे णं भंते! दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए सव्वब्भंतरए चन्दमंडले पण्णत्ते? गोयमा! चोयालीसं जोयणसहस्साइं अट्ठ य वीसे जोयणसए अवाहाए सव्वब्भन्तरे चन्दमंडले पण्णत्ते, जम्बुद्दीवे...मन्दरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए अब्भंतराणन्तरे चन्दमंडले पण्णत्ते? गोयमा! चोयालीसं जोयणसहस्साइं अट्ठ य छप्पण्णे जोयणसए पणवीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगसट्ठिभागं च सत्तहा छेत्ता चत्तारि चुण्णियाभाए अवाहाए अब्भंतराणन्तरे चन्दमंडले पण्णत्ते, जम्बुद्दीवे० दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए अब्भंतरतच्चे चंदमंडले प०? गोयमा! चोयालीसं जोयणसहस्साइं अट्ठ य वाणउए जोयणसए एगावण्णं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगसट्ठिभागं च सत्तहा छेत्ता एगं चुण्णियाभागं अवाहाए अब्भंतरतच्चे चंदमंडले पण्णत्ते, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे चंदे तयाणन्तराओ मंडलाओ तयाणन्तरं मंडलं संकममाणे २ छत्तीसं छत्तीसं जोयणाइं पणवीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगसट्ठिभागं च सत्तहा छेत्ता चत्तारि चुण्णियाभाए एगमेगे मंडले अवाहाए वुड्ढिं अभिवड्ढेमाणे २ सव्ववाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ। जम्बुद्दीवे० दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए सव्ववाहिरे चंदमंडले प०? गो०! पणयालीसं जोयणसहस्साइं तिण्णि य तीसे जोयणसए अवाहाए सव्ववाहिरए चंदमंडले प०, जम्बुद्दीवे० दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए वाहिराणन्तरे चंदमंडले पण्णत्ते? गो०! पणयालीसं जोयणसहस्साइं दोण्णि य तेणउए जोयणसए पणतीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगसट्ठिभागं च सत्तहा छेत्ता तिण्णि चुण्णियाभाए अवाहाए वाहिराणन्तरे चंदमंडले पण्णत्ते, जम्बुद्दीवे० दीवे मन्दरस्स पव्वयस्स केवइयाए अवाहाए वाहिरतच्चे चंदमंडले प०? गो०! पणयालीसं जोयणसहस्साइं दोण्णि य सत्तावण्णे जोयणसए णव य एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगसट्ठिभागं च सत्तहा छेत्ता छ चुण्णियाभाए अवाहाए वाहिरतच्चे चंदमंडले प०।

मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइत्ति, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अबाहाए सव्वबाहिरे सूरमंडले प० ? गो० ! पणयालीसं जोयणसहस्साइं तिण्णि य तीसे जोयणसए अबाहाए सव्वबाहिरे सूरमंडले प०, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अबाहाए सव्वबाहिराणंतरे सूरमंडले पण्णत्ते ? गोयमा ! पणयालीसं जोयणसहस्साइं तिण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तेरस य एगसट्ठिभाए जोयणस्स अबाहाए बाहिराणंतरे सूरमंडले पण्णत्ते, जंबुद्दीवे णं भंते ! दीवे मंदरस्स पव्वयस्स केवइयाए अबाहाए बाहिरतच्चे सूरमंडले पण्णत्ते ? गो० ! पणयालीसं जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउवीसे जोयणसए छव्वीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स अबाहाए बाहिरतच्चे सूरमंडले पण्णत्ते, एवं खलु एएणं उवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं संकममाणे संकममाणे दो दो जोयणाइं अडयालीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले अबाहावुड्ढिं णिवुड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ ५ ॥ १३१ ॥ जंबुद्दीवे दीवे सव्वब्भंतरे णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ? गो० ! णवणउइं जोयणसहस्साइं छच्च चत्ताले जोयणसए आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं पण्णरस य जोयणसहस्साइं एगूणणउइं च जोयणाइं किंचिविसेसाहियाइं परिक्खेवेणं०, अब्भंतराणंतरे णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! णवणउइं जोयणसहस्साइं छच्च पणयाले जोयणसए पणतीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि जोयणसयसहस्साइं पण्णरस य जोयणसहस्साइं एगं सत्तुत्तरं जोयणसयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते, अब्भंतरतच्चे णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं प० ? गो० ! णवणउइं जोयणसहस्साइं छच्च एक्कावण्णे जोयणसए णव य एगसट्ठिभाए जोयणस्स आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं पण्णरस जोयणसहस्साइं एगं च पणवीसं जोयणसयं परिक्खेवेणं०, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं उवसंकममाणे २ पंच २ जोयणाइं पणतीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले विक्खंभवुड्ढिं अभिवड्ढेमाणे २ अट्ठारस २ जोयणाइं परिरयवुड्ढिं अभिवड्ढेमाणे २ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, सव्वबाहिरए णं भंते ! सूरमंडले केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परिक्खेवेणं पण्णत्ते ? गोयमा ! एगं जोयणसयसहस्सं छच्च सट्ठे जोयणसए आयामविक्खंभेणं तिण्णि य जोयणसयसहस्साइं अट्ठारस य सहस्साइं तिण्णि य पण्णरसुत्तरे जोयणसए परिक्खेवेणं०, बाहिराणंतरे णं भंते !

राईणं कइ णामधेज्जा पण्णत्ता ? गोयमा ! पण्णरस णामधेज्जा पण्णत्ता, तंजहा—उत्तमा य सुणक्खत्ता, एलावच्चा जसोहरा । सोमणसा चेव तहा, सिरिसंभूया य बोद्धव्वा ॥ १ ॥ विजया य वेजयन्ति जयंति अपराजिया य इच्छा य । समाहारा चेव तहा तेया य तहा अईतेया ॥ २ ॥ देवाणंदा णिरई रयणीणं णामधिज्जाइं । एयासि णं भंते ! पण्णरसण्हं राईणं कइ तिही प० ? गोयमा ! पण्णरस तिही प०, तं०-उग्गवई भोगवई जसवई सव्वसिद्धा सुहणामा, पुणरवि उग्गवई भोगवई जसवई सव्वसिद्धा सुहणामा, पुणरवि उग्गवई भोगवई जसवई सव्वसिद्धा सुहणामा, एवं तिगुणा एए तिहीओ सव्वेसिं राईणं, एगमेगस्स णं भंते ! अहोरत्तस्स कइ मुहुत्ता पण्णत्ता ? गोयमा ! तीसं मुहुत्ता प०, तं०-रुद्दे सेए मित्ते वाउ सुवीए तहेव अभिचंदे । माहिंद बलव बंभे बहुसच्चे चेव ईसाणे ॥ १ ॥ तट्ठे य भावियप्पा वेसमणे वारुणे य आणंदे । विजए य वीससेणे पायावच्चे उवसमे य ॥ २ ॥ गंधव्व अग्गिवेसे सय-वसहे आयवे य अममे य । अणवं भोमे वसहे सव्वट्ठे रक्खसे चेव ॥ ३ ॥ १५२ ॥ कइ णं भन्ते ! करणा पण्णत्ता ? गोयमा ! एक्कारस करणा पण्णत्ता, तंजहा-ववं बालवं कोलवं थीविलोयणं गराइ वणिजं विट्ठी सउणी चउप्पयं णागं किंथुग्घं, एएसि णं भन्ते ! एक्कारसण्हं करणाणं कइ करणा चरा कइ करणा थिरा पण्णत्ता ? गोयमा ! सत्त करणा चरा चत्तारि करणा थिरा पण्णत्ता, तंजहा—ववं बालवं कोलवं थीविलोयणं गराइ वणिजं विट्ठी, एए णं सत्त करणा चरा, चत्तारि करणा थिरा प०, तं०-सउणी चउप्पयं णागं किंथुग्घं, एए णं चत्तारि करणा थिरा पण्णत्ता, एए णं भन्ते ! चरा थिरा वा कया भवन्ति ? गोयमा ! सुक्कपक्खस्स पडिवाए राओ ववे करणे भवइ, बिइयाए दिवा बालवे करणे भवइ, राओ कोलवे करणे भवइ, तइयाए दिवा थीविलोयणं करणं भवइ, राओ गराइकरणं भवइ, चउत्थीए दिवा वणिजं राओ विट्ठी पंचमीए दिवा ववं राओ बालवं छट्ठीए दिवा कोलवं राओ थीविलोयणं सत्तमीए दिवा गराइ राओ वणिजं अट्ठमीए दिवा विट्ठी राओ ववं णवमीए दिवा बालवं राओ कोलवं दसमीए दिवा थीविलोयणं राओ गराइ एक्कारसीए दिवा वणिजं राओ विट्ठी बारसीए दिवा ववं राओ बालवं तेरसीए दिवा कोलवं राओ थीविलोयणं चउद्दसीए दिवा गराइकरणं राओ वणिजं पुण्णिमाए दिवा विट्ठीकरणं राओ ववं करणं भवइ, बहुलपक्खस्स पडिवाए दिवा बालवं राओ कोलवं बिइयाए दिवा थीविलोयणं राओ गराइ तइयाए दिवा वणिजं राओ विट्ठी चउत्थीए दिवा ववं राओ बालवं पंचमीए दिवा कोलवं राओ थीविलोयणं छट्ठीए दिवा गराइ राओ वणिजं सत्तमीए दिवा विट्ठी राओ ववं अट्ठमीए दिवा बालवं राओ कोलवं

लाओ तयाणंतरं मंडलं संकममाणे संकममाणे अट्ठारस २ सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगे मंडले मुहुत्तगइं अभिवुड्ढेमाणे अभिवुड्ढेमाणे चुलसीइं २ सयाइं जोयणाइं पुरिसच्छायं णिवुड्ढेमाणे २ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ। जया णं भंते! सूरिए सव्वबाहिरमंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं तिण्णि य पंचुत्तरे जोयणसए पण्णरस य सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स एगतीसाए जोयणसहस्सेहिं अट्ठहि य एगत्तीसेहिं जोयणसएहिं तीसाए य सट्ठिभाएहिं जोयणस्स सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, एस णं पढमे छम्मासे, एस णं पढमस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, से पविसमाणे सूरिए दोच्चे छम्मासे अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते! सूरिए बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउरुत्तरे जोयणसए सत्तावण्णं च सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणुस्सस्स एगत्तीसाए जोयणसहस्सेहिं णवहि य सोलसुत्तरेहिं जोयणसएहिं इगुणालीसाए य सट्ठिभाएहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगसट्ठिहा छेत्ता सट्ठीए चुण्णियाभागेहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि बाहिरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं भंते! सूरिए बाहिरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगमेगेणं मुहुत्तेणं केवइयं खेत्तं गच्छइ? गोयमा! पंच पंच जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउरुत्तरे जोयणसए इगुणालीसं च सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणुयस्स एगाहिएहिं बत्तीसाए जोयणसहस्सेहिं एगूणपण्णाए य सट्ठिभाएहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगसट्ठिहा छेत्ता तेवीसाए चुण्णियाभाएहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, एवं खलु एएणं उवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ मंडलाओ तयाणंतरं मंडलं संकममाणे २ अट्ठारस २ सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगे मंडले मुहुत्तगइं निवड्ढेमाणे २ साइरेगाइं पंचासीइं २ जोयणाइं पुरिसच्छायं अभिवड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे पण्णत्ते ७ ॥ १३३ ॥ जया णं भंते! सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं केमहालए दिवसे केमहालिया राई भवइ? गोयमा! तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, से णिक्खममाणे सूरिए णवं

ोवि उत्तरओवि पमद्दंपि जोगं जोएंति ते णं सत्त, तंजहा-कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू घा चित्ता विसाहा अणुराहा, तत्थ णं जे ते णक्खत्ता जे णं सया चन्दस्स ाहिणओवि पमद्दंपि जोगं जोएंति ताओ णं दुवे आसाढाओ सव्वबाहिरए मंडले ोगं जोइंसु वा ३, तत्थ णं जे से णक्खत्ते जे णं सया चन्दस्स पमद्दं० जोएइ सा ं एगा जेट्ठा इति ॥ १५६ ॥ एएसि णं भन्ते ! अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिई णक्खत्ते किंदेवयाए पण्णत्ते? गोयमा! वम्हदेवयाए पण्णत्ते, सवणे णक्खत्ते विण्हु-देवयाए पण्णत्ते, धणिट्ठा० वसुदेवयाए पण्णत्ते, एएणं कमेणं णेयव्वा अणुपरिवाडी इमाओ देवयाओ-वम्हा विण्हू वसू वरुणे अए अभिवड्ढी पूसे आसे जमे अग्गी पया-वई सोमे रुद्दे अदिई वहस्सई सप्पे पिऊ भगे अज्जम सविया तट्ठा वाऊ इंदग्गी मित्तो इंदे णिरई आऊ विस्सा य, एवं णक्खत्ताणं एसा परिवाडी णेयव्वा जाव उत्तरासाढा किंदेवया पण्णत्ता? गोयमा ! विस्सदेवया पण्णत्ता ॥ १५७ ॥ एएसि णं भन्ते ! अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिईणक्खत्ते कइतारे पण्णत्ते? गोयमा ! तितारे प०, एवं णेयव्वा जस्स जइयाओ ताराओ, इमं च तं तारग्गं-तिगतिगपंच-गसयदुग दुगवत्तीसगतिगं तह तिगं च । छप्पंचगतिगएक्कगपंचगतिग छक्कगं चेव ॥ १ ॥ सत्तगदुगदुग पंचग एक्केक्कग पंच चउतिगं चेव । एक्कारसग चउक्कं चउक्कगं चेव तारग्गं ॥ २ ॥ ति ॥ १५८ ॥ एएसि णं भन्ते ! अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिई णक्खत्ते किंगोत्ते प०? गोयमा ! मोग्गलायणसगोत्ते०, **गाहा**-मोग्गल्लायण १ संखायणे २ य तह अग्गभाव ३ कण्णिल्ले ४ । तत्तो य जाउकण्णे ५ धणंजए ६ चेव वोद्धव्वे ॥ १ ॥ पुस्सायणे ७ य अस्सायणे य ८ भग्गवेसे ९ य अग्गिवेसे १० य । गोयम ११ भारद्दाए १२ लोहिच्चे १३ चेव वासिट्ठे १४ ॥ २ ॥ ओम-ज्जायण १५ मंडव्वायणे १६ य पिंगायणे १७ य गोवल्ले १८ । कासव १९ कोसिय २० दव्भा २१ य चामरच्छाय २२ सुंगा य २३ ॥ ३ ॥ गोवल्लायण २४ तेगि-च्छायणे २५ य कच्चायणे २६ हवइ मूले । तत्तो य वज्झियायण २७ वग्घावच्चे य गोत्ताइं २८ ॥ ४ ॥ एएसि णं भन्ते ! अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिईणक्खत्ते किंसंठिए पण्णत्ते? गोयमा ! गोसीसावलिसंठिए प०, **गाहा**-गोसीसावलि १ काहार २ सउणि ३ पुप्फोवयार ४ वावी य ५-६ । णावा ७ आसक्खंधग ८ भग ९ छुरघरए १० य सगडुद्धी ११ ॥ १ ॥ मिगसीसावलि १२ रुहिरविंदु १३ तुल्ल १४ वद्धमाणग १५ पडागा १६ । पागारे १७ पलियंके १८-१९ हत्थे २० मुहफुल्लए २१ चेव ॥ २ ॥ खीलग २२ दामणि २३ एगावली २४ य गयदंत २५ विच्छुअयले य २६ । गयविक्कमे २७ य तत्तो सीहणिसीही य २८ संठाणा ॥ ३ ॥ १५०

सव्ववाहिरं मंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं तिण्णि छावट्ठे एगट्ठिभागमुहुत्तसए रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवराखेत्तस्स अभिवड्ढेत्ता चारं चरइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दुच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे पण्णत्ते ८ ॥ १३४ ॥ जया णं भंते ! सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं किंसंठिया तावखेत्तसंठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! उड्ढीमुहकलंवुयापुप्फसंठाणसंठिया तावखेत्तसंठिई पण्णत्ता, अंतो संकुया वाहिं वित्थडा अंतो वट्टा वाहिं पिहुला अंतो अंकमुहसंठिया वाहिं सगडुद्धीमुहसंठिया, उत्तरपासे णं तीसे दो वाहाओ अवट्ठियाओ हवंति पणयालीसं २ जोयणसहस्साइं आयामेणं, दुवे य णं तीसे वाहाओ अणवट्ठियाओ हवंति, तंजहा–सव्वब्भंतरिया चेव वाहा सव्ववाहिरिया चेव वाहा, तीसे णं सव्वब्भंतरिया वाहा मंदरपव्वयंतेणं णवजोयणसहस्साइं चत्तारि छलसीए जोयणसए णव य दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, एस णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं मंदरस्स० परिक्खेवे तं परिक्खेवं तिहिं गुणेत्ता दसहिं छेत्ता दसहिं भागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा, तीसे णं सव्ववाहिरिया वाहा लवणसमुद्दंतेणं चउणवई जोयणसहस्साइं अट्ठसट्ठे जोयणसए चत्तारि य दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, से णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं जंवुद्दीवस्स २ परिक्खेवे तं परिक्खेवं तिहिं गुणेत्ता दसहिं छेत्ता दसभागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा। तया णं भंते ! तावखेत्ते केवइयं आयामेणं प० ? गोयमा ! अट्ठहत्तरिं जोयणसहस्साइं तिण्णि य तेत्तीसे जोयणसए जोयणस्स तिभागं च आयामेणं पण्णत्ते, मेरुस्स मज्झयारे जाव य लवणस्स रुंदछब्भागो। तावायामो एसो सगडुद्धीसंठिओ णियमा ॥ १ ॥ तया णं भंते ! किंसंठिया अंधयारसंठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! उड्ढीमुहकलंवुयापुप्फसंठाणसंठिया अंधयारसंठिई पण्णत्ता, अंतो संकुया वाहिं वित्थडा तं चेव जाव तीसे णं सव्वब्भंतरिया वाहा मंदरपव्वयंतेणं छज्जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउवीसे जोयणसए छच्च दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणंति, से णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं मंदरस्स पव्वयस्स परिक्खेवे तं परिक्खेवं दोहिं गुणेत्ता दसहिं छेत्ता दसहिं भागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा, तीसे णं सव्ववाहिरिया वाहा लवणसमुद्दंतेणं तेसट्ठी जोयणसहस्साइं दोण्णि य पणयाले जोयणसए छच्च दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, से णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं जंवुद्दीवस्स २ परि-

पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोगं जोएंति? गोयमा! तिण्णि णक्खत्ता० जोएंति, तं०–सयभिसया पुव्वभद्दवया उत्तरभद्दवया, अस्सोइण्णं भंते! पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोगं जोएंति? गोयमा! दो···जोएंति, तं०–रेवई अस्सिणी य, कत्तिइण्णं दो–भरणी कत्तिया य, मग्गसिरिण्णं दो–रोहिणी मग्गसिरं च, पोसिं णं तिण्णि–अद्दा पुणव्वसू पुस्सो, माविण्णं दो–अस्सेसा मघा य, फग्गुणिं णं दो–पुव्वाफग्गुणी य उत्तराफग्गुणी य, चेत्तिण्णं दो–हत्थो चित्ता य, विसाहिण्णं दो–साई विसाहा य, जेट्ठामूलिण्णं तिण्णि–अणुराहा जेट्ठा मूलो, आसाढिण्णं दो–पुव्वासाढा उत्तरासाढा। साविट्ठिण्णं भन्ते! पुण्णिमं किं कुलं जोएइ उवकुलं जोएइ कुलोवकुलं जोएइ? गोयमा! कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ कुलोवकुलं वा जोएइ, कुलं जोएमाणे धणिट्ठा णक्खत्ते जोएइ उवकुलं जोएमाणे सवणे णक्खत्ते जोएइ कुलोवकुलं जोएमाणे अभिई णक्खत्ते जोएइ, साविट्ठिण्णं पुण्णिमासिं कुलं वा जोएइ जाव कुलोवकुलं वा जोएइ, कुलेण वा जुत्ता उवकुलेण वा जुत्ता कुलोवकुलेण वा जुत्ता साविट्ठी पुण्णिमा जुत्तत्ति वत्तव्वं सिया, पोट्ठवइण्णं भंते! पुण्णिमं किं कुलं जोएइ ३ पुच्छा, गोयमा! कुलं वा० उवकुलं वा० कुलोवकुलं वा जोएइ, कुलं जोएमाणे उत्तरभद्दवया णक्खत्ते जोएइ उ० पुव्वभद्दवया० कुलोव० सयभिसया णक्खत्ते जोएइ, पोट्ठवइण्णं पुण्णिमं कुलं वा जोएइ जाव कुलोवकुलं वा जोएइ कुलेण वा जुत्ता जाव कुलोवकुलेण वा जुत्ता पोट्ठवई पुण्णमासी जुत्तत्ति वत्तव्वं सिया, अस्सोइण्णं भन्ते! पुच्छा, गो०! कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ णो लब्भइ कुलोवकुलं, कुलं जोएमाणे अस्सिणीणक्खत्ते जोएइ उवकुलं जोएमाणे रेवइणक्खत्ते जोएइ, अस्सोइण्णं पुण्णिमं कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ कुलेण वा जुत्ता उवकुलेण वा जुत्ता अस्सोई पुण्णिमा जुत्तत्ति वत्तव्वं सिया, कत्तिइण्णं भंते! पुण्णिमं किं कुलं···पुच्छा, गोयमा! कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ णो कुलोवकुलं जोएइ, कुलं जोएमाणे कत्तियाणक्खत्ते जोएइ उव० भरणी०, कत्तिइण्णं जाव वत्तव्वं०, मग्गसिरिण्णं भंते! पुण्णिमं किं कुलं तं चेव दो जोएइ णो भवइ कुलोवकुलं, कुलं जोएमाणे मग्गसिरणक्खत्ते जोएइ उ० रोहिणी०, मग्गसिरिण्णं पुण्णिमं जाव वत्तव्वं सिया इति। एवं सेसियाओऽवि जाव आसाढिं, पोसिं जेट्ठामूलिं च कुलं वा उ० कुलोवकुलं वा, सेसियाणं कुलं वा उवकुलं वा कुलोवकुलं ण भण्णइ। साविट्ठिण्णं भंते! अमावासं कइ णक्खत्ता जोएंति? गोयमा! दो णक्खत्ता जोएंति, तं०–अस्सेसा य महा य, पोट्ठवइण्णं भंते! अमावासं कइ णक्खत्ता जोएंति? गोयमा! दो···पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी य, अस्सोइण्णं भंते!···

सव्ववाहिरं मंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं तिण्णि छावट्ठे एगट्ठि-भागमुहुत्तसए रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिवड्ढेत्ता चारं चरइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दुचस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे पण्णत्ते ८ ॥ १३४ ॥ जया णं भंते ! सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं किंसंठिया तावखेत्तसंठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! उड्ढीमुहकलंवुयापुप्फसंठाणसंठिया तावखेत्त-संठिई पण्णत्ता, अंतो संकुया वाहिं वित्थडा अंतो वट्टा वाहिं पिहुला अंतो अंकमुह-संठिया वाहिं सगडुद्धीमुहसंठिया, उत्तरपासे णं तीसे दो वाहाओ अवट्ठियाओ हवंति पणयालीसं २ जोयणसहस्साइं आयामेणं, दुवे य णं तीसे वाहाओ अण-वट्ठियाओ हवंति, तंजहा–सव्वब्भंतरिया चेव वाहा सव्ववाहिरिया चेव वाहा, तीसे णं सव्वब्भंतरिया वाहा मंदरपव्वयंतेणं णवजोयणसहस्साइं चत्तारि छलसीए जोयणसए णव य दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, एस णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं मंदरस्स० परिक्खेवे तं परिक्खेवं तिहिं गुणेत्ता दसहिं छेत्ता दसहिं भागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा, तीसे णं सव्ववाहिरिया वाहा लवणसमुद्दंतेणं चउणवई जोयणसहस्साइं अट्ठसट्ठे जोयणसए चत्तारि य दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, से णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं जंवुद्दीवस्स २ परिक्खेवे तं परिक्खेवं तिहिं गुणेत्ता दसहिं छेत्ता दसभागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा। तया णं भंते ! तावखेत्ते केवइयं आयामेणं प० ? गोयमा ! अट्ठहत्तरिं जोयण-सहस्साइं तिण्णि य तेत्तीसे जोयणसए जोयणस्स तिभागं च आयामेणं पण्णत्ते, मेरुस्स मज्झयारे जाव य लवणस्स रुंदछब्भागो। तावायामो एसो सगडुद्धीसंठिओ णियमा ॥ १ ॥ तया णं भंते ! किंसंठिया अंधयारसंठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! उड्ढीमुहकलंवुयापुप्फसंठाणसंठिया अंधयारसंठिई पण्णत्ता, अंतो संकुया वाहिं वित्थडा तं चेव जाव तीसे णं सव्वब्भंतरिया वाहा मंदरपव्वयंतेणं छज्जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउवीसे जोयणसए छच्च दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणंति, से णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं मंदरस्स पव्वयस्स परिक्खेवे तं परिक्खेवं दोहिं गुणेत्ता दसहिं छेत्ता दसहिं भागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा, तीसे णं सव्ववाहिरिया वाहा लवणसमुद्दंतेणं तेसट्ठी जोयणसह-स्साइं दोण्णि य पणयाले जोयणसए छच्च दसभाए जोयणस्स परिक्खेवेणं, से णं भंते ! परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? गोयमा ! जे णं जंवुद्दीवस्स २ परि-

परिचय—आप सुधारक विचारके युवक हैं, आपकी गुरुभक्ति अगाध है। सब कार्य छोड़कर पहले आप सामायिक करते हैं। आप ऊनके व्यापारी हैं। कीड़ीसे हाथी बनना कोई आपसे सीखले। आपने अपनी प्रामाणिकताके बलपर गृहस्थीय साहिबीमें उन्नति प्राप्त की है। अंधविश्वाससे आप सदैव दूर रहे हैं। 'वसुधैव कुटुंब' का मंत्र आपके आदर्श जीवनसे सीखा जा सकता है। साम्प्रदायिकताका विकार हटाकर आप 'सच्चा सो मेरा' के आदर्शके अनुगामी हैं।

चारट्ठिइया गइरइया गइसमावण्णगा ? गोयमा ! अंतो णं माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स जे चन्दिमसूरिय जाव तारारूवा ते णं देवा णो उड्ढोववण्णगा णो कप्पोववण्णगा विमाणोववण्णगा चारोववण्णगा णो चारट्ठिइया गइरइया गइसमावण्णगा उड्ढीमुह-कलंबुयापुप्फसंठाणसंठिएहिं जोयणसाहस्सिएहिं तावखेत्तेहिं साहस्सियाहिं वेउव्वियाहिं बाहिराहिं परिसाहिं महया हयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुप्पवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणा महया उक्किट्ठिसीहणायबोलकलकलरवेणं अच्छं पव्वयरायं पयाहिणावत्तमण्डलचारं मेरुं अणुपरियट्टंति १४ ॥ १४० ॥ तेसि णं भन्ते ! देवाणं जाहे इंदे चुए भवइ से कहमियाणिं पकरेंति ? गोयमा ! ताहे चत्तारि पंच वा सामाणिया देवा तं ठाणं उवसंपज्जित्ताणं विहरंति जाव तत्थ अण्णे इंदे उववण्णे भवइ । इंदट्ठाणे णं भंते ! केवइयं कालं उववाएणं विरहिए ? गोयमा ! जहण्णेणं एगं समयं उक्कोसेणं छम्मासे उववाएणं विरहिए । बहिया णं भन्ते ! माणुसुत्तरस्स पव्वयस्स जे चंदिम जाव तारारूवा तं चेव णेयव्वं णाणत्तं विमाणोववण्णगा णो चारोववण्णगा चारट्ठिइया णो गइरइया णो गइसमावण्णगा पक्किट्टगसंठाणसंठिएहिं जोयणसयसाहस्सिएहिं तावखेत्तेहिं सयसाहस्सियाहिं वेउव्वियाहिं बाहिराहिं परिसाहिं महया हयणट्ट जाव भुंजमाणा सुहलेसा मन्दलेसा मन्दायवलेसा चित्तंतरलेसा अण्णोण्णसमोगाढाहिं लेसाहिं कूडाविव ठाणठिया सव्वओ समन्ता ते पएसे ओभासंति उज्जोवेंति पभासेन्तित्ति । तेसि णं भन्ते ! देवाणं जाहे इंदे चुए भवइ से कहमियाणिं पकरेन्ति जाव जहण्णेणं एक्कं समयं उक्कोसेणं छम्मासा इति १५ ॥ १४१ ॥ कइ णं भन्ते ! चंदमण्डला प० ? गो० ! पण्णरस चंदमण्डला पण्णत्ता । जम्बुद्दीवे णं भन्ते ! दीवे केवइयं ओगाहित्ता केवइया चन्दमण्डला प० ? गो० ! जम्बुद्दीवे २ असीयं जोयणसयं ओगाहित्ता पंच चंदमण्डला पण्णत्ता, लवणे णं भन्ते ! पुच्छा, गोयमा ! लवणे णं समुद्दे तिण्णि तीसे जोयणसए ओगाहित्ता एत्थ णं दस चंदमण्डला पण्णत्ता, एवामेव सपुव्वावरेणं जम्बुद्दीवे दीवे लवणे य समुद्दे पण्णरस चंदमण्डला भवन्तीतिमक्खायं ॥ १४२ ॥ सव्वब्भंतराओ णं भन्ते ! चंदमंडलाओ केवइयाए अबाहाए सव्वबाहिरए चंदमंडले प० ? गोयमा ! पंचदसुत्तरे जोयणसए अबाहाए सव्वबाहिरए चंदमंडले पण्णत्ते ॥ १४३ ॥ चंदमंडलस्स णं भन्ते ! चंदमंडलस्स य एस णं केवइयाए अबाहाए अंतरे प० ? गोयमा ! पणतीसं २ जोयणाइं तीसं च एगसट्ठिभाए जोयणस्स एगसट्ठिभागं च सत्तहा छेत्ता चत्तारि चुण्णियाभाए चंदमंडलस्स चंदमंडलस्स अबाहाए अंतरे पण्णत्ते ॥ १४४ ॥ चंदमंडले णं भन्ते ! केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं परि-

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

चंदपण्णत्ती

जयइ णवणलिणकुवलयवियसियसयवत्तपत्तलदलच्छो । वीरो गयंदमयगलसललियगयविक्कमो भयवं ॥ १ ॥ नमिऊण सुरअसुरगरुलभुयगपरिवंदिए गयकिलेसे । अरिहे सिद्धायरिए उवज्झाय सव्वसाहू य ॥ २ ॥ फुडवियडपागडत्थं वुच्छं पुव्वसुयसारणीसंदं । सुहुमगणिणोवइट्ठं जोइसगणरायपण्णत्तिं ॥ ३ ॥ णामेण इंदभूइत्ति गोयमो वंदिऊण तिविहेणं । पुच्छइ जिणवरवसहं जोइसगणरायपण्णत्तिं ॥ ४ ॥ कइ मंडलाइ वच्चइ १, तिरिच्छा किं च गच्छइ २ । ओभासइ केवइयं ३, सेयाइं किं ते संठिई ४ ॥ ५ ॥ कहिं पडिहया लेसा ५, कहिं ते ओयसंठिई ६ । के सूरियं वरयए ७, कहं ते उदयसंठिई ८ ॥ ६ ॥ कहं कट्ठा पोरिसिच्छाया ९, जोगे किं ते व आहिए १० । किं ते संवच्छरेणाई ११, कइ संवच्छराइ य १२ ॥ ७ ॥ कहं चंदमसो वुड्ढी १३, कया ते दोसिणा बहू १४ । केइ सिग्घगई वुत्ते १५, कहं दोसिणलक्खणं १६ ॥ ८ ॥ चयणोववाय १७ उच्चत्ते १८, सूरिया कइ आहिया १९ । अणुभावे के व संवुत्ते २०, एवमेयाइं वीसई ॥ ९ ॥ वड्ढोवड्ढी मुहुत्ताणं १, अद्धमंडलसंठिई २ । के ते चिण्णं परियरइ ३, अंतरं किं चरंति य ४ ॥ १० ॥ उग्गाहइ केवइयं ५, केवइयं च विकंपइ ६ । मंडलाण य संठाणे ७, विक्खंभो ८ अट्ठ पाहुडा ॥ ११ ॥ छप्पंच य सत्तेव य अट्ठ तिण्णि य हवंति पडिवत्ती । पढमस्स पाहुडस्स हवंति एयाउ पडिवत्ती ॥ १२ ॥ पडिवत्तीओ उदए, तहा अत्थमणेसु य । भियवाए कण्णकला, मुहुत्ताण गईइ य ॥ १३ ॥ णिक्खममाणे सिग्घगई, पविसंते मंदगईइ य । चुलसीइसयं पुरिसाणं, तेसिं च पडिवत्तीओ ॥ १४ ॥ उदयम्मि अट्ठ भणिया भेयग्घाए दुवे य पडिवत्ती । चत्तारि मुहुत्तगईए हुंति तइयम्मि पडिवत्ती ॥ १५ ॥ आवलिय १ मुहुत्तग्गे २, एवंभागा य ३ जोगस्सा ४ । कुलाइं ५ पुण्णमासी ६ य, सण्णिवाए ७ य संठिई ८ ॥ १६ ॥ तार(य)ग्गं च ९ णेया य १०, चंदमग्गत्ति ११ यावरे । देवयाण य अज्झयणे १२, मुहुत्ताणं णामया इय १३ ॥ १७ ॥ दिवसा राइ वुत्ता य १४, तिहि १५ गोत्ता १६ भोयणाणि १७ य ।

पमाणसंवच्छरे। लक्खणसंवच्छरे णं भन्ते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—"समयं णक्खत्ता जोगं जोयंति समयं उऊ परिणमंति। णच्चुण्ह णाइसीओ वहूदओ होइ णक्खत्ते ॥ १ ॥ ससि समगपुण्णमासिं जोएन्ति विसम-चारिणक्खत्ता। कडुओ वहूदओ य तमाहु संवच्छरं चन्दं ॥ २ ॥ विसमं पवालिणो परिणमन्ति अणुऊसु दिंति पुप्फफलं। वासं न सम्म वासइ तमाहु संवच्छरं कम्मं ॥ ३ ॥ पुढविदगाणं च रसं पुप्फफलाणं च देइ आइच्चो। अप्पेणवि वासेणं सम्मं निप्फज्जए सस्सं ॥ ४ ॥ आइच्चतेयतविया खणलवदिवसा उऊ परिणमन्ति। पूरेइ य णिण्णथले तमाहु अभिवड्ढियं जाण ॥ ५ ॥" सणिच्छरसंवच्छरे णं भन्ते! कइविहे पण्णत्ते? गोयमा! अट्ठावीसइविहे पण्णत्ते, तंजहा—अभिई सवणे धणिट्ठा सयभिसया दो य होंति भद्दवया। रेवइ अस्सिणि भरणी कत्तिय तह रोहिणी चेव ॥ १ ॥ जाव उत्तराओ आसाढाओ जं वा सणिच्चरे महग्गहे तीसाए संवच्छरेहिं सव्वं णक्खत्तमण्डलं समाणेइ सेत्तं सणिच्चरसंवच्छरे ॥ १५१ ॥ एगमेगस्स णं भन्ते! संवच्छरस्स कइ मासा पण्णत्ता? गोयमा! दुवालस मासा पण्णत्ता, तेसि णं दुविहा णामधेज्जा प०, तं०-लोइया लोउत्तरिया य, तत्थ लोइया णामा इमे, तं०-सावणे भद्दवए जाव आसाढे, लोउत्तरिया णामा इमे, तंजहा-अभिणंदिए पइट्ठे य, विजए पीइवद्धणे। सेयंसे य सिवे चेव, सिसिरे य सहेमवं ॥ १ ॥ णवमे वसंतमासे, दसमे कुसुमसंभवे। एक्कारसे निदाहे य, वणविरोहे य बारसे ॥ २ ॥ एगमेगस्स णं भन्ते! मासस्स कइ पक्खा पण्णत्ता? गोयमा! दो पक्खा पण्णत्ता, तं०-बहुलपक्खे य सुक्कपक्खे य। एगमेगस्स णं भन्ते! पक्खस्स कइ दिवसा पण्णत्ता? गोयमा! पण्णरस दिवसा पण्णत्ता, तं०-पडिवादिवसे बिइयादिवसे जाव पण्णरसीदिवसे, एएसि णं भंते! पण्णरसण्हं दिवसाणं कइ णामधेज्जा पण्णत्ता? गोयमा! पण्णरस णामधेज्जा पण्णत्ता, तं०—पुव्वंगे सिद्धमणोरमे य तत्तो मणोरहे चेव। जसभद्दे य जसधरे छट्ठे सव्वकामसमिद्धे ॥ १ ॥ इंदमुद्धाभिसित्ते य सोमणस धणंजए य बोद्धव्वे। अत्थसिद्धे अभिजाए अच्चसणे सयंजए चेव ॥ २ ॥ अग्गिवेसे उवसमे दिवसाणं होंति णामाइं। एएसि णं भंते! पण्णरसण्हं दिवसाणं कइ तिही पण्णत्ता? गोयमा! पण्णरस तिही पण्णत्ता, तं०-णंदे भद्दे जए तुच्छे पुण्णे पक्खस्स पंचमी, पुणरवि णंदे भद्दे जए तुच्छे पुण्णे पक्खस्स दसमी, पुणरवि णंदे भद्दे जए तुच्छे पुण्णे पक्खस्स पण्णरसी, एवं ते तिगुणाओ तिहीओ सव्वेसिं दिवसा-णंति। एगमेगस्स णं भंते! पक्खस्स कइ राईओ पण्णत्ताओ? गोयमा! पण्णरस राईओ पण्णत्ताओ, तं०-पडिवाराई जाव पण्णरसीराई, एयासि णं भंते! पण्णरसण्हं

दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, से णिक्खममाणे सूरिए णवं संवच्छरं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि अब्भितराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए अब्भितराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, से णिक्खममाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि अब्भितरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए अब्भितरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ० मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ दो २ एगट्ठिभागमुहुत्ते एगमेगे मंडले दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेमाणे २ रयणिखेत्तस्स अभिवुड्ढेमाणे २ सव्वबाहिरमंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतराओ मंडलाओ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं सव्वब्भंतरमंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं तिण्णिछावट्ठएगट्ठिभागमुहुत्ते सए दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढित्ता रयणिक्खेत्तस्स अभिवुड्ढित्ता चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए बारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, एस णं पढमे छम्मासे, एस णं पढमस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे। से पविसमाणे सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि बाहिरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए। एवं खलु एएणुवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ दो दो एगट्ठिभागमुहुत्ते एगमेगे मंडले रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेमाणे २ दिवसखेत्तस्स अभिवड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वबाहिराओ मंडलाओ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं सव्वबाहिरं मंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं तिण्णिछावट्ठे एगट्ठिभागमुहुत्तसए रयणिखेत्तस्स निवुड्ढित्ता दिवसखेत्तस्स अभिवड्ढित्ता चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दुच्चस्स छम्मा-

णवमीए दिवा थीविलोयणं राओ गराइ दसमीए दिवा वणिजं राओ विट्ठी एक्कारसीए दिवा ववं राओ वालवं वारसीए दिवा कोलवं राओ थीविलोयणं तेरसीए दिवा गराइ राओ वणिजं चउद्दसीए दिवा विट्ठी राओ सउणी अमावासाए दिवा चउप्पयं राओ णागं सुक्कपक्खस्स पाडिवए दिवा किंथुग्घं करणं भवइ ॥ १५३ ॥ किमाइया णं भन्ते ! संवच्छरा किमाइया अयणा किमाइया उऊ किमाइया मासा किमाइया पक्खा किमाइया अहोरत्ता किमाइया मुहुत्ता किमाइया करणा किमाइया णक्खत्ता पण्णत्ता ? गोयमा ! चंदाइया संवच्छरा दक्खिणाइया अयणा पाउसाइया उऊ सावणाइया मासा बहुलाइया पक्खा दिवसाइया अहोरत्ता रोद्दाइया मुहुत्ता वालवाइया करणा अभिजियाइया णक्खत्ता पण्णत्ता समणाउसो ! इति । पंचसंवच्छरिए णं भन्ते ! जुगे केवइया अयणा केवइया उऊ एवं मासा पक्खा अहोरत्ता केवइया मुहुत्ता पण्णत्ता ? गोयमा ! पंचसंवच्छरिए णं जुगे दस अयणा तीसं उऊ सट्ठी मासा एगे वीसुत्तरे पक्खसए अट्ठारसतीसा अहोरत्तसया चउप्पण्णं मुहुत्तसहस्सा णव सया पण्णत्ता॥१५४॥ **गाहा**–जोगा १ देवय २ तारग्ग ३ गोत्त ४ संठाण ५ चंदरविजोगा ६ । कुल ७ पुण्णिम अमवस्सा य ८ सण्णिवाए ९ य णेया य १० ॥ १ ॥ कइ णं भन्ते ! णक्खत्ता प० ? गोयमा ! अट्ठावीसं णक्खत्ता प०, तं०–अभिई १ सवणो २ धणिट्ठा ३ सयभिसया ४ पुव्वभद्दवया ५ उत्तरभद्दवया ६ रेवई ७ अस्सिणी ८ भरणी ९ कत्तिया १० रोहिणी ११ मियसिर १२ अद्दा १३ पुणव्वसू १४ पूसो १५ अस्सेसा १६ मघा १७ पुव्वफग्गुणी १८ उत्तरफग्गुणी १९ हत्थो २० चित्ता २१ साई २२ विसाहा २३ अणुराहा २४ जेट्ठा २५ मूलं २६ पुव्वासाढा २७ उत्तरासाढा २८ इति ॥ १५५ ॥ एएसि णं भन्ते ! अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं कयरे णक्खत्ता जे णं सया चन्दस्स दाहिणेणं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं सया चंदस्स उत्तरेणं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं चंदस्स दाहिणेणवि उत्तरेणवि पमद्दंपि जोगं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं चंदस्स दाहिणेणंपि पमद्दंपि जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं सया चन्दस्स पमद्दं जोयं जोएंति ? गोयमा ! एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं तत्थ णं जे ते णक्खत्ता जे णं सया चंदस्स दाहिणेणं जोयं जोएंति ते णं छ, तंजहा–संठाण १ अद्द २ पुस्सो ३ ऽसिलेस ४ हत्थो ५ तहेव मूलो य ६ । बाहिरओ बाहिरमंडलस्स छप्पेत णक्खत्ता ॥ १ ॥ तत्थ णं जे ते णक्खत्ता जे णं सया चन्दस्स उत्तरेणं जोगं जोएंति ते णं बारस, तं०–अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वभद्दवया उत्तरभद्दवया रेवई अस्सिणी भरणी पुव्वा[illegible]णी उत्तराफग्गुणी साई, तत्थ णं जे ते णक्खत्ता जे णं सया चन्दस्स दाहिण-

पढमे छम्मासे, एस णं पढमछम्मासस्स पज्जवसाणे, से पविसमाणे सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि उत्तराए अंतरभागाए तस्साइपएसाए बाहिराणंतरं दाहिणं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिराणंतरं दाहिणअद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि दाहिणाए अंतराए भागाए तस्साइपएसाए बाहिरंतरं तच्चं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिरं तच्चं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, एवं खलु एएणं उवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं० तंसि २ देसंसि तं तं अद्धमंडलसंठिइं संकममाणे २ उत्तराए अंतरभागाए तस्साइपएसाए सव्वब्भंतरं दाहिणं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं दाहिणं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चसंवच्छरस्स पज्जवसाणे ॥ १० ॥ ता कहं ते उत्तरा अद्धमंडलसंठिई आहिताति वएज्जा ? ता अयं णं जंबूदीवे दीवे सव्वदीव जाव परिक्खेवेणं, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, जहा दाहिणा तहा चेव णवरं उत्तरट्ठिओ अब्भिंतराणंतरं दाहिणं उवसंकमइ, दाहिणाओ अब्भिंतरं तच्चं उत्तरं उवसंकमइ, एवं खलु एएणं उवाएणं जाव सव्वबाहिरं दाहिणं उवसंकमइ सव्वबाहिरं दाहिणं उवसंकमित्ता दाहिणाओ बाहिराणंतरं उत्तरं उवसंकमइ, उत्तराओ बाहिरं तच्चं दाहिणं तच्चाओ दाहिणाओ संकममाणे २ जाव सव्वब्भंतरं उवसंकमइ, तहेव। एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे, गाहाओ ॥ ११ ॥ **पढमस्स पाहुडस्स बीयं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-२ ॥**

ता के ते चिण्णं पडिचरइ आहितेति वएज्जा ? तत्थ खलु इमे दुवे सूरिया पन्नत्ता, तंजहा-भारहे चेव सूरिए एरवए चेव सूरिए, ता एए णं दुवे सूरिया ॰यं २ तीसाए २ मुहुत्तेहिं एगमेगं अद्धमंडलं चरंति, सट्ठीए २ मुहुत्तेहिं एगमेगं

एएसि णं भन्ते ! अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिईणक्खत्ते कइमुहुत्ते चन्देण सद्धिं जोगं जोएइ ? गोयमा ! णव मुहुत्ते सत्तावीसं च सत्तट्ठिभाए मुहुत्तस्स चन्देण सद्धिं जोगं जोएइ, एवं इमाहिं गाहाहिं अणुगन्तव्वं-अभिइस्स चन्दजोगो सत्तट्ठिखंडिओ अहोरत्तो । ते हुंति णव मुहुत्ता सत्तावीसं कलाओ य ॥ १ ॥ सयभिसया भरणीओ अद्दा अस्सेस साइ जेट्ठा य । एए छण्णक्खत्ता पण्णरसमुहुत्तसंजोगा ॥ २ ॥ तिण्णेव उत्तराइं पुणव्वसू रोहिणी विसाहा य । एए छण्णक्खत्ता पणयालमुहुत्तसंजोगा ॥ ३ ॥ अवसेसा णक्खत्ता पण्णरसवि हुंति तीसइमुहुत्ता । चन्दंमि एस जोगो णक्खत्ताणं मुणेयव्वो ॥ ४ ॥ एएसि णं भन्ते ! अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिईणक्खत्ते कइ अहोरत्ते सूरेण सद्धिं जोगं जोएइ ? गोयमा ! चत्तारि अहोरत्ते छच्च मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोगं जोएइ, एवं इमाहिं गाहाहिं णेयव्वं-अभिई छच्च मुहुत्ते चत्तारि य केवले अहोरत्ते । सूरेण समं गच्छइ एत्तो सेसाण वोच्छामि ॥ १ ॥ सयभिसया भरणीओ अद्दा अस्सेस साइ जेट्ठा य । वच्चंति मुहुत्ते इक्कवीस छच्चेवऽहोरत्ते ॥ २ ॥ तिण्णेव उत्तराइं पुणव्वसू रोहिणी विसाहा य । वच्चंति मुहुत्ते तिण्णि चेव वीसं अहोरत्ते ॥ ३ ॥ अवसेसा णक्खत्ता पण्णरसवि सूरसहगया जंति । बारस चेव मुहुत्ते तेरस य समे अहोरत्ते ॥ ४ ॥ १६० ॥ कइ णं भन्ते ! कुला कइ उवकुला कइ कुलोवकुला पण्णत्ता ? गोयमा ! बारस कुला बारस उवकुला चत्तारि कुलोवकुला पण्णत्ता, बारस कुला, तंजहा—धणिट्ठाकुलं १ उत्तरभद्दवयाकुलं २ अस्सिणीकुलं ३ कत्तियाकुलं ४ मिगसिरकुलं ५ पुस्सो कुलं ६ मघाकुलं ७ उत्तरफग्गुणीकुलं ८ चित्ताकुलं ९ विसाहाकुलं १० मूलो कुलं ११ उत्तरासाढाकुलं १२ । मासाणं परिणामा होंति कुला उवकुला उ हेट्ठिमगा । होंति पुण कुलोवकुला अभीइसय अद्द अणुराहा ॥ १ ॥ बारस उवकुला, तं०-सवणो उवकुलं १ पुव्वभद्दवया उवकुलं २ रेवई उवकुलं ३ भरणी उवकुलं ४ रोहिणी उवकुलं ५ पुणव्वसू उवकुलं ६ अस्सेसा उवकुलं ७ पुव्वफग्गुणी उवकुलं ८ हत्थो उवकुलं ९ साई उवकुलं १० जेट्ठा उवकुलं ११ पुव्वासाढा उवकुलं १२ । चत्तारि कुलोवकुला, तंजहा-अभिई कुलोवकुला १ सयभिसया कुलोवकुला २ अद्दा कुलोवकुला ३ अणुराहा कुलोवकुला ४ । कइ णं भन्ते ! पुण्णिमाओ कइ अमावासाओ पण्णत्ताओ ? गोयमा ! बारस पुण्णिमाओ बारस अमावासाओ प०, तं०-साविट्ठी पोट्ठवई आसोई कत्तिगी मग्गसिरी पोसी माही फग्गुणी चेत्ती वइसाही जेट्ठामूली आसाढी, साविट्ठिण्णं भन्ते ! पुण्णिमासिं कइ णक्खत्ता जोगं जोएंति ? गोयमा ! तिण्णि णक्खत्ता जोगं जोएंति, तं०-अभिई सवणो धणिट्ठा । पोट्ठवइण्णं भंते !

पढमे छम्मासे, एस णं पढमछम्मासस्स पज्जवसाणे, से पविसमाणे सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि उत्तराए अंतरभागाए तस्साइपएसाए वाहिराणंतरं दाहिणं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए वाहिराणंतरं दाहिणअद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि दाहिणाए अंतराए भागाए तस्साइपएसाए वाहिरंतरं तच्चं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए वाहिरं तच्चं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, एवं खलु एएणं उवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं० तंसि २ देसंसि तं तं अद्धमंडलसंठिइं संकममाणे २ उत्तराए अंतराभागाए तस्साइपएसाए सव्वब्भंतरं दाहिणं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं दाहिणं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चसंवच्छरस्स पज्जवसाणे ॥ १० ॥ ता कहं ते उत्तरा अद्धमंडलसंठिई आहितेति वएज्जा ? ता अयं णं जंबूदीवे दीवे सव्वदीव जाव परिक्खेवेणं, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, जहा दाहिणा तहा चेव णवरं उत्तरट्ठिओ अब्भितराणंतरं दाहिणं उवसंकमइ, दाहिणाओ अब्भितरं तच्चं उत्तरं उवसंकमइ, एवं खलु एएणं उवाएणं जाव सव्ववाहिरं दाहिणं उवसंकमइ सव्ववाहिरं दाहिणं उवसंकमित्ता दाहिणाओ वाहिराणंतरं उत्तरं उवसंकमइ, उत्तराओ वाहिरं तच्चं दाहिणं तच्चाओ दाहिणाओ संकममाणे २ जाव सव्वब्भंतरं उवसंकमइ, तहेव। एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे, गाहाओ ॥ ११ ॥ **पढमस्स पाहुडस्स बीयं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-२ ॥**

ता के ते चिण्णं पडिचरइ आहितेति वएज्जा ? तत्थ खलु इमे दुवे सूरिया पन्नत्ता, तंजहा–भारहे चेव सूरिए एरवए चेव सूरिए, ता एए णं दुवे सूरिया पत्तेयं २ तीसाए २ मुहुत्तेहिं एगमेगं अद्धमंडलं चरंति, सट्ठीए २ मुहुत्तेहिं एगमेगं

जम्बूरुक्खा जम्बूवणा जम्बूवणसंडा णिच्चं कुसुमिया जाव पिंडिममंजरिवडेंसगधर सिरीए अईव २ उवसोभेमाणा २ चिट्ठंति, जम्बूए० सुदंसणाए अणाढिए णामं देवे महिड्ढिए जाव पलिओवमट्ठिइए परिवसइ, से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ-जम्बुद्दीवे दीवे इति ॥ १७९ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे मिहिलाए णयरीए माणिभद्दे उज्जाणे वहूणं समणाणं वहूणं समणीणं वहूणं सावयाणं वहूणं सावियाणं वहूणं देवाणं वहूणं देवीणं मज्झगए एवमाइक्खइ एवं भासइ एवं पण्णवेइ एवं परूवेइ जम्बूदीवपण्णत्ती णामत्ति अज्जो ! अज्झयणे अट्ठं च हेउं च पसिणं च कारणं च वागरणं च भुज्जो २ उवदंसेइत्तिबेमि ॥ १८० ॥ **सत्तमो वक्खारो समत्तो ॥ जंबुद्दीवपण्णत्तिसुत्तं समत्तं ॥**



आहितातिं वएज्जा एगे एवमाहंसु ३, एवं एगं दीवं एगं समुद्दं अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु ४, एगे···दो दीवे दो समुद्दे अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु सूरिया चारं चरंति आहितातिं वएज्जा एगे एवमाहंसु ५, एगे···तिण्णि दीवे तिण्णि समुद्दे अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु सूरिया चारं चरंति आहितातिं वएज्जा एगे एवमाहंसु ६, वयं पुण एवं वयामो–ता पंच पंच जोयणाइं पणतीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगे मंडले अण्णमण्णस्स अंतरं अभिवड्ढेमाणा वा निवड्ढेमाणा वा सूरिया चारं चरंति०। तत्थ णं को हेऊ आहिएति वएज्जा ? ता अयण्णं जंबूदीवे २ जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते, ता जया णं एए दुवे सूरिया सव्वब्भंतरमंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं णवणउइजोयणसहस्साइं छच्चचत्ताले जोयणसए अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति आहितातिं वएज्जा, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, ते णिक्खममाणा सूरिया णवं संवच्छरं अयमाणा पढमंसि अहोरत्तंसि अब्भिंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति, ता जया णं एए दुवे सूरिया अब्भिंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं णवणवइं जोयणसहस्साइं छच्च पणयाले जोयणसए पणवीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति आहितातिं वएज्जा, तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, ते णिक्खममाणा सूरिया दोच्चंसि अहोरत्तंसि अब्भिंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति, ता जया णं एए दुवे सूरिया अब्भिंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं णवणवइं जोयणसहस्साइं छच्चइक्कावण्णे जोयणसए णव य एगट्ठिभागे जोयणस्स अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति आहितातिं वएज्जा, तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, एवं खलु एएणुवाएणं णिक्खममाणा एए दुवे सूरिया तओऽणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं संकममाणा २ पंच २ जोयणाइं पणतीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगे मंडले अण्णमण्णस्स अंतरं अभिवड्ढेमाणा २ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति, ता जया णं एए दुवे सूरिया सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं एगं जोयणसयसहस्सं छच्च सट्ठे जोयणसए अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, एस णं पढमे छम्मासे, एस णं पढमस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, ते पविसमाणा सूरिया दोच्चं छम्मासं अयमाणा पढमंसि अहोरत्तंसि

णं जंबूदीवं २ एगं जोयणसहस्सं एगं च तेत्तीसं जोयणसयं ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, ता जया णं सूरिए सव्ववाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं लवणसमुद्दं एगं जोयणसहस्सं एगं च तेत्तीसं जोयणसयं ओगाहित्ता चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ। एवं चोत्तीसं जोयणसयं। एवं पणतीसं जोयणसयं। तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता अवड्ढं दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ, ते एवमाहंसु–ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अवड्ढं जंबूदीवं २ ओगाहित्ता चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एवं सव्ववाहिरएवि, णवरं अवड्ढं लवणसमुद्दं, तया णं राइंदियं तहेव, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता णो किंचि दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ, ते एवमाहंसु–ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं णो किंचि दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तहेव एवं सव्ववाहिरए मंडले णवरं णो किंचि लवणसमुद्दं ओगाहित्ता चारं चरइ, राइंदियं तहेव, एगे एवमाहंसु ५ ॥ १४ ॥ वयं पुण एवं वयामो–ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं जंबूदीवं २ असीयं जोयणसयं ओगाहित्ता चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एवं सव्ववाहिरेवि, णवरं लवणसमुद्दं तिण्णि तीसे जोयणसए ओगाहित्ता चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, गाहाओ भाणियव्वाओ ॥ १५ ॥ **पढमस्स पाहुडस्स पंचमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥१-५॥**

ता केवइयं (ते) एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ आहितेति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ सत्त पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०—तत्थेगे एवमाहंसु–ता दो जोयणाइं अद्धदुचत्तालीसं तेसीयसयभागे जोयणस्स एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु–ता अड्ढाइज्जाइं जोयणाइं एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु–ता तिभागूणाइं तिण्णि जोयणाइं एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु–ता तिण्णि जोयणाइं अद्धसीयालीसं च तेसीइसयभागे जोयणस्स एगमेगेणं राइंदिएणं विकंप-

आइच्चवार १८ मासा १९ य, पंच संवच्छरा इय २० ॥ १८ ॥ जोइसस्स य दाराइं २१, णक्खत्तविजए विय २२ । दसमे पाहुडे एए, बावीसं पाहुडपाहुडा ॥ १९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं मिहिला णामं णयरी होत्था रिद्धत्थिमियसमिद्धा पमुइय-जणजाणवया···पासादीया ४ ॥ १ ॥ तीसे णं मिहिलाए णयरीए बहिया उत्तर-पुरच्छिमे दिसीभाए माणिभद्दे णामं उज्जाणे होत्था वण्णओ ॥ २ ॥ तीसे णं मिहिलाए णयरीए जियसत्तू णामं राया होत्था वण्णओ ॥ ३ ॥ तस्स णं जियसत्तुस्स रण्णो धारिणी णामं देवी होत्था वण्णओ ॥ ४ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं तम्मि उज्जाणे सामी समोसढे, परिसा णिग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया जाव राया जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ ५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स जेट्ठे अंतेवासी इंदभूई णामं अणगारे गोयमे गोत्तेणं सत्तुस्सेहे समचउरंससंठाणसंठिए वज्जरिसहणारायसंघयणे जाव एवं वयासी-ता कहं ते वड्ढोवड्ढी मुहुत्ताणं आहितेति वएज्जा ? ता अट्ठएगूणवीसे मुहुत्तसए सत्तावीसं च सट्ठिभागे मुहुत्तस्स आहितेति वएज्जा ॥ ६ ॥ ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतराओ मंडलाओ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ सव्वबाहिराओ मंडलाओ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ एस णं अद्धा केवइयं राइंदियग्गेणं आहितेति वएज्जा ? ता तिण्णि छावट्ठे राइंदियसए राइंदियग्गेणं आहितेति वएज्जा ॥ ७ ॥ ता एयाए अद्धाए सूरिए कइ मंडलाइं चरइ, कइ मंडलाइं दुक्खुत्तो चरइ, कइ मंडलाइं एगक्खुत्तो चरइ ? ता चुलसीयं मंडलसयं चरइ, बासीइं मंडलसयं दुक्खुत्तो चरइ, तंजहा-णिक्खममाणे चेव पविसमाणे चेव, दुवे य खलु मंडलाइं सइं चरइ, तंजहा-सव्वब्भंतरं चेव मंडलं सव्वबाहिरं चेव मंडलं ॥ ८ ॥ जइ खलु तस्सेव आइच्चस्स संवच्छरस्स सयं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ सइं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ सयं दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ सइं दुवालस-मुहुत्ता राई भवइ, पढमे छम्मासे अत्थि अट्ठारसमुहुत्ता राई, णत्थि अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे, अत्थि दुवालसमुहुत्ते दिवसे, णत्थि दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, दोच्चे छम्मासे अत्थि अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे, णत्थि अट्ठारसमुहुत्ता राई, अत्थि दुवालसमुहुत्ता राई, णत्थि दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, पढमे वा छम्मासे दोच्चे वा छम्मासे णत्थि पण्णरसमुहुत्ते दिवसे भवइ, णत्थि पण्णरसमुहुत्ता राई भवइ, तत्थ णं कं हेउं वएज्जा ? ता अयण्णं जंबूदीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं सव्वब्भंतराए जाव विसेसा-हिए परिक्खेवेणं पण्णत्ते, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरमंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया

च एगट्ठिभागे जोयणस्स एगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ चारं चरइ, तया णं अट्ठारससुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि बाहिरतच्चंसि मंडलंसि उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं पंच जोयणाइं पणतीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स दोहिं राइंदिएहिं विकंपइत्ता २ चारं चरइ, राइंदिए तहेव, एवं खलु एएणुवाएणं पविसमाणे सूरिए तओऽणंतराओ तयाणंतरं च णं मंडलं संकममाणे २ दो २ जोयणाइं अडयालीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगेणं राइंदिएणं विकंप-माणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वबाहि-राओ मंडलाओ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं सव्वबाहिरं मंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं पंचदसुत्तरे जोयणसए विकंपइत्ता २ चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जव-साणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे ॥ १६ ॥

पढमस्स पाहुडस्स छट्ठं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-६ ॥

ता कहं ते मंडलसंठिई आहिताति वएज्जा ? तत्थ खलु इमाओ अट्ठ पडि-वत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०—तत्थेगे एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया समचउरंस-संठाणसंठिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया विसमचउरंससठाणसंठिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमा-हंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया समचउक्कोणसंठिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया विसमचउक्कोणसंठिया पण्णत्ता एगे एव-माहंसु ४, एगे पुण एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया समचक्कवालसंठिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ५, एगे पुण एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया विसम-चक्कवालसंठिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ६, एगे पुण एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया चक्कद्धचक्कवालसंठिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ७, एगे पुण एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया छत्तागारसंठिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ८, तत्थ जे ते एवमाहंसु—ता सव्वावि णं मंडलवया छत्तागारसंठिया पण्णत्ता एएणं णएणं णायव्वं, णो चेव णं इयरेहिं, पाहुडगाहाओ भाणियव्वाओ ॥ १७ ॥ **पढमस्स पाहुडस्स सत्तमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-७ ॥**

ता सव्वावि णं मंडलवया केवइयं बाहल्लेणं केवइयं आयामविक्खंभेणं केवइयं

स्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे, इइ खलु तस्सेवं आइच्चस्स संवच्छरस्स सइं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, सइं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, सयं दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, सयं दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, पढमे छम्मासे अत्थि अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, णत्थि अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, अत्थि दुवालसमुहुत्ते दिवसे, णत्थि दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, दोच्चे छम्मासे अत्थि अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, णत्थि अट्ठारसमुहुत्ता राई, अत्थि दुवालसमुहुत्ता राई, णत्थि दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, पढमे वा छम्मासे दोच्चे वा छम्मासे णत्थि पण्णरसमुहुत्ते दिवसे भवइ, णत्थि पण्णरसमुहुत्ता राई भवइ, णण्णत्थ राइंदियाणं वड्ढोवड्ढीए मुहुत्ताण वा चओवचएणं, णण्णत्थ वा अणुवायगईए० गाहाओ भाणियव्वाओ ॥ १ ॥

पढमस्स पाहुडस्स पढमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-१ ॥

ता कहं ते अद्धमंडलसंठिई आहिताति वएज्जा ? तत्थ खलु इमा दुविहा अद्धमंडलसंठिई पण्णत्ता, तंजहा–दाहिणा चेव अद्धमंडलसंठिई उत्तरा चेव अद्धमंडलसंठिई । ता कहं ते दाहिणअद्धमंडलसंठिई आहिताति वएज्जा ? ता अयण्णं जंबूदीवे दीवे सव्वदीवसमुद्दाणं जाव परिक्खेवेणं०, ता जया णं सूरिए सब्भंतरं दाहिणं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, से णिक्खममाणे सूरिए णवं संवच्छरं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि दाहिणाए अंतराए भागाए तस्साइपएसाए अब्भिंतराणंतरं उत्तरद्धमंडलं संठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, जया णं सूरिए अब्भिंतराणंतरं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ते(हिं) दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई० दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, से णिक्खममाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि उत्तराए अंतराए भागाए तस्साइपएसाए अब्भितरं तच्चं दाहिणं अद्धमंडलं संठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ । ता जया णं सूरिए अब्भितरं तच्चं दाहिणं अद्धमंडलं संठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयणंतराओऽणंतरंसि तंसि २ देसंसि तं तं अद्धमंडलसंठिइं संकममाणे २ दाहिणाए २ अंतराए भागाए तस्साइपएसाए सव्वबाहिरं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वबाहिरं उत्तरं अद्धमंडलसंठिइं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ । एस णं

पाओ सूरिए आउकायंसि विद्धंसइ एगे एवमाहंसु ६, एगे पुण एवमाहंसु–ता पुरत्थिमाओ लोगंताओ पाओ सूरिए आउकायंसि उत्तिट्ठइ, से णं इमं तिरियं लोयं तिरियं करेइ करेत्ता पच्चत्थिमंसि लोयंतंसि सायं सूरिए आउकायंसि अणुपविसइ २ त्ता अहे पडियागच्छइ २ त्ता पुणरवि अवरभूपुरत्थिमाओ लोयंताओ पाओ सूरिए आउकायंसि उत्तिट्ठइ एगे एवमाहंसु ७, एगे पुण एवमाहंसु–ता पुरत्थिमाओ लोयंताओ बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं पाओ सूरिए आगासंसि उत्तिट्ठइ, से णं इमं दाहिणड्ढं लोयं तिरियं करेइ करेत्ता उत्तरड्ढलोयं तमेव राओ, से णं इमं उत्तरड्ढलोयं तिरियं करेइ २ त्ता दाहिणड्ढलोयं तमेव राओ, से णं इमाइं दाहिणुत्तरड्ढलोयाइं तिरियं करेइ करेत्ता पुरत्थिमाओ लोयंताओ बहूइं जोयणाइं बहूइं जोयणसयाइं बहूइं जोयणसहस्साइं उड्ढं दूरं उप्पइत्ता एत्थ णं पाओ सूरिए आगासंसि उत्तिट्ठइ एगे एवमाहंसु ८। वयं पुण एवं वयामो–ता जंबूदीवस्स २ पाईणपडीणाययउदीणदाहिणाययाए जीवाए मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दाहिणपुरच्छिमंसि उत्तरपच्चत्थिमंसि य चउब्भागमंडलंसि इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ अट्ठ जोयणसयाइं उड्ढं उप्पइत्ता एत्थ णं पाओ दुवे सूरिया० उत्तिट्ठंति, ते णं इमाइं दाहिणुत्तराइं जंबूदीवभागाइं तिरियं करेंति २ त्ता पुरत्थिमपच्चत्थिमाइं जंबूदीवभागाइं तामेव राओ, ते णं इमाइं पुरच्छिमपच्चत्थिमाइं जंबूदीवभागाइं तिरियं करेंति २ त्ता दाहिणुत्तराइं जंबू-

मंडलं संघायंति, ता णिक्खममाणा खलु एए दुवे सूरिया णो अण्णमण्णस्स चिण्णं पडिचरंति, पविसमाणा खलु एए दुवे सूरिया अण्णमण्णस्स चिण्णं पडिचरंति, तं सयमेगं चोयालं, तत्थ के हेऊ०ति वएज्जा ? ता अयण्णं जंबूदीवे २ जाव परिक्खेवेणं०, तत्थ णं अयं भारहए चेव सूरिए जंबूदीवस्स २ पाईणपडीणाययउदीणदाहिणाययाए जीवाए मंडलं चउवीसएणं सएणं छेत्ता दाहिणपुरत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि बाणउइयसूरियमयाइं जाइं अप्पणा चेव चिण्णाइं पडिचरइ, उत्तरपच्चत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि एक्काणउइं सूरियमयाइं जाइं सूरिए अप्पणो चेव चिण्णं पडिचरइ, तत्थ णं अयं भारहे सूरिए एरवयस्स सूरियस्स जंबूदीवस्स २ पाईणपडीणाययाए उदीणदाहिणाययाए जीवाए मंडलं चउवीसएणं सएणं छेत्ता उत्तरपुरत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि बाणउइं सूरियमयाइं जाव सूरिए परस्स चिण्णं पडिचरइ, दाहिणपच्चत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि एगूणणउइं सूरियमयाइं जाइं सूरिए परस्स चेव चिण्णं पडिचरइ, तत्थ णं अयं एरवए सूरिए जंबूदीवस्स २ पाईणपडीणाययाए उदीणदाहिणाययाए जीवाए मंडलं चउवीसएणं सएणं छेत्ता उत्तरपुरत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि बाणउइं सूरियमयाइं जाव सूरिए अप्पणो चेव चिण्णं पडिचरइ, दाहिणपुरत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि एक्काणउइं सूरियमयाइं जाव सूरिए अप्पणो चेव चिण्णं पडिचरइ, तत्थ णं अयं एरवइए सूरिए भारहस्स सूरियस्स जंबूदीवस्स २ पाईणपडीणाययाए उदीणदाहिणाययाए जीवाए मंडलं चउवीसएणं सएणं छेत्ता दाहिणपच्चत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि बाणउइं सूरियमयाइं सूरिए परस्स चिण्णं पडिचरइ, उत्तरपुरत्थिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि एक्काणउइं सूरियमयाइं जाइं सूरिए परस्स चेव चिण्णं पडिचरइ, ता णिक्खममाणा खलु एए दुवे सूरिया णो अण्णमण्णस्स चिण्णं पडिचरंति, पविसमाणा खलु एए दुवे सूरिया अण्णमण्णस्स चिण्णं पडिचरंति, सयमेगं चोयालं । गाहाओ ॥ १२ ॥

पढमस्स पाहुडस्स तइयं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-३ ॥

ता केवइयं एए दुवे सूरिया अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति आहितातिति वएज्जा ? तत्थ खलु इमाओ छ पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-तत्थ एगे एवमाहंसु-ता एगं जोयणसहस्सं एगं च तेत्तीसं जोयणसयं अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु सूरिया चारं चरंति आहितातिति वएज्जा एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु-ता एगं जोयणसहस्सं एगं च चउतीसं जोयणसयं अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु सूरिया चारं चरंति आहितातिति वएज्जा एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु-ता एगं जोयणसहस्सं एगं च पणतीसं जोयणसयं अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु सूरिया चारं चरंति

पंच २ जोयणसहस्साइं दोण्णि य एक्कावण्णे जोयणसए अट्ठतीसं च सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ तया णं इहगयस्स मणूसस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं दोहि य दोवट्ठेहिं जोयणसएहिं एक्कवीसाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे ॥ २१ ॥ **बिइयस्स पाहुडस्स तइयं पाहुडपाहुडं समत्तं** ॥ २-३ ॥ **बिइयं पाहुडं समत्तं** ॥ २ ॥

ता केवइयं खेत्तं चंदिमसूरिया ओभासंति उज्जोवेंति तवेंति पगासंति आहितातिवएज्जा? तत्थ खलु इमाओ बारस पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०-तत्थेगे एवमाहंसु-ता एगं दीवं एगं समुद्दं चंदिमसूरिया ओभासंति उज्जोवेंति तवेंति पगासंति···१, एगे पुण एवमाहंसु-ता तिण्णि दीवे तिण्णि समुद्दे चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु-ता अद्धचउत्थे दीवसमुद्दे चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु-ता सत्त दीवे सत्त समुद्दे चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु ४, एगे पुण एवमाहंसु-ता दस दीवे दस समुद्दे चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु ५, एगे पुण एवमाहंसु-ता बारस दीवे बारस समुद्दे चंदिमसूरिया ओभासंति···६, एगे पुण एवमाहंसु-ता बायालीसं दीवे बायालीसं समुद्दे चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु ७, एगे पुण एवमाहंसु-ता बावत्तरिं दीवे बावत्तरिं समुद्दे चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु ८, एगे पुण एवमाहंसु-ता बायालीसं दीवसयं बायालीसं समुद्दसयं चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु ९, एगे पुण एवमाहंसु-ता बावत्तरिं दीवसयं बावत्तरिं समुद्दसयं चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु १०, एगे पुण एवमाहंसु-ता बायालीसं दीवसहस्सं बायालं समुद्दसहस्सं चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु ११, एगे पुण एवमाहंसु-ता बावत्तरिं दीवसहस्सं बावत्तरिं समुद्दसहस्सं चंदिमसूरिया ओभासंति···एगे एवमाहंसु १२, वयं पुण एवं वयामो-ता अयण्णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमुद्दाणं जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते, से णं एगाए जगईए सव्वओ समंता संपरिक्खित्ते, सा णं जगई तहेव जहा **जंबूदीवपण्णत्तीए** जाव एवामेव सपुव्वावरेणं जंबुद्दीवे २ चोद्दससलिलासयसहस्सा छप्पण्णं च सलिलासहस्सा भवंतीति मक्खाया, जंबुद्दीवे णं दीवे पंचचक्कभागसंठिए आहिएति वएज्जा, ता कहं जंबुद्दीवे २ पंचचक्कभागसंठिए आहिएति वएज्जा? ता जया णं एए दुवे सूरिया सव्वब्भंतरं मंडलं

वाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति, ता जया णं एए दुवे सूरिया वाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं एगं जोयणसयसहस्सं छच्च चउप्पण्णे जोयणसए छत्तीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति आहिताति वएज्जा, तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, ते पविसमाणा सूरिया दोच्चंसि अहोरत्तंसि वाहिरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति, ता जया णं एए दुवे सूरिया वाहिरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं एगं जोयणसयसहस्सं छच्च अडयाले जोयणसए वावण्णं च एगट्ठिभागे जोयणस्स अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति, तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए। एवं खलु एएणुवाएणं पविसमाणा एए दुवे सूरिया तओऽणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं उवसंकममाणा २ पंच २ जोयणाइं पणतीसे एगट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगे मंडले अण्णमण्णस्संतरं णिवुड्ढेमाणा २ सव्वब्भंतरमंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति, ता जया णं एए दुवे सूरिया सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं णवणउइजोयणसहस्साइं छच्च चत्ताले जोयणसए अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु चारं चरंति, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चसंवच्छरस्स पज्जवसाणे ॥ १३ ॥

पढमस्स पाहुडस्स चउत्थं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-४ ॥

ता केवइयं ते दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ आहितातिं वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ पंच पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०-तत्थ एगे एवमाहंसु-ता एगं जोयणसहस्सं एगं च तेत्तीसं जोयणसयं दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ··· १, एगे पुण एवमाहंसु-ता एगं जोयणसहस्सं एगं च चउत्तीसं जोयणसयं दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु-ता एगं जोयणसहस्सं एगं च पणतीसं जोयणसयं दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु-ता अवड्ढं दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु ४, एगे पुण एवमाहंसु-ता णो किंचि दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ···५, तत्थ जे ते एवमाहंसु-ता एगं जोयणसहस्सं एगं च तेत्तीसं जोयणसयं दीवं वा समुद्दं वा ओगाहित्ता सूरिए चारं चरइ, ते एवमाहंसु-ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया

तीसे दुवे वाहाओ अवट्ठियाओ भवंति पणयालीसं २ जोयणसहस्साइं आयामेणं, तीसे दुवे वाहाओ अणवट्ठियाओ भवंति, तंजहा–सव्वब्भंतरिया चेव वाहा सव्ववाहिरिया चेव वाहा, तत्थ को हेऊ०ति वएज्जा ? ता अयण्णं जंबुद्दीवे २ जाव परिक्खेवेणं०, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उद्धीमुहकलंवुयापुप्फसंठिया णं तावक्खेत्तसंठिई आहिताति वएज्जा, अंतो संकुडा वाहिं वित्थडा अंतो वट्टा वाहिं पिहुला अंतो अंकमुहसंठिया वाहिं सत्थिमुहसंठिया, दुहओ पासेणं तीसे तहेव जाव सव्ववाहिरिया चेव वाहा, तीसे णं सव्वब्भंतरिया वाहा मंदरपव्वयंतेणं णव जोयणसहस्साइं चत्तारि य छलसीए जोयणसए णव य दसभागे जोयणस्स परिक्खेवेणं आहिताति वएज्जा, तासे णं परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? ता जे णं मंदरस्स पव्वयस्स परिक्खेवे तं परिक्खेवं तिहिं गुणित्ता दसहिं छेत्ता दसहिं भागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा, तीसे णं सव्ववाहिरिया वाहा लवणसमुद्दंतेणं चउणउइं जोयणसहस्साइं अट्ठ य अट्ठसट्ठे जोयणसए चत्तारि य दसभागे जोयणस्स परिक्खेवेणं आहिताति वएज्जा, तासे णं परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? ता जे णं जंबुद्दीवस्स २ परिक्खेवे···तिहिं गुणित्ता दसहिं छेत्ता दसहिं भागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा, तीसे णं तावक्खेत्ते केवइयं आयामेणं आहिएति वएज्जा ? ता अट्ठत्तरिं जोयणसहस्साइं तिण्णि य तेत्तीसे जोयणसए जोयणतिभागे य आयामेणं आहिएति वएज्जा, तया णं किंसंठिया अंधयारसंठिई आहिताति वएज्जा ? ता उद्धीमुहकलंवुयापुप्फसंठिया तहेव जाव वाहिरिया चेव वाहा, तीसे णं सव्वब्भंतरिया वाहा मंदरपव्वयंतेणं छज्जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउवीसे जोयणसए छच्च दसभागे जोयणस्स परिक्खेवेणं आहिताति वएज्जा, तीसे णं परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? ता जे णं मंदरस्स पव्वयस्स परिक्खेवे तं परिक्खेवं दोहिं गुणेत्ता सेसं तहेव, तीसे णं सव्ववाहिरिया वाहा लवणसमुद्दंतेणं तेवट्ठिजोयणसहस्साइं दोण्णि य पणयाले जोयणसए छच्च दसभागे जोयणस्स परिक्खेवेणं आहिताति वएज्जा, तासे णं परिक्खेवविसेसे कओ आहिएति वएज्जा ? ता जे णं जंबुद्दीवस्स २ परिक्खेवे तं परिक्खेवं दोहिं गुणित्ता दसहिं छेत्ता दसहिं भागे हीरमाणे एस णं परिक्खेवविसेसे आहिएति वएज्जा, ता से णं अंधयारे केवइयं आयामेणं आहिएति वएज्जा ? ता अट्ठत्तरिं जोयणसहस्साइं तिण्णि य तेत्तीसे जोयणसए जोयणतिभागं च आयामेणं आहिएति वएज्जा, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, ता जया णं सूरिए सव्ववाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं

इत्ता २ सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु ४, एगे पुण एवमाहंसु-ता अद्धुट्ठाइं जोयणाइं एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु ५, एगे पुण एवमाहंसु-ता चउब्भागूणाइं चत्तारि जोयणाइं एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु ६, एगे पुण एवमाहंसु-ता चत्तारि जोयणाइं अद्धबावण्णं च तेसीइसयभागे जोयणस्स एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ० एगे एवमाहंसु ७। वयं पुण एवं वयामो-ता दो जोयणाइं अडयालीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगं मंडलं एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता २ सूरिए चारं चरइ०, तत्थ णं को हेऊ०ति वएज्जा? ता अयण्णं जंबूदीवे २ जाव परिक्खेवेणं पण्णत्ते, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, से णिक्खममाणे सूरिए णवं संवच्छरं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि अब्भिंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए अब्भिंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं दो जोयणाइं अडयालीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स एगेणं राइंदिएणं विकंपइत्ता चारं चरइ, तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभाग-मुहुत्तेहिं अहिया। से णिक्खममाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि अब्भिंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए अब्भिंतरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं पंच जोयणाइं पणतीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स दोहिं राइंदिएहिं विकंपइत्ता २ चारं चरइ, तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमु-हुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं संक-ममाणे २ दो २ जोयणाइं अडयालीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगं मंडलं एगमेगेणं राइंदिएणं विकंपमाणे २ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतराओ मंडलाओ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं सव्वब्भंतरं मंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं पंचदसुत्तर-जोयणसए विकंपइत्ता २ चारं चरइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, एस णं पढमछम्मासे, एस णं पढमछम्मासस्स पज्जवसाणे, से य पविसमाणे सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं दो दो जोयणाइं अडयालीसं

अयणमेव, ता अणुसंवच्छरमेव, ता अणुजुगमेव, ता अणुवाससयमेव, ता अणुवास-सहस्समेव, ता अणुवाससयसहस्समेव, ता अणुपुव्वमेव, ता अणुपुव्वसयमेव, ता अणुपुव्वसहस्समेव, ता अणुपुव्वसयसहस्समेव, ता अणुपलिओवममेव, ता अणुपलि-ओवमसयमेव, ता अणुपलिओवमसहस्समेव, ता अणुपलिओवमसयसहस्समेव, ता अणुसागरोवममेव, ता अणुसागरोवमसयमेव, ता अणुसागरोवमसहस्समेव, ता अणुसागरोवमसयसहस्समेव, एगे पुण एवमाहंसु-ता अणुउस्सप्पिणिओसप्पिणिमेव सूरियस्स ओया अण्णा उप्पज्जइ अण्णा अवेइ, एगे एवमाहंसु २५। वयं पुण एवं वयामो-ता तीसं २ मुहुत्ते सूरियस्स ओया अवट्ठिया भवइ, तेण परं सूरियस्स ओया अणवट्ठिया भवइ, छम्मासे सूरिए ओयं णिवुड्ढेइ छम्मासे सूरिए ओयं अभिवड्ढेइ, णिक्खममाणे सूरिए देसं णिवुड्ढेइ पविसमाणे सूरिए देसं अभिवुड्ढेइ, तत्थ को हेऊ०ति वएज्जा ? ता अयण्णं जंबुद्दीवे २ सव्वदीवसमु० जाव परिक्खेवेणं०, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, से णिक्खममाणे सूरिए णवं संवच्छरं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि अब्भिंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए अब्भिंतराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगेणं राइंदिएणं एगं भागं ओयाए दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढित्ता रयणिखेत्तस्स अभि-वड्ढित्ता चारं चरइ मंडलं अट्ठारसहिं तीसेहिं सएहिं छेत्ता, तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, से णिक्खममाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि अब्भिंतरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए अब्भिंतरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं दोहिं राइंदिएहिं दो भागे ओयाए दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढित्ता रयणिखेत्तस्स अभिवड्ढित्ता चारं चरइ मंडलं अट्ठारसतीसेहिं सएहिं छेत्ता, तया णं अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणे, दुवालसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिया, एवं खलु एएणुवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ एगमेगे मंडले एग-मेगेणं राइंदिएणं एगमेगं भागं ओयाए दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेमाणे २ रयणिखे-त्तस्स अभिवड्ढेमाणे २ सव्ववाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतराओ मंडलाओ सव्ववाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं सव्वब्भंतरं मंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं एगं तेसीयं भागसयं ओयाए दिवसखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता रयणिखेत्तस्स अभिवुड्ढेत्ता चारं चरइ मंडलं अट्ठा-

जोयणाइं विक्खंभेणं, एस णं अद्धा तेसीयसयपडुप्पण्णो पंचदसुत्तरे जोयणसए आहिताति वएज्जा, ता अब्भितराओ मंडलवयाओ बाहिरं मंडलवयं बाहिराओ बा० अब्भितरं मंडलवयं एस णं अद्धा केवइयं आहिताति वएज्जा ? ता पंचदसुत्तरजोयणसए आहिताति वएज्जा, ता अब्भितराए मंडलवयाए बाहिरा मंडलवया बाहिराओ मंडलवयाओ अब्भितरा मंडलवया एस णं अद्धा केवइयं आहिताति वएज्जा ? ता पंचदसुत्तरे जोयणसए अडयालीसं च एगट्ठिभागे जोयणस्स आहिताति वएज्जा, ता अब्भंतराओ मंडलवयाओ बाहिरमंडलवया बाहिराओ० अब्भंतरमंडलवया एस णं अद्धा केवइयं आहिताति वएज्जा ? ता पंचणवुत्तरे जोयणसए तेरस य एगट्ठिभागे जोयणस्स आहिताति वएज्जा, ता अब्भितराए मंडलवयाए बाहिरा मंडलवया बाहिराए मंडलवयाए अब्भितरमंडलवया एस णं अद्धा केवइयं आहिताति वएज्जा ? ता पंचदसुत्तरे जोयणसए आहिताति वएज्जा ॥ १८ ॥ **पढमस्स पाहुडस्स अट्ठमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १-८ ॥ पढमं पाहुडं समत्तं ॥ १ ॥**

ता कहं तेरिच्छगई आहिताति वएज्जा ? तत्थ खलु इमाओ अट्ठ पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०-तत्थेगे एवमाहंसु-ता पुरच्छिमाओ लोयंताओ पाओ मरीई आगासंसि उत्तिट्ठइ, से णं इमं तिरियं लोयं तिरियं करेइ तिरियं करेत्ता पच्चत्थिमंसि लोयंतंसि सायंमि रायं आगासंसि विद्धंसइ एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु-ता पुरच्छिमाओ लोयंताओ पाओ सूरिए आगासंसि उत्तिट्ठइ, से णं इमं तिरियं लोयं तिरियं करेइ करित्ता पच्चत्थिमंसि लोयंतंसि सूरिए आगासंसि विद्धंसइ एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु-ता पुरत्थिमाओ लोयंताओ पाओ सूरिए आगासंसि उत्तिट्ठइ, से णं इमं तिरियं लोयं तिरियं करेइ करित्ता पच्चत्थिमंसि लोयंसि सायं सूरिए आगासं अणुपविसइ २ त्ता अहे पडियागच्छइ अहे पडियागच्छेत्ता पुणरवि अवरभूपुरत्थिमाओ लोयंताओ पाओ सूरिए आगासंसि उत्तिट्ठइ एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु-ता पुरत्थिमाओ लोगंताओ पाओ सूरिए पुढविकायंसि उत्तिट्ठइ, से णं इमं तिरियं लोयं तिरियं करेइ करेत्ता पच्चत्थिमिल्लंसि लोयंतंसि सायं सूरिए पुढविकायंसि विद्धंसइ एगे एवमाहंसु ४, एगे पुण एवमाहंसु-ता पुरत्थिमाओ लोयंताओ पाओ सूरिए पुढविकायंसि उत्तिट्ठइ, से णं इमं तिरियं लोयं तिरियं करेइ करेत्ता पच्चत्थिमंसि लोयंतंसि सायं सूरिए पुढविकायंसि अणुपविसइ अणुपविसित्ता अहे पडियागच्छइ २ त्ता पुणरवि अवरभूपुरत्थिमाओ लोयंताओ पाओ सूरिए पुढविकायंसि उत्तिट्ठइ एगे हंसु ५, एगे पुण एवमाहंसु-ता पुरत्थिमिल्लाओ लोयंताओ पाओ सूरिए आउ- ि उत्तिट्ठइ, से णं इमं तिरियं लोयं तिरियं करेइ करेत्ता पच्चत्थिमंसि लोयंतंसि

सूरियं वरयंति, चरमलेसंतरगयावि णं पोग्गला सूरियं वरयंति० ॥ २६ ॥ **सत्तमं पाहुडं समत्तं ॥ ७ ॥**

ता कहं ते उदयसंठिई आहितेति वएज्जा ? तत्थ खलु इमाओ तिण्णि पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०-तत्थेगे एवमाहंसु-ता जया णं जंबुद्दीवे २ दाहिणड्ढे अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं उत्तरड्ढे अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं दाहिणड्ढेवि अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं जंबुद्दीवे २ दाहिणड्ढे सत्तरसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि सत्तरसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं उत्तरड्ढे सत्तरसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं दाहिणड्ढेवि सत्तरसमुहुत्ते दिवसे भवइ, एवं (एएणं अभिलावेणं) परिहावेयव्वं, सोलसमुहुत्ते दिवसे पण्णरसमुहुत्ते दिवसे चउद्दसमुहुत्ते दिवसे तेरसमुहुत्ते दिवसे जाव जया णं जंबुद्दीवे २ दाहिणड्ढे बारसमुहुत्ते दिवसे० तया णं उत्तरड्ढेवि बारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं उत्तरड्ढे बारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं दाहिणड्ढेवि बारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं दाहिणड्ढे बारसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं सया पण्णरसमुहुत्ते दिवसे भवइ, सया पण्णरसमुहुत्ता राई भवइ, अवट्ठिया णं तत्थ राइंदिया पण्णत्ता समणाउसो ! एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु-ता जया णं जंबुद्दीवे २ दाहिणड्ढे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ, जया णं उत्तरड्ढे अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं दाहिणड्ढेवि अट्ठारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ, एवं परिहावेयव्वं, सत्तरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ सोलसमुहुत्ताणंतरे०, पण्णरसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ चोद्दसमुहुत्ताणंतरे०, तेरसमुहुत्ताणंतरे०, जया णं जंबुद्दीवे २ दाहिणड्ढे बारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे भवइ तया णं उत्तरड्ढेवि बारसमुहुत्ताणंतरे दिवसे०, जया णं उत्तरड्ढे बारस-

णं अयं दोसे, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ सूरिए कण्णकलं णिव्वेढेइ, तेसि णं अयं विसेसे, ता जेणंतरेणं मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ सूरिए कण्णकलं णिव्वेढेइ एवइयं च णं अद्धं पुरओ गच्छइ, पुरओ गच्छमाणे मंडलकालं ण परिहवेइ, तेसि णं अयं विसेसे, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ सूरिए कण्णकलं णिव्वेढेइ, एएणं णएणं णेयव्वं, णो चेव णं इयरेणं ॥ २० ॥ **विइयस्स पाहुडस्स विइयं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ २-२ ॥**

ता केवइयं ते खेत्तं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ आहिताति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ चत्तारि पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०–तत्थ एगे एवमाहंसु–ता छ छ जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ० एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु–ता पंच पंच जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ० एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु–ता चत्तारि २ जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ० एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु–ता छवि पंचवि चत्तारिवि जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ० एगे एवमाहंसु ४, तत्थ खलु जे ते एवमाहंसु–ता छ छ जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, ते एवमाहंसु–ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, तंसि च णं दिवसंसि एगं जोयणसयसहस्सं अट्ठ य जोयणसहस्साइं तावक्खेत्ते पण्णत्ते, ता जया णं सूरिए सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, तंसि च णं दिवसंसि बावत्तरिं जोयणसहस्साइं तावक्खेत्ते पण्णत्ते, तया णं छ छ जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता पंच पंच जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, ते एवमाहंसु–ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, तहेव दिवसराइप्पमाणं, तंसि च णं दिवसंसि तावक्खेत्तं णउइजोयणसहस्साइं, ता जया णं सूरिए सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं तं चेव राइंदियप्पमाणं, तंसि च णं दिवसंसि सट्ठिं जोयणसहस्साइं तावक्खेत्ते पण्णत्ते, तया णं पंच पंच जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता चत्तारि २ जोयणसहस्साइं सूरिए एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, ते एवमाहंसु–ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं दिवसराई तहेव, तंसि च णं दिवसंसि बावत्तरिं

पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, ता जया णं जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं पच्चत्थिमेणवि जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जया णं पच्चत्थिमेणं जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ तया णं जंबुद्दीवे २ मंदरस्स० उत्तरदाहिणेणं उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, ता जया णं जंबुद्दीवे २ दाहिणड्ढे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ, जया णं उत्तरड्ढे वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमपच्चत्थिमेणं अणंतरपुरक्खडकालसमयंसि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ, ता जया णं जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरच्छिमेणं वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं पच्चत्थिमेणवि वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ, जया णं पच्चत्थिमेणं वासाणं पढमे समए पडिवज्जइ तया णं जंबुद्दीवे २ मंदरउत्तरदाहिणेणं अणंतरपच्छाकडकालसमयंसि वासाणं पढमे समए पडिवण्णे भवइ, जहा समओ एवं आवलिया आणापाणू थोवे लवे मुहुत्ते अहोरत्ते पक्खे मासे ऊऊ, एवं दस आलावगा जहा वासाणं एवं हेमंताणं गिम्हाणं च भाणियव्वा, ता जया णं जंबुद्दीवे २ दाहिणड्ढे पढमे अयणे पडिवज्जइ तया णं उत्तरड्ढेवि पढमे अयणे पडिवज्जइ, जया णं उत्तरड्ढे पढमे अयणे पडिवज्जइ तया णं दाहिणड्ढेवि पढमे अयणे पडिवज्जइ, जया णं उत्तरड्ढे पढमे अयणे पडिवज्जइ तया णं जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमपच्चत्थिमेणं अणंतरपुरक्खडकालसमयंसि पढमे अयणे पडिवज्जइ, ता जया णं जंबुद्दीवे २ मंदरस्स पव्वयस्स पुरत्थिमेणं पढमे अयणे पडिवज्जइ तया णं पच्चत्थिमेणवि पढमे अयणे पडि-

पंच २ जोयणसहस्साइं दोण्णि य वावण्णे जोयणसए पंच य सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणूसस्स सीयालीसाए जोयणसहस्सेहिं छण्णउईए य जोयणेहिं तेत्तीसाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगट्ठिहा छेत्ता दोहिं चुण्णियाभागेहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, तया णं दिवसराई तहेव, एवं खलु एएणं उवाएणं णिक्खममाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ अट्ठारस २ सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगे मंडले मुहुत्तगइं अभिवुड्ढेमाणे २ चुलसीइं साइरेगाइं जोयणाइं पुरिसच्छायं णिवुड्ढेमाणे २ सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वबाहिरमंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं पंच २ जोयणसहस्साइं तिण्णि य पंचुत्तरे जोयणसए पण्णरस य सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणूसस्स एक्कतीसाए जोयणसहस्सेहिं अट्ठहिं एक्कतीसेहिं जोयणसएहिं तीसाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, एस णं पढमे छम्मासे, एस णं पढमस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे। से पविसमाणे सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं पंच २ जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउरुत्तरे जोयणसए सत्तावण्णं च सट्ठिभाए जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणूसस्स एक्कतीसाए जोयणसहस्सेहिं णवहि य सोलेहिं जोयणसएहिं एगूणयालीसाए सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगट्ठिहा छेत्ता सट्ठिए चुण्णियाभागे सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, तया णं राइंदियं तहेव, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि बाहिरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं पंच पंच जोयणसहस्साइं तिण्णि य चउत्तरे जोयणसए ऊयालीसं च सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगेणं मुहुत्तेणं गच्छइ, तया णं इहगयस्स मणूसस्स एगाहिगेहिं वत्तीसाए जोयणसहस्सेहिं एक्कावण्णाए य सट्ठिभागेहिं जोयणस्स सट्ठिभागं च एगट्ठिहा छेत्ता तेवीसाए चुण्णियाभागेहिं सूरिए चक्खुप्फासं हव्वमागच्छइ, राइंदियं तहेव, एवं खलु एएणुवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ अट्ठारस २ सट्ठिभागे जोयणस्स एगमेगे मंडले मुहुत्तगइं णिवुड्ढेमाणे २ साइरेगाइं पंचासीइं २ जोयणाइं पुरिसच्छायं अभिवुड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं

उच्चत्तं च छायं च पडुच्च लेसुद्देसे लेसं च छायं च पडुच्च उच्चत्तुद्देसे, तत्थ खलु इमाओ दुवे पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०-तत्थेगे एवमाहंसु-ता अत्थि णं से दिवसे जंसि च णं दिवसंसि सूरिए चउपोरिसिच्छायं णिव्वत्तेइ, अत्थि णं से दिवसे जंसि च णं दिवसंसि सूरिए दुपोरिसिच्छायं णिव्वत्तेइ० एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु-ता अत्थि णं से दिवसे जंसि च णं दिवसंसि सूरिए दुपोरिसिच्छायं णिव्वत्तेइ, अत्थि णं से दिवसे जंसि० दिवसंसि सूरिए णो किंचि पोरिसिच्छायं णिव्वत्तेइ० २, तत्थ जे ते एवमाहंसु-ता अत्थि णं से दिवसे जंसि च णं दिवसंसि सूरिए चउपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, अत्थि णं से दिवसे जंसि च णं दिवसंसि सूरिए दोपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, ते एवमाहंसु-ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, तंसि च णं दिवसंसि सूरिए चउपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, तं०-उग्गमणमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य, लेसं अभिवड्ढेमाणे णो चेव णं णिवुड्ढेमाणे, ता जया णं सूरिए सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, तंसि च णं दिवसंसि सूरिए दुपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, तं०-उग्गमणमुहुत्तंसि य अत्थमणमुहुत्तंसि य, लेसं अभिवुड्ढेमाणे णो चेव णं णिवुड्ढेमाणे० १, तत्थ णं जे ते एवमाहंसु-ता अत्थि णं से दिवसे जंसि च णं दिवसंसि सूरिए दुपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, अत्थि णं से दिवसे जंसि च णं दिवसंसि सूरिए णो किंचि पोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, ते एवमाहंसु-ता जया णं सूरिए सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, तंसि च णं दिवसंसि सूरिए

उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं जंबुद्दीवस्स २ तिण्णि पंचचक्कभागे ओभासंति···, तंजहा–एगेवि एगं दिवड्ढं पंचचक्कभागं ओभासइ···, एगेवि एगं दिवड्ढं पंचचक्कभागं ओभासेइ···, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, ता जया णं एए दुवे सूरिया सव्वबाहिरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरंति तया णं जंबुद्दीवस्स २ दोण्णि चक्कभागे ओभासंति···ता एगेवि सूरिए एगं पंचचक्कवालभागं ओभासइ उज्जोवेइ तवेइ पभासेइ, एगेवि एगं पंचचक्कवालभागं ओभासइ···, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ ॥ २२ ॥ **तइयं पाहुडं समत्तं ॥ ३ ॥**

ता कहं ते सेयाए संठिई आहिताति वएज्जा? तत्थ खलु इमा दुविहा संठिई पण्णत्ता, तंजहा–चंदिमसूरियसंठिई य तावक्खेत्तसंठिई य, ता कहं ते चंदिमसूरियसंठिई आहिताति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ सोलस पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०–तत्थेगे एवमाहंसु–ता समचउरंससंठिया णं चंदिमसूरियसंठिई० एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु–ता विसमचउरंससंठिया णं चंदिमसूरियसंठिई पण्णत्ता० २, एवं एएणं अभिलावेणं समचउक्कोणसंठिया ३, विसमचउक्कोणसंठिया ४, समचक्कवालसंठिया ५, विसमचक्कवालसंठिया ६,···ता चक्कद्धचक्कवालसंठिया···पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ७, एगे पुण एवमाहंसु–ता छत्तागारसंठिया णं चंदिमसूरियसंठिई पण्णत्ता० ८, एवं गेहसंठिया ९, गेहावणसंठिया १०, पासायसंठिया ११, गोपुरसंठिया १२, पेच्छाघरसंठिया १३, वलभीसंठिया १४, हम्मियतलसंठिया १५, एगे पुण एवमाहंसु–ता वालग्गपोइयासंठिया णं चंदिमसूरियसंठिई पण्णत्ता० १६, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता समचउरंससंठिया णं चंदिमसूरियसंठिई पण्णत्ता०, एवं एएणं णएणं णेयव्वं णो चेव णं इयरेहिं। ता कहं ते तावक्खेत्तसंठिई आहिताति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ सोलस पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०–तत्थ णं एगे एवमाहंसु–ता गेहसंठिया णं तावक्खेत्तसंठिई पण्णत्ता एवं जाव वालग्गपोइयासंठिया णं तावक्खेत्तसंठिई०, एगे पुण एवमाहंसु–ता जस्संठिए णं जंबुद्दीवे २ तस्संठिया णं तावक्खेत्तसंठिई पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ९, एगे पुण एवमाहंसु–ता जस्संठिए णं भारहे वासे तस्संठिया० पण्णत्ता० १०, एवं उज्जाणसंठिया निज्जाणसंठिया एगओ णिसहसंठिया दुहओ णिसहसंठिया सेयणगसंठिया० एगे एवमाहंसु १५, एगे पुण एवमाहंसु–ता सेणगपट्ठसंठिया णं तावक्खेत्तसंठिई पण्णत्ता एगे एवमाहंसु १६, वयं पुण एवं वयामो–ता उद्धीमुहकलंबुयापुप्फसंठिया णं तावक्खेत्तसंठिई पण्णत्ता, अंतो संकुडा बाहिं वित्थडा अंतो वट्टा बाहिं पिहुला अंतो अंकमुहसंठिया बाहिं सत्थिमुहसंठिया, उभओ पासेणं

गोलच्छाया गाढलगोलच्छाया अवड्ढगाढलगोलच्छाया गोलावलिच्छाया अवड्ढगोलावलिच्छाया गोलपुंजच्छाया अवड्ढगोलपुंजच्छाया २५ ॥ २९ ॥ **णवमं पाहुडं समत्तं ॥ ९ ॥**

ता जोगेति वत्थुस्स आवलियाणिवाए आहितेति वएज्जा, ता कहं ते जोगेति वत्थुस्स आवलियाणिवाए आहितेति वएज्जा ? तत्थ खलु इमाओ पंच पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०-तत्थेगे एवमाहंसु-ता सव्वेवि णं णक्खत्ता कत्तियाइया भरणिपज्जवसाणा प० एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु-ता सव्वेवि णं णक्खत्ता महाइया अस्सेसपज्जवसाणा पण्णत्ता एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु-ता सव्वेवि णं णक्खत्ता धणिट्ठाइया सवणपज्जवसाणा पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु-ता सव्वेवि णं णक्खत्ता अस्सिणीआइया रेवइपज्जवसाणा प० एगे एवमाहंसु ४, एगे पुण एवमाहंसु-ता सव्वेवि णं णक्खत्ता भरणीआइया अस्सिणीपज्जवसाणा० एगे एवमाहंसु ५, वयं पुण एवं वयामो-ता सव्वेवि णं णक्खत्ता अभिईआइया उत्तरासाढापज्जवसाणा पण्णत्ता, तंजहा-अभिई सवणो जाव उत्तरासाढा ॥ ३० ॥

दसमस्स पाहुडस्स पढमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१ ॥

ता कहं ते मुहुत्ता आहितेति वएज्जा ? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अत्थि णक्खत्ते जे णं णव मुहुत्ते सत्तावीसं च सत्तट्ठिभागे मुहुत्तस्स चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, अत्थि णक्खत्ता जे णं पण्णरस मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं तीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं पणयालीसे मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं कयरे णक्खत्ते जे णं णवमुहुत्ते सत्तावीसं च सत्तट्ठिभाए मुहुत्तस्स चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, कयरे णक्खत्ता जे णं पण्णरसमुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं तीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं पणयालीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं तत्थ जे से णक्खत्ते जे णं णव मुहुत्ते सत्तावीसं च सत्तट्ठिभागे मुहुत्तस्स चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ से णं एगे अभीई, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं पण्णरसमुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं छ, तं०-सयभिसया भरणी अद्दा अस्सेसा साई जेट्ठा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं तीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं पण्णरस, तं०-सवणे धणिट्ठा पुव्वाभद्दवया रेवई अस्सिणी कत्तिया मिगसिरपुस्सा महा पुव्वाफग्गुणी हत्थो चित्ता अणुराहा मूलो पुव्वासाढा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं पणयालीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं छ, तंजहा-उत्तराभद्दवया रोहिणी

किंसंठिया तावक्खेत्तसंठिई आहिताति वएज्जा? ता उद्धीमुहकलंबुयापुप्फसंठिया तावक्खेत्तसंठिई आहिताति वएज्जा, एवं जं अब्भिंतरमंडले अंधयारसंठिईए पमाणं तं बाहिरमंडले तावक्खेत्तसंठिईए जं तहिं तावक्खेत्तसंठिईए तं बाहिरमंडले अंधयारसंठिईए भाणियव्वं जाव तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, ता जंबुद्दीवे २ सूरिया केवइयं खेत्तं उड्ढं तवंति केवइयं खेत्तं अहे तवंति केवइयं खेत्तं तिरियं तवंति? ता जंबुद्दीवे णं दीवे सूरिया एगं जोयणसयं उड्ढं तवंति अट्ठारस जोयणसयाइं अहे तवंति सीयालीसं जोयणसहस्साइं दुण्णि य तेवट्ठे जोयणसए एगवीसं च सट्ठिभागे जोयणस्स तिरियं तवंति ॥ २३ ॥ **चउत्थं पाहुडं समत्तं ॥ ४ ॥**

ता कस्सि णं सूरियस्स लेस्सा पडिहया आहिताति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ वीसं पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०–तत्थेगे एवमाहंसु–ता मंदरंसि णं पव्वयंसि सूरियस्स लेस्सा पडिहया आहिताति वएज्जा एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु–ता मेरुंसि णं पव्वयंसि सूरियस्स लेस्सा पडिहया आहिताति वएज्जा एगे एवमाहंसु २, *एवं एएणं अभिलावेणं भाणियव्वं*–ता मणोरमंसि णं पव्वयंसि, ता सुदंसणंसि णं पव्वयंसि, ता सयंपभंसि णं पव्वयंसि, ता गिरिरायंसि णं पव्वयंसि, ता रयणुच्चयंसि णं पव्वयंसि, ता सिलुच्चयंसि णं पव्वयंसि, ता लोयमज्झंसि णं पव्वयंसि, ता लोयणाभिंसि णं पव्वयंसि, ता अच्छंसि णं पव्वयंसि, ता सूरियावत्तंसि णं पव्वयंसि, ता सूरियावरणंसि णं पव्वयंसि, ता उत्तमंसि णं पव्वयंसि, ता दिसाइंसि णं पव्वयंसि, ता अवयंसंसि णं पव्वयंसि, ता धरणिखीलंसि णं पव्वयंसि, ता धरणिसिंगंसि णं पव्वयंसि, ता पव्वइंदंसि णं पव्वयंसि, ता पव्वयरायंसि णं पव्वयंसि सूरियस्स लेस्सा पडिहया आहिताति वएज्जा, एगे एवमाहंसु २०। वयं पुण एवं वयामो–ता मंदरेवि पवुच्चइ जाव पव्वयराया० पवुच्चइ, ता जे णं पुग्गला सूरियस्स लेस्सं फुसंति ते णं पुग्गला सूरियस्स लेस्सं पडिहणंति, अदिट्ठावि णं पोग्गला सूरियस्स लेस्सं पडिहणंति, चरिमलेस्संतरगयावि णं पोग्गला सूरियस्स लेस्सं पडिहणंति० ॥ २४ ॥ **पंचमं पाहुडं समत्तं ॥ ५ ॥**

ता कहं ते ओयसंठिई आहिताति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ पणवीसं पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०–तत्थेगे एवमाहंसु–ता अणुसमयमेव सूरियस्स ओया अण्णा उप्पज्जइ अण्णा अवेइ एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु–ता अणुमुहुत्तमेव सूरियस्स ओया अण्णा उप्पज्जइ अण्णा अवेइ० २, एवं एएणं अभिलावेणं णेयव्वा–ता अणुराइंदियमेव, ता अणुपक्खमेव, ता अणुमासमेव, ता अणुउडुमेव, ता अणु-

सयभिसया भरणी अद्दा अस्सेसा साई जेट्ठा, तत्थ जे ते णक्खत्ता० उभयंभागा दिवड्ढक्खेत्ता पणयालीसं मुहुत्ता प० ते णं छ, तंजहा–उत्तरापोट्ठवया रोहिणी पुणव्वसू उत्तराफग्गुणी विसाहा उत्तरासाढा ॥ ३३ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स तइयं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-३ ॥**

ता कहं ते जोगस्स आई आहितातिं वएज्जा ? ता अभीईसवणा खलु दुवे णक्खत्ता पच्छाभागा समक्खेत्ता साइरेगऊयालीसइमुहुत्ता तप्पढमयाए सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, तओ पच्छा अवरं साइरेयं दिवसं, एवं खलु अभिईसवणा दुवे णक्खत्ता एगराइं एगं च साइरेगं दिवसं चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति जोयं जोएत्ता जोयं अणुपरियट्टंति जोयं अणुपरियट्टित्ता सायं चंदं धणिट्ठाणं समप्पेंति, ता धणिट्ठा खलु णक्खत्ते पच्छंभागे समक्खेत्ते तीसइमुहुत्ते तप्पढमयाए सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ २ त्ता तओ पच्छा राइं अवरं च दिवसं, एवं खलु धणिट्ठा णक्खत्ते एगं च राइं एगं च दिवसं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ जोएत्ता जोयं अणुपरियट्टइ जोयं अणुपरियट्टित्ता सायं चंदं सयभिसयाणं समप्पेइ, ता सयभिसया खलु णक्खत्ते णत्तंभागे अवड्ढक्खेत्ते पण्णरसमुहुत्ते तप्पढमयाए सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ णो लभइ अवरं दिवसं, एवं खलु सयभिसया णक्खत्ते एगं राइं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ जोयं जोएत्ता जोयं अणुपरियट्टइ जोयं अणुपरियट्टित्ता पाओ चंदं पुव्वाणं पोट्ठवयाणं समप्पेइ, ता पुव्वापोट्ठवया खलु णक्खत्ते पुव्वंभागे समक्खेत्ते तीसइमुहुत्ते तप्पढमयाए पाओ चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, तओ पच्छा अवरराइं, एवं खलु पुव्वापोट्ठवया णक्खत्ते एगं च दिवसं एगं च राइं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ २ त्ता जोयं अणुपरियट्टइ २ त्ता पाओ चंदं उत्तरापोट्ठवयाणं समप्पेइ, ता उत्तरापोट्ठवया खलु णक्खत्ते उभयंभागे दिवड्ढक्खेत्ते पणयालीसइमुहुत्ते तप्पढमयाए पाओ चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ अवरं च राइं तओ पच्छा अवरं दिवसं, एवं खलु उत्तरापोट्ठवया णक्खत्ते दो दिवसे एगं च राइं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ अवरं च राइं तओ पच्छा अवरं दिवसं, एवं खलु उत्तरापोट्ठवया णक्खत्ते दो दिवसे एगं च राइं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ जोइत्ता जोयं अणुपरियट्टइ २ त्ता सायं चंदं रेवईणं समप्पेइ, ता रेवई खलु णक्खत्ते पच्छंभागे समक्खेत्ते तीसइमुहुत्ते तप्पढमयाए सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, तओ पच्छा अवरं दिवसं, एवं खलु रेवई णक्खत्ते एगं राइं एगं च दिवसं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ २ त्ता जोयं अणुपरियट्टइ २ त्ता सायं चंदं अस्सिणीणं समप्पेइ, ता अस्सिणी खलु णक्खत्ते पच्छंभागे समक्खेत्ते तीसइमुहुत्ते तप्पढमयाए सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, तओ पच्छा अवरं दिवसं, एवं खलु अस्सिणी णक्खत्ते एगं च

रसहिं तीसेहिं० छेत्ता, तया णं उत्तमकट्ठपत्ता उक्कोसिया अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ, जहण्णए दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ, एस णं पढमछम्मासे, एस णं पढमस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, से पविसमाणे सूरिए दोच्चं छम्मासं अयमाणे पढमंसि अहोरत्तंसि बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिराणंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं एगेणं राइंदिएणं एगं भागं ओयाए रयणिक्खेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिवड्ढेत्ता चारं चरइ मंडलं अट्ठारसहिं तीसेहिं० छेत्ता, तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ दोहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, से पविसमाणे सूरिए दोच्चंसि अहोरत्तंसि बाहिरं तच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए बाहिरतच्चं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं दोहिं राइंदिएहिं दो भाए ओयाए रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिवुड्ढेत्ता चारं चरइ मंडलं अट्ठारसहिं तीसेहिं० छेत्ता, तया णं अट्ठारसमुहुत्ता राई भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं ऊणा, दुवालसमुहुत्ते दिवसे भवइ चउहिं एगट्ठिभागमुहुत्तेहिं अहिए, एवं खलु एएणुवाएणं पविसमाणे सूरिए तयाणंतराओ तयाणंतरं मंडलाओ मंडलं संकममाणे २ एगमेगेणं राइंदिएणं एगमेगं भागं ओयाए रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेमाणे २ दिवसखेत्तस्स अभिवड्ढेमाणे २ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ, ता जया णं सूरिए सव्वबाहिराओ मंडलाओ सव्वब्भंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारं चरइ तया णं सव्वबाहिरं मंडलं पणिहाय एगेणं तेसीएणं राइंदियसएणं एगं तेसीयं भागसयं ओयाए रयणिखेत्तस्स णिवुड्ढेत्ता दिवसखेत्तस्स अभिवड्ढेत्ता चारं चरइ मंडलं अट्ठारसतीसेहिं सएहिं छेत्ता, तया णं उत्तमकट्ठपत्ते उक्कोसए अट्ठारसमुहुत्ते दिवसे भवइ, जहण्णिया दुवालसमुहुत्ता राई भवइ, एस णं दोच्चे छम्मासे, एस णं दोच्चस्स छम्मासस्स पज्जवसाणे, एस णं आइच्चे संवच्छरे, एस णं आइच्चस्स संवच्छरस्स पज्जवसाणे ॥ २५ ॥

छट्ठं पाहुडं समत्तं ॥ ६ ॥

ता के ते सूरियं वरंति आहितात्ति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ वीसं पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०-तत्थेगे एवमाहंसु-ता मंदरे णं पव्वए सूरियं वरयइ आहितेति वएज्जा एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु-ता मेरू णं पव्वए सूरियं वरइ आहितेति वएज्जा० २, एवं एएणं अभिलावेणं णेयव्वं जाव पव्वयराए णं पव्वए सूरियं वरयइ आहितेति वएज्जा एगे एवमाहंसु २०, वयं पुण एवं वयामो-ता मंदरेवि पवुच्चइ तहेव जाव पव्वयराएवि पवुच्चइ, ता जे णं पोग्गला सूरियस्स लेसं फुसंति ते णं पोग्गला सूरियं वरयंति, अदिट्ठावि णं पोग्गला

रेवई य अस्सिणी य, ता कत्तियण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता दोण्णि णक्खत्ता जोएंति, तंजहा–भरणी कत्तिया य, ता मग्गसिरीपुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता दोण्णि णक्खत्ता जोएंति, तंजहा–रोहिणी मिगसिरो य, ता पोसिण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता तिण्णि णक्खत्ता जोएंति, तंजहा–अद्दा पुण-व्वसू पुस्सो, ता माहिण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता दोण्णि णक्खत्ता जोएंति, तं०–अस्सेसा महा य, ता फग्गुणिण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता दुण्णि णक्खत्ता जोएंति, तं०–पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी य, ता चेत्तिण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता दोण्णि०, तं०–हत्थो चित्ता य, ता वेसाहिण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता दोण्णि णक्खत्ता जोएंति, तं०–साई विसाहा य, ता जेट्ठामूलिण्णं पुण्णिमासिणिं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता तिण्णि णक्खत्ता जोएंति, तं०–अणुराहा जेट्ठा मूलो, ता आसाढिण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति ? ता दो णक्खत्ता जोएंति, तंजहा–पुव्वासाढा उत्तरासाढा ॥ ३६ ॥ [णाउमिह अमावासं जइ इच्छसि कम्मि होइ रिक्खम्मि । अवहारं ठाविज्जा तत्तियरूवेहिं संगुणए ॥ १ ॥ छावट्ठी य मुहुत्ता विसट्ठिभागा य पंच पडिपुण्णा । वासट्ठिभाग-सत्तट्ठिगो य इक्को हवइ भागो ॥ २ ॥ एयमवहाररासिं इच्छअमावाससंगुणं कुज्जा । णक्खत्ताणं एत्तो सोहणगविहिं णिसामेह ॥ ३ ॥ वावीसं च मुहुत्ता छायालीसं विसट्ठिभागा य । एयं पुणव्वसुस्स य सोहयव्वं हवइ वुच्छं ॥ ४ ॥ वावत्तरं सयं फग्गुणीणं वाणउइय वे विसाहासु । चत्तारि य वायाला सोज्झा उ उत्तरासाढा ॥ ५ ॥ एयं पुणव्वसुस्स य विसट्ठिभागसहियं तु सोहणगं । इत्तो अभिईआइं विइयं वुच्छामि सोहणगं ॥ ६ ॥ अभिइस्स णव मुहुत्ता विसट्ठिभागा य हुंति चउवीसं । छावट्ठी असमत्ता भागा सत्तट्ठिछेयकया ॥ ७ ॥ उगुणट्ठं पोट्ठवयाइसु चेव णवोत्तरं च रोहिणिया । तिसु णवणवएसु भवे पुणव्वसू फग्गुणीओ य ॥ ८ ॥ पंचेव उगुणपण्णं सयाइ उगुणुत्तराइं छच्चेव । सोज्झाणि विसाहासुं मूले सत्तेव चोयाला ॥ ९ ॥ अट्ठसय उगुणवीसा सोहणगं उत्तराण साढाणं । चउवीसं खलु भागा छावट्ठी चुण्णियाओ य ॥ १० ॥ एयाइ सोहइत्ता जं सेसं तं हवेइ णक्खत्तं । इत्थं करेइ उडुवइ सूरेण समं अमावासं ॥ ११ ॥ इच्छापुण्णिमगुणिओ अवहारो सोत्थ होइ कायव्वो । तं चेव य सोहणगं अभिईआइं तु कायव्वं ॥ १२ ॥ सुद्धंमि य सोहणगे जं सेसं तं भविज्ज णक्खत्तं । तत्थ य करेइ उडुवइ पडिपुण्णो पुण्णिमं विउलं ॥ १३ ॥] ता साविट्ठिण्णं पुण्णिमासिणिं किं कुलं जोएइ उवकुलं जोएइ कुलोवकुलं जोएइ ? ता कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ कुलोवकुलं वा

ता कहं ते सण्णिवाए आहिएति वएज्जा? ता जया णं साविट्ठी पुण्णिमा भवइ तया णं माही अमावासा भवइ, जया णं माही पुण्णिमा भवइ तया णं साविट्ठी अमावासा भवइ, जया णं पुट्ठवई पुण्णिमा भवइ तया णं फग्गुणी अमावासा भवइ, जया णं फग्गुणी पुण्णिमा भवइ तया णं पुट्ठवई अमावासा भवइ, जया णं आसोई पुण्णिमा भवइ तया णं चेत्ती अमावासा भवइ, जया णं चेत्ती पुण्णिमा भवइ तया णं आसोई अमावासा भवइ, जया णं कत्तिई पुण्णिमा भवइ तया णं वेसाही अमावासा भवइ, जया णं वेसाही पुण्णिमा भवइ तया णं कत्तिया अमावासा भवइ, जया णं मग्गसिरी पुण्णिमा भवइ तया णं जेट्ठामूली अमावासा भवइ, जया णं जेट्ठामूली पुण्णिमा भवइ तया णं मग्गसिरी अमावासा भवइ, जया णं पोसी पुण्णिमा भवइ तया णं आसाढी अमावासा भवइ, जया णं आसाढी पुण्णिमा भवइ तया णं पोसी अमावासा भवइ ॥ ३८ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स सत्तमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-७ ॥**

ता कहं ते णक्खत्तसंठिई आहितेति वएज्जा? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभीइणक्खत्ते किंसंठिए पण्णत्ते? ता गोसीसावलिसंठिए पण्णत्ते, ता सवणे णक्खत्ते किंसंठिए पण्णत्ते? ता काहारसंठिए प०, धणिट्ठाणक्खत्ते सउणिपलीणगसंठिए, सयभिसयाणक्खत्ते पुप्फोवयारसंठिए, पुव्वापोट्ठवयाणक्खत्ते अवड्ढवाविसंठिए, एवं उत्तरावि, रेवईणक्खत्ते णावासंठिए, अस्सिणीणक्खत्ते आसक्खंधसंठिए, भरणीणक्खत्ते भगसंठिए, कत्तियाणक्खत्ते छुरघरगसंठिए, रोहिणीणक्खत्ते सगडुद्धिसंठिए, मिगसिराणक्खत्ते मिगसीसावलिसंठिए, अद्दाणक्खत्ते रुहिरबिंदुसंठिए, पुणव्वसूणक्खत्ते तुलासंठिए, पुप्फे णक्खत्ते वद्धमाणसंठिए, अस्सेसाणक्खत्ते पडागसंठिए, महाणक्खत्ते पागारसंठिए, पुव्वाफग्गुणीणक्खत्ते अद्धपलियंकसंठिए, एवं उत्तरावि, हत्थे णक्खत्ते हत्थसंठिए, चित्ताणक्खत्ते मुहफुल्लसंठिए, साइणक्खत्ते खीलगसंठिए, विसाहाणक्खत्ते दामणिसंठिए, अणुराहाणक्खत्ते एगावलिसंठिए, जेट्ठाणक्खत्ते गयदंतसंठिए, मूले णक्खत्ते विच्छुयलंगोलसंठिए, पुव्वासाढाणक्खत्ते गयविक्कमसंठिए, उत्तरासाढाणक्खत्ते साइयसंठिए प० ॥ ३९ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स अट्ठमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-८ ॥**

ता कहं ते तारग्गे आहिएति वएज्जा? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभीईणक्खत्ते कइतारे प०? ता तितारे पण्णत्ते, सवणे णक्खत्ते तितारे, धणिट्ठाणक्खत्ते पणतारे, सयभिसयाणक्खत्ते सयतारे, पुव्वापोट्ठवयाणक्खत्ते दुतारे, एवं उत्तरावि, रेवई० बत्तीसइतारे, अस्सिणीणक्खत्ते तितारे, भरणी तितारे, कत्तिया छतारे,

पुस्से एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि चउवीसंगुलपोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे लेहट्ठाइं चत्तारि पयाइं पोरिसी भवइ, ता हेमंताणं तइयं मासं कइ णक्खत्ता णेंति ? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०–पुस्से अस्सेसा महा, पुस्से चोद्दस अहोरत्ते णेइ, अस्सेसा पंचदस अहोरत्ते णेइ, महा एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि वीसंगुलाए पोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे तिण्णि पयाइं अट्ठंगुलाइं पोरिसी भवइ, ता हेमंताणं चउत्थं मासं कइ णक्खत्ता णेंति ? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०–महा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी, महा चोद्दस अहोरत्ते णेइ, पुव्वाफग्गुणी पण्णरस अहोरत्ते णेइ, उत्तराफग्गुणी एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि सोलसअंगुलाए पोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे तिण्णि पयाइं चत्तारि य अंगुलाइं पोरिसी भवइ । ता गिम्हाणं पढमं मासं कइ णक्खत्ता णेंति ? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०–उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता, उत्तराफग्गुणी चोद्दस अहोरत्ते णेइ, हत्थो पण्णरस अहोरत्ते णेइ, चित्ता एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि दुवालसंगुलपोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे लेहट्ठाइं तिण्णि पयाइं पोरिसी भवइ, ता गिम्हाणं बिइयं मासं कइ णक्खत्ता णेंति ? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०–चित्ता साई विसाहा, चित्ता चोद्दस अहोरत्ते णेइ, साई पण्णरस अहोरत्ते णेइ, विसाहा एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि अट्ठंगुलाए पोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे दो पयाइं अट्ठ य अंगुलाइं पोरिसी भवइ, ता गिम्हाणं तइयं मासं कइ णक्खत्ता णेंति ? ता तिणक्खत्ता णेंति, तं०–विसाहा अणुराहा जेट्ठामूलो, विसाहा चोद्दस अहोरत्ते णेइ, अणुराहा पण्णरस०, जेट्ठामूलो एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि चउरंगुलपोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे दो पयाणि य चत्तारि अंगुलाणि पोरिसी भवइ, ता गिम्हाणं चउत्थं मासं कइ णक्खत्ता णेंति ? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०–मूलो पुव्वासाढा उत्तरासाढा, मूलो चोद्दस अहोरत्ते णेइ, पुव्वासाढा पण्णरस अहोरत्ते णेइ, उत्तरासाढा एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि वट्टाए समचउरंससंठियाए णग्गोहपरिमंडलाए सकायमणुरंगिणीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे लेहट्ठाइं दो पयाइं पोरिसी भवइ ॥ ४१ ॥

दसमस्स पाहुडस्स दसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०–१० ॥

ता कहं ते चंदमग्गा आहितेति वएज्जा ? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अत्थि णक्खत्ता जे णं सया चंदस्स दाहिणेणं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं

सूरिए दुपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ०, एवं एएणं अभिलावेणं णेयव्वं जाव छण्णउइं पोरिसिच्छायं णिव्वत्तेइ, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता अत्थि णं से देसे जंसि च णं देसंसि सूरिए एगपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, ते एवमाहंसु–ता सूरियस्स णं सव्वहेट्ठिमाओ सूरप्पडिहीओ वहिया अभिणिसट्ठाहिं लेसाहिं ताडिज्जमाणीहिं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ जावइयं सूरिए उड्ढं उच्चत्तेणं एवइयाए एगाए अद्धाए एगेणं छायाणुमाणप्पमाणेणं उमाए तत्थ से सूरिए एगपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता अत्थि णं से देसे जंसि च णं देसंसि सूरिए दुपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, ते एवमाहंसु–ता सूरियस्स णं सव्वहेट्ठिमाओ सूरियप्पडिहीओ वहिया अभिणिसट्ठियाहिं लेसाहिं ताडिज्जमाणीहिं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ जावइयं सूरिए उड्ढं उच्चत्तेणं एवइयाहिं दोहिं अद्धाहिं दोहिं छायाणुमाणप्पमाणेहिं उमाए एत्थ णं से सूरिए दुपोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, एवं णेयव्वं जाव तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता अत्थि णं से देसे जंसि च णं देसंसि सूरिए छण्णउइं पोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ, ते एवमाहंसु–ता सूरियस्स णं सव्वहिट्ठिमाओ सूरप्पडिहीओ वहिया अभिणिसट्ठाहिं लेसाहिं ताडिज्जमाणीहिं इमीसे रयणप्पभाए पुढवीए बहुसमरमणिज्जाओ भूमिभागाओ जावइयं सूरिए उड्ढं उच्चत्तेणं एवइयाहिं छण्णवईए छायाणुमाणप्पमाणाहिं उमाए एत्थ णं से सूरिए छण्णउइं पोरिसियं छायं णिव्वत्तेइ एगे एवमाहंसु, वयं पुण एवं वयामो–ता साइरेगअउणट्ठिपोरिसीणं सूरिए पोरिसिच्छायं णिव्वत्तेइ०, ता अवड्ढपोरिसी णं छाया दिवसस्स किं गए वा सेसे वा ? ता तिभागे गए वा सेसे वा, ता पोरिसी णं छाया दिवसस्स किं गए वा सेसे वा ? ता चउब्भागे गए वा सेसे वा, ता दिवड्ढपोरिसी णं छाया दिवसस्स किं गए वा सेसे वा ? ता पंचमभागे गए वा सेसे वा, एवं अद्धपोरिसिं छोढुं पुच्छा दिवसस्स भागं छोढुं वागरणं जाव ता अद्धअउणासट्ठिपोरिसीछाया दिवसस्स किं गए वा सेसे वा ? ता एगूणवीससयभागे गए वा सेसे वा, ता अउणासट्ठिपोरिसी णं छाया दिवसस्स किं गए वा सेसे वा ? ता बावीससहस्सभागे गए वा सेसे वा, ता साइरेगअउणासट्ठिपोरिसी णं छाया दिवसस्स किं गए वा सेसे वा ? ता णत्थि किंचि गए वा सेसे वा, तत्थ खलु इमा पणवीसणिविट्ठा छाया प०, तं०–खंभच्छाया रज्जुच्छाया पागारच्छाया पासायच्छाया उवग्गच्छाया उच्चत्तच्छाया अणुलोमच्छाया आरुभिया समा पडिहया खीलच्छाया पक्खच्छाया पुरओउदया पुरिमकंठभाउवगया पच्छिमकंठभाउवगया छायाणुवाइणी किट्ठाणुवाइणीछाया छायछाया १७ गोलछाया, तत्थ णं गोलच्छाया अट्ठविहा पण्णत्ता, तंजहा–गोलच्छाया अवड्ढ-

ता कहं ते देवयाणं अज्झयणा आहिताति वएज्जा ? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिईणक्खत्ते किंदेवयाए पण्णत्ते ? ता बंभदेवयाए पण्णत्ते, सवणे० विण्हु०, धणिट्ठाणक्खत्ते वसुदेवयाए०, सयभिसयाणक्खत्ते वरुण०, पुव्वापोट्ठ० अयदे०, उत्तरापोट्ठवयाणक्खत्ते अभिवड्ढि०, एवं सव्वेवि पुच्छिज्जंति, रेवई पुस्सदेवया०, अस्सिणी अस्सदेवया०, भरणी जमदेवया०, कत्तिया अग्गिदेवया०, रोहिणी पयावइदेवया०, संठाणा सोमदेवयाए०, अद्दा रुद्ददेवयाए०, पुणव्वसू अदिति०, पुस्सो वहस्सइ०, अस्सेसा सप्प०, महा पिइ०, पुव्वाफग्गुणी भग०, उत्तराफग्गुणी अज्जम०, हत्थे सविया०, चित्ता तट्ठ०, साई वाउ०, विसाहा इंदग्गी०, अणुराहा मित्त०, जेट्ठा इंद०, मूले णिरइ०, पुव्वासाढा आउ०, उत्तरासाढा० विस्सदेवयाए पण्णत्ते ॥ ४४ ॥

दसमस्स पाहुडस्स बारसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१२ ॥

ता कहं ते मुहुत्ताणं नामधेज्जा आहिताति वएज्जा ? ता एगमेगस्स णं अहोरत्तस्स तीसं मुहुत्ता प०, तंजहा–रुद्दे सेए मित्ते वाउ सुगी(पी)ए तहेव अभिचंदे । माहिंद बलव बंभे बहुसच्चे चेव ईसाणे ॥ १ ॥ तट्ठे य भावियप्पा वेसमणे वारुणे य आणंदे । विजए य वीससेणे पयावई चेव उवसामे ॥ २ ॥ गंधव्व अग्गिवेसे सयरिसहे आयवं च अममे य । अणवं भोमे रिसहे सव्वट्ठे रक्खसे चेव ॥ ३ ॥ ४५ ॥

दसमस्स पाहुडस्स तेरसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१३ ॥

ता कहं ते दिवसा आहिताति वएज्जा ? ता एगमेगस्स णं पक्खस्स पण्णरस दिवसा पण्णत्ता, तं०–पडिवादिवसे विइयादिवसे जाव पण्णरसीदिवसे, ता एएसि णं पण्णरसण्हं दिवसाणं पण्णरस णामधेज्जा प०, तं०–पुव्वंगे सिद्धमणोरमे य तत्तो मणोरहे(हरे) चेव । जसभद्दे य जसोधर य सव्वकामसमिद्धे ॥ १ ॥ इंदमुद्धाभिसित्ते य सोमणस धणंजए य बोद्धव्वे । अत्थसिद्धे अभिजाए अच्चसणे सयंजए चेव ॥ २ ॥ अग्गिवेसे उवसमे दिवसाणं णामधेज्जाइं । ता कहं ते राईओ आहिताति वएज्जा ? ता एगमेगस्स णं पक्खस्स पण्णरस राईओ पण्णत्ताओ, तंजहा–पडिवाराई विइयाराई जाव पण्णरसीराई, ता एयासि णं पण्णरसण्हं राईणं पण्णरस णामधेज्जा पण्णत्ता, तं०–उत्तमा य सुणक्खत्ता, एलावच्चा जसोधरा । सोमणसा चेव तहा सिरिसंभूया य बोद्धव्वा ॥ १ ॥ विजया य वेजयंति जयंति अपराजिया य इच्छा य । समाहारा चेव तहा तेया य तहा य अइतेया ॥ १ ॥ देवाणंदा णिरई रयणीणं णामधेज्जाइं ॥ ४६ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स चउद्दसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१४ ॥**

ता कहं ते तिही आहितेति वएज्जा ? तत्थ खलु इमा दुविहा तिही पण्णत्ता,

पुणव्वसू उत्तराफग्गुणी विसाहा उत्तरासाढा ॥ ३१ ॥ ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अत्थि णक्खत्ते जे णं चत्तारि अहोरत्ते छच्च मुहुत्ते सूरिएण सद्धिं जोयं जोएइ, अत्थि णक्खत्ता जे णं छ अहोरत्ते एक्कवीसं च मुहुत्ते सूरिएण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं तेरस अहोरत्ते बारस य मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं वीसं अहोरत्ते तिण्णि य मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं कयरे णक्खत्ते जे णं चत्तारि अहोरत्ते छच्च मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएइ, कयरे णक्खत्ता जे णं छ अहोरत्ते एक्कवीस-मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं तेरस अहोरत्ते बारस मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं वीसं अहोरत्ते तिण्णि य मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं तत्थ जे से णक्खत्ते जे णं चत्तारि अहोरत्ते छच्च मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएइ से णं एगे अभीई, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं छ अहोरत्ते एक्कवीसं च मुहुत्ते सूरिएण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं छ, तंजहा–सयभिसया भरणी अद्दा अस्सेसा साई जेट्ठा, तत्थ जे ते…तेरस अहोरत्ते दुवालस य मुहुत्ते सूरिएण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं पण्णरस, तंजहा–सवणो धणिट्ठा पुव्वाभद्दवया रेवई अस्सिणी कत्तिया मिगसिरं पूसो महा पुव्वाफग्गुणी हत्थो चित्ता अणुराहा मूलो पुव्वासाढा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं वीसं अहोरत्ते तिण्णि य मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं छ, तंजहा–उत्तराभद्दवया रोहिणी पुणव्वसू उत्तराफग्गुणी विसाहा उत्तरासाढा ॥ ३२ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स विइयं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-२ ॥**

ता कहं ते एवंभागा आहिताति वएज्जा ? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अत्थि णक्खत्ता पुव्वंभागा समक्खेत्ता तीसइमुहुत्ता प०, अत्थि णक्खत्ता पच्छंभागा समक्खेत्ता तीसइमुहुत्ता प०, अत्थि णक्खत्ता णत्तंभागा अवड्ढक्खेत्ता पण्णरसमुहुत्ता प०, अत्थि णक्खत्ता उभयंभागा दिवड्ढक्खेत्ता पणयालीसं मुहुत्ता प०, ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं कयरे णक्खत्ता० पुव्वंभागा समक्खेत्ता तीसइमुहुत्ता प० जाव कयरे णक्खत्ता० उभयंभागा दिवड्ढक्खेत्ता पणयालीसइमुहुत्ता प० ? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं तत्थ जे ते णक्खत्ता पुव्वंभागा समक्खेत्ता तीसइमुहुत्ता प० ते णं छ, तंजहा–पुव्वापोट्ठवया कत्तिया महा पुव्वाफग्गुणी मूलो पुव्वासाढा, तत्थ जे ते णक्खत्ता० पच्छंभागा समक्खेत्ता तीसइमुहुत्ता प० ते णं दस, तंजहा–अभिई सवणो धणिट्ठा रेवई अस्सिणी मिगसिरं पूसो हत्थो चित्ता अणुराहा, तत्थ जे ते णक्खत्ता० णत्तंभागा अवड्ढक्खेत्ता पण्णरसमुहुत्ता प० ते णं छ, तंजहा–

हत्थेणं वत्थाणीएणं भोच्चा कज्जं साधेंति, चित्ताहिं मुग्गसूवेणं भोच्चा कज्जं साधेंति, साइणा फलाइं भोच्चा कज्जं साधेंति, विसाहाहिं आसित्तियाओ भोच्चा कज्जं साधेंति, अणुराहाहिं मिस्साकूरं भोच्चा कज्जं साधेंति, जेट्ठाहिं लट्ठिएणं भोच्चा कज्जं साधेंति, मूलेणं मूलगेणं भोच्चा कज्जं साधेंति, पुव्वाहिं आसाढाहिं आमलगं भोच्चा कज्जं साधेंति, उत्तराहिं आसाढाहिं बिल्लफलेहिं [णिम्मियं] भोच्चा कज्जं साधेंति, अभीइणा पुप्फेहिं [निम्मियं] भोच्चा कज्जं साधेंति, सवणेणं खीरेणं भोच्चा कज्जं साधेंति, धणिट्ठाहिं जूसेणं भोच्चा कज्जं साधेंति, सयभिसयाए तुवराउ भोच्चा कज्जं साधेंति, पुव्वाहिं पुट्ठवयाहिं कारियल्लएहिं भोच्चा कज्जं साधेंति, उत्तरापुट्ठवयाहिं वंसरोयणं भोच्चा कज्जं साधेंति, रेवईहिं सिंघाडगं भोच्चा कज्जं साधेंति, अस्सिणीहिं तित्तफलं भोच्चा कज्जं साधेंति, भरणीहिं तिलतंडुलयं भोच्चा कज्जं साधेंति ॥ ४९ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स सत्तरसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१७ ॥**

ता कहं ते चारा आहिताति वएज्जा? तत्थ खलु इमे दुविहा चारा पण्णत्ता, तं०-आइच्चचारा य चंदचारा य, ता कहं ते चंदचारा आहिताति वएज्जा? ता पंच संवच्छरिए णं जुगे अभीइणक्खत्ते सत्तसट्ठिचारे चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, सवणे णक्खत्ते सत्तसट्ठिचारे चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, एवं जाव उत्तरासाढाणक्खत्ते सत्तसट्ठिचारे चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ। ता कहं ते आइच्चचारा आहितेति वएज्जा? ता पंच संवच्छरिए णं जुगे अभीइणक्खत्ते पंचचारे सूरेण सद्धिं जोयं जोएइ, एवं जाव उत्तरासाढाणक्खत्ते पंचचारे सूरेण सद्धिं जोयं जोएइ ॥ ५० ॥

दसमस्स पाहुडस्स अट्ठारसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१८ ॥

ता कहं ते मासा आहिताति वएज्जा? ता एगमेगस्स णं संवच्छरस्स बारस मासा पण्णत्ता, तेसिं च दुविहा णामधेज्जा पण्णत्ता, तं०-लोइया य लोउत्तरिया य, तत्थ लोइया णामा०, तं०-सावणे भद्दवए आसोए जाव आसाढे, लोउत्तरिया णामा०, तं०-अभिणंदे पइट्ठे य, विजए पीइवद्धणे। सेज्जंसे य सिवे यावि, सिसिरेवि य हेमवं ॥ १ ॥ णवमे वसंतमासे, दसमे कुसुमसंभवे। एक्कारसमे णिदाहो, वणविरोही य बारसे ॥ २ ॥ ५१ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स एगूणवीसइमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१९ ॥**

ता कहं ते संवच्छरा आहिताति वएज्जा? ता पंच संवच्छरा आहिताति वएज्जा,

---

१ खाद्यविशेष, २ त्रिफला, ३ खाद्यविशेष, ४ खाद्यविशेष, ५ शाकविशेष, ६ बेलफलका मुरब्बा, ७ गुलकंद, ८ करेले का शाक, ९ वंशलोचन, १० सूखा सिंघाड़ा, ११ त्रिकुटा सोंठ-काली मिर्च-पीपल।

राइं एगं च दिवसं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ २ त्ता जोयं अणुपरियट्टइ २ त्ता सायं चंदं भरणीणं समप्पेइ, ता भरणी खलु णक्खत्ते णत्तंभागे अवड्ढक्खेत्ते पण्णरसमुहुत्ते तप्पढमयाए सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, णो लभइ अवरं दिवसं, एवं खलु भरणी णक्खत्ते एगं राइं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ २ त्ता जोयं अणुपरियट्टइ २ त्ता पाओ चंदं कत्तियाणं समप्पेइ, ता कत्तिया खलु णक्खत्ते पुव्वंभागे समक्खेत्ते तीसइ-मुहुत्ते तप्पढमयाए पाओ चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ, तओ पच्छा राइं, एवं खलु कत्तिया णक्खत्ते एगं च दिवसं एगं च राइं चंदेण सद्धिं जोयं जोएइ २ त्ता जोयं अणुपरियट्टइ २ त्ता पाओ चंदं रोहिणीणं समप्पेइ, रोहिणी जहा उत्तरभद्दवया मिगसिरं जहा धणिट्ठा अद्दा जहा सयभिसया पुणव्वसू जहा उत्तराभद्दवया पुस्सो जहा धणिट्ठा अस्सेसा जहा सयभिसया महा जहा पुव्वाफग्गुणी पुव्वाफग्गुणी जहा पुव्वाभद्दवया उत्तराफग्गुणी जहा उत्तराभद्दवया हत्थो चित्ता य जहा धणिट्ठा साई जहा सयभिसया विसाहा जहा उत्तराभद्दवया अणुराहा जहा धणिट्ठा सयभिसया मूला पुव्वासाढा य जहा पुव्वाभद्दवया उत्तरासाढा जहा उत्तराभद्दवया ॥ ३४ ॥

दसमस्स पाहुडस्स चउत्थं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-४ ॥

ता कहं ते कुला उवकुला कुलोवकुला आहितातिं वएज्जा? तत्थ खलु इमे बारस कुला बारस उवकुला चत्तारि कुलोवकुला प०, बारस कुला०, तंजहा–धणिट्ठाकुलं उत्तराभद्दवयाकुलं अस्सिणीकुलं कत्तियाकुलं संठाणाकुलं पुस्साकुलं महाकुलं उत्तरा-फग्गुणीकुलं चित्ताकुलं विसाहाकुलं मूलाकुलं उत्तरासाढाकुलं, बारस उवकुला०, तंजहा–सवणो उवकुलं पुव्वापुट्ठवयाउवकुलं रेवईउवकुलं भरणीउवकुलं रोहिणीउवकुलं पुणव्वसूउवकुलं अस्सेसाउवकुलं पुव्वाफग्गुणीउवकुलं हत्थाउवकुलं साइउवकुलं जेट्ठा-उवकुलं पुव्वासाढाउवकुलं, चत्तारि कुलोवकुला०, तंजहा–अभीईकुलोवकुलं सयभि-सयाकुलोवकुलं अद्दाकुलोवकुलं अणुराहाकुलोवकुलं ॥ ३५ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स पंचमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-५ ॥**

ता कहं ते पुण्णिमासिणी आहितेति वएज्जा? तत्थ खलु इमाओ बारस पुण्णि-मासिणीओ बारस अमावासाओ पण्णत्ताओ, तंजहा–साविट्ठी पोट्ठवई आसोया कत्तिया मग्गसिरी पोसी माही फग्गुणी चेत्ती वेसाही जेट्ठामूली आसाढी, ता साविट्ठिण्णं पुण्णिमासिं कइ णक्खत्ता जोएंति? ता तिण्णि णक्खत्ता जोएंति, तंजहा–अभिई सवणो धणिट्ठा, ता पुट्ठवइण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति? ता तिण्णि णक्खत्ता जोएंति, तंजहा–सयभिसया पुव्वापोट्ठवया उत्तरापोट्ठवया, ता आसोइण्णं पुण्णिमं कइ णक्खत्ता जोएंति? ता दोण्णि णक्खत्ता जोएंति, तंजहा–

दाहिणदारिया पण्णत्ता, तंजहा-महा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता साई विसाहा, अणुराहाइया णं सत्त णक्खत्ता पच्छिमदारिया पण्णत्ता, तंजहा-अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वासाढा उत्तरासाढा अभिई सवणो, धणिट्ठाइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पण्णत्ता, तंजहा-धणिट्ठा सयभिसया पुव्वापोट्ठवया उत्तरापोट्ठवया रेवई अस्सिणी भरणी। तत्थ जे ते एवमाहंसु-ता महाइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता, ते एवमाहंसु-तंजहा-महा पुव्वाफग्गुणी हत्थो चित्ता साई विसाहा, अणुराहाइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया पण्णत्ता, तंजहा-अणुराहा जेट्ठा मूले पुव्वासाढा उत्तरासाढा अभिई सवणं, धणिट्ठाइया णं सत्त णक्खत्ता पच्छिमदारिया पण्णत्ता, तंजहा-धणिट्ठा सयभिसया पुव्वापोट्ठवया उत्तरापोट्ठवया रेवई अस्सिणी भरणी, कत्तियाइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पण्णत्ता, तंजहा-कत्तिया रोहिणी संठाणा अद्दा पुणव्वसू पुस्सो अस्सेसा। तत्थ जे ते एवमाहंसु-ता धणिट्ठाइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता, ते एवमाहंसु-तंजहा-धणिट्ठा सयभिसया पुव्वाभद्दवया उत्तराभद्दवया रेवई अस्सिणी भरणी, कत्तियाइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया पण्णत्ता, तंजहा-कत्तिया रोहिणी संठाणा अद्दा पुणव्वसू पुस्सो अस्सेसा, महाइया णं सत्त णक्खत्ता पच्छिमदारिया पण्णत्ता, तंजहा-महा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता साई विसाहा, अणुराहाइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पण्णत्ता, तंजहा-अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वासाढा उत्तरासाढा अभीई सवणो। तत्थ जे ते एवमाहंसु-ता अस्सिणीआइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता ते एवमाहंसु-तंजहा-अस्सिणी भरणी कत्तिया रोहिणी संठाणा अद्दा पुणव्वसू, पुस्साइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया पण्णत्ता, तंजहा-पुस्सा अस्सेसा महा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता, साईआइया णं सत्त णक्खत्ता पच्छिमदारिया पण्णत्ता, तंजहा-साई विसाहा अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वासाढा उत्तरासाढा, अभीईआइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पण्णत्ता, तंजहा-अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वाभद्दवया उत्तराभद्दवया रेवई। तत्थ जे ते एवमाहंसु-ता भरणीआइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता, ते एवमाहंसु-तंजहा-भरणी कत्तिया रोहिणी संठाणा अद्दा पुणव्वसू पुस्सो, अस्सेसाइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया पण्णत्ता, तंजहा-अस्सेसा महा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता साई, विसाहाइया णं सत्त णक्खत्ता पच्छिमदारिया पण्णत्ता, तं०-विसाहा अणुराहा जेट्ठा मूलो पुव्वासाढा उत्तरासाढा अभिई, सवणाइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पण्णत्ता,

जोएइ, कुलं जोएमाणे धणिट्ठा णक्खत्ते०, उवकुलं जोएमाणे सवणे णक्खत्ते जोएइ, कुलोवकुलं जोएमाणे अभिई णक्खत्ते जोएइ, ता साविट्ठि० पुण्णिमं कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ कुलोवकुलं वा जोएइ, कुलेण वा जुत्ता उवकुलेण वा जुत्ता कुलोवकुलेण वा जुत्ता साविट्ठी पुण्णिमा जुत्तात्ति वत्तव्वं सिया, ता पोट्ठवइण्णं पुण्णिमं किं कुलं जोएइ उवकुलं जोएइ कुलोवकुलं वा जोएइ? ता कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ कुलोवकुलं वा जोएइ, कुलं जोएमाणे उत्तरापोट्ठवया णक्खत्ते जोएइ, उवकुलं जोएमाणे पुव्वापुट्ठवया णक्खत्ते जोएइ, कुलोवकुलं जोएमाणे सयभिसया णक्खत्ते जोएइ, पोट्ठवइण्णं पुण्णमासिणिं कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ कुलोवकुलं वा जोएइ, कुलेण वा जुत्ता ३ पुट्ठवया पुण्णिमा जुत्तात्ति वत्तव्वं सिया, ता आसोइं णं पुण्णिमासिणिं किं कुलं जोएइ उवकुलं जोएइ कुलोवकुलं जोएइ? ता कुलंपि जोएइ उवकुलंपि जोएइ णो लब्भइ कुलोवकुलं, कुलं जोएमाणे अस्सिणी णक्खत्ते जोएइ, उवकुलं जोएमाणे रेवई णक्खत्ते जोएइ, आसोइं णं पुण्णिमं कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ, कुलेण वा जुत्ता उवकुलेण वा जुत्ता अस्सोइं णं पुण्णिमा जुत्तात्ति वत्तव्वं सिया, एवं णेयव्वाउ, पोसं पुण्णिमं जेट्ठामूलं पुण्णिमं च कुलोवकुलंपि जोएइ, अवसेसासु णत्थि कुलोवकुलं जाव आसाढी पुण्णिमा जुत्तात्ति वत्तव्वं सिया। ता साविट्ठिं णं अमावासं कइ णक्खत्ता जोएंति? ता दुण्णि णक्खत्ता जोएंति, तंजहा-अस्सेसा य महा य, एवं एएणं अभिलावेणं णेयव्वं, पोट्ठवयं दो णक्खत्ता जोएंति, तंजहा-पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी, अस्सोइं दो० हत्थो चित्ता य, कत्तियं० साई विसाहा य, मग्गसिरं० अणुराहा जेट्ठा मूलो, पोसिं० पुव्वासाढा उत्तरासाढा, माहिं० अभीई सवणो धणिट्ठा, फग्गुणिं० सयभिसया पुव्वापोट्ठवया उत्तरापोट्ठवया, चेत्तिं० रेवई अस्सिणी य, विसाहिं० भरणी कत्तिया य, जेट्ठामूलं० रोहिणी मिगसिरं च, ता आसाढिं णं अमावासिं कइ णक्खत्ता जोएंति? ता तिण्णि णक्खत्ता जोएंति, तं०-अद्दा पुणव्वसू पुस्सो, ता साविट्ठिं णं अमावासं किं कुलं जोएइ उवकुलं जोएइ कुलोवकुलं जोएइ? ता कुलं वा जोएइ उवकुलं वा जोएइ णो लब्भइ कुलोवकुलं, कुलं जोएमाणे महा णक्खत्ते जोएइ, उवकुलं जोएमाणे असिलेसा० जोएइ, कुलेण वा जुत्ता उवकुलेण वा जुत्ता साविट्ठी अमावासा जुत्तात्ति वत्तव्वं सिया, एवं णेयव्वं, णवरं मग्गसिराए माहीए फग्गुणीए आसाढीए य अमावासाए कुलोवकुलंपि जोएइ, सेसेसु णत्थि जाव आसाढी अमावासा जुत्तात्ति वत्तव्वं सिया॥ ३७॥ **दसमस्स पाहुडस्स छट्ठं पाहुडपाहुडं समत्तं॥ १०-६॥**

धणिट्ठा दो पुव्वाभद्दवया दो रेवई दो अस्सिणी दो कत्तिया दो संठाणा दो पुस्सा दो महा दो पुव्वाफग्गुणी दो हत्था दो चित्ता दो अणुराहा दो मूला दो पुव्वा-साढा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं पणयालीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं वारस, तंजहा-दो उत्तरापोट्ठवया दो रोहिणी दो पुणव्वसू दो उत्तराफग्गुणी दो विसाहा दो उत्तरासाढा, ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं अत्थि णक्खत्ता जे णं चत्तारि अहोरत्ते छच्च मुहुत्ते सूरिएण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं छ अहोरत्ते एक्कवीसं च मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं तेरस अहोरत्ते वारसमुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं वीसं अहोरत्ते तिण्णि य मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति, ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं कयरे णक्खत्ता जे णं तं चेव उच्चारेयव्वं, ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं चत्तारि अहोरत्ते छच्च मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं दो अभीई, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं छ अहोरत्ते एक्कवीसं च मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं वारस, तंजहा-दो सयभिसया दो अद्दा दो अस्सेसा दो साई दो विसाहा दो जेट्ठा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं तेरस अहोरत्ते वारसमुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं तीसं, तंजहा-दो सवणा जाव दो पुव्वासाढा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं वीसं अहोरत्ते तिण्णि य मुहुत्ते सूरेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं वारस, तंजहा-दो उत्तरापोट्ठवया जाव दो उत्तरा-साढा ॥ ५८ ॥ ता कहं ते सीमाविक्खंभे आहिएति वएज्जा? ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं अत्थि णक्खत्ता जेसि णं छ सया तीसा सत्तट्ठिभागती-सइभागाणं सीमाविक्खंभो, अत्थि णक्खत्ता जेसि णं सहस्सं पंचोत्तरं सत्तट्ठि-भागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो, अत्थि णक्खत्ता जेसि णं दो सहस्सा दसुत्तरा सत्तट्ठिभागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो, अत्थि णक्खत्ता जेसि णं तिसहस्सं पंच-दसुत्तरं सत्तट्ठिभागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो, ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्ख-त्ताणं कयरे णक्खत्ता जेसि णं छ सया तीसा तं चेव उच्चारेयव्वं जाव कयरे णक्खत्ता जेसि णं तिसहस्सं पंचदसुत्तरं सत्तट्ठिभागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो? ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं तत्थ जे ते णक्खत्ता जेसि णं छ सया तीसा सत्तट्ठिभागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो ते णं दो अभीई, तत्थ जे ते णक्खत्ता जेसि णं सहस्सं पंचुत्तरं सत्तट्ठिभागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो ते णं वारस, तंजहा-दो सयभिसया जाव दो जेट्ठा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जेसि णं दो सहस्सा दसुत्तरा सत्तट्ठिभागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो ते णं तीसं, तंजहा-दो सवणा

रोहिणी पंचतारे, मिगसिरे तितारे, अद्दा एगतारे, पुणव्वसू पंचतारे, पुस्से तितारे, अस्सेसा छत्तारे, महा सत्ततारे, पुव्वाफग्गुणी दुतारे, एवं उत्तरावि, हत्थे पंचतारे, चित्ता एगतारे, साई एगतारे, विसाहा पंचतारे, अणुराहा चउतारे, जेट्ठा तितारे, मूले एगतारे, पुव्वासाढा चउतारे, उत्तरासाढा चउत्तारे ॥ ४० ॥ **दसमस्स पाहुडस्स णवमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-९ ॥**

ता कहं ते णेया आहितेति वएज्जा? ता वासाणं पढमं मासं कइ णक्खत्ता णेंति? ता चत्तारि णक्खत्ता णेंति, तंजहा-उत्तरासाढा अभिई सवणो धणिट्ठा, उत्तरासाढा चोद्दस अहोरत्ते णेइ, अभिई सत्त अहोरत्ते णेइ, सवणे अट्ठ अहोरत्ते णेइ, धणिट्ठा एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि चउरंगुलपोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे दो पायाइं चत्तारि य अंगुलाइं पोरिसी भवइ, ता वासाणं दोच्चं मासं कइ णक्खत्ता णेंति? ता चत्तारि णक्खत्ता णेंति, तंजहा-धणिट्ठा सयभिसया पुव्वापोट्ठवया उत्तरापोट्ठवया, धणिट्ठा चोद्दस अहोरत्ते णेइ, सयभिसया सत्त अहोरत्ते णेइ, पुव्वापोट्ठवया अट्ठ अहोरत्ते णेइ, उत्तरापोट्ठवया एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि अट्ठंगुलपोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे दो पयाइं अट्ठ य अंगुलाइं पोरिसी भवइ, ता वासाणं तइयं मासं कइ णक्खत्ता णेंति? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०-उत्तरापोट्ठवया रेवई अस्सिणी, उत्तरापोट्ठवया चोद्दस अहोरत्ते णेइ, रेवई पण्णरस अहोरत्ते णेइ, अस्सिणी एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि दुवालसंगुलाए पोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमदिवसे लेहट्ठाइं तिण्णि पयाइं पोरिसी भवइ, ता वासाणं चउत्थं मासं कइ णक्खत्ता णेंति? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०-अस्सिणी भरणी कत्तिया, अस्सिणी चउद्दस अहोरत्ते णेइ, भरणी पण्णरस अहोरत्ते णेइ, कत्तिया एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि सोलसंगुलाए पोरिसिच्छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे तिण्णि पयाइं चत्तारि य अंगुलाइं पोरिसी भवइ। ता हेमंताणं पढमं मासं कइ णक्खत्ता णेंति? ता तिण्णि णक्खत्ता णेंति, तं०-कत्तिया रोहिणी संठाणा, कत्तिया चोद्दस अहोरत्ते णेइ, रोहिणी पण्णरस अहोरत्ते णेइ, संठाणा एगं अहोरत्तं णेइ, तंसि च णं मासंसि वीसंगुलपोरिसीए छायाए सूरिए अणुपरियट्टइ, तस्स णं मासस्स चरिमे दिवसे तिण्णि पयाइं अट्ठ य अंगुलाइं पोरिसी भवइ, ता हेमंताणं दोच्चं मासं कइ णक्खत्ता णेंति? ता चत्तारि णक्खत्ता णेंति, तं०-संठाणा अद्दा पुणव्वसू पुस्सो, संठाणा चोद्दस अहोरत्ते णेइ, अद्दा सत्त अहोरत्ते णेइ, पुणव्वसू अट्ठ अहोरत्ते णेइ,

-भागमंडलं असंपत्ते एत्थ णं से चंदे चरिमं बावट्ठिं पुण्णिमासिणिं जोएइ ॥ ६१ ॥ ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं पढमं पुण्णिमासिणिं सूरे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि सूरे चरिमं बावट्ठिं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता चउणवइं भागे उवाइणावेत्ता एत्थ णं से सूरिए पढमं पुण्णिमासिणिं जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं दोच्चं पुण्णिमासिणिं सूरे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि सूरे पढमं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दो चउणवइंभागे उवाइणावेत्ता एत्थ णं से सूरे दोच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं तच्चं पुण्णिमासिणिं सूरे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि सूरे दोच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता चउणउइभागे उवाइणावेत्ता एत्थ णं से सूरे तच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं दुवालसमं पुण्णिमासिणिं सूरे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि सूरे तच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता अट्ठछत्ताले भागसए उवाइणावेत्ता एत्थ णं से सूरे दुवालसमं पुण्णिमासिणिं जोएइ, एवं खलु एएणुवाएणं ताओ २ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता चउणउइ २ भागे उवाइणावेत्ता तंसि २ देसंसि तं तं पुण्णिमासिणिं सूरे जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं चरिमं बावट्ठिं पुण्णिमासिणिं सूरे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंबुद्दीवस्स णं० पाईणपडीणाययाए उदीणदाहिणाययाए जीवाए मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता पुरच्छिमिल्लंसि चउभागमंडलंसि सत्तावीसं भागे उवाइणावेत्ता अट्ठावीसइमं भागं वीसहा छेत्ता अट्ठारसभागे उवाइणावेत्ता तिहिं भागेहिं दोहि य कलाहिं दाहिणिल्लं चउभागमंडलं असंपत्ते एत्थ णं सूरे चरिमं बावट्ठिं पुण्णिमं जोएइ ॥ ६२ ॥ ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं पढमं अमावासं चंदे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि चंदे चरिमबावट्ठिं अमावासं जोएइ ताओ अमावासट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दुवत्तीसं भागे उवाइणावेत्ता

सया चंदस्स उत्तरेणं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं चंदस्स दाहिणेणवि उत्तरेणवि पमद्दंपि जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं चंदस्स दाहिणेणवि पमद्दंपि जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ते जे णं सया चंदस्स पमद्दं जोयं जोएइ, ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं कयरे णक्खत्ता जे णं सया चंदस्स दाहिणेणं जोयं जोएंति तहेव जाव कयरे णक्खत्ते जे णं सया चंदस्स पमद्दं जोयं जोएइ ? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं जे णं णक्खत्ता सया चंदस्स दाहिणेणं जोयं जोएंति ते णं छ, तं०-संठाणा अद्दा पुस्सो अस्सेसा हत्थो मूलो, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं सया चंदस्स उत्तरेणं जोयं जोएंति ते णं बारस, तंजहा-अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वाभद्दवया उत्तरापोट्ठवया रेवई अस्सिणी भरणी पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी साई १२, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं चंदस्स दाहिणेणवि उत्तरेणवि पमद्दंपि जोयं जोएंति ते णं सत्त, तंजहा-कत्तिया रोहिणी पुणव्वसू महा चित्ता विसाहा अणुराहा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं चंदस्स दाहिणेणवि पमद्दंपि जोयं जोएंति ताओ णं दो आसाढाओ सव्वबाहिरे मंडले जोयं जोएंसु वा जोएंति वा जोएस्संति वा, तत्थ जे से णक्खत्ते जे णं सया चंदस्स पमद्दं जोयं जोएइ सा णं एगा जेट्ठा ॥ ४२ ॥ ता कइ ते चंदमंडला पण्णत्ता ? ता पण्णरस चंदमंडला पण्णत्ता, ता एएसि णं पण्णरसण्हं चंदमंडलाणं अत्थि चंदमंडला जे णं सया णक्खत्तेहिं अविरहिया०, अत्थि चंदमंडला जे णं रविससिणक्खत्ताणं सामण्णा भवंति, अत्थि चंदमंडला जे णं सया आइच्चेहिं विरहिया, ता एएसि णं पण्णरसण्हं चंदमंडलाणं कयरे चंदमंडला जे णं सया णक्खत्तेहिं अविरहिया जाव कयरे चंदमंडला जे णं सया आइच्चविरहिया ? ता एएसि णं पण्णरसण्हं चंदमंडलाणं तत्थ जे ते चंदमंडला जे णं सया णक्खत्तेहिं अविरहिया ते णं अट्ठ, तंजहा-पढमे चंदमंडले तइए चंदमंडले छट्ठे चंदमंडले सत्तमे चंदमंडले अट्ठमे चंदमंडले दसमे चंदमंडले एक्कारसमे चंदमंडले पण्णरसमे चंदमंडले, तत्थ जे ते चंदमंडला जे णं सया णक्खत्तेहिं विरहिया ते णं सत्त, तंजहा-बिइए चंदमंडले चउत्थे चंदमंडले पंचमे चंदमंडले णवमे चंदमंडले बारसमे चंदमंडले तेरसमे चंदमंडले चउद्दसमे चंदमंडले, तत्थ जे ते चंदमंडला जे णं रविससिणक्खत्ताणं सामण्णा भवंति ते णं चत्तारि, तंजहा-पढमे चंदमंडले बीए चंदमंडले इक्कारसमे चंदमंडले पण्णरसमे चंदमंडले, तत्थ जे ते चंदमंडला जे णं सया आइच्चविरहिया ते णं पंच, तंजहा-छट्ठे चंदमंडले सत्तमे चंदमंडले अट्ठमे चंदमंडले णवमे चंदमंडले दसमे चंदमंडले ॥ ४३ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स एक्कारसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-११ ॥**

मुहुत्ता अट्ठ य वावट्ठिभागा मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता वीसं चुण्णिया-भागा सेसा, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं चरिमं वावट्ठिं पुण्णिमासिणिं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता उत्तराहिं आसाढाहिं, उत्तराणं आसाढाणं चरमसमए, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता पुस्सेणं, पुस्सस्स एगूणवीसं मुहुत्ता तेयालीसं च वावट्ठिभागा मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता तेत्तीसं चुण्णिया-भागा सेसा ॥ ६५ ॥ ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं पढमं अमावासं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता अस्सेसाहिं, अस्सेसाणं एक्के मुहुत्ते चत्तालीसं च वावट्ठि-भागा मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता वावट्ठिं चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता अस्सेसाहिं चेव, अस्सेसाणं एक्को मुहुत्तो चत्तालीसं च वावट्ठिभागा मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता वावट्ठिं चुण्णियाभागा सेसा, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं दोच्चं अमावासं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता उत्तराहिं फग्गुणीहिं, उत्तराणं फग्गुणीणं चत्तालीसं मुहुत्ता पणतीसं वावट्ठिभागा मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता पण्णट्ठिं चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता उत्तराहिं चेव फग्गुणीहिं, उत्तराणं फग्गुणीणं जहेव चंदस्स। ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं तच्चं अमावासं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता हत्थेणं, हत्थस्स चत्तारि मुहुत्ता तीसं च वावट्ठि-भागा मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता वावट्ठिं चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता हत्थेणं चेव, हत्थस्स जहा चंदस्स, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं दुवालसमं अमावासं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता अद्दाहिं, अद्दाणं चत्तारि मुहुत्ता दस य वावट्ठिभागा मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्त-ट्ठिहा छेत्ता चउप्पण्णं चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता अद्दाहिं चेव, अद्दाणं जहा चंदस्स। ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं चरिमं वावट्ठिं अमावासं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता पुणव्वसुणा, पुणव्वसुस्स वावीसं मुहुत्ता वायालीसं च वासट्ठिभागा मुहुत्तस्स सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता पुणव्वसुणा चेव, पुणव्वसुस्स णं जहा चंदस्स ॥ ६६ ॥ ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं चंदे जोयं जोएइ जंसि देसंसि से णं इमाइं अट्ठ एगूणवीसाइं मुहुत्त-सयाइं चउवीसं च वावट्ठिभागे मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता वावट्ठिं चुण्णियाभागे उवाइणावेत्ता पुणरवि से चंदे अण्णेणं सरिसएणं चेव णक्खत्तेणं जोयं जोएइ अण्णंसि देसंसि, ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं चंदे जोयं जोएइ जंसि देसंसि से णं इमाइं सोलस अट्ठतीसे मुहुत्तसयाइं अउणापण्णं च वावट्ठिभागे मुहुत्तस्स वावट्ठिभागं

तंजहा-दिवसतिही य राईतिही य, ता कहं ते दिवसतिही आहितेति वएज्जा? ता एगमेगस्स णं पक्खस्स पण्णरस २ दिवसतिही पण्णत्ता, तं०-णंदे भद्दे जए तुच्छे पुण्णे पक्खस्स पंचमी पुणरवि णंदे भद्दे जए तुच्छे पुण्णे पक्खस्स दसमी पुणरवि णंदे भद्दे जए तुच्छे पुण्णे पक्खस्स पण्णरसी, एवं ते तिगुणा तिहीओ सव्वेसिं दिवसाणं, ता कहं ते राईतिही आहितेति वएज्जा? ता एगमेगस्स णं पक्खस्स पण्णरस राईतिही प०, तं०-उग्गवई भोगवई जसवई सव्वसिद्धा सुहणामा पुणरवि उग्गवई भोगवई जसवई सव्वसिद्धा सुहणामा पुणरवि उग्गवई भोगवई जसवई सव्वसिद्धा सुहणामा, एए तिगुणा तिहीओ सव्वासिं राईणं ॥ ४७ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स पण्णरसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१५ ॥**

ता कहं ते गोत्ता आहिताति वएज्जा? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं अभिईणक्खत्ते किंगोत्ते प०? ता मोग्गल्लायणसगोत्ते पण्णत्ते, सवणे० संखायण०, धणिट्ठा० अग्गितावस०, सयभिसया० कण्णिलायणसगोत्ते, पुव्वापोट्ठवया० जोउकण्णियसगोत्ते, उत्तरापोट्ठवया० धणंजयसगोत्ते, रेवईणक्खत्ते पुस्सायणसगोत्ते, अस्सिणीणक्खत्ते अस्सायणसगोत्ते, भरणीणक्खत्ते भग्गवेससगोत्ते, कत्तियाणक्खत्ते अग्गिवेससगोत्ते, रोहिणीणक्खत्ते गोयम०, संठाणाणक्खत्ते भारद्दायसगोत्ते, अद्दाणक्खत्ते लोहिच्चायणसगोत्ते, पुणव्वसूणक्खत्ते वासिट्ठसगोत्ते, पुस्से० उमज्जायणसगोत्ते, अस्सेसाणक्खत्ते मंडव्वायणसगोत्ते, महाणक्खत्ते पिंगायणसगोत्ते, पुव्वाफग्गुणीणक्खत्ते गोवल्लायणसगोत्ते, उत्तराफग्गुणीणक्खत्ते कासव०, हत्थे० कोसिय०, चित्ताणक्खत्ते दब्भियाणस्सगोत्ते, साईणक्खत्ते चामरच्छायणसगोत्ते, विसाहाणक्खत्ते सुंगायणसगोत्ते, अणुराहाणक्खत्ते गोलव्वायणसगोत्ते, जेट्ठाणक्खत्ते तिगिच्छायणसगोत्ते, मूले णक्खत्ते कच्चायणसगोत्ते, पुव्वासाढाणक्खत्ते वज्झियायणसगोत्ते, उत्तरासाढाणक्खत्ते वग्घावच्चसगोत्ते ॥ ४८ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स सोलसमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-१६ ॥**

ता कहं ते भोयणा आहिताति वएज्जा? ता एएसि णं अट्ठावीसाए णक्खत्ताणं कत्तियाहिं दहिणा भोच्चा कज्जं साधेंति, रोहिणीहिं मुग्गं[1] भोच्चा कज्जं साधेंति, संठाणाहिं कत्थूरिं[2] भोच्चा कज्जं साधेंति, अद्दाहिं णवणीएण भोच्चा कज्जं साधेंति, पुणव्वसुणा घएण भोच्चा कज्जं साधेंति, पुस्सेणं खीरेण भोच्चा कज्जं साधेंति, अस्सेसाए णालिएरं भोच्चा कज्जं साधेंति, महाहिं कसोर्तिं[3] भोच्चा कज्जं साधेंति, पुव्वाहिं फग्गुणीहिं एलाफलं[4] भोच्चा कज्जं साधेंति, उत्तराफग्गुणीहिं दुद्धेणं भोच्चा कज्जं साधेंति,

१ पके हुए मूंग, २ नारियलकी गिरी, ३ खाद्यविशेष, ४ आवजोश इलायची।

राणं पढमस्स चंदसंवच्छरस्स के आई आहिएति वएज्जा ? ता जे णं पंचमस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स पज्जवसाणे से णं पढमस्स चंदसंवच्छरस्स आई अणंतरपुरक्खडे समए, ता से णं किं पज्जवसिए आहिएति वएज्जा ? ता जे णं दोच्चस्स चंदसंवच्छरस्स आई से णं पढमस्स चंदसंवच्छरस्स पज्जवसाणे अणंतरपच्छाकडे समए, तं समयं च णं चंदे केणं णक्खत्तेणं (जोगं) जोएइ ? ता उत्तराहिं आसाढाहिं, उत्तराणं आसाढाणं छव्वीसं मुहुत्ता छव्वीसं च बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता चउप्पण्णं चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ ? ता पुणव्वसुणा, पुणव्वसुस्स सोलस मुहुत्ता अट्ठ य बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता वीसं चुण्णियाभागा सेसा । ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं दोच्चस्स चंदसंवच्छरस्स के आई आहिएति वएज्जा ? ता जे णं पढमस्स चंदसंवच्छरस्स पज्जवसाणे से णं दोच्चस्स चंदसंवच्छरस्स आई अणंतरपुरक्खडे समए, ता से णं किं पज्जवसिए आहिएति वएज्जा ? ता जे णं तच्चस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स आई से णं दोच्चस्स चंदसंवच्छरस्स पज्जवसाणे अणंतरपच्छाकडे समए, तं समयं च णं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ ? ता पुव्वाहिं आसाढाहिं, पुव्वाणं आसाढाणं सत्त मुहुत्ता तेवण्णं च बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता इगतालीसं चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं [जोयं] जोएइ ? ता पुणव्वसुणा, पुणव्वसुस्स णं बायालीसं मुहुत्ता पणतीसं च बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता सत्त चुण्णियाभागा सेसा । ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं तच्चस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स के आई आहिएति वएज्जा ? ता जे णं दोच्चस्स चंदसंवच्छरस्स पज्जवसाणे से णं तच्चस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स आई अणंतरपुरक्खडे समए, ता से णं किं पज्जवसिए आहिएति वएज्जा ? ता जे णं चउत्थस्स चंदसंवच्छरस्स आई से णं तच्चस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स पज्जवसाणे अणंतरपच्छाकडे समए, तं समयं च णं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ ? ता उत्तराहिं आसाढाहिं, उत्तराणं आसाढाणं तेरस मुहुत्ता तेरस य बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता सत्तावीसं च चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं जोएइ ? ता पुणव्वसुणा, पुणव्वसुस्स दो मुहुत्ता छप्पण्णं च बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता सट्ठी चुण्णियाभागा सेसा । ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं चउत्थस्स चंदसंवच्छरस्स के आई आहिएति वएज्जा ? ता जे णं तच्चस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स पज्जवसाणे से णं चउत्थस्स चंदसंवच्छरस्स आई अणंतरपुरक्खडे समए, ता से णं किं

तं०–णक्खत्तसंवच्छरे जुगसंवच्छरे पमाणसंवच्छरे लक्खणसंवच्छरे सणिच्छरसंवच्छरे ॥ ५२ ॥ ता णक्खत्तसंवच्छरे णं कइविहे प० ? ता णक्खत्तसंवच्छरे णं दुवालसविहे पण्णत्ते, तं०–सावणे भद्दवए जाव आसाढे, जं वा बहस्सइमहग्गहे दुवालसहिं संवच्छरेहिं सव्वं णक्खत्तमंडलं समाणेइ ॥ ५३ ॥० ता जुगसंवच्छरे णं पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–चंदे चंदे अभिवड्ढिए चंदे अभिवड्ढिए चेव, ता पढमस्स णं चंदसंवच्छरस्स चउवीसं पव्वा प०, दोच्चस्स णं चंदसंवच्छरस्स चउवीसं पव्वा प०, तच्चस्स णं अभिवड्ढियसंवच्छरस्स छव्वीसं पव्वा प०, चउत्थस्स णं चंदसंवच्छरस्स चउवीसं पव्वा प०, पंचमस्स णं अभिवड्ढियसंवच्छरस्स छव्वीसं पव्वा पण्णत्ता, एवामेव सपुव्वावरेणं पंचसंवच्छरिए जुगे एगे चउवीसे पव्वसए भवतीति मक्खायं ॥ ५४ ॥० ता पमाणसंवच्छरे णं पंचविहे प०, तंजहा–णक्खत्ते चंदे उडू आइच्चे अभिवड्ढिए ॥ ५५ ॥० ता लक्खणसंवच्छरे णं पंचविहे प०, तं०–समगं णक्खत्ता जोयं जोएंति समगं उऊ परिणमंति । णच्चुण्ह णाइसीए बहुउदए होइ णक्खत्ते ॥ १ ॥ ससि समग पुण्णिमासिं जोइंता विसमचारिणक्खत्ता । कडुओ बहूदओ य तमाहु संवच्छरं चंदं ॥ २ ॥ विसमं पवालिणो परिणमंति अणुऊसु दिंति पुप्फफलं । वासं न सम्म वासइ तमाहु संवच्छरं कम्मं ॥ ३ ॥ पुढविदगाणं च रसं पुप्फफलाणं च देइ आइच्चे । अप्पेणवि वासेणं सम्मं निप्फजए सस्सं ॥ ४ ॥ आइच्चतेयतविया खणलवदिवसा उऊ परिणमंति । पूरेइ णिण्णथलए तमाहु अभिवड्ढियं जाण ॥ ५ ॥० ता सणिच्छरसंवच्छरे णं अट्ठावीसइविहे प०, तं०–अभीई सवणे जाव उत्तरासाढा, जं वा सणिच्छरे महग्गहे तीसाए संवच्छरेहिं सव्वं णक्खत्तमंडलं समाणेइ ॥ ५६ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स वीसइमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-२० ॥**

ता कहं ते जोइसस्स दारा आहिताति वएज्जा ? तत्थ खलु इमाओ पंच पडिवत्तीओ पण्णत्ताओ, तं०–तत्थेगे एवमाहंसु–ता कत्तियाइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु १, एगे पुण एवमाहंसु–ता महाइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु २, एगे पुण एवमाहंसु–ता धणिट्ठाइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ३, एगे पुण एवमाहंसु–ता अस्सिणीआइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता एगे एवमाहंसु ४, एगे पुण एवमाहंसु–ता भरणीआइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता० ५ । तत्थ जे ते एवमाहंसु–ता कत्तियाइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया पण्णत्ता, ते एवमाहंसु–तं०–कत्तिया रोहिणी संठाणा अद्दा पुणव्वसू पुस्सो अस्सेसा, महाइया णं सत्त णक्खत्ता

ग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता अट्ठपंचासए मुहुत्ते तेत्तीसं च छावट्ठिभागे मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता एस णं अद्धा दुवालसक्खुत्तकडा चंदे संवच्छरे, ता से णं केवइए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता तिण्णि चउप्पण्णे राइंदियसए दुवालस य बावट्ठिभागा राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता दस मुहुत्तसहस्साइं छच्च पणवीसे मुहुत्तसए पण्णासं च बावट्ठिभागे मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा। ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं तच्चस्स उडुसंवच्छरस्स उडुमासे तीसइमुहुत्तेणं० गणिज्जमाणे केवइए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता तीसं राइंदियाणं राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता णव मुहुत्तसयाइं मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता एस णं अद्धा दुवालसक्खुत्तकडा उडू संवच्छरे, ता से णं केवइए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता तिण्णि सट्ठे राइंदियसए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता दस मुहुत्तसहस्साइं अट्ठ य सयाइं मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा। ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं चउत्थस्स आइच्चसंवच्छरस्स आइच्चे मासे तीसइमुहुत्तेणं अहोरत्तेणं गणिज्जमाणे केवइए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा ?

तं०-सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वापोट्ठवया उत्तरापोट्ठवया रेवई अस्सिणी, एए एवमाहंसु, वयं पुण एवं वयामो-ता अभिईआइया णं सत्त णक्खत्ता पुव्वदारिया प०, तंजहा-अभिई सवणो धणिट्ठा सयभिसया पुव्वापोट्ठवया उत्तरापोट्ठवया रेवई, अस्सिणीआइया णं सत्त णक्खत्ता दाहिणदारिया पण्णत्ता, तं०-अस्सिणी भरणी कत्तिया रोहिणी संठाणा अद्दा पुणव्वसू, पुस्साइया णं सत्त णक्खत्ता पच्छिम-दारिया पण्णत्ता, तं०-पुस्सो अस्सेसा महा पुव्वाफग्गुणी उत्तराफग्गुणी हत्थो चित्ता, साईआइया णं सत्त णक्खत्ता उत्तरदारिया पण्णत्ता, तं०-साई विसाहा अणुराहा जेट्ठा मूले पुव्वासाढा उत्तरासाढा ॥ ५७ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स एक्कवीसइमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-२१ ॥**

ता कहं ते णक्खत्तविजए आहिएति वएज्जा ? ता अयण्णं जंबुद्दीवे २ जाव परिक्खेवेणं०, ता जंबुद्दीवे णं दीवे दो चंदा पभासेंसु वा पभासेंति वा पभासिस्संति वा, दो सूरिया तविंसु वा तवेंति वा तविस्संति वा, छप्पण्णं णक्खत्ता जोयं जोएंसु वा ३, तंजहा-दो अभीई दो सवणा दो धणिट्ठा दो सयभिसया दो पुव्वा-पोट्ठवया दो उत्तरापोट्ठवया दो रेवई दो अस्सिणी दो भरणी दो कत्तिया दो रोहिणी दो संठाणा दो अद्दा दो पुणव्वसू दो पुस्सा दो अस्सेसाओ दो महा दो पुव्वा-फग्गुणी दो उत्तराफग्गुणी दो हत्था दो चित्ता दो साई दो विसाहा दो अणुराहा दो जेट्ठा दो मूला दो पुव्वासाढा दो उत्तरासाढा, ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्ख-त्ताणं अत्थि णक्खत्ता जे णं णव मुहुत्ते सत्तावीसं च सत्तट्ठिभागे मुहुत्तस्स चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं पण्णरस मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं तीसमुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, अत्थि णक्खत्ता जे णं पणयालीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, ता एएसि णं छप्प-ण्णाए णक्खत्ताणं कयरे णक्खत्ता जे णं णव मुहुत्ते सत्तावीसं च सत्तट्ठिभागे मुहुत्तस्स चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं पण्णरसमुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं तीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, कयरे णक्खत्ता जे णं पणयालीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति? ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं णव मुहुत्ते सत्तावीसं च सत्तट्ठि-भागे मुहुत्तस्स चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं दो अभीई, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं पण्णरस मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं बारस, तंजहा-दो सयभि-सया दो भरणी दो अद्दा दो अस्सेसा दो साई दो जेट्ठा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जे णं तीसं मुहुत्ते चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ते णं तीसं, तंजहा-दो सवणा दो

अङ्गाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं छट्ठट्ठमदसमदुवालस जाव भावेमाणी बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता आलोइयपडिक्कन्ता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा सक्कस्स देविन्दस्स देवरन्नो सामाणियदेवत्ताए उववज्जिहिइ। तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता, तत्थ णं सोमस्सवि देवस्स दो सागरोवमाइं ठिई पन्नत्ता ॥ १३९ ॥ से णं भन्ते! सोमे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं जाव चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ कहिं उववज्जिहिइ? गोयमा! महाविदेहे वासे जाव अन्तं काहिइ। निक्खेवओ ॥ १४० ॥ **चउत्थं अज्झयणं समत्तं ॥ ३ । ४ ॥**

जइ णं भंते! समणेणं० उक्खेवओ। एवं खलु जम्बू! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे। गुणसिलए उज्जाणे। सेणिए राया। सामी समोसरिए। परिसा निग्गया ॥ १४१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पुण्णभद्दे देवे सोहम्मे कप्पे पुण्णभद्दे विमाणे सभाए सुहम्माए पुण्णभद्दंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जहा सूरियाभो जाव बत्तीसइविहं नट्टविहिं उवदंसित्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए। कूडागारसाला। पुव्वभवपुच्छा। एवं खलु गोयमा! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जम्बुद्दीवे दीवे भारहे वासे मणिवइया नामं नयरी होत्था, रिद्ध०। चन्दो राया। ताराइण्णे उज्जाणे। तत्थ णं मणिवइयाए नयरीए पुण्णभद्दे नामं गाहावई परिवसइ, अड्ढे०। तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरा भगवन्तो जाइसंपन्ना जाव जीवियासमरणभयविप्पमुक्का बहुस्सुया बहुपरिवारा पुव्वाणुपुव्विं जाव समोसढा। परिसा निग्गया। तए णं से पुण्णभद्दे गाहावई इमीसे कहाए लद्धट्ठे० हट्ठ० जाव जहा **पण्णत्तीए** गङ्गदत्ते तहेव निग्गच्छइ जाव निक्खन्तो जाव गुत्तबम्भयारी ॥ १४२ ॥ तए णं से पुण्णभद्दे अणगारे भगवन्ताणं अन्तिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अङ्गाइं अहिज्जइ २ त्ता बहूहिं चउत्थछट्ठट्ठम जाव भावित्ता बहूइं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ २ त्ता मासियाए संलेहणाए सट्ठिं भत्ताइं अणसणाए

जाव दो पुव्वासाढा, तत्थ जे ते णक्खत्ता जेसि णं तिण्णि सहस्सा पण्णरमुत्तरा सत्तट्ठिभागतीसइभागाणं सीमाविक्खंभो ते णं बारस, तं०-दो उत्तरापोट्ठवया जाव दो उत्तरासाढा ॥ ५९ ॥ ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं किं सया पाओ चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, किं सया सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, किं सया दुहओ पविसिय २ चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति ? ता एएसि णं छप्पण्णाए णक्खत्ताणं ण किमवि तं जं सया पाओ चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, णो सया सायं चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, णो सया दुहओ पविसित्ता २ चंदेण सद्धिं जोयं जोएंति, णत्थि राइंदियाणं वुड्ढोवुड्ढीए मुहुत्ताणं च चओवचएणं णण्णत्थ दोहिं अभीईहिं, ता एएणं दो अभीई पायंचिय पायंचिय चोत्तालीसं २ अमावासं जोएंति, णो चेव णं पुण्णिमासिणिं ॥ ६० ॥ तत्थ खलु इमाओ वावट्ठिं पुण्णिमासिणीओ वावट्ठिं अमावासाओ पण्णत्ताओ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं पढमं पुण्णिमासिणिं चंदे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि चंदे चरिमं वावट्ठिं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दुवत्तीसं भागे उवाइणावेत्ता एत्थ णं से चंदे पढमं पुण्णिमासिणिं जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं दोच्चं पुण्णिमासिणिं चंदे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि चंदे पढमं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउवीसेणं सएणं छेत्ता दुवत्तीसं भागे उवाइणावेत्ता एत्थ णं से चंदे दोच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं तच्चं पुण्णिमासिणिं चंदे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि चंदो दोच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दुवत्तीसं भागे उवाइणावेत्ता एत्थ णं से चंदे तच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं दुवालसमं पुण्णिमासिणिं चंदे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंसि णं देसंसि चंदे तच्चं पुण्णिमासिणिं जोएइ ताओ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दोण्णि अट्ठासीए भागसए उवाइणावेत्ता एत्थ णं से चंदे दुवालसमं पुण्णिमासिणिं जोएइ, एवं खलु एएणुवाएणं ताओ २ पुण्णिमासिणिट्ठाणाओ मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दुवत्तीसं भागे उवाइणावेत्ता तंसि २ देसंसि तं तं पुण्णिमासिणिं चंदे जोएइ, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छराणं चरिमं वावट्ठिं पुण्णिमासिणिं चंदे कंसि देसंसि जोएइ ? ता जंबुद्दीवस्स णं० पाईण-पडीणाययाए उदीणदाहिणाययाए जीवाए मंडलं चउव्वीसेणं सएणं छेत्ता दाहिणि-ल्लंसि चउब्भागमंडलंसि सत्तावीसं चउभागे उवाइणावेत्ता अट्ठावीसइभागे वीसहा अट्ठारसभागे उवाइणावेत्ता तिहिं भागेहिं दोहि य कलाहिं पच्चत्थिमिल्लं चउ-

पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ २६ ॥ एवं आयरियउवज्झाए य गणाओ अवक्कम्म एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, पुणो आलोएज्जा पुणो पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ २७ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म पासत्थविहारं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, अत्थि याइं थ सेसे, पुणो आलोएज्जा पुणो पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ २८ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म अहाछंदविहारं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, अत्थि याइं थ सेसे, पुणो आलोएज्जा पुणो पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ २९ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म कुसीलविहारं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, अत्थि याइं थ सेसे, पुणो आलोएज्जा पुणो पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ ३० ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म ओसण्णविहारं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, अत्थि याइं थ सेसे, पुणो आलोएज्जा पुणो पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ ३१ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म संसत्तविहारं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, अत्थि याइं थ सेसे, पुणो आलोएज्जा पुणो पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ ३२-१ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म परपासंडं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, नत्थि णं तस्स तप्पत्तियं केइ छेए वा परिहारे वा णण्णत्थ एगाए आलोयणाए[1] ॥ ३२-२ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म ओहावेज्जा, से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, नत्थि णं तस्स केइ छेए वा परिहारे वा णण्णत्थ एगाए सेहोवट्ठावणियाए ॥ ३३ ॥ भिक्खू य अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं (पडि)सेवित्ता इच्छेज्जा आलोएत्तए, जत्थेव अप्पणो आयरियउवज्झाए पासेज्जा, तेसंतियं आलोएज्जा पडिक्कमेज्जा निंदेज्जा गरहेज्जा विउट्टेज्जा विसोहेज्जा अकरणयाए अब्भुट्ठेज्जा अहारिहं तवोकम्मं पायच्छित्तं पडिवज्जेज्जा ॥ ३४ ॥ नो चेव अप्पणो आयरियउवज्झाए पासेज्जा, जत्थेव संभोइयं साहम्मियं पासेज्जा बहुस्सुयं

१ फुडीकरणमेयस्स विवाहपण्णत्तिपणवीसइमसयणियंठवत्तव्वया-ठाणचउभंगीओ तह इमस्स चेव ववहारस्स दसमुद्देसाओ णायव्वं। २ पाढंतरं-कप्पइ से तस्संतियं आलोइत्तए वा पडिक्कमित्तए वा जाव पडिवज्जित्तए ।

च रातट्ठिहा छेत्ता पण्णट्ठिं चुण्णियाभागे उवाइणावेत्ता पुणरवि से णं चंदे तेणं चेव णक्खत्तेणं जोयं जोएइ अण्णंसि देसंसि, ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं चंदे जोयं जोएइ जंसि देसंसि से णं इमाइं चउप्पण्णमुहुत्तसहस्साइं णव य मुहुत्तसयाइं उवाइणावेत्ता पुणरवि से चंदे अण्णेणं तारिसएणं चेव० जोयं जोएइ तंसि देसंसि, ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं चंदे जोयं जोएइ जंसि देसंसि से णं इमाइं एगं लक्खं णव य सहस्से अट्ठ य मुहुत्तसए उवाइणावेत्ता पुणरवि से चंदे तेणं चेव णक्खत्तेणं जोयं जोएइ तंसि देसंसि, ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं सूरे जोयं जोएइ जंसि देसंसि से णं इमाइं तिण्णि छावट्ठाइं राइंदियसयाइं उवाइणावेत्ता पुणरवि से सूरिए अण्णेणं तारिसएणं चेव णक्खत्तेणं जोयं जोएइ तंसि देसंसि, ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं सूरे जोयं जोएइ तंसि देसंसि से णं इमाइं सत्तदुवीसं राइंदियसयाइं उवाइणावेत्ता पुणरवि से सूरे तेणं चेव णक्खत्तेणं जोयं जोएइ तंसि देसंसि, ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं सूरे जोयं जोएइ जंसि देसंसि से णं इमाइं अट्ठारस वीसाइं राइंदियसयाइं उवाइणावेत्ता पुणरवि से सूरे अण्णेणं चेव णक्खत्तेणं जोयं जोएइ तंसि देसंसि, ता जेणं अज्जणक्खत्तेणं सूरे जोयं जोएइ जंसि देसंसि तेणं इमाइं छत्तीसं सट्ठाइं राइंदियसयाइं उवाइणावेत्ता पुणरवि से सूरे तेणं चेव णक्खत्तेणं जोयं जोएइ तंसि देसंसि ॥ ६७ ॥ ता जया णं इमे चंदे गइसमावण्णए भवइ तया णं इयरेवि चंदे गइसमावण्णए भवइ, जया णं इयरे चंदे गइसमावण्णए भवइ तया णं इमेवि चंदे गइसमावण्णए भवइ, ता जया णं इमे सूरिए गइसमावण्णे भवइ तया णं इयरेवि सूरिए गइसमावण्णे भवइ, जया णं इयरे सूरिए गइसमावण्णे भवइ तया णं इमेवि सूरिए गइसमावण्णे भवइ, एवं गहेवि, णक्खत्तेवि, ता जया णं इमे चंदे जुत्ते जोगेणं भवइ तया णं इयरेवि चंदे जुत्ते जोगेणं भवइ, जया णं इयरे चंदे जुत्ते जोगेणं भवइ तया णं इमेवि चंदे जुत्ते जोगेणं भवइ, एवं सूरेवि गहेवि णक्खत्तेवि, सयावि णं चंदा जुत्ता जोगेहिं सयावि णं सूरा जुत्ता जोगेहिं सयावि णं गहा जुत्ता जोगेहिं सयावि णं णक्खत्ता जुत्ता जोगेहिं दुहओवि णं चंदा जुत्ता जोगेहिं दुहओवि णं सूरा जुत्ता जोगेहिं दुहओवि णं गहा जुत्ता जोगेहिं दुहओवि णं णक्खत्ता जुत्ता जोगेहिं, मंडलं सयसहस्सेणं अट्ठाणउयाए सएहिं छेत्ता । इच्चेस णक्खत्ते खेत्तपरिभागे णक्खत्तविजए पाहुडेति आहिएत्ति-बेमि ॥ ६८ ॥ **दसमस्स पाहुडस्स बावीसइमं पाहुडपाहुडं समत्तं ॥ १०-२२ ॥ दसमं पाहुडं समत्तं ॥ १० ॥**

ता कहं ते संवच्छराणाई आहिएति वएज्जा ? तत्थ खलु इमे पंच संवच्छरा पण्णत्ता, तंजहा-चंदे २ अभिवड्डिए चंदे अभिवड्डिए, ता एएसि णं पंचण्हं संवच्छ-

करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ४६ ॥ अणवट्ठप्पं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ४७ ॥ पारंचियं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ४८ ॥ खित्तचित्तं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ४९ ॥ दित्तचित्तं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५० ॥ जक्खाइट्ठं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५१ ॥ उम्मायपत्तं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५२ ॥ उवसग्गपत्तं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५३ ॥ साहिगरणं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५४ ॥ सपायच्छित्तं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५५ ॥ भत्तपाणपडियाइक्खित्तं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५६ ॥ अट्ठजायं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स

पज्जवसिए आहिएति वएज्जा? ता जे णं चरिमस्स अभिवड्ढियसंव
णं चउत्थस्स चंदसंवच्छरस्स पज्जवसाणे अणंतरपच्छाकडे समए,
चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ? ता उत्तराहिं आसाढाहिं, उत्तराणं ‍3
लीसं मुहुत्ता चत्तालीसं च बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च
चउसट्ठी चुण्णियाभागा सेसा, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्ते
पुणव्वसुणा, पुणव्वसुस्स अउणतीसं मुहुत्ता एक्कवीसं बावट्ठिभागा मु
भागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता सीयालीसं चुण्णियाभागा सेसा। ता ए
संवच्छराणं पंचमस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स के आई आहिएति वएज्ज
चउत्थस्स चंदसंवच्छरस्स पज्जवसाणे से णं पंचमस्स अभिवड्ढियसंव
अणंतरपुरक्खडे समए, ता से णं किं पज्जवसिए आहिएति वएज्जा
पढमस्स चंदसंवच्छरस्स आई से णं पंचमस्स अभिवड्ढियसंवच्छरस्स
अणंतरपच्छाकडे समए, तं समयं च णं चंदे केणं णक्खत्तेणं जोएइ?
आसाढाहिं, उत्तराणं० चरमसमए, तं समयं च णं सूरे केणं णक्खत्तेणं
पुस्सेणं, पुस्सस्स णं एक्कवीसं मुहुत्ता तेयालीसं च बावट्ठिभागे मुहुत्तस्स
भागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता तेत्तीसं चुण्णियाभागा सेसा ॥ ६९ ॥ ए
पाहुडं समत्तं ॥ ११ ॥

ता कइ णं संवच्छरा आहितात्ति वएज्जा? तत्थ खलु इमे पंच संवच्छरा
तंजहा-णक्खत्ते चंदे उडू आइच्चे अभिवड्ढिए, ता एएसि णं पंचण्हं संव
पढमस्स णक्खत्तसंवच्छरस्स णक्खत्तमासे तीसइमुहुत्तेणं अहोरत्तेणं मि
केवइए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा? ता सत्तावीसं राइंदियाइं एक्कवीसं च
ट्ठिभागा राइंदियस्स राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहु
आहिएति वएज्जा? ता अट्ठसए एगूणवीसे मुहुत्ताणं सत्तावीसं च सत्तट्ठिभागे
त्तस्स मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता एस णं अद्धा दुवालसक्खुत्तकडा णव
संवच्छरे, ता से णं केवइए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा? ता तिण्णि सत्ता
राइंदियसए एक्कावण्णं च सत्तट्ठिभागे राइंदियस्स राइंदियग्गेणं आहिएति वए
ता से णं केवइए मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा? ता णव मुहुत्तसहस्सा अट्ठ य बत्तं
मुहुत्तसए छप्पण्णं च सत्तट्ठिभागे मुहुत्तस्स मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा। ता एए
णं पंचण्हं संवच्छराणं दोच्चस्स चंदसंवच्छरस्स चंदे मासे तीसइमुहुत्तेणं अहोरत्ते
गणिज्जमाणे केवइए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा? ता एगूणतीसं राइंदियाइं बत्तीस
बावट्ठिभागा राइंदियस्स राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहुत्त-

अपरिहारिएणं परिहारियस्स पडिग्गहंसि असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा भोत्तए वा पायए वा, कप्पइ से सयंसि वा पडिग्गहंसि पाणिंसि वा उद्धट्टु उद्धट्टु भोत्तए वा पायए वा, एस कप्पो अपरिहारियस्स परिहारियाओ ॥ ६९ ॥ परिहार-कप्पट्ठिए भिक्खू थेराणं पडिग्गहएणं वहिया थेराणं वेयावडियाए गच्छेज्जा, थेरा य णं वएज्जा-पडिग्गाहे अज्जो! तुमं पि पच्छा भोक्खसि वा पाहिसि वा, एवं से कप्पइ पडिग्गाहित्तए, तत्थ नो कप्पइ परिहारिएणं अपरिहारियस्स पडिग्गहंसि असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा भोत्तए वा पायए वा, कप्पइ से सयंसि वा पडिग्गहंसि पाणिंसि वा उद्धट्टु उद्धट्टु भोत्तए वा पायए वा, एस[ेस] कप्पो परिहारियस्स अपरिहारियाओ ॥ ७० ॥ त्ति-बेमि ॥ **ववहारस्स विइओ उद्देसओ समत्तो ॥ २ ॥**

ववहारस्स तइओ उद्देसओ

भिक्खू य इच्छेज्जा गणं धारेत्तए, भगवं च से अपलिच्छ(न्ने)ए, एवं नो से कप्पइ गणं धारेत्तए, भगवं च से पलिच्छन्ने, एवं से कप्पइ गणं धारेत्तए ॥ ७१ ॥ भिक्खू य इच्छेज्जा गणं धारेत्तए, नो से कप्पइ थेरे अणापुच्छित्ता गणं धारेत्तए, कप्पइ से थेरे आपुच्छित्ता गणं धारेत्तए, थेरा य से वियरेज्जा, एवं से कप्पइ गणं धारेत्तए, थेरा य से नो वियरेज्जा, एवं से नो कप्पइ गणं धारेत्तए, जण्णं थेरेहिं अविइण्णं गणं धारेज्जा, से संतरा छेओ वा परिहारो वा (···साहम्मिया उट्ठाए विहरंति नत्थि णं तेसिं केइ छेए वा परिहारे वा) ॥ ७२ ॥ तिवासपरियाए समणे णिग्गंथे आयार-कुसले संजमकुसले पवयणकुसले पण्णत्तिकुसले संगहकुसले उवग्गहकुसले अक्खयायारे अभिन्नायारे असवलायारे असंकिलिट्ठायारचि(चरि)त्ते बहुस्सुए बब्भागमे जहण्णेणं आयारपकप्पधरे कप्पइ उवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए ॥ ७३ ॥ सच्चेव णं से तिवास-परियाए समणे णिग्गंथे नो आयारकुसले नो संजमकुसले नो पवयणकुसले नो पण्णत्तिकुसले नो संगहकुसले नो उवग्गहकुसले खयायारे भिन्नायारे सवलायारे संकिलिट्ठायारचित्ते अप्पसुए अप्पागमे नो कप्पइ उवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए ॥ ७४ ॥ पंचवासपरियाए समणे णिग्गंथे आयारकुसले संजमकुसले पवयणकुसले पण्णत्तिकुसले संगहकुसले उवग्गहकुसले अक्खयायारे अभिन्नायारे असवलायारे असंकिलिट्ठायार-चित्ते बहुस्सुए बब्भागमे जहण्णेणं द[स]साकप्पववहारधरे कप्पइ आयरियउवज्झाय-त्ताए उद्दिसित्तए ॥ ७५ ॥ सच्चेव णं से पंचवासपरियाए समणे णिग्गंथे नो आयारकुसले नो संजमकुसले नो पवयणकुसले नो पण्णत्तिकुसले नो संगहकुसले नो उवग्गहकुसले खयायारे भिन्नायारे सवलायारे संकिलिट्ठायारचित्ते अप्पसुए अप्पागमे नो कप्पइ

वएज्जा ? ता सत्तरस एक्काणउए राइंदियसए एगूणवीसं च मुहुत्तं सत्तावण्णे बावट्ठिभागे मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता पणपण्णं चुण्णियाभागे राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता तेपण्णमुहुत्तसहस्साइं सत्त य अउणापण्णे मुहुत्तसए सत्तावण्णं बावट्ठिभागे मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता पणपण्णं चुण्णियाभागा मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता केवइए णं ते जुगप्पत्ते राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता अट्ठतीसं राइंदियाइं दस य मुहुत्ता चत्तारि य बावट्ठिभागे मुहुत्तस्स बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता दुवालस चुण्णियाभागे राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता एक्कारस पण्णासे मुहुत्तसए चत्तारि य बावट्ठिभागे बावट्ठिभागं च सत्तट्ठिहा छेत्ता दुवालस चुण्णियाभागे मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता केवइयं जुगे राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता अट्ठारसतीसे राइंदियसए राइंदियग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता चउप्पण्णं मुहुत्तसहस्साइं णव य मुहुत्तसयाइं मुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा, ता से णं केवइए बावट्ठिभागमुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ? ता चउत्तीसं सयसहस्साइं अट्ठतीसं च बावट्ठिभागमुहुत्तसए बावट्ठिभागमुहुत्तग्गेणं आहिएति वएज्जा ॥ ७१ ॥ ता कया णं एए आइच्चचंदसंवच्छरा समाइया समपज्जवसिया आहितेति वएज्जा ? ता सट्ठिं एए आइच्चमासा बावट्ठिं एए चंदमासा, एस णं अद्धा छक्खुत्तकडा दुवालसभइया तीसं एए आइच्चसंवच्छरा एक्कतीसं एए चंदसंवच्छरा, तया णं एए आइच्चचंदसंवच्छरा समाइया समपज्जवसिया आहिताति वएज्जा । ता कया णं एए आइच्चउडुचंदणक्खत्ता संवच्छरा समाइया समपज्जवसिया आहितेति वएज्जा ? ता सट्ठिं एए आइच्चमासा एगट्ठिं एए उडुमासा बावट्ठिं एए चंदमासा सत्तट्ठिं एए णक्खत्तमासा, एस णं अद्धा दुवालसक्खुत्तकडा दुवालसभइया सट्ठिं एए आइच्चा संवच्छरा एगट्ठिं एए उडुसंवच्छरा बावट्ठिं एए चंदा संवच्छरा सत्तट्ठिं एए णक्खत्ता संवच्छरा, तया णं एए आइच्चउडुचंदणक्खत्ता संवच्छरा समाइया समपज्जवसिया आहितेति वएज्जा । ता कया णं एए अभिवड्ढियआइच्चउडुचंदणक्खत्ता संवच्छरा समाइया समपज्जवसिया आहितेति वएज्जा ? ता सत्तावण्णं मासा सत्त य अहोरत्ता एक्कारस य मुहुत्ता तेवीसं बावट्ठिभागा मुहुत्तस्स एए अभिवड्ढिया मासा सट्ठिं एए आइच्चमासा एगट्ठिं एए उडुमासा बावट्ठी एए चंदमासा सत्तट्ठिं एए णक्खत्तमासा, एस णं अद्धा छप्पण्णसयक्खुत्तकडा दुवालसभइया सत्त सया चोत्ताला एए णं अभिवड्ढिया संवच्छरा, सत्त सया असीया एए णं आइच्चा संवच्छरा, सत्त सया तेणउया एए णं उडुसंवच्छरा अट्ठसया छुत्तरा

कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ८४ ॥ गणावच्छेइए गणावच्छेइयत्तं अणिक्खिवित्ता मेहुणधम्मं पडिसेवेज्जा, जावज्जीवाए तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ८५ ॥ गणावच्छेइए गणावच्छेइयत्तं णिक्खिवित्ता मेहुणधम्मं पडिसेवेज्जा, तिण्णि संवच्छराणि तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा, तिहिं संवच्छरेहिं वीइक्कंतेहिं चउत्थगंसि संवच्छरंसि पट्ठियंसि ठियस्स उवसंतस्स उवरयस्स पडिविरयस्स एवं से कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ८६ ॥ आयरियउवज्झाए आयरियउवज्झायत्तं अणिक्खिवित्ता मेहुणधम्मं पडिसेवेज्जा, जावज्जीवाए तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ८७ ॥ आयरियउवज्झाए आयरियउवज्झायत्तं णिक्खिवित्ता मेहुणधम्मं पडिसेवेज्जा, तिण्णि संवच्छराणि तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा, तिहिं संवच्छरेहिं वीइक्कंतेहिं चउत्थगंसि संवच्छरंसि पट्ठियंसि ठियस्स उवसंतस्स उवरयस्स पडिविरयस्स एवं से कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ८८ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म ओहायइ, तिण्णि संवच्छराणि तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा, तिहिं संवच्छरेहिं वीइक्कंतेहिं चउत्थगंसि संवच्छरंसि पट्ठियंसि ठियस्स उवसंतस्स उवरयस्स पडिविरयस्स एवं से कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ८९ ॥ गणावच्छेइए गणावच्छेइयत्तं अणिक्खिवित्ता ओहाएज्जा, जावज्जीवाए तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९० ॥ गणावच्छेइए गणावच्छेइयत्तं णिक्खिवित्ता ओहाएज्जा, तिण्णि संवच्छराणि तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा, तिहिं संवच्छरेहिं वीइक्कंतेहिं चउत्थगंसि संवच्छरंसि पट्ठियंसि ठियस्स उवसंतस्स उवरयस्स पडिविरयस्स एवं से कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९१ ॥ आयरियउवज्झाए आयरियउवज्झायत्तं अणिक्खिवित्ता ओहाएज्जा, जावज्जीवाए तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९२ ॥ आयरियउवज्झाए आयरियउवज्झायत्तं णिक्खिवित्ता ओहाएज्जा, तिण्णि संवच्छराणि तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा, तिहिं

वासे परघरप्पवेसे पिण्डवाओ लद्धावलद्धे उच्चावया य गामकण्टगा अहियासिज्जं तमट्ठं आराहेइ २ त्ता चरिमेहिं उस्सासनिस्सासेहिं सिज्झिहिइ बुज्झिहिइ जाव सव्व दुक्खाणं अन्तं काहिइ। निक्खेवओ ॥ १८१ ॥ **पढमं अज्झयणं समत्तं** ॥५।१

एवं सेसावि एक्कारस अज्झयणा नेयव्वा संगहणीअणुसारेण अहीणमइरि एक्कारससुवि त्तिबेमि ॥ १८२ ॥ ५ । १२ ॥ **वण्हिदसाओ समत्ताओ पञ्चमो वग्गो समत्तो** ॥ ५ ॥ **निरयावलियाइसुयक्खन्धो समत्तो समत्ताणि उवङ्गाणि** ॥

निरियावलियाइउवङ्गाणं एगो सुयक्खन्धो, पञ्च वग्गा, पञ्चसु दिवसेसु उद्दि स्सन्ति, तत्थ चउसु वग्गेसु दस दस उद्देसगा, पञ्चमवग्गे बारस उद्देसगा ॥

॥ निरयावलियाइसुत्ताइं समत्ताइं ॥

तेसिं समत्तीए

बारस उवंगाइं समत्ताइं

॥ सव्वसिलोगसंखा २५००० ॥



अप्पतइयस्स वासावासं वत्थए ॥ १०७ ॥ कप्पइ गणावच्छेइयस्स अप्पचउत्थस्स वासावासं वत्थए ॥ १०८ ॥ से गामंसि वा नगरंसि वा निगमंसि वा रायहाणीए वा खेडंसि वा कव्वडंसि वा मडंवंसि वा पट्टणंसि वा दोणमुहंसि वा आसमंसि वा संवाहंसि वा संनिवेसंसि वा वहूणं आयरियउवज्झायाणं अप्पविइयाणं वहूणं गणावच्छेइयाणं अप्पतइयाणं कप्पइ हेमंतगिम्हासु चरिए अण्णमण्णं निस्साए ॥ १०९ ॥ से गामंसि वा नगरंसि वा निगमंसि वा रायहाणीए वा खेडंसि वा कव्वडंसि वा मडंवंसि वा पट्टणंसि वा दोणमुहंसि वा आसमंसि वा संवाहंसि वा संणिवेसंसि वा वहूणं आयरियउवज्झायाणं अप्पतइयाणं वहूणं गणावच्छेइयाणं अप्पचउत्थाणं कप्पइ वासावासं वत्थए अण्णमण्णं निस्साए ॥ ११० ॥ गामाणुगामं दूइज्जमा(णे)णो भिक्खू य जं पुरओ कट्टु विह(रेज्जा से य)रइ आहच्च वीसंभेज्जा, अत्थि याइं थ अण्णे केइ उवसंपज्जणारिहे कप्पइ से(०) उवसंपज्जि(त्ताणं विहरित्तए)यव्वे, नत्थि याइं थ अण्णे केइ उवसंपज्जणारिहे, तस्स अप्पणो कप्पाए असमत्ते कप्पइ से एगराइयाए पडिमाए जण्णं जण्णं दि(सिं)सं अण्णे साहम्मिया विहरंति तण्णं तण्णं दिसं उवलित्तए, नो से कप्पइ तत्थ विहारवत्तियं वत्थए, कप्पइ से तत्थ कारणवत्तियं वत्थए, तंसि च णं कारणंसि निट्ठियंसि परो वएज्जा–वसाहि अज्जो ! एगरायं वा दुरायं वा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जं तत्थ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वसइ, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ १११ ॥ वासावासं पज्जोसवि(ए)ओ भिक्खू य जं पुरओ कट्टु विहरइ आहच्च वीसंभेज्जा, अत्थि याइं थ

अभिनिसीहियं वा चेएत्तए, थेरा य ण्हं से वियरेज्जा एव ण्हं कप्पइ एगयओ अभिनिसेज्जं वा अभिनिसीहियं वा चेएत्तए, थेरा य ण्हं से नो वियरेज्जा एव ण्हं नो कप्पइ एगयओ अभिनिसेज्जं वा अभिनिसीहियं वा चेएत्तए, जो णं थेरेहिं अविइण्णे अभिनिसेज्जं वा अभिनिसीहियं वा चेएइ, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ २१ ॥ परिहारकप्पट्ठिए भिक्खू वहिया थेराणं वेयावडियाए गच्छेज्जा, थेरा य से सरेज्जा, कप्पइ से एगराइयाए पडिमाए जण्णं २ दिसं अण्णे साहम्मिया विहरंति तण्णं २ दिसं उवलित्तए, नो से कप्पइ तत्थ विहारवत्तियं वत्थए, कप्पइ से तत्थ कारणवत्तियं वत्थए, तंसि च णं कारणंसि निट्ठियंसि परो वएज्जा–वसाहि अज्जो! एगरायं वा दुरायं वा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जं तत्थ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वसइ से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ २२ ॥ परिहारकप्पट्ठिए भिक्खू वहिया थेराणं वेयावडियाए गच्छेज्जा, थेरा य नो सरेज्जा, कप्पइ से निव्विसमाणस्स एगराइयाए पडिमाए जण्णं जण्णं दिसिं अन्ने साहम्मिया विहरंति तण्णं तण्णं दिसं उवलित्तए, नो से कप्पइ तत्थ विहारवत्तियं वत्थए, कप्पइ से तत्थ कारणवत्तियं वत्थए, तंसि च णं कारणंसि निट्ठियंसि परो वएज्जा–वसाहि अज्जो! एगरायं वा दुरायं वा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जं तत्थ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वसइ, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ २३ ॥ परिहारकप्पट्ठिए भिक्खू वहिया थेराणं वेयावडियाए गच्छेज्जा, थेरा य से सरेज्जा वा नो सरेज्जा, कप्पइ से निव्विसमाणस्स एगराइयाए पडिमाए जण्णं जण्णं दिसं अन्ने साहम्मिया विहरंति तण्णं तण्णं दिसं उवलित्तए, नो से कप्पइ तत्थ विहारवत्तियं वत्थए, कप्पइ से तत्थ कारणवत्तियं वत्थए, तंसि च णं कारणंसि निट्ठियंसि परो वएज्जा–वसाहि अज्जो! एगरायं वा दुरायं वा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जं तत्थ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वसइ, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ २४ ॥ जे भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा से य नो संथरेज्जा से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, पुणो आलोएज्जा पुणो पडिक्कमेज्जा पुणो छेयपरिहारस्स उवट्ठाएज्जा ॥ २५ ॥ गणावच्छेइए य गणाओ अवक्कम्म एगल्लविहारपडिमं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा से य नो संथरेज्जा से य इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, पुणो आलोएज्जा पुणो

वब्भागमं, तस्संतियं आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा ॥ ३५ ॥ नो चेव णं संभोइयं साहम्मियं…जत्थेव अन्नसंभोइयं साहम्मियं पासेज्जा बहुस्सुयं वब्भागमं, तस्संतियं आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा ॥ ३६ ॥ नो चेव णं अन्नसंभोइयं…जत्थेव सारूवियं पासेज्जा बहुस्सुयं वब्भागमं, तस्संतियं आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जा ॥ ३७-१ ॥ नो चेव णं सारूवियं पासेज्जा बहुस्सुयं वब्भागमं, जत्थेव समणोवासगं पच्छाकडं पासेज्जा बहुस्सुयं वब्भागमं, कप्पइ से तस्संतिए आलोएत्तए वा पडिक्कमेत्तए वा जाव पायच्छित्तं पडिवज्जेत्तए वा ॥ ३७-२ ॥ नो चेव णं समणोवासगं पच्छाकडं पासेज्जा बहुस्सुयं वब्भागमं, जत्थेव सम्मभावियं णाणिं[1] पासेज्जा, कप्पइ से तस्संतिए आलोएत्तए वा पडिक्कमेत्तए वा जाव पायच्छित्तं पडिवज्जेत्तए वा ॥ ३८ ॥ नो चेव सम्मभावियं णाणिं पासेज्जा, बहिया गामस्स वा नगरस्स वा निगमस्स वा रायहाणीए वा खेडस्स वा कब्बडस्स वा मडंबस्स वा पट्टणस्स वा दोणमुहस्स वा आसमस्स वा संवाहस्स वा संनिवेसस्स वा पाईणाभिमुहे वा उदीणाभिमुहे वा करयलपरिग्गहियं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वएज्जा—एवइया मे अवराहा, एवइक्खुत्तो अहं अवरद्धो । अरहंताणं सिद्धाणं अंतिए आलोएज्जा जाव पडिवज्जेज्जासि ॥ ३९ ॥ त्ति-बेमि ॥ **ववहारस्स पढमो उद्देसओ समत्तो ॥ १ ॥**

ववहारस्स बिइओ उद्देसओ

दो साहम्मिया एगयओ विहरंति, एगे तत्थ अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवेत्ता आलोएज्जा, ठवणिज्जं ठवइत्ता करणिज्जं वेयावडियं ॥ ४० ॥ दो साहम्मिया एगयओ विहरंति, दो वि ते अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवेत्ता आलोएज्जा, एगं तत्थ कप्पागं ठवइत्ता एगे निव्विसेज्जा, अह पच्छा से वि निव्विसेज्जा ॥ ४१ ॥ बहवे साहम्मिया एगयओ विहरंति, एगे तत्थ अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवेत्ता आलोएज्जा, ठवणिज्जं ठवइत्ता करणिज्जं वेयावडियं ॥ ४२ ॥ बहवे साहम्मिया एगयओ विहरंति, सव्वे वि ते अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवेत्ता आलोएज्जा, एगं तत्थ कप्पागं ठवइत्ता अवसेसा निव्विसेज्जा, अह पच्छा से वि निव्विसेज्जा ॥ ४३ ॥ परिहारकप्पट्ठिए भिक्खू गिलायमाणे अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवेत्ता आलोएज्जा, से य संथरेज्जा ठवणिज्जं ठवइत्ता करणिज्जं वेयावडियं ॥ ४४ ॥ से य नो संथरेज्जा अणुपरिहारिएणं करणिज्जं वेयावडियं, से तं अणुपरिहारिएणं कीरमाणं वेयावडियं साइज्जेज्जा, से वि कसिणे तत्थेव आरुहेयव्वे सिया ॥ ४५ ॥ परिहारकप्पट्ठियं भिक्खुं गिलायमाणं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स निज्जूहित्तए, अगिलाए तस्स

१ गिहत्थं अदुवा देवं पुव्वपालियसंजमाणुभावा जाणियपायच्छित्तविहिं ।

करणिज्जं वेयावडियं जाव तओ रोगायंकाओ विप्पमुक्को, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नामं ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ ५७ ॥ अणवट्ठप्पं भिक्खुं अगिहिभूयं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स उवट्ठावेत्तए ॥ ५८ ॥ अणवट्ठप्पं भिक्खुं गिहिभूयं कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स उवट्ठावेत्तए ॥ ५९ ॥ पारंचियं भिक्खुं अगिहिभूयं नो कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स उवट्ठावेत्तए ॥ ६० ॥ पारंचियं भिक्खुं गिहिभूयं कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स उवट्ठावेत्तए ॥ ६१ ॥ अणवट्ठप्पं भिक्खुं अगिहिभूयं वा गिहिभूयं वा कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स उवट्ठावेत्तए, जहा तस्स गणस्स पत्तियं सिया ॥ ६२ ॥ पारंचियं भिक्खुं अगिहिभूयं वा गिहिभूयं वा कप्पइ तस्स गणावच्छेइयस्स उवट्ठावेत्तए, जहा तस्स गणस्स पत्तियं सिया ॥ ६३ ॥ दो साहम्मिया एगओ विहरंति, एगे तत्थ अण्णयरं अकिच्चट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा–अहं णं भंते! अमुगेणं साहुणा सद्धिं इमम्मि कारणम्मि पडिसेवी, से य पुच्छियव्वे, किं पडिसेवी? से य वएज्जा–पडिसेवी, परिहारपत्ते, से य वएज्जा–नो पडिसेवी, नो परिहारपत्ते, जं से पमाणं वयइ से पमाणाओ घेयव्वे, से किमाहु भंते (!)? सच्चपइन्ना ववहारा ॥ ६४ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म ओहाणुप्पे(हिए)ही वज्जे(गच्छे)ज्जा, से य (आहच्च) अणोहाइए इच्छेज्जा दोच्चं पि तमेव गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, तत्थ णं थेराणं इमेयारूवे विवाए समुप्पज्जित्था–इमं भो! जाणह किं पडिसेवी? से य पुच्छियव्वे, किं पडिसेवी? से य वएज्जा–पडिसेवी, परिहारपत्ते, से य वएज्जा–नो पडिसेवी, नो परिहारपत्ते, जं से पमाणं वयइ से पमाणाओ घेयव्वे, से किमाहु भंते? सच्चपइन्ना ववहारा ॥ ६५ ॥ एगपक्खियस्स भिक्खुस्स कप्पइ आयरियउवज्झायाणं इत्तरियं दिसं वा अणुदिसं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा, जहा वा तस्स गणस्स पत्तियं सिया ॥ ६६ ॥ बहवे परिहारिया बहवे अपरिहारिया इच्छेज्जा एगयओ एगमासं वा दुमासं वा तिमासं वा चउमासं वा पंचमासं वा छम्मासं वा वत्थए, ते अण्णमण्णं संभुंजंति अण्णमण्णं नो संभुंजंति (एग) मासं(···मासंते), तओ पच्छा सव्वे वि एगयओ संभुंजंति ॥ ६७ ॥ परिहारकप्पट्ठियस्स भिक्खुस्स नो कप्पइ असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा दाउं वा अणुप्पदाउं वा, थेरा य णं वएज्जा–इमं ता अज्जो! तुमं एएसिं देहि वा अणुप्पएहि वा, एवं से कप्पइ दाउं वा अणुप्पदाउं वा, कप्पइ से लेवं अणुजाणावेत्तए, अणुजाणह तं लेवाए? एवं से कप्पइ लेवं अणुजाणावेत्तए ॥ ६८ ॥ परिहारकप्पट्ठिए भिक्खू सएणं पडिग्गहेणं बहिया थेराणं वेयावडियाए गच्छेज्जा, थेरा य णं वएज्जा–पडिग्गाहे(हि) अज्जो! अहं पि भोक्खामि वा पाहामि वा, एवं से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए, तत्थ नो कप्पइ

आयरियउवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए ॥ ७६ ॥ अट्ठवासपरियाए समणे णिग्गंथे आयारकुसले संजमकुसले पवयणकुसले पण्णत्तिकुसले संगहकुसले उवग्गहकुसले अक्खयायारे अभिन्नायारे असवलायारे असंकिलिट्ठायारचित्ते वहुस्सुए वब्भागमे जहण्णेणं ठाणसमवायधरे कप्पइ आयरियत्ताए जाव गणावच्छेइयत्ताए उद्दिसित्तए ॥ ७७ ॥ सच्चेव णं से अट्ठवासपरियाए समणे णिग्गंथे नो आयारकुसले नो संजमकुसले नो पवयणकुसले नो पण्णत्तिकुसले नो संगहकुसले नो उवग्गहकुसले खयायारे भिन्नायारे सवलायारे संकिलिट्ठायारचित्ते अप्पसुए अप्पागमे नो कप्पइ आयरियत्ताए जाव गणावच्छेइयत्ताए उद्दिसित्तए ॥ ७८ ॥ निरुद्धपरियाए समणे णिग्गंथे कप्पइ तद्दिवसं आयरियउवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए, से किमाहु भंते? अत्थि णं थेराणं तहारूवाणि कुलाणि कडाणि पत्तियाणि थेज्जाणि वेसासियाणि संमयाणि सम्मुइकराणि अणुमयाणि वहुमयाणि भवंति, तेहिं कडेहिं तेहिं पत्तिएहिं तेहिं थेज्जेहिं तेहिं वेसासिएहिं तेहिं संमएहिं तेहिं सम्मुइकरेहिं तेहिं अणुमएहिं तेहिं वहुमएहिं जं से निरुद्धपरियाए समणे णिग्गंथे कप्पइ आयरियउवज्झायत्ताए उद्दिसित्ताए तद्दिवसं ॥ ७९ ॥ निरुद्धवासपरियाए समणे णिग्गंथे कप्पइ आयरियउवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए समुच्छेयकप्पंसि, तस्स णं आयारपकप्पस्स देसे अवट्ठिए, से य अहिज्जिस्सामित्ति अहिज्जेज्जा, एवं से कप्पइ आयरियउवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए, से य अहिज्जिस्सामित्ति नो अहिज्जेज्जा, एवं से नो कप्पइ आयरियउवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए ॥ ८० ॥ णिग्गंथस्स णं नवडहरतरुणस्स आयरियउवज्झाए वी(सुं)संभेज्जा, नो से कप्पइ अणायरियउवज्झायस्स होत्तए, कप्पइ से पुव्वं आयरियं उद्दिसावेत्ता तओ पच्छा उवज्झायं, से किमाहु भंते? दुसंगहिए समणे णिग्गंथे, तंजहा—आयरिएणं उवज्झाएण य ॥ ८१ ॥ णिग्गंथीए णं नवडहरतरुणीए आयरियउवज्झाए प(वि)वत्तिणी य वीसंभेज्जा, नो से कप्पइ अणायरियउवज्झाइयाए अपवत्तिणीए होत्तए, कप्पइ से पुव्वं आयरियं उद्दिसावेत्ता तओ उवज्झायं तओ पच्छा पवत्तिणिं; से किमाहु भंते? तिसंगहिया समणी णिग्गंथी, तंजहा—आयरिएणं उवज्झाएणं पवत्तिणीए य ॥ ८२ ॥ भिक्खू गणाओ अणिक्खिवित्ता मेहुणधम्मं पडिसेविज्जा, जावजीवाए तस्स तप्पत्तियं नो से कप्पइ आयरियत्तं वा उवज्झायत्तं वा पवत्तित्तं वा थेरत्तं वा गणित्तं वा गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारित्तए वा ॥ ८३ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म मेहुणधम्मं पडिसेवेज्जा, तिण्णि संवच्छराणि तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा, तिहिं संवच्छरेहिं वीइक्कंतेहिं चउत्थगंसि संवच्छरंसि प(उव)ट्ठियंसि ठियस्स उवसंतस्स उवरयस्स पडिविरयस्स (णिव्विकारस्स) एवं से

॥ २०७ ॥ से अहालहुसगं सेज्जासंथारगं जाए(गवेसे)ज्जा जं चक्किया एगेणं हत्थेणं ओगिज्झ जाव एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा चउयाहं वा पं(चाहं वा दूरमवि)चगाहं वा अद्धाणं परिवहित्तए, एस मे वुड्ढावासासु भविस्सइ ॥ २०८ ॥ थेराणं थेरभूमिपत्ताणं कप्पइ दंडए वा भंडए वा मत्तए वा चेले वा चेलचिलमिली वा अविरहिए ओवासे ठवेत्ता गाहावइकुलं पिंडवायपडिया(भत्ताए वा पाणा)ए (वा) पविसित्तए वा णिक्खमित्तए वा, कप्पइ ण्हं संणियट्टचारीणं दोच्चं पि ओग्गहं अणुण्णवेत्ता (परिहारं) परिहरित्तए ॥ २०९ ॥ नो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा पाडिहारियं वा सागारियसंतियं वा सेज्जासंथारगं दोच्चं पि ओग्गहं अणणुण्णवेत्ता वहिया नीहरित्तए ॥ २१० ॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा पाडिहारियं वा सागारियसंतियं वा सेज्जासंथारगं दोच्चं पि ओग्गहं अणुण्णवेत्ता वहिया नीहरित्तए ॥ २११ ॥ नो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा पाडिहारियं वा सागारियसंतियं वा सेज्जासंथारगं सव्वप्पणा अ(पच्च)प्पिणित्ता दोच्चं पि (तमेव) ओग्गहं अणणुण्णवेत्ता अहिट्ठित्तए, कप्पइ (०) अणुण्णवेत्ता (०) ॥ २१२ ॥ नो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा पुव्वामेव ओग्गहं ओगिण्हित्ता तओ पच्छा अणुण्णवेत्तए ॥ २१३ ॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा पुव्वामेव ओग्गहं अणुण्णवेत्ता तओ पच्छा ओगिण्हित्तए ॥ २१४ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा, इह खलु णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा नो सुलभे पाडिहारिए सेज्जासंथारए त्ति कट्टु एवं ण्हं कप्पइ पुव्वामेव ओग्गहं ओगिण्हित्ता तओ पच्छा अणुण्णवेत्तए, मा व(टु)ह(ओ)उ अज्जो० व(त्तियं)इ अणुलोमेणं अणुलोमेयव्वे सिया ॥ २१५ ॥ णिग्गंथस्स णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठस्स अहालहुसए उवगरणजाए परिब्भट्ठे सिया, तं च केइ साहम्मिए पासेज्जा, कप्पइ से सागारकडं गहाय जत्थेव (ते) अण्णमण्णं पासेज्जा तत्थेव एवं वएज्जा–इ(मं ते)मे भे अज्जो! किं परिण्णाए? से य वएज्जा–परिण्णाए, तस्सेव पडिणिज्जाएयव्वे सिया, से य वएज्जा–नो परिण्णाए, तं नो अप्पणा परिभुं(जए)जेज्जा नो अ(ण्णेसिं)ण्णमणस्स दावए, एगंते वहुफासुए (पएसे पडिलेहित्ता) थंडिल्ले परिट्ठवेयव्वे सिया ॥ २१६ ॥ णिग्गंथस्स णं वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा णिक्खंतस्स अहालहुसए उवगरणजाए परिब्भट्ठे सिया, तं च केइ साहम्मिए पासेज्जा, कप्पइ से सागारकडं गहाय जत्थेव अण्णमण्णं पासेज्जा तत्थेव एवं वएज्जा–इमे (ते) भे अज्जो! किं परिण्णाए? से य वएज्जा–परिण्णाए, तस्सेव पडिणिज्जाएयव्वे सिया, से य वएज्जा–नो परिण्णाए, तं नो अप्पणा परिभुंजेज्जा नो अण्णमण्णस्स दावए, एगंते वहुफासुए थंडिल्ले परिट्ठवेयव्वे सिया ॥ २१७ ॥

संवच्छरेहिं वीइक्कंतेहिं चउत्थगंसि संवच्छरंसि पट्ठियंसि ठियस्स उवसंतस्स उवरयस्स पडिविरयस्स एवं से कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९३ ॥ भिक्खू य बहुस्सुए बब्भागमे बहुसो बहुआगाढागाढेसु कारणेसु माई मुसावाई असुई पावजीवी, जावज्जीवाए तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९४ ॥ गणावच्छेइए बहुस्सुए बब्भागमे बहुसो बहुआगाढागाढेसु कारणेसु माई मुसावाई असुई पावजीवी, जावज्जीवाए तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९५ ॥ आयरियउवज्झाए बहुस्सुए बब्भागमे बहुसो बहुआगाढागाढेसु कारणेसु माई मुसावाई असुई पावजीवी, जावज्जीवाए तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९६ ॥ बहवे भिक्खुणो बहुस्सुया बब्भागमा बहुसो बहुआगाढागाढेसु कारणेसु माई मुसावाई असुई पावजीवी, जावज्जीवाए तेसिं तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९७ ॥ बहवे गणावच्छेइया बहुस्सुया बब्भागमा बहुसो बहुआगाढागाढेसु कारणेसु माई मुसावाई असुई पावजीवी, जावज्जीवाए तेसिं तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९८ ॥ बहवे आयरियउवज्झाया बहुस्सुया बब्भागमा बहुसो बहुआगाढागाढेसु कारणेसु माई मुसावाई असुई पावजीवी, जावज्जीवाए तेसिं तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ ९९ ॥ बहवे भिक्खुणो बहवे गणावच्छेइया बहवे आयरियउवज्झाया बहुस्सुया बब्भागमा बहुसो बहुआगाढागाढेसु कारणेसु माई मुसावाई असुई पावजीवी, जावज्जीवाए तेसिं तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ १०० ॥ त्ति-बेमि ॥ **ववहारस्स तइओ उद्देसओ समत्तो ॥ ३ ॥**

ववहारस्स चउत्थो उद्देसओ

नो कप्पइ आयरियउवज्झायस्स एगाणियस्स हेमन्तगिम्हासु चरि(त्त)ए ॥ १०१ ॥ कप्पइ आयरियउवज्झायस्स अप्पबिइयस्स हेमंतगिम्हासु चरि(चार)ए ॥ १०२ ॥ नो कप्पइ गणावच्छेइयस्स अप्पबिइयस्स हेमंतगिम्हासु चरिए ॥ १०३ ॥ कप्पइ गणावच्छेइयस्स अप्पतइयस्स हेमंतगिम्हासु चरिए ॥ १०४ ॥ नो कप्पइ आयरियउवज्झायस्स अप्पबिइयस्स वासावासं वत्थए ॥ १०५ ॥ कप्पइ आयरियउवज्झायस्स अप्पतइयस्स वासावासं वत्थए ॥ १०६ ॥ नो कप्पइ गणावच्छेइयस्स

भुंजइ निट्ठिए निसट्ठे पाडिहारिए, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२७॥ सागारियस्स दासे वा वेसे वा भयए वा भइण्णए वा वाहिं वगडाए भुंजइ निट्ठिए निसट्ठे अपाडिहारिए, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२८ ॥ सागारिय(स्स)णायए सिया सागारियस्स एगवगडाए अंतो (सागारियस्स) एगपयाए सागारियं चो(च उ)वजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२९ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स एगवगडाए अंतो अभिणिपयाए सागारियं चोवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३० ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स एगवगडाए वाहिं एगपयाए सागारियं चोवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३१ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स एगवगडाए वाहिं अभिणिपयाए सागारियं चोवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३२ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स अभिणिव्वगडाए एगदुवाराए एगणिक्खमणपवेसाए अंतो एगपयाए सागारियं चोवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३३ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स अभिणिव्वगडाए एगदुवाराए एगणिक्खमणपवेसाए अंतो अभिणिपयाए सागारियं चोवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३४ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स अभिणिव्वगडाए एगदुवाराए एगणिक्खमणपवेसाए वाहिं एगपयाए सागारियं चोवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३५ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स अभिणिव्वगडाए एगदुवाराए एगणिक्खमणपवेसाए वाहिं अभिणिपयाए सागारियं चोवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३६ ॥ सागारियस्स चक्कियासाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३७ ॥ सागारियस्स चक्कियासाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३८ ॥ सागारियस्स गोलियसाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २३९ ॥ सागारियस्स गोलियसाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४० ॥ सागारियस्स वो(वो)धियसाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४१ ॥ सागारियस्स वोधियसाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४२ ॥ सागारियस्स दोसियसाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४३ ॥ सागारियस्स दोसियसाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४४ ॥ सागारियस्स सोत्तियसाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से

वएज्जा–दुस्समुक्किट्ठं ते अज्जो! निक्खिवाहि, तस्स णं निक्खिवमाणस्स नत्थि केइ छेए वा परिहारे वा, जे (तं) साहम्मिया अहाकप्पेणं नो उट्ठाए विहरं(अब्भुट्ठें)-ति (तेसिं) सव्वेसिं तेसिं तप्पत्तियं छेए वा परिहारे वा ॥ ११३ ॥ आयरिय-उवज्झाए ओहायमाणे अण्णयरं वएज्जा–अज्जो! ममंसि णं ओहावियंसि समाणंसि अयं समुक्कसियव्वे, से य समुक्कसणारिहे समुक्कसियव्वे, से य नो समुक्कसणारिहे नो समुक्कसियव्वे, अत्थि याइं थ अण्णे केइ समुक्कसणारिहे समुक्कसियव्वे, नत्थि याइं थ अण्णे केइ समुक्कसणारिहे से चेव समुक्कसियव्वे, तंसि च णं समुक्किट्ठंसि परो वएज्जा–दुस्समुक्किट्ठं ते अज्जो! निक्खिवाहि, तस्स णं निक्खिवमाणस्स नत्थि केइ छेए वा परिहारे वा, जे साहम्मिया अहाकप्पेणं नो उट्ठाए विहरंति सव्वेसिं तेसिं तप्पत्तियं छेए वा परिहारे वा ॥ ११४ ॥ आयरियउवज्झाए सरमाणे (परं) जाव चउरायपंचरायाओ कप्पागं भिक्खुं नो उवट्ठावेइ, कप्पाए अत्थि याइं थ से केइ माणणिज्जे कप्पाए, नत्थि से केइ छेए वा परिहारे वा, नत्थि याइं थ से केइ माणणिज्जे कप्पए, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ ११५ ॥ आयरियउवज्झाए असरमाणे परं चउ(पंच)रायाओ कप्पागं भिक्खुं नो उवट्ठावेइ, कप्पाए अत्थि याइं थ से केइ माणणिज्जे कप्पाए, नत्थि से केइ छेए वा परिहारे वा, नत्थि याइं थ से केइ माणणिज्जे कप्पाए, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ ११६ ॥ आयरिय-उवज्झाए सरमाणे वा असरमाणे वा परं दसरायकप्पाओ कप्पागं भिक्खुं नो उवट्ठावेइ, कप्पाए अत्थि याइं थ से केइ माणणिज्जे कप्पाए, नत्थि से केइ छेए वा परिहारे वा, नत्थि याइं थ से केइ माणणिज्जे कप्पाए, संवच्छरं तस्स तप्पत्तियं नो कप्पइ आयरियत्तं (जाव) उद्दिसित्तए (०) ॥ ११७ ॥ भिक्खू य गणाओ अवक्कम्म अण्णं गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरेज्जा, तं च केइ साहम्मिए पासित्ता वएज्जा–कं अज्जो! उवसंपज्जित्ताणं विहरसि? जे तत्थ सव्वराइणिए तं वएज्जा, राइणिए तं वएज्जा। अह भंते! कस्स कप्पाए? जे तत्थ सव्वबहुस्सुए तं वएज्जा, जं वा से भगवं वक्खइ तस्स आणाउववायवयणणिद्देसे चिट्ठिस्सामि ॥ ११८ ॥ बहवे साहम्मिया इच्छेज्जा एगयओ अभिणिचारियं चारए, कप्पइ नो ण्हं थेरे अणापुच्छित्ता एगयओ अभिणि-चारियं चारए, कप्पइ ण्हं थेरे आपुच्छित्ता एगयओ अभिणिचारियं चारए, थेरा य से वियरेज्जा ए(वं)वण्हं कप्पइ एगयओ अभिणिचारियं चारए, थेरा य से नो वियरेज्जा एव ण्हं नो कप्पइ एगयओ अभिणिचारियं चारए, जं तत्थ थेरेहिं अवि-इण्णे अभिणिचारियं चरंति, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ ११९ ॥ चरियापविट्ठे

१ णाणाइयणिमित्तं।

तीरिया किट्टिया अणुपालिया भवइ ॥ २६३ ॥ दसदसमिया णं भिक्खुपडिमा एगेणं राइंदियसएणं अद्धछट्ठेहि य भिक्खासएहिं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्मं फासिया पालिया तीरिया किट्टिया अणुपालिया भवइ ॥ २६४ ॥ दो पडिमाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-खुड्डिया वा (चेव) मोयपडिमा महल्लिया वा मोयपडिमा, खुड्डियण्णं मोयपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स कप्पइ पढ(मेसरद)मणिदाहकालसमयंसि वा चरिमणिदाहकालसमयंसि वा वहिया गामस्स वा जाव रायहाणीए (संणिवेसंसि) वा वणंसि वा वणदुग्गंसि वा पव्वयंसि वा पव्वयदुग्गंसि वा, भोच्चा आरुभइ चोद्दसमेणं पारेइ, अभोच्चा आरुभइ सोलसमेणं पारेइ, एवं खलु एसा खुड्डिया मोयपडिमा अहासुत्तं जाव अणुपालित्ता भवइ ॥ २६५ ॥ महल्लियण्णं मोयपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स कप्पइ से पढमणिदाहकालसमयंसि वा चरिमणिदाहकालसमयंसि वा वहिया गामस्स वा जाव रायहाणीए वा वणंसि वा वणदुग्गंसि वा पव्वयंसि वा पव्वयदुग्गंसि वा, भोच्चा आरुभइ, सोलसमेणं पारेइ, अभोच्चा आरुभइ, अट्ठारसमेणं पारेइ, एवं खलु एसा महल्लिया मोयपडिमा अहासुत्तं जाव अणुपालित्ता भवइ ॥ २६६ ॥ संखादत्तियस्स णं (भिक्खुस्स पडिग्गहधारिस्स गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठस्स) जावइयं केइ अंतो पडिग्गहंसि उ(वित्ता)वइत्तु दलएज्जा तावइयाओ (ताओ) दत्तीओ वत्तव्वं सिया, तत्थ से केइ छ[प्प]व्वएण वा दू(दुर)सएण वा वालएण वा अंतो पडिग्गहंसि उवित्ता दलएज्जा, सा (सव्वा) वि णं सा एगा दत्ती वत्तव्वं सिया, तत्थ से वहवे भुंजमाणा सव्वे ते सयं (२) पिं(डसाहणियं)डं अंतो पडिग्गहंसि उवित्ता दलएज्जा, सव्वा वि णं सा एगा दत्ती वत्तव्वं सिया ॥ २६७ ॥ (संखादत्तियस्स णं भिक्खुस्स) पाणिपडिग्गहियस्स णं (गा०) जावइयं केइ अंतो पाणिंसि उवइत्तु दलएज्जा तावइयाओ दत्तीओ वत्तव्वं सिया, तत्थ से केइ छव्वएण वा दूसएण वा वालएण वा अंतो पाणिंसि उवित्ता दलएज्जा, सा वि णं सा एगा दत्ती वत्तव्वं सिया, तत्थ से वहवे भुंजमाणा सव्वे ते सयं (···एगं) पिं(ड)डं अंतो पाणिंसि उवित्ता दलएज्जा, सव्वा वि णं सा एगा दत्ती वत्तव्वं सिया ॥ २६८ ॥ तिविहे उवहडे पण्णत्ते, तंजहा-सुद्धोवहडे फलिओवहडे संसट्ठोवहडे ॥ २६९ ॥ तिविहे ओग्गहिए पण्णत्ते, तंजहा-जं च ओगिण्हइ, जं च साहरइ, जं च आसगंसि पक्खिवइ, एगे एवमाहंसु ॥ २७० ॥ (एगे पुण एव माहंसु) दुविहे ओग्गहिए पण्णत्ते, तंजहा-जं च ओगिण्हइ, जं च आसगंसि पक्खिवइ ॥ २७१ ॥ त्ति-वेमि ॥ ववहारस्स णवमो उद्देसओ समत्तो ॥ ९ ॥

ववहारस्स दसमो उद्देसओ

दो पडिमाओ पण्णत्ताओ, तंजहा-जवमज्झा य चंदपडिमा वइरमज्झा य

णंति नो संठवेज्जा, एवं से नो कप्पइ पवत्तिणित्तं वा गणावच्छेइणित्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ १४८ ॥ थेराणं थेरभूमिपत्ताणं आयारपकप्पे नामं अज्झयणे परिब्भट्ठे सिया, कप्पइ तेसिं संठवेत्ताण वा असंठवेत्ताण वा आयरियत्तं वा जाव गणावच्छेइयत्तं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ १४९ ॥ थेराणं थेरभूमिपत्ताणं आयारपकप्पे नामं अज्झयणे परिब्भट्ठे सिया, कप्पइ तेसिं संनिसण्णाण वा संतुयट्टाण वा उत्ताणयाण वा पासिल्लयाण वा आयारपकप्पं नामं अज्झयणं दोच्चं पि तच्चं पि पडिपुच्छित्तए वा पडिसारेत्तए वा ॥ १५० ॥ जे णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य संभोइया सिया, नो ण्हं कप्पइ अण्णमण्णस्स अंतिए आलोएत्तए, अत्थि याइं (थ) ण्हं केइ आलोयणारिहे, कप्पइ ण्हं तस्स अंतिए आलोइत्तए, नत्थि याइं ण्हं केइ आलोयणारिहे, एव ण्हं कप्पइ अण्णमण्णस्स अंतिए आलोएत्तए ॥ १५१ ॥ जे णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य संभोइया सिया, नो ण्हं कप्पइ अण्णम(ण्णस्स अंतिए)ण्णेणं वेयावच्चं कारवेत्तए, अत्थि याइं ण्हं केइ वेयावच्चकरे कप्पइ ण्हं वेयावच्चं कारवेत्तए, नत्थि याइं ण्हं केइ वेयावच्चकरे एव ण्हं कप्पइ अण्णमण्णेणं वेयावच्चं कारवेत्तए ॥ १५२ ॥ णिग्गंथं च णं राओ वा वियाले वा दीहपट्ठो लूसेज्जा, इत्थी वा पुरिसस्स ओमावेज्जा पुरिसो वा इत्थीए ओमावेज्जा, एवं से कप्पइ, एवं से चिट्ठइ, परिहारं च से न(णो) पाउणइ–एस कप(पो)पे थेरकप्पियाणं, एवं से नो कप्पइ, एवं से नो चिट्ठइ, परिहारं च नो पाउणइ–एस कप्पे जिणकप्पियाणं ॥ १५३ ॥ ति–बेमि ॥ **ववहारस्स पंचमो उद्देसओ समत्तो** ॥ ५ ॥

ववहारस्स छट्ठो उद्देसओ

भिक्खू य इच्छेज्जा नायविहं एत्तए, नो (से) कप्पइ थेरे अणापुच्छित्ता नायविहं एत्तए, कप्पइ (से) थेरे आपुच्छित्ता नायविहं एत्तए, थेरा य से वियरेज्जा, एवं से कप्पइ नायविहं एत्तए, थेरा य से नो वियरेज्जा, एवं से नो कप्पइ नायविहं एत्तए, जं (जे) तत्थ थेरेहिं अविइण्णे नायविहं एइ, से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ १५४ ॥ नो से कप्पइ अप्पसुयस्स अप्पागमस्स एगाणियस्स नायविहं एत्तए ॥ १५५ ॥ कप्पइ से जे तत्थ बहुस्सुए बब्भागमे तेण सद्धिं नायविहं एत्तए ॥ १५६ ॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते चाउलोदणे पच्छाउत्ते भिलिंगसूवे, कप्पइ से चाउलोदणे पडिग्गा(हि)हेत्तए, नो से कप्पइ भिलिंगसूवे पडिग्गाहेत्तए॥ १५७॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते भिलिंगसूवे पच्छाउत्ते चाउलोदणे, कप्पइ से भिलिंगसूवे पडिग्गाहेत्तए, नो से कप्पइ चाउलोदणे पडिग्गाहेत्तए ॥ १५८ ॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं दो वि पुव्वाउत्ते कप्पइ से दो वि पडिग्गाहेत्तए ॥ १५९ ॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं दो वि पच्छाउत्ते नो से कप्पइ दो वि पडिग्गाहेत्तए ॥ १६० ॥ जे से तत्थ पुव्वा-

कप्पइ एक्कारस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, पंचमीए कप्पइ दस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, छट्ठीए कप्पइ णव दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, सत्तमीए कप्पइ अट्ठ दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, अट्ठमीए कप्पइ सत्त दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, णवमीए कप्पइ छ दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, दसमीए कप्पइ पंच दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, एक्कारसीए कप्पइ चउदत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, वारसीए कप्पइ तिदत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, तेरसीए कप्पइ दो दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, चउद्दसीए कप्पइ एगा दत्ती भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, अमावासाए से य अभत्तट्ठे भवइ, एवं खलु एसा जवमज्झचंदपडिमा अहासुत्तं अहाकप्पं जाव अणुपालित्ता भवइ ॥ २७३ ॥ वइरमज्झण्णं चंदपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स मासं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केइ परिसहोवसग्गा समुप्पज्जंति; तंजहा–दिव्वा वा माणुस्सगा वा तिरिक्खजोणिया वा अणुलोमा वा पडिलोमा वा, तत्थ अणुलोमा वा ताव वंदेज्जा वा नमंसेज्जा वा सक्कारेज्जा वा सम्माणेज्जा वा कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासेज्जा, तत्थ पडिलोमा वा अण्णयरेणं दंडेण वा लट्ठीण वा मुट्ठीण वा जोत्तेण वा वेत्तेण वा कसेण वा काए आउट्टेज्जा, ते सव्वे उप्पण्णे सम्मं सहेज्जा खमेज्जा तिइक्खेज्जा अहियासेज्जा ॥ २७४ ॥ वइरमज्झण्णं चंदपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स वहुलपक्खस्स पाडिवए कप्पइ पण्णरस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए पण्णरस पाणगस्स सव्वेहिं दुप्पयचउप्पयाइएहिं आहारकंखेहिं जाव णो आहारेज्जा, विइयाए से कप्पइ चउद्दस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए जाव णो आहारेज्जा, तइयाए कप्पइ तेरस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, चउत्थीए कप्पइ वारस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, पंचमीए कप्पइ एगारस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, छट्ठीए कप्पइ दस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, सत्तमीए कप्पइ णव दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, अट्ठमीए कप्पइ अट्ठ दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, णवमीए कप्पइ सत्त दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, दसमीए कप्पइ छ दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, एगारसीए कप्पइ पंच दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, वारसीए कप्पइ चउदत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, तेरसीए कप्पइ तिण्णि दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, चउदसीए कप्पइ दो दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, अमावासाए कप्पइ एगा दत्ती भोयणस्स पडिगाहेत्तए जाव णो आहारेज्जा, सुक्कपक्खस्स पाडिवए से कप्पइ दो

हारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १७५ ॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा णिग्गंथिं (अण्णगणाओ आगयं) खुयायारं सवलायारं भिन्नायारं संकिलिट्ठायारचित्तं तस्स ठाणस्स अणालोयावेत्ता अपडिक्कमावेत्ता अनिंदावेत्ता अगरहावेत्ता अविउट्टावेत्ता अविसोहावेत्ता अकरणाए अणब्भुट्ठावेत्ता अहारिहं पायच्छित्तं अपडिवज्जावेत्ता (पुच्छित्तए वा वाइत्तए वा) उवट्ठावेत्तए वा संभुंजित्तए वा संवसित्तए वा तेसिं (तीसे) इत्तरियं दिसं वा अणुदिसं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ १७६ ॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा णिग्गंथिं अण्णगणाओ आगयं खुयायारं सवलायारं भिन्नायारं संकिलिट्ठायारचित्तं तस्स ठाणस्स आलोयावेत्ता पडिक्कमावेत्ता निंदावेत्ता गरहावेत्ता विउट्टावेत्ता अकरणाए अब्भुट्ठावेत्ता अहारिहं पायच्छित्तं पडिवज्जावेत्ता उवट्ठावेत्तए वा संभुंजित्तए वा संवसित्तए वा तेसिं इत्तरियं दिसं वा अणुदिसं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ १७७ ॥ त्ति-बेमि ॥ **ववहारस्स छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥ ६ ॥**

ववहारस्स सत्तमो उद्देसओ

जे णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य संभोइया सिया, नो कप्पइ णिग्गंथीणं णिग्गंथे अणापुच्छित्ता णिग्गंथिं अण्णगणाओ आगयं खुयायारं सवलायारं भिन्नायारं संकिलिट्ठायारचित्तं तस्स ठाणस्स अणालोयावेत्ता जाव पायच्छित्तं अपडिवज्जावेत्ता पुच्छित्तए वा वाएत्तए वा उवट्ठावेत्तए वा संभुंजित्तए वा संवसित्तए वा तीसे इत्तरियं दिसं वा अणुदिसं वा उद्दिसित्तए वा धारेत्तए वा ॥ १७८ ॥ जे णिग्गंथा य णिग्गंथीओ य संभोइया सिया, कप्पइ णिग्गंथीणं णिग्गंथे आपुच्छित्ता णिग्गंथिं अण्णगणाओ आगयं खुयायारं सवलायारं भिन्नायारं संकिलिट्ठायारचित्तं तस्स ठाणस्स आलोयावेत्ता जाव पायच्छित्तं पडिवज्जावेत्ता पुच्छित्तए वा वाएत्तए वा उवट्ठावेत्तए वा संभुंजित्तए वा संवसित्तए वा तीसे इत्तरियं दिसं वा अणुदिसं वा

माणकरे ॥ २७९ ॥ चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा-गणसो(भ)हकरे णामं एगे णो माणकरे, माणकरे णामं एगे णो गणसोहकरे, एगे गणसोहकरे वि माणकरे वि, एगे णो गणसोहकरे णो माणकरे ॥ २८० ॥ चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तं०-गणसोहिकरे णामं एगे णो माणकरे, माणकरे णामं एगे णो गणसोहिकरे, एगे गणसोहिकरे वि माणकरे वि, एगे णो गणसोहिकरे णो माणकरे ॥ २८१ ॥ चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा-रूवं णामेगे जहइ णो धम्मं, धम्मं णामेगे जहइ नो रूवं, एगे रूवं पि जहइ धम्मं पि जहइ, एगे णो रूवं जहइ णो धम्मं जहइ ॥ २८२ ॥ चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा-धम्मं णामेगे जहइ णो गणसंठिइं, गणसंठिइं णामेगे जहइ णो धम्मं, एगे गणसंठिइं पि जहइ धम्मं पि जहइ, एगे णो गणसंठिइं जहइ णो धम्मं जहइ ॥ २८३ ॥ चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा-पियधम्मे णामेगे णो दढधम्मे, दढधम्मे णामेगे णो पियधम्मे, एगे पियधम्मे वि दढधम्मे वि, एगे णो पियधम्मे णो दढधम्मे ॥ २८४ ॥ चत्तारि आयरिया पण्णत्ता, तंजहा-पव्वावणायरिए णामेगे णो उवट्ठावणायरिए, उवट्ठावणायरिए णामेगे णो पव्वावणायरिए, एगे पव्वावणायरिए वि उवट्ठावणायरिए वि, एगे णो पव्वावणायरिए णो उवट्ठावणायरिए ॥ २८५ ॥ चत्तारि आयरिया पण्णत्ता, तंजहा-उद्देसणायरिए णामेगे णो वायणायरिए, वायणायरिए णामेगे णो उद्देसणायरिए, एगे उद्देसणायरिए वि वायणायरिए वि, एगे णो उद्देसणायरिए णो वायणायरिए ॥ २८६ ॥ धम्मायरियस्स चत्तारि अंतेवासी पण्णत्ता, तंजहा-पव्वावणंतेवासी णामेगे णो उवट्ठावणंतेवासी, उवट्ठावणंतेवासी णामेगे णो पव्वावणंतेवासी, एगे पव्वावणंतेवासी वि उवट्ठावणंतेवासी वि, एगे णो पव्वावणंतेवासी णो उवट्ठावणंतेवासी ॥ २८७ ॥ चत्तारि अंतेवासी पण्णत्ता, तं०-उद्देसणंतेवासी णामेगे णो वायणंतेवासी, वायणंतेवासी णामेगे णो उद्देसणंतेवासी, एगे उद्देसणंतेवासी वि वायणंतेवासी वि, एगे णो उद्देसणंतेवासी णो वायणंतेवासी ॥ २८८ ॥ चत्तारि धम्मायरिया पण्णत्ता, तंजहा-पव्वावणधम्मायरिए णामेगे णो उवट्ठावणधम्मायरिए, उवट्ठावणधम्मायरिए णामेगे णो पव्वावणधम्मायरिए, एगे पव्वावणधम्मायरिए वि उवट्ठावणधम्मायरिए वि, एगे णो पव्वावणधम्मायरिए णो उवट्ठावणधम्मायरिए ॥ २८९ ॥ चत्तारि धम्मायरिया पण्णत्ता, तं०-उद्देसणधम्मायरिए णामेगे णो वायणधम्मायरिए, वायणधम्मायरिए णामेगे णो उद्देसणधम्मायरिए, एगे उद्देसणधम्मायरिए वि वायणधम्मायरिए वि, एगे णो उद्देसणधम्मायरिए णो वायणधम्मायरिए ॥ २९० ॥ चत्तारि धम्मंतेवासी पण्णत्ता, तंजहा-पव्वावणधम्मंतेवासी णामेगे णो उवट्ठावणधम्मंतेवासी, उवट्ठावण-

तीसं वासपरियाए समणीए णिग्गंथीए कप्पइ उवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए ॥ १९६ ॥ पंचवासपरियाए समणे णिग्गंथे सट्ठिवासपरियाए समणीए णिग्गंथीए कप्पइ आयरिय(त्ताए)उवज्झायत्ताए उद्दिसित्तए ॥ १९७ ॥ गामाणुगामं दूइज्जमाणे भिक्खू य आहच्च वीसंभेज्जा तं च सरीरगं केइ साहम्मिए पासेज्जा, कप्पइ से तं सरीरगं से न (मा) सागारियमिति कट्टु (···एगंते अचित्ते०) थंडिल्ले बहुफासुए पडिलेहित्ता पमज्जित्ता परिट्ठवेत्तए, अत्थि याइं थ केइ साहम्मियसंतिए उवगरणजाए परिहरणारिहे, कप्पइ से सागारकडं गहाय दोच्चं पि ओग्गहं अणुण्णवेत्ता परिहारं परिहारेत्तए ॥ १९८ ॥ सागारिए उवस्सयं वक्कएणं पउंजेज्जा, से य वक्कइयं वएज्जा–इमं(म्हि)मि य इमंमि य ओवासे समणा णिग्गंथा परिवसंति, से सागारिए पारिहारिए, से य नो (एवं) वएज्जा, वक्कइए वएज्जा(०), से सागारिए पारिहारिए, दो वि ते (एवं) वएज्जा (जाव), दो वि सागारिया पारिहारिया ॥ १९९ ॥ सागारिए उवस्सयं विक्किणेज्जा, से य कइयं वएज्जा–इमंमि य इमंमि य ओवासे समणा णिग्गंथा परिवसंति, से सागारिए पारिहारिए, से य नो वएज्जा, कइए वएज्जा, से सागारिए पारिहारिए, दो वि ते वएज्जा, दो वि सागारिया पारिहारिया ॥ २०० ॥ विहवधूया ना(नि)यकुलवासिणी, सा वि यावि ओग्गहं अणुण्णवेयव्वा, किमंग–पुण पिया वा भाया वा पुत्ते वा, से (य) वि या(दो)वि ओ(उ)ग्ग(हं)हे ओगेण्हिय(व्वा)व्वे ॥ २०१ ॥ पहिए वि ओग्गहं अणुण्णवेयव्वे ॥ २०२ ॥ से रज्ज(राय)परियट्टेसु संथडेसु अव्वोगडेसु अव्वोच्छिण्णेसु अपरपरिग्गहिएसु सच्चेव ओग्गहस्स पुव्वाणुण्णवणा चिट्ठइ अहालंदमवि ओग्गहे ॥ २०३ ॥ से रज्जपरियट्टेसु असंथडेसु वोगडेसु वोच्छिण्णेसु परपरिग्गहिएसु भिक्खुभावस्स अट्ठाए दोच्चं पि ओग्गहे अणुण्णवेयव्वे सिया ॥ २०४ ॥ ति-बेमि ॥ **ववहारस्स सत्तमो उद्देसओ समत्तो** ॥ ७ ॥

ववहारस्स अट्ठमो उद्देसओ

गाहा(गिह)उ(डु)दूपज्जोसविए, ताए गाहाए ताए पएसाए ताए उवासंतराए जमिणं २ सेज्जासंथारगं लभेज्जा तमिणं तमिणं ममेव सिया, थेरा य से अणुजाणेज्जा, तस्सेव सिया, थेरा य से नो अणुजाणेज्जा, (णो तस्सेव सिया) एवं से कप्पइ आहाराइणियाए सेज्जासंथारगं पडिग्गाहेत्तए ॥ २०५ ॥ से अहालहुसगं सेज्जासंथारगं गवेसेज्जा, जं चक्किया एगेणं हत्थेणं ओगि(ज्झिय २)ज्झ जाव एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा (अद्धाणं) परिवहित्तए, एस मे हेमंतगिम्हासु भविस्सइ ॥ २०६ ॥ से य अहालहुसगं सेज्जासंथारगं गवेसेज्जा, जं चक्किया एगेणं हत्थेणं ओगिज्झ जाव एगाहं (०) अद्धाणं परिवहित्तए, एस मे वासावासासु भविस्सइ

॥ ३१० ॥ अट्ठारसवासपरियागस्स समणस्स णिग्गंथस्स कप्पइ दिट्ठिविसभावणा-
णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ ३११ ॥ एगूणवीसवासपरियागस्स कप्पइ दिट्ठिवाए णामं
अंगे उद्दिसित्तए ॥ ३१२ ॥ वीसवासपरियाए समणे णिग्गंथे सव्वसुयाणुवाई भवइ
॥ ३१३ ॥ दसविहे वेयावच्चे पण्णत्ते, तंजहा-आयरियवेयावच्चे उवज्झायवेयावच्चे
थेरवेयावच्चे सेहवेयावच्चे गिलाणवेयावच्चे तवस्सिवेयावच्चे साहम्मियवेयावच्चे कुल-
वेयावच्चे गणवेयावच्चे संघवेयावच्चे ॥ ३१४ ॥ आयरियवेयावच्चं करेमाणे समणे
णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३१५ ॥ उवज्झायवेयावच्चं करेमाणे
समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३१६ ॥ थेरवेयावच्चं करेमाणे
समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३१७ ॥ तवस्सिवेयावच्चं करेमाणे
समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३१८ ॥ सेहवेयावच्चं करेमाणे
समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३१९ ॥ गिलाणवेयावच्चं करेमाणे
समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३२० ॥ साहम्मियवेयावच्चं
करेमाणे समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३२१ ॥ कुलवेयावच्चं
करेमाणे समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३२२ ॥ गणवेयावच्चं
करेमाणे समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३२३ ॥ संघवेयावच्चं
करेमाणे समणे णिग्गंथे महाणिज्जरे महापज्जवसाणे भवइ ॥ ३२४ ॥ त्ति-बेमि ॥

ववहारस्स दसमो उद्देसओ समत्तो ॥ १० ॥ ववहारसुत्तं समत्तं ॥



णिग्गंथस्स णं गामाणुगामं दूइज्जमाणस्स अण्णयरे उवगरणजाए परिब्भट्ठे सिया, तं च केइ साहम्मिए पासेज्जा, कप्पइ से सागारकडं गहाय दूर(मवि)मेवयद्धाणं परिवहित्तए, जत्थेव अण्णमण्णं पासेज्जा तत्थेव एवं वएज्जा–इमे भे अज्जो! किं परिण्णाए? से य वएज्जा–परिण्णाए, तस्सेव पडिणिज्जाएयव्वे सिया, से य वएज्जा–नो परिण्णाए, तं नो अप्पणा परिभुंजेज्जा नो अण्णमण्णस्स दावए, एगंते बहुफासुए थंडिल्ले परिट्ठवेयव्वे सिया ॥ २१८ ॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा अइरेगपडिग्गहं अण्णमण्णस्स अट्ठाए (दूरमवि अद्धाणं परिवहित्तए) धारेत्तए वा परिग्गहित्तए वा सो वा णं धारेस्सइ अहं वा णं धारेस्सामि अण्णो वा णं धारेस्सइ, नो से कप्पइ ते अणापुच्छिय अणामंतिय अण्णमण्णेसिं दाउं वा अणुप्पयाउं वा, कप्पइ से ते आपुच्छिय आमंतिय अण्णमण्णेसिं दाउं वा अणुप्पयाउं वा ॥ २१९ ॥ अट्ठ कवलप्पमाणमेत्ते आहारं आहारेमाणे (समणे) णिग्गंथे अप्पाहारे, बार(दुवाल)स कवलप्पमाणमेत्ते आहारं आहारेमाणे णिग्गंथे अवड्ढोमोयरिया, सोलस कवलप्पमाणमेत्ते आहारं आहारेमाणे णिग्गंथे दुभागपत्ते, चउवीसं कवलप्पमाणमेत्ते आहारं आहारेमाणे णिग्गंथे ओ(पत्तो)मोयरिया, एगतीसं कवलप्पमाणमेत्ते आहारं आहारेमाणे णिग्गंथे किंचूणोमोयरिया, बत्तीसं कवलप्पमाणमेत्ते आहारं आहारेमाणे णिग्गंथे पमाणपत्ते, एत्तो एगेण वि कउले(घासे)णं ऊणगं आहारं आहारेमाणे समणे णिग्गंथे णो पकामरसभोइ–त्ति वत्तव्वं सिया ॥ २२० ॥ ति-बेमि ॥ **ववहारस्स अट्ठमो उद्देसओ समत्तो ॥ ८ ॥**

ववहारस्स णवमो उद्देसओ

सागारियस्स आएसे अंतो वगडाए भुंजइ निट्ठिए नि(सि)सट्ठे पाडिहारिए, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२१ ॥ सागारियस्स आएसे अंतो वगडाए भुंजइ निट्ठिए निसट्ठे अपाडिहारिए, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२२ ॥ सागारियस्स आएसे बाहिं वगडाए भुंजइ निट्ठिए निसट्ठे पाडिहारिए, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२३ ॥ सागारियस्स आएसे बाहिं वगडाए भुंजइ निट्ठिए निसट्ठे अपाडिहारिए, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२४ ॥ सागारियस्स दासे वा वेसे वा भयए वा भइण्णए वा अंतो वगडाए भुंजइ निट्ठिए निसट्ठे पाडिहारिए, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२५ ॥ सागारियस्स दासे (इ) वा वेसे वा भयए वा भइण्णए (पेसे) वा अंतो वगडाए भुंजइ निट्ठिए निसट्ठे अपाडिहारिए, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २२६ ॥ सागारियस्स दासे वा वेसे वा भयए वा भइण्णए वा बाहिं वगडाए

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमितिके 'सदस्य'



परिचय-आप मोरबी (सौराष्ट्र) के मूलवतनी हैं और मुंबई संघके सेक्रेटरी हैं। आपके पिताश्री सुखलाल मोनजी खूब ही धर्मके प्रेमी थे, मोरबीमें अग्रगण्य कार्य-कर्ता एवं मुनिराज तथा महासतियोंकी सेवाका अत्यंत लाभ लेते थे। पिताश्रीके समान आपमें भी उतनी ही धर्मभावनाकी जाग्रती है। आप जिनशासनके अपूर्व भक्त हैं, संघ-सेवा दिलकी लगनसे करते हैं। दादर संघको जब उपाश्रयकी कमी खटकी तब ६ महानुभावों के साथ उपा-

श्रीमान् शेठ रविचंद सुखलाल शाह, प्रकाश स्टोर, डॉ० डीसील्वा रोड, दादर, मुंबई २८

श्रय न बने वहां तक घी खाना छोड़ दिया, निदान १२ महीनेके बाद संघको जगह मिलने पर आपने भी २००२) दान दे कर घी खाना आरंभ किया है। आपकी प्रामाणिकता भरी सेवाकी क़दर कांदावाड़ी संघने खूब की है, आप वहांके संघके मंत्री हैं। आपकी मुखाकृति सौम्य और वाणी इतनी मोहकता-पूर्ण है कि सामने वाले व्यक्ति मोहित होकर आपको अपना प्रतिनिधि चुन लेते हैं। आप सामायिकादि धर्मक्रियाके पश्चात् ही संसारके कार्यमें लगते हैं। आपका कुटुंब सम्पन्नसमृद्ध और आज्ञाकारी है। आपके कार्य व्यवहारसे सबको महान संतोष है। आप श्रावकके गुणोंकी वृद्धि करनेमें अनुरक्त हैं। आप जैसे गुणज्ञ कृतज्ञ धर्मज्ञ गुणवान और संघप्रिय श्रावकों की संघको आवश्यकता है। सचमुच आप धर्मप्राण हैं।

कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४५ ॥ सागारियस्स सोत्तियसाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४६ ॥ सागारियस्स बोडियसाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४७ ॥ सागारियस्स बोडियसाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४८ ॥ सागारियस्स गंधियसाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २४९ ॥ सागारियस्स गंधियसाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५० ॥ सागारियस्स सोडियसाला साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५१ ॥ सागारियस्स सोडियसाला णिस्साहारणवक्कयपउत्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५२ ॥ सागारियस्स ओसहीओ संथडाओ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५३ ॥ सागारियस्स ओसहिओ असंथडाओ, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५४ ॥ सागारियस्स अंबफला संथडा, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५५ ॥ सागारियस्स अंबफला असंथडा, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५६ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स एगवगडाए एगदुवाराए एगणिक्खमणपवेसाए सागारियस्स एगवयू सागारियं च उवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५७ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स एगवगडाए एगदुवाराए एगणिक्खमणपवेसाए सागारियस्स अभिणिवयू सागारियं च उवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५८ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स अभिणिव्वगडाए अभिणिदुवाराए अभिणिक्खमणपवेसाए सागारियस्स एगवयू सागारियं च उवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २५९ ॥ सागारियणायए सिया सागारियस्स अभिणिव्वगडाए अभिणिदुवाराए अभिणिक्खमणपवेसाए सागारियस्स अभिणिवयू सागारियं च उवजीवइ, तम्हा दावए, णो से कप्पइ पडिगाहेत्तए ॥ २६० ॥ सत्तसत्तमिया णं भिक्खुपडिमा (णं) एगूणपण्णाए राइंदिएहिं एगेण छण्णउएणं भिक्खासएणं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्म(मकाएणं)मं फासि(त्ता)या पालिया (साहित्ता) तीरिया किट्टिया (आणाए) अणुपालिया भवइ ॥ २६१ ॥ अट्ठअट्ठमिया णं भिक्खुपडिमा चउसट्ठीए राइंदिएहिं दोहि य अट्ठासीएहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्मं फासिया पालिया तीरिया किट्टिया अणुपालिया भवइ ॥ २६२ ॥ णवणवमिया णं भिक्खुपडिमा एगासीए राइंदिएहिं चउहि य पंचुत्तरेहिं भिक्खासएहिं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं अहासम्मं फासिया पालिया

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

विहक्कप्पसुत्तं

पढमो उद्देसओ

नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा आमे तालपलम्बे अभिन्ने पडि(गाहि)-ग्गाहेत्तए ॥ १ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा आमे तालपलम्बे भिन्ने पडिग्गाहेत्तए ॥ २ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं पक्के तालपलम्बे भिन्ने वा अभिन्ने वा पडिग्गाहेत्तए ॥ ३ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं पक्के तालपलम्बे अभिन्ने पडिग्गाहेत्तए ॥ ४ ॥ कप्पइ निग्गन्थीणं पक्के तालपलम्बे भिन्ने पडिग्गाहेत्तए, से वि य विहिभिन्ने, नो (चेव-णं) अविहिभिन्ने ॥ ५ ॥ से गामंसि वा नगरंसि वा खेडंसि वा कव्वडंसि वा मडम्बंसि वा पट्टणंसि वा आगरंसि वा दोणमुहंसि वा निगमंसि वा रायहाणिंसि वा आसमंसि वा संनिवेसंसि वा संवाहंसि वा घोसंसि वा अंसियंसि वा पुडभेयणंसि वा सपरिक्खेवंसि अवाहिरियंसि कप्पइ निग्गन्थाणं हेमन्तगिम्हासु एगं मासं वत्थए ॥ ६ ॥ से गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा सपरिक्खेवंसि सवाहिरियंसि कप्पइ निग्गन्थाणं हेमन्तगिम्हासु दो मासे वत्थए, अन्तो एगं मासं वाहिं एगं मासं; अन्तो वसमाणाणं अन्तोभिक्खायरिया वाहिं वसमाणाणं वाहिंभिक्खायरिया ॥ ७ ॥ से गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा सपरिक्खेवंसि अवाहिरियंसि कप्पइ निग्गन्थीणं हेमन्तगिम्हासु दो मासे वत्थए ॥ ८ ॥ से गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा सपरिक्खेवंसि सवाहिरियंसि कप्पइ निग्गन्थीणं हेमन्तगिम्हासु चत्तारि मासे वत्थए, अन्तो दो मासे, वाहिं दो मासे; अन्तो वस(न्ती)माणीणं अन्तोभिक्खायरिया वाहिं वसमाणीणं वाहिंभिक्खायरिया ॥ ९ ॥ से गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा एगवगडाए एगदुवाराए एगनिक्खमणपवेसाए नो कप्पइ निग्गन्थाण य निग्गन्थीण य एगयओ वत्थए ॥ १० ॥ से गामंसि वा जाव रायहाणिंसि वा अभिनिव्वगडाए अभिनिदुवाराए अभिनिक्खमणपवेसाए कप्पइ निग्गन्थाण य निग्गन्थीण य एगयओ

---

१ कयलीफले।

चंदपडिमा, जवमज्झण्णं चंदपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स निच्चं (मासं) वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केइ परीसहो(उ)वसग्गा समु(उ)प्पज्जंति दिव्वा वा माणुस्सगा वा तिरिक्खजोणिया वा(अणुलोमा वा···), ते (सव्वे) उप्पण्णे सम्मं स(हेज्जा)हइ खमइ तितिक्खेइ अहियासेइ ॥ २७२ ॥ जवमज्झण्णं चंदपडिमं पडिवण्णस्स अणगारस्स सुक्कपक्खस्स से पाडिवए कप्पइ एगा दत्ती भोयणस्स पडिगाहेत्तए एगा पाणस्स, (सव्वेहिं दुपयचउप्पयाइएहिं आहारकंखीहिं सत्तेहिं पडिणियत्तेहिं) अण्णायउंछं सुद्धोवहडं णिज्जूहित्ता वहवे समणमाहणअइहिकिवणवणीमगा, कप्पइ से एगस्स भुंजमाणस्स पडिगाहेत्तए, णो दोण्हं णो तिण्हं णो चउण्हं णो पंचण्हं, णो गुव्विणीए णो वालवत्थाए णो दारगं पेज्जमाणीए, णो (से कप्पइ) अंतो एलुयस्स दो वि पाए साहट्टु दलमाणीए, (पडिगाहित्तए अह पुण एवं जाणिज्जा) णो वाहिं एलुयस्स दो वि पाए साहट्टु दलमाणीए, एगं पायं अंतो किच्चा एगं पायं वाहिं किच्चा एलुयं विक्खंभइत्ता (एयाए एसणाए एसमाणे लब्भेज्जा आहारे० एयाए एसणाए एसमाणे णो लब्भेज्जा णो आहारेज्जा) एवं दलयइ, एवं से कप्पइ पडिगाहेत्तए, एवं णो दलयइ, एवं से णो कप्पइ पडिगाहेत्तए, विइज्जाए से कप्पइ दोण्णि दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए दोण्णि पाणस्स (सव्वेहिं···), तइयाए से कप्पइ तिण्णि दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए तिण्णि पाणस्स, चउत्थीए से कप्पइ चउदत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए चउपाणस्स, पंचमीए से कप्पइ पंचदत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए पंचपाणस्स, छट्ठीए से कप्पइ छ दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए छ पाणस्स, सत्तमीए से कप्पइ सत्त दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए सत्त पाणस्स, अट्ठमीए से कप्पइ अट्ठ दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए अट्ठ पाणस्स, णवमीए से कप्पइ णव दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए णव पाणस्स, दसमीए से कप्पइ दस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए दस पाणस्स, एगार(सी)समीए से कप्पइ एगारस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए एगारस पाणस्स, वारसमीए से कप्पइ वारस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए वारस पाणस्स, तेरसमीए से कप्पइ तेरस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए तेरस पाणस्स, चोद्दसमीए से कप्पइ चोद्दस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए चोद्दस पाणस्स, पण्णरसमी(पुण्णिमा)ए से कप्पइ पण्णरस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए पण्णरस पाणस्स, वहुलपक्खस्स से पाडिवए कप्पंति चोद्दस (दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए चोद्दस पाणस्स सव्वेहिं दुप्पय जाव णो आहारेज्जा), विइयाए कप्पइ तेरस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए तेरस पाणस्स जाव णो आहारेज्जा, तइयाए कप्पइ वारस [दत्त]ीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए वारस पाणस्स जाव णो आहारेज्जा, चउत्थीए

इच्छाए परो नो संवसेज्जा; इच्छाए परो उवसमेज्जा, इच्छाए परो नो उवसमेज्जा; जे (जो) उवसमइ तस्स अत्थि आराहणा, जे न उवसमइ तस्स नत्थि आराहणा; तम्हा अप्पणा चेव उवसमियव्वं, से किमाहु भन्ते (!) ? उवसमसारं सामण्णं ॥ ३५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा वासावासासु चार(चरित्त)ए ॥ ३६ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा हेमन्तगिम्हासु चारए ॥ ३७ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा वेरज्जविरुद्धरज्जंसि सज्जं गमणं सज्जं आगमणं सज्जं गमणागमणं क(रि)रेत्तए जे (जो) खलु निग्गन(थो)थे वा निग्गन्थी वा वेरज्जविरुद्ध-रज्जंसि सज्जं गमणं सज्जं आगमणं सज्जं गमणागमणं करेइ क(रं-रिं)रेन्तं वा साइज्जइ, से दुहओ(वि) वीइक्कममाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ ३८ ॥ निग्गन्थं च णं गाहावइकुलं पिण्डवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुञ्छणेण वा उवनिमन्तेज्जा, कप्पइ से सागारकडं गहाय आयरि-यपायमूले ठवेत्ता दोच्चं पि ओग्गहं अणुन्नवेत्ता परिहारं परिहरित्तए ॥ ३९ ॥ निग्गन्थं च णं वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खन्तं समाणं केइ वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुञ्छणेण वा उवनिमन्तेज्जा, कप्पइ से सागारकडं गहाय आयरियपायमूले ठवेत्ता दोच्चं पि ओग्गहं अणुन्नवेत्ता परिहारं परिहरित्तए ॥ ४० ॥ निग्गन्थिं च णं गाहावइकुलं पिण्डवायपडियाए अणुप्पविट्ठं केइ वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुञ्छणेण वा उवनिमन्तेज्जा, कप्पइ से सागारकडं गहाय प(वि)त्तित्ति(णि)णीपायमूले ठवेत्ता दोच्चं पि ओग्गहं अणुन्नवेत्ता परिहारं परिहरित्तए ॥ ४१ ॥ निग्गन्थिं च णं वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खन्तं समाणिं केइ वत्थेण वा पडिग्गहेण वा कम्बलेण वा पायपुञ्छणेण वा उवनिमन्तेज्जा, कप्पइ से सागारकडं गहाय पवत्तिणीपायमूले ठवेत्ता दोच्चं पि ओग्गहं अणुन्नवेत्ता परिहारं परिहरित्तए ॥ ४२ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा राओ वा वियाले वा असणं वा ४ पडिग्गाहेत्तए नन्नत(थे)थ एगेणं पुव्वपडिलेहिएणं सेज्जासंथारएणं ॥ ४३ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा राओ वा वियाले वा वत्थं वा पडिग्गहं वा कम्बलं वा पायपुञ्छणं वा पडिग्गाहेत्तए, नन्नत्थ एगाए हरियाह(रि)-डियाए, सा वि (य) याइं परिभुत्ता वा धोया वा रत्ता वा घट्ठा वा मट्ठा वा संपधूमिया वा ॥ ४४ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा राओ वा वियाले वा अद्धा-णगम(णाए)णं एत्तए, (नो···) संखडिं संखडिपडियाए एत्तए ॥ ४५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थस्स एगाणियस्स राओ वा वियाले वा वहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा, कप्पइ से अप्पबिइयस्स वा अप्पतइयस्स वा राओ

दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, विइयाए से कप्पइ तिण्णि दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, तइयाए से कप्पइ चउदत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, चउत्थीए से कप्पइ पंचदत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, पंचमीए कप्पइ छ दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, छट्ठीए कप्पइ सत्त दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, सत्तमीए कप्पइ अट्ठ दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, अट्ठमीए कप्पइ णव दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, णवमीए कप्पइ दस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, दसमीए कप्पइ एगारस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, एगारसीए कप्पइ वारस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, वारसीए कप्पइ तेरस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, तेरसीए कप्पइ चउद्दस दत्तीओ भोयणस्स जाव णो आहारेज्जा, चउद्दसीए कप्पइ पण्णरस दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहेत्तए, पण्णरस पाणगस्स पडिगाहेत्तए, सव्वेहिं दुप्पयचउप्पय जाव णो लभेज्जा णो आहारेज्जा, पुण्णिमाए अभत्तट्ठे भवइ, एवं खलु एसा वइरमज्झा चंदपडिमा अहासुत्तं अहाकप्पं जाव अणुपालित्ता भवइ ॥ २७५ ॥ पंचविहे ववहारे पण्णत्ते, तंजहा–आगमे सुए आणा धारणा जीए । जत्थेव तत्थ आगमे सिया, आगमेणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो से तत्थ आगमे सिया, जहा से तत्थ सुए सिया, सुएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, णो से तत्थ सुए सिया, जहा से तत्थ आणा सिया, आणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो से तत्थ आणा सिया, जहा से तत्थ धारणा सिया, धारणाए ववहारं पट्ठवेज्जा, णो से तत्थ धारणा सिया, जहा से तत्थ जीए सिया, जीएणं ववहारं पट्ठवेज्जा, एएहिं पंचहिं ववहारेहिं ववहारं पट्ठवेज्जा, तंजहा–आगमेणं सुएणं आणाए धारणाए जीएणं, जहा से आगमे सुए आणा धारणा जीए तहा तहा ववहारे पट्ठवेज्जा, से किमाहु भंते ? आगमवलिया समणा निग्गंथा, इच्चेयं पंचविहं ववहारं जया जया जहिं जहिं तहा तहा तहिं तहिं अणिसिओवस्सियं ववहारं ववहारेमाणे समणे णिग्गंथे आणाए आराहए भवइ ॥ २७६ ॥ चत्तारि पुरिस[जा]जाया पण्णत्ता, तंजहा–अट्ठकरे णा(ममे)मं एगे णो माणकरे, माणकरे णामं एगे णो अट्ठकरे, एगे अट्ठकरे वि माणकरे वि, एगे णो अट्ठकरे णो माणकरे ॥ २७७ ॥ चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तंजहा–गणट्ठकरे णामं एगे णो माणकरे, माणकरे णामं एगे णो गणट्ठकरे, एगे गणट्ठकरे वि माणकरे वि, एगे णो गणट्ठकरे णो माणकरे ॥ २७८ ॥ चत्तारि पुरिसजाया पण्णत्ता, तं०–गणसंगहकरे णामं एगे णो माणकरे, माणकरे णामं एगे णो गणसंगहकरे, एगे गणसंगहकरे वि माणकरे वि, एगे णो गणसंगहकरे णो

एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जे तत्थ एगरायाओ वा दुरायाओ वा परं वसेज्जा, से सन्तरा छेए वा परिहारे वा ॥ ५३ ॥ उवस्सयस्स अन्तो वगडाए सव्वरा(इ)इए जोई झियाएज्जा, नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अहालन्दमवि वत्थए, हुरत्था य उवस्सयं पडिलेहमाणे नो लभेज्जा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जे तत्थ एगरायाओ वा दुरायाओ वा परं वसेज्जा, से सन्तरा छेए वा परिहारे वा ॥ ५४ ॥ उवस्सयस्स अन्तो वगडाए सव्वराइए पईवे दिप्पेज्जा, नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अहालन्दमवि वत्थए, हुरत्था य उवस्सयं पडिलेहमाणे नो लभेज्जा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जे तत्थ एगरायाओ वा दुरायाओ वा परं वसेज्जा, से सन्तरा छेए वा परिहारे वा ॥ ५५ ॥ उवस्सयस्स अन्तो वगडाए पिण्डए वा लोयए वा खी(रे)रं वा दहिं वा सप्पिं वा नवणीए वा तेल्ले वा फाणि(ए)यं वा पूवे वा सक्कुली वा सिहरिणी वा ओखिण्णाणि वा विक्खिण्णाणि वा विइगिण्णाणि वा विप्पइण्णाणि वा, नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अहालन्दमवि वत्थए ॥ ५६ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा–नो ओखिण्णाइं ४, रासिकडाणि वा पुञ्जकडाणि वा भित्तिकडाणि वा कुलियकडाणि वा लञ्छियाणि वा मुद्दियाणि वा पिहियाणि वा, कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा हेमन्तगिम्हासु वत्थए ॥ ५७ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा–नो रासिकडाइं ४, कोट्ठाउत्ताणि वा पल्लाउत्ताणि वा मञ्चाउत्ताणि वा मालाउत्ताणि वा कुम्भिउत्ताणि वा करभिउत्ताणि वा ओलित्ताणि वा विलित्ताणि वा लञ्छियाणि वा मुद्दियाणि वा पिहियाणि वा, कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा वासावासं वत्थए ॥ ५८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं अहे आगमणगिहंसि वा वियडगिहंसि वा वंसीमूलंसि वा रुक्खमूलंसि वा अब्भावगासियंसि वा वत्थए ॥ ५९ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं अहे आगमणगिहंसि वा वंसीमूलंसि वा रुक्खमूलंसि वा अब्भावगासियंसि वा वत्थए ॥ ६० ॥ एगे सागारिए पारिहारिए, दो(त्रि) तिण्णि चत्तारि पञ्च सागारिया पारिहारिया; एगं तत्थ कप्पागं ठवइत्ता अवसेसे निव्विसेज्जा ॥ ६१ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सागारियपिण्डं बहिया अनीहडं (असंसट्ठं वा) संसट्ठं–पडिग्गाहेत्तए ॥ ६२ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सागारियपिण्डं बहिया अनीहडं असंसट्ठं पडिग्गाहेत्तए ॥ ६३ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सागारियपिण्डं बहिया नीहडं असंसट्ठं पडिग्गाहेत्तए ॥ ६४ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सागारियपिण्डं बहिया नीहडं संसट्ठं

धम्मंतेवासी णामेगे णो पव्वावणधम्मंतेवासी, एगे पव्वावणधम्मंतेवासी वि उवट्ठावणधम्मंतेवासी वि, एगे णो पव्वावणधम्मंतेवासी णो उवट्ठावणधम्मंतेवासी ॥ २९१ ॥ चत्तारि धम्मंतेवासी पण्णत्ता, तंजहा-उद्देसणधम्मंतेवासी णामेगे णो वायणधम्मंतेवासी, वायणधम्मंतेवासी णामेगे णो उद्देसणधम्मंतेवासी, एगे उद्देसणधम्मंतेवासी वि वायणधम्मंतेवासी वि, एगे णो उद्देसणधम्मंतेवासी णो वायणधम्मंतेवासी ॥ २९२ ॥ तओ थेरभूमीओ पण्णत्ताओ, तंजहा-जाइथेरे सुयथेरे प(वज्जा)रियायथेरे। सट्ठिवा(वरि)सजाए (समणे णिग्गंथे) जाइथेरे, (ठाण)समवायंगं जाव सुयधारए सुयथेरे, वीसवासपरियाए परियायथेरे ॥ २९३ ॥ तओ सेहभूमीओ पण्णत्ताओ, तं०-सत्तराइंदिया चाउम्मासिया छम्मासिया, छम्मासिया उक्कोसिया, चाउम्मासिया मज्झमिया, सत्तराइणो जहण्णिया ॥ २९४ ॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा खुड्डगं वा खुड्डियं वा ऊणट्ठवासजायं उवट्ठावेत्तए वा संभुंजित्तए वा ॥ २९५ ॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा खुड्डगं वा खुड्डियं वा साइरेगट्ठवासजायं उवट्ठावेत्तए वा संभुंजित्तए वा ॥ २९६ ॥ णो कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा खुड्डगस्स वा खुड्डियाए वा अव्वंजणजायस्स आयारपकप्पे णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ २९७ ॥ कप्पइ णिग्गंथाण वा णिग्गंथीण वा खुड्डगस्स वा खुड्डियाए वा वंजणजायस्स आयारपकप्पे णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ २९८ ॥ तिवासपरियायस्स समणस्स णिग्गंथस्स कप्पइ आयारपकप्पे णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ २९९ ॥ चउवासपरिया(यस्स...)ए कप्पइ सूयगडे णामं अंगे उद्दिसित्तए ॥ ३०० ॥ पंचवासपरियाए कप्पइ दसाकप्पववहारे (णाममज्झयणे) उद्दिसित्तए ॥ ३०१ ॥ अट्ठवासपरियाए कप्पइ ठाणसमवाए (णामं अंगे) उद्दिसित्तए ॥ ३०२ ॥ दसवासपरियाए कप्पइ वि(वाहे)याहे णामं अंगे उद्दिसित्तए ॥ ३०३ ॥ एक्कारसवासपरियाए कप्पइ खुड्डिया विमाणपविभत्ती महल्लिया विमाणपविभत्ती अंगचूलिया वग(वं)गचूलिया वियाहचूलिया णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ ३०४ ॥ बारसवासपरियाए कप्पइ गरुलोववाए धरणोववाए वेसमणोववाए वेलंधरोववाए णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ ३०५ ॥ तेरसवासपरियाए कप्पइ उट्ठाण(सु)परियावणिए समुट्ठाणसुए देविंदोववाए णागपरियावणिए णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ ३०६ ॥ चोद्द(चउद)सवासपरियाए कप्पइ सि(सु)मिणभावणा णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ ३०७ ॥ पण्णरसवासपरियाए कप्पइ चार(णा)णभावणा णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ ३०८ ॥ सोलसवासपरियाए कप्पइ तेयणीसग्गे णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए ॥ ३०९ ॥ सत्तरसवासपरियाए कप्पइ आसीविसभावणा णामं अज्झयणे उद्दिसित्तए

तइओ उद्देसओ

नो कप्पइ निग्गन्थाणं निग्गन्थीणं उवस्स(यंसि)ए आसइत्तए वा चिट्ठित्तए वा निसीइत्तए वा तुयट्टित्तए वा निद्दाइत्तए वा पयलाइत्तए वा, असणं वा ४ आहारमाहारेत्तए, उच्चारं वा पासवणं वा खेलं वा सिङ्घाणं वा परिट्ठवेत्तए, सज्झायं वा करेत्तए, झाणं वा झाइत्तए, काउस्सग्गं वा ठाणं वा ठाइत्तए ॥ ७९ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं निग्गन्(थ)थाणं उवस्सए आसइत्तए जाव ठाइत्तए ॥ ८० ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा कसिणाइं वत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ ८१ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अकसिणाइं वत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ ८२ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अभिन्नाइं वत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ ८३ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा भिन्नाइं वत्थाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ ८४ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाणं ओ(उ)ग्गहणन्तगं वा ओग्गहणपट्टगं वा धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ ८५ ॥ कप्पइ निग्गन्थीणं ओग्गहणन्तगं वा ओग्गहणपट्टगं वा धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ ८६ ॥ निग्गन्थीए य गाहावइकुलं पिण्डवायपडियाए अणुप्पविट्ठाए चेलट्ठे समुप्पज्जेज्जा, नो से कप्पइ अप्पणो नीसाए चेलं पडिग्गाहेत्तए; कप्पइ से पवत्तिणीनीसाए चेलं पडिग्गाहेत्तए ॥ ८७ ॥ नो (य से) ज(त)त्थ पवत्तिणी समा(णा)णी सिया, जे तत्थ समाणे आयरिए वा उवज्झाए वा प(वि)वत्ती वा थेरे वा गणी वा गणहरे वा गणावच्छेइए वा (जं चऽन्नं पुरओ कट्टु विहरइ), कप्पइ से तं(तेसिं)नी(निस्)साए चेलं पडिग्गाहेत्तए ॥ ८८ ॥ निग्गन्थस्स (य) णं तप्पढमयाए संपव्वयमाणस्स कप्पइ रयहरणपडिग्गहगोच्छगमायाए ति(हिं)हि य कसिणेहिं वत्थेहिं आयाए संपव्वइत्तए, से य पुव्वोवट्ठविए सिया, एवं से नो कप्पइ रयहरणपडिग्गहगोच्छगमायाए तिहि य कसिणेहिं वत्थेहिं आयाए संपव्वइत्तए; कप्पइ से अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं गहाय आयाए संपव्वइत्तए ॥ ८९ ॥ निग्गन्थीए णं तप्पढमयाए संपव्वयमाणीए कप्पइ रयहरणपडिग्गहगोच्छगमायाए चउहि य कसिणेहिं वत्थेहिं आयाए संपव्वइत्तए, सा य पुव्वोवट्ठविया सिया, एवं से नो कप्पइ रयहरणपडिग्गहगोच्छगमायाए चउहि य कसिणेहिं वत्थेहिं आयाए संपव्वइत्तए; कप्पइ से अहापरिग्गहियाइं वत्थाइं गहाय आयाए संपव्वइत्तए ॥ ९० ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पढमसमोसरणुद्देसपत्ताइं चेला(चीवरा)इं पडिग्गाहेत्तए ॥ ९१ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा दोच्चसमोसरणुद्देसपत्ताइं चेलाइं पडिग्गाहेत्तए ॥ ९२ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा आ(अ)हाराइणियाए चेलाइं पडिग्गाहेत्तए ॥ ९३ ॥ कप्पइ निग्ग-

सिया (अहालंदमवि उग्गहे) ॥ १०६ ॥ से अणुकुड्डेसु वा अणुभित्तीसु वा अणुचरियासु वा अणुफरिहासु वा अणुपन्थेसु वा अणुमेरासु वा सच्चेव ओग्गहस्स पुव्वाणुन्नवणा चिट्ठइ अहालन्दमवि ओग्गहे ॥ १०७ ॥ से गा(मस्स)मंसि वा जाव (रायहाणीए) संनिवेसंसि वा वहिया सेणं संनिविट्ठं पेहाए कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा तद्दिवसं भिक्खायरियाए गन्तूणं पडि(ए)नियत्तए, नो से कप्पइ (सा रयणी) तं रयणिं तत्थेव उवा(य)इणा(वि)वेत्तए, जे खलु निग्गन्थे वा निग्गन्थी वा तं रयणिं तत्थेव उवाइणावेइ उवाइणावेन्तं वा साइज्जइ, से दुहओ वीइक्कममाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १०८ ॥ से गामंसि वा जाव संनिवेसंसि वा कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सव्वओ समन्ता सकोसं जोयणं ओग्गहं ओगिण्हित्ताणं परिहारं परिहरि(चिट्ठि)त्तए ॥ १०९ ॥ त्ति-बेमि ॥

विहक्कप्पे तइओ उद्देसओ समत्तो ॥ ३ ॥

चउत्थो उद्देसओ

तओ अणुग्घाइ(मा)या पन्नत्ता, तंजहा-हत्थकम्मं करेमाणे, मेहुणं पडिसेवमाणे, राईभोयणं भुञ्जमाणे ॥ ११० ॥ तओ पारञ्चिया पन्नत्ता, तंजहा-दुट्ठे पारञ्चिए, पमत्ते पारञ्चिए, अन्नमन्नं करेमाणे पारञ्चिए ॥ १११ ॥ तओ अणवट्ठप्पा पन्नत्ता, तंजहा-साहम्मि(य)याणं ते(णियं)न्नं करेमाणे, अन्नध(पर-ह)म्मि(य)याणं तेन्नं करेमाणे, हत्(थता)थायालं दलमाणे ॥ ११२ ॥ तओ नो कप्पन्ति पव्वावेत्तए, तंजहा-पण्डए कीवे वा(हि)इए, एवं मुण्डावेत्तए सिक्खावेत्तए उवट्ठावेत्तए संभुञ्जित्तए सं(वा)वसित्तए ॥ ११३ ॥ तओ नो कप्पन्ति वा(इ)एत्तए, तंजहा-अविणीए विगईपडिवद्धे अविओसवियपाहुडे ॥ ११४ ॥ तओ कप्पन्ति वाएत्तए, तंजहा-विणीए नो विगईपडिवद्धे विओसवियपाहुडे ॥ ११५ ॥ तओ दुस्सन्नप्पा पन्नत्ता, तंजहा-दुट्ठे मूढे वुग्गाहिए॥११६-१॥ तओ सुस्सन्नप्पा पन्नत्ता, तंजहा-अदुट्ठे अमूढे अवुग्गाहिए॥११६-२॥ निग्गन्थिं च णं गिलायमाणिं माया वा भगिणी वा धूया (पिया वा भाया वा पुत्ते) वा पलिस्सएज्जा, तं च निग्गन्(थी)थे साइज्(जइ)जेज्जा, मेहुणपडिसेवणप(त्ता)त्ते आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ ११७ ॥ निग्गन्थं च णं गिलायमाणं पिया वा भाया वा पुत्ते वा (माया वा भगिणी वा धूया वा) पलिस्सएज्जा, तं च निग्गन्(थे)थी साइज्जेज्जा, मेहुणपडिसेवणप(त्ते)त्ता आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ ११८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा असणं वा ४ पढमाए पो(रि-र)सीए पडिग्गाहेत्ता (चउ-त्थं-त्थिं) पच्छिमं पोरसिं उवाइणावेत्तए, से य आहच्च उवाइणाविए सिया, तं नो अप्पणा भुञ्जेज्जा नो अन्नेसिं

अत्थमिए वा, से जं च मुहे जं च पाणिंसि जं च पडिग्गहे तं विगिञ्चमाणे विसोहेमाणे नाइक्कमइ; तं अप्पणा भुञ्जमाणे अन्नेसिं वा अणुप्पदेमाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४७ ॥ भिक्खू य उग्गयवित्तीए अणत्थमियसंकप्पे असंथडिए विइगिच्छासमावन्ने असणं वा ४ पडिग्गाहेत्ता आहारमाहारेमाणे अह पच्छा जाणेज्जा-अणुग्गए सूरिए अत्थमिए वा, से जं च मुहे जं च पाणिंसि जं च पडिग्गहे तं विगिञ्चमाणे विसोहेमाणे नाइक्कमइ; तं अप्पणा भुञ्जमाणे अन्नेसिं वा अणुप्पदेमाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४८ ॥ इह खलु निग्गन्थस्स वा निग्गन्थीए वा राओ वा वियाले वा सपाणे सभोयणे उग्गाले आगच्छेज्जा, तं विगिञ्चमाणे विसोहेमाणे नाइक्कमइ; तं उग्गिलित्ता पच्चोगिलमाणे राइभोयणपडिसेवणपत्ते आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४९ ॥ निग्गन्थस्स य गाहावइकुलं पिण्डवायपडियाए अणुप्पविट्ठस्स अन्तो (०) पडिग्गहंसि पा(णाणि)णे वा बी(याणि)ए वा रए वा परियावज्जेज्जा, तं च संचाएइ विगिञ्चित्तए वा विसोहेत्तए वा, (तं पुव्वामेव आलो० विसोहि-य-या-तं) तओ संजयामेव भुञ्जेज्ज वा पिएज्ज वा; तं च नो संचाएइ विगिञ्चित्तए वा विसोहेत्तए वा, तं नो अप्पणा भुञ्जेज्जा (तं) नो अन्नेसिं अणुप्पदेज्जा; एगन्ते बहुफासुए थण्डिले पडिलेहित्ता पमज्जित्ता परिट्ठवेयव्वे सिया ॥ १५० ॥ निग्गन्थस्स य गाहावइकुलं पिण्डवायपडियाए अणुप्पविट्ठस्स अन्तो पडिग्ग(हगं)हंसि दए वा दगरए वा दगफुसिए वा परियावज्जेज्जा, से य उसि(णे)णभोयणजाए, परिभोत्तव्वे सिया; से य (नो उसिणे) सीयभोयणजाए, तं नो अप्पणा भुञ्जेज्जा नो अन्नेसिं अणुप्पदेज्जा; एगन्ते बहुफासुए थण्डिले पडिलेहित्ता पमज्जित्ता परिट्ठवेयव्वे सिया ॥ १५१ ॥ निग्गन्थीए य राओ वा वियाले वा उच्चारं वा पासवणं वा विगिञ्चमाणीए वा विसोहेमाणीए वा अन्नयरे पसुजाईए वा पक्खिजाईए वा अन्नयरइन्दियजाए तं परामुसेज्जा, तं च निग्गन्थी साइज्जेज्जा, हत्थकम्मपडिसेवणपत्ता आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १५२ ॥ निग्गन्थीए य राओ वा वियाले वा उच्चारं वा पासवणं वा विगिञ्चमाणीए वा विसोहेमाणीए वा अन्नयरे पसुजाईए वा पक्खिजाईए वा अन्नयरंसि सोयंसि ओगाहेज्जा, तं च निग्गन्थी साइज्(जइ)जेज्जा, मेहुणपडिसेवणपत्ता आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १५३ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए एगाणियाए होत्तए ॥ १५४ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए एगाणियाए गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ १५५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए एगाणियाए बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ १५६ ॥

वत्थए ॥ ११ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं आवणगिहंसि वा र(त्था)च्छामुहंसि वा सिङ्घाडगंसि वा तियंसि वा चउक्कंसि वा चच्चरंसि वा अन्तरावणंसि वा वत्थए ॥१२॥ कप्पइ निग्गन्थाणं आवणगिहंसि वा जाव अन्तरावणंसि वा वत्थए ॥ १३ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं अवङ्गुयदुवारिए उवस्सए वत्थए, एगं पत्थारं अन्तो किच्चा एगं पत्थारं बाहिं किच्चा ओहाडिय(चेल)चिलिमिलियागंसि ए(वं णं)व ण्हं कप्पइ वत्थए ॥ १४ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं अवङ्गुयदुवारिए उवस्सए वत्थए ॥ १५ ॥ कप्पइ निग्गन्थीणं अन्तोलित्तयं घडिमत्तयं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १६ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाणं अन्तोलित्तयं घडिमत्तयं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १७ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा चेलचिलिमि(लि)णियं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा दगतीरंसि चिट्ठित्तए वा निसीइत्तए वा तुयट्टित्तए वा निद्दाइत्तए वा पयलाइत्तए वा, असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा आहारमाहा(रि)रेत्तए(वा), उच्चारं वा पासवणं वा खेलं वा सिङ्घाणं वा परिट्ठ(वि)वेत्तए, सज्झायं वा करेत्तए, (धम्मजागरियं वा जाग(रे)रित्तए) झाणं वा झाइत्तए, काउस्सग्गं वा ठाणं वा ठाइत्तए ॥ १९ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सचित्तकम्मे उवस्सए वत्थए ॥ २० ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अचित्तकम्मे उवस्सए वत्थए ॥ २१ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं सागारियअनिस्साए वत्थए ॥ २२ ॥ कप्पइ निग्गन्थीणं सागारियनिस्साए वत्थए ॥ २३ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं सागारियनिस्साए वा अनिस्साए वा वत्थए ॥ २४ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सागारिए उवस्सए वत्थए ॥ २५ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अप्पसागारिए उवस्सए वत्थए ॥ २६ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाणं इत्थिसागारिए उवस्सए वत्थए ॥ २७ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं पुरिससागारिए उवस्सए वत्थए ॥ २८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं पुरिससागारिए उवस्सए वत्थए ॥ २९ ॥ कप्पइ निग्गन्थीणं इत्थिसागारिए उवस्सए वत्थए ॥ ३० ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाणं पडिब(द्ध)द्धाए सेज्जाए वत्थए ॥ ३१ ॥ कप्पइ निग्गन्थीणं पडिबद्धाए सेज्जाए वत्थए ॥ ३२ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाणं गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गन्तुं वत्थए ॥ ३३ ॥ कप्पइ निग्गन्थीणं गाहावइकुलस्स मज्झंमज्झेणं गन्तुं वत्थए ॥ ३४ ॥ भिक्खू य अहिगरणं कट्टु तं अहिगरणं अविओसवेत्ता अविओसवियपाहुडे—इच्छाए परो आढाएज्जा, इच्छाए परो नो आढाएज्जा; इच्छाए परो अब्भुट्ठेज्जा, इच्छाए परो नो अब्भुट्ठेज्जा; इच्छाए परो वन्देज्जा, इच्छाए परो नो वन्देज्जा; इच्छाए परो संभुञ्जेज्जा, इच्छाए परो नो संभुञ्जेज्जा; इच्छाए परो संवसेज्जा,

कप्पइ निग्गन्थीणं दारुदण्डयं पायपुञ्छणं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १८४ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं दारुदण्डयं पायपुञ्छणं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १८५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पारियासि(ए भोयणजाए)यस्स आहारस्स जाव त(द्ध)यप्पमाणमेत्तमवि भूइप्पमाणमेत्तमवि विन्दुप्पमाणमेत्तमवि आहारमाहारेत्तए, नन्नत्थ आ(गाढा)गाढे(सु)हिं रोगायङ्केहिं ॥ १८६ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पारियासिएणं आलेवणजाएणं गा(यं)याइं आलिम्पित्तए वा विलिम्पित्तए वा, नन्नत्थ आगाढेहिं रोगायङ्केहिं ॥ १८७ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पारियासिएणं तेल्लेण वा घएण वा गायाइं अब्भङ्गेत्तए वा म(क्खि)क्खेत्तए वा, नन्नत्थ आगाढेहिं रोगायङ्केहिं ॥ १८८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा कक्केण वा लोद्धेण वा अन्नयरेण वा आलेवणजाएणं गायाइं उव्वलेत्तए वा उव्वट्टित्तए वा, नन्नत्थ आगाढेहिं रोगायङ्केहिं ॥ १८९ ॥ परिहारकप्पट्ठिए णं भिक्खू बहिया थेराणं वेयावडियाए गच्छेज्जा, से य आहच्च अइक्कमेज्जा, तं च थेरा जाणेज्ज अप्पणो आगमेणं अन्नेसिं वा अन्तिए सोच्चा, तओ पच्छा तस्स अहालहुसए नाम ववहारे पट्ठवियव्वे सिया ॥ १९० ॥ निग्गन्थीए य गाहावइकुलं पिण्डवायपडियाए अणुप्पविट्ठाए अन्नयरे पुलागभत्ते[1] पडिग्गाहिए सिया, सा य संथरेज्जा, एवं से कप्पइ (तं दिवसं) तेणेव भत्तट्ठेणं पज्जोसवेत्तए; सा य नो संथरे, एवं से कप्पइ दोच्चं पि गाहावइकुलं (पिण्डवायपडियाए अ०) भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ १९१ ॥ त्ति-बेमि ॥

विहक्कप्पे पञ्चमो उद्देसओ समत्तो ॥ ५ ॥

छट्ठो उद्देसओ

नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा इमाइं छ अव(यणा)त्तव्वाइं वइत्तए, तंजहा–अलियवयणे हीलियवयणे खिंसियवयणे फरुसवयणे गारत्थियवयणे, वि(उ)ओसवियं वा पुणो उदी(रि)रेत्तए ॥ १९२ ॥ छ कप्पस्स पत्थारा पन्नत्ता, तंजहा–पाणाइवायस्स वायं वयमाणे, मुसावायस्स वायं वयमाणे, अदिन्नादाणस्स वायं वयमाणे, अविरइ(य)यावायं वयमाणे, अपुरिसवायं वयमाणे, दासवायं वयमाणे, इच्चेए कप्पस्स छप्पत्थारे पत्थरेत्ता सम्मं अप्पडिपूरेमाणे तट्ठाणपत्ते सिया ॥ १९३ ॥ निग्गन्थस्स य अहे पायंसि खा(णू)णुए वा क(णू)ण्टए वा ही(सक्क)रे वा परियावज्जेज्जा, तं च निग्गन्थे नो संचाएइ नीहरित्तए वा विसोहेत्तए वा, तं (च) निग्गन्थी नीहरमाणी वा विसोहेमाणी वा नाइक्कमइ ॥ १९४ ॥ निग्गन्थस्स य

1 नीरसे भोयणे ।

वा वियाले वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ ४६ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए एगाणियाए राओ वा वियाले वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा, कप्पइ से अप्पबिइयाए वा अप्पतइयाए वा अप्पचउत्थीए वा राओ वा वियाले वा बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ ४७ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पुरत्थिमेणं जाव अङ्गमगहाओ एत्तए, दक्खिणेणं जाव कोसम्बीओ एत्तए, पच्चत्थिमेणं जाव थूणाविसयाओ एत्तए, उत्तरेणं जाव कुणालाविसयाओ एत्तए; एयावयाव कप्पइ, एयावयाव आरिए खेत्ते; नो से कप्पइ एत्तो बाहिं, तेण परं जत्थ नाणदंसणचरित्ताइं उस्सप्पन्ति ॥ ४८ ॥ त्ति-बेमि ॥ **विहक्कप्पे पढमो उद्देसओ समत्तो ॥ १ ॥**

बिइओ उद्देसओ

उवस्सयस्स अन्तो वगडाए सालीणि वा वीहीणि वा मुग्गाणि वा मासाणि वा तिलाणि वा कुलत्थाणि वा गोहूमाणि वा जवाणि वा जवजवाणि वा ओखि(त्ता)-ण्णाणि वा वि(कि)क्खिण्णाणि वा विइगिण्णाणि वा विप्पइण्णाणि वा, नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अहालन्दमवि वत्थए ॥ ४९ ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा–नो ओखिण्णाइं नो विक्खिण्णाइं नो विइगिण्णाइं नो विप्पइण्णाइं, रासिकडाणि वा पुञ्जकडाणि वा भित्तिकडाणि वा कुलियकडाणि वा लञ्छियाणि वा मुद्दियाणि वा पिहियाणि वा, कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा हेमन्तगिम्हासु वत्थए ॥ ५० ॥ अह पुण एवं जाणेज्जा–नो रासिकडाइं नो पुञ्जकडाइं नो भित्तिकडाइं नो कुलियकडाइं, कोट्ठाउत्ताणि वा पल्लाउत्ताणि वा मञ्चाउत्ताणि वा मालाउत्ताणि वा ओलित्ताणि वा विलित्ताणि वा लञ्छियाणि वा मुद्दियाणि वा पिहियाणि वा, कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा वासावासं वत्थए ॥ ५१ ॥ उवस्सयस्स अन्तो वगडाए सुरावियडकुम्भे वा सोवीरयवियडकुम्भे वा उवनिक्खित्ते सिया, नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अहालन्दमवि वत्थए, हुरत्था य उवस्सयं पडिलेहमाणे नो लभेज्जा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं एगरायाओ वा दुरायाओ वा वत्थए, जे तत्थ एगरायाओ वा दुरायाओ वा परं व(सइ)सेज्जा, से सन्तरा छेए वा परिहारे वा ॥ ५२ ॥ उवस्सयस्स अन्तो वगडाए सीओदगवियडकुम्भे वा उसिणोदगवियडकुम्भे वा उवनिक्खित्ते सिया, नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अहालन्दमवि वत्थए, हुरत्था य उवस्सयं पडिलेहमाणे नो लभेज्जा, एवं से कप्पइ एगरायं वा दुरायं वा वत्थए, नो से कप्पइ परं

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमितिके 'सदस्य'



श्रीमान् शेठ धनराज पगारिया मु० हिंगोना,
ता० एरंडोल, पूर्व-खानदेश (धरणगाँव)

परिचय—आप राहुरी (अहमदनगर) से हिंगोना में दत्तक आए हैं। आप एक होनहार युवक हैं। धर्मभावमें ओतप्रोत रहते हैं। आप अपनी मातुश्रीके परम भक्त हैं। उनकी आज्ञाका सब प्रकारसे पालन करना अपना मुख्य कर्तव्य समझते हैं। आप महाव्रती-वर्शी गुरुओंके पूर्ण भक्त हैं, मुनिओंके उपदेश सुनकर आप अपनेको कृतकृत्य समझते हैं। आपकी व्यावहारिक सत्यता-प्रामाणिकता बखान करने योग्य है। आप सामायिकादि धार्मिक क्रियाओंकी साधनाओंमें अति अनुरक्त रहते हैं। आप जैसे आदर्श युवकोंकी समाजको परम आवश्यकता है।

पडिग्गाहेत्तए ॥ ६५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सागारियपिण्डं वहिया नीहडं असंसट्ठं संसट्ठं करेत्तए, जे खलु निग्गन्थे वा निग्गन्थी वा सागारियपिण्डं वहिया नीहडं असंसट्ठं संसट्ठं करेइ करेन्तं वा साइज्जइ, से दुहओ वीइक्कममाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ ६६ ॥ सागारियस्स आहडिया सागारिए(ण)णं पडिग्गाहि(या)त्ता, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ६७ ॥ सागारियस्स आहडिया सागारिएणं अपडिग्गाहित्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ६८ ॥ सागारियस्स नीहडिया परेण अपडिग्गाहित्ता, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ६९ ॥ सागारियस्स नीहडिया परेण पडिग्गाहित्ता, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ७० ॥ सागारियस्स अंसियाओ अविभत्ताओ अव्वोच्छिन्नाओ अव्वोगडाओ अनिज्जूढाओ, (एवं से) तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ७१ ॥ सागारियस्स अंसियाओ विभत्ताओ वोच्छिन्नाओ वोगडाओ निज्जूढाओ, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ७२ ॥ सागारियस्स पूयाभत्ते[1] उद्देसिए चेइए पाहुडियाए, सागारियस्स उवगरणजाए निट्ठिए निसट्ठे प(पा)डिहारिए, तं सागारिओ दे(ज्जा)इ, सागारियस्स परिजणो देइ, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ७३ ॥ सागारियस्स पूयाभत्ते उद्देसिए चेइए पाहुडियाए, सागारियस्स उवगरणजाए निट्ठिए नि(सि)सट्ठे पडिहारिए, तं नो सागारिओ देइ, नो सागारियस्स परिजणो देइ, सागारियस्स पूया देइ, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ७४ ॥ सागारियस्स पूयाभत्ते उद्देसिए चेइए पाहुडियाए, सागारियस्स उवगरणजाए निट्ठिए निसट्ठे अपडिहारिए, तं सागारिओ देइ, सागारियस्स परिजणो देइ, तम्हा दावए, नो से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ७५ ॥ सागारियस्स पूयाभत्ते उद्देसिए चेइए पाहुडियाए, सागारियस्स उवगरणजाए निट्ठिए निसट्ठे अपडिहारिए, तं नो सागारिओ देइ, नो सागारियस्स परिजणो देइ, सागारियस्स पूया देइ, तम्हा दावए, एवं से कप्पइ पडिग्गाहेत्तए ॥ ७६ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा (पञ्चिमाणि) इमाइं पञ्च वत्था(णि)इं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा, तंजहा—जङ्गिए खोमिए साणए पोत्तए तिरीडपट्टे ना(मं)म पञ्चमे ॥ ७७ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा इमाइं प(ञ्चेव)ञ्च रयहरणाइं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा, तंजहा—ओण्णिए ओट्टि(उट्टि)ए साणए वच्चापिच्चि(वच्चाच्चिप्प)ए[2] मुञ्जपिच्चिए नाम पञ्चमे ॥ ७८ ॥ त्ति—बेमि ॥ **विहक्कप्पे विइओ उद्देसओ समत्तो ॥ २ ॥**

---

१ पूया-सामिकलायरियाइणो तयट्ठा भत्ते पूयाभत्ते । २ कए ।

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

णिसीहसुत्तं

पढमो उद्देसो

जे भिक्खू हत्थकम्मं करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ १ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं कट्ठेण वा किलिंचेण वा अंगुलियाए वा सलागाए वा संचालेइ संचालेंतं वा साइज्जइ ॥ २ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ ३ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा अब्भंगेज्ज वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा अब्भंगेंतं वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ ४ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं कक्केण वा लोद्धेण वा पउमचुण्णेण वा ण्हाणेण वा सिणाणेण वा चुण्णेहिं वा वण्णेहिं वा उव्वट्टेइ वा परिवट्टेइ वा उव्वट्टेंतं वा परिवट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ ५ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ ६ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं णिच्छल्लेइ णिच्छल्लेंतं वा साइज्जइ ॥ ७ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं जिं(जिग)घइ जिंघंतं वा साइज्जइ ॥ ८ ॥ जे भिक्खू अंगादाणं अण्णयरंसि अचित्तंसि सोयंसि अणुप्पवेसेत्ता सुक्कपोग्गले णिग्घाएइ णिग्घायंतं वा साइज्जइ ॥ ९ ॥ जे भिक्खू सचि(त्तं)त्तपइट्ठियं गंधं जिंघइ जिंघंतं वा साइज्जइ ॥ १० ॥ जे भिक्खू पयमग्गं वा संकमं वा अवलंबणं वा अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ ११ ॥ जे भिक्खू दगवीणियं अण्णउत्थिएहिं वा गारत्थिएहिं वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२ ॥ जे भिक्खू सिक्कगं वा सिक्कगणंतगं वा अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ १३ ॥ जे भिक्खू सोत्तियं वा रज्जुयं वा चिलिमिलिं वा अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ १४ ॥ जे भिक्खू सूईए उत्तरकरणं अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ १५ ॥ जे भिक्खू पिप्पलगस्स उत्तरकरणं अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ १६ ॥ जे भिक्खू णखच्छेयणगस्सुत्तरकरणं अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण

न्थाण वा निग्गन्थीण वा आहाराइणियाए सेज्जासंथारयं पडिग्गाहेत्तए ॥ ९४ ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा आहाराइणियाए किइकम्मं करेत्तए ॥ ९५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अन्त(रा)रगिहंसि आसइत्तए वा चिट्ठित्तए वा निसीइत्तए वा तुयट्टित्तए वा निद्दाइत्तए वा पयलाइत्तए वा, असणं वा ४ आहारमाहारेत्तए, उच्चारं वा ४ परिट्ठवेत्तए, सज्झायं वा करेत्तए, झाणं वा झाइत्तए, काउस्सग्गं वा ठाणं वा ठाइत्तए, अह पुण एवं जाणेज्जा–जराजुण्णे वाहिए (थेरे) तवस्सी दुव्वले किलन्ते (···जज्जरिए) मुच्छेज्ज वा पवडेज्ज वा, एवं से कप्पइ अन्तरगिहंसि आसइत्तए वा जाव ठाणं वा ठाइत्तए ॥ ९६ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अन्तरगिहंसि जाव चउगाहं वा पञ्चगाहं वा आइक्खित्तए वा विभावेत्तए वा किट्टित्तए वा पवेइत्तए वा, नन्नत्थ एगनाएण वा एगवागरणेणं वा एगगाहाए वा एगसिलोएण वा, से वि य ठिच्चा, नो चेव णं अट्ठिच्चा ॥ ९७ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा अन्तरगिहंसि इमाइं (च णं) पञ्च महव्वयाइं सभावणाइं आइक्खित्तए वा जाव पवेइत्तए वा, नन्नत्थ एगनाएण वा जाव एगसिलोएण वा, से वि य ठिच्चा, नो चेव णं अ(ठि)ट्ठिच्चा ॥ ९८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पडिहारियं (वा सागारियसंतियं) सेज्जासंथारयं आयाए अपडिहट्टु संपव्वइत्तए ॥ ९९ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा सागारियसन्तियं सेज्जासंथारयं आयाए अहिगरणं कट्टु संपव्वइत्तए ॥ १०० ॥ कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पडिहारियं वा सागारियसन्तियं वा सेज्जासंथारयं आयाए विगरणं कट्टु संपव्वइत्तए ॥ १०१ ॥ इह खलु निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा पडिहारिए वा सागारियसन्तिए वा सेज्जासंथारए (विप्पण(से)सिज्जा) परिब्भट्ठे सिया, से य अणुगवेसियव्वे सिया; से य अणुगवेसमाणे लभेज्जा, तस्सेव अणुप्प(पडि)दायव्वे सिया; से य अणुगवेसमाणे नो लभेज्जा, एवं से कप्पइ दोच्चं पि ओग्गहं ओगिण्हि(अणुन्न(ा)वि)त्ता परिहारं परिहरित्तए ॥ १०२ ॥ जद्दि(जं दि)वसं च णं समणा निग्गन्था सेज्जासंथारयं विप्पजहन्ति, तद्दि(तं दि)वसं च णं अवरे समणा निग्गन्था हव्वमागच्छेज्ज; सच्चेव ओग्गहस्स पुव्वाणु(न्ना-व)न्नवणा चिट्ठइ अहालन्दमवि ओग्गहे ॥ १०३ ॥ अत्थि याइं थ केइ उवस्सयपरियाव(न्नाए)न्ने अचित्ते परिहरणारिहे, सच्चेव ओग्गहस्स पुव्वाणुन्नवणा चिट्ठइ अहालन्दमवि ओग्गहे ॥ १०४॥ से वत्थूसु अव्वावडेसु अव्वोगडेसु अपरपरिग्गहिएसु अमरपरिग्गहिएसु सच्चेव ओग्गहस्स पुव्वाणुन्नवणा चिट्ठइ अहालन्दमवि ओग्गहे ॥ १०५ ॥ से वत्थूसु वावडेसु वोगडेसु परपरिग्गहिएसु भिक्खुभावस्सट्ठाए दोच्चं पि ओग्गहे अणुन्नवेयव्वे

तड्डेइ तड्डेंतं वा साइज्जइ ॥ ४१ ॥ जे भिक्खू पायस्स परं तिण्हं तुड्डियाणं तड्डेइ तड्डेंतं वा साइज्जइ ॥ ४२ ॥ जे भिक्खू पायं अविहीए बंधइ बंधंतं वा साइज्जइ ॥ ४३ ॥ जे भिक्खू पायं एगेण बंधेण बंधइ बंधंतं वा साइज्जइ ॥ ४४ ॥ जे भिक्खू पायं परं तिण्ह बंधाणं बंधइ बंधंतं वा साइज्जइ ॥ ४५ ॥ जे भिक्खू अइरेगबंधणं पायं दिवड्ढाओ मासाओ परेण धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ४६ ॥ जे भिक्खू वत्थस्स एगं पडियाणियं देइ देंतं वा साइज्जइ ॥ ४७ ॥ जे भिक्खू वत्थस्स परं तिण्हं पडियाणियाणं देइ देंतं वा साइज्जइ ॥ ४८ ॥ जे भिक्खू अविहीए वत्थं सिव्वइ सिव्वंतं वा साइज्जइ ॥ ४९ ॥ जे भिक्खू वत्थस्सेगं फालियगंठियं करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ५० ॥ जे भिक्खू वत्थस्स परं तिण्हं फालियगंठियाणं करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ५१ ॥ (…वि० दे० साइज्जइ…परं तिण्हं…) जे भिक्खू वत्थं अविहीए गंठेइ गंठंतं वा साइज्जइ ॥ ५२ ॥ जे भिक्खू अतज्जाएणं गहेइ गहंतं वा साइज्जइ ॥ ५३ ॥ जे भिक्खू अइरेगगहियं वत्थं परं दिवड्ढाओ मासाओ धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ५४ ॥ जे भिक्खू गिहधूमं अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिसाडावेइ परिसाडावेंतं वा साइज्जइ ॥ ५५ ॥ जे भिक्खू पूइकम्मं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ । तं सेवमाणे आवज्जइ मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ ५६ ॥

णिसीहऽज्झयणे पढमो उद्देसो समत्तो ॥ १ ॥

बिइओ उद्देसो

जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणयं करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ५७ ॥ जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणं गेण्हइ गेण्हंतं वा साइज्जइ ॥ ५८ ॥ जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ५९ ॥ जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणं वियरइ वियरंतं वा साइज्जइ ॥ ६० ॥ जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणं परिभाएइ परिभाएंतं वा साइज्जइ ॥ ६१ ॥ जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणं परिभुंजइ परिभुंजंतं वा साइज्जइ ॥ ६२ ॥ जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणं परं दिवड्ढाओ मासाओ धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ६३ ॥ जे भिक्खू दारुदंडयं पायपुंछणयं विसुयावेइ विसुयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ६४ ॥ जे भिक्खू अचित्तपइट्ठियं गंधं जिघइ जिघंतं वा

वा जाव ०संताणएसु; उप्पिरावणमायाए कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा तहप्पगारे उवस्सए हेमन्तगिम्हासु वत्थए ॥ १३७ ॥ से तणेसु वा जाव ०संताणएसु अहेरयणिमुक्कमउडे(सु) नो कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा तहप्पगारे उवस्सए वासावासं वत्थए ॥ १३८ ॥ से तणेसु वा जाव ०संताणएसु उप्पिरयणिमुक्कमउडे कप्पइ निग्गन्थाण वा निग्गन्थीण वा तहप्पगारे उवस्सए वासावासं वत्थए ॥ १३९ ॥ त्ति-बेमि ॥ **विहकप्पे चउत्थो उद्देसओ समत्तो ॥ ४ ॥**

पञ्चमो उद्देसओ

देवे य इत्थिरूवं विउव्वित्ता निग्गन्थं पडिग्गाहे(गेण्हे)ज्जा, तं च निग्गन्थे साइज(जइ)जेज्जा, मेहुणपडिसेवणपत्ते आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४० ॥ देवे य पुरिसरूवं विउव्वित्ता निग्गन्थिं पडिग्गाहेज्जा, तं च निग्गन्थी साइज्जेज्जा, मेहुणपडिसेवणपत्ता आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४१ ॥ देवी य इत्थिरूवं विउव्वित्ता निग्गन्थं पडिग्गाहेज्जा, तं च निग्गन्थे साइज्जेज्जा, मेहुणपडिसेवणपत्ते आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४२ ॥ देवी य पुरिसरूवं विउव्वित्ता निग्गन्थिं पडिग्गाहेज्जा, तं च निग्गन्थी साइज्जेज्जा, मेहुणपडिसेवणपत्ता आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४३ ॥ भिक्खू य अहिगरणं कट्टु तं अहिगरणं अविओसवेत्ता इच्छेज्जा अ(न्न)न्नं गणं उवसंपज्जित्ताणं विहरित्तए, कप्पइ तस्स पञ्च राइन्दि(यं)याइं छेयं कट्टु परिणि(व्वा)व्वविय २ तामेव गणं पडिनिज्जाएयव्वे सिया, जहा वा तस्स गणस्स पत्तियं सिया ॥ १४४ ॥ भिक्खू य उग्गयवित्तीए अणत्थमियसंकप्पे संथडिए निव्विइ(गिंछा-गिच्छा-समावन्ने)गिच्छे असणं वा ४ पडिग्गाहेत्ता आहारमाहारेमाणे अह पच्छा जाणेज्जा–अणुग्गए सूरिए अत्थमिए वा, से जं च (आसयंसि) मुहे जं च पाणिंसि जं च पडिग्ग(हयंसि)हे तं विगिञ्चमाणे (वा) विसोहेमाणे ना(नो अ)इक्कमइ; तं अप्पणा भुञ्जमाणे अन्नेसिं वा (दलमाणे) अणुप्पदेमाणे (राइभोयणपडिसेणपवत्ते) आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४५ ॥ भिक्खू य उग्गयवित्तीए अणत्थमियसंकप्पे संथडिए विइगिच्छासमावन्ने असणं वा ४ पडिग्गाहेत्ता आहारमाहारेमाणे अह पच्छा जाणेज्जा–अणुग्गए सूरिए अत्थमिए वा, से जं च मुहे जं च पाणिंसि जं च पडिग्गहे तं विगिञ्चमाणे विसोहेमाणे नाइक्कमइ; तं अप्पणा भुञ्जमाणे अन्नेसिं वा अणुप्पदेमाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं अणुग्घाइयं ॥ १४६ ॥ भिक्खू य उग्गयवित्तीए अणत्थमियसंकप्पे असंथडिए निव्विइगिच्छे असणं वा ४ पडिग्गाहेत्ता आहारमाहारेमाणे अह पच्छा जाणेज्जा–अणुग्गए सूरिए

याणि वा पच्छासंथुयाणि वा कुलाइं पुव्वामेव भिक्खायरियाए अणुपविसइ अणुपविसंतं वा साइज्जइ ॥ ९४ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अपरिहारिए वा अपरिहारिएण सद्धिं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए णिक्खमइ वा अणुपविसइ वा णिक्खमंतं वा अणुपविसंतं वा साइज्जइ ॥ ९५ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ वा अपरिहारिएण सद्धिं वहिया विहारभूमिं वा वियारभूमिं वा णिक्खमइ वा पविसइ वा णिक्खमंतं वा पविसंतं वा साइज्जइ ॥ ९६ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिहारिओ अपरिहारिएहिं सद्धिं गामाणुगामं दूइज्जइ दूइज्जंतं वा साइज्जइ ॥ ९७ ॥ जे भिक्खू अण्णयरं पाणगजायं पडिगाहित्ता पुप्फगं पुप्फगं आइयइ कसायं २ परिट्ठवेइ परिट्ठवेंतं वा साइज्जइ ॥ ९८ ॥ जे भिक्खू अण्णयरं भोयणजायं पडिगाहित्ता सुब्भिं २ भुंजइ दुब्भिं २ परिट्ठवेइ परिट्ठवेंतं वा साइज्जइ ॥ ९९ ॥ जे भिक्खू मणुण्णं भोयणजायं पडिगाहेत्ता वहुपरियावण्णं सिया अदूरे तत्थ साहम्मिया संभोइया समणुण्णा अपरिहारिया संता परिवसंति ते अणापुच्छि(य)या अणिमंतिया परिट्ठवेइ परिट्ठवेंतं वा साइज्जइ ॥१००॥ जे भिक्खू सागारियं पिंडं गिण्हइ गिण्हंतं वा साइज्जइ ॥ १०१ ॥ जे भिक्खू सागारियं पिंडं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ १०२ ॥ जे भिक्खू सागारियं कुलं अजाणिय अपुच्छिय अगवेसिय पुव्वामेव पिंडवायपडियाए अणुप्पविसइ अणुप्पविसंतं वा साइज्जइ ॥ १०३ ॥ जे भिक्खू सागारियनीसाए असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा ओभासिय २ जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ १०४ ॥ जे भिक्खू उडुवद्धियं सेज्जासंथारयं परं पज्जोसवणाओ उवाइणाइ उवाइणंतं वा साइज्जइ ॥ १०५ ॥ जे भिक्खू वासावासियं सेज्जासंथारयं परं दसरायकप्पाओ उवाइणाइ उवाइणंतं वा साइज्जइ ॥ १०६ ॥ जे भिक्खू उडुवद्धियं वा वासावासियं वा सेज्जासंथारगं उवरि सिज्जमाणं पेहाए न ओसारेइ न ओसारेंतं वा साइज्जइ ॥ १०७ ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं सेज्जासंथारयं अणणुण्णवेत्ता वाहिं णीणेइ णीणेंतं वा साइज्जइ ॥ १०८ ॥ जे भिक्खू सागारियसंतियं सेज्जासंथारयं अणणुण्णवेत्ता वाहिं णीणेइ णीणेंतं वा साइज्जइ ॥ १०९ ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं सागारियसंतियं वा सेज्जासंथारयं दोच्चंपि अणणुण्णवेत्ता वाहिं णीणेइ णीणेंतं वा साइज्जइ ॥ ११० ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं सेज्जासंथारयं आदाय अप्पडिहट्टु संपव्वयइ संपव्वयंतं वा साइज्जइ ॥ १११ ॥ जे भिक्खू सागारियसंतियं सेज्जासंथारयं आदाय अहिगरणं कट्टु अणप्पिणेत्ता संपव्वयइ संपव्वयंतं वा साइज्जइ ॥ ११२ ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं वा सागारियसंतियं वा सेज्जासंथारयं विप्पणट्ठं ण गवेसइ ण गवेसंतं वा साइज्जइ

नो कप्पइ निग्गन्थीए एगाणियाए गामाणुगामं दूइज्जित्तए (वासावासं (वा) वत्थए) ॥ १५७ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए अचेलियाए होत्त(हुंत)ए ॥ १५८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए अपाइयाए होत्तए ॥ १५९ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए वोसट्ठकाइयाए होत्तए ॥ १६० ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए बहिया गामस्स वा जाव॰ (रायहाणीए) संनिवेसस्स वा उड्ढं बाहाओ पगिज्झिय २ सूराभिमु(ही)हाए एगपाइयाए ठिच्चा आयावणाए आयावेत्तए ॥ १६१ ॥ कप्पइ से उवस्सयस्स अन्तो वगडाए संघाडिपडिबद्धाए समतलपाइयाए ठिच्चा आयावणाए आयावेत्तए ॥ १६२ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए ठाणाइयाए होत्तए ॥ १६३ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए पडिमट्ठावियाए होत्तए ॥ १६४ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए ठाणुक्कडियासणियाए होत्तए ॥ १६५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए ने(सि)सज्जियाए होत्तए ॥ १६६ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए वीरासणियाए होत्तए ॥ १६७ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए दण्डा(ई)सणियाए (पलम्बियबाहाए) होत्तए ॥ १६८ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए लगण्डसाइयाए होत्तए ॥ १६९ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए ओमंथियाए होत्तए ॥ १७० ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए उत्ता(णसाइ)णियाए होत्तए ॥ १७१ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए अम्बखुज्जियाए होत्तए ॥ १७२ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीए एगपासियाए होत्तए ॥ १७३ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं आउञ्चणपट्टगं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १७४ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं आउञ्चणपट्टगं धारेत्तए वा परिहरि(वहि)त्तए वा ॥ १७५ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं सा(वा)वस्सयंसि आस(णयं)णंसि आसइ(चिट्ठि)त्तए वा तुयट्टि(निसिइ)त्तए वा ॥ १७६ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं सावस्सयंसि आसणंसि आसइत्तए वा तुयट्टित्तए वा ॥ १७७ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं सविसा(णयं)णंसि फलगंसि वा पी(ढगं)ढंसि वा चिट्ठित्तए वा निसीइत्तए वा (आसइत्तए वा तुयट्टित्तए वा) ॥ १७८ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं जाव निसीइत्तए वा ॥ १७९ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं (सना(ला)लयाइं पायाइं अहिट्ठित्तए) सवेण्टयं लाउयं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १८० ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं सवेण्टयं लाउयं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १८१ ॥ नो कप्पइ निग्गन्थीणं स(विट्ट)वे(ढिया-ओ)ण्टयं पायकेसरि(याओ)यं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १८२ ॥ कप्पइ निग्गन्थाणं सवेण्टयं पायकेसरियं धारेत्तए वा परिहरित्तए वा ॥ १८३ ॥ नो

१ जत्थाभिणवसंकडमुहे अलाउए हत्थो ण माइ तस्स अलाउणो जमुच्चत्तं तप्पमाणो दंडो किज्जइ, तस्सग्गभागे बद्धा जा पच्चुवेक्खणिया सा पायकेसरिया वेटय भण्णइ।

पाए सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ १३४ ॥ जे भिक्खू अप्पणो पाए फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ १३५ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ १३६ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ १३७ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ १३८ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायं लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ १३९ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ १४० ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायं फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ १४१ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ १४२ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि वणं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ १४३ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ १४४ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि वणं लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ १४५ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ १४६ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि वणं फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ १४७ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि गंडं वा पलियं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिदेज्ज वा विच्छिदेज्ज वा अच्छिदंतं वा विच्छिदंतं वा साइज्जइ ॥ १४८ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि गंडं वा पलियं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिदित्ता विच्छिदित्ता पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णीहरेंतं वा विसोहेंतं वा साइज्जइ ॥ १४९ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि गंडं वा पलियं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिदित्ता विच्छिदित्ता (पू०) णीहरित्ता विसोहेत्ता सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ १५० ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि गंडं वा पलियं वा अरइयं वा अंसियं वा

अच्छिसि पाणे वा वीए वा रए वा परियावज्जेज्जा, तं च निग्गन(थो)थे नो संचाए-(ज्जा)इ नीहरित्तए वा विसोहेत्तए वा, तं निग्गन्थी नीहरमाणी वा विसोहेमाणी वा नाइक्कमइ ॥ १९५ ॥ निग्गन्थीए य अहे पायंसि खाणूए वा कण्टए वा ही(रए)रे वा (सक्करे वा) परियावज्जेज्जा, तं च निग्गन्थी नो संचाएइ नीहरित्तए वा विसोहेत्तए वा, तं निग्गन्थे नीहरमाणे वा विसोहेमाणे वा नाइक्कमइ ॥ १९६ ॥ निग्गन्थीए य अच्छिसि पाणे वा वीए वा रए वा परियावज्जेज्जा, तं च निग्गन्थी नो संचाएइ नीहरित्तए वा विसोहेत्तए वा, तं निग्गन्थे नीहरमाणे वा विसोहेमाणे वा नाइक्कमइ ॥ १९७ ॥ निग्गन्थे निग्गन्थिं दुग्गंसि वा विसमंसि वा पव्वयंसि वा पक(खु)खल-माणिं वा पवडमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलम्बमाणे वा नाइक्कमइ ॥ १९८ ॥ निग्गन्थे निग्गन्थिं सेयंसि वा पङ्कंसि वा पणगंसि वा उदयंसि वा ओक(उक्क)समाणिं वा ओवु(ज्झ)ब्भमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलम्बमाणे वा नाइक्कमइ ॥ १९९ ॥ निग्गन्थे निग्गन्थिं नावं आ(रोह)रुभमाणिं वा ओ(उ-रोह)रुभमाणिं वा गेण्हमाणे वा अवलम्बमाणे वा नाइक्कमइ ॥ २०० ॥ खित्तचित्तं निग्गन्थिं निग्गन्थे गे(गि)ण्ह-माणे वा अवलम्बमाणे वा नाइक्कमइ ॥ २०१ ॥ दित्तचित्तं निग्गन्थिं निग्गन्थे गेण्हमाणे वा अवलम्बमाणे वा नाइक्कमइ ॥ २०२ ॥ जक्खाइट्ठं (०) उम्मायपत्तं (०) उवसग्गपत्तं (०) साहिगरणं (०) सपायच्छित्तं (०) भत्तपाणपडियाइक्खियं (०) अट्ठजा(यम्मि)यं निग्गन्थिं निग्गन्थे गेण्हमाणे वा अवलम्बमाणे वा नाइक्कमइ ॥ २०३ ॥ छ कप्पस्स पलिमन्थू पन्नत्ता, तंजहा–कोक्कुइए संजमस्स पलिमन्थू, मोहरिए सच्चवयणस्स पलिमन्थू, तिन्ति(णी)णिए एसणागोयरस्स पलिमन्थू, चक्खुलोलुए इरियावहियाए पलिमन्थू, इच्छालो(भ-ल-ए)भे मुत्तिमग्गस्स पलिमन्थू, (भिज्जा) भुज्जो भुज्जो नियाणकरणे सिद्धि(मोक्ख)मग्गस्स पलिमन्थू, सव्वत्थ भगवया अनि-याणया पसत्था ॥ २०४ ॥ छव्विहा कप्पट्ठिई पन्नत्ता, तंजहा–सामाइयसंजयकप्पट्ठिई, छेओवट्ठावणियसंजयकप्पट्ठिई, निव्विसमाणकप्पट्ठिई, निव्विट्ठकाइयकप्पट्ठिई, जिण-कप्पट्ठिई, थेरकप्पट्ठिई ॥ २०५ ॥ ति-बेमि ॥ **विहकप्पे छट्ठो उद्देसओ समत्तो ॥ ६ ॥ विहकप्पसुत्तं समत्तं ॥**



वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ १६८ ॥ जे भिक्खू अप्पणो उट्ठे सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ १६९ ॥ जे भिक्खू अप्पणो उट्ठे फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ १७० ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं उत्तरोट्ठरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १७१ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं अच्छिपत्ताइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १७२ ॥ जे भिक्खू अप्पणो अच्छीणि आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ १७३ ॥ जे भिक्खू अप्पणो अच्छीणि संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ १७४ ॥ जे भिक्खू अप्पणो अच्छीणि तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ १७५ ॥ जे भिक्खू अप्पणो अच्छीणि लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ १७६ ॥ जे भिक्खू अप्पणो अच्छीणि सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ १७७ ॥ जे भिक्खू अप्पणो अच्छीणि फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ १७८ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं भुमगरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं

॥ २०७ ॥ जे भिक्खू रायं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २०८ ॥ जे भिक्खू रायारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २०९ ॥ जे भिक्खू णगरारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २१० ॥ जे भिक्खू णिगमारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २११ ॥ जे भिक्खू देसारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २१२ ॥ जे भिक्खू सव्वारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २१३ ॥ जे भिक्खू कसिणाओ ओसहीओ आहारेइ आहारेंतं वा साइज्जइ ॥ २१४ ॥ जे भिक्खू आयरिएहिं अदिण्णं आहारेइ आहारेंतं वा साइज्जइ ॥ २१५ ॥ जे भिक्खू आयरियोवज्झाएहिं अविदिण्णं विगइं आहारेइ आहारेंतं वा साइज्जइ ॥ २१६ ॥ जे भिक्खू ठवणाकुलाइं अजाणिय अपुच्छिय अगवेसिय पुव्वामेव पिंडवायपडियाए अणुप्पविसइ अणुप्पविसंतं वा साइज्जइ ॥ २१७ ॥ जे भिक्खू णिग्गंथीणं उवस्सयंसि अविहीए अणुप्पविसइ अणुप्पविसंतं वा साइज्जइ ॥ २१८ ॥ जे भिक्खू णिग्गंथीणं आगमणपहंसि दंडगं वा रयहरणं वा मुहपोत्तियं वा अण्णयरं वा उवगरणजायं ठवेइ ठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २१९ ॥ जे भिक्खू णवाइं अणुप्पण्णाइं अहिगरणाइं उप्पाएइ उप्पाएंतं वा साइज्जइ ॥ २२० ॥ जे भिक्खू पोराणाइं अहिगरणाइं खामिय विओसवियाइं पुणो उदीरेइ उदीरेंतं वा साइज्जइ ॥ २२१ ॥ जे भिक्खू मुहं विप्फालिय हसइ हसंतं वा साइज्जइ ॥ २२२ ॥ जे भिक्खू पासत्थस्स संघाडयं देइ देंतं वा साइज्जइ ॥ २२३ ॥ जे भिक्खू पासत्थस्स संघाडयं पडिच्छइ पडिच्छंतं वा साइज्जइ ॥ २२४ ॥ जे भिक्खू ओसण्णस्स संघाडयं देइ देंतं वा साइज्जइ ॥ २२५ ॥ जे भिक्खू ओसण्णस्स संघाडयं पडिच्छइ पडिच्छंतं वा साइज्जइ ॥ २२६ ॥ जे भिक्खू कुसीलस्स संघाडयं देइ देंतं वा साइज्जइ ॥ २२७ ॥ जे भिक्खू कुसीलस्स संघाडयं पडिच्छइ पडिच्छंतं वा साइज्जइ ॥ २२८ ॥ जे भिक्खू नितियस्स संघाडयं देइ देंतं वा साइज्जइ ॥ २२९ ॥ जे भिक्खू नितियस्स संघाडयं पडिच्छइ पडिच्छंतं वा साइज्जइ ॥ २३० ॥ जे भिक्खू संसत्तस्स संघाडयं देइ देंतं वा साइज्जइ ॥ २३१ ॥ जे भिक्खू संसत्तस्स संघाडयं पडिच्छइ पडिच्छंतं वा साइज्जइ ॥ २३२ ॥ जे भिक्खू उदओल्लेण वा ससिणिद्धेण वा हत्थेण वा दव्वीए वा भायणेण वा असणं वा ४ पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ २३३ ॥ जे भिक्खू ससरक्खेण वा मट्टियासंसट्ठेण वा ऊसासंसट्ठेण वा लोणियसंसट्ठेण वा हरियालसंसट्ठेण वा मणोसिलसंसट्ठेण वा लोद्धसंसट्ठेण वा गेरुयसंसट्ठेण वा सेडियसंसट्ठेण वा हिंगुलसंसट्ठेण वा अंजणसंसट्ठेण वा कुक्कुससंसट्ठेण वा पिट्ठसंसट्ठेण वा कंतवसंसट्ठेण वा कंदमूलसंसट्ठेण वा सिंगबेरसंसट्ठेण वा पुप्फसंसट्ठेण

वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ १७ ॥ जे भिक्खू कण्णसोहणगस्सुत्तरकरणं अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा कारेइ कारेंतं वा साइज्जइ ॥ १८ ॥ जे भिक्खू अणट्ठाए सूइं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ १९ ॥ जे भिक्खू अणट्ठाए पिप्पलगं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ २० ॥ जे भिक्खू अणट्ठाए कण्णसोहणगं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ २१ ॥ जे भिक्खू अणट्ठाए णखच्छेयणगं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ २२ ॥ जे भिक्खू अविहीए सूइं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ २३ ॥ जे भिक्खू अविहीए पिप्पलगं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ २४ ॥ जे भिक्खू अविहीए णहच्छेयणगं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ २५ ॥ जे भिक्खू अविहीए कण्णसोहणयं जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ २६ ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं सूइं जाइत्ता वत्थं सिव्विस्सामित्ति पायं सिव्वइ सिव्वंतं वा साइज्जइ ॥ २७ ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं पिप्पलयं जाइत्ता वत्थं छिंदिस्सामित्ति पायं छिंदइ छिंदंतं वा साइज्जइ ॥ २८ ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं णहच्छेयणयं जाइत्ता णहं छिंदिस्सामित्ति सल्लुद्धरणं करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ २९ ॥ जे भिक्खू पाडिहारियं कण्णसोहणगं जाइत्ता कण्णमलं णीहरिस्सामित्ति दंतमलं वा णखमलं वा णीहरेइ णीहरेंतं वा साइज्जइ ॥ ३० ॥ जे भिक्खू अप्पणो एक्कस्स अट्ठाए सूइं जाइत्ता अण्णमण्णस्स अणुप्पदेइ अणुप्पदेंतं वा साइज्जइ ॥ ३१ ॥ जे भिक्खू अप्पणो एक्कस्स अट्ठाए पिप्पलयं जाइत्ता अण्णमण्णस्स अणुप्पदेइ अणुप्पदेंतं वा साइज्जइ ॥ ३२ ॥ जे भिक्खू अप्पणो एक्कस्स अट्ठाए णहच्छेयणयं जाइत्ता अण्णमण्णस्स अणुप्पदेइ अणुप्पदेंतं वा साइज्जइ ॥ ३३ ॥ जे भिक्खू अप्पणो एक्कस्स अट्ठाए कण्णसोहणयं जाइत्ता अण्णमण्णस्स अणुप्पदेइ अणुप्पदेंतं वा साइज्जइ ॥ ३४ ॥ जे भिक्खू सूइं अविहीए पच्चप्पिणइ पच्चप्पिणंतं वा साइज्जइ ॥ ३५ ॥ जे भिक्खू अविहीए पिप्पलगं पच्चप्पिणइ पच्चप्पिणंतं वा साइज्जइ ॥ ३६ ॥ जे भिक्खू अविहीए णहच्छेयणगं पच्चप्पिणइ पच्चप्पिणंतं वा साइज्जइ ॥ ३७ ॥ जे भिक्खू अविहीए कण्णसोहणयं पच्चप्पिणइ पच्चप्पिणंतं वा साइज्जइ ॥ ३८ ॥ जे भिक्खू लाउयपायं वा दारुपायं वा मट्टियापायं वा अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिघट्टावेइ वा संठवेइ वा जमावेइ वा अलमप्पणो कारणयाए सुहुममवि णो कप्पइ जाणमाणे सरमाणे अण्णमण्णस्स वियरइ वियरंतं वा साइज्जइ ॥ ३९ ॥ जे भिक्खू दंडयं वा अवलेहणियं वा वेणुसूइयं वा अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा परिघट्टावेइ वा संठवेइ वा जमावेइ वा अलमप्पणो कारणयाए सुहुममवि णो कप्पइ जाणमाणे सरमाणे अण्णमण्णस्स वियरइ वियरंतं वा साइज्जइ ॥ ४० ॥ जे भिक्खू पायस्स एक्कं तुंडियं

१ थेरावेक्खाए, तेसिं कप्पइ त्ति ।

जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ २५८ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि वणं लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ २५९ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ २६० ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि वणं फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ २६१ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदेज्ज वा विच्छिंदेज्ज वा अच्छिंदेंतं वा विच्छिंदेंतं वा साइज्जइ ॥ २६२ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता पूयं वा सोणियं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णीहरेंतं वा विसोहेंतं वा साइज्जइ ॥ २६३ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि गंडं वा पिलयं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता णीहरित्ता विसोहित्ता सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ २६४ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि गंडं वा पिलयं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता णीहरित्ता विसोहेत्ता उच्छोलेत्ता पधोएत्ता अण्णयरेणं आलेवणजाएणं आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा आलिंपेंतं वा विलिंपेंतं वा साइज्जइ ॥ २६५ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता णीहरित्ता विसोहेत्ता उच्छोलेत्ता पधोएत्ता आलिंपित्ता विलिंपित्ता तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा अब्भंगेज्ज वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेंतं वा मक्खेंतं वा साइज्जइ ॥ २६६ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता णीहरित्ता विसोहेत्ता उच्छोलेत्ता पधोएत्ता आलिंपित्ता विलिंपित्ता अब्भंगेत्ता मक्खेत्ता अण्णयरेणं धूवणजाएणं धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा धूवंतं वा पधूवंतं वा साइज्जइ ॥ २६७ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स पालुकिमियं वा कुच्छिकिमियं वा अंगुलीए णिवेसिय २ णीहरइ णीहरंतं वा साइज्जइ ॥ २६८ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाओ णहसिहाओ कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २६९ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं जंघ-

साइज्जइ ॥ ६५ ॥ जे भिक्खू पयमग्गं वा संकमं वा आलंवणं वा सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ६६ ॥ जे भिक्खू दगवीणियं सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ६७ ॥ जे भिक्खू सिक्कगं वा सिक्कगणंतगं वा सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ६८ ॥ जे भिक्खू सोत्तियं वा रज्जुयं वा चिलिमिलिं वा सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ६९ ॥ जे भिक्खू सूईए उत्तरकरणं सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ७० ॥ जे भिक्खू पिप्पलयस्स उत्तरकरणं सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ७१ ॥ जे भिक्खू णहच्छेयणगस्स उत्तरकरणं सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ७२ ॥ जे भिक्खू कण्णसोहणयस्स उत्तरकरणं सयमेव करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ७३ ॥ जे भिक्खू लहुसगं फरुसं वयइ वयंतं वा साइज्जइ ॥ ७४ ॥ जे भिक्खू लहुसगं मुसं वयइ वयंतं वा साइज्जइ ॥ ७५ ॥ जे भिक्खू लहुसगं अदत्तं आदियइ आदियंतं वा साइज्जइ ॥ ७६ ॥ जे भिक्खू लहुसएण सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा हत्थाणि वा पायाणि वा कण्णाणि वा अच्छीणि वा दंताणि वा णहाणि वा[1] (मुहं वा) उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ ७७ ॥ जे भिक्खू कसिणाइं वत्थाइं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ७८ ॥ जे भिक्खू अभिण्णाइं वत्थाइं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ७९ ॥ जे भिक्खू लाउयपायं वा दारुयपायं वा मट्टिया-पायं वा सयमेव[2] परिघट्टेइ वा संठवेइ वा जमावेइ वा परिघट्टेंतं वा संठवेंतं वा जमावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८० ॥ जे भिक्खू दंडगं वा अवलेहणं वा वेणुसूइयं वा सयमेव परियट्टेइ वा संठवेइ वा जमावेइ वा परियट्टेंतं वा संठवेंतं वा जमावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८१ ॥ जे भिक्खू[3] णियगवेसियगं पडिग्गहगं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ८२ ॥ जे भिक्खू परगवेसियगं पडिग्गहगं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ८३ ॥ जे भिक्खू वरगवेसियगं पडिग्गहगं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ८४ ॥ जे भिक्खू वलगवेसियगं पडिग्गहगं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ८५ ॥ जे भिक्खू लवंगवेसियगं पडिग्गहगं धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ८६ ॥ जे भिक्खू नितियं अग्गपिंडं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ ८७ ॥ जे भिक्खू नितियं पिंडं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ ८८ ॥ जे भिक्खू नितियं अवड्ढभागं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ ८९ ॥ जे भिक्खू नितियं भागं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ ९० ॥ जे भिक्खू नितियं उवड्ढभागं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ ९१ ॥ जे भिक्खू नितियावासं वसइ वसंतं वा साइज्जइ ॥ ९२ ॥ जे भिक्खू पुरेसंथवं वा पच्छासंथवं वा करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ९३ ॥ जे भिक्खू समाणे वा वसमाणे वा गामाणुगामं वा दूइज्जमाणे पुरेसंथु-

१ विभूसाए। २ सोहाए। ३ गुरुआणाइ विणा।

॥ २८९ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स अच्छीणि सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ २९० ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स अच्छीणि फुमेज्ज वा रएज्ज वा फुमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ २९१ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं भुमगरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २९२ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं पासरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २९३-१ ॥ ...केसरोमाइं... ॥ २९३-२ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स अच्छिमलं वा कण्णमलं वा दंतमलं वा णहमलं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णीहरेंतं वा विसोहेंतं वा साइज्जइ ॥ २९४ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायाओ सेयं वा जल्लं वा पंकं वा मलं वा णीहरेज्ज वा विसोहेज्ज वा णीहरेंतं वा विसोहेंतं वा साइज्जइ ॥ २९५ ॥ जे भिक्खू गामाणुगा-[मियं]मं दूइज्जमाणे अण्णमण्णस्स सीसदुवारियं करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ २९६ ॥ जे भिक्खू साणुप्पए उच्चारपासवणभूमिं साणुप्पए ण पडिलेहइ ण पडिलेहंतं वा साइज्जइ ॥ २९७ ॥ जे भिक्खू तओ उच्चारपासवणभूमीओ ण पडिलेहेइ ण पडिलेहंतं वा साइज्जइ ॥ २९८ ॥ जे भिक्खू खुड्डागंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं परिट्ठवेइ परिट्ठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २९९ ॥ जे भिक्खू उच्चारपासवणं अविहीए परिट्ठवेइ परिट्ठवेंतं वा साइज्जइ ॥ ३०० ॥ जे भिक्खू उच्चारपासवणं परिट्ठवेत्ता ण पुंछइ ण पुंछंतं वा साइज्जइ ॥ ३०१ ॥ जे भिक्खू उच्चारपासवणं परिट्ठवेत्ता कट्ठेण वा किलिंचेण वा अंगुलियाए वा सलागाए वा पुंछइ पुंछंतं वा साइज्जइ ॥ ३०२ ॥ जे भिक्खू उच्चारपासवणं परिट्ठवेत्ता णायमइ णायमंतं वा साइज्जइ ॥ ३०३ ॥ जे भिक्खू उच्चारपासवणं परिट्ठवेत्ता तत्थेव आयमइ आयमंतं वा साइज्जइ ॥ ३०४ ॥ जे भिक्खू उच्चारपासवणं परिट्ठवेत्ता दूरे आयमइ आयमंतं वा साइज्जइ ॥ ३०५ ॥ जे भिक्खू उच्चारपासवणं परिट्ठवेत्ता णावापूराणं आयमइ आयमंतं वा साइज्जइ ॥ ३०६ ॥ जे भिक्खू अपरिहारिएण परिहारियं वएज्जा-एहि अज्जो ! तुमं च अहं च एगओ असणं वा ४ पडिग्गाहेत्ता तओ पच्छा पत्तेयं २ भोक्खामो वा पाहामो वा, जे तं एवं वयइ वयंतं वा साइज्जइ। तं सेवमाणे आवज्जइ मासियं परिहारट्ठाणं उग्घाइयं ॥ ३०७ ॥ **णिसीहऽज्झयणे चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥ ४ ॥**

पंचमो उद्देसो

जे भिक्खू सचित्तरुक्खमूलंसि ठिच्चा आलोएज्ज वा पलोएज्ज वा आलोएंतं वा

---

१ कयाइ एगट्ठाणे केण वि कारणेण पारिट्ठावणाऽवसरो ण होज्ज तो दोच्चं तच्चं ठाणं उवओगी होउ त्ति तिण्णि ठाणाइं वुत्ताइं ति ।

॥ ११३ ॥ जे भिक्खू इत्तरियंपि उवहिं ण पडिलेहेइ ण पडिलेहेंतं वा साइज्जइ। तं सेवमाणे आवज्जइ मासियं परिहारट्ठाणं उग्घाइयं ॥ ११४ ॥ **णिसीहऽज्झयणे वीओ उद्देसो समत्तो ॥ २ ॥**

तइओ उद्देसो

जे भिक्खू आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा अण्णउत्थियं वा गारत्थियं वा असणं वा ४ ओभासिय २ जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ ११५ ॥ एवं अण्णउत्थिया वा गारत्थिया वा, अण्णउत्थिणी वा गारत्थिणी वा, अण्णउत्थिणीओ वा गारत्थिणीओ वा असणं वा ४ ओभासिय २ जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ ११६-११७-११८ ॥ जे भिक्खू आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा कोउहल्लपडियाए पडियागयं समाणं अण्णउत्थियं वा गारत्थियं वा, अण्णउत्थिया वा गारत्थिया वा, अण्णउत्थिणी वा गारत्थिणी वा, अण्णउत्थिणीओ वा गारत्थिणीओ वा असणं वा ४ ओभासिय २ जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ ११९-१२०-१२१-१२२ ॥ जे जे भिक्खू आगंतारेसु वा आरामागारेसु वा गाहावइकुलेसु वा परियावसहेसु वा अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा, अण्णउत्थिएहि वा गारत्थिएहि वा, अण्णउत्थिणीए वा गारत्थिणीए वा, अण्णउत्थिणीहि वा गारत्थिणीहि वा असणं वा ४ अभिहडं आहट्टु दिज्जमाणं पडिसेहेत्ता तमेव अणुवत्तिय २ परिवेढिय २ परिजविय २ ओभासिय २ जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ १२३-१२४-१२५-१२६ ॥ जे भिक्खू गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए पविट्ठे पडियाइक्खिए समाणे दोच्चं(पि) तमेव कुलं अणुप्पविसइ अणुप्पविसंतं वा साइज्जइ ॥ १२७ ॥ जे भिक्खू संखडिपलोयणाए असणं वा ४ पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२८ ॥ जे भिक्खू गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठे समाणे परं तिघरंतराओ असणं वा ४ अभिहडं आहट्टु दिज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२९ ॥ जे भिक्खू अप्पणो पाएं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ १३० ॥ जे भिक्खू अप्पणो पाए संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ १३१ ॥ जे भिक्खू अप्पणो पाए तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेज्ज वा मक्खेंतं वा अब्भंगेंतं वा साइज्जइ ॥ १३२ ॥ जे भिक्खू अप्पणो पाए लोद्धेण वा कक्केण वा (०) उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ १३३ ॥ जे भिक्खू अप्पणो

१ सोभाए।

साइज्जइ ॥ ८८६ ॥ जे भिक्खू थूणंसि वा गिहेलुयंसि वा उसुयालंसि वा का[झा]म[व]-जलंसि वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८७ ॥ जे भिक्खू कुलियंसि वा भित्तिंसि वा सिलंसि वा लेलुंसि वा अंत(रि)लिक्खजायंसि वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८८ ॥ जे भिक्खू खंधंसि वा फलहंसि वा मंचंसि वा मंडवंसि वा मालंसि वा पासायंसि वा दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८९ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहाओ पुढवी-कायं णीहरइ णीहरावेइ णीहरियं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ ८९० ॥ जे भिक्खू पडिग्गहाओ आउक्कायं णीहरइ णीहरावेइ णीहरियं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ ८९१ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहाओ तेउक्कायं णीहरइ णीहरावेइ णीहरियं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ ८९२ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहाओ कंदाणि वा मूलाणि वा पत्ताणि वा पुप्फाणि वा फलाणि वा णीहरइ णीहरावेइ णीहरियं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ ८९३ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहाओ ओसहिबीयाणि णीहरइ णीहरावेइ णीहरियं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ ८९४ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहाओ तसपाणजाइं णीहरइ णीहरावेइ णीहरियं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ ८९५ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहगं कोरेइ कोरावेइ कोरियं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ ८९६ ॥ जे भिक्खू णायगं वा अणायगं वा उवासगं वा अणुवासगं वा गामंतरंसि वा गाम-पहंतरंसि वा पडिग्गहं ओभासिय २ जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ ८९७ ॥ जे भिक्खू णायगं वा अणायगं वा उवासगं वा अणुवासगं वा परिसामज्झाओ उट्ठवेत्ता पडिग्गहं ओभासिय २ जायइ जायंतं वा साइज्जइ ॥ ८९८ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहणीसाए उडुबद्धं वसइ वसंतं वा साइज्जइ ॥ ८९९ ॥ जे भिक्खू पडिग्गहणीसाए वासावासं वसइ वसंतं वा साइज्जइ । तं सेवमाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं उग्घाइयं ॥ ९०० ॥

णिसीहऽज्झयणे चउद्दसमो उद्देसो समत्तो ॥ १४ ॥

पण्णरसमो उद्देसो

जे भिक्खू भिक्खूणं आगाढं वयइ वयंतं वा साइज्जइ ॥ ९०१ ॥ जे भिक्खू० फरुसं वयइ वयंतं वा साइज्जइ ॥ ९०२ ॥ जे भिक्खू भिक्खूणं आगाढं फरुसं वयइ वयंतं वा साइज्जइ ॥ ९०३ ॥ जे भिक्खू भिक्खूणं अण्णयरीए अच्चासायणाए

भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता णीहरित्ता विसोहेत्ता पधोइत्ता अण्णयरेणं आलेवणजाएणं आलिंपेज्ज वा विलिंपेज्ज वा आलिंपंतं वा विलिंपंतं वा साइज्जइ ॥ १५१ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि गंडं वा पलियं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता णीहरित्ता विसोहेत्ता पधोइत्ता विलिंपित्ता तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा अब्भंगेज्ज वा मक्खेज्ज वा अब्भंगेंतं वा मक्खेंतं वा साइज्जइ ॥ १५२ ॥ जे भिक्खू अप्पणो कायंसि गंडं वा पलियं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदित्ता विच्छिंदित्ता णीहरित्ता विसोहेत्ता पधोइत्ता विलिंपित्ता मक्खेत्ता अण्णयरेणं धूवणजाएणं धूवेज्ज वा पधूवेज्ज वा धूवेंतं वा पधूवेंतं वा साइज्जइ ॥ १५३ ॥ जे भिक्खू अप्पणो पालुकिमियं वा कुच्छिकिमियं वा अंगुलीए णिवेसिय २ णीहरइ णीहरंतं वा साइज्जइ ॥ १५४ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाओ णहसिहाओ[1] कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १५५ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं जंघरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १५६ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं कक्खरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १५७ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं मंसुरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १५८ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं णासारोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १५९ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं चक्खुरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १६० ॥ जे भिक्खू अप्पणो दीहाइं कण्णरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ १६१ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दंते आघंसेज्ज वा पघंसेज्ज वा आघंसंतं वा पघंसंतं वा साइज्जइ ॥ १६२ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दंते[3] सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ १६३ ॥ जे भिक्खू अप्पणो दंते फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ १६४ ॥ जे भिक्खू अप्पणो उट्ठे आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ १६५ ॥ जे भिक्खू अप्पणो उट्ठे संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ १६६ ॥ जे भिक्खू अप्पणो उट्ठे तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ १६७ ॥ जे भिक्खू अप्पणो उट्ठे लोद्धेण

छेयणे कयाइ घाओ, असज्झाइयं, रोगवित्थाराइदोस त्ति पायच्छित्तठाणं।
। ३ विहूसाए ।

॥ ९२२ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायं सीओदग-वियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलावेज्ज वा पधोवावेज्ज वा उच्छोलावेंतं वा पधोवावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९२३ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायं फूमावेज्ज वा रयावेज्ज वा फूमावेंतं वा रयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९२४ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि वणं आमज्जावेज्ज वा पमज्जावेज्ज वा आमज्जावेंतं वा पमज्जावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९२५ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि वणं संवाहावेज्ज वा पलिमद्दावेज्ज वा संवाहावेंतं वा पलिमद्दावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९२६ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि वणं तेल्लेण वा घएण वा णवणी-एण वा मक्खावेज्ज वा भिलिंगावेज्ज वा मक्खावेंतं वा भिलिंगावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९२७ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि वणं लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलावेज्ज वा उव्वट्टावेज्ज वा उल्लोलावेंतं वा उव्वट्टावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९२८ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि वणं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलावेज्ज वा पधोवावेज्ज वा उच्छोलावेंतं वा पधोवावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९२९ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि वणं फूमावेज्ज वा रयावेज्ज वा फूमावेंतं वा रयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९३० ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदावेज्ज वा विच्छिंदावेज्ज वा अच्छिंदावेंतं वा विच्छिंदावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९३१ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदावित्ता विच्छिंदावित्ता पूयं वा सोणियं वा णीहरावेज्ज वा विसोहावेज्ज वा णीहरावेंतं वा विसोहावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९३२ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदावेत्ता विच्छिंदावेत्ता पूयं वा सोणियं वा णीहरावेत्ता विसोहावेत्ता सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलावेज्ज वा पधोयावेज्ज वा उच्छोलावेंतं वा पधोयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९३३ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायंसि गंडं वा पिलगं वा अरइयं वा अंसियं वा भगंदलं वा अण्णयरेणं तिक्खेणं सत्थजाएणं अच्छिंदावेत्ता विच्छिंदावेत्ता पूयं वा सोणियं वा णीहरावेत्ता विसोहावेत्ता सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण

चा गारत्थिएण वा अप्पणो दंते फूमावेज्ज वा रयावेज्ज वा फूमावेंतं वा रयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९४६ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो उट्ठे आमज्जावेज्ज वा पमज्जावेज्ज वा आमज्जावेंतं वा पमज्जावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९४७ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो उट्ठे संवाहावेज्ज वा पलिमद्दावेज्ज वा संवाहावेंतं वा पलिमद्दावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९४८ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो उट्ठे तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खावेज्ज वा भिलिंगावेज्ज वा मक्खावेंतं वा भिलिंगावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९४९ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो उट्ठे लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलावेज्ज वा उव्वट्टावेज्ज वा उल्लोलावेंतं वा उव्वट्टावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५० ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो उट्ठे सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलावेज्ज वा पधोयावेज्ज वा उच्छोलावेंतं वा पधोयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५१ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो उट्ठे फूमावेज्ज वा रयावेज्ज वा फूमावेंतं वा रयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५२ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो दीहाइं उत्तरोट्ठरोमाइं कप्पावेज्ज वा संठवावेज्ज वा कप्पावेंतं वा संठवावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५३ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो दीहाइं अच्छिपत्ताइं कप्पावेज्ज वा संठवावेज्ज वा कप्पावेंतं वा संठवावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५४ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो अच्छीणि आमज्जावेज्ज वा पमज्जावेज्ज वा आमज्जावेंतं वा पमज्जावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५५ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो अच्छीणि संवाहावेज्ज वा पलिमद्दावेज्ज वा संवाहावेंतं वा पलिमद्दावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५६ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो अच्छीणि तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खावेज्ज वा भिलिंगावेज्ज वा मक्खावेंतं वा भिलिंगावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५७ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो अच्छीणि लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलावेज्ज वा उव्वट्टावेज्ज वा उल्लोलावेंतं वा उव्वट्टावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५८ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो अच्छीणि सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलावेज्ज वा पधोयावेज्ज वा उच्छोलावेंतं वा पधोयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९५९ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो अच्छीणि फूमावेज्ज वा रयावेज्ज वा फूमावेंतं वा रयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ९६० ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो दीहाइं भुमगरोमाइं कप्पावेज्ज वा संठवावेज्ज वा कप्पावेंतं वा संठवावेंतं वा साइज्जइ

वा उक्कुट्ठसंसट्ठेण वा असंसट्ठेण वा हत्थेण वा दव्वीए वा भायणेण वा असणं वा ४ पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ २३४ ॥ जे भिक्खू गामारक्खियं अत्तीकरेइ अत्तीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २३५ ॥ जे भिक्खू गामारक्खियं अच्चीकरेइ अच्चीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २३६ ॥ जे भिक्खू गामारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २३७ ॥ जे भिक्खू सीमारक्खियं अत्तीकरेइ अत्तीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २३८ ॥ जे भिक्खू सीमारक्खियं अच्चीकरेइ अच्चीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २३९ ॥ जे भिक्खू सीमारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २४० ॥ जे भिक्खू रण्णारक्खियं अत्तीकरेइ अत्तीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २४१ ॥ जे भिक्खू रण्णारक्खियं अच्चीकरेइ अच्चीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २४२ ॥ जे भिक्खू रण्णारक्खियं अत्थीकरेइ अत्थीकरेंतं वा साइज्जइ ॥ २४३ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स पाए आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ २४४ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स पाए संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ २४५ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स पाए तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ २४६ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स पाए लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ २४७ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स पाए सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ २४८ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स पाए फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ २४९ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ २५० ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ २५१ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ २५२ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायं लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ २५३ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायं सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ २५४ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायं फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ २५५ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि वणं आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ २५६ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स कायंसि वणं संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ २५७ ॥

उत्थिएण वा गारत्थिएण वा आमज्जावेज्ज वा पमज्जावेज्ज वा आमज्जावेंतं वा पमज्जावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११२० ॥ जाव जा णिग्गंथी···सीसदुवारियं कारवेइ कारवेंतं वा साइज्जइ ॥ ११७२ ॥ जे णिग्गंथे णिग्गंथीए पाए अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा जाव सीसदुवारियं कारवेइ कारवेंतं वा साइज्जइ ॥ १२२५ ॥ जे णिग्गंथे णिग्गंथस्स सरिसगस्स संते ओवासे अंते ओवासे ण देइ ण देंतं वा साइज्जइ ॥ १२२६ ॥ जा णिग्गंथी णिग्गंथीए सरिसियाए संते ओवासे अंते ओवासे ण देइ ण देंतं वा साइज्जइ ॥ १२२७ ॥ जे भिक्खू मालोहडं असणं वा ४ उब्भिंदिय देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२२८ ॥ जे भिक्खू कोट्ठियाउत्तं असणं वा ४ उक्कुज्जिय निकुज्जिय उहरिय देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२२९ ॥ जे भिक्खू मट्टिओलित्तं असणं वा ४ उब्भिंदिय णिब्भिंदिय देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३० ॥ जे भिक्खू (असणं वा···) पुढविपइट्ठियं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३१ ॥ जे भिक्खू आउपइट्ठियं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३२ ॥ जे भिक्खू तेउपइट्ठियं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३३ ॥ जे भिक्खू वणस्सइकायपइट्ठियं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३४ ॥ जे भिक्खू अच्चुसिणं असणं वा ४ सुप्पेण वा विहुयणेण वा तालियंटेण वा पत्तेण वा पत्तभंगेण वा साहाए वा साहाभंगेण वा पिहुणेण वा पिहुणहत्थेण वा चेलेण वा चेलकण्णेण वा हत्थेण वा मुहेण वा फूमित्ता वीइत्ता आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३५ ॥ जे भिक्खू असणं वा ४ उसिणुसिणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३६ ॥ जे भिक्खू उस्सेइमं वा संसेइमं वा चाउलोदगं वा वालोदगं वा तिलोदगं वा तुसोदगं वा जवोदगं वा आयामं वा सोवीरं वा अंबकंजियं वा सुद्धवियडं वा अहुणाधोयं अणंबिलं अपरिणयं अवक्कंतजीवं अविद्धत्थं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३७ ॥ जे भिक्खू अप्पणो आयरियत्ताए लक्खणाइं वागरेइ वागरेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३८ ॥ जे भिक्खू गाएज्ज वा (हसेज्ज वा) वाएज्ज वा णच्चेज्ज वा अभिणवेज्ज वा हयहेसियं वा हत्थिगुलगुलाइयं वा उ[कु(क्कि)ट्ठ]क्किट्ठिसीहणायं वा करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ १२३९ ॥ जे भिक्खू भेरिसद्दाणि वा पडहसद्दाणि वा मुरवसद्दाणि वा मुइंगसद्दाणि वा णंदिसद्दाणि वा झल्लरिसद्दाणि वा वल्लरिसद्दाणि वा डमरु(य)गसद्दाणि वा मड्डयसद्दाणि वा सदुयसद्दाणि वा पएससद्दाणि वा गोलुइसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि वितयाणि सद्दाणि कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४० ॥ जे भिक्खू वीणासद्दाणि वा विवंचिसद्दाणि वा तुणस

रोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २७० ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं कक्खरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २७१ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं मंसुरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २७२ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं णासारोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २७३ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं चक्खुरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २७४-१ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं कण्णरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २७४-२ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दंते आघंसेज्ज वा पघंसेज्ज वा आघंसंतं वा पघंसंतं वा साइज्जइ ॥ २७५ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दंते उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ २७६ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दंते फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ २७७ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स उट्ठे आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ २७८ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स उट्ठे संवाहेज्ज वा पलिमद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ २७९ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स उट्ठे तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ २८० ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स उट्ठे लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ ॥ २८१ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स उट्ठे सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोवेज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोवेंतं वा साइज्जइ ॥ २८२ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स उट्ठे फूमेज्ज वा रएज्ज वा फूमेंतं वा रएंतं वा साइज्जइ ॥ २८३ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं उत्तरोट्ठरोमाइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २८४ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स दीहाइं अच्छि-पत्ताइं कप्पेज्ज वा संठवेज्ज वा कप्पेंतं वा संठवेंतं वा साइज्जइ ॥ २८५ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स अच्छीणि आमज्जेज्ज वा पमज्जेज्ज वा आमज्जंतं वा पमज्जंतं वा साइज्जइ ॥ २८६ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स अच्छीणि संवाहेज्ज वा पलि-मद्देज्ज वा संवाहेंतं वा पलिमद्देंतं वा साइज्जइ ॥ २८७ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स अच्छीणि तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ २८८ ॥ जे भिक्खू अण्णमण्णस्स अच्छीणि लोद्धेण कक्केण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वट्टेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वट्टेंतं वा साइज्जइ

॥ १२५२ ॥ जे भिक्खू अभिसेय(ठा)ट्ठाणाणि वा अक्खाइयट्ठाणाणि वा माणुम्माणट्ठाणाणि वा महया हयणट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियपडुप्पवाइयट्ठाणाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२५३ ॥ जे भिक्खू डिंबाणि वा डमराणि वा खाराणि वा वेराणि वा महाजुद्धाणि वा महासंगामाणि वा कलहाणि वा बोलाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२५४ ॥ जे भिक्खू विरूवरूवेसु महुस्सवेसु इत्थीणि वा पुरिसाणि वा थेराणि वा मज्झिमाणि वा डहराणि वा अणलंकियाणि वा सुअलंकियाणि वा गायंताणि वा वायंताणि वा णच्चंताणि वा हसंताणि वा रमंताणि वा मोहंताणि वा विउलं असणं वा ४ परिभायंताणि वा परिभुंजंताणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२५५ ॥ जे भिक्खू इहलोइएसु वा सद्देसु परलोइएसु वा सद्देसु दिट्ठेसु वा सद्देसु अदिट्ठेसु वा सद्देसु सुएसु वा सद्देसु असुएसु वा सद्देसु विण्णाएसु वा सद्देसु···सज्जइ रज्जइ गिज्झइ अज्झोववज्जइ सज्जंतं रज्जंतं गिज्झंतं अज्झोववज्जंतं वा साइज्जइ । तं सेवमाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं उग्घाइयं ॥ १२५६ ॥ **णिसीहऽज्झयणे सत्तरसमो उद्देसो समत्तो ॥ १७ ॥**

अट्ठारसमो उद्देसो

जे भिक्खू अणट्ठाए णावं दुरुहइ दुरुहंतं वा साइज्जइ ॥ १२५७ ॥ जे भिक्खू णावं किणइ किणावेइ कीयं आहट्टु देज्जमाणं दुरुहइ दुरुहंतं वा साइज्जइ ॥ १२५८ ॥ जे भिक्खू णावं पामिच्चइ पामिच्चावेइ पामिच्चं आहट्टु देज्जमाणं दुरुहइ दुरुहंतं वा साइज्जइ ॥ १२५९ ॥ जे भिक्खू णावं परियट्टेइ परियट्टावेइ परियट्टं आहट्टु देज्जमाणं दुरुहइ दुरुहंतं वा साइज्जइ ॥ १२६० ॥ जे भिक्खू णावं अच्छेज्जं अणिसिट्ठं अभिहडं आहट्टु देज्जमाणं दुरुहइ दुरुहंतं वा साइज्जइ ॥ १२६१ ॥ जे भिक्खू थलाओ णावं जले ओकसावेइ ओकसावेंतं वा साइज्जइ ॥ १२६२ ॥ जे भिक्खू जलाओ णावं थले उक्कसावेइ उक्कसावेंतं वा साइज्जइ ॥ १२६३ ॥ जे भिक्खू पुण्णं णावं उस्सिंचइ उस्सिंचंतं वा साइज्जइ ॥ १२६४ ॥ जे भिक्खू सण्णं णावं उप्पिलावेइ उप्पिलावेंतं वा साइज्जइ ॥ १२६५ ॥ जे भिक्खू उवद्धियं णावं उत्तिंगं वा उदगं वा आसिंचमाणिं वा उवरुवरि वा कज्जलावेमाणिं पेहाए हत्थेण वा पाएण वा असिपत्तेण वा कुसपत्तेण वा मट्टियाए वा चेलेण वा पडिपिहेइ पडिपिहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२६६ ॥ जे भिक्खू पडिणावियं कट्टु णावाए दुरुहइ दुरुहंतं वा साइज्जइ ॥ १२६७ ॥ जे भिक्खू उड्ढगामिणिं वा णावं अहोगामिणिं वा णावं दुरुहइ दुरुहंतं

सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ ८७२ ॥ जे भिक्खू दुब्भिगंधे मे पडिग्गहे लद्धेत्तिकट्टु तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ ८७३ ॥ जे भिक्खू दुब्भिगंधे मे पडिग्गहे लद्धेत्तिकट्टु लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वलेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वलेंतं वा साइज्जइ ॥ ८७४ ॥ जे भिक्खू दुब्भिगंधे मे पडिग्गहे लद्धेत्तिकट्टु सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ ८७५ ॥ जे भिक्खू दुब्भिगंधे मे पडिग्गहे लद्धेत्तिकट्टु बहुदेवसिएण तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खेज्ज वा भिलिंगेज्ज वा मक्खेंतं वा भिलिंगेंतं वा साइज्जइ ॥ ८७६ ॥ जे भिक्खू दुब्भिगंधे मे पडिग्गहे लद्धेत्तिकट्टु बहुदेवसिएण लोद्धेण वा कक्केण वा चुण्णेण वा वण्णेण वा उल्लोलेज्ज वा उव्वलेज्ज वा उल्लोलेंतं वा उव्वलेंतं वा साइज्जइ ॥ ८७७ ॥ जे भिक्खू दुब्भिगंधे मे पडिग्गहे लद्धेत्तिकट्टु बहुदेवसिएण सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलेज्ज वा पधोएज्ज वा उच्छोलेंतं वा पधोएंतं वा साइज्जइ ॥ ८७८ ॥ जे भिक्खू अणंतरहियाए पुढवीए दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८७९ ॥ जे भिक्खू ससिणिद्धाए पुढवीए दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८० ॥ जे भिक्खू ससरक्खाए पुढवीए दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८१ ॥ जे भिक्खू मट्टियाकडाए पुढवीए दुब्बद्धे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८२ ॥ जे भिक्खू चित्तमंताए पुढवीए दुब्बंधे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८३ ॥ जे भिक्खू चित्तमंताए सिलाए दुब्बंधे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८४ ॥ जे भिक्खू चित्तमंताए लेलूए दुब्बंधे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ८८५ ॥ जे भिक्खू कोलावासंसि वा दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे सबीए सहरिए सओस्से सउदए सउत्तिंगपणगदगमट्टियमक्कडासंताणं(ए)गंसि दुब्बंधे दुण्णिक्खित्ते अणिकंपे चलाचले पडिग्गहं आयावेज्ज वा पयावेज्ज वा आयावेंतं वा पयावेंतं वा

अचासाएइ अचासाएंतं वा साइज्जइ ॥ १०४ ॥ जे भिक्खू सचित्तं अंबं भुं भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ १०५ ॥ जे भिक्खू सचित्तं अंबं वि(डं)डसइ विडसंतं वा साइज्ज ॥ १०६ ॥ जे भिक्खू सचित्तपइट्ठियं अंबं भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ १०७ ॥ जे भिक्खू सचित्तपइट्ठियं अंबं विडसइ विडसंतं वा साइज्जइ ॥ १०८ ॥ जे भिक्खू सचित्तं अंबं वा अंबपे(सियं)सिं वा अंबभि(त्तिं)त्तं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा अंबचोयगं वा भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ १०९ ॥ जे भिक्खू सचित्तं अंबं वा अंबपेसिं वा अंबभित्तं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा अंबचोयगं वा विडसइ विडसंतं वा साइज्जइ ॥ ११० ॥ जे भिक्खू सचित्तपइट्ठियं अंबं वा अंबपेसिं वा अंबभित्तं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा अंबचोयगं वा भुंजइ भुंजंतं वा साइज्जइ ॥ १११ ॥ जे भिक्खू सचित्तपइट्ठियं अंबं वा अंबपेसिं वा अंबभित्तं वा अंबसालगं वा अंबडालगं वा अंबचोयगं वा विडसइ विडसंतं वा साइज्जइ ॥ ११२ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो पाए आमज्जावेज्ज वा पमज्जावेज्ज वा आमज्जावेंतं वा पमज्जावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११३ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो पाए संवाहावेज्ज वा पलिमद्दावेज्ज वा संवाहावेंतं वा पलिमद्दावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११४ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो पाए तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खावेज्ज वा भिलिंगावेज्ज वा मक्खावेंतं वा भिलिंगावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११५ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो पाए लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलावेज्ज वा उव्वट्टावेज्ज वा उल्लोलावेंतं वा उव्वट्टावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११६ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो पाए सीओदगवियडेण वा उसिणोदगवियडेण वा उच्छोलावेज्ज वा पधोवावेज्ज वा उच्छोलावेंतं वा पधोवावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११७ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो पाए फूमावेज्ज वा रयावेज्ज वा फूमावेंतं वा रयावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११८ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायं आमज्जावेज्ज वा पमज्जावेज्ज वा आमज्जावेंतं वा पमज्जावेंतं वा साइज्जइ ॥ ११९ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायं संवाहावेज्ज वा पलिमद्दावेज्ज वा संवाहावेंतं वा पलिमद्दावेंतं वा साइज्जइ ॥ १२० ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायं तेल्लेण वा घएण वा णवणीएण वा मक्खावेज्ज वा भिलिंगावेज्ज वा मक्खावेंतं वा भिलिंगावेंतं वा साइज्जइ ॥ १२१ ॥ जे भिक्खू अण्णउत्थिएण वा गारत्थिएण वा अप्पणो कायं लोद्धेण वा कक्केण वा उल्लोलावेज्ज वा उव्वट्टावेज्ज वा उल्लोलावेंतं वा उव्वट्टावेंतं वा साइज्जइ

सियं वा साइरेगचाउम्मासियं वा पंचमासियं वा साइरेगपंचमासियं वा एएसिं परिहारट्ठाणाणं अण्णयरं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स चाउम्मासियं वा साइरेगं वा पंचमासियं वा साइरेगं वा, पलिउंचिय आलोएमाणस्स पंचमासियं वा साइरेगं वा छम्मासियं वा ॥ १३६७-१ ॥ तेण परं पलिउंचिए वा अपलिउंचिए वा ते चेव छम्मासा ॥ १३६७-२ ॥ जे भिक्खू बहुसोवि चाउम्मासियं वा बहुसोवि साइरेगचाउम्मासियं वा बहुसोवि पंचमासियं वा बहुसोवि साइरेगपंचमासियं वा एएसिं परिहारट्ठाणाणं अण्णयरं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स बहुसोवि चाउम्मासियं वा बहुसोवि साइरेगं वा बहुसोवि पंचमासियं वा बहुसोवि साइरेगं वा, पलिउंचिय आलोएमाणस्स बहुसोवि पंचमासियं वा बहुसोवि साइरेगं वा बहुसोवि छम्मासियं वा ॥ १३६८-१ ॥ तेण परं पलिउंचिए वा अपलिउंचिए वा ते चेव छम्मासा ॥ १३६८-२ ॥ जे भिक्खू चाउम्मासियं वा साइरेगचाउम्मासियं वा पंचमासियं वा साइरेगपंचमासियं वा एएसिं परिहारट्ठाणाणं अण्णयरं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणे ठवणिज्जं ठवइत्ता करणिज्जं वेयावडियं, ठविएवि पडिसेवित्ता सेवि कसिणे तत्थेव आरुहेयव्वे सिया, पुव्विं पडिसेवियं पुव्विं आलोइयं, पुव्विं पडिसेवियं पच्छा आलोइयं, पच्छा पडिसेवियं पुव्विं आलोइयं, पच्छा पडिसेवियं पच्छा आलोइयं, अपलिउंचिए अपलिउंचियं, अपलिउंचिए पलिउंचियं, पलिउंचिए अपलिउंचियं, पलिउंचिए पलिउंचियं आलोएमाणस्स सव्वमेयं सकयं साहणिय जे एयाए पट्ठवणाए पट्ठविए णिव्विसमाणे पडिसेवेइ सेवि कसिणे तत्थेव आरुहेयव्वे सिया ॥ १३६९ ॥ जे भिक्खू बहुसोवि चाउम्मासियं वा बहुसोवि साइरेगचाउम्मासियं वा (जहा हेट्ठा णवरं बहुसोवि) जाव आरुहेयव्वे सिया एयं पलिउंचिए ॥ १३७० ॥ जे भिक्खू चाउम्मासियं वा···आलोएज्जा, पलिउंचिय आलोएमाणे (जहा हेट्ठा) जाव पलिउंचिए पलिउंचियं, पलिउंचिए पलिउंचियं आलोएमाणस्स···आरुहेयव्वे सिया ॥ १३७१ ॥ जे भिक्खू बहुसोवि चाउम्मासियं वा (जहा हेट्ठा णवरं बहुसोवि) जाव आरुहेयव्वे सिया ॥ १३७२ ॥ छम्मासियं परिहारट्ठाणं पट्ठविए अणगारे अंतरा दोमासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अहावरा वीसइराइया आरोवणा आइमज्झावसाणे सअट्ठं सहेउं सकारणं अहीणमइरित्तं, तेण परं सवीसइराइया दो मासा ॥ १३७३ ॥ पंचमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दो मासा ॥ १३७४ ॥ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दो मासा ॥ १३७५ ॥ तेमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दो मासा ॥ १३७६ ॥ दोमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा)

वा कट्ठपासएण वा चम्मपासएण वा वेत्तपासएण वा रज्जुपासएण वा सुत्तपासएण वा बंधइ बंधंतं वा साइज्जइ ॥ ११०६ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए अण्णयरं तसपाणजायं तणपासएण वा जाव सुत्तपासएण वा बंधेल्लगं मुयइ मुयंतं वा साइज्जइ ॥ ११०७ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए तणमालियं वा मुंजमालियं वा भिंड-मालियं वा मयणमालियं वा पिंछमालियं वा दंतमालियं वा सिंगमालियं वा संख-मालियं वा हड्डमालियं वा कट्ठमालियं वा पत्तमालियं वा पुप्फमालियं वा फलमालियं वा वीयमालियं वा हरियमालियं वा करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ११०८ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए तणमालियं वा जाव हरियमालियं वा धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ ११०९ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए तणमालियं वा जाव हरियमालियं वा पिणद्धइ पिणद्धंतं वा साइज्जइ ॥ १११० ॥ (···परिभुंजइ···) जे भिक्खू कोउ-हल्लपडियाए अयलोहाणि वा तंवलोहाणि वा तउयलोहाणि वा सीसलोहाणि वा रुप्पलोहाणि वा सुवण्णलोहाणि वा करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ ११११ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए अयलोहाणि वा जाव सुवण्णलोहाणि वा धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ १११२ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए अयलोहाणि वा जाव सुवण्णलोहाणि वा परिभुंज[पिणद्ध]इ परिभुंजंतं वा साइज्जइ ॥ १११३ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडि-याए हाराणि वा अद्धहाराणि वा एगावलिं वा मुत्तावलिं वा कणगावलिं वा रयणावलिं वा कडगाणि वा तुडियाणि वा केऊराणि वा कुंडलाणि वा पट्टाणि वा मउडाणि वा पलंवसुत्ताणि वा सुवण्णसुत्ताणि वा करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ १११४ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए हाराणि वा जाव सुवण्णसुत्ताणि वा धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ १११५॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए हाराणि वा जाव सुवण्णसुत्ताणि वा पिणद्धइ पिणद्धंतं वा साइज्जइ ॥ १११६ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए आईणाणि वा आईणपावराणि वा कंवलाणि वा कंवलपावराणि वा कोयराणि वा कोयरपावराणि वा कालमियाणि वा णीलमियाणि वा सामाणि वा मिहासामाणि वा उट्टाणि वा उट्ट-लेस्साणि वा वग्घाणि वा विवग्घाणि वा परवंगाणि वा सहिणाणि वा सहिणकल्लाणि वा खोमाणि वा दुगूलाणि वा पतुण्णाणि वा आवरंताणि वा वीणाणि वा अंसुयाणि वा कणगकंताणि वा कणगखन्चियाणि वा कणगन्चित्ताणि वा० आभरणविन्चित्ताणि वा करेइ करेंतं वा साइज्जइ ॥ १११७ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए आईणाणि वा जाव आभरणविन्चित्ताणि वा धरेइ धरेंतं वा साइज्जइ ॥ १११८ ॥ जे भिक्खू कोउहल्लपडियाए आईणाणि वा जाव आभरणविन्चित्ताणि वा परिभुंजइ परिभुंजंतं वा साइज्जइ ॥ १११९ ॥ जा (जे भिक्खू) णि(नि)ग्गं(थे)थी णि-ग्गंथस्स पाए अण्ण-

वा वव्वीसगसद्दाणि वा वीणाइयसद्दाणि वा तुंबवीणासद्दाणि वा झोडयसद्दाणि वा ढंकुणसद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि तयाणि सद्दाणि कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४१ ॥ जे भिक्खू तालसद्दाणि वा कंसतालसद्दाणि वा लित्तियसद्दाणि वा गोहियसद्दाणि वा मकरियसद्दाणि वा कच्छभिसद्दाणि वा महइसद्दाणि वा सणालियासद्दाणि वा वालियासद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि घणाणि सद्दाणि कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४२ ॥ जे भिक्खू संखसद्दाणि वा वंससद्दाणि वा वेणुसद्दाणि वा खरमुहिसद्दाणि वा परिलिसद्दाणि वा चेवासद्दाणि वा अण्णयराणि वा तहप्पगाराणि झुसिराणि सद्दाणि कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४३ ॥ जे भिक्खू वप्पाणि वा फलिहाणि वा उप्पलाणि वा पल्ललाणि वा उज्झराणि वा णिज्झराणि वा वावीणि वा पोक्खराणि वा दीहियाणि वा सराणि वा सरपंतियाणि वा सरसरपंतियाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४४ ॥ जे भिक्खू कच्छाणि वा गहणाणि वा णूमाणि वा वणाणि वा वणविदुग्गाणि वा पव्वयाणि वा पव्वयविदुग्गाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४५ ॥ जे भिक्खू गामाणि वा णगराणि वा खेडाणि वा कव्वडाणि वा मडंबाणि वा दोणमुहाणि वा पट्टणाणि वा आगराणि वा संवाहाणि वा संणिवेसाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४६ ॥ जे भिक्खू गाममहाणि वा जाव सण्णिवेसमहाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४७ ॥ जे भिक्खू गामवहाणि वा णगरवहाणि वा खेडवहाणि वा कव्वड--वहाणि वा जाव सण्णिवेसवहाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४८ ॥ जे भिक्खू गामपहाणि वा जाव सण्णिवेसपहाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२४९-१ ॥··· गामदाहाणि वा जाव सण्णिवेसदाहाणि वा···॥१२४९-२ ॥ जे भिक्खू आसकरणाणि वा हत्थिकरणाणि वा उट्टकरणाणि वा गोणकरणाणि वा महिसकरणाणि वा मऊ(सूय)रकरणाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२५० ॥ जे भिक्खू आसजुद्धाणि वा हत्थिजुद्धाणि वा उट्टजुद्धाणि वा गोणजुद्धाणि वा महिसजुद्धाणि वा० कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ ॥ १२५१ ॥ जे भिक्खू उज्जूहियट्ठाणाणि वा हयजूहियट्ठाणाणि वा गयजूहियट्ठाणाणि वा कण्णसोयपडियाए अभिसंधारेइ अभिसंधारेंतं वा साइज्जइ

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

दसासुयक्खंधो

पढमा दसा

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं वीं[वी]सं असमाहि[ठा]ट्ठाणा पण्णत्ता, कयरे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं वीसं असमाहिट्ठाणा पण्णत्ता? इमे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं वीसं असमाहिट्ठाणा पण्णत्ता। तंजहा-दवदवचारी यावि भवइ ॥ १ ॥ अ(प)पमज्जियचारी यावि भवइ ॥ २ ॥ दुपमज्जियचारी यावि भवइ ॥ ३ ॥ अइरित्तसेज्जासणिए ॥ ४ ॥ राइणियपरिभासी ॥ ५ ॥ थेरोवघाइए ॥ ६ ॥ भूओवघाइए ॥ ७ ॥ संजलणे ॥ ८ ॥ कोहणे ॥ ९ ॥ पिट्ठिमंसिए ॥ १० ॥ अभिक्खणं अभिक्खणं ओहा(रि)रइत्ता भवइ ॥ ११ ॥ णवाणं अहिगरणाणं अणुप्पण्णाणं उप्पाइत्ता भवइ ॥ १२ ॥ पोराणाणं अहिगरणाणं खामिय विउसवियाणं पुणो(उ)दी(रि)रेत्ता भवइ ॥ १३ ॥ अकालसज्झायकारए यावि भवइ ॥ १४ ॥ ससरक्खपाणिपाए ॥ १५ ॥ सद्दकरे (भेयकरे) ॥ १६ ॥ झंझकरे ॥ १७ ॥ कलहकरे ॥ १८ ॥ सूरप्पमाणभोई ॥ १९ ॥ एसणाऽसमिए यावि भवइ ॥ २० ॥ एए खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं वीसं असमाहिट्ठाणा पण्णत्ता ॥ २१ ॥ त्ति-बेमि ॥ **पढमा दसा समत्ता ॥१॥**

बिइया दसा

वा साइज्जइ ॥ १२६८ ॥ जे भिक्खू जोयणवेलागामिणिं वा अद्धजोयणवेलागामिणिं वा णावं दुरूहइ दुरूहंतं वा साइज्जइ ॥ १२६९ ॥ जे भिक्खू णावं आकसइ आकसावेइ आकसावेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७० ॥ जे भिक्खू णावं खेवावेइ खेवावेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७१ ॥ जे भिक्खू णावं रज्जुणा वा कट्ठेण वा कड्ढइ कड्ढंतं वा साइज्जइ ॥ १२७२ ॥ जे भिक्खू णावं अलित्तएण वा पप्फिडएण वा वंसेण वा वलेण वा वाहेइ वाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७३ ॥ जे भिक्खू णावाओ उदगं भायणेण वा पडिग्गहणेण वा मत्तेण वा णावाउस्सिंचणेण वा उस्सिंचइ उस्सिंचंतं वा साइज्जइ ॥ १२७४ ॥ जे भिक्खू णावं उत्तिंगेण उदगं आसवमाणं उवरुवरिं कज्जलावेमाणं (पेहाए) पलोय हत्थेण वा पाएण वा आसत्थ(असि)पत्तेण वा कुसपत्तेण वा मट्टियाए वा चेलकण्णेण वा पडिपिहेइ पडिपिहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७५ ॥ जे भिक्खू णावाओ णावागयस्स असणं वा ४ पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७६ ॥ जे भिक्खू णावाओ जलगयस्स असणं वा ४ पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७७ ॥ जे भिक्खू णावाओ पंकगयस्स असणं वा ४ पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७८ ॥ जे भिक्खू णावाओ थलगयस्स असणं वा ४ पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२७९ ॥ जे भिक्खू वत्थं किणइ किणावेइ कीयं आहट्टु देज्जमाणं पडिग्गाहेइ पडिग्गाहेंतं वा साइज्जइ ॥ १२८० ॥ (इओ आरब्भ चउद्दसमुद्देसस्स सयलाणिवि सुत्ताणि पडिग्गहठाणे वत्थमुवजुंजिय वत्तव्वाणि जाव) जे भिक्खू वत्थणीसाए वासावासं वसइ वसंतं वा साइज्जइ । तं सेवमाणे आवज्जइ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं उग्घाइयं ॥ १३२४ ॥ **णिसीहऽज्झयणे अट्ठारसमो उद्देसो समत्तो ॥ १८ ॥**

एगूणवीसइमो उद्देसो

जे भिक्खू चउहिं संझाहिं सज्झायं करेइ करेंतं वा साइज्जइ, तंजहा–पुव्वाए संझाए पच्छिमाए संझाए अवरण्हे अड्ढरत्ते ॥ १३२५ ॥ जे भिक्खू कालियसुयस्स परं तिण्हं पुच्छाणं[1] पुच्छइ पुच्छंतं वा साइज्जइ ॥ १३२६ ॥ जे भिक्खू दिट्ठिवायस्स परं सत्तण्हं पुच्छाणं[2] पुच्छइ पुच्छंतं वा साइज्जइ ॥ १३२७ ॥ जे भिक्खू चउसु महापाडिवएसु सज्झायं करेइ करेंतं वा साइज्जइ तंजहा–सुगिम्हय(चेत्तपुण्णिमाओ-वइसाहकिण्ह)पाडिवए, आसाढी(पुण्णिमाओ-सावणकिण्ह)पाडिवए, (भद्दवय-

---

१ अण्णे आयरिसे सोलसभंगा । २ पुच्छा-अपुणरुत्तं जावइयं कड्ढिउं पुच्छंति सा एगा पुच्छा । अहवा जत्तियं आयरिएण तरइ उच्चारियं घेत्तुं सा एगा पुच्छा । (अह)वा जत्थ पगयं समप्पइ थोवं वा बहुं वा सा एगा पुच्छा ।

पुव्वतरागं आयमइ पच्छा राइणिए भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५४ ॥ सेहे राइणिएणं सद्धिं बहिया वियारभूमिं वा विहारभूमिं वा निक्खंते समाणे तत्थ सेहे पुव्वतरागं आलोएइ पच्छा राइणिए भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५५ ॥ केइ राइणियस्स पुव्वसंलवित्तए सिया, तं सेहे पुव्वतरागं आलवइ पच्छा राइणिए भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५६ ॥ सेहे राइणियस्स राओ वा वियाले वा वाहरमाणस्स अज्जो ! के सु(त्ते)त्ता के जाग(रे)रा ? तत्थ. सेहे जागरमाणे राइणियस्स अपडिसुणेत्ता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५७ ॥ सेहे असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पडिगाहित्ता तं पु[व्व]व्वामेव सेहतरागस्स आलोएइ पच्छा राइणियस्स भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५८ ॥ सेहे असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पडिगाहित्ता तं पुव्वामेव सेहतरागस्स उवदंसेइ पच्छा राइणियस्स भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५९ ॥ सेहे असणं वा···पडिगाहित्ता तं पुव्वामेव सेहतरागं उवणिमंतेइ पच्छा राइणि[ए]यं भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ६० ॥ सेहे राइणिएण सद्धिं असणं

दोमासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स दोमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स ते(ति)मासियं ॥ १३५४ ॥ जे भिक्खू तेमासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स तेमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स चउमासियं ॥ १३५५ ॥ जे भिक्खू चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स चउमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स पंचमासियं ॥ १३५६ ॥ जे भिक्खू पंचमासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स पंचमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स छम्मासियं ॥ १३५७ ॥ तेण परं पलिउंचिए वा अपलिउंचिए वा ते (तं) चेव छम(मासियं)मासा ॥ १३५८ ॥ जे भिक्खू वहुसोवि मासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स मासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स दोमासियं ॥ १३५९ ॥ जे भिक्खू वहुसोवि दोमासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स दोमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स तेमासियं ॥ १३६० ॥ जे भिक्खू वहुसोविं तेमासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स तेमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स चउमासियं ॥ १३६१ ॥ जे भिक्खू वहुसोवि चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स चउमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स पंचमासियं ॥ १३६२ ॥ जे भिक्खू वहुसोवि पंचमासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स पंचमासियं, पलिउंचिय आलोएमाणस्स छम्मासियं ॥ १३६३ ॥ तेण परं पलिउंचिए वा अपलिउंचिए वा ते चेव छम्मासा ॥ १३६४ ॥ जे भिक्खू मासियं वा दोमासियं वा तेमासियं वा चाउम्मासियं वा पंचमासियं वा एएसिं परिहारट्ठाणाणं अण्णयरं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय आलोएमाणस्स मासियं वा दोमासियं वा तेमासियं वा चउमासियं वा पंचमासियं वा, पलिउंचिय आलोएमाणस्स दोमासियं वा तेमासियं वा चउमासियं वा पंचमासियं वा छम्मासियं वा ॥ १३६५-१ ॥ तेण परं पलिउंचिए वा अपलिउंचिए वा ते चेव छम्मासा ॥ १३६५-२ ॥ जे भिक्खू वहुसोवि मासियं वा वहुसोवि दोमासियं वा वहुसोवि तेमासियं वा वहुसोवि चाउम्मासियं वा वहुसोवि पंचमासियं वा एएसिं परिहारट्ठाणाणं अण्णयरं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अपलिउंचिय (वहुसोवि) आलोएमाणस्स मासियं वा दोमासियं वा तेमासियं वा चउमासियं वा पंचमासियं वा, पलिउंचिय (वहुसोवि) आलोएमाणस्स दोमासियं वा तेमासियं वा चउमासियं वा पंचमासियं वा छम्मासियं वा ॥ १३६६ ॥ जे भिक्खू चाउम्मा-

जाव दो मासा ॥ १३७७ ॥ मासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दो मासा ॥ १३७८ ॥ सवीसइराइयं दोमासियं परिहारट्ठाणं पट्ठविए अणगारे (जहा हेट्ठा) जाव अहीणमइरित्तं, तेण परं सदसराया तिण्णि मासा ॥ १३७९ ॥ सदसराय-तेमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव तेण परं चत्तारि मासा ॥ १३८० ॥ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव तेण परं सवीसइराया चत्तारि मासा ॥ १३८१ ॥ सवीसइरायचाउम्मासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव तेण परं सदसराया पंच मासा ॥ १३८२ ॥ सदसरायपंचमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव तेण परं छम्मासा ॥ १३८३ ॥ छम्मासियं परिहारट्ठाणं पट्ठविए अणगारे अंतरा मासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अहावरा पक्खिया आरोवणा आइमज्झावसाणे सअट्ठं सहेउं सकारणं अहीणमइरित्तं, तेण परं दिवड्ढो मासो ॥ १३८४ ॥ पंचमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दिवड्ढो मासो ॥ १३८५ ॥ चाउम्मासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दिवड्ढो मासो ॥ १३८६ ॥ तेमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दिवड्ढो मासो ॥ १३८७ ॥ दोमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दिवड्ढो मासो ॥ १३८८ ॥ मासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) जाव दिवड्ढो मासो ॥ १३८९ ॥ दिवड्ढमासियं परिहारट्ठाणं पट्ठविए अणगारे अंतरा मासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अहावरा पक्खिया आरोवणा आइमज्झावसाणे सअट्ठं सहेउं सकारणं अहीणमइरित्तं, तेण परं दो मासा ॥ १३९० ॥ दोमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं अड्ढाइज्जा मासा ॥ १३९१ ॥ अड्ढाइज्जमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं तिण्णि मासा ॥ १३९२ ॥ तेमा-सियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं अद्धुट्ठा मासा ॥ १३९३ ॥ अद्धुट्ठमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं चत्तारि मासा ॥ १३९४ ॥ चाउम्मासियं परिहार-ट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं अड्ढपंचमा मासा ॥ १३९५ ॥ अड्ढपंचमासियं परि-हारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं पंच मासा ॥ १३९६ ॥ पंचमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं अद्धछट्ठा मासा ॥ १३९७ ॥ अद्धछट्ठमासियं परिहारट्ठाणं (जहा हेट्ठा) णवरं छम्मासा ॥ १३९८ ॥ दोमासियं परिहारट्ठाणं पट्ठविए अणगारे अंतरा मासियं परिहारट्ठाणं पडिसेवित्ता आलोएज्जा, अहावरा पक्खिया आरोवणा आइमज्झावसाणे सअट्ठं सहेउं सकारणं अहीणमइरित्तं, तेण परं अड्ढाइज्जा मासा ॥ १३९९ ॥ अड्ढा-इज्जमासियं···अंतरा दोमासियं···अहावरा वीसिया आरोवणा (जहा हेट्ठा), तेण परं सपंचराइया तिण्णि मासा ॥ १४०० ॥ सपंचरायतेमासियं···अंतरा मासियं ···अहावरा पक्खिया आरोवणा (जहा हेट्ठा), तेण परं सवीसइराइया तिण्णि मासा

॥ १०३ ॥ ओहिदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जेज्जा ओहिणा लोयं पासित्तए ॥ १०४ ॥ मणपज्जवणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जेज्जा अंतो मणुस्सक्खित्तेसु अड्ढाइज्जेसु दीवसमुद्देसु सण्णीणं पंचिंदियाणं पज्जत्तगाणं मणोगए भावे जाणित्तए ॥ १०५ ॥ केवलणाणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जेज्जा केव(लं)लकप्पं लो(गं)यालोयं जाणित्तए ॥ १०६ ॥ केवलदंसणे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जेज्जा केवलकप्पं लोयालोयं पासित्तए ॥ १०७ ॥ केव(लि)लमर(णं)णे वा से असमुप्पण्णपुव्वे समुप्पज्जे(मरि)ज्जा सव्वदुक्खपही[हा]णाए ॥ १०८ ॥ ओयं चित्तं समादाय, झाणं समुप्पज्जइ। धम्मे ठिओ अविमणो, निव्वाणमभिगच्छइ ॥ १०९ ॥ ण इमं चित्तं समादाय, भुज्जो लोयंसि जायइ । अप्पणो उत्तमं ठाणं, सण्णिणाणेण जाणइ ॥ ११० ॥ अहातच्चं तु सुमिणं, खिप्पं पासेइ संवुडे । सव्वं वा ओहं तरइ, दुक्खदोय विमुच्चइ ॥ १११ ॥ पंताइं भयमाणस्स, विवित्तं सयणासणं । अप्पाहारस्स दंतस्स, देवा दंसेति ताइणो ॥ ११२ ॥ सव्वकामविरत्तस्स, खमणो भयभेरवं । तओ से ओही भवइ, संजयस्स तवस्सिणो ॥ ११३ ॥ तवसा अवहट्टुलेस्सस्स, दंसणं परिसुज्झइ । उड्ढं अहे तिरियं

तज्जणतालणाओ वहवंधपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, जेयावण्णे तहप्पगारा सावज्जा अवोहिया कम्मा कज्जंति परपाणपरियावणक[डा]रा कज्जंति तओवि य अप्पडिविरया जावज्जीवाए ॥ १३१ ॥ से जहानामए-केइ पुरिसे कलममसूरतिलमुग्गमासनिप्फावकुलत्थआलिसंदगजवजवा एवमाइएहिं अयत्ते कूरे मिच्छादंडं पउंजइ एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए तित्तिरवट्टगलावयकवोयकविंजलमियमहिसवराहगाहगोहकुम्मसरिसवाइएहिं अयत्ते कूरे मिच्छादंडं पउंजइ ॥ १३२ ॥ जावि य से वाहिरिया परिसा भवइ, तंजहा-दासेइ वा पेसेइ वा भितएइ वा भाइल्लेइ वा कम्मकरेइ वा भोगपुरिसेइ वा तेसिंपि य णं अण्णयरगंसि अहालहुयंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दंडं वत्तेइ, तंजहा-इमं दंडेह, इमं मुंडेह, इमं तज्जेह, इमं तालेह, इमं अंदुयवंधणं करेह, इमं नियलवंधणं करेह, इमं हडिवंधणं करेह, इमं चारगवंधणं करेह, इमं नियलजुयलसंकोडियमोडियं करेह, इमं हत्थछिन्नयं करेह, इमं पायछिन्नयं करेह, इमं कन्नछिन्नयं करेह, इमं नक्कछिन्नयं करेह, इमं उट्ठछिन्नयं करेह, इमं सीसछिन्नयं करेह, इमं मुहछिन्नयं करेह, इमं वेयछिन्नयं करेह, इमं हियउप्पाडियं करेह, एवं नयण-वसण-दंसण-वयण-जिब्(भु)भ-उप्पाडियं करेह, इमं उल्लंवियं करेह, इमं घासियं०, इमं घोलियं०, इमं सूला[का(पो)यत]इयं०, इमं सूलाभिन्नं०, इमं खारवत्तियं करेह, इमं दब्भवत्तियं करेह, इमं सीहपुच्छयं करेह, इमं वसभपुच्छयं करेह, इमं दवग्गिदड्ढयं करेह, इमं काक(णि)णीमंसखावियं करेह, इमं भत्तपाणनिरुद्धयं करेह, जावज्जीववंधणं करेह, इमं अन्नयरेणं असुभकुमारेणं मारेह ॥ १३३ ॥ जावि य से अब्भितरिया परिसा भवइ, तंजहा-मायाइ वा पियाइ वा भायाइ वा भगिणीइ वा भज्जाइ वा धूयाइ वा सुण्हाइ वा तेसिंपि य णं अण्णयरंसि अहालहुयंसि अवराहंसि सयमेव गरुयं दंडं वत्तेइ, तंजहा-सीओदगवियडंसि कायं वोलित्ता भवइ, उसिणोदगवियडेण कायं सिंचित्ता भवइ, अगणिकाएण कायं उड्डहित्ता भवइ, जोत्तेण वा वेत्तेण वा नेत्तेण वा कसेण वा छिवाडीए वा लयाए वा पासाइं उद्दालित्ता भवइ, दंडेण वा अट्ठीण वा मुट्ठीण वा लेलुएण वा कवालेण वा कायं आउट्टित्ता भवइ, तहप्पगारे पुरिसजाए संवसमाणे दुम्मणा भवंति, तहप्पगारे पुरिसजाए विप्पवसमाणे सुमणा भवंति ॥ १३४ ॥ तहप्पगारे पुरिसजाए दंडमासी दंडगरुए दंडपुरेक्खडे अहिए अस्सिं लोयंसि अहिए परंसि लोयंसि। ते दुक्खेंति सोयंति एवं झूरंति तिप्पंति पिट्टंति परितप्पंति, ते दुक्खणसोयणझूरणतिप्पणपिट्टणपरितप्पणवहवंधपरिकिलेसाओ अप्पडिविरया भवंति ॥ १३५ ॥ एवामेव ते इत्थिकामभोगेहिं मुच्छिया गिद्धा गढिया अज्झोववन्ना जाव वासाइं चउपंच[मा]छद्दसमाणि वा

पडिमा ॥ १४२-१ ॥ अहावरा **तच्चा उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ, तस्स णं बहूइं सीलवयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासाइं सम्मं पट्ठवियाइं भवंति, से णं सामाइयं देसावगासियं सम्मं अणुपालित्ता भवइ, से णं चउ(द्द)दसि-अट्ठमिउद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहोववासं नो सम्मं अणुपालित्ता भवइ, **तच्चा उवासगपडिमा** ॥ १४२-२ ॥ अहावरा **चउत[त्थी]था उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ, तस्स णं बहूइं सीलवयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासाइं सम्मं पट्ठवियाइं भवंति, से णं सामाइयं देसावगासियं सम्मं अणुपालित्ता भवइ, से णं चउद्दसिअट्ठमिउद्दिट्ठपुण्णमासिणीसु पडिपुण्णं पोसहं सम्मं अणुपालित्ता भवइ, से णं एगराइयं उवासगपडिमं नो सम्मं अणुपालित्ता भवइ, **चउत्था उवासगपडिमा** ॥ १४३ ॥ अहावरा **पंचमा उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ, तस्स णं बहूइं सीलवय···जाव सम्मं अणुपालित्ता भवइ, से णं सामाइयं··· तहेव, से णं चउद्दसि···तहेव, से णं एगराइयं उवासगपडिमं सम्मं अणुपालित्ता भवइ, से णं असिणाणए वियडभोई मउलिकडे दिया बंभयारी रत्तिपरिमाणकडे, से णं एयारूवे[ण]णं विहारेणं विहरमाणे जहण्णेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं पंच मा[सं]से विहरइ, **पंचमा उवासगपडिमा** ॥ १४४ ॥ अहावरा **छ[ट्ठी]ट्ठा उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ जाव से णं एगराइयं उवासगपडिमं० अणुपालित्ता भवइ, से णं असिणाणए वियडभोई मउलिकडे दिया वा राओ वा बंभयारी, सचित्ताहारे से अपरिण्णाए भवइ, से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणे जहन्नेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा [जाव] उक्कोसेणं छमासे विहरेज्जा; **छट्ठा उवासगपडिमा** ॥ १४५ ॥ अहावरा **सत्तमा उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ जाव राओवरायं वा बंभयारी, सचित्ताहारे से परिण्णाए भवइ, से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणे जहन्नेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं सत्त मासे विहरेज्जा, से तं **सत्तमा उवासगपडिमा** ॥ १४६ ॥ अहावरा **अट्ठमा उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ जाव राओवरायं बंभयारी, सचित्ताहारे से परिण्णाए भवइ, आरंभे से परिण्णाए भवइ, पेसारंभे से अपरिण्णाए भवइ, से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणे [जाव] जहन्नेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं अट्ठ मासे विहरेज्जा, से तं **अट्ठमा उवासगपडिमा**

अंतो छण्हं मासाणं गणाओ गणं संकममाणे सबले ॥ २९ ॥ अंतो मासस्स तओ दगलेवे करेमाणे सबले ॥ ३० ॥ अंतो मासस्स तओ मा[इंठा]इट्ठाणे करे(सेव)माणे सबले ॥ ३१ ॥ सा[ग]गारियपिंडं भुंजमाणे सबले ॥ ३२ ॥ आउट्टियाए पाणाइवायं करेमाणे सबले ॥ ३३ ॥ आउट्टियाए मुसावायं वयमाणे सबले ॥ ३४ ॥ आउट्टियाए अदिण्णादाणं गिण्हमाणे सबले ॥ ३५ ॥ आउट्टियाए अणंतरहियाए पुढवीए ठाणं वा सेज्जं वा निसीहियं वा चे[त]एमाणे सबले ॥ ३६ ॥ एवं ससिणिद्धाए पुढवीए एवं ससरक्खाए पुढवीए ॥ ३७ ॥ एवं आउट्टियाए चित्तमंताए सिलाए चित्तमंताए लेलूए कोलावासंसि वा दारुए जीवपइट्ठिए सअंडे सपाणे सबीए सहरिए सउस्से सउदगे सउत्तिंगे पणगदगम(ट्टिय)ट्टीए मक्कडासंताणए तहप्पगारं ठाणं वा सिज्जं वा निसीहियं वा चेएमाणे सबले ॥ ३८ ॥ आउट्टियाए मूलभोयणं वा कंदभोयणं वा खंधभोयणं वा तयाभोयणं वा पवालभोयणं वा पत्तभोयणं वा पुप्फभोयणं वा फलभोयणं वा बीयभोयणं वा हरियभोयणं वा भुंजमाणे सबले ॥ ३९ ॥ अंतो संवच्छरस्स दस दगलेवे करेमाणे सबले ॥ ४० ॥ अंतो संवच्छरस्स दस माइट्ठाणाइं करेमाणे सबले ॥ ४१ ॥ आउट्टियाए सीओदयवियडवग्घारिय(पाणिणा)-हत्थेण वा मत्तेण वा द[विण्ण]व्वीए वा भायणेण वा असणं वा पाणं वा खाइमं वा साइमं वा पडिगाहित्ता भुंजमाणे सबले ॥ ४२ ॥ एए खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं एगवीसं सबला पण्णत्ता ॥ ४३ ॥ ति-बेमि ॥ **बिइया दसा समत्ता ॥ २ ॥**

तइया दसा

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं ते[ती]त्तीसं आसायणाओ पण्णत्ताओ, कयरा खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं तेत्तीसं असायणाओ पण्णत्ताओ? इमाओ खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं तेत्तीसं आसायणाओ पण्णत्ताओ। तंजहा-सेहे रा[य]इणियस्स पुरओ गंता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ४४-४५ ॥ सेहे राइणियस्स सपक्खं गंता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ४६ ॥ सेहे राइणियस्स आसन्नं गंता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ४७ ॥ सेहे राइणियस्स पुरओ चिट्ठित्ता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ४८ ॥ सेहे राइणियस्स सपक्खं चिट्ठित्ता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ४९ ॥ सेहे राइणियस्स आसन्नं (ठिच्चा) चिट्ठित्ता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५० ॥ सेहे राइणियस्स पुरओ निसीइत्ता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५१ ॥ सेहे राइणियस्स सपक्खं निसीइत्ता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५२ ॥ सेहे राइणियस्स आसन्नं निसीइत्ता भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ५३ ॥ सेहे राइणिएणं सद्धिं बहिया वियारभूमिं [वा] निक्खंते समाणे तत्थ सेहे

भिक्खुपडिमाओ पण्णत्ताओ, कयरा खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं वारस भिक्खुपडिमाओ पण्णत्ताओ? इमाओ खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं वारस भिक्खुपडिमाओ पण्णत्ताओ। तंजहा–मासिया भिक्खुपडिमा १, दोमासिया भिक्खुपडिमा २, तिमासिया भिक्खुपडिमा ३, च(ा)उ(म्)मासिया भिक्खुपडिमा ४, पंचमासिया भिक्खुपडिमा ५, छ(म्)मासिया भिक्खुपडिमा ६, सत्तमासिया भिक्खुपडिमा ७, पढमा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा ८, दोच्चा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा ९, तच्चा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा १०, अहोरा(इ)इंदिया भिक्खुपडिमा ११, एगराइया भिक्खुपडिमा १२ ॥ १५४ ॥ मासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केइ उवसग्गा उववज्जंति, तंजहा–दिव्वा वा, माणुसा वा, तिरिक्खजोणिया वा, ते उप्पण्णे सम्मं (काएणं) सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ १५५ ॥ मासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स कप्पइ एगा दत्ती भोयणस्स पडिगाहित्तए एगा पाणगस्स, अण्णायउञ्छं सुद्धोवहडं निज्जूहित्ता वहवे दु[प]पयचउप्पयसमणमाहणअतिहिकिवणवणीमगा, कप्पइ से एगस्स भुंजमाणस्स पडिगाहित्तए, णो दुण्हं णो तिण्हं णो चउण्हं णो पंचण्हं, णो गुव्विणीए, णो वालवच्छाए, णो दारगं पेज्जमाणीए, णो अंतो एलुयस्स दोवि पाए साहट्टु दलमाणीए, णो वा[ब]हिं एलुयस्स दोवि पाए साहट्टु दलमाणीए, एगं पायं अंतो किच्चा एगं पायं वाहिं किच्चा एलुयं विक्खंभइत्ता एवं दलयइ एवं से कप्पइ पडिगाहित्तए, एवं से नो दलयइ एवं से नो कप्पइ पडिगाहित्तए ॥ १५६ ॥ मासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स तओ गोयरकाला पन्नत्ता। तंजहा–आ[दि]इमे म[ज्झे]ज्झिमे चरिमे, आइमे चरेज्जा, नो मज्झे चरेज्जा, नो चरिमे चरेज्जा १, मज्झे चरेज्जा, नो आइमे चरेज्जा, नो चरिमे चरेज्जा २, चरिमे चरेज्जा, नो आइमे चरेज्जा, नो मज्झिमे चरेज्जा ३ ॥ १५७ ॥ मासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स छव्विहा गो-यर-चरिया पन्नत्ता। तंजहा–पेला, अद्धपेला, गोमुत्तिया, पतंगवीहिया, संवुक्कावट्टा, गत्तु(गंतु)पच्चागया ॥ १५८ ॥ मासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स जत्थ णं केइ जाणइ कप्पइ से तत्थ एगरा(इं)इयं वसित्तए, जत्थ णं केइ न जाणइ कप्पइ से तत्थ एगरायं वा दुरायं वा वसित्तए, नो से कप्पइ एगरायाओ वा दुरायाओ वा परं वत्थए, जे तत्थ एगरायाओ वा दुरायाओ वा परं वसइ से संतरा छेए वा परिहारे वा ॥ १५९ ॥ मासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स० कप्पइ चत्तारि भासाओ भासित्तए, तंजहा–जायणी, पुच्छणी, अणुण्णवणी,

---

१ वण्णणविसेसमेयासिं ठाणतचठाणभगवईअंतगडाईहिंतो नायव्वं।

पाएणं संघट्टित्ता हत्थेण अणणुतावित्ता (अणणु(ण्णवे)वित्ता) गच्छइ भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ७५ ॥ सेहे राइणियस्स सिज्जासंथारए चिट्ठित्ता वा निसीइत्ता वा तुयट्टित्ता वा भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ७६ ॥ सेहे राइणियस्स उच्चासणंसि वा समासणंसि वा चिट्ठित्ता वा निसीइत्ता वा तुयट्टित्ता वा भवइ आसायणा सेहस्स ॥ ७७ ॥ एयाओ खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं तेत्तीसं आसायणाओ पण्णत्ताओ ॥ ७८ ॥ त्ति-बेमि ॥ **तइया दसा समत्ता ॥ ३ ॥**

चउत्था दसा

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं अट्ठविहा गणिसंपया पण्णत्ता, कयरा खलु अट्ठविहा गणिसंपया पण्णत्ता? इमा खलु अट्ठविहा गणिसंपया पण्णत्ता। तंजहा—आयारसंपया १, सुयसंपया २, सरीरसंपया ३, वयणसंपया ४, वायणासंपया ५, मइसंपया ६, पओगसंपया ७, संगहपरिन्ना(नाम) अट्ठमा ८। से किं तं आयारसंपया? आयारसंपया चउव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-संजमधुवजोगजुत्ते यावि भवइ, असंपगहियअप्पा, अणिययवित्ती, वुड्ढसीले यावि भवइ। से तं आयारसंपया ॥ ७९ ॥ से किं तं सुयसंपया? सुयसंपया चउव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-बहुसु(त्ते)ए यावि भवइ, परिचियसुए यावि भवइ, विचित्तसुए यावि भवइ, घोसविसुद्धिकारए यावि भवइ। से तं सुयसंपया ॥ ८० ॥ से किं तं सरीरसंपया? सरीरसंपया चउव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-आरोहपरिणाहसंपन्ने यावि भवइ, अणोतप्पसरीरे, थिरसंघयणे, बहुपडिपुण्णिंदिए यावि भवइ। से तं सरीरसंपया ॥ ८१ ॥ से किं तं वयणसंपया? वयणसंपया चउव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-आदेयवयणे यावि भवइ, महुरवयणे यावि भवइ, अणिस्सियवयणे यावि भवइ, असंदिद्धवयणे यावि भवइ। से तं वयणसंपया ॥ ८२ ॥ से किं तं वायणासंपया? वायणासंपया चउव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-विजयं उद्दिसइ, विजयं वाएइ, परिनिव्वावियं वाएइ, अत्थनिज्जावए यावि भवइ। से तं वायणासंपया ॥ ८३ ॥ से किं तं मइसंपया? मइसंपया चउव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-उग्गहमइसंपया, ईहामइसंपया, अवायमइसंपया, धारणामइसंपया। से किं तं उग्गहमइसंपया? उग्गहमइसंपया छव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-खिप्पं उगिण्हेइ, बहु उगिण्हेइ, बहुविहं उगिण्हेइ, धुवं उगिण्हेइ, अणिस्सियं उगिण्हेइ, असंदिद्धं उगिण्हेइ। से तं उग्गहमइसंपया। एवं ईहामइवि। एवं अवायमइवि। से किं तं धारणामइसंपया? धारणामइसंपया छव्विहा पण्णत्ता। तंजहा-बहु धरेइ, बहुविहं धरेइ, पोराणं धरेइ, दुद्धरं धरेइ, अणिस्सियं धरेइ, असंदिद्धं धरेइ। से तं धारणामइसंपया ॥ ८४ ॥ से किं तं पओगमइसंपया? पओगमइसंपया

प[डिवन्न]स्स० नो कप्पइ छायाओ सीयंति उण्हं इयत्तए, उण्हाओ उण्हंति छायं इयत्तए। जं जत्थ जया सिया तं तत्थ तया अहियासए ॥ १७२ ॥ एवं खलु मासियं भिक्खुपडिमं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं सम्मं काएणं फासित्ता पालित्ता सोहित्ता तीरित्ता किट्टित्ता आराहइत्ता आणाए अणुपा(ले)लित्ता भवइ ॥ १ ॥ १७३ ॥ दोमासियं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स० निच्चं वोसट्ठकाए जाव दो दत्तीओ ॥ २ ॥ १७४ ॥ तिमासियं तिण्णि दत्तीओ ॥ ३ ॥ १७५ ॥ चउमासियं चत्तारि दत्तीओ ॥ ४ ॥ १७६ ॥ पंचमासियं पंच दत्तीओ ॥ ५ ॥ १७७ ॥ छमासियं छ दत्तीओ ॥ ६ ॥ १७८ ॥ सत्तमासियं सत्त दत्तीओ ॥ ७ ॥ जेत्तिया मासिया तेत्तिया दत्तीओ ॥ १७९ ॥ पढमं सत्तराइंदियं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स निच्चं वोसट्ठकाए जाव अहियासेइ, कप्पइ से चउत्थेणं भत्तेणं अपाणएणं बहिया गामस्स वा जाव रायहाणीए वा उत्ताणगस्स वा पासिल्लगस्स वा नेसज्जियस्स वा ठाणं ठाइत्तए, तत्थ दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा उवसग्गा समुप्पज्जेज्जा तेणं उवसग्गा पयालेज्ज वा पवडेज्ज वा णो से कप्पइ पयलित्तए वा पवडित्तए वा, तत्थ णं उच्चारपासवणं उव्वाहिज्जा णो से कप्पइ उच्चारपासवणं उगिण्हित्तए, कप्पइ से पुव्वपडिलेहियंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं परिठवित्तए, अहाविहिमेव ठाणं ठाइत्तए, एवं खलु एसा पढमा सत्तराइंदिया भिक्खुपडिमा अहासु[यं]त्तं जाव आणाए अणुपालित्ता भवइ ॥ ८ ॥ १८० ॥ एवं दोच्चा सत्तराइंदिया [या]वि नवरं दंडा[य]इयस्स वा लग[डसाइ]डाइयस्स वा उक्कुडुयस्स वा ठाणं ठाइत्तए, सेसं तं चेव जाव अणुपालित्ता भवइ ॥ ९ ॥ १८१ ॥ एवं तच्चा सत्तराइंदियावि, नवरं गोदोहियाए वा वीरासणियस्स वा अंबखुज्जस्स वा ठाणं ठाइत्तए तं चेव जाव अणुपालित्ता भवइ ॥ १० ॥ १८२ ॥ एवं अहोराइंदियावि, नवरं छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं बहिया गामस्स वा जाव रायहाणीए

॥ ९५ ॥ से किं तं भारपच्चोरुहणया ? भारपच्चोरुहणया चउव्विहा पण्णत्ता । तंजहा- असंगहियपरिजणसंगहित्ता भवइ, सेहं आयारगोयर-संगाहित्ता भवइ, साहम्मियस्स गिलायमाणस्स अहाथामं वेयावच्चे अब्भुट्ठित्ता भवइ, साहम्मियाणं अहिगरणंसि उप्पण्णंसि तत्थ अणिस्सिओवस्सिए [वसित्तो] अपक्खग[गहिय]गाही मज्झत्थभावभूए सम्मं ववहरमाणे तस्स अहिगरणस्स खमावणाए विउसमणयाए सयासमियं अब्भुट्ठित्ता भवइ, कहं नु साहम्मिया अप्पसद्दा अप्पझंझा अप्पकलहा अप्पकसाया अप्पतुमंतुमा संजमबहुला संवरबहुला समाहिबहुला अप्पमत्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणाणं एवं च णं विहरेज्जा । से तं भारपच्चोरुहणया ॥ ९६ ॥ एसा खलु थेरेहिं भगवंतेहिं अट्ठविहा गणिसंपया पण्णत्ता ॥ ९७ ॥ ति-बेमि ॥ **चउत्था दसा समत्ता ॥ ४ ॥**

पंचमा दसा

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं दस चित्तसमाहिठाणा पण्णत्ता, कयरे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं दस चित्तसमाहिठाणा पण्णत्ता ? इमे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं दस चित्तसमाहिठाणा पण्णत्ता । तंजहा- तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणियगामे णयरे होत्था, एत्थं णयरवण्णओ भाणियव्वो । तस्स णं वाणियगामस्स णयरस्स बहिया उत्तरपुरच्छिमे दिसीभाए दूइपलासए णामं उज्जाणे होत्था, वण्णओ । जियसत्तू राया, तस्स धारणी नामं देवी, एवं सव्वं समोसरणं भाणियव्वं जाव पुढवीसिलापट्टए सामी समोसढे, परिसा निग्गया, धम्मो कहिओ, परिसा पडिगया ॥ ९८ ॥ अज्जो ! [इ]ति समणे भगवं महावीरे समणा निग्गंथा निग्गंथीओ य आमंतित्ता एवं वयासी-"इह खलु अज्जो ! निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा इरियासमियाणं भासासमियाणं एसणासमियाणं आयाण-भंडमत्तनिक्खेवणासमियाणं उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिठावणियासमियाणं मण-समियाणं व[ा]यसमियाणं कायसमियाणं मणगुत्तीणं वायगुत्तीणं कायगुत्तीणं गुत्तिंदियाणं गुत्तबंभयारीणं आयट्ठीणं आयहियाणं आयजोईणं आयपरक्कमाणं सुसमाहि-पत्ताणं झियायमाणाणं इमाइं दस चित्तसमाहिठाणाइं असमुप्पण्णपुव्वाइं समुप्प-ज्जेज्जा । तंजहा-धम्मचिंता वा मे असमुप्पण्णपुव्वा समुप्पज्जेज्जा सव्वं धम्मं

कहिओ, परिसा पडिगया ॥ १८९ ॥ अज्जो ! ति समणे भगवं महावीरे बहवे निग्गंथा य निग्गंथीओ य आमंतेत्ता एवं वयासी-"एवं खलु अज्जो ! तीसं मोहणिज्जठाणाइं जाइं इमाइं इत्थी[ओ] वा पुरिसो वा अभिक्खणं अभिक्खणं आ[यारे]यरमाणे वा समायरमाणे वा मोहणिज्जत्ताए कम्मं पकरेइ, तंजहा-जे (यावि) केइ तसे पाणे, वारिमज्झे विगाहिया । उदएणक्कम्म मारे(ई)इ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९० ॥ पाणिणा संपिहित्ताणं, सोयमावरिय पाणिणं । अंतोनदंतं मारेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९१ ॥ जायतेयं समारब्भ, बहुं ओरुंभिया जणं । अंतो धूमेण मारे(ज्जा)इ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९२ ॥ सीसम्मि जो (जे) पहणइ, उ(त्ति)त्तमंगम्मि चेयसा । विभज्ज मत्थयं फाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९३ ॥ सीसं वेढेण जे केइ, आवेढेइ अभिक्खणं । तिव्वासुभसमायारे, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९४ ॥ पुणो पुणो पणिहिए, हणित्ता उवहसे जणं । फलेणं अदुव दंडेणं, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९५ ॥ गूढायारी निगूहिज्जा, मायं मायाए छायए । असच्चवाई णिण्हाइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९६ ॥ धंसेइ जो अभूएणं, अकम्मं अत्तकम्मुणा । अदुवा तुमकासित्ति, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९७ ॥ जाणमाणो परि[सओ]साए, सच्चामोसाणि भासइ । अक्खीणझंझे पुरिसे, महामोहं पकुव्वइ ॥ १९८ ॥ अणायगस्स नयवं, दारे तस्सेव धंसिया । विउलं विक्खोभइत्ताणं, किच्चा णं पडिबाहिरं ॥ १९९ ॥ उवगसंतंपि झंपित्ता, पडिलोमाहिं वग्गुहिं । भोगभोगे वियारेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०० ॥ अकुमारभूए जे केइ, कुमारभूएत्ति हं वए । इत्थीविसयगेहीए, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०१ ॥ अबंभयारी जे केइ, बंभयारित्ति हं वए । गद्दहेव गवां मज्झे, विस्सरं नयई नदं ॥ २०२ ॥ अप्पणो अहिए बाले, मायामोसं बहुं भसे । इत्थीविसयगेहीए, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०३ ॥ जं निस्सिए उव्वहइ, जससाहिगमेण वा । तस्स लुब्भइ वित्तंमि, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०४ ॥ ईसरेण अदुवा गामेणं, अणि(स)सरे ईसरीकए । तस्स संपयहीणस्स, सिरी अतुलमागया ॥ २०५ ॥ ई(इस)सादोसेण आविट्ठे, कलुसाविलचेयसे । जे अंतरायं चेएइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०६ ॥ सप्पी जहा अंडउडं, भत्तारं जो विहिंसइ । सेणावइं पसत्थारं, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०७ ॥ जे नायगं च रट्ठस्स, नेयारं निगमस्स वा । सेट्ठिं बहुरवं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०८ ॥ बहुजणस्स णेयारं, दी(वं)वताणं च पाणिणं । एयारिसं नरं हंता, महामोहं पकुव्वइ ॥ २०९ ॥ उवट्ठियं पडिविरयं, संजयं सुतवस्सियं । विउ(वु)क्कम्म धम्माओ भंसेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१० ॥ तहेवाणंतणाणीणं, जिणाणं वरदंसिणं । तेसिं अवण्णवं बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २११ ॥ नेया(इ)उयस्स मग्गस्स, दुट्ठे अवयरई बहुं ।

ए(इ)क्कारस उवासगपडिमाओ पण्णत्ताओ, कयरा खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं एक्कारस उवासगपडिमाओ पण्णत्ताओ? इमाओ खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं एक्कारस उवासगपडिमाओ पण्णत्ताओ। तंजहा[1]–अकिरियवाई यावि भवइ, नाहियवाई, नाहियपण्णे, नाहियदिट्ठी, णो सम्मावाई, णो णितियावाई, ण संति परलोगवाई, णत्थि इहलोए, णत्थि परलोए, णत्थि माया, णत्थि पिया, णत्थि अरिहंता, णत्थि चक्कवट्टी, णत्थि बलदेवा, णत्थि वासुदेवा, णत्थि णिरया, णत्थि णेरइया, णत्थि सुकडदुक्कडाणं फलवित्तिविसेसो, णो सुचिण्णा कम्मा सुचिण्णा फला भवंति, णो दुच्चिण्णा कम्मा दुच्चिण्णा फला भवंति, अफले कल्लाणपावए, णो पच्चायंति जीवा, णत्थि णिरए, णत्थि सिद्धी, से एवंवाई एवंपण्णे एवंदिट्ठी एवंछंदरागमइणिविट्ठे यावि भवइ ॥ १२६ ॥ से भवइ महिच्छे[2] महारंभे महापरिग्गहे अहम्मिए अहम्माणुए अहम्मसेवी अहम्मिट्ठे अहमक्खाई अहम्मरागी अहम्मपलोई अहम्मजीवी अहम्मपलज्जणे अहम्मसीलसमुदायारे अहम्मेणं चेव वित्तिं कप्पेमाणे विरहइ ॥ १२७ ॥ "हण छिंद भिंद" विकत्तए लोहियपाणी चंडे रुद्दे खुद्दे असमिक्खियकारी साहस्सिए उक्कंचणवंचणमाइनियडिकूड०साइसंपओगबहुले दुस्सीले दुप्परिच्चए दुचरिए दुरणुणेए दुव्वए दुप्पडियाणंदे निस्सीले निव्वए निग्गुणे निम्मेरे निप्पच्चक्खाणपोसहोववासे असाहू ॥ १२८ ॥ सव्वाओ पाणाइवायाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए जाव सव्वाओ परिग्गहाओ, एवं जाव सव्वाओ कोहाओ सव्वाओ माणाओ सव्वाओ मायाओ सव्वाओ लोभाओ पेज्जाओ दोसाओ कलहाओ अब्भक्खाणाओ पेसुण्णपरपरिवायाओ अरइरइमायामोसाओ मिच्छादंसणसल्लाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए ॥ १२९ ॥ सव्वाओ कसायदंतकट्ठण्हाणमद्दणविलेवणसद्दफरिसरसरूवगंधमल्लाऽलंकाराओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ सगडरहजाणजुगगिल्लिथिल्लिसीयासंदमाणियासयणासणजाणवाहणभोयणपवित्थरविहीओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए ॥ १३० ॥ असमिक्खियकारी सव्वाओ आसहत्थिगोमहिसाओ गवेलयदासदासीकम्मकरपोरुस्साओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ कयविक्कयमासद्धमासरूवगसंववहाराओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ हिरण्णसुवण्णधणधन्नमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ कूडतुलकूडमाणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ आरंभसमारंभाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ पयणपयावणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ करणकरावणाओ अप्पडिविरया जावज्जीवाए, सव्वाओ कुट्टणपिट्टणाओ

---

१ पासह एक्कारसमं समवायं। २ विसेसो सूयगडबिइयसुयक्खंधबिइयऽज्झयणपढमकिरियट्ठाणऽहम्मपक्खाओ णायव्वो।

अप्पतरो वा भुज्जतरो वा कालं भुंजित्ता कामभोगाइं पसेवित्तावे रायरणाइं संचिणित्ता बहुयं पावाइं कम्माइं उसन्नं संभारकडेण कम्मुणा से जहानामए-अयगोलेइ वा सेलगोलेइ वा उदयंसि पक्खित्ते समाणे उदगतलमइवइत्ता अहे धर(णि)णीयले पइट्ठाणे भवइ एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए वज्जबहुले धुत्तबहुले पंकबहुले वेरबहुले दंभनियडिसाइबहुले आसायणाबहुले अयसबहुले अप्पत्तियबहुले उस्सण्णं तसपाणघाई कालमासे कालं किच्चा धरणीयलमइवइत्ता अहे नरगधरणीयले पइट्ठाणे भवइ ॥ १३६ ॥ ते णं नरगा अंतो वट्टा बाहिं चउरंसा अहे खुरप्पसंठाणसंठिया निच्चंधयारतमसा ववगयगहचंदसूरणक्खत्तजोइसप्पहा मेदवसामंसरुहिरपूयपडलचिक्खल्ललित्ताणुलेवणतला असु(ई)इ[वि]वीसा परमदुब्भिगंधा काउयअगणिवण्णाभा कक्खडफासा दुरहियासा असुभा नरगा असुभा नरएसु वेयणा, नो चेव णं नरए नेरइया निद्दायंति वा पयलायंति वा सुइं वा रइं वा धिइं वा मइं वा उवलभंति, ते णं तत्थ उज्जलं विउलं पगाढं कक्कसं कडुयं चंडं दुक्खं दुग्गं तिक्खं तिव्वं दु[क्ख]रहियासं नरएसु नेरइया नरयवेयणं पच्चणुभवमाणा विहरंति ॥ १३७ ॥ से जहानागए-रुक्खे सिया पव्वयग्गे जाए मूलछिन्ने अग्गे गरुए जओ निन्नं जओ दुग्गं जओ विसमं तओ पवडइ एवामेव तहप्पगारे पुरिसजाए गब्भाओ गब्भं जम्माओ जम्मं माराओ मारं दुक्खाओ दुक्खं दाहिणगामिनेरइए कण्हपक्खिए आगमेस्साणं दुल्लभबोहिए यावि भवइ । से तं अकिरियावाई [यावि भवइ] ॥ १३८ ॥ से किं तं किरियावाई [यावि भवइ]? तंजहा-आहियावाई, आहियपण्णे, आहियदिट्ठी, सम्मावाई, नियावाई, संति परलोगवाई, अत्थि इहलोगे, अत्थि परलोगे, अत्थि माया, अत्थि पिया, अत्थि अरिहंता, अत्थि चक्कवट्टी, अत्थि बलदेवा, अत्थि वासुदेवा, अत्थि सुकडदुक्कडाणं कम्माणं फलवित्तिविसेसे, सुचिण्णा कम्मा सुचिण्णा फला भवंति, दुच्चिण्णा कम्मा दुच्चिण्णा फला भवंति, सफले कल्लाणपावए, पच्चायंति जीवा, अत्थि नेरइया जाव अत्थि देवा, अत्थि सिद्धी, से एवंवाई एवंपन्ने एवंदिट्ठीछंदरागमइनिविट्ठे यावि भवइ । से भवइ महिच्छे जाव उत्तरगामिए नेरइए सुक्कपक्खिए आगमेस्साणं सुलभबोहिए यावि भवइ । से तं किरियावाई ॥ १३९ ॥ सव्वधम्मरुई यावि भवइ, तस्स णं बहूइं सीलवयगुणवेरमणपच्चक्खाण-

विहारेणं विहरमाणे जहन्नेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं नव मासे विहरेज्जा, से तं **नवमा उवासगपडिमा** ॥ १४८ ॥ अहावरा **दसमा उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ जाव उद्दिट्ठभत्ते से परिण्णाए भवइ, से णं खुरमुंडए वा सिहाधारए वा, तस्स णं आभट्ठस्स समाभट्ठस्स वा कप्पंति दुवे भासाओ भासित्तए, जहा-जाणं वा जाणं अजाणं वा णो जाणं, से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणे जहन्नेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं दस मासे विहरेज्जा, से तं **दसमा उवासगपडिमा** ॥ १४९ ॥ अहावरा **ए[काद]कारसमा उवासगपडिमा**-सव्वधम्मरुई यावि भवइ जाव उद्दिट्ठभत्ते से परिण्णाए भवइ, से णं खुरमुंडए वा लुत्तसिरए वा गहियायारभंडगनेवत्थे, जारिसे समणाणं निग्गंथाणं धम्मे पण्णत्ते। तंजहा-सम्मं काएण फासेमाणे पालेमाणे पुरओ जुगमायाए पेहमाणे दट्ठूण तसे पाणे उद्धट्टु पाए री(रि)एज्जा, साहट्टु पाए रीएज्जा, तिरिच्छं वा पायं कट्टु रीएज्जा, संइ परक्कमे[ज्जा,] संजयामेव परक्कमेज्जा, नो उज्जुयं गच्छेज्जा, केवलं से नायए पेज्जबंधणे अवोच्छिन्ने भवइ, एवं से कप्पइ नायविहिं वइत्तए ॥ १५० ॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते चाउलोदणे पच्छाउत्ते भिलिंगसूवे, कप्पइ से चाउलोदणे पडिग[ग]ाहित्तए, नो से कप्पइ भिलिंगसूवे पडिग्गाहित्तए। तत्थ [णं] से पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते भिलिंगसूवे पच्छाउत्ते चाउलोदणे, कप्पइ से भिलिंगसूवे पडिग्गाहित्तए, नो से कप्पइ चाउलोदणे पडिग्गाहित्तए। तत्थ से पुव्वागमणेणं दोवि पुव्वाउत्ताइं कप्पंति दोवि पडिग्गाहित्तए। तत्थ से पच्छागमणेणं दोवि पच्छाउत्ताइं णो से कप्पंति दोवि पडिग्गाहित्तए। जे से तत्थ पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते से कप्पइ पडिग्गाहित्तए। जे से तत्थ पुव्वागमणेणं पच्छाउत्ते से नो कप्पइ पडिग्गाहित्तए ॥ १५१ ॥ तस्स णं गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुप्पविट्ठस्स कप्पइ एवं वइत्तए "समणोवासगस्स पडिमापडिवन्नस्स भिक्खं दलयह" तं चेव एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणे णं केइ पासित्ता वइज्जा-"केइ आउसो! तुमं वत्तव्वं सिया" "समणोवासए पडिमापडिवन्नए अहमंसीति" वत्तव्वं सिया, से णं एयारूवेणं विहारेणं विहरमाणे जहन्नेणं एगाहं वा दुयाहं वा तियाहं वा उक्कोसेणं एक्कारस मासे विहरेज्जा, **ए(गा)क्कारसमा उवासगपडिमा** ॥ १५२ ॥ एयाओ खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं एक्कारस उवासगपडिमाओ पण्णत्ताओ ॥ १५३ ॥ त्ति-बेमि ॥

छ(ट्ठी)ट्ठा दसा समत्ता ॥ ६ ॥

सत्त[मी]मा दसा

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं बारस

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

चत्तारि मूलसुत्ताइं

तत्थ णं

दसवेयालियसुत्तं

दुमपुप्फिया णामं पढममज्झयणं

धम्मो मंगलमुक्किट्ठं, अहिंसा संजमो तवो। देवा वि तं नमंसंति, जस्स धम्मे सया मणो ॥ १ ॥ जहा दुमस्स पुप्फेसु, भमरो आवियइ रसं। न य पुप्फं किलामेइ, सो य पीणेइ अप्पयं ॥ २ ॥ एमेए समणा मुत्ता, जे लोए संति साहुणो। विहंगमा व पुप्फेसु, दाणभत्तेसणे रया ॥ ३ ॥ वयं च वित्तिं लब्भामो, न य कोइ उवहम्मइ। अहागडेसु रीयंते, पुप्फेसु भमरा जहा ॥ ४ ॥ महुगारसमा बुद्धा, जे भवंति अणिस्सिया। नाणापिंडरया दंता, तेण वुच्चंति साहुणो ॥ ५ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति दुमपुप्फिया णामं पढममज्झयणं समत्तं ॥ १ ॥**

अह सामण्णपुव्वयं णामं दुइयमज्झयणं

कहं नु कुज्जा सामण्णं, जो कामे न निवारए। पए पए विसीयंतो, संकप्पस्स वसं गओ ॥ १ ॥ वत्थगंधमलंकारं, इत्थीओ सयणाणि य। अच्छंदा जे न भुंजंति, न से चाइत्ति वुच्चइ ॥ २ ॥ जे य कंते पिए भोए, लद्धे विपिट्ठि-कुव्वइ। साहीणे चयइ भोए, से हु चाइत्ति वुच्चइ ॥ ३ ॥ समाइ पेहाइ परिव्वयंतो, सिया मणो निस्सरई बहिद्धा। "न सा महं नो वि अहं पि तीसे", इच्चेव ताओ विणएज्ज रागं ॥ ४ ॥ आयावयाही चय सोगमल्लं, कामे कमाही कमियं खु दुक्खं। छिंदाहि दोसं विणएज्ज रागं, एवं सुही होहिसि संपराए ॥ ५ ॥ पक्खंदे जलियं जोइं, धूमकेउं दुरासयं। नेच्छंति वंतयं भोत्तुं, कुले जाया अगंधणे ॥ ६ ॥ धिरत्थु तेऽजसोकामी,

वा ईसिं दोवि पाए साहट्टु वग्घारियपाणिस्स ठाणं ठाइत्तए, सेसं तं चेव जाव अणुपालित्ता भवइ ॥ ११ ॥ १८३ ॥ एगराइयं णं भिक्खुपडिमं पडिवन्नस्स अणगारस्स निच्चं वोसट्ठकाए णं जाव अहियासेइ, कप्पइ से [णं] अट्ठमेणं भत्तेणं अपाणएणं बहिया गामस्स वा जाव रायहाणीए वा ईसिं पब्भारगएणं काएणं एगपोग्गल[ठिती]गयाए दिट्ठीए अणिमिसनयणे अहापणिहिएहिं गाएहिं सव्विंदिएहिं गुत्तेहिं दोवि पाए साहट्टु वग्घारियपाणिस्स ठाणं ठाइत्तए, तत्थ से दिव्वा माणुस्सा तिरिक्खजोणिया जाव अहियासेइ, से णं तत्थ उच्चारपासवणं उब्बाहिज्जा नो से कप्पइ उच्चारपासवणं उगिण्हित्तए, कप्पइ से पुव्वपडिलेहियंसि थंडिलंसि उच्चारपासवणं परिठवित्तए, अहाविहिमेव ठाणं ठाइत्तए ॥ १८४ ॥ एगराइयं णं भिक्खुपडिमं अणणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा अहियाए असुभाए अक्खमाए अणिस्सेसाए अणाणुगामियत्ताए भवंति, तंजहा–उम्मायं वा ल[भ]भेज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं पाउणेज्जा, केवलिपण्णत्ताओ धम्माओ भं[सि]सेज्जा ॥१८५ ॥ एगराइयं णं भिक्खुपडिमं सम्मं अणुपालेमाणस्स अणगारस्स इमे तओ ठाणा हियाए सुहाए खमाए निस्सेसाए अणुगामियत्ताए भवंति, तंजहा–ओहिनाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, मणपज्जवनाणे वा से समुप्पज्जेज्जा, केवलनाणे वा से असमुप्पन्नपुव्वे समुप्पज्जेज्जा, एवं खलु एसा एगराइया भिक्खुपडिमा अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं सम्मं काएण फासित्ता पालित्ता सोहित्ता तीरित्ता किट्टित्ता आराहित्ता आणाए अणुपालित्ता [यावि] भवइ ॥ १८६ ॥ एयाओ खलु ताओ थेरेहिं भगवंतेहिं बारस भिक्खुपडिमाओ पण्णत्ताओ ॥ १८७ ॥ त्ति–बेमि ॥ **इति भिक्खुपडिमा णामं सत्तमा दसा समत्ता ॥ ७ ॥**

अट्ठमा दसा

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंचहत्थुत्तरे यावि होत्था, तंजहा–हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते १ हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए २ हत्थुत्तराहिं जाए ३ हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता आगाराओ अणगारियं पव्वइए ४ हत्थुत्तराहिं अणंते अणुत्तरे नि(अ)व्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरनाणदंसणे समुप्पण्णे ५ साइणा परिणिव्वुए भगवं जाव भुज्जो २ उवदंसेइ ॥ १८८ ॥ त्ति–बेमि ॥ **इति पज्जोस(वं)णा णामं अट्ठमा दसा समत्ता ॥ ८ ॥**

नवमा दसा

तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा ना[म]मं नयरी होत्था, वण्णओ। पुण्णभद्दे नामं उज्जाणे, वण्णओ। कोणियराया, धारिणी देवी, सामी समोसढे, परिसा निग्गया, धम्मो

तं तिप्पयंतो भावेइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१२ ॥ आयरियउवज्झाएहिं, सुयं विणयं च गाहिए। ते चेव खिंसइ बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१३ ॥ आयरियउवज्झायाणं, सम्मं नो पडितप्पइ। अप्पडिपूयए थद्धे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१४ ॥ अबहुस्सुए य जे केइ, सुएण पविकत्थइ। सज्झायवायं वयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१५ ॥ अतवस्सी[ए] य जे केइ, तवेण पविकत्थइ। सव्वलोयपरे तेणे, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१६ ॥ साहारणट्ठा जे केइ, गिलाणम्मि उवट्ठिए। पभू न कुणइ किच्चं, मज्झंपि से न कुव्वइ ॥ २१७ ॥ सढे नियडीपण्णाणे, कलुसाउलचेयसे। अप्पणो य अबोही(य)ए, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१८ ॥ जे कहाहिगरणाइं, संपउंजे पुणो पुणो। सव्वतित्थाण भेयाणं, महामोहं पकुव्वइ ॥ २१९ ॥ जे य आहम्मिए जोए, संप(ओ)उंजे पुणो पुणो। सहाहेउं सहीहेउं, महामोहं पकुव्वइ ॥ २२० ॥ जे य माणुस्सए भोए, अदुवा पारलोइए। तेऽतिप्पयंतो आसयइ, महामोहं पकुव्वइ ॥ २२१ ॥ इड्ढी जुई जसो वण्णो, देवाणं बलवीरियं। तेसिं अवण्णवं बाले, महामोहं पकुव्वइ ॥ २२२ ॥ अपस्समाणो पस्सामि, दे(वे)वजक्खे य गुज्झगे। अण्णाणी जिणपूयट्ठी महामोहं पकुव्वइ ॥ २२३ ॥ एए मोहगुणा वुत्ता, कम्मंता चित्तवद्धणा। जे उ भिक्खू विवज्जेज्जा, चरिज्जत्तगवेसए ॥ २२४ ॥ जंपि जाणे इओ पुव्वं, किच्चाकिच्चं बहु जढं। तं वंता ताणि सेविज्जा, जेहिं आयारवं सिया ॥ २२५ ॥ आयारगुत्तो सुद्धप्पा, धम्मे ठिच्चा अणुत्तरे। तओ वमे सए दोसे, विसमासीविसो जहा ॥ २२६ ॥ सुचत्तदोसे सुद्धप्पा, धम्मट्ठी विदितापरे। इहेव ल(ल)भए कित्तिं, पेच्चा य सुगइं वरं ॥ २२७ ॥ एवं अभिसमागम्म, सूरा दढपरक्कमा। सव्वमोहविणिम्मुक्का, जाइमरणमइच्छिया ॥ २२८ ॥ ति-बेमि ॥ **मोहणिज्जठाणणामं नवमा दसा समत्ता ॥ ९ ॥**

दसमा दसा

तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे होत्था, वण्णओ। गुणसिलए उज्जाणे...सेणिए राया होत्था, रायवण्णओ जहा उववाइए जाव चेल्लणाए...विहरइ। तए णं से सेणिए राया अण्णया कयाइ ण्हाए कंठे मालकडे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियहारद्धहारतिसरयपालंबपलंबमाणकडिसुत्तयसुकयसोभे पिणद्धगेवेज्जअंगुलेज्जग जाव कप्परुक्खए चेव अलंकियविभूसिए णरिंदे सकोरंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं जाव ससिव्व पियदंसणे नरवई जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सिंहासणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सिं(सी)हासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–गच्छह णं तु० देवाणुप्पिया! जाइं

भुंजंते वि अन्ने न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । छट्ठे भंते ! वए उवट्ठिओमि सव्वाओ राइभोयणाओ वेरमणं ॥ ६ ॥ १० ॥ इच्चेयाइं पंच महव्वयाइं राइभोयण-वेरमणछट्ठाइं अत्तहियट्ठयाए उवसंपज्जित्ताणं विहरामि ॥ ११ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से पुढविं वा, भित्तिं वा, सिलं वा, लेलुं वा, ससरक्खं वा कायं, ससरक्खं वा वत्थं, हत्थेण वा, पाएण वा, कट्ठेण वा, किलिंचेण वा, अंगुलियाए वा, सलागाए वा, सलागहत्थेण वा, न आलिहिज्जा, न विलिहिज्जा, न घट्टिज्जा, न भिंदिज्जा, अन्नं न आलिहाविज्जा, न विलिहाविज्जा, न घट्टाविज्जा, न भिंदाविज्जा, अन्नं आलिहंतं वा, विलिहंतं वा, घट्टंतं वा, भिंदंतं वा, न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ १ ॥ १२ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से उदगं वा, ओसं वा, हिमं वा, महियं वा, करगं वा, हरितणुगं वा, सुद्धोदगं वा, उदउल्लं वा कायं, उदउल्लं वा वत्थं, ससिणिद्धं वा कायं, ससिणिद्धं वा वत्थं, न आमुसिज्जा, न संफुसिज्जा, न आवीलिज्जा, न पवीलिज्जा, न अक्खोडिज्जा, न पक्खोडिज्जा, न आयाविज्जा, न पयाविज्जा, अन्नं न आमुसाविज्जा, न संफुसाविज्जा, न आवीलाविज्जा, न पवीलाविज्जा, न अक्खो-डाविज्जा, न पक्खोडाविज्जा, न आयाविज्जा, न पयाविज्जा, अन्नं आमुसंतं वा, संफुसंतं वा, आवीलंतं वा, पवीलंतं वा, अक्खोडंतं वा, पक्खोडंतं वा, आयावंतं वा, पयावंतं वा, न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ २ ॥ १३ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसा-गओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से अगणिं वा, इंगालं वा, मुम्मुरं वा, अच्चिं वा, जालं वा, अलायं वा, सुद्धागणिं वा, उक्कं वा, न उंजिज्जा, न घट्टिज्जा, न भिंदिज्जा, न उज्जालिज्जा, न पज्जालिज्जा, न निव्वाविज्जा, अन्नं न उंजाविज्जा, न घट्टाविज्जा, न भिंदाविज्जा, न उज्जालाविज्जा, न पज्जालाविज्जा, न निव्वाविज्जा,

इरियासमिया भासासमिया जाव बंभयारी तेणं विहारेणं विहरमाणे बहूइं वासाइं परियागं पाउणइ २ त्ता आबाहंसि उप्पन्नंसि वा जाव भत्ताइं पच्चक्खाएज्जा? हंता! पच्चक्खाएज्जा, बहूइं भत्ताइं अणसणाइं छेइज्जा? हंता! छेइज्जा, आलोइयपडिक्कंते समाहिपत्ते कालमासे कालं किच्चा अण्णयरेसु देवलोएसु देवत्ताए उववत्तारो भवइ, एवं खलु समणाउसो! तस्स णियाणस्स इमेयारूवे पावफलविवागे जं णो संचाएइ तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झित्तए जाव सव्वदुक्खाणमंतं करित्तए ॥ २६३ ॥ एवं खलु समणाउसो! मए धम्मे पण्णत्ते, इणमेव णिग्गंथे पावयणे जाव से य परक्कमेज्जा, सव्वकामविरत्ते सव्वरागविरत्ते सव्वसंगातीते सव्वहा सव्वसिणेहाइक्कंते सव्व-चरित्तपरिवु[ड्ढि]डे ॥ २६४ ॥ तस्स णं भगवंतस्स अणुत्तरेणं नाणेणं अणुत्तरेणं दंसणेणं अणुत्तरेणं परिनिव्वाणमग्गेणं अप्पाणं भावेमाणस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरा-वरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरनाणदंसणे समुप्पज्जेज्जा ॥ २६५ ॥ तए णं से भगवं अरहा भवइ जिणे केवली सव्वण्णू सव्व(दरि)दंसी, सदेवमणुयासुराए जाव बहूइं वासाइं केवलिपरियागं पाउणइ २ त्ता अप्पणो आउसेसं आभोएइ २ त्ता भत्तं पच्चक्खाएइ २ त्ता बहूइं भत्ताइं अणसणाइं छेएइ २ त्ता तओ पच्छा चरमेहिं ऊसास-नीसासेहिं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खाणमंतं करेइ, एवं खलु समणाउसो! तस्स अणि-याणस्स इमेयारूवे कल्लाणफलविवागे जं तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झइ जाव सव्वदुक्खा-णमंतं करेइ ॥ २६६ ॥ तए णं बहवे निग्गंथा य निग्गंथीओ य समणस्स भगवओ महावीरस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म समणं भगवं महावीरं वंदंति नमंसंति वंदित्ता नमंसित्ता तस्स ठाणस्स आलोयंति पडिक्कमंति जाव अहारिहं पायच्छित्तं ोकम्मं पडिवज्जंति ॥ २६७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे :गिहे नयरे गुणसिलए उज्जाणे बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं ्णं सावियाणं बहूणं देवाणं बहूणं देवीणं सदेवमणुयासुराए परिसाए मज्झगए माइक्खइ एवं भासइ एवं परूवेइ आयइठाणं णामं अज्जो! अज्झयणं सअट्ठं :उं सकारणं सुत्तं च अत्थं च तदुभयं च भुज्जो भुज्जो उवदंसेइ ॥ २६८ ॥ ...-त्तेमि ॥ आयइठाणं णामं दसमा दसा समत्ता ॥ १० ॥

॥ दसासुयक्खंधसुत्तं समत्तं ॥

तस्समत्तीए

चउछेयसुत्ताइं समत्ताइं

॥ सव्वसिलोगसंखा ४५०० ॥

॥ १ ॥ अजयं चिट्ठमाणो उ, पाणभूयाइं हिंसइ । वंधइ पावयं कम्मं, तं से होइ कडुयं फलं ॥ २ ॥ अजयं आसमाणो उ, पाणभूयाइं हिंसइ । वंधइ पावयं कम्मं, तं से होइ कडुयं फलं ॥ ३ ॥ अजयं सयमाणो उ, पाणभूयाइं हिंसइ । वंधइ पावयं कम्मं, तं से होइ कडुयं फलं ॥ ४ ॥ अजयं भुंजमाणो उ, पाणभूयाइं हिंसइ । वंधइ पावयं कम्मं, तं से होइ कडुयं फलं ॥ ५ ॥ अजयं भासमाणो उ, पाणभूयाइं हिंसइ । वंधइ पावयं कम्मं, तं से होइ कडुयं फलं ॥ ६ ॥ कहं चरे ? कहं चिट्ठे ?, कहमासे ? कहं सए ? । कहं भुंजंतो भासंतो, पावकम्मं न वंधइ ? ॥ ७ ॥ जयं चरे जयं चिट्ठे, जयमासे जयं सए । जयं भुंजंतो भासंतो, पावकम्मं न वंधइ ॥ ८ ॥ सव्वभूयप्पभूयस्स, सम्मं भूयाइ पासओ । पिहियासवस्स दंतस्स, पावकम्मं न वंधइ ॥ ९ ॥ पढमं नाणं तओ दया, एवं चिट्ठइ सव्वसंजए । अन्नाणी किं काही ?, किं वा नाहिइ सेयपावगं ? ॥ १० ॥ सोच्चा जाणइ कल्लाणं, सोच्चा जाणइ पावगं । उभयं पि जाणइ सोच्चा, जं सेयं तं समायरे ॥ ११ ॥ जो जीवे वि न याणेइ, अजीवे वि न याणइ । जीवाजीवे अयाणंतो, कहं सो नाहिइ संजमं ? ॥ १२ ॥ जो जीवे वि वियाणेइ, अजीवे वि वियाणइ । जीवाजीवे वियाणंतो, सो हु नाहिइ संजमं ॥ १३ ॥ जया जीवमजीवे य, दो वि एए वियाणइ । तया गइं वहुविहं, सव्वजीवाण जाणइ ॥ १४ ॥ जया गइं वहुविहं, सव्वजीवाण जाणइ । तया पुण्णं च पावं च, वंधं मुक्खं च जाणइ ॥ १५ ॥ जया पुण्णं च पावं च, वंधं मुक्खं च जाणइ । तया निव्विंदए भोए, जे दिव्वे जे य माणुसे ॥ १६ ॥ जया निव्विंदए भोए, जे दिव्वे जे य माणुसे । तया चयइ संजोगं, सब्भिंतरवाहिरं ॥ १७ ॥ जया चयइ संजोगं, सब्भिंतरवाहिरं । तया मुंडे भवित्ताणं, पव्वइए अणगारियं ॥ १८ ॥ जया मुंडे भवित्ताणं, पव्वइए अणगारियं । तया संवरमुक्किट्ठं, धम्मं फासे अणुत्तरं ॥ १९ ॥ जया संवरमुक्किट्ठं, धम्मं फासे अणुत्तरं । तया धुणइ कम्मरयं, अवोहिकलुसं कडं ॥ २० ॥ जया धुणइ कम्मरयं, अवोहिकलुसं कडं । तया सव्वत्तगं नाणं, दंसणं चाभिगच्छइ ॥ २१ ॥ जया सव्वत्तगं नाणं, दंसणं चाभिगच्छइ । तया लोगमलोगं च, जिणो जाणइ केवली ॥ २२ ॥ जया लोगमलोगं च, जिणो जाणइ केवली । तया जोगे निरुंभित्ता, सेलेसिं पडिवज्जइ ॥ २३ ॥ जया जोगे निरुंभित्ता, सेलेसिं पडिवज्जइ । तया कम्मं खवित्ताणं, सिद्धिं गच्छइ नीरओ ॥ २४ ॥ जया कम्मं खवित्ताणं, सिद्धिं गच्छइ नीरओ । तया लोगमत्थयत्थो, सिद्धो हवइ सासओ ॥ २५ ॥ सुहसायगस्स समणस्स, सायाउलगस्स निगामसाइस्स । उच्छोलणापहोयस्स, दुल्लहा सुगइ तारिसगस्स ॥ २६ ॥ तवोगुणपहाणस्स, उज्जु-

पडिसेहिए व दिन्ने वा, तओ तम्मि नियत्तिए । उवसंकमिज्ज भत्तट्ठा, पाणट्ठाए व संजए ॥ १३ ॥ उप्पलं पउमं वावि, कुमुयं वा मगदंतियं । अन्नं वा पुप्फसच्चित्तं, तं च संलुंचिया दए ॥ १४ ॥ तं भवे भत्तपाणं तु, संजयाण अकप्पियं । दिंतियं पडियाइक्खे, "न मे कप्पइ तारिसं" ॥ १५ ॥ उप्पलं पउमं वावि, कुमुयं वा मगदंतियं । अन्नं वा पुप्फसच्चित्तं, तं च संमद्दिया दए ॥ १६ ॥ तं भवे भत्तपाणं तु, संजयाण अकप्पियं । दिंतियं पडियाइक्खे, "न मे कप्पइ तारिसं" ॥ १७ ॥ सालुयं वा विरालियं, कुमुयं उप्पलनालियं । मुणालियं सासवनालियं, उच्छुखंडं अनिव्वुडं ॥ १८ ॥ तरुणगं वा पवालं, रुक्खस्स तणगस्स वा । अन्नस्स वावि हरियस्स, आमगं परिवज्जए ॥ १९ ॥ तरुणियं वा छिवाडिं, आमियं भज्जियं सइं । दिंतियं पडियाइक्खे, "न मे कप्पइ तारिसं" ॥ २० ॥ तहा कोलमणुस्सिन्नं, वेलुयं कासवनालियं । तिलपप्पडगं नीमं, आमगं परिवज्जए ॥ २१ ॥ तहेव चाउलं पिट्ठं, वियडं वा तत्तनिव्वुडं । तिलपिट्ठपूइपिण्णागं, आमगं परिवज्जए ॥ २२ ॥ कविट्ठं माउलिंगं च, मूलगं मूलगत्तियं । आमं असत्थपरिणयं, मणसा वि न पत्थए ॥ २३ ॥ तहेव फलमंथूणि, बीयमंथूणि जाणिया । विहेलगं पियालं च, आमगं परिवज्जए ॥ २४ ॥ समुयाणं चरे भिक्खू, कुलं उच्चावयं सया । नीयं कुलमइक्कम्म, ऊसढं नाभिधारए ॥ २५ ॥ अदीणो वित्तिमेसिज्जा, न विसीएज्ज पंडिए । अमुच्छिओ भोयणम्मि, मायन्ने एसणारए ॥ २६ ॥ वहुं परघरे अत्थि, विविहं खाइमसाइमं । न तत्थ पंडिओ कुप्पे, इच्छा दिज्ज परो न वा ॥ २७ ॥ सयणासणवत्थं वा, भत्तं पाणं च संजए । अदिंतस्स न कुप्पिज्जा, पच्चक्खे वि य दीसओ ॥ २८ ॥ इत्थियं पुरिसं वावि, डहरं वा महल्लगं । वंदमाणं न जाइज्जा, नो य णं फरुसं वए ॥ २९ ॥ जे न वंदे न से कुप्पे, वंदिओ न समुक्कसे । एवमन्नेसमाणस्स, सामण्णमणुचिट्ठइ ॥ ३० ॥ सिया एगइओ लद्धुं, लोभेण विणिगूहइ । "मामेयं दाइयं संतं, दट्ठूणं सयमायए" ॥ ३१ ॥ अत्तट्ठा गुरुओ लुद्धो, वहुं पावं पकुव्वइ । दुत्तोसओ य से होइ, निव्वाणं च न गच्छइ ॥ ३२ ॥ सिया एगइओ लद्धुं, विविहं पाणभोयणं । भद्दगं भद्दगं भोच्चा, विवण्णं विरसमाहरे ॥ ३३ ॥ जाणंतु ता इमे समणा, "आययट्ठी अयं मुणी । संतुट्ठो सेवए पंतं, लूहवित्ती सुतोसओ" ॥ ३४ ॥ पूयणट्ठा जसोकामी, माणसंमाणकामए । वहुं पसवई पावं, मायासल्लं च कुव्वइ ॥ ३५ ॥ सुरं वा मेरगं वावि, अन्नं वा मज्जगं रसं । ससक्खं न पिबे भिक्खू, जसं सारक्खमप्पणो ॥ ३६ ॥ पियए एगओ तेणो, "न मे कोइ वियाणइ" । तस्स पस्सह दोसाइं, नियडिं च सुणेह मे ॥ ३७ ॥ वड्ढइ सुंडिया तस्स, मायामोसं

जो तं जीवियकारणा । वंतं इच्छसि आवेउं, सेयं ते मरणं भवे ॥ ७ ॥ अहं च भोगरायस्स, तं चऽसि अंधगवण्हिणो । मा कुले गंधणा होमो, संजमं निहुओ चर ॥ ८ ॥ जइ तं काहिसि भावं, जा जा दिच्छसि नारिओ । वायाविद्धोव्व हडो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि ॥ ९ ॥ तीसे सो वयणं सोच्चा, संजयाइ सुभासियं । अंकुसेण जहा नागो, धम्मे संपडिवाइओ ॥ १० ॥ एवं करेंति संबुद्धा, पंडिया पवियक्खणा । विणियट्टंति भोगेसु, जहा से पुरिसुत्तमो ॥ ११ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति सामण्णपुव्वयं णामं दुइयमज्झयणं समत्तं ॥ २ ॥**

अह खुड्डियायारकहा णामं तइयमज्झयणं

संजमे सुट्ठिअप्पाणं, विप्पमुक्काण ताइणं । तेसिमेयमणाइण्णं, निग्गंथाणं महेसिणं ॥ १ ॥ उद्देसियं[१] कीयगडं[२], नियागं[३] अभिहडाणि[४] य । राइभत्ते[५] सिणाणे[६] य, गंधे[७] मल्ले[८] य वीयणे[९] ॥ २ ॥ सन्निही[१०] गिहिमत्ते[११] य, रायपिंडे[१२] किमिच्छए[१३] । संवाहणा[१४] दंतपहोयणा[१५] य, संपुच्छणा[१६] देहपलोयणा[१७] य ॥ ३ ॥ अट्ठावए[१८] य नालीए[१९], छत्तस्स[२०] य धारणट्ठाए । तेगिच्छं[२१] पाहणा[२२] पाए, समारंभं च जोइणो[२३] ॥ ४ ॥ सेज्जायरपिण्डं[२४] च, आसंदीपलियंकए[२५] । गिहंतरनिसेज्जा[२६] य, गायस्सुव्वट्टणाणि[२७] य ॥ ५ ॥ गिहिणो वेयावडियं[२८], जा य आजीववत्तिया[२९] । तत्तानिव्वुडभोइत्तं[३०], आउरस्सरणाणि[३१] य ॥ ६ ॥ मूलए[३२] सिंगबेरे[३३] य, उच्छुखंडे[३४] अनिव्वुडे । कंदे[३५] मूले[३६] य सच्चित्ते, फले[३७] बीए[३८] य आमए ॥ ७ ॥ सोवच्चले[३९] सिंधवे[४०] लोणे, रोमालोणे[४१] य आमए । सामुद्दे[४२] पंसुखारे[४३] य, कालालोणे[४४] य आमए ॥ ८ ॥ धूवणेत्ति[४५] वमणे[४६] य, वत्थीकम्म[४७] विरेयणे[४८] । अंजणे[४९] दंतवणे[५०] य, गायब्भंग[५१] विभूसणे[५२] ॥ ९ ॥ सव्वमेयमणाइण्णं, निग्गंथाण महेसिणं । संजमम्मि य जुत्ताणं, लहुभूयविहारिणं ॥ १० ॥ पंचासवपरिण्णाया, तिगुत्ता छसु संजया । पंचनिग्गहणा धीरा, निग्गंथा उज्जुदंसिणो ॥ ११ ॥ आयावयंति गिम्हेसु, हेमंतेसु अवाउडा । वासासु पडिसंलीणा, संजया सुसमाहिया ॥ १२ ॥ परीसहरिऊदंता, धूयमोहा जिइंदिया । सव्वदुक्खप्पहीणट्ठा, पक्कमंति महेसिणो ॥ १३ ॥ दुक्कराइं करित्ताणं, दुस्सहाइं सहित्तु य । केइऽत्थ देवलोएसु, केइ सिज्झंति नीरया ॥ १४ ॥ खवित्ता पुव्वकम्माइं, संजमेण तवेण य । सिद्धिमग्गमणुप्पत्ता, ताइणो परिणिव्वुडा ॥ १५ ॥ ति-बेमि ॥ **इति खुड्डियायारकहा णामं तइयमज्झयणं समत्तं ॥ ३ ॥**

सिणाणं[१७] सोहवज्जणं[१८] ॥ ८ ॥ (१) तत्थिमं पढमं ठाणं, महावीरेण देसियं । अहिंसा निउणा दिट्ठा, सव्वभूएसु संजमो ॥ ९ ॥ जावंति लोए पाणा, तसा अदुव थावरा । ते जाणमजाणं वा, न हणे नो वि घायए ॥ १० ॥ सव्वे जीवा वि इच्छंति, जीविउं न मरिज्जिउं । तम्हा पाणिवहं घोरं, निग्गंथा वज्जयंति णं ॥ ११ ॥ (२) अप्पणट्ठा परट्ठा वा, कोहा वा जइ वा भया । हिंसगं न मुसं वूया, नो वि अन्नं वयावए ॥ १२ ॥ मुसावाओ य लोगंमि, सव्वसाहूहिं गरिहिओ । अविस्सासो य भूयाणं, तम्हा मोसं विवज्जए ॥ १३ ॥ (३) चित्तमंतमचित्तं वा, अप्पं वा जइ वा वहुं । दंतसोहणमित्तं पि, उग्गहंसि अजाइया ॥ १४ ॥ तं अप्पणा न गिण्हंति, नो वि गिण्हावए परं । अन्नं वा गिण्हमाणं पि, नाणुजाणंति संजया ॥ १५ ॥ (४) अवंभचरियं घोरं, पमायं दुरहिट्ठियं । नायरंति मुणी लोए, भेयाययणवज्जिणो ॥ १६ ॥ मूलमेयमहम्मस्स, महादोससमुस्सयं । तम्हा मेहुणसंसग्गं, निग्गंथा वज्जयंति णं ॥ १७ ॥ (५) विडमुब्भेइमं लोणं, तिल्लं सप्पिं च फाणियं[१] । न ते सन्निहिमिच्छंति, नायपुत्तवओरया ॥ १८ ॥ लोहस्सेस अणुप्फासे, मन्ने अन्नयरामवि । जे सिया सन्निहीकामे, गिही पव्वइए न से ॥ १९ ॥ जं पि वत्थं व पायं वा, कंवलं पायपुंछणं । तं पि संजमलज्जट्ठा, धारंति परिहरंति य ॥ २० ॥ न सो परिग्गहो वुत्तो, नायपुत्तेण ताइणा । "मुच्छा परिग्गहो वुत्तो", इइ वुत्तं महेसिणा ॥ २१ ॥ सव्वत्थुवहिणा वुद्धा, संरक्खणपरिग्गहे । अवि अप्पणो वि देहंमि, नायरंति ममाइयं ॥ २२ ॥ (६) अहो निच्चं तवोकम्मं, सव्ववुद्धेहिं वण्णियं । जा य लज्जासमा वित्ती, एगभत्तं च भोयणं ॥ २३ ॥ संतिमे सुहुमा पाणा, तसा अदुव थावरा । जाइं राओ अपासंतो, कहमेसणियं चरे ॥ २४ ॥ उदउल्लं वीयसंसत्तं, पाणा निव्वडिया महिं । दिया ताइं विवज्जिज्जा, राओ तत्थ कहं चरे ॥ २५ ॥ एयं च दोसं दट्ठूणं, नायपुत्तेण भासियं । सव्वाहारं न भुंजंति, निग्गंथा राइभोयणं ॥ २६ ॥ (१) पुढविकायं न हिंसंति, मणसा वयसा कायसा । तिविहेण करणजोएण, संजया सुसमाहिया ॥ २७ ॥ पुढविकायं विहिंसंतो, हिंसई उ तयस्सिए । तसे य विविहे पाणे, चक्खुसे य अचक्खुसे ॥ २८ ॥ तम्हा एयं वियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं । पुढविकायसमारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ २९ ॥ (२) आउकायं न हिंसंति, मणसा वयसा कायसा । तिविहेण करणजोएण, संजया सुसमाहिया ॥ ३० ॥ आउकायं विहिंसंतो, हिंसई उ तयस्सिए । तसे य विविहे पाणे, चक्खुसे य अचक्खुसे ॥ ३१ ॥ तम्हा एयं वियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं । आउकायसमा-

---

१ फानुयं ।

जो तं जीवियकारणा। वंतं इच्छसि आवेउं, सेयं ते मरणं भवे ॥ ७ ॥ अहं च भोगरायस्स, तं चऽसि अंधगवण्हिणो। मा कुले गंधणा होमो, संजमं निहुओ चर ॥ ८ ॥ जइ तं काहिसि भावं, जा जा दिच्छसि नारिओ। वायाविद्धोव्व हडो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि ॥ ९ ॥ तीसे सो वयणं सोच्चा, संजयाइ सुभासियं। अंकुसेण जहा नागो, धम्मे संपडिवाइओ ॥ १० ॥ एवं करेंति संबुद्धा, पंडिया पवियक्खणा। विणियट्टंति भोगेसु, जहा से पुरिसुत्तमो ॥ ११ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति सामण्णपुव्वयं णामं दुइयमज्झयणं समत्तं** ॥ २ ॥

अह खुड्डियायारकहा णामं तइयमज्झयणं

संजमे सुट्ठिअप्पाणं, विप्पमुक्काण ताइणं। तेसिमेयमणाइण्णं, निग्गंथाणं महेसिणं ॥ १ ॥ उद्देसियं[1] कीयगडं[2], नियागं[3] अभिहडाणि[4] य। राइभत्ते[5] सिणाणे[6] य, गंधे[7] मल्ले[8] य वीयणे[9] ॥ २ ॥ सन्निही[10] गिहिमत्ते[11] य, रायपिंडे[12] किमिच्छए[13]। संवाहणा[14] दंतपहोयणा[15] य, संपुच्छणा[16] देहपलोयणा[17] य ॥ ३ ॥ अट्ठावए[18] य नालीए[19], छत्तस्स[20] य धारणट्ठाए। तेगिच्छं[21] पाहणा[22] पाए, समारंभं च जोइणो[23] ॥ ४ ॥ सेज्जायरपिण्डं[24] च, आसंदीपलियंकए[25]। गिहंतरनिसेज्जा[26] य, गायस्सुव्वट्टणाणि[27] य ॥ ५ ॥ गिहिणो वेयावडियं[28], जा य आजीववत्तिया[29]। तत्तानिव्वुडभोइत्तं[30], आउरस्सरणाणि[31] य ॥ ६ ॥ मूलए[32] सिंगबेरे[33] य, उच्छुखंडे[34] अनिव्वुडे। कंदे[35] मूले[36] य सच्चित्ते, फले[37] बीए[38] य आमए ॥ ७ ॥ सोवच्चले[39] सिंधवे[40] लोणे, रोमालोणे[41] य आमए। सामुद्दे[42] पंसुखारे[43] य, काललोणे[44] य आमए ॥ ८ ॥ धूवणेत्ति[45] वमणे[46] य, वत्थीकम्म[47] विरेयणे[48]। अंजणे[49] दंतवणे[50] य, गायब्भंग[51] विभूसणे[52] ॥ ९ ॥ सव्वमेयमणाइण्णं, निग्गंथाण महेसिणं। संजमम्मि य जुत्ताणं, लहुभूयविहारिणं ॥ १० ॥ पंचासवपरिण्णाया, तिगुत्ता छसु संजया। पंचनिग्गहणा धीरा, निग्गंथा उज्जुदंसिणो ॥ ११ ॥ आयावयंति गिम्हेसु, हेमंतेसु अवाउडा। वासासु पडिसंलीणा, संजया सुसमाहिया ॥ १२ ॥ परीसहरिऊदंता, धूयमोहा जिइंदिया। सव्वदुक्खप्पहीणट्ठा, पक्कमंति महेसिणो ॥ १३ ॥ दुक्कराइं करित्ताणं, दुस्सहाइं सहित्तु य। केइऽत्थ देवलोएसु, केइ सिज्झंति नीरया ॥ १४ ॥ खवित्ता पुव्वकम्माइं, संजमेण तवेण य। सिद्धिमग्गमणुप्पत्ता, ताइणो परिणिव्वुडा ॥ १५ ॥ ति-बेमि ॥ **इति खुड्डियायारकहा णामं तइयमज्झयणं समत्तं** ॥ ३ ॥

वंभचेरस्स, पाणाणं च वहे वहो। वणीमगपडिग्घाओ, पडिकोहो अगारिणं ॥ ५८ ॥ अगुत्ती वंभचेरस्स, इत्थीओ वावि संकणं। कुसीलवङ्कणं ठाणं, दूरओ परिवज्जए ॥ ५९ ॥ तिण्हमन्नयरागस्स, निसिज्जा जस्स कप्पइ। जराए अभिभूयस्स, वाहियस्स तवस्सिणो ॥ ६० ॥ (१७) वाहिओ वा अरोगी वा, सिणाणं जो उ पत्थए। वुक्कंतो होइ आयारो, जढो हवइ संजमो ॥ ६१ ॥ संतिमे सुहुमा पाणा, घसासु भिलगासु य। जे य भिक्खू सिणायंतो, वियडेणुप्पिलावए ॥ ६२ ॥ तम्हा ते न सिणायंति, सीएण उसिणेण वा। जावज्जीवं वयं घोरं, असिणाणमहिट्ठगा ॥ ६३ ॥ सिणाणं अदुवा कक्कं, लोद्धं पउमगाणि य। गायस्सुव्वट्टणट्ठाए, नायरंति कयाइ वि ॥ ६४ ॥ (१८) नगिणस्स वावि मुंडस्स, दीहरोमनहंसिणो। मेहुणा उवसंतस्स, किं विभूसाए कारियं ॥ ६५ ॥ विभूसावत्तियं भिक्खू, कम्मं वंधइ चिक्कणं। संसारसायरे घोरे, जेणं पडइ दुरुत्तरे ॥ ६६ ॥ विभूसावत्तियं चेयं, बुद्धा मन्नंति तारिसं। सावज्जवहुलं चेयं, नेयं ताईहिं सेवियं ॥ ६७ ॥ खवेंति अप्पाणममोहदंसिणो, तवे रया संजमअज्जवे गुणे। धुणंति पावाइं पुरेकडाइं, नवाइं पावाइं न ते करेंति ॥ ६८ ॥ सओवसंता अममा अकिंचणा, सविज्जविज्जाणुगया जसंसिणो। उउप्पसन्ने विमले व चंदिमा, सिद्धिं विमाणाइं उवेंति ताइणो ॥ ६९ ॥ त्ति-बेमि ॥

इति महालियायारकहा णामं छट्ठमज्झयणं समत्तं ॥ ६ ॥



अह सुवक्कसुद्धी णामं सत्तममज्झयणं



चउण्हं खलु भासाणं, परिसंखाय पन्नवं। दुण्हं तु विणयं सिक्खे, दो न भासिज्ज सव्वसो ॥ १ ॥ जा य सच्चा अवत्तव्वा, सच्चामोसा य जा मुसा। जा य बुद्धेहिऽणाइण्णा, न तं भासिज्ज पन्नवं ॥ २ ॥ असच्चमोसं सच्चं च, अणवज्जमकक्कसं। समुप्पेहमसंदिद्धं, गिरं भासिज्ज पन्नवं ॥ ३ ॥ एयं च अट्ठमन्नं वा, जं तु नामेइ सासयं। स भासं सच्चमोसं च, तं पि धीरो विवज्जए ॥ ४ ॥ वितहं पि तहामुत्तिं, जं गिरं भासए नरो। तम्हा सो पुट्ठो पावेणं, किं पुण जो मुसं वए ॥ ५ ॥ तम्हा "गच्छामो वक्खामो, अमुगं वा णे भविस्सइ। अहं वा णं करिस्सामि, एसो वा णं करिस्सइ" ॥ ६ ॥ एवमाइ उ जा भासा, एसकालम्मि संकिया। संपयाईयमट्ठे वा, तं पि धीरो विवज्जए ॥ ७ ॥ अईयम्मि य कालम्मि, पच्चुप्पन्नमणागए। जमट्ठं तु न जाणिज्जा, "एवमेयं" ति नो वए ॥ ८ ॥ अईयम्मि य कालम्मि, पच्चुप्पन्नमणागए। जत्थ संका भवे तं तु, "एवमेयं" ति नो वए ॥ ९ ॥ अईयम्मि य कालम्मि,

अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । पढमे भंते ! महव्वए उवट्ठिओमि सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं ॥ १ ॥ ५ ॥ अहावरे दुच्चे भंते ! महव्वए मुसावायाओ वेरमणं । सव्वं भंते ! मुसावायं पच्चक्खामि । से कोहा वा, लोहा वा, भया वा, हासा वा, नेव सयं मुसं वइज्जा, नेवऽन्नेहिं मुसं वायाविज्जा, मुसं वयंते वि अन्ने न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । दुच्चे भंते ! महव्वए उवट्ठिओमि सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं ॥ २ ॥ ६ ॥ अहावरे तच्चे भंते ! महव्वए अदिन्नादाणाओ वेरमणं । सव्वं भंते ! अदिन्नादाणं पच्चक्खामि । से गामे वा, नगरे वा, रण्णे वा, अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, नेव सयं अदिन्नं गिण्हिज्जा, नेवऽन्नेहिं अदिन्नं गिण्हाविज्जा, अदिन्नं गिण्हंते वि अन्ने न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । तच्चे भंते ! महव्वए उवट्ठिओमि सव्वाओ अदिन्नादाणाओ वेरमणं ॥ ३ ॥ ७ ॥ अहावरे चउत्थे भंते ! महव्वए मेहुणाओ वेरमणं । सव्वं भंते ! मेहुणं पच्चक्खामि । से दिव्वं वा, माणुसं वा, तिरिक्खजोणियं वा, नेव सयं मेहुणं सेविज्जा, नेवऽन्नेहिं मेहुणं सेवाविज्जा, मेहुणं सेवंते वि अन्ने न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । चउत्थे भंते ! महव्वए उवट्ठिओमि सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं ॥ ४ ॥ ८ ॥ अहावरे पंचमे भंते ! महव्वए परिग्गहाओ वेरमणं । सव्वं भंते ! परिग्गहं पच्चक्खामि । से अप्पं वा, बहुं वा, अणुं वा, थूलं वा, चित्तमंतं वा, अचित्तमंतं वा, नेव सयं परिग्गहं परिगिण्हिज्जा, नेवऽन्नेहिं परिग्गहं परिगिण्हाविज्जा, परिग्गहं परिगिण्हंते वि अन्ने न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि । पंचमे भंते ! महव्वए उवट्ठिओमि सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं ॥ ५ ॥ ९ ॥ अहावरे छट्ठे भंते ! वए राइभोयणाओ वेरमणं । सव्वं भंते ! राइभोयणं पच्चक्खामि । से असणं वा, पाणं वा, खाइमं वा, साइमं वा, नेव सयं राइं भुंजिज्जा, नेवऽन्नेहिं राइं भुंजाविज्जा, राइं

त्ति आलवे ॥ ३५ ॥ तहेव संखडिं नच्चा, किच्चं कज्जं ति नो वए। तेणगं वावि वज्झित्ति, सुतित्थित्ति य आवगा ॥ ३६ ॥ संखडिं संखडिं बूया, पणियट्ठत्ति तेणगं। बहुसमाणि तित्थाणि, आवगाणं वियागरे ॥ ३७ ॥ तहा नईओ पुण्णाओ, कायतिज्जत्ति नो वए। नावाहिं तारिमाउत्ति, पाणिपिज्जत्ति नो वए ॥ ३८ ॥ बहुवाहडा अगाहा, बहुसलिलुप्पिलोदगा। बहुवित्थडोदगा यावि, एवं भासिज्ज पन्नवं ॥ ३९ ॥ तहेव सावज्जं जोगं, परस्सट्ठाए निट्ठियं। कीरमाणं ति वा नच्चा, सावज्जं नालवे मुणी ॥ ४० ॥ सुकडित्ति सुपक्कित्ति, सुच्छिन्ने सुहडे मडे। सुनिट्ठिए सुलट्ठित्ति, सावज्जं वज्जए मुणी ॥ ४१ ॥ पयत्तपक्कत्ति व पक्कमालवे, पयत्तछिन्नत्ति व छिन्नमालवे। पयत्त-लट्ठित्ति व कम्महेउयं, पहारगाढत्ति व गाढमालवे ॥ ४२ ॥ सव्वुक्कसं परग्घं वा, अउलं नत्थि एरिसं। अविक्कियमवत्तव्वं, अचियत्तं चेव नो वए ॥ ४३ ॥ "सव्वमेयं वइस्सामि, सव्वमेयं" ति नो वए। अणुवीइ सव्वं सव्वत्थ, एवं भासिज्ज पन्नवं ॥ ४४ ॥ सुक्कीयं वा सुविक्कीयं, अकिज्जं किज्जमेव वा। "इमं गिण्ह इमं मुंच, पणियं" नो वियागरे ॥ ४५ ॥ अप्पग्घे वा महग्घे वा, कए वा विक्कए वि वा। पणियट्ठे समु-प्पन्ने, अणवज्जं वियागरे ॥ ४६ ॥ तहेवासंजयं धीरो, "आस एहि करेहि वा। सयं चिट्ठ वयाहि" त्ति, नेवं भासिज्ज पन्नवं ॥ ४७ ॥ बहवे इमे असाहू, लोए वुच्चंति साहुणो। न लवे असाहुं साहुत्ति, साहुं साहुत्ति आलवे ॥ ४८ ॥ नाणदंसणसंपन्नं, संजमे य तवे रयं। एवं गुणसमाउत्तं, संजयं साहुमालवे ॥ ४९ ॥ देवाणं मणुयाणं च, तिरियाणं च वुग्गहे। अमुगाणं जओ होउ, मा वा होउ त्ति नो वए ॥ ५० ॥ वाओ वुट्ठं व सीउण्हं, खेमं धायं सिवं ति वा। कया णु हुज्ज एयाणि, मा वा होउ त्ति नो वए ॥ ५१ ॥ तहेव मेहं व णहं व माणवं, न देव देवत्ति गिरं वइज्जा। संमु-च्छिए उन्नए वा पओए, वइज्ज वा वुट्ठ बलाहयत्ति ॥ ५२ ॥ अंतलिक्खत्ति णं बूया, गुज्झाणुचरियत्ति य। रिद्धिमंतं नरं दिस्स, रिद्धिमंतं ति आलवे ॥ ५३ ॥ तहेव साव-ज्जणुमोयणी गिरा, ओहारिणी जा य परोवघाइणी। से कोहलोहभयहासमाणओ, न हासमाणो वि गिरं वइज्जा ॥ ५४ ॥ सुवक्कसुद्धिं समुपेहिया मुणी, गिरं च दुट्ठं परि-वज्जए सया। मियं अदुट्ठं अणुवीइ भासए, सयाण मज्झे लहइ पसंसणं ॥ ५५ ॥ भासाइ दोसे य गुणे य जाणिया, तीसे य दुट्ठे परिवज्जए सया। छसु संजए सामणिए सया जए, वइज्ज बुद्धे हियमाणुलोमियं ॥ ५६ ॥ परिक्खभासी सुसमाहिइंदिए, चउक्क-सायावगए अणिस्सिए। स निद्धुणे धुन्नमलं पुरेकडं, आराहए लोगमिणं तहा परं ॥ ५७ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति सुवक्कसुद्धी णामं सत्तममज्झयणं समत्तं** ॥ ७ ॥

न्नं उज्जंतं वा, घट्टंतं वा, भिंदंतं वा, उज्जालंतं वा, पज्जालंतं वा, निव्वावंतं वा, समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि रिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ ३ ॥ १४ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, जयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ ा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से सिएण वा, विहुयणेण वा, तालियंटेण वा, पत्तेण ा, पत्तभंगेण वा, साहाए वा, साहाभंगेण वा, पिहुणेण वा, पिहुणहत्थेण वा, लेण वा, चेलकण्णेण वा, हत्थेण वा, मुहेण वा, अप्पणो वा कायं, वाहिरं वावि गलं, न फूमिज्जा, न वीइज्जा, अन्नं न फूमाविज्जा, न वीयाविज्जा, अन्नं फूमंतं ा, वीयंतं वा, न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए ाएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! डिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ ४ ॥ १५ ॥ से भिक्खू ा, भिक्खुणी वा, संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, गओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से वीएसु वा, वीयपइट्ठेसु वा, ढेसु वा, रूढपइट्ठेसु वा, जाएसु वा, जायपइट्ठेसु वा, हरिएसु वा, हरियपइट्ठेसु ा, छिन्नेसु वा, छिन्नपइट्ठेसु वा, सच्चित्तेसु वा, सच्चित्तकोलपडिनिस्सिएसु वा, न ाच्छिज्जा, न चिट्ठिज्जा, न निसीइज्जा, न तुयट्टिज्जा, अन्नं न गच्छाविज्जा, न चेट्ठाविज्जा, न निसीयाविज्जा, न तुयट्टाविज्जा, अन्नं गच्छंतं वा, चिट्ठंतं वा, निसीयंतं ा, तुयट्टंतं वा, न समणुजाणिज्जा । जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतं पि अन्नं न समणुजाणामि । तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ ५ ॥ १६ ॥ से भिक्खू वा, भिक्खुणी वा, संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे, दिआ वा, राओ वा, एगओ वा, परिसागओ वा, सुत्ते वा, जागरमाणे वा, से कीडं वा, पयंगं वा, कुंथुं वा, पिपीलियं वा, हत्थंसि वा, पायंसि वा, वाहुंसि वा, उरुंसि वा, उदरंसि वा, सीसंसि वा, वत्थंसि वा, पडिग्गहंसि वा, कंवलंसि वा, पायपुच्छणंसि वा, रयहरणंसि वा, गुच्छगंसि वा, उडुगंसि वा, दंडगंसि वा, पीढगंसि वा, फलगंसि वा, सेज्जंसि वा, संथारगंसि वा, अन्नयरंसि वा तहप्पगारे उवगरणजाए तओ संजयामेव पडिलेहिय पडिलेहिय पमज्जिय पमज्जिय एगंतमवणिज्जा, नो णं संघायमावज्जिज्जा ॥ ६ ॥ १७ ॥ अजयं चरमाणो (य) उ, पाणभूयाइं हिंसइ । बंधइ पावयं कम्मं, तं से होइ कडुयं फलं

१ फुडीकरणमेयस्स णिसीहऽज्झयणाओ णायव्वं ।

अप्पिच्छे सुहरे सिया । आसुरत्तं न गच्छिज्जा, सुच्चा णं जिणसासणं ॥ २५ ॥ कण्णसुक्खेहिं सद्देहिं, पेमं नाभिनिवेसए । दारुणं कक्कसं फासं, काएण अहियासए ॥ २६ ॥ खुहं पिवासं दुस्सिज्जं, सीउण्हं अरइं भयं । अहियासे अव्वहिओ, देहदुक्खं महाफलं ॥ २७ ॥ अत्थंगयंमि आइच्चे, पुरत्था य अणुग्गए । आहारमाइयं सव्वं, मणसा वि न पत्थए ॥ २८ ॥ अतिंतिणे अचवले, अप्पभासी मियासणे । हविज्ज उयरे दंते, थोवं लद्धुं न खिंसए ॥ २९ ॥ न बाहिरं परिभवे, अत्ताणं न समुक्कसे । सुयलाभे न मज्जिज्जा, जच्चा तवस्सिबुद्धिए ॥ ३० ॥ से जाणमजाणं वा, कट्टु आहम्मियं पयं । संवरे खिप्पमप्पाणं, बीयं तं न समायरे ॥ ३१ ॥ अणायारं परक्कम्म, नेव गूहे न निण्हवे । सुई सया वियडभावे, असंसत्ते जिइंदिए ॥ ३२ ॥ अमोहं वयणं कुज्जा, आयरियस्स महप्पणो । तं परिगिज्झ वायाए, कम्मुणा उववायए ॥ ३३ ॥ अधुवं जीवियं नच्चा, सिद्धिमग्गं वियाणिया । विणियट्टिज्ज भोगेसु, आउं परिमियमप्पणो ॥ ३४ ॥ बलं थामं च पेहाए, सद्धामारुग्गमप्पणो । खेत्तं कालं च विन्नाय, तहप्पाणं निजुंजए ॥ ३५ ॥ जरा जाव न पीडेइ, वाही जाव न वड्ढइ । जाविंदिया न हायंति, ताव धम्मं समायरे ॥ ३६ ॥ कोहं माणं च मायं च, लोभं च पाववड्ढणं । वमे चत्तारि दोसे उ, इच्छंतो हियमप्पणो ॥ ३७ ॥ कोहो पीइं पणासेइ, माणो विणयनासणो । माया मित्ताणि नासेइ, लोभो सव्वविणासणो ॥ ३८ ॥ उवसमेण हणे कोहं, माणं मद्दवया जिणे । मायं चज्जवभावेण, लोभं संतोसओ जिणे ॥ ३९ ॥ कोहो य माणो य अणिग्गहीया, माया य लोभो य पवड्ढमाणा ।

भवे ॥ ९० ॥ न सम्ममालोइयं हुज्जा, पुव्विं पच्छा व जं कडं । पुणो पडिक्कमे तस्स, वोसट्ठो चिंतए इमं ॥ ९१ ॥ अहो जिणेहिऽसावज्जा, वित्ती साहूण देसिया । मुक्ख-साहणहेउस्स, साहुदेहस्स धारणा ॥ ९२ ॥ नमुक्कारेण पारित्ता, करित्ता जिणसंथवं । सज्झायं पट्ठवित्ताणं, वीसमेज्ज खणं मुणी ॥ ९३ ॥ वीसमंतो इमं चिंते, हियमट्ठं लाभमट्ठिओ । जइ मे अणुग्गहं कुज्जा, साहू हुज्जामि तारिओ ॥ ९४ ॥ साहवो तो चियत्तेणं, निमंतिज्ज जहक्कमं । जइ तत्थ केइ इच्छिज्जा, तेहिं सद्धिं तु भुंजए ॥ ९५ ॥ अह कोइ न इच्छिज्जा, तओ भुंजिज्ज एगओ । आलोए भायणे साहू, जयं अपरि-साडियं ॥ ९६ ॥ तित्तगं व कडुयं व कसायं, अंबिलं व महुरं लवणं वा । एयलद्ध-मन्नत्थपउत्तं, महुघयं व भुंजिज्ज संजए ॥ ९७ ॥ अरसं विरसं वावि, सूइयं वा असूइयं । उल्लं वा जइ वा सुक्कं, मंथकुम्मासभोयणं ॥ ९८ ॥ उप्पन्नं नाइहीलिज्जा, अप्पं वा वहु फासुयं । मुहालद्धं मुहाजीवी, भुंजिज्जा दोसवज्जियं ॥ ९९ ॥ दुल्लहा उ मुहादाई, मुहाजीवी वि दुल्लहा । मुहादाई मुहाजीवी, दो वि गच्छंति सुग्गइं ॥ १०० ॥ ति-बेमि ॥ **इति पिंडेसणाए पढमो उद्देसो समत्तो ॥ ५-१ ॥**

अह पिंडेसणाए बीओ उद्देसो

पडिग्गहं संलिहित्ताणं, लेवमायाइ संजए । दुगंधं वा सुगंधं वा, सव्वं भुंजे न छड्डए ॥ १ ॥ सेज्जा निसीहियाए, समावन्नो य गोयरे । अयावयट्ठा भुच्चाणं, जइ तेणं न संथरे ॥ २ ॥ तओ कारणसमुप्पन्ने, भत्तपाणं गवेसए । विहिणा पुव्वउत्तेणं, इमेणं उत्तरेण य ॥ ३ ॥ कालेण निक्खमे भिक्खू, कालेण य पडिक्कमे । अकालं च विवज्जित्ता, काले कालं समायरे ॥ ४ ॥ "अकाले चरसि भिक्खू, कालं न पडिलेहसि । अप्पाणं च किलामेसि, सन्निवेसं च गरिहसि" ॥ ५ ॥ सइ काले चरे भिक्खू, कुज्जा पुरिसकारियं । "अलाभो" त्ति न सोइज्जा, "तवो" त्ति अहियासए ॥ ६ ॥ तहेवुच्चावया पाणा, भत्तट्ठाए समागया । तं उज्जुयं न गच्छिज्जा, जयमेव परक्कमे ॥ ७ ॥ गोयरग्गपविट्ठो य, न निसीइज्ज कत्थइ । कहं च न पवंधिज्जा, चिट्ठित्ताण व संजए ॥ ८ ॥ अग्गलं फलिहं दारं, कवाडं वावि संजए । अवलंबिया न चिट्ठिज्जा, गोयरग्गगओ मुणी ॥ ९ ॥ समणं माहणं वावि, किविणं वा वणीमगं । उवसंकमंतं भत्तट्ठा, पाणट्ठाए व संजए ॥ १० ॥ तं अइक्कमित्तु न पविसे, न चिट्ठे चक्खुगोयरे । एगंतमवक्कमित्ता, तत्थ चिट्ठिज्ज संजए ॥ ११ ॥ वणीमगस्स वा तस्स, दायगस्सुभयस्स वा । अप्पत्तियं सिया हुज्जा, लहुत्तं पवयणस्स वा ॥ १२ ॥

नागं डहरं ति नचा, आसायए से अहियाय होइ। एवायरियं पि हु हीलयंतो, नियच्छई जाइपहं खु मंदो ॥ ४ ॥ आसीविसो वावि परं सुरुट्ठो, किं जीवनासाउ परं नु कुज्जा। आयरियपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहिआसायण नत्थि मुक्खो ॥ ५ ॥ जो पावगं जलियमवक्कमिज्जा, आसीविसं वावि हु कोवइज्जा। जो वा विसं खायइ जीवियट्ठी, एसोवमाऽऽसायणया गुरूणं ॥ ६ ॥ सिया हु से पावय नो डहिज्जा, आसीविसो वा कुविओ न भक्खे। सिया विसं हालहलं न मारे, न यावि मुक्खो गुरुहीलणाए ॥ ७ ॥ जो पव्वयं सिरसा भित्तुमिच्छे, सुत्तं व सीहं पडिबोहइज्जा। जो वा दए सत्तिअग्गे पहारं, एसोवमाऽऽसायणया गुरूणं ॥ ८ ॥ सिया हु सीसेण गिरिं पि भिंदे, सिया हु सीहो कुविओ न भक्खे। सिया न भिंदिज्ज व सत्तिअग्गं, न यावि मुक्खो गुरुहीलणाए ॥ ९ ॥ आयरियपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहिआसायण नत्थि मुक्खो। तम्हा अणाबाहसुहाभिकंखी, गुरुप्पसायाभिमुहो रमिज्जा ॥ १० ॥ जहाहिअग्गी जलणं नमंसे, नाणाहुईमंतपयाभिसित्तं। एवायरियं उवचिट्ठइज्जा, अणंतनाणोवगओ वि संतो ॥ ११ ॥ जस्संतिए धम्मपयाइं सिक्खे, तस्संतिए वेणइयं पउंजे। सक्कारए सिरसा पंजलीओ, कायग्गिरा भो मणसा य निच्चं ॥ १२ ॥ लज्जादयासंजमबंभचेरं, कल्लाणभागिस्स विसोहिठाणं। जे मे गुरू सययमणुसासयंति, ते हं गुरू सययं पूययामि ॥ १३ ॥ जहा निसंते तवणच्चिमाली, पभासई केवलभारहं तु। एवायरिओ सुयसीलबुद्धिए, विरायई सुरमज्झे व इंदो ॥ १४ ॥ जहा ससी कोमुइजोगजुत्तो, नक्खत्ततारागणपरिवुडप्पा। खे सोहई विमले अब्भमुक्के, एवं गणी सोहइ भिक्खुमज्झे ॥ १५ ॥ महागरा आयरिया महेसी, समाहिजोगे सुयसीलबुद्धिए। संपाविउकामे अणुत्तराइं आराहए तोसइ धम्मकामी ॥ १६ ॥ सुच्चाण मेहावि सुभासियाइं, सुस्सूसए आयरियऽप्पमत्तो। आराहइत्ताण गुणे अणेगे, सो पावई सिद्धिमणुत्तरं ॥ १७ ॥ ति-बेमि ॥ **इति विणयसमाहिणामणवमज्झयणे पढमो उद्देसो समत्तो ॥ ९-१ ॥**

अह णवमज्झयणे बीओ उद्देसो

मूलाउ खंधप्पभवो दुमस्स, खंधाउ पच्छा समुविंति साहा। साहप्पसाहा विरुहंति पत्ता, तओ सि पुप्फं च फलं रसो य ॥ १ ॥ एवं धम्मस्स विणओ, मूलं परमो से मुक्खो। जेण कित्तिं सुयं सिग्घं, निस्सेसं चाभिगच्छइ ॥ २ ॥ जे य चंडे मिए थद्धे, दुव्वाई नियडी सढे। वुज्झइ से अविणीयप्पा, कट्ठं सोयगयं जहा

च भिक्खुणो । अयसो य अनिव्वाणं, सययं च असाहुया ॥ ३८ ॥ निच्चुव्विग्गो जहा तेणो, अत्तकम्मेहिं दुम्मई । तारिसो मरणंते वि, नाराहेइ संवरं ॥ ३९ ॥ आयरिए नाराहेइ, समणे यावि तारिसो । गिहत्था वि णं गरिहंति, जेण जाणंति तारिसं ॥ ४० ॥ एवं तु अगुणप्पेही, गुणाणं च विवज्जए । तारिसो मरणंते वि, नाराहेइ संवरं ॥ ४१ ॥ तवं कुव्वइ मेहावी, पणीयं वज्जए रसं । मज्जप्पमाय-विरओ, तवस्सी अइउक्कसो ॥ ४२ ॥ तस्स पस्सह कल्लाणं, अणेगसाहुपूइयं । विउलं अत्थसंजुत्तं, कित्तइस्सं सुणेह मे ॥ ४३ ॥ एवं तु गुणप्पेही, अगुणाणं च विवज्जए । तारिसो मरणंते वि, आराहेइ संवरं ॥ ४४ ॥ आयरिए आराहेइ, समणे यावि तारिसो । गिहत्था वि णं पूयंति, जेण जाणंति तारिसं ॥ ४५ ॥ तवतेणे वयतेणे, रूवतेणे य जे नरे । आयारभावतेणे य, कुव्वइ देवकिव्विसं ॥ ४६ ॥ लद्धूण वि देवत्तं, उववन्नो देवकिव्विसे । तत्थावि से न याणाइ, "किं मे किच्चा इमं फलं?" ॥ ४७ ॥ तत्तो वि से चइत्ताणं, लब्भइ एलमूयगं । नरगं तिरिक्खजोणिं वा, वोही जत्थ सुदुल्लहा ॥ ४८ ॥ एयं च दोसं दट्ठूणं, नायपुत्तेण भासियं । अणुमायं पि मेहावी, मायामोसं विवज्जए ॥ ४९ ॥ सिक्खिऊण भिक्खेसणसोहिं, संजयाण वुद्धाण सगासे । तत्थ भिक्खू सुप्पणिहिंदिए, तिव्वलज्जगुणवं विहरिज्जासि ॥ ५० ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति पिंडेसणाए वीओ उद्देसो समत्तो ॥ ५-२ ॥ इति पिंडेसणा णामं पंचममज्झयणं समत्तं ॥ ५ ॥**



अह महल्लियायारकहा(धम्मत्थकाम)णामं छट्ठमज्झयणं

नाणदंसणसंपन्नं, संजमे य तवे रयं । गणिमागमसंपन्नं, उज्जाणम्मि समोसढं ॥ १ ॥ रायाणो रायमच्चा य, माहणा अदुव खत्तिया । पुच्छंति निहुयप्पाणो, कहं मे आयारगोयरो ? ॥ २ ॥ तेसिं सो निहुओ दंतो, सव्वभूयसुहावहो । सिक्खाए सुसमाउत्तो, आयक्खइ वियक्खणो ॥ ३ ॥ हंदि धम्मत्थकामाणं, निग्गंथाणं सुणेह मे । आयारगोयरं भीमं, सयलं दुरहिट्ठियं ॥ ४ ॥ नन्नत्थ एरिसं वुत्तं, जं लोए परमदुच्चरं । विउलट्ठाणभाइस्स, न भूयं न भविस्सई ॥ ५ ॥ सखुड्डगवियत्ताणं, वाहियाणं च जे गुणा । अखंडफुडिया कायव्वा, तं सुणेह जहा तहा ॥ ६ ॥ दस अट्ठ य ठाणाइं, जाइं वालोऽवरज्झइ । तत्थ अण्णयरे ठाणे, निग्गंथत्ताओ भस्सइ ॥ ७ ॥ वयछक्कं[6] कायछक्कं[12], अकप्पो[13] गिहिभायणं[14] । पलियंक[15] निसिज्जा[16] य,

नागं डहरं ति नचा, आसायए से अहियाय होइ। एवायरियं पि हु हीलयंतो, नियच्छई जाइपहं खु मंदो ॥ ४ ॥ आसीविसो वावि परं सुरुट्ठो, किं जीवनासाउ परं नु कुज्जा। आयरियपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहिआसायण नत्थि मुक्खो ॥ ५ ॥ जो पावगं जलियमवक्कमिज्जा, आसीविसं वावि हु कोवइज्जा। जो वा विसं खायइ जीवियट्ठी, एसोवमाऽऽसायणया गुरूणं ॥ ६ ॥ सिया हु से पावय नो डहिज्जा, आसीविसो वा कुविओ न भक्खे। सिया विसं हालहलं न मारे, न यावि मुक्खो गुरुहीलणाए ॥ ७ ॥ जो पव्वयं सिरसा भित्तुमिच्छे, सुत्तं व सीहं पडिबोहइज्जा। जो वा दए सत्तिअग्गे पहारं, एसोवमाऽऽसायणया गुरूणं ॥ ८ ॥ सिया हु सीसेण गिरिं पि भिंदे, सिया हु सीहो कुविओ न भक्खे। सिया न भिंदिज्ज व सत्तिअग्गं, न यावि मुक्खो गुरुहीलणाए ॥ ९ ॥ आयरियपाया पुण अप्पसन्ना, अबोहिआसायण नत्थि मुक्खो। तम्हा अणाबाहसुहाभिकंखी, गुरुप्पसायाभिमुहो रमिज्जा ॥ १० ॥ जहाहिअग्गी जलणं नमंसे, नाणाहुईमंतपयाभिसित्तं। एवायरियं उवचिट्ठइज्जा, अणंतनाणोवगओ वि संतो ॥ ११ ॥ जस्संतिए धम्मपयाइं सिक्खे, तस्संतिए वेणइयं पउंजे। सक्कारए सिरसा पंजलीओ, कायग्गिरा भो मणसा य निच्चं ॥ १२ ॥ लज्जादयासंजमबंभचेरं, कल्लाणभागिस्स विसोहिठाणं। जे मे गुरू सययमणुसासयंति, ते हं गुरू सययं पूययामि ॥ १३ ॥ जहा निसंते तवणच्चिमाली, पभासई केवलभारहं तु। एवायरिओ सुयसीलबुद्धिए, विरायई सुरमज्झे व इंदो ॥ १४ ॥ जहा ससी कोमुइजोगजुत्तो, नक्खत्ततारागणपरिवुडप्पा। खे सोहई विमले अब्भमुक्के, एवं गणी सोहइ भिक्खुमज्झे ॥ १५ ॥ महागरा आयरिया महेसी, समाहिजोगे सुयसीलबुद्धिए। संपाविउकामे अणुत्तराइं आराहए तोसइ धम्मकामी ॥ १६ ॥ सुच्चाण मेहावि सुभासियाइं, सुस्सूसए आयरियऽप्पमत्तो। आराहइत्ताण गुणे अणेगे, सो पावई सिद्धिमणुत्तरं ॥ १७ ॥ ति-बेमि ॥ **इत्ति विणयसमाहिणामणवमज्झयणे पढमो उद्देसो समत्तो ॥ ९-१ ॥**

अह णवमज्झयणे बीओ उद्देसो

मूलाउ खंधप्पभवो दुमस्स, खंधाउ पच्छा समुविंति साहा। साहप्पसाहा विरुहंति पत्ता, तओ सि पुप्फं च फलं रसो य ॥ १ ॥ एवं धम्मस्स विणओ, मूलं परमो से मुक्खो। जेण कित्तिं सुयं सिग्घं, निस्सेसं चाभिगच्छइ ॥ २ ॥ जे य चंडे मिए थद्धे, दुव्वाई नियडी सढे। वुज्झइ से अविणीयप्पा, कट्ठं सोयगयं जहा

रंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ३२ ॥ (३) जायतेयं न इच्छंति, पावगं जलइत्तए। तिक्खमन्नयरं सत्थं, सव्वओ वि दुरासयं ॥ ३३ ॥ पाईणं पडिणं वावि, उड्ढं अणुदिसामवि। अहे दाहिणओ वावि, दहे उत्तरओ वि य ॥ ३४ ॥ भूयाणमेसमाघाओ, हव्ववाहो न संसओ। तं पईवपयावट्ठा, संजया किंचि नारभे ॥ ३५ ॥ तम्हा एयं वियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। तेउकायसमारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ३६ ॥ (४) अणिलस्स समारंभं, बुद्धा मन्नंति तारिसं। सावज्जबहुलं चेयं, नेयं ताईहिं सेवियं ॥ ३७ ॥ तालियंटेण पत्तेण, साहाविहुयणेण वा। न ते वीइउमिच्छंति, वीयावेऊण वा परं ॥ ३८ ॥ जं पि वत्थं व पायं वा, कंबलं पायपुंछणं। न ते वायमुईरंति, जयं परिहरंति य ॥ ३९ ॥ तम्हा एयं वियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। वाउकायसमारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ४० ॥ (५) वणस्सइं न हिंसंति, मणसा वयसा कायसा। तिविहेण करणजोएण, संजया सुसमाहिया ॥ ४१ ॥ वणस्सइं विहिंसंतो, हिंसई उ तयस्सिए। तसे य विविहे पाणे, चक्खुसे य अचक्खुसे ॥ ४२ ॥ तम्हा एयं वियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। वणस्सइ-समारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ४३ ॥ (६-१२) तसकायं न हिंसंति, मणसा वयसा कायसा। तिविहेण करणजोएण, संजया सुसमाहिया ॥ ४४ ॥ तसकायं विहिंसंतो, हिंसई उ तयस्सिए। तसे य विविहे पाणे, चक्खुसे य अचक्खुसे ॥ ४५ ॥ तम्हा एयं वियाणित्ता, दोसं दुग्गइवड्ढणं। तसकायसमारंभं, जावज्जीवाए वज्जए ॥ ४६ ॥ (१३) जाइं चत्तारिऽभुज्जाइं, इसिणाहारमाइणि। ताइं तु विवज्जंतो, संजमं अणुपालए ॥ ४७ ॥ पिंडं[1] सिज्जं[2] च वत्थं[3] च, चउत्थं पायमेव[4] य। अकप्पियं न इच्छिज्जा, पडिगाहिज्ज कप्पियं ॥ ४८ ॥ जे नियागं ममायंति, कीयमुद्देसियाहडं। वहं ते समणुजाणंति, इइ वुत्तं महेसिणा ॥ ४९ ॥ तम्हा असणपाणाइं, कीयमुद्देसियाहडं। वज्जयंति ठियप्पाणो, निग्गंथा धम्मजीविणो ॥ ५० ॥ (१४) कंसेसु कंसपाएसु, कुंडमोएसु वा पुणो। भुंजंतो असणपाणाइं, आयारा परिभस्सइ ॥ ५१ ॥ सीओदगसमारंभे, मत्तधोयणछड्डणे। जाइं छंनंति भूयाइं, दिट्ठो तत्थ असंजमो ॥ ५२ ॥ पच्छाकम्मं पुरेकम्मं, सिया तत्थ न कप्पइ। एयमट्ठं न भुंजंति, निग्गंथा गिहिभायणे ॥ ५३ ॥ (१५) आसंदीपलियंकेसु, मंचमासालएसु वा। अणायरियमज्जाणं, आसइत्तु सइत्तु वा ॥ ५४ ॥ नासंदीपलियंकेसु, न निसिज्जा न पीढए। निग्गंथाऽपडिलेहाए, बुद्धवुत्तमहिट्ठगा ॥ ५५ ॥ गंभीरविजया एए, पाणा दुप्पडिलेहगा। आसंदी-पलियंको य, एयमट्ठं विवज्जिया ॥ ५६ ॥ (१६) गोयरग्गपविट्ठस्स, निसिज्जा जस्स कप्पइ। इमेरिसमणायारं, आवज्जइ अबोहियं ॥ ५७ ॥ विवत्ती

अह णवमज्झयणे तइओ उद्देसो

आयरियग्गिमिवाहिअग्गी, सुस्सूसमाणो पडिजागरिज्जा । आलोइयं इंगियमेव नच्चा, जो छंदमाराहयई स पुज्जो ॥ १ ॥ आयारमट्ठा विणयं पउंजे, सुस्सूसमाणो परिगिज्झ वक्कं । जहोवइट्ठं अभिकंखमाणो, गुरुं तु नासाययई स पुज्जो ॥ २ ॥ राइणिएसु विणयं पउंजे, डहरा वि य जे परियायजिट्ठा । नीयत्तणे वट्टइ सच्चवाई, ओवायवं वक्ककरे स पुज्जो ॥ ३ ॥ अन्नायउंछं चरई विसुद्धं, जवणट्ठया समुयाणं च निच्चं । अलद्धुयं नो परिदेवइज्जा, लद्धुं न विकत्थयई स पुज्जो ॥ ४ ॥ संथारसिज्जाऽऽसण-भत्तपाणे, अप्पिच्छया अइलाभे वि संते । जो एवमप्पाणभितोसइज्जा, संतोसपाहन्न-रए स पुज्जो ॥ ५ ॥ सक्का सहेउं आसाइ कंटया, अओमया उच्छहया नरेणं । अणासए जो उ सहिज्ज कंटए, वईमए कण्णसरे स पुज्जो ॥ ६ ॥ मुहुत्तदुक्खा उ हवंति कंटया, अओमया ते वि तओ सुउद्धरा । वायादुरुत्ताणि दुरुद्धराणि, वेराणु-बंधीणि महब्भयाणि ॥ ७ ॥ समावयंता वयणाभिघाया, कण्णं गया दुम्मणियं जणंति । धम्मुत्ति किच्चा परमग्गसूरे, जिइंदिए जो सहई स पुज्जो ॥ ८ ॥ अवण्णवायं च परंमुहस्स, पच्चक्खओ पडिणीयं च भासं । ओहारिणिं अप्पियकारिणिं च, भासं न भासिज्ज सया स पुज्जो ॥ ९ ॥ अलोलुए अकुहए अमाई, अपिसुणे यावि अदीण-वित्ती । नो भावए नो वि य भावियप्पा, अकोउहल्ले य सया स पुज्जो ॥ १० ॥ गुणेहि साहू अगुणेहिऽसाहू, गिण्हाहि साहू गुण मुंचऽसाहू । वियाणिया अप्पग-मप्पएणं, जो रागदोसेहिं समो स पुज्जो ॥ ११ ॥ तहेव डहरं च महल्लगं वा, इत्थी पुमं पव्वइयं गिहिं वा । नो हीलए नो वि य खिंसइज्जा, थंभं च कोहं च चए स पुज्जो ॥ १२ ॥ जे माणिया सययं माणयंति, जत्तेण कन्नं व निवेसयंति । ते माणए माणरिहे तवस्सी, जिइंदिए सच्चरए स पुज्जो ॥ १३ ॥ तेसिं गुरूणं गुणसायराणं, सुच्चाण मेहावि सुभासियाइं । चरे मुणी पंचरए तिगुत्तो, चउक्कसायावगए स पुज्जो ॥ १४ ॥ गुरुमिह सययं पडियरिय मुणी, जिणवयनिउणे अभिगमकुसले । धुणिय रयमलं पुरेकडं, भासुरमउलं गइं गय ॥ १५ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति विणयसमाहि-णामणवमज्झयणे तइओ उद्देसो समत्तो** ॥ ९-३ ॥

अह णवमज्झयणे चउत्थो उद्देसो

सुयं मे आउसं ! तेणं भगवया एवमक्खायं, इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं चत्तारि

पच्चुप्पन्नमणागए । निस्संकियं भवे जं तु, "एवमेयं" ति निद्दिसे ॥ १० ॥ तहेव फरुसा भासा, गुरुभूओवघाइणी । सच्चा वि सा न वत्तव्वा, जओ पावस्स आगमो ॥ ११ ॥ तहेव काणं "काणे" त्ति, पंडगं "पंडगे" त्ति वा । वाहियं वावि "रोगि" त्ति, तेणं "चोरे" त्ति नो वए ॥ १२ ॥ एएणन्नेण अट्ठेण, परो जेणुवहम्मइ । आयारभावदोसन्नू, न तं भासिज्ज पन्नवं ॥ १३ ॥ तहेव "होले" "गोलि" त्ति, "साणे" वा "वसुले" त्ति य । "दमए" "दुहए" वावि, न तं भासिज्ज पन्नवं ॥ १४ ॥ अज्जिए पज्जिए वावि, अम्मो माउसियत्ति य । पिउसिए भाइणिज्जत्ति, धूए नत्तुणियत्ति य ॥ १५ ॥ हले हले त्ति अन्ने त्ति, भट्टे सामिणि गोमिणि । होले गोले वसुले त्ति, इत्थियं नेवमालवे ॥ १६ ॥ नामधिज्जेण णं बूया, इत्थीगुत्तेण वा पुणो । जहारिहमभिगिज्झ, आलविज्ज लविज्ज वा ॥ १७ ॥ अज्जए पज्जए वावि, बप्पो चुल्लपिउत्ति य । माउलो भाइणिज्जत्ति, पुत्ते नत्तुणियत्ति य ॥ १८ ॥ हे हो हलित्ति अन्नित्ति, भट्टा सामिय गोमिय । होल गोल वसुलित्ति, पुरिसं नेवमालवे ॥ १९ ॥ नामधिज्जेण णं बूया, पुरिसगुत्तेण वा पुणो । जहारिहमभिगिज्झ, आलविज्ज लविज्ज वा ॥ २० ॥ पंचिंदियाण पाणाणं, "एस इत्थी अयं पुमं" । जाव णं न विजाणिज्जा, ताव जाइत्ति आलवे ॥ २१ ॥ तहेव माणुसं पसुं, पक्खिं वावि सरीसिवं । "थूले पमेइले वज्झे, पायमि" त्ति य नो वए ॥ २२ ॥ परिवूढत्ति णं बूया, बूया उवचिए त्ति य । संजाए पीणिए वावि, महाकायत्ति आलवे ॥ २३ ॥ तहेव गाओ दुज्झाओ, दम्मा गोरहगत्ति य । वाहिमा रहजोग्गत्ति, नेवं भासिज्ज पन्नवं ॥ २४ ॥ जुवं गवित्ति णं बूया, धेणुं रसदयत्ति य । रहस्से महल्लए वावि, वए संवहणित्ति य ॥ २५ ॥ तहेव गंतुमुज्जाणं, पव्वयाणि वणाणि य । रुक्खा महल्ल पेहाए, नेवं भासिज्ज पन्नवं ॥ २६ ॥ अलं पासायखंभाणं, तोरणाणि गिहाणि य । फलिहग्गलनावाणं, अलं उदगदोणिणं ॥ २७ ॥ पीढए चंगबेरे य, नंगले मइयं सिया । जंतलट्ठी व नाभी वा, गंडिया व अलं सिया ॥ २८ ॥ आसणं सयणं जाणं, हुज्जा वा किंचुवस्सए । भूओवघाइणिं भासं, नेवं भासिज्ज पन्नवं ॥ २९ ॥ तहेव गंतुमुज्जाणं, पव्वयाणि वणाणि य । रुक्खा महल्ल पेहाए, एवं भासिज्ज पन्नवं ॥ ३० ॥ जाइमंता इमे रुक्खा, दीहवट्टा महालया । पयायसाला विडिमा, वए दरिसणित्ति य ॥ ३१ ॥ तहा फलाइं पक्काइं, पायखज्जाइं नो वए । वेलोइयाइं टालाइं, वेहिमाइं ति नो वए ॥ ३२ ॥ असंथडा इमे अंबा, बहुनिव्वडिमा फला । वइज्ज बहुसंभूया, भूयरूवत्ति वा पुणो ॥ ३३ ॥ तहेवोसहीओ पक्काओ, नीलियाओ छवी इ य । लाइमा भज्जिमाउत्ति, पिहुखज्जत्ति नो वए ॥ ३४ ॥ रूढा बहुसंभूया, थिरा ऊसढा वि य । गब्भियाओ पसूयाओ, संसाराउ-

यावि गच्छे, वंतं नो पडिआयइ जे स भिक्खू ॥ १ ॥ पुढविं न खणे न खणावए, सीओदगं न पिए न पियावए । अगणिसत्थं जहा सुनिसियं, तं न जले न जलावए जे स भिक्खू ॥ २ ॥ अनिलेण न वीए न वीयावए, हरियाणि न छिंदे न छिंदावए। बीयाणि सया विवज्जयंतो, सचित्तं नाहारए जे स भिक्खू ॥ ३ ॥ वहणं तसथावराण होइ, पुढवीतणकट्ठनिस्सियाणं । तम्हा उद्देसियं न भुंजे, नो वि पए न पयावए जे स भिक्खू ॥ ४ ॥ रोइयनायपुत्तवयणे, अप्पसमे मन्निज्ज छप्पि काए। पंच य फासे महव्वयाइं, पंचासवसंवरे जे स भिक्खू ॥ ५ ॥ चत्तारि वमे सया कसाए, धुवजोगी य हविज्ज बुद्धवयणे । अहणे निज्जायरूवरयए, गिहिजोगं परिवज्जए जे स भिक्खू ॥ ६ ॥ सम्मदिट्ठी सया अमूढे, "अत्थि हु नाणे तवे संजमे य" । तवसा धुणइ पुराणपावगं, मणवयकायसुसंवुडे जे स भिक्खू ॥ ७ ॥ तहेव असणं पाणगं वा, विविहं खाइमसाइमं लभित्ता । "होही अट्ठो सुए परे वा," तं न निहे न निहावए जे स भिक्खू ॥ ८ ॥ तहेव असणं पाणगं वा, विविहं खाइमसाइमं लभित्ता । छंदिय साहम्मियाण भुंजे, भोच्चा सज्झायरए जे स भिक्खू ॥ ९ ॥ न य वुग्गहियं कहं कहिज्जा, न य कुप्पे निहुइंदिए पसंते। संजमधुवजोगजुत्ते, उवसंते अविहेडए जे स भिक्खू ॥ १० ॥ जो सहइ हु गामकंटए, अक्कोसपहारतज्जणाओ य । भयभेरव-सद्दसप्पहासे, समसुहदुक्खसहे य जे स भिक्खू ॥ ११ ॥ पडिमं पडिवज्जिया मसाणे, नो भीयए भयभेरवाइं दिस्स । विविहगुणतवोरए य निच्चं, न सरीरं चाभिकंखए जे स भिक्खू ॥ १२ ॥ असइं वोसट्ठचत्तदेहे, अक्कुट्ठे व हए व लूसिए वा । पुढविसमे मुणी हविज्जा, अनियाणे अकोउहल्ले जे स भिक्खू ॥ १३ ॥ अभिभूय काएण परीसहाइं, समुद्धरे जाइपहाउ अप्पयं । विइत्तु जाईमरणं महब्भयं, तवे रए सामणिए जे स भिक्खू ॥ १४ ॥ हत्थसंजए पायसंजए, वायसंजए संजइंदिए । अज्झप्परए सुसमाहियप्पा, सुत्तत्थं च वियाणइ जे स भिक्खू ॥ १५ ॥ उवहिम्मि अमुच्छिए अगिद्धे, अन्नायउञ्छं पुलनिप्पुलाए । कयविक्कयसन्निहिओ विरए, सव्वसंगावगए य जे स भिक्खू ॥ १६ ॥ अलोल भिक्खू न रसेसु गिज्झे, उंछं चरे जीविय नाभिकंखे। इड्ढिं च सक्कारणपूयणं च, चए ठियप्पा अणिहे जे स भिक्खू ॥ १७ ॥ न परं

अह आयारपणिही णामं अट्ठममज्झयणं

आयारपणिहिं लद्धुं, जहा कायव्व भिक्खुणा। तं भे उदाहरिस्सामि, आणुपुव्विं सुणेह मे ॥ १ ॥ पुढविदगअगणिमारुय, तणरुक्खसबीयगा। तसा य पाणा जीव-त्ति, इइ वुत्तं महेसिणा ॥ २ ॥ तेसिं अच्छणजोएण, निच्चं होयव्वयं सिया। मणसा काय वक्केण, एवं हवइ संजए ॥ ३ ॥ पुढविं भित्तिं सिलं लेलुं, नेव भिंदे न संलिहे। तिविहेण करणजोएण, संजए सुसमाहिए ॥ ४ ॥ सुद्धपुढविं न निसीए, ससरक्खम्मि य आसणे। पमज्जित्तु निसीइज्जा, जाइत्ता जस्स उग्गहं ॥ ५ ॥ सीओदगं न सेविज्जा, सिलावुट्ठं हिमाणि य। उसिणोदगं तत्तफासुयं, पडिगाहिज्ज संजए ॥ ६ ॥ उदउल्लं अप्पणो कायं, नेव पुंछे न संलिहे। समुप्पेह तहाभूयं, नो णं संघट्टए मुणी ॥ ७ ॥ इंगालं अगणिं अच्चिं, अलायं वा सजोइयं। न उंजिज्जा न घट्टिज्जा, नो णं निव्वावए मुणी ॥ ८ ॥ तालियंटेण पत्तेण, साहाए विहुयणेण वा। न वीइज्ज अप्पणो कायं, बाहिरं वावि पुग्गलं ॥ ९ ॥ तणरुक्खं न छिंदिज्जा, फलं मूलं च कस्सइ। आमगं विविहं बीयं, मणसा वि न पत्थए ॥ १० ॥ गहणेसु न चिट्ठिज्जा, बीएसु हरिएसु वा। उदगंमि तहा निच्चं, उत्तिंगपणगेसु वा ॥ ११ ॥ तसे पाणे न हिंसिज्जा, वाया अदुव कम्मुणा। उवरओ सव्वभूएसु, पासेज्ज विविहं जगं ॥ १२ ॥ अट्ठ सुहुमाइं पेहाए, जाइं जाणित्तु संजए। दयाहिगारी भूएसु, आस चिट्ठ सएहि वा ॥ १३ ॥ कयराइं अट्ठ सुहुमाइं?, जाइं पुच्छिज्ज संजए। इमाइं ताइं मेहावी, आइक्खिज्ज वियक्खणो ॥ १४ ॥ सिणेहं[1] पुप्फसुहुमं[2] च, पाणुत्तिंगं[3][4] तहेव य। पणगं[5] बीय[6] हरियं[7] च, अंडसुहुमं च अट्ठमं ॥ १५ ॥ एवमेयाणि जाणित्ता, सव्वभावेण संजए। अप्पमत्तो जए निच्चं, सव्विंदियसमाहिए ॥ १६ ॥ धुवं च पडिलेहिज्जा, जोगसा पायकंबलं। सिज्जमुच्चारभूमिं च, संथारं अदुवासणं ॥ १७ ॥ उच्चारं पासवणं, खेलं सिंघाण-जल्लियं। फासुयं पडिलेहित्ता, परिट्ठाविज्ज संजए ॥ १८ ॥ पविसित्तु परागारं, पाणट्ठा भोयणस्स वा। जयं चिट्ठे मियं भासे, न य रूवेसु मणं करे ॥ १९ ॥ बहुं सुणेइ कण्णेहिं, बहुं अच्छीहिं पिच्छइ। न य दिट्ठं सुयं सव्वं, भिक्खू अक्खाउमरिहइ ॥ २० ॥ सुयं वा जइ वा दिट्ठं, न लविज्जोवघाइयं। न य केण उवाएणं, गिहिजोगं समायरे ॥ २१ ॥ निट्ठाणं रसनिज्जूढं, भद्दगं पावगं ति वा। पुट्ठो वावि अपुट्ठो वा, लाभालाभं न निद्दिसे ॥ २२ ॥ न य भोयणम्मि गिद्धो, चरे उंछं अयंपिरो। अफासुयं न भुंजिज्जा, कीयमुद्देसियाहडं ॥ २३ ॥ सन्निहिं च न कुव्विज्जा, अणुमायं पि संजए। मुहाजीवी असंबद्धे, हविज्ज जगनिस्सिए ॥ २४ ॥ लूहवित्ती सुसंतुट्ठे,

दुक्खमुत्तमं, रमिज्ज तम्हा परियाए पंडिए ॥ ११ ॥ धम्माउ भट्ठं सिरिओववेयं, जन्नग्गि विज्झायमिवप्पतेयं । हीलंति णं दुव्विहियं कुसीला, दाढुद्धियं घोरविसं व नागं ॥ १२ ॥ इहेवऽधम्मो अयसो अकित्ती, दुन्नामधिज्जं च पिहुज्जणम्मि । चुयस्स धम्माउ अहम्मसेविणो, संभिन्नवित्तस्स य हिट्ठओ गई ॥ १३ ॥ भुंजित्तु भोगाइं पसज्झ चेयसा, तहाविहं कट्टु असंजमं बहुं । गइं च गच्छे अणहिज्झियं दुहं, बोही य से नो सुलहा पुणो पुणो ॥ १४ ॥ "इमस्स ता नेरइयस्स जंतुणो, दुहोवणीयस्स किलेसवत्तिणो । पलिओवमं झिज्झइ सागरोवमं, किमंग पुण मज्झ इमं मणोदुहं ? ॥ १५ ॥ न मे चिरं दुक्खमिणं भविस्सइ, असासया भोगपिवास जंतुणो । न चे सरीरेण इमेणऽविस्सइ, अविस्सई जीवियपज्जवेण मे" ॥ १६ ॥ जस्सेवमप्पा उ हविज्ज निच्छिओ, चइज्ज देहं न हु धम्मसासणं । तं तारिसं नो पइलिंति इंदिया, उविंतिवाया व सुदंसणं गिरिं ॥ १७ ॥ इच्चेव संपस्सिय बुद्धिमं नरो, आयं उवायं विविहं वियाणिया । काएण वाया अदु माणसेणं, तिगुत्तिगुत्तो जिणवयणमहिट्ठिज्जासि ॥ १८ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इय रइवक्का णामा पढमा चूलिया समत्ता ॥ १ ॥**

अह विवित्तचरिया णामा बीया चूलिया

चूलियं तु पवक्खामि, सुयं केवलिभासियं । जं सुणित्तु सुपुण्णाणं, धम्मे उप्पज्जए मई ॥ १ ॥ अणुसोयपट्ठिए बहुजणम्मि, पडिसोयलद्धलक्खेणं । पडिसोयमेव अप्पा, दायव्वो होउ कामेणं ॥ २ ॥ अणुसोयसुहो लोओ, पडिसोओ आसवो सुविहियाणं । अणुसोओ संसारो, पडिसोओ तस्स उत्तारो ॥ ३ ॥ तम्हा आयारपरक्कमेण, संवरसमाहिबहुलेणं । चरिया गुणा य नियमा य, हुंति साहूण दट्ठव्वा ॥ ४ ॥ अणिएयवासो समुयाणचरिया, अन्नायउंछं पइरिक्कया य । अप्पोवही कलहविवज्जणा य, विहारचरिया इसिणं पसत्था ॥ ५ ॥ आइण्णओमाणविवज्जणा य, ओसन्नदिट्ठाहडभत्तपाणे । संसट्ठकप्पेण चरिज्ज भिक्खू, तज्जायसंसट्ठ जई जइज्जा ॥ ६ ॥ अमज्जमंसासि अमच्छरीया, अभिक्खणं निव्विगइं गया य । अभिक्खणं काउस्सग्गकारी, सज्झायजोगे पयओ हविज्जा ॥ ७ ॥ न पडिन्नविज्जा सयणासणाइं, सिज्जं निसिज्जं तह भत्तपाणं । गामे कुले वा नगरे व देसे, ममत्तभावं न कहिं पि कुज्जा ॥ ८ ॥ गिहिणो वेयावडियं न कुज्जा, अभिवायणं वंदणपूयणं वा । असंकिलिट्ठेहिं समं वसिज्जा, मुणी चरित्तस्स जओ न हाणी ॥ ९ ॥ न या लभेज्जा निउणं सहायं, गुणाहियं वा गुणओ समं वा । एक्को वि पावाइं

॥ ४९ ॥ आयारपन्नत्तिधरं, दिट्ठिवायमहिज्जगं । वायविक्खलियं नच्चा, न तं उवहसे मुणी ॥ ५० ॥ नक्खत्तं सुमिणं जोगं, निमित्तं मंतभेसजं । गिहिणो तं न आइक्खे, भूयाहिगरणं पयं ॥ ५१ ॥ अन्नट्ठं पगडं लयणं, भइज्ज सयणासणं । उच्चारभूमिसंपन्नं, इत्थीपसुविवज्जियं ॥ ५२ ॥ विवित्ता य भवे सिज्जा, नारीणं न लवे कहं । गिहिसंथवं न कुज्जा, कुज्जा साहूहिं संथवं ॥ ५३ ॥ जहा कुक्कुडपोयस्स, निच्चं कुललओ भयं । एवं खु बंभयारिस्स, इत्थीविग्गहओ भयं ॥ ५४ ॥ चित्तभित्तिं न निज्झाए, नारिं वा सुअलंकियं । भक्खरं पिव दट्ठूणं, दिट्ठिं पडिसमाहरे ॥ ५५ ॥ हत्थपायपडिच्छिन्नं, कण्णनासविगप्पियं । अवि वाससयं नारिं, बंभयारी विवज्जए ॥ ५६ ॥ विभूसा इत्थिसंसग्गो, पणीयरसभोयणं । नरस्सत्तगवेसिस्स, विसं तालउडं जहा ॥ ५७ ॥ अंगपच्चंगसंठाणं, चारुल्लवियपेहियं । इत्थीणं तं न निज्झाए, कामरागविवड्ढणं ॥ ५८ ॥ विसएसु मणुन्नेसु, पेमं नाभिनिवेसए । अणिच्चं तेसिं विन्नाय, परिणामं पोग्गलाण य ॥ ५९ ॥ पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं नच्चा जहा तहा । विणीयतण्हो विहरे, सीईभूएण अप्पणा ॥ ६० ॥ जाइ सद्धाइ निक्खंतो, परियायट्ठाणमुत्तमं । तमेव अणुपालिज्जा, गुणे आयरियसम्मए ॥ ६१ ॥ तवं चिमं संजमजोगयं च, सज्झायजोगं च सया अहिट्ठए । सूरे व सेणाइ समत्तमाउहे, अलमप्पणो होइ अलं परेसिं ॥ ६२ ॥ सज्झायसज्झाणरयस्स ताइणो, अपावभावस्स तवे रयस्स । विसुज्झई जं सि मलं पुरेकडं, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा ॥ ६३ ॥ से तारिसे दुक्खसहे जिइंदिए, सुएण जुत्ते अममे अकिंचणे । विरायई कम्मघणम्मि अवगए, कसिणब्भपुडावगमे व चंदिमे ॥ ६४ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति आयारपणिही णामं अट्ठममज्झयणं समत्तं ॥ ८ ॥**

अह विणयसमाही णामं णवममज्झयणं

पढमो उद्देसो

थंभा व कोहा व मयप्पमाया, गुरुस्सगासे ।
अभूइभावो, फलं व कीयस्स वहाय होइ ॥
डहरे इमे अप्पसुए त्ति नच्चा । हीलंति मिच्छं पडिव
गुरूणं ॥ २ ॥ पगईए मंदा वि भवंति एगे, डहर
आयारमंता गुणसुट्ठियप्पा, जे हीलिया सिहिरिव भास

॥ ४९ ॥ आयारपन्नत्तिधरं, दिट्ठिवायमहिज्जगं। वायविक्खलियं नच्चा, न तं उवहसे मुणी ॥ ५० ॥ नक्खत्तं सुमिणं जोगं, निमित्तं मंतभेसजं। गिहिणो तं न आइक्खे, भूयाहिगरणं पयं ॥ ५१ ॥ अन्नट्ठं पगडं लयणं, भइज्ज सयणासणं। उच्चारभूमिसंपन्नं, इत्थीपसुविवज्जियं ॥ ५२ ॥ विवित्ता य भवे सिज्जा, नारीणं न लवे कहं। गिहिसंथवं न कुज्जा, कुज्जा साहूहिं संथवं ॥ ५३ ॥ जहा कुक्कुडपोयस्स, निच्चं कुललओ भयं। एवं खु बंभयारिस्स, इत्थीविग्गहओ भयं ॥ ५४ ॥ चित्तभित्तिं न निज्झाए, नारिं वा सुअलंकियं। भक्खरं पिव दट्ठूणं, दिट्ठिं पडिसमाहरे ॥ ५५ ॥ हत्थपायपडिच्छिन्नं, कण्णनासविगप्पियं। अवि वाससयं नारिं, बंभयारी विवज्जए ॥ ५६ ॥ विभूसा इत्थिसंसग्गो, पणीयरसभोयणं। नरस्सत्तगवेसिस्स, विसं तालउडं जहा ॥ ५७ ॥ अंगपच्चंगसंठाणं, चारुल्लवियपेहियं। इत्थीणं तं न निज्झाए, कामरागविवड्ढणं ॥ ५८ ॥ विसएसु मणुन्नेसु, पेमं नाभिनिवेसए। अणिच्चं तेसिं विन्नाय, परिणामं पोग्गलाण य ॥ ५९ ॥ पोग्गलाणं परिणामं, तेसिं नच्चा जहा तहा। विणीयतण्हो विहरे, सीईभूएण अप्पणा ॥ ६० ॥ जाइ सद्धाइ निक्खंतो, परियायट्ठाणमुत्तमं। तमेव अणुपालिज्जा, गुणे आयरियसम्मए ॥ ६१ ॥ तवं चिमं संजमजोगयं च, सज्झायजोगं च सया अहिट्ठए। सूरे व सेणाइ समत्तमाउहे, अलमप्पणो होइ अलं परेसिं ॥ ६२ ॥ सज्झायसज्झाणरयस्स ताइणो, अपावभावस्स तवे रयस्स। विसुज्झई जं सि मलं पुरेकडं, समीरियं रुप्पमलं व जोइणा ॥ ६३ ॥ से तारिसे दुक्खसहे जिइंदिए, सुएण जुत्ते अममे अकिंचणे। विरायई कम्मघणम्मि अवगए, कसिणब्भपुडावगमे व चंदिमे ॥ ६४ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति आयारपणिही णामं अट्ठममज्झयणं समत्तं ॥ ८ ॥**

अह विणयसमाही णामं णवममज्झयणं

पढमो उद्देसो

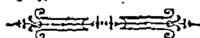
थंभा व कोहा व मयप्पमाया, गुरुस्सगासे विणयं न सिक्खे। सो चेव उ तस्स अभूइभावो, फलं व कीयस्स वहाय होइ ॥ १ ॥ जे यावि मंदित्ति गुरुं विइत्ता, डहरे इमे अप्पसुए त्ति नच्चा। हीलंति मिच्छं पडिवज्जमाणा, करंति आसायणं ते गुरूणं ॥ २ ॥ पगईए मंदा वि भवंति एगे, डहरा वि य जे सुयबुद्धोववेया। आयारमंता गुणसुट्ठियप्पा, जे हीलिया सिहिरिव भास कुज्जा ॥ ३ ॥ जे यावि

कयाइ वि ॥ १७ ॥ न पक्खओ न पुरओ, नेव किच्चाण पिट्ठओ । न जुंजे ऊरुणा ऊरुं, सयणे नो पडिस्सुणे ॥ १८ ॥ नेव पल्हत्थियं कुज्जा, पक्खपिंडं च संजए । पाए पसारिए वावि, न चिट्ठे गुरुणंतिए ॥ १९ ॥ आयरिएहिं वाहित्तो, तुसिणीओ न कयाइ वि । पसायपेही नियागट्ठी, उवचिट्ठे गुरुं सया ॥ २० ॥ आलवंते लवंते वा, न निसीएज्ज कयाइ वि । चइऊणमासणं धीरो, जओ जुत्तं पडिस्सुणे ॥ २१ ॥ आसणगओ न पुच्छेज्जा, नेव सेज्जागओ कयाइ वि । आगम्मुक्कुडुओ संतो, पुच्छिज्जा पंजलीउडो ॥ २२ ॥ एवं विणयजुत्तस्स, सुत्तं अत्थं च तदुभयं । पुच्छमाणस्स सीसस्स, वागरिज्ज जहासुयं ॥ २३ ॥ मुसं परिहरे भिक्खू, न य ओहारिणिं वए । भासादोसं परिहरे, मायं च वज्जए सया ॥ २४ ॥ न लवेज्ज पुट्ठो सावज्जं, न निरट्ठं न मम्मयं । अप्पणट्ठा परट्ठा वा, उभयस्संतरेण वा ॥ २५ ॥ समरेसु अगारेसु, संधीसु य महापहे । एगो एगित्थिए सद्धिं, नेव चिट्ठे न संलवे ॥ २६ ॥ जं मे बुद्धाऽणुसासंति, सीएण फरुसेण वा । मम लाभो त्ति पेहाए, पयओ तं पडिस्सुणे ॥ २७ ॥ अणुसासणमोवायं, दुक्कडस्स य चोयणं । हियं तं मण्णई पण्णो, वेसं होइ असाहुणो ॥ २८ ॥ हियं विगयभया बुद्धा, फरुसं पि अणुसासणं । वेसं तं होइ मूढाणं, खंतिसोहिकरं पयं ॥ २९ ॥ आसणे उवचिट्ठेज्जा, अणुच्चे अकुए थिरे । अप्पुट्ठाई निरुट्ठाई, निसीएज्जप्पकुक्कुए ॥ ३० ॥ कालेण निक्खमे भिक्खू, कालेण य पडिक्कमे । अकालं च विवज्जित्ता, काले कालं समायरे ॥ ३१ ॥ परिवाडीए न चिट्ठेज्जा, भिक्खू दत्तेसणं चरे । पडिरूवेण एसित्ता, मियं कालेण भक्खए ॥ ३२ ॥ नाइदूरमणासन्ने, नऽन्नेसिं चक्खुफासओ । एगो चिट्ठेज्ज भत्तट्ठा, लंघित्ता तं नऽइक्कमे ॥ ३३ ॥ नाइउच्चे व नीए वा, नासन्ने नाइदूरओ । फासुयं परकडं पिंडं, पडिगाहेज्ज संजए ॥ ३४ ॥ अप्पपाणेऽप्पबीयम्मि, पडिच्छन्नम्मि संवुडे । समयं संजए भुंजे, जयं अपरिसाडियं ॥ ३५ ॥ सुकडित्ति सुपक्कित्ति, सुच्छिन्ने सुहडे मडे । सुणिट्ठिए सुलट्ठित्ति, सावज्जं वज्जए मुणी ॥ ३६ ॥ रमए पंडिए सासं, हयं भद्दं व वाहए । बालं सम्मइ सासंतो, गलियस्सं व वाहए ॥ ३७ ॥ खड्डुया मे चवेडा मे, अक्कोसा य वहा य मे । कल्लाणमणुसासंतो, पावदिट्ठित्ति मन्नई ॥ ३८ ॥ पुत्तो मे भाय नाइत्ति, साहू कल्लाण मन्नई । पावदिट्ठि उ अप्पाणं, सासं दासित्ति मन्नई ॥ ३९ ॥ न कोवए आयरियं, अप्पाणं पि न कोवए । बुद्धोवघाई न सिया, न सिया तोत्तगवेसए ॥ ४० ॥ आयरियं कुवियं नच्चा, पत्तिएण पसायए । विज्झवेज्ज पंजलीउडो, वएज्ज न पुणो त्ति य ॥ ४१ ॥ धम्मज्जियं च ववहारं, बुद्धेहायरियं सया । तमायरंतो ववहारं, गरहं नाभिगच्छई ॥ ४२ ॥ मणोगयं

॥ ३ ॥ विणयं पि जो उवाएणं, चोइओ कुप्पई नरो । दिव्वं सो सिरिमिज्जंतिं, दंडेण पडिसेहए ॥ ४ ॥ तहेव अविणीयप्पा, उववज्झा हया गया । दीसंति दुहमेहंता, आभिओगमुवट्ठिया ॥ ५ ॥ तहेव सुविणीयप्पा, उववज्झा हया गया । दीसंति सुहमेहंता, इड्ढिं पत्ता महायसा ॥ ६ ॥ तहेव अविणीयप्पा, लोगंसि नरनारिओ । दीसंति दुहमेहंता, छाया ते विगलिंदिया ॥ ७ ॥ दंडसत्थपरिज्जुण्णा, असब्भवयणेहि य । कलुणा विवन्नछंदा, खुप्पिवासाइपरिगया ॥ ८ ॥ तहेव सुविणीयप्पा, लोगंसि नरनारिओ । दीसंति सुहमेहंता, इड्ढिं पत्ता महायसा ॥ ९ ॥ तहेव अविणीयप्पा, देवा जक्खा य गुज्झगा । दीसंति दुहमेहंता, आभिओगमुवट्ठिया ॥ १० ॥ तहेव सुविणीयप्पा, देवा जक्खा य गुज्झगा । दीसंति सुहमेहंता, इड्ढिं पत्ता महायसा ॥ ११ ॥ जे आयरियउवज्झायाणं, सुस्सूसावयणंकरा । तेसिं सिक्खा पवड्ढंति, जलसित्ता इव पायवा ॥ १२ ॥ अप्पणट्ठा परट्ठा वा, सिप्पा नेउणियाणि य । गिहिणो उवभोगट्ठा, इहलोगस्स कारणा ॥ १३ ॥ जेण बंधं वहं घोरं, परियावं च दारुणं । सिक्खमाणा नियच्छंति, जुत्ता ते ललिइंदिया ॥ १४ ॥ ते वि तं गुरुं पूयंति, तस्स सिप्पस्स कारणा । सक्कारंति णमंसंति, तुट्ठा निद्देसवत्तिणो ॥ १५ ॥ किं पुण जे सुयग्गाही, अणंतहियकामए । आयरिया जं वए भिक्खू, तम्हा तं नाइवत्तए ॥ १६ ॥ नीयं सिज्जं गइं ठाणं, नीयं च आसणाणि य । नीयं च पाए वंदिज्जा, नीयं कुज्जा य अंजलिं ॥ १७ ॥ संघट्टइत्ता काएणं, तहा उवहिणामवि । "खमेह अवराहं मे", वइज्ज "न पुणु" त्ति य ॥ १८ ॥ दुग्गओ वा पओएणं, चोइओ वहइ रहं । एवं दुबुद्धि किच्चाणं, वुत्तो वुत्तो पकुव्वइ ॥ १९ ॥ आलवंते लवंते वा, न निसिज्जाए पडिस्सुणे । मुत्तूण आसणं धीरो, सुस्सूसाए पडिस्सुणे ॥ २० ॥ कालं छंदोवयारं च, पडिलेहित्ताण हेउहिं । तेहिं तेहिं उवाएहिं, तं तं संपडिवायए ॥ २१ ॥ विवत्ती अविणीयस्स, संपत्ती विणियस्स य । जस्सेयं दुहओ नायं, सिक्खं से अभिगच्छइ ॥ २२ ॥ जे यावि चंडे मइइड्ढिगारवे, पिसुणे नरे साहसहीणपेसणे । अदिट्ठधम्मे विणए अकोविए, असंविभागी न हु तस्स मुक्खो ॥ २३ ॥ णिद्देसवत्ती पुण जे गुरूणं, सुयत्थधम्मा विणयंमि कोविया । तरित्तु ते ओहमिणं दुरुत्तरं, खवित्तु कम्मं गइमुत्तमं गया ॥ २४ ॥ ति-बेमि ॥ **इति विणयसमाहिणामणवमज्झयणे बीओ उद्देसो समत्तो ॥ ९-२ ॥**

(३) चरंतं विरयं लूहं, सीयं फुसइ एगया । नाइवेलं मुणी गच्छे, सोच्चाणं जिणसासणं ॥ ६ ॥ न मे निवारणं अत्थि, छवित्ताणं न विज्जई । अहं तु अग्गिं सेवामि, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ ७ ॥ (४) उसिणं परियावेणं, परिदाहेण तज्जिए । घिंसु वा परियावेणं, सायं नो परिदेवए ॥ ८ ॥ उण्हाहितत्तो मेहावी, सिणाणं नो वि पत्थए । गायं नो परिसिंचेज्जा, न वीएज्जा य अप्पयं ॥ ९ ॥ (५) पुट्ठो य दंसमसएहिं, समरे व महामुणी । नागो संगामसीसे वा, सूरो अभिहणे परं ॥ १० ॥ न संतसे न वारेज्जा, मणं पि न पओसए । उवेहे न हणे पाणे, भुंजंते मंससोणियं ॥ ११ ॥ (६) परिजुण्णेहिं वत्थेहिं, होक्खामि त्ति अचेलए । अदुवा सचेले होक्खामि, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ १२ ॥ एगयाऽचेलए होइ, सचेले आवि एगया । एयं धम्मं हियं नच्चा, नाणी नो परिदेवए ॥ १३ ॥ (७) गामाणुगामं रीयंतं, अणगारं अकिंचणं । अरई अणुप्पवेसेज्जा, तं तितिक्खे परीसहं ॥ १४ ॥ अरइं पिट्ठओ किच्चा, विरए आयरक्खिए । धम्मारामे निरारम्भे, उवसंते मुणी चरे ॥ १५ ॥ (८) संगो एस मणूसाणं, जाओ लोगम्मि इत्थिओ । जस्स एया परिन्नाया, सुकडं तस्स सामण्णं ॥ १६ ॥ एवमादाय मेहावी, पंकभूया उ इत्थिओ । नो ताहिं विणिहन्नेज्जा, चरेज्जऽत्तगवेसए ॥ १७ ॥ (९) एग एव चरे लाढे, अभिभूय परीसहे । गामे वा नगरे वावि, निगमे वा रायहाणिए ॥ १८ ॥ असमाणे चरे भिक्खू, नेव कुज्जा परिग्गहं । असंसत्तो गिहत्थेहिं, अणिएओ परिव्वए ॥ १९ ॥ (१०) सुसाणे सुन्नगारे वा, रुक्खमूले व एगओ । अकुक्कुओ निसीएज्जा, न य वित्तासए परं ॥ २० ॥ तत्थ से चिट्ठमाणस्स, उवसग्गाभिधारए । संकाभीओ न गच्छेज्जा, उट्ठित्ता अन्नमासणं ॥ २१ ॥ (११) उच्चावयाहिं सेज्जाहिं, तवस्सी भिक्खू थामवं । नाइवेलं विहन्निज्जा, पावदिट्ठी विहन्नई ॥ २२ ॥ पइरिक्कुवस्सयं लद्धुं, कल्लाणमदुव पावयं । किमेगराइं करिस्सइ, एवं तत्थऽहियासए ॥ २३ ॥ (१२) अक्कोसेज्जा परे भिक्खुं, न तेसिं पडिसंजले । सरिसो होइ बालाणं, तम्हा भिक्खू न संजले ॥ २४ ॥ सोच्चाणं फरुसा भासा, दारुणा गामकंटगा । तुसिणीओ उवेहेज्जा, न ताओ मणसीकरे ॥ २५ ॥ (१३) हओ न संजले भिक्खू, मणं पि न पओसए । तितिक्खं परमं नच्चा, भिक्खू धम्मं विचिंतए ॥ २६ ॥ समणं संजयं दंतं, हणिज्जा कोइ कत्थई । नत्थि जीवस्स नासुत्ति, एवं पेहेज्ज संजए ॥ २७ ॥ (१४) दुक्करं खलु भो निच्चं, अणगारस्स भिक्खुणो । सव्वं से जाइयं होइ, नत्थि किंचि अजाइयं ॥ २८ ॥ गोयरग्गपविट्ठस्स, पाणी नो सुप्पसारए । सेओ अगारवासुत्ति, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ २९ ॥ (१५) परेसु घासमेसेज्जा, भोयणे परिणिट्ठिए । लद्धे पिंडे अलद्धे

विणयसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता, कयरे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता? इमे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं चत्तारि विणयसमाहिट्ठाणा पन्नत्ता, तंजहा-विणयसमाही १, सुयसमाही २, तवसमाही ३, आयारसमाही ४। विणए सुए य तवे, आयारे निच्च पंडिया। अभिरामयंति अप्पाणं, जे भवंति जिइंदिया ॥ १ ॥ चउव्विहा खलु विणयसमाही भवइ, तंजहा-अणुसासिज्जंतो सुस्सूसइ १, सम्मं संपडिवज्जइ २, वेयमाराहयइ ३, न य भवइ अत्तसंपग्गहिए ४ चउत्थं पयं भवइ। भवइ य इत्थ सिलोगो-पेहेइ हियाणुसासणं, सुस्सूसइ तं च पुणो अहिट्ठिए। न य माणमएण मज्जइ, विणयसमाही आययट्ठिए ॥ २ ॥ चउव्विहा खलु सुयसमाही भवइ, तंजहा-सुयं मे भविस्सइ त्ति अज्झाइयव्वं भवइ १, एगग्गचित्तो भविस्सामि त्ति अज्झाइयव्वं भवइ २, अप्पाणं ठावइस्सामि त्ति अज्झाइयव्वं भवइ ३, ठिओ परं ठावइस्सामि त्ति अज्झाइयव्वं भवइ ४ चउत्थं पयं भवइ। भवइ य इत्थ सिलोगो-नाणमेगग्गचित्तो य, ठिओ य ठावइ परं। सुयाणि य अहिज्जित्ता, रओ सुयसमाहिए ॥ ३ ॥ चउव्विहा खलु तवसमाही भवइ, तंजहा-नो इहलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा १, नो परलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा २, नो कित्तिवन्नसद्दसिलोगट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा ३, नन्नत्थ निज्जरट्ठयाए तवमहिट्ठिज्जा ४ चउत्थं पयं भवइ। भवइ य इत्थ सिलोगो-विविहगुणतवोरए निच्चं, भवइ निरासए निज्जरट्ठिए। तवसा धुणइ पुराणपावगं, जुत्तो सया तवसमाहिए ॥ ४ ॥ चउव्विहा खलु आयारसमाही भवइ, तंजहा-नो इहलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा १, नो परलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा २, नो कित्तिवन्नसद्दसिलोगट्ठयाए आयारमहिट्ठिज्जा ३, नन्नत्थ आरहंतेहिं हेऊहिं आयारमहिट्ठिज्जा ४ चउत्थं पयं भवइ। भवइ य इत्थ सिलोगो-जिणवयणरए अतिंतिणे, पडिपुण्णाययमाययट्ठिए। आयारसमाहिसंवुडे, भवइ य दंते भावसंधए ॥ ५ ॥ अभिगम चउरो समाहिओ, सुविसुद्धो सुसमाहियप्पओ। विउलहियं सुहावहं पुणो, कुव्वइ सो पयखेममप्पणो ॥ ६ ॥ जाइमरणाओ मुच्चइ, इत्थत्थं च चएइ सव्वसो। सिद्धे वा हवइ सासए, देवे वा अप्परए महिड्डिए ॥ ७ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति विणयसमाहिणामणवमज्झयणे चउत्थो उद्देसो समत्तो ॥ ९-४ ॥ णवममज्झयणं समत्तं ॥ ९ ॥**



अह सभिक्खू णामं दसममज्झयणं



निक्खम्ममाणाइ य बुद्धवयणे, णिच्चं चित्तसमाहिओ हविज्जा। इत्थीण वसं न

दुक्खिया वहुवेयणा । अमाणुसासु जोणीसु, विणिहम्मंति पाणिणो ॥ ६ ॥ कम्माणं तु पहाणाए, आणुपुव्वी कयाइ उ । जीवा सोहिमणुप्पत्ता, आययंति मणुस्सयं ॥ ७ ॥ माणुस्सं विग्गहं लद्धुं, सुई धम्मस्स दुल्लहा । जं सोच्चा पडिवज्जंति, तवं खंतिमहिंसयं ॥ ८ ॥ आहच्च सवणं लद्धुं, सद्धा परमदुल्लहा । सोच्चा नेयाउयं मग्गं, वहवे परिभस्सई ॥ ९ ॥ सुइं च लद्धुं सद्धं च, वीरियं पुण दुल्लहं । वहवे रोयमाणा वि, नो य णं पडिवज्जए ॥ १० ॥ माणुसत्तंमि आयाओ, जो धम्मं सोच्च सद्दहे । तवस्सी वीरियं लद्धुं, संवुडे निद्धुणे रयं ॥ ११ ॥ सोही उज्जुयभूयस्स, धम्मो सुद्धस्स चिट्ठई । निव्वाणं परमं जाइ, घयसित्तिव्व पावए ॥ १२ ॥ विगिंच कम्मुणो हेउं, जसं संचिणु खंतिए । सरीरं पाढवं हिच्चा, उड्ढं पक्कमई दिसं ॥ १३ ॥ विसालिसेहिं सीलेहिं, जक्खा उत्तरउत्तरा । महासुक्का व दिप्पंता, मन्नंता अपुणच्चवं ॥ १४ ॥ अप्पिया देवकामाणं, कामरूवविउव्विणो । उड्ढं कप्पेसु चिट्ठंति, पुव्वा वाससया वहू ॥ १५ ॥ तत्थ ठिच्चा जहाठाणं, जक्खा आउक्खए चुया । उवेंति माणुसं जोणिं, से दसंगेऽभिजायए ॥ १६ ॥ खेत्तं[१] वत्थुं हिरण्णं[२] च, पसवो[३] दासपोरुसं[४] । चत्तारि कामखंधाणि, तत्थ से उववज्जई ॥ १७ ॥ मित्तवं[२] नायवं[३] होइ, उच्चागोए[४] य वण्णवं[५] । अप्पायंके[६] महापन्ने[७], अभिजाए[८] जसो[९] वले[१०] ॥ १८ ॥ भुच्चा माणुस्सए भोए, अप्पडिरूवे अहाउयं । पुव्वं विसुद्धसद्धम्मे, केवलं वोहि वुज्झिया ॥ १९ ॥ चउरंगं दुल्लहं नच्चा, संजमं पडिवज्जिया । तवसा धुयकम्मंसे, सिद्धे हवइ सासए ॥ २० ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति चाउरंगिज्जं णाम तइयमज्झयणं समत्तं ॥ ३ ॥**

अह असंखयं णाम चउत्थमज्झयणं

असंखयं जीविय मा पमायए, जरोवणीयस्स हु नत्थि ताणं । एवं वियाणाहि जणे पमत्ते, किं नु विहिंसा अजया गहिंति ॥ १ ॥ जे पावकम्मेहिं धणं मणूसा, समाययंती अमइं गहाय । पहाय ते पासपयट्टिए नरे, वेराणुवद्धा नरयं उवेंति ॥ २ ॥ तेणे जहा संधिमुहे गहीए, सकम्मुणा किच्चइ पावकारी । एवं पया पेच्च इहं च लोए, कडाण कम्माण न मुक्ख अत्थि ॥ ३ ॥ संसारमावन्न परस्स अट्ठा, साहारणं जं च करेइ कम्मं । कम्मस्स ते तस्स उ वेयकाले, न वंधवा वंधवयं उवेंति ॥ ४ ॥ वित्तेण ताणं न लभे पमत्ते, इमंमि लोए अदुवा परत्था । दीवप्पणट्ठेव अणंतमोहे, नेयाउयं दट्ठुमदट्ठुमेव ॥ ५ ॥ सुत्तेसु यावी पडिवुद्धजीवी, न

सया चए निच्चहियट्ठियप्पा । छिंदित्तु जाईमरणस्स वंधणं, उवेइ भिक्खू अपुणागमं गइं ॥ २१ ॥ ति-बेमि ॥ **इति सभिक्खू णामं दसममज्झयणं समत्तं ॥ १० ॥**

अह रइवक्का णामा पढमा चूलिया

इह खलु भो ! पव्वइएणं उप्पन्नदुक्खेणं संजमे अरइसमावन्नचित्तेणं ओहाणुप्पेहिणा अणोहाइएणं चेव हयररिसगयंकुसपोयपडागाभूयाइं इमाइं अट्ठारस ठाणाइं सम्मं संपडिलेहियव्वाइं भवंति, तंजहा—हं भो ! दुस्समाए दुप्पजीवी १, लहुस्सगा इत्तरिया गिहीणं कामभोगा २, भुज्जो य साइवहुला मणुस्सा ३, इमे य मे दुक्खे न चिरकालोवट्ठाई भविस्सइ ४, ओमजणपुरक्कारे ५, वंतस्स य पडिआयणं ६, अहरगइ-वासोवसंपया ७, दुल्लहे खलु भो ! गिहीणं धम्मे गिहिवासमज्झे वसंताणं ८, आयंके से वहाय होइ ९, संकप्पे से वहाय होइ १०, सोवक्केसे गिहिवासे निरुवक्केसे परियाए ११, वंधे गिहिवासे मुक्खे परियाए १२, सावज्जे गिहिवासे अणवज्जे परियाए १३, वहुसाहारणा गिहीणं कामभोगा १४, पत्तेयं पुण्णपावं १५, अणिच्चे खलु भो ! मणुयाण जीविए कुसग्गजलविंदुचंचले १६, वहुं च खलु भो ! पावं कम्मं पगडं १७, पावाणं च खलु भो ! कडाणं कम्माणं पुव्विं दुच्चिण्णाणं दुप्पडिक्कंताणं वेइत्ता मुक्खो नत्थि अवेइत्ता तवसा वा झोसइत्ता १८ अट्ठारसमं पयं भवइ । भवइ य इत्थ सिलोगो—जया य चयई धम्मं, अणज्जो भोगकारणा । से तत्थ मुच्छिए वाले, आयइं नाववुज्झई ॥ १ ॥ जया ओहाविओ होइ, इंदो वा पडिओ छमं । सव्वधम्मपरिब्भट्ठो, स पच्छा परितप्पई ॥ २ ॥ जया य वंदिमो होइ, पच्छा होइ अवंदिमो । देवया व चुया ठाणा, स पच्छा परितप्पई ॥ ३ ॥ जया य पूइमो होइ, पच्छा होइ अपूइमो । राया व रज्जपब्भट्ठो, स पच्छा परितप्पई ॥ ४ ॥ जया य माणिमो होइ, पच्छा होइ अमाणिमो । सेट्ठिव्व कव्वडे छूढो, स पच्छा परितप्पई ॥ ५ ॥ जया य थेरओ होइ, समइक्कंतजुव्वणो । मच्छुव्व गलं गिलित्ता, स पच्छा परितप्पई ॥ ६ ॥ जया य कुकुडंवस्स, कुतत्तीहिं विहम्मई । हत्थी व वंधणे वद्धो, स पच्छा परितप्पई ॥ ७ ॥ पुत्तदारपरिकिण्णो, मोहसंताणसंतओ । पंकोसन्नो जहा नागो, स पच्छा परितप्पई ॥ ८ ॥ "अज्ज याहं गणी हुंतो, भावियप्पा वहुस्सुओ । जइ हं रमंतो परियाए, सामण्णे जिणदेसिए" ॥ ९ ॥ देवलोगसमाणो य, परियाओ महेसिणं । रयाणं अरयाणं च, महानरयसारिसो ॥ १० ॥ अमरोवमं जाणिय सुक्खमुत्तमं, रयाण परियाए तहारयाणं । निरओवमं जाणिय

मेयमणुस्सुयं । अहाकम्मेहिं गच्छंतो, सो पच्छा परितप्पई ॥ १३ ॥ जहा सागडिओ जाणं, समं हिच्चा महापहं । विसमं मग्गमोइण्णो, अक्खे भग्गम्मि सोयई ॥ १४ ॥ एवं धम्मं विउक्कम्म, अहम्मं पडिवज्जिया । बाले मच्चुमुहं पत्ते, अक्खे भग्गे व सोयई ॥ १५ ॥ तओ से मरणंतम्मि, बाले संतसई भया । अकाममरणं मरइ, धुत्ते व कलिणा जिए ॥ १६ ॥ एयं अकाममरणं, बालाणं तु पवेइयं । इत्तो सकाममरणं, पंडियाणं सुणेह मे ॥ १७ ॥ मरणं पि सपुण्णाणं, जहा मेयमणुस्सुयं । विप्पसण्णमणाघायं, संजयाण वुसीमओ ॥ १८ ॥ न इमं सव्वेसु भिक्खूसु, न इमं सव्वेसुऽगारिसु । नाणासीला अगारत्था, विसमसीला य भिक्खुणो ॥ १९ ॥ संति एगेहिं भिक्खूहिं, गारत्था संजमुत्तरा । गारत्थेहि य सव्वेहिं, साहवो संजमुत्तरा ॥ २० ॥ चीराजिणं नगिणिणं, जडी संघाडि मुंडिणं । एयाणि वि न तायंति, दुस्सीलं परियागयं ॥ २१ ॥ पिंडोलएव्व दुस्सीले, नरगाओ न मुच्चई । भिक्खाए वा गिहत्थे वा, सुव्वए कम्मई दिवं ॥ २२ ॥ अगारि सामाइयंगाणि, सड्ढी काएण फासए । पोसहं दुहओ पक्खं, एगरायं न हावए ॥ २३ ॥ एवं सिक्खासमावन्ने, गिहिवासे वि सुव्वए । मुच्चई छविपव्वाओ, गच्छे जक्खसलोगयं ॥ २४ ॥ अह जे संवुडे भिक्खू, दोण्हं अन्नयरे सिया । सव्वदुक्खपहीणे वा, देवे वावि महिड्ढिए ॥ २५ ॥ उत्तराइं विमोहाइं, जुईमंताऽणुपुव्वसो । समाइण्णाइं जक्खेहिं, आवासाइं जसंसिणो ॥ २६ ॥ दीहाउया इड्ढिमंता, समिद्धा कामरूविणो । अहुणोववन्नसंकासा, भुज्जो अच्चिमालिप्पभा ॥ २७ ॥ ताणि ठाणाणि गच्छंति, सिक्खित्ता संजमं तवं । भिक्खाए वा गिहत्थे वा, जे संति परिनिव्वुडा ॥ २८ ॥ तेसिं सोच्चा सपुज्जाणं, संजयाण वुसीमओ । न संतसंति मरणंते, सीलवंता बहुस्सुया ॥ २९ ॥ तुलिया विसेसमादाय, दयाधम्मस्स खंतिए । विप्पसीएज्ज मेहावी, तहाभूएण अप्पणा ॥ ३० ॥ तओ काले अभिप्पेए, सड्ढी तालिसमंतिए । विणएज्ज लोमहरिसं, भेयं देहस्स कंखए ॥ ३१ ॥ अह कालम्मि संपत्ते, आघायाय समुस्सयं । सकाममरणं मरई, तिण्हमन्नयरं मुणी ॥ ३२ ॥ ति-बेमि ॥ **इति अकाममरणिज्जं णामं पंचममज्झयणं समत्तं** ॥ ५ ॥

अह खुड्डागणियंठिज्जं णामं छट्ठमज्झयणं

जावंतऽविज्जापुरिसा, सव्वे ते दुक्खसंभवा । लुप्पंति बहुसो मूढा, संसारंमि अणंतए ॥ १ ॥ समिक्ख पंडिए तम्हा, पासजाइपहे बहू । अप्पणा सच्चमेसेज्जा, मेत्तिं भूएसु कप्पए ॥ २ ॥ माया पिया ण्हुसा भाया, भज्जा पुत्ता य ओरसा ।

॥ २९ ॥ अवउज्झिय मित्तबंधवं, विउलं चेव धणोहसंचयं । मा तं विइयं गवेसए, समयं गोयम ! मा पमायए ॥ ३० ॥ न हु जिणे अज्ज दिस्सई, वहुमए दिस्सइ मग्गदेसिए । संपइ नेयाउए पंहे, समयं गोयम ! मा पमायए ॥ ३१ ॥ अवसोहिय कंटगापहं, ओइण्णो सि पहं महालयं । गच्छसि मग्गं विसोहिया, समयं गोयम ! मा पमायए ॥ ३२ ॥ अबले जह भारवाहए, मा मग्गे विसमेऽवगाहिया । पच्छा पच्छाणुतावए, समयं गोयम ! मा पमायए ॥ ३३ ॥ तिण्णो हु सि अण्णवं महं, किं पुण चिट्ठसि तीरमागओ । अभितुर पारं गमित्तए, समयं गोयम ! मा पमायए ॥ ३४ ॥ अकलेवरसेणिं उस्सिया, सिद्धिं गोयम ! लोयं गच्छसि । खेमं च सिवं अणुत्तरं, समयं गोयम ! मा पमायए ॥ ३५ ॥ बुद्धे परिनिव्वुडे चरे, गामगए नगरे व संजए । संतीमग्गं च वूहए, समयं गोयम ! मा पमायए ॥ ३६ ॥ बुद्धस्स निसम्म भासियं, सुकहियमट्ठपओवसोहियं । रागं दोसं च छिंदिया, सिद्धिगइं गए गोयमे ॥ ३७ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति दुमपत्तयं णामं दसममज्झयणं समत्तं ॥ १० ॥**



अह बहुस्सुयपुज्जं णामं एगारसममज्झयणं



संजोगा विप्पमुक्कस्स, अणगारस्स भिक्खुणो । आयारं पाउकरिस्सामि, आणुपुव्विं सुणेह मे ॥ १ ॥ जे यावि होइ निव्विज्जे, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे । अभिक्खणं उल्लवई, अविणीए अवहुस्सुए ॥ २ ॥ अह पंचहिं ठाणेहिं, जेहिं सिक्खा न लब्भई । थम्भा कोहा पमाएणं, रोगेणाऽलस्सएण य ॥ ३ ॥ अह अट्ठहिं ठाणेहिं, सिक्खासीले त्ति वुच्चई । अहस्सिरे सया दंते, न य मम्ममुदाहरे ॥ ४ ॥ नासीले न विसीले, न सिया अइलोलुए । अकोहणे सच्चरए, सिक्खासीले त्ति वुच्चई ॥ ५ ॥ अह चोद्दसहिं ठाणेहिं, वट्टमाणे उ संजए । अविणीए वुच्चई सो उ, निव्वाणं च न गच्छई ॥ ६ ॥ अभिक्खणं कोही हवई, पबंधं च पकुव्वई । मेत्तिज्जमाणो वमई, सुयं लद्धूण मज्जई ॥ ७ ॥ अवि पावपरिक्खेवी, अवि मित्तेसु कुप्पई । सुप्पियस्सावि मित्तस्स, रहे भासइ पावयं ॥ ८ ॥ पइण्णवाई दुहिले, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे । असंविभागी अवियत्ते, अविणीए त्ति वुच्चई ॥ ९ ॥ अह पन्नरसहिं ठाणेहिं, सुविणीए त्ति वुच्चई । नीयावित्ती अचवले, अमाई अकुऊहले ॥ १० ॥ अप्पं च अहिक्खिवई, पबंधं च न कुव्वई । मेत्तिज्जमाणो भयई, सुयं लद्धुं न मज्जई ॥ ११ ॥ न य पावपरिक्खेवी, न य मित्तेसु कुप्पई । अप्पियस्सावि मित्तस्स, रहे कल्लाण भासई ॥ १२ ॥

कयाइ वि ॥ १७ ॥ न पक्खओ न पुरओ, नेव किचाण पिट्ठओ । न जुंजे ऊरुणा ऊरुं, सयणे नो पडिस्सुणे ॥ १८ ॥ नेव पल्हत्थियं कुज्जा, पक्खपिंडं च संजए । पाए पसारिए वावि, न चिट्ठे गुरुणंतिए ॥ १९ ॥ आयरिएहिं वाहित्तो, तुसिणीओ न कयाइ वि । पसायपेही नियागट्ठी, उवचिट्ठे गुरुं सया ॥ २० ॥ आलवंते लवंते वा, न निसीएज्ज कयाइ वि । चइऊणमासणं धीरो, जओ जुत्तं पडिस्सुणे ॥ २१ ॥ आसणगओ न पुच्छेज्जा, नेव सेज्जागओ कयाइ वि । आगम्मुक्कुडुओ संतो, पुच्छिज्जा पंजलीउडो ॥ २२ ॥ एवं विणयजुत्तस्स, सुत्तं अत्थं च तदुभयं । पुच्छमाणस्स सीसस्स, वागरिज्ज जहासुयं ॥ २३ ॥ मुसं परिहरे भिक्खू, न य ओहारिणिं वए । भासादोसं परिहरे, मायं च वज्जए सया ॥ २४ ॥ न लवेज्ज पुट्ठो सावज्जं, न निरट्ठं न मम्मयं । अप्पणट्ठा परट्ठा वा, उभयस्संतरेण वा ॥ २५ ॥ समरेसु अगारेसु, संधीसु य महापहे । एगो एगित्थिए सद्धिं, नेव चिट्ठे न संलवे ॥ २६ ॥ जं मे बुद्धाऽणुसासंति, सीएण फरुसेण वा । मम लाभो त्ति पेहाए, पयओ तं पडिस्सुणे ॥ २७ ॥ अणुसासणमोवायं, दुक्कडस्स य चोयणं । हियं तं मण्णई पण्णो, वेसं होइ असाहुणो ॥ २८ ॥ हियं विगयभया बुद्धा, फरुसं पि अणुसासणं । वेसं तं होइ मूढाणं, खंतिसोहिकरं पयं ॥ २९ ॥ आसणे उवचिट्ठेज्जा, अणुच्चे अकुए थिरे । अप्पुट्ठाई निरुट्ठाई, निसीएज्जप्पकुक्कुए ॥ ३० ॥ कालेण निक्खमे भिक्खू, कालेण य पडिक्कमे । अकालं च विवज्जित्ता, काले कालं समायरे ॥ ३१ ॥ परिवाडीए न चिट्ठेज्जा, भिक्खू दत्तेसणं चरे । पडिरूवेण एसित्ता, मियं कालेण भक्खए ॥ ३२ ॥ नाइदूरमणासन्ने, नऽन्नेसिं चक्खुफासओ । एगो चिट्ठेज्ज भत्तट्ठा, लंघित्ता तं नऽइक्कमे ॥ ३३ ॥ नाइउच्चे व नीए वा, नासन्ने नाइदूरओ । फासुयं परकडं पिंडं, पडिगाहेज्ज संजए ॥ ३४ ॥ अप्पपाणेऽप्पबीयम्मि, पडिच्छन्नम्मि संवुडे । समयं संजए भुंजे, जयं अपरिसाडियं ॥ ३५ ॥ सुकडित्ति सुपक्कित्ति, सुच्छिन्ने सुहडे मडे । सुणिट्ठिए सुलट्ठित्ति, सावज्जं वज्जए मुणी ॥ ३६ ॥ रमए पंडिए सासं, हयं भद्दं व वाहए । बालं सम्मइ सासंतो, गलियस्सं व वाहए ॥ ३७ ॥ खड्डुया मे चवेडा मे, अक्कोसा य वहा य मे । कल्लाणमणुसासंतो, पावदिट्ठित्ति मन्नई ॥ ३८ ॥ पुत्तो मे भाय नाइत्ति, साहू कल्लाण मन्नई । पावदिट्ठि उ अप्पाणं, सासं दासित्ति मन्नई ॥ ३९ ॥ न कोवए आयरियं, अप्पाणं पि न कोवए । बुद्धोवघाई न सिया, न सिया तोत्तगवेसए ॥ ४० ॥ आयरियं कुवियं नच्चा, पत्तिएण पसायए । विज्झवेज्ज पंजलीउडो, वएज्ज न पुणो त्ति य ॥ ४१ ॥ धम्मज्जियं च ववहारं, बुद्धेहायरियं सया । तमायरंतो ववहारं, गरहं नाभिगच्छई ॥ ४२ ॥ मणोगयं

का ते सुया किं च ते कारिसंगं?। एहा य ते कयरा संति भिक्खू?, कयरेण होमेण हुणासि जोइं? ॥ ४३ ॥ तवो जोई जीवो जोइठाणं, जोगा सुया सरीरं कारिसंगं। कम्मेहा संजमजोगसंती, होमं हुणामि इसिणं पसत्थं ॥ ४४ ॥ के ते हरए के य ते संतितित्थे?, कहिं सिणाओ व रयं जहासि?। आइक्ख णे संजय! जक्खपूइया, इच्छामो नाउं भवओ सगासे ॥ ४५ ॥ धम्मे हरए बंभे संतितित्थे, अणाविले अत्तपसन्नलेसे। जहिं सिणाओ विमलो विसुद्धो, सुसीइभूओ पजहामि दोसं ॥ ४६ ॥ एयं सिणाणं कुसलेहि दिट्ठं, महासिणाणं इसिणं पसत्थं। जहिं सिणाया विमला विसुद्धा, महारिसी उत्तमं ठाणं पत्ता ॥ ४७ ॥ ति-बेमि ॥ **इति हरिएसिज्जं णामं दुवालसममज्झयणं समत्तं ॥ १२ ॥**

अह चित्तसंभूइज्जणामं तेरहममज्झयणं



जाईपराजिओ खलु, कासि नियाणं तु हत्थिणपुरम्मि। चुलणीए बंभदत्तो, उववन्नो पउमगुम्माओ ॥ १ ॥ कंपिल्ले संभूओ, चित्तो पुण जाओ पुरिमतालम्मि। सेट्ठिकुलम्मि विसाले, धम्मं सोऊण पव्वइओ ॥ २ ॥ कंपिल्लम्मि य नयरे, समागया दो वि चित्तसंभूया। सुहदुक्खफलविवागं, कहेंति ते एक्कमेक्कस्स ॥ ३ ॥ चक्कवट्टी महिड्ढीओ, बंभदत्तो महायसो। भायरं बहुमाणेणं, इमं वयणमब्बवी ॥ ४ ॥ आसिमो भायरा दो वि, अन्नमन्नवसाणुगा। अन्नमन्नमणूरत्ता, अन्नमन्नहिएसिणो ॥ ५ ॥ दासा दसण्णे आसी, मिया कालिंजरे नगे। हंसा मयंगतीरे, सोवागा कासिभूमिए ॥ ६ ॥ देवा य देवलोगम्मि, आसि अम्हे महिड्ढिया। इमा णो छट्ठिया जाई, अन्नमन्नेण जा विणा ॥ ७ ॥ कम्मा नियाणपगडा, तुमे राय! विचिंतिया। तेसिं फलविवागेण, विप्पओगमुवागया ॥ ८ ॥ सच्चसोयप्पगडा, कम्मा मए पुरा कडा। ते अज्ज परिभुंजामो, किं नु चित्ते वि से तहा? ॥ ९ ॥ सव्वं सुचिण्णं सफलं नराणं, कडाण कम्माण न मोक्ख अत्थि। अत्थेहि कामेहि य उत्तमेहिं, आया ममं पुण्णफलोववेए ॥ १० ॥ जाणासि संभूय! महाणुभागं, महिड्ढियं पुण्णफलोववेयं। चित्तं पि जाणाहि तहेव रायं!, इड्ढी जुई तस्स वि य प्पभूया ॥ ११ ॥ महत्थरूवा वयणऽप्पभूया, गाहाणुगीया नरसंघमज्झे। जं भिक्खुणो सीलगुणोववेया, इह जयंते समणोमि जाओ ॥ १२ ॥ उच्चोयए महु कक्के य बंभे, पवेइया आवसहा य रम्मा। इमं गिहं चित्त! धणप्पभूयं, पसाहि पंचालगुणोववेयं ॥ १३ ॥ नट्टेहि गीएहि य वाइएहिं, नारीजणाइं परिवारयंतो। भुंजाहि भोगाइ इमाइ भिक्खू!, मम रोयई पव्वज्जा हु

वक्कगयं, जाणित्तायरियस्स उ । तं परिगिज्झ वायाए, कम्मुणा उववायए ॥ ४३ ॥ वित्ते अचोइए निच्चं, खिप्पं हवइ सुचोइए । जहोवइट्ठं सुकयं, किच्चाइं कुव्वई सया ॥ ४४ ॥ नच्चा नमइ मेहावी, लोए कित्ती से जायए । हवई किच्चाणं सरणं, भूयाणं जगई जहा ॥ ४५ ॥ पुज्जा जस्स पसीयंति, संबुद्धा पुव्वसंथुया । पसन्ना लाभइस्संति विउलं अट्ठियं सुयं ॥ ४६ ॥ स पुज्जसत्थे सुविणीयसंसए, मणोरुई चिट्ठइ कम्मसंपया । तवोसमायारिसमाहिसंवुडे, महज्जुई पंच वयाइं पालिया ॥ ४७ ॥ स देवगंधव्वमणुस्सपूइए, चइत्तु देहं मलपंकपुव्वयं । सिद्धे वा हवइ सासए, देवे वा अप्परए महिड्ढिए ॥ ४८ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति विणयसुयं णामं पढममज्झयणं समत्तं** ॥ १ ॥

अह परिसहणामं दुइयमज्झयणं

सोच्चाऽभिनिक्खम्म पहाय भोए। कुडुंबसारं विउलुत्तमं च, रायं अभिक्खं समुवाय देवी ॥ ३७ ॥ वंतासी पुरिसो रायं!, न सो होइ पसंसिओ। माहणेण परिच्चत्तं, धणं आदाउमिच्छसि ॥ ३८ ॥ सव्वं जगं जइ तुहं, सव्वं वावि धणं भवे। सव्वं पि ते अपज्जत्तं, नेव ताणाय तं तव ॥ ३९ ॥ मरिहिसि रायं! जया तया वा, मणोरमे कामगुणे पहाय। एक्को हु धम्मो नरदेव! ताणं, न विज्जई अन्नमिहेह किंचि ॥ ४० ॥ नाहं रमे पक्खिणि पंजरे वा, संताणछिन्ना चरिस्सामि मोणं। अकिंचणा उज्जुकडा निरामिसा, परिग्गहारंभनियत्तदोसा ॥ ४१ ॥ दवग्गिणा जहा रण्णे, डज्झमाणेसु जंतुसु। अन्ने सत्ता पमोयंति, रागद्दोसवसं गया ॥ ४२ ॥ एवमेव वयं मूढा, कामभोगेसु मुच्छिया। डज्झमाणं न बुज्झामो, रागद्दोसग्गिणा जगं ॥ ४३ ॥ भोगे भोच्चा वमित्ता य, लहुभूयविहारिणो। आमोयमाणा गच्छंति, दिया कामकमा इव ॥ ४४ ॥ इमे य बद्धा फंदंति, मम हत्थऽज्जमागया। वयं च सत्ता कामेसु, भविस्सामो जहा इमे ॥ ४५ ॥ सामिसं कुललं दिस्स, बज्झमाणं निरामिसं। आमिसं सव्वमुज्झित्ता, विहरिस्सामि निरामिसा ॥ ४६ ॥ गिद्धोवमा उ नच्चाणं, कामे संसारवड्ढणे। उरगो सुवण्णपासेव्व, संकमाणो तणुं चरे ॥ ४७ ॥ नागोव्व बंधणं छित्ता, अप्पणो वसहिं वए। एयं पत्थं महारायं, उस्सुयारित्ति मे सुयं ॥ ४८ ॥ चइत्ता विउलं रज्जं, कामभोगे य दुच्चए। निव्विसया निरामिसा, निन्नेहा निप्परिग्गहा ॥ ४९ ॥ सम्मं धम्मं वियाणित्ता, चिच्चा कामगुणे वरे। तवं पगिज्झहक्खायं, घोरं घोरपरक्कमा ॥ ५० ॥ एवं ते कमसो बुद्धा, सव्वे धम्मपरायणा। जम्ममच्चुभउव्विग्गा, दुक्खस्संतगवेसिणो ॥ ५१ ॥ सासणे विगयमोहाणं, पुव्विं भावणभाविया। अचिरेणेव कालेण, दुक्खस्संतमुवागया ॥ ५२ ॥ राया सह देवीए, माहणो य पुरोहिओ। माहणी दारगा चेव, सव्वे ते परिनिव्वुडा ॥ ५३ ॥ ति–बेमि ॥ **इति उसुयारिज्जं णामं चउद्दसममज्झयणं समत्तं ॥ १४ ॥**



अह सभिक्खू णामं पण्णरसममज्झयणं

मोणं चरिस्सामि समिच्च धम्मं, सहिए उज्जुकडे नियाणछिन्ने। संथवं जहिज्ज अकामकामे, अन्नायएसी परिव्वए स भिक्खू ॥ १ ॥ राओवरयं चरेज्ज लाढे, विरए वेयवियायरक्खिए। पन्ने अभिभूय सव्वदंसी, जे कम्हि वि न मुच्छिए स भिक्खू ॥ २ ॥ अक्कोसवहं विइत्तु धीरे, मुणी चरे लाढे निच्चमायगुत्ते। अव्वग्गमणे असं-

१ वेयं-णेयं (ज्ञेयं) जाणइ सो। २ समपासी।

वा, नाणुतप्पेज्ज पंडिए ॥ ३० ॥ अज्जेवाहं न लब्भामि, अवि लाभो सुए सिया। जो एवं पडिसंचिक्खे, अलाभो तं न तज्जए ॥ ३१ ॥ (१६) नच्चा उप्पइयं दुक्खं, वेयणाए दुहट्टिए। अदीणो थावए पन्नं, पुट्ठो तत्थऽहियासए ॥ ३२ ॥ तेइच्छं नाभिनंदेज्जा, संचिक्खऽत्तगवेसए। एवं खु तस्स सामण्णं, जं न कुज्जा न कारवे ॥ ३३ ॥ (१७) अचेलगस्स लूहस्स, संजयस्स तवस्सिणो। तणेसु सयमाणस्स, हुज्जा गायविराहणा ॥ ३४ ॥ आयवस्स निवाएण, अउला हवइ वेयणा। एवं नच्चा न सेवंति, तंतुजं तणतज्जिया ॥ ३५ ॥ (१८) किलिन्नगाए मेहावी, पंकेण व रएण वा। घिंसु वा परियावेण, सायं नो परिदेवए ॥ ३६ ॥ वेएज्ज निज्जरापेही, आरियं धम्मऽणुत्तरं। जाव सरीरभेउत्ति, जल्लं काएण धारए ॥ ३७ ॥ (१९) अभिवायण-मब्भुट्ठाणं, सामी कुज्जा निमंतणं। जे ताइं पडिसेवंति, न तेसिं पीहए मुणी ॥ ३८ ॥ अणुक्कसाई अप्पिच्छे, अन्नाएसी अलोलुए। रसेसु नाणुगिज्झेज्जा, नाणुतप्पेज्ज पन्नवं ॥ ३९ ॥ (२०) से नूणं मए पुव्वं, कम्माऽणाणफला कडा। जेणाहं नाभिजाणामि, पुट्ठो केणइ कण्हुई ॥ ४० ॥ अह पच्छा उइज्जंति, कम्माऽणाणफला कडा। एव-मस्सासि अप्पाणं, नच्चा कम्मविवागयं ॥ ४१ ॥ (२१) निरट्ठगम्मि विरओ, मेहुणाओ सुसंवुडो। जो सक्खं नाभिजाणामि, धम्मं कल्लाणपावगं ॥ ४२ ॥ तवोवहाणमादाय, पडिमं पडिवज्जओ। एवं पि विहरओ मे, छउमं न नियट्टई ॥ ४३ ॥ (२२) नत्थि नूणं परे लोए, इड्ढी वावि तवस्सिणो। अदुवा वंचिओमित्ति, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ ४४ ॥ अभू जिणा अत्थि जिणा, अदुवा वि भविस्सई। मुसं ते एवमाहंसु, इइ भिक्खू न चिंतए ॥ ४५ ॥ एए परीसहा सव्वे, कासवेण पवेइया। जे भिक्खू न विहन्नेज्जा, पुट्ठो केणइ कण्हुई ॥ ४६ ॥ त्ति-बेमि ॥ इति परिसहणामं दुइय-मज्झयणं समत्तं ॥ २ ॥

अह चाउरंगिज्जं णाम तइयमज्झयणं

समाहिवहुले गुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तवंभयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा । कयरे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं दस वंभचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म संजमवहुले संवरवहुले समाहिवहुले गुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तवंभयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा? इमे खलु ते थेरेहिं भगवंतेहिं दस वंभचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म संजमवहुले संवरवहुले समाहिवहुले गुत्ते गुत्तिंदिए गुत्तवंभयारी सया अप्पमत्ते विहरेज्जा । तंजहा–विवित्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता हवइ से निग्गंथे । नो इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता हवइ से निग्गंथे । तं कहमिति चे । आयरियाह । निग्गंथस्स खलु इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवमाणस्स वंभयारिस्स वंभचेरे संका वा कंखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेदं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाउणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ [वा] धम्माओ भंसेज्जा । तम्हा नो इत्थीपसुपंडगसंसत्ताइं सयणासणाइं सेवित्ता हवइ से निग्गंथे ॥ १ ॥ नो इत्थीणं कहं कहित्ता हवइ से निग्गंथे । तं कहमिति चे । आयरियाह । निग्गंथस्स खलु इत्थीणं कहं कहेमाणस्स वंभयारिस्स वंभचेरे संका वा कंखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेदं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाउणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा । तम्हा [खलु] नो इत्थीणं कहं कहेज्जा ॥ २ ॥ नो इत्थीणं सद्धिं सन्निसेज्जागए विहरित्ता हवइ से निग्गंथे । तं कहमिति चे । आयरियाह । निग्गंथस्स खलु इत्थीहिं सद्धिं सन्निसेज्जागयस्स वंभयारिस्स वंभचेरे संका वा कंखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेदं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाउणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गंथे इत्थीहिं सद्धिं सन्निसेज्जागए विहरेज्जा ॥ ३ ॥ नो इत्थीणं इंदियाइं मणोहराइं मणोरमाइं आलोइत्ता निज्झाइत्ता हवइ से निग्गंथे । तं कहमिति चे । आयरियाह । निग्गंथस्स खलु इत्थीणं इंदियाइं मणोहराइं मणोरमाइं आलोएमाणस्स निज्झायमाणस्स वंभयारिस्स वंभचेरे संका वा कंखा वा विइगिच्छा वा समुप्पज्जिज्जा, भेदं वा लभेज्जा, उम्मायं वा पाउणिज्जा, दीहकालियं वा रोगायंकं हवेज्जा, केवलिपन्नत्ताओ धम्माओ भंसेज्जा । तम्हा खलु नो निग्गंथे इत्थीणं इंदियाइं मणोहराइं मणोरमाइं आलोएज्जा निज्झाएज्जा ॥ ४ ॥ नो इत्थीणं कुड्डंतरंसि वा दूसंतरंसि वा भित्तंतरंसि वा कूइयसद्दं वा रुइयसद्दं वा गीयसद्दं वा हसियसद्दं वा थणियसद्दं वा कंदियसद्दं वा विलवियसद्दं वा सुणेत्ता हवइ से निग्गंथे । तं कहमिति चे । आयरियाह । निग्गंथस्स खलु इत्थीणं कुड्डंतरंसि वा दूसंतरंसि वा भित्तंतरंसि वा

वीससे पंडिएँ आसुपण्णे । घोरा मुहुत्ता अबलं सरीरं, भारंडपक्खीव चरेऽप्पमत्ते ॥ ६ ॥ चरे पयाइं परिसंकमाणो, जं किंचि पासं इह मन्नमाणो । लाभंतरे जीविय वूहइत्ता, पच्छा परिन्नाय मलावधंसी ॥ ७ ॥ छंदं निरोहेण उवेइ मोक्खं, आसे जहा सिक्खियवम्मधारी । पुव्वाइं वासाइं चरेऽप्पमत्तो, तम्हा मुणी खिप्पमुवेइ मोक्खं ॥ ८ ॥ स पुव्वमेवं न लभेज्ज पच्छा, एसोवमा सासयवाइयाणं । विसीयई सिढिले आउयम्मि, कालोवणीए सरीरस्स भेए ॥ ९ ॥ खिप्पं न सक्केइ विवेगमेउं, तम्हा समुट्ठाय पहाय कामे । समिच्च लोयं समया महेसी, आयाणुरक्खी चरेऽप्पमत्तो ॥ १० ॥ मुहुं मुहुं मोहगुणे जयंतं, अणेगरूवा समणं चरंतं । फासा फुसंति असमंजसं च, न तेसि भिक्खू मणसा पउस्से ॥ ११ ॥ मंदा य फासा बहुलोहणिज्जा, तहप्पगारेसु मणं न कुज्जा । रक्खिज्ज कोहं विणएज्ज माणं, मायं न सेवेज्ज पहेज्ज लोहं ॥ १२ ॥ जेऽसंखया तुच्छपरप्पवाई, ते पिज्जदोसाणुगया परज्झा । एए अहम्मे त्ति दुगुंछमाणो, कंखे गुणे जाव सरीरभेउ ॥ १३ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति असंखयं णाम चउत्थमज्झयणं समत्तं ॥ ४ ॥**

अह अकाममरणिज्जं णामं पंचममज्झयणं

अण्णवंसि महोहंसि, एगे तिण्णे दुरुत्तरे । तत्थ एगे महापन्ने, इमं पण्हमुदाहरे ॥ १ ॥ संतिमे य दुवे ठाणा, अक्खाया मरणंतिया । अकाममरणं चेव, सकाममरणं तहा ॥ २ ॥ बालाणं अकामं तु, मरणं असइं भवे । पंडियाणं सकामं तु, उक्कोसेण सइं भवे ॥ ३ ॥ तत्थिमं पढमं ठाणं, महावीरेण देसियं । कामगिद्धे जहा बाले, भिसं कूराइं कुव्वइ ॥ ४ ॥ जे गिद्धे कामभोगेसु, एगे कूडाय गच्छई । न मे दिट्ठे परे लोए, चक्खुदिट्ठा इमा रई ॥ ५ ॥ हत्थागया इमे कामा, कालिया जे अणागया । को जाणइ परे लोए, अत्थि वा नत्थि वा पुणो ॥ ६ ॥ जणेण सद्धिं होक्खामि, इइ बाले पगब्भई । कामभोगाणुराएणं, केसं संपडिवज्जई ॥ ७ ॥ तओ से दंडं समारभई, तसेसु थावरेसु य । अट्ठाए य अणट्ठाए, भूयगामं विहिंसई ॥ ८ ॥ हिंसे बाले मुसावाई, माइल्ले पिसुणे सढे । भुंजमाणे सुरं मंसं, सेयमेयं ति मन्नई ॥ ९ ॥ कायसा वयसा मत्ते, वित्ते गिद्धे य इत्थिसु । दुहओ मलं संचिणइ, सिसुणागुव्व मट्टियं ॥ १० ॥ तओ पुट्ठो आयंकेणं, गिलाणो परितप्पई । अभीओ परलोगस्स, कम्माणुप्पेहि अप्पणो ॥ ११ ॥ सुया मे नरए ठाणा, असीलाणं च जा गई । बालाणं कूरकम्माणं, पगाढा जत्थ वेयणा ॥ १२ ॥ तत्थोववाइयं ठाणं, जहा

सो तहिं। हए मिए उ पासित्ता, अणगारं तत्थ पासई ॥ ६ ॥ अह राया तत्थ संभंतो, अणगारो मणाहओ। मए उ मंदपुण्णेणं, रसगिद्धेण घत्तुणा ॥ ७ ॥ आसं विसज्जइत्ताणं, अणगारस्स सो निवो। विणएण वंदए पाए, भगवं! एत्थ मे खमे ॥ ८ ॥ अह मोणेण सो भगवं, अणगारे झाणमस्सिए। रायाणं न पडिमंतेइ, तओ राया भयद्दुओ ॥ ९ ॥ संजओ अहमम्मीति, भगवं! वाहराहि मे। कुद्धे तेएण अणगारे, डहेज्ज नरकोडिओ ॥ १० ॥ अभओ पत्थिवा! तुब्भं, अभयदाया भवाहि य। अणिच्चे जीवलोगंमि, किं हिंसाए पसज्जसी? ॥ ११ ॥ जया सव्वं परिच्चज्ज, गंतव्वमवसस्स ते। अणिच्चे जीवलोगंमि, किं रज्जंमि पसज्जसी? ॥ १२ ॥ जीवियं चेव रूवं च, विज्जुसंपायचंचलं। जत्थ तं मुज्झसी रायं!, पेच्चत्थं नावबुज्झसे ॥ १३ ॥ दारामि य सुया चेव, मित्ता य तह बंधवा। जीवंतमणुजीवंति, मयं नाणुव्वयंति य ॥ १४ ॥ नीहरंति मयं पुत्ता, पियरं परमदुक्खिया। पियरो वि तहा पुत्ते, बंधू रायं! तवं चरे ॥ १५ ॥ तओ तेणज्जिए दव्वे, दारे य परिरक्खिए। कीलंतिऽन्ने नरा रायं!, हट्ठतुट्ठमलंकिया ॥ १६ ॥ तेणावि जं कयं कम्मं, सुहं वा जइ वा दुहं। कम्मुणा तेण संजुत्तो, गच्छई उ परं भवं ॥ १७ ॥ सोऊण तस्स सो धम्मं, अणगारस्स अंतिए। महया संवेगनिव्वेयं, समावन्नो नराहिवो ॥ १८ ॥ संजओ चइउं रज्जं, निक्खंतो जिणसासणे। गद्दभालिस्स भगवओ, अणगारस्स अंतिए ॥ १९ ॥ चिच्चा रट्ठं पव्वइए, खत्तिए परिभासई। जहा ते दीसई रूवं, पसन्नं ते तहा मणो ॥ २० ॥ किं नामे किं गोत्ते, कस्सट्ठाए व माहणे। कहं पडियरसी बुद्धे, कहं विणीए त्ति वुच्चसी? ॥ २१ ॥ संजओ नाम नामेणं, तहा गोत्तेण गोयमो। गद्दभाली ममायरिया, विज्जाचरणपारगा ॥ २२ ॥ किरियं अकिरियं विणयं, अन्नाणं च महामुणी। एएहिं चउहिं ठाणेहिं, मेयन्ने किं पभासई ॥ २३ ॥ इइ पाउकरे बुद्धे, नायए परिणिव्वुए। विज्जाचरणसंपन्ने, सच्चे सच्चपरक्कमे ॥ २४ ॥ पडंति नरए घोरे, जे नरा पावकारिणो। दिव्वं च गइं गच्छंति, चरित्ता धम्ममारियं ॥ २५ ॥ मायावुइयमेयं तु, मुसा भासा निरत्थिया। संजममाणो वि अहं, वसामि इरियामि य ॥ २६ ॥ सव्वेए विइया मज्झं, मिच्छादिट्ठी अणारिया। विज्जमाणे परे लोए, सम्मं जाणामि अप्पयं ॥ २७ ॥ अहमासि महापाणे, जुइमं वरिससओवमे। जा सा पालिमहापाली, दिव्वा वरिससओवमा ॥ २८ ॥ से चुए बंभलोगाओ, माणुसं भवमागए। अप्पणो य परेसिं च, आउं जाणे जहा तहा ॥ २९ ॥ नाणारुइं च छंदं च, परिवज्जेज्ज संजए। अणट्ठा जे य सव्वत्था, इइ विज्जामणुसंचरे ॥ ३० ॥ पडिक्कमामि पसिणाणं, परमंतेहिं वा पुणो।

उक्कोसं जीवो उ संवसे। कालं संखाईयं, समयं गोयम! मा पमायए॥ ७॥ वाउक्कायमइगओ, उक्कोसं जीवो उ संवसे। कालं संखाईयं, समयं गोयम! मा पमायए॥ ८॥ वणस्सइकायमइगओ, उक्कोसं जीवो उ संवसे। कालमणंतदुरंतयं, समयं गोयम! मा पमायए॥ ९॥ बेइंदियकायमइगओ, उक्कोसं जीवो उ संवसे। कालं संखिज्जसन्नियं, समयं गोयम! मा पमायए॥ १०॥ तेइंदियकायमइगओ, उक्कोसं जीवो उ संवसे। कालं संखिज्जसन्नियं, समयं गोयम! मा पमायए॥ ११॥ चउरिंदियकायमइगओ, उक्कोसं जीवो उ संवसे। कालं संखिज्जसन्नियं, समयं गोयम! मा पमायए॥ १२॥ पंचिंदियकायमइगओ, उक्कोसं जीवो उ संवसे। सत्तट्ठभवगहणे, समयं गोयम! मा पमायए॥ १३॥ देवे नेरइए य अइगओ, उक्कोसं जीवो उ संवसे। इक्केक्कभवगहणे, समयं गोयम! मा पमायए॥ १४॥ एवं भवसंसारे, संसरइ सुहासुहेहिं कम्मेहिं। जीवो पमायबहुलो, समयं गोयम! मा पमायए॥ १५॥ लद्धूण वि माणुसत्तणं, आरियत्तं पुणरवि दुल्लहं। बहवे दसुया मिलक्खुया, समयं गोयम! मा पमायए॥ १६॥ लद्धूण वि आरियत्तणं, अहीणपंचेंदियया हु दुल्लहा। विगलिंदियया हु दीसई, समयं गोयम! मा पमायए॥ १७॥ अहीणपंचेंदियत्तं पि से लहे, उत्तमधम्मसुई हु दुल्लहा। कुतित्थिनिसेवए जणे, समयं गोयम! मा पमायए॥ १८॥ लद्धूण वि उत्तमं सुइं, सद्दहणा पुणरावि दुल्लहा। मिच्छत्तनिसेवए जणे, समयं गोयम! मा पमायए॥ १९॥ धम्मं पि हु सद्दहंतया, दुल्लहया काएण फासया। इहकामगुणेहि मुच्छिया, समयं गोयम! मा पमायए॥ २०॥ परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पंडुरया हवंति ते। से सोयबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए॥ २१॥ परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पंडुरया हवंति ते। से चक्खुबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए॥ २२॥ परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पंडुरया हवंति ते। से घाणबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए॥ २३॥ परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पंडुरया हवंति ते। से जिब्भबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए॥ २४॥ परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पंडुरया हवंति ते। से फासबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए॥ २५॥ परिजूरइ ते सरीरयं, केसा पंडुरया हवंति ते। से सव्वबले य हायई, समयं गोयम! मा पमायए॥ २६॥ अरई गंडं विसूइया, आयंका विविहा फुसंति ते। विहडइ विद्धंसइ ते सरीरयं, समयं गोयम! मा पमायए॥ २७॥ वोच्छिंद सिणेहमप्पणो, कुमुयं सारइयं व पाणियं। से सव्वसिणेहवज्जिए, समयं गोयम! मा पमायए॥ २८॥ चिच्चाण धणं च भारियं, पव्वइओ हि सि अणगारियं। मा वंतं पुणो वि आविए, समयं गोयम! मा पमायए

मरुंमि वइरवालुए। कलंबवालुयाए य, दड्ढपुव्वो अणंतसो॥ ५० ॥ रसंतो कंदुकुंभीसु, उड्ढं बद्धो अबंधवो। करवत्तकरकयाईहिं, छिन्नपुव्वो अणंतसो॥ ५१ ॥ अइतिक्ख-कंटगाइण्णे, तुंगे सिंबलिपायवे। खेवियं पासबद्धेणं, कड्ढोकड्ढाहिं दुक्करं॥ ५२ ॥ महाजंतेसु उच्छू वा, आरसंतो सुभेरवं। पीलिओमि सकम्मेहिं, पावकम्मो अणंतसो॥ ५३ ॥ कूवंतो कोलसुणएहिं, सामेहिं सबलेहि य। पाडिओ फालिओ छिन्नो, विप्फुरंतो अणेगसो॥ ५४ ॥ असीहि अयसिवण्णाहिं, भल्लेहिं पट्टिसेहि य। छिन्नो भिन्नो विभिन्नो य, ओइण्णो पावकम्मुणा॥ ५५ ॥ अवसो लोहरहे जुत्तो, जलंते समिलाजुए। चोइओ तोत्तजुत्तेहिं, रोज्झो वा जह पाडिओ॥ ५६ ॥ हुयासणे जलंतम्मि, चियासु महिसो विव। दड्ढो पक्को य अवसो, पावकम्मेहि पाविओ॥ ५७ ॥ बला संडासतुंडेहिं, लोहतुंडेहिं पक्खिहिं। विलुत्तो विलवंतो हं, ढंकगिद्धेहिंऽणंतसो॥ ५८ ॥ तण्हाकिलंतो धावंतो, पत्तो वेयरणिं नइं। जलं पाहिं ति चिंतंतो, खुर-धाराहिं विवाइओ॥ ५९ ॥ उण्हाभितत्तो संपत्तो, असिपत्तं महावणं। असिपत्तेहिं पडंतेहिं, छिन्नपुव्वो अणेगसो॥ ६० ॥ मुग्गरेहिं मुसंढीहिं, सूलेहिं मुसलेहि य। गयासंभग्गगत्तेहिं, पत्तं दुक्खं अणंतसो॥ ६१ ॥ खुरेहिं तिक्खधाराहिं, छुरियाहिं कप्पणीहि य। कप्पिओ फालिओ छिन्नो, उक्कित्तो य अणेगसो॥ ६२ ॥ पासेहिं कूडजालेहिं, मिओ वा अवसो अहं। वाहिओ बद्धरुद्धो वा, बहुसो चेव विवाइओ॥ ६३ ॥ गलेहिं मगरजालेहिं, मच्छो वा अवसो अहं। उल्लिओ फालिओ गहिओ, मारिओ य अणंतसो॥ ६४ ॥ वीदंसएहिं जालेहिं, लेप्पाहिं सउणो विव। गहिओ लग्गो बद्धो य, मारिओ य अणंतसो॥ ६५ ॥ कुहाडफरसुमाईहिं, वड्ढईहिं दुमो विव। कुट्टिओ फालिओ छिन्नो, तच्छिओ य अणंतसो॥ ६६ ॥ चवेडमुट्ठि-माईहिं, कुमारेहिं अयं पिव। ताडिओ कुट्टिओ भिन्नो, चुण्णिओ य अणंतसो॥ ६७ ॥ तत्ताइं तंबलोहाइं, तउयाइं सीसयाणि य। पाइओ कलकलंताइं, आरसंतो सुभेरवं॥ ६८ ॥ तुहं पियाइं मंसाइं, खंडाइं सोल्लगाणि य। खाविओमि समंसाइं, अग्गिव-ण्णाइंऽणेगसो॥ ६९ ॥ तुहं पिया सुरा सीहू, मेरओ य महूणि य। पाइओमि जलं-तीओ, वसाओ रुहिराणि य॥ ७० ॥ निच्चं भीएण तत्थेण, दुहिएण वहिएण य। परमा दुहसंबद्धा, वेयणा वेइया मए॥ ७१ ॥ तिव्वचंडप्पगाढाओ, घोराओ अइदु-स्सहा। महब्भयाओ भीमाओ, नरएसु वेइया मए॥ ७२ ॥ जारिसा माणुसे लोए, ताया! दीसंति वेयणा। एत्तो अणंतगुणिया, नरएसु दुक्खवेयणा॥ ७३ ॥ सव्व-भवेसु अस्साया, वेयणा वेइया मए। निमेसंतरमित्तं पि, जं साया नत्थि वेयणा॥ ७४ ॥ तं बिंतम्मापियरो, छंदेणं पुत्त! पव्वया। नवरं पुण सामण्णे, दुक्खं

अहीलणिज्जं, मा सव्वे तेएण भे निद्दहेज्जा ॥ २३ ॥ एयाइं तीसे वयणाइं सोच्चा, पत्तीइ भद्दाइ सुहासियाइं । इसिस्स वेयावडियट्ठयाए, जक्खा कुमारे विणिवाडयंति ॥ २४ ॥ ते घोररूवा ठिय अंतलिक्खे,ऽसुरा तहिं तं जण तालयंति । ते भिन्नदेहे रुहिरं वमंते, पासित्तु भद्दा इणमाहु भुज्जो ॥ २५ ॥ गिरिं नहेहिं खणह, अयं दंतेहिं खायह । जायतेयं पाएहि हणह, जे भिक्खुं अवमन्नह ॥ २६ ॥ आसीविसो उग्गतवो महेसी, घोरव्वओ घोरपरक्कमो य । अगणिं व पक्खंद पयंगसेणा, जे भिक्खुयं भत्तकाले वहेह ॥ २७ ॥ सीसेण एयं सरणं उवेह, समागया सव्वजणेण तुब्भे । जइ इच्छह जीवियं वा धणं वा, लोगं पि एसो कुविओ डहेज्जा ॥ २८ ॥ अवहेडियपिट्ठिसउत्तमंगे, पसारिया बाहु अकम्मचिट्ठे । निब्भेरियच्छे रुहिरं वमंते, उड्ढंमुहे निग्गयजीहनेत्ते ॥ २९ ॥ ते पासिया खंडिय कट्ठभूए, विमणो विसण्णो अह माहणो सो । इसिं पसाएइ सभारियाओ, हीलं च निंदं च खमाह भंते ! ॥ ३० ॥ बालेहिं मूढेहिं अयाणएहिं, जं हीलिया तस्स खमाह भंते ! । महप्पसाया इसिणो हवंति, न हु मुणी कोवपरा हवंति ॥ ३१ ॥ पुव्विं च इण्हिं च अणागयं च, मणप्पओसो न मे अत्थि कोइ । जक्खा हु वेयावडियं करेंति, तम्हा हु एए निहया कुमारा ॥ ३२ ॥ अत्थं च धम्मं च वियाणमाणा, तुब्भे न वि कुप्पह भूइपन्ना । तुब्भं तु पाए सरणं उवेमो, समागया सव्वजणेण अम्हे ॥ ३३ ॥ अच्चेमु ते महाभाग !, न ते किंचि न अच्चिमो । भुंजाहि सालिमं कूरं, नाणावंजणसंजुयं ॥ ३४ ॥ इमं च मे अत्थि पभूयमन्नं, तं भुंजसू अम्ह अणुग्गहट्ठा । बाढं ति पडिच्छइ भत्तपाणं, मासस्स ऊ पारणए महप्पा ॥ ३५ ॥ तहियं गंधोदयपुप्फवासं, दिव्वा तहिं वसुहारा य वुट्ठा । पहयाओ दुंदुहीओ सुरेहिं, आगासे अहो दाणं च घुट्ठं ॥ ३६ ॥ सक्खं खु दीसइ तवोविसेसो, न दीसई जाइविसेस कोई । सोवागपुत्तं हरिएससाहुं, जस्सेरिसा इड्ढि महाणुभागा ॥ ३७ ॥ किं माहणा ! जोइसमारभंता, उदएण सोहिं बहिया विमग्गहा ? । जं मग्गहा बाहिरियं विसोहिं, न तं सुइट्ठं कुसला वयंति ॥ ३८ ॥ कुसं च जूवं तणकट्ठमग्गिं, सायं च पायं उदगं फुसंता । पाणाइ भूयाइ विहेडयंता, भुज्जो वि मंदा ! पकरेह पावं ॥ ३९ ॥ कहं चरे भिक्खु ! वयं जयामो, पावाइ कम्माइ पणुल्लयामो । अक्खाहि णे संजय ! जक्खपूइया, कहं सुजट्ठं कुसला वयंति ॥ ४० ॥ छज्जीवकाए असमारभंता, मोसं अदत्तं च असेवमाणा । परिग्गहं इत्थिओ माणमायं, एवं परिन्नाय चरंति दंता ॥ ४१ ॥ सुसंवुडा पंचहिं संवरेहिं, इह जीवियं अणवकंखमाणा । वोसट्ठकाया सुइचत्तदेहा, महाजयं जयइ जन्नसिट्ठं ॥ ४२ ॥ के ते जोई के व ते जोइठाणे ?,

रिक्खजोणिं, मोणं विराहेत्तु असाहुरूवे ॥ ४६ ॥ उद्देसियं कीयगडं नियागं, न मुंचई किंचि अणेसणिज्जं । अग्गी विवा सव्वभक्खी भवित्ता, इत्तो चुए गच्छइ कट्टु पावं ॥ ४७ ॥ न तं अरी कंठछेत्ता करेइ, जं से करे अप्पणिया दुरप्पया । से नाहिई मच्चुमुहं तु पत्ते, पच्छाणुतावेण दयाविहूणो ॥ ४८ ॥ निरट्ठिया नग्गरुई उ तस्स, जे उत्तमट्ठे विवज्जासमेइ । इमे वि से नत्थि परे वि लोए, दुहओ वि से झिज्जइ तत्थ लोए ॥ ४९ ॥ एमेवऽहाछंदकुसीलरूवे, मग्गं विराहित्तु जिणुत्तमाणं । कुररी विवा भोगरसाणुगिद्धा, निरट्ठसोया परियावमेइ ॥ ५० ॥ सोच्चाण मेहावि! सुभासियं इमं, अणुसासणं नाणगुणोववेयं । मग्गं कुसीलाण जहाय सव्वं, महानियंठाण वए पहेणं ॥ ५१ ॥ चरित्तमायारगुणन्निए तओ, अणुत्तरं संजम पालियाणं । निरासवे संखवियाण कम्मं, उवेइ ठाणं विउलुत्तमं धुवं ॥ ५२ ॥ एवुग्गदंते वि महातवोधणे, महामुणी महापइन्ने महायसे । महानियंठिज्जमिणं महासुयं, से कहेई महया वित्थरेणं ॥ ५३ ॥ तुट्ठो य सेणिओ राया, इणमुदाहु कयंजली । अणाहत्तं जहाभूयं, सुट्ठु मे उवदंसियं ॥ ५४ ॥ तुज्झं सुलद्धं खु मणुस्सजम्मं, लाभा सुलद्धा य तुमे महेसी । तुब्भे सणाहा य सबंधवा य, जं भे ठिया मग्गे जिणुत्तमाणं ॥ ५५ ॥ तं सि नाहो अणाहाणं, सव्वभूयाण संजया । खामेमि ते महाभाग!, इच्छामि अणुसासिउं ॥ ५६ ॥ पुच्छिऊण मए तुब्भं, झाणविग्घो उ जो कओ । निमंतिया य भोगेहिं, तं सव्वं मरिसेहि मे ॥ ५७ ॥ एवं थुणित्ताण स रायसीहो, अणगारसीहं परमाइ भत्तिए । सओरोहो सपरियणो सबंधवो, धम्माणुरत्तो विमलेण चेयसा ॥ ५८ ॥ ऊससियरोमकूवो, काऊण य पयाहिणं । अभिवंदिऊण सिरसा, अइयाओ नराहिवो ॥ ५९ ॥ इयरो वि गुणसमिद्धो, तिगुत्तिगुत्तो तिदंडविरओ य । विहग इव विप्पमुक्को, विहरइ वसुहं विगयमोहो ॥ ६० ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति महानियंठिज्जनामं वीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ २० ॥**

अह समुद्दपालीयं णामं एगवीसइमं अज्झयणं

चंपाए पालिए नाम, सावए आसि वाणिए । महावीरस्स भगवओ, सीसे सो उ महप्पणो ॥ १ ॥ निग्गंथे पावयणे, सावए से वि कोविए । पोएण ववहरंते, पिहुंडं नगरमागए ॥ २ ॥ पिहुंडे ववहरंतस्स, वाणिओ देइ धूयरं । तं ससत्तं पइगिज्झ, सदेसमह पत्थिओ ॥ ३ ॥ अह पालियस्स घरणी, समुद्दम्मि पसवई । अह बालए

१ निरट्ठओ जिणकप्पो वि ।

साहीणमिहेव तुब्भं ॥ १६ ॥ धणेण किं धम्मधुराहिगारे, सयणेण वा कामगुणेहिं चेव । समणा भविस्सामु गुणोहधारी, बहिंविहारा अभिगम्म भिक्खं ॥ १७ ॥ जहा य अग्गी अरणी असंतो, खीरे घयं तेल्लमहातिलेसु । एमेव जाया सरीरंसि सत्ता, संमुच्छई नासइ नावचिट्ठे ॥ १८ ॥ नो इंदियग्गेज्झ अमुत्तभावा, अमुत्तभावा वि य होइ निच्चो । अज्झत्थहेउं नियथस्स बंधो, संसारहेउं च वयंति बंधं ॥ १९ ॥ जहा वयं धम्ममजाणमाणा, पावं पुरा कम्ममकासि मोहा । ओरुब्भमाणा परिरक्खयंता, तं नेव भुज्जो वि समायरामो ॥ २० ॥ अब्भाहयम्मि लोगम्मि, सव्वओ परिवारिए । अमोहाहिं पडंतीहिं, गिहंसि न रइं लभे ॥ २१ ॥ केण अब्भाहओ लोगो ?, केण वा परिवारिओ ? । का वा अमोहा वुत्ता ?, जाया चिंतावरो हुमे ॥ २२ ॥ मच्चुणाऽब्भाहओ लोगो, जराए परिवारिओ । अमोहा रयणी वुत्ता, एवं ताय विजाणह ॥ २३ ॥ जा जा वच्चइ रयणी, न सा पडिनियत्तई । अहम्मं कुणमाणस्स, अफला जंति राइओ ॥ २४ ॥ जा जा वच्चइ रयणी, न सा पडिनियत्तई । धम्मं च कुणमाणस्स, सफला जंति राइओ ॥ २५ ॥ एगओ संवसित्ताणं, दुहओ सम्मत्तसंजुया । पच्छा जाया ! गमिस्सामो, भिक्खमाणा कुले कुले ॥ २६ ॥ जस्सत्थि मच्चुणा सक्खं, जस्स वऽत्थि पलायणं । जो जाणे न मरिस्सामि, सो हु कंखे सुए सिया ॥ २७ ॥ अज्जेव धम्मं पडिवज्जयामो, जहिं पवन्ना न पुणब्भवामो । अणागयं नेव य अत्थि किंची, सद्धाखमं णे विणइत्तु रागं ॥ २८ ॥ पहीणपुत्तस्स हु नत्थि वासो, वासिट्ठि ! भिक्खायरियाइ कालो । साहाहि रुक्खो लहई समाहिं, छिन्नाहि साहाहि तमेव खाणुं ॥ २९ ॥ पंखाविहूणोव्व जहेव पक्खी, भिच्चव्विहूणोव्व रणे नरिंदो । विवन्नसारो वणिओव्व पोए, पहीणपुत्तोमि तहा अहं पि ॥ ३० ॥ सुसंभिया कामगुणा इमे ते, संपिंडिया अग्गरसप्पभूया । भुंजामु ता कामगुणे पगामं, पच्छा गमिस्सामु पहाणमग्गं ॥ ३१ ॥ भुत्ता रसा भोइ ! जहाइ णे वओ, न जीवियट्ठा पजहामि भोए । लाभं अलाभं च सुहं च दुक्खं, संचिक्खमाणो चरिस्सामि मोणं ॥ ३२ ॥ मा हू तुमं सोयरियाण संभरे, जुण्णो व हंसो पडिसोत्तगामी । भुंजाहि भोगाइ मए समाणं, दुक्खं खु भिक्खायरियाविहारो ॥ ३३ ॥ जहा य भोई तणुयं भुयंगो, निम्मोयणिं हिच्च पलेइ मुत्तो । एमेए जाया पयहंति भोए, ते हं कहं नाणुगमिस्समेक्को ? ॥ ३४ ॥ छिंदित्तु जालं अबलं व रोहिया, मच्छा जहा कामगुणे पहाय । धोरेयसीला तवसा उदारा, धीरा हु भिक्खायरियं चरंति ॥ ३५ ॥ नहेव कुंचा समइक्कमंता, तयाणि जालाणि दलित्तु हंसा । पलिंति पुत्ता य पई य मज्झं, ते हं कहं नाणुगमिस्समेक्का ? ॥ ३६ ॥ पुरोहियं तं ससुयं सदारं,

अह रहनेमिज्जनामं बावीसइमं अज्झयणं

सोरियपुरम्मि नयरे, आसि राया महिड्ढिए। वसुदेवुत्ति नामेणं, रायलक्खण-संजुए ॥ १ ॥ तस्स भज्जा दुवे आसी, रोहिणी देवई तहा। तासिं दोण्हं दुवे पुत्ता, इट्ठा रामकेसवा ॥ २ ॥ सोरियपुरम्मि नयरे, आसि राया महिड्ढिए। समुद्दविजए नामं, रायलक्खणसंजुए ॥ ३ ॥ तस्स भज्जा सिवा नाम, तीसे पुत्तो महायसो। भगवं अरिट्ठनेमित्ति, लोगनाहे दमीसरे ॥ ४ ॥ सोऽरिट्ठनेमिनामो उ, लक्खणस्सर-संजुओ। अट्ठसहस्सलक्खणधरो, गोयमो कालगच्छवी ॥ ५ ॥ वज्जरिसहसंघयणो, समचउरंसो झसोयरो। तस्स रायमईकन्नं, भज्जं जायइ केसवो ॥ ६ ॥ अह सा रायवरकन्ना, सुसीला चारुपेहणी। सव्वलक्खणसंपन्ना, विज्जसोयामणिप्पभा ॥ ७ ॥ अहाह जणओ तीसे, वासुदेवं महिड्ढियं। इहागच्छउ कुमारो, जा से कन्नं ददामि हं ॥ ८ ॥ सव्वोसहीहिं ण्हविओ, कयकोउयमंगलो[1]। दिव्वजुयलपरिहिओ, आभरणेहिं विभूसिओ ॥ ९ ॥ मत्तं च गंधहत्थिं च, वासुदेवस्स जेट्ठगं। आरूढो सोहए अहियं, सिरे चूडामणी जहा ॥ १० ॥ अह ऊसिएण छत्तेण, चामराहि य सोहिओ। दसार-चक्केण य सो, सव्वओ परिवारिओ ॥ ११ ॥ चउरंगिणीए सेणाए, रइयाए जहक्कमं। तुरियाण सन्निनाएणं, दिव्वेणं गगणं फुसे ॥ १२ ॥ एयारिसीए इड्ढीए, जुत्तीए उत्त-माइ य। नियगाओ भवणाओ, निज्जाओ वण्हिपुंगवो ॥ १३ ॥ अह सो तत्थ निज्जंतो, दिस्स पाणे भयद्दुए। वाडेहिं पंजरेहिं च, संनिरुद्धे सुदुक्खिए ॥ १४ ॥ जीवियंतं तु संपत्ते, मंसट्ठा भक्खियव्वए। पासित्ता से महापन्ने, सारहिं इणमब्बवी ॥ १५ ॥ कस्स अट्ठा इमे पाणा, एए सव्वे सुहेसिणो। वाडेहिं पंजरेहिं च, सन्निरुद्धा य अच्छहिं ॥ १६ ॥ अह सारही तओ भणइ, एए भद्दा उ पाणिणो। तुज्झं विवाहकज्जम्मि, भोयावेउं बहुं जणं ॥ १७ ॥ सोऊण तस्स वयणं, बहुपाणिविणासणं। चिंतेइ से महापन्ने, साणुक्कोसे जिएहि ऊ ॥ १८ ॥ जइ मज्झ कारणा एए, हम्मंति सुबहू जिया। न मे एयं तु निस्सेसं, परलोगे भविस्सई ॥ १९ ॥ सो कुंडलाण जुयलं, सुत्तगं च महायसो। आभरणाणि य सव्वाणि, सारहिस्स पणामए ॥ २० ॥ मणपरिणामो य कओ, देवा य जहोइयं समोइण्णा। सव्विड्ढीइ सपरिसा, निक्खमणं तस्स काउं जे ॥ २१ ॥ देवमणुस्स-परिवुडो, सीयारयणं तओ समारूढो। निक्खमिय वारगाओ, रेवययम्मि ठिओ भगवं ॥ २२ ॥ उज्जाणं संपत्तो, ओइण्णो उत्तमाउ सीयाओ। साहस्सीइ परिवुडो,

---

१ कोउयं-मुसलाइणा णिलाडफासो, मंगलं-दहिअक्खयदुव्वाचंदणाइणा किज्जंतं विहाणं, तस्समयपचलियवेवाहियरीइकुलमेराणुसारकयकिच्चो त्ति अट्ठो।

पहिट्ठे, जे कसिणं अहियासए स भिक्खू ॥ ३ ॥ पंतं सयणासणं भइत्ता, सीउण्हं विविहं च दंसमसगं। अव्वग्गमणे असंपहिट्ठे, जे कसिणं अहियासए स भिक्खू ॥ ४ ॥ नो सक्कइमिच्छई न पूयं, नो वि य वंदणगं कुओ पसंसं। से संजए सुव्वए तवस्सी, सहिए आयगवेसए स भिक्खू ॥ ५ ॥ जेण पुण जहाइ जीवियं, मोहं वा कसिणं नियच्छई। नरनारिं पजहे सया तवस्सी, न य कोऊहलं उवेइ स भिक्खू ॥ ६ ॥ छिन्नं सरं भोमं अंतलिक्खं, सुमिणं लक्खणदंडवत्थुविज्जं। अंगवियारं सरस्स विजयं, जे विज्जाहिं न जीवइ स भिक्खू ॥ ७ ॥ मंतं मूलं विविहं वेज्जचिंतं, वमणविरेयणधूमणेत्तसिणाणं। आउरे सरणं तिगिच्छियं च, तं परिन्नाय परिव्वए स भिक्खू ॥ ८ ॥ खत्तियगणउग्गरायपुत्ता, माहण भोइय विविहा य सिप्पिणो। नो तेसिं वयइ सिलोगपूयं, तं परिन्नाय परिव्वए स भिक्खू ॥ ९ ॥ गिहिणो जे पव्वइएण दिट्ठा, अप्पव्वइएण व संथुया हविज्जा। तेसिं इहलोइयफलट्ठा, जो संथवं न करेइ स भिक्खू ॥ १० ॥ सयणासणपाणभोयणं, विविहं खाइमं साइमं परेसिं। अदए पडिसेहिए नियंठे, जे तत्थ न पउस्सई स भिक्खू ॥ ११ ॥ जं किंचि आहारपाणगं, विविहं खाइमं साइमं परेसिं लद्धुं। जो तं तिविहेण नाणुकंपे[1], मणवयकायसुसंवुडे स भिक्खू ॥ १२ ॥ आयामगं चेव जवोदणं च, सीयं सोवीरजवोदगं च। नो हीलए पिंडं नीरसं तु, पंतकुलाइं परिव्वए स भिक्खू ॥ १३ ॥ सद्दा विविहा भवंति लोए, दिव्वा माणुस्सगा तिरिच्छा। भीमा भयभेरवा उराला, जो सोच्चा न विहिज्जई स भिक्खू ॥ १४ ॥ वायं विविहं समिच्च लोए, सहिए खेयाणुगए य कोवियप्पा। पन्ने अभिभूय[2] सव्वदंसी, उवसंते अविहेडए स भिक्खू ॥ १५ ॥ असिप्पजीवी अगिहे अमित्ते, जिइंदिए सव्वओ विप्पमुक्के। अणुक्कसाई लहुअप्पभक्खी, चिच्चा गिहं एगचरे स भिक्खू ॥ १६ ॥ ति-बेमि ॥ **इति सभिक्खू णामं पण्णरसममज्झयणं समत्तं ॥ १५ ॥**

अह बंभचेरसमाहिठाणा णामं सोलसममज्झयणं

सुयं मे आउसं! तेणं भगवया एवमक्खायं। इह खलु थेरेहिं भगवंतेहिं दस बंभचेरसमाहिठाणा पन्नत्ता, जे भिक्खू सोच्चा निसम्म संजमबहुले संवरबहुले

---

१ न स भिक्खुत्ति सेसो, अहवा नाणुकंपे=ना+अणुकंपे "ना" साहुपुरिसो गिहत्थगिहुवलद्धविसुद्धाहाराइणा बालवुड्ढगिलाणसंजयाणमुवरिमणुकंपं काऊण वेयावच्चं करेइ त्ति। २ मित्तसत्तुवज्जिए रागदोसरहिए त्ति अट्ठो।

कायगुत्तो जिइंदिओ । सामण्णं निच्चलं फासे, जावज्जीवं दढव्वओ ॥ ४९ ॥ उग्गं तवं चरित्ताणं, जाया दोण्णि वि केवली । सव्वं कम्मं खवित्ताणं, सिद्धिं पत्ता अणुत्तरं ॥ ५० ॥ एवं करेंति संवुद्धा, पंडिया पवियक्खणा । विणियट्टंति भोगेसु, जहा सो पुरिसोत्तमो ॥ ५१ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति रहनेमिज्जनामं बावीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ २२ ॥**

अह केसिगोयमिज्जणामं तेवीसइमं अज्झयणं

जिणे पासित्ति नामेणं, अरहा लोगपूइओ । संबुद्धप्पा य सव्वन्नू, धम्मतित्थयरे जिणे ॥ १ ॥ तस्स लोगपईवस्स, आसि सीसे[1] महायसे । केसी कुमारसमणे, विज्जाचरणपारगे ॥ २ ॥ ओहिनाणसुए बुद्धे, सीससंघसमाउले । गामाणुगामं रीयंते, सावत्थिं पुरमागए ॥ ३ ॥ तिंदुयं नाम उज्जाणं, तम्मी नगरमंडले । फासुए सिज्जसंथारे, तत्थ वासमुवागए ॥ ४ ॥ अह तेणेव कालेणं, धम्मतित्थयरे जिणे । भगवं वद्धमाणित्ति, सव्वलोगंमि विस्सुए ॥ ५ ॥ तस्स लोगपईवस्स, आसि सीसे महायसे । भगवं गोयमे नामं, विज्जाचरणपारए ॥ ६ ॥ बारसंगविऊ बुद्धे, सीससंघसमाउले । गामाणुगामं रीयंते, सो वि सावत्थिमागए ॥ ७ ॥ कोट्ठगं नाम उज्जाणं, तम्मी नगरमंडले । फासुए सिज्जसंथारे, तत्थ वासमुवागए ॥ ८ ॥ केसी कुमारसमणे, गोयमे य महायसे । उभओ वि तत्थ विहरिंसु, अल्लीणा सुसमाहिया ॥ ९ ॥ उभओ सीससंघाणं, संजयाणं तवस्सिणं । तत्थ चिंता समुप्पन्ना, गुणवंताण ताइणं ॥ १० ॥ केरिसो वा इमो धम्मो, इमो धम्मो व केरिसो । आयारधम्मपणिही, इमा वा सा व केरिसी? ॥ ११ ॥ चाउज्जामो य जो धम्मो, जो इमो पंचसिक्खिओ । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महामुणी ॥ १२ ॥ अचेलओ य जो धम्मो, जो इमो संतरुत्तरो । एग कज्जपवन्नाणं, विसेसे किं नु कारणं? ॥ १३ ॥ अह ते तत्थ सीसाणं, विन्नाय पवितक्कियं । समागमे कयमई, उभओ केसिगोयमा ॥ १४ ॥ गोयमे पडिरूवन्नू, सीससंघसमाउले । जेट्ठं कुलमवेक्खंतो, तिंदुयं वणमागओ ॥ १५ ॥ केसी कुमारसमणे, गोयमं दिस्समागयं । पडिरूवं पडिवत्तिं, सम्मं संपडिवज्जई ॥ १६ ॥ पलालं फासुयं तत्थ, पंचमं कुसतणाणि य । गोयमस्स निसेज्जाए, खिप्पं संपणामए ॥ १७ ॥ केसी कुमारसमणे, गोयमे य महायसे । उभओ निसण्णा सोहंति, चंदसूरसमप्पभा ॥ १८ ॥ समागया बहू तत्थ, पासंडा कोउगा मिया[2] ।

---

१ संताणीयसिस्से त्ति अट्ठो । २ अण्णाणिणो ।

अप्पडिपूयए थद्धे, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ ५ ॥ सम्मद्दमाणे पाणाणि, बीयाणि हरियाणि य । असंजए संजयमन्नमाणे, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ ६ ॥ संथारं फलगं पीढं, निसेज्जं पायकंबलं । अपमज्जियमारुहई, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ ७ ॥ दवदवस्स चरई, पमत्ते य अभिक्खणं । उल्लंघणे य चंडे य, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ ८ ॥ पडिलेहेइ पमत्ते, अवउज्झइ पायकंबलं । पडिलेहा अणाउत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ ९ ॥ पडिलेहेइ पमत्ते, से किंचि हु निसामिया । गुरुपरिभावए निच्चं, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १० ॥ बहुमाई पमुहरी, थद्धे लुद्धे अणिग्गहे । असंविभागी अवियत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ ११ ॥ विवादं च उदीरेइ, अहम्मे अत्तपन्नहा । वुग्गहे कलहे रत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १२ ॥ अथिरासणे कुक्कुइए, जत्थ तत्थ निसीयई । आसणम्मि अणाउत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १३ ॥ ससरक्खपाए सुवई, सेज्जं न पडिलेहई । संथारए अणाउत्ते, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १४ ॥ दुद्धदही विगईओ, आहारेइ अभिक्खणं । अरए य तवोकम्मे, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १५ ॥ अत्थंतम्मि य सूरम्मि, आहारेइ अभिक्खणं । चोइओ पडिचोएइ, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १६ ॥ आयरियपरिच्चाई, परपासंडसेवए । गाणंगणिए दुब्भूए, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १७ ॥ सयं गेहं परिच्चज्ज, परगेहंसि वावरे । निमित्तेण य ववहरई, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १८ ॥ सन्नाइपिंडं जेमेइ, नेच्छइ सामुदाणियं । गिहिनिसेज्जं च वाहेइ, पावसमणे त्ति वुच्चई ॥ १९ ॥ एयारिसे पंचकुसीलसंवुडे, रूवंधरे मुणिपवराण हेट्ठिमे । अयंसि लोए विसमेव गरहिए, न से इहं नेव परत्थ लोए ॥ २० ॥ जे वज्जए एए सया उ दोसे, से सुव्वए होइ मुणीण मज्झे । अयंसि लोए अमयं व पूइए, आराहए लोगमिणं तहा परं ॥ २१ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति पावसमणिज्जं णाम सत्तरसममज्झयणं समत्तं ॥ १७ ॥**

अह संजइज्जणामं अट्ठारसममज्झयणं

कंपिल्ले नयरे राया, उदिण्णबलवाहणे । नामेणं संजए नामं, मिगव्वं उवणिग्गए ॥ १ ॥ हयाणीए गयाणीए, रहाणीए तहेव य । पायत्ताणीए महया, सव्वओ परिवारिए ॥ २ ॥ मिए छुहित्ता हयगओ, कंपिल्लुज्जाणकेसरे । भीए संते मिए तत्थ, वहेइ रसमुच्छिए ॥ ३ ॥ अह केसरम्मि उज्जाणे, अणगारे तवोधणे । सज्झायज्झाणसंजुत्ते, धम्मज्झाणं झियायइ ॥ ४ ॥ अप्फोवमंडवंमि, झायइ क्खवियासवे । तस्सागए मिगे पासं, वहेइ से नराहिवे ॥ ५ ॥ अह आसगओ राया, खिप्पमागम्म

ते, छिन्नो मे संसओ इमो। अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ ४४ ॥ अंतोहिययसंभूया, लया चिट्ठइ गोयमा!। फलेइ विसभक्खीणि, सा उ उद्धरिया कहं? ॥ ४५ ॥ तं लयं सव्वसो छित्ता, उद्धरित्ता समूलियं। विहरामि जहानायं, मुक्कोमि विसभक्खणं ॥ ४६ ॥ लया य इइ का वुत्ता?, केसी गोयममब्बवी। केसिमेवं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ४७ ॥ भवतण्हा लया वुत्ता, भीमा भीमफलोदया। तमुच्छित्तु जहानायं, विहरामि जहासुहं ॥ ४८ ॥ साहु गोयम! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो। अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ ४९ ॥ संपज्जलिया घोरा, अग्गी चिट्ठइ गोयमा!। जे डहंति सरीरत्था, कहं विज्झाविया तुमे? ॥ ५० ॥ महामेहप्पसूयाओ, गिज्झ वारि जलुत्तमं। सिंचामि सययं देहं, सित्ता नो डहंति मे ॥ ५१ ॥ अग्गी य इइ के वुत्ता?, केसी गोयममब्बवी। केसिमेव बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ५२ ॥ कसाया अग्गिणो वुत्ता, सुयसीलतवो जलं। सुयधाराभिहया संता, भिन्ना हु न डहंति मे ॥ ५३ ॥ साहु गोयम! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो। अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ ५४ ॥ अयं साहसिओ भीमो, दुट्ठस्सो परिधावई। जंसि गोयम! आरूढो, कहं तेण न हीरसि? ॥ ५५ ॥ पधावंतं निगिण्हामि, सुयरस्सीसमाहियं। न मे गच्छइ उम्मग्गं, मग्गं च पडिवज्जई ॥ ५६ ॥ आसे य इइ के वुत्ते?, केसी गोयममब्बवी। केसिमेवं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ५७ ॥ मणो साहसिओ भीमो, दुट्ठस्सो परिधावई। तं सम्मं तु निगिण्हामि, धम्मसिक्खाइ कंथगं ॥ ५८ ॥ साहु गोयम! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो। अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ ५९ ॥ कुप्पहा बहवो लोए, जेहिं नासंति जंतुणो। अद्धाणे कह वट्टंतो, तं न नाससि गोयमा? ॥ ६० ॥ जे य मग्गेण गच्छंति, जे य उम्मग्गपट्ठिया। ते सव्वे वेइया मज्झं, तो न नस्सामहं मुणी! ॥ ६१ ॥ मग्गे य इइ के वुत्ते?, केसी गोयममब्बवी। केसिमेवं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ६२ ॥ कुप्पवयणपासंडी, सव्वे उम्मग्गपट्ठिया। सम्मग्गं तु जिणक्खायं, एस मग्गे हि उत्तमे ॥ ६३ ॥ साहु गोयम! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो। अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ ६४ ॥ महाउदगवेगेण, वुज्झमाणाण पाणिणं,

॥ २३ ॥ तं विंतम्मापियरो, सामण्णं पुत्त ! दुच्चरं। गुणाणं तु सहस्साइं, धारेयव्वाइं भिक्खुणा ॥ २४ ॥ समया सव्वभूएसु, सत्तुमित्तेसु वा जगे। पाणाइवायविरई, जावज्जीवाए दुक्करं ॥ २५ ॥ निच्चकालऽप्पमत्तेणं, मुसावायविवज्जणं। भासियव्वं हियं सच्चं, निच्चाउत्तेण दुक्करं ॥ २६ ॥ दंतसोहणमाइस्स, अदत्तस्स विवज्जणं। अणवज्जेसणिज्जस्स, गिण्हणा अवि दुक्करं ॥ २७ ॥ विरई अवंभचेरस्स, कामभोगरसन्नुणा। उग्गं महव्वयं वंभं, धारेयव्वं सुदुक्करं ॥ २८ ॥ धणधन्नपेसवग्गेसु, परिग्गहविवज्जणं। सव्वारंभपरिच्चाओ, निम्ममत्तं सुदुक्करं ॥ २९ ॥ चउव्विहे वि आहारे, राईभोयणवज्जणा। सन्निहीसंचओ चेव, वज्जेयव्वो सुदुक्करं ॥ ३० ॥ छुहा तण्हा य सीउण्हं, दंसमसगवेयणा। अक्कोसा दुक्खसेज्जा य, तणफासा जल्लमेव य ॥ ३१ ॥ तालणा तज्जणा चेव, वहवंधपरीसहा। दुक्खं भिक्खायरिया, जायणा य अलाभया ॥ ३२ ॥ कावोया जा इमा वित्ती, केसलोओ य दारुणो। दुक्खं वंभव्वयं घोरं, धारेउं च महप्पणो ॥ ३३ ॥ सुहोइओ तुमं पुत्ता !, सुकुमालो सुमज्जिओ। न हु सि पभू तुमं पुत्ता !, सामण्णमणुपालिया ॥ ३४ ॥ जावज्जीवमविस्सामो, गुणाणं तु महब्भरो। गुरुओ लोहभारुव्व, जो पुत्ता होइ दुव्वहो ॥ ३५ ॥ आगासे गंगसोउव्व, पडिसोउव्व दुत्तरो। बाहाहिं सागरो चेव, तरियव्वो गुणोदही ॥ ३६ ॥ वालुया कवले चेव, निरस्साए उ संजमे। असिधारागमणं चेव, दुक्करं चरिउं तवो ॥ ३७ ॥ अहीवेगंतदिट्ठीए, चरित्ते पुत्त ! दुक्करे। जवा लोहमया चेव, चावेयव्वा सुदुक्करं ॥ ३८ ॥ जहा अग्गिसिहा दित्ता, पाउं होइ सुदुक्करा। तहा दुक्करं करेउं जे, तारुण्णे समणत्तणं ॥ ३९ ॥ जहा दुक्खं भरेउं जे, होइ वायस्स कोत्थलो। तहा दुक्खं करेउं जे, की[वे]वेणं समणत्तणं ॥ ४० ॥ जहा तुलाए तोलेउं, दुक्करो मंदरो गिरी। तहा निहुयं नीसंकं, दुक्करं समणत्तणं ॥ ४१ ॥ जहा भुयाहिं तरिउं, दुक्करं रयणायरो। तहा अणुवसंतेणं, दुक्करं दमसागरो ॥ ४२ ॥ भुंज माणुस्सए भोए, पंचलक्खणए तुमं। भुत्तभोगी तओ जाया !, पच्छा धम्मं चरिस्ससि ॥ ४३ ॥ सो बेइ अम्मापियरो, एवमेयं जहा फुडं। इह लोए निप्पिवासस्स, नत्थि किंचिवि दुक्करं ॥ ४४ ॥ सारीरमाणसा चेव, वेयणाओ अणंतसो। मए सोढाओ भीमाओ, असइं दुक्खभयाणि य ॥ ४५ ॥ जरामरणकंतारे, चाउरंते भयागरे। मया सोढाणि भीमाणि, जम्माणि मरणाणि य ॥ ४६ ॥ जहा इहं अगणी उण्हो, एत्तोऽणंतगुणो तहिं। नरएसु वेयणा उण्हा, असाया वेइया मए ॥ ४७ ॥ जहा इहं इमं सीयं, एत्तोऽणंतगुणो तहिं। नरएसु वेयणा सीया, असाया वेइया मए ॥ ४८ ॥ कंदंतो कंदुकुंभीसु, उड्ढपाओ अहोसिरो। हुयासणे जलंतम्मि, पक्कपुव्वो अणंतसो ॥ ४९ ॥ महादवग्गिसंकासे,

य अट्ठमा ॥ २ ॥ एयाओ अट्ठ समिईओ, समासेण वियाहिया। दुवालसंगं जिणक्खायं, मायं जत्थ उ पवयणं ॥ ३ ॥ (१) आलंबणेणं[१] कालेणं[२], मग्गेणं[३] जयणाई[४] य। चउकारणपरिसुद्धं, संजए इरियं रिए ॥ ४ ॥ तत्थ आलंबणं नाणं, दंसणं चरणं तहा। काले य दिवसे वुत्ते, मग्गे उप्पहवज्जिए ॥ ५ ॥ दव्वओ[१] खेत्तओ[२] चेव, कालओ[३] भावओ[४] तहा। जयणा चउव्विहा वुत्ता, तं मे कित्तयओ सुण ॥ ६ ॥ दव्वओ चक्खुसा पेहे, जुगमित्तं च खेत्तओ। कालओ जाव रीइज्जा, उवउत्ते य भावओ ॥ ७ ॥ इंदियत्थे विवज्जित्ता, सज्झायं चेव पंचहा। तम्मुत्ती तप्पुरक्कारे, उवउत्ते रियं रिए ॥ ८ ॥ (२) कोहे[१] माणे[२] य मायाएँ[३], लोभे[४] य उवउत्तया। हासे[५] भएँ[६] मोहरिएँ[७], विकहासु[८] तहेव य ॥ ९ ॥ एयाइं अट्ठठाणाइं, परिवज्जित्तु संजए। असावज्जं मियं काले, भासं भासिज्ज पन्नवं ॥ १० ॥ (३) गवेसणाएँ[१] गहणे[२] य, परिभोगेसणा[३] य जा। आहारोवहिसेज्जाएँ[१२३], एए तिन्नि विसोहए ॥ ११ ॥ उग्गमुप्पायणं पढमे, बीए सोहेज्ज एसणं। परिभोयम्मि चउक्कं, विसोहेज्ज जयं जई ॥ १२ ॥ (४) ओहोवहोवग्गहियं, भंडगं दुविहं मुणी। गिण्हंतो निक्खिवंतो य, पउंजेज्ज इमं विहिं ॥ १३ ॥ चक्खुसा पडिलेहित्ता, पमज्जेज्ज जयं जई। आइए निक्खिवेज्जा वा, दुहओऽवि समिए सया ॥ १४ ॥ (५) उच्चारं पासवणं, खेलं सिंघाणजल्लियं। आहारं उवहिं देहं, अन्नं वावि तहाविहं ॥ १५ ॥ अणावायमसंलोएँ[१], अणावाए चेव होइ संलोएँ[२]। आवायमसंलोएँ[३], आवाए चेव संलोएँ[४] ॥ १६ ॥ अणावायमसंलोए, परस्सऽणुवघाइए। समे अज्झुसिरे वावि, अचिरकालकयम्मि य ॥ १७ ॥ विच्छिण्णे दूरमोगाढे, नासन्ने विलवज्जिए। तसपाणबीयरहिए, उच्चाराईणि वोसिरे ॥ १८ ॥ एयाओ पंच समिईओ, समासेण वियाहिया। एत्तो य तओ गुत्तीओ, वोच्छामि अणुपुव्वसो ॥ १९ ॥ (६) सच्चा तहेव मोसा य, सच्चामोसा तहेव य। चउत्थी असच्चमोसा य, मणगुत्ती चउव्विहा ॥ २० ॥ संरंभसमारंभे, आरंभम्मि तहेव य। मणं पवत्तमाणं तु, नियत्तेज्ज जयं जई ॥ २१ ॥ (७) सच्चा[१] तहेव मोसा[२] य, सच्चामोसा[३] तहेव य। चउत्थी असच्चमोसा[४] य, वइगुत्ती चउव्विहा ॥ २२ ॥ संरंभसमारंभे, आरंभम्मि तहेव य। वयं पवत्तमाणं तु, नियत्तेज्ज जयं जई ॥ २३ ॥ (८) ठाणे निसीयणे चेव, तहेव य तुयट्टणे। उल्लंघणपल्लंघणे, इंदियाण य जुंजणे ॥ २४ ॥ संरंभसमारंभे, आरंभम्मि तहेव य। कायं पवत्तमाणं तु, नियत्तेज्ज जयं जई ॥ २५ ॥ एयाओ पंच समिईओ, चरणस्स य पवत्तणे। गुत्ती नियत्तणे वुत्ता, असुभत्थेसु सव्वसो ॥ २६ ॥ एया पवयणमाया, जे सम्मं आयरे मुणी। सो खिप्पं सव्वसंसारा, विप्पमुच्चइ पंडिए ॥ २७ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति समिईओ णामं चउवीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ २४ ॥**

——>o<——

अणाहया ॥ २३ ॥ पिया मे सव्वसारं पि, दिज्जाहि मम कारणा । न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ २४ ॥ माया वि मे महाराय !, पुत्तसोगदुहट्टिया । न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ २५ ॥ भायरा मे महाराय !, सगा जेट्ठकणिट्ठगा । न य दुक्खा विमोयंति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २६ ॥ भइणीओ मे महाराय !, सगा जेट्ठकणिट्ठगा । न य दुक्खा विमोयंति, एसा मज्झ अणाहया ॥ २७ ॥ भारिया मे महाराय !, अणुरत्ता अणुव्वया । अंसुपुण्णेहिं नयणेहिं, उरं मे परिसिंचइ ॥ २८ ॥ अन्नं पाणं च ण्हाणं च, गंधमल्लविलेवणं । मए नायमनायं वा, सा वाला नेव भुंजई ॥ २९ ॥ खणं पि मे महाराय !, पासाओ वि न फिट्टई । न य दुक्खा विमोएइ, एसा मज्झ अणाहया ॥ ३० ॥ तओ हं एवमाहंसु, दुक्खमा हु पुणो पुणो । वेयणा अणुभविउं जे, संसारम्मि अणंतए ॥ ३१ ॥ सइं च जइ मुच्चेज्जा, वेयणा विउला इओ । खंतो दंतो निरारंभो, पव्वए अणगारियं ॥ ३२ ॥ एवं च चिंतइत्ताणं, पसुत्तोमि नराहिवा ! । परियत्तंतीए राईए, वेयणा मे खयं गया ॥ ३३ ॥ तओ कल्ले पभायंमि, आपुच्छित्ताण बंधवे । खंतो दंतो निरारंभो, पव्वइओऽणगारियं ॥ ३४ ॥ तो हं नाहो जाओ, अप्पणो य परस्स य । सव्वेसिं चेव भूयाणं, तसाणं थावराण य ॥ ३५ ॥ अप्पा नई वेयरणी, अप्पा मे कूडसामली । अप्पा कामदुहा धेणू, अप्पा मे नंदणं वणं ॥ ३६ ॥ अप्पा कत्ता विकत्ता य, दुहाण य सुहाण य । अप्पा मित्तममित्तं च, दुप्पट्ठिय सुपट्ठिओ ॥ ३७ ॥ इमा हु अन्ना वि अणाहया निवा !, तमेगचित्तो निहुओ सुणेहि । नियंठधम्मं लहियाण वी जहा, सीयंति एगे वहुकायरा नरा ॥ ३८ ॥ जो पव्वइत्ताण महव्वयाइं, सम्मं च नो फासयई पमाया । अनिग्गहप्पा य रसेसु गिद्धे, न मूलओ छिन्नइ बंधणं से ॥ ३९ ॥ आउत्तया जस्स न अत्थि काइ, इरियाए भासाए तहेसणाए । आयाणनिक्खेव-दुगुंछणाए, न वीरजायं अणुजाइ मग्गं ॥ ४० ॥ चिरं पि से मुंडरुई भवित्ता, अथिरव्वए तवनियमेहिं भट्ठे । चिरं पि अप्पाण किलेसइत्ता, न पारए होइ हु संपराए ॥ ४१ ॥ पोल्ले व मुट्ठी जह से असारे, अयंतिए कूडकहावणे वा । राढामणी वेरुलियप्पगासे, अमहग्घए होइ हु जाणएसु ॥ ४२ ॥ कुसीललिंगं इह धारइत्ता, इसिज्झयं जीविय वूहइत्ता । असंजए संजयलप्पमाणे, विणिघायमागच्छइ से चिरं पि ॥ ४३ ॥ विसं तु पीयं जह कालकूडं, हणाइ सत्थं जह कुग्गहीयं । एसो वि धम्मो विसओववन्नो, हणाइ वेयाल इवाविवन्नो ॥ ४४ ॥ जे लक्खणं सुविण पउंजमाणे, निमित्तकोऊहलसंपगाढे । कुहेडविज्जासवदारजीवी, न गच्छई सरणं तम्मि काले ॥ ४५ ॥ तमंतमेणेव उ से असीले, सया दुही विप्परियामुवेइ । संधावई नरगति-

चित्तमंतमचित्तं वा, अप्पं वा जइ वा बहुं। न गिण्हइ अदत्तं जे, तं वयं बूम माहणं ॥ २५ ॥ दिव्वमाणुस्सतेरिच्छं, जो न सेवइ मेहुणं। मणसा कायवक्केणं, तं वयं बूम माहणं ॥ २६ ॥ जहा पोमं जले जायं, नोवलिप्पइ वारिणा। एवं अलित्तं कामेहिं, तं वयं बूम माहणं ॥ २७ ॥ अलोलुयं मुहाजीविं, अणगारं अकिंचणं। असंसत्तं गिहत्थेसु, तं वयं बूम माहणं ॥ २८ ॥ जहित्ता पुव्वसंजोगं, नाइसंगे य बंधवे। जो न सज्जइ भोगेसु, तं वयं बूम माहणं ॥ २९ ॥ पसुबंधा सव्ववेया, जट्ठं च पावकम्मुणा। न तं तायंति दुस्सीलं, कम्माणि बलवंति हि ॥ ३० ॥ न वि मुंडिएण समणो, न ओंकारेण बंभणो। न मुणी रण्णवासेणं, कुसचीरेण न तावसो ॥ ३१ ॥ समयाए समणो होइ, बंभचेरेण बंभणो। नाणेण य मुणी होइ, तवेण होइ तावसो ॥ ३२ ॥ कम्मुणा बंभणो होइ, कम्मुणा होइ खत्तिओ। वइस्सो कम्मुणा होइ, सुद्दो हवइ कम्मुणा ॥ ३३ ॥ एए पाउकरे बुद्धे, जेहिं होइ सिणायओ। सव्वकम्मविणिम्मुक्कं, तं वयं बूम माहणं ॥ ३४ ॥ एवं गुणसमाउत्ता, जे भवंति दिउत्तमा। ते समत्था समुद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य ॥ ३५ ॥ एवं तु संसए छिन्ने, विजयघोसे य माहणे। समुदाय तओ तं तु, जयघोसं महामुणिं ॥ ३६ ॥ तुट्ठे य विजयघोसे, इणमुदाहु कयंजली। माहणत्तं जहाभूयं, सुट्ठु मे उवदंसियं ॥ ३७ ॥ तुब्भे जइया जन्नाणं, तुब्भे वेयविऊ विऊ। जोइसंगविऊ तुब्भे, तुब्भे धम्माण पारगा ॥ ३८ ॥ तुब्भे समत्था उद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य। तमणुग्गहं करेहऽम्हं, भिक्खेणं भिक्खुउत्तमा ! ॥ ३९ ॥ न कज्जं मज्झ भिक्खेण, खिप्पं निक्खमसू दिया !। मा भमिहिसि भयावट्टे, घोरे संसारसागरे ॥ ४० ॥ उवलेवो होइ भोगेसु, अभोगी नोवलिप्पई। भोगी भमइ संसारे, अभोगी विप्पमुच्चई ॥ ४१ ॥ उल्लो सुक्खो य दो छूढा, गोलया मट्टियामया। दो वि आवडिया कुड्डे, जो उल्लो सोऽत्थ लग्गई ॥ ४२ ॥ एवं लग्गंति दुम्मेहा, जे नरा कामलालसा। विरत्ता उ न लग्गंति, जहा से सुक्कगोलए ॥ ४३ ॥ एवं से विजयघोसे, जयघोसस्स अंतिए। अणगारस्स निक्खंतो, धम्मं सोच्चा अणुत्तरं ॥ ४४ ॥ खवित्ता पुव्वकम्माइं, संजमेण तवेण य। जयघोसविजयघोसा, सिद्धिं पत्ता अणुत्तरं ॥ ४५ ॥ ति-बेमि ॥ **इति जन्नइज्जनामं पंचवीसइमं अज्झयणं समत्तं** ॥ २५ ॥

अह सामायारी णामं छव्वीसइमं अज्झयणं

सामायारिं पवक्खामि, सव्वदुक्खविमोक्खणिं। जं चरित्ताण निग्गंथा, तिण्णा

अह आउयं पालइत्ता अंतोमुहुत्तद्धावसेसाए जोगनिरोहं करेमाणे सुहुमकिरियं अप्पडिवाइं सुक्कज्झाणं झायमाणे तप्पढमयाए मणजोगं निरुंभइ, वइजोगं निरुंभइ, कायजोगं निरुंभइ, आणपाणनिरोहं करेइ । ईसि-पंचरहस्सक्खरुच्चारणद्धाए य णं अणगारे समुच्छिन्नकिरियं अनियट्टिसुक्कज्झाणं झियायमाणे वेयणिज्जं आउयं नामं गोत्तं च एए चत्तारि कम्मंसे जुगवं खवेइ ॥ ७२ ॥ तओ ओरालियतेयकम्माइं सव्वाहिं विप्पजहणाहिं विप्पजहित्ता उज्जुसेढिपत्ते अफुसमाणगई उड्ढं एगसमएणं अविग्गहेणं तत्थ गंता सागारोवउत्ते सिज्झइ बुज्झइ मुच्चइ परिनिव्वायइ सव्वदुक्खाणमंतं करेइ ॥ ७३ ॥ एस खलु सम्मत्तपरक्कमस्स अज्झयणस्स अट्ठे समणेणं भगवया महावीरेणं आघविए पन्नविए परूविए दंसिए निदंसिए उवदंसिए ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति सम्मत्तपरक्कमणामं एगूणतीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ २९ ॥**

अह तवमग्गणामं तीसइमं अज्झयणं

जहा उ पावगं कम्मं, रागदोससमज्जियं । खवेइ तवसा भिक्खू, तमेगग्गमणो सुण ॥ १ ॥ पाणिवहमुसावाया, अदत्तमेहुणपरिग्गहा विरओ । राईभोयणविरओ, जीवो भवइ अणासवो ॥ २ ॥ पंचसमिओ तिगुत्तो, अकसाओ जिइंदिओ । अगारवो य निस्सल्लो, जीवो होइ अणासवो ॥ ३ ॥ एएसिं तु विवच्चासे, रागदोससमज्जियं । खवेइ उ जहा भिक्खू, तमेगग्गमणो सुण ॥ ४ ॥ जहा महातलायस्स, संनिरुद्धे जलागमे । उस्सिंचणाए तवणाए, कमेणं सोसणा भवे ॥ ५ ॥ एवं तु संजयस्सावि, पावकम्मनिरासवे । भवकोडीसंचियं कम्मं, तवसा निज्जरिज्जइ ॥ ६ ॥ सो तवो दुविहो वुत्तो, बाहिरब्भंतरो तहा । बाहिरो छव्विहो वुत्तो, एवमब्भंतरो तवो ॥ ७ ॥ अणसणं[1]मूणोयरिया[2], भिक्खायरिया[3] य रसपरिच्चाओ[4] । कायकिलेसो[5] संलीणया[6], य बज्झो तवो होइ ॥ ८ ॥ (१) इत्तरिय[1] मरणकाला[2] य, अणसणा दुविहा भवे । इत्तरिय सावकंखा, निरवकंखा उ बिइज्जिया ॥ ९ ॥ जो सो इत्तरियतवो, सो समासेण छव्विहो । सेढितवो[1] पयरतवो[2], घणो[3] य तह होइ वग्गो[4] य ॥ १० ॥ तत्तो य वग्गवग्गो[5], पंचमो छट्ठओ पइण्णतवो[6] । मणइच्छियचित्तत्थो, नायव्वो होइ इत्तरिओ ॥ ११ ॥ जा सा अणसणा मरणे, दुविहा सा वियाहिया । सवियार[1]मवियारा[2], कायचिट्ठं पई भवे ॥ १२ ॥ अहवा सपरिकम्मा[1], अपरिकम्मा[2] य आहिया । नीहारि[1]मनीहारी[2], आहारच्छेओ दोसु वि ॥ १३ ॥ (२) ओमोयरणं हा, समासेण वियाहियं । दव्वओ[1] खेत्त[2]कालेणं[3], भावेणं[4] पज्जवेहि[5] य ॥ १४ ॥

अह निक्खमई उ चित्ताहिं ॥ २३ ॥ अह से सुगंधगंधिए, तुरियं मउयकुंचिए। सयमेव लुंचई केसे, पंचमुट्ठीहिं समाहिओ ॥ २४ ॥ वासुदेवो य णं भणइ, लुत्तकेसं जिइंदियं। इच्छियमणोरहं तुरियं, पावसु तं दमीसरा ! ॥ २५ ॥ नाणेणं दंसणेणं च, चरित्तेण तहेव य। खंतीए मुत्तीए, वड्ढमाणो भवाहि य ॥ २६ ॥ एवं ते रामकेसवा, दसारा य बहू जणा। अरिट्ठणेमिं वंदित्ता, अइगया बारगापुरिं ॥ २७ ॥ सोऊण रायकन्ना, पव्वज्जं सा जिणस्स उ। नीहासा य निराणंदा, सोगेण उ समुच्छिया ॥ २८ ॥ राईमई विचिंतेइ, धिरत्थु मम जीवियं। जाऽहं तेण परिच्चत्ता, सेयं पव्वइउं मम ॥ २९ ॥ अह सा भमरसन्निभे, कुचफणगसाहिए। सयमेव लुंचई केसे, धिइमंता ववस्सिया ॥ ३० ॥ वासुदेवो य णं भणइ, लुत्तकेसं जिइंदियं। संसारसागरं घोरं, तर कन्ने ! लहुं लहुं ॥ ३१ ॥ सा पव्वइया संती, पव्वावेसी तहिं बहुं। सयणं परियणं चेव, सीलवंता बहुस्सुया ॥ ३२ ॥ गिरिं रेवययं जंती, वासेणुल्ला उ अंतरा। वासंते अंधयारंमि, अंतो लयणस्स सा ठिया ॥ ३३ ॥ चीवराइं विसारंती, जहाजायत्ति पासिया। रहनेमी भग्गचित्तो, पच्छा दिट्ठो य तीइ वि ॥ ३४ ॥ भीया य सा तहिं दट्ठुं, एगंते संजयं तयं। बाहाहिं काउं संगोप्फं, वेवमाणी निसीयई ॥ ३५ ॥ अह सो वि रायपुत्तो, समुद्दविजयंगओ। भीयं पवेवियं दट्ठुं, इमं वक्कमुदाहरे ॥ ३६ ॥ रहनेमी अहं भद्दे !, सुरूवे ! चारुभासिणी !। ममं भयाहि सुयणु !, न ते पीला भविस्सई ॥ ३७ ॥ एहि ता भुंजिमो भोए, माणुस्सं खु सुदुल्लहं। भुत्तभोगी तओ पच्छा, जिणमग्गं चरिस्समो ॥ ३८ ॥ दट्ठूण रहनेमिं तं, भग्गुज्जोयपराजियं। राईमई असंभंता, अप्पाणं संवरे तहिं ॥ ३९ ॥ अह सा रायवरकन्ना, सुट्ठिया नियमव्वए। जाई कुलं च सीलं च, रक्खमाणी तयं वए ॥ ४० ॥ जइऽसि रूवेण वेसमणो, ललिएण नलकूबरो। तहा वि ते न इच्छामि, जइऽसि सक्खं पुरंदरो ॥ ४१ ॥ पक्खंदे जलियं जोइं, धूमकेउं दुरासयं। नेच्छंति वंतयं भोत्तुं, कुले जाया अगंधणे ॥ ४२ ॥ धिरत्थु तेऽजसोकामी, जो तं जीवियकारणा। वंतं इच्छसि आवेउं, सेयं ते मरणं भवे ॥ ४३ ॥ अहं च भोगरायस्स, तं च सि अंधगवण्हिणो। मा कुले गंधणा होमो, संजमं निहुओ चर ॥ ४४ ॥ जइ तं काहिसि भावं, जा जा दिच्छसि नारिओ। वायाविद्धोव्व हढो, अट्ठिअप्पा भविस्ससि ॥ ४५ ॥ गोवालो भंडवालो वा, जहा तद्दव्वणिस्सरो। एवं अणिस्सरो तं पि, सामण्णस्स भविस्ससि ॥ ४६ ॥ कोहं माणं निगिण्हित्ता, मायं लोभं च सव्वसो। इंदियाइं वसे काउं, अप्पाणं उवसंहरे ॥ ४७ ॥ तीसे सो वयणं सोच्चा, संजयाए सुभासियं। अंकुसेण जहा नागो, धम्मे संपडिवाइओ ॥ ४८ ॥ मणगुत्तो वयगुत्तो,

अह चरणविहिणामं एगतीसइमं अज्झयणं

चरणविहिं पवक्खामि, जीवस्स उ सुहावहं। जं चरित्ता बहू जीवा, तिण्णा संसारसागरं ॥ १ ॥ एगओ विरइं कुज्जा, एगओ य पवत्तणं। असंजमे नियत्तिं च, संजमे य पवत्तणं ॥ २ ॥ रागदोसे य दो पावे, पावकम्मपवत्तणे। जे भिक्खू रुंभई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ३ ॥ दंडाणं गारवाणं च, सल्लाणं च तियं तियं। जे भिक्खू चयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ४ ॥ दिव्वे य जे उवसग्गे, तहा तेरिच्छमाणुसे। जे भिक्खू सहई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ५ ॥ विगहाकसायसन्नाणं, झाणाणं च दुयं तहा। जे भिक्खू वज्जई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ६ ॥ वएसु इंदियत्थेसु, समिईसु किरियासु य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ७ ॥ लेसासु छसु काएसु, छक्के आहारकारणे। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ८ ॥ पिंडोग्गहपडिमासु, भयट्ठाणेसु सत्तसु। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ९ ॥ मएसु बंभगुत्तीसु, भिक्खुधम्मम्मि दसविहे। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १० ॥ उवासगाणं पडिमासु, भिक्खूणं पडिमासु य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ ११ ॥ किरियासु भूयगामेसु, परमाहम्मिएसु य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १२ ॥ गाहासोलसएहिं, तहा असंजमंमि य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १३ ॥ बंभंमि नायज्झयणेसु, ठाणेसु असमाहिए। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १४ ॥ एगवीसाए सबले, बावीसाए परीसहे। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १५ ॥ तेवीसाइ सूयगडे, रूवाहिएसु सुरेसु य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १६ ॥ पणवीसभावणासु, उद्देसेसु दसाइणं। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १७ ॥ अणगारगुणेहिं च, पगप्पंमि तहेव य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १८ ॥ पावसुयपसंगेसु, मोहठाणेसु चेव य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ १९ ॥ सिद्धाइगुणजोगेसु, तेत्तीसासायणासु य। जे भिक्खू जयई निच्चं, से न अच्छइ मंडले ॥ २० ॥ इय एएसु ठाणेसु, जे भिक्खू जयई सया। खिप्पं सो सव्वसंसारा, विप्पमुच्चइ पंडिओ ॥ २१ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति चरणविहिणामं एगतीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ ३१ ॥**

गिहत्थाणं अणेगाओ, साहस्सीओ समागया ॥ १९ ॥ देवदाणवगंधव्वा, जक्खरक्खसकिन्नरा । अदिस्साणं च भूयाणं, आसी तत्थ समागमो ॥ २० ॥ पुच्छामि ते महाभाग!, केसी गोयममब्बवी । तओ केसिं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ २१ ॥ पुच्छ भंते! जहिच्छं ते, केसिं गोयममब्बवी । तओ केसी अणुन्नाए, गोयमं इणमब्बवी ॥ २२ ॥ चाउज्जामो य जो धम्मो, जो इमो पंचसिक्खिओ । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महामुणी ॥ २३ ॥ एगकज्जपवन्नाणं, विसेसे किं नु कारणं? । धम्मे दुविहे मेहावी, कहं विप्पच्चओ न ते? ॥ २४ ॥ तओ केसिं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी । पन्ना समिक्खए धम्मं, तत्तं तत्तविणिच्छियं ॥ २५ ॥ पुरिमा उज्जुजडा उ, वंकजडा य पच्छिमा । मज्झिमा उज्जुपन्ना उ, तेण धम्मे दुहा कए ॥ २६ ॥ पुरिमाणं दुव्विसोज्झो उ, चरिमाणं दुरणुपालओ । कप्पो मज्झिमगाणं तु, सुविसोज्झो सुपालओ ॥ २७ ॥ साहु गोयम! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो । अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ २८ ॥ अचेलगो य जो धम्मो, जो इमो संतरुत्तरो । देसिओ वद्धमाणेण, पासेण य महाजसा ॥ २९ ॥ एगकज्जपवन्नाणं, विसेसे किं नु कारणं । लिंगे दुविहे मेहावी, कहं विप्पच्चओ न ते? ॥ ३० ॥ केसिमेवं बुवाणं तु, गोयमो इणमब्बवी । विन्नाणेण समागम्म, धम्मसाहणमिच्छियं ॥ ३१ ॥ पच्चयत्थं च लोगस्स, नाणाविहविगप्पणं । जत्तत्थं गहणत्थं च, लोगे लिंगपओयणं ॥ ३२ ॥ अह भवे पइन्ना उ, मोक्खसब्भूयसाहणा । नाणं च दंसणं चेव, चरित्तं चेव निच्छए ॥ ३३ ॥ साहु गोयम! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो । अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ ३४ ॥ अणेगाणं सहस्साणं, मज्झे चिट्ठसि गोयमा! । ते य ते अहिगच्छंति, कहं ते निज्जिया तुमे? ॥ ३५ ॥ एगे जिए जिया पंच, पंच जिए जिया दस । दसहा उ जिणित्ताणं, सव्वसत्तू जिणामहं ॥ ३६ ॥ सत्तू य इइ के वुत्ते?, केसी गोयममब्बवी । तओ केसिं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ३७ ॥ एगप्पा अजिए सत्तू, कसाया इंदियाणि य । ते जिणित्तु जहानायं, विहरामि अहं मुणी ॥ ३८ ॥ साहु गोयम! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमे । अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा! ॥ ३९ ॥ दीसंति बहवे लोए, पासबद्धा सरीरिणो । मुक्कपासो लहुब्भूओ, कहं तं विहरसी मुणी? ॥ ४० ॥ ते पासे सव्वसो छित्ता, निहंतूण उवायओ । मुक्कपासो लहुब्भूओ, विहरामि अहं मुणी! ॥ ४१ ॥ पासा य इइ के वुत्ता?, केसी गोयममब्बवी । केसिमेवं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ४२ ॥ रागद्दोसादओ तिव्वा, नेहपासा भयंकरा । ते छिंदित्तु जहानायं, विहरामि जहक्कमं ॥ ४३ ॥ साहु गोयम! पन्ना

च किंचि, तस्संतगं गच्छइ वीयरागो ॥ १९ ॥ जहा य किंपागफला मणोरमा, रसेण वण्णेण य भुज्जमाणा । तं खुड्डए जीविय पच्चमाणा, एओवमा कामगुणा विवागे ॥ २० ॥ जे इंदियाणं विसया मणुन्ना, न तेसु भावं निसिरे कयाइ । न यामणुन्नेसु मणं पि कुज्जा, समाहिकामे समणे तवस्सी ॥ २१ ॥ (१) चक्खुस्स रूवं गहणं वयंति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु । तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ २२ ॥ रूवस्स चक्खुं गहणं वयंति, चक्खुस्स रूवं गहणं वयंति । रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ २३ ॥ रूवेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं । रागाउरे से जह वा पयंगे, आलोयलोले समुवेइ मच्चुं ॥ २४ ॥ जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं । दुद्दंतदोसेण सएण जंतू, न किंचि रूवं अवरज्झई से ॥ २५ ॥ एगंतरत्ते रुइरंसि रूवे, अतालिसे से कुणई पओसं । दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ २६ ॥ रूवाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे । चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ २७ ॥ रूवाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे । वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ २८ ॥ रूवे अतित्ते य परिग्गहंमि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं । अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्तं ॥ २९ ॥ तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, रूवे अतित्तस्स परिग्गहे य । मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ३० ॥ मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरंते । एवं अदत्ताणि समाययंतो, रूवे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ३१ ॥ रूवाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि । तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ३२ ॥ एमेव रूवंमि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ । पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ३३ ॥ रूवे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण । न लिप्पए भवमज्झे वि संतो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ३४ ॥ (२) सोयस्स सद्दं गहणं वयंति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु । तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ३५ ॥ सद्दस्स सोयं गहणं वयंति, सोयस्स सद्दं गहणं वयंति । रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ ३६ ॥ सद्देसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं । रागाउरे हरिणमिगे व मुद्धे, सद्दे अतित्ते समुवेइ मच्चुं ॥ ३७ ॥ जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं । दुद्दंतदोसेण सएण जंतू, न किंचि सद्दं अवरज्झई से ॥ ३८ ॥

गोयमा ! ॥ ६९ ॥ अण्णवंसि महोहंसि, नावा विपरिधावई । जंसि गोयम ! आरूढो, कहं पारं गमिस्ससि ? ॥ ७० ॥ जा उ अस्साविणी नावा, न सा पारस्स गामिणी । जा निरस्साविणी नावा, सा उ पारस्स गामिणी ॥ ७१ ॥ नावा य इइ का वुत्ता ? । केसी गोयममब्बवी । केसिमेवं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ७२ ॥ सरीरमाहु नावत्ति, जीवो वुच्चइ नाविओ । संसारो अण्णवो वुत्तो, जं तरंति महेसिणो ॥ ७३ ॥ साहु गोयम ! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो । अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा ! ॥ ७४ ॥ अंधयारे तमे घोरे, चिट्ठंति पाणिणो बहू । को करिस्सइ उज्जोयं ?, सव्वलोयम्मि पाणिणं ॥ ७५ ॥ उग्गओ विमलो भाणू, सव्वलोयपभंकरो । सो करिस्सइ उज्जोयं, सव्वलोयंमि पाणिणं ॥ ७६ ॥ भाणू य इइ के वुत्ते ?, केसी गोयममब्बवी । केसिमेवं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ७७ ॥ उग्गओ खीणसंसारो, सव्वन्नू जिणभक्खरो । सो करिस्सइ उज्जोयं, सव्वलोयंमि पाणिणं ॥ ७८ ॥ साहु गोयम ! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो । अन्नो वि संसओ मज्झं, तं मे कहसु गोयमा ! ॥ ७९ ॥ सारीरमाणसे दुक्खे, बज्झमाणाण पाणिणं । खेमं सिवमणाबाहं, ठाणं किं मन्नसी मुणी ? ॥ ८० ॥ अत्थि एगं धुवं ठाणं, लोगग्गंमि दुरारुहं । जत्थ नत्थि जरा मच्चू, वाहिणो वेयणा तहा ॥ ८१ ॥ ठाणे य इइ के वुत्ते ?, केसी गोयममब्बवी । केसिमेवं बुवंतं तु, गोयमो इणमब्बवी ॥ ८२ ॥ निव्वाणं ति अबाहं ति, सिद्धी लोगग्गमेव य । खेमं सिवं अणाबाहं, जं चरंति महेसिणो ॥ ८३ ॥ तं ठाणं सासयं वासं, लोयग्गंमि दुरारुहं । जं संपत्ता न सोयंति, भवोहंतकरा मुणी ! ॥ ८४ ॥ साहु गोयम ! पन्ना ते, छिन्नो मे संसओ इमो । नमो ते संसयातीत !, सव्वसुत्तमहोयही ॥ ८५ ॥ एवं तु संसए छिन्ने, केसी घोरपरक्कमे । अभिवंदित्ता सिरसा, गोयमं तु महायसं ॥ ८६ ॥ पंचमहव्वयधम्मं, पडिवज्जइ भावओ । पुरिमस्स पच्छिमंमि, मग्गे तत्थ सुहावहे ॥ ८७ ॥ केसीगोयमओ निच्चं, तंमि आसि समागमे । सुयसीलसमुक्करिसो, महत्थत्थविणिच्छओ ॥ ८८ ॥ तोसिया परिसा सव्वा, सम्मग्गं समुवट्ठिया । संथुया ते पसीयंतु, भयवं केसिगोयमे ॥ ८९ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति केसिगोयमिज्जणामं तेवीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ २३ ॥**

अह समिईओ णामं चउवीसइमं अज्झयणं

अट्ठ पवयणमायाओ, समिई गुत्ती तहेव य । पंचेव य समिईओ, तओ गुत्तीउ आहिया ॥ १ ॥ इरियाभासेसणादाणे, उच्चारे समिई इय । मणगुत्ती वयगुत्ती, कायगुत्ती

दुक्खं ॥ ५८ ॥ एमेव गंधंमि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ । पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ५९ ॥ गंधे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण । न लिप्पई भवमज्झे वि संतो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ६० ॥ (४) जिब्भाए रसं गहणं वयंति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु । तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ६१ ॥ रसस्स जिब्भं गहणं वयंति, जिब्भाए रसं गहणं वयंति । रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ ६२ ॥ रसेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं । रागाउरे वडिसविभिन्नकाए, मच्छे जहा आमिसभोगगिद्धे ॥ ६३ ॥ जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं । दुद्दंतदोसेण सएण जंतू, न किंचि रसं अवरज्झई से ॥ ६४ ॥ एगंतरत्ते रुइरंसि रसे, अतालिसे से कुणई पओसं । दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ६५ ॥ रसाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे । चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ६६ ॥ रसाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे । वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ६७ ॥ रसे अतित्ते य परिग्गहंमि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं । अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्तं ॥ ६८ ॥ तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, रसे अतित्तस्स परिग्गहे य । मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ६९ ॥ मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरंते । एवं अदत्ताणि समाययंतो, रसे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ७० ॥ रसाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि । तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ७१ ॥ एमेव रसम्मि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ । पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ७२ ॥ रसे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण । न लिप्पई भवमज्झे वि संतो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ७३ ॥ (५) कायस्स फासं गहणं वयंति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु । तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ७४ ॥ फासस्स कायं गहणं वयंति, कायस्स फासं गहणं वयंति । रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ ७५ ॥ फासेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं । रागाउरे सीयजलावसन्ने, गाहग्गहीए महिसे विवन्ने ॥ ७६ ॥ जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं । दुद्दंतदोसेण सएण जंतू, न किंचि फासं अवरज्झई से ॥ ७७ ॥ एगंतरत्ते रुइरंसि फासे, अतालिसे से

अह जन्नइज्जनामं पंचवीसइमं अज्झयणं

माहणकुलसंभूओ, आसि विप्पो महायसो । जायाई जमजन्नंमि, जयघोसित्ति नामओ ॥ १ ॥ इंदियग्गामनिग्गाही, मग्गगामी महामुणी । गामाणुगामं रीयंते, पत्तो वाणारसिं पुरिं ॥ २ ॥ वाणारसीए बहिया, उज्जाणंमि मणोरमे । फासुए सेज्जसंथारे, तत्थ वासमुवागए ॥ ३ ॥ अह तेणेव कालेणं, पुरीए तत्थ माहणे । विजयघोसित्ति नामेण, जन्नं जयइ वेयवी ॥ ४ ॥ अह से तत्थ अणगारे, मासक्खमणपारणे । विजयघोसस्स जन्नंमि, भिक्खमट्ठा उवट्ठिए ॥ ५ ॥ समुवट्ठियं तहिं संतं, जायगो पडिसेहए । न हु दाहामि ते भिक्खं, भिक्खू ! जायाहि अन्नओ ॥ ६ ॥ जे य वेयविऊ विप्पा, जन्नट्ठा य जे दिया । जोइसंगविऊ जे य, जे य धम्माण पारगा ॥ ७ ॥ जे समत्था समुद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य । तेसिं अन्नमिणं देयं, भो भिक्खू ! सव्वकामियं ॥ ८ ॥ सो तत्थ एवं पडिसिद्धो, जायगेण महामुणी । नवि रुट्ठो नवि तुट्ठो, उत्तमट्ठगवेसओ ॥ ९ ॥ नन्नट्ठं पाणहेउं वा, नवि निव्वाहणाय वा । तेसिं विमोक्खणट्ठाए, इमं वयणमब्बवी ॥ १० ॥ नवि जाणासि वेयमुहं, नवि जन्नाण जं मुहं । नक्खत्ताण मुहं जं च, जं च धम्माण वा मुहं ॥ ११ ॥ जे समत्था समुद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य । न ते तुमं वियाणासि, अह जाणासि तो भण ॥ १२ ॥ तस्सक्खेवपमोक्खं तु, अचयंतो तहिं दिओ । सपरिसो पंजली होउं, पुच्छई तं महामुणिं ॥ १३ ॥ वेयाणं च मुहं बूहि, बूहि जन्नाण जं मुहं । नक्खत्ताण मुहं बूहि, बूहि धम्माण वा मुहं ॥ १४ ॥ जे समत्था समुद्धत्तुं, परमप्पाणमेव य । एयं मे संसयं सव्वं, साहू ! कहसु पुच्छिओ ॥ १५ ॥ अग्गिहुत्तमुहा वेया, जन्नट्ठी वेयसा मुहं । नक्खत्ताण मुहं चंदो, धम्माणं कासवो मुहं ॥ १६ ॥ जहा चंदं गहाईया, चिट्ठंति पंजलीउडा । वंदमाणा नमंसंता, उत्तमं मणहारिणो ॥ १७ ॥ अजाणगा जन्नवाई, विज्जामाहणसंपया । गूढा सज्झायतवसा, भासच्छन्ना इवग्गिणो ॥ १८ ॥ जो लोए बंभणो वुत्तो, अग्गी व महिओ जहा । सया कुसलसंदिट्ठं, तं वयं बूम माहणं ॥ १९ ॥ जो न सज्जइ आगंतुं, पव्वयंतो न सोयइ । रमइ अज्जवयणंमि, तं वयं बूम माहणं ॥ २० ॥ जायरूवं जहामट्ठं, निद्धंतमलपावगं । रागदोसभयाईयं, तं वयं बूम माहणं ॥ २१ ॥ तवस्सियं किसं दंतं, अवचियमंससोणियं । सुव्वयं पत्तनिव्वाणं, तं वयं बूम माहणं ॥ २२ ॥ तसपाणे वियाणेत्ता, संगहेण य थावरे । जो न हिंसइ तिविहेण, तं वयं बूम माहणं ॥ २३ ॥ कोहा वा जइ वा हासा, लोहा वा जइ वा भया । मुसं न वयई जो उ, तं वयं बूम माहणं ॥ २४ ॥

परंपराओ। पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ९८ ॥ भावे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण। न लिप्पई भवमज्झे वि संतो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ९९ ॥ एविंदियत्था य मणस्स अत्था, दुक्खस्स हेउं मणुयस्स रागिणो। ते चेव थोवं पि कयाइ दुक्खं, न वीयरागस्स करेंति किंचि ॥ १०० ॥ न कामभोगा समयं उवेंति, न यावि भोगा विगइं उवेंति। जे तप्पओसी य परिग्गही य, सो तेसु मोहा विगइं उवेइ ॥ १०१ ॥ कोहं च माणं च तहेव मायं, लोहं दुगुंछं अरइं रइं च। हासं भयं सोगपुमित्थिवेयं, नपुंसवेयं विविहे य भावे ॥ १०२ ॥ आवज्जई एवमणेगरूवे, एवंविहे कामगुणेसु सत्तो। अन्ने य एयप्पभवे विसेसे, कारुण्णदीणे हिरिमे वइस्से ॥ १०३ ॥ कप्पं न इच्छिज्ज सहायलिच्छू, पच्छाणुतावे न तवप्पभावं। एवं वियारे अमियप्पयारे, आवज्जई इंदियचोरवस्से ॥ १०४ ॥ तओ से जायंति पओयणाइं, निमज्जिउं मोहमहण्णवंमि। सुहेसिणो दुक्खविणोयणट्ठा, तप्पच्चयं उज्जमए य रागी ॥ १०५ ॥ विरज्जमाणस्स य इंदियत्था, सद्दाइया तावइयप्पगारा। न तस्स सव्वे वि मणुन्नयं वा, निव्वत्तयंती अमणुन्नयं वा ॥ १०६ ॥ एवं ससंकप्पविकप्पणासुं, संजायई समयमुवट्ठियस्स। अत्थे य संकप्पयओ तओ से, पहीयए कामगुणेसु तण्हा ॥ १०७ ॥ स वीयरागो कयसव्वकिच्चो, खवेइ नाणावरणं खणेणं। तहेव जं दंसणमावरेइ, जं चंतरायं पकरेइ कम्मं ॥ १०८ ॥ सव्वं तओ जाणइ पासए य, अमोहणे होइ निरंतराए। अणासवे झाणसमाहिजुत्ते, आउक्खए मोक्खमुवेइ सुद्धे ॥ १०९ ॥ सो तस्स सव्वस्स दुहस्स मुक्को, जं बाहई सययं जंतुमेयं। दीहामयं विप्पमुक्को पसत्थो, तो होइ अच्चंतसुही कयत्थो ॥ ११० ॥ अणाइकालप्पभवस्स एसो, सव्वस्स दुक्खस्स पमोक्खमग्गो। वियाहिओ जं समुविच्च सत्ता, कमेण अच्चंतसुही भवंति ॥ १११ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति पमायट्ठाणणामं बत्तीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ ३२ ॥**

अह कम्मप्पयडी णामं तेत्तीसइमं अज्झयणं

अट्ठ-कम्माइं वोच्छामि, आणुपुव्विं जहक्कमं। जेहिं बद्धो अयं जीवो, संसारे परिवट्टई ॥ १ ॥ नाणस्सावरणिज्जं, दंसणावरणं तहा। वेयणिज्जं तहा मोहं, आउकम्मं तहेव य ॥ २ ॥ नामकम्मं च गोयं च, अंतरायं तहेव य। एवमेयाइ कम्माइं, अट्ठेव उ समासओ ॥ ३ ॥ (१) नाणावरणं पंचविहं, सुयं आभिणिबोहियं। ओहिनाणं च तइयं, मणनाणं च केवलं ॥ ४ ॥ (२) निद्दा तहेव पयला, निद्दानिद्दा पय-

संसारसागरं ॥ १ ॥ पढमा आवस्सिया नाम, बिइया य निसीहिया । आपुच्छणा य तइया, चउत्थी पडिपुच्छणा ॥ २ ॥ पंचमी छंदणा नाम, इच्छाकारो य छट्ठओ । सत्तमो मिच्छाकारो य, तहक्कारो य अट्ठमो ॥ ३ ॥ अब्भुट्ठाणं च नवमं, दसमी उवसंपया । एसा दसंगा साहूणं, सामायारी पवेइया ॥ ४ ॥ गमणे आवस्सियं कुज्जा, ठाणे कुज्जा निसीहियं । आपुच्छणं सयंकरणे, परकरणे पडिपुच्छणं ॥ ५ ॥ छंदणा दव्वजाएणं, इच्छाकारो य सारणे । मिच्छाकारो य निंदाए, तहक्कारो पडिस्सुए ॥ ६ ॥ अब्भुट्ठाणं गुरुपूया, अच्छणे उवसंपया । एवं दुपंचसंजुत्ता, सामायारी पवेइया ॥ ७ ॥ पुव्विल्लंमि चउब्भाए, आइच्चंमि समुट्ठिए । भंडयं पडिलेहित्ता, वंदित्ता य तओ गुरुं ॥ ८ ॥ पुच्छिज्ज पंजलीउडो, किं कायव्वं मए इह । इच्छं निओइउं भंते !, वेयावच्चे व सज्झाए ॥ ९ ॥ वेयावच्चे निउत्तेण, कायव्वं अगिलायओ । सज्झाए वा निउत्तेण, सव्वदुक्खविमोक्खणे ॥ १० ॥ दिवसस्स चउरो भागे, भिक्खू कुज्जा वियक्खणो । तओ उत्तरगुणे कुज्जा, दिणभागेसु चउसु वि ॥ ११ ॥ पढमं पोरिसि सज्झायं, बीयं झाणं झियायई । तइयाए भिक्खायरियं, पुणो चउत्थीइ सज्झायं ॥ १२ ॥ असाढे मासे दुपया, पोसे मासे चउप्पया । चित्तासोएसु मासेसु, तिप्पया हवइ पोरिसी ॥ १३ ॥ अंगुलं सत्तरत्तेणं, पक्खेणं च दुअंगुलं । वड्ढए हायए वावि, मासेणं चउरंगुलं ॥ १४ ॥ आसाढबहुलपक्खे, भद्दवए कत्तिए य पोसे य । फग्गुणवइसाहेसु य, बोद्धव्वा ओमरत्ताओ ॥ १५ ॥ जेट्ठामूले आसाढसावणे, छहिं अंगुलेहिं पडिलेहा । अट्ठहिं बीयतयंमि, तइए दस अट्ठहिं चउत्थे ॥ १६ ॥ रत्तिं पि चउरो भागे, भिक्खू कुज्जा वियक्खणो । तओ उत्तरगुणे कुज्जा, राइभाएसु चउसु वि ॥ १७ ॥ पढमं पोरिसि सज्झायं, बीयं झाणं झियायई । तइयाए निद्दमोक्खं तु, चउत्थी भुज्जो वि सज्झायं ॥ १८ ॥ जं नेइ जया रत्तिं, नक्खत्तं तंमि नहचउब्भाए । संपत्ते विरमेज्जा, सज्झायं पओसकालंमि ॥ १९ ॥ तम्मेव य नक्खत्ते, गयणचउब्भागसावसेसंमि । वेरत्तियं पि कालं, पडिलेहित्ता मुणी कुज्जा ॥ २० ॥ पुव्विल्लंमि चउब्भाए, पडिलेहित्ताण भंडयं । गुरुं वंदित्तु सज्झायं, कुज्जा दुक्खविमोक्खणं ॥ २१ ॥ पोरिसीए चउब्भाए, वंदित्ताण तओ गुरुं । अपडिक्कमित्ता कालस्स, भायणं पडिलेहए ॥ २२ ॥ मुहपोत्तिं पडिलेहित्ता, पडिलेहिज्ज गोच्छगं । गोच्छगलइयंगुलिओ, वत्थाइं पडिलेहए ॥ २३ ॥ उड्ढं थिरं अतुरियं, पुव्वं ता वत्थमेव पडिलेहे । तो बिइयं पप्फोडे, तइयं च पुणो पमज्जिज्जा ॥ २४ ॥ अणच्चावियं

१ सज्झायकालाओ अणिवित्तो होऊण ।

सुणेह मे ॥ १ ॥ नामाइं वण्णरसगंध-, फासपरिणामलक्खणं । ठाणं ठिइं गइं चाउं, लेसाणं तु सुणेह मे ॥ २ ॥ किण्हा नीला य काऊ य, तेऊ पम्हा तहेव य । सुक्कलेसा य छट्ठा य, नामाइं तु जहक्कमं ॥ ३ ॥ (१) जीमूयनिद्धसंकासा, गवलरिट्ठगसन्निभा । खंजंजणनयणनिभा, किण्हलेसा उ वण्णओ ॥ ४ ॥ (२) नीलासोगसंकासा, चासपिच्छसमप्पभा । वेरुलियनिद्धसंकासा, नीललेसा उ वण्णओ ॥ ५ ॥ (३) अयसीपुप्फसंकासा, कोइलच्छदसन्निभा । पारेवयगीवनिभा, काउलेसा उ वण्णओ ॥ ६ ॥ (४) हिंगुलयधाउसंकासा, तरुणाइच्चसन्निभा । सुयतुंडपईवनिभा, तेऊलेसा उ वण्णओ ॥ ७ ॥ (५) हरियालभेयसंकासा, हलिद्दाभेयसमप्पभा । सणासणकुसुमनिभा, पम्हलेसा उ वण्णओ ॥ ८ ॥ (६) संखंककुंदसंकासा, खीरपूरसमप्पभा । रययहारसंकासा, सुक्कलेसा उ वण्णओ ॥ ९ ॥ (१) जह कडुयतुंबगरसो, निंबरसो कडुयरोहिणिरसो वा । एत्तो वि अणंतगुणो, रसो य किण्हाए नायव्वो ॥ १० ॥ (२) जह तिगडुयस्स य रसो, तिक्खो जह हत्थि[1]-पिप्पलीए वा । एत्तो वि अणंतगुणो, रसो उ नीलाए नायव्वो ॥ ११ ॥ (३) जह तरुणअंबगरसो, तुवरकविट्ठस्स वावि जारिसओ । एत्तो वि अणंतगुणो, रसो उ काऊए नायव्वो ॥ १२ ॥ (४) जह परिणयंबगरसो, पक्ककविट्ठस्स वावि जारिसओ । एत्तो वि अणंतगुणो, रसो उ तेऊए नायव्वो ॥ १३ ॥ (५) जह वारुणीए व रसो, विविहाण व आसवाण जारिसओ । महुमेरयस्स व रसो, एत्तो पम्हाए परएणं ॥ १४ ॥ (६) खज्जूरमुद्दियरसो, खीररसो खंडसक्कररसो वा । एत्तो वि अणंतगुणो, रसो उ सुक्काए नायव्वो ॥ १५ ॥ जह गोमडस्स गंधो, सुणगमडस्स व जहा अहि-मडस्स । एत्तो वि अणंतगुणो, लेसाणं अप्पसत्थाणं ॥ १६ ॥ जह सुरहिकुसुमगंधो, गंधवासाण पिस्समाणाणं । एत्तो वि अणंतगुणो, पसत्थलेसाण तिण्हं पि ॥ १७ ॥ जह करगयस्स फासो, गोजिब्भाए य सागपत्ताणं । एत्तो वि अणंतगुणो, लेसाणं अप्पसत्थाणं ॥ १८ ॥ जह बूरस्स व फासो, नवणीयस्स व सिरीसकुसुमाणं । एत्तो वि अणंतगुणो, पसत्थलेसाण तिण्हं पि ॥ १९ ॥ तिविहो व नवविहो वा, सत्तावीसइ-विहेक्कसीओ वा । दुसओ तेयालो वा, लेसाणं होइ परिणामो ॥ २० ॥ (१) पंचासवप्प-वत्तो, तीहिं अगुत्तो छसुं अविरओ य । तिव्वारंभपरिणओ, खुद्दो साहसिओ नरो ॥ २१ ॥ निद्धंधसपरिणामो, निस्संसो अजिइंदिओ । एयजोगसमाउत्तो, किण्हलेसं तु परिणमे ॥ २२ ॥ (२) इस्सा अमरिस अतवो, अविज्जमाया अहीरिया । गिद्धी पओसे य सढे, पमत्ते रसलोलुए ॥ २३ ॥ सायगवेसए य[2] । आरंभाओ अविरओ, खुद्दो

१ 'गजपीपल' इति भासाए । २ गाहाहिगपयमिणं ।

जो जस्स उ आहारो, तत्तो ओमं तु जो करे। जहन्नेणेगसित्थाई, एवं दव्वेण ऊ भवे ॥ १५ ॥ गामे नगरे तह रायहाणि, निगमे य आगरे पल्ली। खेडे कव्वडदोणमुह-, पट्टणमडंबसंवाहे ॥ १६ ॥ आसमपए विहारे, सन्निवेसे समायघोसे य। थलिसेणाखंधारे, सत्थे संवट्टकोट्टे य ॥ १७ ॥ वाडेसु व रत्थासु व, घरेसु वा एवमित्तियं खेत्तं। कप्पइ उ एवमाई, एवं खेत्तेण ऊ भवे ॥ १८ ॥ पेडा य अद्धपेडा, गोमुत्तिपयंगवीहिया चेव। संबुक्कावट्टाऽऽयय-, गंतुं पच्चागया छट्ठा ॥ १९ ॥ दिवसस्स पोरुसीणं, चउण्हं पि उ जत्तिओ भवे कालो। एवं चरमाणो खलु, कालोमाणं मुणेयव्वं ॥ २० ॥ अहवा तइयाए पोरिसीए, ऊणाइ घासमेसंतो। चउभागूणाए वा, एवं कालेण ऊ भवे ॥ २१ ॥ इत्थी वा पुरिसो वा, अलंकिओ वा नलंकिओ वावि। अन्नयरवयत्थो वा, अन्नयरेणं व वत्थेणं ॥ २२ ॥ अन्नेण विसेसेणं, वण्णेणं भावमणुमुयंते उ। एवं चरमाणो खलु, भावोमाणं मुणेयव्वं ॥ २३ ॥ दव्वे खेत्ते काले, भावंमि य आहिया उ जे भावा। एएहि ओमचरओ, पज्जवचरओ भवे भिक्खू ॥ २४ ॥ (३) अट्ठविहगोयरग्गं तु, तहा सत्तेव एसणा। अभिग्गहा य जे अन्ने, भिक्खायरियमाहिया ॥ २५ ॥ (४) खीरदहिसप्पिमाई, पणीयं पाणभोयणं। परिवज्जणं रसाणं तु, भणियं रसविवज्जणं ॥ २६ ॥ (५) ठाणा वीरासणाईया, जीवस्स उ सुहावहा। उग्गा जहा धरिज्जंति, कायकिलेसं तमाहियं ॥ २७ ॥ (६) एगंतमणावाए, इत्थीपसुविवज्जिए। सयणासणसेवणया, विवित्तसयणासणं ॥ २८ ॥ एसो बाहिरगं तवो, समासेण वियाहिओ। अब्भिंतरं तवं एत्तो, वुच्छामि अणुपुव्वसो ॥ २९ ॥ पायच्छित्तं विणओ, वेयावच्चं तहेव सज्झाओ। झाणं च विउस्सग्गो, एसो अब्भिंतरो तवो ॥ ३० ॥ (१) आलोयणारिहाईयं, पायच्छित्तं तु दसविहं। जे भिक्खू वहई सम्मं, पायच्छित्तं तमाहियं ॥ ३१ ॥ (२) अब्भुट्ठाणं अंजलिकरणं, तहेवासणदायणं। गुरुभत्तिभावसुस्सूसा, विणओ एस वियाहिओ ॥ ३२ ॥ (३) आयरियमाइए, वेयावच्चंमि दसविहे। आसेवणं जहाथामं, वेयावच्चं तमाहियं ॥ ३३ ॥ (४) वायणा पुच्छणा चेव, तहेव परियट्टणा। अणुप्पेहा धम्मकहा, सज्झाओ पंचहा भवे ॥ ३४ ॥ (५) अट्टरुद्दाणि वज्जित्ता, झाएज्जा सुसमाहिए। धम्मसुक्काइं झाणाइं, झाणं तं तु बुहा वए ॥ ३५ ॥ (६) सयणासणठाणे वा, जे उ भिक्खू न वावरे। कायस्स विउस्सग्गो, छट्ठो सो परिकित्तिओ ॥ ३६ ॥ एवं तवं तु दुविहं, जे सम्मं आयरे मुणी। सो खिप्पं सव्वसंसारा, विप्पमुच्चइ पंडिओ ॥ ३७ ॥ त्ति-बेमि ॥ इति तवमग्गणामं तीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ ३० ॥

॥ ४७ ॥ दस वाससहस्साइं, किण्हाए ठिई जहन्निया होइ। पलियमसंखिज्जइमो, उक्कोसो होइ किण्हाए ॥ ४८ ॥ जा किण्हाए ठिई खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया। जहन्नेणं नीलाए, पलियमसंखं च उक्कोसा ॥ ४९ ॥ जा नीलाए ठिई खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया। जहन्नेणं काऊए, पलियमसंखं च उक्कोसा ॥ ५० ॥ तेण परं वोच्छामि, तेऊलेसा जहा सुरगणाणं। भवणवइवाणमंतर-, जोइसवेमाणियाणं च ॥ ५१ ॥ पलिओवमं जहन्ना, उक्कोसा सागरा उ दुन्नहिया। पलियमसंखेज्जेणं, होइ भागेण तेऊए ॥ ५२ ॥ दसवाससहस्साइं, तेऊए ठिई जहन्निया होइ। दुन्नुदही पलिओवम-,असंखभागं च उक्कोसा ॥ ५३ ॥ जा तेऊए ठिई खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया। जहन्नेणं पम्हाए, दस उ मुहुत्ताहियाइ उक्कोसा ॥ ५४ ॥ जा पम्हाए ठिई खलु, उक्कोसा सा उ समयमब्भहिया। जहन्नेणं सुक्काए, तेत्तीसमुहुत्तमब्भहिया ॥ ५५ ॥ किण्हा नीला काऊ, तिन्नि वि एयाओ अहम्मलेसाओ। एयाहि तिहि वि जीवो, दुग्गइं उववज्जई ॥ ५६ ॥ तेऊ पम्हा सुक्का, तिन्नि वि एयाओ धम्मलेसाओ। एयाहि तिहि वि जीवो, सुग्गइं उववज्जई ॥ ५७ ॥ लेसाहिं सव्वाहिं, पढमे समयंमि परिणयाहिं तु। न हु कस्सइ उववाओ, परे भवे अत्थि जीवस्स ॥ ५८ ॥ लेसाहिं सव्वाहिं, चरिमे समयंमि परिणयाहिं तु। न हु कस्सइ उववाओ, परे भवे होइ जीवस्स ॥ ५९ ॥ अंतमुहुत्तंमि गए, अंतमुहुत्तंमि सेसए चेव। लेसाहिं परिणयाहिं, जीवा गच्छंति परलोयं ॥ ६० ॥ तम्हा एयासि लेसाणं, आणुभावे वियाणिया। अप्पसत्थाओ वज्जित्ता, पसत्थाओऽहिट्ठिए मुणि ॥ ६१ ॥ त्ति-बेमि ॥ **इति लेसज्झयणणामं चोत्तीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ ३४ ॥**

अह अणगारज्झयणं णाम पंचतीसइमं अज्झयणं

सुणेह मे एगग्गमणा, मग्गं बुद्धेहि देसियं। जमायरंतो भिक्खू, दुक्खाणंतकरे भवे ॥ १ ॥ गिहवासं परिच्चज्ज, पवज्जामस्सिए मुणी। इमे संगे वियाणिज्जा, जेहिं सज्जंति माणवा ॥ २ ॥ तहेव हिंसं[1] अलियं[2], चोज्जं[3] अवंभसेवणं। इच्छाकामं च लोभं च, संजओ परिवज्जए ॥ ३ ॥ मणोहरं चित्तघरं, मल्लधूवेण वासियं। सकवाडं पंडुरुल्लोयं, मणसा वि न पत्थए ॥ ४ ॥ इंदियाणि उ भिक्खुस्स, तारिसंमि उवस्सए। दुक्कराइं निवारेउं, कामरागविवड्ढणे ॥ ५ ॥ सुसाणे सुन्नगारे वा, रुक्खमूले व एगओ। पइरिक्के परकडे वा, वासं तत्थाभिरोयए ॥ ६ ॥ फासुयंमि

अह पमायट्ठाणणामं बत्तीसइमं अज्झयणं

अच्चंतकालस्स समूलगस्स, सव्वस्स दुक्खस्स उ जो पमोक्खो । तं भासओ मे पडिपुण्णचित्ता, सुणेह एगंतहियं हियत्थं ॥ १ ॥ नाणस्स सव्वस्स पगासणाए, अन्नाणमोहस्स विवज्जणाए । रागस्स दोसस्स य संखएणं, एगंतसोक्खं समुवेइ मोक्खं ॥ २ ॥ तस्सेस मग्गो गुरुविद्धसेवा, विवज्जणा बालजणस्स दूरा । सज्झाय-एगंतनिसेवणा य, सुत्तत्थसंचिंतणया धिई य ॥ ३ ॥ आहारमिच्छे मियमेसणिज्जं, सहायमिच्छे निउणत्थबुद्धिं । निकेयमिच्छेज्ज विवेगजोग्गं, समाहिकामे समणे तवस्सी ॥ ४ ॥ न वा लभेज्जा निउणं सहायं, गुणाहियं वा गुणओ समं वा । एगो वि पावाइं विवज्जयंतो, विहरेज्ज कामेसु असज्जमाणो ॥ ५ ॥ जहा य अंडप्पभवा बलागा, अंडं बलागप्पभवं जहा य । एमेव मोहाययणं खु तण्हा, मोहं च तण्हाय-यणं वयंति ॥ ६ ॥ रागो य दोसो वि य कम्मबीयं, कम्मं च मोहप्पभवं वयंति । कम्मं च जाईमरणस्स मूलं, दुक्खं च जाईमरणं वयंति ॥ ७ ॥ दुक्खं हयं जस्स न होइ मोहो, मोहो हओ जस्स न होइ तण्हा । तण्हा हया जस्स न होइ लोहो, लोहो हओ जस्स न किंचणाइं ॥ ८ ॥ रागं च दोसं च तहेव मोहं, उद्धत्तुकामेण समूलजालं । जे जे उवाया पडिवज्जियव्वा, ते कित्तइस्सामि अहाणुपुव्विं ॥ ९ ॥ रसा पगामं न निसेवि-यव्वा, पायं रसा दित्तिकरा नराणं । दित्तं च कामा समभिद्दवंति, दुमं जहा साउफलं व पक्खी ॥ १० ॥ जहा दवग्गी पउरिंधणे वणे, समारुओ नोवसमं उवेइ । एविंदियग्गी वि पगामभोइणो, न बंभयारिस्स हियाय कस्सई ॥ ११ ॥ विवित्तसेज्जासणजंतियाणं, ओमासणाणं दमिइंदियाणं । न रागसत्तू धरिसेइ चित्तं, पराइओ वाहिरिवोसहेहिं ॥ १२ ॥ जहा बिरालावसहस्स मूले, न मूसगाणं वसही पसत्था । एमेव इत्थीनिलयस्स मज्झे, न बंभयारिस्स खमो निवासो ॥ १३ ॥ न रूवलावण्णविलासहासं, न जंपियं इंगियपेहियं वा । इत्थीण चित्तंसि निवेसइत्ता, दट्ठुं ववस्से समणे तवस्सी ॥ १४ ॥ अदंसणं चेव अपत्थणं च, अचिंतणं चेव अकित्तणं च । इत्थीजणस्सारियझाणजुग्गं, हियं सया बंभवए रयाणं ॥ १५ ॥ कामं तु देवीहिं विभूसियाहिं, न चाइया खोभ-इउं तिगुत्ता । तहा वि एगंतहियं ति नच्चा, विवित्तवासो मुणिणं पसत्थो ॥ १६ ॥ मोक्खाभिकंखिस्स उ माणवस्स, संसारभीरुस्स ठियस्स धम्मे । नेयारिसं दुत्तरमत्थि लोए, जहित्थिओ बालमणोहराओ ॥ १७ ॥ एए य संगे समइक्कमित्ता, सुदुत्तरा चेव भवंति सेसा । जहा महासागरमुत्तरित्ता, नई भवे अवि गंगासमाणा ॥ १८ ॥ कामाणुगिद्धिप्पभवं खु दुक्खं, सव्वस्स लोगस्स सदेवगस्स । जं काइयं माणसियं

धम्माधम्मागासा, तिन्नि वि एए अणाइया। अपज्जवसिया चेव, सव्वद्धं तु वियाहिया ॥ ८ ॥ समए वि संतइं पप्प, एवमेव वियाहिए। आएसं पप्प साइए, सपज्जवसिए वि य ॥ ९ ॥ खंधा य खंधदेसा य, तप्पएसा तहेव य। परमाणुणो य बोधव्वा, रूविणो य चउव्विहा ॥ १० ॥ एगत्तेण पुहत्तेण, खंधा य परमाणु य। लोगेगदेसे लोए य, भइयव्वा ते उ खेत्तओ ॥ ११ ॥ सुहुमा सव्वलोगंमि, लोगदेसे य बायरा। इत्तो कालविभागं तु, तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ १२ ॥ संतइं पप्प तेऽणाई, अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १३ ॥ असंखकालमुक्कोसं, एक्को समओ जहन्नयं। अजीवाण य रूवीणं, ठिई एसा वियाहिया ॥ १४ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, एक्को समओ जहन्नयं। अजीवाण य रूवीणं, अंतरेयं वियाहियं ॥ १५ ॥ वण्णओ गंधओ चेव, रसओ फासओ तहा। संठाणओ य विन्नेओ, परिणामो तेसि पंचहा ॥ १६ ॥ वण्णओ परिणया जे उ, पंचहा ते पकित्तिया। किण्हा नीला य लोहिया, हलिद्दा सुक्किला तहा ॥ १७ ॥ गंधओ परिणया जे उ, दुविहा ते वियाहिया। सुब्भिगंधपरिणामा, दुब्भिगंधा तहेव य ॥ १८ ॥ रसओ परिणया जे उ, पंचहा ते पकित्तिया। तित्तकडुयकसाया, अंबिला महुरा तहा ॥ १९ ॥ फासओ परिणया जे उ, अट्ठहा ते पकित्तिया। कक्खडा मउया चेव, गरुया लहुया तहा ॥ २० ॥ सीया उण्हा य निद्धा य, तहा लुक्खा य आहिया। इय फासपरिणया एए, पुग्गला समुदाहिया ॥ २१ ॥ संठाणओ परिणया जे उ, पंचहा ते पकित्तिया। परिमंडला य वट्टा य, तंसा चउरंसमायया ॥ २२ ॥ वण्णओ जे भवे किण्हे, भइए से उ गंधओ। रसओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ २३ ॥ वण्णओ जे भवे नीले, भइए से उ गंधओ। रसओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ २४ ॥ वण्णओ लोहिए जे उ, भइए से उ गंधओ। रसओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ २५ ॥ वण्णओ पीयए जे उ, भइए से उ गंधओ। रसओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ २६ ॥ वण्णओ सुक्किले जे उ, भइए से उ गंधओ। रसओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ २७ ॥ गंधओ जे भवे सुब्भी, भइए से उ वण्णओ। रसओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ २८ ॥ गंधओ जे भवे दुब्भी, भइए से उ वण्णओ। रसओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ २९ ॥ रसओ तित्तए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३० ॥ रसओ कडुए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३१ ॥ रसओ कसाए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३२ ॥ रसओ अंबिले जे उ, भइए से उ

एगंतरत्ते रुइरंसि सद्दे, अतालिसे से कुणई पओसं। दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ३९ ॥ सद्दाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे। चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ४० ॥ सद्दाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे। वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ४१ ॥ सद्दे अतित्ते य परिग्गहंमि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं। अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्तं ॥ ४२ ॥ तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, सद्दे अतित्तस्स परिग्गहे य। मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ४३ ॥ मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरंते। एवं अदत्ताणि समाययंतो, सद्दे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ४४ ॥ सद्दाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज कयाइ किंचि। तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ४५ ॥ एमेव सद्दंमि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ। पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ४६ ॥ सद्दे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण। न लिप्पए भवमज्झे वि संतो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ४७ ॥ (३) घाणस्स गंधं गहणं वयंति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु। तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ४८ ॥ गंधस्स घाणं गहणं वयंति, घाणस्स गंधं गहणं वयंति। रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ ४९ ॥ गंधेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं। रागाउरे ओसहगंधगिद्धे, सप्पे बिलाओ विव निक्खमंते ॥ ५० ॥ जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं। दुद्दंतदोसेण सएण जंतू, न किंचि गंधं अवरज्झई से ॥ ५१ ॥ एगंतरत्ते रुइरंसि गंधे, अतालिसे से कुणई पओसं। दुक्खस्स संपीलमुवेइ बाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ५२ ॥ गंधाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे। चित्तेहि ते परितावेइ बाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ५३ ॥ गंधाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे। वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ५४ ॥

॥ ५८ ॥ पणयालसयसहस्सा, जोयणाणं तु आयया । तावइयं चेव वित्थिण्णा, तिगुणो साहियपरिरओ ॥ ५९ ॥ अट्ठजोयणबाहल्ला, सा मज्झंमि वियाहिया । परिहायंती चरिमंते, मच्छिपत्ताउ तणुयरी ॥ ६० ॥ अज्जुणसुवण्णगमई, सा पुढवी निम्मला सहावेण । उत्ताणगच्छत्तगसंठिया य, भणिया जिणवरेहिं ॥ ६१ ॥ संखंककुंदसंकासा, पंडुरा निम्मला सुहा । सीयाए जोयणे तत्तो, लोयंतो उ वियाहिओ ॥ ६२ ॥ जोयणस्स उ जो तत्थ, कोसो उवरिमो भवे । तस्स कोसस्स छब्भाए, सिद्धाणोगाहणा भवे ॥ ६३ ॥ तत्थ सिद्धा महाभागा, लोयग्गंमि पइट्ठिया । भवपवंचओ मुक्का, सिद्धिं वरगइं गया ॥ ६४ ॥ उस्सेहो जस्स जो होइ, भवंमि चरिमंमि उ । तिभागहीणो तत्तो य, सिद्धाणोगाहणा भवे ॥ ६५ ॥ एगत्तेण साईया, अपज्जवसिया वि य । पुहत्तेण अणाईया, अपज्जवसिया वि य ॥ ६६ ॥ अरूविणो जीवघणा, नाणदंसणसन्निया । अउलं सुहं संपत्ता, उवमा जस्स नत्थि उ ॥ ६७ ॥ लोगेगदेसे ते सव्वे, नाणदंसणसन्निया । संसारपारनित्थिण्णा, सिद्धिं वरगइं गया ॥ ६८ ॥ संसारत्था उ जे जीवा, दुविहा ते वियाहिया । तसा य थावरा चेव, थावरा तिविहा तहिं ॥ ६९ ॥ पुढवी आउजीवा य, तहेव य वणस्सई । इच्चेए थावरा तिविहा, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ ७० ॥ दुविहा य पुढवीजीवा, सुहुमा बायरा तहा । पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेव दुहा पुणो ॥ ७१ ॥ बायरा जे उ पज्जत्ता, दुविहा ते वियाहिया । सण्हा खरा य बोधव्वा, सण्हा सत्तविहा तहिं ॥ ७२ ॥ किण्हा नीला य रुहिरा य, हालिद्दा सुक्किला तहा । पंडुपणगमट्टिया, खरा छत्तीसईविहा ॥ ७३ ॥ पुढवी य सक्करा वालुया य, उवले सिला य लोणूसे । अयतंबतउयसीसग–, रुप्पसुवण्णे य वइरे य ॥ ७४ ॥ हरियाले हिंगुलुए, मणोसिला सासगंजणपवाले । अब्भपडलब्भवालुय, बायरकाए मणिविहाणे ॥ ७५ ॥ गोमेज्जए य रुयगे, अंके फलिहे य लोहियक्खे य । मरगयमसारगल्ले, भुयमोयगइंदनीले य ॥ ७६ ॥ चंदणगेरुयहंसगब्भे, पुलए सोगंधिए य बोधव्वे । चंदप्पहवेरुलिए, जलकंते सूरकंते य ॥ ७७ ॥ एए खरपुढवीए, भेया छत्तीसमाहिया । एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया ॥ ७८ ॥ सुहुमा सव्वलोगंमि, लोगदेसे य बायरा । इत्तो कालविभागं तु, वुच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ ७९ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ ८० ॥ बावीससहस्साइं, वासाणुक्कोसिया भवे । आउठिई पुढवीणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ ८१ ॥ असंखकालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया । कायठिई पुढवीणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ ८२ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं । विजढंमि सए काए, पुढविजीवाण

कुणई पओसं। दुक्खस्स संपीलमुवेइ वाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ७८ ॥ फासाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे। चित्तेहि ते परितावेइ वाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ७९ ॥ फासाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे। वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ८० ॥ फासे अतित्ते य परिग्गहंमि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं। अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्तं ॥ ८१ ॥ तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, फासे अतित्तस्स परिग्गहे य। मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ८२ ॥ मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरंते। एवं अदत्ताणि समाययंतो, फासे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ८३ ॥ फासाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि। तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ८४ ॥ एमेव फासंमि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोहपरंपराओ। पदुट्ठचित्तो य चिणाइ कम्मं, जं से पुणो होइ दुहं विवागे ॥ ८५ ॥ फासे विरत्तो मणुओ विसोगो, एएण दुक्खोहपरंपरेण। न लिप्पई भवमज्झे वि संतो, जलेण वा पोक्खरिणीपलासं ॥ ८६ ॥ (६) मणस्स भावं गहणं वयंति, तं रागहेउं तु मणुन्नमाहु। तं दोसहेउं अमणुन्नमाहु, समो य जो तेसु स वीयरागो ॥ ८७ ॥ भावस्स मणं गहणं वयंति, मणस्स भावं गहणं वयंति। रागस्स हेउं समणुन्नमाहु, दोसस्स हेउं अमणुन्नमाहु ॥ ८८ ॥ भावेसु जो गिद्धिमुवेइ तिव्वं, अकालियं पावइ से विणासं। रागाउरे कामगुणेसु गिद्धे, करेणुमग्गावहिए गजे वा ॥ ८९ ॥ जे यावि दोसं समुवेइ तिव्वं, तंसि क्खणे से उ उवेइ दुक्खं। दुद्दंतदोसेण सएण जंतू, न किंचि भावं अवरज्झई से ॥ ९० ॥ एगंतरत्ते रुइरंसि भावे, अतालिसे से कुणई पओसं। दुक्खस्स संपीलमुवेइ वाले, न लिप्पई तेण मुणी विरागो ॥ ९१ ॥ भावाणुगासाणुगए य जीवे, चराचरे हिंसइऽणेगरूवे। चित्तेहि ते परितावेइ वाले, पीलेइ अत्तट्ठगुरू किलिट्ठे ॥ ९२ ॥ भावाणुवाएण परिग्गहेण, उप्पायणे रक्खणसन्निओगे। वए विओगे य कहं सुहं से, संभोगकाले य अतित्तलाभे ॥ ९३ ॥ भावे अतित्ते य परिग्गहंमि, सत्तोवसत्तो न उवेइ तुट्ठिं। अतुट्ठिदोसेण दुही परस्स, लोभाविले आययई अदत्तं ॥ ९४ ॥ तण्हाभिभूयस्स अदत्तहारिणो, भावे अतित्तस्स परिग्गहे य। मायामुसं वड्ढइ लोभदोसा, तत्थावि दुक्खा न विमुच्चई से ॥ ९५ ॥ मोसस्स पच्छा य पुरत्थओ य, पओगकाले य दुही दुरंते। एवं अदत्ताणि समाययंतो, भावे अतित्तो दुहिओ अणिस्सो ॥ ९६ ॥ भावाणुरत्तस्स नरस्स एवं, कत्तो सुहं होज्ज कयाइ किंचि। तत्थोवभोगे वि किलेसदुक्खं, निव्वत्तई जस्स कएण दुक्खं ॥ ९७ ॥ एमेव भावंमि गओ पओसं, उवेइ दुक्खोह-

वायरा जे उ पज्जत्ता,ऽणेगहा ते वियाहिया । इंगाले मुम्मुरे अगणी, अच्चि जाला तहेव य ॥ ११० ॥ उक्का विज्जू य बोधव्वा,ऽणेगहा एवमायओ । एगविहमणाणत्ता, सुहुमा ते वियाहिया ॥ १११ ॥ सुहुमा सव्वलोगंमि, लोगदेसे य वायरा । इत्तो कालविभागं तु, तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ ११२ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ ११३ ॥ तिण्णेव अहोरत्ता, उक्कोसेण वियाहिया । आउठिई तेऊणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ ११४ ॥ असंखकालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया । कायठिई तेऊणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ ११५ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं । विजढंमि सए काए, तेऊजीवाण अंतरं ॥ ११६ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ ११७ ॥ दुविहा वाउजीवा उ, सुहुमा वायरा तहा । पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेए दुहा पुणो ॥ ११८ ॥ वायरा जे उ पज्जत्ता, पंचहा ते पकित्तिया । उक्कलिया मंडलिया, घणगुंजा सुद्धवाया य ॥ ११९ ॥ संवट्टगवाया य,ऽणेगहा एवमायओ । एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया ॥ १२० ॥ सुहुमा सव्वलोगंमि, लोगदेसे य वायरा । इत्तो कालविभागं तु, तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ १२१ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १२२ ॥ तिण्णेव सहस्साइं, वासाणुक्कोसिया भवे । आउठिई वाऊणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १२३ ॥ असंखकालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया । कायठिई वाऊणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ १२४ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं । विजढंमि सए काए, वाऊजीवाण अंतरं ॥ १२५ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १२६ ॥ उराला तसा जे उ, चउहा ते पकित्तिया । वेइंदिय तेइंदिय, चउरो पंचिंदिया तहा ॥ १२७ ॥ वेइंदिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया । पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १२८ ॥ किमिणो सोमंगला चेव, अलसा माइवाहया । वासीमुहा य सिप्पिया, संखा संखणगा तहा ॥ १२९ ॥ पल्लोयाणुल्लया चेव, तहेव य वराडगा । जलूगा जालगा चेव, चंदणा य तहेव य ॥ १३० ॥ इइ वेइंदिया एए,ऽणेगहा एवमायओ । लोगेगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया ॥ १३१ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १३२ ॥ वासाइं वारसा चेव, उक्कोसेण वियाहिया । वेइंदियआउठिई, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १३३ ॥ संखिज्जकालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया । वेइंदियकायठिई, तं कायं तु अमुंचओ ॥ १३४ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं

विभागं तु, वोच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ १५९ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १६० ॥ सागरोवममेगं तु, उक्कोसेण वियाहिया । पढमाए जहन्नेणं, दसवाससहस्सिया ॥ १६१ ॥ तिण्णेव सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । दोच्चाए जहन्नेणं, एगं तु सागरोवमं ॥ १६२ ॥ सत्तेव सागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । तइयाए जहन्नेणं, तिण्णेव सागरोवमा ॥ १६३ ॥ दससागरोवमा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । चउत्थीए जहन्नेणं, सत्तेव सागरोवमा ॥ १६४ ॥ सत्तरससागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । पंचमाए जहन्नेणं, दस चेव सागरोवमा ॥ १६५ ॥ बावीससागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । छट्ठीए जहन्नेणं, सत्तरससागरोवमा ॥ १६६ ॥ तेत्तीससागरा ऊ, उक्कोसेण वियाहिया । सत्तमाए जहन्नेणं, बावीसं सागरोवमा ॥ १६७ ॥ जा चेव य आउठिई, नेरइयाणं वियाहिया । सा तेसिं कायठिई, जहन्नुक्कोसिया भवे ॥ १६८ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं । विजढंमि सए काए, नेरइयाणं तु अंतरं ॥ १६९ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १७० ॥ पंचिंदियतिरिक्खाओ, दुविहा ते वियाहिया । संमुच्छिमतिरिक्खाओ, गब्भवक्कंतिया तहा ॥ १७१ ॥ दुविहा ते भवे तिविहा, जलयरा थलयरा तहा । नहयरा य बोधव्वा, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १७२ ॥ मच्छा य कच्छभा य, गाहा य मगरा तहा । सुंसुमारा य बोधव्वा, पंचहा जलयराहिया ॥ १७३ ॥ लोएगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया । इत्तो कालविभागं तु, वोच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ १७४ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १७५ ॥ एगा य पुव्वकोडी, उक्कोसेण वियाहिया । आउठिई जलयराणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १७६ ॥ पुव्वकोडिपुहत्तं तु, उक्कोसेण वियाहिया । कायठिई जलयराणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १७७ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं । विजढंमि सए काए, जलयराणं तु अंतरं ॥ १७८ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १७९ ॥ चउप्पया य परिसप्पा, दुविहा थलयरा भवे । चउप्पया चउविहा, ते मे कित्तयओ सुण ॥ १८० ॥ एगखुरा दुखुरा चेव, गंडीपयसणप्फया । हयमाई गोणमाई, गयमाइसीहमाइणो ॥ १८१ ॥ भुओरगपरिसप्पा य, परिसप्पा दुविहा भवे । गोहाई अहिमाई य, एक्केक्काऽणेगहा भवे ॥ १८२ ॥ लोएगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया । एत्तो कालविभागं तु, वोच्छं तेसिं चउव्विहं ॥ १८३ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य

साहस्सिओ नरो । एयजोगसमाउत्तो, नीललेसं तु परिणमे ॥ २४ ॥ (३) वंके वंकसमायारे, नियडिल्ले अणुज्जुए । पलिउंचगओवहिए, मिच्छादिट्ठी अणारिए ॥ २५ ॥ उप्फालगदुट्ठवाई य, तेणे यावि य मच्छरी । एयजोगसमाउत्तो, काउलेसं तु परिणमे ॥ २६ ॥ (४) नीयावित्ती अचवले, अमाई अकुऊहले । विणीयविणए दंते, जोगवं उवहाणवं ॥ २७ ॥ पियधम्मे दढधम्मे,ऽवज्जभीरु हिएसए । एयजोगसमाउत्तो, तेऊलेसं तु परिणमे ॥ २८ ॥ (५) पयणुकोहमाणे य, मायालोभे य पयणुए । पसंतचित्ते दंतप्पा, जोगवं उवहाणवं ॥ २९ ॥ तहा पयणुवाई य, उवसंते जिइंदिए । एयजोगसमाउत्तो, पम्हलेसं तु परिणमे ॥ ३० ॥ (६) अट्टरुद्दाणि वज्जित्ता, धम्मसुक्काणि झायए । पसंतचित्ते दंतप्पा, समिए गुत्ते य गुत्तिसु ॥ ३१ ॥ सरागे वीयरागे वा, उवसंते जिइंदिए । एयजोगसमाउत्तो, सुक्कलेसं तु परिणमे ॥ ३२ ॥ असंखिज्जाणोसप्पिणीण, उस्सप्पिणीण जे समया । संखाईया लोगा, लेसाण हवंति ठाणाइं ॥ ३३ ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना, तेत्तीसा सागरा मुहुत्तहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा किण्हलेसाए ॥ ३४ ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना, दस उदही पलियमसंखभागमब्भहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा नीललेसाए ॥ ३५ ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना, तिण्णुदही पलियमसंखभागमब्भहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा काउलेसाए ॥ ३६ ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना, दोण्णुदही पलियमसंखभागमब्भहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा तेउलेसाए ॥ ३७ ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना, दस होंति य सागरा मुहुत्तहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा पम्हलेसाए ॥ ३८ ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना, तेत्तीसं सागरा मुहुत्तहिया । उक्कोसा होइ ठिई, नायव्वा सुक्कलेसाए ॥ ३९ ॥ एसा खलु लेसाणं, ओहेण ठिई उ वण्णिया होइ । चउसु वि गईसु एत्तो, लेसाण ठिइं तु वोच्छामि ॥ ४० ॥ दस वाससहस्साइं, काऊए ठिई जहन्निया होइ । तिण्णुदही पलिओवम-, असंखभागं च उक्कोसा ॥ ४१ ॥ तिण्णुदही पलिओवम-, असंखभागो जहन्नेण नीलठिई । दस उदही पलिओवम-, असंखभागं च उक्कोसा ॥ ४२ ॥ दसउदही पलिओवम-,असंखभागं जहन्निया होइ । तेत्तीससागराइं उक्कोसा, होइ किण्हाए लेसाए ॥ ४३ ॥ एसा नेरइयाणं, लेसाण ठिई उ वण्णिया होइ । तेण परं वोच्छामि, तिरियमणुस्साण देवाणं ॥ ४४ ॥ अंतोमुहुत्तमद्धं, लेसाण ठिई जहिं जहिं जा उ । तिरियाण नराणं वा, वज्जित्ता केवलं लेसं ॥ ४५ ॥ मुहुत्तद्धं तु जहन्ना, उक्कोसा होइ पुव्वकोडीओ । नवहि वरिसेहि ऊणा, नायव्वा सुक्कलेसाए ॥ ४६ ॥ एसा तिरियनराणं, लेसाण ठिई उ वण्णिया होइ । तेण परं वोच्छामि, लेसाण ठिई उ देवाणं

दिसा विचारिणो चेव, पंचहा जोइसालया ॥ २०९ ॥ वेमाणिया उ जे देवा, दुविहा ते वियाहिया । कप्पोवगा य बोधव्वा, कप्पाईया तहेव य ॥ २१० ॥ कप्पोवगा बारसहा, सोहम्मीसाणगा तहा । सणंकुमारमाहिंदा, बंभलोगा य लंतगा ॥ २११ ॥ महासुक्का सहस्सारा, आणया पाणया तहा । आरणा अच्चुया चेव, इइ कप्पोवगा सुरा ॥ २१२ ॥ कप्पाईया उ जे देवा, दुविहा ते वियाहिया । गेविज्जाणुत्तरा चेव, गेविज्जा नवविहा तहिं ॥ २१३ ॥ हेट्ठिमाहेट्ठिमा चेव, हेट्ठिमामज्झिमा तहा । हेट्ठिमाउवरिमा चेव, मज्झिमाहेट्ठिमा तहा ॥ २१४ ॥ मज्झिमामज्झिमा चेव, मज्झिमाउवरिमा तहा । उवरिमाहेट्ठिमा चेव, उवरिमामज्झिमा तहा ॥ २१५ ॥ उवरिमाउवरिमा चेव, इय गेविज्जगा सुरा । विजया वेजयंता य, जयंता अपराजिया ॥ २१६ ॥ सव्वत्थसिद्धगा चेव, पंचहाणुत्तरा सुरा । इय वेमाणिया एए, ऽणेगहा एवमायओ ॥ २१७ ॥ लोगस्स एगदेसंमि, ते सव्वे वि वियाहिया । इत्तो कालविभागं तु, तेसिं वुच्छं चउव्विहं ॥ २१८ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ २१९ ॥ साहियं सागरं एक्कं, उक्कोसे(णं)ण ठिई भवे । भोमेज्जाणं जहन्नेणं, दसवाससहस्सिया ॥ २२० ॥ [पलिओवम दो ऊणा, उक्कोसेण वियाहिया । असु(रें)रिंदवज्जेताण, जहन्ना दससहस्सगा ॥] पलिओवममेगं तु, उक्कोसेण ठिई भवे । वंतराणं जहन्नेणं, दसवाससहस्सिया ॥ २२१ ॥ पलिओवममेगं तु, वासलक्खेण साहियं । पलिओवमट्ठभागो, जोइसेसु जहन्निया ॥ २२२ ॥ दो चेव सागराइं, उक्कोसेण वियाहिया । सोहम्मम्मि जहन्नेणं, एगं च पलिओवमं ॥ २२३ ॥ सागरा साहिया दुन्नि, उक्कोसेण वियाहिया । ईसाणम्मि जहन्नेणं, साहियं पलिओवमं ॥ २२४ ॥ सागराणि य सत्तेव, उक्कोसेण ठिई भवे । सणंकुमारे जहन्नेणं, दुन्नि ऊ सागरोवमा ॥ २२५ ॥ साहिया सागरा सत्त, उक्कोसेण ठिई भवे । माहिंदम्मि जहन्नेणं, साहिया दुन्नि सागरा ॥ २२६ ॥ दस चेव सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । बंभलोए जहन्नेणं, सत्त ऊ सागरोवमा ॥ २२७ ॥ चउद्दस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । लंतगम्मि जहन्नेणं, दस उ सागरोवमा ॥ २२८ ॥ सत्तरस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । महासुक्के जहन्नेणं, चोद्दस सागरोवमा ॥ २२९ ॥ अट्ठारस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । सहस्सारम्मि जहन्नेणं, सत्तरस सागरोवमा ॥ २३० ॥ सागरा अउणवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे । आणयम्मि जहन्नेणं, अट्ठारस सागरोवमा ॥ २३१ ॥ वीसं तु सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । पाणयम्मि जहन्नेणं, सागरा अउणवीसई ॥ २३२ ॥ सागरा इक्कवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे । आरणम्मि जह-

अणाबाहे, इत्थीहिं अणभिद्दुए । तत्थ संकप्पए वासं, भिक्खू परमसंजए ॥ ७ ॥ न सयं गिहाइं कुव्विज्जा, णेव अन्नेहिं कारए । गिहकम्मसमारंभे, भूयाणं दिस्सए वहो ॥ ८ ॥ तसाणं थावराणं च, सुहुमाणं बादराण य । तम्हा गिहसमारंभं, संजओ परिवज्जए ॥ ९ ॥ तहेव भत्तपाणेसु, पयणे पयावणेसु य । पाणभूयदयट्ठाए, न पए न पयावए ॥ १० ॥ जलधन्ननिस्सिया जीवा, पुढवीकट्ठनिस्सिया । हम्मंति भत्तपाणेसु, तम्हा भिक्खू न पयावए ॥ ११ ॥ विसप्पे सव्वओ धारे, बहुपाणिविणासणे । नत्थि जोइसमे सत्थे, तम्हा जोइं न दीवए ॥ १२ ॥ हिरण्णं जायरूवं च, मणसा वि न पत्थए । समलेट्ठुकंचणे भिक्खू, विरए कयविक्कए ॥ १३ ॥ किणंतो कइओ होइ, विक्किणंतो य वाणिओ । कयविक्कयंमि वट्टंतो, भिक्खू न भवइ तारिसो ॥ १४ ॥ भिक्खियव्वं न केयव्वं, भिक्खुणा भिक्खवत्तिणा । कयविक्कओ महादोसो, भिक्खावित्ती सुहावहा ॥ १५ ॥ समुयाणं उंछमेसिज्जा, जहासुत्तमणिंदियं । लाभालाभंमि संतुट्ठे, पिंडवायं चरे मुणी ॥ १६ ॥ अलोले न रसे गिद्धे, जिब्भादंते अमुच्छिए । न रसट्ठाए भुंजिज्जा, जवणट्ठाए महामुणी ॥ १७ ॥ अच्चणं रयणं चेव, वंदणं पूयणं तहा । इड्ढीसक्कारसम्माणं, मणसा वि न पत्थए ॥ १८ ॥ सुक्कज्झाणं झियाएज्जा, अणियाणे अकिंचणे । वोसट्ठकाए विहरेज्जा, जाव कालस्स पज्जओ ॥ १९ ॥ निज्जूहिऊण आहारं, कालधम्मे उवट्ठिए । जहिऊण माणुसं वोंदिं, पहू दुक्खा विमुच्चई ॥ २० ॥ निम्ममे निरहंकारे, वीयरागो अणासवो । संपत्तो केवलं नाणं, सासयं परिणिव्वुए ॥ २१ ॥ त्ति–बेमि ॥ **इति अणगारज्झयणं णाम पंचतीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ ३५ ॥**



अह जीवाजीवविभत्ती णामं छत्तीसइमं अज्झयणं

जीवाजीवविभत्तिं मे, सुणेहेगमणा इओ । जं जाणिऊण भिक्खू, सम्मं जयइ संजमे ॥ १ ॥ जीवा चेव अजीवा य, एस लोए वियाहिए । अजीवदेसमागासे, अलोगे से वियाहिए ॥ २ ॥ दव्वओ खेत्तओ चेव, कालओ भावओ तहा । परूवणा तेसिं भवे, जीवाणमजीवाण य ॥ ३ ॥ रूविणो चेवऽरूवी य, अजीवा दुविहा भवे । अरूवी दसहा वुत्ता, रूविणो य चउव्विहा ॥ ४ ॥ धम्मत्थिकाए तद्देसे, तप्पएसे य, आहिए । अहम्मे तस्स देसे य, तप्पएसे य आहिए ॥ ५ ॥ आगासे तस्स देसे य, तप्पएसे य आहिए । अद्धासमए चेव, अरूवी दसहा भवे ॥ ६ ॥ धम्माधम्मे य दो चेव, लोगमित्ता वियाहिया । लोगालोगे य आगासे, समए समयखेत्तिए ॥ ७ ॥

मिच्छादंसणरत्ता, सनियाणा उ हिंसगा । इय जे मरंति जीवा, तेसिं पुण दुल्लहा वोही ॥ २६० ॥ सम्मद्दंसणरत्ता, अनियाणा सुक्कलेसमोगाढा । इय जे मरंति जीवा, तेसिं सुलहा भवे वोही ॥ २६१ ॥ मिच्छादंसणरत्ता, सनियाणा कण्हलेसमोगाढा । इय जे मरंति जीवा, तेसिं पुण दुल्लहा वोही ॥ २६२ ॥ जिणवयणे अणुरत्ता, जिणवयणं जे करेंति भावेण । अमला असंकिलिट्ठा, ते होंति परित्तसंसारी ॥ २६३ ॥ वालमरणाणि वहुसो, अकाममरणाणि चेव य वहूणि । मरिहंति ते वराया, जिणवयणं जे न जाणंति ॥ २६४ ॥ वहुआगमविन्नाणा, समाहिउप्पायगा य गुणगाही । एएणं कारणेणं, अरिहा आलोयणं सोउं ॥ २६५ ॥ कंदप्पकुक्कुयाइं, तह सीलसहावहासविगहाइं। विम्हावेंतो य परं, कंदप्पं भावणं कुणइ ॥ २६६ ॥ मंताजोगं काउं, भूईकम्मं च जे पउंजंति । सायरसइड्ढिहेउं, अभिओगं भावणं कुणइ ॥ २६७ ॥ नाणस्स केवलीणं, धम्मायरियस्स संघसाहूणं । माई अवण्णवाई, किव्विसियं भावणं कुणइ ॥ २६८ ॥ अणुवद्धरोसपसरो, तह य निमित्तंमि होइ पडिसेवी । एएहिं कारणेहिं, आसुरियं भावणं कुणइ ॥ २६९ ॥ सत्थगहणं विसभक्खणं च, जलणं च जलपवेसो य । अणायारभंडसेवी, जम्मणमरणाणि वंधंति ॥ २७० ॥ इइ पाउकरे वुद्धे, नायए परिनिव्वुए। छत्तीसं उत्तरज्झाए, भवसिद्धीयसं[वुडे]मए ॥ २७१ ॥ त्ति-वेमि ॥ **इति जीवाजीवविभत्ती णामं छत्तीसइमं अज्झयणं समत्तं ॥ ३६ ॥**

॥ उत्तरज्झयणसुत्तं समत्तं ॥



वण्णओ। गंधओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३३ ॥ रसओ महुरए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ फासओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३४ ॥ फासओ कक्खडे जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३५ ॥ फासओ मउए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३६ ॥ फासओ गुरुए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३७ ॥ फासओ लहुए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३८ ॥ फासओ सीयए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ३९ ॥ फासओ उण्हए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ४० ॥ फासओ निद्धए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ४१ ॥ फासओ लुक्खए जे उ, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए संठाणओ वि य ॥ ४२ ॥ परिमंडलसंठाणे, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए फासओ वि य ॥ ४३ ॥ संठाणओ भवे वट्टे, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए फासओ वि य ॥ ४४ ॥ संठाणओ भवे तंसे, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए फासओ वि य ॥ ४५ ॥ संठाणओ जे चउरंसे, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए फासओ वि य ॥ ४६ ॥ जे आययसंठाणे, भइए से उ वण्णओ। गंधओ रसओ चेव, भइए फासओ वि य ॥ ४७ ॥ एसा अजीवविभत्ती, समासेण वियाहिया। इत्तो जीवविभत्तिं, वुच्छामि अणुपुव्वसो ॥ ४८ ॥ संसारत्था य सिद्धा य, दुविहा जीवा वियाहिया। सिद्धा णेगविहा वुत्ता, तं मे कित्तयओ सुण ॥ ४९ ॥ इत्थी-पुरिससिद्धा य, तहेव य नपुंसगा। सलिंगे अन्नलिंगे य, गिहिलिंगे तहेव य ॥ ५० ॥ उक्कोसोगाहणाए य, जहन्नमज्झिमाइ य। उड्ढं अहे य तिरियं च, समुद्दंमि जलंमि य ॥ ५१ ॥ दस य नपुंसएसु, वीसं इत्थियासु य। पुरिसेसु य अट्ठसयं, समएणेगेण सिज्झई ॥ ५२ ॥ चत्तारि य गिहलिंगे, अन्नलिंगे दसेव य। सलिंगेण अट्ठसयं, समएणेगेण सिज्झई ॥ ५३ ॥ उक्कोसोगाहणाए य, सिज्झंते जुगवं दुवे। चत्तारि जहन्नाए, मज्झे अट्ठुत्तरं सयं ॥ ५४ ॥ चउरुड्ढलोए य दुवे समुद्दे, तओ जले वीसमहे तहेव य। सयं च अट्ठुत्तरं तिरियलोए, समएणेगेण सिज्झई धुवं ॥ ५५ ॥ कहिं पडिहया सिद्धा ?, कहिं सिद्धा पइट्ठिया ?। कहिं बोंदिं चइत्ताणं ?, कत्थ गंतूण सिज्झई ? ॥ ५६ ॥ अलोए पडिहया सिद्धा, लोयग्गे य पइट्ठिया। इहं बोंदिं चइत्ताणं, तत्थ गंतूण सिज्झई ॥ ५७ ॥ बारसहिं जोयणेहिं, सव्वट्ठस्सुवरिं भवे। ईसिपब्भारनामा उ, पुढवी छत्तसंठिया

अंतरं ॥ ८३ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ ८४ ॥ दुविहा आउजीवा उ, सुहुमा वायरा तहा। पज्जत्त-मपज्जत्ता, एवमेए दुहा पुणो ॥ ८५ ॥ वायरा जे उ पज्जत्ता, पंचहा ते पकित्तिया। सुद्धोदए य उस्से य, हरतणू महिया हिमे ॥ ८६ ॥ एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया। सुहुमा सव्वलोगंमि, लोगदेसे य वायरा ॥ ८७ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ ८८ ॥ सत्तेव सहस्साइं, वासाणुक्कोसिया भवे। आउठिई आऊणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ ८९ ॥ असंख-कालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया। कायठिई आऊणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ ९० ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढंमि सए काए, आऊजीवाण अंतरं ॥ ९१ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ ९२ ॥ दुविहा वणस्सईजीवा, सुहुमा वायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेए दुहा पुणो ॥ ९३ ॥ वायरा जे उ पज्जत्ता, दुविहा ते वियाहिया। साहा-रणसरीरा य, पत्तेगा य तहेव य ॥ ९४ ॥ पत्तेगसरीराओ,ऽणेगहा ते पकित्तिया। रुक्खा गुच्छा य गुम्मा य, लया वल्ली तणा तहा ॥ ९५ ॥ वलया पव्वगा कुहुणा, जलरुहा ओसही तहा। हरियकाया वोद्धव्वा, पत्तेगाइ वियाहिया ॥ ९६ ॥ साहा-रणसरीराओ,ऽणेगहा ते पकित्तिया। आलुए मूलए चेव, सिंगवेरे तहेव य ॥ ९७ ॥ हरिली सिरिली सस्सिरिली, जावई केयकंदली। पलंडुलसणकंदे य, कंदली य कुहुव्वए ॥ ९८ ॥ लोहिणी हूयथी हूय, कुहगा य तहेव य। कण्हे य वज्जकंदे य, कंदे सूरणए तहा ॥ ९९ ॥ अस्सकण्णी य वोधव्वा, सीहकण्णी तहेव य। मुसुंढी य हलिद्दा य,ऽणेगहा एवमायओ ॥ १०० ॥ एगविहमणाणत्ता, सुहुमा तत्थ वियाहिया। सुहुमा सव्वलोगंमि, लोगदेसे य वायरा ॥ १०१ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जव-सिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १०२ ॥ दस चेव सहस्साइं, वासाणुक्कोसिया भवे। वणप्फईण आउं तु, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १०३ ॥ अणंतकालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया। कायठिई पणगाणं, तं कायं तु अमुंचओ ॥ १०४ ॥ असंखकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। विजढंमि सए काए, पणग-जीवाण अंतरं ॥ १०५ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १०६ ॥ इच्चेए थावरा तिविहा, समासेण वियाहिया। इत्तो उ तसे तिविहे, वुच्छामि अणुपुव्वसो ॥ १०७ ॥ तेऊ वाऊ य वोधव्वा, उराला य तसा तहा। इच्चेए तसा तिविहा, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १०८ ॥ दुविहा तेऊजीवा उ, सुहुमा वायरा तहा। पज्जत्तमपज्जत्ता, एवमेए दुहा पुणो ॥ १०९ ॥

सययं, तं संघगुणायरं वंदे ॥ १९ ॥] [वंदे] उसभं अजियं संभव-,मभिनंदणसुमइ-सुप्पभसुपासं । ससिपुप्फदंतसीयल-,सिज्जंसं वासुपुज्जं च ॥ २० ॥ विमलमणंत य धम्मं, संतिं कुंथुं अरं च मल्लिं च । मुनिसुव्वयनमिनेमिं, पासं तह वद्धमाणं च ॥ २१ ॥ पढमित्थ इंदभूई, बीए पुण होइ अग्गिभूइत्ति । तइए य वाउभूई, तओ वियत्ते सुहम्मे य ॥ २२ ॥ मंडियमोरियपुत्ते, अकंपिए चेव अयलभाया य । मेयज्जे य पहासे [य], गणहरा हुंति वीरस्स ॥ २३ ॥ निव्वुइपहसासणयं, जयइ सया सव्वभावदेसणयं । कुसमयमयनासणयं, जिणिंदवरवीरसासणयं ॥ २४ ॥ सुहम्मं अग्गिवेसाणं, जंबूनामं च कासवं । पभवं कच्चायणं वंदे, वच्छं सिज्जंभवं तहा ॥ २५ ॥ जसभद्दं तुंगियं वंदे, संभूयं चेव माढरं । भद्दबाहुं च पाइन्नं, थूलभद्दं च गोयमं ॥ २६ ॥ एलावच्चसगोत्तं, वंदामि महागिरिं सुहत्थिं च । तत्तो कोसियगोत्तं, बहुलस्स सरिव्वयं वंदे ॥ २७ ॥ हारियगुत्तं साइं, च वंदिमो हारियं च सामज्जं । वंदे कोसियगोत्तं, संडिल्लं अज्जजीयधरं ॥ २८ ॥ तिसमुद्दखायकित्तिं, दीवसमुद्देसु गहियपेयालं । वंदे अज्जसमुद्दं, अक्खुभियसमुद्दगंभीरं ॥ २९ ॥ भणगं करगं झरगं, पभावगं णाणदंसणगुणाणं । वंदामि अज्जमंगुं, सुयसागरपारगं धीरं ॥ ३० ॥ [वंदामि अज्जधम्मं, तत्तो वंदे य भद्दगुत्तं च । तत्तो य अज्जवइरं, तवनियमगुणेहिं वइरसमं ॥ ३१ ॥ वंदामि अज्जरक्खिय-,खमणे रक्खियचरित्तसव्वस्से । रयण-करंडगभूओ, अणुओगो रक्खिओ जेहिं ॥ ३२ ॥] नाणम्मि दंसणम्मि य, तवविणए णिच्चकालमुज्जुत्तं । अज्जं नंदिलखमणं, सिरसा वंदे पसन्नमणं ॥ ३३ ॥ वड्ढउ वाय-गवंसो, जसवंसो अज्जनागहत्थीणं । वागरणकरणभंगिय-,कम्मप्पयडीपहाणाणं ॥ ३४ ॥ जच्चंजणधाउसमप्पहाण, मुद्दियकुवलयनिहाणं । वड्ढउ वायगवंसो, रेवइनक्खत्तनामाणं ॥ ३५ ॥ अयलपुरा णिक्खंते, कालियसुयआणुओगिए धीरे । बंभद्दीवगसीहे, वायगपयमुत्तमं पत्ते ॥ ३६ ॥ जेसि इमो अणुओगो, पयरइ अज्जावि अड्ढभरहम्मि । बहुनयरनिग्गयजसे, ते वंदे खंदिलायरिए ॥ ३७ ॥ तत्तो हिम-वंतमहंतविक्कमे, धिइपरक्कममणंते । सज्झायमणंतधरे, हिमवंते वंदिमो सिरसा ॥ ३८ ॥ कालियसुयअणुओगस्स धारए, धारए य पुव्वाणं । हिमवंतखमासमणे, वंदे णागज्जुणायरिए ॥ ३९ ॥ मिउमद्दवसंपन्ने, आणुपुव्विवायगत्तणं पत्ते । ओह-सुयसमायारे, नागज्जुणवायए वंदे ॥ ४० ॥ [गोविंदाणंपि नमो, अणुओगे विउ-लधारिणिंदाणं । णिच्चं खंतिदयाणं, परूवणे दुल्लभिंदाणं ॥ ४१ ॥ तत्तो य भूयदिन्नं, निच्चं तवसंजमे अनिव्विण्णं । पंडियजणसामण्णं, वंदामो संजमविहिण्णु ॥ ४२ ॥] वरकणगतवियचंपग-,विमउलवरकमलगब्भसरिवन्ने । भवियजणहिययदइए, दयागुण-

जहन्नयं। वेइंदियजीवाणं, अंतरं च वियाहियं ॥ १३५ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १३६ ॥ तेइंदिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया। पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १३७ ॥ कुंथुपिवीलिउद्दंसा, उक्कलुद्देहिया तहा। तणहारकट्ठहारा य, मालूगा पत्तहारगा ॥ १३८ ॥ कप्पासट्ठिमिंजा य, तिंदुगा तउसमिंजगा। सदावरी य गुम्मी य, बोधव्वा इंदगाइया ॥ १३९ ॥ इंदगोवगमाईया,ऽणेगहा एवमायओ। लोगेगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया ॥ १४० ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १४१ ॥ एगूणपण्णहोरत्ता, उक्कोसेण वियाहिया। तेइंदियआउठिई, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १४२ ॥ संखिज्जकालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया। तेइंदियकायठिई, तं कायं तु अमुंचओ ॥ १४३ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। तेइंदियजीवाणं, अंतरं तु वियाहियं ॥ १४४ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १४५ ॥ चउरिंदिया उ जे जीवा, दुविहा ते पकित्तिया। पज्जत्तमपज्जत्ता, तेसिं भेए सुणेह मे ॥ १४६ ॥ अंधिया पोत्तिया चेव, मच्छिया मसगा तहा। भमरे कीडपयंगे य, ढिंकुणे कंकणे तहा ॥ १४७ ॥ कुक्कडे सिंगिरीडी य, नंदावत्ते य विच्छुए। डोले भिंगिरीडी य, विरली अच्छिवेहए ॥ १४८ ॥ अच्छिले माहए अच्छि(रोडए), विचित्ते चित्तपत्तए। उहिंजलिया जलकारी य, नीयया तंवगाइया ॥ १४९ ॥ इय चउरिंदिया एए,ऽणेगहा एवमायओ। लोगेगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया ॥ १५० ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य। ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १५१ ॥ छच्चेव य मासाऊ, उक्कोसेण वियाहिया। चउरिंदियआउठिई, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १५२ ॥ संखिज्जकालमुक्कोसा, अंतोमुहुत्तं जहन्निया। चउरिंदियकायठिई, तं कायं तु अमुंचओ ॥ १५३ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं। चउरिंदियजीवाणं, अंतरं च वियाहियं ॥ १५४ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ। संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १५५ ॥ पंचिंदिया उ जे जीवा, चउविहा ते वियाहिया। नेरइया तिरिक्खा य, मणुया देवा य आहिया ॥ १५६ ॥ नेरइया सत्तविहा, पुढवीसु सत्तसु भवे। रयणाभसक्कराभा, वालुयाभा य आहिया ॥ १५७ ॥ पंकाभा धूमाभा, तमा तमतमा तहा। इइ नेरइया एए, सत्तहा परिकित्तिया ॥ १५८ ॥ लोगस्स एगदेसंमि, ते सव्वे उ वियाहिया। एत्तो काल-

पाढंतरं-१ लोगस्स एगदेसंमि, ते सव्वे परिकित्तिआ। २ विजढम्मि सए काए।

जणुग्गहे। सेत्तं वंजणुग्गहे ॥ २९ ॥ से किं तं अत्थुग्गहे? अत्थुग्गहे छव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–सोइंदियअत्थुग्गहे, चक्खिंदियअत्थुग्गहे, घाणिंदियअत्थुग्गहे, जिब्भिंदियअत्थुग्गहे, फासिंदियअत्थुग्गहे, नोइंदियअत्थुग्गहे ॥ ३० ॥ तस्स णं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावंजणा पंच नामधिज्जा भवंति, तंजहा–ओगेण्हणया, उवधारणया, सवणया, अवलंबणया, मेहा। सेत्तं उग्गहे ॥ ३१ ॥ से किं तं ईहा? ईहा छव्विहा पण्णत्ता, तंजहा–सोइंदियईहा, चक्खिंदियईहा, घाणिंदियईहा, जिब्भिंदियईहा, फासिंदियईहा, नोइंदियईहा। तीसे णं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावंजणा पंच नामधिज्जा भवंति, तंजहा–आभोगणया, मग्गणया, गवेसणया, चिंता, वीमंसा। सेत्तं ईहा ॥ ३२ ॥ से किं तं अवाए? अवाए छव्विहे पण्णत्ते, तंजहा–सोइंदियअवाए, चक्खिंदियअवाए, घाणिंदियअवाए, जिब्भिंदियअवाए, फासिंदियअवाए, नोइंदियअवाए। तस्स णं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावंजणा पंच नामधिज्जा भवन्ति, तंजहा-आउट्टणया, पच्चाउट्टणया, अवाए, बुद्धी, विण्णाणे। सेत्तं अवाए ॥ ३३ ॥ से किं तं धारणा? धारणा छव्विहा पण्णत्ता, तंजहा–सोइंदियधारणा, चक्खिंदियधारणा, घाणिंदियधारणा, जिब्भिंदियधारणा, फासिंदियधारणा, नोइंदियधारणा। तीसे णं इमे एगट्ठिया नाणाघोसा नाणावंजणा पंच नामधिज्जा भवंति, तंजहा–धारणा, साधारणा, ठवणा, पइट्ठा, कोट्ठे। सेत्तं धारणा ॥ ३४ ॥ उग्गहे इक्कसमइए, अंतोमुहुत्तिया ईहा, अंतोमुहुत्तिए अवाए, धारणा संखेज्जं वा कालं असंखेज्जं वा कालं ॥ ३५ ॥ एवं अट्ठावीसइविहस्स आभिणिबोहियनाणस्स वंजणुग्गहस्स परूवणं करिस्सामि पडिबोहगदिट्ठंतेणं, मल्लगदिट्ठंतेण य। से किं तं पडिबोहगदिट्ठंतेणं? पडिबोहगदिट्ठंतेणं से जहानामए केइ पुरिसे कंचि पुरिसं सुत्तं पडिबोहिज्जा, अमुगा अमुगत्ति, तत्थ चोयगे पन्नवयं एवं वयासी–किं एगसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति? दुसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति जाव दससमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति? संखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति? असंखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति?, एवं वयंतं चोयगं पण्णवए एवं वयासी–नो एगसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, नो दुसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति जाव नो दससमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, नो संखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, असंखिज्जसमयपविट्ठा पुग्गला गहणमागच्छंति, सेत्तं पडिबोहगदिट्ठंतेणं। से किं तं मल्लगदिट्ठंतेणं? मल्लगदिट्ठंतेणं से जहानामए केइ पुरिसे आवागसीसाओ मल्लगं गहाय तत्थेगं उदगबिंदुं पक्खेविज्जा, से नट्ठे, अण्णेऽवि पक्खित्ते, सेऽवि नट्ठे, एवं पक्खिप्पमाणेसु पक्खिप्पमाणेसु

॥ १८४ ॥ पलिओवमाइं तिण्णि उ, उक्कोसेण वियाहिया । आउठिई थलयराणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १८५ ॥ पुव्वकोडिपुहुत्तेणं, उक्कोसेण वियाहिया । कायठिई थलयराणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १८६ ॥ कालमणंतमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं । विजढंमि सए काए, थलयराणं तु अंतरं ॥ १८७ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १८८ ॥ चम्मे उ लोमपक्खी य, तइया समुग्गपक्खिया । विययपक्खी य बोधव्वा, पक्खिणो य चउव्विहा ॥ १८९ ॥ लोगेगदेसे ते सव्वे, न सव्वत्थ वियाहिया । इत्तो कालविभागं तु, तेसिं वोच्छं चउव्विहं ॥ १९० ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ १९१ ॥ पलिओवमस्स भागो, असंखेज्जइमो भवे । आउठिई खहयराणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १९२ ॥ असंखभागो पलियस्स, उक्कोसेण उ साहिया । पुव्वकोडीपुहुत्तेणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ १९३ ॥ कायठिई खहयराणं, अंतरं तेसिमं भवे । अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं ॥ १९४ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ १९५ ॥ मणुया दुविहभेया उ, ते मे कित्तयओ सुण । संमुच्छिमा य मणुया, गब्भवक्कंतिया तहा ॥ १९६ ॥ गब्भवक्कंतिया जे उ, तिविहा ते वियाहिया । कम्मअकम्मभूमा य, अंतरद्दीवया तहा ॥ १९७ ॥ पन्नरसतीसविहा, भेया अट्ठवीसइं । संखा उ कमसो तेसिं, इइ एसा वियाहिया ॥ १९८ ॥ संमुच्छिमाण एसेव, भेओ होइ वियाहिओ । लोगस्स एगदेसंमि, ते सव्वे वि वियाहिया ॥ १९९ ॥ संतइं पप्पऽणाईया, अपज्जवसिया वि य । ठिइं पडुच्च साईया, सपज्जवसिया वि य ॥ २०० ॥ पलिओवमाइं तिण्णि वि, उक्कोसेण वियाहिया । आउठिई मणुयाणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ २०१ ॥ पलिओवमाइं तिण्णि उ, उक्कोसेण वियाहिया । पुव्वकोडिपुहुत्तेणं, अंतोमुहुत्तं जहन्निया ॥ २०२ ॥ कायठिई मणुयाणं, अंतरं तेसिमं भवे । अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं ॥ २०३ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ २०४ ॥ देवा चउव्विहा वुत्ता, ते मे कित्तयओ सुण । भोमिज्ज वाणमंतर, जोइस वेमाणिया तहा ॥ २०५ ॥ दसहा उ भवणवासी, अट्ठहा वणचारिणो । पंचविहा जोइसिया, दुविहा वेमाणिया तहा ॥ २०६ ॥ असुरा नागसुवण्णा, विज्जू अग्गी वियाहिया । दीवोदहिदिसा वाया, थणिया भवणवासिणो ॥ २०७ ॥ पिसायभूया जक्खा य, रक्खसा किन्नरा किंपुरिसा । महोरगा य गंधव्वा, अट्ठविहा वाणमंतरा ॥ २०८ ॥ चंदा सूरा य नक्खत्ता, गहा तारागणा तहा ।

न्नेणं, वीसई सागरोवमा ॥ २३३ ॥ वावीसं सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । अच्चुयम्मि जहन्नेणं, सागरा इक्कवीसई ॥ २३४ ॥ तेवीस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । पढमंमि जहन्नेणं, बावीसं सागरोवमा ॥ २३५ ॥ चउवीस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । विइयंमि जहन्नेणं, तेवीसं सागरोवमा ॥ २३६ ॥ पणवीस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । तइयंमि जहन्नेणं, चउवीसं सागरोवमा ॥ २३७ ॥ छव्वीस सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । चउत्थंमि जहन्नेणं, सागरा पणुवीसई ॥ २३८ ॥ सागरा सत्तवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे । पंचमंमि जहन्नेणं, सागरा उ छवीसई ॥ २३९ ॥ सागरा अट्ठवीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे । छट्ठंमि जहन्नेणं, सागरा सत्तवीसई ॥ २४० ॥ सागरा अउणतीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे । सत्तमंमि जहन्नेणं, सागरा अट्ठवीसई ॥ २४१ ॥ तीसं तु सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । अट्ठमंमि जहन्नेणं, सागरा अउणतीसई ॥ २४२ ॥ सागरा इक्कतीसं तु, उक्कोसेण ठिई भवे । नवमंमि जहन्नेणं, तीसई सागरोवमा ॥ २४३ ॥ तेत्तीसा सागराइं, उक्कोसेण ठिई भवे । चउसुं पि विजयाईसु, जहन्नेणेक्कतीसई ॥ २४४ ॥ अजहन्नमणुक्कोसा, तेत्तीसं सागरोवमा । महाविमाणे सव्वट्ठे, ठिई एसा वियाहिया ॥ २४५ ॥ जा चेव उ आउठिई, देवाणं तु वियाहिया । सा तेसिं कायठिई, जहन्नमुक्कोसिया भवे ॥ २४६ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, अंतोमुहुत्तं जहन्नयं । विजढंमि सए काए, देवाणं हुज्ज अंतरं ॥ २४७ ॥ अणंतकालमुक्कोसं, वासपुहुत्तं जहन्नयं । आणयाईण कप्पाण, गेविज्जाणं तु अंतरं ॥ २४८ ॥ संखिज्जसागरुक्कोसं, वासपुहुत्तं जहन्नयं । अणुत्तराणं देवाणं, अंतरेयं वियाहियं ॥ २४९ ॥ एएसिं वण्णओ चेव, गंधओ रसफासओ । संठाणादेसओ वावि, विहाणाइं सहस्ससो ॥ २५० ॥ संसारत्था य सिद्धा य, इय जीवा वियाहिया । रूविणो चेवऽरूवी य, अजीवा दुविहा वि य ॥ २५१ ॥ इय जीवमजीवे य, सोच्चा सद्दहिऊण य । सव्वनयाणमणुमए, रमेज्ज संजमे मुणी ॥ २५२ ॥ तओ वहूणि वासाणि, सामण्णमणुपालिया । इमेण कमजोगेण, अप्पाणं संलिहे मुणी ॥ २५३ ॥ वारसेव उ वासाइं, संलेहुक्कोसिया भवे । संवच्छरं मज्झिमिया, छम्मासा य जहन्निया ॥ २५४ ॥ पढमे-वासचउक्कंमि, विगईनिज्जूहणं करे । विइए वासचउक्कंमि, विचित्तं तु तवं चरे ॥ २५५ ॥ एगंतरमायामं, कट्टु संवच्छरे दुवे । तओ संवच्छरद्धं तु, नाइविगिट्ठं तवं चरे ॥ २५६ ॥ तओ संवच्छरद्धं तु, विगिट्ठं तु तवं चरे । परिमियं चेव आयामं, तंमि संवच्छरे करे ॥ २५७ ॥ कोडीसहियमायामं, कट्टु संवच्छरे मुणी । मासद्धमासिएणं तु, आहारेण तवं चरे ॥ २५८ ॥ कंदप्पमाभिओगं च, किब्विसियं मोहमासुरत्तं च । एयाउ दुग्गईओ, मरणंमि विराहिया होंति ॥ २५९ ॥

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमितिके 'सदस्य'



श्रीमान् श्रावक वेरसी नरसी

श्रीवेरसी नरसी भाई अपने पौत्र की खुशालीमें 'सदस्य' बने हैं। आप जिन-शासनके सच्चे प्रेमी हैं। आपकी जैन धर्म पर खूब श्रद्धा है, नित्यप्रति सामायिक करते हैं, यावज्जीव ब्रह्मचर्यव्रत ग्रहण किया है। पौरसी और बेआसणा तथा प्राशुक जलका उपयोग करते हैं। रात्रि भोजनका त्याग है। इस समय अपनी धर्मपत्नी-श्रीमती तेजीबाई सहित बरसी तप कर रहे हैं। आपके मनमें संसारकी ओरसे उपराम (वैराग्य) रहता है। घरमें रहकर गृहस्थ धर्म तथा उत्तम क्षमा आदिका आराधन कर रहे हैं। आप अपनी कमाई प्रामाणिकतासे करते हैं। आप कच्छ वागड़में मु० त्रंबोऊ (ता० रापर) के निवासी हैं। हाल कल्याण जोशीबाग पारसी चालमें रहते हैं। आपके वीरजी-रतनसी दो सुपुत्र हैं। इन्हें धर्मका प्रेम है। माता पिताके आज्ञाकारी पुत्र हैं। सामायिक प्रतिक्रमण करते हैं।

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

नंदीसुत्तं

जयइ जगजीवजोणी-,वियाणओ जगगुरू जगाणंदो। जगणाहो जगबंधू, जयइ जगप्पियामहो भयवं ॥ १ ॥ जयइ सुआणं पभवो, तित्थयराणं अपच्छिमो जयइ। जयइ गुरू लोगाणं, जयइ महप्पा महावीरो ॥ २ ॥ भद्दं सव्वजगुज्जोयगस्स, भद्दं जिणस्स वीरस्स। भद्दं सुरासुरनमंसियस्स, भद्दं धुयरयस्स ॥ ३ ॥ गुणभवणगहण सुयरयणभरिय, दंसणविसुद्धरत्थागा। संघनगर! भद्दं ते, अखंडचारित्तपागारा ॥ ४ ॥ संजमतवतुंबारयस्स, नमो सम्मत्तपारियल्लस्स। अप्पडिचक्कस्स जओ, होउ सया संघचक्कस्स ॥ ५ ॥ भद्दं सीलपडागूसियस्स, तवनियमतुरयजुत्तस्स। संघरहस्स भगवओ, सज्झायसुनंदिघोसस्स ॥ ६ ॥ कम्मरयजलोहविणिग्गयस्स, सुयरयणदीहनालस्स। पंचमहव्वयथिरकन्नियस्स, गुणकेसरालस्स ॥ ७ ॥ सावगजणमहुअरिपरिवुडस्स, जिणसूरतेयबुद्धस्स। संघपउमस्स भद्दं, समणगणसहस्सपत्तस्स ॥ ८ ॥ तवसंजममयलंछण!, अकिरियराहुमुहदुद्धरिस! निच्चं। जय संघचंद! निम्मल-, सम्मत्तविसुद्धजोण्हागा! ॥ ९ ॥ परतित्थियगहपहनासगस्स, तवतेयदित्तलेसस्स। नाणुज्जोयस्स जए, भद्दं दमसंघसूरस्स ॥ १० ॥ भद्दं धिइवेलापरिगयस्स, सज्झायजोगमगरस्स। अक्खोहस्स भगवओ, संघसमुद्दस्स रुंदस्स ॥ ११ ॥ सम्मद्दंसणवरवइरदढरूढगाढावगाढपेढस्स। धम्मवररयणमंडियचामीयरमेहलागस्स ॥ १२ ॥ नियमूसियकणयसिलायलुज्जलजलंतचित्तकूडस्स। नंदणवणमणहरसुरभिसीलगंधुद्धुमायस्स ॥ १३ ॥ जीवदयासुंदरकंदरुद्दरियमुणिवरमइंदइन्नस्स। हेउसयधाउपगलंतरयणदित्तोसहिगुहस्स ॥ १४ ॥ संवरवरजलपगलियउज्झरपविरायमाणहारस्स। सावगजणपउररवंतमोरनच्चंतकुहरस्स ॥ १५ ॥ विणयनयपवरमुणिवरफुरंतविज्जुज्जलंतसिहरस्स। विविहगुणकप्परुक्खगफलभरकुसुमाउलवणस्स ॥ १६ ॥ नाणवररयणदिप्पंत-,कंतवेरुलियविमलचूलस्स। वंदामि विणयपणओ, संघमहामंदरगिरिस्स ॥ १७ ॥ [गुणरयणुज्जलकडयं, सीलसुगंधितवमंडिउद्देसं। सुयबारसंगसिहरं, संघमहामंदरं वंदे ॥ १८ ॥ नगररहचक्कपउमे, चंदे सूरे समुद्दमेरुम्मि। जो उवमिज्जइ

परूवणा आघविज्जइ। ठाणे णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखेज्जाओ संगहणीओ, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए तइए अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झयणा, एगवीसं उद्देसणकाला, एक्कवीसं समुद्देसणकाला, बावत्तरि पयसहस्सा पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। सेत्तं ठाणे ३ ॥ ४८ ॥ से किं तं समवाए? समवाए णं जीवा समासिज्जंति, अजीवा समासिज्जंति, जीवाजीवा समासिज्जंति, ससमए समासिज्जइ, परसमए समासिज्जइ, ससमयपरसमए समासिज्जइ, लोए समासिज्जइ, अलोए समासिज्जइ, लोयालोए समासिज्जइ। समवाए णं एगाइयाणं एगुत्तरियाणं ठाणसयविवड्ढियाणं भावाणं परूवणा आघविज्जइ, दुवालसविहस्स य गणिपिडगस्स पल्लव[ग]गे समासिज्जइ। समवायस्स णं परित्ता वायणा, संखिज्जा अणुओगदारा, संखिज्जा वेढा, संखिज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए चउत्थे अंगे, एगे सुयक्खंधे, एगे अज्झयणे, एगे उद्देसणकाले, एगे समुद्देसणकाले, एगे चोयाले सयसहस्से पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। सेत्तं समवाए ४ ॥ ४९ ॥ से किं तं विवाहे? विवाहे णं जीवा वियाहिज्जंति, अजीवा वियाहिज्जंति, जीवाजीवा वियाहिज्जंति, ससमए वियाहिज्जइ, परसमए वियाहिज्जइ, ससमयपरसमए वियाहिज्जइ, लोए वियाहिज्जइ, अलोए वियाहिज्जइ, लोयालोए वियाहिज्जइ, विवाहस्स णं परित्ता वायणा, संखिज्जा अणुओगदारा, संखिज्जा वेढा, संखिज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से णं अंगट्ठयाए पंचमे अंगे, एगे सुयक्खंधे, एगे साइरेगे अज्झयणसए, दस उद्देसगसहस्साइं, दस समुद्देसगसहस्साइं, छत्तीसं वागरणसहस्साइं, दो लक्खा अट्ठासीइं पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखिज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, से एवं आया, एवं नाया, एवं

विसारए धीरे ॥ ४३ ॥ अड्ढभरहप्पहाणे, बहुविहसज्झायसुमुणियपहाणे । अणुओगियवरवसभे, नाइलकुलवंसनंदिकरे ॥ ४४ ॥ भूयहियअप्पगब्भे, वंदेऽहं भूयदिन्नमायरिए । भवभयवुच्छेयकरे, सीसे नागज्जुणरिसीणं ॥ ४५ ॥ सुमुणियनिच्चानिच्चं, सुमुणियसुत्तत्थधारयं वंदे । सब्भावुब्भावणया-,तत्थं लोहिच्चणामाणं ॥ ४६ ॥ अत्थमहत्थक्खाणिं, सुसमणवक्खाणकहणनिव्वाणिं । पयईए महुरवाणिं, पयओ पणमामि दूसगणिं ॥ ४७ ॥ [तवनियमसच्चसंजम-,विणयज्जवखंतिमद्दवरयाणं । सीलगुणगद्दियाणं, अणुओगजुगप्पहाणाणं ॥ ४८ ॥] सुकुमालकोमलतले, तेसिं पणमामि लक्खणपसत्थे । पाए पावयणीणं, पडिच्छयसएहिं पणिवइए ॥ ४९ ॥ जे अन्ने भगवंते, कालियसुयआणुओगिए धीरे । ते पणमिऊण सिरसा, नाणस्स परूवणं वोच्छं ॥ ५० ॥ सेलघण १ कुडग २ चालणि ३, परिपूणग ४ हंस ५ महिस ६ मेसे ७ य । मसग ८ जलूग ९ विराली १०, जाहग ११ गो १२ भेरी १३ आभीरी १४ ॥ ५१ ॥ सा समासओ तिविहा पन्नत्ता, तंजहा-जाणिया, अजाणिया, दुव्वियड्ढा । जाणिया जहा-खीरमिव जहा हंसा, जे घुट्टंति इह गुरुगुणसमिद्धा । दोसे य विवज्जंति, तं जाणसु जाणियं परिसं ॥ ५२ ॥ अजाणिया जहा-जा होइ पगइमहुरा, मियछावयसीहकुक्कुडयभूया । रयणमिव असंठविया, अजाणिया सा भवे परिसा ॥ ५३ ॥ दुव्वियड्ढा जहा-न य कत्थइ निम्माओ, न य पुच्छइ परिभवस्स दोसेणं । वत्थिव्व वायपुण्णो, फुट्टइ गामिल्लय(दुव्वि)वियड्ढो ॥ ५४ ॥ नाणं पंचविहं पन्नत्तं, तंजहा-आभिणिवोहियनाणं, सुयनाणं, ओहिनाणं, मणपज्जवनाणं, केवलनाणं ॥ १ ॥ तं समासओ दुविहं पण्णत्तं, तंजहा-पच्चक्खं च परोक्खं च ॥ २ ॥ से किं तं पच्चक्खं? पच्चक्खं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा-इंदियपच्चक्खं नोइंदियपच्चक्खं च ॥ ३ ॥ से किं तं इंदियपच्चक्खं? इंदियपच्चक्खं पंचविहं पण्णत्तं, तंजहा-सोइंदियपच्चक्खं चक्खिंदियपच्चक्खं घाणिंदियपच्चक्खं जिब्भिंदियपच्चक्खं फासिंदियपच्चक्खं, से तं इंदियपच्चक्खं ॥ ४ ॥ से किं तं नोइंदियपच्चक्खं? नोइंदियपच्चक्खं तिविहं पण्णत्तं, तंजहा-ओहिनाणपच्चक्खं मणपजवनाणपच्चक्खं केवलनाणपच्चक्खं ॥ ५ ॥ से किं तं ओहिनाणपच्चक्खं? ओहिनाणपच्चक्खं दुविहं पण्णत्तं, तंजहा-भवपच्चइयं च खाओवसमियं च ॥ ६ ॥ से किं तं भवपच्चइयं? भवपच्चइयं दुण्हं, तंजहा-देवाण य नेरइयाण य ॥ ७ ॥ से किं तं खाओवसमियं? खाओवसमियं दुण्हं, तंजहा-मणूसाण य पंचेंदियतिरिक्खजोणियाण य । को हेऊ खाओवसमियं? खाओवसमियं तयावरणिज्जाणं कम्माणं उदिण्णाणं खएणं अणुदिण्णाणं उवसमेणं ओहिनाणं समुप्पज्जइ ॥ ८ ॥ अहवा गुणपडिवन्नस्स अणगारस्स ओहिनाणं समुप्पज्जइ, तं समासओ छव्विहं

होही से उदगबिंदू जे णं तं मल्लगं रावेहिइत्ति, होही से उदगबिंदू जे णं तंसि मल्लगंसि ठाहिइ, होही से उदगबिंदू जेणं तं मल्लगं भरिहिइ, होही से उदगबिंदू जेणं तं मल्लगं पवाहेहिइ, एवामेव पक्खिप्पमाणेहिं पक्खिप्पमाणेहिं अणंतेहिं पुग्गलेहिं जाहे तं वंजणं पूरियं होइ ताहे हुंति करेइ, नो चेव णं जाणइ के वेस सद्दाइ? तओ ईहं पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस सद्दाइ; तओ अवायं पविसइ, तओ से उवगयं हवइ; तओ धारणं पविसइ, तओ णं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं। से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्तं सद्दं सुणिज्जा, तेणं सद्दोत्ति उग्गहिए, नो चेव णं जाणइ के वेस सद्दाइ; तओ ईहं पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस सद्दे; तओ अवायं पविसइ, तओ से उवगयं हवइ; तओ धारणं पविसइ, तओ णं धारेइ संखेज्जं वा कालं असंखेज्जं वा कालं। से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्तं रूवं पासिज्जा, तेणं रूवत्ति उग्गहिए, नो चेव णं जाणइ के वेस रूवत्ति; तओ ईहं पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस रूवे; तओ अवायं पविसइ, तओ से उवगयं हवइ; तओ धारणं पविसइ, तओ णं धारेइ संखेज्जं वा कालं असंखेज्जं वा कालं। से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्तं गंधं अग्घाइज्जा, तेणं गंधत्ति उग्गहिए, नो चेव णं जाणइ के वेस गंधेत्ति; तओ ईहं पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस गंधे; तओ अवायं पविसइ, तओ से उवगयं हवइ; तओ धारणं पविसइ, तओ णं धारेइ संखेज्जं वा कालं असंखेज्जं वा कालं। से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्तं रसं आसाइज्जा, तेणं रसोत्ति उग्गहिए, नो चेव णं जाणइ के वेस रसेत्ति; तओ ईहं पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस रसे; तओ अवायं पविसइ, तओ से उवगयं हवइ; तओ धारणं पविसइ, तओ णं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं। से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्तं फासं पडिसंवेइज्जा, तेणं फासेत्ति उग्गहिए, नो चेव णं जाणइ के वेस फासओत्ति; तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस फासे; तओ अवायं पविसइ, तओ से उवगयं हवइ; तओ धारणं पविसइ, तओ णं धारेइ संखेज्जं वा कालं असंखेज्जं वा कालं। से जहानामए केइ पुरिसे अव्वत्तं सुमिणं पासिज्जा, तेणं सुमिणेत्ति उग्गहिए, नो चेव णं जाणइ के वेस सुमिणेत्ति; तओ ईहं पविसइ, तओ जाणइ अमुगे एस सुमिणे; तओ अवायं पविसइ, तओ से उवगयं हवइ; तओ धारणं पविसइ, तओ णं धारेइ संखेज्जं वा कालं असंखेज्जं वा कालं। सेत्तं मल्लगदिट्ठंतेणं ॥ ३६ ॥ तं समासओ चउव्विहं पण्णत्तं, तंजहा-दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ। तत्थ दव्वओ णं आभिणिबोहियनाणी आएसेणं सव्वाइं दव्वाइं जाणइ, न पासइ। खेत्तओ णं आभिणिबोहियनाणी आएसेणं सव्वं खेत्तं

देवगंडियाओ, वासुदेवगंडियाओ, गणधरगंडियाओ, भद्दबाहुगंडियाओ, तवोकम्म गंडियाओ, हरिवंसगंडियाओ, उस्सप्पिणीगंडियाओ, ओसप्पिणीगंडियाओ, चित्तं तरगंडियाओ, अमरनरतिरियनिरयगइगमणविविहपरियट्टणेसु एवमाइयाओ गंडियाओ आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, सेत्तं गंडियाणुओगे, सेत्तं अणुओगे ४। से किं तं चूलियाओ? चूलियाओ-आइल्लाणं चउण्हं पुव्वाणं चूलिया, सेसाइं पुव्वाइं अचूलियाइं, सेत्तं चूलियाओ ५। दिट्ठिवायस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ, संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखेज्जाओ संगहणीओ। से णं अंगट्ठयाए बारसमे अंगे, एगे सुयक्खंधे, चोद्दस पुव्वाइं, संखेज्जा वत्थू, संखेज्जा चूलवत्थू, संखेज्जा पाहुडा, संखेज्जा पाहुडपाहुडा, संखेज्जाओ पाहुडियाओ, संखेज्जाओ पाहुडपाहुडियाओ, संखेज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। सेत्तं दिट्ठिवाए १२॥ ५७॥ इच्चेइयंमि दुवालसंगे गणिपिडगे अणंता भावा, अणंता अभावा, अणंता हेऊ, अणंता अहेऊ, अणंता कारणा, अणंता अकारणा, अणंता जीवा, अणंता अजीवा, अणंता भवसिद्धिया, अणंता अभवसिद्धिया, अणंता सिद्धा, अणंता असिद्धा पण्णत्ता—भावमभावा हेउमहेऊ, कारणमकारणे चेव। जीवाजीवा भविय-,मभविया सिद्धा असिद्धा य॥ ९२॥ इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं तीए काले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतं संसारकंतारं अणुपरियट्टिंसु। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं पडुप्पण्णकाले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतं संसारकंतारं अणुपरियट्टंति। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतं संसारकंतारं अणुपरियट्टिस्संति। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं तीए काले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतं संसारकंतारं वीईवइंसु। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं पडुप्पण्णकाले परित्ता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतं संसारकंतारं वीईवयंति। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतं संसारकंतारं वीईवइस्संति। इच्चेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं न कयाइ नासी, न कयाइ न भवइ, न कयाइ न भविस्सइ, भुविं च, भवइ य, भविस्सइ य, धुवे, नियए, सासए, अक्खए, अव्वए, अवट्ठिए, निच्चे। से जहानामए पंचत्थिकाए न कयाइ नासी, न कयाइ

ठाणं ३, समवाओ ४, विवाहपन्नत्ती ५, नायाधम्मकहाओ ६, उवासगदसाओ ७, अंतगडदसाओ ८, अणुत्तरोववाइयदसाओ ९, पण्हावागरणाइं १०, विवागसुयं ११, दिट्ठिवाओ १२ ॥ ४५ ॥ से किं तं आयारे? आयारे णं समणाणं निग्गंथाणं आयारगोयरविणयवेणइयसिक्खाभासाअभासाचरणकरणजायामायावित्तीओ आघविज्जंति, से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–नाणायारे, दंसणायारे, चरित्तायारे, तवायारे, वीरियायारे, आयारे णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से णं अंगट्ठयाए पढमे अंगे, दो सुयक्खंधा, पणवीसं अज्झयणा, पंचासीइ उद्देसणकाला, पंचासीइ समुद्देसणकाला, अट्ठारस पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखिज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, सेत्तं आयारे १ ॥ ४६ ॥ से किं तं सूयगडे? सूयगडे णं लोए सूइज्जइ, अलोए सूइज्जइ, लोयालोए सूइज्जइ, जीवा सूइज्जंति, अजीवा सूइज्जंति, जीवाजीवा सूइज्जंति, ससमए सूइज्जइ, परसमए सूइज्जइ, ससमयपरसमए सूइज्जइ, सूयगडे णं असीयस्स किरियावाइसयस्स, चउरासीईए अकिरियावाईणं, सत्तट्ठीए अण्णाणियवाईणं, बत्तीसाए वेणइयवाईणं, तिण्हं तेसट्ठाणं पासंडियसयाणं वूहं किच्चा ससमए ठाविज्जइ, सूयगडे णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ, से णं अंगट्ठयाए बिइए अंगे, दो सुयक्खंधा, तेवीसं अज्झयणा, तित्तीसं उद्देसणकाला, तित्तीसं समुद्देसणकाला, छत्तीसं पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखिज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, सेत्तं सूयगडे २ ॥ ४७ ॥ से किं तं ठाणे? ठाणे णं जीवा ठाविज्जंति, अजीवा ठाविज्जंति, जीवाजीवा ठाविज्जंति, ससमए ठाविज्जइ, परसमए ठाविज्जइ, ससमयपरसमए ठाविज्जइ, लोए ठाविज्जइ, अलोए ठाविज्जइ, लोयालोए ठाविज्जइ। ठाणे णं टंका, कूडा, सेला, सिहरिणो, पब्भारा, कुंडाइं, गुहाओ, आगरा, दहा, नईओ, आघविज्जंति। ठाणे णं एगाइयाए एगुत्तरियाए वुड्ढीए दसट्ठाणगविवड्ढियाणं भावाणं

विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, सेत्तं विवाहे ५ ॥ ५० ॥ से किं तं नायाधम्मकहाओ? नायाधम्मकहासु णं नायाणं नगराइं, उज्जाणाइं, समोसरणाइं, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चाया, पव्वज्जाओ, परियाया, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइं, संलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइं, पाओवगमणाइं, देवलोगगमणाइं, सुकुलपच्चायाईओ, पुणबोहिलाभा, अंतकिरियाओ य आघविज्जंति, दस धम्मकहाणं वग्गा, तत्थ णं एगमेगाए धम्मकहाए पंच पंच अक्खाइयासयाइं, एगमेगाए अक्खाइयाए पंच पंच उवक्खाइयासयाइं, एगमेगाए उवक्खाइयाए पंच पंच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइं, एवामेव सपुव्वावरेणं अद्धुट्ठाओ कहाणगकोडीओ हवंतित्ति समक्खायं। नायाधम्मकहाणं परित्ता वायणा, संखिज्जा अणुओगदारा, संखिज्जा वेढा, संखिज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे, दो सुयक्खंधा, एगूणवीसं अज्झयणा, एगूणवीसं उद्देसणकाला, एगूणवीसं समुद्देसणकाला, संखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। सेत्तं नायाधम्मकहाओ ६ ॥ ५१ ॥ से किं तं उवासगदसाओ? उवासगदसासु णं समणोवासयाणं नगराइं, उज्जाणाइं, समोसरणाइं, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चाया, पव्वज्जाओ, परियागा, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइं, सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणया, पडिमाओ, उवसग्गा, संलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइं, पाओवगमणाइं, देवलोगगमणाइं, सुकुलपच्चायाईओ, पुणबोहिलाभा, अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। उवासगदसाणं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखेज्जाओ संगहणीओ, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झयणा, दस उद्देसणकाला, दस समुद्देसणकाला, संखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। सेत्तं उवासगदसाओ ७ ॥ ५२ ॥ से

पज्जवा सुत्ते ॥ १ ॥ **सेत्तं सुयं** ॥ ४४ ॥ से किं तं खंधे ? खंधे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा–नामखंधे १ ठवणाखंधे २ दव्वखंधे ३ भावखंधे ४ ॥ ४५ ॥ नामट्ठवणाओ पुव्वभणियाणुक्कमेण भाणियव्वाओ ॥ ४६ ॥ से किं तं दव्वखंधे ? दव्वखंधे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–आगमओ य १ नोआगमओ य २ । से किं तं आगमओ दव्वखंधे ? आगमओ दव्वखंधे–जस्स णं 'खंधे' त्ति पयं सिक्खियं जाव सेत्तं भवियसरीरदव्वखंधे नवरं खंधाभिलावो । से किं तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वखंधे ? जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वखंधे तिविहे पण्णत्ते । तंजहा–सचित्ते १ अचित्ते २ मीसए ३ ॥ ४७ ॥ से किं तं सचित्ते दव्वखंधे ? सचित्ते दव्वखंधे अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा–हयखंधे, गयखंधे, किन्नरखंधे, किंपुरिसखंधे, महोरगखंधे, गंधव्वखंधे, उसभखंधे । सेत्तं सचित्ते दव्वखंधे ॥ ४८ ॥ से किं तं अचित्ते दव्वखंधे ? अचित्ते दव्वखंधे अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा–दुपएसिए, तिपएसिए जाव दसपएसिए, संखिज्जपएसिए, असंखिज्जपएसिए, अणंतपएसिए । सेत्तं अचित्ते दव्वखंधे ॥ ४९ ॥ से किं तं मीसए दव्वखंधे ? मीसए दव्वखंधे अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा–सेणाए अग्गिमे खंधे, सेणाए मज्झिमे खंधे, सेणाए पच्छिमे खंधे । सेत्तं मीसए दव्वखंधे ॥ ५० ॥ अहवा जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वखंधे तिविहे पण्णत्ते । तंजहा–कसिणखंधे १ अकसिणखंधे २ अणेगदवियखंधे ३ ॥ ५१ ॥ से किं तं कसिणखंधे ? कसिणखंधे–से चेव हयखंधे, गयखंधे जाव उसभखंधे । सेत्तं कसिणखंधे ॥ ५२ ॥ से किं तं अकसिणखंधे ? अकसिणखंधे–से चेव दुपएसियाइ खंधे जाव अणंतपएसिए खंधे । सेत्तं अकसिणखंधे ॥ ५३ ॥ से किं तं अणेगदवियखंधे ? अणेगदवियखंधे–तस्स चेव देसे अवचिए तस्स चेव देसे उवचिए । सेत्तं अणेगदवियखंधे । सेत्तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वखंधे । सेत्तं नोआगमओ दव्वखंधे । सेत्तं दव्वखंधे ॥ ५४ ॥ से किं तं भावखंधे ? भावखंधे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–आगमओ य १ नोआगमओ य २ ॥ ५५ ॥ से किं तं आगमओ भावखंधे ? आगमओ भावखंधे जाणए उवउत्ते । सेत्तं आगमओ भावखंधे ॥ ५६ ॥ से किं तं नोआगमओ भावखंधे ? नोआगमओ भावखंधे–एएसिं चेव सामाइयमाइयाणं छण्हं अज्झयणाणं समुदयसमिइसमागमेणं आवस्सयसुयखंधे 'भावखंधे' त्ति लब्भइ । सेत्तं नोआगमओ भावखंधे । सेत्तं भावखंधे ॥ ५७ ॥ तस्स णं इमे एगट्ठिया णाणाघोसा णाणावंजणा नामधेज्जा भवंति, तंजहा–**गाहा**–गण काए य निकाए, खंधे वग्गे तहेव रासी य । पुंजे पिंडे निगरे, संघाए आउल समूहे ॥ १ ॥ **सेत्तं खंधे** ॥ ५८ ॥ आवस्सगस्स णं इमे अत्थाहियारा भवंति, तंजहा–**गाहा**–सावज्जजोगविरई[1], उक्कित्तण[2] गुणवओ य पडिवत्ती[3] । खलियस्स

विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, सेत्तं विवाहे ५ ॥ ५० ॥ से किं तं नायाधम्मकहाओ? नायाधम्मकहासु णं नायाणं नगराइं, उज्जाणाइं, समोसरणाइं, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चाया, पव्वज्जाओ, परियाया, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइं, संलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइं, पाओवगमणाइं, देवलोगगमणाइं, सुकुलपच्चायाईओ, पुणबोहिलाभा, अंतकिरियाओ य आघविज्जंति, दस धम्मकहाणं वग्गा, तत्थ णं एगमेगाए धम्मकहाए पंच पंच अक्खाइयासयाइं, एगमेगाए अक्खाइयाए पंच पंच उवक्खाइयासयाइं, एगमेगाए उवक्खाइयाए पंच पंच अक्खाइयउवक्खाइयासयाइं, एवामेव सपुव्वावरेणं अद्धुट्ठाओ कहाणगकोडीओ हवंतित्ति समक्खायं। नायाधम्मकहाणं परित्ता वायणा, संखिज्जा अणुओगदारा, संखिज्जा वेढा, संखिज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे, दो सुयक्खंधा, एगूणवीसं अज्झयणा, एगूणवीसं उद्देसणकाला, एगूणवीसं समुद्देसणकाला, संखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। सेत्तं नायाधम्मकहाओ ६ ॥ ५१ ॥ से किं तं उवासगदसाओ? उवासगदसासु णं समणोवासयाणं नगराइं, उज्जाणाइं, समोसरणाइं, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चाया, पव्वज्जाओ, परियागा, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइं, सीलव्वयगुणवेरमणपच्चक्खाणपोसहोववासपडिवज्जणया, पडिमाओ, उवसग्गा, संलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइं, पाओवगमणाइं, देवलोगगमणाइं, सुकुलपच्चायाईओ, पुणबोहिलाभा, अंतकिरियाओ य आघविज्जंति। उवासगदसाणं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखेज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखेज्जाओ संगहणीओ, संखेज्जाओ पडिवत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे, एगे सुयक्खंधे, दस अज्झयणा, दस उद्देसणकाला, दस समुद्देसणकाला, संखेज्जा पयसहस्सा पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति। से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ। सेत्तं उवासगदसाओ ७ ॥ ५२ ॥ से

इणं । से किं तं पसत्थे नोआगमओ भावोवक्कमे ? पसत्थे० गुरुमाईणं । सेत्तं नोआगमओ भावोवक्कमे । सेत्तं भावोवक्कमे । सेत्तं उवक्कमे ॥ ७० ॥ अहवा उवक्कमे छव्विहे पण्णत्ते। तंजहा–आणुपुव्वी १ नामं २ पमाणं ३ वत्तव्वया ४ अत्थाहिगारे ५ समोयारे ६ ॥ ७१ ॥ से किं तं आणुपुव्वी ? आणुपुव्वी दसविहा पण्णत्ता । तंजहा–नामाणुपुव्वी १ ठवणाणुपुव्वी २ दव्वाणुपुव्वी ३ खेत्ताणुपुव्वी ४ कालाणुपुव्वी ५ उक्कित्तणाणुपुव्वी ६ गणणाणुपुव्वी ७ संठाणाणुपुव्वी ८ सामायारीआणुपुव्वी ९ भावाणुपुव्वी १० ॥ ७२ ॥ नामठवणाओ गयाओ । से किं तं दव्वाणुपुव्वी ? दव्वाणुपुव्वी दुविहा पण्णत्ता । तंजहा–आगमओ य १ नोआगमओ य २ । से किं तं आगमओ दव्वाणुपुव्वी ? आगमओ दव्वाणुपुव्वी–जस्स णं 'आणुपुव्वि' त्ति पयं सिक्खियं, ठियं, जियं, मियं, परिजियं जाव नो अणुप्पेहाए । कम्हा ? 'अणुवओगो' दव्वमिति कट्टु । णेगमस्स णं एगो अणुवउत्तो आगमओ एगा दव्वाणुपुव्वी जाव जाणए अणुवउत्ते अवत्थु । कम्हा ? जइ जाणए, अणुवउत्ते न भवइ, जइ अणुवउत्ते, जाणए न भवइ, तम्हा नत्थि आगमओ दव्वाणुपुव्वी । सेत्तं आगमओ दव्वाणुपुव्वी । से किं तं नोआगमओ दव्वाणुपुव्वी ? नोआगमओ दव्वाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता । तंजहा–जाणयसरीर-दव्वाणुपुव्वी १ भवियसरीरदव्वाणुपुव्वी २ जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वाणु-पुव्वी ३ । से किं तं जाणयसरीरदव्वाणुपुव्वी ? 'आणुपुव्वि' पयत्थाहिगारजाणयस्स जं सरीरयं ववगयचुयचावियचत्तदेहं सेसं जहा दव्वावस्सए तहा भाणियव्वं जाव सेत्तं जाणयसरीरदव्वाणुपुव्वी । से किं तं भवियसरीरदव्वाणुपुव्वी ? भवियसरीर-दव्वाणुपुव्वी–जे जीवे जोणीजम्मणनिक्खंते सेसं जहा दव्वावस्सए जाव सेत्तं भविय-सरीरदव्वाणुपुव्वी । से किं तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वाणुपुव्वी ? जाणय-सरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वाणुपुव्वी दुविहा पण्णत्ता । तंजहा–उवणिहिया य १ अणोवणिहिया य २ । तत्थ णं जा सा उवणिहिया सा ठप्पा । तत्थ णं जा सा अणोवणिहिया सा दुविहा पण्णत्ता । तंजहा–नेगमववहाराणं १ संगहस्स य २ ॥ ७३ ॥ से किं तं नेगमववहाराणं अणोवणिहिया दव्वाणुपुव्वी ? नेगमववहाराणं अणोवणि-हिया दव्वाणुपुव्वी पंचविहा पण्णत्ता । तंजहा–अट्ठपयपरूवणया १ भंगसमुक्कित्तणया २ भंगोवदंसणया ३ समोयारे ४ अणुगमे ५ ॥ ७४ ॥ से किं तं नेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया ? नेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया–तिपएसिए जाव दसपएसिए आणुपुव्वी, संखिज्जपएसिए आणुपुव्वी, असंखिज्जपएसिए आणुपुव्वी, अणंतपएसिए आणुपुव्वी, परमाणुपोग्गले अणाणुपुव्वी, दुपएसिए अवत्तव्वए, तिपएसिया आणु-पुव्वीओ जाव अणंतपएसियाओ आणुपुव्वीओ, परमाणुपोग्गला अणाणुपुव्वीओ,

अज्झयणा, पणयालीसं उद्देसणकाला, पणयालीसं समुद्देसणकाला, संखेज्जाइं पय-सहस्साइं पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्न-विज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, सेत्तं पण्हावागरणाइं १० ॥ ५५ ॥ से किं तं विवागसुयं? विवागसुए णं सुकडदुक्कडाणं कम्माणं फल-विवागे आघविज्जइ, तत्थ णं दस दुहविवागा दस सुहविवागा। से किं तं दुहविवागा? दुहविवागेसु णं दुहविवागाणं नगराइं, उज्जाणाइं, समोसरणाइं, रायाणो, अम्मा-पियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, निरयगमणाइं, संसारभवपवंचा, दुहपरंपराओ, दुकुलपच्चायाईओ, दुल्लहबोहियत्तं आघविज्जइ, सेत्तं दुहविवागा। से किं तं सुहविवागा? सुहविवागेसु णं सुहविवागाणं नगराइं, उज्जाणाइं, समोसरणाइं, रायाणो, अम्मापियरो, धम्मायरिया, धम्मकहाओ, इहलोइयपरलोइया इड्ढिविसेसा, भोगपरिच्चागा, पव्वज्जाओ, परियागा, सुयपरिग्गहा, तवोवहाणाइं, संलेहणाओ, भत्तपच्चक्खाणाइं, पाओवगमणाइं, देवलोगगमणाइं, सुहपरंपराओ, सुकुलपच्चायाईओ, पुणबोहिलाभा, अंतकिरियाओ आघविज्जंति। विवागसुयस्स णं परित्ता वायणा, संखेज्जा अणुओगदारा, संखेज्जा वेढा, संखेज्जा सिलोगा, संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ, संखिज्जाओ संगहणीओ, संखिज्जाओ पडिवत्तीओ। से णं अंगट्ठयाए इक्कारसमे अंगे, दो सुयक्खंधा, वीसं अज्झयणा, वीसं उद्देसणकाला, वीसं समुद्दे-सणकाला, संखिज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं, संखेज्जा अक्खरा, अणंता गमा, अणंता पज्जवा, परित्ता तसा, अणंता थावरा, सासयकडनिबद्धनिकाइया जिणपण्णत्ता भावा आघविज्जंति, पन्नविज्जंति, परूविज्जंति, दंसिज्जंति, निदंसिज्जंति, उवदंसिज्जंति, से एवं आया, एवं नाया, एवं विण्णाया, एवं चरणकरणपरूवणा आघविज्जइ, सेत्तं विवागसुयं ११ ॥ ५६ ॥ से किं तं दिट्ठिवाए? दिट्ठिवाए णं सव्वभावपरूवणा आघविज्जइ, से समासओ पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा—परिकम्मे १, सुत्ताइं २, पुव्वगए ३, अणुओगे ४, चूलिया ५। से किं तं परिकम्मे? परिकम्मे सत्तविहे पण्णत्ते, तंजहा—सिद्धसेणियापरिकम्मे १, मणुस्ससेणियापरिकम्मे २, पुट्ठसेणियापरिकम्मे ३, ओगाढ-सेणियापरिकम्मे ४, उवसंपज्जणसेणियापरिकम्मे ५, विप्पजहणसेणियापरिकम्मे ६, चुयाचुयसेणियापरिकम्मे ७। से किं तं सिद्धसेणियापरिकम्मे? सिद्धसेणियापरिकम्मे चउद्दसविहे पण्णत्ते, तंजहा—माउगापयाइं १ एगट्ठियपयाइं २ अट्ठपयाइं ३ पाढो-आगासपयाइं ४ केउभूयं ५ रासिबद्धं ६ एगगुणं ७ दुगुणं ८ तिगुणं ९ केउभूयं १०

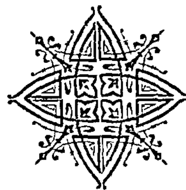
तिपएसिए य परमाणुपोग्गले य दुपएसिए य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य १ अहवा तिपएसिए य परमाणुपोग्गले य दुपएसिया य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वयाइं च २ अहवा तिपएसिए य परमाणुपुग्गला य दुपएसिए य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वए य ३ अहवा तिपएसिए य परमाणुपोग्गला य दुपएसिया य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वयाइं च ४ अहवा तिपएसिया य परमाणुपोग्गले य दुपएसिए य आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वए य ५ अहवा तिपएसिया य परमाणुपोग्गले य दुपएसिया य आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वयाइं च ६ अहवा तिपएसिया य परमाणुपोग्गला य दुपएसिए य आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वए य ७ अहवा तिपएसिया य परमाणुपोग्गला य दुपएसिया य आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वयाइं च ८। सेत्तं नेगमववहाराणं भंगोवदंसणया ॥ ७९ ॥ से किं तं समोयारे? समोयारे (भणिज्जइ)। नेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं कहिं समोयरंति? किं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति? नेगमववहाराणं 'आणुपुव्वीदव्वाइं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति। नेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाइं कहिं समोयरंति? किं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति? नो आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति। नेगमववहाराणं अवत्तव्वयदव्वाइं कहिं समोयरंति? आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति? नो आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति। सेत्तं समोयारे ॥ ८० ॥ से किं तं अणुगमे? अणुगमे नवविहे पण्णत्ते। तंजहा-**गाहा**-संतपयपरूवणया, दव्वपमाणं च खित्त फुसणा य। कालो य अंतरं भाग, भावे अप्पाबहुं चेव ॥ १ ॥ ८१ ॥ नेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं किं अत्थि नत्थि? णियमा अत्थि। नेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाइं किं अत्थि नत्थि? णियमा अत्थि। नेगमववहाराणं अवत्तव्वयदव्वाइं किं अत्थि नत्थि? णियमा अत्थि ॥ ८२ ॥ नेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं किं संखिज्जाइं? असंखिज्जाइं? अणंताइं? नो संखिज्जाइं, नो असंखिज्जाइं, अणंताइं। एवं अणाणुपुव्वीदव्वाइं अवत्तव्वगदव्वाइं च अणंताइं भाणियव्वाइं ॥ ८३ ॥ नेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स किं संखिज्जइभागे होज्जा? असंखिज्जइभागे होज्जा?

तेरासियसुत्तपरिवाडीए, इच्चेइयाइं बावीसं सुत्ताइं चउक्कनइयाणि ससमयसुत्तपरिवाडीए, एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठासीइं सुत्ताइं भवंतित्ति मक्खायं, सेत्तं सुत्ताइं २। से किं तं पुव्वगए? पुव्वगए चउद्दसविहे पण्णत्ते, तंजहा—उप्पायपुव्वं १, अग्गाणीयं २, वीरियं ३, अत्थिनत्थिप्पवायं ४, नाणप्पवायं ५, सच्चप्पवायं ६, आयप्पवायं ७, कम्मप्पवायं ८, पच्चक्खाणप्पवायं (पच्चक्खाणं) ९, विज्जाणुप्पवायं १०, अवंझं ११, पाणाऊ १२, किरियाविसालं १३, लोकबिंदुसारं १४। उप्पायपुव्वस्स णं दस वत्थू, चत्तारि चूलियावत्थू पण्णत्ता। अग्गाणीयपुव्वस्स णं चोद्दस वत्थू, दुवालस चूलियावत्थू पण्णत्ता। वीरियपुव्वस्स णं अट्ठ वत्थू, अट्ठ चूलियावत्थू पण्णत्ता। अत्थिनत्थिप्पवायपुव्वस्स णं अट्ठारस वत्थू, दस चूलियावत्थू पण्णत्ता। नाणप्पवायपुव्वस्स णं बारस वत्थू पण्णत्ता। सच्चप्पवायपुव्वस्स णं दोण्णि वत्थू पण्णत्ता। आयप्पवायपुव्वस्स णं सोलस वत्थू पण्णत्ता। कम्मप्पवायपुव्वस्स णं तीसं वत्थू पण्णत्ता। पच्चक्खाणपुव्वस्स णं वीसं वत्थू पण्णत्ता। विज्जाणुप्पवायपुव्वस्स णं पन्नरस वत्थू पण्णत्ता। अवंझपुव्वस्स णं बारस वत्थू पण्णत्ता। पाणाउपुव्वस्स णं तेरस वत्थू पण्णत्ता। किरियाविसालपुव्वस्स णं तीसं वत्थू पण्णत्ता। लोकबिंदुसारपुव्वस्स णं पणुवीसं वत्थू पण्णत्ता, **गाहा**–दस १ चोद्दस २ अट्ठ ३ ऽट्ठा–,रसेव ४ बारस ५ दुवे ६ य वत्थूणि। सोलस ७ तीसा ८ वीसा ९, पन्नरस १० अणुप्पवायम्मि ॥ ८९ ॥ बारस इक्कारसमे, बारसमे तेरसेव वत्थूणि। तीसा पुण तेरसमे, चोद्दसमे पण्णवीसाओ ॥ ९० ॥ चत्तारि १ दुवालस २ अट्ठ ३ चेव, दस ४ चेव चुल्लवत्थूणि। आइल्लाण चउण्हं, सेसाणं चूलिया नत्थि ॥ ९१ ॥ सेत्तं पुव्वगए ३ ॥ से किं तं अणुओगे? अणुओगे दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–मूलपढमाणुओगे, गंडियाणुओगे य। से किं तं मूलपढमाणुओगे? मूलपढमाणुओगे णं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा, देवगमणाइं, आउं, चवणाइं, जम्मणाणि, अभिसेया, रायवरसिरीओ, पव्वज्जाओ, तवा य उग्गा, केवलनाणुप्पयाओ, तित्थपवत्तणाणि य, सीसा, गणा, गणहरा, अज्जपवत्तिणीओ, संघस्स चउव्विहस्स जं च परिमाणं, जिणमणपज्जवओहिनाणी, सम्मत्तसुयनाणिणो य, वाई, अणुत्तरगई य, उत्तरवेउव्विणो य मुणिणो, जत्तिया सिद्धा, सिद्धिपहो जह देसिओ, जच्चिरं च कालं, पाओवगया जे जहिं जत्तियाइं भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता अंतगडे, मुणिवरुत्तमे, तिमिरओघविप्पमुक्के, मुक्खसुहमणुत्तरं च पत्ते, एवमन्ने य एवमाइभावा मूलपढमाणुओगे कहिया, सेत्तं मूलपढमाणुओगे। से किं तं गंडियाणुओगे? गंडियाणुओगे कुलगरगंडियाओ, तित्थयरगंडियाओ, चक्कवट्टिगंडियाओ, दसारगंडियाओ, बल-

होज्जा, असंखेज्जइभागे होज्जा, नो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नो असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा। एवं अवत्तव्वगदव्वाणि वि भाणियव्वाणि ॥ ८८ ॥ णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं कयरंमि भावे होज्जा? किं उदइए भावे होज्जा? उवसमिए भावे होज्जा? खइए भावे होज्जा? खओवसमिए भावे होज्जा? पारिणामिए भावे होज्जा? सन्निवाइए भावे होज्जा? णियमा साइपारिणामिए भावे होज्जा। अणाणुपुव्वीदव्वाणि अवत्तव्वगदव्वाणि य एवं चेव भाणियव्वाणि ॥ ८९ ॥ एएसिं भंते! णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाणं अणाणुपुव्वीदव्वाणं अवत्तव्वगदव्वाण य दव्वट्ठयाए पएसट्ठयाए दव्वट्ठपएसट्ठयाए कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? गोयमा! सव्वत्थोवाइं णेगमववहाराणं अवत्तव्वगदव्वाइं दव्वट्ठयाए, अणाणुपुव्वीदव्वाइं दव्वट्ठयाए विसेसाहियाइं, आणुपुव्वीदव्वाइं दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणाइं। पएसट्ठयाए–णेगमववहाराणं सव्वत्थोवाइं अणाणुपुव्वीदव्वाइं पएसट्ठयाए, अवत्तव्वगदव्वाइं पएसट्ठयाए विसेसाहियाइं, आणुपुव्वीदव्वाइं पएसट्ठयाए अणंतगुणाइं। दव्वट्ठपएसट्ठयाए–सव्वत्थोवाइं णेगमववहाराणं अवत्तव्वगदव्वाइं दव्वट्ठयाए, अणाणुपुव्वीदव्वाइं दव्वट्ठयाए अपएसट्ठयाए विसेसाहियाइं, अवत्तव्वगदव्वाइं पएसट्ठयाए विसेसाहियाइं, आणुपुव्वीदव्वाइं दव्वट्ठयाए असंखेज्जगुणाइं, ताइं चेव पएसट्ठयाए अणंतगुणाइं। सेत्तं अणुगमे। सेत्तं णेगमववहाराणं अणोवणिहिया दव्वाणुपुव्वी ॥ ९० ॥ से किं तं संगहस्स अणोवणिहिया दव्वाणुपुव्वी? संगहस्स अणोवणिहिया दव्वाणुपुव्वी पंचविहा पण्णत्ता। तंजहा–अट्ठपयपरूवणया १ भंगसमुक्कित्तणया २ भंगोवदंसणया ३ समोयारे ४ अणुगमे ५ ॥ ९१ ॥ से किं तं संगहस्स अट्ठपयपरूवणया? संगहस्स अट्ठपयपरूवणया–तिपएसिए आणुपुव्वी, चउप्पएसिए आणुपुव्वी जाव दसपएसिए आणुपुव्वी, संखिज्जपएसिए आणुपुव्वी, असंखिज्जपएसिए आणुपुव्वी, अणंतपएसिए आणुपुव्वी, परमाणुपोग्गले अणाणुपुव्वी, दुपएसिए अवत्तव्वए। सेत्तं संगहस्स अट्ठपयपरूवणया ॥ ९२ ॥ एयाए णं संगहस्स अट्ठपयपरूवणयाए किं पओयणं? एयाए णं संगहस्स अट्ठपयपरूवणयाए भंगसमुक्कित्तणया कज्जइ। से किं तं संगहस्स भंगसमुक्कित्तणया? संगहस्स भंगसमुक्कित्तणया–अत्थि आणुपुव्वी १ अत्थि अणाणुपुव्वी २ अत्थि अवत्तव्वए ३ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य ४ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ५ अहवा अत्थि अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ६ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ७ एवं सत्तभंगा। सेत्तं संगहस्स भंगसमुक्कित्तणया। एयाए णं संगहस्स भंगसमुक्कित्तणयाए किं पओयणं? एयाए णं संगहस्स भंगसमुक्कित्तणयाए भंगोवदं-

नत्थि, न कयाइ न भविस्सइ, भुविं च, भवइ य, भविस्सइ य, धुवे, नियए, सासए, अक्खए, अव्वए, अवट्ठिए, निच्चे, एवामेव दुवालसंगं गणिपिडगं न कयाइ नासी, न कयाइ नत्थि, न कयाइ न भविस्सइ, भुविं च, भवइ य, भविस्सइ य, धुवे, नियए, सासए, अक्खए, अव्वए, अवट्ठिए, निच्चे। से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते, तंजहा—दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ। तत्थ दव्वओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ। खित्तओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वं खेत्तं जाणइ पासइ। कालओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वं खेत्तं जाणइ पासइ। भावओ णं सुयनाणी उवउत्ते सव्वे भावे जाणइ पासइ॥ ५८॥ अक्खर सन्नी सम्मं, साइयं खलु सपज्जवसियं च। गमियं अंगपविट्ठं, सत्तवि एए सपडिवक्खा ॥ ९३ ॥ आगमसत्थग्गहणं, जं बुद्धिगुणेहिं अट्ठहिं दिट्ठं। बिंति सुयनाणलंभं, तं पुव्ववि-सारया धीरा ॥ ९४ ॥ सुस्सूसइ १ पडिपुच्छइ २ सुणेइ ३ गिण्हइ ४ य ईहए यावि ५। तत्तो अपोहए ६ वा, धारेइ ७ करेइ वा सम्मं ८ ॥ ९५ ॥ मूयं हुंकारं वा, बाढक्कारं पडिपुच्छ वीमंसा। तत्तो पसंगपारायणं च, परिणिट्ठ सत्तमए ॥ ९६ ॥ सुत्तत्थो खलु पढमो, बीओ निज्जुत्तिमीसिओ भणिओ। तइओ य निरवसेसो, एस विही होइ अणुओगे ॥ ९७ ॥ सेत्तं अंगपविट्ठं। सेत्तं सुयनाणं। सेत्तं परोक्खनाणं। सेत्तं नंदी ॥ ५९ ॥

॥ नंदीसुत्तं समत्तं ॥



कयरम्मि भावे होज्जा? नियमा साइपारिणामिए भावे होज्जा। एवं दोन्नि वि। अप्पाबहुं नत्थि। सेत्तं अणुगमे। सेत्तं संगहस्स अणोवणिहिया दव्वाणुपुव्वी। सेत्तं अणोवणिहिया दव्वाणुपुव्वी ॥ ९६ ॥ से किं तं उवणिहिया दव्वाणुपुव्वी? उवणिहिया दव्वाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा–पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी य ३ ॥ ९७ ॥ से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी–धम्मत्थिकाए १ अधम्मत्थिकाए २ आगासत्थिकाए ३ जीवत्थिकाए ४ पोग्गलत्थिकाए ५ अद्धासमए ६। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी–अद्धासमए ६ पोग्गलत्थिकाए ५ जीवत्थिकाए ४ आगासत्थिकाए ३ अधम्मत्थिकाए २ धम्मत्थिकाए १। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी–एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए छगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी ॥ ९८ ॥ अहवा उवणिहिया दव्वाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा–पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी–परमाणुपोग्गले १ दुपएसिए २ तिपएसिए ३ जाव दसपएसिए १० संखिज्जपएसिए ११ असंखिज्जपएसिए १२ अणंतपएसिए १३। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी–अणंतपएसिए १३ जाव परमाणुपोग्गले १। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी–एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए अणंतगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। सेत्तं उवणिहिया दव्वाणुपुव्वी। [2]सेत्तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वाणुपुव्वी। सेत्तं नोआगमओ दव्वाणुपुव्वी। **सेत्तं दव्वाणुपुव्वी** ॥ ९९ ॥ से किं तं खेत्ताणुपुव्वी? खेत्ताणुपुव्वी दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–उवणिहिया य अणोवणिहिया य ॥ १०० ॥ तत्थ णं जा सा उवणिहिया सा ठप्पा। तत्थ णं जा सा अणोवणिहिया सा दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–णेगमववहाराणं १ संगहस्स य २ ॥ १०१ ॥ से किं तं णेगमववहाराणं अणोवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी? णेगमववहाराणं अणोवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी पंचविहा पण्णत्ता। तंजहा–अट्ठपयपरूवणया १ भंगसमुक्कित्तणया २ भंगोवदंसणया ३ समोयारे ४ अणुगमे ५। से किं तं णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया? णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया–तिपएसोगाढे आणुपुव्वी जाव दसपएसोगाढे आणुपुव्वी, संखिज्जपएसोगाढे आणुपुव्वी, असंखिज्जपएसोगाढे आणुपुव्वी, एगपएसोगाढे अणाणुपुव्वी, दुपएसोगाढे अवत्तव्वए, तिपएसोगाढा आणुपुव्वीओ जाव दसपएसोगाढा आणुपुव्वीओ, असंखिज्जपएसोगाढा आणुपुव्वीओ,

---

१ 'समूह'। २ पच्चंतरे एसो पाढो नत्थि।

निंदणा,[4] वणतिगिच्छ[5] गुणधारणा चेव[6] ॥ १ ॥ ५९ ॥ गाहा-आवस्सयस्स एसो, पिंडत्थो वण्णिओ समासेणं । एत्तो एक्केक्कं पुण, अज्झयणं कित्तइस्सामि ॥ १ ॥ तंजहा-सामाइयं १ चउवीसत्थओ २ वंदणयं ३ पडिक्कमणं ४ काउस्सग्गो ५ पच्चक्खाणं ६ । तत्थ पढमं अज्झयणं सामाइयं । तस्स णं इमे चत्तारि अणुओगदारा भवंति, तंजहा-उवक्कमे १ निक्खेवे २ अणुगमे ३ नए ४ ॥ ६० ॥ से किं तं उवक्कमे? उवक्कमे छव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-णामोवक्कमे १ ठवणोवक्कमे २ दव्वोवक्कमे ३ खेत्तोवक्कमे ४ कालोवक्कमे ५ भावोवक्कमे ६ । णामठवणाओ गयाओ । से किं तं दव्वोवक्कमे? दव्वोवक्कमे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २ जाव सेत्तं भवियसरीरदव्वोवक्कमे । से किं तं जाणगसरीर-भवियसरीरवइरित्ते दव्वोवक्कमे? जाणगसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वोवक्कमे तिविहे पण्णत्ते । तंजहा-सचित्ते १ अचित्ते २ मीसए ३ ॥ ६१ ॥ से किं तं सचित्ते दव्वोवक्कमे? सचित्ते दव्वोवक्कमे तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-दुप(ए)याणं १ चउप्पयाणं २ अपयाणं ३ । एक्केक्के पुण दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-परिक्कमे य १ वत्थुविणासे य २ ॥ ६२ ॥ से किं तं दुपयाणं उवक्कमे? दुपयाणं-नडाणं, नट्टाणं, जल्लाणं, मल्लाणं, मुट्ठियाणं, वेलंवगाणं, कहगाणं, पवगाणं, लासगाणं, आइक्खगाणं, लंखाणं, मंखाणं, तूणइल्लाणं, तुंववीणियाणं, का(वडि)वोयाणं, मागहाणं । सेत्तं दुपयाणं उवक्कमे । ॥ ६३ ॥ से किं तं चउप्पयाणं उवक्कमे? चउप्पयाणं-आसाणं, हत्थीणं, इच्चाइ । सेत्तं चउप्पयाणं उवक्कमे ॥ ६४ ॥ से किं तं अपयाणं उवक्कमे? अपयाणं-अंवाणं, अंवाडगाणं, इच्चाइ । सेत्तं अपओवक्कमे । सेत्तं सचित्तदव्वोवक्कमे ॥ ६५ ॥ से किं तं अचित्तदव्वोवक्कमे? अचित्तदव्वोवक्कमे- खंडाईणं, गुडाईणं, मच्छंडीणं । सेत्तं अचित्तदव्वोवक्कमे ॥ ६६ ॥ से किं तं मीसए दव्वोवक्कमे? मीसए दव्वोवक्कमे-से चेव थासगआयंसगाइमंडिए आसाइ । सेत्तं मीसए दव्वोवक्कमे । सेत्तं जाणय-सरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वोवक्कमे । सेत्तं नोआगमओ दव्वोवक्कमे । सेत्तं दव्वोवक्कमे ॥ ६७ ॥ से किं तं खेत्तोवक्कमे? खेत्तोवक्कमे-जं णं हलकुलियाईहिं खेत्ताइं उवक्कमिज्जंति । सेत्तं खेत्तोवक्कमे ॥ ६८ ॥ से किं तं कालोवक्कमे? कालोवक्कमे-जं णं नालियाईहिं कालस्सोवक्कमणं कीरइ । सेत्तं कालोवक्कमे ॥ ६९ ॥ से किं तं भावोवक्कमे? भावोवक्कमे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २ । तत्थ आगमओ जाणए उवउत्ते । से किं तं नोआगमओ भावोवक्कमे? नोआगमओ भावोवक्कमे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-पसत्थे य १ अपसत्थे य २ । से किं तं अपसत्थे नोआगमओ भावोवक्कमे? अपसत्थे नोआगमओ भावोवक्कमे डोडिणिगणियाअमच्चा-

गाहाओ–जंबूदीवे लवणे, धायइ कालोय पुक्खरे वरुणे। खीर घय खोय ॱ अरुणवरे कुंडले रुयगे ॥ १ ॥ आभरण वत्थ गंधे, उप्पल तिलए य पुढवि ॱ रयणे। वासहर दह नईओ, विजया वक्खार कप्पिंदा ॥ २ ॥ कुरु मंदर आवा कूडा नक्खत्त चंद सूरा य। देवे नागे जक्खे, भूए य सयंभुरमणे य ॥ ३ ॥ ॱ पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी–सयंभूरमणे य ज जंबूदीवे। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी–एयाए ॱ एगाइयाए एगुत्तरियाए असंखेज्जगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो सेत्तं अणाणुपुव्वी। उड्ढलोयखेत्ताणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा–पुव्वाणुपुव्वी पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी सोहम्मे १ ईसाणे २ सणंकुमारे ३ माहिंदे ४ बंभलोए ५ लंतए ६ महासुक्के ॱ सहस्सारे ८ आणए ९ पाणए १० आरणे ११ अच्चुए १२ गेवेज्जविमाणे १ॱ अणुत्तरविमाणे १४ ईसिपब्भारा १५। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी–ईसिपब्भारा १५ जाव सोहम्मे १। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी–एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए पन्नरसगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। अहवा उवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा–पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी य ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी–एगपएसोगाढे, दुपएसोगाढे जाव दसपएसोगाढे जाव संखिज्जपएसोगाढे, असंखिज्जपएसोगाढे। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी–असंखिज्जपएसोगाढे, संखिज्जपएसोगाढे जाव एगपएसोगाढे। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी–एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए असंखिज्जगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। सेत्तं उवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी। **सेत्तं खेत्ताणुपुव्वी** ॥ १०४ ॥ से किं तं कालाणुपुव्वी? कालाणुपुव्वी दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–उवणिहिया य १ अणोवणिहिया य २ ॥ १०५ ॥ तत्थ णं जा सा उवणिहिया सा ठप्पा। तत्थ णं जा सा अणोवणिहिया सा दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–णेगमववहाराणं १ संगहस्स य २ ॥ १०६ ॥ से किं तं णेगमववहाराणं अणोवणिहिया कालाणुपुव्वी? णेगमववहाराणं अणोवणिहिया कालाणुपुव्वी पंचविहा पण्णत्ता। तंजहा–अट्ठपयपरूवणया १ भंगसमुक्कित्तणया २ भंगोवदंसणया ३ समोयारे ४ अणुगमे ५ ॥ १०७ ॥ से किं

---

१ जंबुद्दीवाओ खलु, निरंतरा सेसया असंखइमा। भुयगवर कुसवरावि य, कोंच-ॱाभरणमाई य ॥ वायणंतरे एसा गाहा वि लब्भइ।

दुपएसियाइं अवत्तव्वयाइं । सेत्तं नेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया ॥ ७५ ॥ एयाए णं नेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणयाए किं पओयणं? एयाए णं नेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणयाए भंगसमुक्कित्तणया कज्जइ ॥ ७६ ॥ से किं तं नेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया? नेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया-अत्थि आणुपुव्वी १ अत्थि अणाणुपुव्वी २ अत्थि अवत्तव्वए ३ अत्थि आणुपुव्वीओ ४ अत्थि अणाणुपुव्वीओ ५ अत्थि अवत्तव्वयाइं ६ । अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य १ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वीओ य २ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वी य ३ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वीओ य ४ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ५ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अवत्तव्वयाइं च ६ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अवत्तव्वए य ७ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अवत्तव्वयाइं च ८ अहवा अत्थि अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ९ अहवा अत्थि अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वयाइं च १० अहवा अत्थि अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वए य ११ अहवा अत्थि अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वयाइं च १२ । अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य १ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वयाइं च २ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वए य ३ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वयाइं च ४ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ५ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वयाइं च ६ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वए य ७ अहवा अत्थि आणुपुव्वीओ य अणाणुपुव्वीओ य अवत्तव्वयाइं च ८ तिसंजोगे एए अ(ड)ट्ठभंगा । एवं सव्वेऽवि छव्वीसं भंगा । सेत्तं नेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया ॥ ७७ ॥ एयाए णं नेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणयाए किं पओयणं? एयाए णं नेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणयाए भंगोवदंसणया कीरइ ॥ ७८ ॥ से किं तं नेगमववहाराणं भंगोवदंसणया? नेगमववहाराणं भंगोवदंसणया-तिपएसिए आणुपुव्वी १ परमाणुपोग्गले अणाणुपुव्वी २ दुपएसिए अवत्तव्वए ३ अहवा तिपएसिया आणुपुव्वीओ ४ परमाणुपोग्गला अणाणुपुव्वीओ ५ दुपएसिया अवत्तव्वयाइं ६ । अहवा तिपएसिए य परमाणुपुग्गले य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य चउभंगो ४ । अहवा तिपएसिए य दुपएसिए य आणुपुव्वी य अवत्तव्वए य चउभंगो ८ । अहवा परमाणुपोग्गले य दुपएसिए य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य चउभंगो १२ । अहवा

१ अण्णायरिसे वारसभंगुल्लेहो लब्भइ ।

संतरेण वा सव्वपुच्छासु होज्जा) एवं अणाणुपुव्वीदव्वाणि अवत्तव्वगदव्वाणि वि जहा खेत्ताणुपुव्वीए। एवं फुसणा कालाणुपुव्वीए वि तहा चेव भाणियव्वा। णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं कालओ केवच्चिरं होंति? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं तिण्णि समया, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। णाणादव्वाइं पडुच्च सव्वद्धा। णेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाइं कालओ केवच्चिरं होंति? एगं दव्वं पडुच्च अजहण्णमणुक्कोसेणं एक्कं समयं, णाणादव्वाइं पडुच्च सव्वद्धा। अवत्तव्वगदव्वाणं पुच्छा? एगं दव्वं पडुच्च अजहण्णमणुक्कोसेणं दो समया, णाणादव्वाइं पडुच्च सव्वद्धा। णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाणमंतरं कालओ केवच्चिरं होइ? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं दो समया। णाणादव्वाइं पडुच्च णत्थि अंतरं। णेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाणं अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं दो समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। णाणादव्वाइं पडुच्च णत्थि अंतरं। णेगमववहाराणं अवत्तव्वगदव्वाणं पुच्छा? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं। णाणादव्वाइं पडुच्च णत्थि अंतरं। भागभावअप्पाबहुं चेव जहा खेत्ताणुपुव्वीए तहा भाणियव्वाइं जाव सेत्तं अणुगमे। सेत्तं णेगमववहाराणं अणोवणिहिया कालाणुपुव्वी ॥ ११२ ॥ से किं तं संगहस्स अणोवणिहिया कालाणुपुव्वी? संगहस्स अणोवणिहिया कालाणुपुव्वी पंचविहा पण्णत्ता। तंजहा–अट्ठपयपरूवणया १ भंगसमुक्कित्तणया २ भंगोवदंसणया ३ समोयारे ४ अणुगमे ५ ॥ ११३ ॥ से किं तं संगहस्स अट्ठपयपरूवणया? संगहस्स अट्ठपयपरूवणया–एयाइं पंच वि दाराइं जहा खेत्ताणुपुव्वीए संगहस्स कालाणुपुव्वीए वि तहा भाणियव्वाणि। णवरं ठिइ–अभिलावो जाव सेत्तं अणुगमे। सेत्तं संगहस्स अणोवणिहिया कालाणुपुव्वी ॥ ११४ ॥ से किं तं उवणिहिया कालाणुपुव्वी? उवणिहिया कालाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा–पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी–समए १ आवलिया २ आणापाणू ३ थोवे ४ लवे ५ मुहुत्ते ६ अहोरत्ते ७ पक्खे ८ मासे ९ उऊ १० अयणे ११ संवच्छरे १२ जुगे १३ वाससए १४ वाससहस्से १५ वाससयसहस्से १६ पुव्वंगे १७ पुव्वे १८ तुडियंगे १९ तुडिए २० अडडंगे २१ अडडे २२ अववंगे २३ अववे २४ हुहुयंगे २५ हुहुए २६ उप्पलंगे २७ उप्पले २८ पउमंगे २९ पउमे ३० णलिणंगे ३१ णलिणे ३२ अत्थनिउरंगे ३३ अत्थनिउरे ३४ अउयंगे ३५ अउए ३६ नउयंगे ३७ नउए ३८ पउयंगे ३९ पउए ४० चूलियंगे ४१ चूलिया ४२ सीसपहेलियंगे ४३ सीसपहेलिया ४४ पलिओवमे ४५ सागरोवमे ४६ ओसप्पिणी ४७ उस्सप्पिणी ४८ पोग्गलपरि-

संखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? सव्वलोए होज्जा ? एगं दव्वं पडुच्च संखिज्जइभागे वा होज्जा, असंखिज्जइभागे वा होज्जा, संखेज्जेसु भागेसु वा होज्जा, असंखेज्जेसु भागेसु वा होज्जा, सव्वलोए वा होज्जा । णाणादव्वाइं पडुच्च नियमा सव्वलोए होज्जा । नेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाइं किं लोयस्स संखिज्जइभागे होज्जा जाव सव्वलोए होज्जा ? एगं दव्वं पडुच्च नो संखिज्जइभागे होज्जा, असंखिज्जइभागे होज्जा, नो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नो असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नो सव्वलोए होज्जा । णाणादव्वाइं पडुच्च नियमा सव्वलोए होज्जा । एवं अवत्तव्वगदव्वाइं भाणियव्वाइं ॥ ८४ ॥ नेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसंति ? असंखेज्जइभागं फुसंति ? संखेज्जे भागे फुसंति ? असंखेज्जे भागे फुसंति ? सव्वलोगं फुसंति ? एगं दव्वं पडुच्च लोगस्स संखेज्जइभागं वा फुसंति जाव सव्वलोगं वा फुसंति । णाणादव्वाइं पडुच्च नियमा सव्वलोगं फुसंति । नेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स किं संखिज्जइभागं फुसंति जाव सव्वलोगं फुसंति ? एगं दव्वं पडुच्च नो संखिज्जइभागं फुसंति, असंखिज्जइभागं फुसंति, नो संखिज्जे भागे फुसंति, नो असंखिज्जे भागे फुसंति, नो सव्वलोयं फुसंति । णाणादव्वाइं पडुच्च नियमा सव्वलोयं फुसंति । एवं अवत्तव्वगदव्वाइं भाणियव्वाइं ॥ ८५ ॥ णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं कालओ केवच्चिरं होंति ? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । णाणादव्वाइं पडुच्च णियमा सव्वद्धा । अणाणुपुव्वीदव्वाइं अवत्तव्वगदव्वाइं च एवं चेव भाणियव्वाइं ॥ ८६ ॥ णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाणं अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अणं(तं)तकालं । णाणादव्वाइं पडुच्च णत्थि अंतरं । णेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाणं अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं असंखेज्जं कालं । णाणादव्वाइं पडुच्च णत्थि अंतरं । णेगमववहाराणं अवत्तव्वगदव्वाणं अंतरं कालओ केवच्चिरं होइ ? एगं दव्वं पडुच्च जहण्णेणं एगं समयं, उक्कोसेणं अणंतकालं । णाणादव्वाइं पडुच्च णत्थि अंतरं ॥ ८७ ॥ णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं सेसदव्वाणं कइभागे होज्जा ? किं संखिज्जइभागे होज्जा ? असंखिज्जइभागे होज्जा ? संखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? नो संखिज्जइभागे होज्जा, नो असंखिज्जइभागे होज्जा, नो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नियमा असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा । णेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाइं सेसदव्वाणं कइभागे होज्जा ? किं संखेज्जइभागे होज्जा ? असंखेज्जइभागे होज्जा ? संखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? नो संखेज्जइभागे

सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? प०-हुंडे ६ जाव समचउरंसे १। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए छगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। **सेत्तं संठाणाणुपुव्वी** ॥ ११८ ॥ से किं तं सामायारीआणुपुव्वी? सामायारीआणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी-**गाहा**-इच्छा[1]-मिच्छा[2]-तहक्कारो[3], आवस्सिया[4] य निसीहिया[5]। आपुच्छणा[6] य पडिपुच्छा[7], छंदणा[8] य निमंतणा[9] ॥ १ ॥ उवसंपया[10] य काले, समायारी भवे दसविहा उ। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी-उवसंपया[10] जाव इच्छागारो[1]। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए दसगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। **सेत्तं सामायारीआणुपुव्वी** ॥ ११९ ॥ से किं तं भावाणुपुव्वी? भावाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी-उदइए १ उवसमिए २ खाइए ३ खओवसमिए ४ पारिणामिए ५ सन्निवाइए ६। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी-सन्निवाइए ६ जाव उदइए १। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए छगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। **सेत्तं भावाणुपुव्वी। सेत्तं आणुपुव्वी ॥ १२० ॥ 'आणुपुव्वी' त्ति पयं समत्तं ॥**

से किं तं णामे? णामे दसविहे पण्णत्ते। तंजहा-एगणामे १ दुणामे २ तिणामे ३ चउणामे ४ पंचणामे ५ छणामे ६ सत्तणामे ७ अट्ठणामे ८ नवणामे ९ दसणामे १० ॥ १२१ ॥ से किं तं एगणामे? एगणामे-**गाहा**-णामाणि जाणि काणि वि, दव्वाण गुणाण पज्जवाणं च। तेसिं आगमनिहसे, 'नामं' ति परूविया सण्णा ॥ १ ॥ **सेत्तं एगणामे** ॥ १२२ ॥ से किं तं दुणामे? दुणामे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-एगक्खरिए य १ अणेगक्खरिए य २। से किं तं एगक्खरिए? एगक्खरिए अणेगविहे पण्णत्ते। तंजहा-ह्री[1], श्री[2], धी[3], स्त्री[4]। सेत्तं एगक्खरिए। से किं तं अणेगक्खरिए? अणेगक्खरिए-कन्ना, वीणा, लया, माला। सेत्तं अणेगक्खरिए। अहवा दुणामे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-जीवणामे य १ अजीवणामे य २। से किं तं जीवणामे? जीवणामे अणेगविहे पण्णत्ते। तंजहा-देवदत्तो, जण्णदत्तो, विण्हुदत्तो, सोमदत्तो। सेत्तं जीवणामे। से किं तं अजीवणामे? अजीवणामे अणेगविहे पण्णत्ते। तंजहा-घडो, पडो, कडो, रहो। सेत्तं अजीव-

---

१ ही, २ सी (अवब्भंसे), ३ धी, ४ थी।

सणया कीरइ ॥ ९३ ॥ से किं तं संगहस्स भंगोवदंसणया? संगहस्स भंगोवदंसणया–तिपएसिया आणुपुव्वी १ परमाणुपोग्गला अणाणुपुव्वी २ दुपएसिया अवत्तव्वए ३ अहवा तिपएसिया य परमाणुपुग्गला य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य ४ अहवा तिपएसिया य दुपएसिया य आणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ५ अहवा परमाणुपोग्गला य दुपएसिया य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ६ अहवा तिपएसिया य परमाणुपोग्गला य दुपएसिया य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य अवत्तव्वए य ७। सेत्तं संगहस्स भंगोवदंसणया ॥ ९४ ॥ से किं तं संगहस्स समोयारे? संगहस्स समोयारे (भणिज्जइ)। संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं कहिं समोयरंति? किं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति? संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति। एवं दोन्नि वि सट्ठाणे सट्ठाणे समोयरंति। सेत्तं समोयारे ॥ ९५ ॥ से किं तं अणुगमे? अणुगमे अट्ठविहे पण्णत्ते। तंजहा–**गाहा**–संतपयपरूवणया[1], दव्वपमाणं[2] च खित्तं[3] फुसणा[4] य। कालो[5] य अंतरं[6] भागं[7], भावे[8] अप्पाबहुं नत्थि ॥ १ ॥ संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं किं अत्थि नत्थि? णियमा अत्थि। एवं दोन्नि वि। संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं किं संखिज्जाइं? असंखिज्जाइं? अणंताइं? नो संखिज्जाइं, नो असंखिज्जाइं, नो अणंताइं, नियमा एगो रासी। एवं दोन्नि वि। संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स कइभागे होज्जा? किं संखिज्जइभागे होज्जा? असंखिज्जइभागे होज्जा? संखेज्जेसु भागेसु होज्जा? असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा? सव्वलोए होज्जा? नो संखिज्जइभागे होज्जा, नो असंखिज्जइभागे होज्जा, नो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नो असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नियमा सव्वलोए होज्जा। एवं दोन्नि वि। संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स किं संखेज्जइभागं फुसंति? असंखेज्जइभागं फुसंति? संखेज्जे भागे फुसंति? असंखेज्जे भागे फुसंति? सव्वलोगं फुसंति? नो संखेज्जइभागं फुसंति जाव णियमा सव्वलोगं फुसंति। एवं दोन्नि वि। संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं कालओ केवच्चिरं होंति? (नियमा) सव्वद्धा। एवं दोन्नि वि। संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाणं कालओ केवच्चिरं अंतरं होइ? णत्थि अंतरं। एवं दोन्नि वि। संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं सेसदव्वाणं कइभागे होज्जा? किं संखिज्जइभागे होज्जा? असंखिज्जइभागे होज्जा? संखेज्जेसु भागेसु होज्जा? असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा? नो संखिज्जइभागे होज्जा, नो असंखिज्जइभागे होज्जा, नो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नो असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नियमा तिभागे होज्जा। एवं दोन्नि वि। संगहस्स आणुपुव्वी

यरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-परिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। एए वि सम्मुच्छिमा पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य गब्भवक्कंतिया वि पज्जत्तगा अपज्जत्तगा य भाणियव्वा। अविसेसिए-खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-सम्मुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, गब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-सम्मुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-पज्जत्तयसम्मुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, अपज्जत्तयसम्मुच्छिमखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-गब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-पज्जत्तयगब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-मणुस्से। विसेसिए-सम्मुच्छिममणुस्से य, गब्भवक्कंतियमणुस्से य। अविसेसिए-सम्मुच्छिममणुस्से। विसेसिए-पज्जत्तगसम्मुच्छिममणुस्से य, अपज्जत्तगसम्मुच्छिममणुस्से य। अविसेसिए-गब्भवक्कंतियमणुस्से। विसेसिए-कम्मभूमिओ य, अकम्मभूमिओ य, अंतरदीवओ य, संखिज्जवासाउय, असंखिज्जवासाउय, पज्जत्तापज्जत्तओ। अविसेसिए-देवे। विसेसिए-भवणवासी, वाणमंतरे, जोइसिए, वेमाणिए य। अविसेसिए-भवणवासी। विसेसिए-असुरकुमारे १ नागकुमारे २ सुवण्णकुमारे ३ विज्जुकुमारे ४ अग्गिकुमारे ५ दीवकुमारे ६ उदहिकुमारे ७ दिसाकुमारे ८ वाउकुमारे ९ थणियकुमारे १०। सव्वेसिं पि अविसेसियविसेसियपज्जत्तगअपज्जत्तगभेया भाणियव्वा। अविसेसिए-वाणमंतरे। विसेसिए-पिसाए १ भूए २ जक्खे ३ रक्खसे ४ किण्णरे ५ किंपुरिसे ६ महोरगे ७ गंधव्वे ८। एएसिं पि अविसेसियविसेसियपज्जत्तगअपज्जत्तगभेया भाणियव्वा। अविसेसिए-जोइसिए। विसेसिए-चंदे १ सूरे २ गहगणे ३ नक्खत्ते ४ तारारूवे ५। एएसिं पि अविसेसियविसेसियपज्जत्तयअपज्जत्तयभेया भाणियव्वा। अविसेसिए-वेमाणिए। विसेसिए-कप्पोवगे य, कप्पातीतए य। अविसेसिए-कप्पोवगे। विसेसिए-सोहम्मए १ ईसाणए २ सणंकुमारए ३ माहिंदए ४ बंभलोयए ५ लंतयए ६ महासुक्कए ७ सहस्सारए ८ आणयए ९ पाणयए १० आरणए ११ अच्चुयए १२। एएसिं अविसेसियविसेसियअपज्जत्तगपज्जत्तगभेया भाणियव्वा। अविसेसिए-कप्पातीतए। विसेसिए-गेवेज्जए य, अणुत्तरोववाइए य। अविसेसिए-गेवेज्जए। विसेसिए-हेट्ठिमगेवेज्जए १ मज्झिमगेवेज्जए २ उवरिमगेवेज्जए ३। अविसेसिए-हेट्ठिमगेवेज्जए। विसेसिए-हेट्ठिमहेट्ठिमगेवेज्जए १ हेट्ठिमम-

एगपएसोगाढा अणाणुपुव्वीओ, दुपएसोगाढा अवत्तव्वगाइं। सेत्तं णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया। एयाए णं णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणयाए किं पओयणं? एयाए० णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणयाए णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया कज्जइ। से किं तं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया? णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया–अत्थि आणुपुव्वी १ अत्थि अणाणुपुव्वी २ अत्थि अवत्तव्वए ३ एवं दव्वाणुपुव्वीगमेणं खेत्ताणुपुव्वीए वि ते चेव छव्वीसं भंगा भाणियव्वा जाव सेत्तं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया। एयाए णं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणयाए किं पओयणं? एयाए णं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणयाए भंगोवदंसणया कीरइ। से किं तं णेगमववहाराणं भंगोवदंसणया? णेगमववहाराणं भंगोवदंसणया–तिपएसोगाढे आणुपुव्वी १ एगपएसोगाढे अणाणुपुव्वी २ दुपएसोगाढे अवत्तव्वए ३ तिपएसोगाढा आणुपुव्वीओ ४ एगपएसोगाढा अणाणुपुव्वीओ ५ दुपएसोगाढा अवत्तव्वगाइं ६ अहवा तिपएसोगाढे य एगपएसोगाढे य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य एवं तहा चेव दव्वाणुपुव्वीगमेणं छव्वीसं भंगा भाणियव्वा जाव सेत्तं णेगमववहाराणं भंगोवदंसणया। से किं तं समोयारे? समोयारे–णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं कहिं समोयरंति? किं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति?० आणुपुव्वीदव्वाइं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति, नो अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति। एवं दोन्नि वि सट्ठाणे सट्ठाणे समोयरंति। सेत्तं समोयारे। से किं तं अणुगमे? अणुगमे नवविहे पण्णत्ते। तंजहा–**गाहा**–संतपयपरूवणया, दव्वपमाणं च खित्त फुसणा य। कालो य अंतरं भागं, भावे अप्पाबहुं चेव ॥ १ ॥ णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं किं अत्थि नत्थि? णियमा अत्थि। एवं दोन्नि वि। णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं किं संखिज्जाइं? असंखिज्जाइं? अणंताइं? नो संखिज्जाइं, नो असंखिज्जाइं, अणंताइं। एवं दोन्नि वि। णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स किं संखिज्जइभागे होज्जा? असंखिज्जइभागे होज्जा? जाव सव्वलोए होज्जा? एगं दव्वं पडुच्च संखिज्जइभागे वा होज्जा, असंखिज्जइभागे वा होज्जा, संखेज्जेसु भागेसु वा होज्जा, असंखेज्जेसु भागेसु वा होज्जा, देसूणे वा लोए होज्जा। णाणादव्वाइं पडुच्च नियमा सव्वलोए होज्जा। णेगमववहाराणं अणाणुपुव्वीदव्वाणं पुच्छाए-एगं दव्वं पडुच्च नो संखिज्जइभागे होज्जा, असंखिज्जइभागे होज्जा, नो संखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नो असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा, नो सव्वलोए होज्जा। णाणादव्वाइं पडुच्च नियमा सव्वलोए होज्जा। एवं अवत्तव्वगदव्वाणि वि भाणियव्वाणि। णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स किं संखि-

महुरा वि भाणियव्वा। एगगुणकक्खडे जाव अणंतगुणकक्खडे। एवं मउयगरुय-लहुयसीयउसिणणिद्धलुक्खा वि भाणियव्वा। सेत्तं पज्जवणामे। **गाहाओ**-तं पुण णामं तिविहं, इत्थी पुरिसं णपुंसगं चेव। एएसिं तिण्हं पि(य), अंतम्मि य परूवणं वोच्छं ॥ १ ॥ तत्थ पुरिसस्स अंता, आ ई ऊ ओ हवंति चत्तारि। ते चेव इत्थियाओ, हवंति ओकारपरिहीणा ॥ २ ॥ अंतिय इंतिय उंतिय, अंताउ णपुंसगस्स बोद्धव्वा। एएसिं तिण्हं पि य, वोच्छामि निदंसणे एत्तो ॥ ३ ॥ आगारंतो 'राया', ईगारंतो 'गिरी' य 'सिहरी' य। ऊगारंतो 'विण्हू', 'दुमो' य अंता उ पुरिसाणं ॥ ४ ॥ आगारंता 'माला', ईगारंता 'सिरी' य 'लच्छी' य। ऊगारंता 'जंबू', 'वहू' य अंताउ इत्थीणं ॥ ५ ॥ अंकारंतं 'धन्नं', इंकारंतं नपुंसगं 'अत्थि'। उंकारंतो 'पीलुं', 'महुं' च अंता णपुंसाणं ॥ ६ ॥ **सेत्तं तिणामे** ॥ १२४ ॥ से किं तं चउणामे? चउणामे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-आगमेणं १ लोवेणं २ पयईए ३ विगारेणं ४। से किं तं आगमेणं? आगमेणं-पद्मानि[1], पयांसि[2], कुण्डानि[3]। सेत्तं आगमेणं। से किं तं लोवेणं? लोवेणं-ते[4] अत्र=तेऽत्र, पटो[5] अत्र=पटोऽत्र, घटो[6] अत्र=घटोऽत्र। सेत्तं लोवेणं। से किं तं पगईए? पगईए-अग्नी एतौ, पटू इमौ, शाले एते, माले इमे। सेत्तं पगईए। से किं तं विगारेणं? विगारेणं-दण्डस्य+अग्रं=दंडाग्रं, सा[9]+आगता=साऽऽगता, दधि[10]+इदं=दधीदं, नदी[11]+इह=नदीह, मधु[12]+उदकं=मधूदकं, वधू[13]+ऊहः=वधूहः। सेत्तं विगारेणं। **सेत्तं चउणामे** ॥ १२५ ॥ से किं तं पंचणामे? पंचणामे पंचविहे पण्णत्ते। तंजहा-नामिकं[14] १ नैपातिकं २ आख्यातिकं ३ औपसर्गिकं ४ मिश्रम् ५। 'अश्व' इति नामिकं, 'खलु' इति नैपातिकं, 'धावति' इति आख्यातिकं, 'परि' इत्यौपसर्गिकं, 'संयत' इति मिश्रम्। **सेत्तं पंचणामे** ॥ १२६ ॥ से किं तं छण्णामे? छण्णामे छव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-उदइए १ उवसमिए २ खइए ३ खओवसमिए ४ पारिणामिए ५ सन्निवाइए ६। से किं तं उदइए? उदइए दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-उदइए य १ उदयनिप्फण्णे य २। से किं तं उदइए? उदइए-

---

१ पोम्माइं, २ पयाइं, ३ कुंडाइं। ४ ते+अत्थ=तेऽत्थ, ५ पडो+अत्थ=पडोऽत्थ, ६ घडो+अत्थ=घडोऽत्थ। ७ सक्कयउदाहरणाइमिमाइं, अद्धमागहीए-बे+इंदिया=बेइंदिया, एवमाइ। ८ 'सक्कए' पाइए-दंड+अरण्णं=दंडारण्णं एवमाइ, ९ सा+आगया=साऽऽगया, १० दहि+इदं=दहीदं, ११ नई+इह=नईह, १२ महु+उदगं=महूदगं, १३ वहू+ऊहो=वहूहो। १४ णामियं १ णेवाइयं २ अक्खाइयं ३ ओवसग्गियं ४ मिस्सं ५। 'आस' त्ति णामियं, 'खलु' त्ति णेवाइयं, 'धावइ' त्ति अक्खाइयं, 'परि' त्ति ओवसग्गियं, 'संजय' त्ति मिस्सं।

समुक्कित्तणया-अत्थि आणुपुव्वी १ अत्थि अणाणुपुव्वी २ अत्थि अवत्तव्वए ३ अहवा अत्थि आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य एवं जहा दव्वाणुपुव्वीए संगहस्स तहा भाणियव्वा जाव सेत्तं संगहस्स भंगसमुक्कित्तणया। एयाए णं संगहस्स भंगसमुक्कित्तणयाए किं पओयणं? एयाए णं संगहस्स भंगसमुक्कित्तणयाए भंगोवदंसणया कज्जइ। से किं तं संगहस्स भंगोवदंसणया? संगहस्स भंगोवदंसणया-तिपएसोगाढे आणुपुव्वी १ एगपएसोगाढे अणाणुपुव्वी २ दुपएसोगाढे अवत्तव्वए ३ अहवा तिपएसोगाढे य एगपएसोगाढे य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य एवं जहा दव्वाणुपुव्वीए संगहस्स तहा खेत्ताणुपुव्वीए वि भाणिअव्वं जाव सेत्तं संगहस्स भंगोवदंसणया। से किं तं समोयारे? समोयारे-संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं कहिं समोयरंति? किं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति? अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति? तिण्णि वि सट्ठाणे समोयरंति। सेत्तं समोयारे। से किं तं अणुगमे? अणुगमे अट्ठविहे पण्णत्ते। तंजहा-**गाहा**-संतपयपरूवणया, दव्वपमाणं च खित्तं फुसणा य। कालो य अंतरं भाग, भावे अप्पाबहुं णत्थि॥ १॥ संगहस्स आणुपुव्वीदव्वाइं किं अत्थि णत्थि? णियमा अत्थि। एवं दुण्णि वि। सेसगदाराइं जहा दव्वाणुपुव्वीए संगहस्स तहा खेत्ताणुपुव्वीए वि भाणियव्वाइं जाव सेत्तं अणुगमे। सेत्तं संगहस्स अणोवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी। सेत्तं अणोवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी॥ १०३॥ से किं तं उवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी? उवणिहिया खेत्ताणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी य ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी-अहोलोए १ तिरियलोए २ उड्ढलोए ३। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी-उड्ढलोए ३ तिरियलोए २ अहोलोए १। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए तिगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। अहोलोयखेत्ताणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी-रयणप्पभा १ सक्करप्पभा २ वालुयप्पभा ३ पंकप्पभा ४ धूमप्पभा ५ तमप्पभा ६ तमतमप्पभा ७। सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी। से किं तं पच्छाणुपुव्वी? पच्छाणुपुव्वी-तमतमप्पभा ७ जाव रयणप्पभा १। सेत्तं पच्छाणुपुव्वी। से किं तं अणाणुपुव्वी? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए सत्तगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो। सेत्तं अणाणुपुव्वी। तिरियलोयखेत्ताणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता। तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३। से किं तं पुव्वाणुपुव्वी? पुव्वाणुपुव्वी-

सरीरंगोवंगबंधणसंघायणसंघयणसंठाणअणेगबोंदिविंदसंघायविप्पमुक्के, खीणसुभणामे, खीणअसुभणामे, अणामे, निण्णामे, खीणणामे, सुभासुभणामकम्मविप्पमुक्के; खीण· उच्चागोए, खीणणीयागोए, अगोए, निग्गोए, खीणगोए, उच्चणीयगोत्तकम्मविप्पमुक्के; खीणदाणंतराए, खीणलाभंतराए, खीणभोगंतराए, खीणउवभोगंतराए, खीणवीरियंतराए, अणंतराए, निरंतराए, खीणंतराए, अंतरायकम्मविप्पमुक्के; सिद्धे, बुद्धे, मुत्ते, परिणिव्वुए, अंतगडे, सव्वदुक्खप्पहीणे। सेत्तं खयनिप्फण्णे। सेत्तं खइए। से किं तं खओवसमिए? खओवसमिए दुविहे पण्णत्ते। तंजहा–खओवसमे य १ खओवसमनिप्फण्णे य २। से किं तं खओवसमे? खओवसमे–चउण्हं घाइकम्माणं खओवसमेणं, तंजहा–णाणावरणिज्जस्स १ दंसणावरणिज्जस्स २ मोहणिज्जस्स ३ अंतरायस्स खओवसमेणं ४। सेत्तं खओवसमे। से किं तं खओवसमनिप्फण्णे? खओवसमनिप्फण्णे अणेगविहे पण्णत्ते। तंजहा–खओवसमिया आभिणिबोहियणाणलद्धी जाव खओवसमिया मणपज्जवणाणलद्धी, खओवसमिया मइअण्णाणलद्धी, खओवसमिया सुयअण्णाणलद्धी, खओवसमिया विभंगणाणलद्धी, खओवसमिया चक्खुदंसणलद्धी, खओवसमिया अचक्खुदंसणलद्धी, खओवसमिया ओहिदंसणलद्धी, एवं सम्मदंसणलद्धी मिच्छादंसणलद्धी सम्ममिच्छादंसणलद्धी, खओवसमिया सामाइयचरित्तलद्धी, एवं छेदोवट्ठावणलद्धी परिहारविसुद्धियलद्धी सुहुमसंपरायचरित्तलद्धी, एवं चरित्ताचरित्तलद्धी, खओवसमिया दाणलद्धी, एवं लाभलद्धी भोगलद्धी उवभोगलद्धी, खओवसमिया वीरियलद्धी, एवं पंडियवीरियलद्धी बालवीरियलद्धी बालपंडियवीरियलद्धी, खओवसमिया सोइंदियलद्धी जाव फासिंदियलद्धी, खओवसमिए आयारंगधरे, एवं सुयगडंगधरे ठाणंगधरे समवायंगधरे विवाहपण्णत्तिधरे णायाधम्मकहाधरे उवासगदसा० अंतगडदसा० अणुत्तरोववाइयदसा० पण्हावागरणधरे विवागसुयधरे, खओवसमिए दिट्ठिवायधरे, खओवसमिए णवपुव्वी जाव चउद्दसपुव्वी, खओवसमिए गणी, खओवसमिए वायए। सेत्तं खओवससनिप्फण्णे। सेत्तं खओवसमिए। से किं तं पारिणामिए? पारिणामिए दुविहे पण्णत्ते। तंजहा–साइपारिणामिए य १ अणाइपारिणामिए य २। से किं तं साइपारिणामिए? साइपारिणामिए अणेगविहे पण्णत्ते। तंजहा–**गाहा**–जुण्णसुरा जुण्णगुलो, जुण्णघयं जुण्णतंदुला चेव। अब्भा य अब्भरुक्खा, सण्णा गंधव्वणगरा य ॥ १ ॥ उक्कावाया, दिसादाहा, गज्जियं, विज्जू, णिग्घाया, जूवया, जक्खादित्ता, धूमिया, महिया, रउग्घाया, चंदोवरागा, सूरोवरागा, चंदपरिवेसा, सूरपरिवेसा, पडिचंदा, पडिसूरा, इंदधणू, दगमच्छा, कविहसिया, अमोहा, वासा, वासधरा, गामा, णगरा, घरा, पव्वया,

तं णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया ? णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया–तिसमयट्ठिइए आणुपुव्वी जाव दससमयट्ठिइए आणुपुव्वी, संखिज्जसमयट्ठिइए आणुपुव्वी, असंखिज्जसमयट्ठिइए आणुपुव्वी, एगसमयट्ठिइए अणाणुपुव्वी, दुसमयट्ठिइए अवत्तव्वए, तिसमयट्ठिइयाओ आणुपुव्वीओ, एगसमयट्ठिइयाओ अणाणुपुव्वीओ, दुसमयट्ठिइयाइं अवत्तव्वगाइं । सेत्तं णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणया । एयाए णं णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणयाए किं पओयणं ?० णेगमववहाराणं अट्ठपयपरूवणयाए णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया कज्जइ ॥ १०८ ॥ से किं तं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया ? णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया–अत्थि आणुपुव्वी १ अत्थि अणाणुपुव्वी २ अत्थि अवत्तव्वए ३ एवं दव्वाणुपुव्वीगमेणं कालाणुपुव्वीए वि ते चेव छव्वीसं भंगा भाणियव्वा जाव सेत्तं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणया । एयाए णं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणयाए किं पओयणं ? एयाए णं णेगमववहाराणं भंगसमुक्कित्तणयाए णेगमववहाराणं भंगोवदंसणया कज्जइ ॥ १०९ ॥ से किं तं णेगमववहाराणं भंगोवदंसणया ? णेगमववहाराणं भंगोवदंसणया–तिसमयट्ठिइए आणुपुव्वी १ एगसमयट्ठिइए अणाणुपुव्वी २ दुसमयट्ठिइए अवत्तव्वए ३ तिसमयट्ठिइयाओ आणुपुव्वीओ ४ एगसमयट्ठिइयाओ अणाणुपुव्वीओ ५ दुसमयट्ठिइयाइं अवत्तव्वगाइं ६ । अहवा तिसमयट्ठिइए य एगसमयट्ठिइए य आणुपुव्वी य अणाणुपुव्वी य एवं तहा दव्वाणुपुव्वीगमेणं छव्वीसं भंगा भाणियव्वा जाव सेत्तं णेगमववहाराणं भंगोवदंसणया ॥ ११० ॥ से किं तं समोयारे ? समोयारे–णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं कहिं समोयरंति ? किं आणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति ? अणाणुपुव्वीदव्वेहिं समोयरंति ? अवत्तव्वयदव्वेहिं समोयरंति ? एवं तिण्णि वि सट्ठाणे समोयरंति इति भाणियव्वं । सेत्तं समोयारे ॥ १११ ॥ से किं तं अणुगमे ? अणुगमे नवविहे पण्णत्ते । तंजहा–**गाहा**–संतपयपरूवणया[1],दव्वपमाणं[2] च खित्त[3] फुसणा[4] य । कालो[5] य अंतरं[6] भाग[7], भावे[8] अप्पाबहुं[9] चेव ॥ १ ॥ णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं किं अत्थि णत्थि ? णियमा तिण्णि वि अत्थि । णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं किं संखिज्जाइं ? असंखिज्जाइं ? अणंताइं ? नो संखिज्जाइं, नियमा असंखिज्जाइं, नो अणंताइं । एवं दुण्णि वि । णेगमववहाराणं आणुपुव्वीदव्वाइं लोगस्स किं संखिज्जइभागे होज्जा ? असंखिज्जइभागे होज्जा ? संखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? असंखेज्जेसु भागेसु होज्जा ? सव्वलोए होज्जा ? एगं दव्वं पडुच्च संखिज्जइभागे वा होज्जा, असंखिज्जइभागे वा होज्जा, संखेज्जेसु भागेसु वा होज्जा, असंखेज्जेसु भागेसु वा होज्जा, (प)देसूणे वा लोए होज्जा । णाणादव्वाइं पडुच्च नियमा सव्वलोए होज्जा । (आए-

णं से णामे खओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे । तत्थ णं जे ते दस तिगसंजोगा ते णं इमे–अत्थि णामे उदइयउवसमियखयनिप्फण्णे १ अत्थि णामे उदइयउवसमियखओवसमनिप्फण्णे २ अत्थि णामे उदइयउवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ३ अत्थि णामे उदइयखइयखओवसमनिप्फण्णे ४ अत्थि णामे उदइयखइयपारिणामियनिप्फण्णे ५ अत्थि णामे उदइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ६ अत्थि णामे उवसमियखइयखओवसमनिप्फण्णे ७ अत्थि णामे उवसमियखइयपारिणामियनिप्फण्णे ८ अत्थि णामे उवसमियखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ९ अत्थि णामे खइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे १० । कयरे से णामे उदइयउवसमियखयनिप्फण्णे ? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, एस णं से णामे उदइयउवसमियखयनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदइयउवसमियखओवसमनिप्फण्णे ? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, खओवसमियाइं इंदियाइं, एस णं से णामे उदइयउवसमियखओवसमनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदय उवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयउवसमियपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदइयखइयखओवसमनिप्फण्णे ? उदइए त्ति मणुस्से, खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, एस णं से णामे उदइयखइयखओवसमनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदइयखइयपारिणामियनिप्फण्णे ? उदइए त्ति मणुस्से, खइयं सम्मत्तं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयखइयपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ? उदइए त्ति मणुस्से, खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे उवसमियखइयखओवसमनिप्फण्णे ? उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, एस णं से णामे उवसमियखइयखओवसमनिप्फण्णे । कयरे से णामे उवसमियखइयपारिणामियनिप्फण्णे ? उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उवसमियखइयपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे उवसमियखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ? उवसंता कसाया, खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उवसमियखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे खइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ? खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे खइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे । तत्थ णं जे ते पंच चउक्कसंजोगा ते णं इमे–अत्थि णामे उदइयउवसमियखइयखओवसमनिप्फण्णे १ [illegible] णामे उदइयउवसमियखइयपारिणामियनिप्फण्णे २ अत्थि णामे उदइय-

येट्ठ ४९ अतीतद्धा ५० अणागयद्धा ५१ सव्वद्धा ५२ । सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी । से किं तं पच्छाणुपुव्वी ? पच्छाणुपुव्वी-सव्वद्धा ५२ अणागयद्धा ५१ जाव समए १ । सेत्तं पच्छाणुपुव्वी । से किं तं अणाणुपुव्वी ? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए अणंतगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो । सेत्तं अणाणुपुव्वी । अहवा उवणिहिया कालाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता । तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३ । से किं तं पुव्वाणुपुव्वी ? पुव्वाणुपुव्वी-एगसमयट्ठिइए, दुसमयट्ठिइए, तिसमयट्ठिइए जाव दससमयट्ठिइए, संखिज्जसमयट्ठिइए, असंखिज्जसमयट्ठिइए । सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी । से किं तं पच्छाणुपुव्वी ? पच्छाणुपुव्वी-असंखिज्जसमयट्ठिइए जाव एगसमयट्ठिइए । सेत्तं पच्छाणुपुव्वी । से किं तं अणाणुपुव्वी ? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए असंखिज्जगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो । सेत्तं अणाणुपुव्वी । सेत्तं उवणिहिया कालाणुपुव्वी । **सेत्तं कालाणुपुव्वी** ॥ ११५ ॥ से किं तं उक्कित्तणाणुपुव्वी ? उक्कित्तणाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता । तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी य ३ । से किं तं पुव्वाणुपुव्वी ? पुव्वाणुपुव्वी-उसभे १ अजिए २ संभवे ३ अभिणंदणे ४ सुमई ५ पउमप्पहे ६ सुपासे ७ चंदप्पहे ८ सुविही ९ सीयले १० सेज्जंसे ११ वासुपुज्जे १२ विमले १३ अणंते १४ धम्मे १५ संती १६ कुंथू १७ अरे १८ मल्ली १९ मुणिसुव्वए २० णमी २१ अरिट्ठणेमी २२ पासे २३ वद्धमाणे २४ । सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी । से किं तं पच्छाणुपुव्वी ? पच्छाणुपुव्वी-वद्धमाणे २४ जाव उसभे १ । सेत्तं पच्छाणुपुव्वी । से किं तं अणाणुपुव्वी ? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए चउवीसगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो । सेत्तं अणाणुपुव्वी । **सेत्तं उक्कित्तणाणुपुव्वी** ॥ ११६ ॥ से किं तं गणणाणुपुव्वी ? गणणाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता । तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३ । से किं तं पुव्वाणुपुव्वी ? पुव्वाणुपुव्वी-एगो, दस, सयं, सहस्सं, दससहस्साइं, सयसहस्सं, दससयसहस्साइं, कोडी, दसकोडीओ, कोडीसयं, दसकोडिसयाइं । सेत्तं पुव्वाणुपुव्वी । से किं तं पच्छाणुपुव्वी ? पच्छाणुपुव्वी-दसकोडिसयाइं जाव ए(क्को)गो । सेत्तं पच्छाणुपुव्वी । से किं तं अणाणुपुव्वी ? अणाणुपुव्वी-एयाए चेव एगाइयाए एगुत्तरियाए दसकोडिसयगच्छगयाए सेढीए अण्णमण्णब्भासो दुरूवूणो । सेत्तं अणाणुपुव्वी । **सेत्तं गणणाणुपुव्वी** ॥ ११७ ॥ से किं तं संठाणाणुपुव्वी ? संठाणाणुपुव्वी तिविहा पण्णत्ता । तंजहा-पुव्वाणुपुव्वी १ पच्छाणुपुव्वी २ अणाणुपुव्वी ३ । से किं तं पुव्वाणुपुव्वी ? पुव्वाणुपुव्वी-समचउरंसे १ निग्गोहमंडले २ साई ३ खुज्जे ४ वामणे ५ हुंडे ६ ।

णामे। अहवा दुणामे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-विसेसिए य १ अविसेसिए य २। अविसेसिए-दव्वे। विसेसिए-जीवदव्वे, अजीवदव्वे य। अविसेसिए-जीवदव्वे। विसेसिए-णेरइए, तिरिक्खजोणिए, मणुस्से, देवे। अविसेसिए-णेरइए। विसेसिए-रयणप्पहाए, सक्करप्पहाए, वालुयप्पहाए, पंकप्पहाए, धूमप्पहाए, तमाए, तमतमाए। अविसेसिए-रयणप्पहापुढविणेरइए। विसेसिए-पज्जत्तए य, अपज्जत्तए य। एवं जाव अविसेसिए-तमतमापुढविणेरइए। विसेसिए-पज्जत्तए य, अपज्जत्तए य। अविसेसिए-तिरिक्खजोणिए। विसेसिए-एगिंदिए, बेइंदिए, तेइंदिए, चउरिंदिए, पंचिंदिए। अविसेसिए-एगिंदिए। विसेसिए-पुढविकाइए, आउकाइए, तेउकाइए, वाउकाइए, वणस्सइकाइए। अविसेसिए-पुढविकाइए। विसेसिए-सुहुमपुढविकाइए य, बायरपुढविकाइए य। अविसेसिए-सुहुमपुढविकाइए। विसेसिए-पज्जत्तयसुहुमपुढविकाइए य, अपज्जत्तयसुहुमपुढविकाइए य। अविसेसिए-बायरपुढविकाइए। विसेसिए-पज्जत्तयबायरपुढविकाइए य, अपज्जत्तयबायरपुढविकाइए य। एवं आउकाइए, तेउकाइए, वाउकाइए, वणस्सइकाइए, अविसेसियविसेसियपज्जत्तयअपज्जत्तयभेएहिं भाणियव्वा। अविसेसिए-बेइंदिए। विसेसिए-पज्जत्तयबेइंदिए य, अपज्जत्तयबेइंदिए य। एवं तेइंदियचउरिंदिया वि भाणियव्वा। अविसेसिए-पंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए, थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए, खहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। अविसेसिए-जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, गब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-संमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-पज्जत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, अपज्जत्तयसंमुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-गब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-पज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-थलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, परिसप्पथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-चउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-सम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-सम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-पज्जत्तयसम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य, अपज्जत्तयसम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए य। अविसेसिए-गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणिए। विसेसिए-पज्जत्तयगब्भवक्कंतियचउप्पयथल-

मुप्पण्णो । वेलणओ नाम रसो, लज्जा संकाकरणलिंगो ॥ १ ॥ वेलणओ रसो जहा–किं लोइयकरणीओ, लज्जणीयतरं ति लज्जयामु त्ति । वारिज्जम्मि गुरुयणो, परिवंदइ जं वहुप्पोत्तं ॥ २ ॥ (६) असुइकुणिमदुद्दंसण–, संजोगब्भासगंधनिप्फण्णो । निव्वेयऽविहिंसालक्खणो, रसो होइ वीभच्छो ॥ १ ॥ वीभच्छो रसो जहा–असुइमलभरियनिज्झर–, सभावदुग्गंधिसव्वकालं पि । धण्णा उ सरीरकलिं, वहुमलकलुसं विमुंचंति ॥ २ ॥ (७) रूववयवेसभासा–, विवरीयविलंवणासमुप्पण्णो । हासो मणप्पहासो, पगासलिंगो रसो होइ ॥ १ ॥ हासो रसो जहा–पासुत्तमसीमंडिय–, पडिवुद्धं देवरं पलोयंती । ही जह थणभरकंपण–, पणमियमज्झा हसइ सामा ॥ २ ॥ (८) पियविप्पओगवंध–, वहवाहिविणिवायसंभमुप्पण्णो । सोइयविलवियपम्हाण–, रुण्णलिंगो रसो करुणो ॥ १ ॥ करुणो रसो जहा–पज्झायकिलामिययं, वाहागयपप्पुयच्छियं वहुसो । तस्स विओगे पुत्तिय !, दुव्वलयं ते मुहं जायं ॥ २ ॥ (९) निद्दोसमणसमाहाण–, संभवो जो पसंतभावेणं । अविकारलक्खणो सो, रसो पसंतो त्ति णायव्वो ॥ १ ॥ पसंतो रसो जहा–सब्भावनिव्विगारं, उवसंतपसंतसोमदिट्ठीयं । ही जह मुणिणो सोहइ, मुहकमलं पीवरसिरीयं ॥ २ ॥ एए नव कव्वरसा, वत्तीसादोसविहिसमुप्पण्णा । गाहाहिं मुणियव्वा, हवंति सुद्धा वा मीसा वा ॥ ३ ॥ **सेत्तं नवणामे** ॥ १३० ॥ से किं तं दसणामे ? दसणामे दसविहे पण्णत्ते । तंजहा–गोण्णे १ नोगोण्णे २ आयाणपएणं ३ पडिवक्खपएणं ४ पहाणयाए ५ अणाइयसिद्धंतेणं ६ नामेणं ७ अवयवेणं ८ संजोगेणं ९ पमाणेणं १० । से किं तं गोण्णे ? गोण्णे–खमइ त्ति खमणो, तवइ त्ति तवणो, जलइ त्ति जलणो, पवइ त्ति पवणो । सेत्तं गोण्णे । से किं तं नोगोण्णे ? अकुंतो सकुंतो, अमुग्गो समुग्गो, अमुद्दो समुद्दो, अलालं पलालं, अकुलिया सकुलिया, नो पलं असइ त्ति पलासो, अमाइवाहए माइवाहए, अबीयवावए वीयवावए, नो इंदगोवए इंदगोवे । सेत्तं नोगोण्णे । से किं तं आयाणपएणं ? आयाणपएणं–(धम्मोमंगलं चूलिया) आवंती, चाउरंगिज्जं, असंखयं, अहातत्थिज्जं, अद्दइज्जं, जण्णइज्जं, पुरिसइज्जं (उसुयारिज्जं), एलइज्जं, वीरियं, धम्मो, मग्गो, समोसरणं, जम्मइयं । सेत्तं आयाणपएणं । से किं तं पडिवक्खपएणं ? पडिवक्खपएणं–नवसु गामागरणगरखेडकव्वडमडंवदोणमुहपट्टणासमसंवाहसन्निवेसेसु सन्निविस्समाणेसु–असिवा सिवा, अग्गी सीयलो, विसं महुरं, कल्लालघरेसु अंविलं साउयं, जे रत्तए से अलत्तए, जे लाउए से अलाउए, जे सुंभए से कुसुंभए, आलवंते विवलीयभासए । सेत्तं पडिवक्खपएणं । से किं तं पाहण्णयाए ? पाहण्णयाए–...गवणे, सत्तवण्णवणे, चंपगवणे, चूयवणे, नागवणे, पुन्नागवणे, उच्छुवणे,

ज्झिमगेवेज्जए २ हेट्ठिमउवरिमगेवेज्जए ३ । अविसेसिए-मज्झिमगेवेज्जए । विसेसिए-मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जए १ मज्झिममज्झिमगेवेज्जए २ मज्झिमउवरिमगेवेज्जए ३ । अविसेसिए-उवरिमगेवेज्जए । विसेसिए-उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जए १ उवरिममज्झिमगेवेज्जए २ उवरिमउवरिमगेवेज्जए ३ । एएसिं सव्वेसिं अविसेसियविसेसियअपज्जत्तगपज्जत्तगभेया भाणियव्वा । अविसेसिए-अणुत्तरोववाइए । विसेसिए-विजयए १ वेजयंतए २ जयंतए ३ अपराजियए ४ सव्वट्ठसिद्धए य ५ । एएसिं पि सव्वेसिं अविसेसियविसेसियअपज्जत्तगपज्जत्तगभेया भाणियव्वा । अविसेसिए-अजीवदव्वे । विसेसिए-धम्मत्थिकाए १ अधम्मत्थिकाए २ आगासत्थिकाए ३ पोग्गलत्थिकाए ४ अद्धासमए ५ । अविसेसिए-पोग्गलत्थिकाए । विसेसिए-परमाणुपोग्गले, दुपएसिए, तिपएसिए जाव अणंतपएसिए य । **सेत्तं दुणामे** ॥ १२३ ॥ से किं तं तिणामे? तिणामे तिविहे पण्णत्ते । तंजहा-दव्वणामे १ गुणणामे २ पज्जवणामे य ३ । से किं तं दव्वणामे? दव्वणामे छव्विहे पण्णत्ते । तंजहा-धम्मत्थिकाए १ अधम्मत्थिकाए २ आगासत्थिकाए ३ जीवत्थिकाए ४ पुग्गलत्थिकाए ५ अद्धासमए य ६ । सेत्तं दव्वणामे । से किं तं गुणणामे? गुणणामे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-वण्णणामे १ गंधणामे २ रसणामे ३ फासणामे ४ संठाणणामे ५ । से किं तं वण्णणामे? वण्णणामे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-कालवण्णणामे १ नीलवण्णणामे २ लोहियवण्णणामे ३ हालिद्दवण्णणामे ४ सुक्किलवण्णणामे ५ । सेत्तं वण्णणामे । से किं तं गंधणामे? गंधणामे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-सुरभिगंधणामे य १ दुरभिगंधणामे य २ । सेत्तं गंधणामे । से किं तं रसणामे? रसणामे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-तित्तरसणामे १ कडुयरसणामे २ कसायरसणामे ३ अंबिलरसणामे ४ महुररसणामे य ५ । सेत्तं रसणामे । से किं तं फासणामे? फासणामे अट्ठविहे पण्णत्ते । तंजहा-कक्खडफासणामे १ मउयफासणामे २ गरुयफासणामे ३ लहुयफासणामे ४ सीयफासणामे ५ उसिणफासणामे ६ णिद्धफासणामे ७ लुक्खफासणामे य ८ । सेत्तं फासणामे । से किं तं संठाणणामे? संठाणणामे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा-परिमंडलसंठाणणामे १ वट्टसंठाणणामे २ तंससंठाणणामे ३ चउरंससंठाणणामे ४ आययसंठाणणामे ५ । सेत्तं संठाणणामे । सेत्तं गुणणामे । से किं तं पज्जवणामे? पज्जवणामे अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा-एगगुणकालए, दुगुणकालए, तिगुणकालए जाव दसगुणकालए, संखिज्जगुणकालए, असंखिज्जगुणकालए, अणंतगुणकालए । एवं नीललोहियहालिद्दसुक्किला वि भाणियव्वा । एगगुणसुरभिगंधे, दुगुणसुरभिगंधे, तिगुणसुरभिगंधे जाव अणंतगुणसुरभिगंधे । एवं दुरभिगंधो वि भाणियव्वो । एगगुणतित्ते जाव अणंतगुणतित्ते । एवं कडुयकसायअंबिल-

कित्तिए, कित्तियादिण्णे, कित्तियाधम्मे, कित्तियासम्मे, कित्तियादेवे, कित्तियादासे, कित्तियासेणे, कित्तियारक्खिए। रोहिणीहिं जाए-रोहिणिए, रोहिणिदिन्ने, रोहिणिधम्मे, रोहिणिसम्मे, रोहिणिदेवे, रोहिणिदासे, रोहिणिसेणे, रोहिणिरक्खिए य। एवं सव्वनक्खत्तेसु नामा भाणियव्वा। एत्(थं)थ **संगहणिगाहाओ**-कित्तियं रोहिणि मिगसरं, अद्दा य पुणव्वसू य पुस्से य। तत्तो य अस्सिलेसा, महा उ दो फग्गुणीओ य॥ १॥ हत्थो चित्ता साई, विसाहा तह य होइ अणुराहा। जेट्ठा मूला पुव्वा-, साढा तह उत्तरा चेव॥ २॥ अभिई सवणं धणिट्ठा, सयभिसया दो य होंति भद्दवया। रेवई अस्सिणि भरणी, एसा णक्खत्तपरिवाडी॥ ३॥ सेत्तं णक्खत्तणामे। से किं तं देवयाणामे? देवयाणामे-अग्गिदेवयाहिं जाए-अग्गिए, अग्गिदिण्णे, अग्गिधम्मे, अग्गिसम्मे, अग्गिदेवे, अग्गिदासे, अग्गिसेणे, अग्गिरक्खिए। एवं सव्वनक्खत्तदेवयानामा भाणियव्वा। एत्थं पि **संगहणिगाहाओ**-अग्गि पयावई सोमे, रुद्दो अदिती विहस्सई सप्पे। पिति भग अज्जम सवियां, तट्ठा वाऊ य इंदग्गी॥ १॥ मित्तो इंदो निरई, आऊ विस्सो य बंभ विण्हू य। वसु वरुणे अय विवद्धी, पूसे आसे जमे चेव॥ २॥ सेत्तं देवयाणामे। से किं तं कुलनामे? कुलनामे-उग्गे, भोगे, रायण्णे, खत्तिए, इक्खागे, णाए, कोरव्वे। सेत्तं कुलनामे। से किं तं पासंडनामे? पासंडनामे-'समणे य पंडुरंगे भिक्खू कावालिए य तावसए। परिवायगे' सेत्तं पासंडनामे। से किं तं गणनामे? गणनामे-मल्ले, मल्लदिण्णे, मल्लधम्मे, मल्लसम्मे, मल्लदेवे, मल्लदासे, मल्लसेणे, मल्लरक्खिए। सेत्तं गणनामे। से किं तं जीवियनामे? जीविय(हेउ)नामे-अवकरए, उक्कुरुडए, उज्झियए, कज्जवए, सुप्पए। सेत्तं जीवियनामे। से किं तं आभिप्पाइयनामे? आभिप्पाइयनामे-अंबए, निंबए, वकुलए, पलासए, सिणए, पिलुए, करीरए। सेत्तं आभिप्पाइयनामे। सेत्तं ठवणप्पमाणे। से किं तं दव्वप्पमाणे? दव्वप्पमाणे छव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-धम्मत्थिकाए १ जाव अद्धासमए ६। सेत्तं दव्वप्पमाणे। से किं तं भावप्पमाणे? भावप्पमाणे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-सामासिए १ तद्धियए २ धाउए ३ निरुत्तिए ४। से किं तं सामासिए? सामासिए-सत्त समासा भवंति, तंजहा-**गाहा**-दंदे य बहुव्वीही, कम्मधारय दिग्गु यं। तप्पुरिस अव्वईभावे, एक्कसेसे य सत्तमे॥ १॥ से किं तं दंदे? दंदे-दन्ताश्च ओष्ठौ च=दन्तोष्ठम्, स्तनौ च उदरं च=स्तनोदरम्, वस्त्रं च पात्रं च=वस्त्र-

---

१ 'सु'। २ वुद्धदंसणस्सिओ। १ दंता य ओट्ठा य=दंतोट्ठं, २ थणा य उयरं च=थणोयरं, ३ वत्थं च पायं च=वत्थपत्तं, ४ आसा य महिसा य=आसमहिसं, ५ अही य नउलो य=अहिनउलं।

अट्ठण्हं कम्मपयडीणं उदएणं । सेत्तं उदइए । से किं तं उदयनिप्फन्ने? उदयनिप्फन्ने दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–जीवोदयनिप्फन्ने य १ अजीवोदयनिप्फन्ने य २ । से किं तं जीवोदयनिप्फन्ने? जीवोदयनिप्फन्ने अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा–णेरइए, तिरिक्खजोणिए, मणुस्से, देवे, पुढविकाइए जाव तसकाइए, कोहकसाई जाव लोहकसाई, इत्थीवेयए, पुरिसवेयए, णपुंसगवेयए, कण्हलेसे जाव सुक्कलेसे, मिच्छादिट्ठी, सम्मदिट्ठी, सम्मामिच्छादिट्ठी, अविरए, असण्णी, अण्णाणी, आहारए, छउमत्थे, सजोगी, संसारत्थे, असिद्धे । सेत्तं जीवोदयनिप्फन्ने । से किं तं अजीवोदयनिप्फन्ने? अजीवोदयनिप्फन्ने अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा–उरालियं वा सरीरं, उरालियसरीरपओगपरिणामियं वा दव्वं, वेउव्वियं वा सरीरं, वेउव्वियसरीरपओगपरिणामियं वा दव्वं, एवं आहारगं सरीरं तेयगं सरीरं कम्मगसरीरं च भाणियव्वं । पओगपरिणामिए वण्णे, गंधे, रसे, फासे । सेत्तं अजीवोदयनिप्फन्ने । सेत्तं उदयनिप्फन्ने । सेत्तं उदइए । से किं तं उवसमिए? उवसमिए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–उवसमे य १ उवसमनिप्फण्णे य २ । से किं तं उवसमे? उवसमे मोहणिज्जस्स कम्मस्स उवसमेणं । सेत्तं उवसमे । से किं तं उवसमनिप्फण्णे? उवसमनिप्फण्णे अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा–उवसंतकोहे जाव उवसंतलोभे, उवसंतपेज्जे, उवसंतदोसे, उवसंतदंसणमोहणिज्जे, उवसंतचरित्तमोहणिज्जे, उवसामिया सम्मत्तलद्धी, उवसामिया चरित्तलद्धी, उवसंतकसायछउमत्थवीयरागे । सेत्तं उवसमनिप्फण्णे । सेत्तं उवसमिए । से किं तं खइए? खइए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–खइए य १ खयनिप्फण्णे य २ । से किं तं खइए? खइए–अट्ठण्हं कम्मपयडीणं खएणं । सेत्तं खइए । से किं तं खयनिप्फण्णे? खयनिप्फण्णे अणेगविहे पण्णत्ते । तंजहा–उप्पण्णणाणदंसणधरे, अरहा, जिणे, केवली; खीणआभिणिवोहियणाणावरणे, खीणसुयणाणावरणे, खीणओहिणाणावरणे, खीणमणपज्जवणाणावरणे, खीणकेवलणाणावरणे, अणावरणे, निरावरणे, खीणावरणे, णाणावरणिज्जकम्मविप्पमुक्के; केवलदंसी, सव्वदंसी, खीणनिद्दे, खीणनिद्दानिद्दे, खीणपयले, खीणपयलापयले, खीणथीणगिद्धी, खीणचक्खुदंसणावरणे, खीणअचक्खुदंसणावरणे, खीणओहिदंसणावरणे, खीणकेवलदंसणावरणे, अणावरणे, निरावरणे, खीणावरणे, दरिसणावरणिज्जकम्मविप्पमुक्के; खीणसायावेयणिज्जे, खीणअसायावेयणिज्जे, अवेयणे, निव्वेयणे, खीणवेयणे, सुभासुभवेयणिज्जकम्मविप्पमुक्के; खीणकोहे जाव खीणलोहे, खीणपेज्जे, खीणदोसे, खीणदंसणमोहणिज्जे, खीणचरित्तमोहणिज्जे, अमोहे, निम्मोहे, खीणमोहे, मोहणिज्जकम्मविप्पमुक्के; खीणणेरइयआउए, खीणतिरिक्खजोणियाउए, खीणमणुस्साउए, खीणदेवाउए, अणाउए, निराउए, खीणाउए, आउकम्मविप्पमुक्के; गइजाइ-

ईसरियनामे । से किं तं अवच्चनामे ? अवच्चनामे–अरिहंतमाया, चक्कवट्टिमाया, बलदेवमाया, वासुदेवमाया, रायमाया, मुणिमाया, वायगमाया । सेत्तं अवच्चनामे। सेत्तं तद्धियए । से किं तं धाउए ? धाउए-भू सत्तायां परस्मैभाषा, एधँ[2] वृद्धौ, स्पर्द्धँ[3] संघर्षे, गार्धृ[4] प्रतिष्ठालिप्सयोर्ग्रन्थे च, बाधृ[5] लोडने । सेत्तं धाउए । से किं तं निरुत्तिए ? निरुत्तिए–मँह्यां[1] शेते=महिषः, भ्रमति[2] च रौति च=भ्रमरः, मुँहु[3]-र्मुहुर्लसतीति=मुसलं, कँपेरिव[4] लम्बते त्थेति च करोति=कपित्थं, [5]चिदिति करोति खलं च भवति=चिक्खलं, ऊँर्ध्वकर्णः[6]=उलूकः, मेखँस्य[7] माला=मेखला । सेत्तं निरुत्तिए । सेत्तं भावप्पमाणे । सेत्तं पमाणनामे । **सेत्तं दसनामे । सेत्तं नामे** ॥ १३१ ॥ **नामेत्ति पयं समत्तं** ॥

से किं तं पमाणे ? पमाणे चउव्विहे पण्णत्ते । तंजहा–दव्वप्पमाणे १ खेत्तप्पमाणे २ कालप्पमाणे ३ भावप्पमाणे ४ ॥ १३२ ॥ से किं तं दव्वप्पमाणे ? दव्वप्पमाणे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–पएसनिप्फण्णे य १ विभागनिप्फण्णे य २ । से किं तं पएसनिप्फण्णे ? पएसनिप्फण्णे–परमाणुपोग्गले, दुपएसिए जाव दसपएसिए, संखिज्जपएसिए, असंखिज्जपएसिए, अणंतपएसिए । सेत्तं पएसनिप्फण्णे । से किं तं विभागनिप्फण्णे ? विभागनिप्फण्णे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा–माणे १ उम्माणे २ अवमाणे ३ गणिमे ४ पडिमाणे ५ । से किं तं माणे ? माणे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–धन्नमाणप्पमाणे य १ रसमाणप्पमाणे य २ । से किं तं धन्नमाणप्पमाणे ? धन्नमाणप्पमाणे–दो असईओ=पसई, दो पसईओ=सेइया, चत्तारि सेइयाओ=कुलओ, चत्तारि कुलया=पत्थो, चत्तारि पत्थया=आढगं, चत्तारि आढगाइं=दोणो, सट्ठि आढयाइं=जहन्नए कुंभे, असीइ आढयाइं=मज्झिमए कुंभे, आढयसयं=उक्कोसए कुंभे, अट्ठ य आढयसइए=वाहे । एएणं धण्णमाणपमाणेणं किं पओयणं ? एएणं धण्णमाणपमाणेणं मुँत्तोलीमुखइदुरअलिंदओचारसंसियाणं धण्णाणं धण्णमाणप्पमाणनिव्वित्तिलक्खणं भवइ । सेत्तं धण्णमाणपमाणे । से किं तं रसमाणप्पमाणे ? रसमाणप्पमाणे–धण्णमाणप्पमाणाओ चउभागविवड्ढिए अब्भिंतरसिहाजुत्ते रसमाणप्पमाणे विहिज्जइ, तंजहा–चउसट्ठिया (चउपलपमाणा ४), बत्तीसिया (अट्ठपलपमाणा ८),

१ भू सत्ताए 'परस्मै०' अद्धमागहीए नत्थि, २ एह वुड्ढीए, ३ फद्ध संघरिसे, ४–५ एए 'सक्कए' अद्धमागहीए एएसिं ठाणे अण्णा पउज्जंति । १ महीए सुवइ=महिसो, २ भमइ य रवइ य=भमरो, ३ मुहुं मुहुं लसइ त्ति मुसलं, ४–५ 'सक्कए' अद्धमागहीए जहा हेट्ठा, ६ उद्धकण्णो=उलूओ, ७ मेखस्स माला=मेखला । ८ सा कोट्ठिया जा उवरिं हेट्ठा संकिण्णा मज्झे विसाला ।

पायाला, भवणा, निरया-रयणप्पहा, सक्करप्पहा, वालुयप्पहा, पंकप्पहा, धूमप्पहा, तमप्पहा, तमतमप्पहा, सोहम्मे जाव अच्चुए, गेवेज्जे, अणुत्तरे, ईसिप्पब्भारा, परमाणुपोग्गले, दुपएसिए जाव अणंतपएसिए । सेत्तं साइपारिणामिए । से किं तं अणाइपारिणामिए? अणाइपारिणामिए-धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए, पुग्गलत्थिकाए, अद्धासमए, लोए, अलोए, भवसिद्धिया, अभवसिद्धिया । सेत्तं अणाइपारिणामिए । सेत्तं पारिणामिए । से किं तं सन्निवाइए? सन्निवाइए-एएसिं चेव उदइयउवसमियखइयखओवसमियपारिणामियाणं भावाणं दुगसंजोएणं तिगसंजोएणं चउक्कसंजोएणं पंचगसंजोएणं जे निप्फज्जंति सव्वे ते सन्निवाइए नामे । तत्थ णं दस दुयसंजोगा, दस तियसंजोगा, पंच चउक्कसंजोगा, एगे पंचकसंजोगे । तत्थ णं जे ते दस दुगसंजोगा ते णं इमे-अत्थि णामे उदइयउवसमनिप्फण्णे १ अत्थि णामे उदइयखाइगनिप्फण्णे २ अत्थि णामे उदइयखओवसमनिप्फण्णे ३ अत्थि णामे उदइयपारिणामियनिप्फण्णे ४ अत्थि णामे उवसमियखयनिप्फण्णे ५ अत्थि णामे उवसमियखओवसमनिप्फण्णे ६ अत्थि णामे उवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ७ अत्थि णामे खइयखओवसमनिप्फण्णे ८ अत्थि णामे खइयपारिणामियनिप्फण्णे ९ अत्थि णामे खओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे १० । कयरे से णामे उदइयउवसमनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, एस णं से णामे उदइयउवसमनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदइयखयनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, खइयं सम्मत्तं, एस णं से णामे उदइयखयनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदइयखओवसमनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, खओवसमियाइं इंदियाइं, एस णं से णामे उदइयखओवसमनिप्फण्णे । कयरे से णामे उदइयपारिणामियनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे उवसमियखयनिप्फण्णे? उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, एस णं से णामे उवसमियखयनिप्फण्णे । कयरे से णामे उवसमियखओवसमनिप्फण्णे? उवसंता कसाया, खओवसमियाइं इंदियाइं, एस णं से णामे उवसमियखओवसमनिप्फण्णे । कयरे से णामे उवसमियपारिणामियनिप्फण्णे? उवसंता कसाया, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उवसमियपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे खइयखओवसमनिप्फण्णे? खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, एस णं से णामे खइयखओवसमनिप्फण्णे । कयरे से णामे खइयपारिणामियनिप्फण्णे? खइयं सम्मत्तं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे खइयपारिणामियनिप्फण्णे । कयरे से णामे खओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे? खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस

पडिमाणप्पमाणनिव्वित्तिलक्खणं भवइ। सेत्तं पडिमाणे। सेत्तं विभागनिप्फण्णे। सेत्तं दव्वप्पमाणे ॥ १३३ ॥ से किं तं खेत्तपमाणे? खेत्तपमाणे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-पएसनिप्फण्णे य १ विभागनिप्फण्णे य २। से किं तं पएसनिप्फण्णे? पएसनिप्फण्णे-एगपएसोगाढे, दुपएसोगाढे, तिपएसोगाढे, संखिज्जपएसोगाढे, असंखिज्जपएसोगाढे। सेत्तं पएसनिप्फण्णे। से किं तं विभागनिप्फण्णे? विभागनिप्फण्णे-**गाहा**-अंगुल विहत्थि रयणी, कुच्छी धणु गाउयं च बोद्धव्वं। जोयण सेढी पयरं, लोगमलोगे वि य तहेव ॥ १ ॥ से किं तं अंगुले? अंगुले तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-आयंगुले १ उस्सेहंगुले २ पमाणंगुले ३। से किं तं आयंगुले? आयंगुले-जे णं जया मणुस्सा भवंति तेसि णं तया अप्पणो अंगुलेणं दुवालसअंगुलाइं मुहं, नवमुहाइं पुरिसे पमाणजुत्ते भवइ, दोण्णिए पुरिसे माणजुत्ते भवइ, अद्धभारं तुल्लमाणे पुरिसे उम्माणजुत्ते भवइ। **गाहाओ**-माणुम्माणपमाणजुत्ता(णय), लक्खणवंजणगुणेहिं उववेया। उत्तमकुलप्पसूया, उत्तमपुरिसा मुणेयव्वा ॥ १ ॥ होंति पुण अहियपुरिसा, अट्ठसयं अंगुलाण उव्विद्धा। छण्णउइ अहमपुरिसा, चउरुत्तर मज्झिमिल्ला उ ॥ २ ॥ हीणा वा अहिया वा, जे खलु सरसत्तसारपरिहीणा। ते उत्तमपुरिसाणं, अवस्स पेसत्तणमुवेंति ॥ ३ ॥ एएणं अंगुलपमाणेणं-छ अंगुलाइं=पाओ, दो पाया=विहत्थी, दो विहत्थीओ=रयणी, दो रयणीओ=कुच्छी, दो कुच्छीओ=दंडं धणू जुगे नालिया अक्खे मुसले, दो धणुसहस्साइं=गाउयं, चत्तारि गाउयाइं=जोयणं। एएणं आयंगुलपमाणेणं किं पओयणं? एएणं आयंगुलेणं जे णं जया मणुस्सा हवंति तेसि णं तया णं आयंगुलेणं अगडतलागदहनईवाविपुक्खरिणीदीहियगुंजालियाओ सरा सरपंतियाओ सरसरपंतियाओ बिलपंतियाओ आरामुज्जाणकाणणवणवणसंडवणराईओ, सभापवाखाइयपरिहाओ पागारअट्टालयचरियदारगोपुरपासायघरसरणलयणआवणसिंघाडगतिगचउक्कचच्चरचउम्मुहमहापहपहसगडरहजाणजुग्गगिल्लिथिल्लिसिवियसंदमाणियाओ लोहीलोहकडाहकडिल्लयभंडमत्तोवगरणमाईणि अज्जकालियाइं च जोयणाइं मविज्जंति। से समासओ तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-सूईअंगुले १ पयरंगुले २ घणंगुले ३। अंगुलाययया एगपएसिया सेढी सूईअंगुले, सूई सूईगुणिया पयरंगुले, पयरं सूईए गुणियं घणंगुले। एएसि णं भंते! सूइअंगुलपयरंगुलघणंगुलाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पा वा बहुया वा तुल्ला वा विसेसाहिया वा? सव्वत्थोवे सूइअंगुले, पयरंगुले असंखेज्जगुणे, घणंगुले असंखेज्जगुणे। सेत्तं आयंगुले। से किं तं उस्सेहंगुले? उस्सेहंगुले अणेगविहे पण्णत्ते। तंजहा-**गाहा**-परमाणू तसरेणू, रहरेणू अग्गयं च वालस्स। लिक्खा जूया य जवो, अट्ठगुण-विवड्ढिया कमसो ॥ १ ॥ से किं तं परमाणू? परमाणू दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-

उवसमियखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ३ अत्थि णामे उदइयखइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ४ अत्थि णामे उवसमियखइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे ५। कयरे से णामे उदइयउवसमियखइयखओवसमनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, एस णं से णामे उदइयउवसमियखइयखओवसमनिप्फण्णे। कयरे से णामे उदइयउवसमियखइयपारिणामियनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयउवसमियखइयपारिणामियनिप्फण्णे। कयरे से णामे उदइयउवसमियखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयउवसमियखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे। कयरे से णामे उदइयखइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयखइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे। कयरे से णामे उवसमियखइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे? उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उवसमियखइयखओवसमियपारिणामियनिप्फण्णे। तत्थ णं जे से एक्के पंचगसंजोए से णं इमे–अत्थि णामे उदइयउवसमियखइयखओवसमियपारिणामियणिप्फण्णे। कयरे से णामे उदइयउवसमियखइयखओवसमियपारिणामियणिप्फण्णे? उदइए त्ति मणुस्से, उवसंता कसाया, खइयं सम्मत्तं, खओवसमियाइं इंदियाइं, पारिणामिए जीवे, एस णं से णामे उदइयउवसमियखइयखओवसमियपारिणामियणिप्फण्णे। सेत्तं सन्निवाइए। **सेत्तं छण्णामे**॥ १२७॥ से किं तं सत्तणामे? सत्तणामे सत्तसरा पण्णत्ता। तंजहा–**गाहा**–सज्जे रिसहे गंधारे, मज्झिमे पंचमे सरे। धे(रे)वए चेव नेसाए, सरा सत्त वियाहिया॥ १॥ एएसि णं सत्तण्हं सराणं सत्त सरट्ठाणा पण्णत्ता। तंजहा–**गाहाओ**–सज्जं च अग्गजीहाए, उरेण रिसहं सरं। कंठुग्गएण गंधारं, मज्झजीहाएँ मज्झिमं॥ १॥ नासाए पंचमं बूया, दंतोट्ठेण य धेवयं। भमुहक्खेवेण णेसायं, सरट्ठाणा वियाहिया॥ २॥ सत्तसरा जीवणिस्सिया पण्णत्ता। तंजहा–**गाहा**–सज्जं रवइ मऊरो, कुक्कुडो रिसभं सरं। हंसो रवइ गंधारं, मज्झिमं च गवेलगा॥ १॥ अह कुसुमसंभवे काले, कोइला पंचमं सरं। छट्ठं च सारसा कुंचा, नेसायं सत्तमं गओ॥ २॥ सत्तसरा अजीवणिस्सिया पण्णत्ता। तंजहा–सज्जं रवइ मुयंगो, गोमुही रिसहं सरं। संखो रवइ गंधारं, मज्झिमं पुण झल्लरी॥ १॥ चउचरणपइट्ठाणा, गोहिया पंचमं सरं। आडंबरो रेवइयं, महाभेरी य सत्तमं॥ २॥ एएसि णं स

पण्णत्ता । तंजहा—भवधारणिज्जा य १ उत्तरवेउव्विया य २ । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा णं—जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा—जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुसहस्सं । रयणप्पहाए पुढवीए णेरइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—भवधारणिज्जा य १ उत्तरवेउव्विया य २ । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा—जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्तधणूइं तिण्णि रयणीओ छच्च अंगुलाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा—जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरसधणूइं दोण्णि रयणीओ बारस अंगुलाइं । [1]सक्करप्पहापुढवीए णेरइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पण्णरसधणूइं दुण्णि रयणीओ बारसअंगुलाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा–जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं एकतीसं धणूइं इक्करयणी य । वालुयप्पहापुढवीए णेरइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—भवधारणिज्जा य १ उत्तरवेउव्विया य २ । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं एकतीसं धणूइं इक्करयणी य । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा–जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बासट्ठिधणूइं दो रयणीओ य । एवं सव्वासिं पुढवीणं पुच्छा भाणियव्वा । पंकप्पहाए पुढवीए भवधारणिज्जा—जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बासट्ठिधणूइं दो रयणीओ य । उत्तरवेउव्विया–जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पणवीसं धणुसयं । धूमप्पहाए भवधारणिज्जा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पणवीसं धणुसयं । उत्तरवेउव्विया–जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं । तमाए भवधारणिज्जा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं अड्ढाइज्जाइं धणुसयाइं । उत्तरवेउव्विया–जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं । तमतमाए पुढवीए णेरइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—भवधारणिज्जा य १ उत्तरवेउव्विया य २ । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचधणुसयाइं । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा–जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुसहस्साइं ।

---

१ एवं सव्वाणं दुविहा भवधारणिज्जा–

॥ १० ॥ सक्कया पायया चेव, भणिईओ होंति दोण्णि वा । सरमंडलम्मि गिज्जंते, पसत्था इसिभासिया ॥ ११ ॥ केसी गायइ महुरं, केसी गायइ खरं च रुक्खं च । केसी गायइ चउरं, केसी य विलंबियं दुयं केसी ॥ १२ ॥ विस्सरं पुण केरिसी ? । गोरी गायइ महुरं, सामा गायइ खरं च रुक्खं च । काली गायइ चउरं, काणा य विलंबियं दुयं अंधा ॥ १३ ॥ विस्सरं पुण पिंगला । सत्तसरा तओ गामा, मुच्छणा इक्कवीसई । ताणा एगूणपण्णासं, सम्मत्तं सरमंडलं ॥ १४ ॥ **सेत्तं सत्तणामे** ॥ १२८ ॥ से किं तं अट्ठणामे ? अट्ठणामे–अट्ठविहा वयणविभत्ती पण्णत्ता । तंजहा–निद्देसे पढमा होइ, बिइया उवएसणे । तइया करणम्मि कया, चउत्थी संपयावणे ॥ १ ॥ पंचमी य अवायाणे, छट्ठी सस्सामिवायणे । सत्तमी सण्णिहाणत्थे, अट्ठमाऽऽमंतणी भवे ॥ २ ॥ तत्थ पढमा विभत्ती, निद्देसे 'सो इमो अहं व' त्ति । बिइया पुण उवएसे 'भण कुणसु इमं व तं व' त्ति ॥ ३ ॥ तइया करणम्मि कया 'भणियं च कयं च तेण व मए' वा । 'हंदि णमो साहाए' हवइ चउत्थी पयाणम्मि ॥ ४ ॥ 'अवणय गिण्ह य एत्तो, इउ' त्ति वा पंचमी अवायाणे । छट्ठी तस्स इमस्स वा, गयस्स वा सामिसंबंधे ॥ ५ ॥ हवइ पुण सत्तमी तं, इमम्मि आहारकालभावे य । आमंतणी भवे अट्ठमी उ, जह 'हे जुवाण' त्ति ॥ ६ ॥ **सेत्तं अट्ठणामे** ॥ १२९ ॥

से किं तं नवणामे ? नवणामे–नवकव्वरसा पण्णत्ता । तंजहा–**गाहाओ**–वीरो[१] सिंगारो[२] अब्भुओ[३] य, रोद्दो[४] य होइ बोद्धव्वो । वेलणओ[५] बीभच्छो[६], हासो[७] कलुणो[८] पसंतो[९] य ॥ १ ॥ (१) तत्थ परिच्चायम्मि य, (दाण)तवचरणसत्तुजणविणासे य । अणणुसय-धिइपरक्कम–,लिंगो वीरो रसो होइ ॥ १ ॥ वीरो रसो जहा–सो नाम महावीरो, जो रज्जं पयहिऊण पव्वइओ । कामकोहमहासत्तु–, पक्खनिग्घायणं कुणइ ॥ २ ॥ (२) सिंगारो नाम रसो, रइसंजोगाभिलाससंजणणो । मंडणविलासविब्बोय–, हासलीलारमणलिंगो ॥ १ ॥ सिंगारो रसो जहा–महुरविलाससललियं, हियउम्मायणकरं जुवाणाणं । सामा सद्दुद्दामं, दाएई मेहलादामं ॥ २ ॥ (३) विम्हयकरो अपुव्वो, अनुभूयपुव्वो य जो रसो होइ । हरिसविसाउप्पत्ति–, लक्खणो अब्भुओ नाम ॥ १ ॥ अब्भुओ रसो जहा–अब्भुयतरमिह एत्तो, अन्नं किं अत्थि जीवलोगम्मि ? । जं जिणवयणे अत्था, तिकालजुत्ता मुणिज्जंति ॥ २ ॥ (४) भयजणणरूवसद्दंधयार–, चिंताकहासमुप्पण्णो । संमोहसंभमविसाय,–मरणलिंगो रसो रोद्दो ॥ १ ॥ रोद्दो रसो जहा–भिउडिविडंबियमुहो, संदट्ठोट्ठ इय रुहिरमाकिण्णो । हणसि पसुं असुरणिभो, भीमरसिय अइरोद्द ! रोद्दोऽसि ॥ २ ॥ (५) विणओवयारगुज्झगुरु–, दारमेरावइक्क-

१–२ गाहाहिगपयाइमेयाइं ।

पज्जत्तगसम्मुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। गब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगगब्भवक्कंतियजलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। चउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं छ गाउयाइं। सम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं। अपज्जत्तगसम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगसम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं। गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं छ गाउयाइं। अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं छ गाउयाइं। उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। सम्मुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणपुहुत्तं। अपज्जत्तगसम्मुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगसम्मुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणपुहुत्तं। गब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगगब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियाणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं। सम्मुच्छिमभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियाणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं। [illegible]सम्मुच्छिमभुयपरिसप्प[illegible]याणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंगुलस्स

दक्खवणे, सालिवणे। सेत्तं पाहण्णयाए। से किं तं अणाइयसिद्धंतेणं? अणाइयसिद्धंतेणं-धम्मत्थिकाए, अधम्मत्थिकाए, आगासत्थिकाए, जीवत्थिकाए, पुग्गलत्थिकाए, अद्धासमए। सेत्तं अणाइयसिद्धंतेणं। से किं तं नामेणं? नामेणं-पिउपियामहस्स नामेणं उन्नामिज्ज(ए)इ। सेत्तं नामेणं। से किं तं अवयवेणं? अवयवेणं-सिंगी सिही विसाणी, दाढी पक्खी खुरी नही वाली। दुपय चउप्पय बहुप्पय, नंगुली केसरी कउही ॥ १ ॥ परियरबंधेण भडं, जाणिज्जा महिलियं निवसणेणं। सित्थेण दोणवायं, कविं च इक्काए गाहाए॥ २ ॥ सेत्तं अवयवेणं। से किं तं संजोएणं? संजोगे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-दव्वसंजोगे १ खेत्तसंजोगे २ कालसंजोगे ३ भावसंजोगे ४। से किं तं दव्वसंजोगे? दव्वसंजोगे तिविहे पण्णत्ते। जहा-सचित्ते १ अचित्ते २ मीसए ३। से किं तं सचित्ते? सचित्ते-गोहिं गोमिए, महिसीहिं महिसए, ऊरणीहिं ऊरणीए, उट्टीहिं उट्टीवाले। सेत्तं सचित्ते। से किं तं अचित्ते? अचित्ते-छत्तेणं छत्ती, दंडेणं दंडी, पडेणं पडी, घडेणं घडी, कडेणं कडी। सेत्तं अचित्ते। से किं तं मीसए? मीसए-हलेणं हालिए, सगडेणं सागडिए, रहेणं रहिए, नावाए नाविए। सेत्तं मीसए। सेत्तं दव्वसंजोगे। से किं तं खेत्तसंजोगे? खेत्तसंजोगे-भारहे, एरवए, हेमवए, एरण्णवए, हरिवासए, रम्मगवासए, देवकुरुए, उत्तरकुरुए, पुव्वविदेहए, अवरविदेहए। अहवा-मागहे, मालवए, सोरट्ठए, मरहट्ठए, कुंकणए। सेत्तं खेत्तसंजोगे। से किं तं कालसंजोगे? कालसंजोगे-सुसमसुसमाए १ सुसमाए २ सुसमदूसमाए ३ दूसमसुसमाए ४ दूसमाए ५ दूसमदूसमाए ६। अहवा-पावसँए १ वासारत्तए २ सरदए ३ हेमंतए ४ वसंतए ५ गिम्हए ६। सेत्तं कालसंजोगे। से किं तं भावसंजोगे? भावसंजोगे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-पसत्थे य १ अपसत्थे य २। से किं तं पसत्थे? पसत्थे-नाणेणं नाणी, दंसणेणं दंसणी, चरित्तेणं चरित्ती। सेत्तं पसत्थे। से किं तं अपसत्थे? अपसत्थे-कोहेणं कोही, माणेणं माणी, मायाए माई, लोहेणं लोही। सेत्तं अपसत्थे। सेत्तं भावसंजोगे। सेत्तं संजोएणं। से किं तं पमाणेणं? पमाणे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-नामप्पमाणे १ ठवणप्पमाणे २ दव्वप्पमाणे ३ भावप्पमाणे ४। से किं तं नामप्पमाणे? नामप्पमाणे-जस्स णं जीवस्स वा, अजीवस्स वा, जीवाण वा, अजीवाण वा, तदुभयस्स वा, तदुभयाण वा, 'पमाणे' त्ति नामं कज्जइ। सेत्तं नामप्पमाणे। से किं तं ठवणप्पमाणे? ठवणप्पमाणे सत्तविहे पण्णत्ते। तंजहा-**गाहा**-णक्खत्तदेवयकुले, पासंडगणे य जीवियाहेउं। आभिप्पाइयणामे ठवणाणामं तु सत्तविहं ॥ १ ॥ से किं तं णक्खत्तणामे? णक्खत्तणामे-कित्तियाहिं जाए-

वेउव्विया जहा सोहम्मे तहा भाणियव्वा । जहा सणंकुमारे तहा माहिंदे वि भाणियव्वा । बंभलंतगेसु भवधारणिज्जा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं पंचरयणीओ । उत्तरवेउव्विया जहा सोहम्मे । महासुक्कसहस्सारेसु भवधारणिज्जा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं चत्तारि रयणीओ । उत्तरवेउव्विया जहा सोहम्मे । आणयपाणयआरणअच्चुएसु चउसु वि भवधारणिज्जा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि रयणीओ । उत्तरवेउव्विया जहा सोहम्मे । गेवेज्जगदेवाणं भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता? गोयमा! एगे भवधारणिज्जे सरीरगे पण्णत्ते । से जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं दुण्णि रयणीओ । अणुत्तरोववाइयदेवाणं भंते! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता? गोयमा! एगे भवधारणिज्जे सरीरगे पण्णत्ते । से जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं एगा रयणी उ । से समासओ तिविहे पण्णत्ते । तंजहा–सूइअंगुले १ पयरंगुले २ घणंगुले ३ । एगंगुलायया एगपएसिया सेढी सूइअंगुले, सूई सूईए गुणिया पयरंगुले, पयरं सूईए गुणियं घणंगुले । एएसि णं सूइअंगुलपयरंगुलघणंगुलाणं कयरे कयरेहिंतो अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा? सव्वत्थोवे सूइअंगुले, पयरंगुले असंखेज्जगुणे, घणंगुले असंखेज्जगुणे । सेत्तं उस्सेहंगुले । से किं तं पमाणंगुले? पमाणंगुले–एगमेगस्स रण्णो चाउरंतचक्कवट्टिस्स अट्ठसोवण्णिए कागणीरयणे छत्तले दुवालसंसिए अट्ठकण्णिए अहिगरणसंठाणसंठिए पण्णत्ते, तस्स णं एगमेगा कोडी उस्सेहंगुलविक्खंभा, तं समणस्स भगवओ महावीरस्स अद्धंगुलं, तं सहस्सगुणं पमाणंगुलं भवइ । एएणं अंगुलपमाणेणं छ अंगुलाइं=पाओ, दुवालसअंगुलाइं=विहत्थी, दो विहत्थीओ=रयणी, दो रयणीओ=कुच्छी, दो कुच्छीओ=धणू, दो धणुसहस्साइं=गाउयं, चत्तारि गाउयाइं=जोयणं । एएणं पमाणंगुलेणं किं पओयणं? एएणं पमाणंगुलेणं पुढवीणं कंडाणं पायालाणं भवणाणं भवणपत्थडाणं निरयाणं निरयावलीणं निरयपत्थडाणं कप्पाणं विमाणाणं विमाणावलीणं विमाणपत्थडाणं टंकाणं कूडाणं सेलाणं सिहरीणं पब्भाराणं विजयाणं वक्खाराणं वासाणं वासहराणं वासहरपव्वयाणं वेला(वलया)णं वेइयाणं दाराणं तोरणाणं दीवाणं समुद्दाणं आयामविक्खंभोच्चत्तोव्वेहपरिक्खेवा मविज्जंति । से समासओ तिविहे पण्णत्ते । तंजहा–सेढीअंगुले १ पयरंगुले २ घणंगुले ३ । असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ सेढी, सेढी सेढीए गुणिया पयरं, पयरं सेढीए गुणियं लोगो, संखेज्जएणं लोगो गुणिओ संखेज्जा लोगा, असंखेज्जएणं लोगो गुणिओ असंखेज्जा लोगा, अणंतेणं लोगो गुणिओ अणंता लोगा । एएसि णं सेढीअंगुलपयरंगुलघणंगुलाणं कयरे कयरेहिंतो

पात्रम्, अश्वाश्च महिषाश्च=अश्वमहिषम्, अहिश्च नकुलश्च=अहिनकुलम् । सेत्तं दंदे समासे। से किं तं बहुव्वीही समासे? बहुव्वीही समासे-फुल्ला इमम्मि गिरिम्मि कुडयकयंबा सो इमो गिरी फुल्लियकुडयकयंबो। सेत्तं बहुव्वीही समासे। से किं तं कम्मधारए? कम्मधारए-धवलो वसहो=धवलवसहो, किण्हो मिओ=किण्हमिओ, सेओ पडो=सेयपडो, रत्तो पडो=रत्तपडो। सेत्तं कम्मधारए। से किं तं दिगुसमासे? दिगुसमासे-तिण्णि कडुगाणि=तिकडुगं, तिण्णि महुराणि=तिमहुरं, तिण्णि गुणाणि=तिगुणं, तिण्णि पुराणि=तिपुरं, तिण्णि सराणि=तिसरं, तिण्णि पुक्खराणि=तिपुक्खरं, तिण्णि विंदुयाणि=तिविंदुयं, तिण्णि पहाणि=तिपहं, पंच णईओ=पंचणयं, सत्त गया=सत्तगयं, नव तुरंगा=नवतुरंगं, दस गामा=दसगामं, दस पुराणि=दसपुरं। सेत्तं दिगुसमासे। से किं तं तप्पुरिसे? तप्पुरिसे-तित्थे कागो=तित्थकागो, वणे हत्थी=वणहत्थी, वणे वराहो=वणवराहो, वणे महिसो=वणमहिसो, वणे मऊरो=वणमऊरो। सेत्तं तप्पुरिसे। से किं तं अव्वईभावे? अव्वईभावे-अणुगामं, अणुणइयं, अणुफरिहं, अणुचरियं। सेत्तं अव्वईभावे समासे। से किं तं एगसेसे? एगसेसे-जहा एगो पुरिसो तहा बहवे पुरिसा, जहा बहवे पुरिसा तहा एगो पुरिसो; जहा एगो करिसावणो तहा बहवे करिसावणा, जहा बहवे करिसावणा तहा एगो करिसावणो; जहा एगो साली तहा बहवे साली, जहा बहवे साली तहा एगो साली। सेत्तं एगसेसे समासे। सेत्तं सामासिए। से किं तं तद्धितए? तद्धितए अट्ठविहे पण्णत्ते। तंजहा-**गाहा**-कम्मे[1] सिप्पे[2] सिलोए[3], संजोग[4] समीवओ[5] य संजूहो[6]। इस्सरिय[7] अवच्चेण[8] य, तद्धितणामं तु अट्ठविहं॥ १॥ से किं तं कम्मनामे? कम्मनामे-तणहारए, कट्ठहारए, पत्तहारए, दोसिए, सोत्तिए, कप्पासिए, भंडवेयालिए, कोलालिए। सेत्तं कम्मनामे। से किं तं सिप्पनामे? सिप्पनामे-(वत्थिए, तंतिए,) तुण्णए, तंतुवाए, पट्टकारे, उएट्टे, वरुडे, मुंजकारे, कट्ठकारे, छत्तकारे, वज्झकारे, पोत्थकारे, चित्तकारे, दंतकारे, लेप्पकारे, सेलकारे, कोट्टिमकारे। सेत्तं सिप्पनामे। से किं तं सिलोयनामे? सिलोयनामे-समणे, माहणे, सव्वातिही। सेत्तं सिलोयनामे। से किं तं संजोगनामे? संजोगनामे-रण्णो ससुरए, रण्णो जामाउए, रण्णो साले, रण्णो भाउए, रण्णो भगिणीवई। सेत्तं संजोगनामे। से किं तं समीवनामे? समीवनामे-गिरिसमीवे णयरं=गिरिणयरं, विदिसासमीवे णयरं=वेदिसं णयरं, वेन्नाए समीवे णयरं=वेन्नायडं, तगराए समीवे णयरं=तगरायडं। सेत्तं समीवनामे। से किं तं संजूहनामे? संजूहनामे-तरंगवइकारे, मलयवइकारे, अत्ताणुसट्ठिकारे, विंदुकारे। सेत्तं संजूहनामे। से किं तं ईसरियनामे? ईसरियनामे-राईसरे, तलवरे, माडंविए, कोडुंविए, इब्भे, सेट्ठी, सत्थवाहे, सेणावई। सेत्तं

वुच्चइ, संखिज्जाओ आवलियाओ=ऊसासो, संखिज्जाओ आवलियाओ=नीसासो। **गाहाओ**-हट्ठस्स अणवगल्लस्स, निरुवक्किट्ठस्स जंतुणो । एगे ऊसासनीसासे, एस पाणुत्ति वुच्चइ ॥ १ ॥ सत्तपाणूणि से थोवे, सत्त थोवाणि से लवे । लवाणं सत्तहत्तरीए, एस मुहुत्ते वियाहिए ॥ २ ॥ तिण्णि सहस्सा सत्त य, सयाइं तेहुत्तरिं च ऊसासा । एस मुहुत्तो भणिओ, सव्वेहिं अणंतनाणीहिं ॥ ३ ॥ एएणं मुहुत्तपमाणेणं तीसं मुहुत्ता=अहोरत्तं, पण्णरस अहोरत्ता=पक्खो, दो पक्खा=मासो, दो मासा=उऊ, तिण्णि उऊ=अयणं, दो अयणाइं=संवच्छरे, पंच संवच्छराइं=जुगे, वीसं जुगाइं=वाससयं, दस वाससयाइं=वाससहस्सं, सयं वाससहस्साणं=वाससयसहस्सं, चोरासीइं वाससयसहस्साइं=से एगे पुव्वंगे, चउरासीइं पुव्वंगसयसहस्साइं=से एगे पुव्वे, चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं=से एगे तुडियंगे, चउरासीइं तुडियंगसयसहस्साइं=से एगे तुडिए, चउरासीइं तुडियसयसहस्साइं=से एगे अडडंगे, चउरासीइं अडडंगसयसहस्साइं-से एगे अडडे, एवं अववंगे, अववे, हुहुयंगे, हुहुए, उप्पलंगे, उप्पले, पउमंगे, पउमे, नलिणंगे, नलिणे, अच्छनिउरंगे, अच्छनिउरे, अउयंगे, अउए, पउयंगे, पउए, नउयंगे, नउए, चूलियंगे, चूलिया, सीसपहेलियंगे, चउरासीइं सीसपहेलियंगसयसहस्साइं=सा एगा सीसपहेलिया । एयावया चेव गणिए, एयावया चेव गणियस्स विसए, एत्तो परं ओवमिए पवत्तइ ॥ १३८ ॥ से किं तं ओवमिए? ओवमिए दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-पलिओवमे य १ सागरोवमे य २। से किं तं पलिओवमे? पलिओवमे तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-उद्धारपलिओवमे १ अद्धापलिओवमे २ खेत्तपलिओवमे य ३। से किं तं उद्धारपलिओवमे? उद्धारपलिओवमे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-सुहुमे १ वावहारिए य २। तत्थ णं जे से सुहुमे से ठप्पे। तत्थ णं जे से वावहारिए-से जहानामए पल्ले सिया-जोयणं आयामविक्खंभेणं, जोयणं उड्ढं उच्चत्तेणं, तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं, से णं पल्ले एगाहियबेयाहियतेयाहिय जाव उक्कोसेणं सत्तरत्तपरूढाणं संसट्ठे संनिचिए भरिए वालग्गकोडीणं ते णं वालग्गा नो अग्गी डहेज्जा, नो वाऊ हरेज्जा, नो कुहेज्जा, नो पलिविद्धंसिज्जा, नो पूइत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, तओ णं समए समए एगमेगं वालग्गं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे नीरए निल्लेवे निट्ठिए भवइ से तं वावहारिए उद्धारपलिओवमे। **गाहा**-एएसिं पल्लाणं, कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया। तं ववहारियस्स उद्धारसागरोवमस्स, एगस्स भवे परिमाणं ॥ १ ॥ एएहिं वावहारियउद्धारपलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं? एएहिं वावहारियउद्धारपलिओवमसागरोवमेहिं-णत्थि किंचिप्पओयणं, केवलं पण्णवणा पण्णविज्जइ। सेत्तं वावहारिए उद्धारपलिओवमे। से किं तं

सोलसिया (सोलसपलपमाणा १६), अट्ठभाइया (बत्तीसपलपमाणा ३२), चउभाइया (चउसट्ठिपलपमाणा ६४), अद्धमाणी (सयाहियअट्ठावीसपलपमाणा १२८), माणी (दुसयाहियछप्पण्णपलपमाणा २५६), दो चउसट्ठियाओ=बत्तीसिया, दो बत्तीसियाओ=सोलसिया, दो सोलसियाओ=अट्ठभाइया, दो अट्ठभाइयाओ=चउभाइया, दो चउभाइयाओ=अद्धमाणी, दो अद्धमाणीओ=माणी। एएणं रसमाणपमाणेणं किं पओयणं ? एएणं रसमाणेणं-वारकघडककरककलसियगागरिदइयकरोडियकुंडिय-(दो)संसियाणं रसाणं रसमाणप्पमाणनिव्वित्तिलक्खणं भवइ । सेत्तं रसमाणपमाणे । सेत्तं माणे । से किं तं उम्माणे ? उम्माणे-जं णं उम्मिणिज्जइ, तंजहा-अद्धकरिसो, करिसो, अद्धपलं, पलं, अद्धतुला, तुला, अद्धभारो, भारो । दो अद्धकरिसा=करिसो, दो करिसा=अद्धपलं, दो अद्धपलाइं=पलं, पंच पलसइया=तुला, दस तुलाओ=अद्धभारो, वी[वी]सं तुलाओ=भारो। एएणं उम्माणपमाणेणं किं पओयणं ? एएणं उम्माणपमाणेणं पत्ताऽगरतगरचोययकुंकुमखंडगुलमच्छंडियाईणं दव्वाणं उम्माणपमाणनिव्वित्तिलक्खणं भवइ । सेत्तं उम्माणपमाणे । से किं तं ओमाणे ? ओमाणे-जं णं ओमिणिज्जइ, तंजहा-हत्थेण वा, दंडेण वा, धणुक्केण वा, जुगेण वा, नालियाए वा, अक्खेण वा, मुसलेण वा । **गाहा-**दंड धणू जुग नालिया य, अक्ख मुसलं च चउहत्थं । दसनालियं च रज्जुं, वियाण ओमाणसण्णाए ॥ १ ॥ वत्थुम्मि हत्थमेज्जं, खित्ते दंडं धणुं च पत्थम्मि । खायं च नालियाए, वियाण ओमाणसण्णाए ॥ २ ॥ एएणं अवमाणपमाणेणं किं पओयणं ? एएणं अवमाणपमाणेणं खायचियरइय-करकचियकडपडभित्तिपरिक्खेवसंसियाणं दव्वाणं अवमाणपमाणनिव्वित्तिलक्खणं भवइ । सेत्तं अवमाणे । से किं तं गणिमे ? गणिमे-जं णं गणिज्जइ, तंजहा-एगो, दस, सयं, सहस्सं, दससहस्साइं, सयसहस्सं, दससयसहस्साइं, कोडी । एएणं गणिमप्पमाणेणं किं पओयणं ? एएणं गणिमप्पमाणेणं भितगभितिभत्तवेयणआय-व्वयसंसियाणं दव्वाणं गणिमप्पमाणनिव्वित्तिलक्खणं भवइ । सेत्तं गणिमे । से किं तं पडिमाणे ? पडिमाणे-जं णं पडिमिणिज्जइ, तंजहा-गुंजा, कागणी, निप्फावो, कम्ममासओ, मंडलओ, सुवण्णो । पंच गुंजाओ=कम्ममास[1]ओ, चत्तारि कागणीओ=कम्ममासओ, तिण्णि निप्फावा=कम्ममासओ, एवं चउक्को कम्ममास[2]ओ । बारस कम्ममासया=मंडलओ, एवं अडयालीसं कागणीओ=मंडलओ, सोलस कम्ममासया= सुवण्णो, एवं चउसट्ठि कागणीओ=सुवण्णो । एएणं पडिमाणप्पमाणेणं किं पओयणं ? एएणं पडिमाणप्पमाणेणं सुवण्णरययमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालाईणं दव्वाणं

१ कागणीअवेक्खाए । २ कागणीअवेक्खाए त्ति अट्ठो ।

दियाणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तगतेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं एगूणपण्णासं राइंदियाइं अंतोमुहुत्तूणाइं। चउरिंदियाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छम्मासा। अपज्जत्तगचउरिंदियाणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तगचउरिंदियाणं पुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं छम्मासा अंतोमुहुत्तूणा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं। जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता? गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी। सम्मुच्छिमजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी। अपज्जत्तयसम्मुच्छिमजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तयसम्मुच्छिमजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा। गब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी। अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तगगब्भवक्कंतियजलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा। चउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं। सम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं चउरासीइं वाससहस्साइं। अपज्जत्तयसम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तयसम्मुच्छिमचउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं चउरासीइं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं। गब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं। अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तगगब्भवक्कंतियचउप्पयथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं। उरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी। सम्मुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेवन्नं वाससहस्साइं। अपज्जत्तयसम्मुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा! जहण्णेण

उरग भुय पुव्वकोडी, पलिओवमासंखभागो य ॥ २ ॥ मणुस्साणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं। सम्मुच्छिममणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । गब्भवक्कंतियमणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं । अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियमणुस्साणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तगगब्भवक्कंतियमणुस्साणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तिण्णि पलिओवमाइं अंतोमुहुत्तूणाइं । वाणमंतराणं देवाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं पलिओवमं । वाणमंतरीणं देवीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं दसवाससहस्साइं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं । जोइसियाणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगं अट्ठभागपलिओवमं, उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं । जोइसियदेवीणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पण्णासाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं । चंदविमाणाणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं पलिओवमं वाससयसहस्समब्भहियं । चंदविमाणाणं भंते ! देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पण्णासाए वाससहस्सेहिं अब्भहियं । सूरविमाणाणं भंते ! देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं पलिओवमं वाससहस्समब्भहियं । सूरविमाणाणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं पंचहिं वाससएहिं अब्भहियं । गहविमाणाणं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं पलिओवमं । गहविमाणाणं भंते ! देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं । णक्खत्तविमाणाणं भंते ! देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं अद्धपलिओवमं । णक्खत्तविमाणाणं देवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं चउभागपलिओवमं, उक्कोसेणं साइरेगं चउभागपलिओवमं । ताराविमाणाणं भंते ! देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगं अट्ठभागपलिओवमं, उक्कोसेणं चउभागपलिओवमं । ताराविमाणाणं भंते ! देवीणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठभागपलिओवमं, उक्कोसेणं साइरेगं अट्ठभागपलिओवमं । वेमाणियाणं

असुरकुमाराणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा—भवधारणिज्जा य १ उत्तरवेउव्विया य २। तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा-जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्तरयणीओ। तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा-जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं। एवं असुरकुमारगमेणं जाव थणियकुमाराणं भाणियव्वं। पुढविकाइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। एवं सुहुमाणं ओहियाणं अपज्जत्तगाणं पज्जत्तगाणं च भाणियव्वं। एवं जाव बायरवाउकाइयाणं पज्जत्तगाणं भाणियव्वं। वणस्सइकाइयाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं। सुहुमवणस्सइकाइयाणं ओहियाणं अपज्जत्तगाणं पज्जत्तगाणं तिण्हं पि-जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। बायरवणस्सइकाइयाणं ओहियाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं। अपज्जत्तगाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं साइरेगं जोयणसहस्सं। बेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बारसजोयणाइं। अपज्जत्तगाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं बारसजोयणाइं। तेइंदियाणं पुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं। अपज्जत्तगाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं। चउरिंदियाणं पुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं। अपज्जत्तगाणं-जहण्णेणं० उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं। पज्जत्तगाणं-जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं चत्तारि गाउयाइं। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। जलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा ! एवं चेव। सम्मुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसहस्सं। अपज्जत्तगसम्मुच्छिमजलयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं पुच्छा। गो० ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं।

उक्कोसेणं छव्वीसं सागरोवमाइं । मज्झिममज्झिमगेवेज्जविमाणेसु णं भंते ! देवाणं० गोयमा ! जहण्णेणं छव्वीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं सत्तावीसं सागरोवमाइं मज्झिमउवरिमगेवेज्जविमाणेसु णं भंते ! देवाणं० ? गोयमा ! जहण्णेणं सत्तावी सागरोवमाइं, उक्कोसेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं । उवरिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणेसु भंते ! देवाणं० ? गोयमा ! जहण्णेणं अट्ठावीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं एगूणती सागरोवमाइं । उवरिममज्झिमगेविज्जविमाणेसु णं भंते ! देवाणं० ? गोयमा ! जह ण्णेणं एगूणतीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं तीसं सागरोवमाइं । उवरिमउवरिमगेविज्ज विमाणेसु णं भंते ! देवाणं० ? गोयमा ! जहण्णेणं तीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं इक्क तीसं सागरोवमाइं । विजयवेजयंतजयंतअपराजियविमाणेसु णं भंते ! देवाणं केव इयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं इक्कतीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं तेत्ती सागरोवमाइं । सव्वट्ठसिद्धे णं भंते ! महाविमाणे देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता गोयमा ! अजहण्णमणुक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं । सेत्तं सुहुमे अद्धापलिओवमे सेत्तं अद्धापलिओवमे ॥ १४० ॥ से किं तं खेत्तपलिओवमे ? खेत्तपलिओवमे दुवि पण्णत्ते । तंजहा–सुहुमे य १ वावहारिए य २ । तत्थ णं जे से सुहुमे से ठप्पे । तत णं जे से वावहारिए–से जहानामए पल्ले सिया–जोयणं आयामविक्खंभेणं, जोय उव्वेहेणं, तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं, से णं पल्ले एगाहियबेयाहियतेयाहिय जा भरिए वालग्गकोडीणं, ते णं वालग्गा णो अग्गी डहेज्जा जाव णो पूइत्ताए हव्वमाग च्छेज्जा, जे णं तस्स पल्लस्स आगासपएसा तेहिं वालग्गेहिं अप्फुण्णा तओ णं सम समए एगमेगं आगासपएसं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे जाव णिट्ठिए भव से तं वावहारिए खेत्तपलिओवमे । गाहा–एएसिं पल्लाणं, कोडाकोडी भवेज्ज दस गुणिया । तं ववहारियस्स खेत्तसागरोवमस्स, एगस्स भवे परिमाणं ॥ १ ॥ एएहिं वाव हारिएहिं खेत्तपलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं ? एएहिं वावहारिएहिं खेत्तपलिओ वमसागरोवमेहिं णत्थि किंचिप्पओयणं, केवलं पण्णवणा पण्णविज्जइ । सेत्तं वावहारिए खेत्तपलिओवमे । से किं तं सुहुमे खेत्तपलिओवमे ? सुहुमे खेत्तपलिओवमे–से जहाणा-मए पल्ले सिया–जोयणं आयामविक्खंभेणं जाव तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं, से णं पल्ले एगाहियबेयाहियतेयाहिय जाव भरिए वालग्गकोडीणं, तत्थ णं एगमेगे वालग्गे असंखिज्जाइं खंडाइं कज्जइ, ते णं वालग्गा दिट्ठिओगाहणाओ असंखेज्जइ-भागमेत्ता सुहुमस्स पणगजीवस्स सरीरोगाहणाओ असंखेज्जगुणा, ते णं वालग्गा नो अग्गी डहेज्जा जाव नो पूइत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, जे णं तस्स पल्लस्स आगासपएसा तेहिं वालग्गेहिं अप्फुण्णा वा अणाफुण्णा वा तओ णं समए समए एगमेगं आगास-

असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । पज्जत्तगसम्मुच्छिमभुयपरिसप्पाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं । गब्भवक्कंतियभुयपरिसप्पथलयराणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं । अपज्जत्तगभुयपरिसप्पाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । पज्जत्तगभुयपरिसप्पाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं गाउयपुहुत्तं । खहयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं । सम्मुच्छिमखहयराणं जहा भुयगपरिसप्पसम्मुच्छिमाणं तिसु वि गमेसु तहा भाणियव्वं । गब्भवक्कंतियखहयरपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं । अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियखहयरपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । पज्जत्तगगब्भवक्कंतियखहयरपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं धणुपुहुत्तं । एत्थ संगहणिगाहाओ हवंति, तंजहा–जोयणसहस्स गाउयपुहुत्त, तत्तो य जोयणपुहुत्तं । दोण्हं तु धणुपुहुत्तं, समुच्छिमे होइ उच्चत्तं ॥ १ ॥ जोयणसहस्स छग्गाउयाइं, तत्तो य जोयणसहस्सं । गाउयपुहुत्त भुयगे, पक्खीसु भवे धणुपुहुत्तं ॥ २ ॥ मणुस्साणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । सम्मुच्छिममणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियमणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेण वि अंगुलस्स असंखेज्जइभागं । पज्जत्तगगब्भवक्कंतियमणुस्साणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं तिण्णि गाउयाइं । वाणमंतराणं भवधारणिज्जा य उत्तरवेउव्विया य जहा असुरकुमाराणं तहा भाणियव्वा । जहा वाणमंतराणं तहा जोइसियाण वि । सोहम्मे कप्पे देवाणं भंते ! केमहालिया सरीरोगाहणा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा–भवधारणिज्जा य १ उत्तरवेउव्विया य २ । तत्थ णं जा सा भवधारणिज्जा सा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं सत्तरयणीओ । तत्थ णं जा सा उत्तरवेउव्विया सा–जहण्णेणं अंगुलस्स संखेज्जइभागं, उक्कोसेणं जोयणसयसहस्सं । एवं ईसाणकप्पे वि भाणियव्वं । जहा सोहम्मकप्पाणं देवाणं पुच्छा तहा सेसकप्पदेवाणं पुच्छा भाणियव्वा जाव अच्चुयकप्पो । सणंकुमारे भवधारणिज्जा–जहण्णेणं अंगुलस्स असंखेज्जइभागं, उक्कोसेणं छ रयणीओ । उत्तर-

अप्पे वा बहुए वा तुल्ले वा विसेसाहिए वा? सव्वत्थोवे सेढीअंगुले, पयरंगुले असंखेज्जगुणे, घणंगुले असंखेज्जगुणे। सेत्तं पमाणंगुले। सेत्तं विभागनिप्फण्णे। सेत्तं खेत्तप्पमाणे ॥ १३४ ॥ से किं तं कालप्पमाणे? कालप्पमाणे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-पएसनिप्फण्णे य १ विभागनिप्फण्णे य २ ॥ १३५ ॥ से किं तं पएसनिप्फण्णे? पएसनिप्फण्णे-एगसमयट्ठिईए, दुसमयट्ठिईए, तिसमयट्ठिईए जाव दससमयट्ठिईए, संखिज्जसमयट्ठिईए, असंखिज्जसमयट्ठिईए। से तं पएसनिप्फण्णे ॥ १३६ ॥ से किं तं विभागनिप्फण्णे? विभागनिप्फण्णे-**गाहा**-समयावलिय मुहुत्ता, दिवस अहोरत्त पक्ख मासा य। संवच्छर जुग पलिया, सागर ओसप्पि परियट्टा ॥ १ ॥ १३७ ॥ से किं तं समए? समयस्स णं परूवणं करिस्सामि-से जहानामए तुण्णागदारए सिया-तरुणे, बलवं, जुगवं, जुवाणे, अप्पायंके, थिरग्गहत्थे, दढपाणिपायपास-पिट्ठंतरोरुपरिणए, तलजमलजुयलपरिघणिभबाहू, चम्मेट्ठगदुहणमुट्ठियसमाहयनि-चियगत्तकाए, उरस्सबलसमण्णागए, लंघणपवणजइणवायामसमत्थे, छेए, दक्खे, पत्तट्ठे, कुसले, मेहावी, निउणे, निउणसिप्पोवगए, एगं महइं पडसाडियं वा पट्टसा-डियं वा गहाय सयराहं हत्थमेत्तं ओसारेज्जा, तत्थ चोयए पण्णवयं एवं वयासी-जेणं कालेणं तेणं तुण्णागदारएणं तीसे पडसाडियाए वा पट्टसाडियाए वा सयराहं हत्थमेत्ते ओसारिए से समए भवइ? नो इणट्ठे समट्ठे। कम्हा? जम्हा संखेज्जाणं तंतूणं समुदयसमितिसमागमेणं एगा पडसाडिया निप्फज्जइ; उवरिल्लम्मि तंतुम्मि अच्छिण्णे हिट्ठिल्ले तंतू न छिज्जइ, अण्णम्मि काले उवरिल्ले तंतू छिज्जइ, अण्णम्मि काले हिट्ठिल्ले तंतू छिज्जइ, तम्हा से समए न भवइ। एवं वयंतं पण्णवयं चोयए एवं वयासी-जेणं कालेणं तेणं तुण्णागदारएणं तीसे पडसाडियाए वा पट्टसाडियाए वा उवरिल्ले तंतू छिण्णे से समए भवइ? न भवइ। कम्हा? जम्हा संखेज्जाणं पम्हाणं समुदयसमिइसमागमेणं एगे तंतू निप्फज्जइ, उवरिल्ले पम्हे अच्छिण्णे हिट्ठिल्ले पम्हे न छिज्जइ, अण्णम्मि काले उवरिल्ले पम्हे छिज्जइ, अण्णम्मि काले हिट्ठिल्ले पम्हे छिज्जइ, तम्हा से समए न भवइ। एवं वयंतं पण्णवयं चोयए एवं वयासी-जेणं कालेणं तेणं तुण्णागदारएणं तस्स तंतुस्स उवरिल्ले पम्हे छिण्णे से समए भवइ? न भवइ। कम्हा? जम्हा अणंताणं संघायाणं समुदयसमिइसमा-गमेणं एगे पम्हे निप्फज्जइ, उवरिल्ले संघाए अविसंघाइए हेट्ठिल्ले संघाए न विसंघा-इज्जइ, अण्णम्मि काले उवरिल्ले संघाए विसंघाइज्जइ, अण्णम्मि काले हेट्ठिल्ले संघाए विसंघाइज्जइ, तम्हा से समए न भवइ। एत्तो वि य णं सुहुमतराए समए पण्णत्ते समणाउसो!, असंखिज्जाणं समयाणं समुदयसमिइसमागमेणं सा एगा 'आवलिय'त्ति

तहा जाव थणियकुमाराणं ताव भाणियव्वा। पुढविकाइयाणं भंते! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। एवं जहा ओहिया ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा। पुढविकाइयाणं भंते! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं णत्थि। मुक्केल्लया जहा ओहियाणं ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा। आहारगसरीरा वि एवं चेव भाणियव्वा। तेयगकम्मसरीरा जहा एएसिं चेव ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा। जहा पुढविकाइयाणं एवं आउकाइयाणं तेउकाइयाण य सव्वसरीरा भाणियव्वा। वाउकाइयाणं भंते! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा—बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। जहा पुढविकाइयाणं ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा। वाउकाइयाणं० केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–बद्धेल्लगा य १ मुक्केल्लगा य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा ते णं असंखिज्जा, समए समए अवहीरमाणा खेत्तपलिओवमस्स असंखिज्जइभागमेत्तेणं कालेणं अवहीरंति, नो चेव णं अवहिया सिया। मुक्केल्लगा वेउव्वियसरीरा आहारगसरीरा य जहा पुढविकाइयाणं तहा भाणियव्वा। तेयगकम्मसरीरा जहा पुढविकाइयाणं तहा भाणियव्वा। वणस्सइकाइयाणं ओरालियवेउव्वियआहारगसरीरा जहा पुढविकाइयाणं तहा भाणियव्वा। वणस्सइकाइयाणं भंते! केवइया तेयगसरीरा पण्णत्ता? गोयमा दुविहा पण्णत्ता। जहा ओहिया तेयगकम्मसरीरा तहा वणस्सइकाइयाण वि तेयगकम्मगसरीरा भाणियव्वा। बेइंदियाणं भंते! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता? गोयमा! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा—बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं असंखिज्जा, असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखिज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई असंखेज्जाओ जोयणकोडाकोडीओ, असंखिज्जाइं सेढिवग्गमूलाइं, बेइंदियाणं ओरालियबद्धेल्लएहिं पयरं अवहीरइ असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं कालओ, खेत्तओ अंगुलपयरस्स आवलियाए असंखिज्जइभागपडिभागेणं। मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा। वेउव्वियआहारगसरीरा बद्धेल्लया नत्थि। मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा। तेयगकम्मगसरीरा जहा एएसिं चेव ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा। जहा बेइंदियाणं तहा तेइंदियचउरिंदियाण वि भाणियव्वा। पंचिंदियतिरिक्खजोणियाण वि ओरालियसरीरा एवं चेव भाणियव्वा। पंचिंदियति-

सुहुमे उद्धारपलिओवमे ? सुहुमे उद्धारपलिओवमे-से जहानामए पल्ले सिया-जोयणं आयामविक्खंभेणं, जोयणं उव्वेहेणं, तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं, से णं पल्ले एगाहियबेयाहियतेयाहिय जाव उक्कोसेणं सत्तरत्तपरूढाणं संसट्ठे संनिचिए भरिए वालग्गकोडीणं, तत्थ णं एगमेगे वालग्गे असंखिज्जाइं खंडाइं कज्जइ, ते णं वालग्गा दिट्ठिओगाहणाओ असंखेज्जइभागमेत्ता सुहुमस्स पणगजीवस्स सरीरोगाहणाउ असंखेज्जगुणा, ते णं वालग्गा णो अग्गी डहेज्जा, णो वाऊ हरेज्जा, णो कुहेज्जा, णो पलिविद्धंसिज्जा, णो पूइत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, तओ णं समए समए एगमेगं वालग्गं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे नीरए निल्लेवे निट्ठिए भवइ सेत्तं सुहुमे उद्धारपलिओवमे। **गाहा**-एएसिं पल्लाणं, कोडाकोडी हवेज्ज दसगुणिया। तं सुहुमस्स उद्धारसागरोवमस्स, एगस्स भवे परिमाणं ॥ २ ॥ एएहिं सुहुमउद्धारपलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं ? एएहिं सुहुमउद्धारपलिओवमसागरोवमेहिं दीवसमुद्दाणं उद्धारो घेप्पइ । केवइया णं भंते ! दीवसमुद्दा उद्धारेणं पण्णत्ता ? गोयमा ! जावइया णं अड्ढाइज्जाणं उद्धारसागरोवमाणं उद्धारसमया एवइया णं दीवसमुद्दा उद्धारेणं पण्णत्ता। सेत्तं सुहुमे उद्धारपलिओवमे । सेत्तं उद्धारपलिओवमे । से किं तं अद्धापलिओवमे ? अद्धापलिओवमे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-सुहुमे य १ वावहारिए य २ । तत्थ णं जे से सुहुमे से ठप्पे । तत्थ णं जे से वावहारिए-से जहानामए पल्ले सिया-जोयणं आयामविक्खंभेणं, जोयणं उव्वेहेणं, तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं, से णं पल्ले एगाहियबेयाहियतेयाहिय जाव भरिए वालग्गकोडीणं, ते णं वालग्गा नो अग्गी डहेज्जा जाव नो पलिविद्धंसिज्जा, नो पूइत्ताए हव्वमागच्छेज्जा, तओ णं वाससए वाससए एगमेगं वालग्गं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे नीरए निल्लेवे निट्ठिए भवइ से तं वावहारिए अद्धापलिओवमे । **गाहा**-एएसिं पल्लाणं, कोडाकोडी भविज्ज दसगुणिया । तं ववहारियस्स अद्धासागरोवमस्स, एगस्स भवे परिमाणं ॥ ३ ॥ एएहिं वावहारियअद्धापलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं ? एएहिं वावहारियअद्धापलिओवमसागरोवमेहिं णत्थि किंचिप्पओयणं, केवलं पण्णवणा पण्णविज्जइ । सेत्तं वावहारिए अद्धापलिओवमे । से किं तं सुहुमे अद्धापलिओवमे ? सुहुमे अद्धापलिओवमे-से जहानामए पल्ले सिया-जोयणं आयामेणं, जोयणं उव्वेहेणं, तं तिगुणं सविसेसं परिक्खेवेणं, से णं पल्ले एगाहियबेयाहियतेयाहिय जाव भरिए वालग्गकोडीणं, तत्थ णं एगमेगे वालग्गे असंखिज्जाइं खंडाइं कज्जइ, ते णं वालग्गा दिट्ठिओगाहणाओ असंखेज्जइभागमेत्ता सुहुमस्स पणगजीवस्स सरीरोगाहणाओ असंखेज्जगुणा, ते णं वालग्गा नो अग्गी डहेज्जा जाव नो पलिविद्धंसिज्जा, नो पूइत्ताए हव्व-

यव्वा । जोइसियाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा–बद्धेल्लगा य १ मुक्केल्लगा य २ । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लगा जाव तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई, बेछप्पण्णंगुलसयवग्गपलिभागो पयरस्स । मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालिया तहा भाणियव्वा । आहारयसरीरा जहा णेरइयाणं तहा भाणियव्वा । तेयगकम्मगसरीरा जहा एएसिं चेव वेउव्विया तहा भाणियव्वा। वेमाणियाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहा णेरइयाणं तहा भाणियव्वा । वेमाणियाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा–बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं असंखिज्जा, असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखिज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखेज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलबीयवग्गमूलं तइयवग्गमूलपडुप्पण्णं, अहव णं अंगुलतइयवग्गमूलघणपमाणमेत्ताओ सेढीओ । मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालिया तहा भाणियव्वा। आहारगसरीरा जहा णेरइयाणं । तेयगकम्मगसरीरा जहा एएसिं चेव वेउव्वियसरीरा तहा भाणियव्वा । सेत्तं सुहुमे खेत्तपलिओवमे । सेत्तं खेत्तपलिओवमे । सेत्तं पलिओवमे । सेत्तं विभागनिप्फण्णे । सेत्तं कालप्पमाणे ॥ १४३ ॥ से किं तं भावप्पमाणे ? भावप्पमाणे तिविहे पण्णत्ते । तंजहा–गुणप्पमाणे १ नयप्पमाणे २ संखप्पमाणे ३ ॥ १४४ ॥ से किं तं गुणप्पमाणे ? गुणप्पमाणे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–जीवगुणप्पमाणे १ अजीवगुणप्पमाणे य २ । से किं तं अजीवगुणप्पमाणे ? अजीवगुणप्पमाणे पंचविहे पण्णत्ते। तंजहा–वण्णगुणप्पमाणे १ गंधगुणप्पमाणे २ रसगुणप्पमाणे ३ फासगुणप्पमाणे ४ संठाणगुणप्पमाणे ५। से किं तं वण्णगुणप्पमाणे ? वण्णगुणप्पमाणे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा–कालवण्णगुणप्पमाणे १ जाव सुक्किल्लवण्णगुणप्पमाणे ५ । सेत्तं वण्णगुणप्पमाणे । से किं तं गंधगुणप्पमाणे ? गंधगुणप्पमाणे दुविहे पण्णत्ते । तंजहा–सुरभिगंधगुणप्पमाणे १ दुरभिगंधगुणप्पमाणे २ । सेत्तं गंधगुणप्पमाणे । से किं तं रसगुणप्पमाणे ? रसगुणप्पमाणे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा–तित्तरसगुणप्पमाणे १ जाव महुररसगुणप्पमाणे ५ । सेत्तं रसगुणप्पमाणे। से किं तं फासगुणप्पमाणे ? फासगुणप्पमाणे अट्ठविहे पण्णत्ते। तंजहा–कक्खडफासगुणप्पमाणे १ जाव लुक्खफासगुणप्पमाणे ८ । सेत्तं फासगुणप्पमाणे । से किं तं संठाणगुणप्पमाणे ? संठाणगुणप्पमाणे पंचविहे पण्णत्ते । तंजहा–परिमंडलसंठाणगुणप्पमाणे १ वट्टसंठाणगुणप्पमाणे २ तंससंठाणगुणप्पमाणे ३ चउरंससंठाणगुणप्पमाणे ४ आययसंठाणगुणप्पमाणे ५। सेत्तं संठाणगुण... ाणे। सेत्तं अजीवगुणप्पमाणे । से किं तं जीवगुणप्पमाणे ? जीवगुणप्पमाणे तिविहे

वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तयसम्मुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तयसम्मुच्छिमउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं तेवण्णं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं। गब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगगब्भवक्कंतियउरपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा । भुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । सम्मुच्छिमभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं। अपज्जत्तयसम्मुच्छिमभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तयसम्मुच्छिमभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बायालीसं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं। गब्भवक्कंतियभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी । अपज्जत्तयगब्भवक्कंतियभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तयगब्भवक्कंतियभुयपरिसप्पथलयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी अंतोमुहुत्तूणा । खहयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागो। सम्मुच्छिमखहयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावत्तरिं वाससहस्साइं । अपज्जत्तगसम्मुच्छिमखहयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं । पज्जत्तगसम्मुच्छिमखहयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं बावत्तरिं वाससहस्साइं अंतोमुहुत्तूणाइं। गब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियपुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागो । अपज्जत्तगगब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियपुच्छा । गोयमा ! जहण्णेण वि अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेण वि अंतोमुहुत्तं। पज्जत्तगगब्भवक्कंतियखहयरपंचिंदियतिरिक्खजोणियाणं भंते ! केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखेज्जइभागो अंतोमुहुत्तूणो। एत्थ एएसि णं संगहणिगाहाओ भवंति, तंजहा—सम्मुच्छिम पुव्वकोडी, चउरासीइं भवे सहस्साइं । तेवण्णा बायाला, बावत्तरिमेव पक्खीणं ॥ १ ॥ गब्भंमि पुव्वकोडी, तिण्णि य पलिओवमाइं परमाऊ।

खंधपएसो, एवं ते अणवत्था भविस्सइ, तं मा भणाहि-भइयव्वो पएसो, भणाहि-धम्मे पएसे से पएसे धम्मे, अहम्मे पएसे से पएसे अहम्मे, आगासे पएसे से पएसे आगासे, जीवे पएसे से पएसे नोजीवे, खंधे पएसे से पएसे नोखंधे"। एवं वयंतं सद्दनयं समभिरूढो भणइ-"जं भणसि-धम्मपएसे से पएसे धम्मे जाव जीवे पएसे से पएसे नोजीवे खंधे पएसे से पएसे नोखंधे तं न भवइ"। "कम्हा?" "इत्थं खलु दो समासा भवंति, तंजहा-तप्पुरिसे य १ कम्मधारए य २। तं ण णज्जइ कयरेणं समासेणं भणसि? किं तप्पुरिसेणं, किं कम्मधारएणं? जइ तप्पुरिसेणं भणसि तो मा एवं भणाहि, अह कम्मधारएणं भणसि तो विसेसओ भणाहि-धम्मे य से पएसे य से पएसे धम्मे, अधम्मे य से पएसे य से पएसे अधम्मे, आगासे य से पएसे य से पएसे आगासे, जीवे य से पएसे य से पएसे नोजीवे, खंधे य से पएसे य से पएसे नोखंधे"। एवं वयंतं समभिरूढं संपइ एवंभूओ भणइ-"जं जं भणसि तं तं सव्वं कसिणं पडिपुण्णं निरवसेसं एगगहणगहियं देसे वि मे अवत्थू, पएसे वि मे अवत्थू"। सेत्तं पएसदिट्ठंतेणं। सेत्तं नयप्पमाणे ॥ १४६ ॥ से किं तं संखप्पमाणे? संखप्पमाणे अट्ठविहे पण्णत्ते। तंजहा-नामसंखा १ ठवणासंखा २ दव्वसंखा ३ ओवम्मसंखा ४ परिमाणसंखा ५ जाणणासंखा ६ गणणासंखा ७ भावसंखा ८। से किं तं नामसंखा? नामसंखा-जस्स णं जीवस्स वा जाव सेत्तं नामसंखा। से किं तं ठवणासंखा? ठवणासंखा-जं णं कट्ठकम्मे वा पोत्थकम्मे वा जाव सेत्तं ठवणासंखा। नामठवणाणं को पइविसेसो? नामं आवकहियं, ठवणा इत्तरिया वा होज्जा आवकहिया वा होज्जा। से किं तं दव्वसंखा? दव्वसंखा दुविहा पण्णत्ता। तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २ जाव से किं तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वसंखा? जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वसंखा तिविहा पण्णत्ता। तंजहा-एगभविए १ बद्धाउए २ अभिमुहनामगोत्ते य ३। एगभविए णं भंते! 'एगभविए' त्ति कालओ केवच्चिरं होइ? जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडी। बद्धाउए णं भंते! 'बद्धाउए' त्ति कालओ केवच्चिरं होइ? जहण्णेणं अंतोमुहुत्तं, उक्कोसेणं पुव्वकोडीतिभागं। अभिमुहनामगोत्ते णं भंते! 'अभिमुहनामगोए' त्ति कालओ केवच्चिरं होइ? जहण्णेणं एक्कं समयं, उक्कोसेणं अंतोमुहुत्तं। इयाणिं को नओ कं संखं इच्छइ? तत्थ णेगमसंगहववहारा तिविहं संखं इच्छंति, तंजहा-एगभवियं १ बद्धाउयं २ अभिमुहनामगोत्तं च ३। उज्जुसुओ दुविहं संखं इच्छइ, तंजहा-बद्धाउयं च १ अभिमुहनामगोत्तं च २। तिण्णि सद्दनया अभिमुहनामगोत्तं संखं इच्छंति। सेत्तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वसंखा। सेत्तं नोआगमओ दव्वसंखा। सेत्तं दव्वसंखा।

भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं तेत्तीसं सागरोवमाइं। वेमाणियाणं भंते ! देवीणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं पणपण्णं पलिओवमाइं । सोहम्मे णं भंते ! कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं दो सागरोवमाइं। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे परिग्गहियादेवीणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं सत्तपलिओवमाइं। सोहम्मे णं भंते ! कप्पे अपरिग्गहियादेवीणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं पलिओवमं, उक्कोसेणं पण्णासं पलिओवमं। ईसाणे णं भंते ! कप्पे देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगं पलिओवमं, उक्कोसेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं। ईसाणे णं भंते ! कप्पे परिग्गहियादेवीणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगं पलिओवमं, उक्कोसेणं नवपलिओवमाइं। ईसाणे णं भंते ! कप्पे अपरिग्गहियादेवीणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगं पलिओवमं, उक्कोसेणं पणपण्णं पलिओवमाइं । सणंकुमारे णं भंते ! कप्पे देवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं दो सागरोवमाइं, उक्कोसेणं सत्तसागरोवमाइं। माहिंदे णं भंते ! कप्पे देवाणं पुच्छा । गोयमा ! जहण्णेणं साइरेगाइं दो सागरोवमाइं, उक्कोसेणं साइरेगाइं सत्तसागरोवमाइं। बंभलोए णं भंते ! कप्पे देवाणं पुच्छा। गोयमा ! जहण्णेणं सत्तसागरोवमाइं, उक्कोसेणं दससागरोवमाइं। एवं कप्पे कप्पे केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! एवं भाणियव्वं–लंतए–जहण्णेणं दससागरोवमाइं, उक्कोसेणं चउद्दस सागरोवमाइं । महासुक्के–जहण्णेणं चउद्दस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं सत्तरस सागरोवमाइं। सहस्सारे–जहण्णेणं सत्तरस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं अट्ठारस सागरोवमाइं। आणए–जहण्णेणं अट्ठारस सागरोवमाइं, उक्कोसेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं । पाणए–जहण्णेणं एगूणवीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं वीसं सागरोवमाइं। आरणे–जहण्णेणं वीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं। अच्चुए–जहण्णेणं एक्कवीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं बावीसं सागरोवमाइं। हेट्ठिमहेट्ठिमगेविज्जविमाणेसु णं भंते ! देवाणं केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! जहण्णेणं बावीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं तेवीसं सागरोवमाइं। हेट्ठिममज्झिमगेविज्जविमाणेसु णं भंते ! देवाणं० ? गोयमा ! जहण्णेणं तेवीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं चउवीसं सागरोवमाइं। हेट्ठिमउवरिमगेविज्जविमाणेसु णं भंते ! देवाणं० ? गोयमा ! जहण्णेणं चउवीसं सागरोवमाइं, उक्कोसेणं पणवीसं सागरोवमाइं। मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जविमाणेसु णं भंते ! देवाणं० ? गोयमा ! जहण्णेणं पणवीसं सागरोवमाइं,

संखेज्जए तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-जहण्णए १ उक्कोसए २ अजहण्णमणुक्कोसए ३। से किं तं अणंतए? अणंतए तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-परित्ताणंतए १ जुत्ताणंतए २ अणंताणंतए ३। से किं तं परित्ताणंतए? परित्ताणंतए तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-जहण्णए १ उक्कोसए २ अजहण्णमणुक्कोसए ३। से किं तं जुत्ताणंतए? जुत्ताणंतए तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-जहण्णए १ उक्कोसए २ अजहण्णमणुक्कोसए ३। से किं तं अणंताणंतए? अणंताणंतए दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-जहण्णए १ अजहण्णमणुक्कोसए २। जहण्णयं संखेज्जयं केवइयं होइ? दोरूवयं। तेणं परं अजहण्णमणुक्कोसयाइं ठाणाइं जाव उक्कोसयं संखेज्जयं न पावइ। उक्कोसयं संखेज्जयं केवइयं होइ? उक्कोसयस्स संखेज्जयस्स परूवणं करिस्सामि-से जहानामए पल्ले सिया-एगं जोयणसयसहस्सं आयामविक्खंभेणं, तिण्णि जोयणसयसहस्साइं सोलससहस्साइं दोण्णि य सत्तावीसे जोयणसए तिण्णि य कोसे अट्ठावीसं च धणुसयं तेरस य अंगुलाइं अद्धं अंगुलं च किंचि विसेसाहियं परिक्खेवेणं पण्णत्ते, से णं पल्ले सिद्धत्थयाणं भरिए, तओ णं तेहिं सिद्धत्थएहिं दीवसमुद्दाणं उद्धारो घेप्पइ, एगे दीवे एगे समुद्दे एवं पक्खिप्पमाणेणं पक्खिप्पमाणेणं जावइया दीवसमुद्दा तेहिं सिद्धत्थएहिं अप्फुण्णा एस णं एवइए खेत्ते पल्ले (आइट्ठा) पढमा सलागा, एवइयाणं सलागाणं असंलप्पा लोगा भरिया तहा वि उक्कोसयं संखेज्जयं न पावइ। जहा को दिट्ठंतो? से जहानामए मंचे सिया आमलगाणं भरिए, तत्थ एगे आमलए पक्खित्ते सेऽवि माए, अण्णेऽवि पक्खित्ते सेऽवि माए, एवं पक्खिप्पमाणेणं पक्खिप्पमाणेणं होही सेऽवि आमलए जंसि पक्खित्ते से मंचए भरिज्जिहिइ, जे तत्थ आमलए न माहिइ, एवामेव उक्कोसए संखेज्जए रूवे पक्खित्ते जहण्णयं परित्तासंखेज्जयं भवइ। तेण परं अजहण्णमणुक्कोसयाइं ठाणाइं जाव उक्कोसयं परित्तासंखेज्जयं न पावइ। उक्कोसयं परित्तासंखेज्जयं केवइयं होइ? जहण्णयं परित्तासंखेज्जयं जहण्णयं परित्तासंखेज्जयमेत्ताणं रासीणं अण्णमण्णब्भासो रूवूणो उक्कोसं परित्तासंखेज्जयं होइ। अहवा जहण्णयं जुत्तासंखेज्जयं रूवूणं उक्कोसयं परित्तासंखेज्जयं होइ। जहण्णयं जुत्तासंखेज्जयं केवइयं होइ? जहण्णयपरित्तासंखेज्जयमेत्ताणं रासीणं अण्णमण्णब्भासो पडिपुण्णो जहण्णयं जुत्तासंखेज्जयं होइ। अहवा उक्कोसए परित्तासंखेज्जए रूवं पक्खित्तं जहण्णयं जुत्तासंखेज्जयं होइ। आवलिया वि तत्तिया चेव। तेण परं अजहण्णमणुक्कोसयाइं ठाणाइं जाव उक्कोसयं जुत्तासंखेज्जयं न पावइ। उक्कोसयं जुत्तासंखेज्जयं केवइयं होइ? जहण्णएणं जुत्तासंखेज्जएणं आवलिया गुणिया अण्णमण्णब्भासो रूवूणो उक्कोसयं जुत्तासंखेज्जयं होइ। अहवा जहण्णयं असंखेज्जासंखेज्जयं रूवूणं उक्कोसयं जुत्तासंखेज्जयं होइ। जहण्णयं असंखेज्जासंखेज्जयं केवइयं

पएसं अवहाय जावइएणं कालेणं से पल्ले खीणे जाव निट्ठिए भवइ सेत्तं सुहुमे खेत्त-पलिओवमे। तत्थ णं चोयए पण्णवगं एवं वयासी–अत्थि णं तस्स पल्लस्स आगास-पएसा जे णं तेहिं वालग्गेहिं अणाफुण्णा ? हंता ! अत्थि । जहा को दिट्ठंतो ? से जहाणामए कोट्ठए सिया कोहंडाणं भरिए, तत्थ णं माउलिंगा पक्खित्ता ते वि माया, तत्थ णं बिल्ला पक्खित्ता ते वि माया, तत्थ णं आमलगा पक्खित्ता ते वि माया, तत्थ णं वयरा पक्खित्ता ते वि माया, तत्थ णं चणगा पक्खित्ता ते वि माया, तत्थ णं मुग्गा पक्खित्ता ते वि माया, तत्थ णं सरिसवा पक्खित्ता ते वि माया, तत्थ णं गंगावालुया पक्खित्ता सा वि माया, एवमेव एएणं दिट्ठंतेणं अत्थि णं तस्स पल्लस्स आगासपएसा जे णं तेहिं वालग्गेहिं अणाफुण्णा । **गाहा**–एएसिं पल्लाणं, कोडाकोडी भवेज्ज दसगुणिया । तं सुहुमस्स खेत्तसागरोवमस्स, एगस्स भवे परिमाणं ॥ २ ॥ एएहिं सुहुमेहिं खेत्तपलिओवमसागरोवमेहिं किं पओयणं ? एएहिं सुहुमेहिं खेत्तपलिओवमसागरोवमेहिं दिट्ठिवाए दव्वा मविज्जंति ॥ १४१ ॥ कइविहा णं भंते ! दव्वा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—जीवदव्वा य १ अजीवदव्वा य २ । अजीवदव्वा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा—रूवीअजीवदव्वा य १ अरूवीअजीवदव्वा य २ । अरूवीअजीव-दव्वा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! दसविहा पण्णत्ता । तंजहा—धम्मत्थिकाए १ धम्मत्थिकायस्स देसा २ धम्मत्थिकायस्स पएसा ३ अधम्मत्थि-काए ४ अधम्मत्थिकायस्स देसा ५ अधम्मत्थिकायस्स पएसा ६ आगासत्थिकाए ७ आगासत्थिकायस्स देसा ८ आगासत्थिकायस्स पएसा ९ अद्धासमए १० । रूवी-अजीवदव्वा णं भंते ! कइविहा पण्णत्ता ? गोयमा ! चउव्विहा पण्णत्ता । तंजहा–खंधा १ खंधदेसा २ खंधपएसा ३ परमाणुपोग्गला ४ । ते णं भंते ! किं संखिज्जा असंखिज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता ? गोयमा ! अणंता परमा-णुपोग्गला, अणंता दुपएसिया खंधा जाव अणंता अणंतपएसिया खंधा, से एए-णट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ–नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता । जीवदव्वा णं भंते ! किं संखिज्जा असंखिज्जा अणंता ? गोयमा ! नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता । से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ–नो संखिज्जा, नो असंखिज्जा, अणंता ? गोयमा ! असंखिज्जा णेरइया, असंखिज्जा असुरकुमारा जाव असंखिज्जा थणियकुमारा, असं-खिज्जा पुढविकाइया जाव असंखिज्जा वाउकाइया, अणंता वणस्सइकाइया, असंखिज्जा बेइंदिया जाव असंखिज्जा चउरिंदिया, असंखिज्जा पंचिंदियतिरिक्खजोणिया, असं-

ससमए परसमए आघविज्जइ जाव उवदंसिज्जइ। सेत्तं ससमयपरसमयवत्तव्वया। इयाणीं को णओ कं वत्तव्वयं इच्छइ? तत्थ णेगमसंगहववहारा तिविहं वत्तव्वयं इच्छंति, तंजहा-ससमयवत्तव्वयं १ परसमयवत्तव्वयं २ ससमयपरसमयवत्तव्वयं ३। उज्जुसुओ दुविहं वत्तव्वयं इच्छइ, तंजहा-ससमयवत्तव्वयं १ परसमयवत्तव्वयं २। तत्थ णं जा सा ससमयवत्तव्वया सा ससमयं पविट्ठा, जा सा परसमयवत्तव्वया सा परसमयं पविट्ठा, तम्हा दुविहा वत्तव्वया, नत्थि तिविहा वत्तव्वया। तिण्णि सद्दणया एगं ससमयवत्तव्वयं इच्छंति, नत्थि परसमयवत्तव्वया। कम्हा? जम्हा परसमए अणट्ठे अहेऊ असब्भावे अकिरिए उम्मग्गे अणुवएसे मिच्छादंसणमितिकट्टु। तम्हा सव्वा ससमयवत्तव्वया, णत्थि परसमयवत्तव्वया, णत्थि ससमयपरसमयवत्तव्वया। **सेत्तं वत्तव्वया** ॥ १४८ ॥ से किं तं अत्थाहिगारे? अत्थाहिगारे-जो जस्स अज्झयणस्स अत्थाहिगारो, तंजहा-**गाहा**-सावज्जजोगविरई, उक्कित्तण गुणवओ य पडिवत्ती। खलियस्स निंदणा वण-, तिगिच्छ गुणधारणा चेव ॥ १ ॥ **सेत्तं अत्थाहिगारे** ॥ १४९ ॥ से किं तं समोयारे? समोयारे छव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-णामसमोयारे १ ठवणासमोयारे २ दव्वसमोयारे ३ खेत्तसमोयारे ४ कालसमोयारे ५ भावसमोयारे ६। णामठवणाओ पुव्वं वण्णियाओ जाव सेत्तं भवियसरीरदव्वसमोयारे। से किं तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वसमोयारे? जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वसमोयारे तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-आयसमोयारे १ परसमोयारे २ तदुभयसमोयारे ३। सव्वदव्वा वि णं आयसमोयारेणं आयभावे समोयरंति। परसमोयारेणं जहा कुंडे बदराणि। तदुभयसमोयारे जहा घरे खंभो आयभावे य, जहा घडे गीवा आयभावे य। अहवा जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वसमोयारे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-आयसमोयारे य १ तदुभयसमोयारे य २। चउसट्ठिया आयसमोयारेणं आयभावे समोयरइ, तदुभयसमोयारेणं बत्तीसियाए समोयरइ आयभावे य। बत्तीसिया आयसमोयारेणं आयभावे समोयरइ, तदुभयसमोयारेणं सोलसियाए समोयरइ आयभावे य। सोलसिया आयसमोयारेणं आयभावे समोयरइ, तदुभयसमोयारेणं अट्ठभाइयाए समोयरइ आयभावे य। अट्ठभाइया आयसमोयारेणं आयभावे समोयरइ, तदुभयसमोयारेणं चउभाइयाए समोयरइ आयभावे य। चउभाइया आयसमोयारेणं आयभावे समोयरइ, तदुभयसमोयारेणं अद्धमाणीए समोयरइ आयभावे य। अद्धमाणी आयसमोयारेणं आयभावे समोयरइ, तदुभयसमोयारेणं माणीए समोयरइ आयभावे य। सेत्तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वसमोयारे। सेत्तं नोआगमओ दव्वसमोयारे।

केवइया णं भंते ! तेयगसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सिद्धेहिं अणंतगुणा, सव्वजीवाणं अणंतभागूणा । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं अणंता, अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ अणंता लोगा, दव्वओ सव्वजीवेहिं अणंतगुणा, सव्वजीववग्गस्स अणंतभागो । केवइया णं भंते ! कम्मगसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । जहा तेयगसरीरा तहा कम्मगसरीरा वि भाणियव्वा । णेरइयाणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते जहा ओहिया ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा । णेरइयाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं असंखिज्जा, असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखिज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलं बिइयवग्गमूलपडुप्पण्णं, अहवा णं अंगुलबिइयवग्गमूलघणपमाणमेत्ताओ सेढीओ । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते णं जहा ओहिया ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा । णेरइयाणं भंते ! केवइया आहारगसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं णत्थि । तत्थ णं जे ते मुक्केल्लया ते जहा ओहिया तहा भाणियव्वा । तेयगकम्मगसरीरा जहा एएसिं चेव वेउव्वियसरीरा तहा भाणियव्वा । असुरकुमाराणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहा णेरइयाणं ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा । असुरकुमाराणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं असंखिज्जा, असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखिज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्गमूलस्स असंखिज्जइभागो । मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालियसरीरा । असुरकुमाराणं भंते ! केवइया आहारगसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २ । जहा एएसिं चेव ओरालियसरीरा तहा भाणियव्वा । तेयगकम्मगसरीरा जहा एएसिं चेव वेउव्वियसरीरा तहा भाणियव्वा । जहा असुरकुमाराणं

से किं तं निक्खेवे? निक्खेवे तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-ओहनिप्फण्णे १ नामनिप्फण्णे २ सुत्तालावगनिप्फण्णे ३। से किं तं ओहनिप्फण्णे? ओहनिप्फण्णे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-अज्झयणे १ अज्झीणे २ आया ३ खवणा ४। से किं तं अज्झयणे? अज्झयणे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-णामज्झयणे १ ठवणज्झयणे २ दव्वज्झयणे ३ भावज्झयणे ४। णामठवणाओ पुव्वं वण्णियाओ। से किं तं दव्वज्झयणे? दव्वज्झयणे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-आगमओ य १ णोआगमओ य २। से किं तं आगमओ दव्वज्झयणे? आगमओ दव्वज्झयणे-जस्स णं 'अज्झयण' त्ति पयं सिक्खियं, ठियं, जियं, मियं, परिजियं जाव एवं जावइया अणुवउत्ता आगमओ तावइयाइं दव्वज्झयणाइं। एवमेव ववहारस्स वि। संगहस्स णं एगो वा अणेगो वा जाव सेत्तं आगमओ दव्वज्झयणे। से किं तं णोआगमओ दव्वज्झयणे? णोआगमओ दव्वज्झयणे तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-जाणयसरीरदव्वज्झयणे १ भवियसरीरदव्वज्झयणे २ जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वज्झयणे ३। से किं तं जाणयसरीरदव्वज्झयणे? २ अज्झयणपयत्थाहिगारजाणयस्स जं सरीरं ववगयचुयचावियचत्तदेहं, जीवविप्पजढं जाव अहो णं इमेणं सरीरसमुस्सएणं जिणदिट्ठेणं भावेणं 'अज्झयणे' त्ति पयं आघवियं जाव उवदंसियं। जहा को दिट्ठंतो? अयं घयकुंभे आसी, अयं महुकुंभे आसी। सेत्तं जाणयसरीरदव्वज्झयणे। से किं तं भवियसरीरदव्वज्झयणे? भवियसरीरदव्वज्झयणे-जे जीवे जोणिजम्मणनिक्खंते, इमेणं चेव आयत्तएणं सरीरसमुस्सएणं जिणदिट्ठेणं भावेणं 'अज्झयणे' त्ति पयं सेयकाले सिक्खिस्सइ न ताव सिक्खइ। जहा को दिट्ठंतो? अयं महुकुंभे भविस्सइ, अयं घयकुंभे भविस्सइ। सेत्तं भवियसरीरदव्वज्झयणे। से किं तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वज्झयणे? २ पत्तयपोत्थयलिहियं। सेत्तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वज्झयणे। सेत्तं णोआगमओ दव्वज्झयणे। सेत्तं दव्वज्झयणे। से किं तं भावज्झयणे? भावज्झयणे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २। से किं तं आगमओ भावज्झयणे? आगमओ भावज्झयणे जाणए उवउत्ते। सेत्तं आगमओ भावज्झयणे। से किं तं नोआगमओ भावज्झयणे? नोआगमओ भावज्झयणे-**गाहा**-अज्झप्पस्साणयणं, कम्माणं अवचओ उवचियाणं। अणुवचओ य नवाणं, तम्हा अज्झयणमिच्छंति॥ १॥ सेत्तं नोआगमओ भावज्झयणे। सेत्तं भावज्झयणे। **सेत्तं अज्झयणे**। से किं तं अज्झीणे? अज्झीणे चउव्विहे पण्णत्ते। तंजहा-णामज्झीणे १ ठवणज्झीणे २ दव्वज्झीणे ३ भावज्झीणे ४। णामठवणाओ पुव्वं वण्णियाओ। से किं तं दव्वज्झीणे? दव्वज्झीणे दुविहे पण्णत्ते। तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २। से किं तं आगमओ दव्वज्झीणे?

रिक्खजोणियाणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं असंखिज्जा, असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखेज्जाओ सेढीओ पयरस्स असंखिज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई अंगुलपढमवग्ग-मूलस्स असंखिज्जइभागो। मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालिया तहा भाणियव्वा। आहारयसरीरा जहा बेइंदियाणं तेयगकम्मसरीरा जहा ओरालिया। मणुस्साणं भंते ! केवइया ओरालियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं सिय संखिज्जा सिय असंखिज्जा, जहण्णपए संखेज्जा, संखिज्जाओ कोडाकोडीओ, एगूणतीसं ठाणाइं तिजमलपयस्स उवरिं चउजमलपयस्स हेट्ठा, अहव णं छट्ठो वग्गो पंचमवग्गपडुप्पण्णो, अहव णं छण्णउइछेयणगदाइरासी, उक्कोसपए असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पि-णीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ उक्कोसपए रूवपक्खित्तेहिं मणुस्सेहिं सेढी अवहीरइ कालओ असंखिज्जाहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं, खेत्तओ अंगुलपढमवग्गमूलं तइय-वग्गमूलपडुप्पण्णं। मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालिया तहा भाणियव्वा। मणुस्साणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं संखिज्जा, समए समए अव-हीरमाणा अवहीरमाणा संखेज्जेणं कालेणं अवहीरंति, नो चेवं णं अवहिया सिया। मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालियाणं मुक्केल्लया तहा भाणियव्वा। मणुस्साणं भंते ! केवइया आहारगसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं सिय अत्थि सिय णत्थि, जइ अत्थि जहण्णेणं एक्को वा दो वा तिण्णि वा, उक्कोसेणं सहस्सपुहत्तं। मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालिया तहा भाणियव्वा। तेयगकम्मगसरीरा जहा एएसिं चेव ओरालिया तहा भाणियव्वा। वाणमंतराणं ओरालियसरीरा जहा णेरइयाणं। वाणमंतराणं भंते ! केवइया वेउव्वियसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! दुविहा पण्णत्ता। तंजहा-बद्धेल्लया य १ मुक्केल्लया य २। तत्थ णं जे ते बद्धेल्लया ते णं असंखेज्जा, असंखेज्जाहिं उस्सप्पिणी-ओसप्पिणीहिं अवहीरंति कालओ, खेत्तओ असंखिज्जाओ सेढीओ पयरस्स असं-खेज्जइभागो, तासि णं सेढीणं विक्खंभसूई संखेज्जजोयणसयवग्गपलिभागो पयरस्स। मुक्केल्लया जहा ओहिया ओरालिया तहा भाणियव्वा। आहारयसरीरा दुविहा वि जहा असुरकुमाराणं तहा भाणियव्वा। वाणमंतराणं भंते ! केवइया तेयगकम्मसरीरा पण्णत्ता ? गोयमा ! जहा एएसिं चेव वेउव्वियसरीरा तहा तेयगकम्मसरीरा भाणि-

लोइए? लोइए तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-सचित्ते १ अचित्ते २ मीसए य ३। से किं तं सचित्ते? सचित्ते तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-दुपयाणं १ चउप्पयाणं २ अपयाणं ३। दुपयाणं-दासाणं दासीणं, चउप्पयाणं-आसाणं हत्थीणं, अपयाणं-अंबाणं अंबाडगाणं आए। सेत्तं सचित्ते। से किं तं अचित्ते? अचित्ते-सुव्वण्णरययमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणाणं (संतसावएज्जस्स) आए। सेत्तं अचित्ते। से किं तं मीसए? मीसए-दासाणं दासीणं आसाणं हत्थीणं समाभरियाउज्जालंकियाणं आए। से तं मीसए। से तं लोइए। से किं तं कुप्पावयणिए? कुप्पावयणिए तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-सचित्ते १ अचित्ते २ मीसए य ३। तिण्णि वि जहा लोइए जाव से तं मीसए। से तं कुप्पावयणिए। से किं तं लोगुत्तरिए? लोगुत्तरिए तिविहे पण्णत्ते। तंजहा-सचित्ते १ अचित्ते २ मीसए य ३। से किं तं सचित्ते? सचित्ते-सीसाणं सि[स्स]स्सिणियाणं। सेत्तं सचित्ते। से किं तं अचित्ते? अचित्ते-पडिग्गहाणं वत्थाणं कंबलाणं पायपंछणाणं आए। सेत्तं अचित्ते। से किं तं मीसए? मीसए-सिस्साणं

लोइए ? लोइए तिविहे पण्णत्ते । तंजहा-सच्चित्ते १ अचित्ते २ मीसए य ३ । से किं तं सच्चित्ते ? सच्चित्ते तिविहे पण्णत्ते । तंजहा-दुपयाणं १ चउप्पयाणं २ अपयाणं ३ । दुपयाणं-दासाणं दासीणं, चउप्पयाणं-आसाणं हत्थीणं, अपयाणं-अंबाणं अंबाडगाणं आए । सेत्तं सच्चित्ते । से किं तं अचित्ते ? अचित्ते-सुव्वण्णरययमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणाणं (संतसावएज्जस्स) आए । सेत्तं अचित्ते । से किं तं मीसए ? मीसए-दासाणं दासीणं आसाणं हत्थीणं समाभरियाउज्जालंकियाणं आए । से तं मीसए । से तं लोइए । से किं तं कुप्पावयणिए ? कुप्पावयणिए तिविहे पण्णत्ते । तंजहा-सच्चित्ते १ अचित्ते २ मीसए य ३ । तिण्णि वि जहा लोइए जाव से तं मीसए । से तं कुप्पावयणिए । से किं तं लोगुत्तरिए ? लोगुत्तरिए तिविहे पण्णत्ते । तंजहा-सच्चित्ते १ अचित्ते २ मीसए य ३ । से किं तं सच्चित्ते ? सच्चित्ते-सीसाणं सि[स्स]सिणियाणं । सेत्तं सच्चित्ते । से किं तं अचित्ते ? अचित्ते-पडिग्गहाणं वत्थाणं कंबलाणं पायपुंछणाणं आए । सेत्तं अचित्ते । से किं तं मीसए ? मीसए-सिस्साणं सिस्सिणियाणं सभंडोवगरणाणं आए । से तं मीसए । से तं लोगुत्तरिए । से तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वाए । सेत्तं नोआगमओ दव्वाए । से तं दव्वाए । से किं तं भावाए ? भावाए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २ । से किं तं आगमओ भावाए ? आगमओ भावाए जाणए उवउत्ते । से तं आगमओ भावाए । से किं तं नोआगमओ भावाए ? नोआगमओ भावाए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-पसत्थे य १ अपसत्थे य २ । से किं तं पसत्थे ? पसत्थे तिविहे पण्णत्ते । तंजहा-णाणाए १ दंसणाए २ चरित्ताए ३ । सेत्तं पसत्थे । से किं तं अपसत्थे ? अपसत्थे चउव्विहे पण्णत्ते । तंजहा-कोहाए १ माणाए २ मायाए ३ लोहाए ४ । से तं अपसत्थे । से तं नोआगमओ भावाए । से तं भावाए । **से तं आए** । से किं तं झवणा ? झवणा चउव्विहा पण्णत्ता । तंजहा-नामज्झवणा १ ठवणज्झवणा २ दव्वज्झवणा ३ भावज्झवणा ४ । नामठवणाओ पुव्वं भणियाओ । से किं तं दव्वज्झवणा ? दव्वज्झवणा दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २ । से किं तं आगमओ दव्वज्झवणा ? आगमओ दव्वज्झवणा-जस्स णं 'झवणे' त्ति पयं सिक्खियं, ठियं, जियं, मियं, परिजियं जाव सेत्तं आगमओ दव्वज्झवणा । से किं तं नोआगमओ दव्वज्झवणा ? नोआगमओ दव्वज्झवणा तिविहा पण्णत्ता । तंजहा-जाणयसरीरदव्वज्झवणा १ भवियसरीरदव्वज्झवणा २ जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ता दव्वज्झवणा ३ । से किं तं जाणयसरीरदव्वज्झवणा ? २ 'झवणा' पयत्थाहिगारजाणयस्स जं सरीरयं ववगयचुयचावियचत्तदेहं सेसं जहा दव्वज्झयणे

मओ भावज्झवणा ? नोआगमओ भावज्झवणा दुविहा पण्णत्ता । तंजहा-पसत्था य १ अपसत्था य २ । से किं तं पसत्था ? पसत्था तिविहा पण्णत्ता । तंजहा-नाणज्झवणा १ दंसणज्झवणा २ चरित्तज्झवणा ३ । सेत्तं पसत्था । से किं तं अपसत्था ? अपसत्था चउव्विहा पण्णत्ता । तंजहा-कोहज्झवणा १ माणज्झवणा २ मायज्झवणा ३ लोहज्झवणा ४ । से तं अपसत्था । से तं नोआगमओ भावज्झवणा । से तं भावज्झवणा । **से तं झवणा । से तं ओहनिप्फण्णे** । से किं तं नामनिप्फण्णे ? नामनिप्फण्णे सामाइए । से समासओ चउव्विहे पण्णत्ते । तंजहा-णामसामाइए १ ठवणासामाइए २ दव्वसामाइए ३ भावसामाइए ४ । णामठवणाओ पुव्वं भणियाओ । दव्वसामाइए वि तहेव जाव सेत्तं भवियसरीरदव्वसामाइए । से किं तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वसामाइए ? २ पत्तयपोत्थयलिहियं । से तं जाणयसरीरभवियसरीरवइरित्ते दव्वसामाइए । से तं नोआगमओ दव्वसामाइए । से तं दव्वसामाइए । से किं तं भावसामाइए ? भावसामाइए दुविहे पण्णत्ते । तंजहा-आगमओ य १ नोआगमओ य २ । से किं तं आगमओ भावसामाइए ? आगमओ भावसामाइए जाणए उवउत्ते । से तं आगमओ भावसामाइए । से किं तं नोआगमओ भावसामाइए ? नोआगमओ भावसामाइए-**गाहाओ**-जस्स सामाणिओ अप्पा, संजमे णियमे तवे । तस्स सामाइयं होइ, इइ केवलिभासियं ॥ १ ॥ जो समो सव्वभूएसु, तसेसु थावरेसु य । तस्स सामाइयं होइ, इइ केवलिभासियं ॥ २ ॥ जह मम ण पियं दुक्खं, जाणिय एमेव सव्वजीवाणं । न हणइ न हणावेइ य, सममणइ तेण सो समणो ॥ ३ ॥ णत्थि य से कोइ वेसो, पिओ य सव्वेसु चेव जीवेसु । एएण होइ समणो, एसो अन्नोऽवि पज्जाओ ॥ ४ ॥ उरगगिरिजलणसागर-, नहतलतरुगणसमो य जो होइ । भमरमियधरणिजलरुह-, रविपवणसमो य सो समणो ॥ ५ ॥ तो समणो जइ सुमणो, भावेण य जइ ण होइ

पिंडेसणाणं अट्ठण्हं पवयणमाऊणं नवण्हं बंभचेरगुत्तीणं दसविहे समणधम्मे समणाणं जोगाणं जं खंडियं जं विराहियं तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ४ ॥ तस्स उत्तरीकरणेणं पायच्छित्तकरणेणं विसोहीकरणेणं विसल्लीकरणेणं पावाणं कम्माणं णिग्घायणट्ठाए ठामि काउसग्गं, अन्नत्थ ऊससिएणं नीससिएणं खासिएणं छीएणं जंभाइएणं उड्डुएणं वायनिसग्गेणं भमलिए पित्तमुच्छाए सुहुमेहिं अंगसंचालेहिं सुहुमेहिं खेलसंचालेहिं सुहुमेहिं दिट्ठिसंचालेहिं एवमाइएहिं आगारेहिं अभग्गो अविराहिओ हुज्ज मे काउसग्गो, जाव अरिहंताणं भगवंताणं नमोक्कारेणं न पारेमि ताव कायं ठाणेणं मोणेणं झाणेणं अप्पाणं वोसिरामि ॥ ५ ॥ **इइ पढमं सामाइयावस्सयं समत्तं ॥ १ ॥**

अह बीयं चउवीसत्थवावस्सयं

लोगस्स उज्जोअगरे, धम्मतित्थयरे जिणे। अरिहंते कित्तइस्सं, चउवीसंपि केवली ॥ १ ॥ उसभमजियं च वंदे, संभवमभिणंदणं च सुमइं च। पउमप्पहं सुपासं, जिणं च चंदप्पहं वंदे ॥ २ ॥ सुविहिं च पुप्फदंतं, सीयलसिज्जंसं वासुपुज्जं च। विमलमणंतं च जिणं, धम्मं संतिं च वंदामि ॥ ३ ॥ कुंथुं अरं च मल्लिं, वंदे मुणिसुव्वयं नमिजिणं च। वंदामिऽरिट्ठनेमिं, पासं तह वद्धमाणं च ॥ ४ ॥ एवं मए अभित्थुआ, विहूयरयमला पहीणजरमरणा। चउवीसंपि जिणवरा, तित्थयरा मे पसीयंतु ॥ ५ ॥ कित्तियवंदियमहिया, जे ए लोगस्स उत्तमा सिद्धा। आरुग्गबोहिलाभं, समाहिवरमुत्तमं दिंतु ॥ ६ ॥ चंदेसु निम्मलयरा, आइच्चेसु अहियं पयासयरा। सागरवरगंभीरा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु ॥ ७ ॥ **इइ बीयं चउवीसत्थवा(उक्कित्तणा)वस्सयं समत्तं ॥ २ ॥**

---

१ 'आगमे तिविहे जाव मूलगुण पंच०' 'इच्छामि ठामि०' 'सव्वस्स वि देवसियं दुच्चिंतियं दुब्भासियं दुच्चिट्ठियं दुपालियं०' एए सव्वे पाढा मोणेणं पढमावस्सयज्झाणे झाइज्जंति, पुणो तइयावस्सयस्स पच्छा चउत्थावस्सयस्साइंसि ठिच्चा फुडुच्चारणपुव्वगं उच्चारिज्जंति। एएसु 'आगमे०' 'इच्छामि ठामि०' एए दुण्णि अद्धमागहीए 'सव्वस्स वि०' अद्धमद्धमागहीए अद्धं भासाए। सेसा भिण्णभिण्णभासाए लब्भंति तत्तोऽवसेया।

सो, उवएसो सो नओ नाम ॥ ५ ॥ सव्वेसिं पि नयाणं, बहुविहवत्तव्वयं निसामित्ता। तं सव्वनयविसुद्धं, जं चरणगुणट्ठिओ साहू ॥ ६ ॥ सेत्तं नए ॥ १५३ ॥ अणुओगदारा समत्ता ॥ सोलससयाणि चउरुत्तराणि, होंति उ इमंमि गाहाणं। दुसहस्समणुट्ठभ-, छंदवित्तपमाणओ भणिओ ॥ १ ॥ णयरमहादारा इव, उवक्कमदाराणुओगवरदारा। अक्खरबिंदुगमत्ता, लिहिया दुक्खक्खयट्ठाए ॥ २ ॥

॥ अणुओगदारसुत्तं समत्तं ॥

तस्समत्तीए

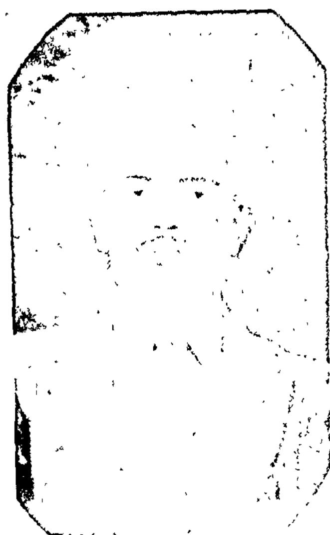
चत्तारि मूलसुत्ताइं समत्ताइं

॥ सव्वसिलोगसंखा ५५०० ॥



दारासंघट्टणाए मंडीपाहुडियाए बलिपाहुडियाए ठवणापाहुडियाए संकिए सहसागारिए अणेसणाए पाणेसणाए पाणभोयणाए बीयभोयणाए हरियभोयणाए पच्छाकम्मियाए पुरेकम्मियाए अदिट्ठहडाए दगसंसट्ठहडाए रयसंसट्ठहडाए पारिसाडणियाए पारिट्ठावणियाए ओहासणभिक्खाए जं उग्गमेणं उप्पायणेसणाए अपरिसुद्धं परिग्गहियं परिभुत्तं वा जं न परिट्ठवियं तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ४ ॥ पडिक्कमामि चाउक्कालं सज्झायस्स अकरणयाए उभओकालं भंडोवगरणस्स अप्पडिलेहणाए दुप्पडिलेहणाए अप्पमज्जणाए दुप्पमज्जणाए अइक्कमे वइक्कमे अइयारे अणायारे जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ५ ॥ पडिक्कमामि एगविहे असंजमे । पडिक्कमामि दोहिं बंधणेहिं–रागबंधणेणं, दोसबंधणेणं । पडिक्कमामि तिहिं दंडेहिं–मणदंडेणं, वयदंडेणं, कायदंडेणं । पडिक्कमामि तिहिं गुत्तीहिं–मणगुत्तीए, वयगुत्तीए, कायगुत्तीए । पडिक्कमामि तिहिं सल्लेहिं–मायासल्लेणं, नियाणसल्लेणं, मिच्छादंसणसल्लेणं । पडिक्कमामि तिहिं गारवेहिं–इड्ढीगारवेणं, रसगारवेणं, सायागारवेणं । पडिक्कमामि तिहिं विराहणाहिं–णाणविराहणाए, दंसणविराहणाए, चरित्तविराहणाए । पडिक्कमामि चउहिं कसाएहिं–कोहकसाएणं, माणकसाएणं, मायाकसाएणं, लोभकसाएणं । पडिक्कमामि चउहिं सण्णाहिं–आहारसण्णाए, भयसण्णाए, मेहुणसण्णाए, परिग्गहसण्णाए । पडिक्कमामि चउहिं विकहाहिं–इत्थीकहाए, भत्तकहाए, देसकहाए, रायकहाए । पडिक्कमामि चउहिं झाणेहिं–अट्टेणं झाणेणं, रुद्देणं झाणेणं, धम्मेणं झाणेणं, सुक्केणं झाणेणं । पडिक्कमामि पंचहिं किरियाहिं–काइयाए, अहिगरणियाए, पाउसियाए, परितावणियाए, पाणाइवायकिरियाए । पडिक्कमामि पंचहिं कामगुणेहिं–सद्देणं, रूवेणं, गंधेणं, रसेणं, फासेणं । पडिक्कमामि पंचहिं महव्वएहिं–सव्वाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, सव्वाओ मुसावायाओ वेरमणं, सव्वाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, सव्वाओ मेहुणाओ वेरमणं, सव्वाओ परिग्गहाओ वेरमणं । पडिक्कमामि पंचहिं समिईहिं–इरियासमिईए, भासासमिईए, एसणासमिईए, आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिईए, उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिठावणियासमिईए । पडिक्कमामि छहिं जीवनिकाएहिं–पुढविकाएणं, आउकाएणं, तेउकाएणं, वाउकाएणं, वणस्सइकाएणं, तसकाएणं । पडिक्कमामि छहिं लेसाहिं–किण्हलेसाए, णीललेसाए, काउलेसाए, तेउलेसाए, पम्हलेसाए, सुक्कलेसाए । पडिक्कमामि सत्तहिं भयट्ठाणेहिं, अट्ठहिं मयट्ठाणेहिं, णवहिं बंभचेरगुत्तीहिं, दसविहे समणधम्मे, एगारसहिं उवासगपडिमाहिं, बारसहिं भिक्(खू)खुपडिमाहिं, तेरसहिं किरियाठाणेहिं, चउ(द)दसहिं भूयगामेहिं, पण्णरसहिं परमाहम्मिएहिं, सोलसहिं गाहासोलस(ए)हिं, सत्तरसविहे असंजमे, अट्ठारसविहे

श्रीजैनागमप्रकाशकसमितिके 'सदस्य'



परिचय-आप घोड़नदी (पूना) के एक प्रतिष्ठित सज्जन माने जाते हैं। आपका व्यवसाय मुंबई तक होता है। आपका विवाह पनवेलमें बाफणा परिवारमें श्रीरतनचंदजी सा० [illegible] भगिनी श्रीगंगाबाईजी से हुआ है। श्रीगंगाबहनजी जिनधर्ममें पूर्ण आस्था (श्रद्धा) रखती है। परिपूर्ण धर्म निष्ठामें मग्न है। आपकी प्रकृति शांत और सौम्य है। सामायिक प्रतिक्रमणादि धर्मक्रिया निराबाध रूपसे सदैव करती रहती है। प्रतिवर्ष मुनिदर्शनका लाभ लिया करती है।

श्रीमान् सेठ शोभाचंद भूमरमल बाफणा घोड़नदी-सिरूर (पूना)

सेठ साहेब सामाजिक सेवाके कार्यमें यथाशक्य खूब योग देते रहते हैं। आपकी धार्मिक सेवाएं भी स्तुत्य है। आप २००) की सेवाका योग देकर समितिके 'सदस्य' बने हैं। आप कुचेरा (मारवाड़) के निवासी हैं। महाराष्ट्रमें आप बड़ी प्रतिष्ठा प्राप्त हैं। आपकी गुरुभक्ति प्रशंसनीय है। आपने कई संस्थाओंकी आर्थिक सेवाएं बड़े उदार भावोंसे की हैं।

इसके अतिरिक्त आप धार्मिक परिक्षा बोर्ड पाथर्डीके संरक्षक भी है तथा चींचवड़ विद्यालयमें १०००) दान देकर एक कमरा आपने अपने पिताश्रीकी स्मृतिमें बनवाया है। साधु मुनिराज और महासतियोंके शिक्षणके प्रीत्यर्थ आपके पिताश्रीने आर्थिक सेवाका योग देकर खूब धर्मदलाली की हैं। इसी प्रकार आपकी माताश्री भी धर्मपरायणा हैं तथा अहर्निश समभाव रसके प्रवाहमें प्रवाहित होती हुई श्राविका धर्मकी दृढ़ताका एक सुंदर आदर्श स्थापन कर रही हैं।

जावंति केइ साहू रयहरणगुच्छगपडिग्गहधारा पंचमहव्वयधारा अट्ठारससहस्ससीलंगधारा अक्खयायारचरित्ता ते सव्वे सिरसा मणसा मत्थएण वंदामि ॥ ७ ॥ [आयरियउवज्झाए, सीसे साहम्मिए कुलगणे य। जे मे केइ कसाया, सव्वे तिविहेण खामेमि ॥ १ ॥ सव्वस्स समणसंघस्स, भगवओ अंजलिं करिय सीसे । सव्वं खमावइत्ता, खमामि सव्वस्स अहयंपि ॥ २ ॥ सव्वस्स जीवरासिस्स, भावओ धम्मनिहियनियचित्तो । स० ॥ ३ ॥] खामेमि सव्वजीवे, सव्वे जीवा खमंतु मे । मित्ती मे सव्वभूएसु, वेरं मज्झं न केणइ ॥ १ ॥ एवमहं आलोइय, निंदिय गरहिय दुगंछिउं सम्मं । तिविहेण पडिक्कंतो, वंदामि जिणे चउव्वीसं ॥ २ ॥ इच्छामि खमासमणो ! वंदिउं जाव अप्पाणं वोसिरामि । [दुक्खुत्तो] ॥ **इइ चउत्थं पडिक्कमणावस्सयं समत्तं ॥ ४ ॥**

अह पंचमं काउस्सग्गावस्सयं

आवस्सही० । करेमि भंते !० । इच्छामि ठामि काउसग्गं जाव समणाणं जोगाणं··· तस्स मिच्छामि दुक्कडं । तस्स उत्तरीकरणेणं जाव अप्पाणं वोसिरामि ॥ **इइ पंचमं काउस्सग्गावस्सयं समत्तं ॥ ५ ॥**

अह छट्ठं पच्चक्खाणावस्सयं

दसविहे पच्चक्खाणे प० तं०-अणागयमइक्कंतं, कोडीसहियं नियंटियं चेव । सागारमणागारं, परिमाणकडं निरवसेसं ॥ १ ॥ संकेयं चेव अद्धाए, पच्चक्खाणं भवे दसहा । **णमोक्कारसहियपच्चक्खाणं**-उग्गए सूरे णमुक्कारसहियं पच्चक्खामि, चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं

---

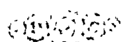
१ कोट्ठगगयाओ गाहाओ पच्चन्तरेऽहिगाओ लब्भंति । २ तओ चउरासीलक्खजीवजोणिखमावणापाढं पढिज्जइ । तओ-। अन्नमओऽन्नत्तोऽवसेओ । ३ अस्स ठाणे केइ 'इच्छामि णं भंते ! तुब्भेहिं अब्भणुण्णाए समाणे देवसिय० विसोहणट्ठं करेमि काउसग्गं' ति उच्चारंति । ४ त्ति पढित्तु काउस्सग्गं कुज्जा, तत्थ 'लोगस्स उज्जोयगरे०' वारचउक्कं मणसा संसमरित्तु सणमोकारं काउस्सग्गं पारित्तु पुणरवि 'लोगस्स उज्जोयगरे०' फुडमुच्चारेज्ज, तओ 'इच्छामि खमासमणो०' दुक्खुत्तो पढिऊण गुरुसमीवे पच्चक्खेज्ज-त्ति विही ।

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

सुत्तागमे

तत्थ णं

आवस्सयसुत्तं



अह पढमं सामाइयावस्सयं

ओमित्याणी इच्छाकारेण संदिसह भगवं ! देव(सी)सियं पडिक्कमणं ठाएमि, देवसियणाणदंसणचरित्ततवअइयारचिंतणट्ठं करेमि काउस्सग्गं ॥ १ ॥ णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आयरियाणं, णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्वसाहूणं ॥ २ ॥ करेमि भंते ! सामाइयं सव्वं सावज्जं जोगं पच्चक्खामि, जावज्जीवाए तिविहं तिविहेणं मणेणं वायाए काएणं न करेमि न कारवेमि करंतंपि अण्णं न समणुजाणामि, तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि ॥ ३ ॥ इच्छामि (पडिक्कमिउं-ओ) ठामि काउस्सग्गं, जो मे देवसिओ अइयारो कओ काइओ वाइओ माणसिओ उस्सुत्तो उम्मग्गो अकप्पो अकरणिज्जो दुज्झाओ दुविचिंतिओ अणायारो अणिच्छियव्वो असमणपाउग्गो नाणे तह दंसणे चरित्ते सुए सामाइए तिण्हं गुत्तीणं चउण्हं कसायाणं पंचण्हं महव्वयाणं छण्हं जीवनिकायाणं सत्तण्हं

---

१ विही-पुव्विं 'तिक्खुत्तो आयाहिणं पयाहिणं करेमि वंदामि नमंसामि सक्कारेमि सम्माणेमि कल्लाणं मंगलं देवयं चेइयं पज्जुवासामि मत्थएण वंदामि ।' इच्चणेण पाढेण गुरुवंदणा किज्जइ । पच्छा णमोक्कारुच्चारो 'एसो पंच णमोक्कारो, सव्वपावप्पणासणो । मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं ॥' जुत्तो । पुणो 'तिक्खुत्तो०' तओ 'इच्छाकारेण०' 'तस्सुत्तरीकरणेणं०' जाव 'ठाणेणं' फुडुच्चारणं किच्चा 'मोणेणं०' अप्फुडं अव्वत्तं मणंसि 'इरियावहियाए' मग्गविसोही कीरइ । णमोक्कारुच्चारणेण झाणं पारिज्जइ, पच्छा 'लोगस्स०' फुडुच्चारो, तओ दुण्णि 'णमोऽत्थु णं०' । पच्छा सामाइयं पढमावस्सयं पारब्भइ । पत्तेयावस्सयसमत्तीए 'तिक्खुत्तो०' इच्चणेण गुरुं वंदित्तु अण्णस्सावस्सयस्साणा घेप्पइ त्ति विसेसो । २ 'राइय' 'पक्खिय' 'चाउम्मासिय' 'संवच्छरिय' । ३ केइ विहीए 'तिक्खुत्तो०' पच्छा केवलं णमोक्कारं णवपयमिच्छंति, 'करेमि भंते !०' इच्चणेण पढमावस्सयं पारब्भंति य ।

आ० अ० ४] अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं लेवालेवेणं गिहत्थसंसट्ठेणं उक्खित्तविवेगेणं पडुच्चमक्खिएणं पारिट्ठावणियागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ १० ॥ [**पच्चक्खाणपारणविही**–उग्गए सूरे णमुक्कारसहियं···जाव पच्चक्खाणं कयं तं सम्मं काएण फासियं पालियं सोहियं तीरियं किट्टियं आराहियं अणुपालियं भवइ जं च न भवइ तस्स मिच्छामि दुक्कडं।] णमोऽत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं आइगराणं तित्थयराणं सयंसंबुद्धाणं पुरिसुत्तमाणं पुरिससीहाणं पुरिसवरपुंडरियाणं पुरिसवरगंधहत्थीणं लोगुत्तमाणं लोगनाहाणं लोगहियाणं लोगपईवाणं लोगपज्जोयगराणं अभयदयाणं चक्खुदयाणं मग्गदयाणं सरणदयाणं जीवदयाणं बोहिदयाणं धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मनायगाणं धम्मसारहीणं धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टीणं, दी(वो)त्ता(णं)णसरणगइपइट्ठाणं अप्पडिहयवरनाणदंसणधराणं वियट्टछउमाणं जिणाणं जावयाणं तिण्णाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं मुत्ताणं मोयगाणं सव्वण्णूणं सव्वदरिसीणं सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तिसिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपत्ताणं नमो जिणाणं जियभयाणं [ठाणं संपाविउ³का(मस्स)माणं] ॥ इइ छट्ठं पच्चक्खाणावस्सयं समत्तं⁴ ॥ ६ ॥

॥ आवस्सयसुत्तं समत्तं ॥

तस्समत्तीए

बत्तीसं सुत्ताइं समत्ताइं

तेसिं समत्तीए

सुत्तागमे समत्ते

॥ सव्वसिलोगसंखा ७२००० ॥

---

१ एएसिं दसण्हं पच्चक्खाणाणं अण्णयरं पच्चक्खाणं पच्चक्खित्ता सामाइयमाइयाणं छण्हमावस्सयाणमइयारसंबंधिमिच्छामि–दुक्कडं दच्चा दुक्खुत्तो 'णमोऽत्थु णं०' दाहिणं जाणुं भूमीए संठवित्तु वामं जाणुं उड्ढं किच्चा पंजलिउडेण पढिज्जइ। राइए पच्चक्खाणे जहाधारणत्ति विसेसो। २ अरिहापक्खे। ३ पच्चंतरे छट्ठावस्सयपच्छा एसो पाढोऽहिगो लब्भइ–इच्छाकारेण संदिसह भगवं अ० अब्भितरं देवसियं खामेउ इच्छं खामेमि देवसियं जं किंचि य अपत्तियं प० भत्तपाणे विणए वेयावच्चे आलावे संलावे उच्चासणे समासणे अंतरभासाए अपरभासाए जं किंचि मज्झं विणयपरिहीणं सुहुमं (थोवं) वा बायरं (बहुं) वा तुब्भे जाणह अहं न जाणामि तस्स मिच्छामि दुक्कडं। ४ सावयावस्सयविसए परिसिट्ठं दट्ठव्वं।

रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कंते तं रयणिं च णं सा देवाणंदा माहणी सयणिज्जंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ इमेयारूवे उराले कल्लाणे सिवे धन्ने मंगल्ले सस्सिरीए चउद्दसमहासुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा, तंजहा–गयं[1]-वसहं[2]-सीहं[3]-अभिसेयं[4]-दामं[5]-ससि[6]-दिणयरं[7] झयं[8] कुंभं[9]। पउमसरं[10]-सागरं[11]-विमाणभवणं[12]-रयणुच्चय[13]-सिहिं[14] च ॥ १ ॥ ४ ॥ तए णं सा देवाणंदा माहणी इमे एयारूवे उराले कल्लाणे सिवे धन्ने मंगल्ले सस्सिरीए चउद्दसमहासुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिया पीइमणा परमसोमणस्सिया हरिसवसविसप्पमाणहियया धाराहयकलंबुगंपिव[1] समुस्ससियरोमकूवा सुमिणुग्गहं करेइ सुमिणुग्गहं करित्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ अब्भुट्ठित्ता अतुरियमचवलमसंभंताए रायहंससरिसीए गईए जेणेव उसभदत्ते माहणे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता उसभदत्तं माहणं जएणं विजएणं वद्धावेइ वद्धावित्ता भद्दासणवरगया आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी–एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! अज्ज सयणिज्जंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ इमेयारूवे उराले जाव सस्सिरीए चउद्दसमहासुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा, तंजहा–गय जाव सिहिं च। एएसिं देवाणुप्पिया ! उरालाणं जाव चउद्दसण्हं महासुमिणाणं के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ? ॥ ५–६ ॥ तए णं से उसभदत्ते माहणे देवाणंदाए माहणीए अंतिए एयमट्ठं सुच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए धाराहयकलंबुयंपिव समुस्ससियरोमकूवे सुमिणुग्गहं करेइ करित्ता ईहं अणुपविसइ अणुपविसित्ता अप्पणो साहाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविण्णाणेणं तेसिं सुमिणाणं अत्थुग्गहं करेइ २ त्ता देवाणंदं माहणिं एवं वयासी–उराला णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणा दिट्ठा, कल्लाणा (णं) सिवा धन्ना मंगल्ला सस्सिरीया आरुग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगल्लकारगा णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणा दिट्ठा, तंजहा–अत्थलाभो देवाणुप्पिए ! भोगलाभो देवाणुप्पिए ! पुत्तलाभो देवाणुप्पिए ! सुक्खलाभो देवाणुप्पिए !, एवं खलु तुमं देवाणुप्पिए ! नवण्हं मासाणं बहुपडिपुन्नाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं विइक्कंताणं सुकुमालपाणिपायं अहीणपडिपुन्नपंचिंदियसरीरं लक्खणवंजणगुणोववेयं माणुम्माणपमाणपडिपुन्नसुजायसव्वंगसुंदरंगं ससिसोमाकारं कंतं पियदंसणं सुरूवं देवकुमारोवमं दारयं पयाहिसि ॥ ७–८ ॥ से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विन्नायपरिणयमित्ते जोव्वणगमणुप्पत्ते रिउव्वेयजउव्वेयसामवेयअथव्वणवेय–इतिहासपंचमाणं नि(ग)घंटुछट्ठाणं संगोवंगाणं सरहस्साणं चउण्हं वेयाणं सारए, पारए (वारए), धारए, सडंगवी, सट्ठितंतवि

१ कयंबपुप्फगंपिव ।

चवलं सुरिंदे सीहासणाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता वेरुलि-यवरिट्ठरिट्ठंजणनिउणो(वचि)वियमिसिमिसिंतमणिरयणमंडियाओ पाउयाओ ओमु-यइ २ त्ता एगसाडियं उत्तरासंगं करेइ २ त्ता अंजलिमउलियग्गहत्थे तित्थयराभिमुहे सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ २ त्ता वामं जाणुं अंचेइ २ त्ता दाहिणं जाणुं धरणियलंसि साहट्टु तिक्खुत्तो मुद्धाणं धरणियलंसि निवेसेइ २ त्ता ईसिं पच्चुन्नमइ २ त्ता करयल-परिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु एवं वयासी–नमुत्थु णं अरिहंताणं भगवंताणं, आइगराणं तित्थयराणं सयंसंबुद्धाणं, पुरिसुत्तमाणं पुरिससीहाणं पुरिसवर-पुंडरीयाणं पुरिसवरगंधहत्थीणं, लोगुत्तमाणं लोगनाहाणं लोगहियाणं लोगपईवाणं लोगपज्जोयगराणं, अभयदयाणं चक्खुदयाणं मग्गदयाणं सरणदयाणं जीवदयाणं बोहिदयाणं, धम्मदयाणं धम्मदेसयाणं धम्मनायगाणं धम्मसारहीणं धम्मवरचाउरंत-चक्कवट्टीणं, दीवो ताणं सरणं गई पइट्ठा अप्पडिहयवरनाणदंसणधराणं वियट्टछउमाणं, जिणाणं जावयाणं तिन्नाणं तारयाणं बुद्धाणं बोहयाणं मुत्ताणं मोयगाणं सव्वण्णूणं सव्वदरिसीणं, सिवमयलमरुयमणंतमक्खयमव्वाबाहमपुणरावित्तिसिद्धिगइनामधेयं ठाणं संपत्ताणं, नमो जिणाणं जियभयाणं। नमुत्थु णं समणस्स भगवओ महावीरस्स आइगरस्स चरमतित्थयरस्स पुव्वतित्थयरनिद्दिट्ठस्स जाव संपाविउकामस्स। वंदामि णं भगवंतं तत्थगयं इहगए, पास(इ)उ मे भगवं तत्थगए इहगयंतिकट्टु समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ वं० २ त्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहे सन्निसन्ने ॥ १४–१५॥

तए णं तस्स सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो अयमेयारूवे अज्झत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्पज्जित्था–न खलु एयं भूयं, न एयं भव्वं, न एयं भविस्सं, जं णं अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा अंतकुलेसु वा जाव भिक्खागकुलेसु वा माहणकुलेसु वा आयाइंसु वा आयाइंति वा आयाइस्संति वा ॥ १६ ॥ एवं खलु अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा उग्गकुलेसु वा भोगकुलेसु वा राइण्णकुलेसु वा इक्खागकुलेसु वा खत्तियकुलेसु वा हरिवंसकुलेसु वा अन्नयरेसु वा तहप्पगारेसु विसुद्धजाइकुलवंसेसु आयाइंसु वा आयाइंति वा आयाइस्संति वा ॥ १७ ॥ अत्थि पुण एसे वि भावे लोगच्छेरयभूए अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं विइक्कंताहिं समुप्पज्जइ, नामगुत्तस्स वा कम्मस्स अक्खी-णस्स अवेइयस्स अणिज्जिण्णस्स उदएणं, जं णं अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा अंतकुलेसु वा जाव माहणकुलेसु वा आयाइंसु वा ३, कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कमिंसु वा वक्कमंति वा वक्कमिस्संति वा, नो चेव णं जोणीजम्मणनिक्खम-णेणं निक्खमिंसु वा निक्खमंति वा निक्खमिस्संति वा ॥ १८ ॥ अयं च णं समणे

अबंभे, एगूणवीसाए णायज्झयणेहिं, वीसाए असमाहि(ट्ठा)णेहिं, एगवीसाए सबलेहिं, बावीसाए परीसहेहिं, तेवीसाए सुयगडज्झयणेहिं, चउवीसाए देवेहिं, पणवीसाए भावणाहिं, छव्वीसाए दसाकप्पववहाराणं उद्देसणकाले(णे)हिं, सत्तावीसाए अणगारगुणेहिं, अट्ठावीसाए आयारपकप्पेहिं, एगूणतीसाए पावसुय(प)संगेहिं, तीसाए मोहणीयट्ठाणेहिं, एगतीसाए सिद्धाइगुणेहिं, बत्तीसाए जोगसंगहेहिं, तेत्तीसाए आसायणाहिं: अरिहंताणं आसायणाए, सिद्धाणं आसायणाए, आयरियाणं आसायणाए, उवज्झायाणं आसायणाए, साहूणं आसायणाए, साहुणीणं आसायणाए, सावयाणं आसायणाए, सावियाणं आसायणाए, देवाणं आसायणाए, देवीणं आसायणाए, इहलोगस्स आसायणाए, परलोगस्स आसायणाए, केवलीणं आसायणाए, केवलिपण्णत्तस्स धम्मस्स आसायणाए, सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स आसायणाए, सव्वपाणभूयजीवसत्ताणं आसायणाए, कालस्स आसायणाए, सुयस्स आसायणाए, सुयदेवयाए आसायणाए, वायणायरियस्स आसायणाए; जं वाइद्धं, वच्चामेलियं, हीणक्खरं, अच्चक्खरं, पयहीणं, विणयहीणं, जोगहीणं, घोसहीणं, सुट्ठुदिण्णं, दुट्ठुपडिच्छियं, अकाले कओ सज्झाओ, काले न कओ सज्झाओ, असज्झाइए सज्झाइयं, सज्झाइए न सज्झाइयं; तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ६ ॥ नमो चउवीसाए तित्थयराणं उसभाइमहावीरपज्जवसाणाणं । इणमेव णिग्गंथं पावयणं सच्चं, अणुत्तरं, केवलियं, पडिपुण्णं, नेयाउयं, संसुद्धं, सल्लगत्तणं, सिद्धिमग्गं, मुत्तिमग्गं, निज्जाणमग्गं, निव्वाणमग्गं, अवितहमविसं(द्धिं)धि, सव्वदुक्खपहीणमग्गं । इत्थं ठिया जीवा सिज्झंति, बुज्झंति, मुच्चंति, परिनिव्वायंति, सव्वदुक्खाणमंतं करेंति । तं धम्मं सद्दहामि, पत्तियामि, रोएमि, फासेमि, पालेमि, अणुपालेमि । तं धम्मं सद्दहंतो, पत्तियंतो, रोयंतो, फासंतो, पालंतो, अणुपालंतो । तस्स धम्मस्स केवलिपण्णत्तस्स अब्भुट्ठिओमि आराहणाए, विरओमि विराहणाए । असंजमं परियाणामि, संजमं उवसंपज्जामि । अबंभं परियाणामि, बंभं उवसंपज्जामि । अकप्पं परियाणामि, कप्पं उवसंपज्जामि । अन्नाणं परियाणामि, नाणं उवसंपज्जामि । अकिरियं परियाणामि, किरियं उवसंपज्जामि । मिच्छत्तं परियाणामि, सम्मत्तं उवसंपज्जामि । अबोहिं परियाणामि, बोहिं उवसंपज्जामि । अमग्गं परियाणामि, मग्गं उवसंपज्जामि । जं संभरामि जं च न संभरामि, जं पडिक्कमामि जं च न पडिक्कमामि, तस्स सव्वस्स देवसियस्स अइयारस्स पडिक्कमामि । समणोऽहं संजयविरयपडिहयपच्चक्खायपावकम्मे अनियाणो दिट्ठिसंपण्णो मायामोसविवज्जिओ, अड्ढाइज्जेसु दीवसमुद्देसु पण्णरससु कम्मभूमिसु

१ समणीओ 'समणी हं' '°कम्मा' '°णा' '°ण्णा' '°या' त्ति बोल्लंति ।

देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छीओ खत्तियकुंडग्गामे नयरे नायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स भारियाए तिसलाए खत्तियाणीए वासिट्ठसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहराहि, जे वि य णं से तिसलाए खत्तियाणीए गब्भे तं पि य णं देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहराहि साहरित्ता मम एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणाहि ॥ २५ ॥ तए णं से हरिणेगमेसी अग्गाणीयाहिवई देवे सक्केणं देविंदेणं देवरन्ना एवं वुत्ते समाणे हट्ठतुट्ठ जाव हियए करयल जाव त्तिकट्टु एवं जं देवो आणवेइत्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणेइ २ त्ता सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो अंतियाओ पडिनिक्खमइ २ त्ता उत्तरपुरच्छिमं दिसीभागं अवक्कमइ २ त्ता वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता संखिज्जाइं जोयणाइं दंडं निसिरइ, तंजहा–रयणाणं वइराणं वेरुलियाणं लोहियक्खाणं मसारगल्लाणं हंसगब्भाणं पुलयाणं सोगंधियाणं जोईरसाणं अंजणाणं अंजणपुलयाणं जायरूवाणं सुभगाणं अंकाणं फलिहाणं रिट्ठाणं, अहाबायरे पुग्गले परिसाडेइ २ त्ता अहासुहुमे पुग्गले परिया(ए)दियइ २ त्ता दुच्चंपि वेउव्वियसमुग्घाएणं समोहणइ २ त्ता उत्तरवेउव्वियरूवं विउव्वइ २ त्ता ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए ज(य)इणाए उद्धुयाए सिग्घाए दिव्वाए देवगईए वीइवयमाणे २ तिरियमसंखिज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जेणेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे जेणेव माहणकुंडग्गामे नयरे जेणेव उसभदत्तस्स माहणस्स गिहे जेणेव देवाणंदा माहणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता आलोए समणस्स भगवओ महावीरस्स पणामं करेइ २ त्ता देवाणंदाए माहणीए सपरिजणाए ओसोवणिं दलइ २ त्ता असुभे पुग्गले अवहरइ २ त्ता सुभे पुग्गले पक्खिवइ २ त्ता अणुजाणउ मे भ(य)गवंतिकट्टु समणं भगवं महावीरं अव्वाबाहं अव्वाबाहेणं दिव्वेणं पहावेणं करयलसंपुडेणं गिण्हइ २ त्ता जेणेव खत्तियकुंडग्गामे नयरे जेणेव सिद्धत्थस्स खत्तियस्स गिहे जेणेव तिसला खत्तियाणी तेणेव उवागच्छइ २ त्ता तिसलाए खत्तियाणीए सपरिजणाए ओसोवणिं दलइ २ त्ता असुभे पुग्गले अवहरइ २ त्ता सुभे पुग्गले पक्खिवइ २ त्ता समणं भगवं महावीरं अव्वाबाहं अव्वाबाहेणं तिसलाए खत्तियाणीए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहरइ (२ त्ता), जे वि य णं से तिसलाए खत्तियाणीए गब्भे तं पि य णं देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहरइ २ त्ता जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिगए ॥ २६–२७ ॥ ताए उक्किट्ठाए तुरियाए चवलाए चंडाए जवणाए उद्धुयाए सिग्घाए दिव्वाए देवगईए तिरियमसंखिज्जाणं दीवसमुद्दाणं मज्झंमज्झेणं जोयणसाहस्सिएहिं विग्गहेहिं

सहसागारेणं वोसिरामि ॥ १ ॥ **पोरिसीपच्चक्खाणं**-उग्गए सूरे पोरिसिं पच्चक्खामि, चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं पच्छण्णकालेणं दिसामोहेणं साहुवयणेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि [एवं सड्ढपोरिसियं] ॥ २ ॥ **पुरिमड्ढपच्चक्खाणं**-उग्गए सूरे पुरिमड्ढं पच्चक्खामि, चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं पच्छण्णकालेणं दिसामोहेणं साहुवयणेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ ३ ॥ **एगासण[बेआसण]-पच्चक्खाणं**-[उग्गए सूरे] एगासणं [बेआसणं] पच्चक्खामि, [दुविहं] तिविहंपि आहारं असणं [पाणं] खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं [सहसागारेणं] सागारियागारेणं आ[उट्ट]उंटणपसारणेणं गुरुअब्भुट्ठाणेणं पारिट्ठावणियागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ ४ ॥ **एगट्ठाणपच्चक्खाणं**-एगट्ठाणं पच्चक्खामि, चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं सागारियागारेणं गुरुअब्भुट्ठाणेणं पारिट्ठावणियागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ ५ ॥ **आयंबिलपच्चक्खाणं**-आयंबिलं पच्चक्खामि, [तिविहंपि आहारं असणं खाइमं साइमं] अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं लेवालेवेणं गिहत्थसंसट्ठेणं उक्खित्तविवेगेणं पारिट्ठावणियागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ ६ ॥ **अभत्तट्ठ[चउव्विहाहार]पच्चक्खाणं**-उग्गए सूरे अभत्तट्ठं पच्चक्खामि, चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं पारिट्ठावणियागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ ७-१ ॥ **अभत्तट्ठ[तिविहाहार]-पच्चक्खाणं**-उग्गए सूरे अभत्तट्ठं पच्चक्खामि तिविहंपि आहारं असणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं पारिट्ठावणियागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं पाणस्स लेवेण वा अच्छेण वा बहुलेण वा ससित्थेण वा असित्थेण वा वोसिरामि ॥ ७-२ ॥ **दिवसचरिम[भवचरिम]पच्चक्खाणं**-दिवसचरिमं [भवचरिमं वा] पच्चक्खामि, चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ ८ ॥ **अभिग्गहपच्चक्खाणं**-[उग्गए सूरे गंठिसहियं मुट्ठिसहियं] अभिग्गहं पच्चक्खामि, चउव्विहंपि आहारं असणं पाणं खाइमं साइमं अण्णत्थऽणाभोगेणं सहसागारेणं महत्तरागारेणं सव्वसमाहिवत्तियागारेणं वोसिरामि ॥ ९ ॥ **निव्विगइयपच्चक्खाणं**-[उ० सू०] निव्विगइयं पच्चक्खामि [च०

पडिवुद्धा, तंजहा–गयं–वसहं–सीहं–अभिसेयं–दामं–ससि–दिणयरं झयं कुंभं। पउमसरं–सागरं–विमाणभवणं–रयणुच्चयं–सिहिं च ॥ १ ॥ ३२ ॥ तए णं सा तिसला खत्तियाणी तप्पढमयाए [तओ य]चउदंतमूसियगलियविपुलजलहरहारनिकरखीरसागरससंककिरणदगरयरययमहासेलपंडु(रं)रतरं समागयमहुयरसुगंधदाणवासियक(पो)-वोलमूलं देवरायकुंज(रं)र(व)वरप्पमाणं पिच्छइ सजलघणविपुलजलहरगज्जियगंभीरचारुघोसं इभं सुभं सव्वलक्खणकयंबियं वरोरुं १ ॥ ३३ ॥ तओ पुणो धवलकमलपत्तपयराइरेगरूवप्पभं पहासमुदओवहारेहिं सव्वओ चेव दीवयंतं अइसिरिभरपिल्लणाविसप्पंतकंतसोहंतचारुककुहं तणुसु(द्ध)इसुकुमाललोमनिद्धच्छविं थिरसुवद्धमंसलोवच्चियलट्ठसुविभत्तसुंदरंगं पिच्छइ घणवट्टलट्ठउक्किट्ठविसिट्ठतुप्पग्गतिक्खसिंगं दंतं सिवं समाणसोहंतसुद्धदंतं वसहं अमियगुणमंगलमुहं २ ॥ ३४ ॥ तओ पुणो हारनिकरखीरसागरससंककिरणदगरयरययमहासेलपंडु(रतरं)रंगं रमणिज्जपिच्छणिज्जं थिरलट्ठपउट्ठवट्टपीवरसुसिलिट्ठविसिट्ठतिक्खदाढाविडंवियमुहं परिकम्मियजच्चकमलकोमलपमाणसोहंतलट्ठउट्ठं रत्तुप्पलपत्तमउयसुकुमालतालुनिल्लालियग्गजीहं मूसागयपवरकणगतावियआवत्तायंतवट्टतडियविमलसरिसनयणं विसालपीवरवरोरुं पडिपुन्नविमलखंधं मिउविसयसुहुमलक्खणपसत्थविच्छिन्नकेसराडोवसोहियं ऊसियसुनिम्मियसुजायअप्फोडियलंगूलं सोमं सोमाकारं लीलायंतं नहयलाओ ओवयमाणं नियगवयणमइवयंतं पिच्छइ सा गाढतिक्खग्गनहं सीहं वयणसिरीप(लंव)ल्लवपत्तचारुजीहं ३ ॥ ३५ ॥ तओ पुणो पुण्णचंदवयणा उच्चागयठाणलट्ठसंठियं पसत्थरूवं सुपइट्ठियकणग(मय)कुम्मसरिसोवमाणचलणं अच्चुन्नयपीणरइयमंसलउ(वच्चि)न्नयतणुतंबनिद्धनहं कमलपलाससुकुमालकरचरणकोमलवरंगुलिं कुरुविंदावत्तवट्टाणुपुव्वजंघं निगूढजाणुं गयवरकरसरिसपीवरोरुं चामीकररइयमेहलाजुत्तकंतविच्छिन्नसोणिचक्कं जच्चंजणभमरजलयपयरउज्जुयसमसंहियतणुयआइज्जलडहसुकुमालमउयरमणिज्जरोमराइं नाभीमंडलसुंदरविसालपसत्थजघणं करयलमाइयपसत्थतिवलियमज्झं नाणामणिकणगरयणविमलमहातवणिज्जाभरणभूसणविराइ(यमंगु)यंगोवंगिं हारविरायंतकुंदमालपरिणद्धजलजलिंतथणजुयलविमलकलसं आइयपत्तियविभूसिएणं सुभगजालुज्जलेणं मुत्ताकलावएणं उरत्थदीणारमा(ल)लियविराइएण कंठमणिसुत्तएण य कुंडलजुयलुल्लसंतअंसोवसत्तसोभंतसप्पभेणं सोभागुणसमुदएणं आणणकुडुंबिएणं कमलामलविसालरमणिज्जलोय(णिं)णं कमलपज्जलंतकरगहियमुक्कतोयं लीलावायकयपक्खएणं सुविसदकसिणघणसण्हलंबंतकेसहत्थं पउमद्दहकमलवासिणिं सिरिं भगवइं पिच्छइ हिमवंतसेलसिहरे दिसागइंदोरुपीवरकराभिसिच्चमाणिं ४ ॥ ३६ ॥ तओ पुणो सरस-

मसरं नामसरं सररुहाभिरामं १० ॥ ४२ ॥ तओ पुणो चंदकिरणरासिसरिससिरिवच्छसोहं चउ(गु)गमणपवड्ढमाणजलसंचयं चवलचंचलुच्चायप्पमाणकल्लोललोलंततोयं पडुपवणाहयचलियचवलपागडतरंगरंगंतभंगखोखुब्भमाणसोभंतनिम्मलुक्कडउम्मीसहसंबंधधावमा(णाव)णोनियत्तभासुरतराभिरामं महामगरमच्छतिमितिमिंगिलनिरुद्धतिलितिलियाभिघायकप्पूरफेणपसरं महानईतुरियवेगसमागयभमगंगावत्तगुप्पमाणुच्चलंतपच्चोनियत्तभममाणलोलसलिलं पिच्छइ खीरोयसायरं सा रयणिकरसोमवयणा ११ ॥ ४३ ॥ तओ पुणो तरुणसूरमंडलसमप्पहं दिप्पमाणसोहं उत्तमकंचणमहामणिसमूहपवरतेयअट्ठसहस्सदिप्पंतनहप्पईवं कणगपयरलंबमाणमुत्तासमुज्जलं जलंतदिव्वदामं ईहामिगउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिन्नररुरुसरभचमरसंसत्तकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं गंधव्वोपवज्जमाणसंपुण्णघोसं निच्चं सजलघणविउलजलहरगज्जियसद्दाणुणाइणा देवदुंदुहिमहारवेणं सयलमवि जीवलोयं पूरयंतं कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूव(सार)वासंग(यं)उत्तममघमघंतगंधुद्धुयाभिरामं निच्चालोयं सेयं सेयप्पभं सुरवराभिरामं पिच्छइ सा साओवभोगं वरविमाणपुंडरीयं १२ ॥ ४४ ॥ तओ पुणो पुलगवेरिंदनीलसासगकक्केयणलोहियक्खमरगयमसारगल्लपवालफलिहसोगंधियहंसगब्भअंजणचंदप्पहवररयणेहिं महियलपइट्ठियं गगणमंडलंतं पभासयंतं तुंगं मेरुगिरिसंनि(गा)कासं पिच्छइ सा रयणनिकररासिं १३ ॥ ४५ ॥ सिहिं च–सा विउलुज्जलपिंगलमहुघयपरिसिच्चमाणनिद्धूमधगधगाइयजलंतजालुज्जलाभिरामं तरतमजोगजुत्तेहिं जालपयरेहिं अण्णुण्णमिव अणुप्पइण्णं पिच्छइ जालुज्जलण(ग)गं अंबरं व कत्थइ पयंतं अइवेगचंचलं सिहिं १४ ॥ ४६ ॥ इमे एयारिसे सुभे सोमे पियदंसणे सुरूवे सुमिणे दट्ठूण सयणमज्झे पडिबुद्धा अरविंदलोयणा हरिसपुलइयंगी । एए चउदससुमिणे, सव्वा पासेइ तित्थयरमाया । जं रयणिं वक्कमई, कुच्छिंसि महायसो अरहा ॥ १ ॥ ४७ ॥ तए णं सा तिसला खत्तियाणी इमे एयारूवे उराले चउद्दसमहासुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा समाणी हट्ठतुट्ठ जाव हियया धाराहयकयंबपुप्फगंपिव समुस्ससियरोमकूवा सुमिणुग्गहं करेइ २ त्ता सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ २ त्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता अतुरियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणेव सयणिज्जे जेणेव सिद्धत्थे खत्तिए तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सिद्धत्थं खत्तियं ताहिं इट्ठाहिं कंताहिं पियाहिं मणुण्णाहिं मणोरमाहिं उरालाहिं कल्लाणाहिं सिवाहिं धन्नाहिं मंगल्लाहिं सस्सिरीयाहिं हिययगमणिज्जाहिं हिययपल्हायणिज्जाहिं मिउमहुरमंजुलाहिं गिराहिं संलवमाणी २ पडिबोहेइ ॥ ४८ ॥ तए णं सा तिसला खत्तियाणी सिद्धत्थेणं रण्णा अब्भणुण्णाया

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

पढमं परिसिट्ठं

दसासुयक्खंधस्स अट्ठमसज्झयणं

अहवा

कप्पसुत्तं

नमो अरिहंताणं, नमो सिद्धाणं, नमो आयरियाणं, नमो उवज्झायाणं, नमो लोए सव्वसाहूणं। एसो पंचनमुक्कारो, सव्वपावप्पणासणो। मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं हवइ मंगलं ॥ १ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे पंच-हत्थुत्तरे हुत्था, तंजहा-हत्थुत्तराहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते १ हत्थुत्तराहिं गब्भाओ गब्भं साहरिए २ हत्थुत्तराहिं जाए ३ हत्थुत्तराहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ४ हत्थुत्तराहिं अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ५ साइणा परिनिव्वुए भयवं ६ ॥ २ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे आसाढसुद्धे तस्स णं आसाढसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं महाविजयपुप्फुत्तरपवरपुंडरीयाओ महाविमाणाओ वीसंसागरोवमट्ठिइयाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे इमीसे ओसप्पिणीए सुसमसुसमाए समाए विइक्कंताए १ सुसमाए समाए विइक्कंताए २ सुसमदुसमाए समाए विइक्कंताए ३ दुसमसुसमाए समाए बहुविइक्कंताए-सागरोवमकोडाकोडीए बायाली-

मा मे ते (एएसु) उत्तमा पहाणा मंगल्ला सुमिणा दिट्ठा अन्नेहिं पावसुमिणेहिं पडिहम्मिस्संतित्तिकट्टु देवयगुरुजणसंबद्धाहिं पसत्थाहिं मंगल्लाहिं धम्मियाहिं लट्ठाहिं कहाहिं सुमिणजागरियं जागरमाणी पडिजागरमाणी विहरइ ॥ ५४-५६ ॥ तए णं सिद्धत्थे खत्तिए पच्चूसकालसमयंसि कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी-खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया! अज्ज सेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं गंधोदयसित्तं सुइय-संमज्जिओवलित्तं सुगंधवरपंचवण्णपुप्फोवयारकलियं कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंत-धूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं करेह कारवेह करित्ता कारवित्ता य सीहासणं रयावेह रयावित्ता ममेयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणह ॥ ५७-५८ ॥ तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सिद्धत्थेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयल जाव कट्टु एवं सामित्ति आणाए विणएणं वयणं पडिसुणंति पडिसुणित्ता सिद्धत्थस्स खत्तियस्स अंतियाओ पडिनिक्खमंति पडिनिक्ख-मित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छंति (तेणेव) उवागच्छित्ता खिप्पामेव सविसेसं बाहिरियं उवट्ठाणसालं गंधोदयसि(त्तसुइय)त्तं जाव सीहासणं रयाविंति रयावित्ता जेणेव सिद्धत्थे खत्तिए तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता कर-यलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु सिद्धत्थस्स खत्तियस्स तमाण-त्तियं पच्चप्पिणंति ॥ ५९ ॥ तए णं सिद्धत्थे खत्तिए कल्लं पाउप्पभाए रयणीए फुल्लुप्पलकमलकोमलुम्मीलियंमि अहापंडुरे पभाए, रत्तासोगप्पगासकिंसुयसुयमुहगुंज-द्धरागबंधुजीवगपारावयचलणनयणपरहुयसुरत्तलोयणजासुयणकुसुमरासिहिंगुलयनिय-राइरेयरेहंतसरिसे कमलायरसंडबोहए उट्ठियंमि सूरे सहस्सरस्सिंमि दिणयरे तेयसा जलंते, तस्स य करपहरापरद्धंमि अंधयारे बालायवकुंकुमेणं खचियव्व जीवलोए, सयणिज्जाओ अब्भुट्ठेइ ॥ ६० ॥ सयणिज्जाओ अब्भुट्ठित्ता पायपीढाओ पच्चोरुहइ २ त्ता जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता अट्टणसालं अणुपविसइ २ त्ता अणेग-वायामजोगवग्गणवामद्दणमल्लजुद्धकरणेहिं संते परिस्संते सयपागसहस्सपागेहिं सुगंध-वरतिल्लमाइएहिं पीणणिज्जेहिं दीवणिज्जेहिं मयणिज्जेहिं विं(विं)हणिज्जेहिं दप्पणिज्जेहिं सव्विंदियगायपल्हायणिज्जेहिं अब्भंगिए समाणे तिल्लचम्मंसि निउणेहिं पडिपुण्ण-पाणिपायसुकुमालकोमलतलेहिं अब्भंगणपरिमद्दणुव्वलणकरणगुणनिम्माएहिं छेएहिं दक्खेहिं पट्ठेहिं कुसलेहिं मेहावीहिं जियपरिस्समेहिं पुरिसेहिं अट्ठिसुहाए मंससुहाए तयासुहाए रोमसुहाए चउव्विहाए सुहपरिकम्मणाए सं[वा]बाहणाए संवाहिए समाणे अवगय(खेय)परिस्समे अट्टणसालाओ पडिनिक्खमइ ॥ ६१ ॥ अट्टणसालाओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव मज्जणघरे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता मज्जणघरं अणुपविसइ २ त्ता

सारए, संखाणे [सिक्खाणे] सिक्खाकप्पे वागरणे छंदे निरुत्ते जोइसामयणे अन्नेसु य बहुसु बंभण्णएसु परिव्वायएसु नएसु सुपरिनिट्ठिए यावि भविस्सइ ॥ ९ ॥ तं उराला णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणा दिट्ठा जाव आरुग्गतुट्ठिदीहाउयमंगल्लकल्लाणकारगा णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणा दिट्ठत्तिकट्टु भुज्जो २ अणुवूहइ ॥ १० ॥ तए णं सा देवाणंदा माहणी उसभदत्तस्स माहणस्स अंतिए एयमट्ठं सुच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया जाव करयलपरिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टु उसभदत्तं माहणं एवं वयासी–एवमेयं देवाणुप्पिया ! तहमेयं देवाणुप्पिया ! अवितहमेयं देवाणुप्पिया ! असंदिद्धमेयं देवाणुप्पिया ! इच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! पडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया ! इच्छियपडिच्छियमेयं देवाणुप्पिया !, सच्चे णं एस(अ)मट्ठे से जहेयं तुब्भे वयहत्तिकट्टु ते सुमिणे सम्मं पडिच्छइ २ त्ता उसभदत्तेणं माहणेणं सद्धिं उरालाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरइ ॥ ११-१२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं सक्के देविंदे देवराया वज्जपाणी पुरंदरे सयक्कऊ सहस्सक्खे मघवं पागसासणे दाहिणड्ढलोगाहिवई बत्तीसविमाणसयसहस्साहिवई एरावणवाहणे सुरिंदे अरयंबरवत्थधरे आलइयमालमउडे नवहेमचारुचित्तचंचलकुंडलविलिहिज्जमाणगल्ले महिड्ढिए महज्जुइए महाबले महायसे महाणुभावे महासुक्खे भासुर(बों)बुंदी पलंबवणमालधरे सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे सुहम्माए सभाए सक्कंसि सीहासणंसि, से णं तत्थ बत्तीसाए विमाणावाससयसाहस्सीणं, चउरासीए सामाणियसाहस्सीणं, तायत्तीसाए तायत्तीसगाणं, चउण्हं लोगपालाणं, अट्ठण्हं अग्गमहिसीणं सपरिवाराणं, तिण्हं परिसाणं, सत्तण्हं अणीयाणं, सत्तण्हं अणीयाहिवईणं, चउण्हं चउरासी(ए)णं आयरक्खदेवसाहस्सीणं, अन्नेसिं च बहूणं सोहम्मकप्पवासीणं वेमाणियाणं देवाणं देवीण य आहेवच्चं पोरेवच्चं सामित्तं भट्टित्तं महत्तरगत्तं आणाईसरसेणावच्चं कारेमाणे पालेमाणे महया हयनट्टगीयवाइयतंतीतलतालतुडियघणमुइंगपडुपडहवाइयरवेणं दिव्वाइं भोगभोगाइं भुंजमाणे विहरइ ॥ १३ ॥ इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे २ विहरइ, तत्थ णं समणं भगवं महावीरं जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे दाहिणड्ढभरहे माहणकुंडग्गामे नयरे उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगुत्तस्स भारियाए देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कंतं पासइ २ त्ता हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए णंदिए परमाणंदिए पीइमणे परमसोमणस्सिए हरिसवसविसप्पमाणहियए धाराहय(कयंब)नीवसुरभिकुसुमचंचुमालइयऊससियरोमकूवे वियसियवरकमलनयणवयणे पयलियवरकडगतुडियकेऊरमउडकुंडलहारविरायंतवच्छे पालंबपलंबमाणघोलंतभूसणधरे ससंभमं तुरियं

ज्झेणं जेणेव सुविणलक्खणपाढगाणं गेहाइं तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता सुविणलक्खणपाढए सद्दाविंति ॥ ६३-६६ ॥ तए णं ते सुविणलक्खणपाढ(गा)या सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कोडुंवियपुरिसेहिं सद्दाविया समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं वत्थाइं पवराइं परिहिया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा सिद्धत्थयहरियालियाकयमंगलमुद्धाणा सएहिं सएहिं गेहेहिंतो निग्गच्छंति निग्गच्छित्ता खत्तियकुंडग्गामं नगरं मज्झंमज्झेणं जेणेव सिद्धत्थस्स रण्णो भवणवरवडिंसगपडिदुवारे तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता भवणवरवडिंसगपडिदुवारे एगयओ मिलंति मिलित्ता जेणेव वाहिरिया उवट्ठाणसाला जेणेव सिद्धत्थे खत्तिए तेणेव उवागच्छंति उवागच्छित्ता करयलपरिग्गहियं जाव कट्टु सिद्धत्थं खत्तियं जएणं विजएणं वद्धाविंति ॥ ६७ ॥ तए णं ते सुविणलक्खणपाढगा सिद्धत्थेणं रण्णा वंदियपूइयसक्कारियसम्माणिया समाणा पत्तेयं पत्तेयं पुव्वन्नत्थेसु भद्दासणेसु निसीयंति ॥ ६८ ॥ तए णं सिद्धत्थे खत्तिए तिसलं खत्तियाणिं जवणियंतरियं ठावेइ ठावित्ता पुप्फफलपडिपुण्णहत्थे परेणं विणएणं ते सुविणलक्खणपाढए एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अज्ज तिसला खत्तियाणी तंसि तारिसगंसि जाव सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ इमे एयारूवे उराले चउद्दसमहासुमिणे पासित्ताणं पडिवुद्धा, तंजहा-गय-वसह० गाहा, तं एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं देवाणुप्पिया ! उरालाणं के मन्ने[1] कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ? ॥ ६९-७१ ॥ तए णं ते सुमिणलक्खणपाढगा सिद्धत्थस्स खत्तियस्स अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियया ते सुमिणे (सम्मं) ओगिण्हंति ओगिण्हित्ता ईहं अणुपविसंति अणुपविसित्ता अन्नमन्नेणं सद्धिं सं(लावें)चालेंति २ त्ता तेसिं सुमिणाणं लद्धट्ठा गहियट्ठा पुच्छियट्ठा विणिच्छियट्ठा अहिगयट्ठा सिद्धत्थस्स रण्णो पुरओ सुमिणसत्थाइं उच्चारेमाणा २ सिद्धत्थं खत्तियं एवं वयासी-एवं खलु देवाणुप्पिया ! अम्हं सुमिणसत्थे वायालीसं सुमिणा तीसं महासुमिणा बावत्तरिं सव्वसुमिणा दिट्ठा, तत्थ णं देवाणुप्पिया ! अरहंतमायरो वा चक्कवट्टिमायरो वा अरहंतंसि वा चक्कहरंसि वा गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं तीसाए महासुमिणाणं इमे चउद्दसमहासुमिणे पासित्ताणं पडिवुज्झंति, तंजहा-गय-वसह० गाहा । वासुदेवमायरो वा वासुदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं अन्नयरे सत्त महासुमिणे पासित्ताणं पडिवुज्झंति । वलदेवमायरो वा वलदेवंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं अन्नयरे चत्तारि महासुमिणे पासित्ताणं पडिवुज्झंति । मंडलियमायरो वा मंडलियंसि गब्भं वक्कममाणंसि एएसिं चउद्दसण्हं महासुमिणाणं अन्नयरं एगं महा-

१ 'कयसागय' ।

भगवं महावीरे जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे माहणकुंडग्गामे नयरे उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगुत्तस्स भारियाए देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कंते ॥ १९ ॥ तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पन्नमणागयाणं सक्काणं देविंदाणं देवरा(इ)याणं अरहंते भगवंते तहप्पगारेहिंतो अंतकुलेहिंतो जाव कि(वि)वण-कुलेहिंतो० तहप्पगारेसु उग्गकुलेसु वा जाव राइण्णकुलेसु वा नाय(०)खत्तियहरिवंसकुलेसु वा अन्नयरेसु वा तहप्पगारेसु विसुद्धजाइकुलवंसेसु (जाव रज्जसिरिं कारेमाणेसु पालेमाणेसु) वा साहरावित्तए, तं सेयं खलु मम वि समणं भगवं महावीरं चरमतित्थयरं पुव्वतित्थयरनिद्दिट्ठं माहणकुंडग्गामाओ नयराओ उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगुत्तस्स भारियाए देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छीओ खत्तियकुंडग्गामे नयरे नायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स भारियाए तिसलाए खत्तियाणीए वासिट्ठसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहरावित्तए। जे वि य णं से तिसलाए खत्तियाणीए गब्भे तं पि य णं देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहरावित्तएत्तिकट्टु एवं संपेहेइ २ त्ता हरिणेगमेसिं अग्गा(पायत्ता)णीयाहिवइं देवं सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–एवं खलु देवाणुप्पिया! न एयं भूयं, न एयं भव्वं, न एयं भविस्सं, जं णं अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा अंतकुलेसु वा जाव भिक्खागकुलेसु वा० आयाइंसु वा ३, एवं खलु अ(रि)रहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा उग्गकुलेसु वा जाव हरिवंस-कुलेसु वा अन्नयरेसु वा तहप्पगारेसु विसुद्धजाइकुलवंसेसु आयाइंसु वा ३ ॥ २०–२१ ॥ अत्थि पुण एसे वि भावे लोगच्छेरयभूए अणंताहिं उस्सप्पिणीओसप्पिणीहिं विइक्कंताहिं समुप्पज्जइ, नामगुत्तस्स वा कम्मस्स अक्खीणस्स अवेइयस्स अणिज्जिण्णस्स उदएणं, जं णं अरहंता वा चक्कवट्टी वा बलदेवा वा वासुदेवा वा अंतकुलेसु वा जाव भिक्खागकुलेसु वा० आयाइंसु वा ३, कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कमिंसु वा ३, नो चेव णं जोणीजम्मणनिक्खमणेणं निक्खमिंसु वा ३ ॥ २२ ॥ अयं च णं समणे भगवं महावीरे जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे माहणकुंडग्गामे नयरे उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगुत्तस्स भारियाए देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कंते ॥ २३ ॥ तं जीयमेयं तीयपच्चुप्पण्णमणागयाणं सक्काणं देविंदाणं देवराईणं अरहंते भगवंते तहप्पगारेहिंतो अंतकुलेहिंतो जाव माहणकुलेहिंतो तहप्पगारेसु उग्गकुलेसु वा भोगकुलेसु वा जाव हरिवंसकुलेसु वा अन्नयरेसु वा तहप्पगारेसु विसुद्धजाइ-कुलवंसेसु साहरावित्तए ॥ २४ ॥ तं गच्छ णं तुमं देवाणुप्पिया! समणं भगवं महावीरं माहणकुंडग्गामाओ नयराओ उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगुत्तस्स भारियाए

रियमचवलमसंभंताए अविलंबियाए रायहंससरिसीए गईए जेणेव सए भवणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सयं भवणं अणुपविट्ठा ॥ ८६-८७ ॥ जप्पभिइं च णं समणे भगवं महावीरे तंसि ना(रा)यकुलंसि साहरिए तप्पभिइं च णं वहवे वेसमणकुंड-धारिणो तिरियजंभगा देवा सक्कवयणेणं से जाइं इमाइं पुरापोराणाइं महानिहाणाइं भवंति, तंजहा–पहीणसामियाइं पहीणसेउयाइं पहीण(गु)गोत्तागाराइं, उच्छिन्नसामियाइं उच्छिन्नसेउयाइं उच्छिन्नगोत्तागाराइं, गामागरनगरखेडकब्बडमडंबदोणमुह-पट्टणासमसं-वाहसंनिवेसेसु सिंघाडएसु वा तिएसु वा चउक्केसु वा चच्चरेसु वा चउम्मुहेसु वा महापहेसु वा गामट्ठाणेसु वा नगरट्ठाणेसु वा गामनिद्धमणेसु वा नगरनिद्धमणेसु वा आवणेसु वा देवकुलेसु वा सभासु वा पवासु वा आरामेसु वा उज्जाणेसु वा वणेसु वा वणसंडेसु वा सुसाणसुन्नागारगिरिकंदरसंतिसेलोवट्ठाणभवण-गिहेसु वा सन्निक्खित्ताइं चिट्ठंति ताइं सिद्धत्थरायभवणंसि साहरंति ॥ ८८ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे नायकुलंसि साहरिए तं रयणिं च णं नाय-कुलं हिरण्णेणं वड्ढित्था, सुवण्णेणं वड्ढित्था, धणेणं धन्नेणं रज्जेणं रट्ठेणं बलेणं वाह-णेणं कोसेणं कोट्ठागारेणं पुरेणं अंतेउरेणं जणवएणं जसवाएणं वड्ढित्था, विपुल-धणकणगरयणमणिमोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणमाइएणं संतसारसावइज्जेणं पीइ-सक्कारसमुदएणं अईव अईव अभिवड्ढित्था ॥ ८९ ॥ तए णं समणस्स भगवओ महावी-रस्स अम्मापिऊणं अयमेयारूवे अब्भत्थिए चिंतिए पत्थिए मणोगए संकप्पे समुप्प-ज्जित्था–जप्पभिइं च णं अम्हं एस दारए कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कंते तप्पभिइं च णं अम्हे हिरण्णेणं वड्ढामो, सुवण्णेणं वड्ढामो, धणेणं जाव संतसारसावइज्जेणं पीइसक्का-रेणं अईव अईव अभिवड्ढामो, तं जया णं अम्हं एस दारए जाए भविस्सइ तया णं अम्हे एयस्स दारगस्स एयाणुरूवं गुण्णं गुणनिप्फन्नं नामधिज्जं करिस्सामो–वद्धमाणुत्ति ॥ ९० ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे माउअणुकंपणट्ठाए निच्चले निप्फंदे निरेयणे[२] अल्लीणपल्लीणगुत्ते यावि होत्था ॥ ९१ ॥ तए णं तीसे तिसलाए खत्तियाणीए अयमेयारूवे जाव संकप्पे समुप्पज्जित्था–हडे मे से गब्भे, मडे मे से गब्भे, चुए मे से गब्भे, गलिए मे से गब्भे, एस मे गब्भे पुव्विं एयइ, इयाणिं नो एयइत्तिकट्टु ओहयमणसंकप्पा चिंतासोगसागरसंपविट्ठा करयलपल्हत्थमुही अट्ट-ज्झाणोवगया भूमीगयदिट्ठिया झियायइ, तं पि य सिद्धत्थरायवरभवणं उवरयमुइंग-तंतीतलतालनाडइज्जजणमणु(ज्जं)न्नं दीणविमणं विहरइ ॥ ९२ ॥ तए णं से समणे भगवं महावीरे माऊए अयमेयारूवं अब्भत्थियं पत्थियं मणोगयं संकप्पं समुप्पन्नं

१ 'आयत्तया'। २ निकंपे।

उप्पयमाणे २ जेणामेव सोहम्मे कप्पे सोहम्मवडिंसए विमाणे सक्कंसि सीहासणंसि सक्के देविंदे देवराया तेणामेव उवागच्छइ २ त्ता सक्कस्स देविंदस्स देवरन्नो एयमाणत्तियं खिप्पामेव पच्चप्पिणइ ॥ २८ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जेसे वासाणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स णं आ(अस)सोयबहुलस्स तेरसीपक्खेणं बासीइराइंदिएहिं विइक्कंतेहिं तेसीइमस्स राइंदियस्स अंतरा वट्टमा(णस्स)णे हियाणुकंपएणं देवेणं हरिणेगमेसिणा सक्कवयणसंदिट्ठेणं माहणकुंडग्गामाओ नयराओ उसभदत्तस्स माहणस्स कोडालसगुत्तस्स भारियाए देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छीओ खत्तियकुंडग्गामे नयरे नायाणं खत्तियाणं सिद्धत्थस्स खत्तियस्स कासवगुत्तस्स भारियाए तिसलाए खत्तियाणीए वासिट्ठसगुत्ताए पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं अव्वाबाहं अव्वाबाहेणं कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहरिए ॥ २९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे तिन्नाणोवगए यावि हुत्था, तंजहा–साहरिज्जिस्सामित्ति जाणइ, साहरिज्जमाणे न जाणइ, साहरिएमित्ति जाणइ ॥ ३० ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छीओ तिसलाए खत्तियाणीए वासिट्ठसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहरिए तं रयणिं च णं सा देवाणंदा माहणी सयणिज्जंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ इमेयारूवे उराले कल्लाणे सिवे धन्ने मंगल्ले सस्सिरीए चउद्दसमहासुमिणे तिसलाए खत्तीयाणीए हडेत्ति पासित्ताणं पडिबुद्धा, तंजहा–गय जाव सिहिं च ॥ ३१ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे देवाणंदाए माहणीए जालंधरसगुत्ताए कुच्छीओ तिसलाए खत्तियाणीए वासिट्ठसगुत्ताए कुच्छिंसि गब्भत्ताए साहरिए तं रयणिं च णं सा तिसला खत्तियाणी तंसि तारिसगंसि वासघरंसि अब्भितरओ सचित्तकम्मे बाहिरओ दूमियघट्ठमट्ठे विचित्तउल्लोयचिल्लियतले मणिरयणपणासियंधयारे बहुसमसुविभत्तभूमिभागे पंचवन्नसरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलिए कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघंतगंधुद्धुयाभिरामे सुगंधवरगंधिए गंधवट्टिभूए तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि सालिंगणवट्टिए उभओ बिब्बोयणे उभओ उन्नए मज्झे णयगंभीरे गंगापुलिणवालुयाउद्दालसालिसए ओयवियखोमियदुगुल्लपट्टपडिच्छन्ने सुविरइयरयत्ताणे रत्तंसुयसंवुए सुरम्मे आइणगरूयबूरनवणीयतूलतुल्लफासे सुगंधवरकुसुमचुन्नसयणोवयारकलिए, पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि सुत्तजागरा ओहीरमाणी २ इमेयारूवे उराले जाव चउद्दसमहासुमिणे पासित्ताणं

---

१ हिएण–अप्पणो इंदस्स य हियकारिणा तहा अणुकंपएणं–भगवओ भत्तेणं ति अट्ठो ।

संमट्ठरत्थंतरावणवीहियं मंचाइमंचकलियं नाणाविहरागभूसियज्झयपडागमंडियं लाउ-ल्लोइयमहियं गोसीससरसरत्तचंदणदद्दरदिन्नपंचंगुलितलं उवचियचंदणकलसं चंदणघड-सुकयतोरणपडिदुवारदेसभागं आसत्तोसत्तविपुलवट्टवग्घारियमल्लदामकलावं पंचवण्ण-सरससुरभिमुक्कपुप्फपुंजोवयारकलियं कालागुरुपवरकुंदुरुक्कतुरुक्कडज्झंतधूवमघमघंतगं-धुद्धुयाभिरामं सुगंधवरगंधियं गंधवट्टिभूयं नडनट्टगजल्लमल्लमुट्ठियवेलंवगकहग(पाढ)-पवगलासगआ(इ)रक्खगलंखमंखतूणइल्लतुंववीणियअणेगतालायराणुचरियं करेह कार-वेह करित्ता कारवित्ता य जूयसहस्सं मुसलसहस्सं च उस्सवेह उस्सवित्ता मम एयमाणत्तियं पच्चप्पिणह ॥ ९९–१०० ॥ तए णं ते कोडुंवियपुरिसा सिद्धत्थेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयल जाव पडिसुणित्ता खिप्पामेव कुंडपुरे नगरे चारगसोहणं जाव उस्सवित्ता जेणेव सिद्धत्थे (खत्तिए) राया तेणेव उवागच्छंति २ त्ता करयल जाव कट्टु सिद्धत्थस्स खत्तियस्स रण्णो एयमाणत्तियं पच्च-प्पिणंति ॥ १०१ ॥ तए णं से सिद्धत्थे राया जेणेव अट्टणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता जाव सव्वोरोहेणं सव्वपुप्फगंधवत्थमल्लालंकारविभूसाए सव्वतुडियसद्दनिनाएणं महया इड्ढीए महया जुईए महया वलेणं महया वाहणेणं महया समुदएणं महया वर-तुडियजमगसमगप्पवाइएणं संखपणवपडहभेरिझल्लरिखरमुहिहुडुक्कमुरयमुइंगदुंदुहिनि-ग्घोसनाइयरवेणं उस्सुक्कं उक्करं उक्किट्ठं अदिज्जं अमिज्जं अभडप्पवेसं अदंडिमकोदंडिमं अधरिमं गणियावरनाडइज्जकलियं अणेगतालायराणुचरियं अणुद्धुयमुइंगं अमिलाय-मल्लदामं पमुइयपक्कीलियपुरज(णाभिरामं)णजाणवयं दसदिवसं ठिइवडियं करेइ ॥ १०२ ॥ तए णं सिद्धत्थे राया दसाहियाए ठिइवडियाए वट्टमाणीए सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य जाए य दाए य भाए य दलमाणे य दवावेमाणे य सइए य साहस्सिए य सयसाहस्सिए य लंभे पडिच्छमाणे य पडिच्छावेमाणे य एवं [वा] विहरइ ॥ १०३ ॥ तए णं समणस्स भगवओ महावीरस्स अम्मापियरो पढमे दिवसे ठिइवडियं क(रिं)रेंति, तइए दिवसे चंदसूरदंसणियं करेंति, छट्ठे दिवसे धम्मजागरियं जागरें(करिं)ति, ए(इ)क्कारसमे दिवसे विइक्कंते निव्वत्तिए असुइजम्मकम्मकरणे संपत्ते वारसा(हे)हदिवसे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडा(विं)वेंति २ त्ता मित्तनाइनिय(य)गसयणसंवंधिपरिजणं नायए खत्तिए य आमंतेंति २ त्ता तओ पच्छा ण्हाया सुद्धप्पावेसाइं मंगल्लाइं पवराइं वत्थाइं परि-हिया अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरा भोयणवेलाए भोयणमंडवंसि सुहासणवरगया तेणं मित्तनाइनियगसयणसंवंधिपरिजणेणं नायएहिं खत्तिएहिं सद्धिं तं विउलं असणं

१ जूया–जुगाइं तेसिं सहस्सं । २ असणपाणखाइमसाइमं ।

कुसुमसंदारदामरसणिज्जभूयं चंपगासोगपुन्नागनागपियंगुसिरीसमुग्गरगमल्लियाजाइ-जूहिअंकोल्लकोज्जकोरिंटपत्तदमणयनवमालियवउलतिलयवासंतियपउमुप्पलपाडलकुंदाइमुत्तसहकारसुरभिगंधि अणुवममणोहरेणं गंधेणं दसदिसाओवि वासयंतं सव्वोउयसुरभिकुसुममल्लधवलविलसंतकंतबहुवण्णभत्तिचित्तं छप्पयमहुयरिभमरगणगुमगुमायंतनिलिंतगुंजंतदेसभागं दामं पिच्छइ नहंगणतलाओ ओवयंतं ५ ॥ ३७ ॥ ससिं च गोखीरफेणदगरयरययकलसपंडुरं सुभं हियथनयणकंतं पडिपुण्णं तिमिरनिकरघणगुहिरवितिमिरकरं पमाणपक्खंतरायलेहं कुमुयवणविबोहगं निसासोहगं सुपरिमट्ठदप्पणतलोवमं हंसपडुवण्णं जोइसमुहमंडगं तमरिपुं मयणसरापूरगं समुद्दगपूरगं दुम्मणं जणं दइयवज्जियं पायएहिं सोसयंतं पुणो सोमचारुरूवं पिच्छइ सा गगणमंडलविसालसोमचंकम्ममाणतिल(गं)यं रोहिणिमणहिययवल्लहं[२] देवी पुण्णचंदं समुल्लसंतं ६ ॥ ३८ ॥ तओ पुणो तमपडलपरिप्फुडं चेव तेयसा पज्जलंतरूवं रत्तासोगपगासकिंसुयसुयमुहगुंजद्धरागसरिसं कमलवणालंकरणं अंकणं जोइसस्स अंबरतलपईवं हिमपडलगलग्गहं गहगणोरुनायगं रत्तिविणासं उदयत्थमणेसु मुहुत्तसुहदंसणं दुन्निरिक्खरूवं रत्तिसुद्धंतदुप्पयारप्पमद्दणं सीयवेगमहणं पिच्छइ मेरुगिरिसययपरियट्टयं विसालं सूरं रस्सीसहस्सपयलियदित्तसोहं ७ ॥ ३९ ॥ तओ पुणो जच्चकणगलट्ठिपइट्ठियं समूहनीलरत्तपीयसुक्किल्लसुकुमालुल्लसियमोरपिच्छकयमुद्धयं धयं अहियसस्सिरीयं फालियसंखंककुंददगरयरययकलसपंडुरेण मत्थयत्थेण सीहेण रायमाणेण रायमाणं भित्तुं गगणतलमंडलं चेव ववसिएणं पिच्छइ सिवमउयमारुयलयाहयकंपमाणं अइप्पमाणं जणपिच्छणिज्जरूवं ८ ॥ ४० ॥ तओ पुणो जच्चकंचणुज्जलंतरूवं निम्मलजलपुण्णमुत्तमं दिप्पमाणसोहं कमलकलावपरिरायमाणं पडिपुण्ण[य]सव्वमंगलभेयसमागमं पवररयणप(रि)रायंतकमलट्ठियं नयणभूसणकरं पभासमाणं सव्वओ चेव दीवयंतं सोमलच्छीनिभेलणं सव्वपावपरिवज्जियं सुभं भासुरं सिरिवरं सव्वोउयसुरभिकुसुमआसत्तमल्लदामं पिच्छइ सा रययपुण्णकलसं ९ ॥ ४१ ॥ तओ पुणो (पुणरवि) रविकिरणतरुणबोहियसहस्सपत्तसुरभितरपिंजरजलं जलचरपहकरपरिहत्थगमच्छपरिभुज्जमाणजलसंचयं महंतं जलंतमिव कमलकुवलयउप्पलतामरसपुंडरीयउरुसप्पमाणसिरिसमुदएणं रमणिज्जरूवसोहं पमुइयंतभमरगणमत्तमहुयरिगणुक्करोलि(ल्लि)ज्जमाणकमलं कायंबगबलाहयचक्ककलहंससारसगव्वियसउणगणमिहुणसेविज्जमाणसलिलं पउमिणिपत्तोवलग्गजलबिंदुनिचयचित्तं पिच्छइ सा हिययनयणकंतं पउ-

---

१ मंदारपारिजातियचंपगविउलमचकुंदपाडलजायजूहियसुगंधगंधपुप्फमाला० ।

२ परसमयावेक्खाए ।

बुज्झाहि भगवं लोगनाहा !, सयलजगज्जीवहियं पवत्तेहि धम्मतित्थं, हियसुहनिस्सेयसकरं सव्वलोए सव्वजीवाणं भविस्सइत्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति ॥ ११०–१११ ॥ पुव्विं पि णं समणस्स भगवओ महावीरस्स माणुस्सगाओ गिहत्थधम्माओ अणुत्तरे आहोइए अप्पडिवाई नाणदंसणे हो(हु)त्था। तए णं समणे भगवं महावीरे तेणं अणुत्तरेणं आहोइएणं नाणदंसणेणं अप्पणो निक्खमणकालं आभोएइ २ त्ता चिच्चा हिरण्णं, चिच्चा सुवण्णं, चिच्चा धणं, चिच्चा रज्जं, चिच्चा रट्ठं, एवं वलं वाहणं कोसं कोट्ठागारं, चिच्चा पुरं, चिच्चा अंतेउरं, चिच्चा जणवयं, चिच्चा विपुलधणकणगरयणमणि(मु)मोत्तियसंखसिलप्पवालरत्तरयणमाइयं संतसारसावइज्जं, विच्छड्डइत्ता, विगोवइत्ता, दाणं दायारेहिं परिभाइत्ता, दाणं दाइयाणं परिभाइत्ता ॥ ११२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे जे से हेमंताणं पढमे मासे पढमे पक्खे मग्गसिरवहुले तस्स णं मग्गसिरवहुलस्स दसमीपक्खेणं पाईणगामिणीए छायाए पोरिसीए अभिनिविट्टाए पमाणपत्ताए सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं चंदप्पभाए सीयाए सदेवमणुयासुराए परिसाए समणुगम्ममाणमग्गे संखियचक्किय(लं)नंगलियमुहमंगलियवद्धमाणपूसमाणघंटियगणेहिं ताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं अभिनंदमाणा (य) अभिथुव्वमाणा य एवं वयासी–जय जय नंदा !, जय जय भद्दा ! भद्दं ते, [खत्तियवरवसहा !] अभग्गेहिं नाणदंसणचरित्तेहिं अजियाइं[1] जिणाहि इंदियाइं, जियं च पालेहि समणधम्मं, जियविग्घो वि य वसाहि तं देव ! सिद्धिमज्झे, निहणाहि रागदोसमल्ले तवेणं धिइधणियबद्धकच्छे, मद्दाहि अट्ठकम्मसत्तू झाणेणं उत्तमेणं सुक्केणं, अप्पमत्तो हराहि आराहणपडागं च वीर ! तेलुक्करंगमज्झे, पावय वितिमिरमणुत्तरं केवलवरनाणं, गच्छ य मुक्खं प(रम)रं पयं जिणवरोवइट्ठेणं मग्गेणं अकुडिलेणं हंता परीसहचमुं, जय जय खत्तियवरवसहा ! वहूइं दिवसाइं वहूइं पक्खाइं वहूइं मासाइं वहूइं उऊइं वहूइं अयणाइं वहूइं संवच्छराइं अभीए परीसहोवसग्गाणं खंतिखमे भयभेरवाणं, धम्मे ते अविग्घं भवउत्तिकट्टु जयजयसद्दं पउंजंति ॥ ११३–११४ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे नयणमालासहस्सेहिं पिच्छिज्जमाणे पिच्छिज्जमाणे, वयणमालासहस्सेहिं अभिथुव्वमाणे अभिथुव्वमाणे, हिययमालासहस्सेहिं उन्नंदिज्जमाणे उन्नंदिज्जमाणे, मणोरहमालासहस्सेहिं विच्छिप्पमाणे विच्छिप्पमाणे, कंतिरूवगुणेहिं पत्थिज्जमाणे पत्थिज्जमाणे, अंगुलिमालासहस्सेहिं दाइज्जमाणे दाइज्जमाणे, दाहिणहत्थेणं वहूणं नरनारीसहस्साणं अंजलिमालासहस्साइं पडिच्छमाणे पडिच्छमाणे, भवणपंतिसहस्साइं समइच्छमाणे समइच्छमाणे,

१ अजेयाइं ति अट्ठो।

समाणी नाणामणिकणगरयणभत्तिचित्तंसि भद्दासणंसि निसीयइ २ त्ता आसत्था वीसत्था सुहासणवरगया सिद्धत्थं खत्तियं ताहिं इट्ठाहिं जाव संलवमाणी २ एवं वयासी–एवं खलु अहं सामी ! अज्ज तंसि तारिसगंसि सयणिज्जंसि वण्णओ जाव पडिबुद्धा, तंजहा–गय(उ)वसह० गाहा। तं एएसिं सामी ! उरालाणं चउदसण्हं महा-सुमिणाणं के मन्ने कल्लाणे फलवित्तिविसेसे भविस्सइ ? ॥ ४९–५० ॥ तए णं से सिद्धत्थे राया तिसलाए खत्तियाणीए अंतिए एयमट्ठं सुच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठचित्ते जाव हियए धाराहयनीवसुरभिकुसुमचंचुमालइयरोमकूवे ते सुमिणे ओगिण्(ह)हेइ २ त्ता ईहं अणुपविसइ २ त्ता अप्पणो साहाविएणं मइपुव्वएणं बुद्धिविण्णाणेणं तेसिं सुमिणाणं अत्थुग्गहं करेइ २ त्ता तिसलं खत्तियाणिं ताहिं इट्ठाहिं जाव मंगल्लाहिं मिय-महुरसस्सिरीयाहिं वग्गूहिं संलवमाणे २ एवं वयासी–उराला णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणा दिट्ठा, कल्लाणा णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणा दिट्ठा, एवं सिवा, धन्ना, मंगल्ला, सस्सिरीया, आरुग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगल्लकारगा णं तुमे देवाणुप्पिए ! सुमिणा दिट्ठा, तंजहा–अत्थलाभो देवाणुप्पिए ! भोगलाभो देवाणुप्पिए ! पुत्तलाभो देवाणुप्पिए ! सुक्खलाभो देवाणुप्पिए ! रज्जलाभो देवाणुप्पिए !, एवं खलु तुमे देवाणुप्पिए ! नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं विइक्कंताणं अम्हं कुलकेउं, अम्हं कुलदीवं, कुलपव्वयं, कुलवडिंसयं, कुलतिलयं, कुलकित्तिकरं, कुलवित्तिकरं, कुलदिणयरं, कुलाधारं, कुलनंदिकरं, कुलजसकरं, कुलपायवं, कुलविव-द्धणकरं, सुकुमालपाणिपायं, अहीण(सं)पडिपुण्णपंचिंदियसरीरं, लक्खणवंजणगुणोव-वेयं, माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगं, ससिसोमाकारं, कंतं, पियदं-सणं, सुरूवं दारयं पयाहिसि ॥ ५१–५२ ॥ से वि य णं दारए उम्मुक्कबालभावे विण्णा-

॥ १ ॥ कुंजर वसहे सीहे, नगराया चेव सागरमखोहे। चंदे सूरे कणगे, वसुंधरा चेव हूयवहे ॥ २ ॥ नत्थि णं तस्स भगवंतस्स कत्थइ पडिबंधे, से य पडिबंधे चउव्विहे पन्नत्ते, तंजहा–दव्वओ खित्तओ कालओ भावओ, दव्वओ णं सचित्ताचित्तमीसिएसु दव्वेसु, खित्तओ णं गामे वा नगरे वा अरण्णे वा खित्ते वा खले वा घरे वा अंगणे वा नहे वा, कालओ णं समए वा आवलियाए वा आणापाणुए वा थोवे वा खणे वा लवे वा मुहुत्ते वा अहोरत्ते वा पक्खे वा मासे वा उ(ऊ)उए वा अयणे वा संवच्छरे वा अन्नयरे वा दीहकालसंजोए, भावओ णं कोहे वा माणे वा मायाए वा लोभे वा भए वा हासे वा पिज्जे वा दोसे वा कलहे वा अब्भक्खाणे वा पेसुन्ने वा परपरिवाए वा अरइरई(ए) वा मायामोसे वा मिच्छादंसणसल्ले वा, तस्स णं भगवंतस्स नो एवं भवइ ॥ ११८ ॥ से णं भगवं वासावासवज्जं अट्ठ गिम्हहेमंतिए मासे गामे एगराइए नगरे पंचराइए वासीचंदणसमाणकप्पे समतिणमणिलेट्ठुकंचणे समसुहदुक्खे इहलोगपरलोगअप्पडिवद्धे जीवियमर(णे य)णनिरवकंखे संसारपारगामी कम्मसत्तुनिग्घायणट्ठाए अब्भुट्ठिए एवं च णं विहरइ ॥ ११९ ॥ तस्स णं भगवंतस्स अणुत्तरेणं नाणेणं अणुत्तरेणं दंसणेणं अणुत्तरेणं चरित्तेणं अणुत्तरेणं आलएणं अणुत्तरेणं विहारेणं अणुत्तरेणं वीरिएणं अणुत्तरेणं अज्जवेणं अणुत्तरेणं मद्दवेणं अणुत्तरेणं लाघवेणं अणुत्तराए खंतीए अणुत्तराए मुत्तीए अणुत्तराए गुत्तीए अणुत्तराए तुट्ठीए अणुत्तरेणं सच्चसंजमतवसुचरियसोवचियफलनिव्वाणमग्गेणं अप्पाणं भावेमाणस्स दुवालससंवच्छराइं विइक्कंताइं, तेरसमस्स संवच्छरस्स अंतरा वट्टमाणस्स जे से गिम्हाणं दुच्चे मासे चउत्थे पक्खे वइसाहसुद्धे तस्स णं वइसाहसुद्धस्स दसमीपक्खेणं पाईणगामिणीए छायाए पोरिसीए अभिनिविट्टाए पमाणपत्ताए सुव्वएणं दिवसेणं विजएणं मुहुत्तेणं जंभियगामस्स नगरस्स बहिया उज्जुवालियाए नईए तीरे वेयावत्तस्स चेइयस्स अदूरसामंते सामागस्स गाहावइस्स कट्ठकरणंसि सालपायवस्स अहे गोदोहियाए उक्क(डि)डुयनिसिज्जाए आयावणाए आयावेमाणस्स छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुन्ने केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ १२० ॥ तए णं[1] समणे भगवं महावीरे अरहा जाए जिणे केवली सव्वन्नू सव्वदरिसी सदेवमणुयासुरस्स लोगस्स परियायं जाणइ पासइ, सव्वलोए सव्वजीवाणं आगइं गइं ठिइं चवणं उववायं तक्कं मणोमाणसियं भुत्तं कडं पडिसेवियं आवीकम्मं रहोकम्मं, अरहा अरहस्सभागी, तं तं कालं मणवयणकायजोगे वट्टमाणाणं सव्वलोए सव्वजीवाणं सव्वभावे

१ तेणं कालेणं तेणं समएणं।

समुत्तजालाकुलाभिरामे विचित्तमणिरयणकुट्टिमतले रमणिज्जे ण्हाणमंडवंसि नाणामणिरयणभत्तिचित्तंसि ण्हाणपीढंसि सुहनिसण्णे पुप्फोदएहि य गंधोदएहि य उण्होदएहि य सुहोदएहि य सुद्धोदएहि य कल्लाणकरणपवरमज्जणविहीए मज्जिए, तत्थ कोउयसएहिं बहुविहेहिं कल्लाणगपवरमज्जणावसाणे पम्हलसुकुमालगंधकासाइयलूहियंगे अहयसुमहग्घदूसरयणसुसंवुडे सरससुरभिगोसीसचंदणाणुलित्तगत्ते सुइमालावण्णगविलेवणे आविद्धमणिसुवण्णे कप्पियहारद्धहारतिसरयपालंबपलंबमाणकडिसुत्तसुकयसोभे पिणद्धगेविज्जे अंगुलिज्जगललियकयाभरणे वरकडगतुडियथंभियभुए अहियरूवसस्सिरीए कुंड(लु)लउज्जोइयाणणे मउडदित्तसिरए हारोत्थयसुकयरइयवच्छे मुद्दियापिंगलंगु(लि)लीए पालंबपलंबमाणसुकयपडउत्तरिज्जे नाणामणिकणगरयणविमलमहरिहनिउणोवचियमिसिमिसिंतविरइयसुसिलिट्ठविसिट्ठलट्ठआविद्धवीरवलए, किं बहुणा? कप्परुक्खए विव अलंकियविभूसिए नरिंदे, सकोरिंटमल्लदामेणं छत्तेणं धरिज्जमाणेणं सेयवरचामराहिं उद्धुव्वमाणीहिं मंगलजय(जय)सद्दकयालोए अणेगगणनायगदंडनायगराईसरतलवरमाडंबियकोडुंबियमंतिमहामंतिगणगदोवारियअमच्चचेडपीढमद्दनगरनिगमसेट्ठिसेणावइसत्थवाहदूयसंधिवालसद्धिं संपरिवुडे धवलमहामेहनिग्गए इव गहगणदिप्पंतरिक्खतारागणाण मज्झे ससिव्व पियदंसणे नरवई नरिंदे नरवसहे नरसीहे अब्भहियरायतेयलच्छीए दिप्पमाणे मज्जणघराओ पडिनिक्खमइ ॥ ६२ ॥

मज्जणघराओ पडिनिक्खमित्ता जेणेव बाहिरिया उवट्ठाणसाला तेणेव उवागच्छइ २ त्ता सीहासणंसि पुरत्थाभिमुहे निसीयइ २ त्ता अप्पणो उत्तरपुर(त्थि)च्छिमे दिसीभाए अट्ठ भद्दासणाइं सेयवत्थपच्चुत्थुयाइं सिद्धत्थयकयमंगलोवयाराइं रयावेइ २ त्ता अप्पणो अदूरसामंते नाणामणिरयणमंडियं अहियपिच्छणिज्जं महग्घवरपट्टणुग्गयं सण्हपट्टभत्तिसयचित्तताणं ईहामियउसभतुरगनरमगरविहगवालगकिन्नररुरुसरभचमरकुंजरवणलयपउमलयभत्तिचित्तं अब्भिंतरियं जवणियं अंछावेइ २ त्ता नाणामणिरयणभत्तिचित्तं अत्थरयमिउमसूर(गो)गुत्थयं सेयवत्थपच्चुत्थुयं सुमउयं अंगसुहफरि(सगं)सं विसिट्ठं तिसलाए खत्तियाणीए भद्दासणं रयावेइ २ त्ता कोडुंबियपुरिसे सद्दावेइ २ त्ता एवं वयासी–खिप्पामेव भो देवाणुप्पिया ! अट्ठंगमहानिमित्तसुत्तत्थधारए विविहसत्थकुसले सुविणलक्खणपाढए सद्दावेह । तए णं ते कोडुंबियपुरिसा सिद्धत्थेणं रण्णा एवं वुत्ता समाणा हट्ठतुट्ठ जाव हियया करयल जाव पडिसुणंति पडिसुणित्ता सिद्धत्थस्स खत्तियस्स अंतियाओ पडिनिक्खमंति पडिनिक्खमित्ता कुंड(ग्गामं)पुरं नगरं मज्झंम-

---

१ नासानीसासवायवोज्झचक्खुहरवण्णफरिसजुत्तहयलालापेलवाइरेगधवलकणगखचियंतकम्मदूस० ।

णं समणाणं निग्गंथाणं निग्गंथीण य नो उदिए उदिए पूयासक्कारे पवत्तइ ॥ १३० ॥ जया णं से खुद्दाए जाव जम्मनक्खत्ताओ विइक्कंते भविस्सइ तया णं समणाणं निग्गंथाणं निग्गंथीण य उदिए उदिए पूयासक्कारे भविस्सइ ॥ १३१ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे तं रयणिं च णं कुंथू अणुद्धरी नामं समुप्पन्ना, जा ठिया अचलमाणा छउमत्थाणं निग्गंथाणं निग्गंथीण य नो चक्खुफासं हव्वमागच्छइ, जा अठिया चलमाणा छउमत्थाणं निग्गंथाणं निग्गंथीण य चक्खुफासं हव्वमागच्छइ ॥ १३२ ॥ जं पासित्ता बहूहिं निग्गंथेहिं निग्गंथीहि य भत्ताइं पच्चक्खायाइं, से किमाहु भंते ! (?) अज्जप्पभिइ संजमे दुरारा(हे)हए भविस्सइ ॥ १३३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स इंदभूइपामुक्खाओ चउद्दससमणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया हुत्था ॥ १३४ ॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स अज्जचंदणापामुक्खाओ छत्तीसं अज्जियासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया हुत्था ॥ १३५ ॥ समणस्स [णं] भगवओ महावीरस्स संखसयगपामुक्खाणं समणोवासगाणं एगा सयसाहस्सी अउणट्ठिं च सहस्सा उक्कोसिया समणोवासगाणं संपया हुत्था ॥ १३६ ॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स सुलसारेवईपामुक्खाणं समणोवासियाणं तिन्नि सयसाहस्सीओ अट्ठारससहस्सा उक्कोसिया समणोवासियाणं संपया हुत्था ॥ १३७ ॥ समणस्स-भगवओ महावीरस्स तिन्नि सया चउद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसन्निवाईणं जिणो विव अवितहं वागरमाणाणं उक्कोसिया चउद्दसपुव्वीणं संपया हुत्था ॥ १३८ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स तेरस सया ओहिनाणीणं अइसेसंपत्ताणं उक्कोसिया ओहिना(णीणं)णिसंपया हुत्था ॥ १३९ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स सत्त

सुमिणं पासित्ताणं पडिबुज्झंति ॥ ७२-७७ ॥ इमे य णं देवाणुप्पिया ! तिसलाए खत्तियाणीए चउद्दस महासुमिणा दिट्ठा, तं उराला णं देवाणुप्पिया ! तिसलाए खत्तियाणीए सुमिणा दिट्ठा जाव मंगल्लकारगा णं देवाणुप्पिया ! तिसलाए खत्तियाणीए सुमिणा दिट्ठा, तंजहा-अत्थलाभो देवाणुप्पिया ! भोगलाभो देवाणुप्पिया ! पुत्तलाभो देवाणुप्पिया ! सुक्खलाभो देवाणुप्पिया ! रज्जलाभो देवाणुप्पिया !, एवं खलु देवाणुप्पिया ! तिसला खत्तियाणी नवण्हं मासाणं वहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं विइक्कंताणं तुम्हं कुलकेउं, कुलदीवं, कुलपव्वयं, कुलवडिंसयं, कुलतिलयं, कुलकित्तिकरं, कुलवित्तिकरं, कुलदिणयरं, कुलाधारं, कुलनंदिकरं, कुलजसकरं, कुलपायवं, कुलतंतुसंताणविवद्धणकरं, सुकुमालपाणिपायं, अहीणपडिपुण्णपंचिंदियसरीरं, लक्खणवंजणगुणोववेयं, माणुम्माणप्पमाणपडिपुण्णसुजायसव्वंगसुंदरंगं, ससिसोमाकारं, कंतं, पियदंसणं, सुरूवं दारयं पयाहिसि ॥ ७८ ॥ से वि य णं दारए उम्मुक्कवालभावे विण्णायपरिणयमित्ते जुव्वणगमणुप्पत्ते सूरे वीरे विक्कंते विच्छिण्णविपुलवलवाहणे चाउरंतचक्कवट्टी रज्जवई राया भविस्सइ, जिणे वा तेलुक्क[तिलोग]नायगे धम्मवरचाउरंतचक्कवट्टी ॥ ७९ ॥ तं उराला णं देवाणुप्पिया ! तिसलाए खत्तियाणीए सुमिणा दिट्ठा जाव आरुग्गतुट्ठिदीहाउकल्लाणमंगल्लकारगा णं देवाणुप्पिया ! तिसलाए खत्तियाणीए सुमिणा दिट्ठा ॥ ८० ॥ तए णं सिद्धत्थे राया तेसिं सुविणलक्खणपाढगाणं अंतिए एयमट्ठं सोच्चा निसम्म हट्ठतुट्ठ जाव हियए करयल जाव ते सुविणलक्खणपाढए एवं वयासी-एवमेयं देवाणुप्पिया ! तहमेयं दे० ! अवितहमेयं दे० ! इच्छियमेयं दे० ! पडिच्छियमेयं दे० ! इच्छियपडिच्छियमेयं दे० !, सच्चे णं एसमट्ठे

वक्कंतीए कुच्छिंसि गब्भत्ताए वक्कंते ॥ १५० ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणीए तिन्नाणोवगए यावि हुत्था, तंजहा–चइस्सामित्ति जाणइ, चयमाणे न जाणइ, चुएमित्ति जाणइ, तेणं चेव अभिलावेणं सुविणदंसणविहाणेणं सव्वं जाव नियगं गिहं अणुपविट्ठा जाव सुहंसुहेणं तं गब्भं परिवहइ ॥ १५१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे अरहा पुरिसादाणीए जे से हेमंताणं दुच्चे मासे तच्चे पक्खे पोसवहुले तस्स णं पोसवहुलस्स दसमीपक्खेणं नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं विइक्कंताणं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं आरोग्गा(आ)रोग्गं दारयं पयाया ॥ १५२ ॥ जं रयणिं च णं पासे अरहा पुरिसादाणीए जाए (तं रयणिं च णं) सा (णं) रयणी बहूहिं देवेहिं देवीहि य जाव उप्पिंजलगभूया कहकहगभूया यावि हुत्था ॥ १५३ ॥ सेसं तहेव, नवरं जम्मणं पासाभिलावेणं भाणियव्वं जाव तं होउ णं कुमारे पासे नामेणं ॥ १५४ ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणीए दक्खे दक्खपइन्ने पडिरूवे अल्लीणे भद्दए विणीए तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहिं ताहिं इट्ठाहिं जाव एवं वयासी–जय जय नन्दा!, जय जय भद्दा! जाव जयजयसद्दं पउंजंति ॥ १५५–१५६ ॥ पुव्विं पि णं पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स माणुस्सगाओ गिहत्थधम्माओ अणुत्तरे आहोइए तं चेव सव्वं जाव दाणं दाइयाणं परिभाइत्ता जे से हेमंताणं दुच्चे मासे तच्चे पक्खे पोसवहुले तस्स णं पोसवहुलस्स इक्कारसीदिवसेणं पुव्वण्हकालसमयंसि विसालाए सि(वि)वियाए सदेवमणुयासुराए परिसाए तं चेव सव्वं नवरं वाणारसिं नगरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव आसमपए उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवरपायवस्स अहे सीयं ठावेइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता अट्ठमेणं भत्तेणं अपाणएणं विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं एगं देवदूसमादाय तिहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १५७ ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणीए तेसीइं राइंदियाइं निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केइ उवसग्गा उप्पज्जंति, तंजहा–दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा अणुलोमा वा पडिलोमा वा ते उप्पन्ने सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ १५८ ॥ तए णं से पासे भगवं अणगारे जाए इरियासमिए जाव अप्पाणं भावेमाणस्स तेसीइं राइंदियाइं विइक्कंताइं, चउरा-

१ पहुंसि गब्भत्थे सइ सयणिज्जत्थाए माऊए पासे सप्पंतो कण्हसप्पो दिट्ठो, तेण 'पासे' त्ति नामं कयं।

वक्कंतीए कुच्छिसि गब्भत्ताए वक्कंते ॥ १५० ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणीए तिन्नाणोवगए यावि हुत्था, तंजहा–चइस्सामित्ति जाणइ, चयमाणे न जाणइ, चुएमित्ति जाणइ, तेणं चेव अभिलावेणं सुविणदंसणविहाणेणं सव्वं जाव नियगं गिहं अणुपविट्ठा जाव सुहंसुहेणं तं गब्भं परिवहइ ॥ १५१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे अरहा पुरिसादाणीए जे से हेमंताणं दुच्चे मासे तच्चे पक्खे पोसवहुले तस्स णं पोसवहुलस्स दसमीपक्खेणं नवण्हं मासाणं वहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं विइक्कंताणं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं आरोग्गा(आ)रोग्गं दारयं पयाया ॥ १५२ ॥ जं रयणिं च णं पासे अरहा पुरिसादाणीए जाए (तं रयणि च णं) सा (णं) रयणी बहूहिं देवेहिं देवीहि य जाव उप्पिंजलगभूया कहकहगभूया यावि हुत्था ॥ १५३ ॥ सेसं तहेव, नवरं जम्मणं पासाभिलावेणं भाणियव्वं जाव तं होउ णं कुमारे पासे नामेणं ॥ १५४ ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणीए दक्खे दक्खपइन्ने पडिरूवे अल्लीणे भद्दए विणीए तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहिं ताहिं इट्ठाहिं जाव एवं वयासी–जय जय नन्दा!, जय जय भद्दा! जाव जयजयसद्दं पउंजंति ॥ १५५–१५६ ॥ पुव्विं पि णं पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स माणुस्सगाओ गिहत्थधम्माओ अणुत्तरे आहोइए तं चेव सव्वं जाव दाणं दाइयाणं परिभाइत्ता जे से हेमंताणं दुच्चे मासे तच्चे पक्खे पोसवहुले तस्स णं पोसवहुलस्स इक्कारसीदिवसेणं पुव्वण्हकालसमयंसि विसालाए सि(वि)वियाए सदेवमणुयासुराए परिसाए तं चेव सव्वं नवरं वाणारसिं नगरिं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव आसमपए उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोगवरपायवस्स अहे सीयं ठावेइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता अट्ठमेणं भत्तेणं अपाणएणं विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं एगं देवदूसमादाय तिहिं पुरिससएहिं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १५७ ॥ पासे णं अरहा पुरिसादाणीए तेसीइं राइंदियाइं निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केइ उवसग्गा उप्पज्जंति, तंजहा–दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा अणुलोमा वा पडिलोमा वा ते उप्पन्ने सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ १५८ ॥ तए णं से पासे भगवं अणगारे जाए इरियासमिए जाव अप्पाणं भावेमाणस्स तेसीइं राइंदियाइं विइक्कंताइं, चउरा-

---

१ पहुंसि गब्भत्थे सइ सयणिज्जत्थाए माऊए पासे सप्पंतो कण्हसप्पो दिट्ठो, तेण 'पासे' त्ति नामं कयं ।

पाणं खाइमं साइमं आसाएमाणा विसाएमाणा परिभुंजेमाणा परिभाएमाणा एवं वा विहरंति ॥ १०४ ॥ जिमियभुत्तुत्तरागया वि य णं समाणा आयंता चोक्खा परमसु(इ)ईभूया तं मित्तनाइनियगसयणसंबंधिपरिजणं नायए खत्तिए य विउलेणं पुप्फवत्थगंधमल्लालंकारेणं सक्कारेंति सम्माणेंति सक्कारित्ता सम्माणित्ता तस्सेव मित्त-नाइनियगसयणसंबंधिपरि(य)जणस्स नाया(ण य)णं खत्तियाण य पुरओ एवं वयासी–पुव्विं पि (य) णं देवाणुप्पिया ! अम्हं एयंसि दारगंसि गब्भं वक्कंतंसि समाणंसि इमे एयारूवे अब्भत्थिए जाव समुप्पज्जित्था–जप्पभिइं च णं अम्हं एस दारए कुच्छिसि गब्भत्ताए वक्कंते तप्पभिइं च णं अम्हे हिरण्णेणं वड्ढामो, सुवण्णेणं धणेणं धन्नेणं रज्जेणं जाव सावइज्जेणं पीइसक्कारेणं अईव अईव अभिवड्ढामो, सामंतरायाणो वस-मागया य। तं जया णं अम्हं एस दारए जाए भविस्सइ तया णं अम्हे एयस्स दारगस्स इमं एयाणुरूवं गुण्णं गुणनिप्फन्नं नामधिज्जं करिस्सामो वद्धमाणुत्ति, ता अज्ज अम्ह मणोरहसंपत्ती जाया, तं होउ णं अम्हं कुमारे वद्धमाणे नामेणं ॥ १०५–१०७ ॥ समणे भगवं महावीरे कासवगुत्तेणं, तस्स णं तओ नामधिज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा–अम्मापिउसंतिए वद्धमाणे, सहसंमुइयाए समणे, अयले भयभेरवाणं प(री)रिसहोवसग्गाणं खंतिखमे पडिमाण पालए धीमं अरइरइसहे दविए वीरियसंपन्ने देवेहिं से नामं कयं 'समणे भगवं महावीरे' ॥ १०८ ॥ सम-णस्स णं भगवओ महावीरस्स पिया कासवगुत्तेणं, तस्स णं तओ नामधिज्जा एव-माहिज्जंति, तंजहा–सिद्धत्थेइ वा, सिज्जंसेइ वा, जसंसेइ वा। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स माया वासि(ट्ठस)ट्ठी गुत्तेणं, तीसे तओ नामधिज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा–तिसलाइ वा, विदेहदिन्नाइ वा, पीइकारिणीइ वा। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स पित्तिज्जे सुपासे, जिट्ठे भाया नंदिवद्धणे, भगिणी सुदंसणा, भारिया जसोया कोडिन्ना गुत्तेणं। समणस्स णं भगवओ महावीरस्स धूया कास(व)वी गुत्तेणं, तीसे दो नामधिज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा–अणोज्जाइ वा, पियदंसणाइ वा। सम-णस्स णं भगवओ महावीरस्स नत्तुई कोसिय(कासव)गुत्तेणं, तीसे णं दो नामधिज्जा एवमाहिज्जंति, तंजहा–सेसवईइ वा, जसवईइ वा ॥ १०९ ॥ समणे भगवं महावीरे दक्खे दक्खपइन्ने पडिरूवे आलीणे भद्दए विणीए नाए नायपुत्ते नायकुलचंदे विदेहे विदेहदिन्ने विदेहजच्चे विदेहसूमाले तीसं वासाइं विदेहंसि कट्टु अम्मापिऊहिं देवत्त-गएहिं गुरुमहत्तरएहिं अब्भणुण्णाए समत्तपइन्ने पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहिं ताहिं इट्ठाहिं जाव वग्गूहिं अणवरयं अभिनंदमाणा य अभिथुव्वमाणा य एवं वयासी–जय जय नंदा !, जय जय भद्दा ! भद्दं ते, जय जय खत्तियवरवसहा !,

सव्वदुक्खप्पहीणस्स दुवालस वाससयाइं विइक्कंताइं, तेरसमस्स (णं) य अयं तीसइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १६९ ॥ २३ ॥ इइ **सिरिपासजिणचरियं समत्तं** ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठनेमी पंचचित्ते हुत्था, तंजहा–चित्ताहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते, तहेव उक्खेवो जाव चित्ताहिं परिनिव्वुए ॥ १७० ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठनेमी जे से वासाणं चउत्थे मासे सत्तमे पक्खे कत्तियबहुले तस्स णं कत्तियबहुलस्स बारसीपक्खेणं अपराजियाओ महाविमाणाओ बत्तीसं सागरोवमट्ठिइयाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे सोरियपुरे नयरे समुद्दविजयस्स रण्णो भारियाए सिवाए देवीए पुव्वरत्तावरत्तकाल-समयंसि जाव चित्ताहिं गब्भत्ताए वक्कंते, सव्वं त(मे)हेव सुविणदंसणदविणसंहरणाइयं इत्थ भाणियव्वं ॥ १७१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठनेमी जे से वासाणं पढमे मासे दुच्चे पक्खे सावणसुद्धे तस्स णं सावणसुद्धस्स पंचमीपक्खेणं नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं जाव चित्ताहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं आरोग्गारोग्गं दारयं पयाया । जम्मणं समुद्दविजयाभिलावेणं नेयव्वं जाव तं होउ णं कुमारे अरिट्ठनेमी[1] नामेणं । अरहा अरिट्ठनेमी दक्खे जाव तिण्णि वाससयाइं कुमारे[2] अगारवासमज्झे वसित्ताणं पुणरवि लोगंतिएहिं जीयकप्पिएहिं देवेहिं तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव दाणं दाइयाणं परिभाइत्ता ॥ १७२ ॥ जे से वासाणं पढमे मासे दुच्चे पक्खे सावण-सुद्धे तस्स णं सावणसुद्धस्स छट्ठीपक्खेणं पुव्वण्हकालसमयंसि उत्तरकुराए सिवि(सी)-याए सदेवमणुयासुराए परिसाए अणुगम्ममाणमग्गे जाव बारवईए नयरीए मज्झं-मज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव रेवयए उज्जाणे तेणेव उवागच्छइ २ त्ता असोग-वरपायवस्स अहे सीयं ठावेइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालं-कारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं चित्ता(हिं)नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं एगं देवदूसमादाय एगेणं पुरिससहस्सेणं सद्धिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ १७३ ॥ अरहा णं अरिट्ठनेमी चउ-प्पन्नं राइंदियाइं निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे तं चेव सव्वं जाव पणपन्नगस्स राइंदियस्स अंतरा वट्टमाणस्स जे से वासाणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे आसोयबहुले तस्स णं आसोयबहुलस्स पण्णरसीपक्खेणं दिवसस्स पच्छिमे भा(ए)गे उज्जिंतसेलसिहरे वेड-सपायवस्स अहे अट्ठमे(छट्ठे)णं भत्तेणं अपाणएणं चित्तानक्खत्तेणं जोगमुवागएणं

१ भगवंतंसि गब्भत्थे माऊए रिट्ठरयणमया नेमी-चक्कधारा सुविणे दिट्ठा तओऽरि-ट्ठनेमी, अकारस्स अमंगलपरिहारट्ठत्तणओ अरिट्ठनेमित्ति, रिट्ठसद्दो अमंगलवाचित्ति ।
२ अपरिणीयत्तणओ ।

तंतीतलतालतुडियगीयवाइयरवेणं महुरेण य मणहरेणं जयजयसद्दघोसमीसिएणं मंजुमंजुणा घोसेण य पडिबुज्झ(आपुच्छिज्ज)माणे पडिबुज्झमाणे, सव्विड्ढीए सव्वजुईए सव्वबलेणं सव्ववाहणेणं सव्वसमुदएणं सव्वायरेणं सव्वविभूईए सव्वविभूसाए सव्वसंभमेणं सव्वसंगमेणं सव्वपगईहिं सव्वनाडएहिं सव्वतालायरेहिं सव(वाय)बोरोहेणं सव्वपुप्फगंधवत्थमल्लालंकारविभूसाए सव्वतुडियसद्दसन्निनाएणं महया इड्ढीए महया जुईए महया बलेणं महया वाहणेणं महया समुदएणं महया वरतुडियजमगसमगप्पवाइएणं संखपणवपडहभेरिझल्लरिखरमुहिहुडुक्कदुंदुहिनिग्घोसनाइयरवेणं कुंडपुरं नगरं मज्झंमज्झेणं निग्गच्छइ २ त्ता जेणेव नायसंडवणे उज्जाणे जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ उवागच्छित्ता असोगवरपायवस्स अहे सीयं ठावेइ २ त्ता सीयाओ पच्चोरुहइ २ त्ता सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ २ त्ता सयमेव पंचमुट्ठियं लोयं करेइ २ त्ता छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं हत्थुत्तराहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं एगं देवदूसमादाय एगे अबीए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ॥ ११५-११६ ॥ समणे भगवं महावीरे संवच्छरं साहियं मासं जाव चीवरधारी होत्था, तेण परं अचेले पाणिपडिग्गहिए । समणे भगवं महावीरे साइरेगाइं दुवालसवासाइं निच्चं वोसट्ठकाए चियत्तदेहे जे केइ उवसग्गा उप्पज्जंति, तंजहा-दिव्वा वा माणुसा वा तिरिक्खजोणिया वा अणुलोमा वा पडिलोमा वा ते उप्पन्ने सम्मं सहइ खमइ तितिक्खइ अहियासेइ ॥ ११७ ॥ तए णं समणे भगवं महावीरे अणगारे जाए-इ(ई)रियासमिए, भासासमिए, एसणासमिए, आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमिए, उच्चारपासवणखेलजल्लसिंघाणपारिट्ठावणियासमिए, मणसमिए, वयसमिए, कायसमिए, मणगुत्ते, वयगुत्ते, कायगुत्ते, गुत्ते, गुत्तिंदिए, गुत्तबंभयारी, अकोहे, अमाणे, अमाए, अलोहे, संते, पसंते, उवसंते, परिनिव्वुडे, अणासवे, अममे, अकिंचणे, छिन्न(सोए)गंथे, निरुवलेवे, कंसपाइ इव मुक्कतोए १, संखे इव निरंजणे २, जीवे इव अप्पडिहयगई ३, गगणमिव निरालंबणे ४, वा(ऊ इव)उव्व अपडिबद्धे ५, सारयसलिलं व सुद्धहियए ६, पुक्खरपत्तं व निरुवलेवे ७, कुम्मे इव गुत्तिंदिए ८, खग्गिविसाणं व एगजाए ९, विहग इव विप्पमुक्के १०, भारंडपक्खी इव अप्पमत्ते ११, कुंजरे इव सोंडीरे १२, वसहो इव जायथामे १३, सीहो इव दुद्धरिसे १४, मंदरो इव निक्कं(अप्पकं)पे १५, सागरो इव गंभीरे १६, चंदो इव सोमलेसे १७, सूरो इव दित्ततेए १८, जच्चकणगं व जायरूवे १९, वसुंधरा इव सव्वफासविसहे २०, सुहुयहुयासणो इव तेयसा जलंते २१। इमेसिं पयाणं दुन्नि **संगहणिगाहाओ**-कंसे संखे जीवे, गगणे वाऊ य सरयसलिले य । पुक्खरपत्ते कुम्मे, विहगे खग्गे य भारंडे

यस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स इक्कारस वाससयसहस्साइं चउरासीइं च वाससहस्साइं नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १८६ ॥ २० ॥ मल्लिस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स पण्णट्ठिं वाससयसहस्साइं चउरासीइं च वाससहस्साइं नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १८७ ॥ १९ ॥ अरस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे वासकोडिसहस्से विइक्कंते, सेसं जहा मल्लिस्स, तं च एयं-पंचसट्ठिं लक्खा चउरासी(इं) (वास)सहस्सा(इं) विइक्कंता(इं), तम्मि समए महावीरो निव्वुओ, तओ परं नव वाससया(इं) विइक्कंता(इं), दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ। एवं अग्गओ जाव सेयंसो ताव दट्ठव्वं ॥ १८८ ॥ १८ ॥ कुंथुस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे चउभागपलिओवमे विइक्कंते पंचसट्ठिं च सयसहस्सा, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १८९ ॥ १७ ॥ संतिस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे चउभागूणे पलिओवमे विइक्कंते पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९० ॥ १६ ॥ धम्मस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स तिण्णि सागरोवमाइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९१ ॥ १५ ॥ अणंतस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स सत्त सागरोवमाइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९२ ॥ १४ ॥ विमलस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स सोलस सागरोवमाइं विइक्कंताइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९३ ॥ १३ ॥ वासुपुज्जस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स छायालीसं सागरोवमाइं विइक्कंताइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९४ ॥ १२ ॥ सिज्जंसस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे सागरोवमसए विइक्कंते पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९५ ॥ ११ ॥ सीयलस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगा सागरोवमकोडी तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणिया विइक्कंता, एयंमि समए महावीरो निव्वुओ, तओ (वि य णं) परं नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १९६ ॥ १० ॥ सुविहिस्स णं अरहओ पुप्फदंतस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स दस सागरोवमकोडीओ विइक्कंताओ, सेसं जहा सीयलस्स, तं च इमं-तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणिया(इं) विइक्कंता(इं) इच्चाइ(यं) ॥ १९७ ॥ ९ ॥ चंदप्पहस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स एगं सागरोवमकोडिसयं विइक्कंतं, सेसं जहा सीयलस्स, तं इमं-तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणगमिच्चाइ ॥ १९८ ॥ ८ ॥

जाणमाणे पासमाणे विहरइ ॥ १२१ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे अट्ठियगामं नीसाए पढमं अंतरावासं वासावासं उवागए १, चंपं च पिट्ठिचंपं च नीसाए तओ अंतरावासे वासावासं उवागए ४, वेसालिं नगरिं वाणियगामं च नीसाए दुवालस अंतरावासे वासावासं उवागए १६, रायगिहं नगरं नालंदं च बाहिरियं नीसाए चउद्दस अंतरावासे वासावासं उवागए ३०, छ मिहि(लिया)लाए ३६ दो भद्दियाए ३८ एगं आलंभियाए ३९, एगं सावत्थीए ४० एगं पणियभूमीए ४१ एगं पावाए मज्झिमाए हत्थिवालस्स रण्णो रज्जुगसभाए अपच्छिमं अंतरावासं वासावासं उवागए ४२ ॥ १२२ ॥ तत्थ णं जे से पावाए मज्झिमाए हत्थिवालस्स रण्णो रज्जुगसभाए अपच्छिमं अंतरावासं वासावासं उवागए तस्स णं अंतरावासस्स जे से वासाणं चउत्थे मासे सत्तमे पक्खे कत्तियबहुले तस्स णं कत्तियबहुलस्स पण्णरसीपक्खेणं जा सा चरमा रयणी तं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे कालगए विइक्कंते समुज्जाए छिन्नजाइजरामरणबंधणे सिद्धे बुद्धे मुत्ते अंतगडे परिनिव्वुडे सव्वदुक्खप्पहीणे, चंदे नामं से दो(दु)च्चे संवच्छरे, पीइवद्धणे मासे, नंदिवद्धणे पक्खे, अग्गिवेसे नामं से दिवसे उवसमित्ति पवुच्चइ, देवाणंदा नामं सा रयणी निरतित्ति पवुच्चइ, अच्चे लवे, मुहुत्ते पाणू, थोवे सिद्धे, नागे करणे, सव्वट्ठसिद्धे मुहुत्ते, साइणा नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं कालगए विइक्कंते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ १२३-१२४ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे सा णं रयणी बहूहिं देवेहिं देवीहि य ओवयमाणेहि य उप्पयमाणेहि य उज्जोविया यावि हुत्था ॥ १२५ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे सा णं रयणी बहूहिं देवे(हि य)हिं देवीहि य ओवयमाणेहिं उप्पयमाणेहि य उप्पिंजलगमाणभूया कहकहगभूया यावि हुत्था ॥ १२६ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे तं रयणिं च णं जिट्ठस्स गोयमस्स इंदभूइस्स अणगारस्स अंतेवासिस्स नायए पिज्जबंधणे वुच्छिन्ने अणंते अणुत्तरे जाव केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ॥ १२७ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे तं रयणिं च णं नव मल्लई नव लेच्छई कासीकोसलगा अट्ठारसवि गणरायाणो अमावासाए पा(वा)राभो(ए)यं पोसहोववासं पट्ठविंसु, गए से भावुज्जोए दव्वुज्जोयं करिस्सामो ॥ १२८ ॥ जं रयणिं च णं समणे भगवं महावीरे जाव सव्वदुक्खप्पहीणे तं रयणिं च णं खुद्दाए भासरासी नाम महग्गहे दोवाससहस्सठिई समणस्स भगवओ महावीरस्स जम्मनक्खत्तं संकंते ॥ १२९ ॥ जप्पभिइं च णं से खुद्दाए भासरासी महग्गहे दोवाससहस्सठिई समणस्स भगवओ महावीरस्स जम्मनक्खत्तं संकंते तप्पभिइं च

यस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स इक्कारस वाससयसहस्साइं चउरासीइं च वाससहस्साइं नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १८६ ॥ २० ॥ मल्लिस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स पण्णट्ठिं वाससयसहस्साइं चउरासीइं च वाससहस्साइं नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १८७ ॥ १९ ॥ अरस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे वासकोडिसहस्से विइक्कंते, सेसं जहा मल्लिस्स, तं च एयं–पंचसट्ठिं लक्खा चउरासी(इं) (वास)सहस्सा(इं) विइक्कंता(इं), तम्मि समए महावीरो निव्वुओ, तओ परं नव वाससया(इं) विइक्कंता(इं), दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ। एवं अग्गओ जाव सेयंसो ताव दट्ठव्वं ॥ १८८ ॥ १८ ॥ कुंथुस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे चउभागपलिओवमे विइक्कंते पंचसट्ठिं च सयसहस्सा, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १८९ ॥ १७ ॥ संतिस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे चउभागूणे पलिओवमे विइक्कंते पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९० ॥ १६ ॥ धम्मस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स तिण्णि सागरोवमाइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९१ ॥ १५ ॥ अणंतस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स सत्त सागरोवमाइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९२ ॥ १४ ॥ विमलस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स सोलस सागरोवमाइं विइक्कंताइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९३ ॥ १३ ॥ वासुपुज्जस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स छायालीसं सागरोवमाइं विइक्कंताइं पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९४ ॥ १२ ॥ सिज्जंसस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगे सागरोवमसए विइक्कंते पण्णट्ठिं च, सेसं जहा मल्लिस्स ॥ १९५ ॥ ११ ॥ सीयलस्स णं अरहओ जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स एगा सागरोवमकोडी तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणिया विइक्कंता, एयंमि समए महावीरो निव्वुओ, तओ (वि य णं) परं नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १९६ ॥ १० ॥ सुविहिस्स णं अरहओ पुप्फदंतस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स दस सागरोवमकोडीओ विइक्कंताओ, सेसं जहा सीयलस्स, तं च इमं–तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणिया(इं) विइक्कंता(इं) इच्चाइ(यं) ॥ १९७ ॥ ९ ॥ चंदप्पहस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स एगं सागरोवमकोडिसयं विइक्कंतं, सेसं जहा सीयलस्स, तं च इमं–तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणगमिच्चाइ ॥ १९८ ॥ ८ ॥

वीरस्स अट्ठ सया अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं ठिइकल्लाणाणं आगमेसिभद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयाणं संपया हुत्था ॥ १४५ ॥ समणस्स णं भगवओ महावीरस्स दुविहा अंतगडभूमी हुत्था, तंजहा–जुगंत(ग)कडभूमी य परियायंतकडभूमी य, जाव तच्चाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकडभूमी, चउवासपरियाए अंतमकासी ॥ १४६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता साइरेगाइं दुवालस वासाइं छउमत्थपरियागं पाउणित्ता देसूणाइं तीसं वासाइं केवलिपरियागं पाउणित्ता बायालीसं वासाइं सामण्णपरियागं पाउणित्ता बावत्त(रिं)रि वासाइं सव्वाउयं पालइत्ता खीणे वेयणिज्जाउयनामगुत्ते इमीसे ओसप्पिणीए दूसमसुसमाए समाए बहुविइक्कंताए तिहिं वासेहिं अद्धनवमेहि य मासेहिं सेसेहिं पावाए मज्झिमाए हत्थिवालस्स रण्णो रज्जु(य)गसभाए एगे अबीए छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं साइणा नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं पच्चूसकालसमयंसि संपलियंकनिसण्णे पणपन्नं अज्झयणाइं कल्लाणफलविवागाइं पणपन्नं अज्झयणाइं पावफलविवागाइं छत्तीसं च अपुट्ठवागरणाइं वागरित्ता पहाणं नाम अज्झयणं विभावेमाणे विभावेमाणे कालगए विइक्कंते समुज्जाए छिन्नजाइजरामरणबंधणे सिद्धे बुद्धे मुत्ते अंतगडे परिनिव्वुडे सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ १४७ ॥ [1]समणस्स भगवओ महावीरस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ । वायणंतरे पुण अयं तेणउए संवच्छरे काले गच्छइ इइ दीसइ ॥ १४८ ॥ २४ ॥ **इइ सिरिमहावीरचरियं समत्तं** ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे [णं] अरहा पुरिसादाणीए पंचविसाहे हुत्था, तंजहा–विसाहाहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते १, विसाहाहिं जाए २, विसाहाहिं मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइए ३, विसाहाहिं अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे कसिणे पडिपुण्णे केवलवरनाणदंसणे समुप्पन्ने ४, विसाहाहिं परिनिव्वु(डे)ए ५ ॥ १४९ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे अरहा पुरिसादाणीए जे से गिम्हाणं पढमे मासे पढमे पक्खे चित्तबहुले तस्स णं चित्तबहुलस्स चउत्थीपक्खेणं पाणयाओ कप्पाओ वीसंसागरोवमट्ठिइयाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे वाणारसीए नयरीए आससेणस्स रण्णो वामाए देवीए पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं आहारवक्कंतीए भववक्कंतीए सरीर-

---

१ कप्पसुत्तस्स पुत्थयलिहणकालजाणावणट्ठा सुत्तमिणं देवड्ढिगणिखमासमणेहिं लिहियं, वीरनिव्वाणाओ नवसयअसीइवरिसे पुत्थयारूढो सिद्धंतो जाओ तया कप्पो वि पुत्थयारूढो जाओ त्ति अट्ठो । एवं सव्वजिणंतरेसु अवगंतव्वं ।

सीइ(मे)मस्स राइंदि(ए)यस्स अंतरा वट्टमा(णे)णस्स जे से गिम्हाणं पढमे मासे पढमे पक्खे चित्तवहुले तस्स णं चित्तवहुलस्स चउत्थीपक्खेणं पुव्वण्हकालसमयंसि धाय(इ)इपायवस्स अहे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते जाव जाणमाणे पासमाणे विहरइ ॥ १५९ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा हुत्था, तंजहा-सुभे १ य अज्जघोसे २ य, वसिट्ठे ३ वंभयारि ४ य। सोमे ५ सिरिहरे ६ चेव, वीरभद्दे ७ जसे वि य ८ ॥ १ ॥ १६० ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अज्जदिन्न-पामुक्खाओ सोलस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया हुत्था ॥ १६१ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स पुप्फचूलापामुक्खाओ अट्ठत्तीसं अज्जियासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया हुत्था ॥ १६२ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स सुव्वयपामुक्खाणं समणोवासगाणं एगा सयसाहस्सी[ओ] चउसट्ठिं च सहस्सा उक्को-सिया समणोवास(ग)गाणं संपया हुत्था ॥ १६३ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादा-णीयस्स सुनंदापामुक्खाणं समणोवासियाणं तिण्णि सयसाहस्सीओ सत्तावीसं च सहस्सा उक्कोसिया समणोवासियाणं संपया हुत्था ॥ १६४ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अद्धुट्ठसया चउद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खर-सन्निवाईणं जाव चउद्दसपुव्वीणं संपया हुत्था ॥ १६५ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स चउद्दस सया ओहिनाणीणं, दस सया केवलनाणीणं, ए(इ)क्कार-स सया वेउ(व्विया)व्वीणं, छस्सया रिउमईणं, दस समणसया सिद्धा, वीसं अज्जि-यासया सिद्धा, अद्धट्ठ-म-सया विउलमईणं, छ(स)सया वाईणं, वारस सया अणुत्तरोव-वाइयाणं ॥ १६६ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स दुविहा अंतगडभूमी हुत्था, तंजहा-जुगंतकडभूमी य परियायंतकडभूमी य, जाव चउत्थाओ पुरिसजु-गाओ जुगंतकडभूमी, तिवासपरियाए अंतमकासी ॥ १६७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे अरहा पुरिसादाणीए तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता तेसीइं राइंदियाइं छउमत्थपरियायं पाउणित्ता देसूणाइं सत्तरि वासाइं केवलिपरियायं पाउणित्ता पडिपुन्नाइं सत्तरि वासाइं सामण्णपरियायं पाउणित्ता एक्कं वाससयं सव्वाउ पालइत्ता खीणे वेयणिज्जाउयनामगुत्ते इमीसे ओसप्पिणीए दूसमसुसमाए समाए व-

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणस्स भगवओ महावीरस्स नव गणा, इक्कारस गणहरा हुत्था ॥ १ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-समणस्स भगवओ महावीरस्स नव गणा, इक्कारस गणहरा हुत्था ? ॥ २ ॥ समणस्स भगवओ महावीरस्स जिट्ठे इंदभूई अणगारे गोयम(स)गुत्तेणं पंच समणसयाइं वाएइ, मज्झिमए अग्गिभूई अणगारे गोयमगुत्तेणं पंच समणसयाइं वाएइ, कणीयसे अणगारे वाउभूई नामेणं गोयमगुत्तेणं पंच समणसयाइं वाएइ, थेरे अज्जवियत्ते भारद्दाए गुत्तेणं पंच समणसयाइं वाएइ, थेरे अज्जसुहम्मे अग्गिवेसाय(णे)णगुत्तेणं पंच समणसयाइं वाएइ, थेरे मंडियपुत्ते वासि-(ट्ठे)ट्ठसगुत्तेणं अद्धुट्ठाइं समणसयाइं वाएइ, थेरे मोरियपुत्ते कास(वे)वगुत्तेणं अद्धुट्ठाइं समणसयाइं वाएइ, थेरे अकंपिए गोय(मे)मसगुत्तेणं-थेरे अयलभाया हारियाय(णे)-णगुत्तेणं, एए दुण्णिवि थेरा तिण्णि तिण्णि समणसयाइं वाएंति, थेरे अज्जमे(इ)यज्जे-थेरे अज्जपभासे, एए दुण्णिवि थेरा कोडिन्ना-गुत्तेणं तिण्णि तिण्णि समणसयाइं वाएंति । से तेणट्ठेणं अज्जो ! एवं वुच्चइ-समणस्स भगवओ महावीरस्स नव गणा, इक्कारस गणहरा हुत्था ॥ ३ ॥ सव्वे वि णं एए समणस्स भगवओ महावीरस्स ए(इ)क्कारस वि गणहरा दुवालसंगिणो चउ(द्द)दसपुव्विणो समत्तगणिपिडगधारगा रायगिहे नगरे मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं कालगया जाव सव्वदुक्खप्पहीणा । थेरे इंदभूई थेरे अज्जसुहम्मे य सिद्धिगए महावीरे पच्छा दुण्णिवि थेरा परिनिव्वुया । जे इमे अज्जत्ताए समणा निग्गंथा विहरंति एए णं सव्वे अज्जसुहम्मस्स अणगारस्स आवच्चिज्जा, अवसेसा गणहरा निरवच्चा वुच्छिन्ना ॥ ४ ॥ समणे भगवं महावीरे कासवगुत्तेणं । समणस्स णं भगवओ महावीरस्स कासवगुत्तस्स अज्जसुहम्मे थेरे अंते-वासी अग्गिवेसायणगुत्ते । थेरस्स णं अज्जसुहम्मस्स अग्गिवेसायणगुत्तस्स अज्ज-जंबूनामे थेरे अंतेवासी कासवगुत्तेणं । थेरस्स णं अज्जजंबूनामस्स कासवगुत्तस्स अज्जप्पभवे थेरे अंतेवासी कच्चायणसगुत्ते । थेरस्स णं अज्जप्पभवस्स कच्चायणस-गुत्तस्स अज्जसिज्जंभवे थेरे अंतेवासी मणगपिया वच्छसगुत्ते । थेरस्स णं अज्जसिज्जं-भवस्स मणगपिउणो वच्छसगुत्तस्स अज्जजसभद्दे थेरे अंतेवासी तुंगियायणसगुत्ते[1] ॥ ५ ॥ **इइ गणहराइथेरावली समत्ता ॥**

तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे वासाणं सवीसइराए मासे विइक्कंते वासावासं पज्जोसवेइ ॥ १ ॥ से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ-समणे भगवं महावीरे वासाणं सवीसइराए मासे विइक्कंते वासावासं पज्जोसवेइ ? जओ णं पाएणं अगारीणं

१ अम्हाणमइपाईणायरिसे एत्तिओ चेव पाढो लब्भइ जो 'अज्जभद्दबाहुणा इमस्स रयणा कया' अस्स पुट्ठिं करेइ ।

सीइ(मे)मस्स राइंदि(ए)यस्स अंतरा वट्टमा(णे)णस्स जे से गिम्हाणं पढमे मासे पढमे पक्खे चित्तवहुले तस्स णं चित्तवहुलस्स चउत्थीपक्खेणं पुव्वण्हकालसमयंसि धाय(ई)इपायवस्स अहे छट्ठेणं भत्तेणं अपाणएणं विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते जाव जाणमाणे पासमाणे विहरइ ॥ १५९ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अट्ठ गणा अट्ठ गणहरा हुत्था, तंजहा–सुभे १ य अज्जघोसे २ य, वसिट्ठे ३ बंभयारि ४ य। सोमे ५ सिरिहरे ६ चेव, वीरभद्दे ७ जसे वि य ८ ॥ १ ॥ १६० ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अज्जदिन्न-पामुक्खाओ सोलस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समणसंपया हुत्था ॥ १६१ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स पुप्फचूलापामुक्खाओ अट्ठत्तीसं अज्जियासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया हुत्था ॥ १६२ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स सुव्वयपामुक्खाणं समणोवासगाणं एगा सयसाहस्सी[ओ] चउसट्ठिं च सहस्सा उक्कोसिया समणोवास(ग)गाणं संपया हुत्था ॥ १६३ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स सुनंदापामुक्खाणं समणोवासियाणं तिण्णि सयसाहस्सीओ सत्तावीसं च सहस्सा उक्कोसिया समणोवासियाणं संपया हुत्था ॥ १६४ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स अद्धुट्ठसया चउद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खर-सन्निवाईणं जाव चउद्दसपुव्वीणं संपया हुत्था ॥ १६५ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स चउद्दस सया ओहिनाणीणं, दस सया केवलनाणीणं, ए(इ)क्कारस सया वेउ(व्विया)व्वीणं, छस्सया रिउमईणं, दस समणसया सिद्धा, वीसं अज्जियासया सिद्धा, अद्धट्ठ-म-सया विउलमईणं, छ(स)सया वाईणं, वारस सया अणुत्तरोववाइयाणं ॥ १६६ ॥ पासस्स णं अरहओ पुरिसादाणीयस्स दुविहा अंतगडभूमी हुत्था, तंजहा–जुगंतकडभूमी य परियायंतकडभूमी य, जाव चउत्थाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकडभूमी, तिवासपरियाए अंतमकासी ॥ १६७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे अरहा पुरिसादाणीए तीसं वासाइं अगारवासमज्झे वसित्ता तेसीइं राइंदियाइं छउमत्थपरियायं पाउणित्ता देसूणाइं सत्तरि वासाइं केवलिपरियायं पाउणित्ता पडिपुन्नाइं सत्तरि वासाइं सामण्णपरियायं पाउणित्ता एक्कं वाससयं सव्वाउयं पालइत्ता खीणे वेयणिज्जाउयनामगुत्ते इमीसे ओसप्पिणीए दूसमसुसमाए समाए वहुविइक्कंताए जे से वासाणं पढमे मासे दुच्चे पक्खे सावणसुद्धे तस्स णं सावणसुद्धस्स अट्ठमीपक्खेणं उप्पिं सम्मेयसेलसिहरंसि अप्पचउत्तीसइमे मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं विसाहाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं पुव्व(रत्तावरत्त)ण्हकालसमयंसि वग्घारियपाणी कालगए विइक्कंते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ १६८ ॥ पासस्स णं अरहओ जाव

सप्पिं, तिल्लं, गुडं ॥ १७ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं अत्थेगइयाणं एवं वुत्तपुव्वं भवइ–'अट्ठो भंते! गिलाणस्स?' से य वएज्जा–'अट्ठो', से य पुच्छियव्वे 'केवइएणं अट्ठो?' से (य) वएज्जा–'एवइएणं अट्ठो गिलाणस्स', जं से पमाणं वयइ से य पमाणओ वित्तव्वे, से य विन्नविज्जा, से य विन्नवेमाणे लभिज्जा, से य पमाणपत्ते 'होउ अलाहि' इय वत्तव्वं सिया, से किमाहु भंते!, एवइएणं अट्ठो गिलाणस्स, सिया णं एवं वयंतं परो वइज्जा–'पडिगाहेहि अज्जो! पच्छा तुमं भुक्खसि वा पाहिसि वा,' एवं से कप्पइ पडिगाहित्तए, नो से कप्पइ गिलाणनीसाए पडिगाहित्तए ॥ १८ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं अत्थि णं थेराणं तहप्पगाराइं कुलाइं कडाइं पत्तियाइं थिज्जाइं वेसासियाइं संमयाइं वहुमयाइं अणुमयाइं भवंति, त(ज)त्थ से नो कप्पइ अदक्खु वइत्तए–,अत्थि ते आउसो! इमं वा इमं वा?' से किमाहु भंते!, सड्ढी गिही गिण्हइ वा, तेणियंपि कुज्जा ॥ १९ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स निच्चभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पइ एगं गोयरकालं गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा, नन्नत्थाऽऽयरियवेयावच्चेण वा एवं उवज्झायवेयावच्चेण वा तवस्सिवेयावच्चेण वा गिलाणवेयावच्चेण वा खुड्डएण वा खुड्डियाए वा अवंजणजायएण वा ॥ २० ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स चउत्थभत्तियस्स भिक्खुस्स अयं एवइए विसेसे-जं से पाओ निक्खम्म पुव्वामेव वियडगं भुच्चा पिच्चा पडिग्गहगं संलिहिय संपमज्जिय से य संथरिज्जा कप्पइ से तद्दिवसं तेणेव भत्तट्ठेणं पज्जोसवित्तए, से य नो संथरिज्जा एवं से कप्पइ दुच्चंपि गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ २१ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स छट्ठभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति दो गोयरकाला गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ २२ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स अट्ठमभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति तओ गोयरकाला गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ २३ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स विगिट्ठभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति सव्वेवि गोयरकाला गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ २४ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स निच्चभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति सव्वाइं पाणगाइं पडिगाहित्तए । वासावासं पज्जोसवियस्स चउत्थभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा–ओसेइमं(वा), संसेइमं, चाउलोदगं । वासावासं पज्जोसवियस्स छट्ठभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति तओ पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा–तिलोदगं वा, तुसोदगं वा, जवोदगं वा । वासावासं पज्जोसवियस्स अट्ठमभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति तओ

झाणंतरियाए वट्टमाणस्स अणंते अणुत्तरे निव्वाघाए निरावरणे जाव केवलवरनाण-दंसणे समुप्पन्ने जाव सव्वजीवाणं सव्वभावे जाणमाणे पासमाणे विहरइ ॥ १७४ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स अट्ठारस गणा अट्ठारस गणहरा हुत्था ॥ १७५ ॥ अरह-ओ णं अरिट्ठनेमिस्स वरदत्तपामुक्खाओ अट्ठारस समणसाहस्सीओ उक्कोसिया समण-संपया हुत्था ॥ १७६ ॥···अज्जजक्खिणीपामुक्खाओ चत्तालीसं अज्जियासाहस्सीओ उक्कोसिया अज्जियासंपया हुत्था ॥ १७७ ॥···नंदपामुक्खाणं समणोवासगाणं एगा सयसाहस्सीओ अउणत्तरिं च सहस्सा उक्कोसिया समणोवासगाणं संपया हुत्था ॥ १७८ ॥···महासुव्वयापामुक्खाणं समणोवासि(गा)याणं तिण्णि सयसाहस्सीओ छत्तीसं च सहस्सा उक्कोसिया समणोवासियाणं संपया हुत्था ॥ १७९ ॥···चत्तारि सया चउद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं सव्वक्खरसन्निवाईणं जाव संपया हुत्था ॥ १८० ॥ पन्नरस सया ओहिनाणीणं, पन्नरस सया केवलनाणीणं, पन्नरस सया वेउव्वियाणं, दस सया विउलमईणं, अट्ठ सया वाईणं, सोलस सया अणुत्तरोववाइयाणं, पन्नरस समणसया सिद्धा, तीसं अज्जियासयाइं सिद्धाइं ॥ १८१ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स दुविहा अंतगडभूमी हुत्था, तंजहा—जुगंतकडभूमी य परियायंत-कडभूमी य, जाव अट्ठमाओ पुरिसजुगाओ जुगंतकडभूमी, दुवा(ल)सपरियाए अंत-मकासी ॥ १८२ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं अरहा अरिट्ठनेमी तिण्णि वाससयाइं कुमारवासमज्झे वसित्ता चउप्पन्नं राइंदियाइं छउमत्थपरियायं पाउणित्ता देसूणाइं सत्त वाससयाइं केवलिपरियायं पाउणित्ता पडिपुण्णाइं सत्त वाससयाइं सामण्ण-परियायं पाउणित्ता एगं वाससहस्सं सव्वाउयं पालइत्ता खीणे वेयणिज्जाउय-नामगुत्ते इमीसे ओसप्पिणीए दूसमसुसमाए समाए बहुविइक्कंताए जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे अट्ठमे पक्खे आसाढसुद्धे तस्स णं आसाढसुद्धस्स अट्ठमीपक्खेणं उप्पिं उज्जिंतसेलसिहरंसि पंचहिं छत्तीसेहिं अणगारसएहिं सद्धिं मासिएणं भत्तेणं अपाणएणं चित्तानक्खत्तेणं जोगमुवागएणं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि नेसज्जिए कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ १८३ ॥ अरहओ णं अरिट्ठनेमिस्स कालगयस्स जाव सव्व-दुक्खप्पहीणस्स चउरासीइं वाससहस्साइं विइक्कंताइं, पंचासीइमस्स वाससहस्सस्स नव वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १८४ ॥ २२ ॥ इइ **सिरिनेमिनाहचरियं समत्तं** ॥

नमिस्स णं अरहओ कालगयस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स पंच वाससयसह-स्साइं चउरासीइं च वाससहस्साइं नव य वाससयाइं विइक्कंताइं, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ १८५ ॥ २१ ॥ मुणिसुव्व-

वायपडियाए अणुपविट्ठस्स निगिज्झिय निगिज्झिय वुट्ठिकाए निवइज्जा, कप्पइ से अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा अहे वियडगिहंसि वा अहे रुक्खमूलंसि वा उवागच्छित्तए ॥ ३२ ॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते चाउलोदणे पच्छाउत्ते भिलिंगसूवे, कप्पइ से चाउलोदणे पडिगाहित्तए, नो से कप्पइ भिलिंगसूवे पडिगाहित्तए ॥ ३३ ॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते भिलिंगसूवे पच्छाउत्ते चाउलोदणे, कप्पइ से भिलिंगसूवे पडिगाहित्तए, नो से कप्पइ चाउलोदणे पडिगाहित्तए ॥ ३४ ॥ तत्थ से पुव्वागमणेणं दोऽवि पुव्वाउत्ताइं (वट्टंति), कप्पंति से दोऽवि पडिगाहित्तए, तत्थ से पुव्वागमणेणं दोऽवि पच्छाउत्ताइं, एवं नो से कप्पंति दोऽवि पडिगाहित्तए, जे से तत्थ पुव्वागमणेणं पुव्वाउत्ते से कप्पइ पडिगाहित्तए, जे से तत्थ पुव्वागमणेणं पच्छाउत्ते नो से कप्पइ पडिगाहित्तए ॥ ३५ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स निग्गंथस्स निग्गंथीए वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठस्स निगिज्झिय निगिज्झिय वुट्ठिकाए निवइज्जा, कप्पइ से अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा अहे वियडगिहंसि वा अहे रुक्खमूलंसि वा उवागच्छित्तए, नो से कप्पइ पुव्वगहिएणं भत्तपाणेणं वेलं उवायणावित्तए, कप्पइ से पुव्वामेव वियडगं भुच्चा (पिच्चा) पडिग्गहगं संलिहिय संलिहिय संपमज्जिय संपमज्जिय ए[गाययं]गओ भंडगं कट्टु सावसेसे सूरे जेणेव उवस्सए तेणेव उवागच्छित्तए, नो से कप्पइ तं रयणिं तत्थेव उवायणावित्तए ॥ ३६ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स निग्गंथस्स निग्गंथीए वा गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठस्स निगिज्झिय निगिज्झिय वुट्ठिकाए निवइज्जा, कप्पइ से अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा० वियडगिहंसि वा अहे रुक्खमूलंसि वा उवागच्छित्तए ॥ ३७ ॥ तत्थ नो कप्पइ एगस्स निग्गंथस्स एगाए य निग्गंथीए एगयओ चिट्ठित्तए १, तत्थ नो कप्पइ एगस्स निग्गंथस्स दुण्हं निग्गंथीणं एगयओ चिट्ठित्तए २, तत्थ नो कप्पइ दुण्हं निग्गंथाणं एगाए य निग्गंथीए एगयओ चिट्ठित्तए ३, तत्थ नो कप्पइ दुण्हं निग्गंथाणं दुण्हं निग्गंथीण य एगयओ चिट्ठित्तए ४, अत्थि य इत्थ केइ पंचमे खुड्डए वा खुड्डिया(इ) वा अन्नेसिं वा संलोए सपडिदुवारे एवं ण्हं कप्पइ एगयओ चिट्ठित्तए ॥ ३८ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स निग्गंथस्स गाहावइकुलं पिंडवायपडियाए अणुपविट्ठस्स निगिज्झिय निगिज्झिय वुट्ठिकाए निवइज्जा, कप्पइ से अहे आरामंसि वा अहे उवस्सयंसि वा अहे वियडगिहंसि वा अहे रुक्खमूलंसि वा उवागच्छित्तए, तत्थ नो कप्पइ एगस्स निग्गंथस्स एगाए य अगारीए एगयओ चिट्ठित्तए, एवं चउभंगी, अत्थि णं इत्थ केइ पंचमए थेरे वा थेरिया(इ)वा अन्नेसिं वा संलोए सपडिदुवारे, एवं कप्पइ एगयओ

सुपासस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स एगे सागरोवमकोडिसहस्से विइक्कंते, सेसं जहा सीयलस्स, तं च इमं-तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणिया (विइक्कंता) इच्चाइ ॥ १९९ ॥ ७ ॥ पउमप्पहस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स दस सागरोवमकोडिसहस्सा विइक्कंता, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं, सेसं जहा सीयलस्स ॥ २०० ॥ ६ ॥ सुमइस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स एगे सागरोवमकोडिसयसहस्से विइक्कंते, सेसं जहा सीयलस्स, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०१ ॥ ५ ॥ अभिनंदणस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स दस सागरोवमकोडिसयसहस्सा विइक्कंता, सेसं जहा सीयलस्स, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०२ ॥ ४ ॥ संभवस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स वीसं सागरोवमकोडिसयसहस्सा विइक्कंता, सेसं जहा सीयलस्स, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०३ ॥ ३ ॥ अजियस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स पन्नासं सागरोवमकोडिसयसहस्सा विइक्कंता, सेसं जहा सीयलस्स, तं च इमं-तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०४ ॥ २ ॥ इइ **जिणंतराइं समत्ताइं** ॥

तेणं कालेणं तेणं समएणं उसभे णं अरहा कोसलिए चउउत्तरासाढे अभीइपंचमे हुत्था, तंजहा-उत्तरासाढाहिं चुए चइत्ता गब्भं वक्कंते जाव अभीइणा परिनिव्वुए ॥ २०५ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं उसभे णं अरहा कोसलिए जे से गिम्हाणं चउत्थे मासे सत्तमे पक्खे आसाढवहुले तस्स णं आसाढवहुलस्स चउत्थीपक्खेणं सव्वट्ठसिद्धाओ महाविमाणाओ तित्तीसं सागरोवमट्ठिइयाओ अणंतरं चयं चइत्ता इहेव जंबुद्दीवे दीवे भारहे वासे इक्खागभूमीए नाभिकुलगरस्स मरुदे(वा)वीए भारियाए पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि आहारवक्कंतीए जाव गब्भत्ताए वक्कंते ॥ २०६ ॥ उसभे णं अरहा कोसलिए तिन्नाणोवगए यावि हुत्था, तंजहा-चइस्सामित्ति जाणइ जाव सुमिणे पासइ, तंजहा-गय-वसह० गाहा । सव्वं तहेव, नवरं पढमं उसभं मुहेणं अइंतं पासइ, सेसाओ गयं । नाभिकुलगरस्स सा(ह)हेइ, सुविणपाढगा नत्थि, नाभिकुलगरो सयमेव वागरेइ ॥ २०७ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं उसभे णं अरहा कोसलिए जे से गिम्हाणं पढमे मासे पढमे पक्खे चित्तवहुले तस्स णं चित्तवहुलस्स अट्ठमीपक्खेणं नवण्हं मासाणं बहुपडिपुण्णाणं अद्धट्ठमाणं राइंदियाणं जाव आसाढाहिं नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं आरोग्गारोग्गं दारयं पयाया ॥ २०८ ॥ तं चेव सव्वं जाव देवा देवीओ य वसुहारवासं वासिंसु, सेसं तहेव चारगसोहण-माणुम्माणव(द्ध)ड्ढणउस्सुक्कमाइयट्ठिइवडियजूयवज्जं सव्वं भाणियव्वं ॥ २०९ ॥

थाण वा निग्गंथीण वा अज्जेव कक्खडे कडुए वि(वु)ग्गहे समुप्पज्जि[त्था]ज्जा, सेहे राइणियं खामिज्जा, राइणिएऽवि सेहं खामिज्जा, खमियव्वं खमावियव्वं उवसमियव्वं उवसमावियव्वं सुमइसंपुच्छणाबहुलेणं होयव्वं। जो उवसमइ तस्स अत्थि आराहणा, जो न उवसमइ तस्स नत्थि आराहणा, तम्हा अप्पणा चेव उवसमियव्वं, से किमाहु भंते! उवसमसारं खु सामण्णं ॥ ५९ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा तओ उवस्सया गिण्हित्तए, तंजहा–वेउव्विया पडिलेहा साइज्जिया पमज्जणा ॥ ६० ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा कप्पइ अण्णयरिं दिसिं वा अणुदिसिं वा अवगिज्झिय २ भत्तपाणं गवेसित्तए। से किमाहु भंते! उस्सण्णं समणा भगवंतो वासासु तवसंपउत्ता भवंति तवस्सी दुब्बले किलंते मुच्छिज्ज वा पवडिज्ज वा, तमेव दिसं वा अणुदिसं वा समणा भगवंतो पडिजागरंति ॥ ६१ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा गिलाणहेउं जाव चत्तारि पंच जोयणाइं गंतुं पडिनियत्तए, अंतराऽवि से कप्पइ वत्थए, नो से कप्पइ तं रयणिं तत्थेव उवायणावित्तए ॥ ६२ ॥ इच्चेयं संवच्छरियं थेरकप्पं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं सम्मं काएण फासित्ता पालित्ता सोभित्ता तीरित्ता किट्टित्ता आराहित्ता आणाए अणुपालित्ता अत्थेगइया समणा निग्गंथा तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वाइंति सव्वदुक्खाणमंतं करिंति, अत्थेगइया दुच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिंति, अत्थेगइया तच्चेणं भवग्गहणेणं जाव अंतं करिंति, सत्तट्ठभवग्गहणाइं पुण नाइक्कमंति ॥ ६३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे रायगिहे नगरे गुणसिलए उज्जाणे बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं बहूणं देवाणं बहूणं देवीणं मज्झगए चेव एवमाइक्खइ, एवं भासइ, एवं पण्णवेइ, एवं परूवेइ, पज्जोसवणाकप्पो नामं अज्झयणं सअट्ठं सहेउयं सकारणं ससुत्तं सअट्ठं सउभयं सवागरणं भुज्जो भुज्जो उवदंसेइ ॥ ६४ ॥ **त्ति-बेमि ॥ इइ सामायारी समत्ता ॥ पज्जोसवणाकप्पो नाम दसासुयक्खंधस्स अट्ठममज्झयणं समत्तं ॥ अहवा कप्पसुत्तं समत्तं ॥ पढमं परिसिट्ठं समत्तं ॥**



सुपासस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स एगे सागरोवमकोडिसहस्से विइक्कंते, सेसं जहा सीयलस्स, तं च इमं-तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं ऊणिया (विइक्कंता) इच्चाइ ॥ १९९ ॥ ७ ॥ पउमप्पहस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स दस सागरोवमकोडिसहस्सा विइक्कंता, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं, सेसं जहा सीयलस्स ॥ २०० ॥ ६ ॥ सुमइस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स एगे सागरोवमकोडिसयसहस्से विइक्कंते, सेसं जहा सीयलस्स, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०१ ॥ ५ ॥ अभिनंदणस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स दस सागरोवमकोडिसयसहस्सा विइक्कंता, सेसं जहा सीयलस्स, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०२ ॥ ४ ॥ संभवस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स वीसं सागरोवमकोडिसयसहस्सा विइक्कंता, सेसं जहा सीयलस्स, तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०३ ॥ ३ ॥ अजियस्स णं अरहओ जाव पहीणस्स पन्नासं सागरोवमकोडिसयसहस्सा विइक्कंता, सेसं जहा सीयलस्स, तं च इमं-तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसवाससहस्सेहिं इच्चाइयं ॥ २०४ ॥ २ ॥ इइ जिणंतराइं समत्ताइं ॥

थाण वा निग्गंथीण वा अज्जेव कक्खडे कडुए वि(वु)ग्गहे समुप्पज्जि[त्था]ज्जा, सेहे राइणियं खामिज्जा, राइणिएऽवि सेहं खामिज्जा, खमियव्वं खमावियव्वं उवसमियव्वं उवसमावियव्वं सुमइसंपुच्छणाबहुलेणं होयव्वं। जो उवसमइ तस्स अत्थि आराहणा, जो न उवसमइ तस्स नत्थि आराहणा, तम्हा अप्पणा चेव उवसमियव्वं, से किमाहु भंते! उवसमसारं खु सामण्णं ॥ ५९ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा तओ उवस्सया गिण्हित्तए, तंजहा—वेउव्विया पडिलेहा साइज्जिया पमज्जणा ॥ ६० ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा कप्पइ अण्णयरिं दिसिं वा अणुदिसिं वा अवगिज्झिय २ भत्तपाणं गवेसित्तए। से किमाहु भंते! उस्सण्णं समणा भगवंतो वासासु तवसंपउत्ता भवंति तवस्सी दुब्बले किलंते मुच्छिज्ज वा पवडिज्ज वा, तमेव दिसं वा अणुदिसं वा समणा भगवंतो पडिजागरंति ॥ ६१ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा गिलाणहेउं जाव चत्तारि पंच जोयणाइं गंतुं पडिनियत्तए, अंतराऽवि से कप्पइ वत्थए, नो से कप्पइ तं रयणिं तत्थेव उवायणावित्तए ॥ ६२ ॥ इच्चेयं संवच्छरियं थेरकप्पं अहासुत्तं अहाकप्पं अहामग्गं अहातच्चं सम्मं काएण फासित्ता पालित्ता सोभित्ता तीरित्ता किट्टित्ता आराहित्ता आणाए अणुपालित्ता अत्थेगइया समणा निग्गंथा तेणेव भवग्गहणेणं सिज्झंति बुज्झंति मुच्चंति परिनिव्वाइंति सव्वदुक्खाणमंतं करिंति, अत्थेगइया दुच्चेणं भवग्गहणेणं सिज्झंति जाव सव्वदुक्खाणमंतं करिंति, अत्थेगइया तच्चेणं भवग्गहणेणं जाव अंतं करिंति, सत्तट्ठभवग्गहणाइं पुण नाइक्कमंति ॥ ६३ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं समणे भगवं महावीरे रायगिहे नगरे गुणसिलए उज्जाणे बहूणं समणाणं बहूणं समणीणं बहूणं सावयाणं बहूणं सावियाणं बहूणं देवाणं बहूणं देवीणं मज्झगए चेव एवमाइक्खइ, एवं भासइ, एवं पण्णवेइ, एवं परूवेइ, पज्जोसवणाकप्पो नामं अज्झयणं सअट्ठं सहेउयं सकारणं ससुत्तं सअट्ठं सउभयं सवागरणं भुज्जो भुज्जो उवदंसेइ ॥ ६४ ॥ **त्ति-बेमि ॥ इइ सामायारी समत्ता ॥ पज्जोसवणाकप्पो नाम दसासुयक्खंधस्स अट्ठममज्झयणं समत्तं ॥ अहवा कप्पसुत्तं समत्तं ॥ पढमं परिसिट्ठं समत्तं ॥**



णोवासियाणं संपया हुत्था ॥ २१७ ॥ उसभस्स णं···चत्तारि सहस्सा सत्त सया पण्णासा चउद्दसपुव्वीणं अजिणाणं जिणसंकासाणं जाव उक्कोसिया चउद्दसपुव्विसंपया हुत्था ॥ २१८ ॥ उसभस्स णं···नव सहस्सा ओहिनाणीणं० उक्कोसिया ओहिनाणिसंपया हुत्था ॥ २१९ ॥ उसभस्स णं···वीससहस्सा केवलनाणीणं० उक्कोसिया केवलनाणिसंपया हुत्था ॥ २२० ॥ उसभस्स णं···वीससहस्सा छच्च सया वेउव्वियाणं० उक्कोसिया वेउव्विय(समण)संपया हुत्था ॥ २२१ ॥ उसभस्स णं···बारस सहस्सा छच्च सया पण्णासा विउलमईणं अड्ढाइज्जेसु दी(वेसु दोसु य)वसमुद्देसु सन्नीणं पंचिंदियाणं पज्जत्तगाणं मणोगए भावे जाणमाणाणं (पासमाणाणं) विउलमइसंपया हुत्था ॥ २२२ ॥ उसभस्स णं···बारस सहस्सा छच्च सया पण्णासा वाईणं० उक्कोसिया वाइसंपया हुत्था ॥ २२३ ॥ उसभस्स णं···वीसं अंतेवासिसहस्सा सिद्धा, चत्तालीसं अज्जिया(स)साहस्(सा)सीओ सिद्धाओ ॥ २२४ ॥ उसभस्स ण···बावीससहस्सा नव सया अणुत्तरोववाइयाणं गइकल्लाणाणं जाव भद्दाणं उक्कोसिया अणुत्तरोववाइयसंपया हुत्था ॥ २२५ ॥ उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स दुविहा अंतगडभूमी हुत्था, तंजहा—जुगंतगडभूमी य परियायंतगडभूमी य, जाव असंखिज्जाओ पुरिसजुगाओ जुगंतगडभूमी, अंतोमुहुत्तपरियाए अंतमकासी ॥ २२६ ॥ तेणं कालेणं तेणं समएणं उसभे णं अरहा कोसलिए वीसं पुव्वसयसहस्साइं कुमारवासमज्झे वसित्ता(णं) तेवट्ठिं पुव्वसयसहस्साइं रज्जवासमज्झे वसित्ता तेसीइं पुव्वसयसहस्साइं अगारवासमज्झे वसित्ता एगं वाससहस्सं छउमत्थपरिया(यं)गं पाउणित्ता एगं पुव्वसयसहस्सं वाससहस्सूणं केवलिपरियागं पाउणित्ता पडि(सं)पुण्णं पुव्वसयसहस्सं सामण्णपरियागं पाउणित्ता चउरासीइं पुव्वसयसहस्साइं सव्वाउयं पालइत्ता खीणे वेयणिज्जाउयनामगुत्ते इमीसे ओसप्पिणीए सुसमदूसमाए समाए बहुविइक्कंताए तिहिं वासेहिं अद्धनवमेहि य मासेहिं सेसेहिं जे से हेमंताणं तच्चे मासे पंचमे पक्खे माहबहुले तस्स णं माहबहुलस्स तेरसीपक्खेणं उप्पिं अट्ठावयसेलसिहरंसि दसहिं अणगारसहस्सेहिं सद्धिं चउ(चो)द्दसमेणं भत्तेणं अपाणएणं अभीइणा नक्खत्तेणं जोगमुवागएणं पुव्वण्हकालसमयंसि संपलियंकनिसण्णे कालगए जाव सव्वदुक्खप्पहीणे ॥ २२७ ॥ उसभस्स णं अरहओ कोसलियस्स कालगयस्स जाव सव्वदुक्खप्पहीणस्स तिण्णि वासा अद्धनवमा य मासा विइक्कंता, तओ वि परं एगा सागरोवमकोडाकोडी तिवासअद्धनवमासाहियबायालीसाए वाससहस्सेहिं ऊणिया विइक्कंता, एयंमि समए समणे भगवं महावीरे परिनिव्वु(डे)ए, तओ वि परं नववाससया विइक्कंता, दसमस्स य वाससयस्स अयं असीइमे संवच्छरे काले गच्छइ ॥ २२८ ॥ १ ॥ इइ सिरिउसहजिणचरियं समत्तं ॥

अगाराइं कडियाइं उक्कं(वि)पियाइं छन्नाइं लित्ताइं गुत्ताइं घट्ठाइं मट्ठाइं संपधूमियाइं खाओदगाइं खायनिद्धमणाइं अप्पणो अट्ठाए कडाइं परिभुत्ताइं परिणामियाइं भवंति, से तेणट्ठेणं एवं वुच्चइ–समणे भगवं महावीरे वासाणं सवीसइराए मासे विइक्कंते वासावासं पज्जोसवेइ ॥ २ ॥ जहा णं समणे भगवं महावीरे वासाणं सवीसइराए मासे विइक्कंते वासावासं पज्जोसवेइ तहा णं गणहरावि वासाणं सवीसइराए मासे विइक्कंते वासावासं पज्जोसविंति ॥ ३ ॥ जहा णं गणहरा वासाणं सवीसइराए जाव पज्जोसविंति तहा णं गणहरसीसावि वासाणं जाव पज्जोसविंति ॥ ४ ॥ जहा णं गणहरसीसा वासाणं जाव पज्जोसविंति तहा णं थेरावि वा(सावासं)साणं जाव पज्जोसविंति ॥ ५ ॥ जहा णं थेरा वासाणं जाव पज्जोसविंति तहा णं जे इमे अज्जत्ताए समणा निग्गंथा विहरंति ते (एए) वि य णं वासाणं जाव पज्जोस(वें)विंति ॥ ६ ॥ जहा णं जे इमे अज्जत्ताए समणा निग्गंथा वासाणं सवीसइराए मासे विइक्कंते वासावासं पज्जोसविंति तहा णं अम्हंपि आयरिया उवज्झाया वासाणं जाव पज्जोसविंति ॥ ७ ॥ जहा णं अम्हं(पि) आयरिया उवज्झाया वासाणं जाव पज्जोसविंति तहा णं अम्हेवि वासाणं सवीसइराए मासे विइक्कंते वासावासं पज्जोसवेमो, अंतरा वि य से कप्पइ [पज्जोसवित्तए], नो से कप्पइ तं रयणिं उवाइणावित्तए ॥ ८ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा सव्वओ समंता सक्कोसं जोयणं उग्गहं ओगिण्हित्ताणं चिट्ठिउं अहालंदमवि उग्गहे ॥ ९ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा सव्वओ समंता सक्कोसं जोयणं भिक्खायरियाए गंतुं पडिनियत्तए

णाणाइयारपाढो

[1]आगमे[2] तिविहे पण्णत्ते, तं०-सुत्तागमे, अत्थागमे, तदुभयागमे, (एवं तिविहस्स आगमरूवणाणस्स विसए जे अइयारा लग्गा ते आलोएमि-) जं वाइद्धं, जाव सज्झाए ण सज्झाइयं, (भणंतेण गुणंतेण वियारंतेण णाणस्स णाणवंतस्स य आसायणा कया) तस्स मिच्छामि दुक्कडं ।

दंसणसम्मत्तपाढो

अरिहंतो मह देवो० ॥ १ ॥ परमत्थसंथवो वा, सुदिट्ठपरमत्थसेवणा वावि । वावण्णकुदंसणवज्जणा य, सम्मत्तसद्दहणा ॥ २ ॥ इय सम्मत्तस्स पंच अइयारा पेयाला जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(ते आलोएमि-)संका, कंखा, वितिगिच्छा, परपासंडपसंसा, परपासंडसंथवो, (एएसु पंचसु अइयारेसु अण्णयरो अइयारो लग्गो) तस्स मिच्छामि दुक्कडं ।

दुवालसवयाइयारसहियपाढो

(पढमं अणुव्वयं-) थूलाओ पाणाइवायाओ वेरमणं, (तसजीवे–वेइंदियतेइंदिय-चउरिंदियपंचिंदिए णाऊण आउट्टी-हणणबुद्धीए हणणहणावणपच्चक्खाणं ससंबंधि-ससरीरसविसेसपीडाकारिणो सावराहिणो वा वज्जिऊण,) जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (एयस्स पढमस्स अणुव्वयस्स थूल-पाणाइवायवेरमणस्स) पंच अइयारा पेयाला जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(ते आलोएमि[3]-) बंधे, वहे, छविच्छेए, अइभारे, भत्तपाण(वि)वुच्छेए, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ १ ॥ **(बीयं अणुव्वयं-)** थूलाओ मुसा-वायाओ वेरमणं, कण्णा(ली)लिए, गोवालिए, भोमालिए, णासावहारो(थापणमोसो), कूडसक्खिज्जे, (इच्चेवमाइस्स महंतमुसावायस्स पच्चक्खाणं,) जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (एयस्स बीयस्स अणुव्वयस्स थूलमुसावायवेरमणस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०) सहसब्भक्खाणे, रहस्सब्भक्खाणे, सदारमंतभेए[4], मोसोवएसे, कूडलेहकरणे, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ २ ॥ **(तइयं अणुव्वयं-)**

---

१ णवणउइअइयारपाढा जे पढमावस्सए काउस्सग्गे चिंतिज्जंति ते चेव एत्थ फुडरूवेण उच्चारिज्जंति । २ तस्स सव्वस्स देवसियस्स अइयारस्स दुब्भासिय-दुच्चिंतिय-दुचिट्ठियस्स आलोयंतो पडिक्कमामि । 'णमोक्कारं' 'करेमि भंते !०' 'चत्तारि मंगलं०' 'इच्छामि ठामि०' 'इच्छाकारेण०' । इओ पुव्विं पच्चंतरे । ३ एवं सव्वत्थ ०' । ४ साविगाहिं अस्स ठाणे 'सभत्तार'मंतभेए त्ति वत्तव्वं । एवं सव्वत्थ ।

पाणगाइं पडिगाहित्तए, तंजहा–आयामं[1] वा, सोवीरं वा, सुद्धवियडं वा। वासावासं पज्जोसवियस्स वि(कि)गिट्ठभत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पइ एगे उसिणवियडे पडिगाहित्तए, से वि य णं असित्थे नो (चेव) वि य णं ससित्थे। वासावासं पज्जोसवियस्स भत्तपडियाइक्खियस्स भिक्खुस्स कप्पइ एगे उसिणवियडे पडिगाहित्तए, से वि य णं असित्थे, नो चेव णं ससित्थे, से वि य णं परिपूए, नो चेव णं अपरिपूए, से वि य णं परिमिए, नो चेव णं अपरिमिए, से वि य णं वहुसंपन्ने, नो चेव णं अवहुसंपन्ने ॥ २५ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स संखादत्तियस्स भिक्खुस्स कप्पंति पंच दत्तीओ भोयणस्स पडिगाहित्तए पंच पाणगस्स, अहवा चत्तारि भोयणस्स पंच पाणगस्स, अहवा पंच भोयणस्स चत्तारि पाणगस्स, तत्थ णं एगा दत्ती लोणासायणमित्तमवि पडिगाहिया सिया कप्पइ से तद्दिवसं तेणेव भत्तट्ठेणं पज्जोसवित्तए, नो से कप्पइ दुच्चंपि गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ २६ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा जाव उवस्सयाओ सत्तघरंतरं संखडिं संनियट्टचारिस्स इत्तए, एगे (पुण) एवमाहंसु–नो कप्पइ जाव उवस्सयाओ परेण सत्तघरंतरं संखडिं संनियट्टचारिस्स इत्तए, एगे पुण एवमाहंसु–नो कप्पइ जाव उवस्सयाओ परंपरेणं संखडिं संनियट्टचारिस्स इत्तए ॥ २७ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स नो कप्पइ पाणिपडिग्गहियस्स भिक्खुस्स कणगफुसियमित्तमवि[2] वुट्ठिकायंसि निवयमाणंसि गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ २८ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स पाणिपडिग्गहियस्स भिक्खुस्स नो कप्पइ अगिहंसि पिंडवायं पडिगाहित्ता पज्जोसवित्तए, पज्जोसवेमाणस्स सहसा वुट्ठिकाए निवइज्जा देसं भुच्चा देसमादाय से पाणिणा पाणिं परिपिहित्ता उरंसि वा णं निलिज्जिज्जा, कक्खंसि वा णं समाहडिज्जा, अहाछन्नाणि वा लेणाणि वा उवागच्छिज्जा, रुक्खमूलाणि वा उवागच्छिज्जा, जहा से पाणिंसि दए वा दगरए वा दगफुसिया वा नो परियावज्जइ ॥ २९ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स पाणिपडिग्गहियस्स भिक्खुस्स जं किंचि कणगफुसियमित्तंपि निवडेइ, नो से कप्पइ गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा ॥ ३० ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स पडिग्गहधारिस्स भिक्खुस्स नो कप्पइ वग्घारियवुट्ठिकायंसि गाहावइकुलं भत्ताए वा पाणाए वा निक्खमित्तए वा पविसित्तए वा, कप्पइ से अप्पवुट्ठिकायंसि संतरुत्तरंसि[3] ० ॥ ३१ ॥ वासावासं पज्जोसवियस्स निग्गंथस्स निग्गंथीए वा गाहावइकुलं पिंड-

---

१ आयामे वा, सोवीरे वा, सुद्धवियडे वा। २ 'फुसार'। ३ वियारभूमिगमणे-ऽववाओ।

५ उव्वट्टणविहि, ६ मज्जणविहि, ७ वत्थविहि, ८ विलेवणविहि, ९ पुप्फविहि, १० आभरणविहि, ११ धूवविहि, १२ पेज्जविहि, १३ भक्खणविहि, १४ ओदणविहि, १५ सूवविहि, १६ विगयविहि, १७ सागविहि, १८ महुरविहि, १९ जेमणविहि, २० पाणियविहि, २१ मुखवासविहि, २२ वाहणविहि, २३ उवाणहविहि, २४ सयणविहि, २५ सचित्तविहि, २६ दव्वविहि, (इच्चाईणं जहापरिमाणं कयं तत्तो अइरित्तस्स उवभोगपरिभोगस्स पच्चक्खाणं,) जावज्जीवाए एगविहं तिविहेणं ण करेमि मणसा वयसा कायसा, (एस णं सत्तमे) उवभोगपरिभोगे (अहवा बीए गुणव्वए) दुविहे पण्णत्ते, तंजहा–भोय(णा)णओ य, कम्मओ य, भोयणओ समणोवासएणं पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०–(०) सचित्ताहारे, सचित्तपडिबद्धाहारे, अप्पउलिओसहिभक्खणया, दुप्पउलिओसहिभक्खणया, तुच्छोसहिभक्खणया, कम्मओ णं समणोवासएणं पण्णरसकम्मादाणाइं जाणियव्वाइं ण समायरियव्वाइं, तं०–(०) १ इंगालकम्मे, २ वणकम्मे, ३ साडीकम्मे, ४ भाडीकम्मे, ५ फोडीकम्मे, ६ दंतवाणिज्जे, ७ लक्खवाणिज्जे, ८ केसवाणिज्जे, ९ रसवाणिज्जे, १० विसवाणिज्जे, ११ जंतपीलणकम्मे, १२ णिल्लंछणकम्मे, १३ दवग्गिदावणया, १४ सरदहतलायसोसणया, १५ असईजणपोसणया, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ७ ॥ (**अट्ठमं अणट्ठादंडवेरमणवयं**–) चउव्विहे अणट्ठादंडे पण्णत्ते, तं०–अवज्झाणायरिए, पमायायरिए, हिंसप्पयाणे, पावकम्मोवएसे, (एवं अट्ठमस्स अणट्ठादंडासेवणस्स पच्चक्खाणं,) जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (एयस्स अट्ठमस्स अणट्ठादंडवेरमणवयस्स अहवा तइयस्स गुणव्वयस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०–(०) कंदप्पे, कुक्कुइए, मोहरिए, संजुत्ताहिगरणे, उवभोगपरिभोगाइरित्ते, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ८ ॥ (**णवमं सामाइयवयं**–) सावज्जं जोगं पच्चक्खामि, जाव–णियमं पज्जुवासामि, दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (एवंभूया मे सद्दहणा परूवणा सामाइयावसरे समागए सामाइयकरणे फासणाए सुद्धं, एयस्स णवमस्स सामाइयवयस्स अहवा पढमस्स सिक्खावयस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०–(०) मणदुप्पणिहाणे, व(इ)यदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे,

१ सावियाहिं समणोवासियाए णं ति वत्तव्वं । २ (जंसि अट्ठ आगारा–) आए वा, राए वा, णाए वा, परिवारे वा, देवे वा, णागे वा, जक्खे वा, भूए वा, एत्तिएहिं आगारेहिं अण्णत्थ । इच्चहियं पच्चंतरे ।

चिट्ठित्तए। एवं चेव निग्गंथीए अगारस्स य भाणियव्वं॥ ३९॥ वासावासं पज्जोसवियाणं नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा अपरिण्णएणं अपरिण्णयस्स अट्ठाए असणं वा १ पाणं वा २ खाइमं वा ३ साइमं वा ४ जाव पडिगाहित्तए ॥ ४० ॥ से किमाहु भंते !, इच्छा परो अपरिण्णए भुंजिज्जा, इच्छा परो न भुंजिज्जा ॥ ४१ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं नो कप्पइ निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा उदउल्लेण वा ससिणिद्धेण वा काएणं असणं वा १ पाणं वा २ खाइमं वा ३ साइमं वा ४ आहारित्तए ॥ ४२ ॥ से किमाहु भंते !, सत्त सिणेहाययणा पण्णत्ता, तंजहा– पाणी १ पाणिलेहा २ नहा ३ नहसिहा ४ भमुहा ५ अहरोट्ठा ६ उत्तरोट्ठा ७। अह पुण एवं जाणिज्जा-विगओदगे मे काए छिन्नसिणेहे, एवं से कप्पइ असणं वा १ पाणं वा २ खाइमं वा ३ साइमं वा ४ आहारित्तए ॥ ४३ ॥ वासावासं पज्जोसवियाणं इह खलु निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा इमाइं अट्ठ सुहुमाइं जाइं छउमत्थेणं निग्गंथेण वा निग्गंथीए वा अभिक्खणं अभिक्खणं जाणियव्वाइं पासियव्वाइं पडिलेहियव्वाइं भवंति, तंजहा–पाणसुहमं १ पणगसुहुमं २ बीयसुहुमं ३ हरियसुहुमं ४ पुप्फसुहुमं ५ अंडसुहुमं ६ लेणसुहुमं ७ सिणेहसुहुमं ८ ॥ ४४ ॥ से किं तं पाणसुहुमे? पाणसुहुमे पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–किण्हे १, नीले २, लोहिए ३, हालिद्दे ४, सुक्किले ५। अत्थि कुंथु अणुद्धरी ना(म समुप्पन्ना)मं, जा ठिया अचलमाणा छउमत्थाणं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा नो चक्खुफासं हव्वमागच्छइ, जा अठिया चलमाणा छउमत्थाणं निग्गंथाण वा निग्गंथीण वा चक्खुफासं हव्वमागच्छइ, जा छउमत्थेणं निग्गंथेण वा निग्गंथीए वा अभिक्खणं अभिक्खणं जाणियव्वा पासियव्वा पडिलेहियव्वा हवइ। से तं पाणसुहुमे १ ॥ से किं तं पणगसुहुमे? पणगसुहुमे पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–किण्हे, नीले, लोहिए, हालिद्दे, सुक्किले। अत्थि पणगसुहुमे तद्दव्वसमाणवण्णे नामं पण्णत्ते, जे छउमत्थेणं निग्गंथेण वा निग्गंथीए वा जाव पडिलेहियव्वे भवइ। से तं पणगसुहुमे २ ॥ से किं तं बीयसुहुमे? बीयसुहुमे पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–किण्हे जाव सुक्किले। अत्थि बीयसुहुमे कणियासमाणवण्णए नामं पण्णत्ते, जे छउमत्थेणं निग्गंथेण वा निग्गंथीए वा जाव पडिलेहियव्वे भवइ। से तं बीयसुहुमे ३ ॥ से किं तं हरियसुहुमे? हरियसुहुमे पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा–किण्हे जाव सुक्किले। अत्थि हरियसुहुमे पुढवीसमाणवण्णए नामं पण्णत्ते, जे निग्गंथेण वा निग्गंथीए वा अभिक्खणं अभिक्खणं जाणियव्वे पासियव्वे पडिलेहियव्वे भवइ। से तं हरियसुहुमे ४ ॥ से किं तं पुप्फसुहुमे? पुप्फसुहुमे पंचविहे पण्णत्ते, तंजहा– किण्हे जाव सुक्किले। अत्थि पुप्फसुहुमे रुक्खसमाणवण्णे नामं पण्णत्ते, जे छउमत्थेणं

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमितिके 'सेवक'

लाला दिवानचंद अमीचंद गदिया
मु० जम्मू-तवी

परिचय—

आपने प्रूफके लाने लेजानेकी यथा समय अनन्य सेवा की है। प्रेसमें आते जाते समय सर्दी, गर्मी और वर्सातकी बाधाओंकी पर्वाह न करते हुए सेवामें तत्पर रहकर वफादारीका पूरा २ परिचय दिया है। शरीर और समयका भोग देनेवाले विरल मनुष्य होते हैं। आपकी यही भावना है कि ज्ञातपुत्र महावीर भगवान्के शासनकी इस ७५ वर्षकी आयुमें भी खूब सेवा करता रहूं।

श्रीसूत्रागमप्रकाशकसमितिके 'सेवक'

लाला दिवानचंद अमीचंद गदिया
मु० जम्मू-तवी

परिचय—

आपने प्रूफके लाने लेजानेकी यथा समय अनन्य सेवा की है। प्रेसमें आते जाते समय सर्दी, गर्मी और वर्सातकी बाधाओंकी पर्वाह न करते हुए सेवामें तत्पर रहकर वफादारीका पूरा २ परिचय दिया है। शरीर और समयका भोग देनेवाले विरल मनुष्य होते हैं। आपकी यही भावना है कि ज्ञातपुत्र महावीर भगवानके शासनकी इस ७५ वर्षकी आयुमें भी खूब सेवा करता रहूं।

णमोऽत्थु णं समणस्स भगवओ णायपुत्तमहावीरस्स

बीयं परिसिट्ठं

सावयावस्सए सामाइयसुत्तं



पढमं 'णमो अरिहंताणं०' तओ 'तिक्खुत्तो०' तओ–अरिहंतो मह देवो, जावज्जीवं सुसाहुणो गुरुणो। जिणपण्णत्तं तत्तं, इय सम्मत्तं मए गहियं ॥ १ ॥ तओ–पंचिंदियसंवरणो, तह णवविहबंभचेरगुत्तिधरो। चउविहकसायमुक्को, अट्ठारसगुणेहिं संजुत्तो ॥ १ ॥ पंचमहव्वयजुत्तो, पंचविहायारपालणसमत्थो। पंचसमिईतिगुत्तो, छत्तीसगुणो गुरू मज्झ ॥ २ ॥ तओ 'इच्छाकारेण०' पच्छा 'तस्स उत्तरीकरणेणं०' तओ 'लोगस्स उज्जोयगरे०' तओ 'करेमि भंते! सामाइयं, सावज्जं जोगं पच्चक्खामि, जाव–णियमं पज्जुवासामि, दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, तस्स भंते! पडिक्कमामि णिंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि'। तओ पच्छा 'णमोऽत्थु णं०'। तओ सामाइयपारणपाढो जहा–'एयस्स णवमस्स सामाइयवयस्स पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तंजहा–(ते आलोएमि–) मणदुप्पणिहाणे, वयदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, सामाइयस्स सइ अकरणया, सामाइयस्स अणवट्ठियस्स करणया, तस्स मिच्छामि दुक्कडं। सामाइयं सम्मं काएण ण फासियं, ण पालियं, ण तीरियं, ण किट्टियं, ण सोहियं, ण आराहियं, आणाए अणुपालियं ण भवइ तस्स मिच्छामि दुक्कडं'। [सामाइए मणसो दस दोसा, वयणस्स दस दोसा, कायस्स दुवालस दोसा, एएसु अण्णयरो दोसो लग्गो तस्स मिच्छामि दुक्कडं। सामाइए इत्थीकहा[1], भत्तकहा, देसकहा, रायकहा, एयासु चउसु विकहासु अण्णयरा विकहा कया तस्स मिच्छामि दुक्कडं। सामाइए आहारसण्णा, भयसण्णा, मेहुणसण्णा, परिग्गहसण्णा, एयासु चउसु सण्णासु अण्णयरा सण्णा सेविया तस्स मिच्छामि दुक्कडं। सामाइए अइक्कमे वइक्कमे अइयारे अणायारे जाणंतेण वा अजाणंतेण वा मणसा वयसा कायसा दुप्पउत्ती कया तस्स मिच्छामि दुक्कडं। सामाइए विहिगहिए विहिपालिए को वि अविही कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं। सामाइए मत्ताऽणुस्सारपयक्खरगाहासुत्ताइयं हीणं वा अहियं वा विवरीयं वा कहियं अणंतसिद्धकेवलिभगवंताणं सक्खीए तस्स मिच्छामि दुक्कडं। **सामाइ-**

---

१ साविगाओ 'इत्थीकहा' ठाणे 'पुरिसकहा' ति बोल्लंति।

थूलाओ अदिण्णादाणाओ वेरमणं, (खत्तखणणं, गंठिभेयणं, तालुग्घाडणं, पडियवत्थुहरणं,ससामियवत्थुहरणं, इच्चेवमाइस्स अदिण्णादाणस्स पच्चक्खाणं अप्पाण य संबंधि-वावारसंबंधितुच्छवत्थुं विप्पजहिऊण,) जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (एयस्स तइयस्स अणुव्वयस्स थूलअदिण्णादाणवेरमणस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०) तेणाहडे, तक्करप्पओगे, विरुद्धरज्जाइक्कमे, कूडतुल्लकूडमाणे, तप्पडिरूवगववहारे, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ३ ॥ **(चउत्थं अणुव्वयं-)** थूलाओ मेहुणाओ वेरमणं, सदारसंतोसिए, अवसेसमेहुणविहिं पच्चक्खामि, जावज्जीवाए (दिव्वं) दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (माणुस्सं तिरिक्खजोणियं) एगविहं एगविहेणं ण करेमि कायसा, (एयस्स चउत्थस्स अणुव्वयस्स थूलमेहुणवेरमणस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०) इत्तरियपरिग्गहियागमणे, अपरिग्गहियागमणे, अणंगकीडा, परविवाहकरणे, कामभोगतिव्वाभिलासे, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ४ ॥ **(पंचमं अणुव्वयं-)** थूलाओ परिग्गहाओ वेरमणं, (खेत्तवत्थूणं जहापरिमाणं, हिरण्णसुवण्णाणं जहापरिमाणं, धणधण्णाणं जहापरिमाणं, दुपयचउप्पयाणं जहापरिमाणं, कुप्पस्स जहापरिमाणं, एवं मए जहापरिमाणं कयं तओ अइरित्तस्स परिग्गहस्स पच्चक्खाणं,) जावज्जीवाए एगविहं तिविहेणं ण करेमि मणसा वयसा कायसा, (एयस्स पंचमस्स अणुव्वयस्स थूलपरिग्गहवेरमणस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०) खेत्तवत्थुप्पमाणाइक्कमे, हिरण्णसुवण्णप्पमाणाइक्कमे, धणधण्णप्पमाणाइक्कमे, दुपयचउप्पयप्पमाणाइक्कमे, कुवियप्पमाणाइक्कमे, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ५ ॥ **(छट्ठं दिसिवयं-**उड्ढदिसाए जहापरिमाणं, अहोदिसाए जहापरिमाणं, तिरियदिसाए जहापरिमाणं, एवं जहापरिमाणं कयं तत्तो अइरित्तं सेच्छाए काथाए गंतूणं पंचासवासेवणपच्चक्खाणं,) जावज्जीवाए दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (एयस्स छट्ठस्स दिसिवयस्स अहवा पढमस्स गुणव्वयस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०) उड्ढदिसिप्पमाणाइक्कमे, अहोदिसिप्पमाणाइक्कमे, तिरियदिसिप्पमाणाइक्कमे, खित्तवुड्ढी, सइअंतरद्धा, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ६ ॥ **(सत्तमं उवभोगपरिभोगपरिमाणव्वयं-)** उवभोगपरिभोगविहिं पच्चक्खायमाणे(ण) १ उल्लणियाविहि, २ दंतवणविहि, ३ फलविहि, ४ अब्भंगणविहि,

---

१ एगविहंपि पच्चंतरे ।

सामाइयस्स सइ अकरणया, सामाइयस्स अणवट्टियस्स करणया, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ ९ ॥ (**दसमं देसावगासियवयं**-दिणमज्झे गोसा आरब्भ पुव्वाईसु छसु दिसासु जावइयं परिमाणं कयं तत्तो अइरित्तं सेच्छाए सकाएणं गंतूणं पंचासवासेवणस्स पच्चक्खाणं,) जाव अहोरत्तं दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (अह य छसु दिसासु जावइयं परिमाणं कयं तम्मज्झेवि जावइया दव्वाईणं मजाया तओ अइरित्तस्स भोगोवभोगस्स पच्चक्खाणं,) जाव अहोरत्तं एगविहं तिविहेणं ण करेमि मणसा वयसा कायसा, (एयस्स दसमस्स देसावगासियवयस्स अहवा बिइयस्स सिक्खावयस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०) आणवणप्पओगे, पेसवणप्पओगे, सद्दाणुवाए, रूवाणुवाए, वहियापुग्गलपक्खेवे, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ १० ॥ (**एक्कारसमं पडिपुण्णपोसहवयं**-असणपाणखाइमसाइमपच्चक्खाणं, अवंभपच्चक्खाणं, अमुगमणिसुवण्णपच्चक्खाणं, मालावण्णगविलेवणपच्चक्खाणं, सत्थमुसलाइयसावज्जजोगसेवणपच्चक्खाणं,) जाव अहोरत्तं पज्जुवासामि, दुविहं तिविहेणं ण करेमि ण कारवेमि मणसा वयसा कायसा, (एवं मे सद्दहणा परूवणा पोसहावसरे समागए पोसहकरणे फासणाए सुद्धं, एयस्स एक्कारसमस्स पडिपुण्णपोसहवयस्स अहवा तइयस्स सिक्खावयस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०) अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियसेज्जासंथारए, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियसेज्जासंथारए, अप्पडिलेहियदुप्पडिलेहियउच्चारपासवणभूमी, अप्पमज्जियदुप्पमज्जियउच्चारपासवणभूमी, पोसहस्स सम्मं अणणुपालणया, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥११॥ (**वारसमं अतिहिसंविभागवयं**-) समणे णिग्गंथे फासुयएसणिज्जेणं-असणपाणखाइमसाइमवत्थपडिग्गहकंवलपायपुंछणेणं पाडिहारियपीढफलगसेज्जासंथारएणं ओसहभेसज्जेणं पडिलाभेमाणे विहरामि, (एवं मे सद्दहणा परूवणा साहुसाहुणीणं जोगे पत्ते फासणाए सुद्धं, एयस्स वारसमस्स अतिहिसंविभागवयस्स अहवा चउत्थस्स सिक्खावयस्स) पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा, तं०-(०)सचित्तणिक्खेवणया, सचित्तपिहणया, कालाइक्कमे, परववएसे, मच्छरिया(ए)य, जो मे देवसिओ अइयारो कओ तस्स मिच्छामि दुक्कडं ॥ १२ ॥

अपच्छिममारणंतियसंलेहणापाढो

अह भंते! अपच्छिममारणंतियसंलेहणाझूसणाआराहणा(समए पोसहसालं पडिलेहित्ता पमज्जित्ता उच्चारपासवणभूमिं पडिलेहित्ता गमणागमणं पडिक्कमित्त भाइ-